विश्व क्लासिक्स पुस्तकालय

[illegible]

[illegible]

इलियड

और ओडिसी

TABLE OF CONTENTS

□□□□□□□ □□□
□□□□□□□□□□□
□□□□□□
□□□□□□
□□□□□□□□□□□
□□□□□ □□ □□□□□□
□□□□□□□ 1
□□□□□□□ 2
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□□□□□ 11
□□□□□□□ 12
□□□□□□□ 13
□□□□□□□ 14
□□□□□□□ 15
□□□□□□□ 16
□□□□□□□ 17
□□□□□□□ 18
□□□□□□□ 19
□□□□□□□ 20
□□□□□□□ 21
□□□□□□□ 22
□□□□□□□ 23

□□□□□□□ 24
□□□□□□
□□□□□□□□ □□ □□□
□□□□□□□ 1
□□□□□□□ 2
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□□□□□ 11
□□□□□□□ 12
□□□□□□□ 13
□□□□□□□ 14
□□□□□□□ 15
□□□□□□□ 16
□□□□□□□ 17
□□□□□□□ 18
□□□□□□□ 19
□□□□□□□ 20
□□□□□□□ 21
□□□□□□□ 22
□□□□□□□ 23
□□□□□□□ 24
□□□□□□□□□

HOMER

The Iliad and The Odyssey

□□□□□□□□□□

□□□□□
□□□□□
□□□□□□□□□□
□□□□ □□ □□□□□
□□□□□□ 1
□□□□□□ 2
□□□□□□ 3
□□□□□□ 4
□□□□□□ 5
□□□□□□ 6
□□□□□□ 7
□□□□□□ 8
□□□□□□ 9
□□□□□□ 10
□□□□□□ 11
□□□□□□ 12
□□□□□□ 13
□□□□□□ 14
□□□□□□ 15
□□□□□□ 16
□□□□□□ 17
□□□□□□ 18
□□□□□□ 19
□□□□□□ 20
□□□□□□ 21

□□□□□□□ 22
□□□□□□□ 23
□□□□□□□ 24
□□□□□□
□□□□□□□□ □□ □□□
□□□□□□□ 1
□□□□□□□ 2
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□□□□□ 11
□□□□□□□ 12
□□□□□□□ 13
□□□□□□□ 14
□□□□□□□ 15
□□□□□□□ 16
□□□□□□□ 17
□□□□□□□ 18
□□□□□□□ 19
□□□□□□□ 20
□□□□□□□ 21
□□□□□□□ 22
□□□□□□□ 23
□□□□□□□ 24

परिचय

होमर के शुरुआती जीवनीकारों ने उनके जन्म का समय ट्रॉय के विनाश के आसपास बताया, जिसे परंपरागत रूप से ईसा पूर्व 12 वीं या 11 वीं शताब्दी के आसपास माना जाता है। प्राचीन यूनानियों के लिए वे इलियड और ओडिसी के महान कवि थे
– ये महाकाव्य यूनानी संस्कृति की नींव रखने वाले थे। ईसा पूर्व तीसरी या दूसरी शताब्दी तक होमर के अस्तित्व पर सवाल उठने लगे थे। सच्चाई का पता लगाने के लिए, उनके जन्म की तिथि और स्थान का पता लगाने के प्रयास किए गए। कई शहर ऐसे महान कवि के घर बनने की होड़ में थे, जिनमें स्मिरना, रोड्स, एथेंस और आर्गोस शामिल थे। क्या उनके जन्मस्थान का पता लगाने में कठिनाई इसलिए थी क्योंकि वे एक वास्तविक व्यक्ति नहीं थे या उनकी प्रसिद्धि ने खुद ही कई मिथकों को जन्म दिया था? क्या वे एक नदी और एक अप्सरा के पुत्र थे? और क्या उन्होंने एक घुमक्कड़ कवि के रूप में अपने कई अनुभवों को ओडिसी की महाकाव्य यात्रा के लिए प्रेरणा के रूप में इस्तेमाल किया था? ऐसे किसी व्यक्ति के अस्तित्व के बहुत कम प्रमाण मिलने के कारण, अब यह माना जाता है कि उनसे जुड़ी रचनाएँ संभवतः मौखिक परंपरा में कार्यरत कई कवियों की रचनाएँ थीं, हालाँकि संभवतः इन्हें सर्वप्रथम होमर नामक व्यक्ति ने लिखा था। रचनाकार चाहे जो भी हो, ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के आसपास रचित ये दो रचनाएँ पश्चिमी साहित्य की आधारशिला हैं। मूल रूप से महाकाव्य के रूप में लिखी गई इन रचनाओं का अनुवाद गद्य में किया गया है, जिससे ये अधिक सुलभ हो जाती हैं।
होमर की रचना 'द इलियड' (हालांकि इसकी कहानी ट्रोजन युद्ध के अंतिम वर्षों में कुछ ही हफ्तों के अंतराल में घटित होती है) लंबे घेराबंदी और संघर्ष के कारणों और घटनाओं के बारे में बहुत कुछ बताती है, और यह भी दर्शाती है कि देवता मनुष्यों के मामलों से दूर रहने के अपने प्रयास में असफल रहे। होमर की रचना की तरह ही, ट्रोजन युद्ध भी विवाद का विषय रहा है। प्राचीन यूनानियों का मानना था कि यह एक वास्तविक ऐतिहासिक घटना थी जिसे काव्यात्मक प्रभाव के लिए बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया था। 1870 तक,

युद्ध और स्वयं ट्रॉय के अस्तित्व को पूरी तरह से काल्पनिक माना जाता था, हालांकि उसी दशक के अंत में हेनरिक श्लीमैन और उनकी पत्नी सोफिया ने ट्रॉय के अवशेषों की खुदाई की थी। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि युद्ध संभवतः वास्तविकता पर आधारित है, लेकिन हम इसके वास्तविक विवरण कभी नहीं जान पाएंगे।
इलियड के इस संस्करण का अनुवाद 1898 में प्रसिद्ध उत्तर-विक्टोरियन लेखक सैमुअल बटलर ने किया था, जिन्होंने एच. जी. वेल्स, एल्डस हक्सले और ई. एम. फोर्स्टर जैसे कई लेखकों की रचनाओं को प्रभावित किया। वे मुख्य रूप से 1872 में लिखे गए अपने व्यंग्यात्मक यूटोपियन उपन्यास 'एरेव्हॉन' के लिए प्रसिद्ध हैं।
इन दोनों रचनाओं में से अधिक लोकप्रिय, ओडिसी, इथाका के राजा वीर
ओडीसियस की कहानी कहती है, जो ट्रॉय के पतन के बाद घर की यात्रा पर निकलते हैं। ओडीसियस की यात्रा में कई तरह की बाधाएं आती हैं, जिनमें दैवीय और प्राकृतिक दोनों तरह की बाधाएं शामिल हैं, और पौराणिक कथाओं के देवताओं और राक्षसों से भरी उनकी वीरता और रोमांच की कहानियां पाठकों को बेहद आकर्षित करती हैं।
इस संस्करण का अनुवाद टी.ई. लॉरेंस - जिन्हें लॉरेंस ऑफ अरबिया के नाम
से जाना जाता है - ने 1932 में किया था। उनकी प्रमुख कृति सेवन पिलर्स ऑफ विजडम (1926) में अरब विद्रोह (1916-1918) के दौरान विद्रोही ताकतों के साथ संपर्क अधिकारी के रूप में उनके अनुभवों की कहानी बताई गई है और इसी कृति के कारण उन्हें यह प्रसिद्ध उपनाम मिला।
प्राचीन यूनानियों द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले होमर के ग्रंथ मध्य युग में अप्रचलित हो गए। हालांकि, इनके कई अनुवाद, रूपांतरण और व्युत्पन्न रचनाएँ लोकप्रिय रहीं और विलियम शेक्सपियर के ट्रॉयलस एंड क्रेसिडा जैसे कार्यों को प्रेरित करती रहीं। पुनर्जागरण काल में इनका पुनरुत्थान हुआ और इन्हें पश्चिमी साहित्य के प्रमुख ग्रंथों के रूप में मान्यता मिली। तब से इन्हें जेम्स जॉयस के आधुनिक उपन्यास यूलिसिस, कोएन ब्रदर्स की क्राइम-कॉमेडी फिल्म ओ ब्रदर, वेयर आर्ट दाऊ? से लेकर 2018 में पैट बार्कर की नारीवादी रचना द साइलेंस ऑफ द गर्ल्स और मैडलीन मिलर की सर्सी तक विभिन्न रूपों में रूपांतरित किया गया है। ये प्रभावशाली ग्रंथ

आज भी विश्व भर में पढ़े, सराहे और अनुवादित किए जा रहे हैं, और इन्हें कालातीत क्लासिक्स माना जाता है।

प्रस्तावना

हमारे एक प्रमुख सार्वजनिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कुछ समय पहले मुझसे कहा कि उनसे पूछा गया था कि अंग्रेजी से लैटिन में अनुवाद करते समय किन नियमों का पालन करना सबसे आवश्यक है। उनका उत्तर था कि पहली बात तो यह है कि लैटिन भाषा मुहावरेदार होनी चाहिए, दूसरी बात यह है कि उसमें प्रवाह होना चाहिए, और तीसरी बात यह है कि अनुवाद की जा रही अंग्रेजी भाषा के जितना संभव हो उतना निकट रहना चाहिए।
मैंने कहा, 'तो आपका मानना है कि यदि लैटिन या अंग्रेजी में से किसी एक
को अनिवार्य रूप से पीछे हटना पड़े, तो लैटिन की बजाय अंग्रेजी को पीछे हटना चाहिए?'
उन्होंने उत्तर दिया कि यह उनकी राय है; और निःसंदेह ऊपर दिए गए सभी
ठोस नियम अनुवाद के सभी पहलुओं पर लागू होते हैं। जिस भाषा में अनुवाद किया जा रहा है, उसकी मूल प्रकृति पर सर्वप्रथम विचार किया जाना चाहिए; यदि मूल पाठ पठनीय था, तो अनुवाद भी पठनीय होना चाहिए, अन्यथा चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न हो, वह अनुवाद नहीं है।
इसलिए, अनुवाद को अनुवादक के अपने समय की प्रचलित भाषा शैली से बहुत कम विचलित होना चाहिए, क्योंकि कोई भी ऐसी रचना लंबे समय तक पठनीय नहीं होती जो उस युग की भाषा शैली के अलावा किसी अन्य भाषा शैली का उपयोग करती हो। हम एलिज़ाबेथ काल के अनुवादों के आकर्षण से परिचित हैं, लेकिन जो व्यक्ति उनसे प्रतिस्पर्धा करने वाला अनुवाद करने का प्रयास करता है, उसे उन सभी एलिज़ाबेथ काल की शैलियों से बचना चाहिए जो विक्टोरियन काल की शैली के अनुरूप न हों।
एलिज़ाबेथ युग के लेखकों का आकर्षण उनकी शैली में नहीं है; ये शैली तो समय के साथ विक्टोरियन साहित्य पर उगने वाली काई और फफूंद की तरह हैं, ठीक वैसे ही जैसे एलिज़ाबेथ युग के साहित्य पर उगी हैं – कम से कम उन रचनाओं पर जो बनावटी नहीं हैं। शेक्सपियर कहते हैं कि पुरानी चीज़ों पर समय की मुहर लगाना समय की महिमा है। बेशक; लेकिन वह इसे अपने हाथों के अलावा किसी और से

नहीं लगवाएगा; वह कृत्रिम खंडहर को सड़ने देगा, लेकिन उसका महिमामंडन नहीं करेगा; यदि उसे किसी रचना को पवित्र करना है, तो उसे स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए जब वह उसे अपने हाथ में लेने का साहस करे – मेरा अर्थ है ईमानदारी से, अपने युग और देश के तरीके से। एलिज़ाबेथ युग के लेखक शायद इस बात को इतनी अच्छी तरह जानते थे कि उन्हें पता ही नहीं था, लेकिन चाहे वे जानते हों या न जानते हों, उन्होंने चौसर शैली से भरी किसी रचना का अनुवाद करने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने निडरता से और बनावटीपन के बिना, एक मृत लेखक को उसकी पीढ़ी से अलग किसी पीढ़ी के लिए जीवंत करने का लक्ष्य रखा। ऐसा करने के लिए उन्होंने अपना रक्त उसकी ठंडी नसों में चढ़ाया और अपने जीवन से उसे जीवनदान दिया।
तो क्या जीवन उनका है, उनका नहीं? कुछ हद तक यह सच है; लेकिन अगर
उन्होंने उससे सच्चा प्रेम किया है, तो उसका जीवन उनमें समा जाएगा और उन्हें अपने वश में कर लेगा। उन्होंने उसे अपना जीवन दे दिया होगा, और उसने उन्हें उन्हीं के कर्मों का फल दिया होगा। लेकिन अगर अनाज रौंदने वाले बैल का मुंह बंद नहीं किया जा सकता, और अगर एक मृत लेखक और उसके अनुवादक के बीच कुछ लेन-देन होना तय है, तो यह स्वाभाविक है कि अनुवादक को अधिक स्वतंत्रता मिलनी चाहिए जब वह जिस कृति का अनुवाद कर रहा है वह उसके अपने युग और देश से बहुत दूर हो। क्योंकि कविता की समृद्धि एक मजाक की तरह होती है - यह सुनने वाले के कान में होती है। एक बात कहने के लिए दो लोगों की आवश्यकता होती है - एक कहने वाला और एक सुनने वाला - और इसी तर्क के आधार पर कविता के मूल श्रोता और परिवेश स्वयं कविता के अभिन्न अंग हैं। कविता और श्रोता अहंकार और अनाहंकार के समान हैं; वे एक दूसरे में विलीन हो जाते हैं। यदि इन दोनों में से किसी एक में भी परिवर्तन करना है, तो दूसरे में भी उसी के अनुरूप परिवर्तन आवश्यक होगा, जो शाब्दिक के बजाय आध्यात्मिक होगा, यदि उनके बीच मूल सामंजस्य को संरक्षित रखना है।
सौभाग्य से, इलियड और ओडिसी दोनों के मामले में हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि श्रोताओं में उतना अंतर नहीं था जितना कि लगभग तीन हजार वर्षों के अंतराल के बाद हम उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन अंतर तो है ही, विशेष रूप से इलियड के मामले में, और यह अंतर अनुवादक के लिए उस स्वतंत्रता से कहीं अधिक स्वतंत्रता की आवश्यकता पैदा करता है जो इस अंतर के न होने पर संभव नहीं होती।

किसी पद्य रचना को गद्य में प्रस्तुत करने की प्रारंभिक स्वतंत्रता
में एक अलग प्रकार की स्वतंत्रता निहित है। गद्य और पद्य में उतना ही अंतर है जितना गायन और बोलना, या नृत्य और चलना, और जो एक में सही है वह अक्सर दूसरे में गलत होता है। उदाहरण के लिए, गद्य में विशेषणों और उपाधियों की वह पुनरावृत्ति नहीं होती, जो कभी-कभी मात्र छंद की आवश्यकताओं के कारण होती है, और कभी-कभी अनावश्यक होती है, जो इलियड में प्रचुर मात्रा में पाई जाती है, लेकिन उसे किसी भी प्रकार से विकृत नहीं करती। वास्तव में, हम पुनरावृत्ति की प्रतीक्षा करते हैं और उसका आनंद लेते हैं। हमें यह सुनकर कभी थकान नहीं होती कि जूनो श्वेत भुजाओं वाली है, मिनर्वा धूसर आँखों वाली है, और एगामेम्नन मनुष्यों का राजा है; लेकिन यदि होमर ने गद्य में लिखा होता तो वह हमें ये बातें इतनी बार नहीं बताता। इसलिए, यद्यपि मैंने सामान्य रूप के विशेषणों और उपाधियों को बार-बार उपयोग करने की अनुमति दी है, फिर भी मैंने उन्हें अक्सर हटा दिया है।
कहीं पाठक यह न समझ बैठे कि मैंने इलियड के मूल पाठ से बहुत अधिक विचलन किया है, इसलिए मैं अब तक किए गए सर्वश्रेष्ठ गद्य अनुवाद की लगभग पचास पंक्तियाँ दे रहा हूँ – मेरा तात्पर्य श्रीमान लीफ, लैंग और मायर्स के अनुवाद से है, जिनके प्रति मैं अपने पूरे कार्य में अत्यंत ऋणी रहा हूँ। उन्होंने अक्सर मुझे त्रुटियों से बचाया है, और शायद ही कभी मुझे किसी अंश के अर्थ के संबंध में उनसे असहमत होने का अवसर मिला हो। मेरा मानना है कि मैंने उनके संदर्भ के बिना एक भी अनुच्छेद का अनुवाद नहीं किया है, लेकिन फिर भी, उनके शुरुआती अनुच्छेदों की तुलना मेरे अपने अनुवाद से करने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि होमर के अनुवाद के तरीके के संबंध में मैं उनसे किस प्रकार भिन्न हूँ।
उनका अनुवाद (यहाँ, डॉ. लीफ द्वारा) इस प्रकार शुरू होता है:—
हे देवी, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के क्रोध का वर्णन करो, उस
विनाशकारी क्रोध का जिसने अचेयनों पर अनगिनत विपत्तियाँ लाईं, और
अनेक वीर आत्माओं को पाताल लोक में धकेल दिया, और उनके शरीरों को कुत्तों और सभी पक्षी-पक्षियों का शिकार बना दिया; और इस प्रकार ज़्यूस की योजना उस दिन से पूरी हुई जब संघर्ष ने पहली बार मनुष्यों के राजा एट्रीडेस और महान अकिलीज़ को अलग किया।

तो फिर देवताओं में से किसने उन दोनों के बीच कलह और मतभेद पैदा किया? लेटो और ज़्यूस के पुत्र ने; क्योंकि राजा पर क्रोधित होकर उसने सेना पर भयंकर महामारी भेज दी, जिससे लोग मरने लगे, क्योंकि एट्रीडेस ने पुजारी क्राइसिस का अपमान किया था। वह अपनी पुत्री को छुड़ाने के लिए अचेयनों के बेड़े में आया था और एक बहुत बड़ी फिरौती लाया था; और अपने हाथों में सोने के डंडे पर अपोलो, दूर-तीर चलाने वाले का पट्टा लिए हुए था; और उसने सभी अचेयनों से, और विशेष रूप से एट्रीयस के दो पुत्रों, सेना के संचालकों से प्रार्थना की: 'हे एट्रीयस के पुत्रों और हे सभी कवचधारी अचेयनों, अब ओलंपस के महलों में रहने वाले देवता तुम्हें प्रियम के शहर को नष्ट करने और सुखपूर्वक घर लौटने की कृपा करें; बस मेरी प्यारी बच्ची को मुक्त कर दो और ज़्यूस के पुत्र, दूर-तीर चलाने वाले अपोलो के प्रति श्रद्धापूर्वक फिरौती स्वीकार करो।'
तब सभी अन्य अचाईवासियों ने पुजारी का आदर करने और उसकी अच्छी- खासी फिरौती स्वीकार करने के लिए सहमति व्यक्त की; फिर भी यह बात अत्रेस के पुत्र अगमेम्नन को प्रसन्न नहीं हुई, बल्कि उसने उसे कठोर शब्दों में विदा किया और उसे सख्त चेतावनी देते हुए कहा, “हे बूढ़े, चाहे तुम अभी ठहरे हो या बाद में लौटकर आओगे, मुझे खोखले जहाजों के बीच न मिलना, कहीं ऐसा न हो कि देवता का दंड और पट्टा तुम्हारे किसी काम न आए। और मैं उसे मुक्त नहीं करूंगा; बल्कि इससे पहले ही वह हमारे घर, आर्गोस में, अपने जन्मस्थान से दूर, जहाँ वह करघे पर काम करेगी और मेरी सेवा करेगी, बुढ़ापे में आ जाएगी। परन्तु चले जाओ, मुझे क्रोधित मत करो, ताकि तुम शांति से जा सको।” उसने ऐसा कहा, और बूढ़ा व्यक्ति डर गया और उसकी बात मानकर
चुपचाप शोर मचाते समुद्र के किनारे-किनारे चलने लगा। फिर वह बूढ़ा व्यक्ति एकांत में जाकर राजा अपोलो से, जिसे सुंदर बालों वाली लेटो ने जन्म दिया था, ज़ोर से प्रार्थना करने लगा, “हे चांदी के धनुष के देवता, जो क्राइसे और पवित्र किला पर विराजमान हैं और टेनेडोस पर शक्ति से शासन करते हैं, हे स्मिन्थियस! यदि मैंने कभी आपकी दृष्टि में कोई सुंदर मंदिर बनाया हो, या यदि मैंने कभी आपके लिए बैलों या बकरियों की जांघों का चर्बीदार मांस जलाया हो, तो मेरी यह इच्छा

पूरी कर दीजिए; दानानों को अपने तीरों से मेरे आँसुओं का बदला चुकाने दीजिए।”
उसने प्रार्थना में ऐसा कहा, और अपोलो फ़ीबस ने उसकी बात सुनी, और क्रोधित हृदय से ओलंपस की चोटियों से नीचे आया, अपने कंधों पर धनुष और ढका हुआ तरकश लिए हुए। जैसे ही देवता चला, क्रोध में उसके कंधों पर तीर खनकने लगे; और वह रात के अंधेरे में उतर आया। फिर वह जहाजों से दूर एकांत में बैठ गया, और एक तीर चलाया; और चांदी के
धनुष की भयानक खनक सुनाई दी। पहले उसने खच्चरों और तेज़ दौड़ने
वाले कुत्तों पर हमला किया, लेकिन बाद में, अपने तीखे तीर से
मनुष्यों पर निशाना साधकर वार किया; और मृतकों की चिताएँ लगातार
जलती रहीं।
मैंने उपरोक्त अंश को कम संकोच के साथ प्रस्तुत किया है, क्योंकि मेरे मन में यह विचार हमेशा बना रहता है कि कई पाठक - यहाँ तक कि कम पढ़े-लिखे पाठक भी - मेरे अनुवाद की तुलना में डॉ. लीफ के अनुवाद को अधिक पसंद करेंगे। अपने पूरे कार्य में मैंने उसी प्रकार की स्वतंत्रताएँ ली हैं जिन्हें पाठक डॉ. लीफ के अनुवाद की तुलना मेरे अनुवाद से करने पर आसानी से पहचान लेंगे। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैंने कहीं भी इससे अधिक स्वतंत्रताएँ ली हैं। क्राइसिस की प्रार्थना में हमारे बीच का अंतर, जहाँ डॉ. लीफ अनुवाद करते हैं 'यदि मैंने कभी मंदिर बनाया हो,' इत्यादि, जबकि मैं अनुवाद करता हूँ 'यदि मैंने कभी आपके मंदिर को मालाओं से सजाया हो,' इत्यादि, यहाँ कोई विशेष मुद्दा नहीं है, क्योंकि यह लिडेल और स्कॉट के अनुवाद को प्राथमिकता देने के कारण है। मैं यह बात सहर्ष स्वीकार करता हूँ कि डॉ. लीफ ने मुख्यतः होमर के शब्दों का अधिक बारीकी से पालन किया है, लेकिन मेरा मानना है कि उन्होंने भाषा के भव्य और सहज, संगीतमय प्रवाह के सभी प्रयासों को (निस्संदेह जानबूझकर) त्याग कर मूल रचना की भावना को उतना खो दिया है जितना कि शाब्दिक अनुवाद का पालन करने से नहीं प्राप्त हुआ है - जिसका पालन न तो वे कर सकते हैं और न ही कोई अन्य व्यक्ति कर सकता है।
मेरे इन अंतिम शब्दों से ऐसा लग सकता है कि मैं उन गुणों का दावा कर रहा हूँ जो डॉ. लीफ को प्राप्त नहीं हुए हैं। मैं ऐसा कोई दावा नहीं कर सकता। मैं केवल इतना दावा करता हूँ कि मैंने इलियड के कम हिंसक हिस्सों को अंग्रेजी पाठकों के लिए रुचिकर बनाने का भरसक प्रयास किया है। अधिक हिंसक

हिस्सों को रुचिकर बनाना असंभव है; वास्तव में मुझे संदेह है कि क्या वे कभी उच्च शिक्षित पाठकों के लिए दिलचस्प रहे होंगे, या उनका उद्देश्य भी ऐसा रहा होगा। उन्हें लिखना आवश्यक था, और उन्हें लिखा गया; लेकिन यह स्पष्ट है कि होमर ने अक्सर उन्हें अधीरता से लिखा, और वास्तविक युद्ध उनके लिए उतना ही अरुचिकर था जितना कि उनके अनुभव से परे था। सौभाग्य से, इलियड में आम धारणा से कहीं कम युद्ध हैं।
बस एक शब्द और, और मेरा काम पूरा हो गया। मैंने अपने अनुवाद में
यथासंभव कम टिप्पणियाँ रखी हैं, ताकि इलियड के बारे में जो कुछ भी मुझे कहना है, उसे मैं ओडिसी के संपूर्ण अनुवाद के छपने के बाद किए जाने वाले किसी अन्य कार्य के लिए सुरक्षित रख सकूँ। अंत में, मेरी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक, 'द ऑथ्रेस ऑफ द ओडिसी' की सफलता ने मुझे आश्वस्त किया है कि आम पाठक देवताओं और नायकों के लैटिनकृत नामों को उन नामों की तुलना में अधिक पसंद करते हैं जिन्हें हाल के वर्षों में लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया गया है: इसलिए, मुझे पोप, श्री ग्लैडस्टोन और लॉर्ड डर्बी द्वारा लंबे समय से प्रचलित नामकरण प्रणाली का पालन करने में कोई संकोच नहीं है।
8 अगस्त, 1898।

[redacted]

पुस्तक 1

एगमेम्नन और अकिलीज़ के बीच झगड़ा - अकिलीज़ युद्ध से हट जाता है और
अपनी माँ थेतिस को जोव से ट्रोजन की मदद करने के लिए कहता है -
ओलंपस पर जोव और जूनो के बीच का दृश्य।
हे देवी, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के क्रोध का वर्णन करो, जिसने अचेयनों पर अनगिनत विपत्तियाँ लाईं। इसने अनेक वीर आत्माओं को पाताल लोक भेज दिया, और अनेक नायकों को कुत्तों और गिद्धों का शिकार बना दिया, क्योंकि जिस दिन से मनुष्यों के राजा अत्रेस के पुत्र और महान अकिलीज़ के बीच पहली बार शत्रुता हुई, उसी दिन से बृहस्पति की योजनाएँ पूरी हुईं।
और वह कौन सा देवता था जिसने उन्हें आपस में झगड़ने के लिए उकसाया? वह बृहस्पति और लेटो का पुत्र था; क्योंकि वह राजा से क्रोधित था और उसने सेना पर महामारी भेज दी ताकि लोग पीड़ित हों, क्योंकि अत्रेस के पुत्र ने उसके पुजारी क्राइसिस का अपमान किया था। क्राइसिस अपनी पुत्री को छुड़ाने के लिए अकेयनों के जहाजों पर आया था और अपने साथ एक बड़ी फिरौती लाया था: इसके अलावा, उसके हाथ में अपोलो का राजदंड था जो याचक की माला से सजा हुआ था, और उसने अकेयनों से, विशेषकर अत्रेस के दो पुत्रों से, जो उनके सरदार थे, विनती की।
‘एट्रियस के पुत्रों,’ उसने पुकार कर कहा, ‘और सभी अन्य अचेयनों, ओलंपस में निवास करने वाले देवता तुम्हें प्रियम के नगर को लूटने और अपने घरों तक सुरक्षित पहुँचने की कृपा प्रदान करें; लेकिन मेरी पुत्री को मुक्त कर दो और बृहस्पति के पुत्र अपोलो के आदर में उसके लिए फिरौती स्वीकार करो।’ इस पर शेष अचेयन एकमत होकर पुजारी का आदर करने और उसके द्वारा दी गई फिरौती स्वीकार करने के पक्ष में थे; परन्तु एगामेम्नन ऐसा नहीं था। उसने उससे कठोर शब्दों में कहा और उसे बेरुखी से भगा दिया। उसने कहा, ‘बूढ़े, मुझे तुम्हें हमारे जहाजों के आसपास ठहरते हुए या भविष्य में फिर कभी आते हुए न देखना। देवता का तुम्हारा राजदंड और तुम्हारा मुकुट तुम्हारे किसी काम का नहीं। मैं उसे मुक्त नहीं करूँगा। वह अपने घर से दूर, आर्गोस में

मेरे घर में बूढ़ी होगी, अपने करघे पर काम करती रहेगी और मेरे पलंग पर आती रहेगी; इसलिए जाओ, और मुझे क्रोधित मत करो, अन्यथा तुम्हारा बुरा हाल होगा।’
बूढ़ा व्यक्ति उससे डरता था और उसकी बात मानता था। उसने एक शब्द भी
नहीं बोला, बल्कि गरजते समुद्र के किनारे जाकर राजा अपोलो से एकांत में प्रार्थना की, जिसे सुंदर लेटो ने जन्म दिया था। उसने पुकारा, “हे चांदी के धनुष के देवता, जो क्राइसे और पवित्र सिला की रक्षा करते हैं और अपनी शक्ति से टेनेडोस पर शासन करते हैं, हे स्मिन्थे के देवता, मेरी प्रार्थना सुनो। यदि मैंने कभी आपके मंदिर को मालाओं से सजाया हो, या बैल या बकरियों की चर्बी में आपकी जांघ की हड्डियों को जलाया हो, तो मेरी प्रार्थना स्वीकार करो, और अपने तीरों से दानानों पर मेरे इन आंसुओं का बदला लो।”
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुन ली। वह क्रोधित होकर ओलंपस की चोटियों से नीचे उतरा, उसके कंधे पर धनुष और तरकश था, और उसके भीतर व्याप्त क्रोध से बाण उसकी पीठ पर खड़खड़ा रहे थे। वह रात के अंधेरे जैसे चेहरे के साथ जहाजों से दूर बैठ गया, और जैसे ही उसने अपना बाण उनके बीच चलाया, उसके चांदी के धनुष से मृत्यु की गड़गड़ाहट सुनाई दी। पहले उसने उनके खच्चरों और कुत्तों को मारा, लेकिन फिर उसने अपने बाण लोगों पर ही चला दिए, और सारा दिन मृतकों की चिताएं जलती रहीं।
नौ दिनों तक उसने लोगों पर तीर चलाए, लेकिन दसवें दिन अकिलीज़ ने
उन्हें सभा में बुलाया - जूनो की प्रेरणा से, जिसने अकेयनों को मृत्यु के अंतिम क्षणों में देखा और उन पर दया की। फिर, जब वे सब एकत्रित हो गए, तो वह उठा और उनसे बात की।
‘एट्रियस के पुत्र,’ उसने कहा, ‘मेरा मानना है कि विनाश से बचने के लिए हमें अब घर लौट जाना चाहिए, क्योंकि हम युद्ध और महामारी दोनों से एक साथ पीड़ित हैं। आइए हम किसी पुजारी या भविष्यवक्ता, या स्वप्न-पाठक (क्योंकि स्वप्न भी बृहस्पति के संकेत होते हैं) से पूछें जो हमें बता सके कि अपोलो फोबस इतना क्रोधित क्यों है, और क्या यह किसी प्रतिज्ञा के उल्लंघन या बलि न चढ़ाने के कारण है, और क्या वह निर्दोष मेमनों और बकरियों की सुगंध स्वीकार करेगा, ताकि वह हम पर से इस महामारी को दूर कर दे।’
ये कहकर वह बैठ गया, और थेस्टर का पुत्र कल्चस, जो शगुन में श्रेष्ठ था
और भूतकाल, वर्तमान और भविष्य का ज्ञान रखता था, बोलने के लिए उठा। वही था

जिसने अपोलो फ़ीबस द्वारा प्रेरित भविष्यवाणियों के माध्यम से अचेयनों को उनके बेड़े के साथ इलियस तक पहुंचाया था। उसने पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उन्हें इस प्रकार संबोधित किया:
हे स्वर्ग के प्रिय अकिलीज़, आपने मुझे राजा अपोलो के क्रोध के बारे
में बताने का आदेश दिया है, इसलिए मैं ऐसा करूँगा; परन्तु पहले विचार करो और वचन दो कि तुम वचन और कर्म से मेरा साथ दोगे, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं उस राजा को नाराज़ करने जा रहा हूँ जो आर्गिव्स पर शक्तिपूर्वक शासन करता है और जिसके अधीन सभी अचेयन रहते हैं। एक साधारण व्यक्ति राजा के क्रोध का सामना नहीं कर सकता, जो यदि अभी अपना क्रोध दबा भी ले, तो भी प्रतिशोध की भावना को तब तक पालता रहेगा जब तक वह उसे अंजाम न दे दे। इसलिए विचार करो कि तुम मेरी रक्षा करोगे या नहीं।
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “डरो मत, बल्कि वही कहो जो तुम्हें स्वर्ग
से प्राप्त हुआ है, क्योंकि अपोलो, कल्चास, जिनकी तुम प्रार्थना करते हो और जिनके वचन तुम हमें प्रकट करते हो, उनकी कसम, जब तक मैं जीवित हूँ, हमारे जहाजों पर सवार कोई भी दानान तुम पर हाथ नहीं उठाएगा – नहीं, चाहे तुम स्वयं एगामेम्नन का नाम ही क्यों न ले लो, जो अचियों में सर्वोपरि है।”
तब द्रष्टा ने साहसपूर्वक कहा, ‘देवता न तो मन्नत को लेकर क्रोधित हैं
और न ही बलि चढ़ाने को लेकर, बल्कि अपने पुरोहित के कारण क्रोधित हैं, जिसका अपवित्रता अगमेम्नन ने इसलिए की क्योंकि उसने न तो अपनी पुत्री को मुक्त किया और न ही उसके लिए कोई फिरौती ली; इसलिए उन्होंने हम पर ये विपत्तियाँ भेजी हैं और आगे भी भेजेंगे। वे दानानियों को इस महामारी से तब तक नहीं बचाएँगे जब तक अगमेम्नन पुत्री को बिना किसी शुल्क या फिरौती के उसके पिता को वापस नहीं कर देता और क्राइसे को एक पवित्र बलि नहीं भेज देता। इस प्रकार शायद हम उन्हें प्रसन्न कर सकें।’
ये कहकर वह बैठ गया, और एगामेम्नन क्रोध से उठ खड़ा हुआ। उसका हृदय
क्रोध से काला पड़ गया था, और उसकी आँखें आग उगल रही थीं। उसने कल्चास को घूरते हुए कहा, “बुराई के भविष्यवक्ता, तूने मेरे विषय में कभी भी अच्छी बातें नहीं बताईं, बल्कि हमेशा बुरी बातें ही बताई हैं। तूने मुझे न तो कोई सांत्वना दी है और न ही कोई परिणाम दिया है; और अब तू दानानों के बीच आकर कह रहा है कि अपोलो ने हमें इसलिए सताया है क्योंकि मैंने क्राइसिस की पुत्री इस लड़की के लिए फिरौती नहीं ली। मैंने उसे अपने घर में रखने का निश्चय कर

लिया है, क्योंकि मैं उसे अपनी पत्नी क्लिटेम्नेस्ट्रा से भी अधिक प्रेम करता हूँ, जो रूप-रंग, बुद्धि और योग्यता में उसके समान है। फिर भी, यदि आवश्यक हुआ तो मैं उसे छोड़ दूँगा, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि लोग जीवित रहें, न मरें; लेकिन इसके बदले में तुझे मेरे लिए कोई और इनाम ढूंढना होगा, अन्यथा आर्गिव्स में मैं अकेला ही बिना इनाम के रह जाऊँगा। यह ठीक नहीं है; क्योंकि तुम सब देख लो कि मेरा इनाम कहीं और जाना है।”
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “एट्रियस के परम महान पुत्र, समस्त मानव
जाति से भी अधिक लालची, अचेयन लोग आपके लिए दूसरा इनाम कैसे लाएँगे? हमारे पास कोई सामान्य भंडार नहीं है जिससे हम एक और इनाम ले सकें। जो हमने शहरों से लिए हैं, उन्हें इनाम के तौर पर दिया जा चुका है; हम पहले से दिए गए इनामों को रद्द नहीं कर सकते। इसलिए, इस कन्या को देवता को दे दीजिए, और यदि कभी बृहस्पति हमें ट्रॉय शहर को लूटने की अनुमति दे, तो हम आपको तीन गुना या चार गुना प्रतिफल देंगे।”
तब अगामेम्नन ने कहा, “अकिलीज़, चाहे तुम कितने भी वीर क्यों न हो, तुम मुझे इस तरह छल से नहीं हरा सकते। तुम मुझे धोखा नहीं दे सकते और न ही मुझे बहका सकते हो। क्या तुम अपना इनाम अपने पास रखोगे, जबकि मैं चुपचाप अपनी हार सहता रहूँगा और तुम्हारे कहने पर लड़की को सौंप दूँगा? अचेयन मुझे मेरी पसंद का उचित इनाम दिलाएँ, अन्यथा मैं आकर तुम्हारा, या एजैक्स का, या यूलिसिस का, छीन लूँगा; और जिसके भी पास मैं जाऊँगा, वह मेरे आने पर पछताएगा। लेकिन इस बारे में हम बाद में सोचेंगे; अभी के लिए, चलो एक जहाज समुद्र में उतारें और उसके लिए एक विशेष दल जुटाएँ; चलो जहाज पर एक बलि चढ़ाएँ और क्राइसेस को भी भेजें; इसके अलावा, हमारे बीच से कोई प्रमुख व्यक्ति कमान संभाले, या तो एजैक्स, या इडोमेनियस, या तुम स्वयं, पेलियस के पुत्र, जो एक महान योद्धा हो, ताकि हम बलिदान चढ़ाकर देवता के क्रोध को शांत कर सकें।”
अकिलीज़ ने उसे घूरते हुए कहा, “तुम अहंकार और धन-लोभ में डूबे हुए हो। अकेयन वंश का कोई भी व्यक्ति तुम्हारे आदेश का पालन कैसे कर सकता है, चाहे आक्रमण में हो या खुले युद्ध में? मैं यहाँ ट्रोजनों द्वारा किए गए किसी भी दुर्व्यवहार के लिए युद्ध करने नहीं आया हूँ। मेरा उनसे कोई झगड़ा नहीं है। उन्होंने न तो मेरे मवेशियों को लूटा है, न ही मेरे घोड़ों को, और न ही फथिया के उपजाऊ मैदानों में मेरी फसलों को काटा है; क्योंकि मेरे और उनके

बीच एक विशाल दूरी है, पहाड़ और गहरा समुद्र। हे अहंकारी, हम तुम्हारा पीछा तुम्हारे सुख के लिए कर रहे हैं, अपने लिए नहीं – तुम्हारे निर्लज्ज स्व और मेनेलास के लिए ट्रोजनों से बदला लेने के लिए। तुम यह भूलकर, मुझे उस पुरस्कार से वंचित करने की धमकी दे रहे हो जिसके लिए मैंने परिश्रम किया है, और जो अकेयन वंश के पुत्रों ने मुझे दिया है। जब भी अकेयन ट्रोजनों के किसी समृद्ध शहर को लूटते हैं, मुझे कभी भी इतना अच्छा पुरस्कार नहीं मिलता जितना तुम्हें मिलता है, हालाँकि युद्ध का अधिकांश भाग तो मेरे ही हाथों से लड़ा जाता है।” जब बंटवारे का समय आएगा, तो तुम्हारा हिस्सा सबसे बड़ा होगा, और मुझे तो अपने जहाजों पर वापस जाना ही होगा, जो कुछ भी मिले उसे लेकर शुक्रगुजार होना होगा, जब मेरा युद्ध का परिश्रम समाप्त हो जाएगा। इसलिए अब मैं फथिया वापस जाऊंगा; मेरे लिए अपने जहाजों के साथ घर लौटना कहीं बेहतर होगा, क्योंकि मैं तुम्हारे लिए सोना और धन इकट्ठा करने के लिए यहाँ अपमानित होकर नहीं रुकूंगा।
और अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “यदि तुम भागना चाहो, तो भाग जाओ, मैं तुम्हें रोकने के लिए कोई प्रार्थना नहीं करूँगा। यहाँ मेरे पास और भी लोग हैं जो मेरा सम्मान करेंगे, और सबसे बढ़कर, परामर्श के स्वामी ज़्यूस। यहाँ कोई भी राजा मुझे तुम्हारे जितना घृणित नहीं लगता, क्योंकि तुम हमेशा झगड़ालू और चिड़चिड़े रहते हो। यद्यपि तुम बहादुर हो, तो क्या हुआ? क्या स्वर्ग ने ही तुम्हें ऐसा नहीं बनाया? तो फिर अपने जहाजों और साथियों के साथ घर जाओ और मर्मिडोंस पर अपना प्रभुत्व जमाओ। मुझे न तो तुम्हारी परवाह है और न ही तुम्हारे क्रोध की; और मैं ऐसा ही करूँगा: क्योंकि अपोलो फ़ीबस क्राइसेस को मुझसे ले जा रहा है, मैं उसे अपने जहाज और अपने अनुयायियों के साथ भेज दूँगा, लेकिन मैं तुम्हारे तम्बू में आऊँगा और तुम्हारी ही जीती हुई ब्रिसेस को ले जाऊँगा, ताकि तुम जान सको कि मैं तुमसे कितना अधिक शक्तिशाली हूँ, और कोई दूसरा मेरे बराबर या मेरे तुलनीय होने से डरे।” पेलेउस का पुत्र क्रोधित था, और उसके सीने में बैठा हृदय दुविधा में था कि क्या वह अपनी तलवार निकाले, दूसरों को हटाकर एट्रियस के पुत्र को मार डाले, या अपने क्रोध को रोके रखे। जब वह दुविधा में था और अपनी शक्तिशाली तलवार म्यान से निकाल ही रहा था, तभी मिनर्वा स्वर्ग से नीचे आई (जूनो ने उन दोनों के प्रति अपने प्रेम के कारण उसे भेजा था), और पेलेउस के पुत्र को उसके सुनहरे बालों से पकड़ लिया, जो केवल उसे ही दिखाई दे रहे थे, क्योंकि

बाकी लोगों में से कोई भी उसे नहीं देख सकता था। अकिलीज़ आश्चर्यचकित होकर मुड़ा, और उसकी आँखों से निकलती अग्नि को देखकर तुरंत समझ गया कि वह मिनर्वा है। उसने कहा, 'तुम यहाँ क्यों हो, एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की पुत्री? एट्रियस के पुत्र एगामेम्नन के घमंड को देखने? मैं तुम्हें बता दूँ - और यह निश्चित रूप से होगा - वह इस गुस्ताखी की कीमत अपने जीवन से चुकाएगा।'
और मिनर्वा ने कहा, “मैं स्वर्ग से आई हूँ, अगर आप मेरी बात सुनें, तो
मैं आपसे विनती करती हूँ कि आप अपना क्रोध शांत करें। जूनो ने मुझे भेजा है, जो आप दोनों की समान रूप से परवाह करती है। इसलिए, यह झगड़ा बंद करें और अपनी तलवार न निकालें; अगर आप चाहें तो उसे खरी-खोटी सुना सकते हैं, और आपकी खरी-खोटी व्यर्थ नहीं जाएगी, क्योंकि मैं आपसे कहती हूँ - और यह निश्चित रूप से होगा - कि इस अपमान के कारण आपको भविष्य में तीन गुना अधिक शानदार उपहार प्राप्त होंगे। इसलिए, धैर्य रखें और मेरी बात मानें।” “देवी,” अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “मनुष्य चाहे कितना भी क्रोधित क्यों न हो, उसे आप दोनों के आदेश का पालन करना ही होगा। यही सर्वोत्तम होगा, क्योंकि देवता सदा उन्हीं की प्रार्थना सुनते हैं जो उनकी आज्ञा का पालन करते हैं।”
उसने अपनी तलवार के चांदी के मूठ पर हाथ रखा और मिनर्वा के आदेशानुसार उसे म्यान में वापस डाल दिया। फिर वह अन्य देवताओं के बीच ओलंपस लौट गई और एजिस धारण किए हुए बृहस्पति के घर चली गई।
लेकिन पेलेयस का पुत्र फिर से एट्रीयस के पुत्र पर क्रोधित होने लगा, क्योंकि वह अब भी गुस्से में था। उसने कहा, ‘शराब पीने वाले, कुत्ते जैसे चेहरे और हिरणी जैसे दिल वाले, तू कभी भी सेना के साथ युद्ध में जाने की हिम्मत नहीं करता, न ही हमारे चुने हुए सैनिकों के साथ घात लगाकर। तू इससे ऐसे डरता है जैसे मृत्यु से। तू तो हर उस व्यक्ति से लूटपाट करना पसंद करता है जो तेरा विरोध करता है। तू अपनी ही प्रजा को खा जाता है, क्योंकि तू एक कमजोर प्रजा का राजा है; अन्यथा, एट्रीयस के पुत्र, अब से तू किसी का अपमान नहीं करता।’ इसलिए मैं कहता हूँ, और बड़ी शपथ से कहता हूँ – बल्कि, अपने इस राजदंड की कसम खाता हूँ, जो पहाड़ों पर अपने मूल तने से अलग होने के बाद से न तो कभी नया पत्ता उगाएगा, न ही कोई नई कली लेगा – क्योंकि कुल्हाड़ी ने इसके पत्ते और छाल उतार दिए हैं, और अब अकेयन वंश के पुत्र इसे स्वर्ग के

नियमों के न्यायाधीश और रक्षक के रूप में धारण करते हैं – मैं इतनी निश्चितता और गंभीरता से शपथ लेता हूँ कि इसके बाद वे अकिलीज़ को बड़ी चाहत से खोजेंगे, पर उसे नहीं पाएँगे। तुम्हारे संकट के दिन, जब तुम्हारे सैनिक हेक्टर के खूनी हाथों मरते हुए गिरेंगे, तब तुम उनकी सहायता करना नहीं जान पाओगे, और उस क्षण के लिए क्रोध से तुम्हारा हृदय फट जाएगा जब तुमने अकेयन वंश के सबसे वीर योद्धा का अपमान किया था।
इसके साथ ही पेलियस के पुत्र ने अपना सोने से जड़ा राजदंड ज़मीन पर पटक दिया और बैठ गया, जबकि एट्रेस का पुत्र दूसरी ओर अपने स्थान से उग्र भाव से घूर रहा था। फिर मीठी ज़बान वाला नेस्टर, जो पाइलोसवासियों का कुशल वक्ता था, उठा और उसके मुख से निकले शब्द शहद से भी मीठे थे। पाइलोस में जन्मी और पली-बढ़ी दो पीढ़ियाँ उसके शासनकाल में गुज़र चुकी थीं, और अब वह तीसरी पीढ़ी पर शासन कर रहा था। इसलिए, उसने पूरी ईमानदारी और सद्भावना के साथ उन्हें इस प्रकार संबोधित किया:
“सचमुच,’ उसने कहा, ‘अचियन भूमि पर एक बड़ा दुख आ पड़ा है। प्रियम और
उसके पुत्र अवश्य आनन्दित होते, और ट्रोजन भी प्रसन्न होते यदि वे तुम दोनों के बीच का यह झगड़ा सुन पाते, जो युद्ध और परामर्श में इतने निपुण हो। मैं तुम दोनों से बड़ा हूँ; इसलिए मेरा मार्गदर्शन लो। इसके अलावा, मैं तुमसे भी महान पुरुषों का घनिष्ठ मित्र रहा हूँ, और उन्होंने मेरी सलाह को कभी अनसुना नहीं किया। मैं फिर कभी पिरिथौस और ड्रायस जैसे पुरुषों को नहीं देख पाऊँगा, जो अपनी प्रजा का चरवाहा था, या कैनियस, एक्सैडियस, देवतुल्य पॉलीफेमस, और एजियस के पुत्र थीसियस, जो अमर लोगों के समतुल्य थे। ये इस पृथ्वी पर जन्म लेने वाले सबसे शक्तिशाली पुरुष थे: वे इतने शक्तिशाली थे कि जब उन्होंने पर्वतीय जंगली कबीलों से युद्ध किया, तो उन्हें पूरी तरह से पराजित कर दिया। मैं दूर पाइलोस से आया था, और उनके बीच गया, क्योंकि वे चाहते थे कि मैं आऊँ, और मैंने अपनी इच्छा अनुसार युद्ध किया।’ आज जीवित कोई भी व्यक्ति उनका सामना नहीं कर सकता, लेकिन उन्होंने मेरी बातें सुनीं और उन पर विश्वास कर लिया। तुम्हारे साथ भी ऐसा ही हो, क्योंकि यही श्रेष्ठ मार्ग है। इसलिए, अगामेम्नन, यद्यपि तुम बलवान हो, इस कन्या को अपने साथ मत ले जाओ, क्योंकि अचेयन वंश के पुत्रों ने इसे पहले ही अकिलीज़ को दे दिया है; और तुम, अकिलीज़, राजा से और अधिक संघर्ष मत करो, क्योंकि बृहस्पति की कृपा से राजदंड धारण करने वाले किसी भी व्यक्ति को

अगामेम्नन के समान सम्मान प्राप्त नहीं है। तुम बलवान हो और तुम्हारी माता देवी हैं; परन्तु अगामेम्नन तुमसे अधिक बलवान है, क्योंकि उसके अधीन अधिक लोग हैं। हे अत्रेस के पुत्र, मैं तुमसे विनती करता हूँ, अपने क्रोध पर काबू रखो; अकिलीज़ के साथ यह झगड़ा समाप्त करो, जो युद्ध के दिन अचेयन वंश के लिए शक्ति का स्तंभ है।
और अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “महोदय, आपने जो कुछ कहा वह सब सत्य है, परन्तु इस व्यक्ति को हमारा स्वामी और सरदार बनना ही होगा: उसे सबका स्वामी, सबका राजा और सबका सेनापति बनना होगा, और यह संभव नहीं है। मान लीजिए कि देवताओं ने उसे एक महान योद्धा बनाया है, तो क्या उन्होंने उसे अपशब्द बोलने का अधिकार भी दिया है?”
अकिलीज़ ने उसे बीच में ही रोक दिया। वह चिल्लाया, “मैं एक नीच कायर कहलाऊँगा, अगर मैं हर बात में तुम्हारे सामने झुक जाऊँ। दूसरों को आदेश दो, मुझे नहीं, क्योंकि मैं अब और आज्ञा नहीं मानूँगा। इसके अलावा, मैं कहता हूँ - और मेरी बात को याद रखो - मैं इस लड़की के लिए न तो तुमसे और न ही किसी और से लड़ूँगा, क्योंकि जो लेते हैं, वही देते भी हैं। लेकिन मेरे जहाज पर जो कुछ भी है, उसमें से तुम कुछ भी जबरदस्ती नहीं ले जा सकते। कोशिश करो, ताकि दूसरे देख सकें; अगर तुमने ऐसा किया, तो मेरा भाला तुम्हारे खून से लाल हो जाएगा।”
जब वे इस प्रकार उग्रता से झगड़ने के बाद उठे और अचेयनों के जहाजों पर हुई सभा को तितर-बितर कर दिया। पेलियस का पुत्र मेनोटियस के पुत्र और उसके साथियों के साथ अपने तम्बुओं और जहाजों पर लौट गया, जबकि एगामेम्नन ने एक जहाज पानी में उतारा और बीस नाविकों का दल चुना। उसने क्राइसेस को जहाज पर चढ़ाया और देवता के लिए एक बलि भी भेजी। और यूलिसिस कप्तान के रूप में गया। फिर वे लोग जहाज पर सवार होकर समुद्र में रवाना हो गए। लेकिन अत्रेस के पुत्र ने लोगों को अपने आप को शुद्ध करने का आदेश दिया; इसलिए उन्होंने अपने आप को शुद्ध किया और अपनी गंदगी समुद्र में फेंक दी। फिर उन्होंने समुद्र तट पर बिना किसी दोष के बैलों और बकरियों की बलि चढ़ाई, और उनकी बलि की सुगंध से भरा धुआँ आकाश की ओर उठने लगा।
इस प्रकार वे पूरी सेना में व्यस्त हो गए। लेकिन एगामेम्नन अकिलीज़ को दी गई अपनी धमकी को नहीं भूला था, और उसने अपने भरोसेमंद दूतों और सहायकों तल्थिबियस और यूरीबेट्स को बुलाया। उसने कहा, “पेलेउस के पुत्र अकिलीज़

के तम्बू में जाओ; ब्रिसिस का हाथ पकड़कर उसे यहाँ ले आओ; यदि वह उसे नहीं देता है तो मैं दूसरों के साथ आकर उसे ले आऊँगा – जिससे उस पर और दबाव पड़ेगा।”
उसने उन्हें सीधे आगे बढ़ने का आदेश दिया और विदा कर दिया, जिसके बाद
वे दुखी मन से समुद्र तट के किनारे चलते रहे, जब तक कि वे मर्मिडों के तम्बुओं और जहाजों तक नहीं पहुँच गए। उन्होंने अकिलीज़ को अपने तंबू और जहाजों के पास बैठे हुए पाया, और उन्हें देखकर वह बहुत क्रोधित हुआ। वे भयभीत और आदरपूर्वक उसके सामने खड़े रहे, और उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अकिलीज़ ने उन्हें पहचान लिया और कहा, 'स्वागत है, दूतों, देवताओं और मनुष्यों के संदेशवाहकों; पास आओ; मेरा झगड़ा तुमसे नहीं, बल्कि एगामेम्नन से है जिसने तुम्हें ब्रिसिस नामक कन्या को लाने के लिए भेजा है। इसलिए, पेट्रोक्लस, उसे लाओ और उन्हें सौंप दो, लेकिन उन्हें धन्य देवताओं, मनुष्यों और एगामेम्नन के क्रोध की भयंकरता के साक्षी रहने दो, कि यदि कभी फिर से लोगों को विनाश से बचाने के लिए मेरी आवश्यकता पड़ी, तो वे खोजेंगे और उन्हें नहीं मिलेगा। एगामेम्नन क्रोध से पागल है और उसे यह नहीं पता कि आगे-पीछे कैसे देखना है ताकि अचियन अपने जहाजों के पास सुरक्षित रूप से लड़ सकें।'
पैट्रोक्लस ने अपने प्रिय साथी के आदेश का पालन किया। वह ब्रिसिस को तम्बू से बाहर लाया और उसे दूतों के हवाले कर दिया, जो उसे अपने साथ अचेयनों के जहाजों पर ले गए – और वह स्त्री जाने के लिए अनिच्छुक थी। तब अकिलीज़ अकेले ही बर्फीले समुद्र के किनारे चला गया, रोता हुआ और असीम जलप्रपात को निहारता रहा। उसने अपनी अमर माता से प्रार्थना में हाथ उठाए, ‘माँ,’ वह रोया, ‘आपने मुझे थोड़े समय के लिए जीने के लिए जन्म दिया; निश्चय ही ओलंपस से गर्जन करने वाले बृहस्पति उस थोड़े समय को गौरवशाली बना सकते थे। ऐसा नहीं हुआ। एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन ने मेरा अपमान किया है, और बलपूर्वक मुझसे मेरा पुरस्कार छीन लिया है।’
बोलते-बोलते वो ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा, और उसकी माँ ने उसे सुना जहाँ वो अपने बूढ़े पिता के पास समुद्र की गहराई में बैठी थी। तुरंत ही वो लहरों से मानो धुंध की तरह उठी, उसके सामने बैठ गई, उसे अपने हाथ से सहलाया और बोली, ‘मेरे बेटे, तुम क्यों रो रहे हो? तुम्हें किस बात का दुख है? मुझसे छुपाओ मत, बल्कि मुझे बताओ, ताकि हम मिलकर जान सकें।’

अकिलीज़ ने गहरी साँस ली और कहा, 'तुम जानते हो; जो बात तुम पहले से ही भली-भांति जानते हो, उसे क्यों बताऊँ? हम ईटियन के शक्तिशाली शहर थेबे गए, उसे लूटा और लूट का माल यहाँ ले आए। अचेयनों के पुत्रों ने उसे आपस में उचित रूप से बाँट लिया और सुंदर क्राइसेस को एगामेम्नन के इनाम के रूप में चुना; परन्तु अपोलो के पुजारी क्राइसेस अपनी पुत्री को छुड़ाने के लिए अचेयनों के जहाजों पर आए और अपने साथ एक बड़ी फिरौती लाए: इसके अलावा, उनके हाथ में अपोलो का राजदंड था, जो याचक की माला से सजा हुआ था, और उन्होंने अचेयनों से, परन्तु विशेष रूप से एट्रेस के दो पुत्रों से, जो उनके सरदार थे, विनती की।'
इस पर शेष अकेयन एकमत होकर पुजारी का आदर करने और उसके द्वारा दी गई फिरौती स्वीकार करने के पक्ष में थे; परन्तु एगामेम्नन ऐसा नहीं था, उसने उससे कठोर शब्दों में बात की और उसे बेरुखी से भगा दिया। इसलिए वह क्रोधित होकर लौट आया, और अपोलो, जो उससे अत्यंत प्रेम करता था, ने उसकी प्रार्थना सुन ली। तब देवता ने आर्गिव्स पर एक घातक तीर चलाया, और लोग एक-दूसरे पर गिरकर मरने लगे, क्योंकि तीर अकेयनों की विशाल सेना में हर जगह जा लगे। अंत में एक ज्ञानी द्रष्टा ने हमें अपोलो की भविष्यवाणियाँ बताईं, और मैंने स्वयं सबसे पहले कहा कि हमें उसे प्रसन्न करना चाहिए। इस पर एट्रियस का पुत्र क्रोधित हो उठा, और उसने वह धमकी दी जो उसने बाद में की। अकेयन अब उस लड़की को एक जहाज में क्राइसे ले जा रहे हैं, और देवता को बलिदान की भेंट भेज रहे हैं; परन्तु दूतों ने अभी-अभी मेरे तम्बू से ब्रिसियस की पुत्री को ले लिया है, जिसे अकेयनों ने मुझे सौंप दिया था।
इसलिए, यदि आप सक्षम हों, तो अपने वीर पुत्र की सहायता करें। ओलंपस
जाएँ, और यदि आपने कभी भी वचन या कर्म से उसकी सेवा की हो, तो बृहस्पति से सहायता की प्रार्थना करें। मैंने अक्सर अपने पिता के घर में आपको यह कहते हुए सुना है कि आप ही एकमात्र अमर देवता हैं जिन्होंने शनि के पुत्र को विनाश से बचाया, जबकि अन्य, जूनो, नेपच्यून और पल्लास मिनर्वा सहित, उसे बंधन में डालना चाहते थे। हे देवी, आपने ही सौ हाथों वाले राक्षस को ओलंपस बुलाकर उसे बचाया, जिसे देवता ब्रियारियस कहते हैं, लेकिन मनुष्य एगियन कहते हैं, क्योंकि वह अपने पिता से भी अधिक शक्तिशाली है; इसलिए जब वह शनि के पुत्र के पास महिमामयी रूप से बैठा, तो अन्य देवता भयभीत हो गए और उसे नहीं बांधा। इसलिए, उसके पास जाएँ, उसे यह सब याद दिलाएँ, उसके घुटनों को

थामें, और उससे कहें कि वह ट्रोजनों की सहायता करे। 'अचियनों को उनके जहाजों के पिछले हिस्से में घेर लिया जाए और वे समुद्र तट पर ही नष्ट हो जाएं, ताकि वे अपने राजा से जो भी आनंद प्राप्त कर सकें, वह प्राप्त कर सकें और एगामेम्नन को अचियनों के अग्रणी का अपमान करने के अपने अंधेपन पर पछतावा हो।'
थेतिस रोते हुए बोली, “मेरे पुत्र, हाय मुझे कि मैंने तुझे जन्म दिया
और दूध पिलाया। काश तू अपने जहाजों पर बिना किसी दुःख के अपना जीवन व्यतीत कर पाता, क्योंकि यह बहुत छोटा है; हाय, कि तू अपने साथियों से कम उम्र का है और दुःखों से भरा है: इसलिए, वह घड़ी कितनी दुखद थी जब मैंने तुझे जन्म दिया; फिर भी मैं ओलंपस की बर्फीली चोटियों पर जाऊंगी और यह कहानी बृहस्पति को सुनाऊंगी, यदि वह हमारी प्रार्थना सुनेगा; तब तक तुम अपने जहाजों के साथ वहीं रहो, अचेयनों के विरुद्ध अपना क्रोध शांत रखो और लड़ाई से दूर रहो। क्योंकि बृहस्पति कल ओशेनस में इथियोपियाई लोगों के बीच एक भोज में गया था, और अन्य देवता भी उसके साथ गए थे। वह बारह दिन बाद ओलंपस लौटेगा; तब मैं उसके कांसे से बने महल में जाऊंगी और उससे विनती करूंगी; और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उसे मना लूंगी।”
इस पर वह उसे छोड़कर चली गई, अपने से बिछड़ जाने के गम से अभी भी
क्रोधित थी। इसी बीच यूलिसिस हेकाटोम्ब लेकर क्राइसे के पास पहुँच गया। बंदरगाह में प्रवेश करते ही उन्होंने पाल समेटकर जहाज के निचले हिस्से में रख दिए; उन्होंने आगे के झूले ढीले किए, मस्तूल को उसकी जगह पर उतारा और जहाज को उस स्थान पर ले गए जहाँ वे उसे रखना चाहते थे; वहाँ उन्होंने लंगर के पत्थर डाले और रस्सियाँ कस दीं। फिर वे समुद्र तट पर उतरे और अपोलो के लिए हेकाटोम्ब को उतारा; क्राइसे भी जहाज से उतर गई, और यूलिसिस उसे उसके पिता के हाथों सौंपने के लिए वेदी पर ले गया। उसने कहा, 'क्राइसे, राजा एगामेम्नन ने मुझे तुम्हारे बच्चे को वापस लाने और दानानों की ओर से अपोलो को बलिदान चढ़ाने के लिए भेजा है, ताकि हम उस देवता को प्रसन्न कर सकें, जिसने अब आर्गिव्स पर बहुत दुख लाया है।'
ऐसा कहकर उसने लड़की को उसके पिता को सौंप दिया, जिसने उसे सहर्ष
स्वीकार कर लिया, और उन्होंने देवता की वेदी के चारों ओर पवित्र बलि के लिए व्यवस्थित रूप से व्यवस्था की। उन्होंने अपने हाथ धोए और बलि के शवों पर छिड़कने के लिए जौ का आटा उठाया, जबकि क्राइसिस ने अपने हाथ ऊपर उठाकर उनके

लिए ज़ोर से प्रार्थना की। ‘हे चांदी के धनुष के देवता, मेरी प्रार्थना सुनो, जो क्राइसिस और पवित्र सिला की रक्षा करते हो और अपनी शक्ति से टेनेडोस पर शासन करते हो। जैसे तूने पहले मेरी प्रार्थना सुनी थी और अचेयनों पर कठोर प्रहार किया था, वैसे ही एक बार फिर मेरी प्रार्थना सुन और इस भयानक महामारी को दानावासियों से दूर कर दे।’
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुन ली। प्रार्थना करने और जौ का आटा छिड़कने के बाद, उन्होंने बलि दिए गए पशुओं के सिर काट दिए और उन्हें मारकर उनकी खाल उतार दी। उन्होंने जांघ की हड्डियाँ निकालीं, उन्हें चर्बी की दो परतों में लपेटा, उनके ऊपर कच्चे मांस के कुछ टुकड़े रखे, और फिर क्राइसिस ने उन्हें लकड़ी की आग पर रखा और उन पर शराब डाली, जबकि युवक पाँच नोक वाली सीखें लिए उसके पास खड़े थे। जब जांघ की हड्डियाँ जल गईं और उन्होंने अंदर का मांस चख लिया, तो उन्होंने बाकी मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लिया, टुकड़ों को सीखों पर रखा, उन्हें पकने तक भूना और फिर उतार लिया: फिर, जब उनका काम पूरा हो गया और दावत तैयार हो गई, तो उन्होंने उसे खाया, और हर आदमी को उसका पूरा हिस्सा मिला, जिससे सभी तृप्त हो गए। जैसे ही उन्होंने पर्याप्त खा-पी लिया, सेवकों ने शराब और पानी से कटोरा भर दिया और हर आदमी को उसका पेय-अर्पण देने के बाद उसे सबको दे दिया।
इस प्रकार दिनभर वे युवक गीत गाकर, स्तुतिगान करते हुए और आनंदमय भजन गाते हुए देवता की आराधना करते रहे, और देवता उनकी आवाज़ों से प्रसन्न हुए; परन्तु जब सूर्य अस्त हो गया और अंधेरा छा गया, तो वे जहाज़ के पिछले रस्सियों के सहारे सो गए, और जब सुबह की देवी, गुलाबी उंगलियों वाली भोर प्रकट हुई, तो वे फिर से अचेयनों की सेना की ओर चल पड़े। अपोलो ने उन्हें अनुकूल हवा भेजी, जिससे उन्होंने अपने मस्तूल उठाए और अपने सफेद पाल फहराए। हवा से पाल फूलते ही जहाज़ गहरे नीले पानी में तेज़ी से आगे बढ़ा, और जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता गया, झाग उसके आगे वाले हिस्से से टकराता रहा। जब वे अचेयनों की विशाल सेना के पास पहुँचे, तो उन्होंने जहाज़ को किनारे पर रेत पर खड़ा किया, उसके नीचे मजबूत खूंटे गाड़े, और अपने-अपने तम्बुओं और जहाजों की ओर चल दिए।

लेकिन अकिलीज़ अपने जहाजों पर ही रहा और अपने क्रोध को पालता रहा। वह सम्मानित सभा में नहीं गया और न ही युद्ध के लिए आगे बढ़ा, बल्कि अपने ही हृदय में युद्ध और युद्धघोष की लालसा लिए बैठा रहा।
बारह दिनों के बाद अमर देवता शरीर धारण करके ओलंपस लौट आए, और बृहस्पति उनके आगे-आगे चल रहे थे। थेतिस अपने पुत्र द्वारा दिए गए दायित्व को भूली नहीं थी, इसलिए वह समुद्र के नीचे से उठी और सुबह-सुबह विशाल आकाश से होते हुए ओलंपस पहुँची, जहाँ उसने शनि के शक्तिशाली पुत्र को उसकी सबसे ऊँची चोटियों पर अकेले बैठे हुए पाया। वह उनके सामने बैठ गई, और अपने बाएँ हाथ से उनके घुटने पकड़ लिए, जबकि अपने दाहिने हाथ से उनकी ठोड़ी के नीचे पकड़कर उनसे विनती की, और कहा:—
हे पिता बृहस्पति, यदि मैंने कभी भी अमर देवताओं के बीच वचन या कर्म से आपकी सेवा की है, तो मेरी प्रार्थना सुनिए और मेरे पुत्र को सम्मान दीजिए, जिसका जीवन इतनी जल्दी समाप्त होने वाला है। राजा एगामेम्नन ने उसका पुरस्कार लेकर और उसे अपने पास रखकर उसका अपमान किया है। इसलिए, हे ओलंपियन परामर्श के स्वामी, आप स्वयं उसे सम्मान दीजिए और ट्रोजन को विजय प्रदान कीजिए, जब तक कि अचेयन मेरे पुत्र को उसका हक न दे दें और प्रतिफल में उसे धन-संपत्ति से लाद न दें।
जोव कुछ देर चुपचाप और बिना कुछ बोले बैठे रहे, लेकिन थेतिस ने उनके घुटनों को मजबूती से पकड़े रखा और उनसे दूसरी बार विनती की। उन्होंने कहा, “अपना सिर झुकाइए और मुझसे पक्का वादा कीजिए, वरना मुझे नकार दीजिए – क्योंकि आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है – ताकि मैं जान सकूं कि आप मुझे कितना तुच्छ समझते हैं।”
यह सुनकर बृहस्पति बहुत व्याकुल हो गया और बोला, “यदि तुम मुझे जूनो से झगड़ा करवाओगे तो मुझे परेशानी होगी, क्योंकि वह अपने ताने भरे शब्दों से मुझे उकसाएगी; अभी भी वह दूसरे देवताओं के सामने मेरी निंदा करती रहती है और मुझ पर ट्रोजनों की सहायता करने का आरोप लगाती है। अब वापस जाओ, कहीं उसे पता न चल जाए। मैं इस मामले पर विचार करूंगा और तुम्हारी इच्छा के अनुसार इसे पूरा करूंगा। देखो, मैं अपना सिर झुकाता हूं ताकि तुम मुझ पर विश्वास करो। यह किसी भी देवता को दिया जाने वाला मेरा सबसे पवित्र संकेत है। जब मैं अपना सिर हिलाता हूं, तो मैं कभी भी अपने वचन से पीछे नहीं हटता,

न ही धोखा देता हूं और न ही अपनी कही हुई बात को पूरा करने में असफल होता हूं।”
जब वह बोल रहा था, शनि के पुत्र ने अपनी काली भौंहें झुका लीं, और उसके अमर सिर पर अमृतमयी लटें लहराने लगीं, जिससे विशाल ओलंपस कांप उठा।
जब दोनों ने अपनी योजनाएँ बना लीं, तो वे अलग हो गए – ज़्यूस अपने घर की ओर, जबकि देवी ओलंपस के वैभव को छोड़कर समुद्र की गहराई में उतर गईं। अपने पिता के आने से पहले ही देवता अपने-अपने स्थानों से उठ खड़े हुए। उनमें से कोई भी बैठने का साहस नहीं कर रहा था, बल्कि जैसे ही वह उनके बीच आया, सभी खड़े हो गए। फिर, वह वहाँ बैठ गया। लेकिन जूनो ने जब उसे देखा, तो वह जान गई कि वह और बूढ़े जलमानव की पुत्री, चांदी के पैरों वाली थेतिस, कोई शरारत रच रहे थे, इसलिए उसने तुरंत उसे फटकारना शुरू कर दिया। ‘धूर्त,’ वह चिल्लाई, ‘अब तुम किस देवता से सलाह ले रहे हो? तुम हमेशा मेरी पीठ पीछे गुप्त रूप से मामले निपटाते हो, और अगर हो सके तो तुमने मुझे कभी अपने इरादों के बारे में एक शब्द भी नहीं बताया।’
‘जूनो,’ देवताओं और मनुष्यों के जनक ने उत्तर दिया, ‘तुम्हें मेरी सभी योजनाओं की जानकारी मिलने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। तुम मेरी पत्नी हो, लेकिन तुम्हें उन्हें समझना मुश्किल लगेगा। जब तुम्हारे लिए सुनना उचित होगा, तो कोई भी, चाहे देवता हो या मनुष्य, मुझसे पहले नहीं बताया जाएगा, लेकिन जब मैं किसी बात को अपने तक ही रखना चाहूँ, तो तुम्हें न तो पूछताछ करनी चाहिए और न ही सवाल पूछने चाहिए।’
‘शनि के भयानक पुत्र,’ जूनो ने उत्तर दिया, ‘तुम किस बारे में बात कर रहे हो? मैं? ताक-झांक कर सवाल पूछना? कभी नहीं। मैं तुम्हें हर बात में अपनी मर्ज़ी से चलने देती हूँ। फिर भी, मुझे इस बात का गहरा संदेह है कि उस बूढ़े जलमानव की पुत्री थेतिस ने तुम्हें बहकाया है, क्योंकि वह आज सुबह तुम्हारे साथ थी और उसने तुम्हारे घुटने पकड़े हुए थे। इसलिए, मेरा मानना है कि तुमने उसे अकिलीज़ को गौरव दिलाने और अचियनों के जहाजों पर बहुत से लोगों को मारने का वादा किया है।’
‘पत्नी,’ बृहस्पति ने कहा, ‘मैं कुछ नहीं कर सकता सिवाय इसके कि तुम मुझ पर शक करो और सच्चाई जान लो। इससे तुम्हें कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि मैं तुम्हें और भी ज़्यादा नापसंद करने लगूँगा और तुम्हारे लिए हालात और भी कठिन हो जाएँगे। मान लो कि बात वही है जो तुम कह रही हो; मेरा यही इरादा

है; बैठ जाओ और चुप रहो जैसा मैं तुमसे कहता हूँ, क्योंकि अगर मैंने एक बार भी तुम पर हाथ उठाना शुरू कर दिया, तो चाहे सारा स्वर्ग तुम्हारे साथ हो, तुम्हें कोई लाभ नहीं होगा।’
यह सुनकर जूनो भयभीत हो गई, इसलिए उसने अपने हठी इरादे को दबाकर चुपचाप बैठ गई। परन्तु बृहस्पति के घर में सभी देवदूत अशांत हो गए, तब चतुर कारीगर वल्कन ने अपनी माता जूनो को शांत करने का प्रयास किया। उसने कहा, “यह असहनीय होगा यदि तुम दोनों आपस में झगड़कर कुछ मनुष्यों के लिए स्वर्ग में हंगामा खड़ा कर दो। यदि ऐसी बुरी सलाहें चलती रहीं, तो हमें अपने भोज में आनंद नहीं मिलेगा। इसलिए मैं अपनी माता को सलाह देता हूँ – और वह स्वयं जानती है कि यह बेहतर होगा – कि वह मेरे प्रिय पिता बृहस्पति से मित्रता कर लें, अन्यथा वह फिर से उन्हें डांटेंगे और हमारे भोज में खलल डालेंगे। यदि ओलंपियन गर्जन देवता हम सबको अपनी सीटों से उठाना चाहें, तो वह ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि वह सबसे शक्तिशाली हैं, इसलिए उनसे मीठे शब्दों में बात करें, और वह शीघ्र ही हमारे साथ प्रसन्न हो जाएँगे।”
बोलते हुए उन्होंने अमृत से भरे दो प्याले लिए और अपनी माँ के हाथ में
रख दिए। उन्होंने कहा, “हिम्मत रखो, मेरी प्यारी माँ, और इस स्थिति का सामना करो। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, और तुम्हें पिटते हुए देखकर मुझे बहुत दुख होगा; चाहे मुझे कितना भी दुख हो, मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता, क्योंकि बृहस्पति के आगे कोई खड़ा नहीं हो सकता। एक बार जब मैं तुम्हारी मदद करने की कोशिश कर रहा था, तो उसने मुझे पैर से पकड़कर स्वर्ग के द्वार से नीचे फेंक दिया था। सुबह से शाम तक मैं गिरता रहा, सूर्यास्त के समय मैं लेम्नोस द्वीप पर गिरा, और वहाँ मैं लगभग अधमरा पड़ा रहा, जब तक कि सिंटियन लोग आकर मेरी देखभाल नहीं करने लगे।”
यह देखकर जूनो मुस्कुराई और मुस्कुराते हुए उसने अपने बेटे के हाथों
से प्याला ले लिया। फिर वल्कन ने प्याले से मीठा अमृत निकाला और देवताओं के बीच बाएँ से दाएँ बारी-बारी से परोसा; और जब देवताओं ने उसे स्वर्ग के महल में इतनी चहल-पहल करते देखा तो वे सब ज़ोर से हँस पड़े।
इस प्रकार पूरे दिन सूर्यास्त तक उन्होंने दावत की और हर किसी को उसका पूरा हिस्सा मिला, जिससे सभी तृप्त हो गए। अपोलो ने अपना वीणा बजाया और देवियों ने मधुर स्वरों में एक-दूसरे को पुकारा और उत्तर दिए। लेकिन जब सूर्य का तेजस्वी प्रकाश फीका पड़ गया, तो वे अपने-अपने घर सोने चले गए,

जिसे लंगड़े वल्कन ने अपनी उत्कृष्ट कला से उनके लिए बनाया था। तब ओलंपियन देवता, गरज के देवता, बृहस्पति, उस पलंग की ओर दौड़े जिस पर वे हमेशा सोते थे; और उस पर लेटकर वे सो गए, उनके बगल में स्वर्ण सिंहासन वाली जूनो थीं।

1. एजिस, जोव या मिनर्वा की ढाल है।

पुस्तक 2

जोव ने अगामेम्नन को एक झूठा सपना भेजा, जिस पर अगामेम्नन ने सेनापतियों को बुलाया और अपनी सेना का मनोबल जानने का प्रस्ताव
रखा - अंत में वे युद्ध के लिए निकल पड़े - अचियन और ट्रोजन सेनाओं
की सूची।
मैदान में मौजूद अन्य देवता और सशस्त्र योद्धा गहरी नींद में सो रहे थे, लेकिन बृहस्पति जाग रहा था, क्योंकि वह सोच रहा था कि अकिलीज़ का सम्मान कैसे किया जाए और अचेयनों के जहाजों पर बहुत से लोगों को कैसे नष्ट किया जाए। अंत में उसने राजा एगामेम्नन को झूठा सपना भेजना सबसे अच्छा समझा; इसलिए उसने एक सपने को अपने पास बुलाया और उससे कहा, 'झूठे सपने, अचेयनों के जहाजों पर, एगामेम्नन के तम्बू में जाओ, और उससे वही शब्द कहो जो मैं तुम्हें अभी कह रहा हूँ। उससे कहो कि वह अचेयनों को तुरंत हथियारबंद कर दे, क्योंकि वह ट्रॉय पर कब्जा कर लेगा। देवताओं के बीच अब कोई मतभेद नहीं है; जूनो ने उन्हें अपने मन में कर लिया है, और ट्रोजनों का बुरा हाल होगा।' अपना संदेश सुनकर स्वप्न चला गया और शीघ्र ही अचेयनों के जहाजों तक पहुँच गया। उसने एट्रीयस के पुत्र अगमेम्नन को ढूँढा और उसे उसके तम्बू में गहरी नींद में पाया। वह नेलियस के पुत्र नेस्टर के रूप में उसके सिर के ऊपर मंडराया, जिसे अगमेम्नन अपने सभी सलाहकारों से अधिक सम्मान देता था, और कहा:—
‘हे एट्रीयस के पुत्र, तुम सो रहे हो; जिस पर अपनी सेना के कल्याण और
अन्य कई जिम्मेदारियों का भार है, उसे अपनी नींद कम करनी चाहिए। मेरी बात तुरंत सुनो, क्योंकि मैं ज़्यूस का दूत बनकर आया हूँ, जो भले ही पास न हो, फिर भी तुम्हारे बारे में सोचता है और तुम पर दया करता है। वह तुम्हें आदेश देता है कि अचेयनों को तुरंत हथियारबंद करो, क्योंकि तुम्हें ट्रॉय पर विजय प्राप्त करनी है। देवताओं के बीच अब कोई मतभेद नहीं है; जूनो ने उन्हें अपने पक्ष में कर लिया है, और ज़्यूस के हाथों ट्रोजनों का बुरा हाल होगा। इसे याद रखना, और जब तुम जाग जाओ तो इसे अपने ध्यान से न भूलो।’

फिर उसका सपना टूट गया और वह उन बातों के बारे में सोचने लगा जो
निश्चित रूप से पूरी नहीं हो सकती थीं। उसने सोचा कि उसी दिन उसे प्रियम के शहर पर कब्ज़ा करना है, लेकिन वह ज़रा भी नहीं जानता था कि ज़्यूस के मन में क्या चल रहा था, जिसने दानान और ट्रोजन दोनों के लिए कई और कठिन लड़ाइयाँ तय कर रखी थीं। तभी वह जाग उठा, उसके कानों में अभी भी ईश्वरीय संदेश गूंज रहा था; इसलिए वह सीधा बैठ गया और अपनी सुंदर और नई मुलायम कमीज़ पहनी, और उसके ऊपर अपना भारी लबादा ओढ़ लिया। उसने अपने सुंदर पैरों में सैंडल बांधे और अपनी चांदी जड़ी तलवार अपने कंधों पर टांग ली; फिर उसने अपने पिता का अविनाशी डंडा उठाया और अचेयनों के जहाजों की ओर चल पड़ा। भोर की देवी अब विशाल ओलंपस की ओर चल पड़ीं ताकि वे बृहस्पति और अन्य
अमर देवताओं को दिन की सूचना दे सकें, और एगामेम्नन ने लोगों को सभा में बुलाने के लिए उद्घोषकों को भेजा; उन्होंने लोगों को बुलाया और वे सब एकत्रित हो गए। लेकिन सबसे पहले उन्होंने पाइलोस के राजा नेस्टर के जहाज पर बुजुर्गों की एक सभा बुलाई, और जब वे सब एकत्रित हो गए तो उन्होंने उनके सामने एक धूर्त योजना रखी।
‘मेरे मित्रों,’ उसने कहा, ‘मुझे आधी रात को स्वर्ग से एक स्वप्न आया, जिसका चेहरा और आकृति नेस्टर के समान थी। वह मेरे सिर के ऊपर मंडराया और बोला, ‘हे एट्रीयस के पुत्र, तुम सो रहे हो; जिस पर अपनी सेना का कल्याण और अन्य इतनी सारी जिम्मेदारियाँ हैं, उसे अपनी नींद कम कर देनी चाहिए। मेरी बात तुरंत सुनो, क्योंकि मैं बृहस्पति का दूत हूँ, जो भले ही पास न हो, फिर भी तुम्हारे बारे में सोचता है और तुम पर दया करता है। वह तुम्हें आदेश देता है कि अचेयनों को तुरंत हथियारबंद करो, क्योंकि तुम ट्रॉय पर विजय प्राप्त करोगे। देवताओं के बीच अब कोई मतभेद नहीं है; जूनो ने उन्हें अपने पक्ष में कर लिया है, और बृहस्पति के हाथों ट्रोजनों का विनाश होगा। इसे याद रखना।’ फिर स्वप्न गायब हो गया और मैं जाग गया। इसलिए अब हम अचेयनों के पुत्रों को हथियारबंद करें। लेकिन यह अच्छा होगा कि मैं पहले उन्हें सूचित करूँ, और इसके लिए मैं उन्हें अपने जहाजों के साथ भागने के लिए कहूँगा; लेकिन क्या तुम दूसरे लोग सेना के बीच जाकर उन्हें ऐसा करने से रोकते हो?
फिर वह बैठ गया, और पाइलोस के राजकुमार नेस्टर ने पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उन्हें संबोधित करते हुए कहा: ‘मेरे मित्रों, आर्गीव के

राजकुमारों और सलाहकारों, यदि अचेयन वंश के किसी अन्य व्यक्ति ने हमें इस सपने के बारे में बताया होता, तो हम इसे झूठा मानते और इससे कोई वास्ता नहीं रखते। लेकिन जिसने यह सपना देखा है, वह हममें सबसे अग्रणी है; इसलिए हमें लोगों को हथियारबंद करने का कार्य शुरू करना चाहिए।’
इसके साथ ही वह सभा से आगे बढ़ा, और अन्य राजदंडधारी राजा भी एगामेम्नन के आदेश का पालन करते हुए उसके साथ उठ खड़े हुए; परन्तु लोग सुनने के लिए आगे बढ़ते रहे। वे मधुमक्खियों की तरह झुंड बनाकर वसंत के फूलों के बीच गुच्छों में मंडरा रहे थे; ठीक वैसे ही विशाल जनसमूह जहाजों और तम्बुओं से सभा की ओर उमड़ पड़ा, और चौड़े जलमग्न तट पर फैल गया, जबकि उनके बीच बृहस्पति का दूत, वाइल्डफायर रूमर, दौड़ता हुआ उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा था। इस प्रकार वे उन्मादपूर्ण अव्यवस्था में एकत्रित हुए, और लोगों के अपने-अपने स्थान खोजने के कारण धरती उनके कदमों से कांप उठी। नौ दूत उनके बीच चिल्लाते हुए उनके शोर को शांत करने और उन्हें राजाओं की बात सुनने के लिए कह रहे थे, जब तक कि अंततः वे अपने-अपने स्थानों पर नहीं पहुंच गए और उनका शोरगुल शांत नहीं हो गया। तब राजा एगामेम्नन अपना राजदंड थामे हुए उठे। यह वल्कन की रचना थी, जिसने इसे शनि के पुत्र जोव को दिया। जोव ने इसे आर्गस के संहारक, मार्गदर्शक और संरक्षक मरकरी को दिया। राजा मरकरी ने इसे शक्तिशाली सारथी पेलोप्स को दिया, और पेलोप्स ने इसे अपनी प्रजा के चरवाहे एट्रियस को दिया। एट्रियस ने अपनी मृत्यु के समय इसे भेड़ों के धनी थाइस्टेस को सौंप दिया, और थाइस्टेस ने इसे एगामेम्नन को सौंप दिया, ताकि वह पूरे आर्गोस और द्वीपों का स्वामी बन सके। फिर, अपने राजदंड पर झुककर, उसने आर्गिवों को संबोधित किया।
“मेरे मित्रों,” उसने कहा, “वीरों, मंगल के सेवकों, मुझ पर ईश्वर का
भारी प्रकोप हुआ है। क्रूर बृहस्पति ने मुझे प्रतिज्ञा दिलाई थी कि लौटने से पहले मैं प्रियम नगर को लूट लूँगा, परन्तु उसने मेरे साथ विश्वासघात किया है और अब मुझे बहुत से लोगों की हानि के साथ अपमानजनक रूप से आर्गोस लौटने का आदेश दे रहा है। बृहस्पति की यही इच्छा है, जिसने अनेक गौरवशाली नगरों को धूल में मिला दिया है, और वह आगे भी कई नगरों को मिलाएगा, क्योंकि उसकी शक्ति सर्वोपरि है। यह भविष्य में एक दुखद कहानी होगी कि एक महान और वीर अचेयन सेना ने अपने से कम संख्या वाले लोगों के विरुद्ध व्यर्थ ही युद्ध किया; परन्तु अभी अंत निकट नहीं है। सोचो कि अचेयन और ट्रोजन ने एक

गंभीर संधि की शपथ ली है, और उनकी गिनती की गई है - ट्रोजन की गिनती उनके गृहस्वामियों की सूची से की गई है, और हमारी गिनती दस-दस के समूहों से की गई है; यह भी सोचो कि हमारे प्रत्येक समूह ने अपने लिए शराब परोसने हेतु एक ट्रोजन गृहस्वामी की इच्छा की थी; हमारी संख्या इतनी अधिक है कि कई टुकड़ियों को अपने प्याला उठाने वाले के बिना ही जाना पड़ेगा। लेकिन शहर में उनके कई सहयोगी हैं जो दूसरे स्थानों से आए हैं, और यही मुझे इलियस के समृद्ध शहर को लूटने से रोक रहे हैं। बृहस्पति के नौ वर्ष बीत चुके हैं; हमारे जहाजों की लकड़ियाँ सड़ चुकी हैं; उनका साज-सामान अब ठीक नहीं है। घर पर हमारी पत्नियाँ और बच्चे बेसब्री से हमारे आने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन जिस काम के लिए हम यहाँ आए थे, वह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें: अपने देश वापस चलें, क्योंकि हम ट्रॉय पर कब्जा नहीं कर पाएंगे।
इन शब्दों से उसने भीड़ के दिलों को छू लिया, जिनमें से कई लोग
अगामेम्नन की धूर्त सलाह से अनभिज्ञ थे। वे इकारियन सागर की लहरों की तरह उमड़ पड़े, जैसे पूरब और दक्षिण की हवाएँ आकाश के बादलों से निकलकर उन पर प्रहार करती हैं; या जैसे पश्चिम की हवा अनाज के खेत पर बहती है और बालियाँ हवा के झोंके से झुक जाती हैं, ठीक वैसे ही वे ऊँची आवाज़ में चिल्लाते हुए जहाजों की ओर दौड़े और उनके पैरों की धूल आसमान में उड़ने लगी। उन्होंने जहाजों को समुद्र में खींचने के लिए एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाया; उन्होंने अपने सामने के रास्ते साफ़ किए; उन्होंने जहाजों के नीचे से रस्सियाँ हटानी शुरू कर दीं और आकाश उनकी खुशी की चीखों से गूंज उठा, वे वापस लौटने के लिए इतने उत्सुक थे।
तब तो निश्चित रूप से अर्गिव्स किसी ऐसे तरीके से लौटते जो उनके भाग्य में नहीं लिखा था। लेकिन जूनो ने मिनर्वा से कहा, ‘हे अदम्य बृहस्पति की पुत्री, हाय! क्या अर्गिव्स विशाल समुद्र पार करके अपने देश लौट जाएंगे और प्रियम और ट्रोजन को हेलेन को अपने पास रखने का गौरव दे देंगे, जिसके लिए ट्रॉय में इतने सारे अचेयन अपने घरों से दूर शहीद हुए? तुरंत सेना के बीच जाओ और उनसे एक-एक करके विनम्रता से बात करो, ताकि वे अपने जहाज समुद्र में न उतारें।’
मिनर्वा ने आज्ञा का पालन करने में जरा भी देर नहीं की। वह ओलंपस की
सबसे ऊँची चोटियों से तेजी से नीचे उतरी और पल भर में अचेयनों के जहाजों के

पास पहुँच गई। वहाँ उसने बृहस्पति के समकक्ष, यूलिसिस को अकेले खड़े पाया। वह अभी तक अपने जहाज पर सवार नहीं हुआ था, क्योंकि वह दुखी और निराश था; इसलिए वह उसके पास गई और बोली, 'यूलिसिस, लार्टेस के महान पुत्र, क्या तुम अपने जहाजों में सवार होकर इस तरह अपने देश वापस जाओगे? क्या तुम प्रियम और ट्रोजनों को हेलेन को अपने पास रखने का गौरव सौंपोगे, जिसके लिए ट्रॉय में इतने सारे अचेयन अपने घरों से दूर शहीद हो गए? तुरंत सेना के बीच जाओ और हर एक से विनम्रतापूर्वक बात करो कि वे अपने जहाजों को समुद्र में न उतारें।'
यूलिसिस ने उस आवाज़ को देवी की आवाज़ के रूप में पहचान लिया; उसने
अपना लबादा फेंक दिया और भागने लगा। उसका सेवक यूरीबेट्स, जो इथाका का रहने वाला था और उसकी सेवा करता था, ने लबादा अपने हाथ में ले लिया। यूलिसिस सीधे एगामेम्नन के पास गया और उससे उसका खानदानी, अविनाशी डंडा ले लिया। इसी डंडे के साथ वह अचेयनों के जहाजों के बीच घूमने लगा।
जब भी वह किसी राजा या सरदार से मिलता, वह उसके पास खड़ा होकर उससे निष्पक्षता से बात करता। उसने कहा, ‘महाराज, यह पलायन कायरतापूर्ण और अशोभनीय है। अपने पद पर डटे रहिए और अपने लोगों को भी अपने-अपने स्थानों पर रहने का आदेश दीजिए। आप अभी तक एगामेम्नन के मन की पूरी जानकारी नहीं रखते; वह हमारी स्थिति का जायजा ले रहा था और जल्द ही अपना क्रोध अचेयनों पर बरसाएगा। हम सभी उस समय सभा में उपस्थित नहीं थे कि उसकी बातें सुन सकें; सावधान रहिए, कहीं वह क्रोधित होकर हमें नुकसान न पहुँचा दे; क्योंकि राजाओं का अहंकार बहुत बड़ा होता है और उन पर ईश्वर की कृपा होती है।’
लेकिन जब भी उसे कोई शोर मचाने वाला आम आदमी मिलता, तो वह उसे अपनी लाठी से मारता और फटकारते हुए कहता, “अरे, चुप रहो और अपने से बेहतर लोगों की बात सुनो। तुम कायर हो और सैनिक नहीं; न तो युद्ध में और न ही परिषद में तुम कुछ भी नहीं हो; हम सब राजा नहीं हो सकते; अनेक स्वामी होना ठीक नहीं; एक ही व्यक्ति सर्वोच्च होना चाहिए – एक ही राजा जिसे षडयंत्रकारी शनि के पुत्र ने तुम सब पर प्रभुत्व का राजदंड दिया है।”
इस प्रकार वह कुशलतापूर्वक सेना के बीच घूमता रहा, और लोग अपने
तम्बुओं और जहाजों से परिषद में वापस भागे, जैसे लहरें किनारे पर टकराती हैं और सारा समुद्र शोरगुल मचाता है।

बाकी लोग अपनी-अपनी जगह पर बैठ गए, लेकिन थेरसाइटस अपनी बेलगाम जुबान चलाता रहा – वह बहुत बोलने वाला और अशोभनीय व्यक्ति था; राजद्रोह फैलाने वाला, सत्ता में बैठे सभी लोगों के खिलाफ़ बोलने वाला, जिसे इस बात की परवाह नहीं थी कि वह क्या कह रहा है, ताकि अचेयनों को हंसा सके। वह ट्रॉय के सामने आने वाले सभी लोगों में सबसे बदसूरत था – उसके पैर टेढ़े थे, एक पैर लंगड़ा था, और उसके दोनों कंधे झुके हुए थे और छाती पर लटके हुए थे। उसका सिर नुकीला था, लेकिन उसके सिर पर बहुत कम बाल थे। अकिलीज़ और यूलिसिस उससे सबसे ज़्यादा नफ़रत करते थे, क्योंकि वह अक्सर उन्हीं से झगड़ा करता था; लेकिन अब, तीखी और कर्कश आवाज़ में उसने एगामेम्नन पर गालियों की बौछार कर दी। अचेयन क्रोधित और नाराज़ थे, फिर भी वह एट्रीयस के पुत्र पर चिल्लाता और चीखता रहा।
‘अगामेम्नन,’ वह चिल्लाया, ‘अब तुम्हें क्या तकलीफ है, और तुम्हें और
क्या चाहिए? तुम्हारे तंबू पीतल और सुंदर स्त्रियों से भरे हुए हैं, क्योंकि जब भी हम कोई नगर जीतते हैं, हम तुम्हें उनमें से चुन-चुनकर देते हैं। क्या तुम्हें और सोना चाहिए, जो कोई ट्रोजन अपने बेटे की फिरौती के रूप में तुम्हें देगा, जब मैं या कोई दूसरा अचेयन उसे बंदी बना लेगा? या फिर कोई युवती है जिसके साथ तुम छिपकर सो सको? यह उचित नहीं है कि तुम, अचेयनों के शासक, उन्हें इस तरह के दुख में डाल रहे हो। कायरों, तुम मर्दों से ज़्यादा औरतों जैसे हो, चलो घर चलते हैं, और इस आदमी को ट्रॉय में उसके सम्मान के फल भुगतने के लिए छोड़ देते हैं, और उसे पता चलने देते हैं कि हमने उसकी कोई सेवा की या नहीं। अकिलीज़ उससे कहीं बेहतर आदमी है, और देखो उसने उसके साथ कैसा व्यवहार किया है – उसका इनाम छीनकर खुद रख लिया। अकिलीज़ इसे विनम्रता से स्वीकार करता है और कोई लड़ाई नहीं दिखाता; अगर वह लड़ता, एट्रेस के पुत्र, तो तुम उसे फिर कभी अपमानित नहीं कर पाते।’ इस प्रकार थेरसाइट ने क्रोध प्रकट किया, परन्तु यूलिसिस तुरंत उसके
पास गया और उसे कठोर शब्दों में फटकारा। “अपनी वाक्पटुता पर लगाम लगाओ, थेरसाइट, और एक शब्द भी आगे मत बोलो। जब तुम्हारा कोई समर्थक न हो तो राजकुमारों से बहस मत करो। एट्रीयस के पुत्रों के साथ ट्रॉय के समक्ष आने वाला कोई भी प्राणी इतना नीच नहीं है। राजाओं के बारे में यह बकवास बंद करो, न तो उन्हें कोसना और न ही घर लौटने की बात दोहराना। हमें अभी तक नहीं पता कि क्या होने वाला है, और न ही यह कि अचेयन लोग सफलता के साथ लौटेंगे या

असफलता के साथ। दानानियों द्वारा इतने सारे पुरस्कार दिए जाने पर तुम अगामेम्नन का उपहास करने की हिम्मत कैसे करते हो? इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ – और यह निश्चित रूप से होगा – कि यदि मैंने तुम्हें फिर कभी ऐसी बकवास करते हुए पकड़ा, तो या तो मैं अपना सिर काट दूँगा और टेलीमाकस का पिता कहलाना बंद कर दूँगा, या मैं तुम्हें पकड़कर, तुम्हारे कपड़े उतारकर, सभा से बाहर तब तक कोड़े मारूँगा जब तक तुम रोते-रोते जहाजों तक वापस न चले जाओ।”
इस पर उसने अपनी लाठी से उसकी पीठ और कंधों पर तब तक प्रहार किया जब तक
वह गिरकर रोने नहीं लगा। सोने के राजदंड से उसकी पीठ पर खून का निशान बन गया, इसलिए वह डर और दर्द से कराहते हुए बैठ गया, और अपनी आँखों से आँसू पोंछते हुए मूर्ख सा लग रहा था। लोगों को उस पर दया तो आई, लेकिन वे दिल खोलकर हँसे, और एक व्यक्ति अपने पड़ोसी से कहता, 'यूलिसिस ने इससे पहले युद्ध और परिषद में कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन उसने आर्गिव्स के लिए इससे बेहतर काम कभी नहीं किया जितना इस आदमी को बकवास करने से रोककर किया। अब यह राजाओं को अपनी बदतमीज़ी नहीं करने देगा।'
लोगों ने ऐसा कहा। तब यूलिसिस राजदंड हाथ में लिए उठे, और मिनर्वा ने
दूत के वेश में लोगों को शांत रहने का आदेश दिया, ताकि दूर खड़े लोग भी उनकी बात सुन सकें और उनकी सलाह पर विचार कर सकें। इसलिए उन्होंने पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उन्हें इस प्रकार संबोधित किया:
“राजा अगमेम्नन, अचेयन लोग आपको समस्त मानवजाति में उपहास का पात्र बनाना चाहते हैं। आर्गोस से प्रस्थान करते समय उन्होंने आपसे जो वादा किया था, कि आप ट्रॉय नगर को लूटने से पहले वापस नहीं लौटेंगे, वे उसे भूल गए हैं और बच्चों या विधवा स्त्रियों की तरह बड़बड़ाते हुए अपने घर की ओर चल पड़े हैं। यह सच है कि वे काफी परिश्रम कर चुके हैं और निराश हो चुके हैं। एक पुरुष जहाज पर, हवा और समुद्र के भरोसे रहते हुए, एक महीने के लिए भी अपनी पत्नी से दूर रहने पर दुखी होता है, लेकिन हमें यहाँ नौ साल से रखा गया है; इसलिए, यदि अचेयन लोग बेचैन हो जाते हैं तो मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता; फिर भी, इतने लंबे समय तक रहने के बाद खाली हाथ घर लौटना हमारे लिए शर्म की बात होगी – इसलिए, मेरे मित्रों, थोड़ा और धैर्य रखें ताकि हम जान सकें कि कल्चस की भविष्यवाणियाँ झूठी थीं या सच्ची।”

अडिग रहो; अर्गिव्स का नेतृत्व करते हुए युद्ध में जाओ, और इन मुट्ठी भर लोगों को सड़ने के लिए छोड़ दो, जो व्यर्थ ही षड्यंत्र रच रहे हैं, ताकि वे आर्गोस वापस जा सकें, इससे पहले कि उन्हें पता चले कि बृहस्पति सच्चा है या झूठा। क्योंकि शनि के शक्तिशाली पुत्र ने अवश्य ही वादा किया था कि हम सफल होंगे, जब हम अर्गिव्स ट्रोजनों पर मृत्यु और विनाश लाने के लिए रवाना हुए थे। उन्होंने हमारे दाहिने हाथों पर अपनी बिजली चमकाकर हमें शुभ संकेत दिखाए थे; इसलिए किसी को भी तब तक जाने की जल्दी नहीं करनी चाहिए जब तक वह पहले किसी ट्रोजन की पत्नी के साथ संबंध न बना ले और हेलेन के लिए किए गए कष्ट और पीड़ा का बदला न ले ले। फिर भी, यदि कोई व्यक्ति घर लौटने की इतनी जल्दी में है, तो उसे अपने जहाज पर सवार हो जाना चाहिए ताकि वह सबके सामने अपनी मृत्यु को प्राप्त हो सके। लेकिन, हे राजा, मेरी सलाह पर ध्यान दें, क्योंकि मेरी बात को हल्के में नहीं लिया जा सकता। हे अगामेम्नन, अपने सैनिकों को उनके अलग-अलग कबीलों और गोत्रों में बाँट दें, ताकि कबीले और गोत्र एक-दूसरे का साथ दें और एक-दूसरे की सहायता करें। यदि आप ऐसा करते हैं, और यदि अचेयन आपकी आज्ञा मानते हैं, तो आपको पता चल जाएगा कि कौन बहादुर है और कौन कायर; क्योंकि वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रकार आपको यह भी पता चल जाएगा कि क्या यह स्वर्ग की योजना के कारण है या मनुष्य की कायरता के कारण कि आप नगर पर कब्जा करने में असफल हो रहे हैं। और अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “नेस्टर, तुमने सलाह देने में अचेयनों को फिर से मात दे दी है। हे पिता बृहस्पति, मिनर्वा और अपोलो, काश मेरे पास तुम्हारे जैसे दस और सलाहकार होते, क्योंकि तब राजा प्रियम का नगर शीघ्र ही हमारे हाथों में आ जाता और हम उसे लूट लेते। परन्तु शनि का पुत्र मुझे व्यर्थ के झगड़ों और कलह में उलझाए हुए है। अकिलीज़ और मैं उस लड़की के विषय में झगड़ रहे हैं, जिसमें सबसे पहले मैंने ही गलती की थी; यदि हम फिर से एकमत हो जाएँ, तो ट्रोजन एक दिन भी विनाश को नहीं टाल पाएँगे। इसलिए, अब तुम अपना सुबह का भोजन कर लो, ताकि हमारी सेनाएँ युद्ध में शामिल हो सकें। अपने भालों को अच्छी तरह से तेज करो; अपनी ढालों को ठीक से व्यवस्थित करो; अपने घोड़ों को अच्छा चारा दो, और अपने रथों की सावधानीपूर्वक जाँच करो, ताकि हम पूरे दिन युद्ध कर सकें; क्योंकि रात होने तक हमें एक पल भी आराम नहीं मिलेगा।” तुम्हारे कंधों पर पसीने से भीगे हुए ढालों के पट्टे तुम्हारे कंधों पर लटके हुए होंगे, तुम्हारे हाथ भाले चलाते-चलाते थक

जाएँगे, तुम्हारे घोड़े तुम्हारे रथों के आगे-आगे दौड़ते हुए भाप छोड़ते रहेंगे, और यदि मैं किसी को युद्ध से भागते हुए या जहाजों पर छिपकर इससे बचने की कोशिश करते हुए देखूँ, तो उसकी कोई मदद नहीं होगी, बल्कि वह कुत्तों और गिद्धों का शिकार बन जाएगा।
इस प्रकार उसने कहा, और अचेयन लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उसका स्वागत किया। जैसे दक्षिण की ओर से आने वाली तेज़ हवा के झोंके से लहरें ऊंची उठती हैं और किसी ऊंचे टीले से टकराकर लगातार उस पर प्रहार करती हैं, जैसे हर दिशा से आने वाले तूफान उन्हें धकेलते हैं, वैसे ही अचेयन लोग उठे और अपने जहाजों की ओर दौड़ पड़े। वहां उन्होंने अपने तम्बुओं में आग जलाई और भोजन किया, प्रत्येक व्यक्ति ने किसी न किसी देवता को बलि चढ़ाई और प्रार्थना की कि वह युद्ध से बचकर निकले। मनुष्यों के राजा एगामेम्नन ने शनि के शक्तिशाली पुत्र को एक पांच वर्षीय मोटे बैल की बलि दी और अपनी सेना के राजकुमारों और बुजुर्गों को आमंत्रित किया। सबसे पहले उसने नेस्टर और राजा इडोमेनियस को, फिर दोनों अजाक्स और टाइडियस के पुत्र को, और अंत में देवताओं के सलाहकार यूलिसिस को आमंत्रित किया; लेकिन मेनेलास अपनी मर्जी से आया, क्योंकि वह जानता था कि उसका भाई उस समय कितना व्यस्त था। वे हाथों में जौ का आटा लिए बैल के चारों ओर खड़े थे, और एगामेम्नन ने प्रार्थना करते हुए कहा, “हे सबसे महिमावान, सर्वोच्च, स्वर्ग में निवास करने वाले और तूफानी बादल पर सवार होने वाले बृहस्पति, कृपा करें कि सूर्य अस्त न हो, और रात न हो, जब तक कि प्रियम का महल ध्वस्त न हो जाए और उसके द्वार आग से भस्म न हो जाएं। कृपा करें कि मेरी तलवार हेक्टर के हृदय के पास उसकी कमीज को भेद दे, और उसके अनेक साथी उसके चारों ओर मरते हुए धूल चाट लें।”
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, परन्तु शनि के पुत्र ने उसकी प्रार्थना पूरी नहीं की। उसने बलि स्वीकार तो कर ली, पर उनका परिश्रम निरंतर बढ़ता ही रहा। प्रार्थना करने और बलि पर जौ का आटा छिड़कने के बाद, उन्होंने उसका सिर खींचकर उसे मार डाला और फिर उसकी खाल उतार दी। उन्होंने जांघ की हड्डियाँ काटकर उन्हें चर्बी की दो परतों में लपेट दिया और उनके ऊपर कच्चे मांस के टुकड़े रख दिए। उन्होंने इन्हें जलाऊ लकड़ी के लट्ठों पर जलाया, परन्तु भीतरी मांस को सीखों पर रखकर पकाया। जब जांघ की हड्डियाँ जल गईं और उन्होंने भीतरी मांस का स्वाद चख लिया, तो उन्होंने शेष मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लिया, टुकड़ों को सीखों पर रखकर तब तक भूना जब तक वे पक न

जाएँ और फिर उन्हें उतार लिया; फिर, जब उनका काम पूरा हो गया और भोज तैयार हो गया, तो उन्होंने उसे खाया और प्रत्येक व्यक्ति को उसका पूरा हिस्सा मिला, जिससे सभी तृप्त हो गए। जैसे ही उन्होंने भरपेट खा-पी लिया, गेरेन के योद्धा नेस्टर ने बोलना शुरू किया। ‘राजा एगामेम्नन,’ उसने कहा, ‘यहाँ समय बर्बाद न करें, न ही उस कार्य में ढिलाई बरतें जो स्वर्ग ने हमें सौंपा है। दूतों को लोगों को उनके अपने-अपने जहाजों पर इकट्ठा होने के लिए कहें; फिर हम सेना के बीच जाकर तुरंत युद्ध शुरू करेंगे।’
उसने ऐसा कहा और एगामेम्नन ने उसकी बात मान ली। उसने तुरंत उद्घोषकों
को लोगों को सभा में बुलाने के लिए भेजा। उन्होंने लोगों को बुलाया और वे सब इकट्ठा हो गए। एट्रियस के पुत्र के चारों ओर के सरदारों ने अपने-अपने सैनिकों को चुना और उन्हें व्यवस्थित किया, जबकि मिनर्वा उनके बीच अपनी अनमोल कवच (एजिस) को थामे चल रही थी, जो न तो कभी बूढ़ी होती है और न ही कभी मरती है। उसमें से शुद्ध सोने के सौ गुच्छे लहरा रहे थे, जो सभी कुशलता से बुने गए थे और प्रत्येक गुच्छे की कीमत सौ बैलों के बराबर थी। वह इस कवच के साथ अचेयन सेना के बीच तेज़ी से दौड़ती रही, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही और प्रत्येक के हृदय में साहस भरती रही, ताकि वे बिना रुके लड़ सकें और युद्ध कर सकें। इस प्रकार युद्ध उनकी दृष्टि में अपने जहाजों में घर लौटने से भी अधिक सुखद हो गया। जैसे किसी पर्वत की चोटी पर भीषण जंगल की आग भड़कती है और उसकी रोशनी दूर-दूर तक दिखाई देती है, वैसे ही जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, उनके कवच की चमक आकाश में फैलती गई।
वे कैस्टर के आसपास के मैदान में हंसों, सारसों या बत्तखों के विशाल झुंडों की तरह थे, जो उड़ान के गौरव में मग्न होकर इधर-उधर उड़ते हैं और जब वे बैठते हैं तो चीखते हैं, जिससे दलदल उनकी चीखों से गूंज उठता है। ठीक इसी प्रकार उनके कबीले जहाजों और तंबुओं से निकलकर स्कैमंडर के मैदान में आ गिरे; और मनुष्यों और घोड़ों के पैरों तले ज़मीन पीतल की तरह गूंज उठी। वे फूलों से सजे मैदान पर इतने घने खड़े थे जैसे ग्रीष्म ऋतु में खिलने वाले पत्ते।
जिस प्रकार वसंत ऋतु में जब बाल्टियाँ दूध से लथपथ होती हैं, तो चरवाहे के घर के चारों ओर मक्खियों के अनगिनत झुंड भिनभिनाते हैं, ठीक उसी प्रकार अचेयन लोग मैदान में उमड़ पड़े और ट्रोजन पर हमला करके उन्हें नष्ट कर दिया।

युद्ध शुरू होने से पहले सरदारों ने अपने सैनिकों को इधर-उधर तैनात कर दिया, ठीक वैसे ही जैसे चरवाहे चरते समय झुंड के अलग हो जाने पर उन्हें अलग करते हैं; और उनमें राजा अगामेम्नन भी शामिल हो गए, जिनका सिर और चेहरा गरज के देवता ज़्यूस जैसा, कमर मंगल जैसी और सीना नेपच्यून जैसा था। जैसे कोई विशाल बैल मैदान में झुंडों पर राज करता है, वैसे ही ज़्यूस ने एट्रीयस के पुत्र को वीरों की भीड़ में अद्वितीय बना दिया।
और अब, हे ओलंपस के महलों में निवास करने वाली देवियों, मुझे बताइए – क्योंकि आप देवियाँ हैं और सर्वत्र विद्यमान हैं, इसलिए आप सब कुछ देखती हैं, जबकि हम केवल सुनी-सुनाई बातों से ही जानते हैं – दानानों के सरदार और राजकुमार कौन थे? जहाँ तक आम सैनिकों की बात है, वे इतने अधिक थे कि मैं उनमें से प्रत्येक का नाम नहीं बता सकती, चाहे मेरे पास दस जीभें हों, और चाहे मेरी आवाज कभी न रुके और मेरा हृदय पीतल का हो, जब तक कि आप, हे ओलंपियन देवियों, एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की पुत्रियाँ, मुझे उनका वर्णन न करें। फिर भी, मैं जहाजों के कप्तानों और पूरे बेड़े के बारे में एक साथ बताऊँगी।
पेनेलियोस, लेइटस, आर्सेसिलॉस, प्रोथोएनोर और क्लोनियस बोएटियनों के सेनापति थे। ये वे लोग थे जो हाइरिया और पथरीले औलिस में निवास करते थे, और जिनके पास शोएनस, स्कोलस और एटियोनस के ऊंचे इलाके, साथ ही थेस्पिया, ग्राइया और सुंदर शहर माइकेलेसस थे। उनके पास हरमा, इलेसियम और एरिथ्रे भी थे; और उनके पास इलियोन, हाइले और पेटेऑन; ओकालिया और मेडियन का मजबूत किला; कोपे, यूट्रेसिस और कबूतरों का निवास स्थान थिस्बे; कोरोनिया और हेलियार्टस के चारागाह; प्लेटिया और ग्लिसास; थेब्स का छोटा किला; नेपच्यून के प्रसिद्ध उपवन के साथ पवित्र ओन्चेस्टस; अंगूर के बागों से समृद्ध आर्ने; मिडिया, पवित्र नीसा और समुद्र तट पर स्थित एंथेडन थे। इन जहाजों में से पचास जहाज आए, और प्रत्येक जहाज में बोएटियन जनजाति के एक सौ बीस युवक सवार थे।
मार्स के पुत्र एस्कालाफस और इयालमेनस, मिन्यास राज्य के एस्पलेडॉन
और ओर्कोमेनस में रहने वाले लोगों का नेतृत्व कर रहे थे। एज़ियस के पुत्र एक्टर के घर में एक कुलीन कन्या एस्ट्योचे ने उन्हें जन्म दिया; क्योंकि वह मार्स के साथ गुप्त रूप से एक ऊपरी कमरे में गई थी और उसने उसके साथ संबंध बनाए थे। उनके साथ तीस जहाज भी थे।

फोकियनों का नेतृत्व शेडियस और एपिस्ट्रोफस कर रहे थे, जो शक्तिशाली इफिटस के पुत्र नौबोलस के पुत्र थे। ये वे लोग थे जिन्होंने साइपारिसस, पथरीले पाइथो, पवित्र क्रिसा, डौलिस और पैनोपियस पर अधिकार कर रखा था; वे लोग भी थे जो एनेमोरिया और हयाम्पोलिस में, और सेफिसस नदी के जलक्षेत्र के आसपास, तथा सेफिसस के झरनों के पास लिलिया में निवास करते थे; उनके सरदारों के साथ चालीस जहाज आए, और उन्होंने फोकियनों की सेनाओं को संगठित किया, जो बोएटियनों के ठीक बाईं ओर तैनात थीं।
ओइलियस के कुशल पुत्र एजैक्स ने लोक्रियनों का नेतृत्व किया। वह
टेलमोन के पुत्र एजैक्स जितना महान तो नहीं था, लेकिन उसके लगभग बराबर भी नहीं था। वह कद में छोटा था और उसका कवच लिनन का बना था, फिर भी भाले के प्रयोग में वह सभी यूनानियों और अचियनों से श्रेष्ठ था। ये लोग बोग्रियस नदी के आसपास सिनस, ओपोउस, कैलियारस, बेसा, स्कार्फे, सुंदर औगे, टारफे और थ्रोनियम में निवास करते थे। उसके साथ यूबोआ के पार निवास करने वाले लोक्रियनों के चालीस जहाज भी थे।
भयंकर अबांटेस जनजाति ने यूबोआ और उसके नगरों, चाल्किस, एरेट्रिया, अंगूर की लताओं से समृद्ध हिस्टिया, समुद्र तट पर स्थित सेरिंथस और चट्टानों पर बसे डियम नगर पर अधिकार कर लिया था। उनके साथ कैरिस्टस और स्टाइरा के लोग भी थे; मार्स वंश का एलीफेनोर इन सबका सेनापति था; वह चालकोडोन का पुत्र और समस्त अबांटेस का मुखिया था। उसके साथ वे आए थे, तेज कदमों वाले और लंबे बालों वाले, वीर योद्धा, जो अपने लंबे राख जैसे भालों से अपने शत्रुओं के कवच को चीरने का सर्वथा प्रयासरत थे। उनके साथ पचास जहाज भी आए थे।
और एथेंस के शक्तिशाली शहर पर कब्ज़ा करने वाले, महान एरेक्थियस के
लोग, जो स्वयं उसी भूमि में जन्मे थे, लेकिन बृहस्पति की पुत्री मिनर्वा ने उनका पालन-पोषण किया और उन्हें एथेंस में अपने समृद्ध मंदिर में स्थापित किया। वहाँ, वर्ष दर वर्ष, एथेंस के युवक बैल और मेढ़ों की बलि देकर उनकी पूजा करते थे। इन बलिदानों का आदेश पेटियोस के पुत्र मेनेस्थियस ने दिया था। रथों और पैदल सैनिकों को संगठित करने में कोई भी जीवित व्यक्ति उनका समकक्ष नहीं था। केवल नेस्टर ही उनका प्रतिद्वंदी था, क्योंकि वह उनसे उम्र में बड़ा था। उनके साथ पचास जहाज आए थे।

एजैक्स सलामिस से बारह जहाज लेकर आया और उन्हें एथेंसवासियों के
जहाजों के साथ तैनात कर दिया।
आर्गोस के लोग, और तिरिन्स की दीवारों पर तैनात लोग, हर्मियोनी और
खाड़ी पर स्थित असीन; ट्रोज़ेन, इओना और एपिडॉरस के अंगूर के बाग; इसके अलावा, एगिना और मासेस से आए अचियन युवक; इन सबका नेतृत्व ऊँचे युद्धघोष वाले डायोमेड और प्रसिद्ध कैपेनियस के पुत्र स्टेनेलस कर रहे थे। उनके साथ राजा मेसिस्टियस के पुत्र और तालौस के पोते यूरियलस भी कमान संभाल रहे थे; लेकिन डायोमेड इन सबका मुखिया था। इनके साथ अस्सी जहाज भी आए थे। माइसेना के शक्तिशाली नगर, समृद्ध कोरिंथ और क्लियोना; ओर्नेआ, अरैथिरिया और लिसियन (जहाँ प्राचीन काल में एड्रास्टस का शासन था); हाइपेरेसिया, उच्च गोनोएस्सा और पेलेने; एजियम और हेलिस के आसपास के सभी तटीय क्षेत्रों के शासकों ने एट्रियस के पुत्र राजा एगामेम्नन के नेतृत्व में सौ जहाज भेजे। उनकी सेना सबसे श्रेष्ठ और संख्या में सबसे अधिक थी, और उनके बीच स्वयं राजा थे, जो चमकते कांसे के कवच में अत्यंत गौरवशाली प्रतीत होते थे - वीरों में सबसे आगे, क्योंकि वे सबसे महान राजा थे और उनके अधीन सबसे अधिक सैनिक थे।
और जो लोग पहाड़ियों के बीच बसे लेसेडेमोन में रहते थे, फारिस,
स्पार्टा, मेस्से (कबूतरों का निवास स्थान), ब्रायसी, औगे, एमीक्ले और हेलोस (समुद्र के किनारे), लास और ओटिलस; इन सभी का नेतृत्व एगामेम्नन के भाई, ऊँचे युद्धघोष वाले मेनेलास ने किया, और उनके साठ जहाज़ थे, जो अन्य जहाज़ों से अलग खड़े थे। मेनेलास स्वयं भी उनमें से एक था, जोश से भरा हुआ, अपने सैनिकों को युद्ध के लिए प्रेरित कर रहा था; क्योंकि वह हेलेन के लिए किए गए कष्ट और पीड़ा का बदला लेना चाहता था।
पाइलोस और एरेन के लोग, और थ्रियम जहाँ अल्फ़ियस नदी का घाट है;
शक्तिशाली एइपी, साइपारिसीस और एम्फ़िजेनिया; पटेलियम, हेलोस और डोरियम, जहाँ म्यूज़ ने थामिरिस से मुलाकात की और उसके संगीत को हमेशा के लिए शांत कर दिया। वह ओकेलिया से लौट रहा था, जहाँ यूरिटस रहता और शासन करता था, और उसने घमंड किया कि यदि एजिस धारण करने वाले ज़्यूस की पुत्रियाँ, म्यूज़, उसके विरुद्ध गाएँगी तो वह उन्हें भी मात दे देगा; इस पर वे क्रोधित हुईं और उसे अपंग कर दिया। उन्होंने उससे उसकी दिव्य गायन शक्ति छीन ली, और उसके

बाद वह वीणा नहीं बजा सका। ये सब गेरेन के योद्धा नेस्टर के आदेश पर हुए थे, और उसके साथ नब्बे जहाज आए थे।
और वे लोग जिन्होंने अर्काडिया पर अधिकार कर रखा था, जो साइलीन के ऊँचे पर्वत के नीचे, एपिटस की कब्र के पास स्थित थे, जहाँ के लोग आमने-सामने की लड़ाई लड़ते थे; फेनियस के लोग भी, और भेड़-बकरियों से समृद्ध ओर्कोमेनस के लोग; रिपे, स्ट्रैटी और उजाड़ एनीस्पे के लोग; टेगेआ और सुंदर मंतिनिया के लोग; स्टिम्फेलस और पर्रासिया के लोग; इन सबका सेनापति एंकायस का पुत्र अगापेनोर था, और उनके पास साठ जहाज थे। इनमें से प्रत्येक जहाज में कई अर्काडियावासी, कुशल सैनिक, आए थे, लेकिन अगामेम्नन ने उनके लिए समुद्र पार करने के लिए जहाज ढूंढे, क्योंकि वे ऐसे लोग नहीं थे जो जलमार्गों पर अपना काम करते हों।
इसके अतिरिक्त, बुप्रैसियम और एलिस के लोग, जो हाइर्मिन, समुद्र तट पर स्थित मिरसिनस, ओलेन चट्टान और एलेसियम के बीच स्थित क्षेत्र में रहते थे, उनके चार नेता थे और प्रत्येक के पास दस जहाज थे, जिनमें कई एपिअन सवार थे। उनके कप्तान एम्फिमाकस और थाल्पियस थे - एक, सीएटस का पुत्र और दूसरा, यूरिटस का पुत्र - दोनों ही एक्टर वंश के थे। अन्य दो थे डायोरेस, अमरिनसेस का पुत्र, और पॉलीक्सेनस, राजा अगास्थेनेस का पुत्र, जो औगेस का पुत्र था। और डुलिचियम के वे लोग, जो पवित्र एकिनियन द्वीपों के साथ एलिस के तट
से दूर समुद्र में निवास करते थे; उनका नेतृत्व मेगेस कर रहा था, जो मंगल का समकक्ष और वीर फाइलियस का पुत्र था, जो बृहस्पति का प्रिय था, जिसने अपने पिता से झगड़ा किया और डुलिचियम में बसने चला गया। उसके साथ चालीस जहाज आए थे।
यूलिसिस ने वीर सेफैलिनियनों का नेतृत्व किया, जिनके पास इथाका,
नेरिटम (उसके जंगलों सहित), क्रोसीलिया, बीहड़ एगिलिप्स, सामोस और ज़ैकिंथस के साथ-साथ द्वीपों के सामने स्थित मुख्य भूमि भी थी। यूलिसिस, जो परामर्श में बृहस्पति के समकक्ष थे, के नेतृत्व में बारह जहाज आए थे। एंड्रेमोन के पुत्र थोआस ने एटोलियनों की कमान संभाली, जो प्लुरोन, ओलेनस, पाइलीन, समुद्र के किनारे चालसिस और पथरीले कैलिडोन में निवास करते थे। महान राजा ओएनियस के अब कोई पुत्र जीवित नहीं थे और वे स्वयं मर चुके थे, साथ ही सुनहरे बालों वाले मेलेगर भी, जिन्हें एटोलियनों का राजा नियुक्त किया गया था, मर चुके थे। थोआस के साथ चालीस जहाज भी आए थे।

प्रसिद्ध भालाधारी इडोमेनियस ने क्रेतेवासियों का नेतृत्व किया, जिन्होंने नोसस और सुदृढ़ किलेबंद शहर गोर्टिस पर कब्ज़ा कर रखा था; साथ ही लिक्टस, मिलेटस और चूना पत्थर पर बसे लिकास्टस; घनी आबादी वाले शहर फेस्टस और राइटियम, और क्रेते के सौ शहरों में बसे अन्य लोगों पर भी उनका अधिकार था। इन सभी का नेतृत्व इडोमेनियस और हत्यारे मार्स के समकक्ष मेरियोनेस ने किया। उनके साथ अस्सी जहाज भी थे।
हरक्यूलिस के पुत्र, त्लेपोलेमस, जो एक वीर और विशाल कद काठी के
व्यक्ति थे, रोड्स से नौ जहाजों में वीर योद्धाओं को लेकर आए। ये योद्धा रोड्स में बसे, जो तीन शहरों लिंडस, इलिसस और कैमेइरस में विभाजित है और चूना पत्थर पर स्थित है। इन जहाजों का नेतृत्व त्लेपोलेमस कर रहे थे, जो हरक्यूलिस के पुत्र थे और उनकी पुत्री एस्टियोकिया थीं, जिन्हें उन्होंने कई वीर योद्धाओं के शहरों को लूटने के बाद सेलिस नदी पर स्थित एफ़िरा से अगवा कर लिया था। त्लेपोलेमस जब बड़े हुए, तो उन्होंने अपने पिता के चाचा लिसिम्नियस की हत्या कर दी, जो अपने समय के एक प्रसिद्ध योद्धा थे, लेकिन अब बूढ़े हो चुके थे। इसके बाद उन्होंने अपना एक बेड़ा बनाया, बड़ी संख्या में अनुयायियों को इकट्ठा किया और समुद्र पार भाग गए, क्योंकि हरक्यूलिस के अन्य पुत्रों और पोतों ने उन्हें धमकी दी थी। एक लंबी यात्रा के बाद, जिसमें उन्होंने बहुत कठिनाइयों का सामना किया, वे रोड्स पहुंचे, जहां के लोग अपनी जनजातियों के अनुसार तीन समुदायों में विभाजित थे और देवताओं और मनुष्यों के स्वामी, बृहस्पति द्वारा बहुत प्रिय थे। इसलिए शनि के पुत्र ने उन पर अपार धन-संपत्ति की वर्षा की।
और नीरियस सिमे से तीन जहाज लेकर आया - नीरियस, जो पेलियस के पुत्र के
बाद इलियस के नेतृत्व में आए सभी दानानों में सबसे सुंदर पुरुष था - लेकिन वह धनी नहीं था, और उसके अनुयायी भी बहुत कम थे।
और निसिरस, क्रैपैथस और कैसस, साथ ही कोस, यूरिपिलस नगर और कैलिडन
द्वीप समूह पर अधिकार रखने वाले लोग, राजा थेसालस (हर्क्यूलिस का पुत्र) के दो पुत्रों, फिडिप्पस और एंटीफस के नेतृत्व में थे। और उनके साथ तीस जहाज थे।
पेलैजिक आर्गोस, एलोस, एलोप और ट्रैकिस पर शासन करने वाले; और सुंदर स्त्रियों की भूमि फथिया और हेलास के निवासी, जिन्हें मायर्मिडोंस, हेलेन्स और अचियन्स कहा जाता था; उनके पास पचास पोत थे, जिनका नेतृत्व

अकिलीज़ कर रहा था। लेकिन अब वे युद्ध में भाग नहीं ले रहे थे, क्योंकि उनका नेतृत्व करने वाला कोई नहीं था; अकिलीज़ अपने पोतों के पास ही रुका रहा, ब्रिसिस की मृत्यु से क्रोधित, जिसे उसने अपनी जान जोखिम में डालकर लिरनेसस से लिया था, जब उसने लिरनेसस और थेबे को लूटा था और राजा एवेनोर, जो सेलेपस का पुत्र था, के पुत्र माइन्स और एपिस्ट्रोफस को पराजित किया था। ब्रिसिस के लिए अकिलीज़ अभी भी शोक में डूबा हुआ था, लेकिन जल्द ही वह फिर से उनके साथ शामिल हो जाएगा।
और वे क्षेत्र जिनके पास फिलासेस और पिरासस के पुष्पमय मैदान, सेरेस
का अभयारण्य; भेड़ों की माता इटोन; समुद्र पर स्थित एंट्रम और घास के मैदानों पर स्थित पटेलियम थे। इनमें से वीर प्रोटेसिलाउस अपने जीवनकाल में सेनापति था, लेकिन अब वह पृथ्वी के नीचे पड़ा था। वह फिलासेस में अपनी पत्नी को शोक में डूबा हुआ छोड़ गया था, और उसका घर आधा ही बना था, क्योंकि ट्रॉय की धरती पर अचियनों का नेतृत्व करते हुए एक डार्डानियन योद्धा ने उसे मार डाला था। फिर भी, यद्यपि उसकी प्रजा अपने सरदार के लिए शोक मना रही थी, वे एक नेता के बिना नहीं थे, क्योंकि मंगल के वंशज पोडार्सेस ने उनका नेतृत्व किया; वह भेड़ों के धनी इफिक्लस का पुत्र था, जो फिलाकस का पुत्र था, और वह प्रोटेसिलाउस का सगा भाई था, केवल छोटा, प्रोटेसिलाउस उससे बड़ा और अधिक वीर था। इस प्रकार, यद्यपि वे अपने खोए हुए व्यक्ति के लिए शोक मना रहे थे, वे एक नेता के बिना नहीं थे। उनके साथ चालीस जहाज आए थे।
और बोएबीन झील के किनारे स्थित फेरे, बोएबे, ग्लाफिरे और घनी आबादी
वाले शहर इओल्कस पर अधिकार रखने वाले, अपने ग्यारह जहाजों के साथ, एडमेटस के पुत्र यूमेलस के नेतृत्व में थे, जिसे पेलियास की सबसे सुंदर पुत्री एल्सेस्टिस ने जन्म दिया था।
मेथोने और थाउमासिया पर अधिकार रखने वाले, मेलिबोइया और शक्तिशाली ओलिज़ोन के साथ, कुशल धनुर्धर फिलोक्टेट्स के नेतृत्व में थे। उनके पास सात पोत थे, जिनमें से प्रत्येक में पचास नाविक थे, और सभी कुशल धनुर्धर थे। लेकिन फिलोक्टेट्स लेम्नोस द्वीप में बड़ी पीड़ा में थे, जहाँ अचेयनों के पुत्रों ने उन्हें छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें एक विषैले जलीय सर्प ने काट लिया था। वहाँ वे बीमार और दुखी पड़े रहे, और जल्द ही अर्गिव्स को उनकी कमी खलने लगी। लेकिन उनके लोग, यद्यपि उनकी हानि से

ग्रस्त थे, नेतृत्वहीन नहीं थे, क्योंकि ओइलियस और राइन के नाजायज पुत्र मेडोन ने उन्हें संगठित किया।
त्रिक्का और इथोम के पथरीले क्षेत्र के लोग, और ओचेलिया के वे लोग, जो ओचेलियन यूरिटस का नगर था, इन सबका नेतृत्व एस्कुलैपियस के दो पुत्रों, पोडालिरियस और माचोन ने किया, जो चिकित्सा कला में निपुण थे। और उनके साथ तीस जहाज भी आए थे।
इसके अलावा, ओर्मेनियस के लोग, हाइपेरिया के झरने के पास, एस्टेरियस को धारण करने वाले और टाइटनस के सफेद शिखरों वाले लोग, यूएमोन के पुत्र यूरिपिलस के नेतृत्व में थे, और उनके साथ चालीस जहाज आए थे।
अर्गिस्सा, गर्टोन, ओर्थे, एलोन और ओलोसोन के श्वेत नगर पर अधिकार रखने वालों में से, वीर पॉलीपोट्स का नेता था। वह पिरिथौस का पुत्र था, जो स्वयं बृहस्पति का पुत्र था, क्योंकि हिप्पोडामिया ने उसे पिरिथौस से उसी दिन जन्म दिया था जब उसने पर्वतीय बर्बरों से बदला लिया और उन्हें माउंट पेलियन से ऐथिसेस तक खदेड़ दिया। लेकिन पॉलीपोट्स अकेला सेनापति नहीं था, उसके साथ लियोन्टियस भी था, जो मंगल के वंशज का था, और कोरोनस का पुत्र था, जो कैनियस का पुत्र था। और उनके साथ चालीस जहाज भी थे।
गुनियस साइफस से बाईस जहाज लेकर आया, और उसके पीछे एनीन्स और वीर
पेराबी थे, जो बर्फीले डोडोना के आसपास रहते थे और सुंदर टाइटारेसियस नदी के आसपास की भूमि पर अधिकार रखते थे, जिसका जल पेनियस में गिरता है। वे पेनियस के चांदी जैसे भंवरों में नहीं मिलते, बल्कि तेल की तरह उसके ऊपर बहते हैं; क्योंकि टाइटारेसियस भयानक ओर्कस और स्टिक्स नदी की एक शाखा है। मैग्नेट जनजाति में, टेन्थ्रेडन का पुत्र प्रोथोअस सेनापति था। वे पेनेयस नदी और माउंट पेलियन के आसपास निवास करते थे। प्रोथोअस, जो पैदल सेना में बहुत कुशल था, उनका नेता था, और उसके साथ चालीस जहाज थे।
ये थे दानान वंश के सरदार और राजकुमार। हे देवी, अत्रेस के पुत्रों के पीछे चलने वालों में से, चाहे मनुष्य हो या अश्वारोही, सबसे श्रेष्ठ कौन था?
घोड़ों में, फेरेस के पुत्र के घोड़े सबसे उत्तम थे। उन्हें यूमेलस द्वारा चलाया जाता था और वे पक्षियों की तरह फुर्तीले थे। वे एक ही उम्र और रंग के थे, और ऊँचाई में बिल्कुल एक जैसे थे। चाँदी के धनुष वाले अपोलो ने उन्हें पेरिया में पाला था - दोनों घोड़ियाँ थीं, और युद्ध में मंगल की तरह

भयंकर थीं। सैनिकों में, अकिलीज़ के क्रोध के समय तक टेलामोन का पुत्र एजैक्स सबसे आगे था, क्योंकि अकिलीज़ उससे कहीं अधिक शक्तिशाली था और उसके पास बेहतर घोड़े भी थे; लेकिन अकिलीज़ अब एगामेम्नन के साथ अपने झगड़े के कारण अपने जहाजों पर ही रुका हुआ था, और उसके लोग समुद्र तट पर डिस्क फेंककर या भाले से निशाना साधकर और तीरंदाजी करके अपना समय बिता रहे थे। उनके घोड़े अपने-अपने रथ के पास खड़े होकर कमल और जंगली अजवाइन चर रहे थे। रथों को छत के नीचे रखा गया था, लेकिन नेतृत्व की कमी के कारण उनके मालिक सेना में इधर-उधर भटकते रहे और युद्ध के लिए बाहर नहीं निकले।
इस प्रकार सेना एक प्रलयकारी अग्नि की तरह आगे बढ़ी, और धरती उनके नीचे ऐसे कांप उठी जैसे गर्जन का देवता क्रोधित होकर धरती पर प्रहार करता है। अरिमी जनजाति के अनुसार, टाइफियस वहीं स्थित है। ठीक वैसे ही धरती उनके नीचे कांप उठी जब वे मैदान पर तेजी से आगे बढ़े।
और अब, हवा के समान फुर्तीली आइरिस को बृहस्पति ने ट्रोजनों को बुरी
खबर सुनाने के लिए भेजा। प्रियम के द्वार पर बूढ़े और जवान सभी लोग एकत्रित थे, और आइरिस प्रियम के पास आकर, प्रियम के पुत्र पोलित्स की आवाज़ में बोली, जो फुर्तीला होने के कारण, पुराने ऐसिएट्स की कब्र पर ट्रोजनों के लिए पहरेदार के रूप में तैनात था, ताकि अचेयनों के किसी भी हमले पर नज़र रख सके। आइरिस ने उसी के रूप में बोलते हुए कहा, “हे बूढ़े, तुम शांति के समय में व्यर्थ बातें कर रहे हो, जबकि युद्ध निकट है। मैंने अनेक युद्ध लड़े हैं, पर मैंने आज तक इतनी बड़ी सेना नहीं देखी जितनी अब आगे बढ़ रही है। वे मैदान को पार करके शहर पर हमला करने के लिए ऐसे आ रहे हैं जैसे पत्ते या समुद्र की रेत घनी हो। हेक्टर, मैं तुम्हें सर्वोपरि आज्ञा देती हूँ, जैसा मैं कहती हूँ वैसा करो। प्रियम के शहर में दूर-दूर से आए और विभिन्न भाषाएँ बोलने वाले अनेक सहयोगी बिखरे हुए हैं।” इसलिए, प्रत्येक सरदार अपने-अपने लोगों को आदेश दे, उन्हें अलग-अलग पंक्तियों में खड़ा करे और उन्हें युद्ध के लिए आगे ले जाए।
उसने ऐसा कहा, लेकिन हेक्टर जानता था कि यह देवी है, और उसने तुरंत सभा
को भंग कर दिया। पुरुष हथियार लेकर दौड़ पड़े; सभी द्वार खुल गए, और लोग घुड़सवार और पैदल, एक विशाल जनसमूह की तरह शोर मचाते हुए उनमें से निकल गए।

अब शहर के सामने एक ऊँचा टीला है, जो मैदान पर अकेला खड़ा है। लोग इसे बाटीया कहते हैं, लेकिन देवता जानते हैं कि यह फुर्तीली मिरिन की समाधि है। यहीं पर ट्रोजन और उनके सहयोगियों ने अपनी सेनाओं को विभाजित किया था। प्रियम के पुत्र, चमकीले हेलमेट वाले महान हेक्टर ने ट्रोजन सेना का नेतृत्व किया, और उनके साथ युद्ध के लिए उत्सुक सबसे अधिक संख्या में और सबसे वीर योद्धा एकत्रित थे।
डार्डानियों का नेतृत्व वीर ऐनेस कर रहा था, जिसे शुक्र ने ऐंचिस से
जन्म दिया था, जब देवी होने के बावजूद उसने इडा पर्वत की ढलानों पर ऐंचिस के साथ संबंध बनाए थे। वह अकेला नहीं था, उसके साथ एंटनोर के दो पुत्र, आर्चीलोचस और अकामास भी थे, जो युद्ध कला में निपुण थे।
माउंट इडा की सबसे निचली चोटियों के नीचे टेलेआ में रहने वाले धनी लोग, जो एसेपस नदी के निर्मल जल का सेवन करते थे और ट्रोजन वंश के थे - उनका नेतृत्व लाइकाओन के पुत्र पंडारस ने किया था, जिसे अपोलो ने धनुष चलाना सिखाया था।
एड्रेस्टिया और अपैसस की भूमि, पिटिया और तेरिया के ऊंचे पर्वत पर अधिकार रखने वाले लोग एड्रेस्टस और एम्फियस के नेतृत्व में थे, जिनका कवच लिनन का बना था। ये पर्कोटे के मेरोप्स के पुत्र थे, जो सभी प्रकार की भविष्यवाणी में निपुण थे। उन्होंने उन्हें युद्ध में भाग न लेने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं मानी, क्योंकि भाग्य उन्हें विनाश की ओर खींच ले गया।
परकोट और प्रैक्टियस के आसपास, सेस्टोस, एबिडोस और अरिसबे में रहने
वाले लोगों का नेतृत्व हर्टाकस के पुत्र आसियस ने किया, जो एक बहादुर सेनापति था - हर्टाकस का पुत्र आसियस, जिसे उसके शक्तिशाली गहरे भूरे रंग के घोड़े, जो सेलेइस नदी से आने वाली नस्ल के थे, अरिसबे से लाए थे। हिप्पोथोअस ने पेलसगियन भालाधारी सैनिकों के कबीलों का नेतृत्व किया, जो उपजाऊ लारिसा में रहते थे - हिप्पोथोअस और मार्स की संतान पाइलियस, जो पेलसगियन लेथस के दो पुत्र थे, जो ट्यूटमस के पुत्र थे।
अकामास और योद्धा पीरौस ने थ्रेसियन लोगों और हेलेस्पोंट की विशाल
धारा के पार से आने वालों का नेतृत्व किया।
यूफेमस, जो कि ट्रोज़ेनस का पुत्र और सेओस का पुत्र था, सिकोनियन भालाधारियों का सेनापति था।

पाइराकम्स ने पैओनियन धनुर्धारियों का नेतृत्व करते हुए दूर स्थित एमीडॉन से, पृथ्वी पर बहने वाली सबसे सुंदर नदी, एक्सियस के विशाल जलक्षेत्रों के किनारे तक, मार्च किया।
पैफ्लेगोनियन सेना का नेतृत्व एनेटे के वीर और साहसी पाइलेमेन्स कर रहे थे, जहाँ खच्चर झुंडों में बेतहाशा घूमते हैं। ये वही लोग थे जिन्होंने साइटोरस और सेसामस के आसपास के क्षेत्र पर, साथ ही पार्थेनियस नदी के किनारे बसे शहरों, क्रोम्ना, एजियालस और ऊंचे एरिथिनी पर अपना अधिकार जमा रखा था।
ओडियस और एपिस्ट्रोफस दूर स्थित एलीबे के हलिजोनी द्वीप समूह के सेनापति थे, जहां चांदी की खदानें हैं।
क्रोमिस और भविष्यवक्ता एननोमस ने मिसियनों का नेतृत्व किया, लेकिन भविष्यवाणी में उनका कौशल उन्हें विनाश से नहीं बचा सका, क्योंकि वह नदी में ऐकस के वंशज के बेड़े के हाथों मारे गए, जहां उन्होंने ट्रोजन के अन्य लोगों को भी मार डाला।
फोरसिस और कुलीन अस्केनियस ने सुदूर देश अस्केनिया से फ्रिगियनों का नेतृत्व किया, और दोनों ही युद्ध के लिए उत्सुक थे।
मेस्थल्स और एंटिफस ने मेओनियों की कमान संभाली, जो तालमेनस के पुत्र
थे और गिगायन झील से उत्पन्न हुए थे। इन्होंने माउंट टमोलस के नीचे रहने वाले मेओनियों का नेतृत्व किया।
नास्तेस, कैरियन जनजाति का नेतृत्व कर रहा था, जो एक विचित्र भाषा
बोलते थे। ये लोग माइलेटस और फ़्थायर्स के वन पर्वत, मेएंडर नदी के जल और माउंट माइकेल की ऊँची चोटियों पर अधिकार रखते थे। इनकी कमान नोमियन के वीर पुत्र नास्तेस और एम्फ़िमाकस के हाथ में थी। नास्तेस एक लड़की की तरह अपने साथ सोना लेकर युद्ध में आया; मूर्खतावश, उसका सोना उसे बचा नहीं सका, क्योंकि वह ऐकस के तेजतर्रार वंशज के हाथों नदी में गिर गया और अकिलीज़ उसका सोना ले गया।
सर्पेडन और ग्लौकस ने ज़ैंथस नदी के भंवरदार जल के मार्ग से होते हुए, लाइसीवासियों को उनकी दूर की भूमि से नेतृत्व किया।

2. ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ स्पार्टा और लैकेडेमोन को अलग-अलग स्थान माना गया है। यह त्रुटि ओडिसी के अध्याय 4, 1-10 में भी दोहराई गई है,

हालाँकि ओडिसी के लेखक को सामान्यतः यह जानकारी है कि स्पार्टा और लैकेडेमोन एक ही स्थान हैं।

पुस्तक 3

अलेक्जेंड्रस, जिसे पेरिस भी कहा जाता है, मेनेलास को चुनौती देता
है - हेलेन और प्रियम दीवार से अचियनों को देखते हैं - वाचा - पेरिस
और मेनेलास लड़ते हैं, और पेरिस हार जाता है - वीनस उसे बचाने के
लिए ले जाती है - उसके और हेलेन के बीच का दृश्य।
जब दोनों टुकड़ियाँ अपने-अपने कप्तान के नेतृत्व में इस प्रकार व्यवस्थित हो गईं, तो ट्रोजन जंगली पक्षियों या सारसों के झुंड की तरह आगे बढ़े, जो बारिश और सर्दी के दौरान ओशेनस के बहते पानी के ऊपर से चीखते हुए पिग्मी लोगों पर मृत्यु और विनाश लाने के लिए निकलते हैं और उड़ते समय हवा में झगड़ते हैं; लेकिन अचेयन चुपचाप, ऊँचे मनोबल के साथ और एक-दूसरे का साथ देने के इरादे से आगे बढ़े।
जैसे जब दक्षिणी हवा पहाड़ों की चोटियों पर कोहरे का पर्दा फैला देती है, जो चरवाहों के लिए बुरा होता है लेकिन चोरों के लिए रात से बेहतर होता है, और एक आदमी उतनी ही दूर देख सकता है जितनी दूर तक वह पत्थर फेंक सकता है, ठीक उसी तरह मैदान पर पूरी गति से दौड़ते हुए उनके पैरों के नीचे से धूल उड़ रही थी।
जब दोनों योद्धा आमने-सामने आ गए, तो ट्रोजन पक्ष के योद्धा के रूप में अलेक्जेंड्रस आगे आया। उसने अपने कंधों पर एक पैंथर की खाल, अपना धनुष और अपनी तलवार रखी हुई थी, और उसने कांसे से जड़े दो भाले लहराते हुए अचेयनों में से सबसे बहादुर को एकल युद्ध के लिए चुनौती दी। मेनेलास ने उसे इस प्रकार सेना के आगे बढ़ते देखा और वह एक भूखे शेर की तरह प्रसन्न हुआ जो किसी बकरी या सींग वाले हिरण के शव पर झपट पड़ता है और उसे वहीं खा जाता है, चाहे कुत्ते और युवक उस पर टूट पड़ें। ठीक इसी प्रकार मेनेलास अलेक्जेंड्रस को देखकर प्रसन्न हुआ, क्योंकि उसने सोचा कि अब उसे बदला लेने का मौका मिलेगा। इसलिए वह अपने कवच में ही अपने रथ से कूद पड़ा। मेनेलास को आगे बढ़ते देख अलेक्जेंड्रस भयभीत हो गया और अपने आदमियों
की आड़ में अपनी जान के डर से दुबक गया। जैसे कोई पर्वतीय घाटी में अचानक

किसी साँप को देखकर डर के मारे काँपता और पीला पड़ जाता है, वैसे ही अलेक्जेंड्रस भी एट्रेस के पुत्र को देखकर आतंकित होकर ट्रोजन योद्धाओं की भीड़ में कूद पड़ा।
तब हेक्टर ने उसे फटकारा। “पेरिस,” उसने कहा, “दुष्ट पेरिस, देखने में सुंदर, लेकिन स्त्री-लोभी और वाक्पटु, काश तू पैदा ही न हुआ होता या अविवाहित ही मर गया होता। ऐसा होना बेहतर होता, अपमानित होकर तिरछी निगाहों में देखे जाने से तो बेहतर ही होता। क्या अचेयन हमारा उपहास नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि हमने अपने रक्षक के रूप में एक ऐसे व्यक्ति को भेजा है जो देखने में सुंदर है, लेकिन उसमें न तो बुद्धि है और न ही साहस? क्या तूने, अपने अनुयायियों को इकट्ठा करके समुद्र पार नहीं गया था? क्या तूने दूर देश से योद्धाओं के बीच विवाहित एक सुंदर स्त्री को चुराकर अपने पिता, अपने शहर और अपने पूरे देश पर दुःख नहीं लाया, बल्कि अपने शत्रुओं को प्रसन्न किया और खुद को लज्जित किया? और अब क्या तू मेनेलास का सामना करने और यह जानने का साहस नहीं कर सकता कि वह कैसा व्यक्ति है जिसकी पत्नी को तूने चुराया है? जब तू उसके सामने धूल में पड़ा होगा, तब तेरा वीणा, तेरे प्रेम-प्रसंग, तेरे सुंदर बाल और तेरा रूप कहाँ होंगे?” ट्रोजन लोग डरपोक हैं, वरना अब तक तुमने उनके साथ जो अन्याय किया है, उसके लिए तुम्हें पत्थरों की कमीज पहनाई जाती।
और अलेक्जेंड्रस ने उत्तर दिया, ‘हेक्टर, तुम्हारी फटकार उचित है। तुम
उस कुल्हाड़ी की तरह कठोर हो जिसे एक जहाज़ बनाने वाला कारीगर अपने काम में इस्तेमाल करता है और लकड़ी को अपनी मर्ज़ी से काटता है। उसके हाथ में कुल्हाड़ी की तरह ही तुम्हारी निंदा की धार तेज़ है। फिर भी, वीनस द्वारा दिए गए उपहारों का मज़ाक मत उड़ाओ; वे अनमोल हैं; मनुष्य को उनका तिरस्कार नहीं करना चाहिए, क्योंकि देवता उन्हें वहीं देते हैं जहाँ वे चाहते हैं, और कोई भी उन्हें माँगकर नहीं पा सकता। यदि तुम चाहते हो कि मैं मेनेलास से युद्ध करूँ, तो ट्रोजन और अचेयनों को अपनी-अपनी जगह पर बैठने को कहो, जबकि मैं और वह हेलेन और उसके सारे धन के लिए उनके बीच लड़ें। जो विजयी हो और श्रेष्ठ सिद्ध हो, वह हेलेन और उसके सारे धन को अपने घर ले जाए, लेकिन बाकी लोग शांति की एक गंभीर संधि की शपथ लें, जिसके अनुसार तुम ट्रोजन यहीं ट्रॉय में रहोगे, जबकि बाकी लोग आर्गोस और अचेयनों की भूमि पर लौट जाओगे।’

यह सुनकर हेक्टर प्रसन्न हुआ और अपने भाले को बीच से पकड़कर ट्रोजन सैनिकों के बीच घूमने लगा ताकि उन्हें रोक सके, और वे सब उसके कहने पर बैठ गए: लेकिन अचेयन अभी भी उस पर पत्थर और तीर चला रहे थे, तब तक कि एगामेम्नन ने उन्हें चिल्लाकर कहा, 'रुको, आर्गिव्स, गोली मत चलाओ, अचेयन के पुत्रों; हेक्टर बात करना चाहता है।'
उन्होंने निशाना साधना बंद कर दिया और स्थिर हो गए, तभी हेक्टर ने
बोलना शुरू किया। उसने कहा, “मेरे मुख से सुनो, ट्रोजन और अचेयनों, अलेक्जेंड्रस का वचन, जिसके कारण यह झगड़ा हुआ है। वह ट्रोजन और अचेयनों को आदेश देता है कि वे अपने कवच जमीन पर रख दें, जबकि वह और मेनेलास तुम्हारे बीच हेलेन और उसके सारे धन के लिए लड़ेंगे। जो विजयी हो और श्रेष्ठ सिद्ध हो, वह हेलेन और उसके सारे धन को अपने घर ले जाए, परन्तु बाकी सब शांति की शपथ लें।”
इस प्रकार उसने कहा, और वे सब चुप रहे, जब तक कि युद्ध की गर्जना करने
वाले मेनेलास ने उन्हें संबोधित नहीं किया। ‘और अब,’ उसने कहा, ‘मेरी बात भी सुनो, क्योंकि मैं ही सबसे अधिक दुखी हूँ। मुझे लगता है कि अचेयन और ट्रोजन का अलगाव निकट है, और यह उचित ही है, क्योंकि अलेक्जेंड्रस के साथ मेरे झगड़े और उसने मेरे साथ जो अन्याय किया, उसके कारण तुमने बहुत कष्ट सहा है। जो मरना है, उसे मरने दो, और बाकी लोग अब और न लड़ें। तो, पृथ्वी और सूर्य के लिए दो मेमने लाओ, एक सफेद मेढ़ा और एक काली भेड़, और हम बृहस्पति के लिए तीसरा लाएँगे। इसके अलावा, तुम प्रियम को बुलाओ, ताकि वह स्वयं वाचा की शपथ ले; क्योंकि उसके पुत्र अभिमानी और अविश्वासनीय हैं, और बृहस्पति की शपथों का उल्लंघन या व्यर्थ में लेना उचित नहीं है। नौजवानों का मन हवा की तरह हल्का होता है, लेकिन जब कोई बूढ़ा आता है तो वह आगे-पीछे देखता है, दोनों पक्षों में से जो सबसे अच्छा हो, उसे चुनता है।’
यह सुनकर ट्रोजन और अचेयन प्रसन्न हुए, क्योंकि उन्हें लगा कि अब
उन्हें आराम मिलेगा। उन्होंने अपने रथों को सेना की ओर मोड़ा, उनसे उतरे और अपने कवच उतारकर ज़मीन पर रख दिए; और सेनाएँ एक-दूसरे के करीब आ गईं, उनके बीच थोड़ी-थोड़ी दूरी थी। हेक्टर ने दो दूतों को शहर में मेमनों को लाने और प्रियम को बुलाने के लिए भेजा, जबकि एगामेम्नन ने तल्थायबियस को जहाज़ों से दूसरा मेमना लाने को कहा, और तल्थायबियस ने वैसा ही किया जैसा एगामेम्नन ने कहा था।

इसी बीच आइरिस हेलेन के पास उसकी भाभी, एंटनोर के पुत्र की पत्नी के
वेश में गई, क्योंकि एंटनोर के पुत्र हेलिकाओन ने प्रियम की सबसे सुंदर पुत्री लाओडिस से विवाह कर लिया था। आइरिस ने हेलेन को उसके कमरे में पाया, जहाँ वह बैंगनी रंग के लिनेन के एक बड़े कपड़े पर कढ़ाई कर रही थी, जिस पर वह ट्रोजन और अचेयन के बीच हुए युद्धों का चित्रण कर रही थी, जिन्हें मार्स ने हेलेन के लिए लड़वाया था। आइरिस उसके पास आकर बोली, “बच्ची, इधर आओ और ट्रोजन और अचेयन के विचित्र कारनामे देखो; अब तक वे युद्ध के उन्माद में मैदान में लड़ रहे थे, लेकिन अब उन्होंने लड़ना बंद कर दिया है और अपनी ढालों पर टिके हुए, अपने भाले बगल में रखकर बैठे हैं। अलेक्जेंड्रस और मेनेलास तुम्हारे चारों ओर युद्ध करने वाले हैं, और तुम विजयी होने वाले की पत्नी बनोगी।”
देवी ने ऐसा कहा, और हेलेन का हृदय अपने पूर्व पति, अपने शहर और अपने माता-पिता के लिए तड़प उठा। उसने अपने सिर पर एक सफेद चादर ओढ़ ली और रोते हुए अपने कमरे से जल्दी से निकल पड़ी। वह अकेली नहीं थी, बल्कि उसकी दो दासियाँ, पिटियस की पुत्री एथ्रे और क्लीमेन उसके साथ थीं। और वे तुरंत स्केन के द्वार पर पहुँच गईं।
दो ऋषि, उकालेगॉन और एंटेनोर, जो जनता के वरिष्ठ थे, स्केन द्वार के पास प्रियम, पैंथोस, थिमोएट्स, लैम्पस, क्लिटियस और मार्स वंश के हिकेताओन के साथ बैठे थे। ये सभी युद्ध करने के लिए बहुत बूढ़े हो चुके थे, लेकिन वे कुशल वक्ता थे और मीनार पर ऐसे बैठे थे जैसे जंगल के किसी ऊँचे पेड़ की डालियों पर झींगुर मधुरता से चहचहाते हों। जब उन्होंने हेलेन को मीनार की ओर आते देखा, तो उन्होंने धीरे से एक-दूसरे से कहा, 'इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ट्रोजन और अकेयन इतनी अद्भुत और दिव्य रूप से सुंदर स्त्री के लिए इतना कष्ट और इतना लंबा समय सहन कर रहे हैं। फिर भी, चाहे वह कितनी भी सुंदर क्यों न हो, उन्हें उसे ले जाने दो, अन्यथा वह हमारे लिए और हमारे बाद आने वाली पीढ़ियों के लिए दुःख का कारण बनेगी।'
लेकिन प्रियम ने उसे पास आने को कहा। ‘मेरी बच्ची,’ उसने कहा, ‘मेरे
सामने बैठो ताकि तुम अपने पूर्व पति, अपने रिश्तेदारों और अपने दोस्तों को देख सको। मैं तुम्हें दोष नहीं देता, इसके लिए देवता जिम्मेदार हैं, तुम नहीं। इन्हीं देवताओं ने अचेयनों के साथ यह भयानक युद्ध छेड़ा है। तो मुझे बताओ, वह विशालकाय, इतना महान और सुंदर वीर कौन है? मैंने उससे एक सिर लंबे

पुरुषों को देखा है, लेकिन इतना सुंदर और राजसी कोई नहीं। निश्चय ही वह एक राजा होगा।’
हेलेन ने उत्तर दिया, “श्रीमान, मेरे पति के पिता, मेरी दृष्टि में
प्रिय और आदरणीय, काश मैंने मृत्यु को चुना होता बजाय इसके कि मैं आपके पुत्र के साथ यहाँ आऊँ, अपने विवाह कक्ष से दूर, अपने मित्रों से, अपनी प्रिय पुत्री से और अपने बचपन के सभी साथियों से दूर। लेकिन ऐसा होना ही नहीं था, और मेरा भाग्य आँसुओं और दुःख से भरा है। जहाँ तक आपके प्रश्न का सवाल है, तो जिसके बारे में आप पूछ रहे हैं वह एट्रीयस का पुत्र एगामेम्नन है, एक अच्छा राजा और एक बहादुर सैनिक, जो मेरे घृणित और दुखी मन के लिए उतना ही प्रिय बहनोई है जितना कि उसका जीवित रहना।”
बूढ़े व्यक्ति ने उसे देखकर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा, “हे एट्रियस
के सौभाग्यशाली पुत्र, मैं देखता हूँ कि अचेयन बड़ी संख्या में तुम्हारे अधीन हैं। जब मैं फ्रिगिया में था, तब मैंने बहुत से घुड़सवारों को देखा, जो ओट्रियस और माइग्डोन के लोग थे और संगारियस नदी के किनारे डेरा डाले हुए थे; मैं उनका सहयोगी था और उनके साथ तब भी था जब पुरुषों के समकक्ष अमेज़न महिलाएं उन पर आक्रमण करने आईं, लेकिन वे भी अचेयनों जितनी संख्या में नहीं थीं।”
इसके बाद बूढ़े व्यक्ति ने यूलिसिस की ओर देखा; उसने कहा, ‘मुझे बताओ,
वह दूसरा कौन है, जो एगामेम्नन से एक सिर छोटा है, लेकिन छाती और कंधों से चौड़ा है? उसका कवच ज़मीन पर पड़ा है, और वह सैनिकों की पंक्तियों के आगे ऐसे चल रहा है मानो कोई विशाल ऊनी मेढ़ा अपनी भेड़ों को आदेश दे रहा हो।’ और हेलेन ने उत्तर दिया, “वह यूलिसिस है, जो एक महान धूर्त व्यक्ति है, लेर्टेस का पुत्र है। उसका जन्म बीहड़ इथाका में हुआ था, और वह हर प्रकार की रणनीतियों और सूक्ष्म चालाकी में निपुण है।”
इस पर एंटनोर ने कहा, 'महोदया, आपने बिल्कुल सही कहा। यूलिसिस एक बार आपके दूत बनकर यहाँ आया था, और उसके साथ मेनेलास भी। मैंने उन दोनों का अपने घर में स्वागत किया था, इसलिए मैं उन दोनों को देखकर और बातचीत करके जानता हूँ। जब वे एकत्रित ट्रोजनों के सामने खड़े हुए, तो मेनेलास के कंधे चौड़े थे, लेकिन जब दोनों बैठे तो यूलिसिस का व्यक्तित्व अधिक शाही था। कुछ समय बाद उन्होंने अपना संदेश दिया, और मेनेलास के शब्द धाराप्रवाह निकले; वह ज्यादा नहीं बोला, क्योंकि वह कम बोलने वाला व्यक्ति था, लेकिन

वह बहुत स्पष्ट और सटीक बोलता था, हालाँकि वह दोनों में छोटा था; दूसरी ओर, यूलिसिस जब बोलने के लिए उठा, तो पहले चुप रहा और अपनी आँखें जमीन पर टिकाए रखीं। उसके राजदंड में न तो कोई चंचलता थी और न ही कोई सुंदर चाल; उसने उसे एक ऐसे व्यक्ति की तरह सीधा और अकड़ा हुआ रखा था जिसे भाषण देने का अभ्यास नहीं था - कोई उसे केवल एक गंवार या मूर्ख समझ सकता था; लेकिन जब उसने अपनी आवाज बुलंद की, और शब्द उसकी गहरी छाती से हवा के सामने सर्दियों की बर्फ की तरह तेजी से निकले, तब उसे छूने वाला कोई नहीं था, और किसी ने भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वह कैसा दिखता था।
फिर प्रियम की नज़र एजैक्स पर पड़ी और उसने पूछा, 'वह महान और सुंदर योद्धा कौन है जिसका सिर और चौड़े कंधे अर्गिवों के बाकी लोगों से कहीं ऊपर उठते हैं?'
हेलेन ने उत्तर दिया, “वह विशालकाय अजाक्स है, जो अचेयनों का रक्षक है, और उसके दूसरी ओर, क्रीटियों के बीच, इडोमेनियस एक देवता के समान खड़ा है, और उसके चारों ओर क्रीटियों के सेनापति हैं। मेनेलास अक्सर क्रीट से हमारे घर आते समय उसका अतिथि के रूप में स्वागत करता था। इसके अलावा, मैं कई अन्य अचेयनों को भी देखती हूँ जिनके नाम मैं आपको बता सकती हूँ, लेकिन दो ऐसे हैं जिन्हें मैं कहीं नहीं ढूंढ पा रही हूँ, कैस्टर, जो घोड़ों को तोड़ने वाला है, और पोलक्स, जो एक शक्तिशाली मुक्केबाज है; वे मेरी माँ के बच्चे हैं, और मेरे सगे भाई हैं। या तो उन्होंने लैकेडेमन नहीं छोड़ा है, या फिर, यद्यपि वे अपने जहाज़ ले आए हैं, वे उस शर्म और अपमान के कारण युद्ध में प्रकट नहीं होंगे जो मैंने उन पर लाया है।”
उसे यह नहीं पता था कि ये दोनों नायक पहले से ही अपने देश लैसेडेमोन
में धरती के नीचे दफन हैं।
इसी बीच दूत शहर में पवित्र शपथ भेंट लेकर आ रहे थे – दो मेमने और एक
बकरी की खाल में मदिरा, जो धरती का उपहार था; और इडेयस सोने का कटोरा और प्याले लेकर आया। वह प्रियम के पास गया और बोला, ‘हे लाओमेडोन के पुत्र, ट्रोजन और अचेयन के राजकुमार तुम्हें मैदान में आने और एक गंभीर वाचा की शपथ लेने का आदेश देते हैं। अलेक्जेंड्रस और मेनेलास हेलेन के लिए एकल युद्ध लड़ेंगे, ताकि हेलेन और उसकी सारी संपत्ति विजेता के साथ जाए। हम शांति की एक गंभीर वाचा की शपथ लेते हैं जिसके अनुसार हम अन्य लोग ट्रॉय में निवास करेंगे, जबकि अचेयन आर्गोस और अचेयनों की भूमि पर लौट जाएंगे।’

यह सुनकर बूढ़ा व्यक्ति कांप उठा, लेकिन उसने अपने अनुयायियों को
घोड़ों को जोतने का आदेश दिया, और उन्होंने तुरंत ऐसा किया। वह रथ पर सवार हुआ, लगाम अपने हाथ में ली, और एंटनोर उसके बगल में बैठ गया; फिर वे स्केन द्वार से होते हुए मैदान में चले गए। जब वे ट्रोजन और अकेयन सेना के पास पहुँचे, तो उन्होंने रथ छोड़ दिया, और संयमित गति से सेनाओं के बीच की जगह में आगे बढ़े।
एगमेम्नन और यूलिसिस दोनों उनका स्वागत करने के लिए उठे। सेवक शपथ-बलि लेकर आए और मदिरा को मदिरापात्रों में मिलाया; उन्होंने सरदारों के हाथों पर जल डाला, और एट्रीयस के पुत्र ने अपनी तलवार से लटकी कटार निकाली और मेमनों के सिर से ऊन काटी; सेवकों ने इसे ट्रोजन और अचियन राजकुमारों में बाँट दिया, और एट्रीयस के पुत्र ने प्रार्थना में अपने हाथ ऊपर उठाए। ‘हे पिता बृहस्पति,’ उसने पुकारा, ‘जो इडा में शासन करते हैं, शक्ति में सबसे महिमामय, और हे सूर्य, जो पृथ्वी और नदियों सहित सभी चीजों को देखते और सुनते हैं, और आप जो पाताल लोक में शपथ तोड़ने वाले की आत्मा को दंडित करते हैं, इन अनुष्ठानों के साक्षी बनें और इनकी रक्षा करें, ताकि ये व्यर्थ न हों। यदि अलेक्जेंड्रस मेनेलास को मार डालता है, तो उसे हेलेन और उसकी सारी संपत्ति रखने दें, जबकि हम अपने जहाजों से घर लौटेंगे; लेकिन यदि मेनेलास अलेक्जेंड्रस को मार डालता है, तो ट्रोजन हेलेन और उसकी सारी संपत्ति वापस कर दें; इसके अलावा, उन्हें अचेयनों को उतना जुर्माना अदा करने को कहा जाए जितना तय किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के बीच यह गवाही बनी रहे। और यदि प्रियम और उसके पुत्र अलेक्जेंड्रस के पतन के बाद जुर्माना अदा करने से इनकार करते हैं, तो मैं यहीं रुककर तब तक लड़ता रहूंगा जब तक मुझे न्याय नहीं मिल जाता।
बोलते ही उसने पीड़ितों के गले पर चाकू चला दिया और उन्हें तड़पते- तड़पते ज़मीन पर लिटा दिया, क्योंकि चाकू ने उनकी सारी शक्ति छीन ली थी। फिर उन्होंने मदिरा को बर्तन से प्यालों में उंडेला और शाश्वत देवताओं से प्रार्थना की, आपस में ट्रोजन और अचेयन लोगों ने कहा, ‘हे महान और महिमावान बृहस्पति, और हे अन्य शाश्वत देवताओं, कृपा करके उन लोगों के मस्तिष्क, जो सबसे पहले अपनी शपथों का उल्लंघन करेंगे – उनके और उनके बच्चों के – इस मदिरा की तरह ज़मीन पर बिखेर दें, और उनकी पत्नियाँ अजनबियों की दासी बन जाएँ।’

उन्होंने प्रार्थना की, लेकिन अभी तक बृहस्पति ने उनकी प्रार्थना स्वीकार नहीं की थी। तब डारदानस के वंशज प्रियम ने कहा, “हे ट्रोजन और अचेयनो, मेरी बात सुनो, मैं अब हवा से घिरे इलियस शहर में वापस जा रहा हूँ: मैं अपने बेटे और मेनेलास के बीच इस लड़ाई को अपनी आँखों से देखने का साहस नहीं कर सकता, क्योंकि केवल बृहस्पति और अन्य अमर देवता ही जानते हैं कि कौन गिरेगा।”
इस पर उसने दोनों मेमनों को अपने रथ पर रखा और बैठ गया। उसने रथ की लगाम अपने हाथ में ली, और एंटनोर उसके बगल में बैठ गया; फिर दोनों इलियस लौट गए। हेक्टर और यूलिसिस ने ज़मीन नापी, और यह देखने के लिए कांसे के हेलमेट से पर्ची डाली कि पहले कौन निशाना साधेगा। इसी बीच दोनों सेनाओं ने हाथ उठाकर प्रार्थना की, “हे पिता बृहस्पति, जो इडा से शासन करते हैं, हे सर्वोच्च शक्ति वाले, कृपा करें कि जिसने भी हमारे बीच यह युद्ध शुरू किया है, वह मर जाए और पाताल लोक में प्रवेश करे, जबकि हम बाकी लोग शांति से रहें और अपनी शपथों का पालन करें।”
महान हेक्टर ने हेलमेट को हिलाते हुए अपना सिर एक तरफ घुमाया, और पेरिस सबसे पहले बाहर निकला। बाकी सभी अपने-अपने स्थानों पर, अपने-अपने घोड़ों और हथियारों के पास खड़े हो गए, जबकि सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस ने अपना शानदार कवच पहना। सबसे पहले उसने अपने पैरों में अच्छी तरह से बने और चांदी के टखने के कड़ियों से सुसज्जित कवच पहने; इसके बाद उसने अपने भाई लाइकॉन का कवच पहना और उसे अपने शरीर पर फिट किया; उसने अपने कंधों पर चांदी जड़ी हुई कांसे की तलवार टांगी, और फिर अपनी शक्तिशाली ढाल। अपने सुंदर सिर पर उसने अपना अच्छी तरह से बना हुआ हेलमेट पहना, जिसके ऊपर घोड़े के बालों की कलगी खतरनाक ढंग से लहरा रही थी, और उसने अपने हाथों के अनुरूप एक दुर्जेय भाला पकड़ा। इसी प्रकार मेनेलास ने भी अपना कवच पहना।
जब वे अपने-अपने लोगों के बीच हथियारबंद हो गए, तो वे भयंकर रूप धारण
करके खुले मैदान में आगे बढ़े, और उन्हें देखकर ट्रोजन और अचेयन दोनों ही भयभीत हो गए। वे नापी हुई ज़मीन पर एक-दूसरे के पास खड़े हो गए, अपने भाले लहराते हुए, और एक-दूसरे के प्रति उग्र थे। अलेक्जेंड्रस ने पहले निशाना साधा और एट्रेस के पुत्र की गोल ढाल पर प्रहार किया, लेकिन भाला उसे भेद नहीं पाया, क्योंकि ढाल ने उसकी नोक को मोड़ दिया। इसके बाद मेनेलास ने निशाना साधा और ऐसा करते हुए पिता ज़्यूस से प्रार्थना की। उसने कहा, ‘हे

राजा ज़्यूस, मुझे अलेक्जेंड्रस से बदला लेने की शक्ति दीजिए जिसने मेरे साथ अन्याय किया है; उसे मेरे अधीन कर दीजिए ताकि आने वाले युगों में कोई भी मनुष्य अपने मेज़बान के घर में बुरे कर्म करने से हिचक जाए।’
बोलते हुए उसने अपना भाला तना और अलेक्जेंड्रस की ढाल पर फेंका। भाला ढाल और कवच को भेदते हुए उसके कमर के पास की कमीज़ को फाड़ गया, लेकिन अलेक्जेंड्रस एक तरफ हट गया और इस तरह अपनी जान बचा ली। फिर अत्रेस के पुत्र ने अपनी तलवार निकाली और उसके हेलमेट के उभरे हुए हिस्से पर वार किया, लेकिन तलवार उसके हाथ से तीन-चार टुकड़ों में टूटकर गिर गई, और उसने आकाश की ओर देखते हुए कहा, 'हे पिता बृहस्पति, सभी देवताओं में तू सबसे निर्दयी है; मैंने अपने बदले का पूरा यकीन कर लिया था, लेकिन तलवार मेरे हाथ में टूट गई, मेरा भाला व्यर्थ चला गया, और मैं उसे मार नहीं पाया।' इसके साथ ही वह अलेक्जेंड्रस पर झपटा, उसके हेलमेट के घोड़े के बालों वाले पंख को पकड़ लिया और उसे अचेयनों की ओर घसीटने लगा। हेलमेट का पट्टा जो उसकी ठोड़ी के नीचे था, उसका दम घोंट रहा था, और मेनेलास उसे घसीटकर अपने गौरव की ओर ले जाता, यदि बृहस्पति की पुत्री वीनस ने तुरंत ध्यान न दिया होता और बैल की खाल के पट्टे को न तोड़ दिया होता, जिससे खाली हेलमेट उसके हाथ में आ गिरा। उसने इसे अचेयनों के बीच अपने साथियों की ओर फेंक दिया, और अलेक्जेंड्रस पर भाले से वार करने के लिए फिर से झपटा, लेकिन वीनस ने उसे पल भर में (जैसे कोई देवता कर सकता है) उठा लिया, उसे अंधेरे के बादल के नीचे छिपा दिया और उसे अपने शयनकक्ष में ले गई।
फिर वह हेलेन को बुलाने गई और उसे एक ऊँचे टावर पर पाया, जहाँ ट्रोजन स्त्रियाँ उसके चारों ओर जमा थीं। उसने एक बूढ़ी औरत का रूप धारण किया, जो लैकेडेमोन में रहते हुए उसके लिए ऊन का काम करती थी और जिससे वह बहुत स्नेह करती थी। इस तरह भेस बदलकर उसने हेलेन को उसके सुगंधित वस्त्र से खींच लिया और कहा, 'इधर आओ; अलेक्जेंड्रस ने कहा है कि तुम्हें घर जाना है; वह अपने कमरे में अपने पलंग पर है, सौंदर्य से दमक रहा है और शानदार वस्त्र पहने हुए है। कोई यह नहीं सोचेगा कि वह अभी-अभी युद्ध से आया है, बल्कि ऐसा लगेगा कि वह नृत्य करने जा रहा है, या नृत्य करके बैठा है।'
इन शब्दों से हेलेन का हृदय क्रोधित हो गया। जब उसने देवी की सुंदर गर्दन, उनके आकर्षक वक्ष और चमकती आँखों को देखा, तो वह आश्चर्यचकित रह गई और बोली, ‘देवी, तुम मुझे इस प्रकार क्यों बहका रही हो? क्या तुम मुझे किसी

ऐसे पुरुष के पास भेजने वाली हो जिसे तुमने फ्रिगिया या सुंदर मेओनिया में पाला है? मेनेलास ने अभी-अभी अलेक्जेंड्रस को परास्त किया है और वह मुझे, जो घृणित है, अपने साथ ले जाने वाला है। तुम यहाँ मुझे धोखा देने आई हो। जाओ और अलेक्जेंड्रस के साथ बैठो; अब से देवी मत बनो; कभी भी अपने कदम तुम्हें ओलंपस वापस न ले जाने दो; उसकी चिंता करो और उसकी देखभाल करो जब तक वह तुम्हें अपनी पत्नी न बना ले, या फिर अपनी दासी – लेकिन मैं? मैं नहीं जाऊँगी; मैं अब उसके बिस्तर की शोभा नहीं बढ़ा सकती; मैं ट्रॉय की सभी स्त्रियों के बीच उपहास का पात्र बन जाऊँगी। इसके अलावा, मेरे मन में बहुत चिंता है।’
वीनस बहुत क्रोधित हुई और बोली, “बेशर्म औरत, मुझे उकसाओ मत; अगर तुमने ऐसा किया, तो मैं तुझे तेरे भाग्य पर छोड़ दूंगी और तुझे उतना ही नफरत करूंगी जितना मैंने तुझे प्यार किया है। मैं ट्रोजन और अचेयन लोगों के बीच भयंकर दुश्मनी पैदा कर दूंगी, और तेरा अंत बुरा होगा।”
यह देखकर हेलेन भयभीत हो गई। उसने अपना लबादा अपने चारों ओर लपेट लिया
और चुपचाप देवी के पीछे-पीछे चली गई, ट्रोजन महिलाओं ने उसे देखा तक नहीं। जब वे अलेक्जेंड्रस के घर पहुँचे तो दासियाँ अपने काम में लग गईं,
लेकिन हेलेन अपने कमरे में चली गईं, और हँसमुख देवी ने बैठकर उसे अलेक्जेंड्रस की ओर मुख करके अपने लिए व्यवस्थित किया। इस पर, एजिस धारण किए हुए बृहस्पति की पुत्री हेलेन बैठ गई, और तिरछी नज़रों से अपने पति को ताना मारने लगी।
“तो तुम लड़ाई से लौट आए हो,” उसने कहा; “काश तुम मेरे पति, उस बहादुर
आदमी के हाथों मारे गए होते। तुम शेखी बघारते थे कि तुम मेनेलास से बेहतर योद्धा हो; तो जाओ और उसे फिर से चुनौती दो – लेकिन मैं तुम्हें ऐसा न करने की सलाह दूंगी, क्योंकि अगर तुम उससे अकेले में लड़ने की मूर्खता करोगे, तो जल्द ही उसके भाले से मारे जाओगे।”
और पेरिस ने उत्तर दिया, ‘पत्नी, मुझे अपने ताने मारकर परेशान मत करो।
इस बार मिनर्वा की सहायता से मेनेलास ने मुझे पराजित किया है; अगली बार मैं स्वयं विजयी हो सकता हूँ, क्योंकि मेरे भी ऐसे देवता हैं जो मेरा साथ देंगे। आओ, हम साथ लेटें और मित्रता करें। आज तक मैं तुम्हारे प्रति इतना प्रेम से ग्रस्त कभी नहीं था जितना इस क्षण हूँ – यहाँ तक कि जब मैं तुम्हें पहली बार लैकेडेमन से ले गया और तुम्हारे साथ नाव से यात्रा पर

निकला – यहाँ तक कि जब मैंने क्रैना द्वीप में प्रेम के पलंग पर तुमसे बातचीत की थी, तब भी मैं तुम्हारे प्रति इतना मोहित नहीं था जितना अब हूँ।’ यह कहकर वह उसे पलंग की ओर ले गया, और उसकी पत्नी उसके साथ चली गई।
इस प्रकार वे सब एक साथ पलंग पर लेट गए; परन्तु अत्रेस का पुत्र भीड़
में इधर-उधर अलेक्जेंड्रस को खोजता हुआ घूम रहा था, और न तो ट्रोजन और न ही उनके सहयोगी उसे ढूंढ पाए। यदि उन्होंने उसे देख भी लिया होता तो उसे छिपाने का उनका कोई इरादा नहीं था, क्योंकि वे सब उससे मृत्यु के समान घृणा करते थे। तब मनुष्यों के राजा एगामेम्नन ने कहा, ‘मेरी बात सुनो, ट्रोजन, डार्डानियन और सहयोगियों। विजय मेनेलास की हुई है; इसलिए हेलेन को उसकी सारी संपत्ति सहित वापस कर दो, और वह जुर्माना अदा करो जो भविष्य में जन्म लेने वालों के बीच गवाही के रूप में तय किया जाएगा।’
अत्रेस के पुत्र ने ऐसा कहा, और अचायनों ने तालियाँ बजाकर उसका उत्साह बढ़ाया।

पुस्तक 4

ओलंपस में झगड़ा - मिनर्वा नीचे जाती है और पंडारस को मेनेलास को तीर से घायल करके शपथ तोड़ने के लिए उकसाती है - एगामेम्नन भाषण
देता है और माचोन को बुलवाता है - फिर वह अपने सेनापतियों के बीच
जाकर यूलिसिस और स्टेनेलस को फटकारता है, जो दोनों ही तीखे शब्दों
में जवाब देते हैं - डायोमेड स्टेनेलस को रोकता है, और फिर दोनों
सेनाएं आपस में भिड़ जाती हैं, जिसमें दोनों तरफ भारी नरसंहार होता
है।
अब देवता बृहस्पति के साथ स्वर्णमय फर्श पर सभा कर रहे थे, जबकि हेबे उनके लिए अमृत उंडेल रही थी। स्वर्णमय प्यालों में एक-दूसरे से प्रतिज्ञा करते हुए वे ट्रॉय नगर की ओर देख रहे थे। तभी शनि के पुत्र ने जूनो को चिढ़ाना शुरू किया, उसे उकसाने के लिए उससे बातें करने लगा। उसने कहा, ‘मेनेलास की देवियों में दो अच्छी मित्र हैं, आर्गोस की जूनो और अललकोमेने की मिनर्वा, लेकिन वे केवल चुपचाप बैठी देखती रहती हैं, जबकि वीनस हर खतरे में उसकी रक्षा के लिए हमेशा अलेक्जेंड्रस के साथ रहती है; वास्तव में उसने अभी-अभी उसे तब बचाया है जब उसने यह सुनिश्चित कर लिया था कि सब कुछ खत्म हो गया है
- क्योंकि जीत वास्तव में मेनेलास की ही थी। हमें इस सब के बारे में सोचना होगा; क्या हम उन्हें फिर से लड़ने दें या उनके बीच शांति स्थापित करें? यदि आप अंतिम विकल्प स्वीकार करती हैं, तो मेनेलास हेलेन को वापस ले जा सकता है और प्रियम नगर आबाद रह सकता है।’
मिनर्वा और जूनो बगल-बगल बैठकर ट्रोजनों के लिए शरारत रचते हुए अपनी असंतुष्टि बुदबुदा रही थीं। मिनर्वा अपने पिता पर क्रोधित थी और कुछ नहीं बोली, पर जूनो खुद को रोक नहीं पाई। उसने कहा, 'शनि के भयानक पुत्र, आखिर इन सबका क्या मतलब है? क्या मेरी सारी मेहनत व्यर्थ जाएगी, और प्रियम और उसके बच्चों के खिलाफ लोगों को इकट्ठा करने में मैंने जो पसीना बहाया है, और अपने घोड़ों का भी, वह सब व्यर्थ है? जैसा चाहो करो, लेकिन हम अन्य देवता तुम्हारी इस सलाह को नहीं मानेंगे।'

बृहस्पति क्रोधित हुए और बोले, “मेरे प्रिय, प्रियम और उसके पुत्रों
ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है कि तुम इलियस नगर को लूटने पर इतने उतावले हो? क्या तुम्हें इसके अलावा कुछ और मंजूर नहीं कि तुम उनकी दीवारों के भीतर जाकर प्रियम, उसके पुत्रों और सभी ट्रोजनों को कच्चा ही खा जाओ? ठीक है, जैसा तुम चाहो; क्योंकि मैं नहीं चाहता कि यह मामला हमारे बीच झगड़े का कारण बने। मैं आगे कहता हूँ, और मेरी बात को याद रखना, यदि कभी मैं तुम्हारे मित्रों के किसी नगर को लूटना चाहूँ, तो मुझे रोकने की कोशिश मत करना; तुम्हें मुझे ऐसा करने देना होगा, क्योंकि मैं अपनी इच्छा के विरुद्ध तुम्हारे सामने झुक रहा हूँ। आकाश के सूर्य और तारों के नीचे बसे सभी नगरों में से, इलियस और प्रियम और उसके सभी लोगों के समान मेरा कोई सम्मान नहीं था। मेरी वेदी पर हमेशा उचित भोज होते थे, और जलती हुई चर्बी की सुगंध भी, जो हमारे लिए उचित सम्मान है।”
जूनो ने उत्तर दिया, “मेरे तीन सबसे प्रिय शहर आर्गोस, स्पार्टा और माइसेना हैं। जब भी आप उनसे नाराज़ हों, उन्हें लूट लें। मैं उनकी रक्षा नहीं करूँगी और न ही मुझे परवाह है। अगर मैं ऐसा करती भी हूँ और आपको रोकने की कोशिश करती हूँ, तो भी मुझे कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि आप मुझसे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं, लेकिन मैं अपनी मेहनत व्यर्थ नहीं जाने दूँगी। मैं भी एक देवी हूँ और आपकी ही जाति की हूँ। मैं शनि की सबसे बड़ी पुत्री हूँ, और केवल इसी कारण से नहीं, बल्कि इसलिए भी सम्माननीय हूँ क्योंकि मैं आपकी पत्नी हूँ और आप देवताओं के राजा हैं। तो चलिए, हम आपस में लेन-देन करें, और बाकी देवता भी हमारा अनुसरण करेंगे। मिनर्वा को कहिए कि वह तुरंत जाकर युद्ध में भाग ले, और वह ऐसी योजना बनाए कि ट्रोजन सबसे पहले अपनी शपथ तोड़कर अचेयनों पर आक्रमण करें।”
देवताओं और मनुष्यों के जनक ने मिनर्वा की बात सुनी और उससे कहा,
'तुरंत ट्रोजन और अचेयन सेनाओं में जाओ और ऐसी योजना बनाओ कि ट्रोजन ही सबसे पहले अपनी शपथ तोड़कर अचेयनों पर आक्रमण करें।'
मिनर्वा यही करने के लिए पहले से ही उत्सुक थी, इसलिए वह ओलंपस की सबसे ऊँची चोटियों से नीचे उतरी। वह आकाश में किसी चमकदार उल्कापिंड की तरह तेज़ी से गुज़री, जिसे धूर्त शनि के पुत्र ने नाविकों या किसी विशाल सेना को संकेत देने के लिए भेजा हो, और उसके पीछे प्रकाश की एक अग्नि-लपटें चल रही थीं। ट्रोजन और अचेयन उसे देखकर विस्मय से भर गए, और एक अपने पड़ोसी की

ओर मुड़कर कहता, 'या तो हम फिर से युद्ध और लड़ाई के शोर में उलझेंगे, या युद्ध के देवता बृहस्पति अब हमारे बीच शांति स्थापित करेंगे।'
इस प्रकार उनकी बातचीत हुई। फिर मिनर्वा ने एंटनोर के पुत्र लाओडोकस
का रूप धारण किया और ट्रोजन सेना के बीच से होते हुए लाइकान के वीर पुत्र पंडारस को खोजने गई। उसने उसे एसोपस नदी के किनारे से उसका पीछा करने वाले वीरों के बीच खड़ा पाया, इसलिए वह उसके पास गई और बोली, ‘लाइकान के वीर पुत्र, क्या तुम मेरी बात मानोगे? यदि तुम मेनेलास पर तीर चलाने का साहस करोगे, तो तुम्हें सभी ट्रोजनों से, और विशेष रूप से राजकुमार अलेक्जेंड्रस से सम्मान और धन्यवाद प्राप्त होगा – यदि वह मेनेलास को तुम्हारे हाथ के तीर से मारा हुआ चिता पर चढ़ते हुए देख ले, तो वह तुम्हें सबसे पहले भरपूर इनाम देगा। इसलिए निशाना साधो और प्रसिद्ध धनुर्धर, लाइसियन अपोलो से प्रार्थना करो; प्रतिज्ञा करो कि जब तुम अपने मजबूत शहर ज़ेलिया लौटोगे, तो उसके सम्मान में प्रथम मेमनों का एक बलि चढ़ाओगे।’ उसके मूर्ख हृदय को विश्वास हो गया और उसने अपने धनुष को उसके डिब्बे
से निकाला। यह धनुष एक जंगली आइबेक्स के सींगों से बना था जिसे उसने एक चट्टान से उछलते हुए मारा था; उसने उसका पीछा किया था और तीर उसके हृदय में लगते ही वह गिर पड़ा था। उसके सींग सोलह हथेली लंबे थे और सींगों के कारीगर ने उन्हें अच्छी तरह चिकना करके और सोने की नोक लगाकर धनुष का आकार दिया था। जब पंडारस ने अपने धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ा दी, तो उसने उसे सावधानीपूर्वक जमीन पर रख दिया और उसके बहादुर अनुयायियों ने उसके सामने अपनी ढालें थाम लीं ताकि मेनेलाउस पर तीर चलाने से पहले अचेयन उस पर हमला न कर दें। फिर उसने अपने तरकश का ढक्कन खोला और एक पंखयुक्त तीर निकाला जो अभी तक नहीं चलाया गया था और मृत्यु की पीड़ा से भरा हुआ था। उसने तीर को प्रत्यंचा पर रखा और प्रसिद्ध धनुर्धर, लाइसियन अपोलो से प्रार्थना की, और प्रतिज्ञा की कि जब वह अपने मजबूत शहर ज़ेलिया में वापस लौटेगा तो उनके सम्मान में प्रथम मेमनों का एक बलि चढ़ाएगा। उसने तीर के खांचे को बैल की खाल से बनी धनुष की डोरी पर रखा और खांचे और डोरी दोनों को अपनी छाती से तब तक खींचा जब तक कि तीर का अगला हिस्सा धनुष के पास न आ जाए; फिर जब धनुष अर्धवृत्ताकार रूप में मुड़ गया तो उसने तीर छोड़ दिया, और धनुष से एक झनझनाहट की आवाज आई और डोरी बज उठी क्योंकि तीर भीड़ के सिर के ऊपर से खुशी-खुशी उड़ गया।

लेकिन हे मेनेलाउस, देवताओं ने तुझे नहीं भुलाया, और बृहस्पति की पुत्री, लूट का दल संभालने वाली, सबसे पहले तेरे सामने खड़ी हुई और चुभते हुए तीर को तुझसे दूर किया। उसने तीर को तेरी त्वचा से इस प्रकार हटाया जैसे कोई माँ अपने सोते हुए बच्चे से मक्खी हटाती है; उसने तीर को उस जगह तक पहुँचाया जहाँ उसकी दोहरी कवच के ऊपर से गुजरने वाली कमरबंद के सुनहरे बकल लगे थे, जिससे तीर उसकी कमरबंद पर लगा। वह कमरबंद और उस कुशल कारीगरी से बने कवच को भेदता हुआ निकल गया; उसने उसके नीचे वाली कमरबंद को भी भेद दिया, जिसे उसने बाणों या तीरों से बचाव के लिए अपनी त्वचा के पास पहना था; यही उसके लिए सबसे कारगर साबित हुई, फिर भी तीर उससे होकर गुजरा और त्वचा की ऊपरी सतह को छूता हुआ निकल गया, जिससे घाव से खून बहने लगा।
जैसे मेओनिया या कारिया की कोई स्त्री हाथीदांत के एक टुकड़े पर
बैंगनी रंग लगाती है, जिसे घोड़े के गाल पर पहनाया जाना होता है और खजाने में रखा जाना होता है - कई योद्धा उसे सहने के लिए उत्सुक होते हैं, लेकिन राजा उसे एक ऐसे आभूषण के रूप में रखता है जिस पर घोड़ा और सारथी दोनों गर्व कर सकें - ठीक उसी प्रकार, हे मेनेलास, यदि तुम्हारी सुडौल जांघें और तुम्हारे सुंदर टखनों तक की टांगें खून से रंगी होतीं।
जब राजा एगामेम्नन ने घाव से बहता खून देखा तो वह भयभीत हो गया, और वीर मेनेलास भी तब तक भयभीत रहा जब तक उसने यह नहीं देखा कि तीर के नुकीले सिरे और तीर के सिरे को बाण से बांधने वाला धागा अभी भी घाव के बाहर थे। तब उसे हिम्मत मिली, लेकिन एगामेम्नन ने मेनेलास का हाथ थामते हुए गहरी आह भरी, और उसके साथियों ने भी एक साथ विलाप किया। ‘प्रिय भाई,’ वह रोया, ‘इस प्रतिज्ञा को निभाने और तुम्हें हमारे रक्षक के रूप में आगे आने देने के कारण मैं तुम्हारी मृत्यु का कारण बना हूँ। ट्रोजनों ने अपनी शपथों को रौंद डाला है और तुम्हें घायल किया है; फिर भी वह शपथ, मेमनों का रक्त, पेय भेंट और सहभागिता का वह दाहिना हाथ जिस पर हमने भरोसा किया है, व्यर्थ नहीं जाएगा। यदि ओलंपस का शासक इसे अभी और यहीं पूरा नहीं करता है, तो वह इसे बाद में अवश्य पूरा करेगा, और उन्हें अपने जीवन और अपनी पत्नियों और बच्चों से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।’ वह दिन अवश्य आएगा जब शक्तिशाली इलियस, प्रियम और उसके लोगों के साथ पराजित हो जाएगा, जब शनि का पुत्र अपने ऊँचे सिंहासन से अपने भयानक आकाश से उन्हें उनके वर्तमान विश्वासघात के दंड स्वरूप ढक लेगा। यह निश्चित रूप से होगा; परन्तु हे मेनेलास, मैं तुम्हारा शोक कैसे

मनाऊँगा, यदि तुम्हारा भाग्य अभी मरना ही है? मैं आर्गोस लौट जाऊँगा, केवल एक उपहास बनकर, क्योंकि अचेयन तुरंत घर लौट जाएँगे। हम प्रियम और ट्रोजनों को हेलेन को अपने पास रखने का गौरव सौंप देंगे, और तुम्हारी हड्डियाँ धरती में सड़ जाएँगी, जब तुम यहाँ ट्रॉय में पड़े रहोगे और तुम्हारा उद्देश्य पूरा नहीं होगा। तब कोई घमंडी ट्रोजन तुम्हारी कब्र पर कूद पड़ेगा और कहेगा, “इसी प्रकार अगामेम्नन अपना बदला लेता रहे; वह अपनी सेना व्यर्थ लाया; वह खाली जहाजों के साथ अपने देश लौट गया है, और मेनेलास को पीछे छोड़ गया है।” उनमें से कोई ऐसा कहेगा, और तब धरती मुझे निगल ले।
लेकिन मेनेलास ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, 'हिम्मत रखो, और लोगों को डराओ मत; तीर ने मुझे किसी घातक अंग में नहीं मारा है, क्योंकि मेरी चमकदार धातु की बाहरी बेल्ट ने पहले ही उसे रोक लिया था, और इसके नीचे मेरा कवच और पीतल के कारीगरों द्वारा बनाई गई कवच की बेल्ट थी।'
और एगामेम्नन ने उत्तर दिया, 'मुझे उम्मीद है, प्रिय मेनेलास, कि ऐसा ही हो, लेकिन सर्जन आपके घाव की जांच करेगा और आपके दर्द को कम करने के लिए उस पर जड़ी-बूटियाँ लगाएगा।'
फिर उसने तल्थिबियस से कहा, ‘तल्थिबियस, महान चिकित्सक एस्कुलेपियस के पुत्र माचोन से कहो कि वह तुरंत आकर मेनेलास से मिले। किसी ट्रोजन या लाइसियन तीरंदाज ने उसे तीर से घायल कर दिया है, जिससे हमें निराशा हुई है, लेकिन उसे बहुत गर्व हुआ है।’
तल्थिबियस ने आदेश का पालन किया और माचोन को खोजने के लिए सेना में इधर-उधर भटकने लगा। कुछ देर बाद उसने माचोन को उन वीर योद्धाओं के बीच खड़ा पाया जो त्रिक्का से उसके पीछे आए थे। तभी वह उसके पास गया और बोला, ‘एस्कुलैपियस के पुत्र, राजा एगामेम्नन ने कहा है कि तुम तुरंत आकर मेनेलास से मिलो। किसी ट्रोजन या लाइसियन तीरंदाज ने उसे तीर से घायल कर दिया है, जिससे हम सब भयभीत हो गए हैं और मेनेलास को बहुत गर्व हुआ है।’ ऐसा कहने पर माचोन आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुआ। वे अचेयनों की फैली
हुई सेना के बीच से गुज़रे और उस स्थान पर पहुँचे जहाँ मेनेलास घायल होकर पड़ा था और सरदार उसके चारों ओर घेरा बनाकर बैठे थे। माचोन घेरे के बीच में गया और तुरंत कमरबंद से तीर निकाला, जिसे खींचने के बल से उसके नुकीले सिरे मुड़ गए। उसने चमकीली कमरबंद खोली, और उसके नीचे कवच और पीतल के कारीगरों द्वारा बनाई गई कवच की बेल्ट भी खोली; फिर, घाव देखकर उसने खून पोंछा और

कुछ सुखदायक औषधियाँ लगाईं जो चिरोन ने एस्कुलैपियस को अपनी सद्भावना के कारण दी थीं।
जब वे मेनेलाउस के बारे में व्यस्त थे, तभी ट्रोजन उनके विरुद्ध आगे बढ़े, क्योंकि उन्होंने अपने कवच पहन लिए थे, और अब उन्होंने लड़ाई फिर से शुरू कर दी।
उस समय आपको एगामेम्नन सोया हुआ या कायर या युद्ध के लिए अनिच्छुक
नहीं मिलता, बल्कि वह युद्ध के लिए उत्सुक होता। उसने अपने पीतल से लदे रथ और हांफते घोड़ों को पीरियस के पोते टॉलेमियस के पुत्र यूरीमेडोन के हवाले कर दिया और उसे आदेश दिया कि जब तक उसके हाथ-पैर इतने सारे लोगों को आदेश देते-देते थक न जाएं, तब तक उन्हें तैयार रखे, क्योंकि वह पैदल ही सैनिकों के बीच चला गया। जब उसने सैनिकों को आगे बढ़ते देखा, तो वह उनके पास खड़ा हो गया और उनका उत्साह बढ़ाया। उसने कहा, ‘आर्गिवोस, अपने आक्रमण में जरा भी ढिलाई मत करो; पिता बृहस्पति झूठ बोलने वालों की मदद नहीं करेंगे; ट्रोजन ने सबसे पहले अपनी शपथ तोड़ी और हम पर हमला किया; इसलिए उन्हें गिद्ध खा जाएंगे; हम उनका नगर ले लेंगे और उनकी पत्नियों और बच्चों को अपने जहाजों में ले जाएंगे।’
लेकिन उसने उन लोगों को गुस्से से फटकारा जो लड़ने से कतरा रहे थे और पीछे हट रहे थे। उसने गरजते हुए कहा, ‘आर्गिवों, कायर और दयनीय प्राणियों, क्या तुम्हें शर्म नहीं आती कि तुम यहाँ डरे हुए हिरणों की तरह खड़े हो, जो मैदान में दौड़ न पाने पर एक साथ दुबक जाते हैं, लेकिन लड़ते नहीं? तुम हिरणों की तरह सुस्त और निर्धन हो। क्या तुम तब तक इंतज़ार करोगे जब तक ट्रोजन हमारे जहाजों के पिछले हिस्से तक न पहुँच जाएँ, जब वे किनारे पर खड़े हों, यह देखने के लिए कि क्या शनि का पुत्र तुम्हारी रक्षा के लिए अपना हाथ तुम पर रखेगा?’
इस प्रकार वह सैनिकों के बीच आदेश देते हुए आगे बढ़ा। भीड़ के बीच से गुजरते हुए वह तुरंत क्रीटियों के पास पहुँचा, जो इडोमेनियस के चारों ओर हथियारबंद थे, जो जंगली सूअर की तरह उग्र होकर उनका नेतृत्व कर रहा था, जबकि मेरियोनेस पीछे से बटालियनों को ला रहा था। एगामेम्नन उसे देखकर प्रसन्न हुआ और उससे विनम्रतापूर्वक बोला, ‘इडोमेनियस, मैं तुम्हें अन्य सभी अचेयनों की तुलना में अधिक सम्मान देता हूँ, चाहे युद्ध में हो या अन्य बातों में, या भोजन के समय। जब उनके राजकुमार मेरे उत्तम मदिरा को मिश्रण-

पात्रों में मिलाते हैं, तो उनमें से प्रत्येक को एक निश्चित हिस्सा मिलता है, लेकिन तुम्हारा प्याला हमेशा मेरे प्याले की तरह भरा रहता है, ताकि तुम जब चाहो पी सको। इसलिए, युद्ध में जाओ और वह वीरता दिखाओ जिस पर तुम्हें हमेशा गर्व रहा है।’
इडोमेनियस ने उत्तर दिया, “मैं एक भरोसेमंद साथी बनूंगा, जैसा कि
मैंने शुरू से ही आपसे वादा किया था। अन्य अचेयनों को उकसाओ ताकि हम तुरंत युद्ध में शामिल हो सकें, क्योंकि ट्रोजन ने अपने समझौतों का उल्लंघन किया है। उनका विनाश और मृत्यु निश्चित है, क्योंकि वे ही सबसे पहले अपनी शपथ तोड़कर हम पर हमला करने वाले हैं।”
एट्रियस का पुत्र प्रसन्न मन से आगे बढ़ता रहा, जब तक कि वह पैदल
सैनिकों की एक बड़ी टुकड़ी के बीच दो एजैक्स को हथियारबंद होते हुए नहीं देख लिया। जैसे किसी ऊँचे स्थान से कोई बकरी चराने वाला पश्चिम की ओर से आती हुई तेज़ हवा के साथ गहरे समुद्र में उमड़ते तूफ़ान को देखता है – आसमान घोर काला होता है और एक भयंकर बवंडर उसकी ओर बढ़ता है, जिससे वह डरकर अपने झुंड को किसी गुफा में ले जाता है – ठीक उसी तरह, ढाल और भाले से लैस, बलवान युवकों की पंक्तियाँ एजैक्स के नेतृत्व में एक अंधेरे समूह में युद्ध के लिए आगे बढ़ रही थीं। राजा एगामेम्नन उन्हें देखकर प्रसन्न हुआ। उसने पुकारा, ‘तुम जैसे अर्गिव्स के नेताओं को आदेश देने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि तुम स्वयं अपने सैनिकों को पूरी शक्ति से लड़ने के लिए प्रेरित करते हो। हे पिता बृहस्पति, मिनर्वा और अपोलो, काश सभी का मन तुम्हारी तरह होता, क्योंकि तब प्रियम का नगर शीघ्र ही हमारे हाथों में आ जाता और हम उसे लूट लेते।’
इतना कहकर वह उन्हें छोड़कर पाइलियनों के कुशल वक्ता नेस्टर के पास
चला गया, जो अपने सैनिकों को इकट्ठा कर रहा था और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा था। उसके साथ पेलागॉन, अलास्टोर, क्रोमियस, हेमन और उसके लोगों का चरवाहा बियास भी थे। उसने अपने रथों और घोड़ों सहित शूरवीरों को आगे की पंक्ति में रखा, जबकि पैदल सैनिकों, जो बहादुर और संख्या में अधिक थे और जिन पर वह भरोसा कर सकता था, को पीछे रखा। कायरों को उसने बीच में धकेल दिया, ताकि वे लड़ें, चाहे वे लड़ना चाहें या न चाहें। उसने सबसे पहले शूरवीरों को आदेश दिया और उन्हें अपने घोड़ों को अच्छी तरह से नियंत्रित करने के लिए कहा, ताकि कोई भ्रम न हो। उसने कहा, 'कोई भी अपनी ताकत या

घुड़सवारी पर भरोसा करके दूसरों से आगे न बढ़े और अकेले ट्रोजनों से न लड़े, न ही पीछे रहे, वरना तुम्हारा हमला कमजोर हो जाएगा; बल्कि जब भी कोई दुश्मन के रथ से मिले, तो अपने रथ से अपना भाला फेंक दे; यही सबसे अच्छा होगा; पुराने समय में लोग इसी तरह नगरों और गढ़ों पर कब्जा करते थे।' उनकी यही सोच थी।
इस प्रकार उस बूढ़े व्यक्ति ने उन्हें समझाया, क्योंकि वह अनेक
युद्धों में भाग ले चुका था, और राजा एगामेम्नन प्रसन्न हुआ। उसने उससे कहा, ‘काश तुम्हारे अंग उतने ही लचीले और तुम्हारी शक्ति उतनी ही दृढ़ होती जितनी तुम्हारी बुद्धि; परन्तु बुढ़ापा, जो मनुष्य जाति का सर्वव्यापी शत्रु है, तुम पर अपना हाथ डाल चुका है; काश यह किसी और पर पड़ा होता, और तुम अभी भी युवा होते।’
और गेरेन के योद्धा नेस्टर ने उत्तर दिया, “एट्रियस के पुत्र, मैं भी
वही व्यक्ति बनना चाहता हूँ जो मैं उस समय था जब मैंने शक्तिशाली एरेउथेलियन का वध किया था; परन्तु देवता हमें सब कुछ एक साथ नहीं देते। मैं तब जवान था, और अब बूढ़ा हो गया हूँ; फिर भी मैं अपने योद्धाओं के साथ जा सकता हूँ और उन्हें वह सलाह दे सकता हूँ जो वृद्धों को देने का अधिकार है। भाला चलाने का कार्य मैं अपने से युवा और बलवान लोगों पर छोड़ता हूँ।” एगमेम्नन प्रसन्नतापूर्वक आगे बढ़ा और थोड़ी देर बाद उसने पेटियोस के पुत्र मेनेस्थियस को वहाँ ठहरे हुए पाया। उसके साथ युद्ध में प्रखरता हुआ एथेनियन भी था। उसके पास ही धूर्त यूलिसिस भी अपने बलवान सेफैलियन सैनिकों के साथ ठहरा हुआ था; उन्होंने अभी तक युद्धघोष नहीं सुना था, क्योंकि ट्रोजन और अकेयन की सेनाएँ अभी-अभी चलना शुरू ही हुई थीं, इसलिए वे वहीं खड़े रहे और अकेयन की अन्य टुकड़ियों के ट्रोजन पर आक्रमण करने और युद्ध शुरू करने की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह देखकर एगमेम्नन ने उन्हें फटकारा और कहा, “पेटियोस के पुत्र और तुम दोनों, धूर्तता में डूबे हुए, छल से भरे हुए, यहाँ दुबके क्यों खड़े हो और दूसरों की प्रतीक्षा कर रहे हो? जब भयंकर युद्ध हो, तो तुम दोनों को सबसे आगे होना चाहिए, क्योंकि जब हम अकेयन के सलाहकार भोज करते हैं, तो तुम हमेशा मेरा निमंत्रण स्वीकार करने में सबसे आगे रहते हो।” तब तुम बड़े चाव से भुना हुआ मांस खाते और जितनी देर चाहो शराब पीते थे, जबकि अब तुम्हें जरा भी परवाह नहीं होगी, भले ही

तुम अपने सामने दस अचेयन सैनिकों की टुकड़ियों को दुश्मन से लड़ते हुए देख लो।
यूलिसिस ने उसे घूरकर देखा और उत्तर दिया, 'एट्रियस के पुत्र, तुम क्या
कह रहे हो? तुम कैसे कह सकते हो कि हम सुस्त हैं? जब अचेयन ट्रोजन के साथ पूरी तरह से युद्ध में होंगे, तो तुम देखोगे, यदि तुम चाहो तो, कि टेलीमाकस का पिता उनमें से सबसे आगे वालों के साथ युद्ध में शामिल होगा। तुम व्यर्थ की बातें कर रहे हो।'
जब एगामेम्नन ने देखा कि यूलिसिस क्रोधित है, तो उसने मुस्कुराते हुए अपनी बात वापस ले ली। उसने कहा, “यूलिसिस, लार्टेस के महान पुत्र, जो हर अच्छी सलाह में निपुण हो, मुझे न तो तुम्हारी कोई गलती निकालनी है और न ही तुम्हें कोई आदेश देना है, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारा हृदय शुद्ध है और हम दोनों एकमत हैं। बस करो; मैंने जो कहा है, मैं उसकी भरपाई करूँगा और यदि कोई बुराई हुई है, तो ईश्वर उसे मिटा दे।”
फिर वह उन्हें छोड़कर दूसरों के पास चला गया। कुछ देर बाद उसने
टाइडियस के पुत्र, महान डायोमेड को अपने रथ और घोड़ों के पास खड़े देखा, उसके बगल में कैपेनियस का पुत्र स्टेनेलस था; जिस पर उसने उसे फटकारना शुरू कर दिया। उसने कहा, ‘टाइडियस के पुत्र, युद्ध के मैदान में यहाँ दुबके क्यों खड़े हो? टाइडियस इस तरह नहीं दुबका, बल्कि शत्रु के विरुद्ध अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए हमेशा आगे रहता था – कम से कम युद्ध में उसे देखने वाले तो यही कहते हैं, क्योंकि मैंने स्वयं उसे कभी नहीं देखा। कहते हैं कि उसके जैसा कोई दूसरा नहीं था। वह एक बार माइसेना आया था, शत्रु बनकर नहीं बल्कि अतिथि बनकर, पॉलीनीस के साथ अपनी सेना में भर्ती करने के लिए, क्योंकि वे थेब्स के शक्तिशाली शहर के विरुद्ध युद्ध छेड़ रहे थे, और उन्होंने हमारे लोगों से चुने हुए सैनिकों की एक टुकड़ी की प्रार्थना की जो उनकी सहायता कर सकें। माइसेना के लोग उन्हें एक सैनिक देने को तैयार थे, लेकिन बृहस्पति ने उन्हें अशुभ संकेत दिखाकर मना कर दिया। इसलिए टाइडियस और पॉलीनीस अपने रास्ते चले गए। जब वे एसोपस नदी के हरे-भरे घास के मैदानों और सरकंडों से भरे किनारों तक पहुँचे, तो अचियनों ने टाइडियस को अपना दूत बनाकर भेजा, और उसने एटियोक्लेस के घर में बड़ी संख्या में कैडमियनों को भोज में इकट्ठा पाया। यद्यपि वह अजनबी था, फिर भी इतने सारे लोगों के बीच अकेले होने पर भी उसे कोई भय नहीं हुआ, बल्कि उसने उन्हें हर

तरह की प्रतियोगिताओं के लिए चुनौती दी, और हर प्रतियोगिता में वह विजयी रहा, मिनर्वा ने उसकी ज़बरदस्त सहायता की। उसकी सफलता से कैडमियन क्रोधित हो गए, और उन्होंने पचास युवकों की एक सेना दो सेनापतियों - हेमोन के पुत्र मेओन और ऑटोफोनस के पुत्र पॉलीफोंटेस - के नेतृत्व में उसकी वापसी यात्रा पर घात लगाने के लिए भेजी; लेकिन टाइडियस ने मेओन को छोड़कर, जिसे उसने स्वर्ग के संकेतों का पालन करते हुए छोड़ दिया, उन सभी को मार डाला। एटोलिया का टाइडियस ऐसा ही था। उसका बेटा बोलने में तो अधिक धाराप्रवाह हो सकता है, लेकिन वह अपने पिता की तरह युद्ध नहीं कर सकता।
डायोमेड ने कोई उत्तर नहीं दिया, क्योंकि वह एगामेम्नन की फटकार से शर्मिंदा था; लेकिन कैपेनियस के पुत्र ने उसकी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'एट्रियस के पुत्र, झूठ मत बोलो, क्योंकि यदि तुम चाहो तो सच बोल सकते हो। हम अपने पूर्वजों से भी श्रेष्ठ होने का दावा करते हैं; हमने सात द्वारों वाले थेब्स पर विजय प्राप्त की, यद्यपि दीवार अधिक मजबूत थी और हमारे सैनिक संख्या में कम थे, क्योंकि हमने देवताओं के संकेतों और बृहस्पति की सहायता पर भरोसा किया, जबकि वे अपनी घोर मूर्खता के कारण नष्ट हो गए; इसलिए हमारे पूर्वजों को हमारे समान सम्मान न दो।'
डायोमेड ने उसे सख्ती से देखते हुए कहा, “मेरे मित्र, मेरी आज्ञा का
पालन करो और चुप रहो। अगामेम्नन का अचेयनों को आगे बढ़ाना उचित है, क्योंकि यदि हम नगर पर कब्जा कर लेते हैं तो यश उसी का होगा, और यदि हम पराजित होते हैं तो लज्जा उसी की होगी। इसलिए, आइए हम वीरता का परिचय दें।” जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, वह अपने रथ से उछल पड़ा, और उसके कवच से उसके शरीर पर इतनी ज़ोरदार आवाज़ आई कि एक बहादुर आदमी भी उसे सुनकर डर सकता था।
जैसे पश्चिम की तेज़ हवाओं से उग्र होकर कोई विशाल लहर समुद्र तट पर गरजती है, दूर से उठकर किनारे पर आ गिरती है; नुकीली चट्टानों के ऊपर अपनी ऊँची चोटी झुकाती है और चारों दिशाओं में नमकीन झाग बिखेरती है – ठीक उसी तरह दानानियों की टुकड़ियाँ दृढ़ता से युद्ध के लिए आगे बढ़ीं। प्रत्येक सरदार ने अपने-अपने सैनिकों को आदेश दिए, लेकिन सैनिकों ने एक शब्द भी नहीं कहा; किसी को यह बात समझ में नहीं आई, क्योंकि सेना इतनी विशाल थी कि ऐसा लग रहा था मानो उनमें से किसी की भी भाषा नहीं आती हो, वे आज्ञापालन में इतने मौन थे; और जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, उनके कवच सूर्य की रोशनी में

चमक रहे थे। लेकिन ट्रोजन सैनिकों का शोर किसी धनी चरवाहे के बाड़े में दुहने के लिए खड़ी हजारों भेड़ों के शोर जैसा था, जो अपने मेमनों की मिमियाहट के जवाब में लगातार मिमियाती रहती हैं; क्योंकि उनकी कोई एक बोली या भाषा नहीं थी, बल्कि उनकी भाषाएँ विविध थीं, और वे अनेक स्थानों से आए थे। ये मंगल ग्रह से प्रेरित थे, जबकि अन्य मिनर्वा से प्रेरित थे – और उनके साथ आतंक, भगदड़ और कलह भी आए, जिनका क्रोध कभी शांत नहीं होता, जो हत्यारे मंगल की बहन और मित्र हैं, जो पहले तो कद में छोटी होती हैं, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ती जाती हैं, यहाँ तक कि उनका सिर स्वर्ग की ओर उठ जाता है, हालाँकि उनके पैर अभी भी धरती पर हैं। वही उनके बीच घूमती थीं और समान रूप से उनके बीच कलह और दुःख को बढ़ाती थीं।
जब वे एक जगह एकत्रित हुए, तो युद्ध के प्रकोप में ढालें ढालों से और भाले भालों से टकराने लगे। उभरी हुई ढालें एक-दूसरे पर प्रहार करती रहीं, और एक विशाल जनसमूह के कदमों की आहट गूंज उठी – मृतकों और हत्यारों की मृत्यु-पुकार और विजय-जयकार, और धरती खून से लाल हो गई। जैसे बारिश से उफनती धाराएँ अपनी गहरी नालियों में उग्र रूप से बहती हुई किसी घाटी में जाकर मिलती हैं, और पहाड़ी पर बैठा चरवाहा दूर से उनकी गर्जना सुनता है – युद्ध में शामिल होते समय सेनाओं का यही परिश्रम और कोलाहल था।
सबसे पहले एंटिलोकस ने ट्रोजन सेना के एक सशस्त्र योद्धा, थैलिसियस के पुत्र एचेपोलस को मार डाला, जो अग्रिम पंक्ति में लड़ रहा था। उसने उसके हेलमेट के उभरे हुए हिस्से पर प्रहार किया और भाला उसकी भौंहों में घुसा दिया; कांसे की नोक हड्डी को भेद गई, और उसकी आँखों के सामने अंधेरा छा गया; वह युद्ध के दबाव में एक मीनार की तरह सिर के बल गिर पड़ा, और जैसे ही वह गिरा, चालकोडोन के पुत्र और अभिमानी अबांटेस के सेनापति, राजा एलिफेनोर, उसे चारों ओर गिर रहे तीरों की पहुँच से दूर खींचने लगा, ताकि उसका कवच उतार सके। लेकिन उसका यह प्रयास जल्द ही विफल हो गया; एजेनोर ने उसे शव को घसीटते हुए देख लिया, और अपने कांसे की नोक वाले भाले से उसकी बगल में वार किया - क्योंकि झुकने पर उसकी बगल ढाल से सुरक्षित नहीं थी - और इस प्रकार वह मारा गया। फिर उसके शव को लेकर ट्रोजन और अचेयन के बीच लड़ाई और भयंकर हो गई, और वे भेड़ियों की तरह एक-दूसरे पर टूट पड़े, एक आदमी दूसरे को कुचल रहा था।

तत्पश्चात, तेलमोन के पुत्र अजाक्स ने एंथेमियन के पुत्र सुंदर युवक सिमोइसियस को मार डाला, जिसे उसकी माता ने सिमोइस नदी के किनारे जन्म दिया था, जब वह अपने माता-पिता के साथ इडा पर्वत से नीचे आ रही थी, जहाँ वह अपने भेड़-बकरियों को देखने गई थी। इसलिए उसका नाम सिमोइसियस रखा गया, लेकिन वह अपने माता-पिता को अपने पालन-पोषण का प्रतिफल देने के लिए जीवित नहीं रहा, क्योंकि शक्तिशाली अजाक्स के भाले ने उसे असमय ही मार डाला। अजाक्स ने उसे दाहिनी छाती पर तब मारा जब वह सबसे आगे चल रहे योद्धाओं के बीच आ रहा था; भाला उसके कंधे को चीरता हुआ निकल गया, और वह एक चिनार के पेड़ की तरह गिर पड़ा जो किसी झील के किनारे सीधा और लंबा उगता है और जिसकी शाखाएँ घनी होती हैं। फिर एक पहिया बनाने वाला उसकी जड़ों पर कुल्हाड़ी चलाता है ताकि वह किसी सुंदर रथ के पहिये के लिए एक आधार बना सके, और वह पानी के किनारे सूखता रहता है। इसी प्रकार अजाक्स ने एंथेमियन के पुत्र सिमोइसियस को मार गिराया। इसके बाद, प्रियाम के पुत्र, चमकीली कवचधारी एंटिफस ने भीड़ के बीच से एजैक्स पर भाला फेंका, जो चूक गया, लेकिन उसने यूलिसिस के बहादुर साथी ल्यूकस को कमर में जा लगा, जब वह सिमोइसियस के शव को दूसरी ओर घसीट रहा था; इस प्रकार वह शव पर गिर पड़ा और उस पर अपनी पकड़ ढीली कर दी। ल्यूकस को मरा हुआ देखकर यूलिसिस क्रोधित हो गया और पूर्ण कवच में अग्रिम पंक्तियों के बीच से तब तक आगे बढ़ा जब तक वह बिल्कुल करीब नहीं आ गया; फिर उसने चारों ओर घूरकर निशाना साधा, और ऐसा करते ही ट्रोजन पीछे हट गए। उसका भाला व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि वह प्रियाम के नाजायज पुत्र डेमोकून को जा लगा, जो एबिडोस से उसके पास आया था, जहाँ वह अपने पिता की घोड़ियों की देखभाल करता था। अपने साथी की मृत्यु से क्रोधित यूलिसिस ने अपने भाले से उसकी एक कनपटी पर प्रहार किया, और भाले की नोक उसके माथे के दूसरी ओर से आर-पार हो गई। इसके बाद उसकी आँखों में अंधेरा छा गया, और उसका कवच खड़खड़ाता हुआ ज़मीन पर गिर पड़ा। हेक्टर और उसके आगे के सैनिक पीछे हट गए, जबकि आर्गिव्स ने ज़ोर से चिल्लाते हुए मृतकों को हटाया और आगे बढ़ते चले गए। लेकिन अपोलो ने पेरगामस से नीचे देखा और ट्रोजनों को पुकारा, क्योंकि वह नाराज़ था। उसने कहा, 'ट्रोजनों, शत्रु पर टूट पड़ो, और आर्गिव्स से इस प्रकार मत हारो। उनकी खाल पत्थर या लोहे की नहीं है कि जब तुम उन पर प्रहार करोगे तो उन्हें कोई हानि नहीं होगी। इसके अलावा, सुंदर थेतिस का पुत्र अकिलीज़ लड़ नहीं रहा है, बल्कि जहाजों पर अपना क्रोध शांत कर रहा है।'

इस प्रकार सर्वशक्तिमान देवता ने नगर से उन्हें पुकारते हुए कहा, जबकि बृहस्पति की दुर्जेय पुत्री, त्रितो-जन्मी, अचेयनों की सेना के बीच घूमती रही और जब भी उसने उन्हें सुस्त देखा, तो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही।
फिर अमारिनसियस के पुत्र डायोरेस पर विपत्ति आ पड़ी, जब उसके दाहिने
पैर के टखने के पास एक नुकीला पत्थर लगा। पत्थर फेंकने वाला थ्रेसियन सेनापति इम्ब्रासस का पुत्र पीरोस था, जो ऐनस से आया था; निर्दयी पत्थर से उसकी हड्डियाँ और दोनों नसें चूर-चूर हो गईं। वह पीठ के बल जमीन पर गिर पड़ा और अपनी मृत्यु की पीड़ा में अपने साथियों की ओर हाथ फैलाए। लेकिन पीरोस, जिसने उसे घायल किया था, उस पर झपटा और उसके पेट में भाला घोंप दिया, जिससे उसकी आँतें जमीन पर बह निकलीं और उसकी आँखों के सामने अंधेरा छा गया। जब वह शरीर त्याग रहा था, तभी एटोलिया के थोआस ने उसके स्तन के पास छाती पर वार किया और भाले की नोक उसके फेफड़ों में धंस गई। थोआस उसके पास आया, उसकी छाती से भाला निकाला और फिर अपनी तलवार निकालकर उसके पेट के बीचोंबीच वार किया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन उसने उसका कवच नहीं उतारा, क्योंकि उसके थ्रेसियन साथी, जो सिर के ऊपर बालों का गुच्छा रखते थे, उसके शव के चारों ओर खड़े हो गए और उसकी विशाल कद-काठी और वीरता के बावजूद उसे अपने लंबे भालों से दूर रखा; इस प्रकार उसे पीछे हटना पड़ा। इस प्रकार दोनों शव एक-दूसरे के पास धरती पर पड़े थे, एक थ्रेसियन सेनापति का और दूसरा एपियन सेनापति का; और कई अन्य शव उनके चारों ओर गिर पड़े।
और अब कोई भी व्यक्ति इस लड़ाई को हल्के में नहीं लेता यदि वह मिनर्वा के मार्गदर्शन में, भाले और बाणों की बौछार से सुरक्षित, बिना किसी चोट या घाव के इसमें शामिल हो पाता। क्योंकि उस दिन कई ट्रोजन और अचेयन सैनिक धरती पर औंधे मुंह पड़े थे।

पुस्तक 5

डायोमेड के कारनामे, जो पंडारस द्वारा घायल होने के बावजूद लड़ना जारी रखता है - वह पंडारस को मार डालता है और एनियास को घायल कर देता है - वीनस एनियास को बचाती है, लेकिन डायोमेड द्वारा घायल होने के कारण, उसे अपोलो की देखरेख में सौंप देती है और ओलंपस चली जाती
है, जहाँ उसकी माँ डियोन उसकी देखभाल करती है - मार्स ट्रोजनों को प्रोत्साहित करता है, और एनियास अपने घाव से ठीक होकर युद्ध में
लौट आता है - मिनर्वा और जूनो अचियनों की मदद करती हैं, और मिनर्वा
की सलाह पर डायोमेड मार्स को घायल कर देता है, जो इलाज के लिए ओलंपस
लौट जाता है।
तब पल्लास मिनर्वा ने टाइडियस के पुत्र डायोमेड के हृदय में वीरता भर दी, ताकि वह अन्य सभी अर्गिव्स से श्रेष्ठ हो जाए और यश से परिपूर्ण हो जाए। उसने उसकी ढाल और हेलमेट से आग की एक धारा उत्पन्न की, ठीक वैसे ही जैसे ग्रीष्म ऋतु में ओशेनस के जल में स्नान करने के बाद तारा सबसे अधिक चमकता है - ठीक वैसी ही आग उसने उसके सिर और कंधों पर प्रज्वलित की और उसे युद्ध के सबसे भीषण कोलाहल में आगे बढ़ने का आदेश दिया।
ट्रोजनों में एक धनी और सम्मानित व्यक्ति था, जो वल्कन का पुजारी था और उसका नाम डेरेस था। उसके दो पुत्र थे, फेगियस और इडियस, दोनों ही युद्ध कलाओं में निपुण थे। ये दोनों ट्रोजनों की मुख्य सेना से आगे आए और डायोमेड पर हमला कर दिया, जो पैदल था जबकि वे अपने रथों पर सवार होकर लड़ रहे थे। जब वे एक-दूसरे के करीब आ गए, तो फेगियस ने पहले निशाना साधा, लेकिन उसका भाला डायोमेड के बाएं कंधे के ऊपर से निकल गया और उसे लगा नहीं। तब डायोमेड ने भाला फेंका, और उसका भाला व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि वह फेगियस की छाती पर निप्पल के पास लगा, और वह अपने रथ से गिर गया। इडियस ने अपने भाई के शरीर पर चढ़ने का साहस नहीं किया, बल्कि रथ से कूदकर भाग गया, अन्यथा उसका भी वही हाल होता; जिस पर वल्कन ने उसे अंधकार के बादल में लपेटकर बचा लिया, ताकि उसका बूढ़ा पिता शोक से पूरी तरह टूट न जाए; लेकिन टाइडियस का

पुत्र घोड़ों के साथ चला गया और अपने अनुयायियों को उन्हें जहाजों तक ले जाने का आदेश दिया। जब ट्रोजनों ने डेरेस के दो पुत्रों को देखा, जिनमें से एक भाग रहा था और दूसरा अपने रथ के पास मृत पड़ा था, तो वे भयभीत हो गए। इसलिए मिनर्वा ने मार्स का हाथ पकड़कर कहा, ‘हे मार्स, हे मनुष्यों के अभिशाप, नगरों पर आक्रमण करने वाले रक्तरंजित देवता, क्या हम अब ट्रोजनों और अचेयनों को आपस में लड़ने के लिए नहीं छोड़ सकते और यह नहीं देख सकते कि बृहस्पति इन दोनों में से किसे विजय दिलाएगा? चलो हम यहाँ से चले जाते हैं और इस प्रकार उसके क्रोध से बच जाते हैं।’
ऐसा कहकर उसने मार्स को युद्ध से बाहर निकाला और उसे स्कैमंडर नदी के ऊंचे किनारों पर बिठा दिया। इस पर दानानों ने ट्रोजनों को खदेड़ दिया और उनके प्रत्येक सरदार ने अपने-अपने सैनिक को मार डाला। सबसे पहले राजा एगामेम्नन ने हलिज़ोनी के शक्तिशाली सेनापति ओडियस को उसके रथ से नीचे फेंक दिया। जैसे ही वह भागने के लिए मुड़ा, एगामेम्नन का भाला उसकी पीठ पर लगा; भाला उसके कंधों के बीच से होते हुए उसकी छाती को भेद गया और जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर बिखर गया।
फिर इदोमेनियस ने वार्ने से आए मेओनियाई बोरस के पुत्र फाइसुस का वध
कर दिया। शक्तिशाली इदोमेनियस ने रथ पर चढ़ते समय उसके दाहिने कंधे पर भाला घोंप दिया, और रथ से भारी भरकम तरीके से गिरते ही मृत्यु के अंधकार ने उसे घेर लिया।
इडोमेनियस के सहायकों ने उसका कवच छीन लिया, जबकि एट्रेस के पुत्र मेनेलास ने स्ट्रोफियस के पुत्र स्कैमांड्रियस को मार डाला, जो एक कुशल शिकारी और शिकार का शौकीन था। स्वयं डायना ने उसे पर्वतीय वनों में पाए जाने वाले हर प्रकार के जंगली जीव को मारना सिखाया था, लेकिन न तो वह और न ही तीरंदाजी में उसका प्रसिद्ध कौशल अब उसे बचा सका, क्योंकि मेनेलास का भाला उड़ते हुए उसकी पीठ में जा लगा; भाला उसके कंधों के बीच से होते हुए उसकी छाती को भेद गया, जिससे वह सिर के बल गिर पड़ा और उसका कवच चारों ओर खड़खड़ाता हुआ बिखर गया।
इसके बाद मेरियोनेस ने टेक्टन के पुत्र फेरेक्लस को मार डाला, जो हर्मोन का पुत्र था और शिल्पकारी में निपुण था, क्योंकि पल्लास मिनर्वा उससे बहुत प्रेम करती थी। उसी ने अलेक्जेंड्रस के लिए जहाज बनाए थे, जो सारी विपत्ति का आरंभ थे और ट्रोजन और स्वयं अलेक्जेंड्रस दोनों पर

विपत्ति लाए; क्योंकि उसने स्वर्ग के आदेशों का पालन नहीं किया था। मेरियोनेस ने भागते हुए फेरेक्लस को पकड़ लिया और उसके दाहिने नितंब पर वार किया। भाले की नोक हड्डी को भेदकर मूत्राशय में घुस गई और वह जोर से चिल्लाते हुए घुटनों के बल गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।
इसके अलावा, मेगेस ने एंटनोर के पुत्र पेडेयस को मार डाला, जो कि
हालांकि एक नाजायज संतान था, लेकिन थेआनो ने अपने पति के प्रति प्रेम के कारण उसे अपने बच्चों में से एक की तरह पाला था। फाइलियस का पुत्र उसके पास पहुंचा और उसकी गर्दन के पिछले हिस्से में भाला घोंप दिया: भाला उसकी जीभ के नीचे से होते हुए उसके दांतों के बीच से निकल गया, जिससे उसने ठंडे पीतल को काट लिया और धूल में गिरकर मर गया।
और यूएमोन के पुत्र यूरिपिलस ने कुलीन डोलोपियन के पुत्र हिप्सनोर को मार डाला, जिसे स्कैमंडर नदी का पुजारी बनाया गया था और लोगों के बीच उसे देवता के समान सम्मान प्राप्त था। यूरिपिलस ने हिप्सनोर का पीछा किया जब वह उसके सामने से भाग रहा था, उसकी भुजा पर तलवार से प्रहार किया और उसका मजबूत हाथ काट डाला। रक्त से लथपथ हाथ जमीन पर गिर गया, और मृत्यु की छाया, उस भाग्य के साथ जिसका कोई सामना नहीं कर सकता, उसकी आँखों पर छा गई।
इस प्रकार उनके बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया। टाइडियस के पुत्र के बारे
में यह कहना मुश्किल था कि वह अचेयनों में से था या ट्रोजनों में से। वह मैदान में ऐसे उफान पर था जैसे सर्दियों में उफान पर आया कोई तेज बहाव; जब आसमान से बरसती बारिश से वह उफान पर होता है तो न कोई बांध, न ही उपजाऊ अंगूर के बागों की दीवारें उसे रोक सकती हैं; पल भर में वह आगे बढ़ता है और उन खेतों को उजाड़ देता है जिन्हें कई बलवान पुरुषों ने अपने हाथों से उपजाऊ बनाया था। ठीक इसी तरह टाइडियस के पुत्र ने ट्रोजनों की घनी सेनाओं को खदेड़ दिया, और संख्या में अधिक होने के बावजूद भी वे उसके आक्रमण का सामना करने का साहस नहीं कर सके।
जब लाइकान के पुत्र ने उसे मैदान में आगे बढ़ते और ट्रोजनों को
बेतहाशा खदेड़ते देखा, तो उसने एक तीर चलाया और उसके कवच के अगले हिस्से पर, कंधे के पास निशाना साधा: तीर धातु को भेदते हुए मांस में जा लगा, जिससे कवच खून से लथपथ हो गया। इस पर लाइकान के पुत्र ने विजयगान करते हुए कहा, ‘ट्रोजन योद्धाओं, आगे बढ़ो; अचेयनों का सबसे बहादुर योद्धा घायल हो गया

है, और यदि राजा अपोलो सचमुच मेरे साथ थे जब मैं लिसिया से यहाँ आया था, तो वह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाएगा।’
उसने इस प्रकार शेखी बघारी; लेकिन उसका तीर डायोमेड को नहीं मार सका,
जो पीछे हट गया और कैपेनियस के पुत्र स्टेनेलस के रथ और घोड़ों की ओर भागा। उसने कहा, ‘कैपेनियस के प्रिय पुत्र, अपने रथ से नीचे उतरें और मेरे कंधे से तीर निकालें।’
स्टेनेलस अपने रथ से कूदा और घाव से तीर निकाला, जिससे उसकी कमीज में
बने छेद से खून बहने लगा। तब डायोमेड ने प्रार्थना करते हुए कहा, “हे अजीस बृहस्पति की पुत्री, मेरी प्रार्थना सुनो। यदि तूने मेरे पिता से प्रेम किया और युद्ध के मैदान में उनका साथ दिया, तो अब मेरे साथ भी वैसा ही कर; मुझे उस व्यक्ति के भाले की दूरी तक पहुँचने और उसे मार डालने की शक्ति दे। वह मुझसे बहुत तेज था और उसने मुझे घायल कर दिया; और अब वह शेखी बघार रहा है कि मैं ज्यादा देर तक सूर्य का प्रकाश नहीं देख पाऊँगा।”
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और पल्लास मिनर्वा ने उसकी प्रार्थना
सुन ली; उसने उसके अंगों को लचीला बना दिया और उसके हाथों और पैरों को गति प्रदान की। फिर वह उसके पास गई और बोली, ‘डायोमेड, ट्रोजन से युद्ध करने से मत डरो, क्योंकि मैंने तुम्हारे हृदय में तुम्हारे वीर पिता टाइडियस की आत्मा भर दी है। इसके अलावा, मैंने तुम्हारी आँखों से पर्दा हटा दिया है, ताकि तुम देवताओं और मनुष्यों को अलग-अलग पहचान सको। यदि कोई अन्य देवता यहाँ आकर तुम्हें युद्ध के लिए चुनौती दे, तो उससे मत लड़ो; परन्तु यदि बृहस्पति की पुत्री वीनस आए, तो उसे अपने भाले से मारो और उसे घायल कर दो।’ यह कहकर मिनर्वा चली गई, और टाइडियस का पुत्र फिर से अग्रणी योद्धाओं
में शामिल हो गया, पहले से भी तीन गुना अधिक उग्र होकर। वह उस शेर की तरह था जिसे किसी पहाड़ी चरवाहे ने घायल तो कर दिया हो, पर मारा न हो, और जो भेड़ों पर हमला करने के लिए भेड़शाला की दीवार फांद रहा हो। चरवाहे ने उस जानवर को क्रोधित तो कर दिया है, पर अपने झुंड की रक्षा नहीं कर सकता, इसलिए वह इमारतों की आड़ में छिप जाता है, जबकि भेड़ें, परित्यक्त होने से भयभीत होकर, एक दूसरे के ऊपर ढेर हो जाती हैं, और क्रोधित शेर भेड़शाला की दीवार फांदकर बाहर निकल जाता है। ठीक इसी प्रकार डायोमेड उग्रता से ट्रोजनों के बीच घूमता रहा।

उसने एस्टिनोस और उसके लोगों के चरवाहे हाइपिरोन को मार डाला। उसने एक को अपने भाले के वार से मारा, जो उसके स्तन के ऊपर लगा, और दूसरे को तलवार से उसकी कमर से अलग कर दिया। उसने दोनों को वहीं पड़ा रहने दिया और स्वप्न-पाठक यूरीडामस के पुत्रों अबास और पोलियडस की खोज में निकल पड़ा। वे फिर कभी उसके पास स्वप्न-पाठ करवाने नहीं लौटे, क्योंकि शक्तिशाली डायोमेड ने उनका अंत कर दिया था। फिर उसने फिनोप्स के दो पुत्रों ज़ैंथस और थून का पीछा किया, जो उसे बहुत प्रिय थे, क्योंकि वह अब उम्र से कमजोर हो चुका था और उसकी संपत्ति का उत्तराधिकारी बनने के लिए उसके पास कोई पुत्र नहीं था। लेकिन डायोमेड ने उन दोनों की भी जान ले ली और उनके पिता को घोर शोक में छोड़ दिया, क्योंकि उसने उन्हें फिर कभी युद्ध से जीवित घर लौटते नहीं देखा, और उसके रिश्तेदारों ने उसकी संपत्ति आपस में बाँट ली।
फिर उसने प्रियम के दो पुत्रों, एचेम्मोन और क्रोमियस को देखा, जब वे दोनों एक रथ में सवार थे। वह उन पर ऐसे झपटा जैसे कोई शेर किसी गाय या बछिया की गर्दन पर झपट पड़ता है जब झुंड झाड़ियों में चर रहा होता है। उनके सभी व्यर्थ संघर्षों के बावजूद, उसने उन दोनों को उनके रथ से नीचे फेंक दिया और उनके शरीर से कवच उतार दिए। फिर उसने उनके घोड़े अपने साथियों को दे दिए ताकि वे उन्हें वापस जहाजों तक ले जा सकें।
जब ऐनेस ने उसे इस प्रकार सेना में तबाही मचाते देखा, तो वह भालों की बौछार के बीच से पंडारस को खोजने के लिए युद्ध के मैदान में गया। जब उसे लाइकाओन का वीर पुत्र मिला, तो उसने कहा, ‘पंडारस, तुम्हारा धनुष, तुम्हारे पंखदार बाण और धनुर्धर के रूप में तुम्हारी प्रसिद्धि कहाँ है, जिसके मामले में यहाँ कोई भी तुम्हारा मुकाबला नहीं कर सकता और न ही लिसिया में कोई तुम्हें हरा सकता है? तो फिर बृहस्पति से प्रार्थना करो और इस पर एक बाण चलाओ जो इतनी कुशलता से लड़ रहा है और जिसने ट्रोजनों के बीच इतना घातक कार्य किया है। इसने कई वीर पुरुषों को मार डाला है - कहीं ऐसा तो नहीं कि वह कोई ऐसा देवता हो जो ट्रोजनों के बलिदानों से क्रोधित हो और अपनी नाराजगी में उनके विरुद्ध हाथ उठा रहा हो।’
लाइकान के पुत्र ने उत्तर दिया, “ऐनस, मैं उसे टाइडियस का पुत्र ही
समझता हूँ। मैं उसे उसकी ढाल, उसके हेलमेट के मुखौटे और उसके घोड़ों से पहचानता हूँ। हो सकता है वह कोई देवता हो, लेकिन यदि वह वही व्यक्ति है जिसके बारे में मैं कह रहा हूँ, तो वह स्वर्ग की सहायता के बिना यह सब

तबाही नहीं मचा रहा है, बल्कि उसके साथ कोई देवता है जो अंधकार के बादल में लिपटा हुआ है, और जिसने मेरे तीर को लगने के बाद मोड़ दिया। मैंने उस पर निशाना साधा और उसके दाहिने कंधे पर तीर मारा; मेरा तीर उसके कवच के सीने को भेद गया; और मैंने उसे परलोक भेजने का पूरा प्रयास किया, लेकिन ऐसा लगता है कि मैं उसे मार नहीं पाया। कोई देवता मुझसे नाराज़ है। इसके अलावा, मेरे पास न तो घोड़ा है और न ही रथ। मेरे पिता के अस्तबल में ग्यारह उत्तम रथ हैं, जो अभी-अभी बने हैं, एकदम नए, जिन पर कपड़ा बिछा हुआ है; और उनमें से प्रत्येक के पास घोड़ों की एक जोड़ी खड़ी है, जो जौ और राई चर रहे हैं; जब मैं घर पर था और निकलने ही वाला था, तब मेरे बूढ़े पिता लाइकान ने बार-बार मुझसे आग्रह किया कि मैं अपने साथ रथ और घोड़े ले जाऊं ताकि मैं ट्रोजनों का नेतृत्व युद्ध में कर सकूं, लेकिन मैंने उनकी बात नहीं मानी; ऐसा करना कहीं बेहतर होता, लेकिन मैं घोड़ों के बारे में सोच रहा था, जो पेट भर खा चुके थे, और मुझे डर था कि इतने बड़े जनसमूह में उन्हें ठीक से भोजन न मिले, इसलिए मैंने उन्हें घर पर ही छोड़ दिया और केवल अपने धनुष और बाणों से लैस होकर पैदल ही इलियस की ओर चल पड़ा। लगता है, ये बाण किसी काम के नहीं हैं, क्योंकि मैंने पहले ही एट्रेस और टाइडियस के पुत्रों, दो सरदारों को मार गिराया है, और हालांकि मैंने उनका खून तो बहाया है, लेकिन मैंने उन्हें और भी क्रोधित कर दिया है। मैंने उस दिन धनुष को खूंटी से उतारकर गलती की थी जब मैं हेक्टर की सेवा में अपने ट्रोजन दल का नेतृत्व करते हुए इलियस गया था, और अगर कभी मैं वापस अपने जन्मस्थान, अपनी पत्नी और अपने घर की शान को देखने के लिए लौट आया, तो अगर मैं धनुष को तोड़कर आग में न डाल दूं, तो कोई मेरा सिर वहीं काट दे - क्योंकि यह मेरे साथ ऐसे ही शरारतें करता है। ऐनेस ने उत्तर दिया, “और कुछ मत कहो। जब तक हम दोनों रथ और घोड़ों के
साथ इस आदमी के विरुद्ध जाकर उससे युद्ध नहीं करेंगे, तब तक स्थिति नहीं सुधरेगी। मेरे रथ पर सवार हो जाओ, और देखो कि ट्रोस के घोड़े पीछा करने या भागने के लिए मैदान में कितनी चतुराई से इधर-उधर दौड़ सकते हैं। यदि बृहस्पति टाइडियस के पुत्र को फिर से गौरव प्रदान करता है, तो वे हमें सुरक्षित रूप से शहर वापस ले जाएंगे। इसलिए, जब मैं रथ पर सवार होकर लड़ने के लिए तैयार हूँ, तब तक तुम चाबुक और लगाम थाम लो, या फिर तुम इस आदमी के आक्रमण की प्रतीक्षा करो, जबकि मैं घोड़ों की देखभाल करता हूँ।”

लाइकान के पुत्र ने उत्तर दिया, “ऐस, लगाम थाम लो और घोड़ों को चलाओ;
यदि हमें टाइडियस के पुत्र से भागना पड़े तो घोड़े अपने चालक के साथ बेहतर चलेंगे। यदि वे तुम्हारी आवाज़ सुनने से चूक गए, तो वे डर सकते हैं और हमें युद्ध से बाहर निकालने से इनकार कर सकते हैं। तब टाइडियस का पुत्र हम दोनों को मार डालेगा और घोड़ों को ले जाएगा। इसलिए तुम खुद घोड़ों को चलाओ और मैं अपने भाले के साथ उसके लिए तैयार रहूंगा।”
फिर वे रथ पर सवार हुए और पूरी गति से टाइडियस के पुत्र की ओर बढ़े। कैपेनियस के पुत्र स्टेनेलस ने उन्हें आते देखा और डायोमेड से कहा, “डायोमेड, टाइडियस के पुत्र, मेरे जैसे ही व्यक्ति, मैं दो वीरों को आपकी ओर तेज़ी से आते देख रहा हूँ, दोनों ही बलवान हैं – एक कुशल धनुर्धर, लाइकाओन का पुत्र पंडारस, और दूसरा, एनियास, जिसके पिता एंकीसेस और माता वीनस हैं। रथ पर सवार हो जाइए और हमें पीछे हटना चाहिए। मैं आपसे विनती करता हूँ, इतनी तेज़ी से आगे मत बढ़िए, अन्यथा आप मारे जाएँगे।”
डायोमेड ने क्रोधित होकर उसकी ओर देखा और उत्तर दिया: “भागने की बात मत करो, मैं तुम्हारी बात नहीं सुनूंगा: मैं उस वंश का हूं जो न तो भागना जानता है और न ही डरना, और मेरे अंग अभी तक थके नहीं हैं। मेरा घोड़े पर चढ़ने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि मैं जैसा हूं वैसा ही उनका सामना करूंगा; पल्लास मिनर्वा ने मुझे किसी से न डरने का आदेश दिया है, और यदि उनमें से एक भी बच निकले, तो उनके घोड़े उन दोनों को वापस नहीं ला पाएंगे। मैं आगे कहता हूं, और मेरी बात को याद रखो – यदि मिनर्वा मुझे उन दोनों को मारने का गौरव प्रदान करना चाहे, तो अपने घोड़ों को यहीं रोक दो और लगाम को रथ के किनारे से बांध दो; फिर सुनिश्चित करो कि तुम ऐनेस के घोड़ों पर सवार हो जाओ और उन्हें ट्रोजन से अचियन सेना की ओर भगा दो। वे उस नस्ल के हैं जो महान बृहस्पति ने अपने पुत्र गैनीमेड के बदले ट्रोस को दी थी, और वे सूर्य के नीचे रहने वाले सबसे उत्तम प्राणी हैं। राजा एंचीज़ ने लाओमेडोन की जानकारी के बिना अपनी घोड़ियों को उनसे मिलाकर उनका खून चुरा लिया था, और उन्होंने उसे छह बछड़े दिए थे।” चार घोड़े अभी भी उसके अस्तबल में हैं, लेकिन उसने बाकी दो घोड़े ऐनेस को दे दिए हैं। अगर हम उन्हें हासिल कर लें तो हमें बहुत गौरव प्राप्त होगा।
इस प्रकार वे बातचीत कर रहे थे, लेकिन अब बाकी दोनों उनके करीब आ चुके
थे, और लाइकान के पुत्र ने पहले बात की। उसने कहा, 'महान और पराक्रमी पुत्र,

हे महान टाइडियस, मेरा तीर तुम्हें मार गिराने में विफल रहा, इसलिए अब मैं अपने भाले से कोशिश करूंगा।'
बोलते हुए उसने अपना भाला तपाया और उसे फेंक दिया। वह टाइडियस के
पुत्र की ढाल से टकराया; पीतल की नोक उसे भेदती हुई सीने की कवच तक पहुँच गई। इस पर लाइकान के पुत्र ने चिल्लाकर कहा, 'तुम्हारे पेट में भाला लगा है; तुम ज्यादा देर तक टिक नहीं पाओगे, और इस लड़ाई की जीत मेरी है।'
लेकिन डायोमेड ने बिना विचलित हुए उत्तर दिया, 'तुमने निशाना नहीं
लगाया, चूक की है, और इस मामले के अंत से पहले ही तुममें से कोई न कोई कठोर ढाल वाले मंगल ग्रह को अपने रक्त से लथपथ कर देगा।'
इसके साथ ही उसने अपना भाला फेंका, और मिनर्वा ने उसे पांडारस की नाक
पर आँख के पास निर्देशित किया। भाला उसके सफेद दाँतों के बीच जा टकराया; पीतल की नोक उसकी जीभ की जड़ को चीरती हुई उसकी ठुड्डी के नीचे से निकल आई, और जैसे ही वह ज़मीन पर भारी ढंग से गिरा, उसका चमकता हुआ कवच खड़खड़ाहट करता हुआ उसके चारों ओर बिखर गया। घोड़े डर के मारे एक तरफ हट गए, और वह जीवन और शक्ति से वंचित हो गया।
ऐनेस ढाल और भाले से लैस होकर अपने रथ से कूद पड़ा, उसे डर था कि कहीं अकेयन लोग शव को न ले जाएं। वह बल के घमंड में शेर की तरह रथ पर सवार हो गया, ढाल और भाला उसके आगे थे और उसके होठों पर युद्ध की गर्जना थी – वह दृढ़ निश्चय के साथ पहले व्यक्ति को मार गिराने के लिए तैयार था जो उसका सामना करने का साहस करे। लेकिन टाइडियस के पुत्र ने एक विशाल पत्थर उठा लिया, इतना बड़ा कि आज के मनुष्यों के हिसाब से उसे उठाने के लिए दो लोगों की आवश्यकता होती; फिर भी उसने उसे बिना किसी सहायता के आसानी से उठा लिया और उसी से ऐनेस के कमर के उस हिस्से पर प्रहार किया जहाँ कूल्हे का जोड़ मुड़ता है जिसे 'कप-बोन' कहा जाता है। पत्थर ने उस जोड़ को कुचल दिया और दोनों नसों को तोड़ दिया, जबकि उसके नुकीले किनारों ने सारा मांस नोच डाला। वीर घुटनों के बल गिर पड़ा और रात के अंधेरे में उसकी आँखें डूबने तक अपना हाथ जमीन पर टिकाए सहारा लेता रहा। और अब, मनुष्यों के राजा ऐनेस वहीं मर जाते, यदि उनकी माता, बृहस्पति की पुत्री वीनस, जिन्होंने पशु चराते समय एंकीसेस से उन्हें गर्भ धारण किया था, ने तुरंत ध्यान न दिया होता और अपने प्रिय पुत्र के शरीर को अपनी दोनों श्वेत भुजाओं से न लपेटा होता।

उन्होंने अपने सुंदर वस्त्र की एक तह से उन्हें ढककर उनकी रक्षा की, ताकि कोई दानान उनके सीने में भाला घोंपकर उन्हें मार न डाले।
इस प्रकार, वह अपने प्रिय पुत्र को युद्ध से बाहर ले आई। परन्तु कैपेनियस का पुत्र डायोमेड के दिए आदेशों से अनभिज्ञ नहीं था। उसने रथ की लगाम को रथ के किनारे से बाँधकर अपने घोड़ों को भीड़-भाड़ से दूर, भागा। फिर वह ऐनेस के घोड़ों पर सवार हुआ और उन्हें ट्रोजन सेना से दूर अचेयन सेना की ओर ले गया। ऐसा करने के बाद उसने घोड़ों को अपने चुने हुए साथी डेपिलस को सौंप दिया, जिसे वह अपने समान विचारधारा वाला होने के कारण सबसे अधिक महत्व देता था, ताकि वह उन्हें जहाजों तक ले जाए। फिर वह अपने रथ पर पुनः सवार हुआ, लगाम पकड़ी और टाइडियस के पुत्र की खोज में पूरी गति से चल पड़ा।
टाइडियस का पुत्र साइप्रस की देवी का पीछा कर रहा था, हाथ में भाला लिए हुए, क्योंकि वह जानता था कि वह दुर्बल है और मिनर्वा या नगरों को नष्ट करने वाली एन्यो जैसी देवियों में से नहीं है जो युद्ध में पुरुषों पर प्रभुत्व जमा सकती हैं। जब लंबे पीछा करने के बाद वह उसे पकड़ने में कामयाब हुआ, तो वह उस पर झपटा और अपना भाला उसके कोमल हाथ में घुसा दिया। भाले की नोक ने उस अमृतमय वस्त्र को चीर दिया जिसे देवियों ने उसके लिए बुना था, और उसकी कलाई और हथेली के बीच की त्वचा को भेद दिया, जिससे अमर रक्त, या इकोर, जो धन्य देवताओं की नसों में बहता है, घाव से बहने लगा; क्योंकि देवता रोटी नहीं खाते और शराब नहीं पीते, इसलिए उनके पास हमारे जैसा रक्त नहीं होता, और वे अमर होते हैं। वीनस जोर से चीखी और अपने पुत्र को छोड़ दिया, लेकिन अपोलो फीबस ने उसे अपनी बाहों में उठा लिया और उसे अंधेरे के बादल में छिपा दिया, ताकि कोई दानान उसके सीने में भाला घोंपकर उसे मार न डाले। और डायोमेड ने उसे छोड़ते हुए चिल्लाकर कहा, 'हे बृहस्पति की पुत्री, युद्ध और लड़ाई को छोड़ दो, क्या तुम भोली-भाली मूर्ख स्त्रियों से संतुष्ट नहीं रह सकती? यदि तुम युद्ध में दखल दोगी तो तुम्हें वह परिणाम मिलेगा जिससे युद्ध का नाम सुनते ही तुम कांप उठोगी।' देवी स्तब्ध और हताश होकर चली गईं, और हवा के समान फुर्तीली आइरिस
उन्हें भीड़ से खींचकर ले आई। वह दर्द से कराह रही थीं और उनकी सुंदर त्वचा पूरी तरह से मैली हो गई थी। उन्होंने देखा कि भयंकर मार्स युद्ध के बाईं ओर अपने भाले और दो तेज घोड़ों के साथ एक बादल पर आराम कर रहे थे; यह देखकर वह

अपने भाई के सामने घुटने टेककर उनसे अपने घोड़े देने की विनती करने लगीं। “प्रिय भाई,” वह रोते हुए बोलीं, “मुझे बचाओ, और मुझे अपने घोड़े दो ताकि मैं ओलंपस जा सकूँ जहाँ देवता निवास करते हैं। मैं एक नश्वर प्राणी, टाइडियस के पुत्र द्वारा बुरी तरह घायल हो गई हूँ, जो अब पिता बृहस्पति से भी लड़ने को तैयार है।”
इस प्रकार उसने कहा, और मंगल ने उसे अपने सोने से सजे घोड़े दे दिए। वह दुखी और उदास मन से रथ पर सवार हुई, जबकि आइरिस उसके बगल में बैठी और लगाम थाम ली। उसने घोड़ों को चाबुक मारा और वे बिना किसी हिचकिचाहट के आगे बढ़े, और देखते ही देखते वे ऊंचे ओलंपस पर पहुँच गए, जहाँ देवता निवास करते हैं। वहाँ उसने उन्हें रोका, रथ से खोला और उन्हें उनका अमृतमय चारा खिलाया; लेकिन वीनस अपनी माँ डियोन की गोद में गिर पड़ी, जिसने उसे बाहों में भर लिया और प्यार से सहलाते हुए कहा, 'स्वर्ग के किस प्राणी ने तुम्हारे साथ ऐसा व्यवहार किया है, मानो तुमने दिन के उजाले में कोई पाप किया हो?'
और हंसमुख वीनस ने उत्तर दिया, “घमंडी डायोमेड, टाइडियस के पुत्र ने
मुझे इसलिए घायल कर दिया क्योंकि मैं अपने प्रिय पुत्र ऐनेस को, जिसे मैं समस्त मानवजाति में सबसे प्रिय मानती हूँ, युद्ध से बाहर ला रही थी। अब यह युद्ध ट्रोजन और अचियन के बीच नहीं रहा, क्योंकि दानियन अब अमर लोगों से युद्ध करने लगे हैं।”
“सहन करो, मेरे बच्चे,” डियोन ने उत्तर दिया, “और इसका भरपूर आनंद उठाओ। हम ओलंपस में रहने वालों को मनुष्यों के हाथों बहुत कुछ सहना पड़ता है, और हम एक-दूसरे को बहुत कष्ट देते हैं। मंगल को तब कष्ट सहना पड़ा जब एलोयस के पुत्र ओटस और एफियाल्टेस ने उसे क्रूर बंधनों में जकड़ लिया, जिसके कारण वह तेरह महीने तक कांसे के पात्र में कैद रहा। मंगल मर ही जाता यदि एलोयस के पुत्रों की सौतेली माँ, सुंदर एरिबोआ ने मरकरी को न बताया होता, जिसने उसे तब छुड़ा लिया जब वह अपने बंधन की कठोरता से लगभग थक चुका था। फिर, जूनो को तब कष्ट सहना पड़ा जब एम्फिट्रियन के शक्तिशाली पुत्र ने उसके दाहिने स्तन पर तीन कांटेदार तीर से वार किया, और उसका दर्द कम नहीं हुआ। इसी प्रकार, विशाल हेड्स को भी कष्ट सहना पड़ा, जब उसी व्यक्ति, एजिस धारण करने वाले बृहस्पति के पुत्र ने, उसे नरक के द्वार पर भी तीर से मारा और उसे बुरी तरह घायल कर दिया।” इसके बाद हेड्स क्रोधित और पीड़ा से व्याकुल होकर महान ओलंपस पर स्थित बृहस्पति के घर गया; उसके बलवान कंधे में लगे तीर

की मत सोचो, क्योंकि पृथ्वी पर चलने वाले मनुष्य अमर देवताओं का सामना नहीं कर सकते।'
तब टाइडियस के पुत्र ने देवता के क्रोध से बचने के लिए थोड़ी देर के
लिए रास्ता दिया, जबकि अपोलो ने एनियास को भीड़ से बाहर निकाला और उसे पवित्र पर्गामस में स्थापित किया, जहाँ उसका मंदिर स्थित था। वहाँ, विशाल अभयारण्य में, लैटोना और डायना ने उसका उपचार किया और उसे दर्शनीय रूप से भव्य बना दिया, जबकि चांदी के धनुष वाले अपोलो ने एनियास के समान, उसी के समान हथियारों से लैस एक प्रेत की मूर्ति बनाई। इसके चारों ओर ट्रोजन और अचेयन एक-दूसरे की छाती पर बंधी ढालों को काट रहे थे, एक-दूसरे की गोल ढालों और हल्के चमड़े से ढके लक्ष्यों को तराश रहे थे। तब अपोलो ने मार्स से कहा, 'मार्स, मार्स, मनुष्यों के अभिशाप, शहरों पर रक्तपात करने वाले रक्तरंजित योद्धा, क्या तुम टाइडियस के इस पुत्र के पास नहीं जा सकते, जो अब पिता बृहस्पति से भी लड़ना चाहता है, और उसे युद्ध से बाहर नहीं निकाल सकते?' वह पहले साइप्रस की महिला के पास गया और उसकी कलाई के पास हाथ में चोट पहुँचाई, और उसके बाद मुझ पर भी ऐसे झपटा जैसे वह कोई देवता हो।
फिर वह पर्गामस की चोटी पर बैठ गया, जबकि खूंखार मार्स, थ्रेसियन सेना के प्रमुख अकामास के रूप में, ट्रोजन सैनिकों के बीच घूमकर उनका उत्साहवर्धन कर रहा था। उसने कहा, ‘प्रियम के पुत्रों, तुम कब तक अपने लोगों को अकाएस के हाथों इस प्रकार मारे जाने दोगे? क्या तुम तब तक प्रतीक्षा करोगे जब तक वे ट्रॉय की दीवारों तक न पहुँच जाएँ? एंकीसेस का पुत्र एनियास मारा गया है, जिसे हम हेक्टर के समान ही सम्मान देते थे। इसलिए, युद्ध के इस कठिन दौर से हमारे बहादुर साथी को बचाने में मेरी सहायता करो।’
इन शब्दों के साथ उसने अपना पूरा दिल और आत्मा उन सबमें झोंक दी। फिर सर्पेडन ने हेक्टर को बहुत कठोर शब्दों में फटकारा। सर्पेडन ने कहा, ‘हेक्टर, अब तुम्हारा पराक्रम कहाँ है? तुम कहते थे कि तुम्हारे पास न तो लोग हैं और न ही सहयोगी, फिर भी तुम अपने भाइयों और सालों के साथ अकेले ही शहर की रक्षा कर सकते हो। मुझे उनमें से एक भी यहाँ नहीं दिख रहा; वे शेर के सामने दुबके कुत्तों की तरह दुबके हैं; युद्ध का भार हम, तुम्हारे सहयोगी, उठा रहे हैं। मैं दूर से आया हूँ, यहाँ तक कि लिसिया और ज़ैंथस नदी के तट से, जहाँ मैंने अपनी पत्नी, अपने नवजात पुत्र और बहुत सारा धन छोड़ा है

ताकि जो भी ज़रूरतमंद हो उसे लुभा सकूँ; फिर भी, मैं अपने लिसियाई सैनिकों का नेतृत्व कर रहा हूँ और जो भी मुझसे लड़ना चाहेगा, उसके विरुद्ध डटा रहूँगा, हालाँकि यहाँ अचेयनों के लूटने के लिए कुछ भी नहीं है, जबकि तुम देखते रहते हो, यहाँ तक कि अपने आदमियों को अपनी पत्नियों की रक्षा के लिए डटे रहने का आदेश भी नहीं देते। ध्यान रखना कि तुम अपने शत्रुओं के हाथों में जाल में फँसे आदमियों की तरह न पड़ जाओ, और वे तुम्हारे सुंदर शहर को तुरंत लूट लें।’ इस बात को दिन-रात अपने मन में रखो, और अपने सहयोगियों के सेनापतियों से विनती करो कि वे बिना विचलित हुए डटे रहें, और इस तरह उनके आरोपों को अपने ऊपर से हटा दो।
सर्पेडन ने ऐसा कहा, और हेक्टर को उसके शब्दों से गहरा आघात लगा। वह
अपने कवच में लिपटे रथ से कूद पड़ा और अपने दो भाले लहराते हुए सेना के बीच जाकर सैनिकों को युद्ध के लिए प्रेरित करने लगा और युद्ध का भयंकर नारा लगाने लगा। तब वे फिर से संगठित हुए और अचेयनों का सामना किया, लेकिन आर्गीव सेना एकजुट और दृढ़ रही और पीछे नहीं हटी। जैसे किसी सुंदर खलिहान में भूसे को फटकते समय हवाएँ उसके साथ खेलती हैं - जब पीली सेरेस हवा के साथ बहकर भूसे को अनाज से अलग करती है, और भूसे के ढेर सफेद होते जाते हैं - ठीक वैसे ही अचेयन घोड़ों के खुरों से उठी धूल में सफेद हो गए, जब उनके सारथी उन्हें युद्ध के लिए वापस ले गए और वे पूरी ताकत से शत्रु पर टूट पड़े। भयंकर मंगल ने ट्रोजनों की सहायता करने के लिए उन्हें अंधकार के आवरण में ढक लिया और उनके बीच हर जगह विचरण किया, क्योंकि अपोलो ने उसे बताया था कि जब वह पल्लास मिनर्वा को युद्ध छोड़ते हुए देखे तो उसे ट्रोजनों के हृदय में साहस भरना है - क्योंकि वही दानानों की सहायता कर रही थी। तब अपोलो ने ऐनेस को अपने समृद्ध मंदिर से भेजा और उसके हृदय को शौर्य से भर दिया, जिसके बाद वह अपने साथियों के बीच आ गया, जो उसे जीवित, स्वस्थ और साहस से भरपूर देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए; परन्तु वे उससे यह नहीं पूछ सके कि यह सब कैसे हुआ, क्योंकि वे मंगल और कलह द्वारा मचाई गई उथल-पुथल में इतने व्यस्त थे, जो उनके बीच अतृप्त रूप से प्रज्वलित थे। दोनों एजैक्स, यूलिसिस और डायोमेड ने दानानियों का हौसला बढ़ाया, वे ट्रोजनों के प्रकोप और आक्रमण से बेखौफ थे। वे ऐसे स्थिर खड़े थे जैसे शनि के पुत्र द्वारा पर्वतों की चोटियों पर फैलाए गए बादल, जब हवा नहीं होती और भयंकर बोरियास अन्य तूफानी हवाओं के साथ सो रहा होता है, जिनकी तीखी लहरें

बादलों को चारों दिशाओं में बिखेर देती हैं - ठीक वैसे ही दानानी ट्रोजनों के विरुद्ध दृढ़ और अडिग खड़े रहे। एट्रियस का पुत्र उनके बीच घूमकर उन्हें प्रेरित कर रहा था। उसने कहा, 'मेरे मित्रों, वीर पुरुषों की तरह व्यवहार करो और युद्ध के तनाव में एक-दूसरे की नजरों में अपमान से बचो। जो अपमान से बचते हैं वे अक्सर जीवित रहते हैं, मरने की तुलना में नहीं, परन्तु जो भागते हैं वे न तो जीवन बचाते हैं और न ही नाम।'
बोलते ही उसने अपना भाला फेंका और वह अग्रिम पंक्ति में खड़े सैनिकों में से एक, ऐनेस के साथी, पेर्गसस के पुत्र डेइकून को जा लगा। ट्रोजन लोग डेइकून को प्रियम के पुत्रों से कम सम्मान नहीं देते थे, क्योंकि वह हमेशा आगे रहने में तत्पर रहता था। राजा एगामेम्नन का भाला उसकी ढाल से टकराया और उसे भेदता हुआ निकल गया, क्योंकि ढाल उसे रोक नहीं पाई। भाला उसकी कमर को भेदते हुए उसके पेट के निचले हिस्से में जा घुसा, और जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर बिखर गया।
फिर ऐनस ने दानावासियों के दो योद्धाओं, क्रेथोन और ओरसिलोकस को मार डाला। उनके पिता एक धनी व्यक्ति थे जो फेरे के शक्तिशाली शहर में रहते थे और अल्फियस नदी के वंशज थे, जिसकी विशाल धारा पाइलियनों की भूमि से होकर बहती है। नदी ने ओरसिलोकस को जन्म दिया, जिसने बहुत से लोगों पर शासन किया और डायोक्लेस का पिता था, जिसने बदले में युद्ध कला में निपुण जुड़वां पुत्रों, क्रेथोन और ओरसिलोकस को जन्म दिया। ये दोनों बड़े होकर एट्रियस के पुत्रों मेनेलास और एगामेम्नन के पक्ष में अर्गिव बेड़े के साथ इलियस गए और वहाँ वे दोनों मारे गए। जैसे दो शेर जिन्हें उनकी माँ ने किसी पहाड़ी जंगल की गहराई में पाला हो ताकि वे घरों को लूटें और भेड़-बकरियों को चुरा ले जाएँ और मनुष्य के हाथों मारे जाएँ, वैसे ही ऐनस ने इन दोनों को पराजित किया और वे ऊँचे देवदार के पेड़ों की तरह जमीन पर गिर पड़े।
वीर मेनेलास को उनकी हार पर दया आई और वह चमकीले कांसे के वस्त्र पहने
और भाला लहराते हुए आगे बढ़ा, क्योंकि मार्स ने उसे ऐसा करने के लिए उकसाया था ताकि एनियास उसे मार डाले; लेकिन नेस्टर के पुत्र एंटिलोकस ने उसे देख लिया और राजा के घायल होने और उनकी सारी मेहनत व्यर्थ हो जाने के डर से आगे बढ़ गया; इसलिए, जब एनियास और मेनेलास युद्ध के लिए एक-दूसरे पर भाले और हाथ तान रहे थे, तो एंटिलोकस मेनेलास के बगल में खड़ा हो गया। एनियास, हालांकि वह साहसी था, अपने सामने दोनों वीरों को अगल-बगल देखकर पीछे हट

गया, इसलिए उन्होंने क्रेथॉन और ओरसिलोकस के शवों को अचेयन सेना की पंक्तियों में खींच लिया और उन दोनों बेचारे साथियों को उनके साथियों के हवाले कर दिया। फिर वे वापस मुड़े और अग्रिम पंक्तियों में लड़ने लगे। उन्होंने पैफ्लेगोनियन योद्धाओं के नेता, मार्स के समकक्ष
पाइलेमेनेस को मार डाला। मेनेलास ने रथ पर खड़े हुए उसकी कॉलरबोन पर प्रहार किया, जबकि एंटिलोकस ने उसके सारथी और सहायक माइडोन, एटिम्नियस के पुत्र, पर प्रहार किया, जो अपने घोड़ों को भगा रहा था। उसने उसकी कोहनी पर पत्थर से वार किया, और सफेद हाथीदांत से सजी लगाम उसके हाथों से छूटकर धूल में गिर गई। एंटिलोकस उसकी ओर दौड़ा और अपनी तलवार से उसकी कनपटी पर वार किया, जिससे वह रथ से सिर के बल जमीन पर गिर पड़ा। वह कुछ देर तक धूल में सिर और कंधे धंसे हुए वहीं पड़ा रहा - क्योंकि वह रेतीली मिट्टी पर गिरा था
- जब तक कि उसके घोड़ों ने उसे लात मारकर जमीन पर गिरा नहीं दिया, और एंटिलोकस ने उन्हें चाबुक मारकर अचेयन सेना की ओर भगा दिया।
लेकिन हेक्टर ने दूर से ही उन्हें देख लिया और एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ उनकी ओर दौड़ा, उसके पीछे ट्रोजन की शक्तिशाली बटालियनें भी थीं। मार्स और भयंकर एन्यो उनका नेतृत्व कर रहे थे, एन्यो युद्ध की निर्मम उथल-पुथल से भरी हुई थी, जबकि मार्स एक विशाल भाला लिए हुए था और कभी हेक्टर के आगे तो कभी पीछे चलता था।
डायोमेड उन्हें देखकर आवेश से कांप उठा। जैसे कोई व्यक्ति विशाल
मैदान पार करते हुए अचानक खुद को किसी तेज़ बहती नदी के किनारे पर पाता है जो समुद्र की ओर तेज़ी से बह रही हो – वह उसके उबलते पानी को देखकर डर से पीछे हट जाता है – ठीक वैसे ही टाइडियस के पुत्र ने भी पीछे हटना शुरू कर दिया। फिर उसने अपने साथियों से कहा, ‘मेरे मित्रों, हमें आश्चर्य क्यों होना चाहिए कि हेक्टर भाला इतनी कुशलता से चलाता है? कोई न कोई देवता उसकी रक्षा के लिए हमेशा उसके साथ रहता है, और अब मंगल मनुष्य के रूप में उसके साथ है। इसलिए अपना मुख ट्रोजन की ओर रखो, लेकिन पीछे हट जाओ, क्योंकि हम देवताओं से लड़ने का साहस नहीं करते।’
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, ट्रोजन सेना उसके करीब आ गई, और हेक्टर
ने दो लोगों को मार डाला, दोनों एक ही रथ में सवार थे, मेनेस्थेस और एंचियालस, जो युद्ध में निपुण वीर थे। तेलमोन के पुत्र एजैक्स को उनकी हार पर दया आई; वह पास आया और अपना भाला फेंका, जो सेलगस के पुत्र एम्फियस को

लगा, जो पैसस में रहने वाला एक धनी व्यक्ति था और जिसके पास बहुत सारी अनाज उगाने वाली भूमि थी, लेकिन भाग्य ने उसे प्रियम और उसके बेटों की सहायता करने के लिए मजबूर किया था। एजैक्स ने उसकी कमर पर वार किया; भाला उसके पेट के निचले हिस्से को भेद गया, और वह ज़मीन पर बुरी तरह गिर पड़ा। फिर एजैक्स उसकी ओर दौड़ा ताकि उसका कवच उतार सके, लेकिन ट्रोजन सेना ने उस पर भालों की वर्षा कर दी, जिनमें से कई उसकी ढाल पर गिरे। उसने अपनी एड़ी शरीर पर जमाई और अपना भाला निकाला, लेकिन भाले उस पर इतनी ज़ोर से लगे कि वह अपने कंधों से उत्तम कवच नहीं उतार सका। इसके अलावा, कई वीर और बलवान ट्रोजन सरदार अपने भालों के साथ उसके चारों ओर आ गए, जिससे वह रुकने का साहस नहीं कर सका; यद्यपि वह महान, बहादुर और वीर था, फिर भी उन्होंने उसे खदेड़ दिया और उसे पीछे हटना पड़ा।
फिर, उनके बीच युद्ध छिड़ गया। तभी भाग्य के बल पर हरक्यूलिस के पुत्र, वीर और विशालकाय त्लेपोलेमस को सर्पेडन से लड़ने के लिए भेजा गया; इस प्रकार महान बृहस्पति के पुत्र और पोते, दोनों एक-दूसरे के निकट आए, और त्लेपोलेमस ने पहले बात की। उसने कहा, ‘लाइसियनों के सलाहकार सर्पेडन, तुम शांतिप्रिय व्यक्ति होकर यहाँ क्यों छिपकर आए हो? जो लोग तुम्हें एजिस धारण करने वाले बृहस्पति का पुत्र कहते हैं, वे झूठ बोलते हैं, क्योंकि तुम प्राचीन काल में उनके वंशजों से बिलकुल भिन्न हो। मेरे वीर और सिंह हृदय पिता, हरक्यूलिस, तो उनसे कहीं अधिक भिन्न थे, जो लाओमेडोन के घोड़ों के लिए यहाँ आए थे, और यद्यपि उनके पास केवल छह जहाज थे और कुछ ही सैनिक उनका अनुसरण कर रहे थे, फिर भी उन्होंने इलियस शहर को लूट लिया और उसके राजमार्गों को वीरान कर दिया। तुम कायर हो, और तुम्हारे लोग तुमसे विमुख हो रहे हैं।’ तुम्हारी सारी ताकत और लिसिया से आने के बावजूद, तुम ट्रोजन के लिए किसी काम के नहीं आओगे, बल्कि मेरे हाथों पराजित होकर ही हेड्स के द्वार से गुजरोगे।
और लाइसियन सेनापति सर्पेडन ने उत्तर दिया, “त्लेपोलेमस, तुम्हारे
पिता ने इलियस को लाओमेडोन की मूर्खता के कारण पराजित किया, क्योंकि उसने अपने एक वफादार सेवक को भुगतान देने से इनकार कर दिया था। उसने तुम्हारे पिता को वे घोड़े नहीं दिए जिन्हें लाने के लिए वे इतनी दूर आए थे। जहाँ तक तुम्हारी बात है, तुम मेरे भाले से मारे जाओगे। तुम मुझे गौरव दोगे और अपनी आत्मा को महान घोड़ों के पाताल लोक को सौंप दोगे।”

सर्पेडन ने ऐसा कहा और टलेपोलेमस ने अपना भाला उठाया। दोनों ने एक ही क्षण में भाला फेंका और सर्पेडन ने अपने शत्रु के गले के बीचोंबीच वार किया; भाला आर-पार हो गया और उसकी आँखों में मृत्यु का अंधकार छा गया। टलेपोलेमस का भाला सर्पेडन की बाईं जांघ पर इतनी ज़ोर से लगा कि मांस फट गया और हड्डी को छूते हुए निकल गया, लेकिन उसके पिता ने फिर भी उसे मृत्यु से बचा लिया।
उसके साथी सर्पेडन को युद्धक्षेत्र से बाहर ले जा रहे थे, जो घाव से खिंचे भाले के भारी भार से असहनीय पीड़ा झेल रहा था। उसे ले जाते समय वे इतनी जल्दी और तनाव में थे कि किसी ने भी उसकी जांघ से भाला निकालने का नहीं सोचा ताकि वह सीधा चल सके। इसी बीच, अचेयन लोग ट्लेपोलेमस का शव ले गए, जिसे देखकर यूलिसिस को दया आ गई और उन्हें देखकर वह युद्ध में शामिल होने के लिए बेताब हो गया। वह दुविधा में था कि क्या वह बृहस्पति के पुत्र का पीछा करे या लाइशियन सैनिकों का संहार करे; हालाँकि, यह तय नहीं किया गया था कि वह बृहस्पति के पुत्र को मारेगा; इसलिए मिनर्वा ने उसे लाइशियन सेना के मुख्य दल के विरुद्ध मोड़ दिया। उसने कोरेनस, अलास्टोर, क्रोमियस, अल्कांड्रस, हेलियस, नोएमोन और प्रितानिस को मार डाला, और वह और भी लोगों को मार डालता, यदि महान हेक्टर ने उसे न देखा होता और कवच पहने हुए युद्धक्षेत्र में न पहुँच गया होता, जिससे दानानों में दहशत फैल गई। सरपेडन उसे आते देखकर प्रसन्न हुआ और उससे विनती करते हुए बोला, ‘हे प्रियम के पुत्र, मुझे यहाँ पड़ा रहने और दानानियों के हाथों में पड़ने से बचाओ। मेरी सहायता करो, और चूंकि मैं घर लौटकर अपनी पत्नी और अपने शिशु पुत्र को प्रसन्न नहीं कर सकता, इसलिए मुझे तुम्हारे नगर की दीवारों के भीतर ही मरने दो।’
हेक्टर ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया, बल्कि आगे बढ़कर अचेयनों पर झपटा
और उनमें से कई को मार डाला। उसके साथियों ने सर्पेडन को उठाकर ज़्यूस के विशाल बलूत वृक्ष के नीचे लिटा दिया। उसके मित्र और साथी पेलागॉन ने उसकी जांघ से भाला निकाला, लेकिन सर्पेडन बेहोश हो गया और उसकी आँखों में धुंध छा गई। कुछ देर बाद उसे होश आया, क्योंकि उत्तर की हवा के झोंके ने उसे नई जान दी और उसे गहरी बेहोशी से बाहर निकाल दिया।
इस बीच, न तो मार्स और हेक्टर ने अर्गिव्स को उनके जहाजों की ओर खदेड़ा,
न ही उन्होंने उन पर हमला किया; जब उन्हें पता चला कि मार्स ट्रोजन के साथ

है, तो वे पीछे हट गए, लेकिन अपना मुख शत्रु की ओर ही रखा। तो फिर, मार्स और हेक्टर द्वारा सबसे पहले और सबसे अंत में किसे मारा गया? वे थे वीर टेउथ्रास, प्रसिद्ध सारथी ओरेस्टेस, एटोलियन योद्धा ट्रेकस, ओएनोमाउस, ओएनॉप्स का पुत्र हेलेनस, और चमकीली कमरबंद वाला ओरेस्बियस, जो अपार धनवान था और अपने आस-पास रहने वाले अन्य बोएटियनों के साथ सेफिसियन झील के किनारे एक उपजाऊ भूमि के स्वामी के रूप में रहता था।
जब देवी जूनो ने अर्गिव्स को इस प्रकार हारते हुए देखा, तो उन्होंने मिनर्वा से कहा, “हे अजेय बृहस्पति की पुत्री, हे ईश्वर! हमने मेनेलास से जो वादा किया था कि वह इलियस नगर को लूटने तक वापस नहीं लौटेगा, वह व्यर्थ हो जाएगा यदि हम मार्स को इस प्रकार क्रोधित होने दें। चलो, हम तुरंत युद्ध में उतरें।”
मिनर्वा ने उसका विरोध नहीं किया। तब महान शनि की पुत्री, परम पूजनीय देवी ने अपने सोने से सजे घोड़ों को जोतना शुरू किया। हेबे ने पूरी तेज़ी से लोहे के धुरे के दोनों ओर लगे कांसे के आठ तीलियों वाले पहियों को ठोक दिया। पहियों के किनारे सोने के थे, जो अविनाशी थे, और इनके ऊपर कांसे का एक अद्भुत टायर लगा था। पहियों के केंद्र चांदी के थे, जो धुरे के दोनों ओर घूम रहे थे। रथ स्वयं सोने और चांदी की बुनी हुई पट्टियों से बना था, और इसके चारों ओर दोहरी रेलिंग लगी थी। रथ के मुख्य भाग से चांदी का एक डंडा निकला, जिसके सिरे पर उसने सोने का जुआ बांधा, जो घोड़ों की गर्दन के नीचे जाने वाली सोने की पट्टियों से बंधा था। फिर जूनो ने अपने घोड़ों को जुए के नीचे रखा, युद्ध और युद्धघोष के लिए उत्सुक।
इसी बीच मिनर्वा ने अपने हाथों से बुने हुए अलंकृत वस्त्र अपने पिता
के द्वार पर फेंक दिए और बृहस्पति का वस्त्र धारण कर युद्ध के लिए तैयार हो गई। उसने अपने कंधों पर झालरदार कवच डाल लिया, जिस पर विजय की आकृतियाँ झालर की तरह लिपटी हुई थीं, और उस पर कलह, शक्ति और भय अंकित थे, जिनका रक्त जम जाता था; इसके अलावा उस पर भयानक राक्षस गोरगॉन का सिर भी था, जो देखने में भयावह और डरावना था, और कवच धारण करने वाले बृहस्पति का प्रतीक था। उसने अपने सिर पर चार पंखों वाला सोने का हेलमेट पहना, जो आगे और पीछे दोनों ओर नुकीला था और सौ शहरों के प्रतीकों से सुशोभित था; फिर वह अपने ज्वलंत रथ में सवार हुई और उस भाले को थाम लिया, जो इतना मजबूत और शक्तिशाली था कि वह उन वीरों को पराजित करती थी जिन्होंने उसे अप्रसन्न

किया था। जूनो ने घोड़ों को चाबुक मारा, और स्वर्ग के द्वार स्वतः खुल गए - वे द्वार जिन पर देवियाँ विराजमान हैं, जिनके हाथों में स्वर्ग और ओलंपस हैं, जो या तो उन्हें छुपाने वाले घने बादल को खोलते हैं या उसे बंद करते हैं। इन द्वारों से होकर देवियाँ अपने आज्ञाकारी घोड़ों को ले गईं, और उन्होंने शनि के पुत्र को ओलंपस की सबसे ऊँची चोटियों पर अकेले बैठे पाया। वहाँ जूनो ने अपने घोड़ों को रोका, और सभी के स्वामी शनि के पुत्र बृहस्पति से बात की। उसने कहा, 'हे पिता बृहस्पति, क्या आप मंगल के इन बुरे कामों से क्रोधित नहीं हैं? देखिए, उसने अचेयनों की कितनी बड़ी और समृद्ध सेना को नष्ट कर दिया है, जिससे मुझे बहुत दुख हुआ है, और वह भी बिना किसी कारण या औचित्य के, जबकि साइप्रस और अपोलो आराम से इसका आनंद ले रहे हैं और इस अधर्मी पागल को और अधिक बुराई करने के लिए उकसा रहे हैं। हे पिता बृहस्पति, मुझे आशा है कि यदि मैं मंगल को कड़ी चोट पहुँचाऊँ और उसे युद्ध से बाहर निकाल दूँ, तो आप क्रोधित नहीं होंगे।'
और बृहस्पति ने उत्तर दिया, 'मिनर्वा को उस पर लगाओ, क्योंकि वह उसे
किसी और से ज़्यादा बार दंडित करती है।'
जूनो ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। उसने अपने घोड़ों को चाबुक
मारा, और वे धरती और आकाश के बीचोंबीच बिना किसी हिचकिचाहट के आगे बढ़ गए। जहाँ तक कोई मनुष्य किसी ऊँचे प्रकाशस्तंभ से समुद्र को देखता है, उतनी ही दूर तक देवताओं के ऊँचे-ऊँचे हिनहिनाते घोड़े एक ही छलांग में पहुँच सकते हैं। जब वे ट्रॉय पहुँचे और उस स्थान पर जहाँ उसकी दो बहती नदियाँ सिमोइस और स्कैमंडर मिलती हैं, वहाँ जूनो ने उन्हें रोका और रथ से उतारा। उसने उन्हें एक घने बादल में छिपा दिया, और सिमोइस ने उनके खाने के लिए अमृत उत्पन्न किया; फिर दोनों देवियाँ अर्गिव्स की सहायता करने की उत्सुकता में कबूतरों की तरह उड़ती हुई आगे बढ़ीं। जब वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ सबसे बहादुर और सबसे अधिक संख्या में योद्धा शक्तिशाली डायोमेड के चारों ओर एकत्रित थे, जो महान शक्ति और सहनशक्ति वाले शेरों या जंगली सूअरों की तरह लड़ रहे थे, वहाँ जूनो स्थिर खड़ी हो गई और पीतल की आवाज वाले स्टेंटर की तरह एक ज़ोरदार आवाज़ निकाली, जिसकी चीख पचास आदमियों की एक साथ चीख के बराबर थी। 'अर्गिव्स,' उसने पुकारा; "तुम पर शर्म आती है, कायर प्राणियों, जो केवल दिखावे के बहादुर हो; जब तक अकिलीज़ लड़ रहा था, उसका भाला इतना घातक था कि ट्रोजन डार्डान के द्वारों के बाहर निकलने की हिम्मत नहीं करते

थे, लेकिन अब वे शहर से दूर निकलकर तुम्हारे जहाजों पर भी हमला कर रहे हैं।"
इन शब्दों के साथ उसने उन सभी में अपना पूरा दिल लगा दिया, जबकि
मिनर्वा टाइडियस के पुत्र के पास दौड़ी, जिसे उसने अपने रथ और घोड़ों के पास पाया, जो पंडारस द्वारा दिए गए घाव को ठंडा कर रहा था। क्योंकि उसकी ढाल के भार से बनी पट्टी से निकला पसीना घाव को और भी भड़का रहा था: उसका हाथ दर्द से थक गया था, और वह खून पोंछने के लिए पट्टी उठा रहा था। देवी ने उसके घोड़ों के जुए पर हाथ रखा और कहा, 'टाइडियस का पुत्र अपने पिता जैसा नहीं है। टाइडियस कद में छोटा था, लेकिन वह लड़ने में माहिर था, और जब मैंने उसे मना किया तब भी वह युद्ध में बेतहाशा कूद पड़ा। जब वह कैडमियनों के बीच थेब्स शहर में दूत बनकर अकेला गया, तो मैंने उसे उनके घरों में दावत करने और शांति से रहने के लिए कहा; लेकिन अपने उस उमंग भरे उत्साह के साथ जो हमेशा उसके साथ रहता था, उसने कैडमियनों के युवकों को चुनौती दी, और उसने जो भी प्रयास किया, उसमें उन्हें तुरंत हरा दिया, मैंने उसकी इतनी मदद की।' मैं भी तुम्हारी रक्षा के लिए तुम्हारे साथ खड़ा हूँ, और मैं तुम्हें ट्रोजन से लड़ने में तत्पर रहने का आदेश देता हूँ; लेकिन या तो तुम थक चुके हो, या तुम भयभीत और हतोत्साहित हो, और उस स्थिति में मैं कहता हूँ कि तुम ओएनियस के पुत्र टाइडियस के सच्चे पुत्र नहीं हो।
डायोमेड ने उत्तर दिया, “हे देवी, एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की पुत्री, मैं आपको जानता हूँ और आपसे कुछ भी नहीं छिपाऊँगा। मैं न तो भयभीत हूँ, न ही मेरा मनोबल गिरा है, और न ही मुझमें कोई ढिलाई है। मैं केवल आपके ही निर्देशों का पालन कर रहा हूँ; आपने ही मुझे किसी भी पूजनीय देवता से युद्ध न करने के लिए कहा था; लेकिन यदि बृहस्पति की पुत्री शुक्र युद्ध में आती है, तो मुझे उसे अपने भाले से घायल करना था। इसलिए मैं पीछे हट रहा हूँ और अन्य अर्गिव्स को इस स्थान पर एकत्रित होने का आदेश दे रहा हूँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मंगल इस समय युद्धक्षेत्र में प्रभुत्व जमाए हुए है।” “डायोमेड, टाइडियस के पुत्र,” मिनर्वा ने उत्तर दिया, “मेरे मन के समान व्यक्ति, न तो मार्स से डरो और न ही किसी अन्य अमर देवता से, क्योंकि मैं तुम्हारी मित्र हूँ। बल्कि, मार्स पर सीधा आक्रमण करो और उससे आमने-सामने की लड़ाई में परास्त हो जाओ; इस क्रोधित पागल, साक्षात दुष्ट से मत डरो, जो पहले एक तरफ और फिर दूसरी तरफ जाता है। लेकिन अभी वह जूनो और मुझसे बात कर

रहा था, कह रहा था कि वह आर्गिव्स की मदद करेगा और ट्रोजन पर आक्रमण करेगा; फिर भी वह ट्रोजन के साथ है और आर्गिव्स को भूल गया है।”
इसके साथ ही उसने स्टेनेलस को पकड़ लिया और उसे रथ से उठाकर ज़मीन पर गिरा दिया। पल भर में वह ज़मीन पर था, जिसके बाद देवी रथ पर सवार हो गईं और डायोमेड के बगल में बैठ गईं। भयानक देवी और वीर के भार से बलूत की धुरी ज़ोर से चरमरा उठी; पल्लास मिनर्वा ने चाबुक और लगाम पकड़ी और सीधे मार्स की ओर चल पड़ीं। मार्स उस समय ओचेसियस के पुत्र और एटोलियनों में सबसे वीर, विशाल पेरिफास के वस्त्र उतार रहा था। रक्तरंजित मार्स उसका कवच उतार रहा था, और मिनर्वा ने हेड्स का हेलमेट पहन लिया ताकि मार्स उसे देख न सके; इसलिए, जब उसने डायोमेड को देखा, तो वह सीधे उसकी ओर बढ़ा और पेरिफास को वहीं पड़ा रहने दिया जहाँ वह गिरा था। जैसे ही वे आमने-सामने आए, उसने डायोमेड की जान लेने के इरादे से लगाम और जुए के ऊपर से अपना कांसे का भाला चला दिया, लेकिन मिनर्वा ने भाले को अपने हाथ में पकड़ लिया और उसे रथ के ऊपर से हानिरहित रूप से उड़ा दिया। फिर डायोमेड ने भाला फेंका और पल्लास मिनर्वा ने भाला मार्स के पेट के निचले हिस्से में, जहाँ उसकी कमरबंद लिपटी हुई थी, घुसा दिया। वहाँ डायोमेड ने उसे घायल कर दिया, उसके गोरे मांस को चीर दिया और फिर अपना भाला बाहर निकाल लिया। मार्स ने इतनी ज़ोर से दहाड़ा जैसे नौ-दस हज़ार सैनिक किसी युद्ध में लड़ रहे हों, और उसकी चीख इतनी भयानक थी कि अचेयन और ट्रोजन दहशत में आ गए।
जैसे गर्मी के बाद आसमान में काला बादल छा जाता है, वैसे ही टाइडियस के पुत्र डायोमेड ने मंगल ग्रह को विशाल आकाश में आरोहण करते देखा। वह पूरी तेज़ी से देवताओं के निवास स्थान, ऊँचे ओलंपस पर पहुँचा और बड़े कष्ट से शनि के पुत्र बृहस्पति के पास बैठ गया। उसने बृहस्पति को अपने घाव से बहता अमर रक्त दिखाया और करुण स्वर में कहा, “हे पिता बृहस्पति, क्या आप ऐसे कृत्यों से क्रोधित नहीं होते? हम देवता मनुष्यों की सहायता करते हुए एक-दूसरे के हाथों अत्यंत क्रूरता से पीड़ित होते रहते हैं; और हम सब आपसे इसलिए नाराज़ हैं क्योंकि आपने उस दुष्ट, झगड़ालू पुत्री को जन्म दिया है, जो हमेशा किसी न किसी प्रकार का अत्याचार करती रहती है। हम अन्य सभी देवताओं को आपकी आज्ञा माननी पड़ती है, लेकिन आप उसे न तो डांटते हैं और न ही दंडित करते हैं; आप उसे प्रोत्साहित करते हैं क्योंकि वह दुष्ट प्राणी आपकी पुत्री है। देखिए, वह कैसे अभिमानी डायोमेड को अमर देवताओं पर अपना

क्रोध निकालने के लिए उकसा रही है।” पहले वह साइप्रस की महिला के पास गया और उसकी कलाई के पास हाथ में घाव कर दिया, और फिर वह मुझ पर भी ऐसे झपटा जैसे वह कोई देवता हो। अगर मैं भाग न जाती तो या तो मैं वहां भयानक लाशों के बीच लंबे समय तक यातना झेलती रहती, या फिर मुझे भालों से तब तक पीटा जाता जब तक मुझमें कोई ताकत न बचती।
बृहस्पति ने क्रोधित दृष्टि से उसकी ओर देखा और कहा, “यहाँ आकर रोना- धोना बंद करो, हे दोनों दिशाओं में मुख करने वाले स्वामी। ओलंपस के सभी देवताओं में मैं तुमसे सबसे अधिक घृणा करता हूँ, क्योंकि तुम सदा लड़ते- झगड़ते और उपद्रव मचाते रहते हो। तुममें तुम्हारी माता जूनो का असहनीय और हठी स्वभाव समाया हुआ है: उसे संभालना मेरे लिए बहुत कठिन है, और उसी की वजह से तुम इस दुर्दशा में हो: फिर भी, मैं तुम्हें इतने कष्ट में और अधिक समय तक नहीं रहने दे सकता; तुम मेरी ही संतान हो, और तुम्हारी माता ने तुम्हें मुझसे ही गर्भ धारण किया था; यदि तुम किसी अन्य देवता के पुत्र होते, तो तुम इतने विनाशकारी होते कि अब तक टाइटन्स से भी नीचे पड़े होते।” तब उसने पैऑन से उसे ठीक करने का अनुरोध किया, जिस पर पैऑन ने उसके घाव
पर दर्द निवारक जड़ी-बूटियाँ लगाईं और उसे ठीक कर दिया, क्योंकि वह नश्वर नहीं था। जैसे अंजीर के पेड़ का रस दूध को फाड़कर पल भर में गाढ़ा कर देता है, वैसे ही पैऑन ने भयंकर मार्स को तुरंत ठीक कर दिया। फिर हेबे ने उसे धोया और सुंदर वस्त्र पहनाए, और वह अपने पिता ज़्यूस के पास विख्यात रूप से बैठ गया।
लेकिन आर्गोस की जूनो और अलाल्कोमनी की मिनर्वा, अब जब उन्होंने मार्स के हत्यारे कृत्यों को रोक दिया था, तो वे फिर से बृहस्पति के घर लौट गईं।

पुस्तक 6

ग्लौकस और डायोमेड – बेलेरोफोन की कहानी –
हेक्टर और एंड्रोमाचे।
ट्रोजन और अचियन के बीच का युद्ध अब अपने तय समय पर जारी रहा, और सिमोइस और ज़ैंथस नदियों के बीच मैदान में युद्ध की लहरें इधर-उधर उमड़ती रहीं, क्योंकि वे एक-दूसरे पर अपने कांसे से जड़े भाले ताने बैठे थे।
सबसे पहले, अचेयनों के लिए शक्ति का स्तंभ माने जाने वाले तेलमोन के पुत्र एजैक्स ने ट्रोजन की एक पंक्ति को तोड़ दिया और अपने साथियों की सहायता के लिए थ्रेसियनों में सर्वश्रेष्ठ, वीर और विशाल कद वाले यूसोरस के पुत्र अकामास को मार डाला। भाला उसके हेलमेट के उभरे हुए शिखर पर लगा: उसका कांसे का सिरा उसके माथे से होते हुए मस्तिष्क में जा घुसा और उसकी आँखों के सामने अंधेरा छा गया।
फिर डायोमेड ने अरिसबे के मजबूत शहर में रहने वाले धनी और सभी लोगों के प्रिय, टेउथ्रानस के पुत्र एक्सिलस को मार डाला; क्योंकि उसका घर सड़क के किनारे था और वह आने-जाने वाले हर व्यक्ति का सत्कार करता था; फिर भी उसके मेहमानों में से कोई भी अपनी जान बचाने के लिए उसके सामने खड़ा नहीं हो सका, और डायोमेड ने उसे और उसके सहायक कैलेसियस, जो उस समय उसका सारथी था, दोनों को मार डाला - इस प्रकार वे दोनों धरती के नीचे चले गए।
यूरियलस ने ड्रेसस और ओफेल्टियस को मार डाला, और फिर एसेपस और पेडसस का पीछा किया, जिन्हें जलपरी अबारबेरिया ने कुलीन बुकोलियन से जन्म दिया था। बुकोलियन, लाओमेडोन का सबसे बड़ा पुत्र था, लेकिन वह एक नाजायज संतान था। अपनी भेड़ों को चराते समय उसकी अप्सरा से बातचीत हुई, और उसने जुड़वां पुत्रों को गर्भ धारण किया; मेसिस्टियस के पुत्र ने अब उन्हें मार डाला और उनके कंधों से कवच उतार लिया। फिर पॉलीपोएटस ने एस्टियालस, यूलिसिस ने पर्कोटे के पिडाइट्स और ट्यूसर ने एरेटन को मार डाला। एबलरस, नेस्टर के पुत्र एंटिलोकस के भाले से मारा गया, और मनुष्यों के राजा एगामेम्नन ने

सैटनियोइस नदी के किनारे पेडसस में रहने वाले एलाटस को मार डाला। लेइटस ने भागते हुए फाइलाकस को मार डाला, और यूरिपिलस ने मेलेंथस को मार डाला।
फिर ऊँचे युद्धघोष वाले मेनेलास ने एड्रेस्टस को जीवित ही पकड़ लिया, क्योंकि उसके घोड़े मैदान में बेतहाशा दौड़ते हुए इमली की झाड़ी में जा घुसे और रथ का खंभा टूट गया; वे बाकी लोगों के साथ शहर की ओर तेज़ी से भागे, लेकिन एड्रेस्टस लुढ़क कर अपने रथ के पहिए के पास धूल में औंधे मुँह गिर पड़ा। मेनेलास भाला हाथ में लिए उसके पास आया, लेकिन एड्रेस्टस ने उसे घुटनों से पकड़कर अपनी जान की भीख माँगी। उसने पुकारते हुए कहा, ‘मुझे जीवित पकड़ लो, एट्रेयस के पुत्र, और तुम्हें मेरे बदले में पूरी फिरौती मिलेगी: मेरे पिता धनी हैं और उनके घर में सोने, पीतल और लोहे का बहुत सारा खजाना जमा है। अगर उन्हें पता चले कि मैं जीवित हूँ और अचेयनों के जहाजों पर हूँ, तो वे इस भंडार से तुम्हें बड़ी फिरौती देंगे।’
इस प्रकार उसने विनती की, और मेनेलास उसे अपने एक सहायक के साथ अचेयनों के जहाजों तक ले जाने के लिए तैयार हो गया, लेकिन एगामेम्नन दौड़कर उसके पास आया और उसे फटकारा। उसने कहा, ‘मेरे भले मेनेलास, यह दया दिखाने का समय नहीं है। क्या तुम्हारे परिवार का ट्रोजनों के हाथों इतना अच्छा हाल हुआ है? हम उनमें से एक को भी न छोड़ें – यहाँ तक कि गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे को भी नहीं; उनमें से एक भी आदमी को जीवित न रहने दें, बल्कि इलियस में सभी को उपेक्षित और भुला दिया जाए।’
उसने ऐसा कहा और उसका भाई उसकी बातों से सहमत हो गया, क्योंकि उसकी बातें न्यायसंगत थीं। इसलिए मेनेलास ने एड्रेस्टस को धक्का देकर दूर कर दिया, जिस पर राजा एगामेम्नन ने उसकी कमर पर वार किया और वह गिर पड़ा। तब एट्रेस के पुत्र ने उसके सीने पर पैर रखकर उसके शरीर से भाला निकाल लिया। इसी बीच नेस्टर ने अर्गिव्स को पुकारते हुए कहा, “मेरे मित्रों, दानान योद्धाओं, मार्स के सेवकों, कोई भी पीछे न रहे ताकि वह मृतकों का माल लूट सके और जहाजों में बहुत सारा लूट का माल ला सके। हम जितने हो सके उतने लोगों को मार डालें; शव मैदान में पड़े रहेंगे, और आप बाद में फुर्सत में उनका माल लूट सकते हैं।”
इन शब्दों से उसने उन सभी में अपना पूरा दिल और जान लगा दी। और अब
ट्रोजन हारकर इलियस में वापस खदेड़ दिए गए होते, यदि प्रियम के पुत्र हेलेनस, जो शगुन में सर्वोत्कृष्ट थे, ने हेक्टर और एनियास से यह न कहा

होता, ‘हेक्टर और एनियास, तुम दोनों ट्रोजन और लाइसियनों के आधार स्तंभ हो, क्योंकि तुम हमेशा युद्ध और परामर्श में सबसे आगे रहते हो; यहीं डटे रहो, और सेना के बीच जाकर उन्हें द्वारों के सामने इकट्ठा करो, अन्यथा वे अपनी पत्नियों की बाहों में गिर पड़ेंगे, जिससे हमारे शत्रुओं को बहुत खुशी होगी। फिर, जब तुम हमारी सभी टुकड़ियों में जोश भर दोगे, तो हम यहाँ डटे रहेंगे और दानानियों से लड़ेंगे, चाहे वे हम पर कितना भी दबाव डालें, क्योंकि इसके अलावा कोई चारा नहीं है। इस बीच, हेक्टर, तुम शहर जाओ और हमारी माँ को बताओ कि क्या हो रहा है। उनसे कहो कि वे सभी महिलाओं को एक्रोपोलिस में मिनर्वा के मंदिर में इकट्ठा होने का आदेश दें; फिर वे अपनी चाबी लेकर पवित्र भवन के द्वार खोलें; वहाँ, मिनर्वा की गोद में, वह अपने घर का सबसे बड़ा और सबसे सुंदर वस्त्र रखे - वह वस्त्र जिसे वह सबसे अधिक महत्व देती है; इसके अलावा, वह देवी के मंदिर में बारह बछियाओं की बलि देने का वादा करे, जिन्होंने अभी तक अंकुश नहीं खाया है, यदि वह नगर, ट्रोजन की पत्नियों और बच्चों पर दया करे और टाइडियस के पुत्र को इलियस के सुंदर शहर पर हमला करने से रोके; क्योंकि वह क्रोध से लड़ता है और लोगों के मन में भय भर देता है। मैं उसे उन सब में सबसे शक्तिशाली मानता हूँ; हम उनके महान योद्धा अकिलीज़ से भी नहीं डरते थे, भले ही वह एक देवी का पुत्र हो, जितना हम इस व्यक्ति से डरते हैं: उसका क्रोध असीम है, और पराक्रम में कोई भी उसका मुकाबला नहीं कर सकता।
हेक्टर ने अपने भाई के आदेश का पालन किया। वह अपने रथ से कूदा और भाले लहराते हुए सेना के बीच चारों ओर घूमने लगा, सैनिकों को युद्ध के लिए उकसाता रहा और युद्ध का भयंकर नारा लगाता रहा। इस पर वे फिर से संगठित हुए और अचेयनों का सामना किया, जिन्होंने पीछे हटकर अपना घातक आक्रमण रोक दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि कोई अमर देवता तारों भरे आकाश से उतरकर ट्रोजनों की सहायता करने आया है, क्योंकि वे इतने विचित्र रूप से एकजुट हो गए थे। और हेक्टर ने ट्रोजनों से चिल्लाकर कहा, 'ट्रोजनों और सहयोगियों, मेरे मित्रों, मर्द बनो और पूरी ताकत से लड़ो, जबकि मैं इलियस जाकर हमारी परिषद के बुजुर्गों और हमारी पत्नियों से देवताओं से प्रार्थना करने और उनके सम्मान में बलि चढ़ाने की प्रतिज्ञा करने को कहता हूँ।'
इतना कहकर वह अपने रास्ते चला गया, और उसकी ढाल के चारों ओर लिपटी
चमड़े की काली पट्टी उसकी गर्दन और टखनों से टकराती रही।

फिर हिप्पोलोकस का पुत्र ग्लौकस और टाइडियस का पुत्र दोनों सेनाओं के बीच खुले मैदान में आमने-सामने की लड़ाई के लिए उतरे। जब वे एक-दूसरे के करीब आ गए, तो ऊँचे स्वर में युद्ध-घोष करने वाले डायोमेड ने सबसे पहले बोलना शुरू किया। उसने कहा, “हे महाराज, आप कौन हैं? मैंने आपको अब तक युद्ध में नहीं देखा, परन्तु यदि आप मेरे आक्रमण का सामना करते हैं, तो आप सबसे अधिक साहसी हैं। उन पिताओं का धिक्कार हो जिनके पुत्र मेरी शक्ति का सामना करेंगे। परन्तु यदि आप अमर हैं और स्वर्ग से उतरे हैं, तो मैं आपसे नहीं लड़ूँगा; क्योंकि वीर लिकर्गस, ड्रायस का पुत्र, भी देवताओं से युद्ध करने पर अधिक समय तक जीवित नहीं रहा। उसी ने उन्मादी बाकस की देखभाल करने वाली स्त्रियों को नाइसा देश से भगाया था, और जब हत्यारे लिकर्गस ने उन्हें अपने बैल-निरोधक से पीटा, तो उन्होंने अपने थिर्सी (एक प्रकार का दस्ता) जमीन पर फेंक दिए थे।” बैक्सस स्वयं भयभीत होकर समुद्र में कूद गया, और थेतिस ने उसे अपने आलिंगन में लेकर सांत्वना दी, क्योंकि वह उस व्यक्ति के घोर अपमान से भयभीत हो गया था। इस पर आराम से रहने वाले देवता लिकर्गस पर क्रोधित हुए और शनि के पुत्र ने उसे अंधा कर दिया, और अमर देवताओं के लिए घृणास्पद होने के बाद वह अधिक समय तक जीवित नहीं रहा। इसलिए मैं धन्य देवताओं से युद्ध नहीं करूँगा; परन्तु यदि तुम उन लोगों में से हो जो भूमि के फल खाते हैं, तो निकट आओ और अपने विनाश को प्राप्त हो जाओ।
और हिप्पोलोकस के पुत्र ने उत्तर दिया, “हे टाइडियस के पराक्रमी
पुत्र, मुझसे मेरे वंश के बारे में क्यों पूछते हो? मनुष्य पेड़ों पर वर्ष-दर-वर्ष पत्तों की तरह आते-जाते रहते हैं। पतझड़ के पत्ते हवा से झड़कर ज़मीन पर गिर जाते हैं, परन्तु वसंत के लौटने पर जंगल में नए पत्ते उग आते हैं। ठीक ऐसा ही मानवजाति के साथ होता है, जैसे ही पुराने समाप्त होते हैं, नए उग आते हैं। इसलिए, यदि तुम मेरे वंश के बारे में जानना चाहते हो, तो यह एक ऐसा वंश है जो अनेकों को ज्ञात है। आर्गोस के मध्य में, घोड़ों के चरागाह में, एफ़िरा नामक एक नगर है, जहाँ सिसिफस रहता था, जो समस्त मानवजाति में सबसे धूर्त था। वह इओलस का पुत्र था, और उसका एक पुत्र था जिसका नाम ग्लौकस था, जो बेलेरोफ़ोन का पिता था, जिसे स्वर्ग ने अत्यंत सुंदर और आकर्षक बनाया था। परन्तु प्रोटस ने उसके विनाश की योजना बनाई, और उससे अधिक बलवान होने के कारण, उसे आर्गीव्स की भूमि से भगा दिया, जिस पर बृहस्पति ने उसे शासक बनाया था।” प्रोटस की पत्नी एंटेआ, बेलरोफ़ोन पर

मोहित थी और उससे गुप्त रूप से संबंध बनाना चाहती थी; लेकिन बेलरोफ़ोन एक नेक इंसान था और उसने ऐसा नहीं होने दिया, इसलिए एंटेआ ने प्रोटस से उसके बारे में झूठ बोला। एंटेआ ने कहा, “प्रोटस, बेलरोफ़ोन को मार डालो या मर जाओ, क्योंकि उसने मेरी इच्छा के विरुद्ध मुझसे बात की है।” राजा क्रोधित हुआ, लेकिन बेलरोफ़ोन को मारने से हिचकते हुए, उसने उसे लिसिया भेज दिया। उसके पास एक मुड़ी हुई पट्टिका पर लिखे झूठे परिचय पत्र थे, जिनमें पत्र ले जाने वाले के खिलाफ बहुत कुछ बुरा-भला लिखा था। उसने बेलरोफ़ोन को आदेश दिया कि वह ये पत्र अपने ससुर को दिखाए, ताकि वह इस तरह मर जाए। इसलिए बेलरोफ़ोन लिसिया चला गया और देवताओं ने उसे सुरक्षित पहुँचा दिया।
जब वह लिसिया में स्थित ज़ैंथस नदी पर पहुँचा, तो राजा ने उसका पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया, नौ दिनों तक भोज दिया और उसके सम्मान में नौ बछियाओं की बलि दी, परन्तु जब दसवें दिन सुबह हुई, तो उसने उससे पूछताछ की और अपने दामाद प्रोएटस का पत्र देखने की इच्छा जताई। जब उसे वह दुष्ट पत्र मिला, तो उसने सबसे पहले बेलेरोफ़ोन को उस क्रूर राक्षस, चिमेरा को मारने का आदेश दिया, जो मनुष्य नहीं, बल्कि एक देवी थी, क्योंकि उसका सिर शेर का और पूंछ साँप की थी, जबकि उसका शरीर बकरी का था और वह आग उगलती थी; परन्तु बेलेरोफ़ोन ने उसे मार डाला, क्योंकि उसे स्वर्ग से संकेत मिले थे। इसके बाद उसने प्रसिद्ध सोलिमी से युद्ध किया, और उसने कहा कि यह उसके सभी युद्धों में सबसे कठिन था। तीसरे, उसने अमेज़न महिलाओं को मार डाला, जो पुरुषों के समकक्ष थीं, और जब वह वहाँ से लौट रहा था, तो राजा ने उसके विनाश के लिए एक और योजना बनाई; उसने लिसिया के सबसे बहादुर योद्धाओं को चुना और उन्हें घात लगाकर बैठा दिया, लेकिन उनमें से एक भी वापस नहीं लौटा, क्योंकि बेलेरोफोन ने उन सभी को मार डाला। तब राजा को पता चला कि वह किसी देवता का वीर वंशज होगा, इसलिए उसने उसे लिसिया में ही रखा, अपनी बेटी का विवाह उससे कर दिया और उसे राज्य में अपने बराबर सम्मान दिया; और लिसियावासियों ने उसे देश की सबसे उत्तम भूमि का एक टुकड़ा दिया, जो अंगूर के बागों और खेतों से भरा हुआ था, और उसे अपने पास रखने के लिए कहा।
राजा की पुत्री ने बेलेरोफ़ोन को तीन संतानें दीं: इसांदर, हिप्पोलोकस और लाओडामिया। परामर्श के देवता बृहस्पति ने लाओडामिया के साथ संबंध बनाया और उससे उन्हें महान सर्पेडन प्राप्त हुआ; लेकिन जब सभी देवता बेलेरोफ़ोन से घृणा करने लगे, तो वह एलीन मैदान में अकेला और हताश भटकता

रहा, अपने हृदय में पीड़ा लिए और मनुष्यों से विमुख होकर। युद्ध से तृप्त न होने वाले मंगल ने सोलिमी से लड़ते हुए उसके पुत्र इसांदर को मार डाला; उसकी पुत्री को सुनहरी लगाम वाली डायना ने मार डाला, क्योंकि वह उससे क्रोधित थी; लेकिन हिप्पोलोकस मेरे पिता थे, और जब उन्होंने मुझे ट्रॉय भेजा तो उन्होंने मुझे बार-बार प्रेरित किया कि मैं हमेशा सबसे आगे रहकर लड़ूं और अपने साथियों से आगे निकल जाऊं, ताकि मैं अपने पूर्वजों के रक्त को कलंकित न करूं, जो एफ़िरा और पूरे लिसिया में सबसे महान थे। इसलिए, यही मेरा वंश है।
इस प्रकार उसने कहा, और डायोमेड का हृदय प्रसन्न हो उठा। उसने अपना
भाला ज़मीन में गाड़ दिया और उससे मैत्रीपूर्ण शब्दों में बात की। ‘तो,’ उसने कहा, ‘तुम मेरे पिता के घराने के पुराने मित्र हो। महान ओएनियस ने एक बार बेलेरोफ़ोन की बीस दिनों तक मेजबानी की थी, और दोनों ने उपहारों का आदान-प्रदान किया था। ओएनियस ने बैंगनी रंग की एक कमरबंद दी थी, और बेलेरोफ़ोन को एक दोहरा प्याला, जिसे मैं ट्रॉय के लिए रवाना होते समय घर पर ही छोड़ आया था। मुझे टाइडियस याद नहीं है, क्योंकि जब मैं बच्चा था, तब थेब्स के सामने अचेयनों की सेना के टुकड़े-टुकड़े हो जाने पर वह हमसे बिछड़ गया था। अब से, यदि मैं कभी वहाँ जाऊँ, तो मुझे मध्य आर्गोस में तुम्हारा मेज़बान बनना होगा, और तुम्हें लिसिया में; चलो, हम एक आम युद्ध के दौरान भी एक-दूसरे के भालों से बचें; कई कुलीन ट्रोजन और सहयोगी हैं जिन्हें मैं मार सकता हूँ, यदि मैं उन्हें पकड़ लूँ और ईश्वर उन्हें मेरे हाथ में सौंप दे; ठीक वैसे ही, तुम्हारे साथ भी, कई अचेयन हैं जिनकी जान तुम ले सकते हो, यदि तुम ले सको; तो हम दोनों अपने कवच का आदान-प्रदान करेंगे, ताकि यहाँ उपस्थित सभी लोग हमारे बीच कायम पुराने संबंधों के बारे में जान सकें।
इन शब्दों के साथ वे अपने रथों से कूद पड़े, एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और मित्रता का वचन दिया। लेकिन शनि के पुत्र ने ग्लौकस को भ्रमित कर दिया, क्योंकि उसने सोने के कवच के बदले कांसे का कवच ले लिया, और सौ पशुओं के मूल्य के बदले नौ पशुओं का मूल्य ले लिया।
जब हेक्टर स्केन के द्वार और बलूत के पेड़ के पास पहुँचा, तो ट्रोजन की पत्नियाँ और बेटियाँ अपने बेटों, भाइयों, रिश्तेदारों और पतियों के बारे

में पूछने के लिए उसकी ओर दौड़ती हुई आईं: उसने उनसे देवताओं से प्रार्थना करने के लिए कहा, और उसकी बात सुनकर बहुत सी व्यथित हो गईं।
कुछ ही देर में वह राजा प्रियम के भव्य महल में पहुँच गया, जो तराशे हुए पत्थरों के स्तंभों से सुशोभित था। उसमें पचास शयनकक्ष थे - सभी तराशे हुए पत्थरों से बने - जो एक दूसरे के निकट बने थे, जहाँ प्रियम के पुत्र अपनी विवाहित पत्नियों के साथ सोते थे। इनके सामने, आँगन के दूसरी ओर, प्रियम की पुत्रियों के लिए बारह ऊपरी कमरे भी तराशे हुए पत्थरों से बने थे, जो एक दूसरे के निकट बने थे, जहाँ उनके दामाद अपनी पत्नियों के साथ सोते थे। जब हेक्टर वहाँ पहुँचा, तो उसकी स्नेही माँ अपनी सबसे सुंदर पुत्री लाओडिस के साथ उसके पास आई। उसने उसका हाथ अपने हाथ में लिया और कहा, 'मेरे पुत्र, तुम युद्ध छोड़कर यहाँ क्यों आए हो? क्या अकेयन, उन पर धिक्कार हो, तुम्हें शहर में घेर रहे हैं कि तुमने किले से आकर बृहस्पति को प्रणाम करना उचित समझा? रुको, मैं तुम्हारे लिए शराब लाऊँ ताकि तुम बृहस्पति और अन्य देवताओं को भेंट चढ़ा सको, और फिर पीकर तरोताज़ा हो सको।' शराब इंसान को नई ताकत देती है जब वह थका हुआ होता है, जैसा कि आप अभी अपने रिश्तेदारों की तरफ से लड़ते हुए थके हुए हैं।
हेक्टर ने उत्तर दिया, “आदरणीय माता, शराब न लाओ, कहीं ऐसा न हो कि तुम मुझे कमजोर कर दो और मैं अपनी शक्ति भूल जाऊँ। मैं बिना धुले हाथों से बृहस्पति को पेय-अर्पण करने का साहस नहीं कर सकता; जो रक्त और गंदगी से सना हो, वह शनि के पुत्र की पूजा नहीं कर सकता। सभी स्त्रियों को इकट्ठा करो और भेंट लेकर लूट की देवी मिनर्वा के मंदिर जाओ; वहाँ मिनर्वा की गोद में अपने घर का सबसे बड़ा और सुंदर वस्त्र रखो – वह वस्त्र जिसे तुम सबसे अधिक महत्व देती हो; इसके अलावा, देवी के मंदिर में बारह बछियाओं की बलि देने का वादा करो, जिन्होंने अभी तक अंकुश नहीं खाया हो, यदि वह नगर पर, ट्रोजन की पत्नियों और बच्चों पर दया करे, और टाइडियस के पुत्र को इलियस के सुंदर शहर से दूर रखे, क्योंकि वह क्रोध से लड़ता है और लोगों के मन में भय भर देता है। इसलिए, मिनर्वा के मंदिर जाओ, जबकि मैं पेरिस को ढूँढ़ता हूँ और उससे विनती करता हूँ, यदि वह मेरी बात सुने।” काश, धरती अपना मुंह खोलकर उसे निगल ले, क्योंकि बृहस्पति ने उसे ट्रोजन और प्रियम तथा प्रियम के पुत्रों का अभिशाप बनने के लिए पैदा किया था। काश, मैं उसे पाताल लोक में जाते हुए देख पाती, तो मेरा हृदय अपना भारीपन भूल जाता।

उसकी माता घर में गईं और अपनी दासियों को बुलाया, जिन्होंने पूरे शहर
की सभी दासियों को इकट्ठा किया। फिर वह अपने सुगंधित भंडार-कक्ष में गईं, जहाँ उनके कढ़ाईदार वस्त्र रखे थे। ये वस्त्र सिदोन की स्त्रियों द्वारा बनाए गए थे, जिन्हें अलेक्जेंड्रस सिदोन से अपने साथ लाया था, जब वह उस समुद्री यात्रा पर निकला था जिसमें उसने कुलीन हेलेन को अगवा किया था। हेकुबा ने सबसे बड़ा और सबसे सुंदर कढ़ाई वाला वस्त्र मिनर्वा को भेंट के रूप में निकाला: वह एक तारे की तरह चमक रहा था और संदूक के सबसे नीचे रखा था। इसे लेकर वह अपने रास्ते पर चल पड़ीं और उनके साथ कई दासियाँ भी थीं। जब वे मिनर्वा के मंदिर पहुँचे, तो सिस्सियस की पुत्री और एंटनोर की पत्नी, सुंदर थियानो ने द्वार खोले, क्योंकि ट्रोजनों ने उसे मिनर्वा की पुजारिन बनाया था। स्त्रियों ने ज़ोर से पुकारते हुए देवी के सामने हाथ उठाए, और थियानो ने अपना वस्त्र लेकर मिनर्वा के घुटनों पर रख दिया, और साथ ही महान बृहस्पति की पुत्री से प्रार्थना करने लगी। “हे पवित्र मिनर्वा, हमारे नगर की रक्षक, पराक्रमी देवी, डायोमेड के भाले को तोड़ दो और उसे स्केयन द्वारों के सामने गिरा दो। ऐसा करो, और हम तुम्हारे मंदिर में बारह बछियों की बलि देंगे, जिन्हें कभी अंकुश नहीं लगा है, यदि तुम नगर पर, ट्रोजनों की पत्नियों और बच्चों पर दया करोगी।” उसने इस प्रकार प्रार्थना की, परन्तु पल्लास मिनर्वा ने उसकी प्रार्थना स्वीकार नहीं की।
जब वे महान बृहस्पति की पुत्री से प्रार्थना कर रहे थे, तब हेक्टर अलेक्जेंड्रस के सुंदर घर गया, जिसे उसने देश के सबसे कुशल कारीगरों से बनवाया था। उन्होंने उसका घर, भंडारगृह और आंगन एक्रोपोलिस पर प्रियम और हेक्टर के घरों के पास ही बनवाया था। हेक्टर ग्यारह हाथ लंबा भाला लिए हुए अंदर गया; भाले की नोक उसके सामने चमक रही थी और सोने की अंगूठी से भाले के डंडे से जुड़ी हुई थी। उसने अलेक्जेंड्रस को घर के अंदर अपने कवच, ढाल और कवच को ठीक करने और अपने धनुष को चलाने में व्यस्त पाया; वहाँ अर्गिव हेलेन भी अपनी स्त्रियों के साथ बैठी उन्हें उनके काम सौंप रही थी; और हेक्टर ने उसे देखते ही तिरस्कार भरे शब्दों से उसे फटकारा। उसने कहा, ‘महोदय, इस द्वेष को पालना ठीक नहीं है; लोग हमारे इस शहर के चारों ओर लड़ते हुए मर रहे हैं; आप स्वयं उस व्यक्ति को डांटेंगे जो युद्ध में अपनी भूमिका से जी चुरा रहा है। तो जल्दी उठो, वरना जल्द ही शहर आग की लपटों में घिर जाएगा।’

और अलेक्जेंड्रस ने उत्तर दिया, “हेक्टर, तुम्हारी फटकार उचित है;
इसलिए सुनो, और मेरी बात पर विश्वास करो जब मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं यहाँ ट्रोजनों के प्रति द्वेष या दुर्भावना के कारण नहीं, बल्कि अपने दुख को व्यक्त करने की इच्छा से आया हूँ। मेरी पत्नी अभी मुझे युद्ध के लिए धीरे- धीरे उकसा रही थी, और मुझे लगता है कि मेरा जाना ही बेहतर है, क्योंकि जीत हमेशा अनिश्चित होती है। तो तुम रुको, मैं अपना कवच पहन लूँ, या तुम पहले जाओ और मैं तुम्हारे पीछे आऊँगा। मैं तुम्हें अवश्य पकड़ लूँगा।” हेक्टर ने कोई उत्तर नहीं दिया, लेकिन हेलेन ने उसे शांत करने की कोशिश की। उसने कहा, ‘भाई, काश, मेरी घृणित और पापी आत्मा को, उस दिन ही कोई बवंडर मुझे उठा ले जाता जिस दिन मेरी माँ ने मुझे जन्म दिया था, और मुझे किसी पहाड़ या गरजते समुद्र की लहरों में ले जाता जो मुझे इस विपत्ति के घटित होने से पहले ही बहा ले जाती। लेकिन, चूंकि देवताओं ने ही ये विपत्तियाँ रची हैं, तो कम से कम इतना तो अच्छा होता कि मैं किसी बेहतर पुरुष की पत्नी होती – ऐसे पुरुष की जो अपमान और मनुष्यों के बुरे शब्दों को सहन कर सके। इस व्यक्ति पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता था, न ही कभी किया जा सकेगा, और वह अपने कर्मों का फल अवश्य भोगेगा। फिर भी, भाई, अंदर आओ और इस आसन पर बैठो, क्योंकि मेरे घृणित स्वभाव और अलेक्जेंड्रस के पाप के कारण जो कष्ट सहना पड़ा है, उसका बोझ तुम पर ही है – इन दोनों को ही बृहस्पति ने भविष्य में जन्म लेने वालों के बीच गीत का विषय बनने का श्राप दिया है।’
हेक्टर ने उत्तर दिया, “हे हेलेन, तुम मुझसे कितनी भी सद्भावना रखती
हो, मुझे बैठने के लिए मत कहो। मैं नहीं रुक सकता। मुझे ट्रोजनों की मदद करने की जल्दी है, जो मेरी अनुपस्थिति में मुझे बहुत याद करते हैं; लेकिन अपने पति को प्रेरित करो, और उसे भी जल्दी करने के लिए कहो ताकि वह शहर से निकलने से पहले मुझसे मिल सके। मुझे अपने परिवार, अपनी पत्नी और अपने छोटे बेटे से मिलने घर जाना है, क्योंकि मुझे नहीं पता कि मैं कभी उनके पास लौट पाऊंगा या नहीं, या देवता मुझे अचेयनों के हाथों मरवा देंगे।”
फिर हेक्टर उसे छोड़कर तुरंत अपने घर चला गया। उसे एंड्रोमाके नहीं मिली, क्योंकि वह अपने बच्चे और एक दासी के साथ दीवार पर बैठकर फूट-फूटकर रो रही थी। यह देखकर कि वह घर के अंदर नहीं है, वह स्त्रियों के कमरों की दहलीज पर खड़ा हो गया और बोला, ‘स्त्रियों, मुझे सच-सच बताओ, एंड्रोमाके घर छोड़कर कहाँ गई? क्या वह मेरी बहनों के पास गई, या मेरे भाइयों की पत्नियों

xx xxx? xx xx xxxxxxxx xx xxxxx xxx xx xxxx xxxxx xxxxxxxxxx xx xxxxx xxxx xx xxxxxxxx xxxx xx xxx xxxx-xxxxxxx xx xxx xxx?’

xxxx xxxxx xxxxx xx xxxxx xxxx, 'xxxxxxx, xxxxx xxxx xxxx xx-xx xxxxx xx xxx xx, xx x xx xxxx xxxxx xx xxx xx, x xx xxxx xxxxxx xx xxxxxxxxx xx xxx, xx x xx xxxxxxxx xx xxxxx xxx, xxxx xxxx xxxxxxxxxx xx xxxxx xxxx xx xxxxxxxx xx xxx xxx, xxxxx xx xxxxx xx xxxx xxxxx xx xx, xxxxxxxx xxxx xxxx xx xx xxxxxx xxxx xxx xxx xxx xxx xx xxxxx xxxx xxxx xxxx xx: xxxxx xx xxxxxx xxx xxxxxxxxx xxx xxxxx xx xx, xx xxx xxxxx xx xxx xxx xxxx xxxx xxx xxx'

xx xxxxxxxxxx xx xxx xxxxxx xxx, xx xx xx xx xxxxx xx xxxx xxx xx xxx xxxxxx xx xxxxxx xxx xxx xxx xxxx xx xxx xxx xx xx xxx xxx xxxx xxxxx xxxxx xx xxxxxx, xxxx xx xx xxxxx xxx xxxx, xx xxxx xxxxx xxxxxxxxxx, xx xxxx xxxxx xx xxxxxx xx xx xxxxx xxxxxx xx xx-xxxxxxxxx xx xxxx xxxxx xxxx xxx xxxx xxxx xx xx xxxxxxxxxx xx xxxx xx, xxxx xx xxxxxx xxx xxx xxxx xxxxxx xx xxxxxx xx xxxxx xxxx xx xx xx xx xxx xx xxx xxxx xxxxx xx xx, xxxxx xxxx xxxxx xxxxx xx xxxx xxx xxx xxxx xxx xx - xx xxxx, xxxxxx xx xxxxxx xxxx, xx xxxx xx xxxx xxxxx xxx xxxxxx xx xxxx xxx xxxxxxxxxxxxx xxx xx, xxxxx xxx xxx xxxxxxxxxxxxx xxxx xx, xxxxxx xxxx xxxx xxxxx xx xxxxx xxxxxxx xx xxx xxx xxxxx xxxx xxx xxxxxx xx xxxxx xx xxxxx xxxxxxxxxx, xxxxx xx xxx xxxx xxxx, xx xxxxxxxxxx xxxx xxx xxxx xxxx xxx xx xxxx xxx xxxx xxxxx xxx xxxx ‘xxxxx xxx,’ xxxx xxx, ‘xxxxxxxxx xxxxx xx xxxxxxxxx xxxxx xxxxx; xxxx xxxxx xxxxx xx xxxx xxx xxxx, xx xxxx xxxx xxx xx xx xxxxx xx xxxxxxxx xxxxx xx xxxxxx – xxxxxxx xxxxx xxx xx xxxxxxx xxx xx xxxxxx xxxxxx xx xxxxxxx xxx xxxxxxxx xxxx xxx xxxxx xxxx xx xxx xxxxxxx xx xxx, xx xx xx xxxx xx xxxx, xxxxxxx xxxxxxxx xxxx xx xxx xxxx xxxxxxxx xxxx xx xxx xxx xx xxxx xxx xxxx xxxxxx xx xxxx x xxxx xxx, x xxxxx xxxxxxx xx xxxx xxxx xx xx xxx xxxx xx xxxx xxxxxxxxxx xx xxxxx xxx xxxx xx xxxxx xxxx xxxxxx xxx xxxx, xxxxx xxxx xx xxxx xxxx xx xxxx xxxx; xx xxxx xxxxxx xxxx xxxxxx xxx xxxx xxx xxxx, xx xxxx xxxx xxx xx xx xxxx xxxxx xx xxxx xxxx xxxx xxxx xxxxxxxx xx xxxxxxxxxx, xxxxxxx xxxxxxxx xx xxxx xxxx xx xxxxx xx xxxx

के वृक्षों का एक उपवन लगाया। मेरे पिता के घर में मेरे सात भाई थे, लेकिन उसी दिन वे सभी पाताल लोक में चले गए। अकिलीज़ ने उन्हें उनकी भेड़ों और मवेशियों के साथ मार डाला।’ मेरी माता – जो प्लाकस पर्वत के नीचे की सारी भूमि की रानी थीं – उन्हें वह लूट के साथ यहाँ लाया और बड़ी रकम लेकर उन्हें मुक्त कराया, लेकिन धनुर्धारी रानी डायना ने उन्हें तुम्हारे पिता के घर में शरण दी। नहीं – हेक्टर – तुम जो मेरे लिए पिता, माता, भाई और प्रिय पति हो – मुझ पर दया करो; यहीं इस दीवार पर ठहरो; अपने बच्चे को अनाथ और अपनी पत्नी को विधवा मत बनाओ; जहाँ तक सेना की बात है, उन्हें अंजीर के पेड़ के पास रखो, जहाँ से शहर पर आसानी से चढ़ा जा सकता है और दीवार सबसे कमजोर है। तीन बार उनमें से सबसे बहादुर लोग वहाँ आए और शहर पर हमला किया, दो अयाक्स, एट्रियस के पुत्र इडोमेनियस और टाइडियस के बहादुर पुत्र के नेतृत्व में, या तो अपनी इच्छा से या किसी ज्योतिषी के कहने पर।
और हेक्टर ने उत्तर दिया, “पत्नी, मैंने भी इन सब बातों पर विचार किया
है, परन्तु यदि मैं कायर की तरह युद्ध से पीछे हट जाऊँ तो मैं ट्रोजनों, चाहे पुरुष हों या स्त्री, का सामना किस दृष्टि से कर पाऊँगा? मैं ऐसा नहीं कर सकता: मैं ट्रोजन सेना के अग्रभाग में वीरतापूर्वक लड़ने और अपने पिता और अपने लिए यश अर्जित करने के सिवा कुछ नहीं जानता। मैं भली-भांति जानता हूँ कि वह दिन अवश्य आएगा जब शक्तिशाली इलियस, प्रियम और प्रियम के लोगों के साथ नष्ट हो जाएगा, परन्तु मैं इनमें से किसी के लिए भी शोक नहीं करता – न हेकुबा के लिए, न राजा प्रियम के लिए, न ही अपने अनेक वीर भाइयों के लिए जो अपने शत्रुओं के सामने धूल में मिल जाएँगे – इनमें से किसी के लिए भी मैं उतना शोक नहीं करता जितना तुम्हारे लिए, जब वह दिन आएगा जब अचेयनों में से कोई तुम्हें सदा के लिए तुम्हारी स्वतंत्रता से वंचित कर देगा और तुम्हें रोते हुए अपने साथ ले जाएगा।” हो सकता है कि तुम्हें किसी मालकिन के आदेश पर आर्गोस में करघा चलाना पड़े, या मेसीइस या हाइपेरिया के झरनों से पानी लाना पड़े, और किसी क्रूर मालिक द्वारा बेरहमी से सताया जाए; तब तुम्हें रोते हुए देखकर कोई कहेगा, “वह हेक्टर की पत्नी थी, जो इलियस के सामने युद्ध में ट्रोजनों का सबसे बहादुर योद्धा था।” इस पर तुम्हारे आँसू फिर से फूट पड़ेंगे, उस व्यक्ति के लिए जो तुम्हें गुलामी के इस दिन से मुक्त करना चाहता था। काश मैं उस टीले के नीचे मर जाऊँ जो मेरे शरीर पर

ढेर कर दिया गया है, इससे पहले कि मैं तुम्हारी चीख सुनूँ जब वे तुम्हें गुलामी में ले जा रहे हों।
उसने अपने बच्चे की ओर बाहें फैलाईं, लेकिन लड़का रोया और अपनी दाई की गोद में दुबक गया, अपने पिता के कवच और हेलमेट से फड़फड़ाते घोड़े के बालों के पंख को देखकर डर गया। उसके माता-पिता उसे देखकर हँसे, लेकिन हेक्टर ने हेलमेट अपने सिर से उतारकर ज़मीन पर रख दिया। फिर उसने अपने प्यारे बच्चे को उठाया, चूमा और अपनी बाहों में झुलाते हुए, ज़्यूस और सभी देवताओं से प्रार्थना की। ‘हे ज़्यूस,’ उसने पुकारा, ‘हे मेरे इस बच्चे को मेरे समान ट्रोजन वंश का प्रमुख बना; उसे बल में श्रेष्ठ बना और वह अपनी शक्ति से इलियस पर शासन करे। तब युद्ध से लौटते समय लोग उसके बारे में कहें, “पुत्र अपने पिता से कहीं श्रेष्ठ है।” वह जिसे पराजित करे, उसका रक्त-रंजित माल वापस लाए और उसकी माँ का हृदय प्रसन्न हो।’
इसके साथ ही उसने बच्चे को फिर से अपनी पत्नी की बाहों में रख दिया, जिसने आँसुओं के बीच मुस्कुराते हुए उसे अपने कोमल सीने से लगा लिया। पति उसे देखता रहा और उसका हृदय उसके लिए तड़प उठा। उसने स्नेहपूर्वक उसे सहलाते हुए कहा, “मेरी प्यारी पत्नी, इन बातों को दिल पर मत लो। कोई मुझे समय से पहले पाताल लोक नहीं भेज सकता, लेकिन यदि किसी मनुष्य का समय आ गया है, चाहे वह बहादुर हो या कायर, एक बार जन्म लेने के बाद उससे कोई बच नहीं सकता। इसलिए, घर के भीतर जाओ और अपने दैनिक कार्यों, करघे, तकली और नौकरों को आदेश देने में व्यस्त रहो; क्योंकि युद्ध मनुष्य का विषय है, और इलियस में जन्म लेने वाले सभी लोगों में मेरा विषय सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।” उसने अपना पंखों वाला हेलमेट ज़मीन से उठाया, और उसकी पत्नी फूट-फूटकर रोते हुए और बार-बार उसकी ओर मुड़कर देखते हुए अपने घर लौट गई। जब वह घर पहुँची तो उसने अपनी दासियों को अंदर पाया और उन सभी को अपने विलाप में शामिल होने के लिए कहा; इस प्रकार उन्होंने हेक्टर के जीवित रहते हुए भी उसके घर में शोक मनाया, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि वे उसे युद्ध से और अचेयनों के क्रूर हाथों से सुरक्षित लौटते हुए कभी नहीं देख पाएंगी। पेरिस अपने घर में ज़्यादा देर नहीं रुका। उसने अपना शानदार कांस्य-लेपित कवच पहना और जितनी तेज़ी से उसके पैर उसे ले जा सकते थे, उतनी तेज़ी से शहर से होकर निकल पड़ा। जैसे कोई घोड़ा, जो अस्तबल में बंधा हो और भरपेट खाया-पिया हो, खुला छूटकर मैदान में शान से दौड़ता हुआ उस जगह की ओर जाता

है जहाँ वह सुंदर बहती नदी में स्नान करता है – वह अपना सिर ऊँचा रखता है, उसकी अयाल उसके कंधों पर लहराती है, जैसे वह अपनी शक्ति पर गर्व करता है और घोड़ियों के चरागाहों और भोजनालयों की ओर हवा की तरह उड़ता है – ठीक वैसे ही पेरिस ऊँचे पर्गामस से निकला, अपने कवच में सूर्य की रोशनी की तरह चमकता हुआ, और तेज़ी से आगे बढ़ते हुए ज़ोर से हँसा। तुरंत ही उसकी मुलाकात अपने भाई हेक्टर से हुई, जो उस जगह से मुड़ रहा था जहाँ उसने अपनी पत्नी से बात की थी, और उसने खुद ही सबसे पहले बोलना शुरू किया। उसने कहा, ‘महोदय, मुझे खेद है कि मैंने आपको इंतज़ार करवाया है जबकि आप जल्दी में हैं, और मैं उतनी जल्दी नहीं आया जितनी जल्दी आपने मुझे आने को कहा था।’
हेक्टर ने उत्तर दिया, “मेरे प्यारे भाई, तुम बहादुरी से लड़ते हो, और कोई भी न्यायप्रिय व्यक्ति युद्ध में तुम्हारे कारनामों को कम नहीं आंक सकता। लेकिन तुम लापरवाह और जानबूझकर लापरवाही बरतते हो। ट्रोजन तुम्हारे बारे में जो बुरा-भला कहते हैं, उसे सुनकर मेरा दिल दुखता है, क्योंकि उन्होंने तुम्हारी वजह से बहुत कष्ट सहा है। चलो चलते हैं, और हम बाद में सब ठीक कर लेंगे, यदि बृहस्पति हमें कृपा करे कि जब हम अचेयनों को ट्रॉय से भगा देंगे, तो हम अपने घरों में स्वर्ग के शाश्वत देवताओं के सामने अपनी मुक्ति का प्याला रख सकें।”

3. ‘अस्त्यानैक्स’ का अर्थ है ‘शहर का राजा’।

पुस्तक 7

हेक्टर और एजैक्स के बीच लड़ाई - हेक्टर बुरी तरह हार रहा था तभी
रात हो गई और वे अलग हो गए - उन्होंने उपहारों का आदान-प्रदान किया - मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया और अचियनों ने अपने जहाजों के
चारों ओर एक दीवार बनवाई - अचियनों ने एगामेम्नन और मेनेलास से
अपनी शराब खरीदी।
इन शब्दों के साथ हेक्टर फाटक से बाहर निकल गया, और उसका भाई अलेक्जेंड्रस भी उसके साथ था, दोनों युद्ध के लिए उत्सुक थे। जैसे लंबे समय से व्यर्थ प्रतीक्षा कर रहे और परिश्रम से थक चुके नाविकों को स्वर्ग से हवा मिलती है, ठीक वैसे ही इन दोनों नायकों का आगमन ट्रोजनों के लिए सुखद था।
इसके बाद अलेक्जेंड्रस ने एरीथियस के पुत्र मेनेस्थियस को मार डाला;
वह आर्ने में रहता था और एरीथियस गदाधारी और फिलोमेडस का पुत्र था। हेक्टर ने इयोनियस पर भाला फेंका और उसके हेलमेट के कांसे के किनारे के नीचे गर्दन में घाव करके उसे मार डाला। इसके अलावा, लाइसियन सेनापति हिप्पोलोकस के पुत्र ग्लौकस ने भीषण हाथापाई में डेक्सियस के पुत्र इफिनियस को कंधे पर वार किया, जब वह अपने तेज घोड़ों के पीछे अपने रथ पर चढ़ रहा था; इस प्रकार वह रथ से गिर पड़ा और उसकी जान निकल गई।
इसलिए, जब मिनर्वा ने इन लोगों को अर्गिव्स पर कहर बरपाते देखा, तो वह ओलंपस की चोटियों से इलियस की ओर दौड़ी, और अपोलो, जो पर्गामस से देख रहा था, उससे मिलने आया; क्योंकि वह ट्रोजनों की जीत चाहता था। दोनों एक बलूत के पेड़ के पास मिले, और बृहस्पति के पुत्र राजा अपोलो ने सबसे पहले बात की। उसने कहा, 'हे बृहस्पति की पुत्री, तुम क्या चाहती हो कि तुम्हारे अहंकार ने तुम्हें ओलंपस से यहाँ भेजा है? क्या तुम्हें ट्रोजनों पर ज़रा भी दया नहीं है, और क्या तुम जीत का पलड़ा दानानों की ओर झुकाना चाहती हो? मुझे तुम्हें समझाने दो - क्योंकि ऐसा करना बेहतर होगा - आज के लिए लड़ाई रोक दो, लेकिन उन्हें बाद में तब तक लड़ने दो जब तक वे इलियस को पूरी तरह

नष्ट न कर दें, क्योंकि हे देवियों, तुमने इस शहर को नष्ट करने का निश्चय कर लिया है।'
और मिनर्वा ने उत्तर दिया, “ठीक है, हे दूर-तीरधारी; इसी विचार से मैं ओलंपस से ट्रोजन और अचेयनों के पास आई थी। तो मुझे बताओ, तुम इस वर्तमान युद्ध को कैसे समाप्त करने का इरादा रखते हो?”
बृहस्पति के पुत्र अपोलो ने उत्तर दिया, 'आइए हम महान हेक्टर को दानानियों में से किसी एक को एकल युद्ध के लिए चुनौती देने के लिए उकसाएँ; इससे अचेयन शर्मिंदा होकर एक ऐसा व्यक्ति ढूँढ़ेंगे जो उससे युद्ध करेगा।'
मिनर्वा ने सहमति दी, और प्रियम के पुत्र हेलेनस ने देवताओं की सलाह का ज्ञान प्राप्त किया; इसलिए वह हेक्टर के पास गया और बोला, ‘हे प्रियम के पुत्र हेक्टर, जो सलाह देने में देवताओं के समतुल्य हो, मैं तुम्हारा भाई हूँ, इसलिए मुझे तुम्हें समझाने दो। अन्य सभी ट्रोजन और अकेयनों को अपने- अपने स्थान पर बैठने का आदेश दो, और अकेयनों में से सर्वश्रेष्ठ पुरुष को एकल युद्ध के लिए चुनौती दो। मैंने शाश्वत देवताओं की वाणी सुनी है, और तुम्हारे विनाश का समय अभी नहीं आया है।’
यह सुनकर हेक्टर प्रसन्न हुआ और अपने भाले को बीच से पकड़कर ट्रोजनों
के बीच चला गया ताकि उन्हें रोक सके, और वे सब बैठ गए। एगामेम्नन ने भी अचेयनों को बैठने का आदेश दिया। लेकिन मिनर्वा और अपोलो, गिद्धों के रूप में, पिता ज़्यूस के ऊँचे बलूत के पेड़ पर अपने सैनिकों पर गर्व करते हुए बैठे थे; और सैनिक ढाल, हेलमेट और भाले से लैस होकर एक साथ सटकर बैठ गए। जैसे पश्चिम से आती हवा समुद्र की सतह को धुंधला कर देती है और पानी गहरा हो जाता है, वैसे ही ट्रोजन और अचेयनों की टुकड़ियाँ मैदान पर बैठी थीं। और हेक्टर ने इस प्रकार कहा:—
‘मेरी बात सुनो, ट्रोजन और अचेयनो, मैं अपने मन की बात कह रहा हूँ; अपने ऊँचे सिंहासन पर विराजमान ज़्यूस ने हमारी शपथों और समझौतों को चकनाचूर कर दिया है, और हम दोनों के लिए बुरे भविष्य की भविष्यवाणी कर रहा है, जब तक कि तुम या तो ट्रॉय के बुर्जों पर कब्ज़ा न कर लो, या अपने जहाजों पर ही पराजित न हो जाओ। अचेयनों के राजकुमार तुम्हारे बीच उपस्थित हैं; इसलिए, जो मुझसे लड़ना चाहे, वह हेक्टर के विरुद्ध तुम्हारा योद्धा बनकर आगे आए। मैं यही कहता हूँ, और ज़्यूस हमारे बीच साक्षी रहे। यदि तुम्हारा योद्धा

मुझे मार डाले, तो वह मेरे कवच उतारकर अपने जहाजों पर ले जाए, लेकिन मेरे शरीर को घर भेज दे ताकि मरने के बाद ट्रोजन और उनकी पत्नियाँ मुझे मेरी अग्नि का अंतिम संस्कार दे सकें।’ इसी प्रकार, यदि अपोलो मुझे यश प्रदान करे और मैं तुम्हारे योद्धा को मार डालूँ, तो मैं उसका कवच उतारकर इलियस नगर ले जाऊँगा और उसे अपोलो के मंदिर में लटका दूँगा, परन्तु उसका शरीर मैं त्याग दूँगा ताकि अचेयन लोग उसे अपने जहाजों में दफना सकें और हेलेस्पोंट के विशाल जल में उसका एक टीला बना सकें। तब भविष्य में जब कोई अपना जहाज समुद्र में चलाएगा, तो कहेगा, “यह उस व्यक्ति का स्मारक है जो बहुत पहले मर गया था – एक योद्धा जिसे शक्तिशाली हेक्टर ने मार डाला था।” ऐसा कहने से मेरी प्रसिद्धि कभी मिटेगी नहीं।
उसने ऐसा कहा, लेकिन वे सब चुप रहे, चुनौती को अस्वीकार करने में शर्म महसूस कर रहे थे, फिर भी उसे स्वीकार करने से डर रहे थे। अंत में मेनेलास उठा और क्रोधित होकर उन्हें फटकारा। उसने कहा, “हाय! घमंडी औरतें हो, मर्द नहीं। अगर दानान वंश का कोई भी व्यक्ति अब हेक्टर का सामना नहीं करेगा, तो हम पर दुगना कलंक लगेगा। तुम सब मिट्टी और पानी में मिल जाओ, जैसे तुम अपनी-अपनी जगहों पर निर्बल और अपमान से बैठे हो। मैं स्वयं इस व्यक्ति के विरुद्ध जाऊंगा, लेकिन इस लड़ाई का अंतिम परिणाम अमर देवताओं के हाथों में होगा।”
ये शब्द कहकर उसने अपना कवच पहन लिया; और फिर, हे मेनेलास, हेक्टर के हाथों तुम्हारा जीवन समाप्त हो जाता, क्योंकि वह तुमसे कहीं अधिक श्रेष्ठ था, यदि अचेयनों के राजकुमार तुम पर आक्रमण न करते और तुम्हें न रोकते। राजा एगामेम्नन ने उसका दाहिना हाथ पकड़कर कहा, ‘मेनेलास, तुम पागल हो गए हो; इस मूर्खता को त्याग दो। आवेश में आकर भी धैर्य रखो, प्रियम के पुत्र हेक्टर जैसे अपने से कहीं अधिक बलवान व्यक्ति से लड़ने के बारे में मत सोचो, जिससे तुम्हारे साथ-साथ कई अन्य लोग भी भयभीत होते हैं। यहाँ तक कि अकिलीज़, जो तुमसे कहीं अधिक वीर है, युद्ध में उससे भिड़ने से भी कतराता था। अपने लोगों के बीच बैठ जाओ, और अचेयन हेक्टर से लड़ने के लिए किसी अन्य योद्धा को भेजेंगे; यद्यपि वह निडर और युद्ध प्रेमी है, मुझे विश्वास है कि यदि वह इस युद्ध की गहमागहमी से जीवित बच निकला तो उसके घुटने खुशी-खुशी झुक जाएँगे।’

इन तर्कसंगत सलाहों से उसने अपने भाई को समझाया, जिस पर उसके सहायकों
ने खुशी-खुशी उसके कंधों से कवच उतार दिया। तब नेस्टर उठा और बोला, “सचमुच, अचियन भूमि पर बुरा समय आ पड़ा है। मर्मिडोंस के बीच सलाहकार और वक्ता, बूढ़े योद्धा पेलियस, जब मैं उनके घर में होता था, तो मुझसे सभी अर्गिव्स के वंश और वंशावली के बारे में प्रश्न करना पसंद करते थे। अगर उन्हें पता चलता कि वे अब हेक्टर के सामने कांप रहे हैं, तो उन्हें कितना दुख होता! वे कई बार प्रार्थना करते थे कि उनकी आत्मा उनके शरीर को छोड़कर पाताल लोक में चली जाए। हे बृहस्पति, मिनर्वा और अपोलो, काश मैं आज भी उतना ही जवान और बलवान होता जितना उस समय था जब पाइलियन और अर्काडियन लोग फिया की दीवारों के नीचे, तेज बहने वाली सेलाडॉन नदी के किनारे और इयार्डनस नदी के आसपास युद्ध में एकत्रित हुए थे।” देवता तुल्य वीर एरेथलियन, राजा एरेथियस के कवच को अपने कंधों पर धारण किए हुए, उनके रक्षक के रूप में आगे बढ़ा - एरेथियस, जिसे पुरुषों और महिलाओं ने 'गदा-पुरुष' उपनाम दिया था, क्योंकि वह न तो धनुष से लड़ता था और न ही भाले से, बल्कि अपने लोहे के गदा से शत्रु की टुकड़ियों को तितर-बितर कर देता था। लिकर्गस ने उसे निष्पक्ष लड़ाई में नहीं, बल्कि एक संकरे रास्ते में फंसाकर मार डाला, जहाँ उसका गदा उसके किसी काम का नहीं था; क्योंकि लिकर्गस उससे कहीं अधिक फुर्तीला था और उसने उसे बीचोंबीच भाले से घायल कर दिया, जिससे वह पीठ के बल जमीन पर गिर पड़ा। लिकर्गस ने फिर मार्स द्वारा दिए गए कवच को उससे छीन लिया और उसके बाद से उसे युद्ध में धारण करता रहा; लेकिन जब वह बूढ़ा हो गया और घर पर रहने लगा, तो उसने वह कवच अपने वफादार साथी एरेथलियन को दे दिया, जिसने उसी कवच को पहनकर हममें से सबसे श्रेष्ठ योद्धाओं को चुनौती दी। बाकी सब कांप रहे थे और डर रहे थे, लेकिन मेरे उच्च मनोबल ने मुझे उससे लड़ने के लिए प्रेरित किया, हालाँकि कोई और ऐसा करने का साहस नहीं करता था; मैं उन सबमें सबसे छोटा था; लेकिन जब मैंने उससे युद्ध किया, तो मिनर्वा ने मुझे विजय दिलाई। वह अब तक का सबसे बड़ा और बलवान व्यक्ति था जिसे मैंने मारा था, और जब वह धरती पर गिरा तो उसने काफी दूरी तय की। काश मैं तब भी उतना ही जवान और बलवान होता, क्योंकि प्रियम का पुत्र तब जल्द ही किसी ऐसे व्यक्ति को पा लेता जो उसका सामना कर सके। लेकिन तुम, चाहे पूरी सेना में सबसे आगे ही क्यों न हो, हेक्टर से लड़ने का साहस नहीं रखते।

इस प्रकार उस बूढ़े व्यक्ति ने उन्हें फटकारा, और तुरंत नौ लोग उठ खड़े हुए। सबसे पहले राजा अगमेम्नन उठे, और उनके बाद वीर डायोमेड, टाइडियस का पुत्र। उनके बाद दो अजाक्स उठे, जो वीरता के वस्त्र के समान वीर थे, और फिर इडोमेनियस और उसका साथी मेरियोनेस। एंड्रेमन का पुत्र थोआस और यूलिसिस भी उठे। तब गेरेन के योद्धा नेस्टर ने फिर कहा: ‘आप में पर्ची डालें कि किसे चुना जाएगा। यदि वह इस लड़ाई से जीवित बच जाता है, तो उसने अपनी आत्मा और अचियनों दोनों की अच्छी सेवा की होगी।’
इस प्रकार उसने कहा, और जब उनमें से प्रत्येक ने अपना पर्चा चिह्नित कर लिया और उसे एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन के हेलमेट में डाल दिया, तो लोगों ने प्रार्थना में अपने हाथ उठाए, और उनमें से एक आकाश की ओर देखते हुए कहता, 'हे पिता बृहस्पति, कृपा करें कि यह पर्चा एजैक्स पर, या टाइडियस के पुत्र पर, या स्वयं समृद्ध माइसीन के राजा पर पड़े।'
जब वे बात कर रहे थे, तभी गेरेन के योद्धा नेस्टर ने हेलमेट को हिलाया
और उसमें से वही पर्ची गिरी जो वे चाहते थे - एजैक्स की पर्ची। दूत उसे लेकर सभी अचेयन सरदारों को बाएं से दाएं बारी-बारी से दिखाने लगा; लेकिन उनमें से किसी ने भी उसे अपना नहीं बताया। हालांकि, जब उचित समय पर वह उस व्यक्ति के पास पहुंचा जिसने पर्ची पर लिखा था और उसे हेलमेट में रखा था, तो वीर एजैक्स ने अपना हाथ आगे बढ़ाया और दूत ने उसे पर्ची दे दी। एजैक्स ने जब अपना निशान देखा तो वह उसे पहचान गया और प्रसन्न हुआ; उसने पर्ची को जमीन पर फेंक दिया और कहा, 'मेरे मित्रों, पर्ची मेरी है और मैं प्रसन्न हूं, क्योंकि मैं हेक्टर को परास्त कर दूंगा। मैं अपना कवच पहनूंगा; इस बीच, आप सब आपस में चुपचाप राजा जुविह से प्रार्थना करें कि ट्रोजन आपको न सुन सकें - या चाहें तो जोर से भी प्रार्थना कर सकते हैं, क्योंकि हम किसी से नहीं डरते। कोई भी मुझे न तो बल से और न ही चालाकी से हरा सकता है, क्योंकि मैं सलामिस में पैदा हुआ और पला-बढ़ा हूं और हर चीज में अपना बचाव कर सकता हूं।'
इसके बाद वे शनि के पुत्र राजा जोव से प्रार्थना करने लगे, और उनमें से
एक ने आकाश की ओर देखते हुए कहा, ‘हे पिता जोव, जो इडा से शासन करते हैं, शक्ति में सबसे गौरवशाली, एजैक्स को विजय प्रदान करें और उसे महान यश दिलाएं: लेकिन यदि आप हेक्टर का भी भला चाहते हैं और उसकी रक्षा करना चाहते हैं, तो उन दोनों को समान प्रसिद्धि और पराक्रम प्रदान करें।’

इस प्रकार उन्होंने प्रार्थना की, और एजैक्स ने अपने चमकीले कांसे के कवच को पहन लिया। जब वह पूरी तरह से सुसज्जित हो गया, तो वह उस विशालकाय मंगल की तरह आगे बढ़ा, जैसे वह उन लोगों के बीच लड़ता है जिन्हें बृहस्पति ने आपस में लड़ने के लिए उकसाया हो – ठीक उसी प्रकार, अचेयनों का रक्षक, विशाल एजैक्स, अपने चेहरे पर एक गंभीर मुस्कान लिए, अपने लंबे भाले को लहराते हुए आगे बढ़ा। अर्गिव्स उसे देखकर उत्साहित हो गए, लेकिन ट्रोजन का शरीर कांप उठा, और हेक्टर का दिल भी तेजी से धड़कने लगा, लेकिन अब वह पीछे हटकर अपनी सेना में वापस नहीं जा सकता था, क्योंकि वह चुनौती देने वाला था। एजैक्स अपनी ढाल को दीवार की तरह आगे उठाए हुए आया – सात परतों वाली कांसे की ढाल – जिसे हाइले में रहने वाले और चमड़े के कारीगर में सर्वश्रेष्ठ टाइकियस ने बनाया था। उसने इसे सात स्वस्थ बैलों की खाल से बनाया था, और इसके ऊपर कांसे की आठवीं परत लगाई थी। अपने सामने ढाल लिए, तेलमोन का पुत्र एजैक्स हेक्टर के करीब आया और उसे धमकाते हुए बोला, “हेक्टर, अब तुम आमने- सामने होकर जानोगे कि दानानियों के बीच किस तरह के योद्धा हैं, यहाँ तक कि सिंह हृदय वाले अकिलीज़ के अलावा भी। वह अभी अपने लोगों के चरवाहे अगामेम्नन से क्रोधित होकर जहाजों पर बैठा है, लेकिन हममें से बहुत से लोग तुम्हारा सामना करने में सक्षम हैं; इसलिए लड़ाई शुरू करो।”
और हेक्टर ने उत्तर दिया, “हे महान एजैक्स, तेलमोन के पुत्र, सेनापति, मुझे किसी तुच्छ लड़के या स्त्री की तरह मत समझो जो लड़ नहीं सकता। मैं युद्ध के रक्तपात और नरसंहार का आदी हूँ। मैं अपनी चमड़े की ढाल को तुरंत दाएं या बाएं घुमा लेता हूँ, क्योंकि युद्ध में यही मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मैं रथों और घुड़सवारों के बीच आक्रमण कर सकता हूँ, और आमने-सामने की लड़ाई में मंगल ग्रह को भी प्रसन्न कर सकता हूँ; फिर भी मैं तुम्हारे जैसे व्यक्ति को बिना तैयारी के नहीं लूंगा – लेकिन अगर मौका मिला तो मैं तुम्हें खुलेआम मार गिराऊंगा।”
बोलते हुए उसने अपना भाला तपाया और फेंक दिया। भाला सात परतों वाली
ढाल की सबसे बाहरी परत - आठवीं परत, जो कांसे की थी - पर लगा और छह परतों को भेदते हुए सातवीं परत में अटक गया। फिर एजैक्स ने भाला फेंका और प्रियम के पुत्र की गोल ढाल पर प्रहार किया। भयानक भाला उसकी चमकती ढाल को भेदता हुआ, उसकी कुशल कारीगरी से बने कवच को भेदता हुआ आगे बढ़ा; उसने उसकी कमर से लगी कमीज को छेद दिया, लेकिन वह बच गया और इस प्रकार अपना जीवन बचा लिया। फिर

उन दोनों ने अपनी-अपनी ढाल से भाले निकाले और एक-दूसरे पर भयंकर शेरों या जंगली सूअरों की तरह टूट पड़े, जिनमें बहुत ताकत और सहनशक्ति थी: प्रियम के पुत्र ने एजैक्स की ढाल के बीचोंबीच प्रहार किया, लेकिन कांसा नहीं टूटा और उसके भाले की नोक मुड़ गई। फिर एजैक्स आगे बढ़ा और हेक्टर की ढाल को भेद दिया; भाला उसकी ढाल को भेदता हुआ आगे बढ़ा और हमला करने के लिए आगे बढ़ते हुए उसे लड़खड़ा दिया; इससे उसकी गर्दन पर गहरा घाव हो गया और खून बहने लगा, फिर भी हेक्टर ने लड़ना नहीं छोड़ा; वह पीछे हटा और अपने बलिष्ठ हाथ से मैदान में पड़े एक विशाल और खुरदुरे पत्थर को उठा लिया; इससे उसने एजैक्स की ढाल के मध्य भाग पर प्रहार किया, जिससे पीतल फिर से बज उठा। लेकिन एजैक्स ने बदले में एक कहीं बड़ा पत्थर उठाया, उसे हवा में उछाला और ज़बरदस्त बल से फेंक दिया। चक्की के पत्थर जैसे इस पत्थर ने हेक्टर की ढाल को अंदर की ओर तोड़ दिया और उसे पीठ के बल नीचे गिरा दिया, ढाल उसके नीचे दब गई, लेकिन अपोलो ने उसे तुरंत उठा लिया। इसके बाद वे अपनी तलवारों से एक-दूसरे पर वार करने ही वाले थे, कि देवताओं और मनुष्यों के दूत, एक ट्रोजन से और दूसरा अचेयन से, आगे न आ गए - तल्थिबियस और इडियस, दोनों ही सम्मानित पुरुष थे; उन्होंने लाठियों से उन्हें अलग किया, और अच्छे दूत इडेयस ने कहा, 'मेरे पुत्रों, अब और मत लड़ो, तुम दोनों वीर हो, और तुम दोनों बृहस्पति के प्रिय हो; हम यह जानते हैं; लेकिन अब रात हो रही है, और रात के आदेशों का विरोध करना उचित नहीं है।'
तेलमोन के पुत्र अजाक्स ने उत्तर दिया, ‘इडियस, हेक्टर से कहो कि वह ऐसा कहे, क्योंकि उसी ने हमारे राजकुमारों को चुनौती दी थी। उसे पहले बोलने दो, मैं उसकी बात मान लूंगा।’
तब हेक्टर ने कहा, “एजैक्स, ईश्वर ने तुम्हें कद, बल और विवेक प्रदान
किया है; और भाला चलाने में तुम सभी अकेयनों से श्रेष्ठ हो। आज के लिए हम युद्ध विराम लें; इसके बाद हम तब तक फिर से लड़ेंगे जब तक ईश्वर हमारे बीच फैसला न कर दे और किसी एक को विजय न दिला दे; रात हो रही है, और रात के आदेशों का उल्लंघन करना संभव नहीं है। इसलिए, अपने जहाजों पर अकेयनों के, और विशेष रूप से अपने अनुयायियों और कबीले के लोगों के दिलों को प्रसन्न करो, जबकि मैं राजा प्रियम के महान नगर में ट्रोजनों और उनकी स्त्रियों को सांत्वना देता हूँ, जो मेरे लिए प्रार्थना करने में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इसके अलावा, हम उपहारों का आदान-प्रदान करें,

ताकि अकेयनों और ट्रोजनों के बीच यह कहा जा सके, “उन्होंने पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी, लेकिन सुलह करके मित्रता के साथ विदा हुए।””
इस पर उसने अयाक्स को म्यान सहित एक चांदी जड़ी तलवार और चमड़े का
कमरबंद भेंट किया, और बदले में अयाक्स ने उसे बैंगनी रंग का कमरबंद दिया। इस प्रकार वे विदा हुए, एक अचेयन सेना की ओर और दूसरा ट्रोजन सेना की ओर। ट्रोजन अपने नायक को शक्तिशाली अयाक्स के हाथों से सुरक्षित और बिना किसी क्षति के वापस आते देखकर प्रसन्न हुए। इसलिए वे उसे शहर में ऐसे ले गए जैसे वह उनकी आशाओं से परे बच गया हो। दूसरी ओर, अचेयन विजय से प्रफुल्लित अयाक्स को एगामेम्नन के पास ले आए।
जब वे अत्रेस के पुत्र के निवास पर पहुँचे, तो एगामेम्नन ने शनि के
पुत्र बृहस्पति के सम्मान में उनके लिए पाँच वर्ष के बैल की बलि दी। उन्होंने शव की खाल उतारी, उसे तैयार किया और उसके जोड़ बनाए; उन्होंने इन्हें सावधानीपूर्वक छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा, उन्हें सींकों पर लगाया, अच्छी तरह से भूना और फिर उतार लिया। जब उन्होंने यह सब कर लिया और दावत तैयार कर ली, तो उन्होंने भोजन किया, और प्रत्येक व्यक्ति को उसका पूरा और बराबर हिस्सा मिला, जिससे सभी तृप्त हो गए, और राजा एगामेम्नन ने विशेष सम्मान के प्रतीक के रूप में एजैक्स को कमर के नीचे से लंबाई में कटे हुए कुछ टुकड़े दिए। जैसे ही उन्होंने भरपेट खा-पी लिया, बूढ़े नेस्टर, जिनकी सलाह हमेशा सबसे सच्ची होती थी, बोलने लगे; इसलिए, उन्होंने पूरी ईमानदारी और सद्भावना के साथ उनसे इस प्रकार कहा:—
‘अत्रेयस के पुत्र और अन्य सरदारों, चूंकि बहुत से अचेयन अब मर चुके
हैं, जिनका रक्त मार्स ने स्कैमंडर नदी के किनारे बहाया है, और उनकी आत्माएं पाताल लोक में चली गई हैं, इसलिए भोर होते ही युद्ध विराम करना अच्छा होगा; हम अपने मृतकों को बैलों और खच्चरों के साथ ले जाकर जहाजों से कुछ दूर जला देंगे, ताकि जब हम यहां से रवाना हों तो अपने साथियों की अस्थियां उनके बच्चों के पास ले जा सकें। चिता के पास ही हम मैदान से एक टीला बनाएंगे जो सभी के लिए साझा होगा; इसके पास ही हम एक ऊंची दीवार बनाना शुरू करेंगे, ताकि हम और हमारे जहाज सुरक्षित रहें, और इसमें मजबूत द्वार हों ताकि हमारे रथों के लिए रास्ता हो। इसके ठीक बाहर हम चारों ओर एक गहरी खाई खोदेंगे ताकि घुड़सवार और पैदल सेना दोनों को रोका जा सके, और ट्रोजन सरदार हम पर हमला न कर सकें।’

इस प्रकार उसने कहा, और राजकुमारों ने तालियाँ बजाकर उसका समर्थन किया। इसी बीच, राजा प्रियम के महल के द्वार के पास एक्रोपोलिस पर ट्रोजनों ने क्रोधित और कलहपूर्ण ढंग से एक सभा आयोजित की; और बुद्धिमान एंटनोर ने कहा, ‘मेरी बात सुनो, ट्रोजनों, डार्डानियों और सहयोगियों, मैं वही कहूँ जो मैं कहना चाहता हूँ। आओ हम अर्गिव हेलेन और उसकी संपत्ति को एट्रेस के पुत्रों को सौंप दें, क्योंकि हम अब अपने पवित्र समझौतों का उल्लंघन करते हुए लड़ रहे हैं, और जब तक हम मेरी बात नहीं मान लेते, तब तक हमें सफलता नहीं मिलेगी।’
फिर वह बैठ गया और सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस बोलने के लिए उठे। उन्होंने कहा, ‘एंटेनोर, आपकी बातें मुझे पसंद नहीं आईं; आप चाहें तो इससे बेहतर बात कह सकते हैं; लेकिन अगर आपने सच में ऐसा कहा है, तो सचमुच ईश्वर ने आपकी बुद्धि छीन ली है। मैं स्पष्ट रूप से कहूंगा और ट्रोजनों को सूचित करूंगा कि मैं इस स्त्री को नहीं छोडूंगा; लेकिन जो धन मैं उसके साथ आर्गोस से घर लाया था, उसे मैं लौटा दूंगा और उसमें अपनी ओर से और भी धन जोड़ूंगा।’ इस पर, जब पेरिस बोलकर बैठ गया, तो डार्डनस के वंशज प्रियम, जो देवताओं
की सभा में उनके समकक्ष थे, उठे और पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उन्हें संबोधित करते हुए कहा: ‘मेरी बात सुनो, ट्रोजन, डार्डनियन और सहयोगी, मैं वही कह रहा हूँ जो मैं कहना चाहता हूँ। शहर भर में अब तक की तरह ही भोजन कर लो, लेकिन अपनी चौकसी बनाए रखो और सतर्क रहो। भोर होते ही इडियस जहाजों पर जाए और एट्रेस के पुत्रों, एगामेम्नन और मेनेलास को अलेक्जेंड्रस का वह कथन बताए जिसके कारण यह झगड़ा हुआ है; और उनसे यह भी कहे कि वे तब तक लड़ना बंद कर दें जब तक हम अपने मृतकों का अंतिम संस्कार न कर दें; इसके बाद हम फिर से लड़ेंगे, जब तक स्वर्ग हमारे बीच फैसला न कर दे और किसी एक को जीत न दिला दे।’
उसने ऐसा कहा, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था।
उन्होंने अपने-अपने समूह में भोजन किया और भोर होते ही इडेयस जहाजों की ओर चल पड़ा। उसने मार्स के सेवक दानानों को एगामेम्नन के जहाज के पिछले हिस्से में सभा करते हुए पाया, और उनके बीच में बैठ गया। उसने कहा, ‘एट्रियस के पुत्र, और अचेयन सेना के राजकुमारों, प्रियम और अन्य कुलीन ट्रोजनों ने मुझे अलेक्जेंड्रस का वचन बताने के लिए भेजा है, जिसके कारण यह झगड़ा हुआ है, यदि आप इसे स्वीकार करें। वह सारा खजाना जो वह अपने

जहाजों में ट्रॉय ले गया था - काश वह पहले ही मर गया होता - वह उसे वापस लौटा देगा, और अपना और भी खजाना जोड़ देगा, लेकिन वह मेनेलास की विवाहित पत्नी को नहीं छोड़ेगा, चाहे ट्रोजन उससे ऐसा करने को कहें। प्रियम ने मुझे यह पता लगाने के लिए कहा है कि क्या आप तब तक लड़ना बंद कर देंगे जब तक हम अपने मृतकों को जला नहीं देते; इसके बाद हम फिर से लड़ेंगे, जब तक कि स्वर्ग हमारे बीच फैसला न कर दे और किसी एक को जीत न दिला दे।’
वे सब चुप रहे, लेकिन तभी युद्धघोष करते हुए डायोमेड ने कहा, 'न तो
खजाना लिया जाए और न ही हेलेन को, क्योंकि एक बच्चा भी देख सकता है कि ट्रोजनों का अंत निकट है।'
अकेयन वंश के पुत्रों ने डायोमेड के शब्दों पर तालियाँ बजाईं, और तब
राजा अगमेमन ने इडेयस से कहा, “इडेयस, तुमने अकेयन वंश के लोगों का उत्तर सुन लिया है – और मैंने भी उनका उत्तर सुना है। लेकिन मृतकों के विषय में, मैं तुम्हें उन्हें जलाने की अनुमति देता हूँ, क्योंकि एक बार मनुष्य मर जाए तो उसे अग्नि अनुष्ठानों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इस समझौते के साक्षी जुविवर, जूनो के शक्तिशाली पति हों।”
बोलते ही उसने सभी देवताओं के सामने अपना राजदंड उठाया और इडेयस शक्तिशाली नगर इलियस लौट गया। ट्रोजन और डार्डानियन उसकी वापसी की प्रतीक्षा में सभा में एकत्रित थे; जब वह आया, तो वह उनके बीच खड़ा हुआ और अपना संदेश दिया। जैसे ही उन्होंने संदेश सुना, वे अपने दो भागों में बँट गए, कुछ शवों को इकट्ठा करने लगे और कुछ लकड़ी लाने लगे। आर्गीव भी अपने जहाजों से जल्दी से निकल पड़े, कुछ शवों को इकट्ठा करने लगे और कुछ लकड़ी लाने लगे।
जब दोनों सेनाएँ आमने-सामने आईं, तब सूर्य की किरणें खेतों पर पड़नी शुरू हो गई थीं, जो गहरे सागर की धीमी, स्थिर धाराओं से निकलकर आकाश में नए सिरे से उग रहा था। वे अपने मृतकों को मुश्किल से पहचान पा रहे थे, लेकिन उन्होंने उनके शरीर से जमा हुआ खून धोया, उन पर आँसू बहाए और उन्हें अपनी गाड़ियों पर लाद लिया। प्रियम ने ट्रोजनों को ज़ोर से विलाप करने से मना किया था, इसलिए उन्होंने अपने मृतकों को दुख और मौन से चिता पर रखा और उन्हें जलाकर इलियस शहर लौट गए। इसी प्रकार, अचेयनों ने भी अपने मृतकों को दुख और मौन से चिता पर रखा और उन्हें जलाकर अपने जहाजों पर लौट गए।

अब जब सुबह होने से पहले ही गोधूलि बेला छा गई थी, तब अचेयन लोगों के चुने हुए समूह चिता के चारों ओर एकत्रित हुए और उन्होंने सबके लिए एक सामूहिक टीला बनाया, और इसके पास ही उन्होंने अपने और अपने जहाजों को आश्रय देने के लिए एक ऊँची दीवार बनाई; उन्होंने उसमें मजबूत द्वार बनाए ताकि उनके रथों के लिए रास्ता हो सके, और उसके ठीक बाहर उन्होंने एक गहरी और चौड़ी खाई खोदी और उसके भीतर खूंटे गाड़ दिए।
इस प्रकार अचेयन लोगों ने परिश्रम किया, और बिजली के देवता बृहस्पति
के बगल में बैठे देवताओं ने उनके महान कार्य को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया; परन्तु भूकंप के देवता नेप्च्यून ने कहा, ‘हे पिता बृहस्पति, संसार में कौन सा मनुष्य फिर से देवताओं से परामर्श करेगा? क्या आप नहीं देखते कि अचेयन लोगों ने अपने जहाजों के चारों ओर दीवार बना ली है और उसके चारों ओर खाई खोद दी है, बिना देवताओं को बलि चढ़ाए? इस दीवार की प्रसिद्धि भोर तक फैलेगी, और मनुष्य उस दीवार को भूल जाएंगे जिसे मैंने और अपोलो ने लाओमेडोन के लिए इतनी मेहनत से बनाया था।’
बृहस्पति अप्रसन्न हुए और बोले, “हे पृथ्वी को हिलाने वाले, तुम क्या
कह रहे हो? तुमसे कम शक्तिशाली देवता शायद उनके कार्यों से भयभीत हो जाते, परन्तु तुम्हारी प्रसिद्धि तो भोर तक पहुँचती है। निश्चय ही जब अचेयन अपने जहाजों के साथ घर लौट जाएँगे, तब तुम उनकी दीवार को चकनाचूर करके समुद्र में फेंक सकते हो; तुम समुद्र तट को फिर से रेत से ढक सकते हो, और तब अचेयनों की महान दीवार पूरी तरह मिट जाएगी।”
इस प्रकार वे बातचीत करते रहे और सूर्यास्त तक अचेयनों का काम पूरा हो गया; फिर उन्होंने अपने तम्बुओं में बैलों का वध किया और भोजन किया। लेम्नोस से कई जहाज़ शराब लेकर आए थे, जिन्हें जेसन के पुत्र यूनेयस ने भेजा था, जो हिप्सिपाइल से उसका पुत्र था। जेसन के पुत्र ने उनमें दस हज़ार माप शराब भरवाई, जिसे उसने विशेष रूप से एट्रेस, एगामेम्नन और मेनेलास के पुत्रों को भेजा था। इस आपूर्ति से अचेयनों ने अपनी शराब खरीदी, कुछ ने पीतल से, कुछ ने लोहे से, कुछ ने खाल से, कुछ ने पूरी बछियों से और कुछ ने कैदियों से। उन्होंने एक भव्य भोज का आयोजन किया और पूरी रात दावत की, जैसा कि ट्रोजन और शहर में उनके सहयोगियों ने भी किया। लेकिन हर समय बृहस्पति उन्हें अशुभ संकेत दे रहा था और अपनी भयानक गर्जना कर रहा था। उन पर पीला भय छा गया, और उन्होंने अपने प्यालों से शराब ज़मीन पर गिरा दी, और किसी ने

भी शनि के सबसे शक्तिशाली पुत्र को भेंट चढ़ाए बिना पीने का साहस नहीं किया। फिर वे आराम करने के लिए लेट गए और नींद के सुख का आनंद लिया।

पुस्तक 8

जोव ने देवताओं को आगे हस्तक्षेप करने से मना किया - दोपहर तक बराबरी का युद्ध चला, लेकिन फिर जोव ने जीत का पलड़ा ट्रोजन के पक्ष
में झुका दिया, जिन्होंने अंततः अचेयनों को उनकी दीवार के भीतर
खदेड़ दिया - जूनो और मिनर्वा ट्रोजनों की मदद के लिए निकल पड़ीं:
जोव ने आइरिस को उन्हें वापस भेजने के लिए भेजा, लेकिन बाद में उसने
जूनो से वादा किया कि अंत में उसकी इच्छा पूरी होगी - हेक्टर की
विजय सूर्यास्त के कारण रुक गई - ट्रोजनों ने मैदान में डेरा डाला।
जब सुबह केसरिया वस्त्र पहने पृथ्वी पर प्रकाश फैलाने लगी, तब बृहस्पति ने नुकीले ओलंपस के सबसे ऊंचे शिखर पर देवताओं को सभा के लिए बुलाया। फिर उसने बोलना शुरू किया और सभी देवताओं ने ध्यान से सुना। उसने कहा, “हे देवताओं और देवियों, मेरी बात सुनो, मैं वही कहूँगा जो मैं कहना चाहता हूँ। तुममें से कोई भी, न देवी और न देवता, मेरा विरोध करने की कोशिश न करे, बल्कि तुम सब मेरी आज्ञा मानो ताकि मैं इस मामले को समाप्त कर सकूँ। यदि मैं किसी को भी अलग होकर ट्रोजन या दानानों की सहायता करते हुए देखूँ, तो ओलंपस लौटने से पहले ही उसकी अत्यधिक पिटाई की जाएगी; या मैं उसे गहरे अंधकारमय टारटेरस में, पृथ्वी के सबसे गहरे गड्ढे में फेंक दूँगा, जहाँ द्वार लोहे के और फर्श कांसे के हैं, पाताल लोक से उतना ही नीचे जितना आकाश पृथ्वी से ऊपर है, ताकि तुम जान सको कि मैं तुममें कितना शक्तिशाली हूँ। मेरी परीक्षा लो और स्वयं अनुभव करो।” स्वर्ग से मेरे लिए एक सोने की जंजीर लटका दो, और तुम सब, देवी-देवता, इसे पकड़ लो – चाहे जितना खींचो, तुम सर्वोच्च सलाहकार बृहस्पति को स्वर्ग से पृथ्वी पर नहीं खींच पाओगे; लेकिन अगर मैं खुद इसे खींचूं तो मैं तुम्हें धरती और समुद्र के साथ ऊपर खींच लाऊंगा, फिर मैं उस जंजीर को ओलंपस के किसी शिखर पर बांध दूंगा और तुम सबको आकाश में लटका दूंगा। मैं देवताओं और मनुष्यों में सबसे श्रेष्ठ हूं।

वे भयभीत हो गए और सब चुप हो गए, क्योंकि उसने बड़ी कुशलता से बात की थी; लेकिन अंत में मिनर्वा ने उत्तर दिया, 'पिता, शनि के पुत्र, राजाओं के राजा, हम सब जानते हैं कि आपकी शक्ति को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन हमें दानान योद्धाओं के लिए भी खेद है, जो मर रहे हैं और जिनका अंत बुरा हो रहा है। यद्यपि, जैसा कि आपने हमें आदेश दिया है, हम सीधे युद्ध नहीं करेंगे, लेकिन हम अर्गिव्स को उपयोगी सुझाव देंगे ताकि वे सब आपकी क्रोध में नष्ट न हो जाएँ।'
जोव ने उस पर मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, 'हिम्मत रखो, मेरी बच्ची, त्रितो-जन्मी; मैं वास्तव में गंभीर नहीं हूँ, और मैं तुम्हारे प्रति दयालु होना चाहता हूँ।'
इसके साथ ही उसने अपने तेज़ घोड़ों को, जिनके खुर पीतल के और अयाल
चमकीले सोने के थे, रथ में जोता। उसने अपने शरीर को भी सोने से सजाया, अपना सोने का चाबुक उठाया और रथ पर सवार हो गया। फिर उसने अपने घोड़ों को चाबुक मारा और वे पृथ्वी और तारों भरे आकाश के बीचोंबीच सहजता से आगे बढ़ गए। कुछ देर बाद वह अनेक जलप्रपातों वाली इडा, जंगली पशुओं की माता, और गार्गारस के पास पहुँचा, जहाँ उसका उपवन और सुगंधित वेदी है। वहाँ देवताओं और मनुष्यों के पिता ने अपने घोड़ों को रोका, उन्हें रथ से उतारा और एक घने बादल में छिपा दिया; फिर वह सबसे ऊँची चोटियों पर अपने वैभव के साथ बैठ गया, जहाँ से वह ट्रॉय शहर और अचेयनों के जहाजों को देख रहा था।
अचियन लोगों ने जहाजों पर जल्दी से सुबह का भोजन किया और उसके बाद अपने कवच पहन लिए। दूसरी ओर, ट्रोजन लोगों ने भी पूरे शहर में हथियारबंद होकर अपनी पत्नियों और बच्चों के लिए लड़ने की तीव्र इच्छा दिखाई। वे संख्या में कम थे, फिर भी अपनी पत्नियों और बच्चों के लिए लड़ने को बेताब थे। सभी द्वार चौड़े खोल दिए गए और घुड़सवार और पैदल सैनिक एक विशाल जनसमूह की तरह शोर मचाते हुए बाहर निकल आए।
जब वे एक स्थान पर एकत्रित हुए, तो कवचधारी पुरुषों के बीच ढालें ढालों से और भाले भालों से टकराए। उभरी हुई ढालों के एक-दूसरे पर ज़ोर से टकराने से भीषण शोर मच गया - मृतकों और हत्यारों की मृत्यु-पुकार और विजय-जयकार, और धरती खून से लाल हो गई।
दिन ढलता गया और सुबह होती रही, उनके हथियार आपस में टकराते रहे और लोग गिरते रहे। लेकिन जब सूर्य आकाश के मध्य तक पहुँच गया, तो सर्वशक्तिमान ने

अपने सुनहरे तराजू को संतुलित किया और उसमें मृत्यु के दो भाग्य अंकित किए, एक ट्रोजन के लिए और दूसरा अचेयन के लिए। उसने तराजू को मध्य से पकड़ा और जब उसे उठाया, तो अचेयन का दिन ढल गया; अचेयन का मृत्यु से भरा तराजू जमीन पर गिर गया, जबकि ट्रोजन का तराजू आकाश की ओर उठ गया। फिर उसने इडा से ज़ोरदार गर्जना की और अचेयन पर अपनी बिजली की चमक बरसाई; यह देखकर उन पर पीला भय छा गया और वे बुरी तरह डर गए।
इडोमेनियस और एगामेम्नन दोनों ही वहाँ रुकने का साहस नहीं कर सके, और न ही मार्स के सेवक दोनों एजैक्स अपनी जगह पर डटे रहे। गेरेन का योद्धा नेस्टर अकेला ही अचियनों का रक्षक बनकर डटा रहा, अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि अपने एक घोड़े के घायल होने के कारण। सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस ने उसके सिर के ठीक ऊपर, जहाँ अयाल खोपड़ी से दूर उगना शुरू होता है, एक तीर मारा था, जो बहुत घातक जगह होती है। तीर के मस्तिष्क में घुसते ही घोड़ा दर्द से उछल पड़ा, और उसके संघर्ष ने बाकी लोगों को भ्रमित कर दिया। बूढ़े व्यक्ति ने तुरंत अपनी तलवार से लगाम काटना शुरू कर दिया, लेकिन हेक्टर के तेज घोड़े अपने साहसी सारथी, यहाँ तक कि स्वयं हेक्टर के साथ, भीड़ के बीच से उस पर टूट पड़े, और बूढ़ा व्यक्ति वहीं मर जाता यदि डायोमेड ने तुरंत ध्यान न दिया होता और जोर से चिल्लाकर यूलिसिस को उसकी मदद के लिए न बुलाया होता।
‘यूलिसिस,’ वह चिल्लाया, ‘लार्टेस के महान पुत्र, कायरों की तरह पीठ
फेरकर कहाँ भाग रहे हो? ध्यान रखना कि कहीं भाले से तुम्हारी पीठ न कट जाए। यहीं ठहरो और इस भयंकर आक्रमणकारी से नेस्टर की रक्षा करने में मेरी मदद करो।’
यूलिसिस ने उसकी बात अनसुनी कर दी और अचेयनों के जहाजों की ओर तेजी से बढ़ गया। टाइडियस का पुत्र अकेले ही युद्ध के मैदान में कूद पड़ा और नेलियस के पुत्र के घोड़ों के सामने खड़ा हो गया। उसने कहा, “महाराज, ये युवा योद्धा आप पर भारी दबाव बना रहे हैं, आपकी शक्ति क्षीण हो चुकी है, और उम्र का प्रभाव आप पर पड़ रहा है, आपका सहायक किसी काम का नहीं है, और आपके घोड़े धीमे चल रहे हैं। मेरे रथ पर सवार हो जाइए और देखिए कि ट्रोस के घोड़े क्या कर सकते हैं – कितनी चतुराई से वे मैदान में इधर-उधर भागते या पीछा करते हुए दौड़ सकते हैं। मैंने उन्हें वीर ऐनेस से लिया था। हमारे सहायकों को आपके घोड़ों की देखभाल करने दीजिए, लेकिन आइए हम अपने रथ को

सीधे ट्रोजनों पर दौड़ाएं, ताकि हेक्टर को पता चले कि मैं भी अपने भाले को कितनी उग्रता से चला सकता हूं।”
गेरेन के योद्धा नेस्टर ने उसकी बात सुनी। इसके बाद वीर सहायकों, स्टेनेलस और दयालु यूरिमेडोन ने नेस्टर के घोड़ों की देखभाल की, जबकि वे दोनों डायोमेड के रथ पर सवार हो गए। नेस्टर ने लगाम अपने हाथों में ली और घोड़ों को चाबुक मारा; वे जल्द ही हेक्टर के करीब पहुँच गए, और टाइडियस के पुत्र ने पूरी गति से उनकी ओर बढ़ते हुए उस पर भाला चलाया। भाला चूक गया, लेकिन लगाम उसके हाथों में रहते हुए उसके सारथी और सहायक एनियोपियस, कुलीन थेबियस के पुत्र, की छाती पर थन के पास लगा, जिससे उसकी वहीं मृत्यु हो गई, और रथ से सिर के बल गिरने पर घोड़े लड़खड़ा गए। हेक्टर अपने सारथी की मृत्यु से बहुत दुखी हुआ, लेकिन उसने अपने सारे दुख के बावजूद उसे वहीं पड़े रहने दिया, और वह दूसरे सारथी की तलाश में चला गया; और न ही उसके घोड़ों को लंबे समय तक बिना किसी साथी के रहना पड़ा, क्योंकि उसने जल्द ही इफिटस के पुत्र बहादुर आर्केप्टोलेमस को ढूंढ लिया और उसे घोड़ों के पीछे बैठने के लिए कहा, और लगाम उसके हाथ में दे दी।
तब सब कुछ खो चुका था और कोई उपाय नहीं बचा था, क्योंकि अगर देवताओं और मनुष्यों के पिता ने तुरंत ध्यान न दिया होता और एक भयंकर वज्रपात न किया होता, जो डायोमेड के घोड़ों के ठीक सामने जलते हुए गंधक की लपटों के साथ गिरा, तो वे इलियस में भेड़ों की तरह बंद हो गए होते। घोड़े डर गए और रथ के नीचे पीछे हटने की कोशिश करने लगे, जबकि नेस्टर के हाथों से लगाम छूट गई। तब वह भयभीत हो गया और डायोमेड से बोला, 'टाइडियस के पुत्र, अपने घोड़ों को भगाओ; क्या तुम नहीं देखते कि बृहस्पति का हाथ तुम्हारे विरुद्ध है? आज वह हेक्टर को विजय दिला रहा है; कल, यदि वह चाहेगा, तो वह फिर से हमें विजय दिलाएगा; कोई भी व्यक्ति, चाहे कितना भी बहादुर क्यों न हो, बृहस्पति के उद्देश्य को विफल नहीं कर सकता, क्योंकि वह किसी से भी कहीं अधिक शक्तिशाली है।'
डायोमेड ने उत्तर दिया, “आपने जो कुछ भी कहा है वह सब सत्य है; परन्तु
एक दुःख है जो मेरे हृदय को गहराई तक भेद रहा है, क्योंकि हेक्टर ट्रोजनों के बीच कहेगा, “टाइडियस का पुत्र मुझसे पहले जहाजों की ओर भाग गया।” वह यही घमंड करेगा, और फिर धरती मुझे निगल ले।”

नेस्टर ने उत्तर दिया, “टाइडियस के पुत्र, तुम्हारा क्या मतलब है?
हेक्टर चाहे जो भी कहे कि तुम कायर हो, ट्रोजन और डार्डानियन उस पर विश्वास नहीं करेंगे, और न ही उन शक्तिशाली योद्धाओं की पत्नियाँ, जिन्हें तुमने पराजित किया है।”
ऐसा कहकर उसने घोड़ों को युद्ध के मैदान के बीच से वापस मोड़ दिया, और
एक ऐसी चीख के साथ जो हवा को चीरती हुई निकल पड़ी, ट्रोजन और हेक्टर ने उन पर अपने तीर बरसा दिए। हेक्टर ने चिल्लाकर उससे कहा, 'टाइडियस के पुत्र, दानानियों ने अब तक तुम्हें भोजन, भोजन और शराब से भरे प्यालों के मामले में सम्मान दिया है। अब से वे तुम्हें तुच्छ समझेंगे, क्योंकि तुम एक स्त्री से बेहतर नहीं रह गए हो। चले जाओ, हे लड़की और कायर! तुम मेरी किसी भी प्रकार की हिचकिचाहट के कारण हमारी दीवारों को पार नहीं कर पाओगे; न ही तुम हमारी पत्नियों को अपने जहाजों में ले जा पाओगे, क्योंकि मैं तुम्हें अपने हाथों से मार डालूंगा।'
टाइडियस का पुत्र दुविधा में था कि अपने घोड़ों को वापस मोड़कर उससे युद्ध करे या नहीं। उसने तीन बार संदेह किया, और तीन बार इडा की ऊँचाइयों से ज़्यूस ने गर्जना की, जो ट्रोजनों के लिए इस बात का संकेत था कि वह युद्ध का रुख उनके पक्ष में मोड़ देगा। तब हेक्टर ने उन्हें पुकारते हुए कहा, ‘ट्रोजन, लाइसियन और डार्डानियन, आमने-सामने की लड़ाई के शौकीनो, मेरे मित्रों, मर्द बनो और पूरी ताकत से लड़ो; मैं देखता हूँ कि ज़्यूस मुझे विजय और महान गौरव दिलाने पर तुला हुआ है, जबकि वह डैनियनों का विनाश करेगा। मूर्ख, जिन्होंने यह कमज़ोर और बेकार दीवार बनाने का सोचा। यह मेरे क्रोध को नहीं रोक पाएगी; मेरे घोड़े उनकी खाई को आसानी से पार कर जाएँगे, और जब मैं उनके जहाजों के पास पहुँचूँ तो मुझे आग लाना न भूलें ताकि मैं उन्हें जला सकूँ, जबकि मैं आर्गिव्स का संहार करूँगा जो धुएँ से स्तब्ध और भ्रमित हो जाएँगे।’
फिर उसने अपने घोड़ों से कहा, ‘ज़ैंथस और पोडार्गस, और तुम एथन और सुंदर लैम्पस, अब मुझे अपने भरण-पोषण का और उस मीठे-मीठे अनाज का भुगतान करो जो महान एटियन की पुत्री एंड्रोमाचे ने तुम्हें खिलाया है, और उस तरीके का भी जिससे उसने तुम्हारे लिए पानी और शराब मिलाकर पीने को तैयार किया है, यहाँ तक कि मेरे लिए भी नहीं, जो उसका अपना पति हूँ। जल्दी से पीछा करो, ताकि हम नेस्टर की ढाल ले सकें, जिसकी प्रसिद्धि स्वर्ग तक पहुँचती है, क्योंकि वह

ठोस सोने की है, बाजूबंद समेत, और ताकि हम डायोमेड के कंधों से वह कवच उतार सकें जो वल्कन ने उसके लिए बनाया था। अगर हम ये दोनों चीजें ले लें, तो अचेयन लोग उसी रात अपने जहाजों में सवार होकर निकल पड़ेंगे।’
उसने इस प्रकार शेखी बघारी, परन्तु रानी जूनो ने क्रोध से कांपते हुए अपने सिंहासन से ऊंचे ओलंपस को थर्रा दिया। फिर उसने शक्तिशाली देवता नेप्च्यून से कहा, ‘अब क्या, हे भूकंप के विशाल स्वामी? क्या तुम्हें मरते हुए दानानों के लिए कोई दया नहीं है, जो हेलिस और एगे को अनेक भेंट चढ़ाते हैं? तो फिर उनकी भलाई की कामना करो। यदि हम सब जो दानानों के साथ हैं, ट्रोजनों को खदेड़ दें और बृहस्पति को उनकी सहायता करने से रोकें, तो उसे इडा पर अकेले उदास बैठना पड़ेगा।’
राजा नेप्च्यून बहुत परेशान हुए और उन्होंने उत्तर दिया, 'जूनो, तुम उतावली हो, तुम क्या कह रही हो? हम अन्य देवताओं को बृहस्पति के विरुद्ध नहीं खड़ा होना चाहिए, क्योंकि वह हमसे कहीं अधिक शक्तिशाली है।'
इस प्रकार वे बातचीत कर रहे थे; लेकिन खाई से घिरे पूरे क्षेत्र में, जहाजों से लेकर दीवार तक, घोड़े और योद्धा भरे हुए थे, जिन्हें प्रियम के पुत्र हेक्टर ने वहाँ रोक रखा था, क्योंकि अब बृहस्पति का हाथ उसके साथ था। वह जहाजों में आग लगाकर उन्हें जला भी देता, यदि रानी जूनो ने एगामेम्नन को प्रेरित न किया होता कि वह सक्रिय हो और अचेयनों का हौसला बढ़ाए। इसी उद्देश्य से वह एक बड़ा बैंगनी चोला लेकर जहाजों और तंबुओं के चारों ओर घूमा और यूलिसिस के विशाल काले जहाज के पास खड़ा हो गया, जो सभी जहाजों के बीचोंबीच था; यहीं से उसकी आवाज सबसे दूर तक सुनाई देती, एक तरफ टेलामोन के पुत्र एजैक्स के तंबुओं तक और दूसरी तरफ अकिलीज़ के तंबुओं तक – क्योंकि ये दोनों वीर, अपनी शक्ति के प्रति पूर्ण रूप से आश्वस्त होकर, वीरतापूर्वक अपने जहाजों को पंक्ति के दोनों सिरों पर खड़ा कर चुके थे। फिर इसी स्थान से, दूर तक सुनाई देने वाली आवाज़ में, उसने दानानों को पुकारते हुए कहा, “आर्गिवों, तुम कायर प्राणियों पर धिक्कार है, जो केवल दिखावे के बहादुर हो; अब हमारे वो दावे कहाँ गए कि हम विजयी होंगे – वो दावे जो हमने लेम्नोस में बड़े घमंड से किए थे, जब हमने सींग वाले पशुओं का मांस खाया था और अपने बर्तन लबालब भर लिए थे? तुमने कसम खाई थी कि तुममें से प्रत्येक सौ या दो सौ पुरुषों का सामना करेगा, और अब तुम एक का भी मुकाबला नहीं कर सकते – हेक्टर का, जो जल्द ही हमारे जहाजों को आग लगा देगा। हे पिता

बृहस्पति, क्या आपने कभी किसी महान राजा को इतना बर्बाद किया और उसकी महानता को पूरी तरह से छीन लिया? फिर भी, जब मैं बड़े दुख के साथ यहाँ आ रहा था, तो मैंने अपने जहाज को तुम्हारी वेदियों के पास से तब तक नहीं गुजरने दिया जब तक कि मैंने प्रत्येक वेदी पर बछिया की चर्बी और जांघ की हड्डियाँ अर्पित नहीं कीं, क्योंकि मैं ट्रॉय शहर को लूटने के लिए इतना उत्सुक था।” तो मेरी यह प्रार्थना सुनिए - कम से कम हमें अपनी जान बचाकर भागने दीजिए, और अचियनों को ट्रोजनों द्वारा इस प्रकार बुरी तरह पराजित न होने दीजिए। इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और पिता बृहस्पति ने उसके आँसुओं पर दया करते हुए उसे आश्वासन दिया कि उसके लोग जीवित रहेंगे, मरेंगे नहीं; तुरंत ही उन्होंने उनके पास एक चील भेजी, जो सभी पक्षियों में सबसे अचूक शगुन मानी जाती है, जिसके पंजों में एक हिरण का बच्चा था; चील ने उस वेदी के पास हिरण के बच्चे को गिरा दिया जिस पर अचेयन लोग शकुनों के देवता बृहस्पति को बलि चढ़ाते थे; इसलिए, जब लोगों ने देखा कि पक्षी बृहस्पति की ओर से आया है, तो वे ट्रोजनों पर और भी उग्रता से टूट पड़े और अधिक साहस से लड़े।
उस समय दानावासियों में से कोई भी इतना गर्व नहीं कर सकता था कि उसने अपने घोड़ों को खाई के ऊपर से दौड़ाकर टाइडियस के पुत्र से पहले युद्ध में भाग लिया हो; किसी और के ऐसा करने से बहुत पहले ही उसने ट्रोजन के एक सशस्त्र योद्धा, फ्रादमोन के पुत्र एगेलॉस को मार डाला। भागते समय उसने अपने घोड़ों को मोड़ दिया था, लेकिन भाला उसकी पीठ पर कंधों के बीचोंबीच लगा और सीधे उसकी छाती को भेद गया, और जब वह अपने रथ से आगे की ओर गिरा तो उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर बिखर गया।
उसके बाद एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन और मेनेलास आए, वीरता से परिपूर्ण दो अयाक्स, हत्यारी मार्स के समकक्ष इडोमेनियस और उसका साथी मेरियोनेस, और यूएमन का वीर पुत्र यूरिपिलस। नौवें स्थान पर ट्यूसर अपने घोड़े के साथ आया और टेलामोन के पुत्र अयाक्स की ढाल के नीचे आ गया। जब अयाक्स अपनी ढाल उठाता, तो ट्यूसर चारों ओर देखता और जब वह भीड़ में किसी को भी मारता, तो वह व्यक्ति मर जाता; फिर ट्यूसर एक बच्चे की तरह अपनी माँ के पास वापस अयाक्स के पास दौड़ता और फिर से उसकी ढाल के नीचे छिप जाता। वीर ट्यूसर ने सबसे पहले ट्रोजनों में से किसे मारा? ओरसिलोचस को, फिर ओर्मेनस और ओफेलेस्टेस को, डेटर, क्रोमियस को, और देवतुल्य लाइकोफोंटेस को, पोलियामोन के पुत्र अमोपाओन को, और मेलानिप्पस को। उसने बारी-बारी से

इन सभी को मार गिराया, और राजा एगामेम्नन उसे अपने शक्तिशाली धनुष से ट्रोजनों का विनाश करते देखकर प्रसन्न हुआ। वह उसके पास गया और बोला, ‘ट्यूसर, हे मेरे प्रिय पुरुष, तेलमोन के पुत्र, सेनापति, आगे बढ़ो, और दानानों के उद्धारक और अपने पिता तेलमोन की महिमा बनो, जिन्होंने तुम्हें पाला-पोसा और बचपन में अपने घर में तुम्हारी देखभाल की, भले ही तुम नाजायज संतान थे। भले ही वह दूर हो, उसे महिमा से भर दो; मैं वादा करता हूँ और उसे अवश्य पूरा करूँगा; यदि देवता जूपिटर और मिनर्वा मुझे इलियस शहर को लूटने की अनुमति दें, तो मेरे बाद आपको सम्मान का दूसरा सबसे अच्छा पुरस्कार मिलेगा - एक तिपाई, या रथ सहित दो घोड़े, या एक स्त्री जो आपके साथ बिस्तर पर जाएगी।
और ट्यूसर ने उत्तर दिया, 'एट्रियस के परम पूज्य पुत्र, आपको मुझे
आग्रह करने की आवश्यकता नहीं है; जिस क्षण से हमने उन्हें इलियस की ओर खदेड़ना शुरू किया है, तब से मैं अपनी पूरी शक्ति से ऐसे पुरुषों की तलाश में लगा हुआ हूँ जिन्हें मैं गोली मारकर मार सकूँ; मैंने आठ तीर चलाए हैं, और वे सभी योद्धा युवकों के शरीर में धंस गए हैं, लेकिन इस पागल कुत्ते को मैं भेद नहीं पा रहा हूँ।'
बोलते-बोलते उसने एक और तीर सीधे हेक्टर की ओर चलाया, क्योंकि वह उसे मारना ही चाहता था; फिर भी तीर चूक गया और प्रियम के वीर पुत्र गोरगिथियन की छाती में जा लगा। उसकी माता, सुंदर कैस्टियानेरा, जो किसी देवी के समान आकर्षक थी, का विवाह ऐसिम से हुआ था, और अब वह वसंत ऋतु में बारिश से झुके हुए खिले हुए खसखस के फूल की तरह अपना सिर झुकाए बैठा था – ठीक इसी तरह अपने हेलमेट के भार से उसका सिर भारी हो गया था।
उसने फिर से हेक्टर पर निशाना साधा, क्योंकि वह उसे मारना चाहता था, और फिर से उसका तीर चूक गया, क्योंकि अपोलो ने उसे मोड़ दिया; लेकिन उसने हेक्टर के बहादुर सारथी आर्केप्टोलेमस की छाती पर, निप्पल के पास, तीर मारा, जब वह पूरी ताकत से लड़ाई में आगे बढ़ रहा था। जैसे ही वह रथ से सिर के बल गिरा, घोड़े एक तरफ हट गए, और उसमें जान नहीं बची। हेक्टर अपने सारथी की मृत्यु से बहुत दुखी हुआ, लेकिन अपने सारे दुख के बावजूद उसने उसे वहीं पड़े रहने दिया, और पास ही खड़े अपने भाई सेबरियोनेस को लगाम पकड़ने का आदेश दिया। सेबरियोनेस ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। इसके बाद हेक्टर जोर से चिल्लाते हुए अपने रथ से जमीन पर कूदा, और एक बड़ा पत्थर उठाकर सीधे

ट्यूसर की ओर उसे जान से मारने के इरादे से बढ़ा। ट्यूसर ने अभी-अभी अपने तरकश से एक तीर निकाला था और उसे धनुष की डोरी पर रखा था, लेकिन जैसे ही वह निशाना साध रहा था और डोरी को अपने कंधे पर खींच रहा था, हेक्टर ने उसे नुकीले पत्थर से मार डाला; उसने ठीक उस जगह पर वार किया जहाँ गर्दन और छाती को अलग करने वाली कॉलरबोन होती है, जो कि एक बेहद घातक जगह है, और उसकी बांह की नस तोड़ दी जिससे उसकी कलाई बेजान हो गई, और जैसे ही वह घुटनों के बल आगे गिरा, उसके हाथ से धनुष गिर गया। एजैक्स ने देखा कि उसका भाई गिर गया है, और उसकी ओर दौड़कर उस पर चढ़ गया और अपनी ढाल से उसे सहारा दिया। इसी बीच उसके दो भरोसेमंद सहायक, एचियस का पुत्र मेसिस्टियस और अलास्टोर, वहाँ पहुँचे और उसे दर्द से कराहते हुए जहाज तक ले गए।
अब बृहस्पति ने ट्रोजनों का हौसला फिर से बढ़ा दिया, और हेक्टर के नेतृत्व में उन्होंने अचेयनों को उनकी गहरी खाई में खदेड़ दिया। जैसे कोई शिकारी कुत्ता जंगली सूअर या शेर का पीछा करते समय उसकी कमर या नितंब को पकड़ लेता है और उसके पलटने पर सतर्क रहता है, वैसे ही हेक्टर अचेयनों के पीछे-पीछे चल रहा था, और जैसे ही वे घबराकर आगे भागते, वह पीछे रह जाने वालों को मारता चला गया। जब वे खंभों और खाई को पार कर गए और कई अचेयन ट्रोजनों के हाथों मारे गए, तो वे अपने जहाजों पर रुके, एक-दूसरे को पुकारते हुए और हर कोई देवताओं से प्रार्थना करते हुए तुरंत प्रार्थना करने लगा; लेकिन हेक्टर अपने घोड़ों को इधर-उधर घुमाता रहा, उसकी आँखें गोरगो या खूंखार मंगल की तरह चमक रही थीं।
जब जूनो ने उन्हें देखा तो उसे उन पर दया आ गई और उसने तुरंत मिनर्वा से कहा, “हे एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की संतान, क्या हम दोनों मरते हुए दानानों के लिए अब और चिंता नहीं करेंगे, भले ही यह हमारा आखिरी समय हो? देखो, वे कैसे नष्ट हो रहे हैं और एक अकेले आदमी के आने से पहले ही उनका बुरा अंत हो रहा है। प्रियम का पुत्र हेक्टर असहनीय क्रोध से भरा हुआ है और पहले ही बहुत नुकसान कर चुका है।”
मिनर्वा ने उत्तर दिया, “काश, यह व्यक्ति अपने ही देश में मरता और
अचेयनों के हाथों मारा जाता; लेकिन मेरे पिता ज़्यूस क्रोध से पागल हैं, हमेशा मुझे नाकाम करते हैं, हमेशा जिद्दी और अन्यायी हैं। वे भूल गए हैं कि मैंने कितनी बार उनके बेटे की जान बचाई थी जब वह यूरिस्टियस द्वारा दिए गए परिश्रम से थक गया था। वह तब तक रोता रहता था जब तक उसकी चीख स्वर्ग तक

नहीं पहुँच जाती, और तब ज़्यूस मुझे उसकी मदद के लिए भेजता था; अगर मुझे यह सब पहले से पता होता, जब यूरिस्टियस ने उसे एरेबस से नरक के कुत्ते को लाने के लिए हेड्स के घर भेजा था, तो वह स्टिक्स नदी के गहरे पानी से कभी जीवित वापस नहीं आता। और अब ज़्यूस मुझसे नफरत करता है, जबकि वह थेतिस को उसकी मनमानी करने देता है क्योंकि उसने उसके घुटनों को चूमा था और उसकी दाढ़ी पकड़ी थी, जब वह उससे अकिलीज़ का सम्मान करने की विनती कर रही थी।” अगली बार जब वह मुझे अपनी 'भूरी आँखों वाली प्रेमिका' कहकर पुकारेगा, तो मुझे पता होगा कि क्या करना है। हमारे घोड़ों को तैयार करो, जबकि मैं एजिस धारण किए हुए बृहस्पति के घर में जाकर अपना कवच पहन लूँ; तब हमें पता चलेगा कि क्या प्रियम का पुत्र हेक्टर युद्ध के मैदान में हमसे मिलने के लिए प्रसन्न होगा, या क्या ट्रोजन लोग अचेयनों के जहाजों के पास मृत पड़े उनके मांस की चर्बी से कुत्तों और गिद्धों का पेट भरेंगे।
इस प्रकार उसने कहा और महान शनि की पुत्री, श्वेत भुजाओं वाली जूनो ने उसकी बात मानी; उसने अपने सोने से सजे घोड़ों को जोतना शुरू किया, जबकि एजिस धारण किए हुए बृहस्पति की पुत्री मिनर्वा ने अपने हाथों से बुनी हुई अपनी अलंकृत वस्त्र अपने पिता के द्वार पर फेंक दी और बृहस्पति का वस्त्र पहनकर युद्ध के लिए तैयार हो गई। फिर वह अपने प्रज्वलित रथ में सवार हुई और उस भाले को थाम लिया जिससे वह उन वीरों को पराजित करती है जिन्होंने उसे अप्रसन्न किया है। जूनो ने अपने घोड़ों को चाबुक मारा और स्वर्ग के द्वार स्वतः खुल गए – वे द्वार जिन पर घंटे विराजमान हैं, जिनके हाथों में स्वर्ग और ओलंपस हैं, जो या तो उन्हें छुपाने वाले घने बादल को खोलते हैं या उसे बंद करते हैं। इन्हीं द्वारों से देवियाँ अपने आज्ञाकारी घोड़ों को लेकर गुज़रीं।
लेकिन पिता बृहस्पति ने जब उन्हें इडा से देखा तो वे बहुत क्रोधित हुए
और उन्होंने पंखों वाली आइरिस को उनके पास संदेश देकर भेजा। उन्होंने कहा, “जाओ, तेज आइरिस, उन्हें वापस भेज दो और ध्यान रखो कि वे मेरे पास न आएं, क्योंकि अगर हम युद्ध में उतरे तो बहुत बड़ी विपत्ति आएगी। मैं यही कहता हूं और यही करने वाला हूं। मैं उनके घोड़ों को लंगड़ा कर दूंगा; मैं उन्हें उनके रथ से गिरा दूंगा और उसे टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा। मेरी बिजली से लगे घावों को भरने में उन्हें पूरे दस साल लगेंगे; तब मेरी धूसर आंखों वाली बेटी को पता चलेगा कि अपने पिता से झगड़ा करने का क्या मतलब होता है। मैं

जूनो से कम आश्चर्यचकित और क्रोधित हूं, क्योंकि मैं जो भी कहता हूं, वह हमेशा मेरा खंडन करती है।”
इसके साथ ही आइरिस हवा की तरह तेज गति से इडा की ऊंचाइयों से ओलंपस के ऊंचे शिखरों की ओर चल पड़ी। उसने उसकी कई घाटियों के बाहरी द्वारों पर देवियों से मुलाकात की और उन्हें अपना संदेश दिया। उसने कहा, ‘तुम क्या कर रही हो? क्या तुम पागल हो गई हो? शनि का पुत्र तुम्हें जाने से मना करता है। वह कहता है और वह यही करने वाला है, वह तुम्हारे घोड़ों को लंगड़ा कर देगा, तुम्हें तुम्हारे रथ से गिरा देगा और उसे टुकड़े-टुकड़े कर देगा। उसकी बिजली से तुम्हें जो घाव लगेंगे, उन्हें भरने में तुम्हें पूरे दस साल लगेंगे, ताकि तुम, धूसर आंखों वाली देवी, यह सीख सको कि अपने पिता से झगड़ा करने का क्या मतलब होता है। वह जूनो से कम आहत और क्रोधित है, क्योंकि वह जो कुछ भी कहता है, जूनो हमेशा उसका खंडन करती है – लेकिन तुम, निर्भीक स्त्री, क्या तुम सच में बृहस्पति के खिलाफ अपना विशाल भाला उठाने की हिम्मत करोगी?’
इतना कहकर वह उन्हें छोड़कर चली गई, और जूनो ने मिनर्वा से कहा, “सचमुच,
हे एजिस धारण करने वाले बृहस्पति की संतान, मैं बृहस्पति की अवज्ञा में मनुष्यों के युद्ध लड़ने के पक्ष में नहीं हूँ। उन्हें जीने या मरने दो, जैसा भाग्य चाहे, और बृहस्पति ट्रोजन और दानानों पर अपनी इच्छा अनुसार दंड दे।”
उसने अपने घोड़ों को मोड़ा; देवियों ने तुरंत उन्हें जुए से मुक्त
किया, उन्हें उनके अमृतमय चरनी में बांधा और रथ को आंगन की अंतिम दीवार से टिका दिया। फिर दोनों देवियाँ अन्य देवताओं के बीच अपने स्वर्ण सिंहासनों पर बैठ गईं; लेकिन वे बहुत क्रोधित थीं।
उसी क्षण पिता जोव अपना रथ लेकर ओलंपस पहुंचे और देवताओं की सभा में प्रवेश किया। भूकंप के शक्तिशाली स्वामी ने उनके लिए घोड़ों को खोल दिया, रथ को उसके स्टैंड पर खड़ा किया और उस पर एक कपड़ा डाल दिया। फिर जोव अपने स्वर्ण सिंहासन पर बैठ गए और ओलंपस उनके नीचे कांप उठा। मिनर्वा और जूनो जोव से अलग अकेली बैठी थीं, न तो उन्होंने कुछ कहा और न ही उनसे कोई प्रश्न पूछा, लेकिन जोव उनकी बात समझ गए और बोले, 'मिनर्वा और जूनो, तुम इतनी क्रोधित क्यों हो? क्या तुम अपने इतने प्रिय मित्र ट्रोजनों को मारते- मारते थक गई हो? चाहे जो भी हो, मेरे हाथों की शक्ति इतनी है कि ओलंपस के

सभी देवता भी मुझे विचलित नहीं कर सकते; तुम दोनों युद्ध और उसके भयानक कृत्यों को देखने से पहले ही कांप रही थीं। इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ - और ऐसा निश्चित रूप से होता - कि मैं तुम पर बिजली गिरा देता, और तुम्हारे रथ तुम्हें कभी ओलंपस वापस नहीं ला पाते।'
मिनर्वा और जूनो अगल-बगल बैठी ट्रोजनों के लिए बुराइयों की कल्पना
करते हुए मन ही मन दुखी हो रही थीं। मिनर्वा चुपचाप बैठी रही, क्योंकि वह अपने पिता के प्रति घोर क्रोधित थी; परन्तु जूनो अपने आप को रोक नहीं पाई और बोली, ‘हे शनि के भयानक पुत्र, तुम क्या कह रहे हो? हम जानते हैं कि तुम्हारी शक्ति कितनी महान है, फिर भी हमें दाना के उन योद्धाओं पर दया आती है जो मर रहे हैं और जिनका अंत बुरा हो रहा है। यद्यपि, जैसा कि तुमने हमें आदेश दिया है, हम सीधे युद्ध नहीं करेंगे, परन्तु हम अर्गिव्स को उपयोगी सुझाव देंगे, ताकि वे सब तुम्हारी क्रोध में नष्ट न हो जाएँ।’
और बृहस्पति ने उत्तर दिया, “कल सुबह, जूनो, यदि तुम चाहो तो शनि के
पुत्र को अर्गिव्स की बड़ी संख्या का नाश करते हुए देखोगी, क्योंकि भयंकर हेक्टर तब तक लड़ना बंद नहीं करेगा जब तक वह पेलेयस के पुत्र को जगा न दे, जब वे पैट्रोक्लस के शव के चारों ओर अपने जहाजों के पिछले हिस्से में भयंकर युद्ध कर रहे होंगे। चाहे तुम्हें पसंद हो या न हो, यही नियति है; मुझे परवाह नहीं, तुम पृथ्वी और समुद्र की सबसे निचली गहराइयों में जा सकती हो, जहाँ इपेटस और शनि एकांत टारटेरस में रहते हैं, जहाँ उन्हें खुश करने के लिए न तो प्रकाश की किरण है और न ही हवा का झोंका। तुम वहाँ पहुँचने तक चलती रहो, और मुझे तुम्हारी नाराज़गी की ज़रा भी परवाह नहीं होगी; तुम सबसे महान लोमड़ी हो।”
जूनो ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया। सूर्य का शानदार गोला अब ओशेनस में
डूब गया और धरती पर रात छा गई। ट्रोजन लोग सचमुच दुखी थे जब प्रकाश उनके हाथ से निकल गया, लेकिन अचियन लोगों पर छाए अंधेरे का उन्होंने स्वागत किया और उसके लिए तीन बार प्रार्थना की।
फिर हेक्टर ट्रोजनों को जहाजों से वापस ले आया और नदी के पास खुले
मैदान में, जहाँ लाशों का ढेर नहीं था, एक सभा आयोजित की। उन्होंने अपने रथ छोड़ दिए और हेक्टर का भाषण सुनने के लिए ज़मीन पर बैठ गए। उसने ग्यारह हाथ लंबा एक भाला पकड़ा हुआ था, जिसका पीतल का सिरा सामने से चमक रहा था, जबकि भाले के शीर्ष के चारों ओर का छल्ला सोने का था। हाथ में भाला लिए उसने

शराब और अनाज भी लाए और बहुत सी लकड़ी इकट्ठा की। फिर उन्होंने देवताओं को निर्मल बलि चढ़ाई, और हवा बलिदान की मीठी सुगंध को स्वर्ग तक ले गई - लेकिन धन्य देवताओं ने इसे ग्रहण नहीं किया, क्योंकि वे इलियस और प्रियम तथा प्रियम के लोगों से घोर घृणा करते थे। इस प्रकार आशा से भरे वे पूरी रात युद्ध के राजमार्गों पर बैठे रहे और उन्होंने कई आग जलाईं। जैसे जब तारे स्पष्ट रूप से चमकते हैं और चंद्रमा उज्ज्वल होता है - हवा का एक झोंका भी नहीं, कोई चोटी, मैदान या उभरा हुआ टीला नहीं, जो आकाश की शांति से फूटने वाली अकथनीय चमक में न चमकता हो; सभी तारों के बारे में बताया जा सकता है और चरवाहे का हृदय प्रसन्न होता है – ठीक इसी प्रकार, जहाजों और ज़ैंथस नदी के बीच इलियस के सामने ट्रोजनों की अग्नि-दीक्षाएँ चमक रही थीं। मैदान पर हज़ारों अलाव जगमगा रहे थे, और प्रत्येक अलाव की रोशनी में पचास आदमी बैठे थे, जबकि घोड़े अपने रथों के पास जई और अनाज चरते हुए भोर होने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

4. ‘उसका बेटा’ हरक्यूलिस का संदर्भ है।

पुस्तक 9

अकिलीज़ के लिए दूतावास। इस प्रकार ट्रोजन देखते रहे। परन्तु रक्तपात के साथी भय ने अचेयनों को जकड़ लिया था, और उनके सभी राजकुमार हताश थे। जैसे थ्रेस से बहने वाली दो हवाएँ - उत्तर और उत्तर-पश्चिम - अचानक चलती हैं और समुद्र के प्रचंड प्रवाह को जगा देती हैं - पल भर में काली लहरें अपना सिर उठाती हैं और अपने समुद्री कचरे को चारों दिशाओं में बिखेर देती हैं - ठीक इसी प्रकार अचेयनों के हृदय व्याकुल थे।
अत्रेस के पुत्र ने हताश होकर दूतों को आदेश दिया कि वे लोगों को एक-एक करके सभा में बुलाएँ, लेकिन इस बात को ज़ोर से न कहें; वह स्वयं भी जल्दी से लोगों को बुलाने गया, और वे सब अपने-अपने सभा में दुखी मन से बैठे रहे। एगामेम्नन के आँसू ऐसे बह रहे थे मानो किसी ऊँची चट्टान से कोई जलप्रपात बह रहा हो; और इस प्रकार, कई गहरी आहें भरते हुए उसने अचेयनों से कहा, ‘मेरे मित्रों, आर्गीवों के राजकुमारों और सलाहकारों, मुझ पर ईश्वर का भारी हाथ पड़ा है। क्रूर बृहस्पति ने मुझे यह गंभीर वचन दिया था कि मैं लौटने से पहले ट्रॉय शहर को लूट लूँगा, लेकिन उसने मेरे साथ विश्वासघात किया है, और अब मुझे बहुत से लोगों की हानि के साथ अपमानजनक रूप से आर्गोस लौटने का आदेश दे रहा है। यही बृहस्पति की इच्छा है, जिसने कई गौरवशाली शहरों को धूल में मिला दिया है और वह आगे भी कई शहरों को मिलाएगा, क्योंकि उसकी शक्ति सर्वोपरि है। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें और अपने देश लौट चलें, क्योंकि हम ट्रॉय पर विजय प्राप्त नहीं कर पाएँगे।’
इस प्रकार उसने कहा, और अकेयन वंश के पुत्र बहुत देर तक वहाँ दुखी होकर बैठे रहे, परन्तु वे सब चुप रहे, अंत में जब तक कि ऊँचे युद्धघोष वाले डायोमेड ने उत्तर देते हुए कहा, ‘एट्रियस के पुत्र, मैं तुम्हारी मूर्खता पर प्रहार करूँगा, जैसा कि परिषद में मेरा अधिकार है। इसलिए इस बात से दुखी मत हो कि मैं ऐसा कर रहा हूँ। सबसे पहले तो तुमने सभी दानानों के सामने मुझ पर आक्रमण किया और कहा कि मैं कायर और सैनिक नहीं हूँ। अर्गिव वंश के युवा

और वृद्ध सभी जानते हैं कि तुमने ऐसा किया। परन्तु षड्यंत्रकारी शनि के पुत्र ने तुम्हें आधा ही वरदान दिया। उसने तुम्हें हम पर प्रधान शासक के रूप में सम्मान तो दिया, परन्तु वीरता, जो सर्वोच्च अधिकार और शक्ति है, वह तुम्हें नहीं दी। महोदय, क्या आप सोचते हैं कि अकेयन वंश के पुत्र वास्तव में उतने ही निर्दयी और कायर हैं जितना आप कहते हैं? यदि तुम्हारा मन घर लौटने का है – तो जाओ – मार्ग तुम्हारे लिए खुला है; माइसीन से तुम्हारे पीछे आए अनेक जहाज समुद्र तट पर खड़े हैं; लेकिन हम बाकी लोग तब तक यहीं रहेंगे जब तक हम ट्रॉय को लूट नहीं लेते। बल्कि, भले ही ये लोग भी अपने जहाजों के साथ घर लौट जाएं, स्टेनेलस और मैं तब तक लड़ते रहेंगे जब तक हम इलियस के लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते, क्योंकि जब हम आए थे तब स्वर्ग हमारे साथ था।
डायोमेड के शब्दों पर अचेयन वंश के पुत्रों ने तालियाँ बजाईं, और फिर नेस्टर बोलने के लिए उठे। उन्होंने कहा, “टाइडियस के पुत्र, युद्ध में तुम्हारी वीरता निर्विवाद है, और परिषद में तुम अपने हम उम्र के सभी लोगों से श्रेष्ठ हो; अचेयन वंश का कोई भी व्यक्ति तुम्हारी बातों को न तो हल्के में ले सकता है और न ही उनका खंडन कर सकता है, लेकिन तुमने अभी तक पूरी बात नहीं समझी है। तुम अभी युवा हो – तुम मेरे अपने बच्चों में सबसे छोटे हो सकते हो – फिर भी तुमने बुद्धिमानी से बात की है और अचेयन वंश के मुखिया को विवेकपूर्ण सलाह दी है; फिर भी मैं तुमसे बड़ा हूँ और मैं तुम्हें सब कुछ बताऊँगा; इसलिए कोई भी, यहाँ तक कि राजा अगामेम्नन भी, मेरी बात को अनसुना न करे, क्योंकि जो कोई भी गृहयुद्ध भड़काता है वह कबीले से विमुख, घर से विमुख अपराधी है।”
अब, चलो रात के संकेतों का पालन करें और अपना भोजन करें, लेकिन सभी पहरेदार दीवार के बाहर वाली खाई में डेरा डालें। मैं ये निर्देश नौजवानों को दे रहा हूँ; जब उनका काम हो जाए, तो हे अत्रेस के पुत्र, तुम अपने आदेश दो, क्योंकि तुम हम सब में सबसे राजसी हो। अपने सलाहकारों के लिए दावत तैयार करो; ऐसा करना उचित और तर्कसंगत है; तुम्हारे तम्बुओं में प्रचुर मात्रा में शराब है, जो अचेयनों के जहाज़ थ्रेस से प्रतिदिन लाते हैं। तुम्हारे पास मेहमानों के सत्कार के लिए सब कुछ है, और तुम्हारी प्रजा भी बहुत है। जब बहुत से लोग इकट्ठा होते हैं, तो सबसे बुद्धिमान व्यक्ति की सलाह से मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है - और हमें चतुर और विवेकपूर्ण

सलाह की सख्त ज़रूरत है, क्योंकि दुश्मन ने हमारे जहाज़ों के पास ही अपनी निगरानी के लिए आग जला रखी है। कौन भयभीत नहीं होगा? यह रात या तो हमारी सेना का विनाश करेगी, या उसे बचाएगी।
उसने ऐसा कहा, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। सेनापति नेस्टर के पुत्र थ्रेसिमेडेस और वीर योद्धा अस्कालाफस और इयालमेनस के नेतृत्व में पहरेदार कवच पहनकर निकले। उनके साथ मेरियोनेस, अफारेस और डेपायरस तथा क्रेयन का पुत्र, कुलीन लाइकोमेडेस भी थे। पहरेदारों के सात सेनापति थे, और प्रत्येक के साथ सौ भाले लिए हुए युवक थे। उन्होंने खाई और दीवार के बीचोंबीच अपनी-अपनी जगह ले ली, और ऐसा करने के बाद उन्होंने आग जलाई और प्रत्येक व्यक्ति ने अपना भोजन किया।
तब अत्रेस के पुत्र ने अचेयन जनजाति के कई सलाहकारों को अपने आवास पर बुलाया और उनके सम्मान में एक भव्य भोज का आयोजन किया। उन्होंने अपने सामने रखी स्वादिष्ट वस्तुओं का आनंद लिया और जैसे ही उनका पेट भर गया, सबसे पहले बूढ़े नेस्टर ने, जिनकी सलाह सदा सत्यनिष्ठा से भरी होती थी, अपने विचार उनके समक्ष रखे। उन्होंने पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उन्हें इस प्रकार संबोधित किया।
हे अत्रेस के परम पूज्य पुत्र, मनुष्यों के राजा, अगामेम्नन, मैं अपने भाषण की शुरुआत और अंत आपसे ही करूँगा, क्योंकि आप असंख्य लोगों के राजा हैं। इसके अलावा, बृहस्पति ने आपको राजदंड धारण करने और धर्म का पालन करने का दायित्व सौंपा है, ताकि आप अपने अधीन प्रजा की चिंता कर सकें; इसलिए यह आपका कर्तव्य है कि आप स्वयं बोलें, सुनें और उस व्यक्ति की सलाह का पालन करें जिसने बुद्धिमानी से बोलने का निश्चय किया हो। सब कुछ आप पर और आपके आदेशों पर निर्भर करता है, इसलिए मैं वही कहूँगा जो मुझे सर्वोत्तम लगेगा। मेरे विचार से अधिक सत्यवादी कोई नहीं हो सकता, उस क्षण से जब आपने, महाराज, मेरी इच्छा के विरुद्ध ब्रिसिस कन्या को उसके तम्बू से ले जाकर अकिलीज़ को क्रोधित किया था। मैंने आपको ऐसा न करने के लिए कहा था, परन्तु आपने अपने अहंकार के आगे घुटने टेक दिए और उस वीर का अपमान किया जिसे स्वयं स्वर्ग ने सम्मानित किया था – क्योंकि वह पुरस्कार अभी भी आपके पास है जो उसे दिया गया था। अब हमें यह सोचना चाहिए कि हम उपहारों और मीठे शब्दों के माध्यम से उसे कैसे प्रसन्न कर सकते हैं, जिससे वह मान जाए।

और राजा अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “महोदय, आपने मेरी मूर्खता को ठीक ही फटकारा है। मैं गलत था। मैं इसे स्वीकार करता हूँ। जिसे स्वर्ग की कृपा प्राप्त होती है, वह स्वयं एक सेना होता है, और बृहस्पति ने अचेयनों के बहुत से लोगों का नाश करके यह दिखाया है कि वह इस व्यक्ति का मित्र है। मैं आवेश में अंधा हो गया था और अपने बुरे स्वभाव के आगे झुक गया था; इसलिए मैं प्रायश्चित करूँगा और उसे प्रायश्चित के रूप में बड़े उपहार दूँगा। मैं आप सबके सामने ये सब बताऊँगा। मैं उसे सात तिपाई दूँगा जो कभी आग पर नहीं तपी गई हैं, और दस टैलेंट सोना दूँगा। मैं उसे बीस लोहे के कड़ाहे और बारह बलवान घोड़े दूँगा जिन्होंने दौड़ें जीती हैं और पुरस्कार जीते हैं। वास्तव में, वह व्यक्ति भूमि और सोने दोनों में धनी है जिसके पास उतने ही पुरस्कार हैं जितने मेरे घोड़ों ने मुझे दिलाए हैं। मैं उसे सात उत्कृष्ट महिलाएँ दूँगा, लेस्बियन, जिन्हें मैंने स्वयं चुना था जब उसने लेस्बोस पर विजय प्राप्त की थी - सभी अत्यंत सुंदर हैं।” मैं उसे ये सब चीजें दूंगा, और उनके साथ उसे भी दूंगा जिसे मैंने कुछ समय पहले उससे छीन लिया था, ब्रिसियस की बेटी; और मैं बड़ी शपथ लेता हूँ कि मैं कभी उसके पलंग पर नहीं चढ़ा, और न ही मैंने पुरुषों और महिलाओं के तरीके से उसके साथ संबंध बनाए हैं।
‘ये सब चीजें मैं उसे अभी दे दूँगी, और यदि भविष्य में देवता मुझे
प्रियम के नगर को लूटने की कृपा करें, तो वह उस समय आए जब हम अचेयन लोग लूट का बंटवारा कर रहे हों, और अपने जहाज को अपनी पसंद के सोने और कांसे से भर ले; इसके अलावा, वह बीस ट्रोजन स्त्रियों को ले जाए, जो स्वयं हेलेन के बाद सबसे सुंदर हों। फिर, जब हम सभी देशों में सबसे धनी अचेयन आर्गोस पहुँचेंगे, तो वह मेरा दामाद होगा और मैं उसे अपने प्रिय पुत्र ओरेस्टेस के समान सम्मान दूँगी, जिसका पालन-पोषण भरपूर धन-संपन्नता से हो रहा है। मेरी तीन पुत्रियाँ हैं, क्रिसोटेमिस, लाओडिस और इफ़ियानासा, वह अपनी पसंद की किसी एक पुत्री को बिना किसी उपहार के, स्वेच्छा से पेलियस के घर ले जाए; मैं उसे इतना दहेज दूँगी जितना आज तक किसी पुरुष ने अपनी पुत्री को नहीं दिया, और उसे सात सुस्थापित नगर दूँगी, कार्डामाइल, एनोप और हायर, जहाँ घास है; पवित्र फेरे और एंथिया के समृद्ध मैदान; एपीया और पेदासस की अंगूर की लताओं से ढकी ढलानें, जो सभी समुद्र के निकट हैं और रेतीले पाइलोस की सीमाओं पर स्थित हैं। वहाँ रहने वाले लोग मवेशियों और भेड़ों से समृद्ध हैं; वे उसे देवता मानकर उपहारों से सम्मानित करेंगे और उसके सुखदायी

नियमों का पालन करेंगे। यदि वह अब अपना क्रोध त्याग दे, तो मैं यह सब करूँगा। उसे झुक जाना चाहिए - केवल पाताल लोक ही अत्यंत निर्दयी और अडिग है, और इसीलिए वह सभी देवताओं में सबसे घृणित है। इसके अलावा, मैं उससे अधिक प्राचीन और राजसी हूँ। इसलिए, उसे अब मेरी आज्ञा माननी चाहिए।
तब नेस्टर ने उत्तर दिया, “हे एट्रियस के परम पूज्य पुत्र, हे मनुष्यों
के राजा, अगामेम्नन। आप जो भेंट चढ़ा रहे हैं, वे छोटी नहीं हैं, इसलिए आइए हम चुने हुए दूतों को भेजें, जो बिना विलंब किए पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के तम्बू में जाएँ। जिनका नाम मैं बताऊँ, उन्हें जाने दें। ज़्यूस के प्रिय फ़ीनिक्स को आगे चलने दें; एजैक्स और यूलिसिस उनके पीछे चलें, और उनके साथ ओडियस और यूरीबेट्स दूत जाएँ। अब हमारे हाथों के लिए पानी लाओ, और सभी को चुप रहने का आदेश दो, जब हम शनि के पुत्र ज़्यूस से प्रार्थना करें, कि वह हम पर दया करे।”
उसने ऐसा कहा, और उसकी बात सबको बहुत अच्छी लगी। सेवकों ने मेहमानों के हाथों पर पानी डाला, जबकि सेवकों ने मदिरा और पानी के कटोरे भरकर प्रत्येक को उसकी भेंट देने के बाद बाँट दिए; फिर, जब उन्होंने अपनी भेंट चढ़ा दी और अपनी इच्छा अनुसार पी लिया, तो दूत एट्रियस के पुत्र एगामेम्नन के तंबू से निकल पड़े; और नेस्टर ने पहले एक-एक करके, लेकिन विशेष रूप से यूलिसिस की ओर देखते हुए, उनसे आग्रह किया कि वे पेलियस के इस महान पुत्र को मना लें। वे गरजते समुद्र के किनारे-किनारे आगे बढ़े और पृथ्वी को घेरे हुए नेपच्यून से प्रार्थना की कि ऐकस के पुत्र की उच्च आत्मा उन पर कृपा करे। जब वे मर्मिडोंस के जहाजों और तम्बुओं के पास पहुँचे, तो उन्होंने अकिलीज़ को एक सुंदर, कलात्मक ढंग से निर्मित वीणा बजाते हुए पाया, जिसका क्रॉस-बार चांदी का था। यह उस लूट का हिस्सा था जो उसने ईटियन शहर को लूटते समय प्राप्त की थी, और अब वह इससे अपना मनोरंजन कर रहा था और वीरों के कारनामों के गीत गा रहा था। वह पैट्रोक्लस के साथ अकेला था, जो उसके सामने बैठा था और कुछ नहीं बोल रहा था, उसके गाने के बंद होने का इंतजार कर रहा था। तभी यूलिसिस और एजैक्स अंदर आए - यूलिसिस आगे-आगे चल रहा था - और उसके सामने खड़े हो गए। अकिलीज़ वीणा हाथ में लिए अपनी सीट से उछल पड़ा, और पैट्रोक्लस भी अजनबियों को देखकर उठ खड़ा हुआ। तब अकिलीज़ ने उनका अभिवादन करते हुए कहा, 'आप सबका स्वागत है और आपको नमस्कार! आप लोग किसी महत्वपूर्ण मामले की

जानकारी देने आए होंगे, क्योंकि आप मेरे क्रोध के बावजूद भी अचियनों में मेरे सबसे प्रिय हैं।'
यह कहकर वह उन्हें आगे ले गया और उन्हें बैंगनी रंग के कालीनों से ढकी सीटों पर बैठने का आदेश दिया; फिर उसने अपने पास खड़े पेट्रोक्लस से कहा, 'मेनोटियस के पुत्र, मेज पर एक बड़ा कटोरा रखो, शराब में कम पानी मिलाओ और हर एक को उसका प्याला दो, क्योंकि ये मेरे बहुत प्रिय मित्र हैं, जो अब मेरे घर में ठहरे हुए हैं।'
पैट्रोक्लस ने अपने साथी के आदेश का पालन किया; उसने आग के सामने काटने का तख्ता रखा और उस पर एक भेड़ की कमर, एक बकरी की कमर और एक मोटे सूअर की जांघ रखी। ऑटोमेडन ने मांस को पकड़ रखा था जबकि अकिलीज़ उसे काट रहा था; फिर उसने टुकड़ों को काटकर सींकों पर लगा दिया, जबकि मेनोटियस के पुत्र ने आग को तेज़ कर दिया। जब आग धीमी हो गई, तो उसने अंगारों को फैलाया, सींकों को उनके ऊपर रखा, उन्हें उठाया और सींकों पर रख दिया; और उन पर नमक छिड़का। जब मांस भुन गया, तो उसने उसे थालियों में परोसा और सुंदर टोकरियों में मेज के चारों ओर रोटी बांटी, जबकि अकिलीज़ ने उन्हें उनके हिस्से दिए। फिर अकिलीज़ यूलिसिस के सामने वाली दीवार के पास बैठ गया और अपने साथी पैट्रोक्लस को देवताओं को बलि चढ़ाने के लिए कहा; इसलिए उसने बलि को आग में डाल दिया, और उन्होंने अपने सामने रखी हुई अच्छी चीजों पर हाथ रखे। जैसे ही उन्होंने पर्याप्त भोजन और पेय प्राप्त कर लिया, एजैक्स ने फीनिक्स को एक संकेत दिया, और जब उसने यह देखा, तो यूलिसिस ने अपना प्याला शराब से भर लिया और अकिलीज़ के प्रति निष्ठा की शपथ ली।
‘हे अकिलीज़,’ उसने कहा, ‘हमें न तो अगामेम्नन के तंबू में और न ही यहाँ भरपूर भोजन मिला है; खाने-पीने की कोई कमी नहीं है, पर हमारा ध्यान ऐसी किसी बात पर नहीं है। महाराज, हम एक बड़ी विपत्ति का सामना कर रहे हैं, और आपकी सहायता के बिना हम नहीं जानते कि हम अपने बेड़े को बचा पाएंगे या खो देंगे। ट्रोजन और उनके सहयोगी हमारे जहाजों और दीवार के पास डेरा डाले हुए हैं; उन्होंने अपनी पूरी सेना में आग जला रखी है और उन्हें लगता है कि अब कोई भी उन्हें हमारे बेड़े पर हमला करने से नहीं रोक सकता। इसके अलावा, बृहस्पति ने अपनी बिजली उनके दाहिनी ओर भेजी है; हेक्टर, अपने पूरे वैभव में, एक पागल की तरह क्रोधित है; उसे विश्वास है कि बृहस्पति उसके साथ है, इसलिए वह न तो ईश्वर से डरता है और न ही मनुष्य से, बल्कि वह पागलों की तरह

व्यवहार कर रहा है और दिन निकलने की प्रार्थना कर रहा है। वह कसम खाता है कि वह हमारे जहाजों के पिछले हिस्से को टुकड़े-टुकड़े कर देगा, उनके ढाँचों में आग लगा देगा, और जब अचेयन धुएँ में स्तब्ध और दम घुट रहे होंगे, तब उनका विनाश कर देगा; मुझे डर है कि स्वर्ग अपना घमंड पूरा करेगा और हमारा भाग्य यही होगा कि हम आर्गोस में अपने घर से दूर ट्रॉय में नष्ट हो जाएँ। इसलिए, देर हो चुकी है, फिर भी उठो और ट्रोजन के प्रकोप से विकराल वंश के उन लोगों को बचाओ जो कमजोर पड़ रहे हैं। अगर तुमने ऐसा नहीं किया तो बाद में तुम्हें बहुत पछतावा होगा, क्योंकि एक बार नुकसान हो जाने पर उसे ठीक करना असंभव होगा; इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, विचार करो और दानान वंश को विनाश से बचाओ।
मेरे प्रिय मित्र, जब तुम्हारे पिता पेलेयस ने तुम्हें फथिया से अगामेम्नन के पास भेजा था, तो क्या उन्होंने तुम्हें यह आज्ञा नहीं दी थी, “पुत्र, मिनर्वा और जूनो तुम्हें बलवान बना देंगी, परन्तु अपने क्रोध पर नियंत्रण रखो, क्योंकि सद्भाव में ही सफलता है। व्यर्थ के झगड़े मत करो, और ऐसा करने से अचेयन लोग, चाहे वे जवान हों या बूढ़े, तुम्हारा और अधिक आदर करेंगे।” ये उनके शब्द थे, परन्तु तुम इन्हें भूल गए हो। फिर भी, अब शांत हो जाओ और अपना क्रोध त्याग दो। यदि तुम अगामेम्नन को क्षमा कर दोगे, तो वह तुम्हें बहुत कुछ देगा; सुनो, मैं तुम्हें बताता हूँ कि उसने अपने तम्बू में क्या कहा है कि वह तुम्हें क्या देगा। वह तुम्हें सात तिपाई देगा जो कभी आग पर नहीं रखी गई हैं, और दस टैलेंट सोना; बीस लोहे के कड़ाहे, और बारह बलवान घोड़े जो दौड़ें जीत चुके हैं और पुरस्कार ला चुके हैं। वास्तव में, वह व्यक्ति भूमि और सोने में धनी है जिसके पास उतने ही पुरस्कार हैं जितने इन घोड़ों ने अगामेम्नन के लिए जीते हैं। इसके अलावा, वह तुम्हें सात उत्कृष्ट महिलाएँ देगा, जो लेस्बियन हैं, जिन्हें उसने स्वयं चुना था जब तुमने लेस्बोस पर विजय प्राप्त की थी - वे सभी अत्यंत सुंदर हैं। वह तुम्हें ये महिलाएँ देगा, और उनके साथ वह भी देगा जिसे उसने पहले तुमसे छीन लिया था, ब्रिसियस की पुत्री, और वह एक बड़ी शपथ लेगा कि वह कभी भी उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाएगा और न ही पुरुषों और महिलाओं के समान उसके साथ रहा है। ये सभी चीजें वह तुम्हें अभी देगा, और यदि भविष्य में देवता उसे प्रियम के शहर को लूटने की कृपा करें, तो तुम उस समय आ सकते हो जब हम अचेयन लूट का बंटवारा कर रहे हों, और अपने जहाज को अपनी पसंद के सोने और कांसे से

भर सकते हो। तुम बीस ट्रोजन महिलाओं को ले सकते हो, जो स्वयं हेलेन के बाद सबसे सुंदर हैं। फिर, जब हम सभी देशों में सबसे धनी अचेयन आर्गोस पहुँचेंगे, तो तुम उसके दामाद बनोगे, और वह तुम्हें अपने प्रिय पुत्र ओरेस्टेस के समान सम्मान देगा, जिसका पालन-पोषण भरपूर धन-संपन्नता से हो रहा है। एगामेम्नन की तीन पुत्रियाँ हैं, क्रिसोटेमिस, लाओडिस और इफ़ियानासा; आप अपनी पसंद की किसी भी महिला को बिना किसी प्रेम-प्रसंग के उपहार दिए, स्वतंत्र रूप से पेलियस के घर ले जा सकते हैं; वह आपको इतना दहेज देगा जितना आज तक किसी पुरुष ने अपनी बेटी को नहीं दिया, और आपको सात सुस्थापित नगर देगा: कार्डामाइल, एनोप और हायर जहाँ घास है; पवित्र फेरे और एंथिया के समृद्ध मैदान; एपिआ और पेदासस की अंगूर की लताओं से ढकी ढलानें, ये सभी समुद्र के निकट और रेतीले पाइलोस की सीमाओं पर स्थित हैं। वहाँ रहने वाले लोग मवेशियों और भेड़ों से समृद्ध हैं; वे आपको देवता मानकर उपहारों से आपका सम्मान करेंगे और आपके सुखदायक नियमों का पालन करेंगे। यदि आप अब अपना क्रोध त्याग दें तो वह यह सब करेगा। इसके अलावा, यद्यपि आप उससे और उसके उपहारों से अपने पूरे हृदय से घृणा करते हैं, फिर भी शेष अचेयनों पर दया करें जो अपनी पूरी सेना के साथ सताए जा रहे हैं; वे आपको देवता मानकर आपका सम्मान करेंगे और आप उनके हाथों महान यश प्राप्त करेंगे। आप हेक्टर को भी मार सकते हैं; वह तुम्हारे करीब आ जाएगा, क्योंकि वह मोहित है और कहता है कि जिन दानानों को जहाजों द्वारा लाया गया है, उनमें से कोई भी उसका सामना नहीं कर सकता।
अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “यूलिसिस, लार्टेस के महान पुत्र, मैं तुम्हें स्पष्ट और दृढ़ निश्चय के साथ यह औपचारिक सूचना देना चाहता हूँ कि अब और कोई भी दुलार-गलौज नहीं चलेगा, चाहे वह किसी भी ओर से आए। मैं उससे घृणा करता हूँ जो कहता कुछ है और मन में कुछ और छिपाता है; इसलिए मैं वही कहूँगा जो मेरे मन में है। मैं न तो एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन से संतुष्ट होऊँगा और न ही किसी अन्य दानावासी से, क्योंकि मैं देख रहा हूँ कि मेरे सारे संघर्षों का मुझे कोई फल नहीं मिलेगा। लड़ने वाले का हाल लड़ने वाले से बेहतर नहीं होता; कायर और वीर दोनों को समान सम्मान मिलता है, और मृत्यु काम करने वाले और आलसी दोनों को एक समान दंड देती है। मैंने अपने सारे कष्टों से कुछ भी हासिल नहीं किया – हमेशा अपनी जान जोखिम में रखकर; जैसे कोई चिड़िया जब कोई निवाला पाती है तो उसे अपने बच्चों के लिए ले जाती है

और खुद कष्ट सहती है, वैसे ही मैंने कई रातें जागकर बिताई हैं और कई खूनी लड़ाइयाँ दिन में उन लोगों के विरुद्ध लड़ी हैं जो अपनी स्त्रियों के लिए लड़ रहे थे।” मैंने अपने जहाजों से बारह नगरों पर विजय प्राप्त की, और ट्रॉय के चारों ओर स्थित ग्यारह नगरों पर मैंने अपने सैनिकों के साथ भूमि मार्ग से आक्रमण किया; मैंने उनमें से प्रत्येक से बहुत धन लूटा, लेकिन मैंने वह सब एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन को दे दिया। वह अपने जहाजों के पास ही रहा, फिर भी जो कुछ उसे प्राप्त हुआ उसमें से उसने थोड़ा ही दिया और बहुत कुछ अपने पास रख लिया।
फिर भी उसने सरदारों और राजाओं में सम्मान के कुछ पुरस्कार बाँटे, और
वे अभी भी उन्हें प्राप्त हैं; केवल मुझसे, अचेयनों में से, उसने उस स्त्री को छीन लिया जिससे मैं प्रेम करता था - उसे उसे अपने पास रखने दो और उसके साथ सोने दो। आखिर आर्गीवों को ट्रोजनों से क्यों लड़ना पड़ा? एट्रीयस के पुत्र ने सेना क्यों इकट्ठा की और उन्हें क्यों लाया? क्या यह हेलेन के लिए नहीं था? क्या एट्रीयस के पुत्र ही दुनिया में एकमात्र ऐसे पुरुष हैं जो अपनी पत्नियों से प्रेम करते हैं? कोई भी समझदार पुरुष अपनी पत्नी से प्रेम करेगा और उसकी देखभाल करेगा, जैसे मैं इस स्त्री से, पूरे दिल से, भले ही वह मेरे भाले का एक छोटा सा वार ही क्यों न हो। एगामेम्नन ने उसे मुझसे छीन लिया; उसने मेरे साथ धोखा किया है; मैं उसे जानता हूँ; उसे मुझे और लुभाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि वह मुझे विचलित नहीं कर पाएगा। उसे अपने जहाजों को जलने से बचाने के लिए यूलिसिस और अन्य राजकुमारों की ओर देखना चाहिए। उसने मेरे बिना ही बहुत कुछ कर लिया है। उसने एक दीवार बनवाई है; उसने इसके चारों ओर गहरी और चौड़ी खाई खोदी है, और उसमें खूंटे गाड़ दिए हैं; फिर भी वह हेक्टर की जानलेवा शक्ति को रोक नहीं पाया। जब तक मैं अचेयनों के बीच लड़ता रहा, हेक्टर ने युद्ध को शहर की दीवारों से दूर नहीं जाने दिया; वह स्केन द्वार और बलूत के पेड़ तक तो आता, लेकिन उससे आगे नहीं। एक बार वह मुझसे मिलने रुका – और बड़ी मुश्किल से मेरे हमले से बच पाया: लेकिन अब, चूंकि मेरा उससे लड़ने का कोई मन नहीं है, इसलिए मैं कल बृहस्पति और सभी देवताओं को बलि चढ़ाऊंगा; मैं अपने जहाजों को पानी में उतारूंगा और फिर उन्हें ठीक से भोजन दूंगा; कल सुबह, यदि आप देखना चाहें, तो आप मेरे जहाजों को हेलेस्पोंट पर और मेरे आदमियों को पूरी ताकत से समुद्र में जाते हुए देखेंगे। यदि महान नेपच्यून मुझे सुरक्षित

मार्ग प्रदान करे, तो तीन दिनों में मैं फथिया में होऊंगा। मेरे पास वहाँ बहुत कुछ है जो मैं यहाँ दुख के साथ आते समय पीछे छोड़ आया था, और मैं अपने हिस्से का सोना, लाल तांबा, सुंदर स्त्रियाँ और लोहा, जो हमने लूटा है, वापस लाऊँगा; लेकिन एक पुरस्कार, जिसने दिया है, उसने निर्भीकता से छीन लिया है। उसे सब कुछ बता दो जैसा मैं अब तुम्हें बताता हूँ, और उसे सबके सामने बता दो ताकि अचेयन लोग उससे नफरत करें और सावधान रहें, अगर वह यह सोचता है कि वह अभी भी दूसरों को धोखा दे सकता है - क्योंकि उसकी निर्भीकता कभी विफल नहीं होती।
‘जहाँ तक मेरी बात है, वह कुटिल कुटिल व्यक्ति, मेरी आँखों में देखने की हिम्मत नहीं करता। मैं उससे कोई सलाह नहीं लूँगा, और न ही उसके साथ कोई काम करूँगा। उसने मुझे बहुत धोखा दिया है और ठगा है, अब वह मुझे और छल नहीं कर सकता; उसे अपने रास्ते जाना चाहिए, क्योंकि बृहस्पति ने उसकी बुद्धि छीन ली है। मुझे उसके उपहारों से घृणा है, और मुझे उसकी ज़रा भी परवाह नहीं है। वह मुझे दस या बीस गुना भी दे सकता है जितना उसने अभी दिया है, नहीं – चाहे उसके पास दुनिया में जो कुछ भी है, अभी या भविष्य में कभी भी, वह मुझे नहीं देगा; वह मुझे ओर्कोमेनस या मिस्र के थेब्स की दौलत का वादा कर सकता है, जो पूरी दुनिया का सबसे धनी शहर है, क्योंकि उसमें सौ द्वार हैं, जिनमें से प्रत्येक से दो सौ लोग अपने रथों और घोड़ों के साथ एक साथ गुजर सकते हैं; वह मुझे समुद्र की रेत या मैदान की धूल के बराबर उपहार दे सकता है, लेकिन फिर भी वह मुझे तब तक नहीं हिला पाएगा जब तक मैं उसके द्वारा किए गए घोर अन्याय का पूरा बदला नहीं ले लेता। मैं उसकी बेटी से शादी नहीं करूँगा; वह शुक्र ग्रह की तरह सुंदर और मिनर्वा की तरह कुशल हो सकती है, लेकिन मैं उसे नहीं अपनाऊंगा: कोई और उसे ले जाए, जो उसके लिए उपयुक्त हो और जो उससे बड़े राज्य का स्वामी हो। यदि देवता मुझे घर लौटने की कृपा दें, तो पेलियस मेरे लिए एक पत्नी ढूंढ देगा; हेलास और फथिया में अचेयन महिलाएं हैं, जो राजाओं की पुत्रियां हैं जिनके अधीन शहर हैं; इनमें से मैं जिसे चाहूं उसे चुनकर उससे विवाह कर सकता हूं। फथिया में रहते हुए कई बार मेरा मन हुआ कि मैं किसी ऐसी स्त्री से प्रेम करूं जो मेरे लिए उपयुक्त पत्नी बने और अपने बूढ़े पिता पेलियस की संपत्ति का आनंद लूं। मेरा जीवन मेरे लिए इलियस की सारी संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है, जब अचेयनों के वहां जाने से पहले वहां शांति थी, या पाइथो की चट्टानों के नीचे अपोलो के मंदिर के पत्थर के

फर्श पर पड़े सारे खजाने से भी अधिक। मवेशियों और भेड़ों को शिकार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, और एक आदमी चाहे तो तिपाई और घोड़े दोनों खरीद सकता है, लेकिन एक बार जान निकल जाने के बाद उसे न तो खरीदा जा सकता है और न ही वापस लाया जा सकता है।
मेरी माता थेतिस ने मुझे बताया है कि मेरे अंत के दो तरीके हैं। यदि
मैं यहीं रहकर लड़ूँ, तो मैं जीवित नहीं लौटूँगा, परन्तु मेरा नाम अमर रहेगा; वहीं यदि मैं घर जाऊँ, तो मेरा नाम मिट जाएगा, परन्तु मृत्यु मुझे लेने से पहले बहुत समय होगा। इसलिए, तुम सब से मैं कहता हूँ, “घर जाओ, क्योंकि तुम इलियस को नहीं ले जा पाओगे।” बृहस्पति ने उसकी रक्षा के लिए उस पर अपना हाथ रखा है, और उसके लोगों को हिम्मत मिली है। इसलिए, अपने कर्तव्य के अनुसार जाओ, और अचेयनों के राजकुमारों को मेरा संदेश बताओ; उनसे कहो कि वे अपने जहाजों और लोगों को बचाने के लिए कोई और योजना बनाएँ, क्योंकि जब तक मेरा क्रोध बना रहेगा, तब तक जो योजना उन्होंने अभी बनाई है, वह कारगर नहीं हो सकती। जहाँ तक फीनिक्स की बात है, उसे यहीं सोने दो ताकि यदि वह चाहे तो सुबह मेरे साथ यात्रा कर सके। परन्तु मैं उसे बलपूर्वक नहीं ले जाऊँगा।
वे सब चुप रहे, उनके द्वारा इतनी सख्ती से इनकार किए जाने पर स्तब्ध
थे। तभी अचियनों के जहाजों के लिए अत्यधिक भय से बूढ़ा योद्धा फीनिक्स फूट-फूट कर रोने लगा और बोला, “हे महान अकिलीज़, यदि अब भी आपका लौटने का निश्चय है, और आप अपने क्रोध में जलते हुए जहाजों को बचाने के लिए कुछ नहीं करेंगे, तो हे मेरे पुत्र, मैं तुम्हारे बिना यहाँ कैसे रह सकता हूँ? तुम्हारे पिता पेलियस ने मुझे तुम्हारे साथ जाने का आदेश दिया था जब उन्होंने तुम्हें एक बालक के रूप में फथिया से एगामेम्नन के पास भेजा था। तुम न तो युद्ध के बारे में जानते थे और न ही उन कलाओं के बारे में जिनसे लोग सभा में अपनी पहचान बनाते हैं, और उन्होंने मुझे तुम्हारे साथ भेजा था ताकि मैं तुम्हें वाणी और कर्म की सभी उत्कृष्टताओं में प्रशिक्षित कर सकूँ। इसलिए, हे मेरे पुत्र, मैं तुम्हारे बिना यहाँ नहीं रहूँगा – नहीं, चाहे स्वर्ग स्वयं मेरी आयु छीन ले और मुझे उतना ही युवा बना दे जितना मैं तब था जब मैंने पहली बार सुंदर स्त्रियों की भूमि हेलास छोड़ी थी।” उस समय मैं अपने पिता एमिनटोर, ओरमेनस के पुत्र, के क्रोध से बच रहा था, जो अपनी रखैल के मामले में मुझसे बहुत क्रोधित थे। वे अपनी पत्नी, मेरी माँ के साथ

हुए अन्याय के कारण उस रखैल से प्रेम करते थे। इसलिए मेरी माँ ने मुझसे लगातार प्रार्थना की कि मैं उस स्त्री के साथ संबंध बनाऊँ, ताकि वह मेरे पिता से घृणा करे, और कुछ समय बाद मैं मान गया। लेकिन मेरे पिता को जल्द ही पता चल गया, और उन्होंने मुझे घोर शाप दिया, यहाँ तक कि भयानक एरिनयेस को भी साक्षी बनाया। उन्होंने प्रार्थना की कि मेरा कोई भी पुत्र कभी मेरी गोद में न बैठे – और देवताओं, पाताल लोक के बृहस्पति और भयानक प्रोसरपाइन ने उनका शाप पूरा कर दिया। मैंने उन्हें जान से मारने की योजना बनाई, लेकिन किसी देवता ने मेरी जल्दबाजी को रोक दिया और मुझे लोगों की बुरी बातों और इस बात पर सोचने के लिए कहा कि मुझे अपने पिता के हत्यारे के रूप में कैसे कलंकित किया जाएगा: फिर भी मैं अपने पिता के घर में उनके साथ इतना कठोर व्यवहार सहन नहीं कर सका। मेरे चचेरे भाई और कबीले के लोग मेरे पास आए, और मुझे वहाँ रहने के लिए बहुत दबाव डाला; उन्होंने बहुत सी भेड़ें और बहुत से बैल मारे, और बहुत से मोटे सूअरों को आग के सामने भूनने के लिए रख दिया; मेरे पिता की शराब के बहुत से घड़े भी खोल दिए। नौ रातों तक उन्होंने बारी- बारी से मेरी रखवाली की, और बाहरी प्रांगण के गलियारे में और भीतरी प्रांगण में, जिस कमरे में मैं लेटा था, उसके दरवाज़े पर हमेशा आग जलती रही; लेकिन जब दसवीं रात का अंधेरा छा गया, तो मैं अपने कमरे के बंद दरवाज़े तोड़कर बाहर निकल गया, और पहरेदारों और नौकरानियों के बीच से तेज़ी से और बिना किसी को पता चले बाहरी प्रांगण की दीवार पर चढ़ गया। फिर मैं हेलास से भागता हुआ उपजाऊ फथिया पहुँचा, जो भेड़ों की जननी थी, और राजा पेलियस के पास पहुँचा, जिसने मेरा स्वागत किया और मेरे साथ एक पिता की तरह व्यवहार किया, जैसे एक पिता अपने इकलौते बेटे के साथ करता है जो उसकी सारी संपत्ति का वारिस होगा। उसने मुझे धनवान बनाया और मुझे बहुत से लोगों का मुखिया बना दिया, और मुझे फथिया की सीमाओं पर स्थापित किया जहाँ मैं डोलोपियनों का प्रमुख शासक था।
“मैंने ही, अकिलीज़, तुम्हें जन्म दिया था; मैंने तुम्हें पूरे दिल से प्यार किया: क्योंकि तुम न तो घर पर खाते थे और न ही कहीं बाहर जाते थे, जब तक मैं तुम्हें अपनी गोद में न बिठाकर, तुम्हारे लिए स्वादिष्ट निवाला काटकर, और तुम्हारे होठों तक शराब का प्याला न लगाता था। कई बार तुमने अपनी मासूमियत में मेरी कमीज़ पर शराब गिरा दी; मुझे तुम्हारे साथ बहुत कष्ट सहना पड़ा, लेकिन मैं जानता था कि स्वर्ग ने मुझे अपनी कोई संतान नहीं दी

है, इसलिए मैंने तुम्हें, अकिलीज़, पुत्र बनाया ताकि मेरी ज़रूरत के समय तुम मेरी रक्षा कर सको। अब मैं कहता हूँ, अपने अहंकार से लड़ो और उसे परास्त करो; अपने क्रोध को सदा के लिए मत पालो; स्वर्ग की शक्ति और महिमा हमारी शक्ति और महिमा से कहीं अधिक है, लेकिन स्वर्ग को भी प्रसन्न किया जा सकता है; और यदि कोई मनुष्य पाप करता है, तो वह देवताओं से प्रार्थना करता है, और अपनी दयनीय पुकारों और लोबान, पेय-अर्पण और बलि की सुगंध से उन्हें अपने साथ मिला लेता है।” प्रार्थनाएँ महान बृहस्पति की पुत्रियों के समान हैं; लंगड़ी, झुर्रीदार, तिरछी आँखों वाली, वे पाप के पदचिह्नों पर चलती हैं, जो क्रूर और फुर्तीला होने के कारण उन्हें बहुत पीछे छोड़ देता है, और मानव जाति के लिए सदा हानिकारक होकर संसार के छोर तक उनका पीछा करता है; परन्तु फिर भी प्रार्थनाएँ लंगड़ाते हुए और चंगा करते हुए आती हैं। यदि कोई व्यक्ति बृहस्पति की इन पुत्रियों पर दया करे जब वे उसके पास आती हैं, तो वे उसे आशीर्वाद देंगी और उसकी प्रार्थना भी सुनेंगी; परन्तु यदि वह उन्हें नकार दे और उनकी बात न सुने, तो वे शनि के पुत्र बृहस्पति के पास जाकर प्रार्थना करती हैं कि वह शीघ्र ही पाप में पड़ जाए - ताकि वह बाद में घोर पश्चाताप करे। इसलिए, अकिलीज़, बृहस्पति की इन पुत्रियों का उचित आदर करो, और उनके सामने वैसे ही झुको जैसे सभी भले लोग झुकते हैं। यदि एट्रियस का पुत्र तुम्हें उपहार न दे रहा होता और बाद में अन्य उपहारों का वादा न कर रहा होता - यदि वह अभी भी क्रोधित और निर्दयी होता - तो मैं वह नहीं हूँ जो तुम्हें अपना क्रोध त्यागकर अचियनों की सहायता करने के लिए कहता, चाहे उनकी आवश्यकता कितनी भी बड़ी क्यों न हो; लेकिन वह अब बहुत कुछ दे रहा है, और आगे भी देता रहेगा; उसने अपने सेनापतियों को अपनी बात मनवाने के लिए भेजा है, और उसने अर्गिव वंश के उन लोगों को चुना है जो आपको सबसे अधिक स्वीकार्य हैं; इसलिए उनके शब्दों और उनके आने को व्यर्थ न जाने दें। आपका क्रोध अब तक उचित रहा है। हमने गीतों में सुना है कि पुराने समय के वीर क्रोधित होने पर आपस में झगड़ते थे, लेकिन फिर भी उन्हें उपहारों से जीता जा सकता था, और मीठे शब्दों से उन्हें शांत किया जा सकता था।
मेरे मन में एक पुरानी कहानी है – बहुत पुरानी – लेकिन आप सब दोस्त हैं, इसलिए मैं इसे सुनाऊंगा। कैलिडॉन के चारों ओर क्यूरेट्स और एटोलियन आपस में लड़ रहे थे और एक-दूसरे को मार रहे थे – एटोलियन शहर की रक्षा कर रहे थे और क्यूरेट्स उसे नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। क्योंकि स्वर्ण सिंहासन

मेरा जवाब समझ जाएंगे; तुम यहीं रहो और अपने बिस्तर पर आराम से सो जाओ; भोर होते ही हम विचार करेंगे कि रुकना है या जाना है।”
इस पर उसने चुपचाप पैट्रोक्लस को सिर हिलाकर इशारा किया कि उसे फ़ीनिक्स के लिए बिस्तर तैयार करना है और बाकी लोगों को विदा लेनी चाहिए। फिर टेलामोन के पुत्र एजैक्स ने कहा, 'यूलिसिस, लेर्टेस के महान पुत्र, चलो चलें, क्योंकि मुझे लगता है कि हमारी यात्रा व्यर्थ है। अब हमें अपना उत्तर, चाहे वह अप्रिय ही क्यों न हो, दानानों को देना होगा जो उसका इंतज़ार कर रहे हैं। अकिलीज़ क्रूर और निर्दयी है; वह निर्दयी है, और अपने साथियों के उस प्रेम की परवाह नहीं करता जो उन्होंने उस पर दूसरों से अधिक लुटाया था। वह निर्दयी है - फिर भी यदि किसी व्यक्ति का भाई या पुत्र मारा गया हो तो वह हत्यारे से मुआवजे के रूप में जुर्माना स्वीकार कर लेता है, और पूरा भुगतान करने के बाद अपराधी अपने लोगों के बीच शांति से रहता है; लेकिन हे अकिलीज़, देवताओं ने तुम्हारे हृदय में एक दुष्ट और निर्दयी भावना भर दी है, और यह सब एक अकेली लड़की के लिए है, जबकि हम तुम्हें अपनी सात सर्वश्रेष्ठ लड़कियाँ और इसके अलावा भी बहुत कुछ भेंट करते हैं। इसलिए कृपया अधिक दयालु बनो, अपने घर की मेहमाननवाज़ी का सम्मान करो। हम दानानों की सेना के दूत बनकर तुम्हारे साथ हैं, और हम अकेयनों में से तुम्हारे सबसे प्रिय और करीबी बनना चाहते हैं।
“तेलमोन के महान पुत्र, ऐजैक्स, तुमने जो कहा है वह मुझे बहुत पसंद आया, लेकिन जब मैं इस सब पर सोचता हूँ तो मेरा खून खौल उठता है, और मुझे याद आता है कि एट्रेस के पुत्र ने मेरे साथ कितना अपमानजनक व्यवहार किया, मानो मैं कोई नीच आवारा हूँ, और वह भी आर्गिव्स की उपस्थिति में। तो जाओ, और अपना संदेश पहुँचाओ; कहो कि मैं तब तक युद्ध नहीं करूँगा, जब तक महान प्रियम का पुत्र हेक्टर अपने विनाशकारी अभियान में मर्मिडोंस के तम्बुओं तक नहीं पहुँच जाता और उनके जहाजों पर आग नहीं बरसा देता। युद्ध के प्रति उसकी सारी लालसा के बावजूद, मुझे विश्वास है कि जब वह मेरे तंबू और जहाज के पास होगा, तब उसे रोका जा सकेगा।”
इस पर प्रत्येक व्यक्ति ने अपने-अपने दो प्याले लिए, पेय पदार्थ चढ़ाए
और यूलिसिस के नेतृत्व में जहाजों की ओर लौट गए। लेकिन पैट्रोक्लस ने अपने आदमियों और दासियों को फेनिक्स के लिए एक आरामदायक बिस्तर तैयार करने को कहा; इसलिए उन्होंने भेड़ की खाल, एक गलीचा और बढ़िया लिनेन की चादर बिछाकर

ऐसा किया। बूढ़ा व्यक्ति लेट गया और सुबह होने तक प्रतीक्षा करता रहा। लेकिन अकिलीज़ एक भीतरी कमरे में सोया, और उसके बगल में फोरबास की सुंदर पुत्री डायोमेडे थी, जिसे वह लेस्बोस से ले आया था। पैट्रोक्लस कमरे के दूसरी ओर लेटा था, और उसके साथ सुंदर इफ़िस थी, जिसे अकिलीज़ ने उसे तब दिया था जब उसने स्काइरोस शहर, एनेयुस पर कब्जा किया था।
जब दूत अत्रेस के पुत्र के तम्बुओं में पहुँचे, तो अचेयन उठे, उन्होंने सोने के प्यालों में प्रतिज्ञा ली और उनसे पूछताछ शुरू कर दी। राजा अगामेम्नन ने सबसे पहले पूछताछ शुरू की। उन्होंने कहा, ‘मुझे बताओ, यूलिसिस, क्या वह जहाजों को जलने से बचाएगा, या उसने इनकार कर दिया है और क्या वह अभी भी क्रोधित है?’
यूलिसिस ने उत्तर दिया, “हे एट्रीयस के परम पूज्य पुत्र, हे मनुष्यों
के राजा, अगामेम्नन, अकिलीज़ शांत नहीं हुआ है, बल्कि पहले से कहीं अधिक क्रोधित है और तुम्हारा और तुम्हारे उपहारों का तिरस्कार करता है। वह तुम्हें आदेश देता है कि तुम अचेयनों से परामर्श करके अपने जहाजों और सेना को यथासंभव बचाओ; जहाँ तक स्वयं का सवाल है, उसने कहा कि वह सूर्योदय होते ही अपने जहाजों को पानी में उतार लेगा। उसने आगे कहा कि वह सभी को घर लौटने की सलाह देगा, क्योंकि तुम इलियस के लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाओगे। उसने कहा, “बृहस्पति ने शहर की रक्षा के लिए उस पर अपना हाथ रखा है, और लोगों को इससे हौसला मिला है।” उसने यही कहा, और मेरे साथ जो अन्य लोग थे वे भी यही कहानी बता सकते हैं – एजैक्स और दोनों दूत, दोनों ही भरोसेमंद व्यक्ति थे। बूढ़ा फीनिक्स वहीं रुका रहा जहाँ उसे सोना था, क्योंकि अकिलीज़ यही चाहता था कि यदि वह चाहे तो सुबह उसके साथ घर चला जाए; लेकिन वह उसे जबरदस्ती नहीं ले जाएगा।
अकिलीज़ के कठोर इनकार से दुखी होकर वे सब काफी देर तक चुपचाप और उदास बैठे रहे। तभी डायोमेड ने कहा, “हे एट्रीयस के महान पुत्र, हे मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन, तुम्हें पेलियस के पुत्र से विनती नहीं करनी चाहिए थी और न ही उसे उपहार देने चाहिए थे। वह पहले से ही बहुत घमंडी है, और तुमने उसके घमंड को और बढ़ा दिया है। उसे रहने दो या जाने दो, जैसा वह चाहे। जब उसका मन करेगा, तब वह युद्ध करेगा, और ईश्वर ने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया है। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें; हमने पेट भर खा-पी लिया है, अब हम विश्राम करें, क्योंकि विश्राम में ही शक्ति और स्थिरता है। लेकिन जब सुबह

की सुहावनी धूप निकले, तो तुरंत अपनी सेना और घुड़सवारों को जहाजों के आगे ले आओ, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करो, और तुम स्वयं सबसे आगे रहकर युद्ध करो।”
इस प्रकार उसने कहा, और अन्य सरदारों ने उसकी बातों का समर्थन किया।
फिर उन्होंने पेय पदार्थ चढ़ाए और प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने तम्बू में चला गया, जहाँ वे आराम करने के लिए लेट गए और नींद का आनंद लिया।

पुस्तक 10

यूलिसिस और डायोमेड जासूस बनकर निकलते हैं और डोलन से मिलते हैं,
जो उन्हें जानकारी देता है: फिर वे उसे मार डालते हैं, और उसके
द्वारा बताई गई जानकारी का लाभ उठाकर थ्रेसियन राजा रेसस को मार
डालते हैं और उसके घोड़े ले लेते हैं।
अचियन वंश के अन्य राजकुमार तो पूरी रात चैन से सोए रहे, पर एट्रियस का पुत्र एगामेम्नन बेचैन था और उसे चैन नहीं आ रहा था। जैसे सुंदर जूनो का स्वामी भारी बारिश, ओले या बर्फबारी के समय बिजली चमकाता है, जब बर्फ के टुकड़े जमीन को सफेद कर देते हैं, या फिर भूखे युद्ध के द्वार खोलने का संकेत देता है, ठीक वैसे ही एगामेम्नन ने गहरी आहें भरीं, क्योंकि उसका मन व्याकुल था। जब उसने ट्रॉय के मैदान को देखा, तो वह इलियस के सामने जलती हुई अनेक अग्नियों और बांसुरी की आवाज़ों और लोगों की चहल-पहल को देखकर चकित रह गया, लेकिन जैसे ही उसकी नज़र अचियन सेना के जहाजों और सेनाओं पर पड़ी, उसने ऊपर बैठे बृहस्पति के सामने मुट्ठी भर बाल नोचे और अपने मन की बेचैनी के कारण ज़ोर-ज़ोर से कराह उठा। अंत में उसने नेलियस के पुत्र नेस्टर के पास तुरंत जाना उचित समझा, और यह देखना चाहा कि क्या वे दोनों मिलकर अचेयनों को विनाश से बचाने का कोई उपाय निकाल सकते हैं। इसलिए वह उठा, अपनी कमीज़ पहनी, अपने सुंदर पैरों में सैंडल बाँधे, अपने कंधों पर एक विशाल भूरे शेर की खाल डाली - जो उसके पैरों तक पहुँचती थी - और अपने हाथ में भाला उठाया।
मेनेलास को भी नींद नहीं आ रही थी, क्योंकि उसे भी आर्गिव्स के लिए अपशगुन का डर सता रहा था, जो उसके लिए समुद्र पार से ट्रोजन से लड़ने आए थे। उसने अपनी चौड़ी पीठ पर चित्तीदार पैंथर की खाल ओढ़ी, सिर पर पीतल का हेलमेट पहना और अपने बलवान हाथ में भाला थाम लिया। फिर वह अपने भाई को जगाने गया, जो अचेयनों में सबसे शक्तिशाली था और जिसे लोग देवता के समान पूजते थे। उसने उसे अपने जहाज के पिछले हिस्से में अपने सुंदर वस्त्रों को कंधों पर ओढ़ते हुए पाया और वह अपने भाई के आने से बहुत प्रसन्न हुआ।

मेनेलास ने सबसे पहले बात की। उसने कहा, “मेरे प्यारे भाई, तुम इस तरह हथियार क्यों जमा कर रहे हो? क्या तुम हमारे किसी साथी को ट्रोजन पर हमला करने के लिए भेजने वाले हो? मुझे बहुत डर है कि कोई भी तुम्हारी यह मदद नहीं करेगा और न ही रात के अंधेरे में अकेले दुश्मन की जासूसी करेगा। यह बहुत ही साहसी काम होगा।”
और राजा अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “मेनेलस, हम दोनों को अर्गिव्स और
अपने जहाजों को बचाने के लिए दूरदर्शी सलाह की आवश्यकता है, क्योंकि बृहस्पति ने अपना मन बदल लिया है और वह हमारे बलिदानों के बजाय हेक्टर के बलिदानों की ओर झुकाव रखता है। मैंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं देखा या सुना जिसने एक ही दिन में इतना विनाश किया हो जितना हेक्टर ने अब अचेयन वंश के पुत्रों के विरुद्ध किया है – और वह भी उसने अकेले ही किया है, क्योंकि वह न तो किसी देवता का पुत्र है और न ही किसी देवी का। अर्गिव्स को इसका बहुत पछतावा होगा। इसलिए, जहाजों की कतार के साथ पूरी गति से दौड़ो और एजैक्स और इडोमेनियस को बुलाओ। इस बीच मैं नेस्टर के पास जाऊंगा और उसे आदेश दूंगा कि वह उठकर हमारे पहरेदारों के बीच जाकर उन्हें निर्देश दे; वे किसी और की तुलना में उसकी बात जल्दी सुनेंगे, क्योंकि उसका अपना पुत्र और इडोमेनियस का साथी मेरियोनेस, उनके सेनापति हैं। हमने विशेष रूप से उन्हें ही यह आदेश दिया है।”
मेनेलास ने उत्तर दिया, “मैं आपका क्या तात्पर्य समझूँ? क्या मुझे
उनके साथ रुककर आपके आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए, या आपके आदेश मिलते ही मुझे यहाँ लौट आना चाहिए?” राजा एगामेम्नन ने उत्तर दिया, “प्रतीक्षा कीजिए, क्योंकि शिविर में इतने सारे रास्ते हैं कि हम एक-दूसरे से बिछड़ सकते हैं। रास्ते में हर व्यक्ति को पुकारिए और उसे उठने को कहिए; उसका नाम उसके वंश और उसके पिता के नाम से लीजिए, प्रत्येक को उसके पद का पूरा सम्मान दीजिए, और अपने अहंकार को अधिक मत जताइए; हमें अपने हिस्से का पूरा परिश्रम करना होगा, क्योंकि जन्म के समय ही बृहस्पति ने यह भारी बोझ हम पर डाला था।”
इन निर्देशों के साथ उसने अपने भाई को विदा किया और अपने लोगों के
चरवाहे नेस्टर के पास चला गया। उसने उसे अपने जहाज के पास ही अपने तंबू में सोते हुए पाया; उसका उत्तम कवच उसके पास पड़ा था – उसकी ढाल, उसके दो भाले और उसका हेलमेट; उसके पास ही वह चमकती हुई कमरबंद भी पड़ी थी जिसे वह बूढ़ा

अपने लोगों को युद्ध में नेतृत्व करने के लिए तैयार करते समय पहनता था – क्योंकि बुढ़ापा उसे रोक नहीं पाता था। उसने कोहनी के बल उठकर अगामेम्नन की ओर देखा। उसने कहा, ‘कौन है जो इस तरह अकेले, आधी रात को, जब लोग सो रहे होते हैं, सेना और जहाजों के बीच घूम रहा है? क्या तुम अपने किसी खच्चर या किसी साथी को ढूंढ रहे हो? वहाँ खड़े होकर कुछ मत कहो, बोलो। तुम्हारा क्या काम है?’
और अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “नेलेउस के पुत्र नेस्टर, अचियन नाम को
गौरव प्रदान करने वाले, मैं अगामेम्नन, एट्रेस का पुत्र, हूँ जिस पर बृहस्पति ने तब तक परिश्रम और दुख डाला है जब तक मेरे शरीर में साँस है और मेरे अंग मुझे सहारा देते हैं। मैं इस प्रकार बाहर हूँ क्योंकि मेरी पलकों पर नींद नहीं है, बल्कि मेरा हृदय युद्ध और अचियनों के खतरे से व्याकुल है। मुझे दानानों के लिए बहुत भय है। मैं समुद्र में हूँ, और मेरे पास कोई निश्चित सलाह नहीं है; मेरा हृदय ऐसे धड़क रहा है मानो वह मेरे शरीर से बाहर निकल जाएगा, और मेरे अंग मेरा साथ छोड़ रहे हैं। यदि आप कुछ कर सकते हैं - क्योंकि आप भी सो नहीं सकते - तो आइए हम पहरेदारों का एक चक्कर लगाएँ, और देखें कि क्या वे परिश्रम से ऊंघ रहे हैं और अपने कर्तव्य की उपेक्षा करते हुए सो रहे हैं। शत्रु पास ही डेरा डाले हुए है, और हम नहीं जानते कि वह रात में हम पर हमला कर सकता है या नहीं।”
नेस्टर ने उत्तर दिया, “हे एट्रियस के परम पूज्य पुत्र, हे मनुष्यों के राजा, अगामेम्नन, बृहस्पति हेक्टर के लिए वह सब नहीं करेगा जो हेक्टर सोचता है; यदि अकिलीज़ अपना क्रोध त्याग दे तो उसे अभी और भी बहुत सी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। मैं तुम्हारे साथ चलूँगा, और हम दूसरों को भी जगाएँगे, या तो टाइडियस के पुत्र को, या यूलिसिस को, या फिर तेजतर्रार एजैक्स और वीर फिलियस के पुत्र को। किसी को एजैक्स और राजा इडोमेनियस को भी बुलाना चाहिए, क्योंकि उनके जहाज पास नहीं हैं बल्कि सबसे दूर हैं। हालाँकि मैं मेनेलास को दोष देने से खुद को नहीं रोक सकता, भले ही मैं उससे कितना भी प्रेम और सम्मान करता हूँ – और मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहूँगा, भले ही इससे तुम्हें ठेस पहुँचे – कि वह सो रहा है और इस सारी मुसीबत को अपने ऊपर छोड़ रहा है। उसे अचेयन वंश के सभी राजकुमारों से सहायता माँगनी चाहिए, क्योंकि हम अत्यंत संकट में हैं।”

और अगामेम्नन ने उत्तर दिया, “महोदय, आप कभी-कभी उसे दोष दे सकते हैं, क्योंकि वह अक्सर लापरवाह और परिश्रम न करने वाला होता है – यह आलस्य या लापरवाही के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि वह मुझ पर निर्भर रहता है और मुझसे नेतृत्व की अपेक्षा करता है। लेकिन इस बार वह मुझसे पहले जाग गया था और स्वयं मेरे पास आया। मैंने उसे उन लोगों को बुलाने के लिए भेज दिया है जिनका आपने नाम लिया है। अब चलिए चलते हैं। हम उन्हें द्वार के बाहर पहरेदारों के साथ पाएंगे, क्योंकि मैंने वहीं कहा था कि हम उनसे मिलेंगे।” ‘उस स्थिति में,’ नेस्टर ने उत्तर दिया, ‘जब वह उन्हें लड़ने के लिए उकसाएगा या निर्देश देगा, तो अर्गिव्स न तो उसे दोष देंगे और न ही उसके आदेशों का उल्लंघन करेंगे।’
इसके साथ ही उसने अपनी कमीज़ पहनी और अपने सुंदर पैरों में सैंडल
बाँधे। उसने अपना दो परतों वाला, बड़ा और खुरदुरा बैंगनी कोट पहना, अपना दुर्जेय कांस्य-युक्त भाला उठाया और अचियन जहाजों की कतार के साथ-साथ चल पड़ा। सबसे पहले उसने देवताओं के सलाहकार यूलिसिस को ज़ोर से पुकारा और उसे जगाया, क्योंकि वह युद्ध-घोषणा की आवाज़ से जल्दी जाग गया था। वह अपने तम्बू से बाहर आया और बोला, 'तुम इस तरह अकेले सेना के बीच और रात के सन्नाटे में जहाजों की कतार के साथ क्यों जा रहे हो? ऐसी क्या बात है जो तुम्हें इतनी ज़रूरी लग रही है?' और गेरेन के योद्धा नेस्टर ने उत्तर दिया, 'यूलिसिस, लार्टेस के महान पुत्र, इसे बुरा मत मानो, क्योंकि अचियन बहुत संकट में हैं। मेरे साथ आओ और चलो किसी और को जगाते हैं, जो हमें अच्छी तरह से सलाह दे सके कि हमें लड़ना चाहिए या भाग जाना चाहिए।'
इस पर यूलिसिस तुरंत अपने तम्बू में गया, अपनी ढाल अपने कंधों पर डाली
और उनके साथ बाहर आया। सबसे पहले वे टाइडियस के पुत्र डायोमेड के पास गए और उसे अपने तम्बू के बाहर कवच पहने हुए पाया। उसके साथी उसके चारों ओर सो रहे थे और अपनी ढालों को तकिए की तरह इस्तेमाल कर रहे थे; उनके भाले ज़मीन में गाड़े गए नुकीले सिरों पर सीधे खड़े थे और चमकीला पीतल दूर से बृहस्पति की बिजली की तरह चमक रहा था। वीर एक बैल की खाल पर सो रहा था, उसके सिर के नीचे एक बढ़िया कालीन था; नेस्टर उसके पास गया और उसे अपनी एड़ी से हिलाकर जगाया, उसे डांटा और उठने के लिए कहा। “जाग जाओ,” उसने कहा, “टाइडियस के पुत्र। तुम इस तरह कैसे सो सकते हो? क्या तुम नहीं देख सकते कि ट्रोजन

हमारे जहाजों के पास मैदान के किनारे पर डेरा डाले हुए हैं, और हमारे और उनके बीच बहुत कम दूरी है?”
ये शब्द सुनकर डायोमेड तुरंत उछल पड़ा और बोला, ‘बूढ़े, तुम्हारा हृदय लोहे का है; तुम अपने परिश्रम से एक पल भी विश्राम नहीं करते। क्या अचेयनों में कोई युवा पुरुष नहीं है जो राजकुमारों को जगा सके? तुम्हें थकाना असंभव है।’
और गेरेन के योद्धा नेस्टर ने उत्तर दिया, “मेरे पुत्र, तुमने जो कुछ
कहा है वह सब सत्य है। मेरे अच्छे पुत्र हैं, और बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो सरदार कहला सकते हैं, परन्तु अचियन लोग घोर संकट में हैं; जीवन और मृत्यु मानो तलवार की धार पर टिके हैं। इसलिए जाओ, क्योंकि तुम मुझसे छोटे हो, और अपनी विनम्रता से अजाक्स और फाइलियस के तेजतर्रार पुत्र को जगाओ।” डायोमेड ने एक विशाल भूरे शेर की खाल अपने कंधों पर डाली - जो उसके
पैरों तक पहुँच रही थी - और अपना भाला पकड़ लिया। जब उसने वीरों को जगाया, तो वह उन्हें अपने साथ वापस ले आया; फिर वे पहरे पर तैनात लोगों के बीच गए और पाया कि सेनापति अपनी चौकियों पर सो नहीं रहे थे, बल्कि जाग रहे थे और अपने हथियार लपेटे बैठे थे। जैसे भेड़ों के बाड़े में बंद भेड़ों की रखवाली करने वाले कुत्ते जब किसी जंगली जानवर को पहाड़ी जंगल से अपनी ओर आते हुए सुनते हैं, तो तुरंत कुत्तों और आदमियों का शोर मच जाता है और नींद टूट जाती है - ठीक उसी तरह अचेयनों की आँखों से नींद उड़ गई, क्योंकि वे उस भयानक रात में पहरा देते हुए, ट्रोजनों के बीच कोई भी हलचल सुनते ही लगातार मैदान की ओर मुड़ जाते थे। बूढ़ा व्यक्ति प्रसन्न हुआ और उसने उन्हें हिम्मत रखने को कहा, 'मेरे बच्चों, जागते रहो, और नींद को अपने ऊपर हावी न होने दो, कहीं ऐसा न हो कि हमारे शत्रु हम पर विजय प्राप्त कर लें।'
इसके साथ ही वह खाई पार कर गया, और उसके साथ अचेयनों के अन्य सरदार भी
थे जिन्हें सभा में बुलाया गया था। मेरियोनेस और नेस्टर का वीर पुत्र भी उनके साथ गए, क्योंकि राजकुमारों ने उन्हें ऐसा करने का आदेश दिया था। जब वे दीवार के चारों ओर खोदी गई खाई से आगे निकल गए, तो उन्होंने खुले मैदान में, जहाँ लाशों का ढेर नहीं था, अपनी बैठक की, क्योंकि यहीं रात होने पर हेक्टर ने आर्गिव्स पर अपने हमले से पीछे हट गया था। इसलिए वे बैठ गए और आपस में विचार-विमर्श करने लगे।

नेस्टर ने सबसे पहले बात की। उसने कहा, ‘मेरे मित्रों, क्या कोई ऐसा
साहसी व्यक्ति है जो ट्रोजनों के बीच जाकर किसी भटके हुए सैनिक को मार सके, या हमें दुश्मन की योजनाओं के बारे में खबर दे सके – कि क्या वे शहर से दूर जहाजों के पास ही रहेंगे, या अचेयनों को हराने के बाद अपनी दीवारों के भीतर लौट जाएंगे। यदि वह यह सब जानकारी प्राप्त कर सुरक्षित वापस लौट आए, तो सभी के बीच उसकी प्रसिद्धि आसमान छू जाएगी, और उसे भरपूर पुरस्कार मिलेगा; क्योंकि हमारे सभी जहाजों के सरदार उसे एक-एक काली भेड़ और उसका मेमना भेंट करेंगे – जो एक अनमोल उपहार है – और उसे सभी दावतों और कबीले की सभाओं में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।’
वे सब चुप रहे, लेकिन ऊँचे स्वर में युद्धघोष करने वाले डायोमेड ने
कहा, “नेस्टर, मैं खुशी-खुशी हमारे सामने मौजूद ट्रोजन सेना का सामना करने जा रहा हूँ, लेकिन अगर कोई दूसरा मेरे साथ जाए तो मैं और भी अधिक आत्मविश्वास और आराम से जा पाऊँगा। जब दो लोग साथ होते हैं, तो उनमें से एक को कोई ऐसा अवसर दिख सकता है जिसे दूसरे ने नहीं देखा हो; यदि कोई व्यक्ति अकेला होता है तो वह कम सूझबूझ वाला और कमजोर होता है।”
इस पर कई लोगों ने डायोमेड के साथ जाने की पेशकश की। दोनों एजैक्स,
मार्स के सेवक, मेरियोनेस और नेस्टर का पुत्र, सभी जाना चाहते थे, साथ ही एट्रेस का पुत्र मेनेलास भी। यूलिसिस भी ट्रोजन सेना के साथ जाना चाहता था, क्योंकि वह हमेशा साहसी था। इस पर मनुष्यों के राजा एगामेम्नन ने कहा: ‘डायोमेड, टाइडियस के पुत्र, मेरे प्रिय व्यक्ति, अपना साथी खुद चुन लो – पेशकश करने वालों में से सबसे अच्छे व्यक्ति को चुन लो, क्योंकि अब कई लोग तुम्हारे साथ जाना चाहते हैं। कोमलता के कारण अच्छे व्यक्ति को मत ठुकराओ और उसके वंश के सम्मान में सबसे खराब व्यक्ति को मत चुनो, क्योंकि वह अधिक शाही रक्त का है।’
उसने यह बात मेनेलास के लिए चिंता जताते हुए कही। डायोमेड ने उत्तर दिया, “यदि आप मुझे अपनी पसंद का व्यक्ति चुनने के लिए कहते हैं, तो मैं यूलिसिस के बारे में कैसे भूल सकता हूँ, जो हर तरह के खतरे का सामना करने के लिए सबसे अधिक तत्पर है – और पल्लास मिनर्वा उससे बहुत प्रेम करती है? यदि वह मेरे साथ चले तो हम आग से भी सुरक्षित निकल जाएँगे, क्योंकि वह शीघ्र ही दृष्टिहीन और समझदार है।”

“टाइडियस के पुत्र,” यूलिसिस ने उत्तर दिया, “मेरे बारे में न तो अच्छा कहो और न ही बुरा, क्योंकि तुम उन अर्गिवों में से हो जो मुझे भली-भांति जानते हैं। चलो चलें, क्योंकि रात ढल रही है और भोर निकट है। तारे आगे बढ़ चुके हैं, रात का दो-तिहाई भाग बीत चुका है और केवल एक-तिहाई भाग ही शेष है।”
फिर उन्होंने अपने कवच पहन लिए। वीर थ्रेसिमेड्स ने टाइडियस के पुत्र
को एक तलवार और एक ढाल दी (क्योंकि वह अपनी तलवार और ढाल जहाज पर ही भूल गया था) और उसके सिर पर बैल की खाल का एक बिना शिखर या कलगी वाला हेलमेट रखा; इसे खोपड़ी टोपी कहा जाता है और यह एक आम टोपी है। मेरियोनेस ने यूलिसिस के लिए एक धनुष और तरकश ढूंढा और उसके सिर पर चमड़े का एक हेलमेट रखा, जो चमड़े की पट्टियों की मजबूत बुनाई से बना था, जबकि बाहरी भाग में सूअर के दांत बड़ी कुशलता से जड़े हुए थे; सिर के नीचे भीतरी भाग में फेल्ट की परत थी। यह हेलमेट ऑटोलिकस ने इलियोन से चुराया था जब उसने ओर्मेनस के पुत्र एमिनटोर के घर में सेंध लगाई थी। उसने इसे सिथेरा के एम्फिडामास को स्कैंडिया ले जाने के लिए दिया, और एम्फिडामास ने इसे मोलस को अतिथि उपहार के रूप में दिया, जिसने इसे अपने पुत्र मेरियोनेस को दे दिया; और अब यह यूलिसिस के सिर पर था।
जब दोनों ने हथियार उठा लिए, तो वे चल पड़े और बाकी सरदारों को पीछे
छोड़ दिया। पल्लास मिनर्वा ने उनके दाहिनी ओर रास्ते में एक बगुला भेजा; अँधेरे के कारण वे उसे देख नहीं सके, लेकिन उन्होंने उसकी आवाज़ सुनी। यूलिसिस आवाज़ सुनकर प्रसन्न हुआ और मिनर्वा से प्रार्थना की: ‘हे ईश्वर, हे बृहस्पति की पुत्री, मेरी प्रार्थना सुनो, तू जो मेरे सभी मार्ग देखती है और मेरी सभी कठिनाइयों में मेरे साथ है; इस कठिन समय में मेरी सहायता कर, और हमें किसी ऐसे महान कार्य को पूरा करने के बाद गौरव से भरे जहाजों पर लौटने का वरदान दे, जिससे ट्रोजन को दुःख हो।’
तब ऊँचे स्वर में युद्धघोष करने वाले डायोमेड ने भी प्रार्थना की: “हे बृहस्पति की पुत्री, जो कभी थकती नहीं; मेरी प्रार्थना सुनो; जैसे तू मेरे महान पिता टाइडियस के साथ थी, जब वह अचेयनों द्वारा भेजे गए दूत के रूप में थेब्स गए थे, वैसे ही तू मेरे साथ भी थी। उसने अचेयनों को एसोपस नदी के किनारे छोड़ा और कादमीयनों को शांति का संदेश लेकर नगर गया; वहाँ से लौटते समय, हे देवी, तेरी सहायता से उसने महान वीरतापूर्ण कार्य किए, क्योंकि तू

उसकी सहृदय थी। अब भी मेरा मार्गदर्शन और रक्षा कर, और बदले में मैं तुझे एक वर्ष की, बिना प्रशिक्षित और कभी भी मनुष्य के अधीन न की गई, चौड़ी भौंहों वाली बछिया बलि के रूप में अर्पित करूँगा। मैं उसके सींगों पर सोना चढ़ाऊँगा और उसे तुझे बलि के रूप में अर्पित करूँगा।”
इस प्रकार उन्होंने प्रार्थना की, और पल्लास मिनर्वा ने उनकी
प्रार्थना सुन ली। जब उन्होंने महान बृहस्पति की पुत्री से प्रार्थना पूरी कर ली, तो वे दो शेरों की तरह रात के अंधेरे में शिकार करते हुए, गिरे हुए लोगों के कवच और रक्त से लथपथ शरीरों के बीच से अपने रास्ते चले गए। हेक्टर ने ट्रोजनों को फिर से सोने नहीं दिया; उसने भी ट्रोजनों के राजकुमारों और सलाहकारों को बुलाया ताकि वह उनके सामने अपनी सलाह रख सके। उसने कहा, “क्या कोई ऐसा है जो बड़े इनाम के बदले मेरी वह सेवा करेगा जिसके बारे में मैं तुम्हें बताऊंगा? अगर वह करेगा तो उसे अच्छा इनाम मिलेगा। अगर वह यह साहस दिखाएगा तो मैं उसे एक रथ और दो घोड़े दूंगा, जो अचेयनों के जहाजों पर मिलने वाले सबसे तेज घोड़े होंगे; और उसे असीम सम्मान भी मिलेगा; उसे जहाजों पर जाकर पता लगाना होगा कि क्या उनकी पहले की तरह ही पहरेदारी हो रही है, या फिर हमारी जीत के बाद अचेयन भागने की योजना बना रहे हैं और अत्यधिक थकावट के कारण पहरा देना छोड़ रहे हैं।”
वे सब चुप रहे; लेकिन ट्रोजनों में डोलन नाम का एक व्यक्ति था, जो प्रसिद्ध दूत यूमेडेस का पुत्र था – सोने और कांसे का धनी। वह देखने में बदसूरत था, लेकिन अच्छा धावक था और पाँच बहनों में इकलौता पुत्र था। उसी ने अब ट्रोजनों को संबोधित किया। उसने कहा, ‘मैं, हेक्टर, जहाजों पर जाऊँगा और उन्हें लूटूँगा। लेकिन पहले अपना राजदंड उठाओ और शपथ लो कि तुम मुझे कांसे से जड़ा रथ और वे घोड़े दोगे जिन पर इस समय पेलियस का महान पुत्र सवार है। मैं तुम्हारा अच्छा जासूस बनूँगा और तुम्हें निराश नहीं करूँगा। मैं सेना के एक छोर से दूसरे छोर तक तब तक जाता रहूँगा जब तक मैं एगामेम्नन के जहाज तक नहीं पहुँच जाता, जहाँ मुझे लगता है कि अचेयनों के राजकुमार इस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हैं कि वे लड़ें या भाग जाएँ।’
जब हेक्टर ने बोलना समाप्त किया, तो उसने अपना राजदंड उठाया और शपथ
लेते हुए कहा, 'जूनो के पति, गर्जनशील बृहस्पति साक्षी रहें कि आपके सिवा कोई अन्य ट्रोजन उन घोड़ों पर सवार नहीं होगा, और आप उन पर सदा के लिए अपना अधिकार रखेंगे।'

उसने जो शपथ ली थी, वह व्यर्थ थी, लेकिन इससे डोलन का जाने का उत्साह और बढ़ गया। उसने अपना धनुष कंधे पर टांग लिया और ऊपर से भूरे भेड़िये की खाल ओढ़ ली, जबकि सिर पर नेवले की खाल की टोपी लगा ली। फिर उसने एक नुकीला भाला उठाया और जहाजों की ओर शिविर से निकल पड़ा, लेकिन उसे हेक्टर के लिए कोई खबर लेकर वापस नहीं लौटना था। जब उसने घोड़ों और सैनिकों को पीछे छोड़ दिया, तो वह पूरी गति से आगे बढ़ा, लेकिन यूलिसिस ने उसके आने का आभास कर लिया और डायोमेड से कहा, 'डायोमेड, शिविर से कोई आया है; मुझे यकीन नहीं है कि वह जासूस है या कोई चोर है जो मृतकों के शवों को लूटने आया है; उसे थोड़ा आगे निकल जाने दो, फिर हम उस पर झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेंगे। लेकिन अगर वह हमसे ज्यादा तेज भागा, तो अपने भाले से उसका पीछा करो और उसे ट्रोजन शिविर से दूर जहाजों की ओर घेर लो, ताकि वह वापस शहर न लौट सके।'
इसके साथ ही वे अपना रास्ता बदलकर लाशों के बीच लेट गए। डोलन को कुछ भी
शक नहीं हुआ और वह जल्दी ही उनके पास से गुजर गया, लेकिन जब वह उस दूरी तक पहुँच गया जहाँ खच्चर द्वारा जोती गई हल की लकीर बैलों द्वारा जोती गई लकीर से अधिक होती है (क्योंकि खच्चर बैलों की तुलना में बंजर भूमि को जल्दी जोत सकते हैं), तो वे उसके पीछे दौड़ पड़े। उनके कदमों की आहट सुनकर वह वहीं रुक गया, क्योंकि उसे यकीन था कि वे ट्रोजन शिविर के मित्र हैं जो हेक्टर के आदेश पर उसे वापस लौटने के लिए कहने आए हैं; लेकिन जब वे उससे भाले की दूरी पर या उससे भी कम दूरी पर थे, तो उसने देखा कि वे दुश्मन हैं और जितनी तेजी से दौड़ सकता था, भाग गया। बाकी लोग तुरंत उसके पीछे दौड़े, और जैसे दो प्रशिक्षित शिकारी कुत्ते अपने सामने चीखते हुए भागती हुई हिरणी या खरगोश का पीछा करते हैं, वैसे ही टाइडियस और यूलिसिस के पुत्रों ने डोलन का पीछा किया और उसे उसके लोगों से अलग कर दिया। लेकिन जब वह जहाजों की ओर इतनी दूर भाग गया कि वह जल्द ही चौकियों से टकराने वाला था, तो मिनर्वा ने टाइडियस के पुत्र में नई शक्ति भर दी, इस डर से कि कहीं कोई दूसरा अचेयन उसे पहले मारने का गौरव प्राप्त न कर ले और वह स्वयं केवल दूसरा ही रह जाए; इसलिए वह अपने भाले के साथ आगे बढ़ा और बोला, 'रुको, नहीं तो मैं अपना भाला फेंक दूँगा, और उस स्थिति में मैं तुम्हारा जल्द ही अंत कर दूँगा।'
बोलते-बोलते उसने तीर फेंका, लेकिन जानबूझकर निशाना चूक गया। तीर उस आदमी के दाहिने कंधे के ऊपर से निकलकर ज़मीन में जा धंसा। वह डर से कांपता

हुआ वहीं जम गया; उसके दांत किटकिटाने लगे और डर से उसका चेहरा पीला पड़ गया। दोनों हांफते हुए उसके पास आए और उसके हाथ पकड़ लिए, जिस पर वह रोने लगा और बोला, 'मुझे ज़िंदा ले जाओ; मैं खुद को छुड़ा लूंगा; हमारे पास बहुत सारा सोना, पीतल और लोहा है, और अगर मेरे पिता को पता चला कि मैं अचेयनों के जहाज़ों पर ज़िंदा हूं, तो वे इससे तुम्हें बहुत बड़ी रकम देंगे।'
‘डरो मत,’ यूलिसिस ने उत्तर दिया, ‘अपने मन में मृत्यु का विचार मत आने
दो; लेकिन मुझे सच-सच बताओ, तुम आधी रात को अकेले अपने शिविर से दूर जहाजों की ओर क्यों जा रहे हो, जबकि बाकी लोग सो रहे हैं? क्या तुम मारे गए लोगों के शवों को लूटने जा रहे हो, या हेक्टर ने तुम्हें जहाजों पर क्या हो रहा है, इसकी जासूसी करने के लिए भेजा है? या तुम यहाँ केवल अपनी इच्छा से आए हो?’
डोलन ने कांपते हुए अंगों से उत्तर दिया: “हेक्टर ने अपने झूठे वादों
से मुझे बहकाया और मेरी समझदारी को धोखा दिया। उसने कहा कि वह मुझे पेलियस के महान पुत्र के घोड़े और उसका पीतल से सजा रथ देगा; उसने मुझे भागती रात के अंधेरे में दुश्मन के करीब जाने और यह पता लगाने के लिए कहा कि क्या जहाज अभी भी पहले की तरह सुरक्षित हैं, या फिर अब जब हमने उन्हें हरा दिया है, तो अचेयन भागने की योजना बना रहे हैं और अत्यधिक थकावट के कारण अपनी निगरानी में लापरवाही कर रहे हैं।”
यूलिसिस ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, “तुमने वाकई एक बड़े इनाम की उम्मीद रखी थी, लेकिन ऐकस के वंशज के घोड़ों को अकिलीज़ के अलावा किसी और नश्वर व्यक्ति द्वारा संभालना या चलाना मुश्किल है, जिसकी माता अमर थी। लेकिन मुझे सच-सच बताओ, जब तुम निकले थे तो हेक्टर को कहाँ छोड़ा था? उसका कवच और उसके घोड़े कहाँ हैं? ट्रोजनों के पहरे और विश्राम स्थल कैसे व्यवस्थित हैं? उनकी क्या योजनाएँ हैं? क्या वे यहाँ जहाजों के पास और शहर से दूर रहेंगे, या अब जब उन्होंने अचियनों को हरा दिया है, तो वे अपनी दीवारों के भीतर लौट जाएँगे?”
और डोलन ने उत्तर दिया, ‘मैं तुम्हें सब कुछ सच-सच बताऊँगा। हेक्टर और अन्य सलाहकार इस समय महान इलस के स्मारक के पास, शोरगुल से दूर, सम्मेलन कर रहे हैं; जहाँ तक उन पहरेदारों की बात है जिनके बारे में तुम मुझसे पूछ रहे हो, सेना की सुरक्षा के लिए कोई विशेष पहरा नियुक्त नहीं किया गया है। ट्रोजनों के पास अपनी अग्नि-आग है, क्योंकि उन्हें ऐसा करना अनिवार्य है;

इसलिए वे जाग रहे हैं और एक-दूसरे को पहरेदार के रूप में अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं; लेकिन अन्य स्थानों से आए सहयोगी सो रहे हैं और उन्होंने पहरा देने का जिम्मा ट्रोजनों पर छोड़ दिया है, क्योंकि उनकी पत्नियाँ और बच्चे यहाँ नहीं हैं।’
तब यूलिसिस ने कहा, 'अब मुझे बताओ; क्या वे ट्रोजन सैनिकों के बीच सो
रहे हैं, या अलग सो रहे हैं? मुझे समझाओ ताकि मैं इसे समझ सकूं।'
‘मैं तुम्हें सब कुछ सच-सच बताऊँगा,’ डोलन ने उत्तर दिया। ‘समुद्र की ओर कैरियन, पैओनियन धनुर्धर, लेलेगे, कॉकोनियन और कुलीन पेलसगी विराजमान हैं। लिसीयन और अभिमानी मिसियन, फ्रिगियन और मेओनियन थिम्ब्रा की ओर हैं; लेकिन इन सब के बारे में क्यों पूछ रहे हो? यदि तुम ट्रोजन सेना में प्रवेश करना चाहते हो, तो वहाँ थ्रेसियन हैं, जो हाल ही में यहाँ आए हैं और शिविर के दूसरे छोर पर, बाकियों से अलग, डेरा डाले हुए हैं; और उनके राजा इयोनियस के पुत्र रेसस हैं। उनके घोड़े सबसे उत्तम और बलिष्ठ हैं जो मैंने आज तक देखे हैं, वे बर्फ से भी अधिक सफेद और किसी भी हवा से भी तेज हैं। उनका रथ चाँदी और सोने से सजा है, और वे अपना अद्भुत स्वर्ण कवच लाए हैं, जो दुर्लभ कारीगरी का है – इतना भव्य कि कोई भी मनुष्य उसे धारण नहीं कर सकता, और जो केवल देवताओं के लिए ही उपयुक्त है।’ अतः अब मुझे जहाजों तक ले चलो या मुझे यहाँ सुरक्षित रूप से बाँध दो, जब तक तुम वापस आकर मेरी बातों की सत्यता सिद्ध न कर लो।
डायोमेड ने उसे कड़े शब्दों में देखते हुए उत्तर दिया, “डोलन, तुमने
हमें जो भी अच्छी जानकारी दी है, उससे यह मत सोचो कि अब तुम हमारे हाथों में हो, बच निकलोगे। अगर हम तुम्हें छुड़ा लें या जाने दें, तो तुम किसी न किसी दिन अचेयनों के जहाजों पर या तो जासूस बनकर या खुले दुश्मन बनकर लौट आओगे, लेकिन अगर मैं तुम्हें मार डालूँ और तुम्हारा अंत कर दूँ, तो तुम फिर कभी कोई परेशानी नहीं खड़ी करोगे।”
इस पर डोलन ने उसे दाढ़ी से पकड़कर और विनती करने की कोशिश की, लेकिन डायोमेड ने अपनी तलवार से उसकी गर्दन के बीचोंबीच वार किया और दोनों नसों को चीर दिया, जिससे उसका सिर धूल में लुढ़क गया, जबकि वह अभी बोल ही रहा था। उन्होंने उसके सिर से नेवले की खाल की टोपी, भेड़िये की खाल, धनुष और उसका लंबा भाला ले लिया। यूलिसिस ने उन्हें लूट की देवी मिनर्वा के सम्मान में ऊपर लटका दिया और प्रार्थना करते हुए कहा, 'हे देवी, इन्हें स्वीकार करो,

क्योंकि हम इन्हें ओलंपस के सभी देवताओं से अधिक तुम्हें अर्पित करते हैं: इसलिए हमें थ्रेसियों के घोड़ों और विश्राम स्थल की ओर और आगे बढ़ाओ।'
ये कहकर उसने लूट का माल उठाया और उसे एक इमली के पेड़ पर रख दिया। उन्होंने सरकंडे उखाड़कर और इमली की डालियाँ इकट्ठा करके उस जगह को चिह्नित कर दिया ताकि अंधेरे में लौटते समय वे उसे न भूलें। फिर वे दोनों गिरे हुए कवच और खून के बीच से आगे बढ़े और थोड़ी देर में थ्रेसियन सैनिकों के दल के पास पहुँचे, जो दिन भर की मेहनत से थककर सो रहे थे; उनके उत्तम कवच उनके बगल में तीन पंक्तियों में करीने से पड़े थे; और प्रत्येक सैनिक के पास उसके घोड़ों का जोड़ा था। बीच में रीसस सो रहा था, और उसके पास ही उसके घोड़े उसके रथ के सबसे ऊपरी किनारे से बंधे थे। कुछ दूरी से यूलिसिस ने उसे देखा और कहा, 'डायोमेड, यही वह आदमी है, और ये वही घोड़े हैं जिनके बारे में डोलन ने, जिसे हमने मारा था, हमें बताया था। अपनी पूरी ताकत लगाओ; अपने कवच के बारे में देर मत करो, घोड़ों को तुरंत खोल दो - या फिर तुम खुद इन आदमियों को मार डालो, जबकि मैं घोड़ों का ध्यान रखता हूँ।'
तब मिनर्वा ने डायोमेड के हृदय में साहस भर दिया, और उसने उन्हें दाएं- बाएं से बुरी तरह मारा। जब उन्हें काटा जा रहा था, तब वे भयानक कराह रहे थे, और धरती उनके खून से लाल हो गई थी। जैसे कोई शेर भेड़ों या बकरियों के झुंड पर बिना चरवाहे के देखकर क्रोधित हो उठता है, वैसे ही टाइडियस के पुत्र ने थ्रेसियन सैनिकों पर तब तक हमला किया जब तक उसने बारह को मार नहीं डाला। जैसे ही उसने उन्हें मारा, यूलिसिस आया और उन्हें एक-एक करके पैरों से खींचकर अलग कर दिया, ताकि घोड़े बिना डरे आगे बढ़ सकें, क्योंकि वे अभी तक शवों के अभ्यस्त नहीं थे। जब टाइडियस का पुत्र राजा के पास आया, तो उसने उसे भी मार डाला (जिससे तेरह हो गए), क्योंकि वह हांफ रहा था, क्योंकि मिनर्वा की सलाह से एक बुरा सपना, ओएनियस का बीज, उस रात उसके सिर पर मंडरा रहा था। इस बीच यूलिसिस ने घोड़ों को खोल दिया, उन्हें एक-दूसरे से बांध दिया और उन्हें अपने धनुष से मारते हुए भगा दिया, क्योंकि वह रथ से चाबुक लेना भूल गया था। फिर उसने डायोमेड को संकेत देने के लिए सीटी बजाई। लेकिन डायोमेड वहीं रुका रहा, यह सोचता हुआ कि वह और कौन सा साहसिक कार्य कर सकता है। वह दुविधा में था कि क्या वह उस रथ को ले जाए जिसमें राजा का कवच रखा था और उसे डंडे से खींचकर बाहर निकाले, या कवच को उठाकर ले जाए; या फिर कुछ और थ्रेसियों को मार डाले। जब वह इस तरह हिचकिचा रहा था,

मिनर्वा उसके पास आई और बोली, 'डायोमेड, जहाजों पर वापस जाओ, वरना अगर कोई दूसरा देवता ट्रोजनों को भड़का दे तो तुम्हें भी वहीं भेज दिया जाएगा।' डायोमेड जानता था कि यह देवी है, और तुरंत घोड़ों पर सवार हो गया। यूलिसिस ने अपने धनुष से उन्हें मार गिराया और वे अचेयनों के जहाजों की ओर तेजी से बढ़ गए।
लेकिन अपोलो ने मिनर्वा को टाइडियस के पुत्र के साथ देखकर आंखें मूंद लीं। वह मिनर्वा से क्रोधित हुआ और ट्रोजन सेना के पास आकर उसने थ्रेसियों के सलाहकार और रीसस के कुलीन रिश्तेदार हिप्पोकून को जगाया। हिप्पोकून नींद से जागा और देखा कि घोड़े अपनी जगह पर नहीं थे और सैनिक मृत्यु की पीड़ा में हांफ रहे थे। यह देखकर वह जोर से कराह उठा और अपने मित्र को नाम लेकर पुकारा। तब पूरा ट्रोजन शिविर शोरगुल में डूब गया क्योंकि लोग तेजी से एक साथ भागने लगे और उन वीरों के कारनामों पर आश्चर्य करने लगे जो अब जहाजों की ओर भाग निकले थे।
जब वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ उन्होंने हेक्टर के जासूस को मारा था,
तो यूलिसिस ने अपने घोड़ों को रोका, और टाइडियस के पुत्र ने ज़मीन पर कूदकर खून से सना हुआ लूट का सामान यूलिसिस के हाथों में रखा और फिर से घोड़े पर सवार हो गया। फिर उसने घोड़ों को चाबुक से बांध दिया, और वे बिना किसी हिचकिचाहट के जहाजों की ओर दौड़ पड़े मानो अपनी मर्ज़ी से। नेस्टर ने सबसे पहले उनके पैरों की आहट सुनी। उसने कहा, ‘मेरे मित्रों, आर्गिव्स के राजकुमारों और सलाहकारों, क्या मैं सही या गलत अनुमान लगाऊँ? – लेकिन मुझे वही कहना होगा जो मैं सोचता हूँ: मेरे कानों में घोड़ों के चलने जैसी आवाज़ आ रही है। मुझे उम्मीद है कि यह डायोमेड और यूलिसिस हो सकते हैं जो ट्रोजन से घोड़ों को भगा रहे हैं, लेकिन मुझे बहुत डर है कि आर्गिव्स के सबसे बहादुर योद्धाओं को उनके हाथों कोई नुकसान पहुँचा हो।’
उनके बोलना अभी समाप्त ही हुआ था कि वे दोनों व्यक्ति अंदर आए और
घोड़ों से उतरे, जिस पर बाकी लोगों ने बड़े हर्षोल्लास से उनका हाथ मिलाया और उन्हें बधाई दी। गेरेन के योद्धा नेस्टर ने सबसे पहले उनसे प्रश्न किया। उन्होंने कहा, “हे प्रख्यात यूलिसिस, मुझे बताइए, आप दोनों को ये घोड़े कहाँ से मिले? क्या आप ट्रोजन सेना में छिपकर आए थे, या किसी देवता ने आपको ये घोड़े दिए? ये तो सूर्य की किरणों के समान हैं। मैं ट्रोजनों से भली-भांति परिचित हूँ, क्योंकि मैं एक अनुभवी योद्धा होने के बावजूद

जहाजों के पास कभी नहीं रुकता, लेकिन मैंने आज तक ऐसे घोड़े न देखे हैं और न ही उनके बारे में सुना है। निश्चय ही किसी देवता ने आपको ये घोड़े दिए होंगे, क्योंकि आप दोनों बृहस्पति और उनकी पुत्री मिनर्वा के प्रिय हैं।” और यूलिसिस ने उत्तर दिया, “नेलेयस के पुत्र नेस्टर, अचियन नाम को गौरव प्रदान करें, हे ईश्वर, यदि चाहे तो हमें इन घोड़ों से भी बेहतर घोड़े दे सकता है, क्योंकि देवता हमसे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। लेकिन ये घोड़े, जिनके बारे में आप मुझसे पूछ रहे हैं, अभी-अभी थ्रेस से आए हैं। डायोमेड ने अपने बारह सबसे वीर साथियों के साथ उनके राजा को मार डाला। जहाजों के पास ही हमने एक तेरहवें व्यक्ति को पकड़ा – एक जासूस जिसे हेक्टर और अन्य ट्रोजन ने हमारे जहाजों पर जासूसी करने के लिए भेजा था।”
वह हंसते हुए बोला और घोड़ों को खाई के पार ले गया, जबकि अन्य अचेयन लोग खुशी-खुशी उसके पीछे-पीछे चले। जब वे टाइडियस के पुत्र के मजबूत बने हुए महल में पहुँचे, तो उन्होंने घोड़ों को चमड़े की पट्टियों से चरनी से बाँध दिया, जहाँ डायोमेड के घोड़े मीठा अनाज चर रहे थे, लेकिन यूलिसिस ने डोलन के खून से सने लूटे हुए सामान को अपने जहाज के पिछले हिस्से में लटका दिया, ताकि वे मिनर्वा को एक पवित्र भेंट चढ़ा सकें। वे स्वयं समुद्र में गए और अपने शरीर, गर्दन और जांघों से पसीना धोया। जब समुद्र के पानी ने उनका सारा पसीना सोख लिया और उन्हें तरोताज़ा कर दिया, तो वे स्नानघर में गए और खुद को धोया। ऐसा करने के बाद और तेल से खुद को मलने के बाद, वे मेज पर बैठ गए और एक भरे हुए कटोरे से मिनर्वा को शराब की भेंट चढ़ाई।

पुस्तक 11

सुबह के समय लड़ाई बराबरी पर थी, लेकिन एगामेम्नन ने अचियनों के पक्ष में दिन का रुख मोड़ दिया, जब तक कि वह घायल होकर मैदान छोड़कर नहीं चला गया। फिर हेक्टर ने डायोमेड द्वारा घायल होने तक अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को खदेड़ दिया। पेरिस ने डायोमेड को
घायल कर दिया। यूलिसिस, नेस्टर और इडोमेनियस ने वीरता के चमत्कार
दिखाए। माचोन घायल हो गया। नेस्टर ने उसे अपने रथ में बिठाकर भगा
दिया। अकिलीज़ ने दोनों को शिविर की ओर जाते देखा और पैट्रोक्लस को
यह पूछने के लिए भेजा कि कौन घायल हुआ है। यह पैट्रोक्लस के लिए
बुराई की शुरुआत थी। नेस्टर ने एक लंबा भाषण दिया।
और अब जब भोर टिथोनस के पास अपने पलंग से उठी, जो नश्वर और अमर दोनों के लिए प्रकाश का संदेशवाहक था, तो बृहस्पति ने युद्ध का ध्वज लिए भयंकर कलह को अचेयनों के जहाजों की ओर भेजा। वह यूलिसिस के विशाल काले जहाज के पास खड़ी हुई, जो सभी जहाजों के बीचोंबीच था, ताकि उसकी आवाज दोनों ओर सबसे दूर तक सुनाई दे, एक ओर टेलमोन के पुत्र एजैक्स के तम्बुओं की ओर और दूसरी ओर अकिलीज़ के तम्बुओं की ओर - क्योंकि ये दोनों वीर, अपनी शक्ति के प्रति पूर्ण रूप से आश्वस्त होकर, अपने जहाजों को पंक्ति के दोनों सिरों पर वीरतापूर्वक खड़ा कर चुके थे। वहाँ खड़ी होकर उसने एक ऊँची और तीखी आवाज लगाई जिसने अचेयनों को साहस से भर दिया, उन्हें दृढ़ता से और अपनी पूरी शक्ति से लड़ने का हौसला दिया, जिससे वे अपने जहाजों में घर लौटने के बजाय वहीं रुककर युद्ध करना पसंद करने लगे।
एट्रियस के पुत्र ने ज़ोर से चिल्लाकर अर्गिव्स को युद्ध के लिए कमर कसने का आदेश दिया, जबकि उसने अपना कवच पहन लिया। सबसे पहले उसने अपने सुंदर कवच को अपने पैरों पर बांधा और चांदी के टखने के क्लिप से उसे कस दिया; और अपनी छाती पर वह कवच पहनाया जो सिनिरस ने उसे अतिथि उपहार के रूप में दिया था। साइप्रस तक यह खबर फैल गई थी कि अचियन ट्रॉय के लिए रवाना होने वाले हैं, इसलिए उसने इसे राजा को दे दिया था। इसमें गहरे नीले रंग की

दस परतें, सोने की बारह और टिन की दस परतें थीं। गर्दन की ओर नीले रंग के सर्प बने हुए थे, दोनों ओर तीन-तीन, उन इंद्रधनुषों की तरह जिन्हें शनि के पुत्र ने मनुष्यों के लिए एक संकेत के रूप में आकाश में स्थापित किया था। उसने अपने कंधों पर सोने के जड़े हुए अपनी तलवार डाल ली; और म्यान चांदी का था जिसमें उसे लटकाने के लिए सोने की चेन लगी हुई थी। इसके अलावा, उसने वह अलंकृत ढाल भी धारण कर ली, जो युद्ध के समय उसके शरीर को ढकती थी - देखने में सुंदर, जिसके चारों ओर कांसे के दस वृत्त बने हुए थे। ढाल के ऊपरी भाग पर सफेद टिन के बीस उभार थे, और मध्य में गहरे नीले रंग का एक और उभार था: इस अंतिम उभार पर एक भयंकर और भयावह गॉर्गन का सिर बना हुआ था, जिसके दोनों ओर भगदड़ और दहशत थी। भुजा डालने के लिए बनी पट्टी चांदी की थी, जिस पर नीले रंग का एक रेंगता हुआ सांप बना था, जिसके तीन सिर एक ही गर्दन से निकले हुए थे और एक दूसरे के बीच से गुजर रहे थे। अपने सिर पर एगामेम्नन ने एक हेलमेट पहना हुआ था, जिसके आगे और पीछे शिखर थे, और उसके ऊपर घोड़े के बालों के चार पंख धमकी भरे ढंग से लहरा रहे थे; फिर उसने कांसे की दो शक्तिशाली ढालों को पकड़ा, और उसके कवच की चमक आकाश में लौ की तरह फैल गई, जबकि जूनो और मिनर्वा ने समृद्ध माइसीन के राजा के सम्मान में गर्जना की।
अब हर सैनिक अपने घोड़ों को अपने सारथी के हवाले करके खाई के पास तैयार खड़ा रहा, जबकि वह स्वयं पूर्ण कवच धारण किए पैदल ही युद्ध में उतर गया, और भोर होते ही आसमान में एक भयंकर शोर मच गया। सरदार हथियारों से लैस होकर घोड़ों के पहुँचने से पहले ही खाई में पहुँच चुके थे, लेकिन घोड़े भी तुरंत आ गए। शनि के पुत्र ने उनकी सेना के चारों ओर अशुभ संकेत भेजा, और ओस खून से लाल हो गई, क्योंकि वह कई वीर योद्धाओं को पाताल लोक भेजने वाला था। मैदान की ढलान पर दूसरी ओर, ट्रोजन लोग महान हेक्टर, कुलीन पॉलीडामास, ट्रोजनों द्वारा अमर माने जाने वाले ऐनेस और एंटनोर के तीन पुत्रों, पॉलीबस, एजेनोर और देवता के समान सुंदर युवा अकामास के चारों ओर एकत्रित थे। हेक्टर की गोल ढाल सबसे आगे वाली पंक्ति में दिखाई दे रही थी, और जैसे कोई अशुभ तारा बादलों के बीच से क्षण भर के लिए चमकता है और फिर उनके नीचे छिप जाता है; ठीक वैसे ही हेक्टर कभी सबसे आगे वाली पंक्ति में तो कभी सबसे पीछे दिखाई देता था, और उसका कांस्य कवच एजिस धारण किए हुए बृहस्पति की बिजली की तरह चमक रहा था।

और अब जैसे फसल काटने वालों का एक समूह किसी धनी व्यक्ति की ज़मीन पर गेहूँ या जौ की फसल काटता है और गठ्ठे उनके सामने गिरते हैं, ठीक वैसे ही ट्रोजन और अचेयन एक-दूसरे पर टूट पड़े; वे हार मानने के मूड में नहीं थे, बल्कि भेड़ियों की तरह लड़े, और कोई भी पक्ष दूसरे पर हावी नहीं हो सका। कलह उन्हें देखकर प्रसन्न हुई, क्योंकि वही एकमात्र देवी थी जो उनके बीच थी; बाकी सभी वहाँ नहीं थे, बल्कि ओलंपस की घाटियों और दर्रों में अपने- अपने घरों में चुपचाप बैठे रहे। उन सभी ने शनि के पुत्र को ट्रोजन को विजय दिलाने की इच्छा रखने के लिए दोषी ठहराया, लेकिन पिता बृहस्पति ने उनकी परवाह नहीं की: वह सबसे अलग रहे, और अपनी महिमामयी भव्यता में एकांत में बैठे रहे, ट्रोजन के शहर, अचेयन के जहाजों, पीतल की चमक, और हत्यारों और मारे गए लोगों पर समान रूप से दृष्टि डालते रहे।
दिन ढलता गया और सुबह होती रही, तब तक उनके तीर एक-दूसरे पर बरसते रहे
और लोग मारे जाते रहे। लेकिन जैसे ही वह समय निकट आया जब किसी पर्वतीय जंगल में काम करने वाले लकड़हारे को दोपहर का भोजन मिलता है – क्योंकि वह इतना पेड़ काट चुका होता है कि उसके हाथ थक जाते हैं; वह पूरी तरह थक चुका होता है और उसे भोजन की आवश्यकता होती है – तभी दानानियों ने अपनी पूरी सेना में एक जोरदार जयकार करते हुए शत्रु की टुकड़ियों को तितर-बितर कर दिया। एगामेम्नन ने उनका नेतृत्व किया और सबसे पहले अपने लोगों के नेता बिएनोर को मार डाला, और उसके बाद उसके साथी और सारथी ओइलियस को, जो अपने रथ से कूदकर पूरी गति से उसकी ओर आ रहा था; लेकिन एगामेम्नन ने अपने भाले से उसके माथे पर प्रहार किया; उसका कांस्य का मुखौटा उस हथियार के सामने बेकार साबित हुआ, जिसने कांस्य और हड्डी दोनों को भेद दिया, जिससे उसका मस्तिष्क चकनाचूर हो गया और वह युद्ध में ही मारा गया।
एगमेम्नन ने उनके वस्त्र उतार दिए और उन्हें वहीं नग्न अवस्था में
छोड़ दिया जहाँ वे गिरे थे। फिर उसने प्रियम के दो पुत्रों, इसुस और एंटिफस को मार डाला; एक पुत्र नाजायज था और दूसरा विवाह के बाद जन्मा था। वे दोनों एक ही रथ में थे – नाजायज पुत्र रथ चला रहा था, जबकि कुलीन एंटिफस उसके बगल में लड़ रहा था। एक बार अकिलीज़ ने इडा के जंगलों में उन दोनों को बंदी बना लिया था और चरवाहे के रूप में चरते समय उन्हें ताज़ी टहनियों से बाँध दिया था, लेकिन फिरौती लेकर उन्हें छुड़ा लिया था। अब, एट्रीयस के पुत्र एगमेम्नन ने इसुस की छाती पर थन के ऊपर भाले से प्रहार किया, जबकि एंटिफस

के कान पर ज़ोर से वार करके उसे रथ से नीचे फेंक दिया। उसने तुरंत उनके उत्तम कवच उतार दिए और उन्हें पहचान लिया, क्योंकि उसने उन्हें पहले ही जहाजों पर देखा था जब अकिलीज़ उन्हें इडा से लाया था। जैसे एक शेर अपनी मांद में लौटते समय हिरणी के बच्चे को अपने विशाल जबड़ों में जकड़कर कुचल देता है और उनकी कोमल जान ले लेता है - हिरणी पास होने के बावजूद भी उनके लिए कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि वह भय से व्याकुल होती है और घने जंगल में पसीने से तरबतर होकर उस शक्तिशाली राक्षस से बचने के लिए अपनी पूरी गति से भागती है - उसी प्रकार, ट्रोजन का कोई भी व्यक्ति इसुस और एंटिफस की सहायता नहीं कर सका, क्योंकि वे स्वयं अर्गिव्स से घबराकर भाग रहे थे।
फिर राजा एगामेम्नन ने एंटीमाकस के दो पुत्रों, पिसांडर और वीर हिप्पोलोकस को अपने साथ लिया। एंटीमाकस ही वह व्यक्ति था जिसने हेलेन को मेनेलास को वापस सौंपे जाने से रोकने में सबसे आगे भूमिका निभाई थी, क्योंकि उसे अलेक्जेंड्रस ने बड़ी रिश्वत दी थी; और अब एगामेम्नन अपने दोनों पुत्रों को एक ही रथ में लेकर घोड़ों को रोकने का प्रयास कर रहा था - क्योंकि लगाम उनके हाथ से छूट गई थी और घोड़े डर से पागल हो रहे थे। एट्रीयस का पुत्र शेर की तरह उन पर झपटा, और दोनों ने रथ से ही उससे विनती की। “एट्रीयस के पुत्र, हमें जीवित पकड़ लो, और तुम हमारे लिए बहुत बड़ी फिरौती पाओगे। हमारे पिता एंटीमाकस के पास सोने, पीतल और लोहे का बहुत बड़ा भंडार है, और यदि उसे अचेयनों के जहाजों पर हमारे जीवित होने की खबर मिली, तो वह इससे तुम्हें बहुत बड़ी फिरौती देगा।”
उन्होंने बड़ी दयनीय भाषा और आँसुओं के साथ राजा से विनती की, लेकिन उन्हें बदले में कोई दयनीय उत्तर नहीं मिला। एगामेम्नन ने कहा, “यदि तुम एंटिमाकस के पुत्र हो, जिसने एक बार ट्रोजनों की सभा में यह प्रस्ताव रखा था कि मेनेलास और यूलिसिस, जो तुम्हारे पास दूत बनकर आए थे, उन्हें मार डाला जाए और वापस न लौटने दिया जाए, तो अब तुम्हें अपने पिता के इस घिनौने पाप का दंड भुगतना होगा।”
बोलते ही उसने पिसांदर को उसके रथ से नीचे गिरा दिया, अपने भाले से
उसकी छाती पर वार किया, जिससे वह मुंह के बल जमीन पर गिर पड़ा। हिप्पोलोकस भाग गया, लेकिन एगामेम्नन ने उसे भी मार गिराया; उसने उसके हाथ और सिर काट दिए - जिसे उसने भीड़ के बीच एक गेंद की तरह लुढ़का दिया। उसने उन दोनों को वहीं पड़ा रहने दिया, और जहाँ भी सबसे घनी सेना थी, वह वहाँ दौड़ पड़ा, जबकि

अन्य अचेयन उसके पीछे-पीछे चले। पैदल सैनिकों ने दुश्मन के पैदल सैनिकों को अपने सामने से खदेड़ दिया और उन्हें मार डाला; घुड़सवारों ने भी ऐसा ही किया, और घोड़ों की गड़गड़ाहट से मैदान से धूल का बादल उठ उठा। राजा एगामेम्नन लगातार उन्हें मारता हुआ और अचेयनों का उत्साह बढ़ाता हुआ उनके पीछे-पीछे चल रहा था। जैसे किसी विशाल जंगल में आग लग जाती है - हवा के भंवर आग को चारों दिशाओं में तब तक घुमाते हैं जब तक कि झाड़ियाँ सूखकर लपटों के प्रकोप से भस्म न हो जाएँ - ठीक उसी तरह एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन के सामने भागते हुए ट्रोजनों के सिर गिर पड़े, और कई शानदार घोड़ों की जोड़ियाँ युद्ध के राजमार्गों पर खाली रथों को खींचती रहीं, क्योंकि मैदान में पड़े सारथी उनकी कमी से जूझ रहे थे, जो अब अपनी पत्नियों की तुलना में गिद्धों के लिए अधिक उपयोगी थे।
बृहस्पति ने हेक्टर को युद्ध के भीषण नरसंहार और शोरगुल से दूर खींच लिया; लेकिन एट्रीयस का पुत्र दानानों को पुकारते हुए तेज़ी से आगे बढ़ता रहा। वे मैदान के बीच में स्थित बूढ़े इलस, डारडानस के पुत्र की कब्र के पास से गुज़रे और जंगली अंजीर के पेड़ के स्थान से होते हुए शहर की ओर बढ़ते रहे – एट्रीयस का पुत्र अभी भी चिल्ला रहा था और उसके हाथ खून से लथपथ थे; लेकिन जब वे स्केयन द्वार और बलूत के पेड़ के पास पहुँचे, तो वे वहाँ रुक गए और दूसरों के आने का इंतज़ार करने लगे। इस बीच, ट्रोजन लोग मैदान के बीचोंबीच ऐसे भागते रहे जैसे रात के अंधेरे में शेर के हमले से पागल गायों का झुंड भाग रहा हो। शेर उनमें से एक पर झपटता है, उसकी गर्दन को अपने मजबूत दांतों से जकड़ लेता है और फिर उसका खून चाटकर उसकी आंतें खा जाता है। ठीक इसी तरह, एट्रियस के पुत्र राजा एगामेम्नन ने दुश्मन का पीछा किया और भागते हुए हर एक को मार गिराया। एट्रियस के पुत्र ने अपने भाले को क्रोध से चलाते हुए कई लोगों को रथ से नीचे फेंक दिया।
लेकिन जब वह ऊँची दीवार और शहर के पास पहुँचने ही वाला था, तभी देवताओं
और मनुष्यों के पिता स्वर्ग से नीचे उतरे और अनेक जलप्रपातों वाली इडा पर्वत की चोटी पर वज्र हाथ में लिए विराजमान हो गए। फिर उन्होंने सुनहरे पंखों वाली आइरिस को उनके लिए एक संदेश ले जाने को कहा। उन्होंने कहा, ‘जाओ, तेज आइरिस, और हेक्टर से इस प्रकार कहो – कि जब तक वह एगामेम्नन को अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए ट्रोजन सेना को तहस-नहस करते हुए देखे, तब तक वह अलग रहे और दूसरों को युद्ध का भार उठाने के लिए कहे, लेकिन जब

एगामेम्नन भाले या तीर से घायल हो जाए और अपने रथ पर सवार हो जाए, तब मैं उसे जहाजों तक पहुँचने और सूर्यास्त के समय रात होने तक युद्ध करने की शक्ति प्रदान करूँगा।’
आइरिस ने बात मानी और आज्ञा का पालन किया। वह इडा पर्वतमाला से शक्तिशाली इलियस के पास उतरी और वहाँ उसने प्रियम के पुत्र हेक्टर को अपने रथ और घोड़ों के पास खड़ा पाया। तब उसने कहा, ‘हे प्रियम के पुत्र हेक्टर, जो सलाह देने में देवताओं के समतुल्य हैं, पिता ज़्यूस ने मुझे यह संदेश देने के लिए भेजा है – जब तक आप एगामेम्नन को अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए ट्रोजन सेना पर कहर बरपाते हुए देखते हैं, तब तक आप अलग रहें और दूसरों को युद्ध का भार उठाने के लिए कहें, लेकिन जब एगामेम्नन भाले या तीर से घायल हो जाए और अपने रथ पर सवार हो जाए, तब ज़्यूस आपको तब तक वध करने की शक्ति प्रदान करेंगे, जब तक आप जहाजों तक न पहुँच जाएँ और सूर्यास्त के समय रात न हो जाए।’
जब आइरिस ने ऐसा कहा, तो वह उसे छोड़कर चली गई, और हेक्टर अपने रथ से
पूरी तरह हथियारों से लैस होकर ज़मीन पर कूद पड़ा। वह भाला लहराते हुए सेना के बीच घूम-घूम कर अपने सैनिकों का उत्साहवर्धन कर युद्ध का भयंकर माहौल बना रहा था। फिर ट्रोजन सेना घूमी और एक बार फिर अचेयन सेना से भिड़ गई, जबकि आर्गी सेना ने अपनी टुकड़ियों को और मजबूत कर लिया। अब युद्ध की तैयारी शुरू हो चुकी थी और दोनों सेनाएँ आमने-सामने खड़ी थीं। एगामेम्नन सबसे आगे रहने की होड़ में लगातार आगे बढ़ता जा रहा था।
हे ओलंपस के महलों में निवास करने वाली देवियों, मुझे बताओ कि ट्रोजन
और उनके सहयोगियों में से सबसे पहले एगामेम्नन का सामना किसने किया था? वह एंटनोर का पुत्र इफीदामास था, जो एक वीर और विशाल पुरुष था और उपजाऊ थ्रेस में भेड़ों की माँ के रूप में पला-बढ़ा था। उसके माता-पिता सिस्स ने उसे बचपन में अपने घर में पाला-पोसा था - सिस्स, जो सुंदर थियानो के पिता थे। जब वह वयस्क हुआ, तो सिस्स उसे अपने पास रखना चाहते थे और अपनी पुत्री का विवाह उससे करवाना चाहते थे, लेकिन विवाह होते ही वह अपने साथ बारह जहाजों के साथ अचेयनों से लड़ने के लिए निकल पड़ा: उसने इन जहाजों को परकोट में छोड़ दिया और ज़मीन के रास्ते इलियस तक आया। अब उसी ने एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन का सामना किया। जब वे एक-दूसरे के बिल्कुल करीब आ गए, तो एट्रीयस के पुत्र का निशाना चूक गया, और इफीदामास ने कवच के नीचे कमरबंद पर

वार किया और फिर अपनी भुजाओं की शक्ति पर भरोसा करते हुए उस पर झपटा; हालाँकि, कमरबंद में छेद नहीं हुआ, बल्कि लगभग छेद हो ही नहीं पाया, क्योंकि भाले की नोक चांदी से टकराई और ऐसे मुड़ गई जैसे वह सीसा हो। राजा एगामेम्नन ने उसे उसके हाथ से छीन लिया और शेर के क्रोध से उसे अपनी ओर खींच लिया; फिर उसने अपनी तलवार निकाली और इफीदामास की गर्दन पर वार करके उसे मार डाला। इस प्रकार वह बेचारा वहीं पड़ा रहा, मानो कांसे की नींद में सो रहा हो, अपने साथी नागरिकों की रक्षा में मारा गया, अपनी विवाहित पत्नी से दूर, जिससे उसे कोई सुख नहीं मिला था, हालाँकि उसने उसके लिए बहुत कुछ दिया था: उसने सौ मवेशी दान में दिए थे, और बाद में अपने पास मौजूद अनगिनत भेड़ों में से एक हजार मिश्रित भेड़ और बकरियाँ देने का वादा किया था। तब एट्रीयस के पुत्र अगमेमन ने उसे लूट लिया और उसका कवच लेकर अचेयन सेना में शामिल हो गया।
जब महान कोन, एंटनोर के सबसे बड़े पुत्र ने यह देखा, तो अपने गिरे हुए
भाई को देखकर उसकी आँखें अत्यंत पीड़ा से भर उठीं। एगामेम्नन की नज़र से बचकर वह भाला हाथ में लिए उसके पास पहुँचा और उसकी कोहनी के नीचे, बाँह के बीचोंबीच वार किया, भाले की नोक सीधे बाँह के आर-पार हो गई। एगामेम्नन दर्द से तड़प उठा, लेकिन फिर भी उसने संघर्ष और लड़ाई नहीं छोड़ी, बल्कि हवा की तरह तेज़ गति से उड़ते हुए अपने भाले को पकड़ा और कोन पर झपटा, जो अपने भाई - अपने पिता के पुत्र - के शव को पैर से घसीटने की कोशिश कर रहा था और अपने सभी बहादुर साथियों से मदद के लिए पुकार रहा था; लेकिन एगामेम्नन ने उसे काँसे हुए भाले से मारा और उसे मार डाला, जब वह अपनी ढाल की आड़ में शव को भीड़ के बीच से घसीट रहा था: फिर उसने इफीदामस के शव के ऊपर खड़े होकर उसका सिर काट दिया। इस प्रकार एंटनोर के पुत्रों का एट्रियस के पुत्र के हाथों अंत हुआ और वे पाताल लोक में चले गए।
जब तक उसके घाव से गर्म खून बहता रहा, अगामेम्नन भाले, तलवार और मुट्ठी
भर पत्थरों से शत्रु की सेना पर आक्रमण करता रहा, लेकिन जब खून बहना बंद हो गया और घाव सूख गया, तो दर्द बहुत बढ़ गया। प्रसव की देवी, जूनो की पुत्रियाँ और क्रूर पीड़ा देने वाली इलिथुआएँ जब किसी स्त्री को प्रसव पीड़ा देती हैं, ठीक वैसे ही तीव्र दर्द अट्रियस के पुत्र को हो रहा था। वह अपने रथ पर उछल पड़ा और अपने सारथी को जहाजों की ओर चलने का आदेश दिया, क्योंकि वह असहनीय पीड़ा में था। उसने ऊँची और स्पष्ट आवाज़ में दानानों

से कहा, 'मेरे मित्रों, अर्गिव्स के राजकुमारों और सलाहकारों, जहाजों की रक्षा स्वयं करो, क्योंकि बृहस्पति ने मुझे पूरे दिन ट्रोजन के विरुद्ध लड़ने की अनुमति नहीं दी है।'
इसके साथ ही सारथी ने अपने घोड़ों को जहाजों की ओर मोड़ दिया और वे
बिना किसी हिचकिचाहट के आगे बढ़ गए। उनके सीने झाग से सफेद और पेट धूल से सने हुए थे, क्योंकि वे घायल राजा को युद्धक्षेत्र से बाहर खींच रहे थे। जब हेक्टर ने अगामेम्नन को युद्धक्षेत्र छोड़ते देखा, तो उसने ट्रोजन
और लाइसियन योद्धाओं से चिल्लाकर कहा, “मेरे मित्रों, ट्रोजन, लाइसियन और डार्डानियन योद्धाओं, हिम्मत दिखाओ और युद्ध में बहादुरी से लड़ो; उनका सबसे अच्छा योद्धा उन्हें छोड़कर चला गया है, और बृहस्पति ने मुझे एक महान विजय प्रदान की है; अपने रथों से शत्रु पर आक्रमण करो ताकि तुम और भी अधिक गौरव प्राप्त कर सको।”
इन शब्दों के साथ उसने अपना पूरा दिल और जान लगा दी, और जैसे कोई शिकारी शेर या जंगली सूअर के पीछे अपने कुत्तों को दौड़ाता है, वैसे ही मंगल के समकक्ष हेक्टर ने घमंडी ट्रोजनों को अचेयनों के विरुद्ध दौड़ाया। आशा से परिपूर्ण होकर वह सबसे आगे बढ़कर युद्ध में कूद पड़ा, और किसी भयंकर आंधी की तरह समुद्र पर टूट पड़ा, जो उसके गहरे नीले पानी को प्रचंड कर देती है। तो फिर, उस विजय के क्षण में, जो बृहस्पति ने प्रियम के पुत्र हेक्टर को प्रदान की थी, उन सभी की पूरी कहानी क्या है जिन्हें उसने मार डाला? सर्वप्रथम असायस, ऑटोनोअस और ओपिट्स; क्लिटियस का पुत्र डोलोप्स, ओफेल्टियस और एगेलॉस; युद्ध में दृढ़ ऐसिमनस, ओरस और हिप्पोनोअस; हेक्टर ने अचियन वंश के इन सरदारों को मार डाला, और फिर उसने सेना के अन्य सैनिकों पर आक्रमण किया। जैसे पश्चिम की हवा दक्षिण के सफेद बादलों को अपनी प्रचंडता से चीर देती है और उन पर प्रहार करती है - समुद्र की लहरें ऊंची उठती हैं और फुहार हवा के प्रकोप से ऊपर उछलती है - ठीक वैसे ही हेक्टर के हाथों मारे गए लोगों के सिर इतने घने थे।
तब सब कुछ खो चुका था और कोई उपाय नहीं बचा था, और अचेयन लोग अपने
जहाजों की ओर भागने ही वाले थे, यदि यूलिसिस ने डायोमेड से यह न कहा होता, ‘टाइडियस के पुत्र, हमारे साथ ऐसा क्या हुआ है कि हम अपनी वीरता को इस प्रकार भूल गए हैं? आओ, मेरे मित्र, मेरे साथ खड़े हो जाओ और मेरी सहायता

करो, यदि हेक्टर जहाजों पर कब्जा कर लेता है तो हम सदा के लिए लज्जित होंगे।’
और डायोमेड ने उत्तर दिया, 'चाहे कुछ भी हो जाए, मैं दृढ़ रहूंगा; लेकिन हमें इससे बहुत कम खुशी मिलेगी, क्योंकि बृहस्पति हमें जीतने के बजाय ट्रोजन को जीत दिलाना चाहता है।'
इन शब्दों के साथ उसने थिम्ब्रेअस को रथ से नीचे गिरा दिया और अपने
भाले से उसकी बाईं छाती पर वार किया, जबकि यूलिसिस ने अपने सहायक मोलियन को मार डाला। अब जब उन्होंने लड़ाई रोक दी थी, तो उन्होंने उन्हें वहीं छोड़ दिया; फिर दोनों वीर शत्रु पर कहर बरपाने लगे, मानो दो जंगली सूअर क्रोध में आकर अपने पीछे दौड़ रहे कुत्तों को फाड़ डालते हैं। इस प्रकार उन्होंने ट्रोजनों पर हमला किया और उन्हें मार डाला, और हेक्टर से भागते समय अचेयनों को राहत की सांस लेने का समय मिला, इसके लिए वे आभारी थे।
फिर वे अपने रथ पर सवार दो राजकुमारों को ले गए, जो पर्कोटे के मेरोप्स के दो पुत्र थे और भविष्यवाणियों में सबसे श्रेष्ठ थे। मेरोप्स ने अपने पुत्रों को युद्ध में जाने से मना किया था, लेकिन उन्होंने उसकी आज्ञा नहीं मानी, क्योंकि भाग्य ने उन्हें पतन की ओर खींच लिया था। टाइडियस के पुत्र डायोमेड ने उन दोनों को मार डाला और उनके कवच छीन लिए, जबकि यूलिसिस ने हिप्पोडामस और हाइपेरोकस को मार डाला।
और अब शनि के पुत्र ने इडा से नीचे देखते हुए यह आदेश दिया कि किसी भी पक्ष को लाभ न मिले, और वे एक-दूसरे को मारते रहे। टाइडियस के पुत्र ने पैऑन के पुत्र एगास्ट्रोफस को अपने भाले से कूल्हे में घायल कर दिया। उसका रथ उसके पास नहीं था, जिससे वह भाग सके, क्योंकि वह इतना अंधाधुंध आत्मविश्वास में था। उसका सहायक कुछ दूरी पर रथ की देखरेख कर रहा था और वह अपनी जान गंवाने तक सबसे आगे पैदल लड़ता रहा। हेक्टर ने जल्द ही डायोमेड और यूलिसिस द्वारा मचाई जा रही तबाही को देखा और एक ज़ोरदार चीख के साथ उन पर टूट पड़ा, उसके पीछे ट्रोजन सेना भी थी; बहादुर डायोमेड उन्हें देखकर भयभीत हो गया और अपने बगल में खड़े यूलिसिस से कहा, 'महान हेक्टर हम पर टूट पड़ रहा है और हम नष्ट हो जाएंगे; चलो डटे रहें और उसके हमले का इंतज़ार करें।'
बोलते हुए उसने अपना भाला तपाया और फेंका, और उसका निशाना बिल्कुल
नहीं चूका। उसने हेक्टर के सिर पर, उसके हेलमेट के ऊपरी हिस्से के पास

निशाना साधा था, लेकिन पीतल पीतल को घुमा देता है, और हेक्टर को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि भाला तीन धातु की प्लेटों से बने उस हेलमेट से रुक गया था, जो अपोलो फ़ीबस ने उसे दिया था। हेक्टर सैनिकों की आड़ में एक ज़ोरदार छलांग लगाकर पीछे हट गया; वह घुटनों के बल गिर पड़ा और अपने बलिष्ठ हाथ से ज़मीन पर सहारा लिया, क्योंकि उसकी आँखों के सामने अंधेरा छा गया था। टाइडियस के पुत्र ने अपना भाला फेंककर सबसे आगे के योद्धाओं के बीच उस जगह पर छलांग लगाई जहाँ उसने उसे ज़मीन पर गिरते देखा था; इस बीच हेक्टर ने खुद को संभाला और वापस अपने रथ में सवार होकर भीड़ में मिल गया, इस तरह उसने अपनी जान बचाई। लेकिन डायोमेड ने अपने भाले से उस पर हमला किया और कहा, 'कुत्ते, तुम फिर से बच निकले जबकि मौत तुम्हारे बिल्कुल करीब थी।' अपोलो फ़ीबस, जिनसे मुझे लगता है कि आप युद्ध में जाने से पहले प्रार्थना करते हैं, ने आपको फिर से बचा लिया है, फिर भी मैं आपसे मिलूंगा और आगे चलकर आपका अंत कर दूंगा, यदि कोई देवता मेरा साथ दे और मेरी सहायता करे। फिलहाल मुझे उन लोगों का पीछा करना होगा जिन्हें मैं पकड़ सकता हूँ।
जैसे ही वह बोलने लगा, उसने पैऑन के पुत्र से लूट का माल छीनना शुरू कर दिया, तभी सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस ने उस पर तीर तान दिया। अलेक्जेंड्रस उस स्मारक के एक स्तंभ से टिका हुआ था जिसे प्राचीन काल के शासक डार्डनस के पुत्र इलस के लिए लोगों ने बनवाया था। डायोमेड ने अगास्ट्रोफस की छाती से कवच, उसका भारी हेलमेट और उसके कंधों से ढाल उतार ली थी, तभी पेरिस ने अपना धनुष उठाया और एक तीर चलाया जो व्यर्थ नहीं गया, बल्कि डायोमेड के दाहिने पैर के तलवे को भेदते हुए आर-पार हो गया और जमीन में धंस गया। इस पर पेरिस जोर से हंसते हुए अपने छिपने की जगह से बाहर निकला और उसे ताना मारते हुए कहा, 'तुम घायल हो - मेरा तीर व्यर्थ नहीं गया; काश यह तुम्हारे पेट में लगता और तुम्हें मार डालता, क्योंकि इस तरह ट्रोजन, जो तुमसे शेर से बकरियों की तरह डरते हैं, बुराई से समझौता कर लेते।'
डायोमेड ने निडर होकर उत्तर दिया, “हे धनुर्धर, तू जो अपने धनुष के
बिना कुछ भी नहीं है, हे निंदा करने वाले और बहकाने वाले, यदि तुझे कवच पहने हुए एकल युद्ध में आज़माया जाए, तो तेरा धनुष और तेरे तीर तेरे किसी काम के नहीं आएंगे। तूने मेरे पैर के तलवे पर खरोंच भी लगाई है, तेरा घमंड व्यर्थ है। मुझे उतना ही फर्क पड़ता है जितना किसी लड़की या मूर्ख लड़के

के वार से। एक निकम्मा कायर तो बस हल्का सा घाव कर सकता है; लेकिन जब मैं किसी आदमी को घायल करता हूँ, चाहे उसकी त्वचा को खरोंच ही क्यों न दूँ, तो बात अलग है, क्योंकि मेरा हथियार उसे मार डालेगा। उसकी पत्नी शोक से अपने गाल नोचेगी और उसके बच्चे अनाथ हो जाएंगे: वह वहीं सड़ेगा, अपने खून से धरती को लाल कर देगा, और उसके चारों ओर गिद्ध मंडराएंगे, न कि औरतें।” उसने ऐसा कहा, लेकिन तभी यूलिसिस आकर उसके ऊपर खड़ा हो गया। उसकी आड़ में बैठकर उसने अपने पैर से तीर निकाला, और ऐसा करते समय उसे असहनीय दर्द हुआ। फिर वह अपने रथ पर सवार हुआ और सारथी को जहाज़ों तक ले जाने का आदेश दिया, क्योंकि वह बहुत दुखी था।
अब यूलिसिस अकेला था; अर्गिव वंश का कोई भी सदस्य उसके साथ नहीं था, क्योंकि वे सब भयभीत थे। ‘हाय,’ उसने निराशा में मन ही मन कहा, ‘मेरा क्या होगा? इन विपरीत परिस्थितियों के सामने भाग जाना ठीक नहीं है, लेकिन अगर मुझे अकेला छोड़ दिया गया और बंदी बना लिया गया तो और भी बुरा होगा, क्योंकि शनि के पुत्र ने बाकी दानानों में दहशत फैला दी है। लेकिन मैं इस तरह खुद से क्यों बात कर रहा हूँ? मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि कायर भले ही मैदान छोड़ दें, लेकिन एक नायक, चाहे वह घायल करे या घायल हो, उसे दृढ़ रहना चाहिए और अपनी रक्षा करनी चाहिए।’
जब वह दुविधा में था, तभी ट्रोजन सेना आगे बढ़ी और उसे घेर लिया, और उन्हें इसका भारी पछतावा हुआ। जैसे शिकारी कुत्ते और बलवान युवक अपने मांद से निकलकर अपने सफेद दांत चमकाते जंगली सूअर पर टूट पड़ते हैं - वे उस पर चारों ओर से हमला करते हैं और उसके जबड़े किटकिटाने की आवाज सुनाई देती है, लेकिन उसकी भयंकर आक्रामकता के बावजूद वे डटे रहते हैं - ठीक उसी तरह ट्रोजनों ने यूलिसिस पर भयंकर आक्रमण किया। सबसे पहले उसने भाला हाथ में लिए डियोपिट्स पर झपट्टा मारा और नीचे की ओर वार करके उसके कंधे को घायल कर दिया; फिर उसने थून और एनोमस को मार डाला। इसके बाद उसने चेर्सिडामास की कमर पर, जब वह रथ से नीचे उतरा ही था, उसकी ढाल के नीचे वार किया; जिससे वह धूल में गिर पड़ा और अपनी हथेली में मिट्टी थाम ली। उसने उसे वहीं छोड़ दिया और आगे बढ़कर हिप्पासुस के पुत्र और कुलीन सोकस के सगे भाई चारोप्स को घायल कर दिया। सोकस, जो एक वीर पुरुष था, उसकी सहायता के लिए पूरी गति से आगे बढ़ा, और जब वह यूलिसिस के करीब पहुंचा तो उसने कहा, 'सुप्रसिद्ध यूलिसिस, छल और परिश्रम के अतृप्त स्वामी, आज तुम या तो हिप्पासुस के दोनों

पुत्रों को मारकर उनके कवच छीन लेने का दावा करोगे, या मेरे भाले के सामने गिर पड़ोगे।'
इन शब्दों के साथ उसने यूलिसिस की ढाल पर प्रहार किया। भाला ढाल को भेदते हुए उसके अलंकृत कवच को चीरता हुआ उसके पार्श्व भाग से मांस को चीरता हुआ निकल गया, परन्तु पल्लास मिनर्वा ने उसे वीर के अंतर्मन को भेदने नहीं दिया। यूलिसिस जानता था कि उसका समय अभी नहीं आया है, परन्तु उसने पीछे हटकर सोकस से कहा, ‘दुष्ट, अब तो तुम निश्चित रूप से मरोगे। तुमने मुझे ट्रोजनों से आगे लड़ने से रोक रखा है, परन्तु अब तुम मेरे भाले से मारे जाओगे, मुझे गौरव प्रदान करोगे और अपनी आत्मा को महान अश्वों के देवता हेड्स को सौंप दोगे।’
सोकस भागने के लिए मुड़ा, लेकिन जैसे ही वह मुड़ा, भाला उसकी पीठ पर
कंधों के बीचोंबीच लगा और सीधे उसकी छाती को भेद गया। वह ज़मीन पर ज़ोर से गिरा और यूलिसिस ने उस पर गर्व करते हुए कहा, 'हे सोकस, घोड़ों को वश में करने वाले हिप्पासुस के पुत्र, मृत्यु तुम्हारे लिए बहुत जल्दी आ गई और तुम उससे बच नहीं पाए: बेचारे, मृत्यु में भी तुम्हारे माता-पिता तुम्हारी आँखें बंद नहीं कर पाएँगे, बल्कि भूखे गिद्ध अपने काले पंखों को फड़फड़ाकर तुम्हें घेर लेंगे और खा जाएँगे। जबकि मैं भले ही मर जाऊँ, अचेयन मुझे मेरे उचित अंतिम संस्कार देंगे।'
ऐसा कहते हुए उसने सोकस का भारी भाला अपने शरीर और ढाल से निकाला, और
भाला निकालते ही खून बहने लगा जिससे वह बहुत घबरा गया। जब ट्रोजनों ने देखा कि यूलिसिस खून से लथपथ है, तो उन्होंने ज़ोर से चिल्लाया और एक साथ उसकी ओर बढ़े; इसलिए उसने पीछे हटकर अपने साथियों को मदद के लिए बुलाया। उसने तीन बार पूरी ताकत से पुकारा, और तीनों बार वीर मेनेलास ने उसकी आवाज़ सुनी; इसलिए वह अपने पास खड़े एजैक्स की ओर मुड़ा और बोला, 'एजैक्स, टेलामोन के महान पुत्र, अपने लोगों के सेनापति, यूलिसिस की पुकार मेरे कानों में गूंज रही है, मानो ट्रोजनों ने उसे घेर लिया हो और अकेले ही उस पर हमला कर रहे हों। चलो भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हैं; उसकी रक्षा करना अच्छा होगा; मुझे डर है कि अगर उसे बिना सहारे के छोड़ दिया गया तो उसकी सारी वीरता व्यर्थ ही नष्ट हो जाएगी, और दानानों को उसकी बहुत कमी खलेगी।'
वह आगे-आगे चल रहा था और पराक्रमी एजैक्स उसके साथ था। ट्रोजन यूलिसिस के चारों ओर ऐसे जमा हो गए थे जैसे भूखे पहाड़ी सियार किसी तीर से घायल

हिरण के शव के चारों ओर जमा हो जाते हैं - हिरण तब तक पूरी गति से भागता है जब तक उसका खून गर्म रहता है और उसमें ताकत रहती है, लेकिन तीर के लगते ही क्रूर सियार उसे जंगल के छायादार घाटियों में ले जाकर खा जाते हैं। फिर स्वर्ग से एक भयंकर शेर आता है, जिस पर सियार डर के मारे भाग जाते हैं और शेर उनसे उनका शिकार छीन लेता है - ठीक उसी तरह कई बहादुर ट्रोजन चालाक यूलिसिस के चारों ओर जमा हो गए, लेकिन वीर यूलिसिस डटा रहा और अपने भाले से उन्हें दूर भगाता रहा। फिर एजैक्स अपनी ढाल को दीवार की तरह आगे करके खड़ा हो गया, जिस पर ट्रोजन चारों दिशाओं में भाग गए। मेनेलास ने यूलिसिस का हाथ पकड़ा और उसे भीड़ से बाहर ले गया, जबकि उसका सहायक उसका रथ लेकर आया, लेकिन एजैक्स ने उग्र रूप से ट्रोजनों पर हमला किया और प्रियम के नाजायज बेटे डोरिक्लस को मार डाला; फिर उसने पंडोकस, लिसैंड्रस, पाइरासस और पिलार्टेस को घायल कर दिया; जैसे कोई उफनती हुई धारा पहाड़ों से मैदान में पूरी ताकत से बहती है, मानो आसमान से भारी बारिश हो रही हो - वह कई सूखे ओक और कई चीड़ के पेड़ों को बहा ले जाती है, और बहुत सारा कीचड़ बहाकर समुद्र में डाल देती है - ठीक उसी तरह वीर एजैक्स ने मैदान में शत्रु का उग्र रूप से पीछा किया, और आदमियों और घोड़ों दोनों को मार डाला।
हेक्टर को अभी तक पता नहीं था कि एजैक्स क्या कर रहा है, क्योंकि वह स्कैमंडर नदी के किनारे युद्ध के सबसे बाएं छोर पर लड़ रहा था, जहाँ सबसे भीषण नरसंहार हो रहा था और नेस्टर और वीर इडोमेनियस के चारों ओर युद्ध-घोष सबसे ज़ोरदार था। इनके बीच हेक्टर अपने भाले और उग्र आक्रमण से भारी नरसंहार कर रहा था और अपने विरोधियों को नष्ट कर रहा था; फिर भी अचेयन पीछे हटने को तैयार नहीं थे, यदि सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस ने अपने लोगों के चरवाहे माचोन के दाहिने कंधे पर तिहरे तीर से वार करके उसकी वीरता को न रोका होता। अचेयन बहुत भयभीत थे कि युद्ध का रुख उनके विरुद्ध हो जाने के कारण ट्रोजन उसे बंदी बना सकते हैं, और इडोमेनियस ने नेस्टर से कहा, 'नेस्टर, नेलियस के पुत्र, अचेयन नाम को गौरव प्रदान करने वाले, तुरंत अपने रथ पर सवार हो जाओ; माचोन को अपने साथ ले जाओ और अपने घोड़ों को जितनी जल्दी हो सके जहाजों तक ले जाओ।' एक चिकित्सक कई अन्य पुरुषों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है, क्योंकि वह तीरों को काट सकता है और औषधीय जड़ी-बूटियों का वितरण कर सकता है।

गेरेन के योद्धा नेस्टर ने इडोमेनियस की सलाह मानी; वह तुरंत अपने रथ
पर सवार हो गया, और प्रसिद्ध चिकित्सक एस्कुलैपियस का पुत्र माचोन उसके साथ गया। उसने अपने घोड़ों को चाबुक मारा और वे बिना किसी हिचकिचाहट के जहाजों की ओर दौड़ पड़े, मानो अपनी ही इच्छा से।
तब सेबरियोनेस ने ट्रोजनों को अस्त-व्यस्त देखकर हेक्टर के पास से
कहा, “हेक्टर, हम दोनों युद्ध के सबसे आगे वाले मोर्चे पर लड़ रहे हैं, जबकि दूसरे ट्रोजन अपने घोड़ों के साथ बुरी तरह से भाग रहे हैं। तेलमोन का पुत्र अजाक्स उन्हें अपने आगे खदेड़ रहा है; मैं उसे उसकी ढाल की चौड़ाई से पहचानता हूँ: चलो हम अपने रथ और घोड़ों को उस ओर मोड़ें जहाँ घुड़सवार और पैदल सैनिक सबसे भयंकर लड़ाई लड़ रहे हैं, और जहाँ युद्ध की गर्जना सबसे तेज़ है।”
इसके साथ ही उसने अपने शानदार घोड़ों को चाबुक मारा, और चाबुक की मार महसूस करते ही वे रथ को पूरी गति से अचेयन और ट्रोजन के बीच से, गिरे हुए लोगों के शवों और ढालों के ऊपर से ले गए: धुरी खून से लथपथ थी, और रथ के चारों ओर की रेलिंग घोड़ों के खुरों और पहियों के टायरों से निकले छींटों से ढकी हुई थी। हेक्टर ने अपना रास्ता बनाते हुए खुद को युद्ध के बीचोंबीच झोंक दिया, और उसकी उपस्थिति ने दानानों को भ्रमित कर दिया, क्योंकि उसका भाला ज्यादा देर तक निष्क्रिय नहीं रहा; फिर भी यद्यपि वह तलवार और भाले के साथ सैनिकों के बीच गया और बड़े-बड़े पत्थर फेंके, उसने तेलमोन के पुत्र एजैक्स से बचाव किया, क्योंकि यदि वह अपने से बेहतर योद्धा से लड़ता तो बृहस्पति उस पर क्रोधित हो जाता।
तब पिता बृहस्पति ने अपने ऊँचे सिंहासन से अजाक्स के हृदय में भय
उत्पन्न कर दिया, जिससे वह स्तब्ध खड़ा रहा और अपनी ढाल पीछे फेंक दी – अपने शत्रुओं की भीड़ को भयभीत दृष्टि से देखता रहा, मानो वह कोई जंगली जानवर हो, और इधर-उधर घूमता रहा, परन्तु धीरे-धीरे पीछे हटता रहा। जैसे किसान अपने कुत्तों के साथ शेर को अपने बाड़े से भगाते हैं और रात में पहरा देते हैं ताकि वह उनके झुंड के सर्वश्रेष्ठ पशुओं को न ले जाए – वह लालच में उछलता है, परन्तु व्यर्थ, क्योंकि कई बलवान हाथों से निकले तीर उसके चारों ओर बरसते हैं, जलती हुई मशालें उसे उसके सारे क्रोध के बावजूद डरा देती हैं, और जब सुबह होती है तो वह पराजित और क्रोधित होकर दुबक जाता है – ठीक वैसे ही अजाक्स, अपनी इच्छा के विरुद्ध, ट्रोजनों के सामने क्रोधित

होकर पीछे हट गया, अचेयनों के जहाजों के लिए भयभीत होकर। या फिर किसी आलसी गधे की तरह, जिसकी पीठ पर कई लाठियाँ पड़ चुकी हों, जब वह खेत में जाकर अनाज चरने लगता है – लड़के उसे पीटते हैं, पर वह उनके लिए बहुत बड़ा होता है, और चाहे वे लाठियों से उस पर वार करें, उसे चोट नहीं पहुँचा पाते; फिर भी जब उसका पेट भर जाता है, तो वे उसे अंत में खेत से भगा देते हैं – ठीक इसी तरह ट्रोजन और उनके सहयोगी महान एजैक्स का पीछा करते रहे, लगातार अपने भालों से उसकी ढाल के बीचोंबीच प्रहार करते रहे। वह बीच-बीच में पलटकर लड़ाई का प्रदर्शन करता, ट्रोजन की बटालियनों को रोके रखता, और फिर पीछे हट जाता; लेकिन उसने उनमें से किसी को भी जहाज़ों तक पहुँचने नहीं दिया। वह अकेले ही ट्रोजन और अचेयन के बीच खड़ा रहा: उनके हाथों से निकले भाले उनमें से कुछ को उसकी मजबूत ढाल में जा लगे, जबकि कई, हालांकि उसके खून के प्यासे थे, उसके शरीर को घायल करने से पहले ही ज़मीन पर गिर पड़े।
जब यूएमन के वीर पुत्र यूरिपिलस ने देखा कि एजैक्स तीरों की बौछार से बुरी तरह घायल हो रहा है, तो वह उसके पास गया और अपना भाला फेंका। उसने फॉसियस के पुत्र एपिसन के कमर के नीचे जिगर में भाला मारा और उसे गिरा दिया। यूरिपिलस उस पर झपटा और उसके कंधों से कवच उतार दिया; लेकिन जब अलेक्जेंड्रस ने उसे देखा, तो उसने उस पर एक तीर चलाया जो उसकी दाहिनी जांघ में लगा; तीर टूट गया, लेकिन घाव में बचा हुआ नोक जांघ पर घिसटता रहा; इसलिए वह अपने साथियों की आड़ में अपनी जान बचाने के लिए पीछे हट गया और ऐसा करते हुए उसने दानानों से चिल्लाकर कहा, 'मेरे मित्रों, अर्गिव्स के राजकुमारों और सलाहकारों, एजैक्स की रक्षा के लिए इकट्ठा हो जाओ, जो बुरी तरह घायल हो रहा है, और मुझे संदेह है कि वह युद्ध से जीवित बच पाएगा। इसलिए, यहाँ आओ, टेलमोन के महान पुत्र एजैक्स की रक्षा के लिए।'
फिर भी जब वह घायल हुआ तो वह रोने लगा; इस पर बाकी लोग उसके पास आए और
उसे घेर लिया, अपने कंधों से ढालें ऊपर उठाकर उसे सुरक्षा प्रदान की। फिर एजैक्स उनकी ओर बढ़ा और अपने साथियों के पास पहुँचते ही मुड़कर मोर्चा संभाला।
इस प्रकार वे मानो धधकती आग से लड़ रहे थे। इसी बीच, नेलियस की
घोड़ियाँ, पसीने से तरबतर होकर, नेस्टर को युद्धक्षेत्र से बाहर ला रही थीं, और उनके साथ उनके लोगों के चरवाहे माचोन को भी। अकिलीज़ ने यह सब देखा और ध्यान दिया, क्योंकि वह अपने जहाज के पिछले हिस्से पर खड़े होकर युद्ध

के भीषण तनाव और संघर्ष को देख रहे थे। उन्होंने जहाज से अपने साथी पेट्रोक्लस को पुकारा, जिसने तम्बू में उनकी आवाज़ सुनी और मंगल ग्रह के समान दिखते हुए बाहर आया - वास्तव में यहीं से उस विपत्ति की शुरुआत हुई जो आगे चलकर उस पर आई। 'क्यों,' उसने कहा, 'अकिलीज़, तुम मुझे क्यों बुला रहे हो? तुम्हें मुझसे क्या चाहिए?' और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, 'मेनोटियस के महान पुत्र, मेरे मन के समान व्यक्ति, मुझे लगता है कि अब अचेयन मेरे सामने प्रार्थना करेंगे, क्योंकि वे बड़ी विपत्ति में हैं; जाओ, पेट्रोक्लस, और नेस्टर से पूछो कि वह युद्धक्षेत्र से घायल को कौन ले जा रहा है; मुझे लगता है कि उसकी पीठ पर एस्कुलैपियस का पुत्र माचोन था, लेकिन मैं उसका चेहरा नहीं देख सका क्योंकि घोड़े पूरी गति से मेरे पास से गुजर गए। पैट्रोक्लस ने अपने प्रिय साथी के आदेश का पालन किया और अचियनों के जहाजों और तंबुओं के पास से दौड़ते हुए निकल पड़ा।
जब नेस्टर और माचोन नीलियस के पुत्र के तम्बुओं में पहुँचे, तो वे
घोड़ों से उतरे, और उनके सहायक यूरीमेडन ने रथ से घोड़े उतारे। फिर दोनों समुद्र तट पर हवा में खड़े होकर अपनी कमीज़ों से पसीना सुखाया, और जब यह हो गया तो वे अंदर आकर बैठ गए। सुंदर हेकामेडे, जिसे नेस्टर ने टेनेडोस से तब प्राप्त किया था जब अकिलीज़ ने उस पर विजय प्राप्त की थी, ने उनके लिए भोजन तैयार किया; वह बुद्धिमान आर्सीनियस की पुत्री थी, और अचियनों ने उसे नेस्टर को इसलिए दिया था क्योंकि वह सलाह देने में उन सभी से श्रेष्ठ था। सबसे पहले उसने उनके लिए नीले रंग के पैरों वाली एक सुंदर और सुव्यवस्थित मेज सजाई; उस पर पेय को स्वादिष्ट बनाने के लिए कांसे का एक पात्र और एक प्याज रखा था, साथ में शहद और जौ के आटे की रोटियाँ भी थीं। वहाँ एक दुर्लभ कारीगरी का प्याला भी था जिसे बूढ़ा व्यक्ति अपने घर से लाया था, जो सोने की नक्काशी से जड़ा हुआ था; इसमें चार मूठें थीं, जिनमें से प्रत्येक पर दो सुनहरे कबूतर दाना चुग रहे थे, और इसके दो पैर थे जिन पर यह टिका हुआ था। कोई और इसे मेज से तब तक मुश्किल से उठा पाता जब तक यह भरा हुआ होता, लेकिन नेस्टर ने इसे बड़ी आसानी से उठा लिया। इसमें देवी के समान सुंदर स्त्री ने उनके लिए प्रामनियन शराब मिलाकर एक व्यंजन तैयार किया; उसने उसमें कांसे के कद्दूकस से बकरी के दूध का पनीर घिसा, मुट्ठी भर सफेद जौ का आटा डाला, और इस प्रकार व्यंजन तैयार करके उसने उन्हें पीने के लिए कहा। जब

उन्होंने पीकर अपनी प्यास बुझा ली, तो वे आपस में बातें करने लगे, और उसी क्षण पैट्रोक्लस दरवाजे पर आ गया।
जब बूढ़े व्यक्ति ने उसे देखा तो वह अपनी सीट से उछल पड़ा, उसका हाथ पकड़ा, उसे तम्बू में ले गया और उसे उनके बीच बैठने को कहा; लेकिन पेट्रोक्लस वहीं खड़ा रहा और बोला, 'महोदय, मैं नहीं रुक सकता, आप मुझे अंदर आने के लिए मना नहीं सकते; जिसने मुझे भेजा है वह कोई मामूली आदमी नहीं है, और उसने मुझे यह पूछने को कहा है कि वह घायल आदमी कौन था जिसे आप मैदान से ले जा रहे थे। अब मैं खुद देख सकता हूँ कि वह माचोन है, जो अपने लोगों का चरवाहा है। मुझे वापस जाकर अकिलीज़ को बताना होगा। आप, महाराज, जानते हैं कि वह कितना क्रूर आदमी है, और बिना किसी कारण के भी दोषारोपण करने में कितना तत्पर रहता है।'
और नेस्टर ने उत्तर दिया, “अकिलीज़ को यह जानने की क्या परवाह है कि कितने अकेयन घायल हुए हैं? उसे हमारी सेना में व्याप्त भय की कोई परवाह नहीं है; हमारे सबसे वीर सरदार अपंग पड़े हैं, टाइडियस का बहादुर पुत्र डायोमेड घायल है; यूलिसिस और एगामेम्नन भी घायल हैं; यूरिपिलस की जांघ में तीर लगा है, और मैं अभी इस आदमी को युद्धक्षेत्र से ला रहा था – वह भी तीर से घायल है; फिर भी अकिलीज़, चाहे वह कितना भी वीर क्यों न हो, उसे कोई परवाह नहीं है और वह दया नहीं जानता। क्या वह तब तक प्रतीक्षा करेगा जब तक कि जहाज, चाहे हम कुछ भी कर लें, आग की लपटों में न घिर जाएं, और हम एक-दूसरे पर गिरकर मर न जाएं? जहाँ तक मेरी बात है, मुझमें अब कोई शक्ति या हिम्मत नहीं बची है; काश मैं आज भी उतना ही जवान और बलवान होता जितना उन दिनों था जब एलिस के लोगों और हमारे बीच मवेशी लूट के मामले में लड़ाई हुई थी। तब मैंने एलिस निवासी हाइपेरोकस के वीर पुत्र इटिमोनियस को मार डाला था, जब मैं लूट का माल ला रहा था; अपनी गायों की रक्षा करते हुए अग्रिम पंक्ति में लड़ते समय, मेरे हाथ से फेंके गए एक भाले से वह घायल हो गया, जिससे वह गिर पड़ा और उसके आसपास के लोग बहुत भयभीत हो गए। हमने मैदान से भारी मात्रा में लूट का माल लूटा, पचास मवेशियों के झुंड और उतनी ही भेड़ों के झुंड; पचास सूअरों के झुंड और उतनी ही बकरियों के बड़े-बड़े झुंड। इसके अलावा हमने डेढ़ सौ घोड़े जब्त किए, सभी घोड़ियां थीं, और कई के साथ उनके बच्चे भी थे। इन सभी को हम रात में नीलियस के शहर पाइलुस ले गए और उन्हें शहर के भीतर ले गए; नीलियस का दिल खुश था कि मैंने इतना कुछ लूटा था, हालांकि यह पहली बार था

हम पूरे साजो-सामान के साथ अल्फ़ियस नदी के पवित्र जल के पास पहुँचे और वहाँ हमने सर्वशक्तिमान ज़्यूस को बलि चढ़ाई, जिसमें अल्फ़ियस को एक बैल, नेपच्यून को एक बैल और मिनर्वा को एक बछिया शामिल थी। इसके बाद हमने अपनी- अपनी टुकड़ियों में भोजन किया और नदी के किनारे अपने-अपने कवच पहनकर आराम करने के लिए लेट गए।
एपिअन लोगों ने शहर को घेर लिया था और उस पर कब्ज़ा करने के लिए दृढ़ संकल्पित थे, लेकिन इससे पहले उनके लिए एक भयंकर लड़ाई इंतज़ार कर रही थी। जब सूर्य की किरणें पृथ्वी पर पड़ने लगीं, तो हमने बृहस्पति और मिनर्वा से प्रार्थना करते हुए युद्ध शुरू किया, और जब लड़ाई शुरू हुई, तो मैंने सबसे पहले अपने साथी को मार गिराया और उसके घोड़े छीन लिए - अर्थात् योद्धा मुलियस को। वह औगेअस का दामाद था, जिसने उसकी सबसे बड़ी बेटी, सुनहरे बालों वाली अगामेडे से विवाह किया था, जो पृथ्वी पर उगने वाली हर जड़ी-बूटी के गुणों को जानती थी। जब वह मेरी ओर आ रहा था, तो मैंने उसे भाले से मारा, और जब वह धूल में सिर के बल गिर पड़ा, तो मैं उसके रथ पर कूद गया और अग्रिम पंक्ति में अपना स्थान ले लिया। एपिअन लोग अपने घुड़सवारों के सेनापति (उनके सबसे श्रेष्ठ व्यक्ति) को नीचे गिरा हुआ देखकर सभी दिशाओं में भाग गए, और मैं बवंडर की तरह उन पर टूट पड़ा, पचास रथों को अपने कब्जे में ले लिया - और उनमें से प्रत्येक में दो आदमी मेरे भाले से मारे गए। मैं तो एक्टर के दो पुत्रों मोलियोन्स को भी मार डालता, अगर उनके असली पिता, भूकंप के देवता नेपच्यून ने उन्हें घने कोहरे में छिपाकर युद्ध से बाहर न निकाल लिया होता। तब बृहस्पति ने पाइलियनों को एक बड़ी विजय दिलाई, क्योंकि हमने उनका दूर मैदान में पीछा किया, उनके आदमियों को मार डाला और उनके कवच लाद लिए, जब तक कि हम अपने घोड़ों को गेहूं से समृद्ध बुप्रासियम और ओलेनियन चट्टान तक नहीं ले आए, जहाँ एलिसियन नामक पहाड़ी भी थी। वहीं मिनर्वा ने लोगों को वापस मोड़ दिया। वहाँ मैंने आखिरी आदमी को मार डाला और उसे वहीं छोड़ दिया; फिर अचियन अपने घोड़ों को बुप्रासियम से पाइलोस वापस ले गए और देवताओं में बृहस्पति और मनुष्यों में नेस्टर को धन्यवाद दिया।
मैं अपने साथियों के बीच हमेशा की तरह ही महान था, लेकिन अकिलीज़ अपनी सारी वीरता अपने पास रखना चाहता है; जब सेना के टुकड़े-टुकड़े हो जाएँगे, तब उसे इसका बहुत पछतावा होगा। मेरे प्रिय मित्र, क्या मेनोटियस ने तुम्हें फथिया से अगामेम्नन के पास भेजते समय यही आदेश नहीं दिया था?

पहुँचा, जहाँ उनका सभा स्थल और न्यायलय था, और देवताओं को समर्पित उनकी वेदियाँ थीं, तब उसे यूएमोन का पुत्र यूरिपिलस मिला, जो जांघ में तीर से घायल था और लंगड़ाते हुए युद्ध से बाहर आ रहा था। उसके सिर और कंधों से पसीना बह रहा था और उसके गंभीर घाव से काला खून बह रहा था, लेकिन उसका मन विचलित नहीं हुआ। मेनोटियस के पुत्र ने जब उसे देखा तो उस पर दया आई और उसने करुणा से कहा, ‘हे दानानों के अभागे राजकुमारों और सलाहकारों, क्या तुम अपने मित्रों और अपनी जन्मभूमि से दूर, ट्रॉय के कुत्तों को अपनी चर्बी खिलाने के लिए अभिशप्त हो? कहो, हे महान यूरिपिलस, क्या अचियन महान हेक्टर को रोक पाएंगे, या वे अब उसके भाले के सामने गिर पड़ेंगे?’
घायल यूरिपिलस ने उत्तर दिया, “हे महान पैट्रोक्लस, अचियनों के लिए अब कोई आशा नहीं बची है, वे अपने जहाजों पर ही नष्ट हो जाएँगे। हमारे बीच के सभी राजकुमार ट्रोजनों के हाथों मारे जा चुके हैं और घायल हो चुके हैं, जो दिन-प्रतिदिन बलवान होते जा रहे हैं। लेकिन मुझे बचा लीजिए और अपने जहाज पर ले जाइए; मेरी जांघ से तीर निकाल दीजिए; गर्म पानी से काला खून धो दीजिए और उस पर वे औषधीय जड़ी-बूटियाँ लगाइए, जिनके बारे में कहा जाता है कि आपको अकिलीज़ ने दिखाई थीं, जिन्हें स्वयं अकिलीज़ को चिरोन ने दिखाई थीं, जो सभी सेंटॉरों में सबसे धर्मी थे। क्योंकि मैंने चिकित्सकों पोडालिरियस और माचोन के बारे में सुना है कि उनमें से एक अपने तम्बू में घायल पड़ा है और उसे स्वयं उपचार की आवश्यकता है, जबकि दूसरा मैदान में ट्रोजनों से लड़ रहा है।”
‘वीर यूरिपिलस,’ मेनोटियस के वीर पुत्र ने उत्तर दिया, ‘ये सब कैसे हो सकता है? मैं क्या कर सकता हूँ? मैं अचियनों के रक्षक गेरेन के नेस्टर की ओर से महान अकिलीज़ को संदेश पहुँचाने जा रहा हूँ, लेकिन फिर भी मैं आपकी परेशानी को नहीं भूलूँगा।’
इसके बाद उसने उसे कमर से पकड़कर तम्बू में ले गया, और एक नौकर ने उसे देखते ही उसके लेटने के लिए बैल की खाल बिछा दी। उसने उसे सीधा लिटाया और उसकी जांघ से नुकीला तीर निकाला; उसने घाव से काला खून गर्म पानी से धोया; फिर उसने एक कड़वी जड़ी बूटी को पीसकर हाथों में रगड़ा और घाव पर लगाया; यह एक गुणकारी जड़ी बूटी थी जो सारा दर्द मिटा देती थी; इस प्रकार घाव तुरंत सूख गया और खून बहना बंद हो गया।

5. सायनस एक प्रकार का गहरे नीले रंग का कांच का पेस्ट या एनामेल होता है।

पुस्तक 12

हेक्टर के नेतृत्व में ट्रोजन और उनके सहयोगी दीवार तोड़ देते
हैं।
इसलिए मेनोटियस का पुत्र तम्बू के भीतर यूरिपिलस के घाव की देखभाल कर रहा था, लेकिन आर्गीव और ट्रोजन अभी भी भयंकर रूप से लड़ रहे थे, और खाई और उसके ऊपर बनी ऊँची दीवार ट्रोजनों को लंबे समय तक रोके रखने में सक्षम नहीं थी। उन्होंने इसे अपने जहाजों की रक्षा के लिए बनाया था, और इसके चारों ओर खाई खोदी थी ताकि यह जहाजों और लूटे गए बहुमूल्य माल दोनों की रक्षा कर सके, लेकिन उन्होंने देवताओं को बलि नहीं चढ़ाई थी। इसे अमर देवताओं की सहमति के बिना बनाया गया था, और इसलिए यह टिक नहीं पाई। जब तक हेक्टर जीवित रहा और अकिलीज़ अपने क्रोध को पालता रहा, और जब तक प्रियम का शहर अकीदा रहा, तब तक अचेयनों की महान दीवार दृढ़ता से खड़ी रही; लेकिन जब ट्रोजन वंश के सबसे वीर योद्धा और कई अर्गिवे योद्धा भी मारे गए, हालांकि उनमें से कुछ अभी भी जीवित थे – और जब दसवें वर्ष में शहर को लूटा गया और अर्गिवे अपने जहाजों के साथ अपने देश लौट गए – तब नेपच्यून और अपोलो ने दीवार को नष्ट करने की योजना बनाई और उन्होंने माउंट इडा से समुद्र में गिरने वाली सभी नदियों, रीसस, हेप्टापोरस, कैरेसस, रोडियस, ग्रेनिकस, एसोपस और सुंदर स्कैमंडर, और सिमोइस नदी की धाराओं को दीवार की ओर मोड़ दिया, जहाँ कई ढाल और हेलमेट गिरे और देवताओं के वंश के कई वीर मारे गए। अपोलो ने इन सभी नदियों के मुहाने एक साथ मोड़ दिए और उन्हें नौ दिनों तक दीवार की ओर बहाया, जबकि बृहस्पति ने लगातार वर्षा की ताकि दीवार जल्द से जल्द समुद्र में बह जाए। स्वयं नेपच्यून ने त्रिशूल हाथ में लिए हुए कार्य का निरीक्षण किया और अचेयनों द्वारा बड़ी मेहनत से रखी गई सभी नींवों और पत्थरों को समुद्र में फेंक दिया; उन्होंने हेलेस्पॉट की शक्तिशाली धारा से सब कुछ समतल कर दिया, और फिर दीवार को मिटाकर उस स्थान पर रेत का एक विशाल टीला फैला दिया। यह करने के बाद उन्होंने नदियों को उनके पुराने मार्गों पर वापस मोड़ दिया।

यही वह कार्य था जो नेपच्यून और अपोलो को भविष्य में करना था; परन्तु अभी तक दीवार के चारों ओर युद्ध और उथल-पुथल जारी थी, यहाँ तक कि उस पर बरसते प्रहारों से उसकी लकड़ियाँ काँप उठी थीं। बृहस्पति के प्रकोप से भयभीत अर्गिव्स, अपने जहाजों पर ही घिरे हुए थे, हेक्टर के भय से, जो पराक्रम का शक्तिशाली मंत्री था और हमेशा की तरह बवंडर के बल और क्रोध से लड़ रहा था। जैसे कोई शेर या जंगली सूअर अपने ऊपर हमला करने वाले कुत्तों और मनुष्यों पर भयंकर रूप से झपटता है, जबकि वे एक ठोस दीवार बनाकर उस पर भाले बरसाते हैं – उसका साहस तो अदम्य है, पर उसका अहंकार ही उसकी मृत्यु का कारण बनेगा; वह कई बार अपने पीछा करने वालों पर आक्रमण करके उन्हें तितर-बितर कर देता है, और वे उतनी ही बार पीछे हटते हैं जितनी बार वह ऐसा करता है – ठीक उसी प्रकार हेक्टर सेना के बीच घूमकर अपने सैनिकों का उत्साहवर्धन कर रहा था और उन्हें खाई पार करने के लिए प्रेरित कर रहा था। लेकिन घोड़े ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर पाए और खाई के किनारे पर खड़े होकर हिनहिनाते रहे, क्योंकि उसकी चौड़ाई उन्हें डरा रही थी। वे न तो उसे कूद सकते थे और न ही पार कर सकते थे, क्योंकि उसके चारों ओर लटकते हुए किनारे थे, जिनके ऊपर अचेयन वंश के लोगों ने आक्रमणकारियों से बचाव के लिए नुकीले खंभे गाड़ रखे थे; इसलिए कोई घोड़ा उसमें घुसकर अपने रथ को खींच नहीं सकता था, लेकिन पैदल चलने वाले अपनी पूरी कोशिश करते रहे। तब पोलिदमस हेक्टर के पास गया और बोला, ‘हेक्टर, और तुम ट्रोजन और उसके साथियों के अन्य सेनापतियों, हमारे लिए घोड़ों को खाई के पार ले जाने की कोशिश करना मूर्खता है; इसे पार करना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि यह नुकीले खंभों से भरी है, और इनके आगे दीवार है। इसलिए हमारे घोड़े उसमें नहीं उतर सकते, और अगर उतर भी गए तो किसी काम के नहीं होंगे; इसके अलावा यह एक संकरी जगह है और हम खतरे में पड़ जाएंगे।’ यदि सचमुच महान बृहस्पति ट्रोजनों की सहायता करने का मन बना चुके हैं और अपने क्रोध में अचेयनों का पूर्णतः नाश कर देंगे, तो मैं स्वयं उन्हें अभी और यहीं, आर्गोस से दूर, मरते हुए देखना चाहूँगा; परन्तु यदि वे पुनः संगठित हो जाएँ और हमें जहाजों से खदेड़कर खाई में धकेल दिया जाए, तो एक भी व्यक्ति शहर लौटकर कहानी सुनाने के लिए नहीं बचेगा। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें; हमारे सहायक हमारे घोड़ों को खाई के पास रोके रखें, परन्तु हम सब एक साथ, पूर्ण कवच धारण करके, पैदल

हेक्टर के पीछे चलें, और यदि उनके विनाश का दिन निकट है, तो अचेयन हमारा सामना नहीं कर पाएँगे।
इस प्रकार पोलिडामस ने कहा और उसकी बात सुनकर हेक्टर प्रसन्न हुआ और पूर्ण कवच पहने हुए ही ज़मीन पर कूद पड़ा। उसे ऐसा करते देख सभी ट्रोजन भी अपने रथ छोड़कर भाग गए। प्रत्येक सैनिक ने अपने घोड़े अपने सारथी को सौंप दिए ताकि वह उन्हें खाई में तैयार रखे। फिर उन्होंने टुकड़ियाँ बनाईं, तैयार हुए और पाँच-पाँच के समूह में अपने नेताओं के पीछे चल दिए। हेक्टर और पोलिडामस के साथ जाने वाले सैनिक सबसे वीर और संख्या में सबसे अधिक थे, और दीवार तोड़कर जहाजों पर लड़ने के लिए सबसे दृढ़ निश्चयी थे। सेब्रिओनेस भी उनके साथ तीसरे सेनापति के रूप में शामिल हो गया, क्योंकि हेक्टर ने अपना रथ एक कम वीर सैनिक के हवाले कर दिया था। अगली टुकड़ी का नेतृत्व पेरिस, अल्काथौस और एजेनोर ने किया; तीसरी टुकड़ी का नेतृत्व प्रियम के दो पुत्र हेलेनस और डेफोबस ने किया, और उनके साथ वीर आसियस भी था
- हर्टाकस का पुत्र आसियस, जिसे सेलिस नदी से आने वाली नस्ल के उसके विशाल काले घोड़े अरिसबे से लाए थे। एंचीज़ के वीर पुत्र ऐनेस ने चौथे दल का नेतृत्व किया; वह और एंटनोर के दो पुत्र, आर्चेलोकस और अकामास, युद्ध कला में निपुण थे। सर्पेडन सहयोगियों का कप्तान था, और उसने अपने साथ ग्लौकस और एस्टेरोपियस को लिया, जिन्हें वह अपने बाद सबसे वीर मानता था - क्योंकि वह उन सब में सबसे श्रेष्ठ था। इन दोनों ने बैल की खाल से बनी ढालों से एक-दूसरे को सुसज्जित किया, और फिर दानानियों पर सीधा आक्रमण किया, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि वे अधिक देर तक टिक नहीं पाएंगे और अब वे स्वयं उनके जहाजों पर हमला कर देंगे।
शेष ट्रोजन और उनके सहयोगी अब पोलिडामस की सलाह का पालन करने लगे,
लेकिन हर्टाकस के पुत्र आसियस ने अपने घोड़ों और अपने सहायक को पीछे नहीं छोड़ा; अपनी मूर्खता में वह उन्हें अपने साथ जहाजों की ओर ले गया, और परिणामस्वरूप उसका अंत निश्चित था। वह फिर कभी हवा से घिरे इलियस में अपने रथ और घोड़ों पर गर्व करते हुए नहीं लौट सका; इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, अशुभ नाम की मृत्यु ने उसे घेर लिया और ड्यूकालियन के कुलीन पुत्र इडोमेनियस के भाले से वह मारा गया। वह जहाजों के बाएँ भाग की ओर बढ़ा, जिस रास्ते से अचेयन लोग अपने रथों और घोड़ों के साथ मैदान से लौटते थे। वहाँ पहुँचकर उसने देखा कि द्वार खुले हुए थे और बड़ी कुंडी नीचे थी - क्योंकि

द्वारपालों ने उन्हें खुला रखा था ताकि उनके साथी जो जहाजों की ओर भाग रहे हों, वे अंदर जा सकें। उसने अपने घोड़ों को दृढ़ निश्चय के साथ इधर मोड़ा, और उसके सैनिक ऊँचे स्वर में उसका अनुसरण करने लगे, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि अचेयन अब और देर तक टिक नहीं पाएंगे और वे अब जहाजों पर टूट पड़ेंगे। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि द्वार पर उन्हें दो सबसे वीर सरदार मिलेंगे, जो योद्धा लैपिथे के गौरवशाली पुत्र थे - एक, पिरिथौस का शक्तिशाली पुत्र पॉलीपोएट्स, और दूसरा, खूंखार मार्स का समकक्ष लियोन्टियस। ये दोनों द्वार के सामने पहाड़ों पर दो ऊँचे बलूत के पेड़ों की तरह खड़े थे, जो अपनी फैली हुई जड़ों से वर्षों तक हवा और बारिश से लड़ते रहते हैं - ठीक उसी तरह ये दोनों पुरुष महान असियस के आक्रमण की प्रतीक्षा आत्मविश्वास से और बिना हिचकिचाए कर रहे थे। असियस और इयामेनस, ओरेस्टेस, असियस के पुत्र एडमस, थून और ओएनोमाउस के नेतृत्व में ट्रोजन सैनिकों ने युद्ध का ऊँचा स्वर लगाया और अपने सिर के ऊपर सूखी बैल की खाल की ढालें उठाए सीधे दीवार की ओर बढ़े; कुछ देर तक दोनों रक्षक अंदर ही रहे और अचेयनों का हौसला बढ़ाते रहे कि वे अपने जहाजों की रक्षा के लिए डटे रहें; लेकिन जब उन्होंने देखा कि ट्रोजन दीवार पर हमला कर रहे हैं, जबकि दानियन मदद के लिए चिल्ला रहे थे और हार रहे थे, तो वे बाहर निकल आए और द्वार के सामने ऐसे लड़ने लगे जैसे पहाड़ों पर दो जंगली सूअर मनुष्यों और कुत्तों के हमलों का सामना करते हैं। वे दोनों ओर से हमला करते हुए अपने चारों ओर की लकड़ी को जड़ से उखाड़ते हुए आगे बढ़े और उनके दांतों की खड़खड़ाहट सुनाई दी, जब तक कि किसी ने उन्हें मारकर उनका अंत नहीं कर दिया। ठीक वैसे ही जैसे हथियारों की बौछार से उनके सीने पर चमकते हुए पीतल की पट्टियाँ बज उठीं; क्योंकि वे अपनी वीरता और ऊपर दीवार पर मौजूद लोगों पर भरोसा करते हुए बड़े क्रोध से लड़े। इन लोगों ने अपनी, अपने तम्बुओं और अपने जहाजों की रक्षा में हमलावरों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। पत्थर ऐसे बरस रहे थे मानो भयंकर आंधी से काले बादलों से बर्फ के टुकड़े उड़कर धरती पर चादर की तरह गिरते हों – ठीक वैसे ही जैसे ट्रोजन और अचेयन दोनों के हाथों से हथियार गिर पड़े। भारी पत्थरों की बारिश से उनके हेलमेट और ढालें चटक गईं, और हर्टाकस के पुत्र आसियस ने घबराकर जोर से चिल्लाते हुए अपनी दोनों जांघें पीटीं। ‘हे पिता बृहस्पति,’ वह रोया, ‘सचमुच आप भी पूरी तरह से झूठ बोलने के आदी हैं। मैंने यह सुनिश्चित किया था कि आर्गिव के वीर हमारा

सामना नहीं कर सकते, जबकि पतली कमर वाली ततैया या रास्ते के किनारे चट्टानों में घोंसला बनाने वाली मधुमक्खियों की तरह – वे अपने घोंसले को असुरक्षित नहीं छोड़तीं, बल्कि अपने बच्चों को छीनने वालों से लड़ती हैं – ठीक वैसे ही ये दो लोग भी, भले ही वे केवल दो ही हों, द्वार से नहीं हटेंगे, बल्कि डटे रहेंगे, चाहे मार डालें या मारे जाएं।’
उसने बात तो की, पर बृहस्पति के मन पर कोई असर नहीं हुआ, जिसने उस समय हेक्टर को महिमा देने का निर्णय लिया था। इस बीच, शेष ट्रोजन अन्य द्वारों पर लड़ रहे थे; मैं कोई देवता नहीं हूँ जो इन सब बातों का वर्णन कर सकूँ, क्योंकि पत्थर की दीवार के चारों ओर युद्ध भयंकर रूप से चल रहा था। यद्यपि अर्गिव्स पराजित हो चुके थे, फिर भी उन्हें अपने जहाजों की रक्षा करनी पड़ी, और अचेयनों की रक्षा कर रहे सभी देवता व्याकुल थे; परन्तु लैपिथे पूरी शक्ति से लड़ते रहे।
इसके बाद पिरिथियस के पराक्रमी पुत्र पॉलीपोट्स ने दमासस के गाल में छेदे हुए हेलमेट पर भाले से प्रहार किया। हेलमेट उसे बचा नहीं सका, क्योंकि भाले की नोक हेलमेट को भेदकर हड्डी तोड़ गई, जिससे मस्तिष्क के टुकड़े-टुकड़े हो गए और वह लड़ते-लड़ते मर गया। फिर उसने पायलोन और ओर्मेनस का वध किया। मार्स के वंशज लियोन्टियस ने एंटीमाकस के पुत्र हिप्पोमाकस को कमरबंद पर भाले से प्रहार करके मार डाला। फिर उसने अपनी तलवार निकाली और सबसे पहले एंटीफेट्स पर झपटा, जिसे उसने आमने-सामने की लड़ाई में मार डाला और वह मुंह के बल जमीन पर गिर पड़ा। उसके बाद उसने मेनन, इयामेनस और ओरेस्टेस को मार डाला और उन्हें एक-एक करके ढेर कर दिया। जब वे इन वीरों के कवच उतारने में व्यस्त थे, तब पोलिडामस और हेक्टर के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे युवक (जो दीवार तोड़कर जहाजों पर आग लगाने की कोशिश कर रहे थे, उनमें से अधिकांश और सबसे वीर थे) खाई के किनारे खड़े थे, यह तय नहीं कर पा रहे थे कि क्या करें; क्योंकि खाई पार करने का प्रयास करते समय उन्हें आकाश से एक संकेत मिला था - एक उड़ता हुआ चील जो उनकी सेना के बाएँ पंख के किनारे से उड़ रहा था, जिसके पंजों में एक भयानक खूनी लाल साँप था जो अभी भी जीवित था और बचने के लिए संघर्ष कर रहा था। साँप अभी भी बदला लेने पर तुला हुआ था, रेंगता और खुद को पीछे की ओर मरोड़ता हुआ तब तक चला जब तक कि उसने उसे पकड़े हुए पक्षी की गर्दन और छाती पर प्रहार नहीं कर दिया; दर्द से कराहते हुए पक्षी ने उसे छोड़ दिया, जिससे वह सेना के

बीचोंबीच गिर गया, और फिर एक तीखी चीख के साथ हवा में उड़ गया। जब ट्रोजनों ने अपने बीच में एजिस धारण किए हुए बृहस्पति के प्रतीक सर्प को तड़पते हुए देखा, तो वे भयभीत हो गए। पोलिडामस हेक्टर के पास गया और बोला, “हेक्टर, हमारी युद्ध सभाओं में तुम मुझे हमेशा डांटते हो, यहाँ तक कि जब मैं बुद्धिमानी से बोलता हूँ तब भी, मानो यह ठीक न हो कि कोई भी व्यक्ति युद्ध के मैदान में या सभा में तुम्हारी इच्छा का उल्लंघन करे; तुम चाहते हो कि वे हमेशा तुम्हारा साथ दें: फिर भी मैं वही कहूँगा जो मुझे लगता है कि सबसे अच्छा होगा; चलो अब दानानों से उनके जहाजों पर लड़ने न जाएँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि क्या होगा यदि यह उड़ता हुआ चील, जो अपने पंजों में एक भयानक खून जैसे लाल साँप को लिए हमारी सेना के बाएँ पंख के पास से गुजरा (साँप अभी भी जीवित था), वास्तव में ट्रोजनों को खाई पार करने के प्रयास में एक अपशगुन के रूप में भेजा गया था। चील ने अपना पंजा छोड़ दिया; वह उसे अपने बच्चों के पास घर ले जाने में सफल नहीं हुई, और हमारे साथ भी ऐसा ही होगा।” भले ही हम बड़े संघर्ष से अचेयनों के द्वार और दीवार तोड़कर आगे बढ़ जाएँ और वे हमारे सामने हार मान लें, फिर भी हम उसी रास्ते से सुरक्षित वापस नहीं लौटेंगे, बल्कि अपने पीछे कई लोगों को छोड़ जाएँगे जिन्हें अचेयन अपने जहाजों की रक्षा में मार डालेंगे। इन मामलों में पारंगत और जनता द्वारा विश्वसनीय कोई भी भविष्यवक्ता इस शगुन को इसी प्रकार समझेगा। हेक्टर ने उसे गुस्से से देखते हुए कहा, ‘पॉलिडामास, मुझे तुम्हारी बातें पसंद नहीं आईं। तुम चाहो तो इससे बेहतर कहावत ढूंढ सकते हो। लेकिन अगर तुमने सच में ऐसा कहा है, तो सचमुच स्वर्ग ने तुम्हारी बुद्धि छीन ली है। तुम चाहते हो कि मैं ज़्यूस की सलाहों और उनके वादों पर ध्यान न दूं – और उसने सिर झुकाकर पुष्टि की; तुम मुझे जंगली पक्षियों की उड़ान के अनुसार चलने को कह रहे हो। मुझे क्या फर्क पड़ता है कि वे भोर की ओर उड़ते हैं या अंधेरे की ओर, और चाहे वे मेरे दाहिनी ओर हों या बाईं ओर? हमें तो महान ज़्यूस, मनुष्यों और अमरों के राजा, की सलाह पर भरोसा करना चाहिए। एक ही शगुन है – कि मनुष्य को अपने देश के लिए लड़ना चाहिए। तुम इतने डरपोक क्यों हो? भले ही हम सब आर्गीव्स के जहाजों पर मारे जाएं, फिर भी तुम्हारे मरने की संभावना नहीं है, क्योंकि तुम न तो दृढ़ हो और न ही साहसी। अगर तुम नहीं लड़ोगे, या दूसरों को ऐसा करने से रोकोगे, तो तुम तुरंत मेरे भाले के सामने गिर जाओगे।’

इन शब्दों के साथ वह आगे बढ़ा, और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे ज़ोरदार
जयकार करते हुए चल दिए। फिर गर्जन के देवता ज़्यूस ने इडा पर्वतों से एक शक्तिशाली हवा का झोंका भेजा, जिसने धूल को जहाजों की ओर उड़ा दिया; इस प्रकार उसने अचेयनों को आश्वस्त किया और हेक्टर और ट्रोजनों को विजय दिलाई, जिन्होंने अपनी शक्ति और ज़्यूस द्वारा दिखाए गए संकेतों पर भरोसा करते हुए अचेयनों की विशाल दीवार को तोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने दीवारों से सुरक्षा कवच तोड़ दिए और बुर्जों को ध्वस्त कर दिया; उन्होंने उन आधारों को उखाड़ दिया, जिन्हें अचेयनों ने दीवार को सहारा देने के लिए उसके सामने स्थापित किया था; जब उन्होंने इन्हें गिरा दिया तो उन्हें दीवार तोड़ने का पूरा भरोसा हो गया, लेकिन दानानों ने फिर भी पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया; वे अब भी बैल की खाल से बनी ढालों से बुर्जों की रक्षा कर रहे थे, और जैसे ही कोई दुश्मन दीवार के नीचे आता, वे उस पर अपने मिसाइल दाग देते थे।
दोनों अजाक्स दीवारों पर चारों ओर घूम-घूमकर अचियनों का हौसला बढ़ा
रहे थे, कुछ को तो वे मीठी-मीठी बातें कह रहे थे, वहीं जो भी लापरवाह दिखता उसे वे सख्ती से फटकार रहे थे। उन्होंने पुकारा, ‘मेरे मित्रों, सभी अर्गिवों – अच्छे, बुरे और साधारण, क्योंकि आज तक ऐसा कोई युद्ध नहीं हुआ जिसमें सभी की वीरता एक समान रही हो – जैसा कि आप भली-भांति जानते हैं, अब आप सबके लिए पर्याप्त काम है। ध्यान रखना कि शत्रु के शोर से डरकर तुममें से कोई भी जहाजों की ओर भाग न जाए, बल्कि आगे बढ़ते रहो और एक-दूसरे का हौसला बनाए रखो, यदि ऐसा हो कि बिजली के देवता, ओलंपियन बृहस्पति, हमें हमारे शत्रुओं को खदेड़ने और उन्हें शहर की ओर वापस भगाने की कृपा प्रदान करें।’
इस प्रकार वे दोनों चिल्लाते और अचेयनों का उत्साह बढ़ाते हुए आगे
बढ़ते रहे। जैसे सर्दियों के दिनों में बर्फ के टुकड़े घनी मात्रा में गिरते हैं, जब बृहस्पति बर्फ गिराने और अपने तीरों को मानवजाति को दिखाने का मन बनाता है - वह हवा को शांत कर देता है, और घंटों तक बर्फ गिराता रहता है जब तक कि वह ऊंचे पहाड़ों की चोटियों, समुद्र में निकले हुए शीर्षों, घास के मैदानों और मनुष्यों के खेतों को बर्फ से ढक नहीं देता; धूसर समुद्र के अग्रभागों और बंदरगाहों पर बर्फ गहरी जमी रहती है, लेकिन लहरें आती हुई उसे रोक देती हैं ताकि वह आगे न बढ़ सके, हालांकि सब कुछ बर्फ से ढके एक

चादर की तरह ढका होता है - ठीक इसी तरह पत्थर एक तरफ से दूसरी तरफ घनी मात्रा में गिरे, कुछ ट्रोजनों पर फेंके गए, और कुछ ट्रोजनों द्वारा अचेयनों पर; और पूरी दीवार शोरगुल से गूंज उठी।
फिर भी, ट्रोजन और वीर हेक्टर अभी तक द्वार और विशाल अवरोध को नहीं
तोड़ पाते, यदि बृहस्पति ने अपने पुत्र सर्पेडन को आर्गीवों के विरुद्ध एक शेर की तरह सींग वाले मवेशियों के झुंड पर हमला करने के लिए प्रेरित न किया होता। उसके सामने पीतल की ढाल थी, जिसे लोहार ने बड़ी खूबसूरती से गढ़ा था और बैल की खाल से जड़ा था, जिसे उसने चारों ओर सोने के कीलों से मज़बूती से जोड़ा था; उसने इसे अपने सामने रखा और अपने दो भाले लहराते हुए जंगल के किसी भूखे शेर की तरह आगे बढ़ा, जो लंबे समय से मांस की कमी से जूझ रहा हो और भेड़ों तक पहुँचने के लिए किसी अच्छी तरह से बाड़ वाले घर में भी घुसने का साहस करे। भले ही उसे चरवाहे कुत्तों और भालों के साथ अपने झुंडों की रखवाली करते हुए मिलें, लेकिन वह तब तक बाड़े से भागने के मूड में नहीं होगा जब तक कि वह कोशिश न कर ले; वह या तो किसी भेड़ पर झपट्टा मारकर उसे ले जाएगा, या किसी बलिष्ठ हाथ के भाले से घायल हो जाएगा - ठीक इसी तरह सर्पेडन दीवार पर हमला करने और उसके प्राचीरों को तोड़ने के लिए बेताब था। तब उसने हिप्पोलोकस के पुत्र ग्लौकस से कहा, “ग्लौकस, लिसिया में हमें भोजन के मामले में विशेष सम्मान क्यों मिलता है? हमें उत्तम भोजन क्यों परोसा जाता है और हमारे प्याले हमेशा भरे क्यों रहते हैं, और लोग हमें देवताओं की तरह क्यों देखते हैं? इसके अलावा, ज़ैंथस नदी के किनारे हमारी एक विशाल जागीर है, जो सुंदर बागों और गेहूँ की खेती वाली भूमि से सुसज्जित है; इसलिए यह हमारा कर्तव्य है कि हम सभी लिसियावासियों के नेतृत्व में खड़े हों और युद्ध का भार उठाएँ, ताकि कोई दूसरे से कह सके, “लिसिया में हमारे राजकुमार भूमि की उपजाऊ भूमि का आनंद लेते हैं और उत्तम शराब पीते हैं, लेकिन वे उत्तम पुरुष हैं; वे अच्छी तरह से लड़ते हैं और युद्ध में हमेशा आगे रहते हैं।” मेरे प्रिय मित्र, यदि एक बार इस युद्ध से बाहर निकलने के बाद हम बुढ़ापे और मृत्यु से हमेशा के लिए बच सकते, तो मैं न तो स्वयं आगे बढ़ता और न ही तुम्हें ऐसा करने के लिए कहता, लेकिन दस हजार रूपों में मृत्यु हमेशा हमारे सिर पर मंडराती रहती है, और कोई भी उससे बच नहीं सकता; इसलिए हमें आगे बढ़ना चाहिए और या तो स्वयं गौरव प्राप्त करना चाहिए, या इसे किसी और को सौंप देना चाहिए।

ग्लौकस ने उसकी बात मान ली, और वे दोनों तुरंत लाइसियन सेना के आगे बढ़ गए। पेटियोस का पुत्र मेनेस्थियस उन्हें देखकर भयभीत हो गया, क्योंकि वे उसी के दीवार के हिस्से पर आ रहे थे - अपने साथ विनाश लेकर; उसने अपने साथियों का समर्थन करने के लिए दीवार पर किसी सरदार की तलाश की और उसने दो एजैक्स को, जो हमेशा युद्ध के लिए तत्पर रहते थे, और अपने तम्बू से अभी-अभी आए ट्यूसर को उनके पास खड़े देखा; लेकिन वह चिल्लाकर भी अपनी आवाज़ उन तक नहीं पहुँचा सका, क्योंकि ढालों और हेलमेटों के टकराने और फाटकों के टूटने से इतना शोर मच रहा था कि वह आकाश तक पहुँच रहा था। क्योंकि सभी फाटक बंद थे, और ट्रोजन उन्हें तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश में उन पर प्रहार कर रहे थे। इसलिए, मेनेस्थियस ने थोट्स को एजैक्स के पास एक संदेश के साथ भेजा। उसने कहा, 'भागो, भले थोट्स, और एजैक्स को बुलाओ, या इससे भी बेहतर, दोनों को आने के लिए कहो, क्योंकि यहाँ हमारा सब कुछ तुरंत समाप्त हो जाएगा; लाइसियनों के नेता हम पर आक्रमण करने आ चुके हैं, ये वे लोग हैं जिन्होंने अब तक अत्यंत बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। लेकिन अगर उन दोनों के पास इतना काम है कि उन दोनों का आना संभव नहीं है, तो कम से कम तेलमोन के पुत्र एजैक्स को आने दो, और उसके साथ प्रसिद्ध धनुर्धर ट्यूसर को भी आने दो। दूत ने आदेश का पालन किया और अचियनों की दीवार के साथ-साथ दौड़ने लगा।
जब वह अजाक्सियों के पास पहुँचा तो उसने उनसे कहा, “हे अर्गिव्स के राजकुमारों, कुलीन पेटियोस का पुत्र आपको कुछ समय के लिए अपने पास बुला रहा है और आपकी सहायता करने को कह रहा है। यदि आप दोनों आ सकते हैं तो बेहतर होगा, अन्यथा उसका तुरंत अंत हो जाएगा; लाइसियनों के नेता उस पर टूट पड़े हैं, वे लोग जो पहले भी अत्यंत वीरतापूर्वक लड़ चुके हैं; यदि आप दोनों के लिए आना संभव न हो तो कम से कम तेलमोन के पुत्र अजाक्स को भेज दें, और प्रसिद्ध धनुर्धर ट्यूसर को उसके साथ आने को कहें।”
टेलामोन के पुत्र महान एजैक्स ने संदेश सुना और तुरंत ओइलियस के पुत्र से बात की। उन्होंने कहा, ‘एजैक्स, तुम दोनों, तुम और वीर लाइकोमेडेस, यहीं रहो और दानानियों का मनोबल बढ़ाओ ताकि वे पूरी ताकत से लड़ सकें। मैं उधर जाऊंगा और लड़ाई में अपना हिस्सा निभाऊंगा, लेकिन जैसे ही मैं उन्हें आवश्यक सहायता दे दूंगा, मैं तुरंत वापस आ जाऊंगा।’
इसके साथ ही, टेलमोन का पुत्र अजाक्स और उसका सगा भाई ट्यूसर भी चल
पड़े, और ट्यूसर का धनुष उठाने के लिए पंडियन उनके साथ था। वे दीवार के

भीतर से गए, और जब वे उस मीनार पर पहुँचे जहाँ मेनेस्थियस था (और वास्तव में वे उसे बहुत मुश्किल स्थिति में पा रहे थे), तो लाइसियनों के वीर सेनापति और नेता एक घने काले बादल की तरह किले की दीवारों पर टूट पड़े, आमने-सामने की लड़ाई लड़ रहे थे और ज़ोर-ज़ोर से युद्धघोष कर रहे थे। सबसे पहले, टेलमोन के पुत्र एजैक्स ने सर्पेडन के बहादुर साथी एपिक्लेस को मार डाला। उसने दीवार के सबसे ऊपरी हिस्से में, प्राचीर के पास पड़े एक नुकीले पत्थर से एपिक्लेस पर प्रहार किया। आज के समय में, जवानी में रहने वाला व्यक्ति भी उसे अपने दोनों हाथों से मुश्किल से उठा पाता है, लेकिन एजैक्स ने उसे बहुत ऊपर उठाया और नीचे फेंक दिया, जिससे एपिक्लेस का चार मुकुटों वाला हेलमेट चकनाचूर हो गया और उसकी हड्डियाँ चूर-चूर हो गईं। एपिक्लेस दीवार से ऐसे गिरा जैसे गोता लगा रहा हो, मानो उसकी जान निकल चुकी हो। फिर ट्यूसर ने हिप्पोलोकस के बहादुर पुत्र ग्लौकस को घायल कर दिया, जब वह दीवार पर हमला करने आ रहा था। ट्यूसर ने उसका नंगा कंधा देखा और उस पर तीर चलाया, जिससे ग्लौकस ने लड़ना छोड़ दिया। इसके बाद वह छिपकर नीचे कूद गया, क्योंकि उसे डर था कि कुछ अचेयन उसे घायल देखकर उसका मजाक उड़ा सकते हैं। ग्लौकस को अपने से दूर जाते देख सर्पेडन गहरे दुःख से भर गया, फिर भी उसने लड़ाई नहीं छोड़ी और थेस्टर के पुत्र अल्कमोन पर अपना भाला तानकर उसे घायल कर दिया। सर्पेडन ने भाला वापस खींच लिया और अल्कमोन अपने कांस्य कवच को फड़फड़ाते हुए उसके पीछे सिर के बल गिर पड़ा। तब सर्पेडन ने अपने बलिष्ठ हाथों से प्राचीर को पकड़ लिया और उसे तब तक खींचा जब तक वह पूरी तरह टूट नहीं गई और उसमें एक दरार बन गई जिससे होकर कई लोग गुजर सकते थे।
फिर अजाक्स और ट्यूसर दोनों ने उस पर हमला कर दिया। ट्यूसर ने उसके
शरीर को ढकने वाली ढाल के पट्टी पर तीर चलाया, लेकिन बृहस्पति ने अपने पुत्र को बचा लिया ताकि वह जहाजों के पिछले हिस्से से न टकराए। इसी बीच अजाक्स उस पर झपटा और उसकी ढाल को भेद दिया, लेकिन भाला पूरी तरह से आर-पार नहीं हुआ, हालांकि इससे वह इतना पीछे हट गया कि आगे नहीं बढ़ सका। इसलिए वह किले की दीवार से थोड़ा पीछे हट गया, फिर भी उसने अपनी पूरी ताकत नहीं खोई, क्योंकि वह अभी भी अपनी वीरता का बखान करना चाहता था। फिर वह मुड़ा और बहादुर लाइसियनों को पुकारते हुए बोला, 'लाइसियनों, तुम मुझे इस तरह क्यों धोखा दे रहे हो? अपनी सारी वीरता के बावजूद मैं अकेले दीवार तोड़कर जहाजों

तक रास्ता नहीं खोल सकता। मेरे पीछे आ जाओ, क्योंकि हम जितने ज्यादा होंगे उतना ही अच्छा होगा।'
उनकी फटकार से लज्जित होकर, लाइसियन अपने सलाहकार और राजा के चारों ओर
और भी कसकर जमा हो गए। दूसरी ओर, आर्गीवों ने अपने सैनिकों को दीवार के भीतर युद्ध की स्थिति में ला दिया और उनके बीच भयंकर संघर्ष छिड़ गया। लाइसियन दीवार तोड़कर जहाजों तक नहीं पहुँच सके, और दानान भी लाइसियनों को दीवार से खदेड़ नहीं सके, क्योंकि वे एक बार दीवार तक पहुँच चुके थे। जैसे दो आदमी, हाथ में नापने की छड़ें लिए, अपने साझा स्वामित्व वाले खेत की सीमाओं को लेकर झगड़ते हैं और अपने अधिकारों के लिए अड़े रहते हैं, भले ही वह केवल एक पट्टी में ही क्यों न हो, ठीक उसी तरह अब प्राचीरें विवाद का कारण बन गईं और वे अपने अधिकार के लिए एक-दूसरे की ढालों पर प्रहार करने लगे। कई लोगों का शरीर निर्दयी कांसे से घायल हो गया, जब उन्होंने मुड़कर दुश्मन के सामने अपनी पीठ कर ली, और कई लोगों की ढालें आर-पार हो गईं; दीवार और प्राचीरें हर जगह ट्रोजन और अचेयनों के खून से लथपथ थीं। लेकिन फिर भी ट्रोजन अचेयनों को परास्त नहीं कर सके, जो डटे रहे; और जैसे कोई ईमानदार और मेहनती महिला अपने तराजू में ऊन तौलती है और देखती है कि पलड़ा सही है, ताकि वह अपने बच्चों के लिए कुछ मामूली कमाई कर सके, वैसे ही यह लड़ाई दोनों के बीच बराबरी पर थी, जब तक कि बृहस्पति ने प्रियम के पुत्र हेक्टर को अधिक गौरव नहीं दिया, जो अचेयनों की दीवार की ओर सबसे पहले बढ़ा। ऐसा करते हुए उसने ट्रोजनों को जोर से पुकारा, 'उठो, ट्रोजनों, आर्गीवों की दीवार तोड़ो और उनके जहाजों पर आग बरसाओ।'
इस प्रकार उसने उनका पीछा किया, और वे सब एक साथ उसकी आज्ञा के अनुसार दीवार की ओर दौड़े और हाथों में तीखे भाले लिए प्राचीरों पर चढ़ गए। हेक्टर ने फाटकों के ठीक बाहर पड़े एक पत्थर को उठा लिया, जो एक तरफ से मोटा और दूसरी तरफ से नुकीला था; आज के समय में, शहर के दो सबसे कुशल व्यक्ति भी उसे ज़मीन से उठाकर गाड़ी पर नहीं रख पाते, लेकिन हेक्टर ने उसे बड़ी आसानी से उठा लिया, क्योंकि धूर्त शनि के पुत्र ने उसे उसके लिए हल्का बना दिया था। जैसे कोई चरवाहा एक हाथ से मेमने की ऊन उठा लेता है और उसे बोझ नहीं समझता, वैसे ही हेक्टर ने उस बड़े पत्थर को आसानी से उठाया और उसे उन दरवाजों पर दे मारा जो इतने मज़बूती से बंद थे। ये दरवाजे दोहरे और ऊँचे थे, और दो चौखटों से बंद थे जिनकी केवल एक ही चाबी थी। जब वह उनके पास पहुँच

गया, तो हेक्टर ने अपनी प्रहार शक्ति बढ़ाने के लिए उनकी ओर कदम बढ़ाया और अपना पूरा वज़न उन पर डालते हुए बीचोंबीच प्रहार किया। उसने दोनों कब्ज़े तोड़ दिए, और पत्थर अपने भारी वज़न के कारण अंदर गिर गया। द्वारों में आवाज़ गूंज उठी, सलाखें टूट गईं, और प्रहार के बल से दरवाज़े खुल गए, एक एक तरफ और दूसरा दूसरी तरफ। फिर वीर हेक्टर उड़ती रात के समान काले चेहरे के साथ अंदर कूद पड़ा। उसके शरीर पर चमकता हुआ पीतल तेज़ी से चमक रहा था और उसके हाथों में दो भाले थे। केवल एक देवता ही उसका सामना कर सकता था, क्योंकि उसने द्वार में छलांग लगा दी थी, और उसकी आँखें आग की तरह धधक रही थीं। फिर वह ट्रोजनों की ओर मुड़ा और उन्हें दीवार फांदने के लिए कहा, और उन्होंने वैसा ही किया जैसा उसने कहा - उनमें से कुछ तुरंत दीवार फांद गए, जबकि अन्य द्वारों से होकर गुज़र गए। फिर दानान घबराकर अपने जहाजों की ओर भागे, और चारों ओर शोरगुल और अफरा-तफरी मच गई।

पुस्तक 13

नेप्च्यून ने अचियनों की मदद की – इडोमेनियस के कारनामे –
हेक्टर जहाजों पर।
जब बृहस्पति हेक्टर और ट्रोजनों को जहाजों तक ले आया, तो उसने उन्हें उनके अंतहीन परिश्रम में छोड़ दिया और अपनी पैनी नज़र थ्रेस के घोड़े पालने वालों, आमने-सामने की लड़ाई लड़ने वाले मिसियनों, दूध पर जीने वाले कुलीन हिप्पेमोलगी और सबसे न्यायप्रिय अबियनों की ओर घुमा ली। उसने ट्रॉय की ओर एक नज़र भी नहीं डाली, क्योंकि उसे नहीं लगता था कि कोई भी अमर देवता ट्रोजनों या दानानों की मदद करने जाएगा।
लेकिन राजा नेप्च्यून ने अंधाधुंध निगरानी नहीं रखी थी; वह घने जंगलों से घिरे समोथ्रेस की सबसे ऊँची चोटियों पर स्थित अपने सिंहासन से युद्ध को प्रशंसा भरी निगाहों से देख रहे थे, जहाँ से उन्हें प्रियम के शहर और अचेयनों के जहाजों सहित पूरा इडा दिखाई देता था। वह समुद्र के नीचे से आकर यहाँ बैठ गए थे, क्योंकि उन्हें ट्रोजनों द्वारा पराजित किए जा रहे अचेयनों पर दया आ रही थी; और वह बृहस्पति पर भयंकर क्रोधित थे।
कुछ ही देर में वह पर्वत की चोटी पर स्थित अपने स्थान से नीचे उतरा, और जैसे ही वह तेज़ी से आगे बढ़ा, ऊँची पहाड़ियाँ और जंगल उसके अमर चरणों के नीचे काँप उठे। उसने तीन कदम उठाए और चौथे कदम के साथ ही वह अपने लक्ष्य तक पहुँच गया – एगे, जहाँ समुद्र की गहराइयों में उसका चमकीला, अविनाशी स्वर्ण महल स्थित था। वहाँ पहुँचकर उसने अपने तेज़, पीतल के पैरों वाले घोड़ों को, जिनके सुनहरे अयाल हवा में लहरा रहे थे, जोत दिया; उसने स्वर्ण वस्त्र धारण किया, स्वर्ण चाबुक उठाया और अपने रथ पर सवार हो गया। जैसे ही वह लहरों पर आगे बढ़ा, समुद्री राक्षस अपने बिलों से बाहर आ गए, क्योंकि वे अपने स्वामी को पहचान चुके थे, और गहराई के हर कोने से उसके चारों ओर उछल-कूद करने लगे, जबकि समुद्र ने अपनी प्रसन्नता में उसके रथ के सामने रास्ता बना दिया। घोड़े इतनी फुर्ती से दौड़े कि रथ का पीतल का धुरा भी गीला नहीं

हुआ; और इस प्रकार उसके उछलते-कूदते घोड़े उसे अचेयनों के जहाजों तक ले गए।
अब, टेनेडोस और चट्टानी इम्ब्रस के बीच समुद्र की गहराई में एक विशाल गुफा है; यहाँ भूकंप के स्वामी नेपच्यून ने अपने घोड़ों को रोका, उनके जुए खोले और उनके सामने उनका अमृतमय चारा रखा। उन्होंने उनके पैरों में सोने की ऐसी बेड़ियाँ बाँधीं जिन्हें न तो खोला जा सकता था और न ही तोड़ा जा सकता था, ताकि वे अपने स्वामी के लौटने तक वहीं ठहरे रहें। यह करके वह अचेयनों की सेना की ओर चल पड़ा।
अब ट्रोजन, प्रियम के पुत्र हेक्टर के पीछे-पीछे तूफ़ान के बादल या आग की लपटों की तरह घनी पंक्ति में चल रहे थे, पूरी ताकत से लड़ रहे थे और युद्ध का नारा लगा रहे थे; क्योंकि उनका इरादा था कि वे अचेयनों के जहाजों पर कब्ज़ा कर लेंगे और उनके सभी प्रमुख नायकों को वहीं मार डालेंगे। इसी बीच, पृथ्वी को घेरे हुए भूकंप के स्वामी नेपच्यून ने अर्गिव्स का उत्साह बढ़ाया, क्योंकि वह समुद्र से प्रकट हुए थे और उन्होंने कल्चास का रूप और स्वर धारण कर लिया था।
सबसे पहले उन्होंने दोनों अजाक्सों से बात की, जो पहले से ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे थे, और कहा, ‘अजाक्सों, यदि तुम अपनी पूरी ताकत लगा दो और भयभीत न हो, तो तुम दोनों अचेयनों को बचा सकते हो। मुझे इस बात का डर नहीं है कि दीवार फांदकर आए ट्रोजन किसी और हिस्से में विजयी होंगे, क्योंकि अचेयन उन सभी को रोक सकते हैं, लेकिन मुझे बहुत डर है कि यहाँ हम पर कोई विपत्ति आएगी, जहाँ क्रूर हेक्टर, जो स्वयं को महान बृहस्पति का पुत्र बताता है, उन्हें अग्नि के स्तंभ की तरह आगे बढ़ा रहा है। इसलिए, कोई देवता तुम्हारे हृदय में यह प्रेरणा दे कि तुम यहाँ डटे रहो और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करो। इस स्थिति में, तुम उसे जहाजों से खदेड़ दोगे, भले ही वह स्वयं बृहस्पति से प्रेरित हो।’
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, पृथ्वी को घेरे हुए भूकंप के देवता ने अपने राजदंड से उन दोनों पर प्रहार किया और उनके हृदयों में साहस भर दिया। उसने उनके पैरों को हल्का और फुर्तीला बना दिया, साथ ही उनके हाथों और पंजों को भी। फिर, जैसे ऊँचा उड़ता हुआ बाज़ किसी ऊँची चट्टान के ऊपर मंडराता है और तुरंत मैदान में किसी पक्षी का पीछा करने के लिए नीचे झपट्टा मारता है, वैसे ही भूकंप के देवता नेपच्यून ने अपने पंख फैलाकर

आकाश में उड़ान भरी और उन्हें पीछे छोड़ दिया। उन दोनों में से, ओइलियस के पुत्र, फुर्तीले एजैक्स ने सबसे पहले यह जान लिया कि उनसे कौन बात कर रहा था, और उसने टेलमोन के पुत्र एजैक्स से कहा, 'एजैक्स, यह ओलंपस में रहने वाले देवताओं में से एक है, जो भविष्यवक्ता के रूप में हमें अपने जहाजों के पास जमकर लड़ने का आदेश दे रहा है। यह शकुन बताने वाला और भविष्यवक्ता कल्चस नहीं था; मैंने उसे उसके पैरों और घुटनों से तुरंत पहचान लिया जब वह मुड़ा, क्योंकि देवताओं को जल्दी पहचाना जा सकता है।' इसके अलावा, मुझे अपने भीतर युद्ध की तीव्र इच्छा महसूस हो रही है, जबकि मेरे हाथ और पैर लड़ाई के लिए और भी उत्सुक हैं।
और तेलमोन के पुत्र अजाक्स ने उत्तर दिया, 'मुझे भी ऐसा महसूस होता है
कि मेरे हाथ मेरे भाले को और अधिक मजबूती से पकड़ रहे हैं; मेरी शक्ति अधिक है, और मेरे पैर अधिक फुर्तीले हैं; इसके अलावा, मैं प्रियम के पुत्र क्रूर हेक्टर से एकल युद्ध में भी भिड़ने के लिए उत्सुक हूं।'
इस प्रकार वे बातें करते रहे, युद्ध के बाद उस तीव्र भूख से प्रसन्न थे
जो देवता ने उन्हें तृप्त कर दी थी। इसी बीच, पृथ्वी को घेरने वाले देवता ने अचेयनों को जगाया, जो जहाजों के पास पीछे विश्राम कर रहे थे। वे भीषण युद्ध और ट्रोजन सेना को दीवार फांदकर अंदर आते देख शोक से व्याकुल हो गए थे। उन्हें देखकर उनकी आँखों से आँसू बहने लगे, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि वे विनाश से नहीं बचेंगे; परन्तु भूकंप के देवता ने उनके बीच से धीरे-धीरे गुजरते हुए उनकी टुकड़ियों को आगे बढ़ने का आदेश दिया। सबसे पहले वह ट्यूसर और लेइटस, वीर पेनेलियोस, थोआस और डेपायरस के पास गया; मेरियोनेस और एंटिलोकस, जो वीर योद्धा थे; उसने उन सभी को उपदेश दिया। उसने पुकारा, ‘युवा अर्गिव्स, तुम पर शर्म आती है! मैंने अपने जहाजों को बचाने के लिए तुम्हारी वीरता पर भरोसा किया था; यदि तुम पूरी ताकत से नहीं लड़ोगे, तो आज ही हम ट्रोजनों से हार जाएँगे। सचमुच, मेरी आँखों के सामने एक भयानक अपशगुन है जिसे मैंने कभी देखने की कल्पना भी नहीं की थी – ट्रोजन हमारे जहाजों के पास हैं – वे, जो अब तक जंगल में सियार और भेड़ियों के शिकार, भयभीत हिरणियों की तरह थे, जिनके पास भागने के अलावा कोई ताकत नहीं थी क्योंकि वे अपना बचाव नहीं कर सकते थे।’ अब तक ट्रोजन एक पल के लिए भी अचेयनों के हमले का सामना करने का साहस नहीं कर रहे थे, लेकिन अब वे अपने शहर से बहुत दूर निकल आए हैं और हमारे नेता की कायरता और जनता की असंतुष्टि

पर निशाना साधा। ट्यूसर ने भाले को आते देखा और एक तरफ हट गया, जिससे वह एम्फिमाकस (एक्टर के पोते सीट्यूस का पुत्र) की छाती में जा लगा, जब वह युद्ध में आ रहा था। उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर गूंज उठा और वह भारी भरकम तरीके से जमीन पर गिर पड़ा। हेक्टर ने आगे बढ़कर एम्फिमाकस के कनपटी से उसका हेलमेट उतार लिया, और एक पल में एजैक्स ने उस पर भाला फेंका, लेकिन उसे घायल नहीं कर सका, क्योंकि वह अपने भयानक कवच में पूरी तरह से ढका हुआ था; फिर भी भाला उसकी ढाल के ऊपरी हिस्से पर इतनी जोर से लगा कि वह दो शवों से पीछे हट गया, जिन्हें अचेयन सेना ने तब उठा लिया। एथेंस के सेनापति स्टिचियस और मेनेस्थियस एम्फिमाकस को अचेयन सेना के पास ले गए, जबकि दो बहादुर और उग्र एजैक्स ने भी इम्ब्रियस के साथ ऐसा ही किया। जैसे दो शेर अपने दाँतों में जकड़े हुए कुत्तों से बकरी छीनकर उसे घनी झाड़ियों के बीच से ज़मीन से ऊपर उठाकर ले जाते हैं, वैसे ही अयाक्सियों ने इम्ब्रियस के शव को ऊपर उठाया और उसके कवच उतार दिए। फिर ओइलियस के पुत्र ने एम्फिमाकस की मृत्यु का बदला लेने के लिए उसका सिर गर्दन से अलग कर दिया और उसे गेंद की तरह भीड़ के ऊपर घुमाते हुए तब तक उछाला जब तक वह हेक्टर के पैरों के पास धूल में नहीं गिर गया।
नेप्च्यून अपने पोते एम्फिमाकस के मारे जाने से अत्यंत क्रोधित था; इसलिए वह अचेयनों के तम्बुओं और जहाजों में गया ताकि दानानों को और उकसा सके और ट्रोजनों के लिए बुरी योजना बना सके। इडोमेनियस उससे तब मिला जब वह अपने एक साथी से विदा ले रहा था, जो अभी-अभी युद्ध से लौटकर आया था और उसके घुटने में चोट लगी थी। उसके साथी सैनिक उसे युद्धक्षेत्र से ले गए, और इडोमेनियस ने चिकित्सकों को आदेश देकर अपने तंबू में चला गया, क्योंकि वह अभी भी युद्ध के लिए उत्सुक था। नेप्च्यून ने एंड्रेमोन के पुत्र थोआस के रूप में और उसी स्वर में बात की, जो प्लूरॉन और उच्च कैलिडॉन के एटोलियनों का शासक था और अपनी प्रजा में देवता के समान पूजनीय था। उसने कहा, 'क्रेतों के विधिक इडोमेनियस, अब उन धमकियों का क्या हुआ जिनसे अचेयनों के पुत्र ट्रोजनों को धमकाते थे?'
और क्रीटियों के प्रमुख इदोमेनियस ने उत्तर दिया, “थोआस, जहाँ तक मुझे पता है, कोई भी दोषी नहीं है, क्योंकि हम सभी लड़ सकते हैं। कोई भी डर या सुस्ती से पीछे नहीं हट रहा है, लेकिन ऐसा लगता है कि सर्वशक्तिमान बृहस्पति की यही इच्छा है कि अचेयन लोग आर्गोस से दूर यहाँ अपमानजनक रूप

से नष्ट हो जाएँ: हे थोआस, तुम हमेशा दृढ़ रहे हो, और यदि तुम किसी को कर्तव्य में विफल होते देखते हो तो दूसरों को भी याद दिलाते हो; इसलिए अब ढिलाई मत बरतो, बल्कि सभी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करो।”
इस पर भूकंप के स्वामी नेपच्यून ने उत्तर दिया, “इडोमेनियस, ईश्वर करे
वह ट्रॉय से कभी वापस न लौटे, बल्कि यहीं कुत्तों का भोजन बन जाए, जो आज जानबूझकर लड़ाई में सुस्ती दिखा रहा है। अपना कवच उठाओ और जाओ, हमें मिलकर पूरी जल्दी करनी होगी अगर हम कुछ काम आ सकें, भले ही हम सिर्फ दो ही क्यों न हों। कायर भी साथ से साहस पाते हैं, और हम दोनों सबसे बहादुरों का भी मुकाबला कर सकते हैं।”
इसके साथ ही देवता युद्ध के मैदान में वापस चले गए, और इडोमेनियस जब
अपने तम्बू में पहुँचा तो उसने अपना कवच पहना, अपने दोनों भाले पकड़े और आगे बढ़ गया। जैसे शनि का पुत्र चमकीले ओलंपस से बिजली चमकाता है जब वह मनुष्यों को कोई संकेत देना चाहता है, और उसकी चमक दूर-दूर तक फैलती है – ठीक वैसे ही दौड़ते समय उसका कवच उसके चारों ओर चमक रहा था। उसका बलवान सहायक मेरियोनेस उससे तब मिला जब वह अभी भी अपने तम्बू के पास ही था (क्योंकि वह अपना भाला लेने जा रहा था) और इडोमेनियस ने कहा:—
‘मोलुस के तेजतर्रार पुत्र मेरियोनेस, सर्वश्रेष्ठ साथी, तुम युद्धक्षेत्र छोड़कर क्यों चले गए? क्या तुम घायल हो गए हो, और क्या हथियार की नोक तुम्हें चुभ रही है? या मुझे बुलाने के लिए तुम्हें भेजा गया है? मुझे किसी के बुलाने की ज़रूरत नहीं है; मैं अपने तम्बू में रहने की बजाय लड़ना ज़्यादा पसंद करूँगा।’
मेरियोनेस ने उत्तर दिया, ‘इडोमेनियस, मैं एक भाला लेने आया हूँ, अगर
मुझे अपने तम्बू में एक मिल जाए; मैंने अपना भाला डेइफोबस की ढाल पर फेंकते समय तोड़ दिया है।’
और क्रीटियों के सेनापति इदोमेनियस ने उत्तर दिया, “मेरे तम्बू की
अंतिम दीवार के सहारे आपको एक भाला, या चाहें तो बीस भाले भी मिल जाएँगे। मैंने इन्हें उन ट्रोजनों से लिया है जिन्हें मैंने मार डाला है, क्योंकि मैं अपने शत्रु को दूर रखने वाला नहीं हूँ; इसलिए मेरे पास भाले, ढालें, हेलमेट और चमकीले कवच हैं।”

तब मेरियोनेस ने कहा, “मेरे तम्बू और मेरे जहाज में भी ट्रोजनों से
लूटा हुआ माल है, लेकिन वह अभी मेरे पास नहीं है। मैं हमेशा से वीर रहा हूँ, और जहाँ भी भयंकर युद्ध हुआ है, मैं हमेशा सबसे आगे रहा हूँ। अचेयनों में शायद कुछ लोग मेरी युद्ध शैली को न जानते हों, लेकिन आप इसे भली-भांति जानते हैं।”
इडोमेनियस ने उत्तर दिया, “मैं तुम्हें बहादुर जानता हूँ: मुझे बताने
की ज़रूरत नहीं है। यदि जहाजों पर मौजूद सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को घात लगाकर हमला करने के लिए चुना जाए – और इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है जिससे किसी व्यक्ति की असलियत पता चले; तब पता चलता है कि कौन कायर है और कौन बहादुर; कायर हर स्पर्श और मोड़ पर रंग बदलेगा; वह भय से भरा होगा, और अपना भार कभी एक घुटने पर तो कभी दूसरे पर डालता रहेगा; मृत्यु के विचार से उसका हृदय तीव्र गति से धड़कता रहेगा, और उसके दाँत किटकिटाने की आवाज़ सुनाई देगी; जबकि बहादुर व्यक्ति घात में फँसने पर न तो रंग बदलेगा और न ही भयभीत होगा, बल्कि हर समय युद्ध में जाने के लिए तरसता रहेगा – यदि ऐसी सेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को चुना जाए, तो कोई भी तुम्हारे साहस और शौर्य के कारनामों को कम नहीं आंक सकता। यदि तुम पर भाला लगे या आमने-सामने की लड़ाई में चोट लगे, तो वह पीछे से, तुम्हारी गर्दन या पीठ पर नहीं, बल्कि हथियार तुम्हें सीने या पेट पर लगेगा जब तुम अग्रिम पंक्ति में जगह बनाने के लिए आगे बढ़ रहे होगे।” लेकिन अब हमें यहाँ बच्चों की तरह बातें नहीं करनी चाहिए, कहीं हमारी बदनामी न हो जाए; जाओ, तुरंत तम्बू से अपना भाला ले आओ।
इस पर मार्स के समकक्ष मेरियोनेस तंबू में गया और अपने लिए कांसे का भाला ले आया। फिर वह वीरता के महान कारनामों से प्रशंसित इडोमेनियस के पीछे चल पड़ा। जैसे जब विनाशकारी मार्स युद्ध के लिए निकलता है, और उसका बलवान और निडर पुत्र पैनिक उसके साथ जाता है, जो किसी वीर के हृदय में भी भय उत्पन्न कर देता है – ये दोनों थ्रेस से निकलकर एफ़िरी या बहादुर फ्लेग्यानों के बीच हथियारबंद होने जाते हैं, लेकिन वे दोनों पक्षों की बात नहीं सुनते और एक पक्ष को ही जीत दिलाते हैं – ठीक वैसे ही मेरियोनेस और इडोमेनियस, जो सेनापति थे, अपने कांसे के कवच में युद्ध के लिए निकले। मेरियोनेस ने सबसे पहले बात की। उसने कहा, ‘ड्यूकालियन के पुत्र, आप हमें

युद्ध कहाँ से शुरू करवाना चाहते हैं? सेना के दाहिने पंख पर, केंद्र में, या बाएं पंख पर, जहाँ मुझे लगता है कि अचेयन सबसे कमजोर होंगे?’ इडोमेनियस ने उत्तर दिया, “केंद्र की रक्षा के लिए अन्य लोग भी हैं – दो अजाक्स और ट्यूसर, जो सभी अचेयनों में सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर है और हाथ से हाथ की लड़ाई में भी कुशल है। ये प्रियम के पुत्र हेक्टर को काफी चुनौती देंगे; चाहे वह कितना भी लड़े, उनके अदम्य क्रोध को पराजित करना और जहाजों में आग लगाना उसके लिए कठिन होगा, जब तक कि शनि का पुत्र स्वयं उन पर जलती हुई मशाल न फेंक दे। टेलमोन का महान पुत्र अजाक्स किसी भी ऐसे व्यक्ति के सामने नहीं झुकेगा जो नश्वर है और सेरेस का अनाज खाता है, भले ही पीतल और बड़े पत्थर उसे गिरा सकें। वह हाथ से हाथ की लड़ाई में अकिलीज़ के सामने भी नहीं झुकेगा, और पैरों की फुर्ती में उसका कोई मुकाबला नहीं है; इसलिए आइए हम बाईं ओर मुड़ें, ताकि हम तुरंत जान सकें कि हमें किसी और को गौरव देना है या उसे हमें।”
तेजतर्रार मार्स के समकक्ष मेरियोनेस ने तब तक नेतृत्व किया जब तक वे सेना के उस हिस्से तक नहीं पहुंच गए जिसका नाम इडोमेनियस ने रखा था।
जब ट्रोजनों ने इदोमेनियस को आग की लपट की तरह आते देखा, वह और उसका
साथी अपने शानदार कवच में सजे हुए थे, तो वे सब चिल्लाते हुए एक साथ उसकी ओर बढ़े और जहाजों के पिछले हिस्से के नीचे भयंकर हाथापाई छिड़ गई। जैसे दिन में सड़कों पर धूल जमी हो और तेज हवाएं उसे घने बादल में बदल दें, वैसे ही भयंकर युद्ध का प्रकोप था, और सभी सैनिक भाले और तलवारों से एक-दूसरे पर जमकर प्रहार कर रहे थे। मैदान उनके लंबे और घातक भालों से भरा हुआ था। उनके चमकते हेलमेट, नए पॉलिश किए हुए कवच और जगमगाती ढालें युद्ध में एक-दूसरे से भिड़ते समय चकाचौंध कर रही थीं। वाकई लोहे जैसा साहस तो उसी का होगा जो ऐसे भीषण युद्ध को देखकर आनंदित हो सके और विचलित न हो।
इस प्रकार शनि के दो शक्तिशाली पुत्रों ने नश्वर नायकों के लिए बुराई
की योजना बनाई। बृहस्पति ट्रोजन और हेक्टर को विजय दिलाना चाहता था, ताकि तेजतर्रार अकिलीज़ का सम्मान हो सके, फिर भी उसका इरादा इलियस के सामने अचेयन सेना को पूरी तरह से परास्त करने का नहीं था, बल्कि वह केवल थेतिस और उसके वीर पुत्र का गौरव बढ़ाना चाहता था। दूसरी ओर, नेपच्यून गुप्त रूप से धूसर सागर से आकर अर्गिव्स के बीच उन्हें उकसाने लगा, क्योंकि वह उन्हें ट्रोजन द्वारा पराजित देखकर दुखी था और बृहस्पति पर क्रोधित था। दोनों एक

ही जाति और देश के थे, लेकिन बृहस्पति बड़ा था और अधिक ज्ञानी था, इसलिए नेपच्यून खुले तौर पर अर्गिव्स का बचाव करने से डरता था, लेकिन मनुष्य के रूप में, वह उनकी पूरी सेना में उन्हें प्रोत्साहित करता रहा। इस प्रकार, इन दोनों ने युद्ध और लड़ाई का एक ऐसा जाल बुना, जिसे कोई खोल या तोड़ नहीं सकता था, और दोनों पक्षों को इस पर खींचतान में लगा दिया, जिससे मनुष्य घुटने टेकने लगे।
और अब इदोमेनियस, हालांकि उसके बाल सफ़ेद हो चुके थे, दानानियों को
ऊँचे स्वर में पुकारा और उनके बीच कूदकर ट्रोजनों में दहशत फैला दी। उसने कैबेसस के ओथ्रियोनियस को मार डाला, जो एक परदेसी था और हाल ही में युद्ध में भाग लेने आया था। उसने प्रियम की सबसे सुंदर पुत्री कैसेंड्रा से विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन उसने कोई भेंट नहीं दी, क्योंकि उसने एक बड़ा वादा किया था, कि वह अचेयनों के पुत्रों को ट्रॉय से चाहे या न चाहे भगा देगा; बूढ़े राजा प्रियम ने अपनी सहमति दे दी थी और उसे कैसेंड्रा देने का वादा किया था, जिसके बाद उसने किए गए वादों के बल पर युद्ध किया। इदोमेनियस ने भाला चलाया और जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसे लग गया। उसके कांसे के कवच ने उसकी रक्षा नहीं की और भाला उसके पेट में जा लगा, जिससे वह ज़मीन पर ज़ोर से गिर पड़ा। तब इदोमेनियस ने ओथ्रियोनियस पर गर्व करते हुए कहा, “ओथ्रियोनियस, यदि तुम डार्डनस के पुत्र प्रियम से उसकी पुत्री के बदले में किया वादा पूरा करोगे, तो संसार में मैं तुमसे अधिक किसी की प्रशंसा नहीं करूँगा। हम भी तुम्हें एक प्रस्ताव देते हैं; हम तुम्हें एट्रीयस के पुत्र की सबसे सुंदर पुत्री देंगे और विवाह के लिए उसे आर्गोस से तुम्हारे पास लाएँगे, बशर्ते तुम हमारे साथ मिलकर इलियस के सुंदर नगर को लूट लो; इसलिए मेरे साथ आओ, ताकि हम जहाजों पर विवाह के बारे में समझौता कर सकें, और हम तुमसे विवाह के उपहारों के बारे में सख्ती नहीं करेंगे।”
इसके साथ ही इडोमेनियस उसे पैरों से घसीटते हुए युद्ध के मैदान के बीच
से ले जाने लगा, लेकिन आसियस उसके शरीर की रक्षा के लिए पैदल ही अपने घोड़ों के आगे आ गया। उसका सहायक घोड़ों को उसके ठीक पीछे इतनी करीब से चला रहा था कि आसियस उनकी सांसें अपने कंधे पर महसूस कर सकता था। आसियस इडोमेनियस को मार गिराने के लिए बेताब था, लेकिन इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, इडोमेनियस ने अपने भाले से उसकी ठुड्डी के नीचे गले पर वार किया और भाले की नोक आर-पार हो गई। वह ऐसे गिर पड़ा जैसे जहाज बनाने वाले पहाड़ों

पर तेज कुल्हाड़ियों से जहाज की लकड़ी के लिए बलुआ, चिनार या चीड़ के पेड़ काटते हैं - ठीक उसी तरह वह अपने रथ और घोड़ों के सामने सीधा पड़ा रहा, दांत पीसता हुआ और खून से सनी धूल को पकड़ता हुआ। उसका सारथी घबरा गया और अपने घोड़ों को मोड़कर भागने की हिम्मत नहीं कर पाया: तभी एंटिलोकस ने उसके शरीर के बीचोंबीच भाले से वार किया; उसके पीतल के कवच ने उसकी रक्षा नहीं की और भाला उसके पेट में जा लगा। वह हांफते हुए अपने रथ से गिर पड़ा और महान नेस्टर के पुत्र एंटिलोकस ने अपने घोड़ों को ट्रोजन से अचेयन की ओर दौड़ाया।
फिर देइफोबस, आसियस का बदला लेने के लिए इडोमेनियस के पास आया और भाले
से उस पर निशाना साधा, लेकिन इडोमेनियस सतर्क था और उसने भाले से खुद को बचा लिया, क्योंकि वह अपनी उस गोल ढाल से ढका हुआ था जिसे वह हमेशा अपने साथ रखता था - बैल की खाल और कांसे की ढाल जिसके अंदर दो भुजाएँ लगी थीं। वह इस ढाल की आड़ में दुबक गया और भाला उसके ऊपर से निकल गया, लेकिन भाले के छूते ही ढाल से एक आवाज़ आई और देइफोबस के शक्तिशाली हाथ से निकला वह हथियार व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि वह अपने लोगों के चरवाहे, हिप्पासुस के पुत्र हिप्सेनोर के पेट के नीचे जिगर में लगा और उसके हाथ-पैर लड़खड़ा गए। देइफोबस ने उस पर गर्व करते हुए ऊँची आवाज़ में कहा, 'सचमुच आसियस का बदला लिया गया है; वह नरक के घर में प्रवेश करते समय भी प्रसन्न होगा, जो द्वार का शक्तिशाली रक्षक है, कि मैंने उसकी रक्षा के लिए किसी को भेजा है।'
इस प्रकार उसने शेखी बघारी, और उसकी बात से आर्गिव्स आहत हुए। महान एंटिलोकस सबसे अधिक क्रोधित था, परन्तु दुःख ने उसे अपने मित्र और साथी को भुला नहीं दिया। वह उसके पास दौड़ा, उसे अपने वश में कर लिया और अपनी ढाल से उसे ढक लिया; फिर उसके दो वफादार साथी, एचियस का पुत्र मेसिस्टियस और अलास्टोर झुके और कराहते हुए उसे जहाजों तक ले गए। परन्तु इडोमेनियस का क्रोध शांत नहीं हुआ। वह निरंतर प्रयास करता रहा कि या तो किसी ट्रोजन को मृत्यु के अंधकार में डाल दे, या स्वयं अचियनों को उस बुरे दिन से बचाते हुए मारा जाए। फिर कुलीन ऐसिएट्स का पुत्र अल्काथोस मारा गया: वह एंकीसेस का दामाद था, जिसने उसकी सबसे बड़ी बेटी हिप्पोडामिया से विवाह किया था, जो अपने माता-पिता की प्रिय थी और अपनी पीढ़ी में सौंदर्य, कौशल और बुद्धि में श्रेष्ठ थी, इसलिए ट्रॉय के सबसे वीर पुरुष ने उससे विवाह किया था। नेपच्यून ने इडोमेनियस के हाथों उसे वश में कर लिया, उसकी चमकदार आँखों को

अंधा कर दिया और उसके मजबूत अंगों को बेड़ियों में जकड़ दिया ताकि वह न तो पीछे हट सके और न ही एक तरफ, बल्कि एक खंभे या ऊँचे पेड़ की तरह स्थिर खड़ा रहा जब इडोमेनियस ने उसके सीने के बीचोंबीच भाले से वार किया। अब तक उसके शरीर की रक्षा करने वाला कवच अब टूट गया था, और भाले के उसे चीरते हुए निकलने पर ज़ोर से आवाज़ हुई। वह ज़मीन पर ज़ोर से गिरा, और भाला उसके धड़कते हुए दिल में जा लगा, जिससे भाले का पिछला सिरा तब तक काँपता रहा जब तक कि भयानक मार्स ने उसकी जान नहीं ले ली। इडोमेनियस ने उस पर गर्व जताते हुए ऊँची आवाज़ में कहा, “डेफोबस, जब तुम गर्व जताने के मूड में हो, तो क्या अब हम युद्धविराम कर लें, जबकि हमने तुम्हारे एक के मुकाबले तीन लोगों को मार डाला है? नहीं, महाराज, मुझसे स्वयं युद्ध करो, ताकि तुम्हें पता चले कि मैं किस प्रकार का बृहस्पति का पुत्र हूँ जो यहाँ आया हूँ। बृहस्पति ने सबसे पहले क्रीट के प्रधान शासक मिनोस को जन्म दिया, और मिनोस ने बदले में एक पुत्र, महान ड्यूकालियन को जन्म दिया; ड्यूकालियन ने मुझे क्रीट में कई लोगों का शासक बनने के लिए जन्म दिया, और मेरे जहाज अब मुझे यहाँ लाए हैं, ताकि मैं तुम्हारा, तुम्हारे पिता का और ट्रोजनों का नाश करूँ।”
ऐसा कहने पर, डेफोबस दुविधा में पड़ गया कि क्या वह वापस जाकर किसी
अन्य ट्रोजन को मदद के लिए लाए या अकेले ही इस चुनौती का सामना करे। अंत में, उसने पीछे खड़े ऐनेस को लाने का फैसला किया, क्योंकि ऐनेस लंबे समय से प्रियम से नाराज़ था, क्योंकि उसके वीरतापूर्ण कार्यों के बावजूद प्रियम ने उसे सम्मान का उचित हिस्सा नहीं दिया था। डेफोबस उसके पास गया और बोला, 'ऐनेस, ट्रोजनों के राजकुमार, यदि तुम रिश्तेदारी के किसी भी संबंध को जानते हो, तो अपनी बहन के पति के शव की रक्षा करने में मेरी मदद करो; मेरे साथ अल्काथौस को बचाने चलो, जो तुम्हारी बहन का पति था और बचपन में तुम्हें अपने घर में पाला-पोसा था, और अब इडोमेनियस ने उसे मार डाला है।'
इन शब्दों से ऐनेस का हृदय पिघल गया और वह वीरता के महान कारनामों से प्रशंसित इडोमेनियस का पीछा करने निकल पड़ा; परन्तु इडोमेनियस इतना भयभीत होने वाला नहीं था मानो वह कोई बच्चा हो; वह पहाड़ों पर फंसे जंगली सूअर की तरह एकांत स्थान पर डटा रहा, मानो वह किसी बड़ी भीड़ के आने का इंतजार कर रहा हो – उसकी पीठ के बाल सीधे खड़े हो जाते हैं, उसकी आँखों में आग सी चमक उठती है और वह कुत्तों और मनुष्यों से अपनी रक्षा करने की उत्सुकता में अपने दांत तेज कर लेता है – ठीक उसी प्रकार प्रसिद्ध इडोमेनियस ऐनेस के

आने पर भी अडिग रहा और टस से मस नहीं हुआ। उसने अपने साथियों, एस्कालाफस, अफारेस, डेपायरस, मेरियोनेस और एंटिलोकस, जो सभी बहादुर सैनिक थे, की ओर देखते हुए ज़ोर से पुकारा – ‘मेरे साथियों, इधर आओ! मुझे अकेला मत छोड़ो – मैं भयंकर एनीस से बहुत भयभीत होकर आ रहा हूँ, जो मेरे विरुद्ध आ रहा है और युद्ध में मृत्यु का एक दुर्जेय वितरक है। इसके अलावा, वह अपनी युवावस्था में है, जब मनुष्य की शक्ति चरम पर होती है; यदि मैं उसकी ही आयु का होता और मेरी वर्तमान बुद्धि होती, तो या तो वह या मैं शीघ्र ही विजय प्राप्त कर लेते।’
इस पर वे सब एक साथ उसके पास खड़े हो गए, ढाल कंधे पर रखे हुए। दूसरी ओर, ऐनस ने अपने साथियों को पुकारा, और डीफोबस, पेरिस और एजेनोर की ओर देखा, जो उसके साथ ट्रोजन सेना के नेता थे। लोग उनके पीछे-पीछे ऐसे चल पड़े जैसे भेड़ें चरने के बाद पानी पीने जाती हैं और चरवाहे का मन प्रसन्न होता है – ठीक वैसे ही ऐनस का मन भी अपने लोगों को अपने पीछे चलते देखकर प्रसन्न हुआ। फिर उन्होंने अलकाथोअस के शरीर के चारों ओर भयंकर युद्ध किया, अपने
लंबे भाले लहराते हुए; और युद्ध की गहमागहमी में एक-दूसरे पर निशाना साधते समय उनके शरीर पर लिपटे कांसे के कवच से भयानक ध्वनि निकली, जबकि मंगल के समकक्ष दो वीर ऐनेस और इडोमेनियस तलवार और भाले से एक-दूसरे पर वार करने की होड़ में थे। ऐनेस ने पहले निशाना साधा, लेकिन इडोमेनियस सतर्क था और उसने भाले से खुद को बचा लिया, जिससे वह ऐनेस के मजबूत हाथ से व्यर्थ ही निकल गया और कांपता हुआ जमीन पर गिर पड़ा। इसी बीच इडोमेनियस ने ओएनोमाउस के पेट के बीचोंबीच वार किया और उसके कवच की थाली तोड़ दी, जिससे उसकी आंतें बाहर निकल आईं और वह धूल में गिरते हुए अपनी हथेलियों से धरती को पकड़ लिया। इडोमेनियस ने अपना भाला शरीर से निकाल लिया, लेकिन उस पर बरस रहे तीरों की बौछार के कारण वह अपने कवच को पूरी तरह से नहीं उतार सका। इसके अलावा, उसकी ताकत भी कम होने लगी थी, जिससे वह अब हमला नहीं कर सकता था, न ही वह अपना हथियार उठाने के लिए आगे बढ़ सकता था और न ही अपनी ओर आ रहे तीर से बचने के लिए किनारे हट सकता था। इसलिए, हालांकि उसने आमने-सामने की लड़ाई में अपना बचाव किया, उसके भारी पैर उसे युद्धक्षेत्र से तेजी से बाहर नहीं ले जा सके। जब वह धीरे-धीरे मैदान से पीछे हट रहा था, तब डेइफोबस ने उस पर भाला चलाया, क्योंकि उसके प्रति उसकी घृणा पहले की तरह ही तीव्र थी, लेकिन फिर भी उसका निशाना चूक गया और भाला मार्स के पुत्र एस्कालाफस को

लगा। भाला उसके कंधे से आर-पार हो गया और वह धूल में गिरते हुए अपनी हथेलियों से धरती को कसकर पकड़ लिया।
भयानक आवाज वाले क्रूर मंगल को अभी तक यह पता नहीं था कि उसका पुत्र
गिर गया है, क्योंकि वह बृहस्पति के आदेश पर सुनहरे बादलों के नीचे ओलंपस की चोटियों पर बैठा था, जहाँ अन्य देवता भी बैठे थे, जिन्हें युद्ध में भाग लेने से मना किया गया था। इस बीच, लोग शव के चारों ओर भयंकर लड़ाई कर रहे थे। डेइफोबस ने उसके सिर से हेलमेट उतार दिया, लेकिन मेरियोनेस उस पर झपटा और भाले से उसकी बांह पर वार किया, जिससे हेलमेट उसके हाथ से गिरकर जमीन पर जा गिरा। इसके बाद मेरियोनेस गिद्ध की तरह उस पर झपटा, उसके कंधे से भाला खींच लिया और अपने आदमियों की आड़ में छिप गया। फिर डेइफोबस के सगे भाई पोलित्स ने उसकी कमर में हाथ डालकर उसे युद्ध के मैदान से दूर ले गया, जहाँ तक कि वह अपने घोड़ों के पास नहीं पहुँच गया, जो रथ और उनके सारथी के साथ युद्ध के पीछे खड़े थे। वे उसे दर्द से कराहते और बेहाल, बांह से बहते खून के साथ शहर की ओर ले गए।
बाकी लोग लड़ते रहे, और युद्धघोष निरंतर गूंजता रहा। ऐनेस ने कैलेटर
के पुत्र अफारेस पर झपट्टा मारा और उसकी गर्दन पर भाले से वार किया, जो उसी की ओर मुड़ा हुआ था; उसका सिर एक तरफ झुक गया, उसका हेलमेट और ढाल भी उसके साथ नीचे गिर गए, और मृत्यु, जीवन की शत्रु, उसके चारों ओर छा गई। एंटिलोकस ने मौका देखकर थून की ओर झपट्टा मारा और जैसे ही वह मुड़ा, उसे घायल कर दिया। उसने पीठ से गर्दन तक जाने वाली नस को चीर डाला; उसने इस नस को पूरी तरह से काट दिया, और थून धूल में मुंह के बल गिर पड़ा, अपने साथियों की ओर विनती भरे हाथ फैलाए। एंटिलोकस उस पर झपटा और उसके कंधों से कवच उतार दिया, ऐसा करते हुए वह भयभीत होकर चारों ओर घूर रहा था। ट्रोजन सेना चारों ओर से उस पर टूट पड़ी और उसकी चौड़ी और चमकीली ढाल पर प्रहार किया, लेकिन उसके शरीर को कोई चोट नहीं पहुँचा सकी, क्योंकि नेपच्यून ने नेस्टर के पुत्र की रक्षा की, भले ही उसके चारों ओर तीरों की बौछार हो रही थी। वह कभी भी शत्रु से अलग नहीं हुआ, बल्कि हमेशा लड़ाई के बीचोंबीच रहा; उसका भाला कभी निष्क्रिय नहीं रहा; वह उसे हर दिशा में तैयार रखता और निशाना साधता रहता, क्योंकि वह दूर से किसी को भी भेदने या आमने-सामने की लड़ाई लड़ने के लिए इतना उत्सुक था।

जब वह भीड़ में निशाना साध रहा था, तभी आसियस के पुत्र आदमस ने उसे देख लिया। आदमस उसकी ओर दौड़ा और उसके ढाल के बीचोंबीच भाले से वार किया, पर नेपच्यून ने भाले की नोक को बेअसर कर दिया, क्योंकि वह एंटिलोकस की जान नहीं लेना चाहता था। भाले का एक आधा हिस्सा एंटिलोकस की ढाल में जले हुए खंभे की तरह धंस गया, जबकि दूसरा हिस्सा ज़मीन पर पड़ा रहा। आदमस ने अपने आदमियों की आड़ में शरण ली, लेकिन मेरियोनेस ने उसका पीछा किया और उसके गुप्तांगों और नाभि के बीचोंबीच भाले से वार किया, जहाँ घाव बेचारे मनुष्यों के लिए विशेष रूप से दर्दनाक होता है। मेरियोनेस ने उसे वहीं जकड़ लिया, और वह भाले के चारों ओर ऐसे छटपटाने लगा जैसे कोई बैल जिसे पहाड़ी चरवाहों ने टहनियों की रस्सियों से बांधकर जबरदस्ती ले जा रहे हों। वह कुछ देर तक इसी तरह छटपटाता रहा, लेकिन बहुत देर तक नहीं, जब तक कि मेरियोनेस पास आकर उसके शरीर से भाला बाहर नहीं निकाल लिया, और उसकी आँखें अँधेरे में डूब गईं।
इसके बाद हेलेनस ने एक विशाल थ्रेसियन तलवार से डेइपायरस पर प्रहार
किया, निकट युद्ध में उसके कनपटी पर वार करते हुए उसके सिर से हेलमेट उतार दिया; हेलमेट जमीन पर गिर गया, और अचियन पक्ष के एक योद्धा ने लुढ़कते हुए उसे अपने पैरों के पास से उठा लिया, लेकिन डेइपायरस की आंखें मृत्यु के अंधकार में बंद हो चुकी थीं।
इस पर मेनेलास को बहुत दुख हुआ और उसने भाला लहराते हुए हेलेनस की ओर धमकी भरे अंदाज़ में बढ़ा; लेकिन हेलेनस ने अपना धनुष उठाया और दोनों एक ही क्षण में एक-दूसरे पर टूट पड़े, एक ने भाले से और दूसरे ने धनुष-बाण से। प्रियम के पुत्र का तीर मेनेलास के कवच पर लगा, लेकिन वह उससे टकराकर वापस उछल गया। जैसे तेज़ हवाओं से उड़ते और हिलते हुए काले सेम या दालें खलिहान में चौड़े सूप से गिरती हैं, वैसे ही तीर मेनेलास की ढाल से टकराकर वापस उछल गया, जिससे हेलेनस के धनुष वाले हाथ में चोट लग गई; भाला उसके हाथ के आर-पार होकर धनुष में ही फंस गया, इसलिए अपनी जान बचाने के लिए वह अपने आदमियों की आड़ में पीछे हट गया, उसका हाथ उसके बगल में घिसटता रहा – भाले के भारीपन के कारण उसका हाथ इतना भारी हो गया था कि एजेनोर ने उसे बाहर निकाला और अपने सहायक के पास मौजूद ऊनी गुलेल में उसके हाथ को सावधानीपूर्वक बांध दिया।

पिसांडर तब मेनेलास की ओर सीधा बढ़ा – उसका बुरा भाग्य उसे विनाश की ओर खींच रहा था, क्योंकि हे मेनेलास, उसे तुमसे युद्ध में मरना ही था। जब दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल करीब आ गए, तो एट्रीयस के पुत्र का भाला एक तरफ मुड़ गया और उसका निशाना चूक गया; पिसांडर ने तब वीर मेनेलास की ढाल पर प्रहार किया, लेकिन उसे भेद नहीं सका, क्योंकि ढाल ने भाले को रोक दिया और उसके डंडे को तोड़ दिया; फिर भी वह प्रसन्न हुआ और अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हो गया; लेकिन तुरंत ही एट्रीयस के पुत्र ने अपनी तलवार निकाली और उस पर झपटा। पिसांडर ने तब पीतल की युद्ध कुल्हाड़ी को पकड़ लिया, जिसका लंबा और पॉलिश किया हुआ जैतून की लकड़ी का हैंडल उसकी ढाल के नीचे उसकी कमर पर लटका हुआ था, और दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़े। पिसांडर ने मेनेलास के मुकुट वाले हेलमेट के शिखर पर ठीक मुकुट के नीचे प्रहार किया, और मेनेलास ने पिसांडर को अपनी ओर आते हुए माथे पर, नाक के ठीक ऊपर, प्रहार किया; हड्डियाँ चटक गईं और उसकी खून से लथपथ दोनों आँखें धूल में उसके पैरों के पास गिर गईं। वह पीछे की ओर ज़मीन पर गिर पड़ा, और मेनेलास ने उस पर अपनी एड़ी रखी, उसका कवच उतार दिया, और उस पर घमंड करते हुए कहा, 'तुम ट्रोजन भी अचेयनों के जहाजों को इसी तरह छोड़ोगे, चाहे तुम कितने ही घमंडी और युद्ध के भूखे क्यों न हो: और तुम्हें भी वही अपमान और शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी जो तुमने मुझ पर डाली है। कायर भेड़ियों की तरह, तुम भयानक ज़्यूस के क्रोध से नहीं डरे, जो आतिथ्य भंग का बदला लेने वाला है, जो एक दिन तुम्हारे शहर को नष्ट कर देगा; तुमने मेरी विवाहित पत्नी को चुरा लिया और जब तुम उसके मेहमान थे तब बहुत सारा खजाना लूट लिया, और अब तुम हमारे जहाजों पर आग बरसाना चाहते हो और हमारे वीरों को मारना चाहते हो। एक दिन आएगा जब, चाहे तुम कितना भी क्रोधित हो जाओ, तुम्हें रोका जाएगा। हे पिता ज़्यूस, तुम, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह ज्ञान में सभी देवताओं और मनुष्यों से ऊपर है, और जिससे हम पर आने वाली सभी विपत्तियाँ उत्पन्न होती हैं, तुम ट्रोजनों पर इस तरह कृपा कैसे कर सकते हो - ऐसे घमंडी और अहंकारी लोग जो कभी लड़ने से नहीं थकते?' कुछ समय बाद सभी चीजें नीरस लगने लगती हैं - नींद, प्रेम, मधुर गीत और भव्य नृत्य - फिर भी ये ऐसी चीजें हैं जिनसे मनुष्य युद्ध की तुलना में अधिक संतुष्ट होना चाहेगा, जबकि ट्रोजन युद्ध के प्रति अतृप्त हैं।

ऐसा कहकर मेनेलाउस ने पिसांडर के शरीर से खून से सना कवच उतार दिया और उसे अपने आदमियों को सौंप दिया; फिर वह दोबारा युद्ध के मोर्चे पर मौजूद लोगों के बीच खड़ा हो गया।
राजा पाइलेमेनीस का पुत्र हरपालियन उस पर झपटा; वह अपने पिता के साथ ट्रॉय में युद्ध करने आया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। उसने अपने भाले से मेनेलास की ढाल के मध्य भाग पर प्रहार किया, लेकिन उसे भेद नहीं सका, और अपनी जान बचाने के लिए अपने सैनिकों की आड़ में पीछे हट गया, चारों ओर देखता रहा ताकि उसे चोट न लगे। लेकिन जब वह मैदान छोड़ रहा था, तभी मेरियोनीस ने उस पर कांसे की नोक वाला तीर चलाया और वह उसके दाहिने नितंब पर लगा; तीर हड्डी को भेदते हुए मूत्राशय तक पहुँच गया, जिससे वह वहीं बैठ गया और अपने साथियों की बाहों में अंतिम सांस ली, जमीन पर एक कीड़े की तरह पड़ा हुआ था और उसके घाव से बहता खून धरती को सींच रहा था। बहादुर पैफ्लेगोनियनों ने पूरी सावधानी से उसकी देखभाल की; उन्होंने उसे उसके रथ में बिठाया और दुखी मन से ट्रॉय शहर ले गए; उसका पिता भी उसके साथ फूट-फूट कर रोता रहा, लेकिन कोई भी फिरौती उसके मृत पुत्र को वापस नहीं ला सकती थी। पेरिस को हार्पालियन की मृत्यु से गहरा दुःख हुआ था, जो
पैफ्लेगोनियनों के बीच उसके मेज़बान थे; इसलिए उसने बदला लेने के लिए तीर चलाया। वहीं, कोरिंथ में पॉलियडस नामक भविष्यवक्ता का पुत्र, यूचेनोर नाम का एक वीर और धनी व्यक्ति रहता था। यूचेनोर यह जानते हुए भी ट्रॉय के लिए रवाना हुआ था कि यह उसकी मृत्यु का कारण बनेगा, क्योंकि उसके पिता पॉलियडस ने उसे अक्सर कहा था कि उसे या तो घर पर रहकर किसी भयानक बीमारी से मरना होगा, या अचेयनों के साथ जाकर ट्रोजनों के हाथों मरना होगा; इसलिए उसने अचेयनों द्वारा लगाए जाने वाले भारी जुर्माने से बचने और साथ ही बीमारी के दर्द और पीड़ा से मुक्ति पाने का विकल्प चुना। पेरिस ने उसके कान के नीचे जबड़े पर वार किया, जिससे उसकी जान निकल गई और वह मृत्यु के अंधकार में डूब गया।
इस प्रकार वे मानो धधकती आग से लड़ रहे थे। परन्तु हेक्टर को अभी तक यह खबर नहीं थी और वह नहीं जानता था कि आर्गीव उसके सैनिकों को युद्ध के बाएँ भाग में भारी नुकसान पहुँचा रहे थे, जहाँ अचियन सेना जल्द ही उन पर विजय प्राप्त कर लेती, क्योंकि नेपच्यून उनका भरपूर समर्थन कर रहा था। इसलिए वह उसी स्थान पर डटा रहा जहाँ से उसने दानान योद्धाओं की घनी पंक्तियों को

तोड़कर द्वार और दीवार को भेदकर प्रवेश किया था। यहीं पर एजैक्स और प्रोटेसिलॉस के जहाज समुद्र तट पर खड़े थे; यहीं पर दीवार सबसे नीची थी, और मनुष्य एवं अश्वारोही दोनों का युद्ध अत्यंत भयंकर था। अपने लंबे वस्त्रों वाले बोएटियन और आयोनियन, लोक्रियन, फथिया के लोग और एपियन की प्रसिद्ध सेना हेक्टर को जहाजों की ओर बढ़ते हुए मुश्किल से ही रोक पा रहे थे, और न ही उसे जहाजों से दूर कर पा रहे थे, क्योंकि वह आग की दीवार के समान था। एथेंसवासियों के चुने हुए सैनिक सबसे आगे थे, जिनका नेतृत्व पेटियोस के पुत्र मेनेस्थियस कर रहे थे। उनके साथ फ़ीडास, स्टिचियस और बलवान बायस भी थे। फ़िलेयस के पुत्र मेगेस, एम्फ़ियन और ड्रेसियस ने एपियन सैनिकों का नेतृत्व किया, जबकि मेडोन और दृढ़ निश्चयी पोडार्सेस ने फ़थिया के सैनिकों का नेतृत्व किया। इनमें से मेडोन, ओइलियस का नाजायज पुत्र और एजैक्स का भाई था, लेकिन वह अपने देश से दूर फ़िलेयस में रहता था, क्योंकि उसने अपनी सौतेली माँ एरियोपिस, जो ओइलियस की पत्नी थी, के भाई की हत्या कर दी थी। दूसरा, पोडार्सेस, फ़िलेकस के पुत्र इफ़िक्लस का पुत्र था। ये दोनों फ़थियावासियों के सबसे आगे खड़े थे और बोएटियन सैनिकों के साथ मिलकर जहाजों की रक्षा कर रहे थे।
ओइलियस का पुत्र एजैक्स एक पल के लिए भी टेलमोन के पुत्र एजैक्स का साथ नहीं छोड़ा। जैसे दो काले बैल बंजर खेत में हल चलाते हुए पूरी ताकत लगाते हैं और उनके सींगों से पसीना भाप बनकर निकलता है - केवल जुआ ही उन्हें अलग करता है, वे खेत के अंत तक जमीन जोतते रहते हैं - ठीक वैसे ही दोनों एजैक्स कंधे से कंधा मिलाकर एक-दूसरे के साथ खड़े थे। टेलमोन के पुत्र के पीछे कई बहादुर साथी थे, जो पसीने और परिश्रम से थक जाने पर उसकी ढाल छीन लेते थे, लेकिन लोक्रियन ओइलियस के पुत्र के इतने करीब नहीं गए, क्योंकि वे आमने- सामने की लड़ाई में टिक नहीं सकते थे। उनके पास घोड़े के बालों से बने पंखों वाले कांसे के हेलमेट नहीं थे, न ही ढालें थीं और न ही राख के भाले, लेकिन वे धनुषों और ऊन से बनी गुलेलों से लैस होकर ट्रॉय आए थे, जिनसे वे ट्रोजन की सेना को तितर-बितर करने के लिए अपने तीर बरसाते थे। इसलिए, भारी कवच पहने अन्य सैनिकों ने ट्रोजन और हेक्टर के साथ लड़ाई का भार उठाया, जबकि लोक्रियन सैनिक उनकी आड़ में पीछे से तीर चला रहे थे; और इस प्रकार ट्रोजन सैनिक हतोत्साहित होने लगे, क्योंकि तीरों ने उन्हें भ्रमित कर दिया था।

यदि पोलिडामस ने हेक्टर से तुरंत यह न कहा होता, तो ट्रोजन अब तक दयनीय स्थिति में जहाजों और तंबुओं से वापस तूफानी इलियस की ओर खदेड़ दिए गए होते: “हेक्टर, तुम्हें सलाह मानने के लिए मनाना असंभव है। क्योंकि स्वर्ग ने तुम्हें युद्ध कलाओं से भरपूर वरदान दिया है, इसलिए तुम सोचते हो कि तुम्हें सलाह देने में भी दूसरों से श्रेष्ठ होना चाहिए; लेकिन तुम इस प्रकार सभी चीजों में श्रेष्ठता का दावा नहीं कर सकते। स्वर्ग ने एक व्यक्ति को उत्कृष्ट सैनिक बनाया है; दूसरे को नर्तक या गायक और वीणा वादक बनाया है; जबकि तीसरे में बृहस्पति ने एक ऐसी बुद्धिमत्ता का संचार किया है जिसका फल मनुष्य अनेकों के उद्धार के रूप में प्राप्त करते हैं, और स्वयं वह इस विषय में किसी और से अधिक जानता है; इसलिए मैं वही कहूंगा जो मुझे सर्वोत्तम लगता है। युद्ध ने तुम्हें आग के घेरे में जकड़ लिया है, और अब जबकि ट्रोजन दीवार के भीतर हैं, उनमें से कुछ पूर्ण कवच में अलग खड़े हैं, जबकि अन्य जहाजों के पास बिखरे हुए और संख्या में कम होने के बावजूद लड़ रहे हैं।” इसलिए पीछे हट जाओ और अपने सरदारों को अपने चारों ओर बुलाओ, ताकि हम सब मिलकर सलाह कर सकें कि क्या हमें अभी जहाजों पर हमला करना चाहिए, इस उम्मीद में कि ईश्वर हमें विजय दिलाएगा, या फिर सुरक्षित रहते हुए पीछे हट जाना चाहिए। मुझे बहुत डर है कि अचेयन लोग कल का अपना बदला पूरा चुकाएंगे, क्योंकि उनके जहाजों पर एक ऐसा व्यक्ति है जो युद्ध से कभी नहीं थकता और जो ज्यादा देर तक अलग नहीं रह पाएगा।
इस प्रकार पोलिडामस ने कहा, और उसके शब्द हेक्टर को बहुत प्रसन्न कर
गए। वह पूर्ण कवच पहने हुए अपने रथ से कूद पड़ा और बोला, 'पोलिडामस, सरदारों को यहाँ इकट्ठा करो; मैं उस ओर युद्ध में जा रहा हूँ, लेकिन उन्हें आदेश देते ही तुरंत लौट आऊँगा।'
फिर वह बर्फीले पहाड़ की तरह ऊँचाई पर पहुँचकर तेजी से आगे बढ़ा और एक ज़ोरदार दहाड़ के साथ ट्रोजन और उनके सहयोगियों की सेना में घुस गया। उसकी आवाज़ सुनकर सभी सैनिक पैंथोस के श्रेष्ठ पुत्र पोलिडामस के चारों ओर जमा हो गए, लेकिन हेक्टर सबसे आगे रहा और हर जगह डेइफोबस और राजकुमार हेलेनस, आसियस के पुत्र एडमस और हर्टाकस के पुत्र आसियस को ढूँढता रहा; वास्तव में, वे जीवित और सुरक्षित थे, लेकिन हेक्टर उन्हें नहीं पा सका, क्योंकि अंतिम दो अचियन जहाजों के पिछले हिस्से में अर्गिव्स द्वारा मारे गए पड़े थे, जबकि अन्य भी उनके द्वारा घायल और जख्मी हो गए थे; लेकिन भयंकर युद्ध के

बाएँ हिस्से में उसने सुंदर हेलेन के पति अलेक्जेंड्रस को अपने सैनिकों का हौसला बढ़ाते और उन्हें लड़ने के लिए प्रेरित करते हुए पाया। वह उसके पास गया और उसे फटकारा। ‘पेरिस,’ उसने कहा, ‘दुष्ट हृदय वाले पेरिस, देखने में सुंदर लेकिन स्त्री-मुग्ध और वाक्पटुता से भरे हुए, देइफोबस और राजा हेलेनस कहाँ हैं? आसियस का पुत्र आदमस और हर्टाकस का पुत्र आसियस कहाँ हैं? ओथ्रियोनियस भी कहाँ है? इलियस का तो पतन हो चुका है और अब वह निश्चित रूप से गिरेगा!’
अलेक्जेंड्रस ने उत्तर दिया, “हेक्टर, जब दोष निकालने के लिए कोई है ही नहीं तो दोष क्यों निकाल रहे हो? मैं आज के दिन की बजाय किसी भी दिन युद्ध से दूर रहना पसंद करूँगा, क्योंकि मेरी माँ ने मुझे कायरता के नाम पर जन्म दिया था। जिस क्षण से आपने हमारे सैनिकों को जहाजों पर लड़ने के लिए भेजा है, हम यहीं रुके हुए हैं और दानानियों से लड़ रहे हैं। हमारे जिन साथियों के बारे में आप मुझसे पूछ रहे हैं, वे मर चुके हैं; केवल डेइफोबस और राजा हेलेनस ही युद्धक्षेत्र छोड़कर गए हैं, दोनों के हाथों में चोट लगी थी, लेकिन शनि के पुत्र ने उन्हें जीवित बचा लिया। इसलिए, अब आप हमें जहाँ भी ले जाना चाहें, ले चलें, और हम पूरी सद्भावना से आपका अनुसरण करेंगे; जहाँ तक हमारी शक्ति है, हम आपको निराश नहीं करेंगे, लेकिन कोई भी व्यक्ति अपनी क्षमता से अधिक नहीं कर सकता, चाहे वह कितना भी इच्छुक क्यों न हो।”
इन शब्दों से उसने अपने भाई को संतुष्ट किया, और दोनों युद्ध के उस हिस्से की ओर चल पड़े जहाँ भीषण लड़ाई हो रही थी, सेब्रिओन्स, वीर पोलिडामस, फाल्सेस, ऑर्थियस, देवतुल्य पॉलीफेट्स, पामिस, अस्केनियस और हिप्पोटियन के पुत्र मोरिस के पास, जो पिछले दिन उपजाऊ अस्कानिया से अन्य सैनिकों की सहायता के लिए आए थे। तब बृहस्पति ने उन्हें युद्ध के लिए प्रेरित किया। वे किसी भयंकर हवा के झोंके की तरह आगे बढ़े जो आंधी के अग्रभाग में धरती से टकराती है – वे खारे समुद्र को प्रचंड कर देते हैं; असंख्य और शक्तिशाली लहरें एक के बाद एक किनारे पर झाग से लदे हुए शिखरों के साथ टकराती हैं – ठीक उसी प्रकार चमकदार कवच में सजे ट्रोजन सैनिकों की पंक्तियाँ अपने नेताओं के पीछे-पीछे चल रही थीं। सबसे आगे प्रियम का पुत्र हेक्टर था, जो हत्यारी मार्स का समकक्ष था, उसके सामने उसकी गोल ढाल थी – उसकी बैल की खाल से बनी ढाल कांसे की प्लेटों से ढकी हुई थी – और उसके कनपटी पर उसका चमकदार हेलमेट था। वह अपनी ढाल की आड़ में हर दिशा में आगे बढ़ता

रहा, सैनिकों की पंक्तियों को परखता रहा कि क्या वे उसके सामने झुकेंगे, लेकिन वह अचेयनों के साहस को कम नहीं कर सका। एजैक्स सबसे पहले आगे बढ़ा और उसे चुनौती दी। उसने पुकारा, 'महोदय, पास आइए; आप आर्गिव्स को इस तरह डराने की व्यर्थ कोशिश क्यों कर रहे हैं? हम अचेयन उत्कृष्ट सैनिक हैं, लेकिन हम पर बृहस्पति का प्रकोप भारी पड़ा है। आपका इरादा हमारे जहाजों को नष्ट करने का है, लेकिन हमारे पास भी ऐसे हाथ हैं जो आपको रोक सकते हैं, और आपका सुंदर नगर हमसे पहले ही जीत लिया जाएगा और लूट लिया जाएगा। वह समय निकट है जब आप भागते समय बृहस्पति और सभी देवताओं से प्रार्थना करेंगे कि आपके घोड़े बाज़ से भी तेज़ हों, जब वे मैदान पर धूल उड़ाते हुए आपको आपके नगर वापस ले जाएं।'
जब वह इस प्रकार बोल रहा था, तभी एक पक्षी उसके दाहिनी ओर से उड़ता हुआ निकला, और अचेयन सेना ने शगुन देखकर उत्साह से जयजयकार किया। परन्तु हेक्टर ने उत्तर दिया, ‘एजैक्स, हे शेखीबाज़ और झूठे, काश मुझे उतना ही यकीन होता कि मैं सदा के लिए एजिस धारण करने वाले बृहस्पति का पुत्र हूँ, मेरी माता रानी जूनो हैं, और मुझे मिनर्वा और अपोलो के समान सम्मान प्राप्त है, जितना कि मुझे इस बात का यकीन है कि आज का दिन अचेयनों के विनाश का दिन है; और यदि तू मेरी भाले का सामना करने का साहस करता है, तो तू उनके बीच ही गिरेगा; यह तेरे सुंदर शरीर को चीर देगा और तुझे अचेयनों के जहाजों के पास गिरते हुए हमारे शिकारी कुत्तों और पक्षियों को तेरी चर्बी और मांस से भर देगा।’
इन शब्दों के साथ वह आगे बढ़ा और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे ज़ोरदार
जयकार करते हुए चल दिए, जबकि सेना उनके पीछे-पीछे चिल्ला रही थी। आर्गीवों ने भी इसी तरह ज़ोरदार जयकार की, और उन्होंने अपनी वीरता को नहीं भूला, बल्कि ट्रोजन सरदारों के आक्रमण के विरुद्ध डटे रहे, और दोनों सेनाओं की जयकार आकाश तक और बृहस्पति की उपस्थिति के प्रकाश तक पहुँच गई।

पुस्तक 14

एगमेम्नन ने प्रस्ताव रखा कि अचियनों को वापस घर लौट जाना चाहिए,
और यूलिसिस ने उसे फटकारा - जूनो ने बृहस्पति को बहकाया - हेक्टर
घायल हो गया।
नेस्टर अपनी शराब के साथ बैठा था, लेकिन युद्ध की गर्जना उसकी नज़र से नहीं बच पाई, और उसने एस्कुलैपियस के पुत्र से कहा, “हे महान माचोन, यह सब क्या हो रहा है? हमारे जहाजों के पास लड़ रहे सैनिकों की चीखें तेज़ होती जा रही हैं; इसलिए यहीं ठहरो और अपनी शराब के साथ बैठे रहो, जब तक सुंदर हेकामेडे तुम्हारे लिए स्नान गर्म करके तुम्हारे शरीर से जमा हुआ खून धो देती है। मैं तुरंत निगरानी चौकी पर जाकर देखता हूँ कि यह सब क्या हो रहा है।” बोलते-बोलते उसने अपने तंबू में पड़ी अपने पुत्र थ्रेसिमेड्स की ढाल
उठा ली, जो कांसे से चमक रही थी, क्योंकि थ्रेसिमेड्स ने अपने पिता की ढाल ले ली थी; उसने अपना दुर्जेय कांसे से जड़ा भाला पकड़ा और जैसे ही वह बाहर निकला, उसने अचेयनों की भयानक हार देखी, जो अपनी दीवार ढह जाने के बाद ट्रोजनों के सामने बेतहाशा भाग रहे थे। जैसे समुद्र में भारी लहरें उठती हैं, लेकिन वे स्तब्ध रहती हैं - वे उस दिशा की प्रतीक्षा करती रहती हैं जहाँ से भयंकर हवाएँ उन पर आ सकती हैं, लेकिन वे वहीं स्थिर रहती हैं और न इधर जाती हैं, जब तक कि कोई विशेष हवा आकाश से आकर उन्हें विचलित न कर दे - ठीक वैसे ही बूढ़ा व्यक्ति सोच रहा था कि वह दानानों की भीड़ की ओर जाए या एगामेम्नन की खोज में जाए। अंत में उसने एट्रीयस के पुत्र के पास जाना ही सर्वोत्तम समझा; लेकिन इसी बीच सेना के सैनिक आपस में लड़ रहे थे और एक-दूसरे को मार रहे थे, और उनके शरीरों पर कठोर पीतल की छड़ें खड़खड़ा रही थीं, क्योंकि वे अपनी तलवारों और भालों से एक-दूसरे पर वार कर रहे थे। घायल राजा, टाइडियस के पुत्र, यूलिसिस और एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन, अपने जहाजों से उतरते समय नेस्टर से मिले – क्योंकि उनके जहाज युद्ध स्थल से कुछ दूरी पर किनारे पर थे, क्योंकि उन्हें सबसे पहले तट पर लाया गया था, जबकि दीवार सबसे पीछे वाले जहाज के पीछे बनाई गई थी। किनारा चौड़ा होने के

बावजूद, सभी जहाजों के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी, और सेना को जगह की कमी का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए उन्होंने जहाजों को एक के पीछे एक पंक्तियों में खड़ा कर दिया था, और खाड़ी के दोनों बिंदुओं के बीच के पूरे खुले हिस्से को भर दिया था। राजा, अपने भालों पर झुके हुए, बड़ी चिंता में युद्ध का जायजा लेने के लिए बाहर आ रहे थे, और जब बूढ़े नेस्टर उनसे मिले तो वे भयभीत हो गए। तब राजा एगामेम्नन ने उनसे कहा, 'नेलेयस के पुत्र नेस्टर, अचियन नाम के गौरव, आप युद्ध छोड़कर यहाँ क्यों आए हैं?' मुझे डर है कि हेक्टर ने जो भयानक बातें कही थीं, वो सच हो जाएँगी। उसने ट्रोजनों के बीच शेखी बघारते हुए कहा था कि जब तक वह हमारे जहाजों को आग लगाकर हमें मार नहीं डालेगा, तब तक वह इलियस वापस नहीं लौटेगा। यही उसने कहा था, और अब यह सब सच हो रहा है। हाय! अकिलीज़ जैसे कुछ अचेयन मुझसे नाराज़ हैं क्योंकि वे हमारे जहाजों के पिछले हिस्से से लड़ने से इनकार कर रहे हैं।
तब गेरेन के योद्धा नेस्टर ने उत्तर दिया, “यह सचमुच वैसा ही है जैसा
आप कहते हैं; यह सब इस समय सच हो रहा है, और स्वर्ग से गरजने वाला बृहस्पति भी इसे रोक नहीं सकता। वह दीवार गिर गई है जिस पर हम अपने और अपने बेड़े के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में भरोसा करते थे। ट्रोजन जहाजों पर लगातार और दृढ़ता से लड़ रहे हैं; आप चाहे जहाँ भी देखें, आपको यह नहीं पता चलेगा कि अचेयनों की हार किस दिशा से आ रही है; वे एक अव्यवस्थित समूह में मारे जा रहे हैं और युद्ध-घोषणा स्वर्ग तक पहुँच रही है; आइए, अगर सलाह से कोई फायदा हो सकता है, तो हम सोचें कि हमें क्या करना चाहिए; लेकिन मैं स्वयं युद्ध में जाने की सलाह नहीं देता, क्योंकि एक घायल व्यक्ति लड़ नहीं सकता।”
और राजा एगामेम्नन ने उत्तर दिया, “नेस्टर, यदि ट्रोजन वास्तव में
हमारे जहाजों के पीछे लड़ रहे हैं, और न तो दीवार और न ही खाई हमारे काम आई है – जिस पर दानानियों ने इतनी मेहनत की थी, और जिसे वे हमारे और हमारे बेड़े दोनों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच मानते थे – तो मुझे लगता है कि यह बृहस्पति की इच्छा है कि अचेयन यहाँ, आर्गोस से दूर, अपमानजनक रूप से नष्ट हो जाएँ। मैं जानता था कि बृहस्पति कब हमारी रक्षा करने को तैयार थे, और अब मैं जानता हूँ कि वह ट्रोजनों को देवताओं के समान सम्मान दे रहे हैं, जबकि दूसरी ओर, हमें उन्होंने हाथ-पैर बाँध रखे हैं। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें; आइए हम किनारे पर पड़े जहाजों को नीचे उतारें और उन्हें पानी

में खींच लें; आइए हम उन्हें रात होने से पहले थोड़ी दूर पर उनके लंगर-पत्थरों से बाँध दें – यदि रात तक भी ट्रोजन लड़ना बंद कर दें; तो हम शेष बेड़े को नीचे खींच सकते हैं। रात में भी विनाश से भागने में कोई बुराई नहीं है।” मनुष्य के लिए यह बेहतर है कि वह भाग जाए और बच जाए, बजाय इसके कि वह पकड़ा जाए और मारा जाए।
यूलिसिस ने उसे क्रोधित दृष्टि से देखा और कहा, “एट्रियस के पुत्र, तू क्या कह रहा है? हे नीच! तुझे किसी और नीच सेना का नेतृत्व करना चाहिए था, न कि हम पर शासन करना चाहिए था, जिन्हें बृहस्पति ने जवानी से बुढ़ापे तक कठिन युद्ध का जीवन दिया है, जब तक कि हम सब मर न जाएँ। क्या यही कारण है कि तू ट्रॉय शहर को छोड़ना चाहता है, जिसे जीतने के लिए हमने इतना कष्ट सहा है? चुप रह, कहीं ऐसा न हो कि कोई और अचेयन तुम्हें ये कहते हुए सुन ले, जो कोई भी समझदार व्यक्ति, या आर्गीव जैसी विशाल सेना का शासक कभी अपने मुँह से नहीं निकाल सकता। मैं तेरे कथन के लिए तेरे निर्णय को पूरी तरह से तुच्छ समझता हूँ। तो क्या तू चाहता है कि हम युद्ध के दौरान अपने जहाज़ पानी में उतार लें, और इस प्रकार विजयी ट्रोजनों के हाथों में और अधिक खेल खेलें? यह विनाश होगा; जब अचेयन जहाज़ों को पानी में उतरते देखेंगे तो वे लड़ना बंद कर देंगे, बल्कि हमला करना बंद कर देंगे और अपनी निगाहें उन्हीं की ओर घुमाते रहेंगे।” इसलिए, कप्तान महोदय, आपकी सलाह ही हमारी बर्बादी का कारण बनेगी।
एगमेम्नन ने उत्तर दिया, “यूलिसिस, तुम्हारी फटकार ने मुझे बहुत आहत किया है। लेकिन मैं अचेयनों को यह आदेश नहीं दे रहा हूँ कि वे अपनी इच्छा से या अनिच्छा से अपने जहाज समुद्र में उतारें। कोई, चाहे वह बूढ़ा हो या जवान, हमें बेहतर सलाह दे सकता है, जिसे सुनकर मुझे प्रसन्नता होगी।”
तब डायोमेड ने कहा, “ऐसा व्यक्ति निकट ही है; उसे ढूँढ़ना ज़्यादा दूर नहीं है, बशर्ते आप मेरी बात सुनें और मेरी बातों का विरोध न करें, यद्यपि मैं आप सब से छोटा हूँ। मैं वंश से एक महान पिता टाइडियस का पुत्र हूँ, जो थेब्स में दफ़न हैं। पोर्टियस के तीन महान पुत्र थे, जिनमें से दो, एग्रीयस और मेलस, प्लूरॉन और पथरीले कैलिडॉन में रहते थे। तीसरा मेरे पिता के पिता, योद्धा ओएनियस थे, और वे उन सब में सबसे वीर थे। ओएनियस अपने देश में ही रहे, लेकिन मेरे पिता (जैसा कि बृहस्पति और अन्य देवताओं ने तय किया था) आर्गोस चले गए। उन्होंने एड्रास्टस के परिवार में विवाह किया, और उनका

परिवार बहुत समृद्ध था, क्योंकि उनके पास अनाज उगाने वाली उपजाऊ भूमि की विशाल जागीरें थीं, साथ ही बहुत सारे बाग भी थे, और उनके पास बहुत सारी भेड़ें थीं; इसके अलावा वे भाले के प्रयोग में सभी आर्गिवों से श्रेष्ठ थे। आपने स्वयं सुना होगा कि ये बातें सच हैं या नहीं; इसलिए जब मैं कहूँ कि हम ठीक हैं, तो मेरे शब्दों को तुच्छ मत समझो, मानो मैं कायर या नीच कुल का हूँ। मैं कहता हूँ, चलो, हम युद्ध में चलें, चाहे हम घायल ही क्यों न हों। वहाँ पहुँचकर, हम युद्ध से दूर और भाले की मार से बच सकते हैं, ताकि हमें पहले से लगे घावों के अलावा नए घाव न लगें, लेकिन हम उन दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं, जो अब तक निष्क्रिय रहे हैं और युद्ध से दूर रहे हैं। उसने ऐसा कहा; जिसके बाद उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था
और राजा एगामेम्नन के नेतृत्व में निकल पड़े।
इसी बीच नेप्च्यून ने भी छुपकर नज़र रखी और एक बूढ़े व्यक्ति के वेश
में उनके पास आया। उसने एगामेम्नन का दाहिना हाथ अपने हाथ में लिया और कहा, “एट्रियस के पुत्र, मुझे लगता है कि अकिलीज़ अब खुश है क्योंकि उसने अकेयनों को पराजित और मारा हुआ देखा है, क्योंकि उसे ज़रा भी पछतावा नहीं है – उसका अंत बुरा हो और ईश्वर उसे शाप दे। जहाँ तक तुम्हारी बात है, देवता अभी तुमसे इतने क्रोधित नहीं हैं कि ट्रोजन के राजकुमार और सलाहकार फिर से मैदान पर धूल न उड़ाएँ, और तुम उन्हें जहाजों और तंबुओं से अपने शहर की ओर भागते हुए देखोगे।”
इसके साथ ही उसने युद्ध की एक जोरदार गर्जना की और मैदान की ओर तेजी से बढ़ा। उसकी गहरी छाती से निकली आवाज ऐसी थी मानो नौ-दस हजार सैनिक युद्ध के मैदान में एक साथ चिल्ला रहे हों, और इसने अचेयनों के दिलों में निरंतर युद्ध करने और लड़ने का नया साहस भर दिया।
स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान जूनो ने ओलंपस की एक चोटी पर खड़े होकर
नीचे देखा और अपने भाई और बहनोई को युद्ध के बीच इधर-उधर भागते देखकर उसका हृदय प्रसन्न हो उठा। फिर उसने अपनी दृष्टि कई झरनों वाले इडा पर्वत की सबसे ऊँची चोटियों पर बैठे बृहस्पति की ओर डाली और उससे घृणा करने लगी। उसने सोचने लगी कि वह उसे कैसे धोखा दे सकती है, और अंत में उसने सोचा कि उसके लिए इडा जाकर कीमती वस्त्र पहनना सबसे अच्छा होगा, इस उम्मीद में कि बृहस्पति उस पर मोहित हो जाए और उसे गले लगाना चाहे। जब वह इस तरह व्यस्त होगा, तो उसकी आँखों और इंद्रियों पर मीठी और बेफिक्र नींद छा जाएगी।

इसलिए वह उस कमरे में गई जो उसके पुत्र वल्कन ने उसके लिए बनवाया था, और जिसके दरवाज़े उसने एक गुप्त चाबी से इस तरह बंद कर दिए थे कि कोई दूसरा देवता उन्हें खोल न सके। वहाँ पहुँचकर उसने दरवाज़े बंद कर लिए। उसने अपने सुंदर शरीर से अमृत से सारी गंदगी धोई, फिर उसने अपने शरीर पर जैतून का तेल लगाया, जो अमृतमय, अत्यंत कोमल और विशेष रूप से उसके लिए सुगंधित था - यदि वह तेल बृहस्पति के कांसे के फर्श वाले घर में ज़रा सा भी गिरता, तो उसकी सुगंध स्वर्ग और पृथ्वी के ब्रह्मांड में फैल जाती। उसने अपनी कोमल त्वचा पर यह तेल लगाया, और फिर उसने अपने अमर सिर से बहने वाली सुनहरी लटों की धारा को संवारा। उसने वह अद्भुत वस्त्र पहना जिसे मिनर्वा ने उसके लिए बड़ी कुशलता से बनाया था और जिस पर अनेक प्रकार की कढ़ाई की गई थी; उसने सोने के हुक से उसे अपने सीने पर बांध लिया, और सौ लटकनों वाली कमरबंद पहनी; फिर उसने अपने कानों में तीन बेहद खूबसूरत झुमके पहने, और अपने सिर पर एक सुंदर नया घूंघट डाल लिया। उसने अपने पैरों में सैंडल बांधे, और जब वह पूरी तरह से सज-धज कर संतुष्ट हो गई, तो वह अपने कमरे से बाहर निकली और वीनस को एक तरफ बुलाकर उससे बात की। उसने कहा, 'मेरी प्यारी बच्ची, क्या तुम वह करोगी जो मैं तुमसे करने वाली हूँ, या तुम मुझे मना कर दोगी क्योंकि तुम इस बात से नाराज़ हो कि मैं दानानों के पक्ष में हूँ, जबकि तुम ट्रोजनों के पक्ष में हो?'
बृहस्पति की पुत्री वीनस ने उत्तर दिया, 'जूनो, देवियों की महान रानी, शक्तिशाली शनि की पुत्री, आप जो चाहें कहें, और मैं आपके लिए वह तुरंत कर दूंगी, यदि मैं कर सकती हूं, और यदि यह संभव हो।'
तब जूनो ने उसे एक झूठी कहानी सुनाई और कहा, ‘मैं चाहती हूँ कि तुम मुझे उन जादुई शक्तियों में से कुछ प्रदान करो, जिनके प्रभाव से सभी नश्वर और अमर प्राणी तुम्हारे चरणों में आ जाते हैं। मैं ओशनस (जिससे हम सभी देवता उत्पन्न हुए हैं) और माता टेथिस से मिलने के लिए संसार के अंत तक जा रही हूँ: उन्होंने मुझे अपने घर में शरण दी, मेरी देखभाल की और मेरा पालन-पोषण किया, क्योंकि जब बृहस्पति ने महान शनि को पृथ्वी और समुद्र के नीचे की गहराइयों में कैद कर लिया था, तब उन्होंने मुझे रहिया से अपने पास ले लिया था। मुझे उनसे मिलने जाना है ताकि मैं उनके बीच सुलह करा सकूँ; वे आपस में झगड़ रहे हैं और इतने क्रोधित हैं कि इतने लंबे समय से एक-दूसरे के साथ सो नहीं पाए हैं; यदि मैं उन्हें मना लूँ और उन्हें फिर से एक-दूसरे के आलिंगन

में मिला दूँ, तो वे मेरे आभारी होंगे और हमेशा के लिए मुझसे प्रेम करेंगे।’
तब हँसमुख स्वभाव वाली वीनस ने कहा, 'मैं तुम्हें मना नहीं कर सकती और न ही मुझे मना करना चाहिए, क्योंकि तुम हमारे राजा बृहस्पति की बाहों में सो रहे हो।'
बोलते-बोलते उसने अपने सीने से वह अनोखी कढ़ाई वाली कमरबंद उतार दी, जिसमें उसके सारे आकर्षण समाहित थे – प्रेम, इच्छा और वह मीठी चापलूसी जो सबसे समझदार व्यक्ति के विवेक को भी चुरा लेती है। उसने कमरबंद जूनो को देते हुए कहा, ‘इस कमरबंद को लो, जिसमें मेरे सारे आकर्षण समाहित हैं, और इसे अपने सीने में लगा लो। अगर तुम इसे पहनोगी, तो मैं तुमसे वादा करती हूँ कि तुम्हारा काम, चाहे जो भी हो, व्यर्थ नहीं जाएगा।’
यह सुनकर जूनो मुस्कुराई और मुस्कुराते हुए उसने कमरबंद को अपने सीने
से लगा लिया।
शुक्र ग्रह अब बृहस्पति के घर लौट गया, जबकि जूनो ओलंपस की चोटियों से नीचे उतरी। वह पिएरिया और सुंदर एमाथिया को पार करते हुए आगे बढ़ती रही, जब तक कि वह थ्रेसियन घुड़सवारों की बर्फीली पर्वत श्रृंखलाओं तक नहीं पहुँच गई, जिनकी सबसे ऊँची चोटियों पर वह बिना पैर रखे ही सरपट दौड़ती चली गई। जब वह एथोस पहुँची, तो वह समुद्र की लहरों पर चलती रही जब तक कि वह महान थोआस के शहर लेम्नोस तक नहीं पहुँच गई। वहाँ उसकी मुलाकात मृत्यु के सगे भाई नींद से हुई और उसने उसका हाथ पकड़कर कहा, 'नींद, तुम जो मनुष्यों और अमरों पर समान रूप से आधिपत्य रखते हो, यदि तुमने अतीत में कभी मेरी कोई सेवा की है, तो अब भी मेरे लिए एक सेवा करो, और मैं सदा तुम्हारी कृतज्ञ रहूँगी। जब मैं बृहस्पति को अपनी बाहों में थामे रहूँ, तो नींद में उसकी तेज आँखों को मेरे लिए बंद कर देना, और मैं तुम्हें एक सुंदर सोने का आसन दूँगी, जो कभी टूट नहीं सकता; मेरे लंगड़े बेटे वल्कन इसे तुम्हारे लिए बनाएगा, और वह तुम्हें एक पायदान भी देगा जिस पर तुम भोजन करते समय अपने सुंदर पैरों को रख सकोगी।'
तब नींद ने उत्तर दिया, “हे देवियों की महान रानी, शक्तिशाली शनि की पुत्री, जूनो, मैं किसी भी अन्य देवता को निःसंकोच सुला सकती हूँ, यहाँ तक कि उस महासागर के जल को भी नहीं, जिससे वे सभी उत्पन्न होते हैं, परन्तु मैं बृहस्पति के पास जाने या उसे सुलाने का साहस नहीं कर सकती, जब तक वह

मुझे आदेश न दे। मुझे एक सबक पहले ही मिल चुका है, जब मैंने वही किया जो तुमने मुझसे करने को कहा था, उस दिन जब बृहस्पति के शक्तिशाली पुत्र हरक्यूलिस ने ट्रोजन नगर को लूटने के बाद इलियस से प्रस्थान किया था। तुम्हारे आदेश पर मैंने अपने मधुर स्वरूप को एजिस धारण किए हुए बृहस्पति के मन में समाहित कर लिया और उसे विश्राम दिया; इस बीच तुमने हरक्यूलिस के विरुद्ध षड्यंत्र रचा और क्रोधित हवाओं के झोंके समुद्र पर चलाए, जब तक कि तुम उसे उसके सभी मित्रों से दूर सुंदर नगर कोस नहीं ले गईं। जब बृहस्पति जागा तो वह क्रोधित था और उसने देवताओं को पूरे घर में इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया; वह विशेष रूप से मेरी तलाश कर रहा था, और मुझे अंतरिक्ष में समुद्र में फेंक देता जहाँ मेरा नामोनिशान मिट जाता, अगर रात, जो मनुष्यों और देवताओं को वश में करती है, ने मेरी रक्षा न की होती। मैं उसकी शरण में भागी और बृहस्पति ने मुझे खोजना छोड़ दिया, भले ही वह बहुत क्रोधित था, क्योंकि वह रात को नाराज़ करने का साहस नहीं कर सकता था। और अब तुम मुझसे फिर से कुछ ऐसा करने को कह रहे हो जिस पर मैं जोखिम नहीं उठा सकती।
और जूनो ने कहा, ‘हे नींद, तुम ऐसे विचार अपने मन में क्यों लाते हो?
क्या तुम्हें लगता है कि बृहस्पति ट्रोजनों की मदद करने के लिए उतना ही उत्सुक होगा जितना वह अपने बेटे के लिए था? आओ, मैं तुम्हारा विवाह ग्रेस में से सबसे छोटी कन्या से करवा दूंगी, और वह तुम्हारी अपनी होगी - पासीथिया, जिससे तुम हमेशा से विवाह करना चाहते थे।’
यह सुनकर नींद प्रसन्न हुई और बोली, “तो फिर स्टिक्स नदी के भयानक जल
की कसम खाकर मुझसे वादा करो; एक हाथ उपजाऊ धरती पर और दूसरा हाथ समुद्र की चमक पर रखो, ताकि शनि के साथ पाताल में रहने वाले सभी देवता हमारे साक्षी हों, और यह सुनिश्चित करो कि तुम सचमुच मुझे सबसे छोटी देवी पासीथिया को दो, जिससे मैं हमेशा से विवाह करना चाहता था।”
जूनो ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। उसने शपथ ली और पाताल लोक के
सभी देवताओं, जिन्हें टाइटन्स कहा जाता है, को साक्षी मानकर आह्वान किया। शपथ पूरी करने के बाद, दोनों ने खुद को घने कोहरे में ढक लिया और लेम्नोस और इम्ब्रस को पीछे छोड़ते हुए तेज़ी से आगे बढ़े। थोड़ी देर में वे अनेक झरनों वाले इडा, जंगली जानवरों की माता, और लेक्टम पहुँचे, जहाँ उन्होंने समुद्र को छोड़कर ज़मीन पर चलना शुरू किया, और जंगल के पेड़ों की चोटियाँ उनके कदमों से सरसरा उठीं। यहाँ नींद रुकी, और इससे पहले कि बृहस्पति उसे

देख पाता, वह एक ऊँचे चीड़ के पेड़ पर चढ़ गया - जो इडा के सभी पेड़ों में सबसे ऊँचा था। वह शाखाओं के पीछे छिप गया और वहाँ उस मधुर गीत गाने वाले पक्षी के रूप में बैठ गया जो पहाड़ों पर रहता है और जिसे देवता चालसिस कहते हैं, लेकिन मनुष्य उसे सिमिंडिस कहते हैं। फिर जूनो इडा की सबसे ऊँची चोटी गार्गारस पर गई, और बादलों के स्वामी बृहस्पति ने उस पर दृष्टि डाली। ऐसा करते ही उसके मन में उसके लिए वही तीव्र इच्छा जागृत हो उठी, जो उसे तब हुई थी जब उन्होंने पहली बार एक-दूसरे को गले लगाया था और अपने माता-पिता को बिना बताए एक-दूसरे के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। वह उसके पास गया और बोला, 'तुम क्या चाहती हो कि ओलंपस से यहाँ आई हो - और वह भी बिना रथ या घोड़ों के?'
तब जूनो ने उसे झूठी कहानी सुनाई और कहा, ‘मैं संसार के छोर पर जा रही
हूँ, ओशनस से मिलने, जिनसे हम सभी देवता उत्पन्न हुए हैं, और माता टेथिस से मिलने; उन्होंने मुझे अपने घर में शरण दी, मेरी देखभाल की और मेरा पालन-पोषण किया। मुझे उनसे मिलने जाना ही होगा ताकि मैं उनके बीच सुलह करा सकूँ: वे आपस में झगड़ रहे हैं और इतने क्रोधित हैं कि इतने लंबे समय से एक-दूसरे के साथ सो नहीं पाए हैं। जो घोड़े मुझे भूमि और समुद्र पार ले जाएँगे, वे अनेक जलप्रपातों वाली इडा पर्वतमाला की सबसे निचली पहाड़ियों पर तैनात हैं, और मैं ओलंपस से यहाँ आपसे परामर्श करने के उद्देश्य से आई हूँ। मुझे डर था कि अगर मैं आपको बिना बताए ओशनस के घर चली गई, तो बाद में आप मुझसे नाराज़ हो सकते हैं।’
और बृहस्पति ने कहा, ‘जूनो, तुम ओशेनस से मिलने के लिए कोई और समय चुन
सकती हो – अभी के लिए हम प्रेम और एक-दूसरे के आनंद में लीन हो जाएँ। आज तक न तो किसी देवी के लिए और न ही किसी नश्वर स्त्री के लिए मैं इतना भावुक हुआ हूँ जितना इस समय तुम्हारे लिए हूँ – यहाँ तक कि जब मैं इक्सियन की पत्नी से प्रेम करता था, जिसने मुझे पिरिथौस को जन्म दिया, जो देवताओं के समतुल्य था, और न ही एक्रिसियस की सुंदर पुत्री दानाए से, जिसने मुझे प्रसिद्ध नायक पर्सियस को जन्म दिया। फिर फीनिक्स की पुत्री थी, जिसने मुझे मिनोस और राडामेंथस को जन्म दिया: सेमेले थी, और थेब्स में अल्केमेना थी, जिनसे मुझे मेरा सिंह हृदय पुत्र हरक्यूलिस प्राप्त हुआ, जबकि सेमेले मानव जाति के सांत्वनादाता बाकस की माता बनी। फिर रानी सेरेस थी, और प्यारी लेटो थी, और

तुम हो – लेकिन इनमें से किसी के लिए भी मैं इतना मोहित नहीं हुआ जितना अब तुम्हारे लिए हूँ।’
जूनो ने फिर से उसे झूठी कहानी सुनाई। ‘शनि के सबसे भयानक पुत्र,’ वह चिल्लाई, ‘तुम क्या कह रहे हो? क्या तुम चाहते हो कि हम माउंट इडा की चोटी पर, जहाँ सब कुछ दिखाई देता है, एक-दूसरे के साथ आनंद लें? क्या होगा अगर कोई अमर देवता हमें एक साथ सोते हुए देख ले और दूसरों को बता दे? यह इतना बड़ा कलंक होगा कि तुम्हारे आलिंगन से उठने के बाद मैं फिर कभी तुम्हारे घर में प्रवेश नहीं कर पाऊँगी; लेकिन अगर तुम्हारा मन है, तो एक कमरा है जो तुम्हारे पुत्र वल्कन ने मेरे लिए बनवाया है, और उसने उसमें अच्छे मजबूत दरवाजे लगाए हैं; अगर तुम चाहो, तो चलो वहाँ चलते हैं और लेट जाते हैं।’
और बृहस्पति ने उत्तर दिया, 'जूनो, तुम्हें डरने की कोई ज़रूरत नहीं है
कि कोई देवता या मनुष्य तुम्हें देख लेगा, क्योंकि मैं हम दोनों को इतने घने सुनहरे बादल में ढक दूँगा कि सूर्य की तेज किरणें भी इसे भेद नहीं पाएँगी।'
इसके साथ ही शनि के पुत्र ने अपनी पत्नी को आलिंगन में भर लिया; और धरती पर उनके लिए नन्ही घास का एक तकिया उग आया, जिस पर ओस से भीगे कमल, क्रोकस और हायसिंथ के फूल इतने कोमल और घने थे कि वे ज़मीन से काफी ऊपर उठ गए। वे वहीं लेट गए और ऊपर सुनहरे रंग के एक सुंदर बादल ने उन्हें ढक लिया, जिससे चमकती हुई ओस की बूँदें गिर रही थीं।
इस प्रकार, समस्त सृष्टि के जनक इडा पर्वत की चोटी पर शांतिपूर्वक विश्राम कर रहे थे, एक साथ नींद और प्रेम से अभिभूत होकर, और उन्होंने अपनी पत्नी को अपनी बाहों में थाम रखा था। इसी बीच, नींद अचियनों के जहाजों की ओर चल पड़ी, ताकि पृथ्वी को घेरे हुए भूकंप के स्वामी नेपच्यून को यह संदेश दे सके। जब वह उससे मिली, तो उसने कहा, 'हे नेपच्यून, अब तुम दानानों की इच्छाशक्ति से सहायता कर सकते हो, और उन्हें विजय दिला सकते हो, भले ही यह थोड़े समय के लिए ही हो, जब तक बृहस्पति सो रहा है। मैंने उसे मीठी नींद में भेज दिया है, और जूनो ने उसे अपने साथ बिस्तर पर जाने के लिए बहला- फुसला लिया है।'
नींद अब चली गई और मनुष्यों के बीच इधर-उधर घूमने लगी, जिससे नेप्च्यून दानानों की मदद करने के लिए पहले से कहीं अधिक उत्सुक हो गया। वह आगे बढ़कर सैनिकों की पहली पंक्ति में पहुंचा और चिल्लाते हुए बोला, “आर्गिवों, क्या

हम प्रियम के पुत्र हेक्टर को हमारे जहाजों पर विजय प्राप्त करने और खुद को गौरवान्वित करने देंगे? वह यही कह रहा है कि वह अब ऐसा ही करेगा, क्योंकि अकिलीज़ अभी भी अपने जहाजों पर क्रोधित है। यदि हम एक-दूसरे का साथ दें और एकजुट रहें, तो हम उसके बिना भी बहुत अच्छे से आगे बढ़ेंगे। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें। हममें से प्रत्येक अपने हाथ में सबसे अच्छी और सबसे बड़ी ढाल ले, अपने हेलमेट पहनें और अपने हाथों में सबसे लंबे भाले लेकर आगे बढ़ें; मैं तुम्हारा नेतृत्व करूंगा, और प्रियम का पुत्र हेक्टर, चाहे वह कितना भी क्रोधित क्यों न हो, हमारा सामना करने की हिम्मत नहीं करेगा। यदि किसी अच्छे और साहसी सैनिक के पास केवल एक छोटी ढाल है, तो वह उसे किसी कमज़ोर सैनिक को दे दे और अपने लिए एक बड़ी ढाल ले ले।”
उसने ऐसा कहा, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। टाइडियस के पुत्र, यूलिसिस और एगामेम्नन, घायल होते हुए भी, बाकी लोगों को पंक्तिबद्ध करके चारों ओर घूम-घूम कर कवच का आदान-प्रदान करने लगे; सबसे वीर ने उत्तम कवच ले लिया और सबसे खराब कवच सबसे कमजोर को दे दिया। जब उन्होंने अपने कांसे के कवच पहन लिए, तो वे नेप्च्यून के नेतृत्व में आगे बढ़े। अपने शक्तिशाली हाथ में उसने अपनी भयानक तलवार पकड़ रखी थी, जिसकी धार तेज थी और जो बिजली की तरह चमकती थी; युद्ध के दिन जो भी इसका सामना करे, उसका बुरा हाल होगा; सभी लोग डर से कांपते हैं और इससे दूर रहते हैं। दूसरी ओर हेक्टर ने ट्रोजन सेना को पंक्तिबद्ध किया। इसके बाद नेप्च्यून और हेक्टर के बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया – हेक्टर ट्रोजन की ओर से और नेप्च्यून आर्गिव की ओर से। दोनों सेनाओं के आमने-सामने आने पर भीषण कोलाहल हुआ; समुद्र की लहरें अचेयनों के जहाजों और तंबुओं की ओर बढ़ती हुई उमड़ रही थीं, लेकिन बोरियास के तेज झोंके से टकराने वाली लहरें किनारे पर इतनी ज़ोर से नहीं गरजतीं, न ही पहाड़ों पर लगी जंगल की आग इतनी भयंकर रूप से दहाड़ती है, और न ही तेज हवा बल से चलते हुए बलूत के पेड़ों की चोटियों को चीरती हुई इतनी कर्कश ध्वनि उत्पन्न करती है, जितना कि ट्रोजन और अचेयनों के एक-दूसरे पर टूट पड़ने पर निकली भयानक चीख।
हेक्टर ने सबसे पहले अपना भाला अयाक्स की ओर ताना, जो पूरी तरह उसकी ओर मुड़ा हुआ था, और उसका निशाना बिल्कुल सटीक लगा। भाला उसके सीने पर उस जगह लगा जहाँ उसकी ढाल और चांदी जड़ी तलवार की दो पट्टियाँ थीं, और इन्हीं पट्टियों ने उसके शरीर की रक्षा की। हेक्टर को गुस्सा आया कि उसका भाला

व्यर्थ चला गया, और वह अपने सैनिकों की आड़ में पीछे हट गया। जब वह पीछे हट रहा था, तभी तेलमोन के पुत्र अयाक्स ने उस पर एक पत्थर से हमला किया, जो युद्ध के दौरान सैनिकों के पैरों के नीचे पड़े हुए थे - जिन्हें किनारे पर खड़े जहाजों के किनारों को सहारा देने के लिए वहाँ लाया गया था। अयाक्स ने उनमें से एक पत्थर उठाया और हेक्टर की गर्दन के पास, ढाल के किनारे के ऊपर मारा; इस प्रहार से वह लट्टू की तरह गोल-गोल घूमने लगा और चारों दिशाओं में डगमगाने लगा। जैसे बृहस्पति की बिजली कड़कने पर बलूत का पेड़ जड़ से उखड़कर गिर जाता है और गंधक की भयानक बदबू फैल जाती है – कोई भी व्यक्ति जो उसके पास खड़ा हो, भयभीत हुए बिना नहीं रह सकता, क्योंकि बिजली गिरना बहुत ही भयानक होता है – ठीक वैसे ही हेक्टर धरती पर गिर पड़ा और धूल चाट गया। उसका भाला उसके हाथ से छूट गया, लेकिन उसकी ढाल और हेलमेट उसके शरीर से मजबूती से बंधे रहे और उसका कांस्य कवच उसके चारों ओर गूंज उठा।
अचियन वंश के पुत्र उसे घसीटकर ले जाने की उम्मीद में ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हुए उसकी ओर दौड़े और ट्रोजनों पर अपने तीर बरसाए, लेकिन इससे पहले कि राजकुमार पोलिडामस, एनियास, एजेनोर, लाइसियन सेनापति सर्पेडन और कुलीन ग्लौकस ने उसे घेर लिया और उसकी रक्षा की, उनमें से कोई भी उसे घायल नहीं कर सका। अन्य लोगों में से भी कोई ऐसा नहीं था जो उसकी परवाह न करता हो, और उन्होंने उसे बचाने के लिए अपनी गोल ढालें उसके ऊपर रख दीं। उसके साथियों ने उसे ज़मीन से उठाया और युद्धक्षेत्र से दूर उस स्थान पर ले गए जहाँ उसके घोड़े अपने सारथी और रथ के साथ युद्ध के पीछे उसका इंतज़ार कर रहे थे; फिर वे उसे दर्द से कराहते हुए शहर की ओर ले गए। जब वे अमर ज़्यूस की संतान ज़ैंथस की सुंदर नदी के घाट पर पहुँचे, तो उन्होंने उसे रथ से उतारा और ज़मीन पर लिटा दिया; उन्होंने उस पर पानी डाला, और ऐसा करते ही उसने फिर से साँस ली और अपनी आँखें खोल दीं। फिर घुटनों के बल बैठकर उसने खून की उल्टी की, लेकिन जल्द ही वापस जमीन पर गिर गया, और उसकी आंखें फिर से अंधेरे में बंद हो गईं क्योंकि वह अभी भी उस प्रहार से स्तब्ध था।
जब आर्गिव्स ने हेक्टर को युद्धक्षेत्र छोड़ते देखा, तो उनका हौसला
बढ़ा और वे और भी उग्रता से ट्रोजनों पर टूट पड़े। ओइलियस के फुर्तीले पुत्र एजैक्स ने एनोप्स के पुत्र सैटनियस पर झपट्टा मारकर उसे अपने भाले से घायल कर दिया: एक सुंदर अप्सरा उसे एनोप्स के पास ले आई थी, जब वह सैटनियोइस नदी के किनारे मवेशी चरा रहा था। ओइलियस का पुत्र उसके पास आया

और उसकी कमर पर वार किया जिससे वह गिर पड़ा, और उसके चारों ओर ट्रोजन और डैनियनों के बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया। पैंथोस का पुत्र पॉलीडामस उसका बदला लेने के लिए पास आया और एरेइलिकस के पुत्र प्रोथोएनोर को दाहिने कंधे पर घायल कर दिया; भयानक भाला उसके कंधे के आर-पार हो गया, और वह धूल में गिरते हुए धरती को पकड़ लिया। पॉलीडामस ने उस पर जोर से शेखी बघारते हुए कहा, 'मैं फिर से मानता हूँ कि पैंथोस के पुत्र के बलवान हाथ से निकला भाला व्यर्थ नहीं गया; एक अर्गीव ने इसे अपने शरीर में जकड़ लिया है, और यह उसके लिए एक छड़ी का काम करेगा जब वह पाताल लोक में उतरेगा।
इस शेखी से आर्गीव लोग क्रोधित हो गए। टेलामोन का पुत्र एजैक्स सबसे अधिक क्रोधित था, क्योंकि वह व्यक्ति उसके ठीक बगल में गिर गया था; इसलिए उसने पीछे हटते हुए पोलिडामस पर निशाना साधा, लेकिन पोलिडामस ने एक तरफ हटकर खुद को बचा लिया और भाला एंटनोर के पुत्र आर्चेलोकस को जा लगा, मानो ईश्वर ने ही उसकी मृत्यु तय की हो; भाला उसके सिर के उस स्थान पर लगा जहाँ गर्दन से रीढ़ की हड्डी का ऊपरी जोड़ निकलता है, और सिर के पिछले हिस्से की दोनों नसें कट गईं। उसका सिर, मुँह और नथुने उसके पैरों और घुटनों से बहुत पहले ही ज़मीन पर पहुँच गए, और एजैक्स ने पोलिडामस से चिल्लाकर कहा, 'सोचो, पोलिडामस, और मुझे सच-सच बताओ कि क्या यह आदमी प्रोथोएनोर की तरह ही मारने लायक नहीं है: वह धनी और धनी परिवार का लगता है, शायद वह एंटनोर योद्धा का भाई या पुत्र हो, क्योंकि वह बिल्कुल उसी की तरह दिखता है।'
लेकिन वह भली-भांति जानता था कि यह कौन है, और ट्रोजन बहुत क्रोधित
हुए। तब अकामास अपने भाई के शव पर चढ़ गया और अपने भाले से बोएटियन प्रोमाकस को घायल कर दिया, क्योंकि वह उसके भाई के शव को घसीटकर ले जाने की कोशिश कर रहा था। अकामास ने उस पर जोर से शेखी बघारते हुए कहा, ‘आर्गिव तीरंदाजों, तुम बड़े घमंडी हो, परिश्रम और कष्ट केवल हमारे लिए ही नहीं होंगे, बल्कि तुममें से कुछ लोग भी हमारे साथ यहीं मारे जाओगे। देखो, प्रोमाकस अब कैसे सो रहा है, मेरे भाले से पराजित; मेरे भाई के खून का बदला लेने में ज्यादा देर नहीं लगी; इसलिए, एक आदमी को शुक्रगुजार होना चाहिए यदि वह अपने घर में अपने किसी रिश्तेदार को अपने पीछे छोड़ जाता है जो उसकी मृत्यु का बदला ले सके।’
उसके ताने-बाज़ियों ने अर्गिव्स को क्रोधित कर दिया, और पेनेलियोस
उनमें सबसे ज़्यादा क्रोधित था। वह अकामास की ओर झपटा, लेकिन अकामास डटकर

नहीं बैठा और उसने धनी चरवाहे फोरबास के पुत्र इलियोनियस को मार डाला, जिसे मरकरी ने कृपालु बनाया था और ट्रोजनों में से किसी भी अन्य से अधिक धनवान बनाया था। इलियोनियस उसका इकलौता पुत्र था, और पेनेलियोस ने अब उसकी भौंहों के नीचे आँख में वार किया, जिससे आँख की पुतली सॉकेट से बाहर निकल गई: भाला आँख से आर-पार गर्दन के पिछले हिस्से में घुस गया, और वह दोनों हाथ आगे फैलाकर गिर पड़ा। फिर पेनेलियोस ने अपनी तलवार निकाली और उसकी गर्दन पर वार किया, जिससे सिर और हेलमेट दोनों भाले के साथ आँख में ही फँसे हुए ज़मीन पर गिर पड़े; फिर उसने सिर को ऐसे उठाया जैसे वह अफीम का फूल हो, और उसे ट्रोजनों को दिखाते हुए उन पर गर्व जताया। ‘ट्रोजनो,’ वह चिल्लाया, ‘महान इलियोनियस के माता-पिता से कहो कि वे अपने घर में उसके लिए शोक मनाएं, क्योंकि एलेगेनोर के पुत्र प्रोमाकस की पत्नी भी अपने प्रिय पति के आगमन से कभी प्रसन्न नहीं होगी जब हम अर्गिव्स अपने जहाजों के साथ ट्रॉय से लौटेंगे।’
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उन सब पर भय छा गया और हर कोई सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगा।
हे ओलंपस में निवास करने वाली देवियों, मुझे बताइए, भूकंप के स्वामी नेपच्यून द्वारा युद्ध का रुख पलटने के बाद, सबसे पहले अर्गिव्स में से रक्त से लथपथ लूट का माल कौन लेकर गया था? टेलामोन के पुत्र एजैक्स ने सबसे पहले दृढ़ मिसियन सेनापति गर्टियस के पुत्र हर्टियस को घायल किया। एंटिलोकस ने फाल्सेस और मर्मेरस को मार डाला, जबकि मेरियोनेस ने मोरिस और हिप्पोटियन को मार डाला, और ट्यूसर ने प्रोथून और पेरीफेट्स को भी मार डाला। फिर एट्रेस के पुत्र ने अपने लोगों के चरवाहे हाइपरेनर को पार्श्व में घायल कर दिया, और पीतल की नोक से उसकी आंतें बाहर निकल आईं; इस पर उसके शरीर से उसी स्थान से प्राण निकल आए जहाँ उसे चोट लगी थी, और उसकी आँखें अंधकार में बंद हो गईं। ओइलियस के पुत्र एजैक्स ने किसी और से अधिक लोगों को मारा, क्योंकि जब बृहस्पति ने उनमें दहशत फैला दी थी, तब भागते हुए शत्रुओं का पीछा करने में उसके जैसा तेज कोई नहीं था।

पुस्तक 15

बृहस्पति जाग उठता है, अपोलो को हेक्टर को ठीक करने के लिए कहता है,
और ट्रोजन एक बार फिर विजयी हो जाते हैं।
लेकिन जब उनकी भागदौड़ खाई और गाड़े गए खंभों को पार कर गई, और कई लोग दानानियों के हाथों मारे गए, तो ट्रोजन अपने रथों तक पहुँचकर रुक गए, वे भयभीत और डर से पीले पड़ गए थे। अब बृहस्पति इडा की चोटियों पर जागे, जहाँ वे स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान जूनो के साथ लेटे हुए थे, और उठ खड़े हुए उन्होंने ट्रोजन और अकेयनों को देखा, एक तो क्षुद्रता में डूबा हुआ था, और दूसरे राजा नेपच्यून के नेतृत्व में उन्हें बेतरतीब ढंग से अपने आगे भगा रहे थे। उन्होंने हेक्टर को जमीन पर पड़ा देखा, उसके साथी उसके चारों ओर जमा थे, वह साँस लेने के लिए तड़प रहा था, उसका मन विचलित था और वह खून की उल्टी कर रहा था, क्योंकि उसे किसी कमजोर अकेयन ने नहीं मारा था। देवताओं और मनुष्यों के पिता को उस पर दया आ गई और उन्होंने जूनो को क्रोधित दृष्टि से देखा। उन्होंने कहा, ‘जूनो, मैं देख रहा हूँ, हे शरारती छलकारी, तुम्हारी चालाकी ने हेक्टर को युद्ध करने से रोक दिया है और उसकी सेना को पराजित कर दिया है। मेरा मन कर रहा है कि मैं तुम्हें बुरी तरह पीटूँ, और अगर ऐसा हुआ तो तुम अपनी नीच चालबाज़ी का फल भुगतोगी। क्या तुम्हें याद नहीं कि एक बार मैंने तुम्हें फाँसी पर लटका दिया था? मैंने तुम्हारे पैरों में दो निहाई बाँध दीं और तुम्हारे हाथों को सोने की जंजीर से बाँध दिया जिसे कोई तोड़ नहीं सकता था, और तुम बादलों के बीच हवा में लटकी रहीं। ओलंपस के सभी देवता क्रोधित थे, लेकिन वे तुम्हें छुड़ाने के लिए तुम तक नहीं पहुँच सके; जब भी मैंने उनमें से किसी एक को पकड़ा, मैंने उसे पकड़कर स्वर्ग के द्वार से तब तक फेंका जब तक वह बेहोश होकर धरती पर नहीं आ गिरा; फिर भी, इससे मेरे मन में व्याप्त उस निरंतर चिंता से मुक्ति नहीं मिली जो मुझे महान हरक्यूलिस के बारे में सता रही थी, जिसे तुमने और बोरियास ने तूफ़ानों का सहारा लेकर द्वेषपूर्वक समुद्र पार कोस द्वीप पर भेज दिया था; परन्तु मैंने उसे बचा लिया, और उसके तमाम परिश्रम के बावजूद

मैं उसे वापस आर्गोस ले आया। मैं तुम्हें यह इसलिए याद दिलाना चाहता हूँ ताकि तुम छल करना छोड़ दो और यह जान लो कि जिस आलिंगन से तुम मुझे धोखा देने यहाँ आए हो, उससे तुम्हें कितना लाभ होने की संभावना है।
जूनो कांपते हुए बोली, “ऊपर का आकाश और नीचे की धरती, और स्टिक्स नदी का जल, मेरे साक्षी हों – और यह सबसे पवित्र शपथ है जो एक धन्य देवता ले सकता है – नहीं, मैं आपके सर्वशक्तिमान सिर और हमारे विवाह पलंग की भी शपथ लेती हूँ – जिन पर मैं कभी झूठी शपथ नहीं ले सकती – कि नेप्च्यून हेक्टर और ट्रोजन को दंडित नहीं कर रहा है और अचेयनों की मदद मेरे किसी कार्य से नहीं कर रहा है; यह सब उसकी अपनी इच्छा है क्योंकि वह अचेयनों को उनके जहाजों पर बुरी तरह घिरे देखकर दुखी था: यदि मैं उसे सलाह दे रही होती, तो मैं उसे वही करने के लिए कहती जो आपने उसे करने के लिए कहा है।”
देवताओं और मनुष्यों के जनक ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, “हे जूनो,
यदि तुम देवताओं की सभा में हमेशा मेरा साथ दो, तो नेप्च्यून चाहे चाहे पसंद करे या ना करे, शीघ्र ही तुम्हारे और मेरे विचारों से सहमत हो जाएगा। यदि तुम सच कह रही हो और तुम्हारा अर्थ भी वही है, तो देवताओं के बीच जाओ और धनुष के स्वामी आइरिस और अपोलो से कहो कि मुझे उनकी आवश्यकता है – आइरिस से कहो कि वह अचियन सेना के पास जाकर नेप्च्यून को युद्ध छोड़कर घर लौटने के लिए कहे, और अपोलो से कहो कि वह हेक्टर को फिर से युद्ध में भेजे और उसे नई शक्ति प्रदान करे; इस प्रकार वह अपने वर्तमान कष्टों को भूल जाएगा और अचियनों को तब तक पीछे धकेल देगा जब तक वे पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के जहाजों के बीच न गिर जाएं। तब अकिलीज़ अपने साथी पेट्रोक्लस को युद्ध में भेजेगा, और हेक्टर कई योद्धाओं को मारने के बाद, जिनमें मेरा अपना महान पुत्र सर्पेडन भी शामिल है, इलियस के सामने उसे मार डालेगा।” अकिलीज़, पैट्रोक्लस का बदला लेने के लिए हेक्टर को मार डालेगा, और उस समय से मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि अचेयन लोग लगातार ट्रोजनों को तब तक खदेड़ते रहें जब तक कि वे मिनर्वा की योजनाओं को पूरा करके इलियस पर कब्ज़ा न कर लें। लेकिन मैं अपना क्रोध शांत नहीं करूँगा, और न ही किसी देवता को दानानों की मदद करने दूँगा, जब तक कि मैं पेलियस के पुत्र की इच्छा पूरी न कर दूँ, उस प्रतिज्ञा के अनुसार जो मैंने उस दिन सिर झुकाकर की थी जब थेतिस ने मेरे घुटनों को छुआ था और मुझसे उसे सम्मान देने की विनती की थी।

जूनो ने उसकी बात मानी और इडा की ऊँचाइयों से विशाल ओलंपस की ओर चल पड़ी। जैसे कोई कल्पना उसे विशाल महाद्वीपों पर ले जाती है और वह मन ही मन कहता है, 'अब मैं यहाँ या वहाँ रहूँगी,' और उसे हर तरह की चीज़ें चाहिए होती हैं - ठीक उसी तरह जूनो तेज़ी से उड़ती हुई ऊँचे ओलंपस पहुँची और बृहस्पति के महल में एकत्रित देवताओं के बीच चली गई। जब उन्होंने उसे देखा तो सभी उसके पास आए और अभिवादन के रूप में अपने प्याले उसकी ओर बढ़ाए। उसने दूसरों को छोड़ दिया, लेकिन सुंदर थेमिस द्वारा दिया गया प्याला ले लिया, जो सबसे पहले दौड़कर उसके पास आई थी। थेमिस ने कहा, 'जूनो, तुम यहाँ क्यों हो? और तुम परेशान लग रही हो - क्या तुम्हारे पति, शनि के पुत्र ने तुम्हें डरा दिया है?'
और जूनो ने उत्तर दिया, “थेमिस, मुझसे इसके बारे में मत पूछो। तुम
जानती हो कि मेरे पति का स्वभाव कितना घमंडी और क्रूर है। देवताओं को भोजन के लिए बुलाओ, जहाँ तुम और सभी अमर प्राणी उसके द्वारा किए गए दुष्ट इरादों को सुन सकें। चाहे वह अभी शांतिपूर्वक भोज कर रहा हो, कई नश्वर और अमर प्राणी उससे क्रोधित होंगे।”
इस पर जूनो बैठ गई, और बृहस्पति के महल में सभी देवता व्याकुल हो गए।
उसके होठों पर हंसी थी, लेकिन माथे पर चिंता की लकीरें थीं, और वह क्रोध में बोली, ‘हम कितने मूर्ख हैं,’ वह चिल्लाई, ‘जो बृहस्पति पर इतना क्रोधित क्यों हैं; हम बार-बार उसके पास जाकर उसे बलपूर्वक या समझा-बुझाकर रोकना चाहते हैं, लेकिन वह अलग बैठा है और किसी की परवाह नहीं करता, क्योंकि वह जानता है कि वह सभी अमर देवताओं से कहीं अधिक शक्तिशाली है। इसलिए, वह तुममें से प्रत्येक पर जो भी विपत्ति भेजे, उसका सर्वोत्तम उपयोग करो; मुझे लगता है कि मंगल को पहले ही उसका कुछ अंश भुगतना पड़ चुका है, क्योंकि उसका पुत्र एस्कालाफस युद्ध में मारा गया है – वह व्यक्ति जिसे वह सबसे प्रिय मानता था और जिसका वह स्वयं को पिता मानता था।’
यह सुनकर मंगल ने अपनी दोनों मजबूत जांघों पर हथेलियों से प्रहार किया और क्रोध में कहा, “हे स्वर्ग में निवास करने वाले देवताओं, मुझे दोष मत देना यदि मैं अचेयनों के जहाजों पर जाकर अपने पुत्र की मृत्यु का बदला लूँ, भले ही इसका अंत बृहस्पति की बिजली से मारे जाने और लाशों के बीच खून और धूल में पड़े रहने में ही क्यों न हो।”

बोलते ही उसने अपने घोड़ों पैनिक और राउट को जोतने का आदेश दिया, जबकि वह अपना कवच पहन रहा था। इस पर, यदि मिनर्वा, देवताओं की सुरक्षा के लिए चिंतित होकर, अपने आसन से उठकर बाहर न भागी होती, तो बृहस्पति अन्य अमर देवताओं के प्रति और भी भयंकर और अथाह शत्रुता से भर उठता। उसने उसके सिर से हेलमेट और कंधों से ढाल छीन ली, और उसके मजबूत हाथ से पीतल का भाला लेकर एक तरफ रख दिया; फिर उसने मार्स से कहा, 'पागल, तुम्हारा पतन हो गया है; तुम्हारे कान सुनने को नहीं हैं, या तुमने अपनी सारी बुद्धि और विवेक खो दिया है; क्या तुमने वह नहीं सुना जो जूनो ने ओलंपियन बृहस्पति के समक्ष से सीधे आकर कहा था? क्या तुम हम सभी को अनंत कष्ट पहुँचाने के बाद बीमार और दुखी होकर ओलंपस वापस लाए जाने से पहले हर तरह के कष्ट सहना चाहते हो? बृहस्पति तुरंत ट्रोजन और अचेयनों को उनके हाल पर छोड़ देगा; वह हमें दंडित करने के लिए ओलंपस आएगा, और हमें एक-एक करके पकड़ लेगा, चाहे हम दोषी हों या निर्दोष। इसलिए अपने पुत्र की मृत्यु पर अपना क्रोध त्याग दो; उससे बेहतर लोग या तो पहले ही मारे जा चुके हैं या भविष्य में मारे जाएँगे, और कोई भी अपने पूरे परिवार की रक्षा नहीं कर सकता।
इन शब्दों के साथ वह मार्स को वापस उसके स्थान पर ले गई। इसी बीच जूनो
ने अपोलो को देवताओं की दूत आइरिस के साथ बाहर बुलाया। उसने उनसे कहा, ‘जोव चाहता है कि तुम तुरंत माउंट इडा पर उसके पास जाओ; जब तुम उससे मिल लो तो वह जो कहे, वैसा ही करना।’
इसके बाद जूनो उन्हें छोड़कर अंदर अपनी जगह पर बैठ गई, जबकि आइरिस और अपोलो ने अपनी यात्रा की तीव्र गति से आगे बढ़े। जब वे अनेक जलप्रपातों वाली जंगली पशुओं की माता इडा पहुँचे, तो उन्होंने बृहस्पति को सबसे ऊँचे गार्गारस पर्वत पर बैठे हुए पाया, जिनके सिर के चारों ओर एक सुगंधित बादल मुकुट की तरह लिपटा हुआ था।
वे उसके सामने खड़े थे, और वह इस बात से प्रसन्न था कि उन्होंने उसकी पत्नी द्वारा दिए गए आदेशों का इतनी जल्दी पालन किया था।
उन्होंने सबसे पहले आइरिस से बात की। उन्होंने कहा, ‘जाओ, तेज आइरिस, राजा नेपच्यून को वह बताओ जो मैं तुम्हें अभी कह रहा हूँ – और उसे सच-सच बताओ। उससे कहो कि वह युद्ध छोड़ दे, और या तो देवताओं के समूह में शामिल हो जाए, या समुद्र में डूब जाए। यदि वह मेरी बात नहीं मानता और मेरी अवज्ञा करता है, तो वह अच्छी तरह सोच ले कि यदि मैं उस पर हमला करूँ तो क्या वह

मेरा सामना करने में सक्षम है। मैं उससे अधिक उम्रदराज और अधिक शक्तिशाली हूँ; फिर भी वह खुद को मेरे बराबर समझने से नहीं डरता, जबकि सभी देवता मुझसे भयभीत रहते हैं।’
हवा की तरह फुर्तीली आइरिस ने उसकी आज्ञा मानी, और जैसे ठंडे ओले या
बर्फ के टुकड़े बोरियास के तूफान से पहले बादलों से उड़ते हैं, वैसे ही वह उड़ती हुई पृथ्वी को हिलाने वाले महान देवता के पास पहुँच गई। फिर उसने कहा, ‘हे काले बालों वाले राजा, जो संसार को अपनी गोद में लिए हुए हैं, मैं आपके लिए बृहस्पति का संदेश लेकर आई हूँ। वह आपसे युद्ध छोड़ने और या तो देवताओं के समूह में शामिल होने या समुद्र में उतरने का आग्रह करता है; लेकिन यदि आप उसकी बात नहीं मानते और उसकी अवज्ञा करते हैं, तो वह यहाँ आकर आपसे युद्ध करेगा। वह चाहता है कि आप उसकी पहुँच से दूर रहें, क्योंकि वह आपसे अधिक उम्रदराज और शक्तिशाली है, फिर भी आप स्वयं को उसके बराबर समझने से नहीं डरते, जिसके सामने सभी देवता भयभीत रहते हैं।’
नेप्च्यून बहुत क्रोधित हुआ और बोला, “हे भगवान! बृहस्पति चाहे कितना
भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसने मेरे विरुद्ध हिंसा की धमकी देकर अपनी क्षमता से अधिक बोल दिया है, जबकि मैं उसके समान ही सम्माननीय हूँ। हम तीन भाई थे जिन्हें रिया ने शनि से जन्म दिया था – बृहस्पति, मैं और पाताल लोक का स्वामी हेड्स। स्वर्ग और पृथ्वी को तीन भागों में बाँटा गया था, और हममें से प्रत्येक को बराबर हिस्सा मिलना था। जब हमने पर्ची निकाली, तो मुझे समुद्र में हमेशा के लिए निवास स्थान मिला; हेड्स को पृथ्वी के नीचे के अंधकारमय लोक मिले, जबकि वायु, आकाश और बादल बृहस्पति के हिस्से में आए; परन्तु पृथ्वी और विशाल ओलंपस सभी की साझा संपत्ति हैं। इसलिए मैं बृहस्पति की इच्छा के अनुसार नहीं चलूँगा। अपनी सारी शक्ति के बावजूद, वह अपने हिस्से में ही संतुष्ट रहे और मुझ पर हाथ उठाने की धमकी न दे, मानो मैं कुछ भी नहीं हूँ। वह अपनी शेखी बघारने वाली बातें अपने बेटों और बेटियों के लिए ही रखे, जिन्हें मजबूरन उसकी आज्ञा माननी होगी।”
फिर हवा की तरह तेज गति से चलने वाली आइरिस ने जवाब दिया, 'क्या सचमुच, नेपच्यून, मुझे यह साहसी और अटल संदेश बृहस्पति तक पहुंचाना चाहिए, या आप अपने जवाब पर पुनर्विचार करेंगे? समझदार लोग तर्क-वितर्क के लिए खुले होते हैं, और आप जानते हैं कि एरिनिस हमेशा बड़ों का पक्ष लेती हैं।'

नेप्च्यून ने उत्तर दिया, “देवी आइरिस, आपने सही समय पर अपनी बात कही
है। जब कोई दूत इतना विवेक दिखाता है तो यह अच्छी बात है। फिर भी, यह बात मुझे बहुत दुख पहुँचाती है कि कोई अपने समकक्ष और समान साम्राज्य वाले व्यक्ति को इतनी क्रोधपूर्वक फटकार लगाए। लेकिन अब, मैं अपनी नाराज़गी के बावजूद झुकूँगा; और मैं आपको बता दूँ, और मैं जो कह रहा हूँ उसका अर्थ वही है – यदि मेरी, लूट की सेनापति मिनर्वा, जूनो, मरकरी और राजा वल्कन की इच्छा के विरुद्ध, बृहस्पति इलियस पर्वत को बख्श देता है और अचियनों को उस पर विजय प्राप्त करने का सौभाग्य नहीं देता, तो वह समझ ले कि उसे हमारे घोर क्रोध का सामना करना पड़ेगा।”
नेप्च्यून अब मैदान छोड़कर समुद्र के नीचे चला गया, और अचेयनों को
उसकी बहुत याद आई। तब बृहस्पति ने अपोलो से कहा, “हे प्रिय फोबस, हेक्टर के पास जाओ, क्योंकि पृथ्वी को अपनी गोद में लिए हुए नेप्च्यून मेरे क्रोध से बचने के लिए समुद्र के नीचे चला गया है। यदि वह ऐसा न करता, तो शनि के साथ नीचे रहने वाले देवताओं को हमारे बीच के युद्ध की खबर मिल जाती। हम दोनों के लिए यह बेहतर है कि उसने अपना क्रोध नियंत्रित किया और मेरी पहुँच से दूर रहा, क्योंकि मुझे उससे बहुत परेशानी होती। इसलिए, अपना झालरदार एजिस लो, और उसे ज़ोर से हिलाओ, ताकि अचेयन वीर घबरा जाएँ; इसके अलावा, हे दूर-तीर फेंकने वाले वीर हेक्टर को अपनी देखरेख में लो, और उसे ऐसे साहसिक कार्य करने के लिए प्रेरित करो, जब तक कि अचेयन अपने जहाजों और हेलेस्पोंट की ओर वापस न भाग जाएँ।” उस बिंदु से मैं इस बात पर अच्छी तरह विचार करूंगा कि अचियन लोगों को उनकी परेशानियों से किस प्रकार राहत मिल सकती है। अपोलो ने अपने पिता की बात मानी और इडा के शिखरों को छोड़कर, कबूतरों
के दुश्मन और सभी पक्षियों में सबसे तेज़ बाज़ की तरह उड़ गया। उसने देखा कि हेक्टर अब ज़मीन पर लेटा नहीं था, बल्कि बैठा हुआ था, क्योंकि उसे होश आ गया था। वह अपने आस-पास के लोगों को पहचानता था, और जिस क्षण से एजिस धारण करने वाले ज़्यूस की इच्छा ने उसे पुनर्जीवित किया था, तब से उसका पसीना और तेज़ साँसें बंद हो गई थीं। अपोलो उसके पास खड़ा हुआ और बोला, 'हे प्रियम के पुत्र हेक्टर, तुम इतने कमज़ोर क्यों हो, और यहाँ दूसरों से दूर क्यों हो? क्या तुम्हारे साथ कोई दुर्घटना हुई है?'
हेक्टर ने कमजोर स्वर में उत्तर दिया, “हे महाराज, आप कौन से देवता हैं
जो मुझसे इस प्रकार प्रश्न पूछ रहे हैं? क्या आप नहीं जानते कि जब मैं

अचेयनों के जहाजों पर उसके साथियों को मार रहा था, तब एजैक्स ने मेरी छाती पर पत्थर से प्रहार किया और मुझे लड़ाई रोकने के लिए विवश किया? मैंने यह सुनिश्चित किया कि आज ही मैं अंतिम सांस लूंगा और पाताल लोक में प्रवेश करूंगा।”
तब राजा अपोलो ने उससे कहा, “हिम्मत रखो; शनि के पुत्र ने इडा से एक शक्तिशाली सहायक भेजा है जो तुम्हारे साथ खड़ा रहेगा और तुम्हारी रक्षा करेगा, अर्थात् मैं, स्वर्ण तलवार वाला अपोलो फ़ीबस, जो अब तक न केवल तुम्हारा बल्कि तुम्हारे नगर का भी रक्षक रहा हूँ। इसलिए, अब अपने घुड़सवारों को आदेश दो कि वे अपने रथों को बड़ी संख्या में जहाजों की ओर ले जाएं। मैं तुम्हारे घोड़ों के आगे-आगे चलूंगा ताकि उनके लिए मार्ग सुगम हो और मैं अचेयनों को भगा दूँगा।”
जब उन्होंने ये शब्द कहे, तो उन्होंने अपने लोगों के चरवाहे में अपार शक्ति भर दी। और जैसे कोई घोड़ा, जो अस्तबल में बंधा हुआ और अच्छी तरह से खिलाया-पिलाया गया हो, खुला छूटकर मैदान में शान से दौड़ता हुआ उस जगह की ओर जाता है जहाँ वह नदी में स्नान करता है – वह अपना सिर उछालता है, और उसकी अयाल उसके कंधों पर लहराती है, मानो वह अपनी पूरी ताकत के साथ उन चरागाहों की ओर पूरी गति से भाग रहा हो जहाँ घोड़ियाँ चर रही होती हैं – ठीक वैसे ही हेक्टर ने, जब उसने देवता की बात सुनी, तो अपने घुड़सवारों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, और अपनी पूरी ताकत से आगे बढ़ा। जैसे ग्रामीण किसान अपने कुत्तों को सींग वाले हिरण या जंगली बकरी पर छोड़ देते हैं - वह चट्टान या झाड़ी के नीचे छिप जाता है, और वे उसे ढूंढ नहीं पाते, लेकिन देखो, उनकी चीखों से जागृत हुआ एक दाढ़ी वाला शेर उनके रास्ते में खड़ा हो जाता है, और वे उसका पीछा करने के मूड में नहीं रहते - ठीक उसी तरह अचेयन लोग भी अपनी तलवारों और दोनों सिरों पर नुकीली भालों का इस्तेमाल करते हुए एक साथ आगे बढ़ रहे थे, लेकिन जब उन्होंने हेक्टर को अपने आदमियों के बीच घूमते देखा तो वे डर गए, और उनके दिल बैठ गए।
फिर एटोलियन सेना के नेता, एंड्रेमोन के पुत्र थोआस ने बोलना शुरू
किया। वह एक कुशल भाला फेंकने वाला और आमने-सामने की लड़ाई में भी अडिग था, जबकि मतभेदों के बीच बहस में उसका कोई मुकाबला नहीं था। उसने पूरी ईमानदारी और सद्भावना से उनसे कहा, “हे भगवान, मैं अब यह क्या देख रहा हूँ? क्या यह हेक्टर का पुनर्जन्म नहीं है? सभी को यकीन था कि उसे तेलमोन के

पुत्र अयाक्स ने मार डाला था, लेकिन ऐसा लगता है कि किसी देवता ने उसे फिर से जीवित कर दिया है। उसने हममें से कई दानानियों को मार डाला है, और मुझे लगता है कि वह आगे भी ऐसा करेगा, क्योंकि बृहस्पति का हाथ उसके साथ होना चाहिए, नहीं तो वह युद्ध के मोर्चे पर इतना शक्तिशाली होने का साहस कभी नहीं करता। इसलिए, अब हम सब मेरी बात मानें; हम अपनी सेना के मुख्य भाग को जहाजों पर पीछे हटने का आदेश दें, लेकिन हममें से जो सेना के सर्वश्रेष्ठ सैनिक हैं, वे डटे रहें और देखें कि क्या हम हेक्टर को अपने भालों से रोक सकते हैं जैसे ही वह हमारे पास आता है; मुझे लगता है कि दानानियों की भीड़ में घुसने की कोशिश करने से पहले वह इस बारे में बेहतर सोचेगा।
उसने ऐसा कहा, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। एजैक्स
और राजा इडोमेनियस के आसपास के लोगों, साथ ही ट्यूसर, मेरियोनेस और मार्स के समकक्ष मेगेस के अनुयायियों ने अपने सभी सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को इकट्ठा किया और हेक्टर और ट्रोजन के खिलाफ लड़ाई जारी रखी, लेकिन मुख्य सेना अचेयनों के जहाजों पर पीछे हट गई।
ट्रोजन सेना घनी टुकड़ी के रूप में आगे बढ़ी, हेक्टर उनके आगे-आगे चल
रहा था। उसके आगे अपोलो फोबस अपने कंधों पर बादलों का आवरण ओढ़े हुए चल रहा था। वह अपने ऊपर भयानक एजिस (पत्थर की झालरदार टोपी) उठाए हुए था, जिसे लोहार वल्कन ने मनुष्यों के हृदयों में भय उत्पन्न करने के लिए बृहस्पति को दिया था। इसे हाथ में लिए वह ट्रोजन सेना का नेतृत्व कर रहा था। आर्गीव एकजुट रहे और अपनी जगह पर डटे रहे। दोनों ओर से युद्ध की गर्जना गूंजी और तीर धनुषों से बरसने लगे। कई भाले बलवान हाथों से निकलकर कई वीर योद्धाओं के शरीर में जा लगे, जबकि अन्य मनुष्य के सुंदर मांस का स्वाद चखने और रक्तपात करने से पहले ही बीच रास्ते में ही गिर पड़े। जब तक अपोलो ने अपने एजिस को शांत और बिना हिलाए थामे रखा, दोनों ओर के हथियार अपना प्रभाव दिखाते रहे और लोग गिरते रहे, लेकिन जब उन्होंने दानानों के चेहरे पर सीधा एजिस हिलाया और अपनी शक्तिशाली युद्ध-गौरव उठाई, तो उनके दिल कांप गए और वे अपनी पूर्व वीरता भूल गए। जैसे कोई चरवाहा न होने पर आधी रात को दो जंगली जानवर मवेशियों या भेड़ों के झुंड पर झपट पड़ते हैं - ठीक वैसे ही दानान असहाय हो गए, क्योंकि अपोलो ने उनमें दहशत भर दी और हेक्टर और ट्रोजन को विजय दिला दी।

फिर लड़ाई छिटपुट हो गई और उन्होंने जहाँ भी संभव हुआ, एक-दूसरे को मार डाला। हेक्टर ने स्टिचियस और आर्सेसिलॉस को मार डाला, जिनमें से एक बोएटियनों का नेता था और दूसरा मेनेस्थियस का मित्र और साथी। एनियास ने मेडोन और इयासस को मार डाला। मेडोन, ओइलियस का नाजायज पुत्र और एजैक्स का भाई था, लेकिन वह अपने देश से दूर फिलासे में रहता था, क्योंकि उसने अपनी सौतेली माँ एरियोपिस के एक रिश्तेदार को मार डाला था, जिससे ओइलियस ने विवाह किया था। इयासस एथेनियनों का नेता बन गया था और वह स्फेलस का पुत्र था, जो बोउकोलोस का पुत्र था। पोलिडामस ने मेसिस्टियस और पोलिटेस एचियस को युद्ध के मोर्चे पर मार डाला, जबकि एजेनोर ने क्लोनियस को मार डाला। पेरिस ने डिओकस पर पीछे से कंधे के निचले हिस्से में वार किया, जब वह सबसे आगे भाग रहा था, और भाले की नोक उसके आर-पार हो गई।
जब वे इन वीरों के कवच छीन रहे थे, तब अचेयन लोग बेतहाशा भागते हुए खाई
और खंभों की ओर दौड़ पड़े और अपनी दीवार के भीतर ही पीछे हटने पर मजबूर हो गए। तब हेक्टर ने ट्रोजनों से पुकार कर कहा, “जहाजों की ओर बढ़ो और लूट का माल ले लो। यदि मैंने किसी को भी दीवार के दूसरी ओर जहाजों से दूर रुकते हुए देखा, तो मैं उसे मरवा दूंगा: उसके रिश्तेदार उसे आग में जलाकर उसका हक नहीं देंगे, बल्कि कुत्ते उसे हमारे शहर के सामने टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।”
बोलते हुए उसने अपने चाबुक को घोड़ों के कंधों पर रखा और सभी ट्रोजन सैनिकों को पुकारा; ट्रोजन सैनिकों ने ज़ोरदार आवाज़ में जवाब दिया और अपने घोड़ों को अपोलो के घोड़ों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दौड़ाया। अपोलो आगे-आगे चल रहा था और उसने गहरी खाई के किनारों को बीच में धकेलकर एक बड़ा, चौड़ा पुल बना दिया, जो इतना चौड़ा था मानो कोई व्यक्ति अपनी शक्ति का परीक्षण करते हुए भाला फेंक रहा हो। ट्रोजन बटालियनें पुल पर से निकल पड़ीं और अपोलो अपने शक्तिशाली एजिस के साथ आगे-आगे चल रहा था। उसने अचेयनों की दीवार को इतनी आसानी से गिरा दिया जैसे कोई बच्चा समुद्र तट पर खेलते हुए रेत का घर बनाकर उसे फिर से तोड़ देता है - ठीक वैसे ही, हे अपोलो, तुमने आर्गिव्स पर परिश्रम और विपत्ति डाली, उन्हें दहशत और भ्रम से भर दिया।
इस प्रकार अकेयन लोग अपने जहाजों पर घिरे हुए थे, एक-दूसरे को पुकार
रहे थे और हर कोई ज़ोर-ज़ोर से प्रार्थना करते हुए स्वर्ग की ओर हाथ उठा

रहा था। अकेयनों के लिए शक्ति का स्तंभ माने जाने वाले गेरेन के नेस्टर ने आकाश के तारों भरे मंडल की ओर हाथ उठाकर प्रार्थना की, और उन सभी से कहीं अधिक श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की। उन्होंने कहा, ‘हे पिता बृहस्पति, यदि कभी गेहूँ उगाने वाले आर्गोस में किसी ने भेड़ या बछिया की चर्बीदार जांघ की हड्डियाँ जलाकर आपके लिए सुरक्षित घर लौटने की प्रार्थना की हो, और आपने सहमति में उसके सामने सिर झुकाया हो, तो अब इसे याद रखें, और ट्रोजनों को अकेयनों पर इस प्रकार विजय प्राप्त न करने दें।’
सर्वज्ञानी बृहस्पति ने नीलियस के वृद्ध पुत्र की प्रार्थना का उत्तर देते हुए ज़ोरदार गर्जना की। जब ट्रोजनों ने बृहस्पति की गर्जना सुनी, तो वे अचेयनों पर और भी अधिक उग्रता से टूट पड़े। जैसे तूफ़ान से पहले समुद्र में ऊंची लहरें जहाज़ के किनारे से टकराती हैं - क्योंकि हवा की शक्ति ही लहरों को इतना विशाल बनाती है - वैसे ही ट्रोजन चिल्लाते हुए दीवार फांदकर अपने रथों को आगे बढ़ा दिया। दोनों पक्षों ने दो नोक वाले भालों से आमने- सामने की लड़ाई लड़ी - ट्रोजन अपने रथों से, और अचेयन अपने जहाज़ों पर चढ़कर, डेक पर रखे हुए लंबे भाले, जो समुद्री लड़ाई के लिए तैयार थे, कांसे से जड़े हुए और उनमें जंग लगी हुई थी।
जब तक अचेयन और ट्रोजन दीवार के आसपास लड़ रहे थे, लेकिन अभी तक दीवार
के अंदर या जहाजों तक नहीं पहुंचे थे, तब तक पैट्रोक्लस भले यूरिपिलस के तम्बू में बैठा रहा, उससे बातें करता रहा और उसके घाव पर दर्द कम करने के लिए जड़ी-बूटियाँ लगाता रहा। लेकिन जब उसने देखा कि ट्रोजन दीवार में बने छेद से अंदर घुस रहे हैं, जबकि अचेयन घबराकर चिल्ला रहे थे, तो वह जोर से चिल्लाया और अपनी दोनों जांघों पर हथेलियों से मारा। उसने घबराहट में कहा, 'यूरिपिलस, मैं जानता हूँ कि तुम्हें मेरी बहुत ज़रूरत है, लेकिन मैं अब तुम्हारे साथ नहीं रह सकता, क्योंकि यहाँ भयंकर लड़ाई चल रही है; एक नौकर अब तुम्हारी देखभाल करेगा, क्योंकि मुझे जल्द से जल्द अकिलीज़ के पास जाना है और अगर हो सके तो उसे लड़ने के लिए मनाना है; कौन जानता है, शायद ईश्वर की कृपा से मैं उसे मना लूँ। एक आदमी को दोस्त की सलाह माननी चाहिए।'
इतना कहकर वह चला गया। अचेयन लोग डटे रहे और ट्रोजनों के हमले का डटकर सामना किया, यद्यपि उनकी संख्या कम थी, फिर भी वे उन्हें जहाजों से पीछे नहीं हटा सके, और न ही ट्रोजन अचेयन सेना की पंक्तियों को भेदकर तंबुओं और जहाजों के बीच प्रवेश कर सके। जैसे एक बढ़ई की रस्सी किसी कुशल कारीगर के

हाथों में, जिसे मिनर्वा ने हर तरह की उपयोगी कलाओं का ज्ञान दिया हो, जहाज की लकड़ी को सही आकार देती है – ठीक वैसे ही दोनों पक्षों के बीच लड़ाई बराबरी पर समाप्त हुई, क्योंकि कुछ एक जहाज के चारों ओर और कुछ दूसरे जहाज के चारों ओर लड़ रहे थे।
हेक्टर सीधे एजैक्स की ओर बढ़ा और दोनों एक ही जहाज के पास भयंकर युद्ध में उलझ गए। हेक्टर एजैक्स को पीछे हटने और जहाज में आग लगाने के लिए मजबूर नहीं कर सका, और न ही एजैक्स हेक्टर को उस स्थान से हटा सका जहाँ ईश्वर ने उसे पहुँचाया था।
फिर जब क्लिटियस का पुत्र कैलेटर जहाज की ओर आग ला रहा था, तभी एजैक्स
ने भाले से उसकी छाती पर वार किया। वह बुरी तरह ज़मीन पर गिर पड़ा और उसके हाथ से मशाल छूट गई। जब हेक्टर ने अपने चचेरे भाई को जहाज के सामने गिरा हुआ देखा, तो उसने ट्रोजन और लाइसियनों से चिल्लाकर कहा, “ट्रोजन, लाइसियन और डार्डानियन, जो आमने-सामने की लड़ाई में माहिर हैं, ज़रा भी पीछे मत हटो, बल्कि क्लिटियस के पुत्र को बचाओ, कहीं ऐसा न हो कि गिरते ही अचेयन उसके कवच को छीन लें।”
फिर उसने अजाक्स पर भाला चलाया, लेकिन वह चूक गया। हालांकि, भाला
अजाक्स के अनुयायी लाइकोफ्रॉन को लगा, जो साइथेरा से आया था और अजाक्स के साथ रह रहा था क्योंकि उसने साइथेरावासियों में से एक को मार डाला था। हेक्टर का भाला उसके कान के नीचे सिर पर लगा और वह जहाज के अगले हिस्से से धड़ाम से जमीन पर गिर पड़ा। अजाक्स क्रोध से कांप उठा और अपने भाई से बोला, “टेउसर, मेरे प्रिय मित्र, हमारा भरोसेमंद साथी, मास्टोर का पुत्र, गिर गया है। वह जो साइथेरा से हमारे साथ रहने आया था और जिसे हम अपने माता-पिता के समान सम्मान देते थे। हेक्टर ने अभी-अभी उसे मार डाला है; तुरंत अपने घातक तीर और अपोलो द्वारा दिया गया धनुष ले आओ।”
ट्यूसर ने उसकी आवाज़ सुनी और अपने धनुष और तरकश को हाथों में लिए उसकी ओर तेज़ी से बढ़ा। उसने तुरंत ट्रोजनों पर बाणों की बौछार कर दी और पैंथोस के कुलीन पुत्र पॉलीडामस के साथी, पिसनोर के पुत्र क्लिटस को उस समय घायल कर दिया जब वह अपने घोड़ों की लगाम थामे खड़ा था। वह युद्ध के सबसे भीषण हिस्से के बीचोंबीच था, हेक्टर और ट्रोजनों की सेवा कर रहा था, लेकिन अब उस पर विपत्ति आ पड़ी थी, और जो लोग उसे बचाना चाहते थे, उनमें से कोई भी उसे टाल नहीं सका, क्योंकि बाण उसकी गर्दन के पिछले हिस्से में लगा। वह अपने रथ

करेगा; वह अब हमारे पक्ष में है और आर्गिव्स के विरुद्ध जा रहा है। इसलिए जहाजों के चारों ओर जमा हो जाओ और लड़ो। यदि तुममें से कोई भाले या तलवार से घायल होकर मर जाता है, तो उसे मरने दो; वह सम्मान के साथ मरता है जो अपने देश के लिए लड़ते हुए मरता है और वह अपनी पत्नी और बच्चों को सुरक्षित पीछे छोड़ जाएगा, अपने घर और ज़मीन को लूटे बिना, बशर्ते कि अचेयनों को, उन्हें और उनके जहाजों को, उनकी अपनी भूमि पर वापस खदेड़ दिया जाए।”
इन शब्दों से उसने उन सभी में अपना पूरा जोश भर दिया। दूसरी ओर, एजैक्स
ने अपने साथियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'अर्गिवों, तुम पर शर्म आती है! हम पूरी तरह से बर्बाद हो चुके हैं, जब तक कि हम दुश्मन को अपने जहाजों से खदेड़कर खुद को बचा न लें। क्या तुम्हें लगता है कि अगर हेक्टर उन पर कब्जा कर लेता है, तो तुम ज़मीन के रास्ते घर लौट पाओगे? क्या तुम उसे अपनी पूरी सेना को हमारे बेड़े पर आग बरसाने के लिए उकसाते हुए और उन्हें यह याद दिलाते हुए नहीं सुन सकते कि वे नाच-गाना नहीं, बल्कि युद्ध में हैं? हमारा एकमात्र रास्ता है कि हम उनसे पूरी ताकत से लड़ें; बेहतर यही होगा कि हम जान की बाज़ी लगाकर, एक ही बार में, इस लड़ाई को जीत लें, बजाय इसके कि हम अपने से भी बुरे लोगों से घिरे रहकर लंबे समय तक और बिना किसी नतीजे के लड़ते रहें।'
इन शब्दों से उसने उन सब में जीवन और आत्मा का संचार कर दिया। फिर
हेक्टर ने पेरिमीदेस के पुत्र, फोसियनों के नेता, शेडियस को मार डाला, और एजैक्स ने पैदल सैनिकों के सेनापति और एंटनोर के पुत्र लाओडामस को मार डाला। पॉलीडामस ने सिलेने के ओटस को मार डाला, जो फाइलियस के पुत्र का साथी और अभिमानी एपियनों का सरदार था। जब मेगेस ने यह देखा तो वह उस पर झपटा, लेकिन पॉलीडामस नीचे झुक गया और उसका वार चूक गया, क्योंकि अपोलो पैंथोस के पुत्र को युद्ध में मरने नहीं देना चाहता था; लेकिन भाला क्रोस्मस की छाती के बीचोंबीच लगा, जिससे वह जमीन पर बुरी तरह गिर पड़ा, और मेगेस ने उसका कवच उतार दिया। उसी क्षण लैम्पस का पुत्र, वीर सैनिक डोलोप्स उस पर झपटा; लैम्पस लाओमेडोन का पुत्र था और अपनी वीरता के लिए प्रसिद्ध था, जबकि उसका पुत्र डोलोप्स युद्ध के सभी तरीकों में पारंगत था। फिर उसने अपने भाले से फाइलियस के पुत्र की ढाल के मध्य भाग पर प्रहार किया और उस पर निकट से हमला किया, लेकिन धातु की प्लेटों से बना उसका उत्तम कवच उसकी जान बचा गया; फाइलियस इसे एफ़िरा और सेलेइस नदी से लाया था, जहाँ उसके सेनापति,

राजा यूफेट्स ने उसे युद्ध में पहनने और उसकी रक्षा करने के लिए दिया था। अब यह उसके पुत्र के जीवन का रक्षक बन गया। फिर मेगेस ने अपने भाले से डोलोप्स के कांसे के हेलमेट के सबसे ऊपरी शिखर पर प्रहार किया और उसके घोड़े के बालों से बने पंख को फाड़ दिया, जिससे लाल रंग से रंगा हुआ वह पंख धूल में गिर गया। जब वह अभी भी लड़ रहा था और जीत के प्रति आश्वस्त था, मेनेलास मेगेस की सहायता के लिए आया और चुपके से डोलोप्स के पास पहुँच गया; फिर उसने पीछे से उसके कंधे में भाला मारा, और भाले की नोक इतनी ज़ोर से घुसी कि वह उसकी छाती में जा घुसी, जिससे वह सिर के बल गिर पड़ा। फिर वे दोनों उसका कवच उतारने के लिए उसकी ओर बढ़े, लेकिन हेक्टर ने अपने सभी भाइयों से मदद मांगी, और विशेष रूप से हिकेताओन के बहादुर पुत्र मेलानिप्पस को फटकारा, जो युद्ध शुरू होने से पहले पर्कोटे में अपने मवेशियों को चराता था; लेकिन जब दानानों के जहाज आए, तो वह इलियस लौट गया, जहाँ वह ट्रोजनों में प्रतिष्ठित था, और प्रियम के पास रहता था, जो उसे अपने पुत्रों में से एक मानता था। हेक्टर ने अब उसे डांटते हुए कहा, 'मेलानिप्पस, हम इतनी लापरवाही क्यों कर रहे हैं? क्या तुम अपने रिश्तेदार की मृत्यु पर ध्यान नहीं दे रहे हो, और क्या तुम नहीं देख रहे हो कि वे डोलोप्स का कवच छीनने की कोशिश कर रहे हैं? मेरे पीछे आओ; अब अर्गिव्स से दूर से लड़ना नहीं है, बल्कि हमें आमने-सामने की लड़ाई लड़नी होगी जब तक कि या तो हम उन्हें मार न डालें या वे इलियस की ऊंची दीवार पर कब्जा करके उसके लोगों को मार न डालें।'
वह बोलते-बोलते आगे बढ़ गया और वीर मेलानिप्पस उसके पीछे-पीछे चलने
लगा। इसी बीच, तेलमोन का पुत्र एजैक्स अर्गिव्स का हौसला बढ़ा रहा था। उसने पुकारते हुए कहा, “मेरे मित्रों, मर्द बनो और अपमान से डरो; युद्ध में ऐसे भागो कि एक-दूसरे से सम्मान पाओ। जो लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, उनके मारे जाने की संभावना उन लोगों की तुलना में कम होती है जो सम्मान नहीं करते, लेकिन भागने में न तो कोई लाभ है और न ही कोई यश।”
इस प्रकार उसने उन लोगों को प्रेरित किया जो पहले से ही ट्रोजनों को खदेड़ने पर तुले हुए थे। उन्होंने उसकी बातों को दिल से मान लिया और जहाजों को कांसे की दीवार की तरह घेर लिया, जबकि बृहस्पति ने ट्रोजनों को आगे बढ़ने के लिए उकसाया। ऊँचे युद्धघोष वाले मेनेलास ने एंटिलोकस को प्रोत्साहित किया। उसने कहा, ‘एंटिलोकस, तुम जवान हो और अचेयनों में तुमसे

अधिक फुर्तीला या वीर कोई नहीं है। देखो, क्या तुम किसी ट्रोजन पर हमला करके उसे मार नहीं सकते।’
जब उसने एंटिलोकस को उकसाया, तो वह जल्दी से वहाँ से चला गया। एंटिलोकस ने तुरंत आगे की पंक्तियों से निकलकर चारों ओर ध्यान से देखते हुए भाला चलाया। भाला फेंकते ही ट्रोजन पीछे हट गए, और भाला व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि वह हिकेताओन के अभिमानी पुत्र मेलानिप्पस की छाती पर, थन के पास लगा, जब वह आगे बढ़ रहा था। जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर गूंज उठा। एंटिलोकस उस पर ऐसे झपटा जैसे कोई कुत्ता किसी हिरण के बच्चे पर झपटता है जिसे शिकारी ने अपने छिपने की जगह से निकलते हुए मारा हो, और उसे मार डाला। हे मेलानिप्पस, उसी प्रकार बलवान एंटिलोकस तुम पर झपटा ताकि तुम्हारा कवच उतार ले; लेकिन वीर हेक्टर ने उसे देख लिया और युद्ध के बीच से दौड़ता हुआ उसके पास आ पहुँचा। हालांकि एंटिलोकस एक बहादुर सैनिक था, फिर भी वह उसका सामना करने के लिए नहीं रुका, बल्कि उस जंगली जानवर की तरह भाग गया जिसे पता चल गया हो कि उसने कोई गलत काम किया है और वह तब भागता है जब वह किसी कुत्ते या अपने मवेशियों को चरा रहे आदमी को मार देता है, ताकि उस पर हमला करने के लिए कोई समूह इकट्ठा न हो सके। नेस्टर का पुत्र भी ठीक उसी तरह भागा, और ट्रोजन और हेक्टर ने हवा को चीरती हुई चीख के साथ उस पर अपने हथियार बरसा दिए; और वह तब तक पीछे नहीं हटा जब तक कि वह अपने साथियों के पास नहीं पहुँच गया।
ट्रोजन, शेरों के समान भयंकर, बृहस्पति के आदेशों का पालन करते हुए जहाजों की ओर बढ़ते जा रहे थे। बृहस्पति उन्हें नए-नए साहसिक कार्यों के लिए प्रेरित करता रहा, जबकि उसने ट्रोजनों को प्रोत्साहित करके आर्गीवों का मनोबल गिरा दिया और उन्हें पराजित किया। उसका उद्देश्य प्रियम के पुत्र हेक्टर को गौरव दिलाना और उसे जहाजों पर आग बरसाने देना था, जब तक कि वह थेतिस की अधार्मिक प्रार्थना पूरी न कर दे। इसलिए बृहस्पति ने जलते हुए जहाज की चमक देखने का इंतजार किया। उस क्षण से वह ऐसा आदेश देने वाला था जिससे ट्रोजन जहाजों से पीछे हट जाएं और अचियनों को गौरव प्राप्त हो। इसी उद्देश्य से उसने प्रियम के पुत्र हेक्टर को, जो पहले से ही काफी उत्सुक था, जहाजों पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। उसका क्रोध मंगल ग्रह के समान था, या पहाड़ों पर किसी घने जंगल की घाटियों में लगी आग के समान था। उसके मुख से झाग निकल रहा था, उसकी भयानक भौंहों के नीचे उसकी आँखें चमक

रही थीं, और जिस क्रोध से वह लड़ रहा था, उसके कारण उसका हेलमेट कनपटी पर काँप रहा था। स्वर्ग से बृहस्पति उसके साथ था, और यद्यपि वह अनेक के विरुद्ध अकेला था, फिर भी उसने उसे विजय और गौरव प्रदान किया; क्योंकि उसकी शीघ्र मृत्यु निश्चित थी, और पहले से ही पल्लास मिनर्वा पेलेउस के पुत्र के हाथों उसके विनाश के समय को निकट ला रही थी। अब भी, वह शत्रु की पंक्तियों को तोड़ने का प्रयास करता रहा जहाँ भी वह उन्हें सबसे घनी और उत्तम कवच में देख पाता; परन्तु वह चाहे जितना भी कर ले, उन्हें भेद नहीं सका, क्योंकि वे एक चौकोर मीनार की तरह, या धूसर समुद्र से उठने वाली किसी ऊँची चट्टान की तरह खड़े थे जो आंधी और गरजती लहरों के क्रोध का सामना करती है। वह हर ओर से आग की लपटों की तरह उन पर टूट पड़ा। जैसे जब हवा और आंधी से उठी कोई ऊंची लहर किसी जहाज पर टूट पड़ती है और उसे गहरे झाग से ढक देती है, तेज हवाएं मस्तूल से टकराती हैं, नाविकों के दिल डर से कांपने लगते हैं और वे बड़ी मुश्किल से विनाश से बचते हैं – ठीक वैसे ही अकेयनों के दिल भी कांप रहे थे। या जैसे कोई खूंखार शेर किसी चौड़े पानी वाले किनारे के निचले मैदानों में चर रही हजारों गायों के झुंड पर हमला करता है – चरवाहा अपने झुंड की रक्षा कैसे करे, यह सोचकर परेशान हो जाता है और कभी आगे तो कभी पीछे अपने मवेशियों के पीछे भागता रहता है, जबकि शेर उनके बीचोंबीच आकर एक गाय पर झपट पड़ता है जिससे वे सब डर से कांपने लगते हैं – ठीक वैसे ही अकेयन हेक्टर और पिता जुविव से बुरी तरह भयभीत थे। फिर भी हेक्टर ने केवल माइसेना के पेरीफेट्स को ही मारा; वह कोप्रियस का पुत्र था, जो राजा यूरिस्टियस के आदेशों को शक्तिशाली हरक्यूलिस तक पहुँचाने का काम करता था। लेकिन पुत्र अपने पिता से हर मायने में कहीं अधिक श्रेष्ठ था; वह फुर्तीला, वीर योद्धा और माइसेना के प्रमुख योद्धाओं में शुमार था। उसी ने हेक्टर को विजय दिलाई, क्योंकि लौटते समय वह अपने पैरों तक पहुँचने वाली ढाल के किनारे से टकरा गया, जो भाले को उस पर पड़ने से रोक रही थी। वह इससे टकराकर मुंह के बल गिर पड़ा, और गिरते समय उसके सिर पर लगा हेलमेट ज़ोर से बज उठा। हेक्टर ने उसे गिरते देखा और उसकी ओर दौड़ा; फिर उसने भाला उसकी छाती में घोंप दिया और अपने साथियों के बीच ही उसे मार डाला। अपने सभी दुख के बावजूद, वे उसकी मदद नहीं कर सके क्योंकि वे स्वयं हेक्टर से बहुत भयभीत थे।

वे अब जहाजों तक पहुँच चुके थे और जो जहाज सबसे पहले किनारे पर खड़े थे, उनके अग्रभाग उनके चारों ओर फैले हुए थे, लेकिन ट्रोजन उन पर टूट पड़े। अर्गिव्स को जहाजों की पहली पंक्ति से पीछे हटना पड़ा, लेकिन वे अपने तम्बुओं के पास डटे रहे और बिखरे नहीं; शर्म और भय ने उन्हें रोके रखा। वे लगातार एक-दूसरे को पुकारते रहे, और अचियनों के लिए शक्ति का स्तंभ माने जाने वाले गेरेन के नेस्टर ने सबसे ज़ोर से हर व्यक्ति से उसके माता-पिता का नाम लेकर विनती की और उसे दृढ़ रहने के लिए प्रेरित किया।
“मेरे मित्रों, हिम्मत रखो और एक-दूसरे की अच्छी राय का सम्मान करो।
तुम सब अपने बच्चों, अपनी पत्नियों, अपनी संपत्ति और अपने माता-पिता के बारे में सोचो, चाहे वे जीवित हों या मृत। भले ही वे अब हमारे बीच नहीं हैं, मैं तुमसे विनती करता हूँ कि तुम दृढ़ रहो और भागने की कोशिश मत करो।”
इन शब्दों से उसने उन सभी में अपना पूरा दिल और आत्मा लगा दी। मिनर्वा
ने उनकी आँखों से अंधकार का घना पर्दा हटा दिया, और उन पर भरपूर प्रकाश पड़ा, जहाजों के किनारे पर भी और उस जगह पर भी जहाँ लड़ाई चल रही थी। वे हेक्टर और उसके सभी सैनिकों को देख सकते थे, जिनमें वे भी शामिल थे जो पीछे रहकर युद्ध में भाग नहीं ले रहे थे, और वे भी जो जहाजों के पास लड़ रहे थे। एजैक्स बाकियों के साथ पीछे हटने के लिए तैयार नहीं था, बल्कि अपने
हाथों में बारह क्यूबिट लंबी और छल्लों से जड़ी एक विशाल समुद्री भाला लिए एक डेक से दूसरे डेक पर शान से चलता रहा। जैसे कोई कुशल घुड़सवार चार घोड़ों को एक साथ जोड़कर देश से किसी बड़े शहर की ओर सार्वजनिक मार्ग पर पूरी गति से दौड़ता है - कई पुरुष और महिलाएं उसे देखकर आश्चर्यचकित रह जाते हैं क्योंकि वह लगातार अपना घोड़ा बदलता रहता है, एक से दूसरे पर छलांग लगाता रहता है और दौड़ते घोड़ों पर उसका संतुलन कभी नहीं बिगड़ता - ठीक वैसे ही एजैक्स एक जहाज के डेक से दूसरे डेक पर शान से चलता रहा, और उसकी आवाज आसमान तक पहुंच गई। वह दानानियों को लगातार आदेश देता रहा और उन्हें अपने जहाजों और तंबुओं की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता रहा; हेक्टर न तो ट्रोजन योद्धाओं के मुख्य दल में रहा, बल्कि जिस प्रकार एक भूरा चील नदी के किनारे चर रहे जंगली पक्षियों के झुंड पर झपट्टा मारता है
- संभवतः हंस, सारस या लंबी गर्दन वाले हंस - उसी प्रकार हेक्टर सीधे एक गहरे रंग के जहाज की ओर बढ़ा; क्योंकि बृहस्पति ने अपने शक्तिशाली हाथ से उसे आगे बढ़ाया और उसके लोगों को उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया।

और अब जहाजों पर युद्ध फिर से भयंकर रूप से छिड़ गया। ऐसा लग रहा था
मानो सैनिक ताज़गी और बिना थके आगे बढ़ रहे हों, वे इतनी भयंकर लड़ाई लड़ रहे थे; और यही उनकी मानसिकता थी – अचेयनों को विश्वास नहीं था कि वे विनाश से बच पाएंगे, बल्कि वे खुद को निश्चित रूप से हार मान चुके थे, जबकि हर ट्रोजन के दिल में जहाजों को आग लगाने और अचेयन नायकों को तलवार से मार गिराने की आशा प्रबल थी।
इस प्रकार दोनों पक्षों का मन बना। तब हेक्टर ने उस उत्तम जहाज के
पिछले हिस्से पर कब्जा कर लिया जो प्रोटेशिलाउस को ट्रॉय लाया था, लेकिन उसे कभी उसकी जन्मभूमि वापस नहीं ले गया। इस जहाज के चारों ओर दानानियों और ट्रोजनों के बीच भीषण आमने-सामने की लड़ाई छिड़ गई। वे दूर से धनुष और भाले से नहीं लड़ रहे थे, बल्कि एकमत होकर अपनी शक्तिशाली तलवारों और दोनों सिरों पर नुकीली भालों से एक-दूसरे पर वार कर रहे थे; इसके अलावा वे तेज कुल्हाड़ियों और हथौड़ों से भी लड़ रहे थे। लड़ाई के दौरान लोहे की मूठ और म्यान वाली कई मजबूत तलवारें हाथ या कंधे से गिर गईं, और धरती खून से लाल हो गई। हेक्टर ने जब जहाज पर कब्जा कर लिया, तो उसने अपनी पकड़ नहीं छोड़ी, बल्कि उसके घुमावदार पिछले हिस्से को थामे रखा और ट्रोजनों से चिल्लाकर कहा, 'आग लाओ, और तुम सब एक स्वर में युद्ध-घोषणा करो। अब बृहस्पति ने हमें वह दिन दिया है जो हमें हमारे सभी कष्टों का बदला चुकाएगा; आज हम उन जहाजों पर कब्जा करेंगे जो स्वर्ग की इच्छा के विरुद्ध यहाँ आए थे, और जिन्होंने हमारे सलाहकारों की कायरता के कारण हमें इतना कष्ट पहुँचाया है, जिन्होंने उस समय मुझे रोक लिया जब मैं उन जहाजों से युद्ध करने वाला था और सेना को मेरा पीछा करने से मना किया; यदि उस समय बृहस्पति ने वास्तव में हमारे निर्णयों को विकृत किया था, तो अब स्वयं मुझे आदेश दे रहा है और मेरा हौसला बढ़ा रहा है।
जैसे ही उसने ये कहा, ट्रोजन और भी उग्रता से अचेयनों पर टूट पड़े, और एजैक्स अपनी जगह पर डटा नहीं रह सका, क्योंकि उस पर फेंके गए भालों से वह बुरी तरह घायल हो गया था और उसकी मृत्यु निश्चित हो गई थी। इसलिए वह जहाज के पिछले हिस्से में बने ऊंचे डेक से नीचे उतरकर नाविकों के सात फुट ऊंचे चबूतरे पर वापस आ गया। यहाँ वह चौकसी से खड़ा रहा और अपने भाले से उन सभी ट्रोजनों को रोकता रहा जो जहाज पर आग बरसाने की कोशिश कर रहे थे। वह लगातार ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाता रहा और दानानों का हौसला बढ़ाता रहा। ‘मेरे

मित्रों,’ वह पुकारा, ‘दानान वीरों, मंगल के सेवकों, मेरे मित्रों, हिम्मत रखो और पूरी ताकत से लड़ो। क्या हम आगे चलकर किसी मददगार की उम्मीद कर सकते हैं, या ऐसी कोई दीवार जो हमें हमारी मौजूदा सुरक्षा से ज़्यादा मज़बूती से बचा सके? आस-पास कोई मज़बूत शहर नहीं है जहाँ से हम नई सेनाएँ जुटाकर युद्ध का पलड़ा अपने पक्ष में मोड़ सकें। हम सशस्त्र ट्रोजनों के मैदान में हैं, हमारे पीछे समुद्र है, और हम अपने देश से बहुत दूर हैं।’ इसलिए, हमारी मुक्ति हमारे हाथों की शक्ति और कठिन संघर्ष में निहित है।
बोलते समय वह और भी अधिक उग्रता से अपना भाला चलाता था, और जब भी हेक्टर के आदेश पर कोई ट्रोजन आग लेकर जहाजों की ओर बढ़ता, वह उस पर नजर रखता और अपने लंबे भाले से उस पर प्रहार करता। इस प्रकार उसने जहाजों के समक्ष आमने-सामने की लड़ाई में बारह लोगों को मार डाला।

पुस्तक 16

अब जब प्रोटेसिलॉस के जहाज पर आग फेंकी जा रही थी, तो पैट्रोक्लस ने अकिलीज़ के कवच में लड़ाई लड़ी - उसने ट्रोजन को पीछे धकेल दिया,
लेकिन अंत में यूफोरबस और हेक्टर द्वारा मारा गया।
इस प्रकार वे प्रोटेसिलाउस के जहाज के चारों ओर लड़ रहे थे। तभी पैट्रोक्लस, आँखों में आँसू लिए, अकिलीज़ के पास आया, मानो किसी ऊँची चट्टान से निर्मल जलधारा बह रही हो। जब अकिलीज़ ने उसे इस प्रकार रोते देखा, तो उसे उस पर दया आई और उसने कहा, “पैट्रोक्लस, तुम वहाँ किसी नासमझ बच्चे की तरह क्यों रो रहे हो जो अपनी माँ के पास दौड़कर आता है और गोद में उठाने की विनती करता है – वह जल्दी में होने के बावजूद अपनी माँ के वस्त्र को पकड़ लेता है और आँसू भरी आँखों से ऊपर देखता रहता है जब तक कि उसकी माँ उसे गोद में नहीं उठा लेती – पैट्रोक्लस, तुम भी अब ऐसे ही आँसू बहा रहे हो। क्या तुम्हें मर्मिडोंस या मुझसे कुछ कहना है? या क्या तुम्हें फथिया से कोई खबर मिली है जो केवल तुम ही जानते हो? उन्होंने मुझे बताया है कि एक्टर का पुत्र मेनोटियस अभी भी जीवित है, साथ ही मर्मिडोंस में ऐकस का पुत्र पेलियस भी – वे लोग जिनके जाने का हम दोनों को गहरा शोक है; या आप अर्गिव्स के बारे में और जिस तरह से जहाजों पर उनकी मनमानी के कारण उनकी हत्या की जा रही है, उसके बारे में दुखी हैं? मुझसे कुछ भी मत छिपाओ, बल्कि मुझे बताओ ताकि हम दोनों को इसके बारे में पता चल सके।
तब, हे योद्धा पैट्रोक्लस, तुमने गहरी आह भरते हुए उत्तर दिया,
‘अकिलीज़, पेलियस के पुत्र, अचियनों के सर्वोत्कृष्ट योद्धा, क्रोधित मत हो, परन्तु मैं आर्गिव्स पर आई विपत्ति पर रो रहा हूँ। अब तक उनके सभी योद्धा जहाज़ों पर तलवार या भाले से घायल पड़े हैं। टाइडियस के पुत्र वीर डायोमेड को भाले से चोट लगी है, जबकि प्रसिद्ध यूलिसिस और एगामेम्नन तलवार के घावों से ग्रस्त हैं; यूरिपिलस को फिर से जांघ में तीर लगा है; कुशल वैद्य इन वीरों की देखभाल कर रहे हैं और उनके घावों को भर रहे हैं; क्या तुम अब भी, हे अकिलीज़, इतने निर्दयी हो? काश मुझे कभी भी तुम्हारे जैसा

क्रोध पालने का सौभाग्य न मिले, जिससे तुम्हारा नाम कलंकित हो। भविष्य में कौन तुम्हारी प्रशंसा करेगा जब तक तुम अब आर्गिव्स को विनाश से नहीं बचाते? तुममें दया नहीं है; शूरवीर पेलियस न तो तुम्हारे पिता थे और न ही तुम्हारी माता थेतिस, बल्कि धूसर सागर ने तुम्हें जन्म दिया और विशाल चट्टानों ने, तुम इतने क्रूर और निर्दयी हो। यदि किसी भविष्यवाणी के ज्ञान के कारण तुम्हें रोका गया है, या यदि तुम्हारी माता थेतिस ने तुम्हें बृहस्पति के मुख से कुछ बताया है, तो कम से कम मुझे और मेरे साथ मर्मिडोंस को भेज दो, यदि मैं दानानों को मुक्ति दिला सकूँ। इसके अलावा, मुझे तुम्हारा कवच पहनने दो; इससे ट्रोजन मुझे तुम समझकर युद्धक्षेत्र छोड़ सकते हैं, जिससे अचियनों के संकटग्रस्त पुत्रों को कुछ राहत मिल सके - जो युद्ध के दौरान शायद ही मिल पाए। हम, जो तरोताजा हैं, थके हुए लोगों को जल्द ही अपने जहाजों और तंबुओं से उनके अपने शहर तक वापस खदेड़ सकते हैं। उसे पता नहीं था कि वह क्या माँग रहा है, और न ही यह कि वह अपने विनाश को न्योता दे रहा है। अकिलीज़ अत्यंत व्याकुल हुआ और बोला, ‘हे महान पैट्रोक्लस, आप क्या कह रहे हैं? मैं किसी भविष्यवाणी को नहीं जानता जिसका मैं पालन कर रहा हूँ, न ही मेरी माँ ने मुझे बृहस्पति के मुख से कुछ बताया है, लेकिन मेरा हृदय इस बात से क्षुब्ध है कि मेरे ही वर्ग का कोई व्यक्ति मुझसे अधिक शक्तिशाली होने के कारण मुझे लूटने का साहस करे। इतना सब कुछ सहने के बाद, यह मेरे लिए असहनीय है। जिस लड़की को अचेयन वंश के पुत्रों ने मेरे लिए चुना था, जिसे मैंने एक नगर को लूटकर अपने भाले के बल पर जीता था – उसे राजा एगामेम्नन ने मुझसे ऐसे छीन लिया जैसे मैं कोई साधारण आवारा हूँ। फिर भी, जो बीत गया सो बीत गया: कोई भी व्यक्ति अपना क्रोध हमेशा के लिए नहीं रख सकता; मैंने कहा था कि मैं तब तक पीछे नहीं हटूँगा जब तक युद्ध और युद्ध की पुकार मेरे अपने जहाजों तक न पहुँच जाए; फिर भी, अब मेरे कवच को अपने कंधों पर धारण करो और मर्मिडोंस का नेतृत्व करते हुए युद्ध में जाओ, क्योंकि ट्रोजनों का काला बादल हमारे बेड़े पर भयंकर रूप से छा गया है; आर्गीव्स को किनारे पर धकेल दिया गया है, एक संकीर्ण स्थान में कैद कर दिया गया है, और ट्रॉय के सभी लोगों ने उनके विरुद्ध निकलने का साहस जुटा लिया है, क्योंकि उन्हें मेरे हेलमेट का चमकता हुआ मुखौटा अपने पास दिखाई नहीं दे रहा है। यदि उन्होंने इसे देख लिया होता, तो कोई भी नाला या घाटी ऐसी नहीं होती जो उनके मृतकों से न भरी होती जब वे वापस भाग रहे होते। और ऐसा

के राख से सने भाले पर प्रहार किया। उसने भाले के डंडे से जुड़े सिरे के ठीक पीछे से उसे दो टुकड़ों में काट दिया। इस प्रकार, एजैक्स के पास अब केवल एक कटा हुआ भाला रह गया, जबकि पीतल का सिरा कुछ दूर जाकर जमीन पर गिर पड़ा। एजैक्स को इसमें ईश्वर का हाथ दिखाई दिया और वह यह देखकर भयभीत हो गया कि बृहस्पति ने उसे पूरी तरह से रक्षाहीन छोड़ दिया है और ट्रोजनों की जीत चाहता है। इसलिए वह पीछे हट गया, और ट्रोजनों ने जहाज पर आग बरसा दी, जो तुरंत लपटों में घिर गया।
अब आग जहाज के पिछले हिस्से में भयंकर रूप से भड़क रही थी, जिस पर
अकिलीज़ ने अपनी दोनों जांघों पर प्रहार किया और पेट्रोक्लस से कहा, "उठो, हे वीर योद्धा, क्योंकि मुझे हमारे बेड़े पर शत्रुतापूर्ण आग की लपटें दिखाई दे रही हैं; उठो, कहीं ऐसा न हो कि वे हमारे जहाजों को नष्ट कर दें, और हमारे पीछे हटने का कोई रास्ता न बचे। जब तक मैं अपने लोगों को इकट्ठा करता हूँ, तब तक तुरंत अपना कवच पहन लो।"
बोलते-बोलते पेट्रोक्लस ने अपना कवच पहन लिया। सबसे पहले उसने अपने पैरों में अच्छी तरह से बने कवच पहने, जिन पर चांदी के टखने के बकल लगे थे; इसके बाद उसने ऐकस के पुत्र का कीमती जड़ा हुआ कवच पहना। उसने अपने कंधों पर चांदी जड़ित कांसे की तलवार टांगी, और फिर अपनी शक्तिशाली ढाल। अपने सुंदर सिर पर उसने अपना बेहतरीन ढंग से बना हेलमेट पहना, जिस पर घोड़े के बालों की कलगी थी जो ऊपर धमकी भरे अंदाज़ में लहरा रही थी। उसने दो दुर्जेय भाले पकड़े जो उसके हाथों के लिए उपयुक्त थे, लेकिन उसने महान अकिलीज़ का भाला नहीं लिया, जो इतना बलवान और शक्तिशाली था, क्योंकि अकेयन वंश का कोई भी व्यक्ति उसे नहीं चला सकता था, हालांकि अकिलीज़ उसे आसानी से चला सकता था। यह पेलियन पर्वत का राख से बना भाला था, जिसे चिरोन ने एक पर्वत की चोटी पर तराशा था और पेलियस को दिया था, ताकि वह वीरों को मृत्यु दे सके। उसने ऑटोमेडन को अपने घोड़ों को पूरी तेज़ी से जोतने का आदेश दिया, क्योंकि वह अकिलीज़ के बाद सबसे अधिक आदरणीय था और युद्ध में उसी के समर्थन पर सबसे अधिक भरोसा कर सकता था। इसलिए ऑटोमेडन ने ज़ैंथस और बालियस नामक तेज़ घोड़ों को जोता, जो हवा की तरह उड़ सकते थे: ये वही घोड़े थे जिन्हें हार्पी पोडार्ज ओशनस नदी के किनारे एक मैदान में चरते हुए पश्चिम की ओर ले जा रही थी। उसने लगाम में श्रेष्ठ घोड़े पेडसस को बिठाया, जिसे

अकिलीज़ ईटियन शहर को लूटते समय अपने साथ ले आया था, और जो नश्वर होने के बावजूद अमर घोड़ों के साथ अपना स्थान ग्रहण कर सकता था।
इसी बीच अकिलीज़ तंबुओं के बीच चारों ओर घूमा और अपने सैनिकों को कवच पहनने का आदेश दिया। जैसे पहाड़ों पर सींग वाले हिरण का शिकार करके दावत उड़ाते हुए खूंखार भेड़िये, जिनके जबड़े खून से लाल होते हैं, झुंड में मिलकर अपनी लंबी पतली जीभों से साफ झरने का पानी पीते हैं, और उनसे खून और नरसंहार की दुर्गंध आती है; वे डर को नहीं जानते, क्योंकि भूख ही उन्हें प्रेरित करती है – ठीक उसी तरह सैनिक ऐकस के तेजतर्रार वंशज के कुशल सहायक के चारों ओर एकत्रित हुए, और उनके बीच स्वयं अकिलीज़ खड़े होकर सैनिकों और घोड़ों दोनों का उत्साहवर्धन कर रहे थे।
महान अकिलीज़ ट्रॉय में पचास जहाज़ लेकर आए थे, और प्रत्येक जहाज़ में पचास नाविकों का दल था। उन्होंने पाँच ऐसे कप्तान नियुक्त किए जिन पर उन्हें पूरा भरोसा था, जबकि स्वयं वे सभी जहाज़ों के सेनापति थे। पहले दल के कप्तान मेनेस्थियस थे, जो स्वर्ग से बहने वाली नदी स्पर्चेयस के पुत्र थे और जिनके कवच चमकीले थे। सुंदर पॉलीडोरा, जो पेलियस की पुत्री थीं, ने उन्हें सदा बहने वाली स्पर्चेयस नदी से जन्म दिया था - एक ऐसी स्त्री जिसने एक देवता के साथ वैवाहिक संबंध बनाए थे - लेकिन उन्हें बोरस के पुत्र पेरिएरेस का पुत्र कहा जाता था, जिनके साथ उनकी माता विवाहित पत्नी के रूप में रह रही थीं और जिन्होंने उन्हें पाने के लिए अपार धन दिया था। दूसरे दल का नेतृत्व एक अविवाहित स्त्री के पुत्र, महान यूडोरस ने किया। सुंदर नर्तकी फिलास की पुत्री पॉलीमेले ने उन्हें जन्म दिया था; आर्गोस के शक्तिशाली वधकर्ता यूडोरस, डायना के सम्मान में आयोजित एक नृत्य में गीत गाती स्त्रियों के बीच उन्हें देखकर उन पर मोहित हो गए थे; इसलिए, सभी सुखों के दाता मरकरी, उसके साथ एक ऊपरी कक्ष में गए और गुप्त रूप से उसके साथ संबंध बनाया, जिससे उसने एक महान पुत्र यूडोरस को जन्म दिया, जो असाधारण रूप से फुर्तीला और युद्ध में वीर था। जब प्रसव पीड़ा की देवी इलिथुइया ने उसे दिन के उजाले में लाया और उसने सूर्य का चेहरा देखा, तो शक्तिशाली एक्लेस, एक्टर के पुत्र ने उसकी माँ से विवाह किया और उसे पाने के लिए अपार धन दिया, लेकिन उसके पिता फिलास ने बच्चे का पालन-पोषण किया और उसकी देखभाल की, उसे अपने ही बेटे की तरह प्यार किया। तीसरी टुकड़ी का नेतृत्व मैमलस के पुत्र पिसांडर ने किया, जो अकिलीज़ के साथी पेट्रोक्लस

के बाद सभी मर्मिडों में सर्वश्रेष्ठ भालाधारी था। वृद्ध योद्धा फीनिक्स चौथी टुकड़ी का कप्तान था, और लेर्सियस का महान पुत्र एल्सीमेडन पाँचवीं टुकड़ी का।
जब अकिलीज़ ने अपने सैनिकों को चुन लिया और उन्हें उनके सेनापतियों के साथ तैनात कर दिया, तो उसने उन्हें सख्ती से आदेश दिया, “मायर्मिडों, याद रखो जब तुम मेरे क्रोध के समय जहाजों पर थे और ट्रोजनों के विरुद्ध धमकी दे रहे थे, और मेरी शिकायत कर रहे थे। तुम कहते थे, “पेलेउस के क्रूर पुत्र, तुम्हारी माँ ने तुम्हें पित्त पिलाया होगा, तुम इतने निर्दयी हो। तुम हमें हमारी इच्छा के विरुद्ध जहाजों पर रोके हुए हो; यदि तुम इतने निर्दयी हो तो बेहतर होगा कि हम समुद्र पार घर चले जाएँ।” तुम अक्सर इकट्ठा होकर मुझे इस प्रकार फटकारते रहे हो। अब वह समय आ गया है जब तुम उन वीरतापूर्ण कार्यों के लिए तरस रहे हो, इसलिए तुममें से प्रत्येक ट्रोजनों से युद्ध करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहो।
इन शब्दों से उसने उन सभी में जोश भर दिया, और अपने राजा के वचन सुनकर
वे और भी अधिक एकजुट हो गए। जैसे कोई निर्माता किसी ऊँचे भवन की दीवार में पत्थरों को इस प्रकार जड़ता है जो हवा से सुरक्षा प्रदान करता है – ठीक उसी प्रकार हेलमेट और ढालें एक-दूसरे से सटकर खड़ी हो गईं। ढाल से ढाल, हेलमेट से हेलमेट, और आदमी से आदमी; वे इतने करीब थे कि जब उन्होंने अपने सिर झुकाए तो उनके हेलमेटों की चमकदार चोटियों पर लगे घोड़े के बालों के पंख एक-दूसरे को छू रहे थे।
उन सबके सामने दो पुरुषों ने कवच पहन लिए – पैट्रोक्लस और ऑटोमेडन – दो पुरुष, जिनका एक ही उद्देश्य था मर्मिडोंस का नेतृत्व करना। फिर अकिलीज़ अपने तम्बू के अंदर गया और उस मजबूत संदूक का ढक्कन खोला जो चांदी के पैरों वाली थेतिस ने उसे जहाज पर ले जाने के लिए दिया था, और जिसे उसने कमीज़ों, ठंड से बचने के लिए लबादों और अच्छे मोटे कालीनों से भर दिया था। इस संदूक में उसके पास एक उत्कृष्ट कारीगरी का प्याला था, जिससे उसके अलावा कोई और नहीं पी सकता था, और न ही वह इससे पिता ज़्यूस के अलावा किसी अन्य देवता को भेंट चढ़ाता था। उसने संदूक से प्याला निकाला और उसे गंधक से शुद्ध किया; ऐसा करने के बाद उसने उसे साफ पानी से धोया, और अपने हाथ धोने के बाद उसने शराब निकाली। फिर वह प्रांगण के बीच में खड़ा हुआ और आकाश की ओर देखते हुए प्रार्थना की, और शराब की भेंट चढ़ाई; और वह ज़्यूस की दृष्टि से छिपा नहीं

था, जिसकी खुशी गर्जना में है। ‘हे राजा बृहस्पति,’ उसने पुकारा, ‘डोडोना के स्वामी, पेलसगी के देवता, जो दूर निवास करते हैं, आप जो शीत ऋतु के डोडोना पर अपना प्रभुत्व रखते हैं, जहाँ आपके भविष्यवक्ता सेल्ली आपके चारों ओर बिना धोए पैर और ज़मीन पर बने पलंगों के साथ निवास करते हैं – यदि आपने मेरी प्रार्थना सुनी थी जब मैंने पहले आपसे प्रार्थना की थी, और अचियनों पर विपत्ति भेजते समय मेरा सम्मान किया था, तो अब मेरी इस प्रार्थना को भी पूरा करें। मैं यहीं रहूँगा जहाँ मेरे जहाज़ खड़े हैं, लेकिन मैं अपने साथी को कई मर्मिडोंस के नेतृत्व में युद्ध में भेजूँगा। हे सर्वज्ञ बृहस्पति, उसे विजय दिलाएँ; उसके हृदय में साहस भर दें ताकि हेक्टर जान सके कि क्या मेरा साथी अकेले लड़ने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम है, या क्या उसकी शक्ति केवल तभी इतनी अदम्य होती है जब मैं स्वयं युद्ध के कोलाहल में प्रवेश करता हूँ।’ इसके बाद जब वह जहाजों से लड़ाई और युद्ध की आवाज को खदेड़कर वापस लौट आए, तो कृपा करके उसे अपने कवच और अपने साथियों के साथ, जो आमने-सामने की लड़ाई में माहिर योद्धा थे, सुरक्षित वापस लौटने की कृपा प्रदान करें।
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और सर्वज्ञानी बृहस्पति ने उसकी प्रार्थना सुन ली। उसने उसकी प्रार्थना का कुछ अंश तो स्वीकार कर लिया, पर पूरा नहीं। उसने पैट्रोक्लस को जहाजों से युद्ध और लड़ाई को दूर भगाने की अनुमति तो दे दी, लेकिन उसे लड़ाई से सुरक्षित बाहर आने देने से इनकार कर दिया।
जब उसने पेय पदार्थ का अर्पण कर प्रार्थना कर ली, तो अकिलीज़ अपने
तम्बू के अंदर गया और प्याला वापस अपनी छाती में रख लिया।
फिर वह दोबारा बाहर आया, क्योंकि उसे अब भी ट्रोजन और अचायनों के बीच
चल रहे भयंकर युद्ध को देखना अच्छा लगता था।
इसी बीच, पैट्रोक्लस के आसपास मौजूद सशस्त्र दल आगे बढ़ता रहा और ट्रोजनों पर आशा से भर उठा। वे ऐसे झुंड बनाकर निकले जैसे सड़क किनारे घोंसले बनाने वाले ततैया, जिन्हें नासमझ बच्चे छेड़ते हैं और राहगीर को डंक मार देते हैं - या फिर, अगर कोई राहगीर गलती से उन्हें परेशान कर दे, तो हर ततैया अपने बच्चों की रक्षा के लिए उग्र होकर निकल आती है - ठीक इसी क्रोध और साहस के साथ मर्मिडोंस अपने जहाजों से निकले और उनकी युद्धघोषणा आकाश की ओर गूंज उठी। पैट्रोक्लस ने अपने सैनिकों को ऊँचे स्वर में

पुकारा, 'मर्मिडोंस, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के अनुयायियों, मेरे मित्रों, साहस दिखाओ, पूरी शक्ति से लड़ो, ताकि हम पेलियस के पुत्र के लिए गौरव प्राप्त कर सकें, जो आर्गीव्स के जहाजों में सबसे आगे है - वह और उसके साथी योद्धा।' इस प्रकार, राजा एगमेमन के पुत्र अत्रेस को अचियन वंश के सबसे बहादुर व्यक्ति का अनादर करने की अपनी मूर्खता का सबक मिलेगा।
इन शब्दों के साथ उसने उन सभी में पूरी ताकत भर दी, और वे सब एक साथ ट्रोजनों पर टूट पड़े। अचेयनों की गर्जना से जहाज फिर गूंज उठे, और जब ट्रोजनों ने मेनोटियस के वीर पुत्र और उसके सहायक को कवच में दमकते हुए देखा, तो वे भयभीत हो गए और उनकी टुकड़ियाँ अफरा-तफरी में पड़ गईं, क्योंकि उन्हें लगा कि पेलियस का तेजतर्रार पुत्र अब अपना क्रोध त्यागकर एगामेम्नन से सुलह कर चुका होगा; इसलिए हर कोई सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगा।
पैट्रोक्लस ने सबसे पहले प्रोटेसिलाउस के जहाज के पिछले हिस्से के
पास, जहाँ सैनिक सबसे घनी भीड़ में जमा थे, भाला चलाया। उसका भाला पिरेचम्स को लगा, जो एमीडॉन और एक्सियस नदी के विशाल जलक्षेत्र से अपने पैओनियन घुड़सवारों का नेतृत्व कर रहा था; भाला उसके दाहिने कंधे पर लगा और वह कराहते हुए धूल में पीछे गिर पड़ा; इससे उसके सैनिक घबरा गए, क्योंकि उनके नेता, जो उनमें सबसे श्रेष्ठ सैनिक था, को मारकर पैट्रोक्लस ने उन सभी में दहशत फैला दी थी। इस प्रकार उसने उन्हें जहाज से बाहर निकाल दिया और उस समय भड़क रही आग को बुझा दिया – आधे जले हुए जहाज को वहीं पड़ा छोड़ दिया। अब ट्रोजन एक ऐसी चीख के साथ पीछे हट गए जो आकाश को चीर देती थी, जबकि डैनियन भी अपने जहाजों से लगातार चिल्लाते हुए उनके पीछे दौड़ पड़े। जैसे जब गरजते बादलों को इकट्ठा करने वाले बृहस्पति किसी ऊंचे पर्वत की चोटी पर घने बादलों का आवरण फैलाते हैं, और सभी चोटियाँ, उभरे हुए टीले और वन क्षेत्र फटते हुए आकाश से चमकते हुए तेज प्रकाश में दिखाई देते हैं, ठीक वैसे ही जब दानानियों ने अपने जहाजों से आग को पीछे धकेल दिया, तो उन्होंने थोड़ी देर के लिए राहत की सांस ली; लेकिन युद्ध का प्रकोप अभी समाप्त नहीं हुआ था, क्योंकि ट्रोजन पूरी तरह से पराजित नहीं हुए थे, बल्कि उन्होंने अभी भी लड़ाई लड़ी, और केवल अपने बल पर ही अपनी भूमि से खदेड़े गए।
फिर लड़ाई और भी छिटपुट हो गई, और सरदारों ने एक-दूसरे को जब और जैसे
मौका मिला, मार डाला। मेनोटियस के वीर पुत्र ने सबसे पहले एरेलिकस की जांघ

में भाला तब घोंप दिया जब वह मुड़ रहा था; भाले की नोक आर-पार हो गई और हड्डी टूट गई जिससे वह आगे की ओर गिर पड़ा। इसी बीच मेनेलास ने थोआस की छाती पर वार किया, जो उसकी ढाल के किनारे के पास खुली हुई थी, और वह मर गया। फाइलियस के पुत्र ने एम्फिक्लस को उस पर हमला करने के लिए तैयार देखा, और इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, उसने उसकी जांघ के ऊपरी हिस्से पर निशाना साधा, जहाँ मांसपेशियाँ शरीर के किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में अधिक मोटी होती हैं; भाला पैर की सभी नसों को चीरता हुआ निकल गया, और उसकी आँखें अंधेरे में बंद हो गईं। नेस्टर के पुत्रों में से एक, एंटिलोकस ने एटिम्नियस को भाले से मारा, भाले की नोक उसके गले में घुस गई, और वह गिर पड़ा। फिर मारिस अपने भाई का बदला लेने के लिए एंटिलोकस पर झपटा और भाला हाथ में लिए उसके शरीर पर सवार हो गया; लेकिन वीर थ्रेसिमेड्स उससे कहीं अधिक फुर्तीला था, और पलक झपकते ही उसने वार करने से पहले ही उसके कंधे पर वार कर दिया; उसका निशाना सटीक था, और भाले ने उसकी भुजा की जड़ की सभी मांसपेशियों को चीरते हुए हड्डी तक पहुंचा दिया, जिससे वह बुरी तरह जमीन पर गिर पड़ा और उसकी आंखें अंधेरे में बंद हो गईं। इस प्रकार सर्पेडन के ये दो वीर साथी नेस्टर के दो पुत्रों द्वारा मारे जाने के बाद एरेबस की ओर चले गए; वे अमिसोडोरस के योद्धा पुत्र थे, जिन्होंने कई लोगों के विनाश के लिए अजेय चिमेरा का पालन-पोषण किया था। ओइलियस के पुत्र एजैक्स ने क्लियोबुलस पर झपट्टा मारा और उसे भीड़ में फंसे होने पर ही पकड़ लिया; लेकिन उसने तलवार के एक ही वार से उसकी गर्दन पर वार करके उसे वहीं मार डाला। तलवार उसके खून से लथपथ थी, जबकि अंधकारमय मृत्यु और भाग्य के शक्तिशाली हाथ ने उसे जकड़ लिया और उसकी आंखें बंद कर दीं।
पेनेलियोस और लाइकोन अब आमने-सामने आ गए, क्योंकि उनके भाले एक-दूसरे
को भेद नहीं पाए थे। दोनों के वार बेअसर रहे थे, इसलिए अब उन्होंने अपनी तलवारें निकाल लीं। लाइकोन ने पेनेलियोस के हेलमेट के पंखदार शिखर पर वार किया, लेकिन उसकी तलवार मूठ से टूट गई, जबकि पेनेलियोस ने लाइकोन की गर्दन पर कान के नीचे वार किया। तलवार इतनी गहरी धंस गई कि सिर केवल त्वचा से टिका रह गया, और उसमें जान नहीं बची थी। मेरियोनेस ने अकामास का पैदल पीछा किया और उसे रथ पर चढ़ने ही वाला था कि उसने पकड़ लिया; उसने उसके दाहिने कंधे में भाला घोंप दिया जिससे वह रथ से सिर के बल गिर पड़ा, और उसकी आँखें अंधेरे में बंद हो गईं। इडोमेनियस ने एरिमास के मुँह में भाला मारा; भाले

पैट्रोक्लस के रथ के पहियों के नीचे आ गिरे। पैट्रोक्लस के अमर घोड़े, जो देवताओं द्वारा पेलियस को दिए गए थे, एक ही छलांग में खाई को पार कर जाते थे। वह हेक्टर के पास पहुँचने का प्रयास कर रहा था, क्योंकि उसने उसे भाले से मारने का निश्चय कर लिया था, लेकिन हेक्टर के घोड़े अब उसे दूर भगा रहे थे। जैसे शरद ऋतु के किसी दिन जब बृहस्पति अपनी कठोर वर्षा करता है और न्यायालयों में अनुचित न्याय करने और स्वर्ग के आदेशों की अवहेलना करने वाले मनुष्यों को दंडित करता है, तो पूरी काली पृथ्वी किसी तूफान के सामने झुक जाती है - सभी नदियाँ उफान पर आ जाती हैं और उफान पहाड़ों से लेकर गहरे समुद्र तक गर्जना करते हुए कई नए रास्ते बना देते हैं, और मनुष्यों के कार्यों का बुरा हाल हो जाता है - ठीक ऐसा ही तनाव और दबाव ट्रोजन घोड़ों पर उनकी भागदौड़ में था।
पैट्रोक्लस ने अपने निकटतम बटालियनों को घेर लिया और उन्हें जहाजों
की ओर खदेड़ दिया। वे शहर तक पहुँचने का भरसक प्रयास कर रहे थे, पर उसने उन्हें जाने नहीं दिया और नदी, जहाजों और दीवार के बीच से उन पर टूट पड़ा। उसने अपने कई गिरे हुए साथियों का बदला लिया। सबसे पहले उसने प्रोनोअस की छाती पर भाले से वार किया, जहाँ उसकी ढाल के किनारे के पास छाती खुली हुई थी, और वह ज़मीन पर गिर पड़ा। इसके बाद वह एनोप्स के पुत्र थेस्टर पर झपटा, जो अपने रथ में दुबका बैठा था, क्योंकि उसका सिर धड़ से अलग हो गया था और लगाम उसके हाथों से छिन गई थी। पैट्रोक्लस उसके पास गया और उसके दाहिने जबड़े में भाला घोंप दिया; इस प्रकार उसने उसे दाँतों से जकड़ लिया और भाला उसे रथ के किनारे से नीचे खींच लाया, जैसे कोई किसी उभरी हुई चट्टान के किनारे पर बैठकर कांटे और धागे से किसी बड़ी मछली को समुद्र से बाहर निकालता है - ठीक उसी तरह उसने अपने भाले से थेस्टर को उसके रथ से नीचे खींच लिया; फिर उसे मुँह के बल नीचे पटक दिया और गिरते-गिरते उसकी मृत्यु हो गई। इस पर, जब एरीलाउस उस पर हमला करने के लिए आगे बढ़ रहा था, तो उसने उसके सिर पर पत्थर से जोरदार प्रहार किया, जिससे उसका मस्तिष्क उसके हेलमेट के अंदर ही चकनाचूर हो गया और वह सिर के बल जमीन पर गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई। फिर उसने एक-एक करके एरीमास, एम्फोटेरस, एपल्टेस, टलेपोलेमस, दमास्टोर के पुत्र एचियस, पिरिस, इफियस, इयूइप्पस और अर्गियास के पुत्र पॉलीमेलस को मार गिराया।

जब सर्पेडन ने अपने साथियों को, जो कमरबंद रहित वस्त्र पहने हुए थे, मेनोटियस के पुत्र पैट्रोक्लस से पराजित होते देखा, तो उसने लाइसियों को फटकारते हुए कहा, “तुम पर शर्म आती है, कहाँ भाग रहे हो? अपनी बहादुरी दिखाओ; मैं स्वयं इस व्यक्ति से युद्ध करूँगा और जानूँगा कि इतना कुशल कौन है; इसने हमें बहुत हानि पहुँचाई है और कई वीर योद्धाओं को जमीन पर गिरा दिया है।”
बोलते ही वह अपने रथ से कूद पड़ा, और पैट्रोक्लस ने यह देखकर वह भी जमीन पर छलांग लगा दी। फिर दोनों एक-दूसरे की ओर चील जैसी चोंच और नुकीले पंजों वाले गिद्धों की तरह चीखते-चिल्लाते हुए झपट पड़े, मानो किसी ऊंचे पर्वतीय दुर्ग में एक-दूसरे को नोंच रहे हों।
धूर्त शनि के पुत्र ने दया भरी निगाहों से उन्हें देखा और अपनी पत्नी
और बहन जूनो से कहा, “हाय, मेरे प्रिय सर्पेडन का यही हश्र होना तय है कि वह पेट्रोक्लस के हाथों मारा जाएगा। मैं दुविधा में हूँ कि क्या उसे युद्ध से बचाकर लिसिया की उपजाऊ भूमि में सुरक्षित और स्वस्थ छोड़ दूँ, या उसे मेनोटियस के पुत्र के हाथों मरने दूँ।”
और जूनो ने उत्तर दिया, “शनि के सबसे भयानक पुत्र, तुम यह क्या कह रहे
हो? क्या तुम एक नश्वर मनुष्य को, जिसका भाग्य बहुत पहले ही तय हो चुका है, मृत्यु के मुँह से छुड़ाना चाहते हो? जैसा चाहो वैसा करो, लेकिन हम सब तुम्हारी बात नहीं मानेंगे। मैं आगे कहती हूँ, और मेरी बात को अपने हृदय में बिठा लो, कि यदि तुम सर्पेडन को उसके घर सुरक्षित पहुँचा दोगे, तो कोई न कोई देवता उसके पुत्र को युद्ध से बाहर निकालने के लिए भी तैयार रहेगा, क्योंकि ट्रॉय शहर के चारों ओर कई देवता लड़ रहे हैं, और तुम सबको ईर्ष्या दिला दोगे। यदि तुम उससे प्रेम करते हो और उस पर दया करते हो, तो उसे पैट्रोक्लस के हाथों मरने दो, लेकिन जैसे ही उसकी प्राण शक्ति समाप्त हो जाए, मृत्यु और मीठी नींद को भेजकर उसे युद्ध के मैदान से ले जाओ और लिसिया के विशाल मैदानों में ले आओ, जहाँ उसके भाई और रिश्तेदार उसे सम्मानपूर्वक टीले और स्तंभ के साथ दफनाएँगे।”
देवताओं और मनुष्यों के जनक ने सहमति तो दे दी, लेकिन उन्होंने अपने पुत्र के सम्मान में पृथ्वी पर रक्त की वर्षा की, जिसे पेट्रोक्लस अपने घर से दूर ट्रॉय के समृद्ध मैदान में मारने ही वाला था।

जब वे एक-दूसरे के करीब आ गए, तो पेट्रोक्लस ने सरपेडन के बहादुर सहायक थ्रेसीडेमस के पेट के निचले हिस्से पर वार किया और उसे मार डाला। सरपेडन ने पेट्रोक्लस पर भाला चलाया, लेकिन वह चूक गया, हालांकि भाला घोड़े पेडासस के दाहिने कंधे पर लगा, और घोड़ा जोर से चीखता हुआ धूल में कराहने लगा, जब तक कि उसकी जान नहीं निकल गई। बाकी दो घोड़े लड़खड़ाने लगे; रथ का डंडा टूट गया, और उनके साथ जुते हुए घोड़े के गिरने से लगाम में उलझ गए; लेकिन ऑटोमेडन जानता था कि क्या करना है; बिना एक पल भी गंवाए उसने अपनी मजबूत जांघ से लटकी हुई तेज तलवार निकाली और तीसरे घोड़े को काट कर अलग कर दिया; जिसके बाद बाकी दो घोड़े संभल गए, और लगाम को जोर से खींचते हुए फिर से युद्ध में उतर गए।
सरपेडन ने अब पैट्रोक्लस पर दूसरा निशाना साधा, लेकिन फिर भी चूक गया; भाले की नोक उसके बाएं कंधे के ऊपर से निकल गई, उसे लगी नहीं। फिर पैट्रोक्लस ने निशाना साधा, और उसका भाला व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि वह सरपेडन के पेट के ठीक उस स्थान पर लगा जहाँ धड़कता हुआ हृदय होता है। वह किसी बलूत, चिनार या ऊंचे चीड़ के पेड़ की तरह गिर पड़ा, जिसे लकड़हारे जहाज बनाने के लिए लकड़ी काटने के लिए पहाड़ों पर कुल्हाड़ी से काटते हैं
– ठीक वैसे ही वह अपने रथ और घोड़ों के सामने पूरी लंबाई में पड़ा रहा, कराहता हुआ और खून से सनी धूल को पकड़ता हुआ। जैसे कोई शेर मवेशियों के झुंड पर झपट्टा मारता है और किसी बड़े काले बैल को जकड़ लेता है जो उसकी पकड़ में दहाड़ते हुए मर जाता है – ठीक वैसे ही लाइसियाई योद्धाओं का नेता पैट्रोक्लस के हाथों मरते हुए मृत्यु से जूझ रहा था। उसने अपने भरोसेमंद साथी को पुकारा और कहा, ‘ग्लौकस, मेरे भाई, वीरों के पराक्रमी, अपनी पूरी ताकत लगा दो, पूरी शक्ति से लड़ो, अब एक वीर सैनिक की तरह साहस दिखाओ। पहले लाइसियन सेनापतियों के बीच जाओ और उन्हें सर्पेडन के लिए लड़ने का आदेश दो; फिर तुम भी मेरे कवच को छीनने से बचाने के लिए युद्ध करो। अगर अचियन मेरे कवच को छीन लेते हैं, तो मेरा नाम तुम्हें हमेशा के लिए सताएगा, क्योंकि मैं उनके जहाजों पर गिर पड़ा हूँ। अपनी पूरी ताकत लगाओ और मेरे सभी लोगों को इकट्ठा करो।’
बोलते ही मृत्यु ने अपनी आँखें बंद कर लीं। पैट्रोक्लस ने अपनी एड़ी उसकी छाती पर टिकाई और उसके शरीर से भाला खींच लिया, जिसके साथ ही उसकी सारी इंद्रियाँ भी बाहर आ गईं, और उसने भाले की नोक और सर्पेडन की आत्मा

दोनों को एक साथ बाहर निकाल लिया। पास ही में मर्मिडोंस ने उसके हिनहिनाते घोड़ों को पकड़ रखा था, जो अपने स्वामियों द्वारा त्यागे जाने पर दहशत से बेकाबू हो गए थे।
जब ग्लौकस ने सर्पेडन की बातें सुनीं तो वह गहरे दुःख से भर गया,
क्योंकि वह उसकी सहायता नहीं कर सका। उसे अपने दूसरे हाथ से अपनी बांह को सहारा देना पड़ा, क्योंकि ट्यूसर के तीर से लगे घाव में उसे बहुत दर्द हो रहा था। यह घाव तब लगा था जब ट्यूसर दीवार की रक्षा कर रहा था और ग्लौकस उस पर हमला कर रहा था। इसलिए उसने दूर-दूर तक तीर चलाने वाले अपोलो से प्रार्थना की, “हे राजा, अपनी गद्दी से मेरी प्रार्थना सुनिए, चाहे आप लिसिया की समृद्ध भूमि में हों या ट्रॉय में, क्योंकि आप हर जगह संकट में पड़े व्यक्ति की प्रार्थना सुन सकते हैं, जैसा कि मैं अभी हूं। मुझे एक गंभीर घाव लगा है; मेरा हाथ दर्द से तड़प रहा है; खून बहना बंद नहीं हो रहा है, और मेरी पूरी बांह चोट के कारण लटक रही है, जिससे मैं अपनी तलवार नहीं पकड़ सकता और न ही अपने शत्रुओं के बीच जाकर उनसे लड़ सकता हूं, भले ही हमारा राजकुमार, बृहस्पति का पुत्र सर्पेडन मारा गया हो।” 'जबरदस्ती ने अपने बेटे की रक्षा नहीं की, इसलिए हे राजा, मेरे घाव को ठीक करो, मेरे दर्द को कम करो और मुझे इतनी शक्ति प्रदान करो कि मैं लाइसियनों का हौसला बढ़ा सकूं और उनके साथ गिरे हुए व्यक्ति के शरीर के चारों ओर लड़ सकूं।'
इस प्रकार उसने प्रार्थना की, और अपोलो ने उसकी प्रार्थना सुन ली।
उसने उसका दर्द कम किया, घाव से बहते काले खून को रोका और उसे नई शक्ति प्रदान की। ग्लौकस ने यह देखा और सर्वशक्तिमान देवता द्वारा उसकी प्रार्थना का उत्तर दिए जाने के लिए आभारी हुआ; इसलिए वह तुरंत लाइसियाई सेनापतियों के बीच गया और उन्हें सर्पेडन के शव के चारों ओर युद्ध करने के लिए बुलाया। वहाँ से वह ट्रोजनों के बीच से होते हुए पैंथोस के पुत्र पॉलीडामास और एजेनोर के पास पहुँचा; फिर वह एनियास और हेक्टर की खोज में गया, और जब उसने उन्हें पा लिया तो उसने कहा, 'हेक्टर, तुम अपने सहयोगियों को पूरी तरह से भूल गए हो, जो तुम्हारे कारण यहाँ मित्रों और घर से दूर कष्ट भोग रहे हैं जबकि तुम उनकी सहायता के लिए कुछ नहीं कर रहे हो। लाइसियाई योद्धाओं का नेता सर्पेडन गिर गया है - वह जो एक ही समय में लिसिया का अधिकार और शक्ति था; मार्स ने उसे पेट्रोक्लस के भाले से मार गिराया है।' मेरे मित्रों, उसके साथ खड़े रहो और मर्मिडों को उसका कवच न

उतारने दो, न ही उन सभी दानानों का बदला लेने के लिए उसके शरीर के साथ अपमानजनक व्यवहार करने दो जिन्हें हमने जहाजों पर भाले से मारा था। जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, ट्रोजन लोग घोर शोक में डूब गए; क्योंकि सर्पेडन, भले ही वह पराया था, उनके शहर का एक प्रमुख स्तंभ था, क्योंकि उसके साथ बहुत से लोग थे और वह स्वयं उन सब में सबसे आगे था। सर्पेडन के पतन से क्रोधित हेक्टर के नेतृत्व में, वे तुरंत अपनी पूरी शक्ति से दानानों की ओर बढ़े, जबकि मेनोटियस के पुत्र पेट्रोक्लस के निडर मनोबल ने अचेयनों का हौसला बढ़ाया। सबसे पहले उसने दो अजाक्सों से बात की, जो किसी आदेश की मोहताज नहीं थे। उसने कहा, 'अजाक्सों, अब आप वही साहस दिखाएँ जो आप हमेशा से दिखाते आए हैं, या इससे भी बेहतर - सर्पेडन मारा गया है - वह जिसने सबसे पहले अचेयनों की दीवार फांदी थी; आइए हम उसका शव ले लें और उसके साथ दुर्व्यवहार करें; आइए हम उसके कंधों से कवच उतार दें, और यदि उसके साथी उसके शव को बचाने की कोशिश करें तो उन्हें मार डालें।'
उसने उन लोगों से बात की जो स्वयं अत्यंत उत्सुक थे; इसलिए, दोनों
पक्षों ने, एक ओर ट्रोजन और लाइसियन, और दूसरी ओर मर्मिडन और अचियन, अपनी टुकड़ियों को मजबूत किया और सर्पेडन के शव के चारों ओर भयंकर युद्ध किया, साथ ही ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते रहे। जब वे एक साथ आए तो उनके कवच का शोर बहुत तेज़ था, और बृहस्पति ने अपने पुत्र के शव पर युद्ध की तीव्रता बढ़ाने के लिए उस पर घना अंधकार छा दिया।
आरंभ में ट्रोजनों ने अचियनों के विरुद्ध कुछ प्रगति की, क्योंकि मर्मिडों के सर्वश्रेष्ठ योद्धाओं में से एक, एपिगेयस, जो कुलीन अगाक्लेस का पुत्र था और पहले अच्छे शहर बुडियम का राजा रह चुका था, मारा गया। लेकिन जल्द ही, अपने एक वीर रिश्तेदार को मारने के बाद, उसने पेलियस और थेतिस की शरण ली, जिन्होंने उसे इलियस, श्रेष्ठ घोड़ों की भूमि, में अकिलीज़ के नेतृत्व में ट्रोजनों से लड़ने के लिए भेज दिया। हेक्टर ने जैसे ही उसके शरीर को पकड़ा, उसके सिर पर पत्थर से प्रहार किया, जिससे उसके हेलमेट के अंदर उसका मस्तिष्क चकनाचूर हो गया और वह सर्पेडन के शव पर औंधा गिर पड़ा और वहीं उसकी मृत्यु हो गई। अपने साथी की मृत्यु से पेट्रोक्लस क्रोधित हो गया और बाज की तरह तेज़ी से अग्रिम पंक्ति में दौड़ पड़ा, मानो कोई बाज कौवों या सारसों के झुंड पर झपट्टा मारता हो। हे वीर योद्धा पैट्रोक्लस, तुम अपने साथी का बदला लेने के लिए तुरंत ही लाइसियन और ट्रोजन की ओर बढ़े।

उन्होंने तुरंत ही इथेमेनस के पुत्र स्टेनलॉस की गर्दन पर पत्थर से प्रहार किया और गर्दन को सिर और रीढ़ की हड्डी से जोड़ने वाली नसों को तोड़ दिया। इस पर हेक्टर और उसके सैनिकों की अग्रिम पंक्ति पीछे हट गई। जैसे कोई व्यक्ति किसी पुरस्कार के लिए या युद्ध में भाला फेंक सकता है, वैसे ही ट्रोजन अब अचेयन के सामने पीछे हट गए। लाइसियन सेना के सेनापति ग्लौकस ने हेलास में रहने वाले और मर्मिडों में सबसे धनी चालकोन के पुत्र बाथिकल्स को मारकर सबसे पहले उन्हें एकजुट किया। ग्लौकस अचानक मुड़ा, ठीक उसी समय जब उसका पीछा कर रहा बैथिक्ल्स उसे पकड़ने ही वाला था, और उसने अपना भाला सीधे उसकी छाती में घुसा दिया, जिससे वह ज़मीन पर बुरी तरह गिर पड़ा। इतने वीर योद्धा के इस पतन से अचेयन लोग भयभीत हो गए, जबकि ट्रोजन लोग प्रसन्न हुए और शव के चारों ओर जमा हो गए। फिर भी, अपनी वीरता को याद रखते हुए, अचेयन लोग उन पर टूट पड़े।
इसके बाद मेरियोनेस ने ट्रोजन के एक कवचधारी योद्धा, ओनेटोर के पुत्र लाओगोनस को मार डाला, जो माउंट इडा के ज़्यूस का पुजारी था और जिसे लोग देवता के समान पूजते थे। मेरियोनेस ने उसके जबड़े और कान के नीचे वार किया, जिससे उसकी जान निकल गई और मृत्यु के अंधकार ने उसे घेर लिया। फिर एनेस ने मेरियोनेस पर भाला ताना, यह सोचकर कि आगे बढ़ते समय वह ढाल के नीचे वार करेगा, लेकिन मेरियोनेस ने भाले को आते देख लिया और उससे बचने के लिए आगे झुक गया। भाला उसके पास से निकल गया और उसकी नोक ज़मीन में धंस गई, जबकि उसका पिछला हिस्सा तब तक कांपता रहा जब तक मंगल ने उसकी शक्ति छीन नहीं ली। इस प्रकार, भाला एनेस के हाथ से व्यर्थ ही निकल गया और कांपता हुआ ज़मीन पर गिर पड़ा। एनेस क्रोधित हुआ और बोला, 'मेरियोनेस, तुम अच्छे नर्तक हो, लेकिन अगर मैंने तुम्हें वार किया होता तो मेरा भाला तुम्हारा काम तमाम कर देता।'
और मेरियोनेस ने उत्तर दिया, “ऐनेस, तुम्हारी सारी बहादुरी के बावजूद, तुम अपने विरुद्ध आने वाले हर व्यक्ति का अंत नहीं कर पाओगे। तुम भी मेरी ही तरह एक नश्वर प्राणी हो, और यदि मैं अपने भाले से तुम्हारी ढाल के बीचोंबीच प्रहार करूँ, तो तुम चाहे कितने ही बलवान और आत्मविश्वासी क्यों न हो, मैं तुम्हें शीघ्र ही पराजित कर दूँगा, और तुम अपने प्राण महान अश्वों के देवता हेड्स को सौंप दोगे।”

इस पर मेनोटियस के पुत्र ने उसे फटकारा और कहा, ‘मेरियोनेस, चाहे तुम कितने ही वीर क्यों न हो, तुम्हें इस प्रकार नहीं बोलना चाहिए; हे मेरे मित्र, ताने मारने वाले भाषणों से ट्रोजन मृत शरीर से दूर नहीं हटेंगे; उनमें से कुछ को पहले जमीन के नीचे जाना होगा; युद्ध के लिए प्रहार और सलाह के लिए शब्द; इसलिए लड़ो, और कुछ मत बोलो।’
वह बोलते हुए आगे-आगे चलने लगा और नायक उसके साथ आगे बढ़ा। जैसे
पहाड़ों पर किसी जंगल के खुले मैदान में लकड़हारों की आवाज और उनकी कुल्हाड़ियों की धमक दूर तक सुनाई देती है, वैसे ही अब धरती से एक शोर उठा - पीतल के कवच और बैल की खाल से बनी ढालों की खड़खड़ाहट, जैसे आदमी एक-दूसरे पर दोनों सिरों पर नुकीली तलवारों और भालों से वार कर रहे हों। सरपेडन को पहचानने के लिए अब किसी आदमी को अच्छी दृष्टि की आवश्यकता थी, क्योंकि वह सिर से पैर तक भालों, खून और धूल से ढका हुआ था। लोग शव के चारों ओर ऐसे मंडरा रहे थे जैसे वसंत ऋतु में दूध से लबालब भरे दूध के बर्तनों के चारों ओर मक्खियाँ भिनभिनाती हैं - ठीक वैसे ही वे सरपेडन के चारों ओर जमा हो गए थे; ज़्यूस ने एक पल के लिए भी युद्ध से अपनी पैनी नज़र नहीं हटाई, बल्कि लगातार उस पर नज़र रखी, क्योंकि वह पैट्रोक्लस को मारने का सबसे अच्छा तरीका सोच रहा था और विचार कर रहा था कि क्या हेक्टर को सर्पेडन के शव के चारों ओर चल रहे युद्ध में ही उसे समाप्त करने और उसके कवच को छीनने की अनुमति दी जानी चाहिए, या उसे ट्रोजनों को और अधिक परेशान करने देना चाहिए। अंत में, उसने यही उचित समझा कि पेलियस के पुत्र अकिलीज़ का वीर सहायक हेक्टर और ट्रोजनों को शहर की ओर खदेड़ दे और कई लोगों की जान ले ले। इसलिए, सबसे पहले उसने हेक्टर को कायर बना दिया, जिसके बाद वह अपने रथ पर सवार होकर भाग गया और अन्य ट्रोजनों को भी भागने का आदेश दिया, क्योंकि उसने देखा कि ज़्यूस का पलड़ा उसके विरुद्ध हो गया है। वीर लाइसियन भी डटे नहीं रहे; वे तब भयभीत हो गए जब उन्होंने अपने राजा को लाशों के ढेर के बीच हृदय में घायल पड़ा देखा – क्योंकि जब शनि के पुत्र ने युद्ध को तीव्र किया था, तब कई लोग उसके ऊपर गिर पड़े थे। इसलिए, अचियनों ने उसके कंधों से चमकता हुआ कवच उतार लिया और मेनोटियस के वीर पुत्र ने उसे अपने आदमियों को जहाजों तक ले जाने के लिए दे दिया। तब तूफ़ान के स्वामी बृहस्पति ने अपोलो से कहा, “प्रिय फ़ीबस, मैं आपसे विनती करता हूँ, जाइए और सर्पेडन को हथियारों की पहुँच से बाहर ले जाइए; उसके शरीर से काला खून धो दीजिए, और

फिर उसे बहुत दूर ले जाइए जहाँ आप उसे नदी में धोएँ, अमृत से अभिषेक करें और अमर वस्त्र पहनाएँ; यह हो जाने पर, उसे दो तेज दूतों, मृत्यु और नींद के हवाले कर दीजिए, जो उसे सीधे लिसिया की समृद्ध भूमि पर ले जाएँगे, जहाँ उसके भाई और रिश्तेदार उसे दफनाएँगे, और मृतकों के सम्मान में उसकी स्मृति में टीला और स्तंभ दोनों का निर्माण करेंगे।”
इस प्रकार उसने कहा। अपोलो ने अपने पिता की बात मानी और इडा की
ऊँचाइयों से उतरकर युद्ध के मैदान में आ गया; उसने तुरंत सर्पेडन को हथियारों की पहुँच से दूर ले जाकर उसे बहुत दूर ले गया, जहाँ उसने उसे नदी में धोया, अमृत से अभिषेक किया और अमर वस्त्र पहनाए; यह सब करने के बाद, उसने उसे दो तेज दूतों, मृत्यु और नींद के हवाले कर दिया, जिन्होंने तुरंत उसे लिसिया की समृद्ध भूमि में उतार दिया।
इस बीच, पैट्रोक्लस ने अपने घोड़ों और ऑटोमेडन को बार-बार पुकारते हुए, अपने अहंकार और मूर्खता में डूबे हुए ट्रोजन और लाइसियनों का पीछा किया। यदि उसने पेलियस के पुत्र की आज्ञा का पालन किया होता, तो वह मृत्यु से बच जाता और उसे कोई चोट नहीं पहुँचती; परन्तु बृहस्पति की योजनाएँ मनुष्य की समझ से परे हैं; वह एक वीर पुरुष को भी भगा देता है और उसकी विजय छीन लेता है, या फिर उसे फिर से युद्ध के लिए प्रेरित करता है, जैसा कि उसने अब पैट्रोक्लस के हृदय में उत्साह भरकर किया।
हे पैट्रोक्लस, जब देवताओं ने तुम्हें तुम्हारे अंजाम तक पहुँचाने का आदेश दिया, तब तुमने सबसे पहले और सबसे आखिर में किसे मारा? सबसे पहले एड्रेस्टस, ऑटोनोअस, एचेक्लस, मेगस का पुत्र पेरिमस, एपिस्टर और मेलानिप्पस; इनके बाद उसने एलासस, मुलियस और पिलार्टेस को मारा। इन्हें तो उसने मार डाला, लेकिन बाकी सब भागकर बच गए।
अगर पैट्रोक्लस का भाला चारों दिशाओं में न चल रहा होता, तो अचियन वंश
के लोग पैट्रोक्लस के हाथों ट्रॉय पर कब्ज़ा कर लेते, क्योंकि पैट्रोक्लस का भाला चारों दिशाओं में जा रहा था। अपोलो फ़ीबस पैट्रोक्लस की योजना को विफल करने और ट्रोजनों की सहायता करने के लिए दीवार पर तैनात न होता। पैट्रोक्लस ने तीन बार ऊँची दीवार के एक कोने पर आक्रमण किया, और अपोलो ने तीनों बार अपने अमर हाथों से उसकी ढाल पर प्रहार करके उसे पीछे धकेल दिया। जब पैट्रोक्लस चौथी बार एक देवता की तरह आगे बढ़ रहा था, तो अपोलो ने भयानक स्वर में उसे पुकारा और कहा, 'पीछे हट जाओ, हे महान पैट्रोक्लस, ट्रोजन

सरदारों के शहर को लूटना तुम्हारे नसीब में नहीं है, और न ही यह अकिलीज़ के नसीब में होगा, जो तुमसे कहीं अधिक श्रेष्ठ योद्धा है।' यह सुनकर पैट्रोक्लस कुछ दूरी पर पीछे हट गया और अपोलो के क्रोध से बच गया।
इसी बीच हेक्टर अपने घोड़ों के साथ स्केयन द्वार के भीतर प्रतीक्षा कर रहा था, इस दुविधा में कि क्या वह फिर से बाहर निकलकर लड़ाई जारी रखे या सेना को द्वार के भीतर बुला ले। जब वह इस दुविधा में था, अपोलो एक युवा और बलवान योद्धा आसियस के रूप में उसके पास प्रकट हुआ, जो हेक्टर का चाचा था, हेकुबा का सगा भाई और संगारियस नदी के किनारे फ्रिगिया में रहने वाले डायमास का पुत्र था। उसी रूप में बृहस्पति के पुत्र अपोलो ने हेक्टर से कहा, “हेक्टर, तुमने लड़ाई क्यों रोक दी? यह तुम्हारी गलती है। अगर मैं तुमसे उतना ही श्रेष्ठ होता, जितना मैं हूँ, तो तुम्हें अपनी इस सुस्ती पर जल्द ही पछतावा होता। पैट्रोक्लस की ओर सीधे बढ़ो, ताकि अपोलो तुम्हें उस पर विजय दिलाए और तुम उसे मार सको।”
इसके साथ ही देवता वापस शोरगुल में चले गए, और हेक्टर ने सेब्रोनस को
फिर से युद्ध में जाने का आदेश दिया। अपोलो उनके बीच से गुजरे और आर्गिव्स में दहशत फैला दी, जबकि उन्होंने हेक्टर और ट्रोजन को विजय दिलाई। हेक्टर ने अन्य दानानों को अकेला छोड़ दिया और किसी को नहीं मारा, बल्कि सीधे पेट्रोक्लस की ओर बढ़े। पेट्रोक्लस तब अपने रथ से जमीन पर कूद पड़े, उनके बाएं हाथ में एक भाला और दाएं हाथ में एक नुकीला पत्थर था जो उनकी हथेली के आकार का था। वह स्थिर खड़े रहे और उसे फेंका, और वह दूर तक नहीं गया, किसी न किसी को लगा; उनका फेंका व्यर्थ नहीं गया, क्योंकि पत्थर हेक्टर के सारथी सेब्रोनस को लगा, जो प्रियम का नाजायज बेटा था और लगाम पकड़े हुए था। पत्थर उनके माथे पर लगा और उनकी भौंहें उनके सिर में धंस गईं, क्योंकि हड्डी चकनाचूर हो गई थी, और उनकी आंखें उनके पैरों के पास जमीन पर गिर गईं। वह अपने रथ से ऐसे गिर पड़े जैसे गोता लगा रहे हों, और उनमें जीवन का कोई अंश नहीं बचा था। हे योद्धा पैट्रोक्लस, क्या तुमने तब उसकी प्रशंसा करते हुए कहा था, ‘हे भगवान, वह कितना फुर्तीला है और कितनी कुशलता से गोता लगाता है। अगर हम समुद्र में होते, तो वह जहाज के किनारे से गोता लगाकर इतने सारे सीप ला लेता कि पूरा दल उन्हें खा जाता, चाहे पानी कितना भी उबड़-खाबड़ क्यों न हो, क्योंकि वह अपने रथ से जमीन पर बड़ी खूबसूरती से गोता लगाता है। ऐसा लगता है कि ट्रोजनों में भी गोताखोर हैं।’

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, वह सेबरियोनेस पर ऐसे झपटा जैसे कोई शेर बाड़े पर हमला करते हुए सीने में चोट खाकर उछल पड़ता है और उसका साहस ही उसकी हार का कारण बन जाता है – हे पैट्रोक्लस, तुम भी उसी उग्रता से सेबरियोनेस पर झपटे। हेक्टर भी अपने रथ से कूदकर ज़मीन पर आ गिरा। फिर दोनों सेबरियोनेस के शव पर लड़ने लगे। जैसे दो भूखे शेर किसी ऊँचे पहाड़ पर मारे गए हिरण के शव के लिए भयंकर लड़ाई लड़ते हैं, वैसे ही ये दो पराक्रमी योद्धा, मेनोटियस का पुत्र पैट्रोक्लस और वीर हेक्टर, सेबरियोनेस के शव पर एक-दूसरे को काट-छाँट कर मार रहे थे। हेक्टर ने सिर पकड़ लिया था, फिर भी उसने सेबरियोनेस को नहीं छोड़ा, जबकि पैट्रोक्लस ने उसके पैर कसकर पकड़े रखे थे, और दूसरे दानानियों और ट्रोजनों के बीच भयंकर लड़ाई छिड़ गई। जैसे पूरब और दक्षिण की हवाएँ पहाड़ों पर किसी घने जंगल में एक-दूसरे से टकराती हैं – वहाँ बीच, राख और कॉर्नल के पेड़ फैले हुए हैं; पेड़ों की चोटियाँ आपस में टकराते हुए गरज रही थीं, और डालियों के चटकने और टूटने की आवाज़ सुनाई दे रही थी – ठीक इसी तरह ट्रोजन और अचेयन एक-दूसरे पर टूट पड़े और एक-दूसरे को जकड़ लिया, और कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं था। कई नुकीले भाले ज़मीन पर गिरे और कई पंखों वाले तीर सेब्रिओन्स के शरीर पर लगे; इसके अलावा, कई बड़े पत्थर उसकी ढालों पर टकराए जब वे उसके शरीर के चारों ओर लड़ रहे थे, लेकिन वह धूल के बवंडर में वहीं पड़ा रहा, विशाल और बेढंगा, अब अपने ऊपर पड़ रहे धक्के से बेखबर।
जब तक सूर्य आकाश में ऊँचा था, दोनों पक्षों के हथियार एक समान रूप से घातक थे और लोग मारे जा रहे थे; लेकिन जब सूर्य अस्त होने लगा और बैलों को छोड़ने का समय आया, तो अचेयन अप्रत्याशित रूप से अधिक शक्तिशाली साबित हुए। उन्होंने सेब्रोन को ट्रोजनों के तीरों और कोलाहल से दूर खींच लिया और उसके कंधों से कवच उतार लिया। तब पैट्रोक्लस मंगल ग्रह की तरह भयंकर इरादे और एक भयानक गर्जना के साथ ट्रोजनों पर टूट पड़ा और उसने तीन बार में नौ लोगों को मार डाला; लेकिन जब वह चौथी बार एक देवता की तरह आगे बढ़ रहा था, तब, हे पैट्रोक्लस, तुम्हारा अंत निकट आ रहा था, क्योंकि फोबस ने तुमसे भयंकर युद्ध किया। पैट्रोक्लस उसे भीड़ में इधर-उधर घूमते हुए नहीं देख सका, क्योंकि वह घने अंधेरे में घिरा हुआ था, और देवता ने पीछे से उसकी पीठ और चौड़े कंधों पर अपने हाथ की हथेली से प्रहार किया, जिससे उसकी आँखें चकरा गईं। अपोलो ने हेक्टर के सिर से हेलमेट उतार दिया और वह घोड़ों के

पैरों के नीचे लुढ़क गया, जहाँ उसके घोड़े के बालों से बने पंख धूल और खून से सने हुए थे। वास्तव में, उस हेलमेट का ऐसा हाल पहले कभी नहीं हुआ था, क्योंकि वह देवतुल्य नायक अकिलीज़ के सिर और सुंदर माथे की रक्षा करता था। अब, ज़्यूस ने उसे हेक्टर को पहनने के लिए सौंप दिया। फिर भी, हेक्टर का अंत भी निकट था। पैट्रोक्लस के हाथ में उसका पीतल का भाला टूट गया, जबकि उसकी ढाल, जो उसे सिर से पैर तक ढके हुए थी, ज़मीन पर गिर गई, साथ ही उसे पकड़े रखने वाला पट्टा भी गिर गया, और अपोलो ने उसके कवच के बंधन खोल दिए। इस पर उसका दिमाग सुन्न पड़ गया; उसके अंग जवाब दे गए और वह स्तब्ध खड़ा रह गया; तभी डार्डानियन जनजाति का रहने वाला पैंथोस का पुत्र यूफोरबस, जो अपने समय का सर्वश्रेष्ठ भाला चलाने वाला, कुशल घुड़सवार और सबसे तेज धावक था, उसके पीछे आया और उसके कंधों के बीचोंबीच भाले से उसकी पीठ पर वार किया। रथ पर आते ही उसने बीस सैनिकों को मार गिराया था, क्योंकि वह युद्ध कला में इतना निपुण था – हे योद्धा पैट्रोक्लस, सबसे पहले उसी ने तुम पर हथियार चलाया था, पर वह तुम्हें पूरी तरह से पराजित नहीं कर सका। यूफोरबस ने घाव से अपना राख जैसा भाला निकालकर भीड़ में वापस भाग गया; वह निहत्थे पैट्रोक्लस के हमले का इंतज़ार नहीं कर रहा था; लेकिन देवता के प्रहार और भाले के घाव से भयभीत पैट्रोक्लस अपनी जान के डर से अपने सैनिकों की आड़ में छिप गया। हेक्टर ने उसे घायल और पीछे हटता हुआ देखकर, सैनिकों की कतारों को चीरते हुए आगे बढ़ा और उसके बिल्कुल करीब पहुँचकर उसके पेट के निचले हिस्से पर भाले से वार किया, भाले की नोक उसके आर-पार हो गई, जिससे वह अचेयनों के बड़े दुःख के बीच ज़मीन पर गिर पड़ा। जैसे कोई शेर किसी भयंकर जंगली सूअर से लड़ता है और उसे हरा देता है - दोनों पहाड़ों पर किसी छोटे से झरने के लिए भयंकर लड़ाई करते हैं जहाँ वे दोनों पानी पीना चाहते हैं, और शेर सूअर को तब तक पीटता है जब तक उसकी साँसें रुक न जाएँ - ठीक वैसे ही प्रियम के पुत्र हेक्टर ने मेनोटियस के उस बहादुर पुत्र का जीवन ले लिया जिसने इतने लोगों को मारा था, उसे पास से वार करके और उस पर गर्व करते हुए। उसने कहा, 'पैट्रोक्लस, तुमने सोचा था कि तुम हमारे शहर को लूटोगे, हमारी ट्रोजन महिलाओं की स्वतंत्रता छीनोगे और उन्हें अपने जहाजों में अपने देश ले जाओगे। मूर्ख; हेक्टर और उसके तेज घोड़े उनकी रक्षा के लिए हमेशा अपनी पूरी ताकत से प्रयास करते रहे हैं। मैं सभी ट्रोजन योद्धाओं में सबसे आगे हूँ जो उन्हें गुलामी के दिन से बचाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूँ; और तुम,

गिद्ध तुम्हें यहीं नोंच डालेंगे। बेचारे, अकिलीज़ ने अपनी सारी बहादुरी से तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ा; और फिर भी मुझे लगता है कि जब तुम उससे विदा हुए, तो उसने तुम्हें सख्ती से कहा था, “हे पैट्रोक्लस योद्धा, जब तक तुम खूनी हेक्टर की खून से सनी कमीज़ उसके शरीर पर न फाड़ दो, तब तक जहाज़ों पर वापस मत आना।” मुझे लगता है कि उसने तुम्हें यही आदेश दिया था, और तुम्हारे मूर्ख हृदय ने मन ही मन उसे “हाँ” कह दिया।
फिर, जब तुम्हारा प्राण समाप्त होने लगा, तो तुमने हे योद्धा
पैट्रोक्लस से कहा: ‘हेक्टर, चाहे जितना घमंड करो, क्योंकि शनि के पुत्र बृहस्पति और अपोलो ने तुम्हें विजय दिलाई है; उन्होंने ही मुझे इतनी आसानी से पराजित किया है, और मेरे कंधों से कवच उतार दिया है; यदि तुम्हारे जैसे बीस पुरुष मुझ पर आक्रमण करते, तो वे सब मेरे भाले के सामने गिर पड़ते। भाग्य और लेटो के पुत्र ने मुझे पराजित किया है, और मनुष्यों में यूफोरबस ने भी; मुझे मारने में तुम तीसरे स्थान पर हो। मैं आगे कहता हूँ, और मेरी बात को अपने हृदय में उतार लो, तुम भी थोड़े समय के लिए ही जीवित रहोगे; मृत्यु और तुम्हारे अंत का दिन निकट है, और वे तुम्हें ऐकस के पुत्र अकिलीज़ के हाथों मार डालेंगे।’
जब उसने ये कहा, तो मृत्यु के कारण उसकी आँखें बंद हो गईं, उसकी आत्मा
ने उसका शरीर छोड़ दिया और पाताल लोक की ओर चल पड़ी, जहाँ वह अपने दुखद भाग्य पर शोक मना रही थी और अपनी जवानी और जोश को अलविदा कह रही थी। हालाँकि वह मर चुका था, फिर भी हेक्टर उससे बोला, ‘पैट्रोक्लस, तुम मेरी मृत्यु की भविष्यवाणी क्यों कर रहे हो? कौन जानता है कि कहीं सुंदर थेतिस का पुत्र अकिलीज़ मेरे भाले से घायल होकर मुझसे पहले ही न मर जाए?’ बोलते-बोलते उसने घाव से पीतल का भाला निकाला और अपना पैर शव पर रखकर
उसे दूर धकेल दिया, जिससे शव पीठ के बल गिर पड़ा। फिर वह भाला हाथ में लिए ऑटोमेडन, जो ऐकस का वंशज और बेड़े का सहायक था, के पीछे गया, क्योंकि वह उसे मार गिराना चाहता था, लेकिन देवताओं द्वारा पेलियस को उपहार स्वरूप दिए गए अमर घोड़े उसे शीघ्र ही युद्धक्षेत्र से ले गए।

6. पकड़ एक खाई है।

पुस्तक 17

पैट्रोक्लस के शव के आसपास हुई लड़ाई। एट्रीयस के वीर पुत्र मेनेलास को जब पता चला कि पेट्रोक्लस गिर गया है, तो वह पूर्ण कवच धारण किए हुए अग्रिम पंक्ति से होते हुए उस पर सवार हो गया। जैसे कोई गाय अपने पहले बछड़े के समय रंभाती है, वैसे ही सुनहरे बालों वाला मेनेलास पेट्रोक्लस पर सवार हो गया। उसने अपनी गोल ढाल और भाला अपने सामने रखा हुआ था, और जो भी उसका सामना करने का साहस करे, उसे मार डालने के लिए दृढ़ संकल्पित था। लेकिन पैंथोस के पुत्र ने भी शव को देख लिया था, और मेनेलास के पास आकर बोला, ‘एट्रीयस के पुत्र मेनेलास, पीछे हट जाओ, शव को छोड़ दो, और खून से लथपथ लूट के माल को वहीं रहने दो। मैं ट्रोजनों और उनके वीर सहयोगियों में से पहला था जिसने पेट्रोक्लस पर अपना भाला चलाया था, इसलिए मुझे ट्रोजनों के बीच अपना पूरा गौरव प्राप्त करने दो, अन्यथा मैं निशाना साधकर तुम्हें मार डालूंगा।’
इस पर मेनेलास ने बड़े क्रोध से उत्तर दिया, “हे बृहस्पति, घमंड करना बुरी बात है। तीतर, शेर या जंगली सूअर, जो सभी प्राणियों में सबसे क्रूर और निर्भीक है, पैंथोस के इन अभिमानी पुत्रों से अधिक साहसी नहीं हैं। फिर भी हाइपेरेनर अपनी जवानी के दिन नहीं जी पाया जब उसने मुझे तुच्छ समझा और मेरा विरोध किया, मुझे दानानों में सबसे तुच्छ सैनिक समझा। उसके अपने पैर उसे वापस उसकी पत्नी और माता-पिता को प्रसन्न करने के लिए नहीं लाए। ठीक वैसे ही, यदि तुमने मेरा विरोध किया, तो मैं भी तुम्हारा अंत कर दूंगा; भीड़ में वापस चले जाओ और मेरा सामना मत करो, अन्यथा तुम्हारा और बुरा हाल होगा। मूर्ख भी अंत में समझदार हो सकता है।”
यूफोरबस ने उसकी बात नहीं मानी और कहा, “अब सचमुच, मेनेलास, तुम्हें
मेरे भाई की मृत्यु का बदला चुकाना होगा, जिस पर तुमने घमंड किया था और जिसकी पत्नी को तुमने उसके विवाह कक्ष में विधवा बना दिया, जबकि तुमने उसके माता-पिता को असहनीय दुःख दिया। मैं इन गरीबों को सांत्वना दूंगा यदि मैं तुम्हारा सिर और कवच लाकर पैंथोस और महान फ्रोंटिस के हाथों में सौंप

दूं। वह समय आ गया है जब इस मामले का निपटारा होगा, चाहे मैं जीतूं या हारूं।”
बोलते ही उसने मेनेलास की ढाल पर सीधा वार किया, पर भाला आर-पार नहीं
हुआ, क्योंकि ढाल ने उसकी नोक मोड़ दी। मेनेलास ने निशाना साधा और ऐसा करते हुए पिता ज़्यूस से प्रार्थना की; यूफोरबस पीछे हट रहा था, और मेनेलास ने भाले पर अपना पूरा भार डालकर उसके गले पर वार किया, ताकि भाला उसके गले में धंस जाए। भाले की नोक उसकी गर्दन के आर-पार हो गई, और जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसका कवच खड़खड़ाता हुआ उसके चारों ओर बिखर गया। उसके बाल, जो ग्रेस के समान थे, और चांदी-सोने के पट्टियों में कुशलता से बंधे हुए उसके बाल, खून से लथपथ हो गए थे। जैसे किसी ने खुले स्थान पर, जहाँ भरपूर पानी हो, एक सुंदर युवा जैतून का पेड़ उगाया हो - पौधा आशा से भरा होता है, और यद्यपि हवाएँ हर दिशा से उस पर प्रहार करती हैं, फिर भी वह अपने सफेद फूल खिलाता रहता है, जब तक कि किसी भयंकर तूफान की मार उसे ज़मीन पर न गिरा दे - ठीक उसी तरह मेनेलास ने सुंदर युवक यूफोरबस को मारने के बाद उसका कवच उतार दिया। या जैसे पहाड़ों पर बैठा कोई भयंकर शेर अपनी शक्ति के घमंड में झुंड की सबसे उत्तम बछिया पर टूट पड़ता है, जब वह चर रही होती है – पहले वह अपने मजबूत जबड़ों से उसकी गर्दन तोड़ देता है, और फिर उसके खून और आंतों को चट कर जाता है; कुत्ते और चरवाहे उसके खिलाफ शोर मचाते हैं, लेकिन वे दूर खड़े रहते हैं और उसके पास नहीं आते, क्योंकि वे डर से पीले पड़ जाते हैं – ठीक वैसे ही किसी में भी वीर मेनेलास का सामना करने का साहस नहीं था। एट्रेस का पुत्र पैंथोस के पुत्र का कवच आसानी से उतार लेता, यदि अपोलो फोबस क्रोधित न होता, और सिकॉन्स के प्रमुख मेंटेस के वेश में हेक्टर को उस पर हमला करने के लिए उकसाता। उसने कहा, ‘हेक्टर, तुम अब ऐकस के महान पुत्र के घोड़ों के पीछे जा रहे हो, लेकिन तुम उन्हें नहीं ले जा पाओगे; उन्हें नश्वर मनुष्य वश में नहीं रख सकता और न ही चला सकता है, सिवाय अकिलीज़ के, जो एक अमर माता का पुत्र है।’ इसी बीच एट्रेस के पुत्र मेनेलास ने पैट्रोक्लस के शव पर सवार होकर ट्रोजनों में सबसे श्रेष्ठ, पैंथोस के पुत्र यूफोरबस को मार डाला, ताकि वह अब और लड़ न सके।
फिर देवता परिश्रम और उथल-पुथल में लौट गए, परन्तु हेक्टर का मन दुःख
के बादल से घिर गया; उसने सैनिकों की ओर देखा और पाया कि यूफोरबस जमीन पर पड़ा है, उसके घाव से अभी भी खून बह रहा है, और मेनेलास उसका कवच उतार रहा

सवार हो गया, कवच को ट्रोजनों को सौंप दिया ताकि वे उसे अपने लिए एक बड़ी ट्रॉफी के रूप में शहर ले जा सकें; इसलिए एजैक्स ने पेट्रोक्लस के शरीर को अपनी चौड़ी ढाल से ढक लिया और उस पर सवार हो गया; जैसे कोई शेर अपने बच्चों के ऊपर खड़ा होता है जब शिकारी जंगल में उस पर हमला करते हैं - अपनी शक्ति के गौरव और उग्रता में वह अपनी भौंहों को इतना सिकोड़ लेता है कि वे उसकी आँखों को ढक लेती हैं - ठीक उसी तरह एजैक्स पेट्रोक्लस के शरीर पर सवार हो गया, और उसके बगल में एट्रेस का पुत्र मेनेलास खड़ा था, जिसके हृदय में गहरा दुःख था।
तब हिप्पोलोकस के पुत्र ग्लौकस ने हेक्टर को क्रोधित दृष्टि से देखा
और उसे कठोर शब्दों में फटकारा। उसने कहा, ‘हेक्टर, तुम बहादुरी का दिखावा तो करते हो, पर युद्ध में तुम बेहद कमजोर हो। तुम्हारे जैसे भगोड़े को इतनी बड़ी प्रतिष्ठा का कोई अधिकार नहीं है। सोचो, अब तुम इलियस में जन्मे अपने ही लोगों के हाथों अपने नगर और किले को कैसे बचा पाओगे; क्योंकि तुम्हें कोई भी लाइसियन तुम्हारे लिए लड़ने को तैयार नहीं मिलेगा, क्योंकि उन्होंने अपने निरंतर कष्टों के लिए जो धन्यवाद दिया है, वह तो तुम देख ही रहे हो। महाराज, क्या आप सरपेडन को, जो आपका अतिथि और युद्ध साथी था, दानानों के हाथों लूट का शिकार बनने के लिए छोड़ने के बाद, किसी कम प्रसिद्ध व्यक्ति की सहायता करने के लिए कुछ करेंगे? जब तक वह जीवित रहा, उसने आपके नगर और आपके दोनों के लिए अच्छा काम किया; फिर भी आपने उसके शरीर को कुत्तों से बचाने की हिम्मत नहीं की। यदि लाइसियन मेरी बात मानेंगे, तो वे घर लौट जाएंगे और ट्रॉय को उसके भाग्य पर छोड़ देंगे।’ यदि ट्रोजनों में वह साहसी और निडर भावना होती जो अपने देश के लिए लड़ने वाले और उस पर आक्रमण करने वालों को खदेड़ने वाले पुरुषों में पाई जाती है, तो हम पैट्रोक्लस को शीघ्र ही इलियस ले जाते। यदि हम इस मृत व्यक्ति को वहाँ से निकालकर प्रियम के शहर में ले आते, तो आर्गीव सरपेडन का कवच सहर्ष सौंप देते और हमें उसका शरीर भी मिल जाता। क्योंकि जिसका सहायक अब मारा गया है, वह अचियनों के जहाजों पर सबसे आगे है - वह और उसके साथी, जो आमने-सामने की लड़ाई लड़ते हैं। फिर भी, तुमने अजाक्स के विरुद्ध खड़े होने या उससे आमने-सामने, चारों ओर युद्ध के बीच, मुकाबला करने का साहस नहीं किया, क्योंकि वह तुमसे कहीं अधिक बहादुर है।

हेक्टर ने उसे घूरते हुए कहा, 'ग्लौकस, तुम्हें बेहतर पता होना चाहिए। मैंने तुम्हें अब तक पूरे लिसिया में सबसे समझदार समझा है, लेकिन अब मैं तुम्हारे इस कहने पर तुम्हें तुच्छ समझता हूँ कि मैं एजैक्स से डरता हूँ। मैं न तो युद्ध से डरता हूँ और न ही रथों के शोर से, लेकिन बृहस्पति की इच्छाशक्ति हमारी इच्छाशक्ति से कहीं अधिक शक्तिशाली है; बृहस्पति कभी- कभी बलवान व्यक्ति को भी पीछे हटने पर मजबूर कर देता है और उसकी मुट्ठी से विजय छीन लेता है, जबकि दूसरे ही क्षण वह उसे युद्ध के लिए प्रेरित कर देता है। तो फिर इधर आओ, मेरे मित्र, मेरे पास खड़े हो जाओ और देखो कि क्या मैं तुम्हारी बात मानकर पूरे दिन कायर बना रहूँगा, या क्या मैं पैट्रोक्लस के शव के चारों ओर लड़ने से कुछ सबसे साहसी दानानों को भी रोक पाऊँगा।' बोलते हुए उन्होंने ट्रोजनों को ऊँची आवाज़ में पुकारा, “ट्रोजन, लाइसियन और डार्डानियन, आमने-सामने की लड़ाई के योद्धाओं, मेरे मित्रों, मर्द बनो और पूरी ताकत से लड़ो, जबकि मैं अकिलीज़ का उत्तम कवच पहन लेता हूँ, जिसे मैंने पेट्रोक्लस को मारते समय प्राप्त किया था।”
इसके साथ ही हेक्टर युद्ध छोड़कर अपने उन सैनिकों के पीछे पूरी गति से दौड़ पड़ा जो अकिलीज़ का कवच ट्रॉय ले जा रहे थे, लेकिन अभी तक ज्यादा दूर नहीं जा पाए थे। कुछ देर तक उस भयानक युद्ध से दूर खड़े रहकर उसने अपना कवच बदला। उसने अपना कवच इलियस के शक्तिशाली शहर और ट्रोजनों को भेज दिया, जबकि उसने पेलियस के पुत्र का अमर कवच पहन लिया, जो देवताओं ने पेलियस को दिया था, जिसने वृद्धावस्था में इसे अपने पुत्र को दे दिया था; लेकिन पुत्र अपने पिता के कवच में वृद्ध नहीं हुआ।
जब तूफ़ान के देवता, बृहस्पति ने हेक्टर को एकांत में खड़े होकर
पेलेउस के पुत्र के कवच को धारण करते देखा, तो उन्होंने अपना सिर हिलाया और मन ही मन बुदबुदाए, “हाय! बेचारे, तू एक ऐसे वीर का कवच धारण कर रहा है जिसके सामने अनेक अन्य कांपते हैं, और तुझे अपने निकट आ चुके विनाश की कोई परवाह नहीं है। तूने उसके इतने वीर और बलवान साथी को मार डाला, पर यह उचित नहीं था कि तूने उसके सिर और कंधों से कवच उतार दिया। मैं तुझे अभी महान शक्ति प्रदान करता हूँ, परन्तु इसके विरुद्ध तू युद्ध से लौटकर एंड्रोमाचे के समक्ष पेलेउस के पुत्र का कवच नहीं रख पाएगा।”
शनि के पुत्र ने अपने गंभीर माथे झुकाए, और हेक्टर ने अपने शरीर पर कवच पहनाया, जबकि भयानक मंगल उसके भीतर प्रवेश कर गया और उसके पूरे शरीर को

शक्ति और वीरता से भर दिया। एक गर्जना के साथ वह सहयोगियों के बीच चला गया, और उसका कवच उसके चारों ओर इस तरह चमका कि वह उन सभी को पेलेउस के महान पुत्र के समान प्रतीत हुआ। वह उनके बीच घूमकर उनका उत्साहवर्धन करता रहा - मेस्थल्स, ग्लौकस, मेडोन, थेर्सिलोचस, एस्टेरोपियस, डेसेनोर और हिप्पोथियस, फोरकिस, क्रोमियस और भविष्यवक्ता एनोमस। उसने उन सभी को यह कहते हुए प्रेरित किया, 'मेरी बात सुनो, अन्य शहरों से आए हजारों सहयोगियों, मैंने तुम्हें यहाँ अपने-अपने शहर से इसलिए नहीं बुलाया कि मेरे चारों ओर भीड़ जमा हो जाए, बल्कि इसलिए कि तुम पूरे मन से ट्रोजन की पत्नियों और बच्चों की क्रूर अचेयनों से रक्षा करो। इसी कारण मैं तुम्हारे भोजन और उन उपहारों से अपने लोगों पर अत्याचार कर रहा हूँ जो तुम्हें धनवान बनाते हैं।' इसलिए मुड़ो और शत्रु पर आक्रमण करो, युद्ध के खेल के अनुसार, चाहे वह डटकर खड़ा रहे या गिर जाए; जो कोई भी पेट्रोक्लस को, चाहे वह मरा हुआ ही क्यों न हो, ट्रोजनों के हाथों में सौंप देगा और एजैक्स को उसके सामने झुकने पर मजबूर कर देगा, मैं उसे लूट का आधा हिस्सा दूंगा और दूसरा हिस्सा अपने पास रखूंगा। इस प्रकार वह मेरे समान सम्मान का भागीदार होगा।
जब उसने ऐसा कहा, तो वे अपने भाले आगे करके दानानियों पर पूरी ताकत से
टूट पड़े, और उनमें से प्रत्येक को उम्मीद थी कि वे तेलमोन के पुत्र अयाक्स को शव सौंपने के लिए मजबूर कर देंगे – वे मूर्ख थे, क्योंकि वह कई लोगों की जान लेने वाला था। तब अयाक्स ने मेनेलास से कहा, ‘मेरे प्रिय मित्र मेनेलास, इस लड़ाई से हम दोनों शायद ही बच पाएँगे। मुझे पैट्रोक्लस के शरीर की चिंता कम है, जो जल्द ही ट्रॉय के कुत्तों और गिद्धों का भोजन बन जाएगा, बल्कि मुझे अपनी और तुम्हारी जान की चिंता ज़्यादा है। हेक्टर ने हमें चारों ओर से युद्ध के तूफान में घेर लिया है, और हमारा विनाश अब निश्चित प्रतीत होता है। इसलिए, यदि कोई दानानियों के राजकुमार हमारी बात सुन सकता है, तो उनसे प्रार्थना करो।’
मेनेलास ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था, और उसने दानानों से मदद के
लिए ज़ोर-ज़ोर से पुकारा। “मेरे मित्रों, आर्गीवों के राजकुमारों और सलाहकारों, आप सभी जो अगामेम्नन और मेनेलास के साथ सार्वजनिक खर्च पर शराब पीते हैं, और अपने-अपने लोगों को आदेश देते हैं, जैसे-जैसे बृहस्पति उन्हें शक्ति और यश प्रदान करता है, मेरे चारों ओर लड़ाई इतनी भयंकर है कि

मैं आप सभी को अलग-अलग नहीं पहचान सकता; इसलिए, बिना बुलाए सब लोग आओ, और इसे शर्म की बात समझो कि पेट्रोक्लस ट्रोजन के शिकारी कुत्तों का भोजन बन जाए।”
ओइलियस के पुत्र फ्लीट एजैक्स ने उसकी आवाज़ सुनी और सबसे पहले लड़ाई को चीरते हुए उसकी मदद के लिए दौड़ा। उसके बाद इडोमेनियस और उसका सहायक मेरियोनेस आए, जो खूंखार मार्स के समकक्ष थे। इनके बाद जो अन्य लोग लड़ाई में शामिल हुए, उनके नाम कौन बता सकता है?
हेक्टर के नेतृत्व में ट्रोजन सेना एक साथ आक्रमण करने के लिए आगे बढ़ी। जैसे किसी स्वर्ग से निकली नदी के मुहाने पर गर्जना करती विशाल लहरें समुद्र में धधकती चट्टानों को चीरती हुई आगे बढ़ती हैं, ठीक उसी प्रकार ट्रोजन सेना भी गर्जना करती हुई आगे बढ़ी; परन्तु अचियन सेना ने दृढ़ निश्चय के साथ मेनोटियस के पुत्र की रक्षा की और उसे अपने कांसे के ढालों से घेर लिया। इसके अलावा, बृहस्पति ने उनके हेलमेटों की चमक को घने बादल में छिपा लिया, क्योंकि मेनोटियस के पुत्र के जीवित रहते और ऐकस के वंशज के सहायक के रूप में रहते हुए बृहस्पति ने उससे कोई द्वेष नहीं रखा था; इसलिए वह उसे अपने शत्रु ट्रोजनों के कुत्तों का शिकार नहीं बनने देना चाहता था और उसने अपने साथियों को उसकी रक्षा के लिए प्रेरित किया। प्रारंभ में ट्रोजनों ने अचेयनों को पीछे धकेल दिया, और वे मृत
व्यक्ति से भयभीत होकर पीछे हट गए। ट्रोजन किसी को भी मारने में सफल नहीं हुए, फिर भी वे शव को अपने साथ ले गए। लेकिन अचेयनों का हाथ ज़्यादा देर तक नहीं रहा, क्योंकि एजैक्स, जो पेलेउस के पुत्र के बाद कद और पराक्रम में समान रूप से दानानों में अग्रणी था, ने उन्हें शीघ्र ही एकत्रित किया और पहाड़ों पर जंगली सूअर की तरह आगे बढ़ा, जैसे कोई जंगली सूअर जंगल के मैदानों में खड़ा होकर अपने ऊपर हमला करने वाले कुत्तों और बलवान युवकों को खदेड़ देता है। ठीक इसी प्रकार, टेलमोन के पुत्र एजैक्स ने ट्रोजनों की टुकड़ियों के बीच आसानी से प्रवेश करते हुए, उन लोगों को तितर-बितर कर दिया जिन्होंने पैट्रोक्लस पर कब्जा कर लिया था और उसे अपने शहर में घसीटकर ले जाकर यश प्राप्त करने के लिए सबसे अधिक उत्सुक थे। इस समय पेलसगियन लेथस के वीर पुत्र हिप्पोथौस, हेक्टर और ट्रोजन के प्रति अपने उत्साह में, युद्ध की भीड़ में से पैट्रोक्लस के शरीर को पैर से घसीटते हुए ले जा रहे थे, उन्होंने टखने के पास की नसों पर एक पट्टा बांध रखा था; लेकिन

जल्द ही उन पर एक विपत्ति आ पड़ी जिससे उन्हें बचाने की इच्छा रखने वाले भी नहीं बच सके, क्योंकि टेलामोन के पुत्र ने आगे बढ़कर उनके कांस्य-गाल वाले हेलमेट पर प्रहार किया। पंखों वाला हेलमेट हथियार की नोक के पास टूट गया, भाले और एजैक्स के शक्तिशाली हाथ के प्रहार से, जिससे रक्त से लथपथ मस्तिष्क हेलमेट के सॉकेट से बाहर रिसने लगा। फिर उनकी शक्ति जवाब दे गई और उन्होंने पैट्रोक्लस का पैर अपने हाथ से छोड़ दिया, और वे शरीर पर पूरी तरह से गिर पड़े; इस प्रकार वे लारिसा की उपजाऊ भूमि से दूर मर गए, और अपने माता-पिता को अपने पालन-पोषण का खर्च कभी नहीं चुका सके, क्योंकि शक्तिशाली एजैक्स के भाले ने उनका जीवन असमय ही छीन लिया। फिर हेक्टर ने भाले से अजाक्स पर निशाना साधा, लेकिन अजाक्स ने भाले को आते देख ही देख लिया और बाल-बाल बच गया; भाला आगे बढ़ गया और फोसियन सेनापति, कुलीन इफिटस के पुत्र शेडियस को जा लगा, जो प्रसिद्ध पैनोपियस में रहता था और बहुत से लोगों पर शासन करता था; भाला उसकी कॉलरबोन के ठीक नीचे लगा; पीतल की नोक उसके शरीर के आर-पार निकल गई और उसके कंधे के निचले हिस्से से बाहर आ गई, और जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसका कवच खड़खड़ा उठा। अजाक्स ने भी हिप्पोथियस पर सवार कुलीन फोरसिस के पेट के बीचोंबीच भाला मारा और उसके कवच की प्लेट तोड़ दी; भाले ने उसकी आंतें चीर दीं और जैसे ही वह ज़मीन पर गिरा, उसने अपनी हथेलियों से ज़मीन को पकड़ लिया। इसके बाद हेक्टर और अग्रिम पंक्ति में मौजूद लोग पीछे हट गए, जबकि आर्गिव्स ने विजय का जोरदार नारा लगाया और फोरकिस और हिप्पोथोस के शवों को खींचकर ले गए, जिनके कवच उन्होंने तुरंत उतार दिए।
अब तक ट्रोजन वीर अचियनों से हारकर अपनी कायरता के कारण इलियस वापस खदेड़ दिए जाते, जबकि आर्गिव्स, अपने साहस और सहनशक्ति के बल पर, बृहस्पति की इच्छा के विरुद्ध भी विजय प्राप्त कर लेते, यदि अपोलो ने एपिटस के पुत्र पेरिफास के रूप में एनेस को जागृत न किया होता, जो एनेस के वृद्ध पिता की सेवा में बूढ़ा हो चुका था और सदा उनके प्रति समर्पित था। एनेस के रूप में अपोलो ने कहा, ‘एनेस, क्या तुम, भले ही स्वर्ग हमारे विरुद्ध हो, ऊँचे इलियस को नहीं बचा सकते? मैंने ऐसे लोगों को देखा है जिनकी संख्या, साहस और आत्मनिर्भरता ने बृहस्पति के विरुद्ध भी उनके लोगों की रक्षा की है, जबकि इस मामले में वह दानानों की बजाय हमें विजय दिलाना अधिक पसंद करेगा, यदि तुम इतना भयभीत होने के बजाय युद्ध करो।’

ऐनेस ने अपोलो को देखते ही पहचान लिया और हेक्टर से चिल्लाकर कहा, “हेक्टर और सभी ट्रोजन और उनके सहयोगी, अगर हम अपनी कायरता के कारण अचेयनों से हारकर इलियस वापस चले जाते हैं, तो हम पर शर्म आएगी। एक देवता अभी मेरे पास आए और उन्होंने मुझे बताया कि सर्वोच्च शासक ज़्यूस हमारे साथ होंगे। इसलिए चलो हम दानानों की ओर चलें, ताकि वे मृत पैट्रोक्लस को जहाजों में ले जाने से पहले ही बुरी तरह हार जाएं।”
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, वह दूसरों से बहुत आगे निकल गया, जो तब इकट्ठा हुए और फिर से अचेयनों का सामना करने लगे। ऐनेस ने लाइकोमेडेस के वीर अनुयायी, अरिसबस के पुत्र लेयोक्रिटस को भाले से मार डाला, और उसे गिरते देख लेयोमेडेस दया से भर गया; इसलिए वह पास गया और अपने लोगों के चरवाहे, हिप्पासुस के पुत्र एपिसन को कमर के नीचे जिगर में भाले से मार डाला, जिससे उसकी मृत्यु हो गई; वह उपजाऊ पेओनिया से आया था और एस्टेरोपियस के बाद उन सब में सबसे श्रेष्ठ था। एस्टेरोपियस उसका बदला लेने और डैनियनों पर हमला करने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका, क्योंकि पेट्रोक्लस के आसपास के लोग अपनी ढालों से अच्छी तरह सुरक्षित थे और अपने भाले अपने सामने रखे हुए थे, क्योंकि एजैक्स ने उन्हें सख्त आदेश दिया था कि कोई भी पीछे न हटे और न ही दूसरों के आगे खड़ा हो, बल्कि सभी को शरीर से सटकर रहना था और आमने-सामने की लड़ाई लड़नी थी। इस प्रकार विशालकाय एजैक्स ने उन्हें आदेश दिया, और धरती खून से लाल हो गई क्योंकि ट्रोजन और उनके सहयोगियों के साथ-साथ डैनियनों की ओर से भी लाशें एक-दूसरे पर ढेर हो गईं; क्योंकि डैनियनों ने भी रक्तहीन लड़ाई नहीं लड़ी, हालांकि उनमें से बहुत कम लोग मारे गए, क्योंकि उन्होंने एक-दूसरे की रक्षा करने और साथ खड़े रहने का पूरा ध्यान रखा था।
इस प्रकार वे एक धधकती आग की तरह लड़ रहे थे; ऐसा लग रहा था मानो सूर्य
और चंद्रमा भी मंद पड़ गए हों, क्योंकि वे उस पूरे क्षेत्र में छिपे हुए थे जहाँ वीर योद्धा मेनोटियस के मृत पुत्र के चारों ओर लड़ रहे थे, जबकि अन्य दानियन और अचियन लोग दिन के उजाले में, चारों ओर चमकीली धूप में आराम से लड़ रहे थे, और मैदान या पहाड़ पर कहीं भी बादल नहीं था। ये लोग कुछ देर आराम करते और लड़ाई रोक देते, क्योंकि वे एक-दूसरे से कुछ दूरी पर थे और एक-दूसरे के हथियारों की मारक क्षमता से बाहर थे, जबकि जो लोग युद्ध के मैदान में थे, वे युद्ध और अंधेरे दोनों से पीड़ित थे। उनमें से सभी श्रेष्ठ

योद्धा अपने कवच के भारी भार से थक रहे थे, लेकिन दो वीर योद्धाओं, थ्रेसिमेडेस और एंटिलोकस को अभी तक पेट्रोक्लस की मृत्यु की खबर नहीं मिली थी, और उनका मानना था कि वह अभी भी जीवित है और ट्रोजन के विरुद्ध अग्रिम पंक्ति का नेतृत्व कर रहा है; वे अपने साथियों की मृत्यु या हार की स्थिति में स्वयं को सुरक्षित रख रहे थे, क्योंकि नेस्टर ने उन्हें जहाजों से युद्ध में भेजते समय यही आदेश दिया था।
इस प्रकार पूरे दिन वे भयंकर युद्ध लड़ते रहे, और उनके परिश्रम का
पसीना उनके पैरों, हाथों और आँखों पर लगातार बरसता रहा, क्योंकि वे पेलेउस के पुत्र, बेड़े के सरदार के लिए लड़ रहे थे। यह ऐसा था जैसे कोई व्यक्ति अपने सैनिकों को चर्बी से लथपथ एक बड़ी बैल की खाल दे और उसे फैलाने का आदेश दे; जिस पर वे उसके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े हो जाते हैं और तब तक खींचते हैं जब तक कि उसमें से नमी निकल न जाए और चर्बी उसमें समा न जाए, और वह अच्छी तरह से फैल न जाए - ठीक इसी तरह दोनों पक्ष एक छोटे से क्षेत्र में मृत शरीर को इधर-उधर खींचते रहे - ट्रोजन उसे इलियस में घसीटने के लिए दृढ़ थे, जबकि अचेयन भी उसे अपने जहाजों में ले जाने के लिए उतने ही दृढ़ थे; और उनके बीच भयंकर लड़ाई हुई। स्वयं सेनाओं के स्वामी मार्स और यहाँ तक कि मिनर्वा भी, अपने पूरे क्रोध में भी, इस युद्ध को हल्के में नहीं ले सकते थे।
उस दिन बृहस्पति ने पैट्रोक्लस के शव के चारों ओर पुरुषों और घोड़ों
का ऐसा भयानक कोलाहल मचाया। इस बीच, अकिलीज़ को पता ही नहीं चला कि पैट्रोक्लस गिर गया है, क्योंकि लड़ाई ट्रॉय की दीवार के नीचे, जहाजों से बहुत दूर हो रही थी। इसलिए, उसे पैट्रोक्लस की मृत्यु का कोई आभास नहीं था, और उसने सोचा कि जैसे ही वह द्वार के पास पहुँचेगा, वह जीवित लौट आएगा। वह जानता था कि उसे अकेले या अपने साथ शहर को लूटना नहीं है, क्योंकि उसकी माँ ने अक्सर उसे अकेले में यह बात बताई थी, और उसने उसे महान बृहस्पति की सलाह भी दी थी। लेकिन अब, उसने उसे यह नहीं बताया था कि उसके सबसे प्रिय साथी की मृत्यु से उस पर कितना बड़ा विपत्ति आ पड़ा है।
बाकी लोग अपने नुकीले भालों से एक-दूसरे पर हमला करते रहे और एक-दूसरे
को मारते रहे। तब उनमें से एक कहता, 'मेरे मित्रों, हम जहाजों पर फिर कभी अपना चेहरा नहीं दिखाएंगे - बेहतर, और बहुत बेहतर, यह होगा कि धरती फट जाए

और हमें यहीं निगल ले, बजाय इसके कि हम ट्रोजनों को पेट्रोक्लस को अपने शहर ले जाने की जीत का जश्न मनाने दें।'
ट्रोजन भी आपस में बोले, “मित्रों, चाहे हम इस सेना के एक-एक सैनिक से
हार जाएँ, कोई भी लड़ने से पीछे न हटे।” ऐसे शब्दों से उन्होंने एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया। वे लड़ते रहे और लोहे की खनक आकाश में गूंज उठी। ऐकस के वंशज के घोड़े लड़ाई से अलग खड़े हो गए और रोने लगे जब उन्होंने सुना कि उनके सारथी को हत्यारे हेक्टर ने मार डाला है। डायोरेस के वीर पुत्र ऑटोमेडन ने उन्हें बार-बार कोड़े मारे; कई बार उसने उनसे प्यार से बात की, कई बार उन्हें फटकारा, लेकिन वे न तो विशाल हेलेस्पोंट के पानी में जहाजों पर वापस गए, न ही अचियनों के बीच युद्ध में; वे अपने रथों को स्थिर करके खड़े रहे, मानो किसी मृत पुरुष या स्त्री की कब्र पर खड़ा कोई खंभा हो, और उन्होंने अपने सिर जमीन पर झुका दिए। अपने सारथी की मृत्यु पर शोक मनाते हुए उनकी आँखों से गर्म आँसू बह रहे थे, और उनके शानदार बाल जुए के दोनों ओर लगे पट्टियों के नीचे से पूरी तरह भीग कर लटक रहे थे।
शनि के पुत्र ने उन्हें देखा और उनके दुःख पर दया आ गई। उसने अपना सिर हिलाया और मन ही मन बुदबुदाया, “बेचारे, हमने तुम्हें राजा पेलियस को क्यों सौंप दिया जो एक नश्वर है, जबकि तुम स्वयं अमर और उम्रहीन हो? क्या इसलिए कि तुम भी मानवजाति के दुःखों में भागीदार बन सको? क्योंकि पृथ्वी पर रहने और चलने वाले सभी प्राणियों में उसके समान दयनीय कोई नहीं है – फिर भी, प्रियम का पुत्र हेक्टर न तो तुम्हें चलाएगा और न ही तुम्हारे रथ को। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। इतना ही काफी है कि उसे वह कवच मिल जाए जिस पर वह इतना घमंड करता है। इसके अलावा, मैं तुम्हें हृदय और शरीर की शक्ति दूंगा ताकि तुम ऑटोमेडोन को युद्ध से सुरक्षित जहाजों तक ले जा सको, क्योंकि मैं ट्रोजनों को और आगे विजय प्राप्त करने दूंगा और उन्हें तब तक मारते रहने दूंगा जब तक वे जहाजों तक नहीं पहुँच जाते; जिसके बाद रात हो जाएगी और अंधकार धरती पर छा जाएगा।”
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उसने घोड़ों में जोश और ताकत भर दी,
जिससे उनके अयाल से धूल झाड़ दी गई और वे अपने रथ को तेजी से ट्रोजन और अचेयन के बीच चल रहे युद्ध में ले गए। उनके पीछे ऑटोमेडन अपने साथी के लिए दुखी होकर लड़ रहा था, जैसे हंसों के झुंड में एक गिद्ध। इधर-उधर, पूरी गति से वह ट्रोजनों की भीड़ में घुस गया, लेकिन अपने पूरे गुस्से के बावजूद वह

किसी को नहीं मार सका, क्योंकि रथ में अकेले होने पर वह न तो भाला चला सकता था और न ही घोड़ों को काबू में रख सकता था; आखिरकार, उसके एक साथी, लैर्सेस के पुत्र और हेमन के पोते एल्सीमेडन ने उसे देख लिया और उसके रथ के पीछे आ गया। उसने कहा, 'ऑटोमेडन, किस देवता ने तुम्हारे दिल में यह मूर्खता भर दी है और तुम्हारी बुद्धि छीन ली है कि तुम अकेले ही ट्रोजनों से अग्रिम पंक्ति में लड़ रहे हो?' जो तुम्हारा साथी था, वह मारा गया है, और हेक्टर ऐकस के वंशज के कवच से लैस होने पर गर्व महसूस कर रहा है।
डायोरेस के पुत्र ऑटोमेडन ने उत्तर दिया, 'एल्सीमेडन, अमर घोड़ों को आपके जितना कुशल ढंग से नियंत्रित और निर्देशित करने वाला कोई और नहीं है, सिवाय पैट्रोक्लस के - जब वह जीवित था - जो सलाह देने में देवताओं के समकक्ष था। तो फिर चाबुक और लगाम आप ले लीजिए, जबकि मैं रथ से उतरकर लड़ाई करता हूँ।'
एल्सीमेडोन रथ पर कूद पड़ा और चाबुक व लगाम पकड़ ली, जबकि ऑटोमेडोन रथ
से कूद गया। जब हेक्टर ने उसे देखा तो उसने पास खड़े ऐनेस से कहा, “ऐनेस, कवचधारी ट्रोजनों के सलाहकार, मैं ऐकस के तेजतर्रार पुत्र के घोड़ों को युद्ध में कमजोर हाथों से आते देख रहा हूँ। मुझे पूरा विश्वास है, अगर तुम ठीक से सोचो, तो हम उन्हें हरा सकते हैं; अगर हम दोनों मिलकर उन पर हमला करें तो वे हमारा सामना करने की हिम्मत नहीं करेंगे।”
एंकीसेस का वीर पुत्र भी यही सोच रहा था, और वे दोनों आगे बढ़ते रहे, उनके कंधे कठोर, सूखी बैल की खाल से बनी ढालों से ढके हुए थे, जिन पर कांसे की मोटी परत चढ़ी हुई थी। क्रोमियस और एरेटस भी उनके साथ गए, और उनके दिल आशा से धड़क रहे थे कि वे सैनिकों को मार गिराएंगे और घोड़ों पर कब्जा कर लेंगे – लेकिन वे मूर्ख थे, क्योंकि ऑटोमेडोन से हुई उनकी मुलाकात से वे बिना किसी नुकसान के नहीं लौट सके। ऑटोमेडोन ने पिता बृहस्पति से प्रार्थना की और तुरंत ही साहस और शक्ति से भर गया। उसने अपने भरोसेमंद साथी एल्सीमेडोन की ओर मुड़कर कहा, ‘एल्सीमेडोन, अपने घोड़ों को इतना पास रखो कि मैं उनकी सांस अपनी पीठ पर महसूस कर सकूं; मुझे संदेह है कि हम प्रियम के पुत्र हेक्टर को तब तक रोक पाएंगे जब तक वह हमें मार न डाले और घोड़ों के पीछे न चढ़ जाए; तब वह या तो अचेयनों की सेना में दहशत फैलाएगा, या खुद सबसे आगे वालों के बीच मारा जाएगा।’

इस पर उसने अयाक्स और मेनेलास से पुकार कर कहा, “आर्गिवों के
सेनापतियों, अयाक्स और मेनेलास, इस मृत शरीर को उनकी रक्षा करने में सक्षम लोगों के हवाले कर दो और हम जीवितों की रक्षा के लिए आओ; क्योंकि हेक्टर और एनियास, जो ट्रोजनों में दो सर्वश्रेष्ठ योद्धा हैं, युद्ध की भयंकर लहर में हम पर भारी दबाव बना रहे हैं। फिर भी, परिणाम स्वर्ग के हाथ में है, इसलिए मैं अपना भाला फेंकूँगा और शेष कार्य बृहस्पति पर छोड़ दूँगा।” बोलते-बोलते ही उसने भाला चलाया, जो एरेटस की गोल ढाल से टकराया और ढाल
के न रुकने के कारण आर-पार हो गया। भाला उसकी कमर से होते हुए उसके पेट के निचले हिस्से में जा घुसा। जैसे कोई बलवान युवक कुल्हाड़ी हाथ में लिए बैल के सींगों के पीछे वार करता है और उसकी गर्दन के पिछले हिस्से की नसों को काट देता है, जिससे बैल उछलकर गिर जाता है, ठीक वैसे ही एरेटस ने एक छलांग लगाई और पीठ के बल गिर पड़ा – भाला उसके शरीर में तब तक कांपता रहा जब तक कि उसने उसे मार नहीं डाला। फिर हेक्टर ने ऑटोमेडन पर भाला चलाया, लेकिन ऑटोमेडन ने उसे आते देख लिया और उससे बचने के लिए आगे झुक गया, जिससे भाला उसके पास से निकल गया और उसका सिरा जमीन में धंस गया, जबकि भाले का पिछला सिरा तब तक कांपता रहा जब तक कि मंगल ग्रह ने उसकी शक्ति छीन नहीं ली। अगर दोनों अजाक्स अपने साथी की पुकार सुनकर भीड़ में से रास्ता बनाते हुए न आते और अपनी पूरी ताकत से उन्हें अलग न करते, तो वे तलवारों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ते। हेक्टर, एनियास और क्रोमियस डर गए और पीछे हट गए, जिससे एरेटस वहीं दिल में घायल पड़ा रह गया। फिर तेजतर्रार मार्स के समकक्ष ऑटोमेडन ने उसका कवच उतार दिया और उस पर गर्व करते हुए कहा, 'मैंने मेनोटियस के बेटे के लिए अपने दुख को कम करने के लिए कुछ खास नहीं किया है, क्योंकि जिसे मैंने मारा है वह उतना अच्छा नहीं है जितना वह था।'
बोलते हुए उसने खून से सने लूटे हुए सामान को उठाया और अपने रथ पर रख दिया; फिर वह अपने हाथों और पैरों में खून से लथपथ होकर रथ पर सवार हो गया, ठीक वैसे ही जैसे कोई शेर बैल को खाकर भागा हो।
और अब पैट्रोक्लस के चारों ओर एक बार फिर भयंकर, कराहती हुई लड़ाई छिड़ गई, क्योंकि मिनर्वा स्वर्ग से नीचे उतरी और दूरदर्शी ज़्यूस के आदेश पर, जिसने अपना मन बदल लिया था और उसे दानानों को प्रोत्साहित करने के लिए भेजा था, उसने उस लड़ाई को और भी उग्र बना दिया। जैसे ज़्यूस स्वर्ग में अपना चमकीला धनुष झुकाकर मानव जाति को युद्ध या उन बर्फीले तूफानों का

संकेत देता है जो मनुष्यों को उनके काम से रोक देते हैं और भेड़ों को विपत्ति में डाल देते हैं – ठीक वैसे ही, ऐसे ही तेजस्वी वस्त्रों में लिपटी हुई, मिनर्वा सेना के बीच गई और एक-एक करके सभी से बात की। सबसे पहले उसने फीनिक्स का रूप और आवाज धारण की और एट्रेस के पुत्र मेनेलास से बात की, जो उसके पास खड़ा था। उसने कहा, ‘मेनेलास, यह तुम्हारे लिए शर्म और अपमान की बात होगी, यदि कुत्ते अकिलीज़ के इस महान साथी को ट्रॉय की दीवारों के नीचे नोंच डालें। इसलिए दृढ़ रहो, और अपने सैनिकों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करो।’
मेनेलास ने उत्तर दिया, “मेरे प्रिय मित्र फीनिक्स, मिनर्वा मुझे
शक्ति प्रदान करें और बाणों से मेरी रक्षा करें, क्योंकि मैं पैट्रोक्लस के साथ खड़ा होकर उसकी रक्षा करूँगा; उसकी मृत्यु से मेरा हृदय क्षोभित है, परन्तु हेक्टर प्रचंड अग्नि के समान है और निरंतर प्रहार करता रहता है, क्योंकि बृहस्पति अब उसे विजय का समय प्रदान कर रहा है।”
मिनर्वा इस बात से प्रसन्न हुई कि उसने अन्य देवताओं से पहले स्वयं का नाम लिया था। इसलिए उसने उसके घुटनों और कंधों को शक्ति प्रदान की और उसे मक्खी की तरह साहसी बना दिया, जो भगाए जाने पर भी वापस आकर मौका मिलते ही काट लेती है, क्योंकि उसे मनुष्य का रक्त इतना प्रिय होता है। ठीक इसी तरह उसने उसे साहसी बना दिया जब वह पैट्रोक्लस के ऊपर खड़ा होकर अपना भाला फेंक रहा था। ट्रोजनों में एइटियन का पुत्र पोडेस नाम का एक व्यक्ति था, जो धनी और वीर दोनों था। हेक्टर उसका बहुत सम्मान करता था क्योंकि वह उसका साथी और घनिष्ठ मित्र था। मेनेलास का भाला उस व्यक्ति की कमर में ठीक उसी समय लगा जब वह भागते हुए मुड़ा था, और भाला उसके आर-पार हो गया। वह धड़ाम से आगे की ओर गिर पड़ा, और एट्रेस के पुत्र मेनेलास ने उसके शरीर को ट्रोजनों से अलग करके अपने लोगों की सेना में शामिल कर लिया।
फिर अपोलो हेक्टर के पास गया और उसे युद्ध के लिए उकसाया, एबिडोस में रहने वाले और हेक्टर के सभी मेहमानों में सबसे प्रिय एसियस के पुत्र फेनोप्स के रूप में। फेनोप्स के रूप में अपोलो ने कहा, 'हेक्टर, अब जब तुम मेनेलास के सामने कांप गए हो, जिसे हमेशा से ही एक सैनिक के रूप में कमतर आंका गया है, तो अचेयनों में से कौन तुमसे डरेगा? फिर भी उसने अकेले ही ट्रोजनों से एक शव छीन लिया है, और तुम्हारे सच्चे साथी, सबसे बहादुर योद्धाओं में से एक, ईटियन के पुत्र पोडेस को मार डाला है।'

दृष्टि ने अपने अनुयायियों की विशाल सेना पर यह देखने के लिए चक्कर लगाया कि क्या नेस्टर का पुत्र अभी जीवित है। तभी मेनेलास ने उसे युद्ध के मैदान के एकदम बाईं ओर अपने सैनिकों का उत्साहवर्धन करते और उन्हें बहादुरी से लड़ने के लिए प्रेरित करते हुए देखा। मेनेलास उसके पास गया और बोला, ‘एंटीलोकस, इधर आओ और एक दुखद समाचार सुनो, जो वास्तव में असत्य होता तो अच्छा होता। तुम्हें अपनी आँखों से देखना होगा कि स्वर्ग दानानियों पर विपत्ति ला रहा है और ट्रोजनों को विजय दिला रहा है। पैट्रोक्लस मारा गया है, जो अचेयनों में सबसे वीर था, और दानानियों को उसकी बहुत कमी खलेगी।’ तुरंत जहाजों की ओर दौड़ो और अकिलीज़ को बताओ, ताकि वह आकर शव को बचा ले और उसे जहाजों तक ले जाए। कवच की बात करें तो, वह पहले से ही हेक्टर के पास है। एंटिलोकस भयभीत हो गया। काफी देर तक वह अवाक रहा; उसकी आँखों में आँसू
भर आए और वह कुछ बोल नहीं पा रहा था, लेकिन उसने मेनेलास के कहे अनुसार ही किया और जैसे ही उसने अपना कवच अपने साथी लाओडोकस को दिया, जो अपने घोड़ों को घुमाकर उसके ठीक बगल में आ रहा था, वह दौड़ने लगा।
इसलिए, वह मैदान से रोते हुए भागा, ताकि पेलेउस के पुत्र अकिलीज़ को
बुरी खबर दे सके। हे मेनेलाउस, जब एंटिलोकस ने पाइलियनों को छोड़ दिया, तो तुम उसके परेशान साथियों की मदद करने के लिए उत्सुक नहीं थे – और वे उसे बहुत याद कर रहे थे – बल्कि उसने उनके पास वीर थ्रासीमेडेस को भेजा और स्वयं पेट्रोक्लस के पास लौट गया। वह दोनों अजाक्स के पास दौड़कर आया और बोला, ‘मैंने एंटिलोकस को जहाजों पर अकिलीज़ को बताने के लिए भेजा है, लेकिन हेक्टर पर चाहे जितना भी क्रोध करे, वह नहीं आ सकता, क्योंकि वह कवच के बिना लड़ नहीं सकता। तो फिर मृतकों को बचाने और ट्रोजनों के युद्ध-घोष के बीच अपनी जान बचाने के लिए हमारी सबसे अच्छी योजना क्या होगी?’ एजैक्स ने उत्तर दिया, 'मेनेलास, तुमने ठीक कहा: तो तुम और मेरियोनेस झुककर शव को उठाओ और उसे युद्धक्षेत्र से बाहर ले जाओ, जबकि हम दोनों तुम्हारे पीछे रहकर हेक्टर और ट्रोजनों को रोके रखेंगे, हम नाम और दिल से एक हैं और एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के आदी हैं।'
इस पर मेनेलाउस और मेरियोनेस ने मृत व्यक्ति को अपनी बाहों में उठाया और बड़ी मुश्किल से उसे ऊपर उठा लिया। जब ट्रोजन सेना ने अचेयनों को शव ले जाते देखा, तो वे पीछे से शोर मचाने लगे और उनके पीछे ऐसे दौड़े जैसे शिकारी कुत्तों का झुंड घायल सूअर पर टूट पड़ता है। कुछ देर तक कुत्ते उस

पर ऐसे झपटे मानो उसे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे, लेकिन वह बार-बार क्रोध में उन पर पलटवार करता, उन्हें डराकर इधर-उधर भगा देता। ट्रोजन भी कुछ देर तक एक साथ हमला करते रहे, तलवारों और दोनों सिरों पर नुकीले भालों से वार करते रहे, लेकिन जब दोनों अजाक्स उनके सामने खड़े हो गए, तो वे पीले पड़ गए और किसी ने भी मृत व्यक्ति के बारे में आगे लड़ने की हिम्मत नहीं की।
इस प्रकार दोनों वीरों ने अपनी पूरी शक्ति लगाकर पैट्रोक्लस के शव को युद्धक्षेत्र से निकालकर जहाजों तक पहुँचाया। उनके चारों ओर युद्ध भयंकर लपटों की तरह भड़क रहा था, जो एक बार भड़क उठें तो शहर में जंगल की आग की तरह फैल जाती हैं और घर उसकी जलती हुई रोशनी में ढह जाते हैं। ठीक इसी प्रकार, पैट्रोक्लस को युद्धक्षेत्र से ले जाते समय उनका पीछा कर रहे पुरुषों और घोड़ों का शोर और पदचाप मची हुई थी। या जैसे खच्चर अपनी पूरी ताकत लगाकर किसी भारी लकड़ी या जहाज के बड़े टुकड़े को ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते से नीचे खींचते हैं और हाँफते-पसीना बहाते हुए आगे बढ़ते हैं। ठीक इसी प्रकार मेनेलास और मेरियोनेस पैट्रोक्लस के शव को ले जाते समय हाँफते- पसीना बहा रहे थे। उनके पीछे दोनों अजाक्स सैनिक डटे रहे। जैसे किसी मैदान में फैली हुई घने जंगलों वाली पहाड़ी श्रृंखला पानी को मोड़कर किसी बड़ी नदी के प्रवाह को भी रोक देती है, और कोई भी धारा इतनी शक्तिशाली नहीं होती कि उसे भेद सके – ठीक वैसे ही दोनों अजाक्स ने ट्रोजनों का सामना किया और उनकी बढ़ती हुई आक्रमणकारी शक्ति को रोक दिया, जबकि वे लगातार उनकी ओर बढ़ते जा रहे थे – और उन सबमें सबसे आगे एंचीज़ का पुत्र ऐनेस और वीर हेक्टर थे। जैसे कौवों या सारसों का झुंड बाज को, जो सभी छोटे पक्षियों का शत्रु होता है, अपने पास उड़ते हुए देखकर चीखने-चिल्लाने लगता है, ठीक वैसे ही अचेयन युवकों ने ऐनेस और हेक्टर के सामने भागते हुए चीख-पुकार मचा दी, वे अपनी पिछली वीरता को भूल चुके थे। दानानियों की हार में खाई के चारों ओर बहुत से उत्तम कवच गिर पड़े, और लड़ाई का कोई अंत नहीं था।

पुस्तक 18

पैट्रोक्लस के लिए अकिलीज़ का शोक - थेतिस का वल्कन से मिलना और वह
कवच जो वल्कन ने अकिलीज़ के लिए बनाया था।
इस प्रकार वे मानो धधकती आग से लड़ रहे थे। इसी बीच, दूत बनकर भेजा गया जहाज़ी नाविक एंटिलोकस, अकिलीज़ के पास पहुँचा और उसे अपने ऊँचे जहाज़ों के पास बैठा हुआ पाया, जो उस बात की आशंका जता रहा था जो सचमुच सच होने वाली थी। भारी मन से उसने मन कहा, ‘हाय, अकेयन फिर से मैदान में क्यों उतर आए हैं और जहाज़ों की ओर क्यों बढ़ रहे हैं? हे भगवान, अब मुझ पर वह विपत्ति न आने दें जिसके विषय में मेरी माता थेतिस ने कहा था कि मेरे जीवित रहते हुए मर्मिडों में सबसे वीर भी ट्रोजन के सामने गिर जाएगा और सूर्य का प्रकाश फिर कभी नहीं देख पाएगा। मुझे डर है कि मेनोटियस का वीर पुत्र अपने ही दुस्साहस के कारण मारा गया है – और फिर भी मैंने उसे आदेश दिया था कि जैसे ही वह आग बरसाने वालों को खदेड़ दे, जहाज़ों पर लौट जाए, और हेक्टर से युद्ध न करे।’
जब वह इस तरह सोच-विचार कर रहा था, तभी नेस्टर का पुत्र उसके पास आया और फूट-फूटकर रोते हुए अपनी दुखभरी कहानी सुनाई। “हाय, हे महान पेलेउस के पुत्र, मैं तुम्हें बुरी खबर लाया हूँ, काश ये झूठी होती। पैट्रोक्लस गिर गया है, और उसके नंगे शरीर के चारों ओर लड़ाई छिड़ी हुई है – क्योंकि हेक्टर ने उसका कवच पकड़ रखा है।”
जब अकिलीज़ ने ये सब सुना, तो उस पर दुख का गहरा बादल छा गया। उसने अपने दोनों हाथों में ज़मीन की धूल भर ली और उसे अपने सिर पर डाल लिया, जिससे उसका सुंदर चेहरा बिगड़ गया और धूल उसकी नई और सुंदर कमीज़ पर जम गई। वह पूरी तरह से ज़मीन पर गिर पड़ा और अपने बालों को हाथों से नोचने लगा। अकिलीज़ और पेट्रोक्लस द्वारा बंदी बनाई गई दासियाँ दुख से चीखने लगीं, अपने सीने पीटने लगीं और उनके अंग शोक से कांपने लगे। एंटिलोकस उसके ऊपर झुका हुआ था, रो रहा था और उसके दोनों हाथ पकड़े हुए था, क्योंकि वह दर्द से कराह रहा था और उसे डर था कि कहीं वह खुद को चाकू न मार ले। तभी अकिलीज़ ने

ज़ोर से चीख मारी और उसकी माँ ने उसे सुना, जो अपने पिता के पास समुद्र की गहराई में बैठी थी। वह चीख पड़ी और समुद्र की तलहटी में रहने वाली नीरियस की सभी देवियाँ उसके चारों ओर जमा हो गईं। वहाँ ग्लौस, थालिया और सिमोडोस, नेसाइया, स्पियो, थोए और काली आँखों वाली हाली, सिमोथोए, एक्टेया और लिम्नोरिया, मेलिट, इएरा, एम्फिथोए और अगेव, डोटो और प्रोटो, फेरुसा और डायनामेन, डेक्सामेन, एम्फिनोम और कैलियानेरा, डोरिस, पैनोप और प्रसिद्ध समुद्री अप्सरा गैलाटिया, नेमेर्टेस, एप्स्यूड्स और कैलियानासा थीं। वहाँ क्लीमेन, इएनेरा और इएनासा, मैरा, ओरेथुइया और सुंदर बालों वाली अमाथिया, और समुद्र की गहराइयों में रहने वाली अन्य नेरीड्स भी थीं। क्रिस्टल गुफा उनकी भीड़ से भरी हुई थी और वे सभी अपने सीने पीट रही थीं जबकि थेतिस उनके विलाप का नेतृत्व कर रही थी।
‘सुनो,’ वह रोते हुए बोली, ‘बहनों, नेरियस की पुत्रियों, मेरे दुखों का सार सुनो। हाय, मुझ पर कितना दुख है, इस बात का दुख कि मैंने सबसे गौरवशाली संतान को जन्म दिया। मैंने उसे सुंदर और बलवान, वीरों में वीर, जन्म दिया और वह एक नन्हे पौधे की तरह फला-फूला; मैंने उसकी देखभाल एक सुंदर बगीचे में पौधे की तरह की और उसे उसके जहाजों के साथ ट्रोजन से लड़ने के लिए इलियस भेजा, लेकिन मैं उसे कभी भी पेलियस के घर में वापस नहीं लाऊंगी। जब तक वह सूर्य के प्रकाश को देखता रहेगा, वह गहरे दुख में डूबा रहेगा, और यद्यपि मैं उसके पास जाऊं, मैं उसकी सहायता नहीं कर सकती। फिर भी मैं जाऊंगी, ताकि मैं अपने प्रिय पुत्र को देख सकूं और जान सकूं कि उस पर क्या विपत्ति आई है, यद्यपि वह अभी भी युद्ध से दूर है।’
बोलते-बोलते वह गुफा से निकल गई, जबकि बाकी लोग रोते हुए उसके पीछे-
पीछे चले और लहरों ने उनके लिए रास्ता बना दिया। जब वे ट्रॉय के उपजाऊ मैदान में पहुँचे, तो वे समुद्र से निकलकर एक लंबी कतार में रेत पर आ गए, उस जगह पर जहाँ मर्मिडों के जहाज अकिलीज़ के तंबुओं के चारों ओर कतार में खड़े थे। उसकी माँ उसके पास गई, जब वह कराह रहा था; उसने अपना हाथ उसके सिर पर रखा और दयनीय स्वर में बोली, ‘मेरे बेटे, तुम इस तरह क्यों रो रहे हो? अब तुम पर क्या दुख आ पड़ा है? मुझे बताओ; मुझसे मत छुपाओ। निश्चय ही बृहस्पति ने तुम्हारी प्रार्थना सुन ली होगी, जब तुमने हाथ उठाकर उससे विनती की थी कि सभी अकेयन अपने जहाजों पर ही रहें और इस बात का गहरा दुःख मनाएँ कि तुम अब उनके साथ नहीं हो।’

अकिलीज़ कराहते हुए बोला, “माँ, ओलंपियन ज़्यूस ने मेरी प्रार्थना तो पूरी कर दी, पर इसका क्या लाभ, जब मेरा प्रिय साथी पेट्रोक्लस मर गया – जिसे मैं सबसे अधिक महत्व देता था और अपने जीवन के समान प्रिय मानता था? मैंने उसे खो दिया; हाँ, और हेक्टर ने जब उसे मारा तो उसका वह अद्भुत कवच भी छीन लिया, जो देखने में इतना शानदार था, जिसे देवताओं ने पेलियस को तब दिया था जब उन्होंने आपको नश्वर के पलंग पर लिटाया था। काश आप अभी भी अमर सागर-अप्सराओं के बीच निवास कर रही होतीं और पेलियस ने किसी नश्वर दुल्हन को अपना जीवनसाथी बना लिया होता। अब आपको उस पुत्र की मृत्यु के कारण असीम दुःख होगा जिसका आप कभी घर में स्वागत नहीं कर सकतीं – बल्कि, मैं तब तक न तो जीवित रहूँगा और न ही मनुष्यों के बीच घूमूँगा जब तक हेक्टर मेरे भाले से न मारा जाए और इस प्रकार मेनोटियस के पुत्र पेट्रोक्लस को मारने का मुझे प्रायश्चित न कर दे।”
थेतिस रोते हुए बोली, 'तो फिर, मेरे बेटे, तुम्हारा अंत निकट है -
क्योंकि हेक्टर की मृत्यु के तुरंत बाद तुम्हारी भी मृत्यु होने वाली है।' तब अकिलीज़ ने अपने गहरे शोक में कहा, “मैं यहीं और अभी मर जाना चाहता हूँ, क्योंकि मैं अपने साथी को नहीं बचा सका। वह अपने घर से बहुत दूर गिर गया है, और उसकी ज़रूरत के समय मेरा हाथ उसकी मदद के लिए वहाँ नहीं था। मेरे लिए क्या बचा है? मैं अपने देश नहीं लौट पाऊँगा, और न ही मैं पेट्रोक्लस को बचा पाया हूँ, न ही अपने उन साथियों को, जिनमें से कई शक्तिशाली हेक्टर के हाथों मारे गए हैं; मैं यहाँ अपने जहाजों के पास पृथ्वी पर एक बेकार बोझ बनकर पड़ा हूँ, मैं, जो अचेयनों में युद्ध में अतुलनीय हूँ, यद्यपि परिषद में मुझसे बेहतर लोग हैं। इसलिए, देवताओं और मनुष्यों के बीच का कलह और क्रोध, जो एक धर्मी व्यक्ति को भी कठोर बना देता है – जो मनुष्य की आत्मा में धुएँ की तरह उठता है, और जिसका स्वाद शहद की बूंदों से भी मीठा होता है – नष्ट हो जाए। ठीक इसी तरह एगामेम्नन ने मुझे क्रोधित किया है। और फिर भी – ऐसा ही हो, क्योंकि यह सब समाप्त हो चुका है; मैं अपनी आत्मा को वश में करूँगा जैसा कि आवश्यक है; मैं जाऊँगा।” मैं हेक्टर का पीछा करूँगा जिसने मेरे प्रियतम को मार डाला है, और फिर जब बृहस्पति और अन्य देवता मुझे मृत्युदंड देंगे, तब मैं उसे स्वीकार करूँगा। यहाँ तक कि बृहस्पति के सबसे प्रिय हरक्यूलिस भी मृत्यु के चंगुल से नहीं बच सके, लेकिन भाग्य और जूनो के प्रचंड क्रोध ने उन्हें भी पराजित

कर दिया, ठीक वैसे ही जैसे मरने के बाद मेरा भी यही हाल होगा। तब तक मैं यश अर्जित करूँगा, और ट्रोजन और डार्डान की स्त्रियों को अपने गहरे दुःख में अपने कोमल गालों से आँसू निचोड़ने के लिए प्रेरित करूँगा; इस प्रकार वे जान जाएँगी कि जो इतने लंबे समय तक दूर रहा है, वह अब और दूर नहीं रहेगा। इसलिए, अपने प्रेम से मुझे मत रोको, क्योंकि तुम मुझे विचलित नहीं कर पाओगे।
तब चांदी के पैरों वाली थेतिस ने उत्तर दिया, “मेरे पुत्र, तुमने जो
कहा वह सत्य है। अपने साथियों को विनाश से बचाना अच्छा है, परन्तु तुम्हारा कवच ट्रोजनों के हाथ में है; हेक्टर उसे विजयोत्सव में अपने कंधों पर उठाए हुए है। मैं भली-भांति जानती हूँ कि उसका घमंड क्षणिक है, क्योंकि उसका अंत निकट है; परन्तु जब तक तुम मुझे यहाँ लौटते हुए न देख लो, तब तक युद्ध के मैदान में मत जाना; कल सुबह सूर्योदय होते ही मैं यहाँ आ जाऊँगी और राजा वल्कन से तुम्हारे लिए उत्तम कवच लाऊँगी।”
इस पर उसने अपने वीर पुत्र को वहीं छोड़ दिया और मुड़ते हुए अपनी
बहनों, समुद्र-अप्सराओं से कहा, “समुद्र की गोद में गोता लगाओ और मेरे पिता, वृद्ध समुद्र-देवता के घर जाओ। उन्हें सब कुछ बताओ; मैं तो ओलंपस पर्वत पर स्थित कुशल कारीगर वल्कन के पास जाऊंगी और उनसे अपने पुत्र के लिए एक शानदार कवच बनवाने का अनुरोध करूंगी।”
जब उसने ऐसा कहा, तो वे तुरंत लहरों के नीचे गोता लगा गए, जबकि चांदी के पैरों वाली थेतिस अपने बेटे के लिए कवच लाने के लिए अपने रास्ते चली गई। इस प्रकार, उसके पैर देवी को ओलंपस तक ले गए, और इस बीच अचेयन लोग
हत्यारे हेक्टर से चीखते-चिल्लाते हुए जहाजों और हेलेस्पोंट तक भागते रहे, और वे मार्स के सेवक पेट्रोक्लस के शरीर को उस पर बरसाए जा रहे हथियारों की पहुँच से बाहर नहीं निकाल सके, क्योंकि प्रियम के पुत्र हेक्टर ने अपनी सेना और घुड़सवारों के साथ एक धधकती भट्टी की लौ की तरह उसे फिर से पकड़ लिया था; वीर हेक्टर ने तीन बार उसके पैर पकड़े, उसे खींचकर ले जाने के लिए पूरी ताकत से प्रयास किया और ट्रोजनों को जोर से पुकारा, और तीन बार वीरता से लदे दो एजैक्स ने उसे शरीर से अलग किया; लेकिन वह निडर होकर कभी युद्ध के मैदान में कूद पड़ता, कभी फिर रुककर जोर से चिल्लाता, लेकिन पीछे हटने को तैयार नहीं होता। जिस प्रकार पहाड़ी चरवाहे किसी भूखे

शेर को शव से नहीं भगा सकते, उसी प्रकार दोनों एजैक्स प्रियम के पुत्र हेक्टर को पेट्रोक्लस के शव से नहीं डरा सके।
और अब तो वह उसे घसीटकर ले जाता और अमर यश प्राप्त कर लेता, यदि हवा के समान तेज आइरिस, ओलंपस से दूत बनकर पेलियस के पुत्र के पास न आती और उसे हथियार उठाने का आदेश न देती। वह बृहस्पति और अन्य देवताओं की जानकारी के बिना गुप्त रूप से आई, क्योंकि जूनो ने उसे भेजा था, और जब वह उसके पास पहुँची तो उसने कहा, 'उठो, पेलियस के पुत्र, समस्त मानव जाति में सर्वोपरि; पेट्रोक्लस को बचाओ जिसके चारों ओर जहाजों के पास यह भयंकर युद्ध चल रहा है। लोग एक-दूसरे को मार रहे हैं, दानावासी मृत शरीर की रक्षा में, जबकि ट्रोजन उसे घसीटकर ले जाने और हवादार इलियस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं: हेक्टर उनमें सबसे उग्र है; वह शरीर से सिर काटकर दीवार के खंभों पर टांगना चाहता है। इसलिए उठो, और यहाँ और मत ठहरो; इस विचार से विरक्ति करो कि पेट्रोक्लस ट्रॉय के कुत्तों का भोजन बन जाए। तुम पर धिक्कार हो, यदि उसके शरीर के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार हुआ।'
और अकिलीज़ ने कहा, 'आइरिस, वह कौन सा देवता था जिसने तुम्हें मेरे पास भेजा?'
आइरिस ने उत्तर दिया, 'यह बृहस्पति की शाही पत्नी जूनो थी, लेकिन शनि के पुत्र को मेरे आने की जानकारी नहीं है, और न ही ओलंपस के बर्फीले शिखरों पर निवास करने वाले किसी अन्य अमर प्राणी को।'
तब तेजतर्रार अकिलीज़ ने उससे कहा, “मैं युद्ध में कैसे जा सकता हूँ? उन्होंने मेरा कवच ले लिया है। मेरी माँ ने मुझे तब तक हथियार उठाने से मना किया है जब तक मैं उसके आने का इंतज़ार न करूँ, क्योंकि उसने वल्कन से मेरे लिए उत्तम कवच लाने का वादा किया था; मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जिसके हथियार मैं पहन सकूँ, सिवाय टेलमोन के पुत्र एजैक्स की ढाल के, और वह निश्चित रूप से अग्रिम पंक्ति में लड़ रहा होगा और मृत पेट्रोक्लस के शरीर के चारों ओर अपना भाला चला रहा होगा।”
आइरिस ने कहा, “हम जानते हैं कि तुम्हारा कवच छीन लिया गया है, लेकिन
तुम जैसे हो वैसे ही जाओ; गहरी खाई में जाओ और ट्रोजनों के सामने खुद को प्रकट करो, ताकि वे तुमसे डरें और लड़ना बंद कर दें। इस तरह अचेयनों के कमजोर बेटों को कुछ पल की राहत मिलेगी, जो युद्ध में शायद ही कभी मिल पाती है।”

आइरिस ने ऐसा कहकर उसे छोड़ दिया। लेकिन बृहस्पति के प्रिय अकिलीज़
उठे, और मिनर्वा ने अपना झालरदार वस्त्र उनके मजबूत कंधों पर डाल दिया; उन्होंने उनके सिर को सुनहरे बादलों के प्रभामंडल से सुशोभित किया, जिससे चमकती हुई आग की एक लौ प्रज्वलित हुई। जैसे किसी दूर समुद्र में स्थित द्वीप पर घिरे शहर से धुआँ आकाश में उठता है - दिन भर लोग शहर से निकलकर अपनी पूरी ताकत से लड़ते हैं, और सूर्यास्त के समय मशालों की कतारें प्रज्वलित होकर ऊँची उठती हैं, ताकि आस-पास रहने वाले लोग उन्हें देख सकें, ताकि वे अपने जहाजों के साथ आकर उनकी सहायता कर सकें - ठीक उसी प्रकार अकिलीज़ के सिर से प्रकाश निकला, जब वह खाई के किनारे दीवार के पार खड़ा था - लेकिन वह अचेयनों से नहीं मिला क्योंकि उसने अपनी माँ के आदेश का पालन किया।
वहाँ वह खड़ा होकर ज़ोर से चिल्लाया। मिनर्वा ने भी दूर से अपनी आवाज़ बुलंद की और ट्रोजनों में अकल्पनीय भय फैला दिया। तुरही की ध्वनि की तरह गूंजती हुई, जो शत्रु के शहर के द्वार पर होने पर चेतावनी देती है, ऐकस के पुत्र की आवाज़ इतनी निर्भीक थी कि जब ट्रोजनों ने उसकी प्रज्वलित ध्वनि सुनी तो वे भयभीत हो गए; घोड़े अपने रथों के साथ वापस मुड़ गए क्योंकि उन्हें अपशगुन का आभास हुआ, और उनके सारथी उस स्थिर लौ को देखकर भयभीत हो गए जिसे धूसर आँखों वाली देवी ने पेलियस के महान पुत्र के सिर के ऊपर प्रज्वलित किया था।
खाई के किनारे खड़े होकर अकिलीज़ ने तीन बार ज़ोर से पुकारा, और तीनों बार ट्रोजन और उनके वीर सहयोगी घबरा गए; जिसके परिणामस्वरूप उनके बारह सबसे वीर योद्धा अपने रथों के पहियों के नीचे आ गिरे और अपने ही भालों से मारे गए। तब अचेयन लोगों ने बड़ी खुशी के साथ पैट्रोक्लस को हथियारों की पहुँच से दूर खींच लिया और उसे पालकी पर लिटा दिया: उसके साथी उसके चारों ओर शोक मना रहे थे, और उनमें फुर्तीला अकिलीज़ भी था जो अपने सच्चे साथी को शवगृह पर मृत देखकर फूट-फूटकर रो रहा था। उसने उसे घोड़ों और रथों के साथ युद्ध में भेजा था, लेकिन उसकी वापसी का स्वागत नहीं हुआ।
तब जूनो ने व्यस्त सूर्य को, यद्यपि वह अनिच्छुक था, ओशेनस के जल में
भेज दिया; इस प्रकार वह अस्त हो गया, और अचेयनों को युद्ध की खींचतान और उथल-पुथल से विश्राम मिला।

अब जब ट्रोजन युद्ध से बाहर आ गए, तो उन्होंने अपने घोड़ों को जोतकर भोजन की तैयारी करने से पहले सभा में एकत्र हुए। वे खड़े रहे, और कोई भी बैठने की हिम्मत नहीं कर रहा था, क्योंकि उन सभी पर भय छा गया था, क्योंकि इतने लंबे समय तक युद्ध से दूर रहने के बाद अकिलीज़ प्रकट हो गया था। पैंथोस के पुत्र पोलिदमस ने सबसे पहले बोलना शुरू किया, जो एक बुद्धिमान व्यक्ति था और उनमें से अकेला ऐसा था जो भविष्य और भविष्य दोनों को देख सकता था। वह हेक्टर का साथी था, और वे दोनों एक ही रात पैदा हुए थे; इसलिए, पूरी ईमानदारी और सद्भावना के साथ, उसने उन्हें इस प्रकार संबोधित किया: मेरे मित्रों, इस पर ध्यान दें; मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अभी अपने शहर लौट जाएँ और यहाँ सुबह तक जहाजों के पास प्रतीक्षा न करें, क्योंकि हम अपनी दीवारों से बहुत दूर हैं। जब तक यह व्यक्ति एगामेम्नन का शत्रु था, तब तक अचेयनों से निपटना आसान था, और मैं खुशी-खुशी जहाजों के पास डेरा डाले रहता, इस उम्मीद में कि हम उन पर कब्जा कर लेंगे; लेकिन अब मैं पेलेउस के तेजतर्रार पुत्र से बहुत भयभीत हूँ; वह इतना साहसी है कि वह उस मैदान में कभी नहीं रुकेगा जहाँ ट्रोजन और अचेयन समान वीरता से लड़ रहे हैं, बल्कि वह हमारे शहर पर हमला करने और हमारी महिलाओं को अगवा करने की कोशिश करेगा। इसलिए जैसा मैं कहता हूँ वैसा ही करें, और हम पीछे हट जाएँ। क्योंकि यही होगा। रात का अंधेरा कुछ समय के लिए पेलेउस के पुत्र को रोके रखेगा, लेकिन अगर वह सुबह हमें यहाँ पूरे कवच में निकलते हुए पा लेता है, तो हमें उसके बारे में अच्छी तरह पता चल जाएगा। जो बचकर इलियस वापस लौट सकेगा, वह सचमुच खुश होगा, और कई ट्रोजन कुत्तों और गिद्धों का भोजन बन जाएँगे - काश मैं यह कभी न देखूँ। अगर हम मेरी बात मानें, भले ही हमें यह पसंद न हो, तो रात में हमें सलाह-मशविरा करने की शक्ति मिलेगी, और बड़े द्वार और उन्हें बंद करने वाले दरवाजे शहर की रक्षा करेंगे। भोर होते ही हम हथियार लेकर दीवारों पर मोर्चा संभाल लेंगे; अगर वह जहाजों से निकलकर हमसे लड़ने आएगा, तो उसे पछतावा होगा। जब उसके घोड़े हमारी दीवारों के नीचे हर जगह दौड़कर थक जाएँगे, तो वह वापस चला जाएगा, और शहर में जबरदस्ती घुसने की कोशिश करने का उसका कोई इरादा नहीं होगा। न ही वह कभी शहर को लूट पाएगा, ऐसा करने से पहले ही कुत्ते उसे खा जाएँगे।
हेक्टर ने उसे गुस्से से देखा और उत्तर दिया, “पॉलिडामास, तुम्हारी बातें मुझे पसंद नहीं आईं क्योंकि तुमने हमें वापस शहर में कैद रहने को

थेतिस भी मेरा कभी स्वागत नहीं करेंगे, बल्कि इसी जगह मुझे भी धरती में दफना देंगी। फिर भी, हे पैट्रोक्लस, अब जब मैं तुमसे पीछे रह गया हूँ, मैं तुम्हें तब तक दफनाऊँगा नहीं, जब तक मैं उस शक्तिशाली हेक्टर का सिर और कवच यहाँ न ले आऊँ जिसने तुम्हें मारा है। मैं तुम्हारे शवयात्रा के सामने ट्रोजन के बारह वीर पुत्रों के सिर काट दूँगा ताकि तुम्हारा बदला ले सकूँ; जब तक मैं ऐसा न कर लूँ, तुम जहाजों के पास इसी हालत में पड़े रहोगे, और ट्रॉय और डार्डनस की सुंदर स्त्रियाँ, जिन्हें हमने भाले और भुजाओं की शक्ति से जीत लिया था जब हमने लोगों के सुंदर शहरों को लूटा था, तुम्हारे लिए दिन-रात रोएँगी।
तब अकिलीज़ ने अपने आदमियों को आग पर एक बड़ा तिपाई रखने को कहा ताकि
वे पैट्रोक्लस के शरीर से जमा हुआ खून धो सकें। उन्होंने नहाने के पानी से भरा तिपाई साफ आग पर रख दिया; उन्होंने उसमें लकड़ियाँ फेंकीं जिससे आग भड़क उठी, और तिपाई के निचले हिस्से पर लपटें पड़ने से पानी गर्म हो गया। जब कड़ाही में पानी उबलने लगा तो उन्होंने शव को धोया, तेल से मालिश की और नौ साल से रखे हुए मरहम से उसके घावों को भर दिया। फिर उन्होंने शव को अर्थी पर लिटाया और सिर से पैर तक सूती कपड़े से ढक दिया, और उसके ऊपर एक सफेद वस्त्र डाल दिया। इस प्रकार सारी रात मर्मिडों के लोग पैट्रोक्लस के लिए शोक मनाने के लिए अकिलीज़ के चारों ओर जमा रहे।
तब बृहस्पति ने अपनी बहन जूनो से कहा, “हे रानी जूनो, तुमने अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया है और तेजतर्रार अकिलीज़ को उत्तेजित कर दिया है। ऐसा लगता है मानो अचेयन तुम्हारे ही खून के रिश्तेदार हों।”
और जूनो ने उत्तर दिया, “शनि के भयानक पुत्र, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो? क्या मनुष्य, भले ही वह नश्वर हो और हमसे कम जानता हो, दूसरे के लिए वह सब कुछ नहीं कर सकता जो वह कर सकता है? और क्या मैं – जो वंश से और स्वर्ग में राज करने वाले तुम्हारी पत्नी होने के नाते सभी देवियों में सर्वोपरि हूँ
– यदि मैं ट्रोजनों से क्रोधित हूँ तो उनके लिए बुराई की योजना नहीं बनाऊँगी?”
इस प्रकार वे बातें कर रहे थे। इसी बीच थेतिस, वल्कन के घर पहुँची, जो अविनाशी, तारों से जगमगाता, स्वर्ग के सबसे सुंदर निवासों में से एक था, और लंगड़े देवता के अपने हाथों से बनाया हुआ पीतल का घर था। उसने उसे अपनी धौंकनी पर पसीना बहाते हुए और कड़ी मेहनत करते हुए पाया, क्योंकि वह बीस

तिपाई बना रहा था जो उसके घर की दीवार के पास खड़ी होनी थीं, और उसने उन सभी के नीचे सोने के पहिए लगाए थे ताकि वे स्वयं देवताओं की सभाओं में जा सकें और वापस आ सकें - सचमुच देखने लायक चमत्कार। वे लगभग पूरी हो चुकी थीं, बस उन पर कुशल कारीगरी से बने कान लगाने बाकी थे: वह अब उन्हें लगा रहा था और कीलों पर हथौड़ा मार रहा था। जब वह इस प्रकार काम कर रहा था, तभी चांदी के पैरों वाली थेतिस घर में आई। सुंदर मुकुट धारण करने वाली, प्रसिद्ध लंगड़े देवता की पत्नी, चारिस, उसे देखते ही उसकी ओर बढ़ी और उसका हाथ अपने हाथ में लेकर बोली, 'हे थेतिस, तुम हमारे घर क्यों आई हो? आदरणीय और सदा स्वागत योग्य हो, तुम अक्सर हमारे यहाँ नहीं आती हो। अंदर आओ, मैं तुम्हारे लिए भोजन की व्यवस्था करती हूँ।'
देवी बोलते हुए आगे-आगे चलीं और थेतिस को चांदी से जड़े एक भव्य आसन पर बैठने का आदेश दिया; उनके पैरों के नीचे एक पायदान भी था। फिर उन्होंने वल्कन को बुलाया और कहा, 'वल्कन, इधर आओ, थेतिस तुम्हें बुला रही हैं'; और प्रसिद्ध लंगड़े देवता ने उत्तर दिया, 'तो वास्तव में एक महान और सम्मानित देवी यहाँ आई हैं; उन्होंने ही मेरी देखभाल की थी जब मैं अपनी क्रूर माँ के क्रोध के कारण बुरी तरह गिर गया था - क्योंकि वह मुझे लंगड़ा होने के कारण त्याग देना चाहती थी। अगर ओशेनस के सदा-परिक्रमाशील जल की पुत्री यूरिनोम और थेतिस ने मुझे अपनी गोद में न लिया होता तो मेरा जीवन बहुत कठिन होता। मैं नौ वर्ष उनके साथ रहा, और मैंने उनके लिए उनकी गुफा में कांसे की कई सुंदर कृतियाँ, ब्रोच, सर्पिल बाजूबंद, प्याले और जंजीरें बनाईं, जहाँ से ओशेनस का गर्जना करता जल लगातार बहता रहता था; और किसी को भी पता नहीं था, न देवताओं को और न ही मनुष्यों को, सिवाय थेतिस और यूरिनोम के जिन्होंने मेरी देखभाल की। इसलिए, यदि थेतिस मेरे घर आई है, तो मुझे उसे बचाने के लिए उचित प्रतिफल देना चाहिए; इसलिए, उसका पूरे आतिथ्य सत्कार के साथ स्वागत करें, जबकि मैं अपनी धौंकनी और अपने सभी औजारों को एक तरफ रख देता हूँ।
इस पर वह विशालकाय राक्षस अपने निहाई से लड़खड़ाते हुए उठा, उसकी पतली टांगें ज़ोर-ज़ोर से चल रही थीं। उसने धौंकनी को आग से दूर रखा और अपने औज़ारों को एक चांदी के संदूक में समेट लिया। फिर उसने एक स्पंज लिया और अपना चेहरा और हाथ, अपनी घनी छाती और बलुई गर्दन धोई; उसने अपनी कमीज़ पहनी, अपनी मज़बूत लाठी पकड़ी और लंगड़ाते हुए दरवाज़े की ओर चल पड़ा। उसके लिए सोने की दासियाँ भी काम करती थीं, जो असली युवतियों जैसी थीं,

समझदार और बुद्धिमान, वाणी और शक्ति से परिपूर्ण, और अमर लोगों का सारा ज्ञान लिए हुए; ये दासियाँ राजा के आदेशानुसार काम में लगी रहीं, जबकि राजा थेतिस के पास पहुँचा, उसे एक सुंदर आसन पर बैठाया और उसका हाथ अपने हाथ में लेकर बोला, ‘हे सम्मानित और सदा स्वागत योग्य थेतिस, तुम हमारे घर क्यों आई हो? तुम अक्सर हमारे यहाँ नहीं आती हो। जो चाहो कहो, मैं उसे तुम्हारे लिए तुरंत करूँगा, यदि संभव हो तो।’
थेतिस रोते हुए बोली, “वल्कन, क्या ओलंपस में कोई और देवी है जिसे शनि
के पुत्र ने मेरे समान इतना कष्ट दिया हो? समुद्री देवियों में से केवल मुझे ही उसने एक नश्वर पति, ऐकस के पुत्र पेलियस के अधीन किया, और अपनी इच्छा के विरुद्ध ही मैंने उस नश्वर प्राणी के आलिंगन में खुद को सौंप दिया, जो अब वृद्धावस्था से क्षीण होकर घर पर रहता है। इतना ही नहीं। स्वर्ग ने मुझे एक पुत्र दिया, जो वीरों में वीर था, और वह एक नन्हे पौधे की तरह फला-फूला। मैंने उसकी एक सुंदर बगीचे में पौधे की तरह देखभाल की और उसे उसके जहाजों के साथ ट्रोजन से लड़ने के लिए इलियस भेजा, लेकिन मैं उसे कभी भी पेलियस के घर में वापस नहीं आने दूंगी। जब तक वह सूर्य के प्रकाश को देखता रहेगा, वह दुखी रहेगा, और यद्यपि मैं उसके पास जाती हूँ, मैं उसकी सहायता नहीं कर सकती; राजा एगामेम्नन ने उसे उस कन्या को त्यागने के लिए मजबूर किया है जिसे अचियन वंश के पुत्रों ने उसे भेंट किया था, और वह उसके कारण शोक से व्याकुल है।” तब ट्रोजनों ने अचियनों को उनके जहाजों के पिछले हिस्से से घेर लिया और उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया; इसलिए आर्गीवों के बुजुर्गों ने अकिलीज़ से विनती की और उन्हें बहुत सारा खजाना भेंट किया, जिस पर उन्होंने स्वयं उन्हें मुक्ति दिलाने से इनकार कर दिया, बल्कि अपना कवच पेट्रोक्लस को पहनाकर उसे बहुत से लोगों के साथ युद्ध में भेज दिया। सारा दिन वे स्केयन द्वारों पर लड़ते रहे और यदि अपोलो ने हेक्टर को गौरव प्रदान न किया होता और ट्रोजनों को बहुत नुकसान पहुँचाने के बाद मेनोटियस के वीर पुत्र को न मारा होता, तो वे शहर पर तुरंत कब्जा कर लेते। इसलिए मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप कृपा करके मेरे पुत्र को, जिसका अंत निकट है, हेलमेट और ढाल, टखने की पट्टियों से सुसज्जित उत्तम कवच और सीने का कवच प्रदान करें, क्योंकि उसने अपना कवच तब खो दिया जब उसका सच्चा साथी ट्रोजन के हाथों मारा गया, और अब वह अपनी आत्मा के दुख में पृथ्वी पर पड़ा है।

और वल्कन ने उत्तर दिया, 'हिम्मत रखो, और इस मामले में अब और विचलित मत
हो; काश मैं उसे मृत्यु की दृष्टि से छिपा पाता जब उसका समय आएगा, ठीक वैसे ही जैसे मैं उसके लिए ऐसा कवच ढूंढ सकता हूँ जो उसे देखने वाले सभी लोगों को चकित कर देगा।'
इतना कहकर वह उसे छोड़कर अपनी धौंकनी के पास गया, उसे आग की ओर घुमाकर उसे अपना काम करने का आदेश दिया। बीस धौंकनी धातु के बर्तनों पर चलने लगीं और हर तरह की हवाएँ छोड़ने लगीं, कुछ तेज़ हवाएँ ज़रूरत पड़ने पर उसकी मदद के लिए थीं, और कुछ धीमी, जैसा कि वल्कन अपने काम के दौरान चाहता था। उसने कठोर तांबा, टिन, चांदी और सोना आग में डाला; उसने अपनी बड़ी निहाई को उसके चबूतरे पर रखा और एक हाथ से अपना शक्तिशाली हथौड़ा पकड़ा, जबकि दूसरे हाथ में चिमटा था।
सबसे पहले उसने ढाल को इतना विशाल और मजबूत बनाया, उसे चारों ओर से
सजाया और तीन परतों वाले चमकदार घेरे से बांधा; और कमरबंद चांदी का बना था। उसने ढाल को पांच परतों में बनाया और अपने कुशल हाथों से कई चमत्कारों से उसे समृद्ध किया।
उन्होंने पृथ्वी, आकाश और समुद्र की रचना की; पूर्णिमा के चंद्रमा और
अथक सूर्य की भी, साथ ही उन सभी चिन्हों की भी जो स्वर्ग के मुख को सुशोभित करते हैं - प्लीएड्स, हायड्स, विशाल ओरियन और भालू, जिसे मनुष्य वैगन भी कहते हैं और जो ओरियन की ओर मुख करके एक ही स्थान पर हमेशा घूमता रहता है और कभी भी ओशनस की धारा में नहीं डूबता।
उसने दो नगरों का निर्माण किया, जो देखने में सुंदर और लोगों की चहल-
पहल से भरे हुए थे। एक नगर में विवाह और विवाह भोज हो रहे थे, और पुरुष मशालों की रोशनी में दुल्हनों को उनके कमरों से लाते हुए नगर में घूम रहे थे। विवाह की पुकार ज़ोर से गूंज रही थी, और युवक बांसुरी और वीणा की धुन पर नाच रहे थे, जबकि महिलाएं उन्हें देखने के लिए अपने-अपने घर के दरवाज़े पर खड़ी थीं।
इसी बीच लोग सभा में एकत्रित हुए, क्योंकि एक झगड़ा चल रहा था और दो व्यक्ति एक मारे गए व्यक्ति के रक्त-क्षतिपूर्ति को लेकर आपस में बहस कर रहे थे। एक व्यक्ति का कहना था कि उसने पूरा हर्जाना अदा कर दिया है, जबकि दूसरे का कहना था कि उसे हर्जाना नहीं मिला है। दोनों अपनी-अपनी बात मनवाने की कोशिश कर रहे थे और लोग अपने-अपने पक्ष में बंट गए; लेकिन दूतों

ने उन्हें रोके रखा और बुजुर्ग लोग गंभीर मुद्रा में पत्थर की अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए, और दूतों द्वारा उनके हाथों में दी गई लाठियाँ पकड़े रहे। फिर वे उठे और बारी-बारी से अपना फैसला सुनाया, और दो प्रतिभाएँ निर्धारित की गईं, जो उस व्यक्ति को दी जानी थीं जिसका फैसला सबसे निष्पक्ष माना जाए। दूसरे शहर के पास, चमकीले कवच से लैस दो सेनाएँ डेरा डाले हुए थीं, और
वे इस बात पर विभाजित थीं कि शहर को लूटा जाए या उसे बख्श दिया जाए और उसमें मौजूद आधे हिस्से को स्वीकार कर लिया जाए। लेकिन शहर के लोग अभी सहमत नहीं थे, और उन्होंने अचानक हमले की तैयारी कर ली; उनकी पत्नियाँ और छोटे बच्चे दीवारों पर पहरा दे रहे थे, और उनके साथ वे पुरुष भी थे जो उम्र के कारण युद्ध करने में असमर्थ थे; लेकिन बाकी सेना मंगल और पल्लास मिनर्वा के नेतृत्व में आगे बढ़ी - दोनों सोने से बने और सुनहरे वस्त्रों से सजे हुए, देवताओं के अनुरूप विशाल और सुंदर कवच पहने हुए थे, जबकि उनके पीछे आने वाले उनसे छोटे थे। जब वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ वे घात लगाने वाले थे, तो वह एक नदी का किनारा था जहाँ दूर-दूर से सभी प्रकार के पशु पानी पीने आते थे; इसलिए, वे यहाँ पूरे कवच में छिपे रहे। उनसे कुछ दूरी पर दो जासूस भेड़ों या मवेशियों के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे, जो थोड़ी देर में आ गए। उनके पीछे दो चरवाहे भी थे जो अपनी बांसुरी बजा रहे थे और उन्हें खतरे का जरा भी आभास नहीं था। जब घात लगाए बैठे लोगों ने यह देखा, तो उन्होंने भेड़ों और मवेशियों को अलग कर दिया और चरवाहों को मार डाला। इसी बीच, घेराबंदी करने वालों ने जब मवेशियों के बीच शोर सुना, जो आपस में सभा कर रहे थे, तो वे अपने घोड़ों पर सवार होकर पूरी गति से उनकी ओर बढ़े। जब वे उनके पास पहुँचे, तो उन्होंने नदी के किनारे युद्ध की तैयारी कर ली और दोनों सेनाओं ने अपने पीतल के भाले एक-दूसरे पर तान दिए। उनके साथ कलह और दंगा भी थे, और भाग्य भी गिर पड़ा जो तीन आदमियों को अपने पीछे घसीट रहा था, एक को ताजा घाव था, दूसरा बिना घाव के, जबकि तीसरा मर चुका था और वह उसे एड़ी से घसीट रही थी; और उसका वस्त्र आदमियों के खून से सना हुआ था। वे एक-दूसरे के साथ अंदर-बाहर होते रहे और ऐसे लड़े मानो जीवित लोग एक-दूसरे के मृतकों को घसीट रहे हों।
उसने एक बड़े, सुंदर और तीन बार जोते जा चुके खेत पर भी काम किया। उसमें कई आदमी हल चला रहे थे, अपने बैलों को आगे-पीछे घुमाते हुए लगातार हल की क्यारियाँ बना रहे थे। हर बार जब वे खेत के किनारे पहुँचते, तो एक आदमी

उनके पास आकर उन्हें एक प्याला शराब देता, और वे फिर से किनारे पर पहुँचने के इंतज़ार में अपनी क्यारियों में वापस चले जाते। जो हिस्सा उन्होंने जोता था, वह उनके पीछे अंधेरा था, इसलिए खेत, हालांकि सुनहरा था, फिर भी ऐसा लग रहा था जैसे अभी जोता जा रहा हो - देखने में बहुत ही अनोखा।
उसने फसल के लिए एक खेत जोता, और कटाई करने वाले अपने हाथों में तेज हंसिया लिए फसल काट रहे थे। एक के बाद एक गठ्ठे उनके पीछे सीधी रेखा में गिरते जा रहे थे, और बांधने वाले उन्हें मुड़ी हुई भूसी की पट्टियों में बांध रहे थे। तीन बांधने वाले थे, और उनके पीछे लड़के थे जो कटी हुई फसल को बांहों में भरकर इकट्ठा कर रहे थे और उसे बांधने के लिए ला रहे थे: इन सबके बीच जमीन का मालिक चुपचाप खड़ा था और खुश था। नौकर एक बलूत के पेड़ के नीचे भोजन तैयार कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने एक बड़े बैल की बलि दी थी, और उसे काटने में व्यस्त थे, जबकि महिलाएं मजदूरों के भोजन के लिए बहुत सारे सफेद जौ का दलिया बना रही थीं।
उसने एक सुनहरा और सुंदर अंगूर का बाग भी बनाया, और अंगूर की बेलें अंगूरों से लदी हुई थीं। ऊपर के गुच्छे काले थे, लेकिन बेलें चांदी के खंभों पर चढ़ी हुई थीं। उसने उसके चारों ओर गहरे रंग की धातु की एक खाई खोदी और उसे टिन की बाड़ से घेर दिया; वहाँ तक जाने का केवल एक ही रास्ता था, और इसी रास्ते से अंगूर तोड़ने वाले आते-जाते थे। सभी युवक और युवतियाँ प्रसन्न और आनंदित होकर बुनी हुई टोकरियों में रसीले फल ले जा रहे थे; और उनके साथ एक लड़का भी था जो अपने वीणा से मधुर संगीत बजाता था और अपनी सुरीली आवाज़ में लिनस-गीत गाता था।
उसने सींग वाले मवेशियों का एक झुंड भी बनाया। उसने गायों को सोने और
टिन से बनाया, और वे पूरी गति से बाड़े से निकलकर नदी के किनारे उगने वाले लहराते सरकंडों के बीच चरने के लिए रंभाती हुई गईं। मवेशियों के साथ चार चरवाहे भी थे, सभी सोने के वस्त्र पहने हुए, और उनके नौ फुर्तीले कुत्ते भी उनके साथ थे। दो भयंकर शेरों ने सबसे आगे वाली गायों के साथ मौजूद एक गरजते हुए बैल को पकड़ लिया था, और वह जितना भी गरजता, शेर उसे घसीटते रहे, जबकि कुत्ते और आदमी उसका पीछा करते रहे: शेरों ने बैल की मोटी खाल को फाड़ दिया और उसके खून और आंतों को खा रहे थे, लेकिन चरवाहे कुछ भी करने से डरते रहे, और केवल अपने कुत्तों को उस पर दौड़ाते रहे; कुत्ते शेरों पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर रहे थे, बल्कि भौंकते हुए और खतरे से दूर खड़े रहे।

देवता ने एक सुंदर पहाड़ी घाटी में एक चारागाह, भेड़ों का एक बड़ा
झुंड, एक घर और झोपड़ियाँ तथा आश्रययुक्त भेड़शालाएँ भी बनाईं।
इसके अलावा, उसने एक ऐसा मैदान बनाया, जैसा कि डैडलस ने कभी नोसस में सुंदर एरिआडने के लिए बनाया था। यहाँ युवक और युवतियाँ एक-दूसरे की कलाई थामे नाचते थे, और सभी उन्हें रिझाने की कोशिश करते थे। युवतियों ने हल्के सूती वस्त्र पहने थे, और युवकों ने अच्छी तरह से बुने हुए, हल्के तेल लगे कमीज़ पहने थे। लड़कियों के सिर पर फूलों की मालाएँ थीं, जबकि युवकों के पास सोने के खंजर थे जो चाँदी की कमरबंद से लटके हुए थे; कभी-कभी वे खुशी से झूमते पैरों से घेरे में कुशलता से नाचते थे, मानो कोई कुम्हार अपने काम पर बैठा हो और यह देखने के लिए चाक चला रहा हो कि वह चलेगा या नहीं, और कभी-कभी वे एक साथ कतार में नाचते थे, और बहुत से लोग खुशी से मैदान के चारों ओर जमा थे। उनके लिए गाने और वीणा बजाने के लिए एक कवि भी था, जबकि दो कलाबाज उनके बीच में प्रदर्शन करते थे जब वह अपनी धुन बजाना शुरू करता था।
उसने ढाल के सबसे बाहरी किनारे के चारों ओर ओशनस नदी की शक्तिशाली
धारा को स्थापित किया।
फिर जब उसने इतनी विशाल और मजबूत ढाल बना ली, तो उसने एक कवच भी बनाया
जो आग से भी अधिक चमकता था। उसने माथे पर कसकर फिट होने वाला और अलंकृत हेलमेट बनाया, जिसके ऊपर सोने का पंख लटका हुआ था; और उसने पीटी हुई टिन की घुटनों की पट्टियाँ भी बनाईं।
अंत में, जब प्रसिद्ध लंगड़े देवता ने सभी कवच बना लिए, तो उसने उन्हें उठाया और अकिलीज़ की माँ के सामने रख दिया; जिस पर वह ओलंपस के बर्फीले शिखरों से एक बाज़ की तरह झपटी और वल्कन के घर से उस चमकते कवच को ले गई।

7. तिपाई एक ऐसा बर्तन है जो तीन पैरों पर खड़ा होता है।
8. लिनस गीत एक शोकगीत है जिसे मक्का या अंगूर की कटाई करने वाले लोग अपनी फसलों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए गाते हैं। लिनस से संबंधित कई मिथक प्रचलित हैं, जिनमें से एक के अनुसार वह एक संगीतकार था जिसे अपोलो ने मार डाला था।

पुस्तक 19

एकिलीस का एगामेम्नन से सुलह हो जाता है, वह वल्कन द्वारा उसके लिए
बनाए गए कवच को पहनता है और युद्ध के लिए निकल जाता है।
जब केसरिया वस्त्र पहने भोर ओशनस की धाराओं से मनुष्यों और अमर प्राणियों को प्रकाश देने के लिए तेज़ी से आ रही थी, तब थेतिस उस कवच के साथ जहाजों पर पहुँची जो देवता ने उसे दिया था। उसने अपने पुत्र को पैट्रोक्लस के शव के पास गिरा हुआ और फूट-फूट कर रोते हुए पाया। उसके कई अनुयायी भी उसके चारों ओर रो रहे थे, लेकिन जब देवी उनके बीच आई तो उसने उसका हाथ अपने हाथ में थामते हुए कहा, 'मेरे पुत्र, चाहे हम कितना भी शोक करें, हमें इस व्यक्ति को वहीं पड़े रहने देना होगा, क्योंकि यह स्वर्ग की इच्छा से हुआ है; इसलिए, अब वल्कन से यह कीमती और सुंदर कवच स्वीकार करो, जिसे आज तक किसी ने अपने कंधों पर नहीं उठाया है।'
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उसने कवच को अकिलीज़ के सामने रख दिया,
और ऐसा करते ही वह कवच एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ गूंज उठा। मर्मिडोंस भयभीत हो गए, और डर के मारे किसी ने भी उसे सीधे देखने की हिम्मत नहीं की; लेकिन अकिलीज़ और भी अधिक क्रोधित हो गया, और उसकी आँखें एक प्रचंड प्रकाश से चमक उठीं, क्योंकि देवता द्वारा दिए गए उस शानदार उपहार को छूकर वह प्रसन्न था। फिर, जैसे ही उसने कवच को देखकर संतुष्टि प्राप्त की, उसने अपनी माँ से कहा, 'माँ, देवता ने मुझे कवच दिया है, एक अमर प्राणी के लिए उपयुक्त कारीगरी है और ऐसा कवच कोई जीवित मनुष्य नहीं बना सकता था; मैं अब कवच पहनूँगा, लेकिन मुझे बहुत डर है कि मक्खियाँ मेनोटियस के पुत्र पर बैठ जाएँगी और उसके घावों के आसपास कीड़े पैदा कर देंगी, जिससे उसका शरीर, अब जब वह मर चुका है, विकृत हो जाएगा और मांस सड़ जाएगा।'
चांदी के पैरों वाली थेतिस ने उत्तर दिया, “मेरे पुत्र, इस मामले में चिंता मत करो। मैं उसे उन दुर्गंधयुक्त मक्खियों के झुंड से बचाने का उपाय ढूंढ लूंगी जो युद्ध में मारे गए पुरुषों के शवों पर झपटती हैं। वह पूरे एक वर्ष तक आराम कर सकता है, और उसका शरीर पहले की तरह ही स्वस्थ रहेगा, या

शायद उससे भी अधिक स्वस्थ। इसलिए, अचेयन वीरों को सभा में बुलाओ; एगामेम्नन के प्रति अपना क्रोध त्याग दो; तुरंत हथियार उठाओ और पूरी शक्ति से युद्ध करो।”
जब वह बोल रही थी, तो उसने उसके हृदय में शक्ति और साहस भर दिया, और फिर उसने पैट्रोक्लस के घावों में अमृत और लाल रस डाला, ताकि उसके शरीर में कोई परिवर्तन न हो।
फिर अकिलीज़ समुद्र तट पर गया और ऊँची आवाज़ में अचियन वीरों को
पुकारा। इस पर वे लोग भी, जो अब तक जहाजों पर ही रुके हुए थे, नाविक और नाविक, और यहाँ तक कि जहाजों के आसपास रहने वाले और राशन बाँटने वाले प्रबंधक भी, सभा स्थल पर आ गए क्योंकि अकिलीज़ इतने लंबे समय तक युद्ध से दूर रहने के बाद प्रकट हुआ था। मार्स के दो पुत्र, यूलिसिस और टाइडियस का पुत्र, लंगड़ाते हुए आए, क्योंकि उनके घावों में अभी भी दर्द था; फिर भी वे आए और सभा की पहली पंक्ति में बैठ गए। सबसे अंत में मनुष्यों का राजा, एगामेम्नन आया, वह भी घायल था, क्योंकि एंटनोर के पुत्र कूऑन ने युद्ध में उसे भाले से मारा था।
जब अचेयन एकत्रित हुए, तो अकिलीज़ उठे और बोले, “एट्रियस के पुत्र, जब
हम दोनों ब्रिसिस के कारण इतने क्रोधित थे, तब तुम्हारे और मेरे दोनों के लिए यह बेहतर होता कि जिस दिन मैंने लिरनेसस को लूटने के बाद ब्रिसिस को अपने कब्जे में लिया था, उसी दिन डायना के तीर से ब्रिसिस जहाजों पर ही मर जाती। ऐसा होता तो मेरे क्रोध के दिनों में कई अचेयन शत्रु के सामने कम मारे जाते। हेक्टर और ट्रोजन के लिए तो यह अच्छा ही हुआ, लेकिन अचेयन हमारे झगड़े को लंबे समय तक याद रखेंगे। अब इसे भूल जाओ, क्योंकि यह समाप्त हो चुका है। यदि हम क्रोधित थे, तो आवश्यकता ने हमारे क्रोध को नियंत्रित किया है। मैं इसे अपने भीतर से निकाल देता हूँ: मैं इसे हमेशा के लिए अपने भीतर नहीं रख सकता; इसलिए, अचेयनों को तुरंत हथियार उठाने का आदेश दो ताकि मैं ट्रोजन के विरुद्ध जा सकूँ और पता लगा सकूँ कि वे जहाजों पर आराम करने का मन बना रहे हैं या नहीं।” मुझे लगता है, वह व्यक्ति खुश होगा जो मेरे भाले को चलाते समय उस पर घुटने टेककर आराम कर सकेगा।
उसने ऐसा कहा, और अचाइयों ने इस बात से प्रसन्नता व्यक्त की कि उसने अपना क्रोध त्याग दिया था।

तब अगामेम्नन अपनी जगह से उठकर बोले, सभा के बीच में जाने के बजाय। उन्होंने कहा, ‘दानान के वीरों, मंगल के सेवकों, जब कोई व्यक्ति बोलने के लिए खड़ा हो तो ध्यान से सुनना अच्छा होता है, और उसे टोकना उचित नहीं है, वरना एक कुशल वक्ता के लिए भी मुश्किल हो जाएगा। शोरगुल में कौन सुन या बोल सकता है? यहाँ तक कि सबसे कुशल वक्ता भी विचलित हो जाएगा। मैं पेलेउस के पुत्र को समझाऊँगा, और तुम अन्य अकेयन लोग मेरी बात ध्यान से सुनो और समझ लो। अकेयन लोगों ने अक्सर मुझसे इस विषय पर बात की है और मुझे फटकारा है, लेकिन यह मैंने नहीं किया: बृहस्पति, भाग्य और अंधकार में विचरण करने वाली एरिनिस ने मुझे उस दिन पागल कर दिया जब हम सब इकट्ठा हुए थे, जिस दिन मैंने अकिलीज़ से उसका पुरस्कार छीन लिया था। मैं क्या कर सकता था? सब कुछ स्वर्ग के हाथ में है, और मूर्खता, बृहस्पति की पुत्री, मनुष्यों को उनके विनाश से बचाती है।’ वह नाजुक ढंग से चलती है, ठोस धरती पर नहीं, बल्कि पुरुषों के सिर के ऊपर मंडराती है ताकि उन्हें ठोकर खिला सके या उन्हें फंसा सके।
एक समय था जब उसने स्वयं बृहस्पति को भी मूर्ख बना दिया था, जिसे
देवताओं और मनुष्यों में सबसे महान माना जाता है; क्योंकि स्त्री होते हुए भी जूनो ने उस दिन बृहस्पति को बहकाया जब अल्केमेना सुंदर नगर थेब्स में शक्तिशाली हरक्यूलिस को जन्म देने वाली थी। बृहस्पति ने देवताओं के बीच यह बात बताते हुए कहा, “हे सभी देवी-देवताओं, मेरी बात सुनो, मैं अपने मन की बात कह सकूँ; आज इलिथुइया, जो प्रसव पीड़ा से जूझ रही स्त्रियों की सहायक है, एक पुत्र को जन्म देगी जो मेरे वंश और रक्त से उत्पन्न सभी लोगों का स्वामी होगा।” तब धूर्त और छल से भरी जूनो ने कहा, “तुम झूठ बोलोगे और अपने वचन का पालन नहीं करोगे। हे ओलंपियन, मुझसे शपथ लो, मुझसे एक बड़ी शपथ लो, कि जो आज किसी स्त्री के चरणों में गिरेगा, वह तुम्हारे वंश और रक्त से उत्पन्न सभी लोगों का स्वामी होगा।”
उसने ऐसा कहा, और बृहस्पति को उस पर कोई संदेह नहीं हुआ, परन्तु उसने
बड़ी शपथ खाई, जिसका उसे बाद में बहुत पछतावा हुआ। जूनो ओलंपस के ऊँचे शिखर से नीचे उतरी और शीघ्रता से अचियन आर्गोस गई, जहाँ वह जानती थी कि पर्सियस के पुत्र स्टेनेलस की कुलीन पत्नी वहाँ है। वह गर्भवती थी और सातवें महीने में थी। जूनो ने एक महीना शेष रहते ही बच्चे को जन्म दिया, परन्तु उसने एल्कमेना की संतान को रोक दिया और इलिथुइया को भी रोके रखा। फिर वह शनि के

पुत्र बृहस्पति को बताने गई और बोली, “हे पिता बृहस्पति, बिजली के स्वामी – मैं आपसे एक बात कहना चाहती हूँ। आज एक सुंदर बालक का जन्म हुआ है, यूरिस्टियस, जो पर्सियस के पुत्र स्टेनेलस का पुत्र है; वह आपके वंश का है; इसलिए यह अच्छा है कि वह आर्गिवों पर शासन करे।”
इस पर बृहस्पति को गहरा आघात लगा, और क्रोध में आकर उसने मूर्खता के
बाल पकड़कर शपथ ली कि वह फिर कभी नक्षत्रों और ओलंपस में प्रवेश नहीं करेगी, क्योंकि वह सबकी नाशवान है। फिर उसने हाथ घुमाकर उसे आकाश से नीचे फेंक दिया, जहाँ वह मनुष्यों के मैदानों में गिरी; और जब भी वह अपने पुत्र को यूरिस्टियस द्वारा दिए गए क्रूर परिश्रम से कराहते देखता, तो वह उस पर क्रोधित होता था। ठीक वैसे ही, जब शक्तिशाली हेक्टर जहाजों पर अर्गिव्स का वध कर रहा था, तब मुझे भी बहुत दुख हुआ, और मैं हर समय उस मूर्खता के बारे में सोचता रहा जिसने मुझे इतना शाप दिया था। मैं अंधा हो गया था, और बृहस्पति ने मेरी बुद्धि छीन ली थी; अब मैं प्रायश्चित करूँगा, और क्षतिपूर्ति के रूप में बहुत सारा खजाना जमा करूँगा। इसलिए, तुम और तुम्हारे लोग युद्ध में जाओ। मैं तुम्हें वह सब कुछ दूंगा जो कल यूलिसिस ने तुम्हारे तम्बुओं में तुम्हें देने की पेशकश की थी: या यदि तुम चाहो, तो प्रतीक्षा करो, भले ही तुम तुरंत लड़ना चाहो, और मेरे सहायक मेरे जहाज से उपहार लाएंगे, ताकि तुम देख सको कि जो मैं तुम्हें दे रहा हूं वह पर्याप्त है या नहीं।
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “एट्रियस के पुत्र, मनुष्यों के राजा एगामेम्नन, आप जो चाहें उपहार दे सकते हैं, या उन्हें रोक सकते हैं: यह आपके हाथ में है। आइए अब युद्ध की तैयारी करें; तुच्छ बातों में समय बर्बाद करना उचित नहीं है, क्योंकि अभी एक महत्वपूर्ण कार्य करना बाकी है। अकिलीज़ एक बार फिर सबसे आगे लड़ते हुए दिखाई देगा और ट्रोजन सेना को पराजित करेगा: युद्ध करते समय आप में से प्रत्येक इस बात को ध्यान में रखे।”
तब यूलिसिस ने कहा, “हे ईश्वरीय और वीर अकिलीज़, अकेयनों को इस प्रकार उपवास करते हुए इलियस के विरुद्ध ट्रोजनों से लड़ने के लिए मत भेजो, क्योंकि एक बार युद्ध शुरू हो जाने पर यह छोटा नहीं होगा, और दोनों पक्षों में क्रोध व्याप्त होगा; उन्हें पहले जहाजों के पास रोटी और शराब का भोजन करने के लिए कहो, क्योंकि इससे शक्ति और दृढ़ता मिलती है। कोई भी व्यक्ति

बिना भोजन के दिन भर, सूर्यास्त तक, युद्ध नहीं कर सकता; चाहे वह कितना भी लड़ना चाहे, उसकी शक्ति समय से पहले ही समाप्त हो जाएगी; भूख और प्यास उसे घेर लेंगे, और उसके अंग थक जाएंगे। परन्तु यदि कोई व्यक्ति भरपेट भोजन और शराब से पोषित हो तो वह दिन भर लड़ सकता है; उसका हृदय प्रबल होता है, और उसकी शक्ति तब तक बनी रहती है जब तक वह अपने सभी शत्रुओं को पराजित न कर दे; इसलिए, लोगों को भेज दो और उन्हें अपना भोजन तैयार करने के लिए कहो; राजा एगामेम्नन सभा के समक्ष उपहार लाएगा, ताकि सभी उन्हें देख सकें और तुम संतुष्ट हो सको।” इसके अलावा, उसे अर्गिव्स के सामने शपथ लेनी चाहिए कि वह कभी ब्रिसिस के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाएगा, न ही उसके साथ पुरुषों और महिलाओं की तरह शारीरिक संबंध रखेगा; और तुम भी दयालुता दिखाओ; एगामेम्नन तुम्हें अपने तम्बुओं में मेल-मिलाप की दावत दे, ताकि तुम्हें तुम्हारा पूरा हक मिल जाए। और तुम, एट्रीयस के पुत्र, भविष्य में लोगों के साथ अधिक न्यायसंगत व्यवहार करो; राजा के लिए भी यह कोई अपमान की बात नहीं है कि यदि उसने पहली बार में कोई गलती की हो तो वह उसका प्रायश्चित करे।
और राजा अगमेमन ने उत्तर दिया, ‘लाएर्टेस के पुत्र, आपकी बातें मुझे
बहुत अच्छी लगीं, क्योंकि आपने शुरू से अंत तक बुद्धिमानी से बात की है। मैं आपकी इच्छा के अनुसार शपथ लूँगा; मैं यह अपनी मर्ज़ी से कर रहा हूँ, और न ही मैं स्वर्ग का नाम व्यर्थ लूँगा। इसलिए, अकिलीज़ को प्रतीक्षा करने दो, यद्यपि वह तुरंत युद्ध करना चाहता है, और तुम अन्य लोग भी प्रतीक्षा करो, जब तक मेरे तम्बू से उपहार न आ जाएँ और हम बलिदान द्वारा शपथ की पुष्टि न कर लें। इसलिए, मैं तुम्हें यह आदेश देता हूँ: अपने साथ कुछ कुलीन युवा अचेयन ले जाओ, और मेरे तम्बू से वे उपहार लाओ जिनका मैंने कल अकिलीज़ को वादा किया था, और स्त्रियों को भी लाओ; इसके अलावा, तल्थिबियस को सेना में से मेरे लिए एक सूअर ढूंढने दो, और उसे बृहस्पति और सूर्य को बलिदान के लिए तैयार करने को कहो।’
तब अकिलीज़ ने कहा, “एट्रियस के पुत्र, मनुष्यों के राजा एगामेम्नन, इन मामलों को किसी और समय देखें, जब मेरे पास थोड़ा समय हो और मैं शांत रहूँ। क्या तुम चाहते हो कि लोग तब भी भोजन करें जब प्रियम के पुत्र हेक्टर द्वारा मारे गए लोगों के शव अभी भी मैदान में क्षत-विक्षत पड़े हों? मैं कहता हूँ, अकेयन वंश के पुत्र उपवास और बिना भोजन के तब तक लड़ें जब तक हम उनका बदला न ले लें; उसके बाद सूर्यास्त के समय वे भरपेट भोजन कर लें। जहाँ

तक मेरी बात है, पैट्रोक्लस मेरे तम्बू में मृत पड़ा है, उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए हैं, उसके पैर दरवाजे की ओर हैं, और उसके साथी उसके चारों ओर शोक मना रहे हैं। इसलिए मैं केवल वध, रक्त और मरते हुए व्यक्ति के गले से निकलती कर्कश आवाज के बारे में ही सोच सकता हूँ।” यूलिसिस ने उत्तर दिया, “अकिलीज़, पेलेउस के पुत्र, अकेयनों में सर्वोपरि, युद्ध में तुम मुझसे श्रेष्ठ हो, और वह थोड़ा नहीं बल्कि बहुत श्रेष्ठ है, परन्तु सलाह में मैं तुमसे कहीं अधिक श्रेष्ठ हूँ, क्योंकि मैं तुमसे बड़ा और अधिक ज्ञानी हूँ। अतः मेरी बातों को धैर्यपूर्वक सुनो। युद्ध एक ऐसी वस्तु है जिससे मनुष्य शीघ्र ही ऊब जाते हैं, और जब युद्ध के प्रबंधक बृहस्पति इसका परिणाम तौलेंगे, तो यह सिद्ध हो सकता है कि हमारी हंसियाओं से काटा गया भूसा अनाज से कहीं अधिक भारी है। क्या यह उचित नहीं है कि अकेयन मृतकों का शोक अपने पेट भर कर मनाएँ; दिन-प्रतिदिन मनुष्य लगातार तीन-तीन की संख्या में मरते जा रहे हैं; हमें अपने दुःख से कब राहत मिलेगी? आओ हम एक दिन अपने मृतकों का शोक मनाएँ और उन्हें दृष्टि और मन से दूर दफना दें, परन्तु जो बचे हैं वे खाएँ-पिएँ ताकि हम हथियारबंद होकर अपने शत्रुओं से और अधिक उग्रता से लड़ सकें। उस समय कोई भी व्यक्ति दूसरे आह्वान की प्रतीक्षा में पीछे न हटे; ऐसा आह्वान उसके लिए अशुभ होगा जो हमारे जहाजों पर पीछे रह जाएगा; आइए हम एकजुट होकर आक्रमण करें और ट्रोजनों पर युद्ध का प्रकोप बरसाएं।
जब उसने ऐसा कहा, तो वह नेस्टर के पुत्रों, फाइलियस के पुत्र मेगेस,
थोआस, मेरियोनेस, क्रेओन्टेस के पुत्र लाइकोमेडेस और मेलानिप्पस को अपने साथ लेकर एट्रियस के पुत्र एगामेम्नन के तम्बू में गया। कहते ही देखते उसने अपना वादा पूरा कर दिया: वे एगामेम्नन द्वारा वादा किए गए सात तिपाई, बीस धातु के कड़ाहे और बारह घोड़े लेकर आए; वे सात कुशल स्त्रियों को भी लाए, जिनमें ब्रिसिस भी शामिल थी, जिससे कुल आठ स्त्रियाँ हो गईं। यूलिसिस ने दस टैलेंट सोने का वजन किया और फिर आगे-आगे चलने लगा, जबकि युवा अचेयन शेष उपहार लेकर आए और उन्हें सभा के बीच में रख दिया।
फिर अगामेम्नन उठे, और देवता के समान स्वर वाले तल्थिबियस सूअर लेकर उनके पास आए। एट्रियस के पुत्र ने अपनी शक्तिशाली तलवार की म्यान में रखी हुई छुरी निकाली और सूअर के कुछ बाल काटने लगे, ऐसा करते हुए उन्होंने प्रार्थना में अपने हाथ ऊपर उठाए। अन्य अचेयन राजा की बात सुनने के लिए

चुपचाप और व्यवस्थित रूप से बैठे रहे, और अगामेम्नन ने आकाश की ओर देखते हुए प्रार्थना की, “मैं सभी देवताओं में प्रथम और सबसे शक्तिशाली बृहस्पति को साक्षी बनाता हूँ, मैं पृथ्वी, सूर्य और नीचे निवास करने वाली एरिनियों को भी पुकारता हूँ और जो कोई झूठी शपथ खाएगा, उससे बदला लेने को कहता हूँ कि मैंने कन्या ब्रिसिस को न तो छुआ है, न उसे अपने बिस्तर पर ले जाने के लिए और न ही किसी अन्य कारण से, बल्कि वह मेरे तंबुओं में अक्षुण्ण रही है। यदि मैं झूठी शपथ खाता हूँ, तो स्वर्ग मुझे उन सभी दंडों से दंडित करे जो वह झूठी शपथ खाने वालों को देता है।”
बोलते ही उसने सूअर का गला काट दिया, जिस पर तल्थिबियस ने उसे अपने सिर के चारों ओर घुमाया और मछलियों को खिलाने के लिए विशाल समुद्र में फेंक दिया। तब अकिलीज़ भी उठा और आर्गीवों से बोला, ‘हे पिता ज़्यूस, सचमुच तुम मनुष्यों की आँखें आँसुओं से भर देते हो और उन्हें नष्ट कर देते हो। एट्रीयस के पुत्र ने मुझे इतना क्रोधित नहीं किया था, न ही इतनी हठपूर्वक मेरी इच्छा के विरुद्ध ब्रिसिस को मुझसे छीना था। निश्चय ही ज़्यूस ने कई आर्गीवों के विनाश की योजना बनाई होगी। अब जाओ और अपना भोजन ले लो ताकि हम युद्ध शुरू कर सकें।’
इस पर उसने सभा भंग कर दी, और हर कोई अपने-अपने जहाज पर लौट गया।
मर्मिडों ने उपहारों का ध्यान रखा और उन्हें अकिलीज़ के जहाज पर ले गए। उन्होंने उन्हें उसके तंबुओं में रख दिया, जबकि अस्तबल के कर्मचारियों ने घोड़ों को अन्य तंबुओं के बीच में पहुँचा दिया।
वीनस के समान सुंदर ब्रिसिस ने जब पैट्रोक्लस का क्षत-विक्षत शरीर
देखा, तो वह उस पर गिर पड़ी और जोर-जोर से रोने लगी, अपने दोनों हाथों से अपनी छाती, गर्दन और सुंदर चेहरे को नोंचते हुए। देवी के समान सुंदर ब्रिसिस रोते हुए बोली, ‘पैट्रोक्लस, मेरे प्रिय मित्र, जब मैं यहाँ से गई थी तो तुम्हें जीवित छोड़कर गई थी; हे राजकुमार, मैं लौटी तो तुम्हें मृत पाया; इस प्रकार मुझ पर एक के बाद एक नए दुख आ पड़े हैं। मैंने उसे देखा जिससे मेरे माता-पिता ने मेरा विवाह कराया था, हमारे शहर के सामने मार डाला गया, और मेरे तीनों प्रिय भाई भी उसी दिन उसके साथ मारे गए; लेकिन हे पैट्रोक्लस, तुमने तब भी मुझसे कहा था जब अकिलीज़ ने मेरे पति को मार डाला और महान माइन्स शहर को लूट लिया, कि मुझे रोना नहीं चाहिए, क्योंकि तुमने कहा था कि तुम अकिलीज़ से मेरा विवाह कराओगे और मुझे उसके साथ फथिया ले

जाओगे, जहाँ हम मर्मिडोंस के बीच विवाह भोज मनाएंगे। तुम हमेशा मेरे प्रति दयालु रहे और मैं तुम्हारे लिए शोक करना कभी बंद नहीं करूंगी।’ बोलते-बोलते वह रोने लगी, और स्त्रियाँ भी उसके विलाप में शामिल हो गईं
– मानो वे पैट्रोक्लस के लिए रो रही हों, परन्तु वास्तव में वे सब अपने- अपने दुःखों के लिए रो रही थीं। अचेयन जनजाति के बुजुर्ग अकिलीज़ के चारों ओर जमा हो गए और उससे भोजन करने की विनती करने लगे, परन्तु वह कराहता रहा और उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उसने कहा, ‘मैं आप सब से विनती करता हूँ, यदि कोई साथी मेरी बात सुन रहा हो, तो मुझे कुछ भी खाने-पीने से मना करें, क्योंकि मैं बहुत दुखी हूँ, और सूर्यास्त तक उपवास रखूँगा।’
इस पर उसने अन्य राजकुमारों को विदा कर दिया, केवल एट्रेस और यूलिसिस
के दो पुत्रों, नेस्टर, इडोमेनियस और वृद्ध योद्धा फीनिक्स को छोड़कर, जो पीछे रह गए और उसके गहरे दुःख में उसे सांत्वना देने का प्रयास किया; लेकिन वह तब तक शांत नहीं हुआ जब तक कि वह युद्ध के मैदान में न उतर जाए, और वह लगातार आहें भरता रहा, पेट्रोक्लस के बारे में सोचता रहा। फिर उसने कहा:— ‘हे अभागे और प्रियतम साथी, जब अचेयन लोग ट्रोजन से लड़ने के लिए जल्दी
कर रहे थे, तब तुमने ही मेरे लिए तुरंत और बिना किसी देरी के अच्छा भोजन तैयार किया था; इसलिए अब, यद्यपि मेरे तम्बुओं में भोजन और पेय है, फिर भी मैं शोक के कारण उपवास करूँगा। इससे बड़ा दुःख मैं नहीं जान सकता, चाहे मुझे अपने पिता की मृत्यु की खबर ही क्यों न मिले, जो अब फथिया में अपने पुत्र, यानी मेरे लिए, जो यहाँ हेलेन के नाम पर एक परदेस में ट्रोजन से लड़ रहा हूँ, रो रहे हैं, और न ही तब जब मुझे यह खबर मिले कि मेरा पुत्र अब नहीं रहा – वह जो स्काइरोस में पल-बढ़ रहा है – यदि वास्तव में नियोप्टोलेमस अभी भी जीवित है।’ अब तक मैंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि आर्गोस से दूर ट्रॉय में केवल मैं ही मरूँगी, जबकि तुम फथिया लौट जाओगे, मेरे बेटे को अपने जहाज में वापस लाओगे, और उसे मेरी सारी संपत्ति, मेरे दास और मेरे घर की शान दिखाओगे - क्योंकि पेलियस या तो मर चुका होगा, या उसके जीवन का जो थोड़ा- बहुत हिस्सा बचा है, वह बुढ़ापे की दुर्बलता और मेरी मृत्यु की दुखद खबर सुनने के निरंतर भय से दबा हुआ होगा।
बोलते-बोलते उसकी आँखों में आँसू आ गए, और बड़े-बुजुर्गों ने भी एक साथ आह भरी, क्योंकि हर कोई उसके द्वारा घर पर छोड़ी गई चीज़ों के बारे में सोच रहा था। शनि के पुत्र ने दया भरी नज़रों से उन्हें देखा और थोड़ी देर बाद

मिनर्वा से कहा, “मेरी बच्ची, तुमने अपने नायक को पूरी तरह से त्याग दिया है; क्या वह तुम्हारी यादों से पूरी तरह से मिट गया है? वह अपने प्रिय साथी के बिछड़ने के गम में जहाजों के पास उदास बैठा है, और यद्यपि बाकी सब भोजन करने चले गए हैं, फिर भी वह न खा रहा है और न पी रहा है। तो जाओ और उसके सीने में अमृत और जहन्नम डाल दो, ताकि उसे भूख न लगे।”
इन शब्दों से उसने मिनर्वा को प्रेरित किया, जो पहले से ही उसी विचार
में थी। वह किसी बाज़ की तरह अपने विशाल पंखों पर उड़ती हुई आकाश से नीचे उतरी और चीखने लगी। इस बीच, अचेयन सेना में हथियारबंद हो रहे थे, और जब मिनर्वा ने अकिलीज़ को अमृत और औषधि पिला दी ताकि कोई भीषण भूख उसके अंगों को कमजोर न कर दे, तो वह अपने शक्तिशाली पिता के घर लौट गई। जैसे बृहस्पति के हाथ से गिरे ठंडे बर्फ के टुकड़े उत्तर की तेज़ हवाओं के झोंकों पर उड़ते हैं, वैसे ही चमकते हुए हेलमेट, उभरी हुई ढालें, मज़बूत कवच और राख के भाले जहाजों से निकलते हुए दिखाई दिए। उनकी चमक आकाश को चीर रही थी, पूरी धरती उनके चमकते कवच से जगमगा रही थी, और उनके कदमों की आहट उनके पैरों के नीचे से उठ रही थी। इन सबके बीच अकिलीज़ ने अपना कवच पहना; उसने अपने दांत पीसे, उसकी आंखें आग की तरह चमक रही थीं, क्योंकि उसका दुख असहनीय था। इस प्रकार, ट्रोजनों के प्रति क्रोध से भरकर, उसने देवता का उपहार, वल्कन द्वारा उसके लिए बनाया गया कवच धारण किया।
सबसे पहले उसने टखने की पट्टियों से सुसज्जित सुंदर कवच पहना, फिर
छाती पर कवच। उसने कांसे की चांदी जड़ी तलवार अपने कंधों पर टांगी, और फिर उस विशाल और मजबूत ढाल को उठाया जो दूर से चंद्रमा के समान चमक रही थी। जैसे समुद्र में दूर से नाविकों को पहाड़ों पर अपने घर में आग जलाने पर दिखाई देने वाला प्रकाश, हवा और तूफान के कारण अपने इच्छित बंदरगाह से दूर समुद्र में बह जाता है - ठीक वैसे ही अकिलीज़ की अद्भुत ढाल की चमक आकाश में फैल गई। उसने दुर्जेय हेलमेट उठाया और उसे अपने सिर पर रखा, जहाँ से वह एक तारे की तरह चमक रहा था, और वल्कन द्वारा हेलमेट के शिखर पर घनी तरह से जड़े सुनहरे पंख उसके चारों ओर लहरा रहे थे। फिर अकिलीज़ ने अपने कवच को पहनकर खुद को परखा यह देखने के लिए कि क्या वह उसे ठीक से फिट बैठता है, ताकि उसके अंग उसके नीचे स्वतंत्र रूप से हिल-डुल सकें, और ऐसा लगा जैसे कवच उसे पंखों की तरह ऊपर उठा रहा हो।

उसने अपने पिता का भाला भी भाला-धार से निकाला, एक ऐसा विशाल, भारी और मजबूत भाला जिसे अकिलीज़ के सिवा कोई भी अचेयन उसे चलाने की ताकत नहीं रखता था; यह पेलियन पर्वत की सबसे ऊँची चोटियों से तोड़ी गई पेलियन राख की लकड़ी का भाला था, जिसे चिरोन ने कभी पेलियस को दिया था, और जो वीरों की मृत्यु का कारण बना था। ऑटोमेडन और एल्किमस उसके घोड़ों को जोतने में व्यस्त हो गए; उन्होंने उनके गले में लगाम कसी और उनके मुँह में लगाम डालकर रथ की ओर खींची। ऑटोमेडन, हाथ में चाबुक लिए, घोड़ों के पीछे उछल पड़ा, और उसके पीछे अकिलीज़ पूर्ण कवच में सवार हो गया, सूर्य-देव हाइपरियन के समान तेजस्वी। फिर उसने ऊँची आवाज़ में अपने पिता के घोड़ों को डांटते हुए कहा, “ज़ैंथस और बालियस, पोडार्ज के प्रसिद्ध वंशज – इस बार जब हम युद्ध समाप्त कर लें, तो अपने सारथी को सुरक्षित रूप से अचेयन सेना के पास वापस ले आना, और उसे पैट्रोक्लस की तरह मैदान में मरा हुआ मत छोड़ना।”
तब तेज ज़ैंथस ने जुए के नीचे से उत्तर दिया – क्योंकि श्वेत भुजाओं
वाली जूनो ने उसे मनुष्य जैसी वाणी प्रदान की थी – और उसने अपना सिर इतना झुकाया कि जुए के नीचे लटकते उसके अयाल ज़मीन को छू गए। उसने कहा, ‘भयानक अकिलीज़, हम तुम्हें अभी बचा लेंगे, लेकिन तुम्हारी मृत्यु का दिन निकट है, और इसका दोष हमारा नहीं होगा, क्योंकि स्वर्ग और कठोर भाग्य ही तुम्हारा नाश करेंगे। न ही यह हमारी किसी सुस्ती या लापरवाही के कारण हुआ कि ट्रोजनों ने पैट्रोक्लस का कवच छीन लिया; यह उस शक्तिशाली देवता ने किया जिसे सुंदर लेटो ने जन्म दिया था, जिसने उसे सबसे आगे लड़ते हुए मार डाला और हेक्टर को विजय दिलाई। हम दोनों ज़ेफिरस की तरह तेज़ी से उड़ सकते हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह सभी हवाओं में सबसे तेज़ है; फिर भी तुम्हारा भाग्य एक मनुष्य और एक देवता के हाथों मरना है।’
जब उसने ऐसा कहा तो एरिनिस ने बोलना बंद कर दिया, और अकिलीज़ ने बड़े
दुख से उत्तर दिया, “हे ज़ैंथस, तुम मेरी मृत्यु की भविष्यवाणी क्यों कर रहे हो? तुम्हें ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मैं भली-भांति जानता हूँ कि मुझे यहीं, अपने प्रिय माता-पिता से दूर, मरना है; फिर भी, मैं तब तक नहीं रुकूँगा जब तक मैं ट्रोजनों को युद्ध में पूरी तरह से संतुष्ट न कर दूँ।”
इतना कहकर उसने जोर से चिल्लाते हुए अपने घोड़ों को आगे की ओर
दौड़ाया।

पुस्तक 20

देवताओं ने एक सभा आयोजित की और कैलीकोलोन पहाड़ी और हरक्यूलिस के टीले से लड़ाई देखने का निश्चय किया - अकिलीज़ और एनियास के बीच
लड़ाई को नेपच्यून ने रोक दिया, जिसने एनियास को बचाया - अकिलीज़ ने
कई ट्रोजन को मार डाला।
इस प्रकार, हे पेलेउस के पुत्र, अचेयनों ने युद्ध के लिए तरसते हुए अपने जहाजों के पास तुम्हारे चारों ओर हथियार जमा लिए; जबकि ट्रोजनों ने उनके सामने मैदान की ऊँचाई पर हथियार जमा लिए।
इसी बीच, अनेक घाटियों वाले ओलंपस पर्वत के शिखर से, बृहस्पति ने थेमिस को देवताओं की सभा करने का आदेश दिया, जिसके बाद थेमिस ने उन्हें अपने घर बुलाया। ओशेनस नदी को छोड़कर कोई भी नदी अनुपस्थित नहीं थी, और न ही उन अप्सराओं में से कोई अनुपस्थित थी जो सुंदर उपवनों, नदियों के झरनों और हरी घास के मैदानों में विचरण करती हैं। जब वे बादलों को वश में करने वाले बृहस्पति के घर पहुँचे, तो वे पॉलिश किए हुए संगमरमर के मेहराबों में बैठ गए, जिन्हें वल्कन ने अपनी उत्कृष्ट कला से पिता बृहस्पति के लिए बनाया था।
अतः वे सब बृहस्पति के घर में एकत्रित हुए। भूकंप के देवता नेप्च्यून
ने भी देवी का आह्वान स्वीकार किया और समुद्र से निकलकर उनसे मिल गए। वहाँ, उनके बीच में बैठकर उन्होंने बृहस्पति से पूछा कि उनका उद्देश्य क्या है। उन्होंने कहा, ‘हे बिजली के स्वामी, आपने देवताओं को सभा में क्यों बुलाया है? क्या आप ट्रोजन और अचेयन लोगों से संबंधित किसी मामले पर विचार कर रहे हैं – क्योंकि उनके बीच युद्ध की ज्वाला भड़कने ही वाली है?’
और बृहस्पति ने उत्तर दिया, “हे पृथ्वी को हिलाने वाले, तुम मेरा उद्देश्य जानते हो और इसीलिए मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया है। मैं उनके विनाश में भी उनके लिए चिंतित हूँ। मैं स्वयं माउंट ओलंपस पर बैठकर शांति से देखता रहूँगा, लेकिन तुम सब ट्रोजन और अचेयनों के बीच जाओ और अपनी-अपनी स्थिति के अनुसार दोनों पक्षों की सहायता करो। यदि अकिलीज़ बिना किसी

बाधा के ट्रोजनों से लड़ता है, तो वे उसका सामना नहीं कर पाएँगे; वे हमेशा से उसे देखकर काँपते रहे हैं, और अब जब वह अपने साथी के लिए इतने क्रोधित हैं, तो वह भाग्य को भी चुनौती देकर उनके शहर पर आक्रमण कर देंगे।”
इस प्रकार बृहस्पति ने युद्ध का आदेश दिया, जिसके बाद देवता अपने-अपने पक्ष लेकर युद्ध में उतर गए। जूनो, पल्लास मिनर्वा, पृथ्वी को घेरे हुए नेपच्यून, सौभाग्य लाने वाला और हर तरह की चालाकी में निपुण बुध – ये सभी उस सेना में शामिल हो गए जो जहाजों से आई थी; उनके साथ वल्कन भी अपनी पूरी शान के साथ, लंगड़ाते हुए, लेकिन फिर भी अपने पतले पैरों को पूरी ताकत से चलाते हुए आया। चमकते हुए हेलमेट वाला मंगल ट्रोजनों में शामिल हो गया, और उसके साथ बिना कटे बालों वाला अपोलो, धनुर्धर देवी डायना, लेटो, ज़ैंथस और हंसमुख वीनस भी थीं।
जब तक देवता नश्वर योद्धाओं से दूर रहे, अचेयन विजयी रहे, क्योंकि अकिलीज़, जिसने लंबे समय तक युद्ध करने से इनकार कर दिया था, अब उनके साथ था। पेलियस के बलिष्ठ पुत्र को उसके कवच में पूर्ण वैभवशाली और मंगल ग्रह के समान दिखने पर भय से लगभग हर ट्रोजन भयभीत हो गया। लेकिन जब ओलंपियन मनुष्य जाति में शामिल होने आए, तो तुरंत ही सेनाओं को प्रज्वलित करने वाले शक्तिशाली योद्धा, स्ट्राइफ, और मिनर्वा ने अपनी बुलंद आवाज उठाई; कभी दीवार के बाहर बनी गहरी खाई के किनारे खड़ी होकर, तो कभी गरजते समुद्र के किनारे अपनी पूरी शक्ति से चिल्लाकर। मंगल भी दूसरी ओर से, किसी काले गरजते बादल की तरह, दहाड़ते हुए, ट्रोजनों को अपनी पूरी ताकत से पुकारा; कभी एक्रोपोलिस से, और कभी सिमोइस नदी के किनारे तेजी से बढ़ते हुए, जब तक कि वह कैलिकोलोन पहाड़ी पर नहीं पहुँच गया।
इस प्रकार देवताओं ने दोनों सेनाओं को युद्ध के लिए उकसाया और आपस में
भी भयंकर कलह उत्पन्न कर दी। देवताओं और मनुष्यों के जनक ने ऊपर स्वर्ग से गर्जना की, जबकि नीचे से नेपच्यून ने विशाल पृथ्वी को हिलाकर ऊंचे पहाड़ों को थर्रा दिया। अनेक जलप्रपातों वाली इडा की चोटियाँ और शिखर कांप उठे, साथ ही ट्रोजन नगर और अचेयनों के जहाज भी। पाताल लोक के राजा हेड्स भयभीत हो गए; वे घबराकर अपने सिंहासन से उछल पड़े और भय से जोर-जोर से चिल्लाए कि कहीं भूकंप के देवता नेपच्यून उनके सिर के ऊपर की जमीन को फाड़ न दें और उनके सड़े-गले महलों को मनुष्यों और अमर प्राणियों के सामने उजागर न कर दें - ऐसे भयानक महल जिनके बारे में सोचकर देवता भी सिहर उठते हैं।

देवताओं के युद्ध में एकत्रित होने पर ऐसा ही कोलाहल हुआ। अपोलो अपने बाणों के साथ राजा नेपच्यून का सामना करने के लिए खड़ा हुआ, जबकि मिनर्वा युद्ध के देवता के विरुद्ध खड़ी हुई; सुनहरे बाणों से लैस धनुर्धारी देवी डायना, दूर तक तीर चलाने वाले अपोलो की बहन, जूनो का सामना करने के लिए खड़ी थीं; सौभाग्य लाने वाले शक्तिशाली देवता मरकरी ने लेटो का सामना किया, जबकि शक्तिशाली भंवरदार नदी जिसे मनुष्य स्कैमंडर कहते हैं, लेकिन देवता ज़ैंथस कहते हैं, ने वल्कन के खिलाफ मुकाबला किया।
इस प्रकार, देवता एक-दूसरे के विरुद्ध खड़े हो गए। परन्तु अकिलीज़ का हृदय प्रियम के पुत्र हेक्टर से मिलने पर अड़ा हुआ था, क्योंकि हेक्टर के रक्त से ही वह उस हठी युद्ध-स्वामी को तृप्त करना चाहता था। इसी बीच अपोलो ने ऐनियास को पेलियस के पुत्र पर आक्रमण करने का आदेश दिया और प्रियम के पुत्र लाइकॉन की वाणी में बोलकर उसके हृदय में साहस भर दिया। लाइकॉन के रूप में ऐनियास ने ऐनियास से कहा, ‘ऐनियास, ट्रोजन के सलाहकार, वे वीर शब्द कहाँ गए जिनसे तूने शराब के नशे में ट्रोजन राजकुमारों के सामने शेखी बघारी थी और कहा था कि तू पेलियस के पुत्र अकिलीज़ से एकल युद्ध करेगा?’ और ऐनेस ने उत्तर दिया, “तुम मुझे पेलेउस के घमंडी पुत्र से लड़ने के
लिए क्यों कह रहे हो, जबकि मेरा ऐसा करने का मन ही नहीं है? अगर मुझे अभी उसका सामना करना पड़े, तो यह पहली बार नहीं होगा। उसके भाले ने मुझे पहले ही इडा से भागने पर मजबूर कर दिया था, जब उसने हमारे मवेशियों पर हमला किया और लिरनेसस और पेडासस को लूटा था; वास्तव में बृहस्पति ने मुझे बचा लिया क्योंकि उसने मुझे भागने की शक्ति दी, अन्यथा मैं अकिलीज़ और मिनर्वा के हाथों मारा जाता, जो उसकी रक्षा के लिए उसके आगे-आगे चल रहे थे और उसे लेलेगे और ट्रोजन पर हमला करने के लिए उकसा रहे थे। कोई भी मनुष्य अकिलीज़ से नहीं लड़ सकता, क्योंकि एक देवता हमेशा उसके संरक्षक देवदूत के रूप में उसके साथ रहता है, और अगर ऐसा न भी हो, तो भी उसका हथियार हमेशा सीधा चलता है, और अपने प्रतिद्वंद्वी के शरीर को भेदने में कभी नहीं चूकता; अगर स्वर्ग मुझे उससे बराबरी के स्तर पर लड़ने दे, तो भी वह मुझे जल्दी नहीं हरा पाएगा, भले ही वह दावा करे कि वह कांसे का बना है।”
तब बृहस्पति के पुत्र राजा अपोलो ने कहा, “हे वीर, शाश्वत देवताओं से प्रार्थना करो, क्योंकि लोग कहते हैं कि तुम बृहस्पति की पुत्री वीनस के पुत्र हो, जबकि अकिलीज़ एक निम्न कोटि की देवी का पुत्र है। वीनस बृहस्पति

की संतान है, जबकि थेतिस समुद्र के उस बूढ़े देवता की पुत्री मात्र है। इसलिए, अपना भाला उस पर चलाओ, और उसे अपने उपहासों और धमकियों से तुम्हें डराने मत दो।”
जब उसने ये कहा, तो उसने अपने लोगों के चरवाहे के हृदय में साहस भर
दिया, और वह पूर्ण कवच धारण करके अग्रणी योद्धाओं की पंक्ति में आगे बढ़ा। जब एंचीज़ का पुत्र अकिलीज़ से मिलने के लिए भीड़ में गया, तो श्वेत भुजाओं वाली जूनो की नज़र से भी वह बच नहीं पाया। जूनो ने अपने चारों ओर देवताओं को बुलाया और कहा, ‘हे नेपच्यून और मिनर्वा, ध्यान दो और विचार करो कि आगे क्या होगा; अपोलो फ़ीबस ने अकिलीज़ से लड़ने के लिए पूर्ण कवच धारण किए हुए एनियास को भेजा है। क्या हम उसे तुरंत वापस भेज दें, या हममें से कोई अकिलीज़ के साथ खड़ा होकर उसे शक्ति प्रदान करे ताकि उसका हृदय भयभीत न हो, और वह जान सके कि अमर देवताओं के प्रमुख उसके पक्ष में हैं, जबकि जो लोग अब तक ट्रोजनों का बचाव करते रहे हैं, वे केवल व्यर्थ सहायक हैं? हम सब ओलंपस से नीचे उतरकर युद्ध में शामिल हों, ताकि आज उसे ट्रोजनों के हाथों कोई हानि न हो।’ इसके बाद उसे वही भुगतना पड़े जो उसके जन्म के समय और उसकी माँ के जन्म के समय उसके भाग्य में लिखा था। यदि अकिलीज़ को किसी देवता की वाणी से ऐसा आश्वासन नहीं मिलता, तो वह जल्द ही डर जाएगा जब हममें से कोई उससे युद्ध में मिलेगा, क्योंकि देवता आमने-सामने देखे जाने पर भयानक होते हैं। भूकंप के देवता नेप्च्यून ने जूनो को उत्तर देते हुए कहा, “जूनो, अपने क्रोध को संयमित रखो; यह उचित नहीं है; मैं अन्य देवताओं को हमसे लड़ने के लिए विवश करने के पक्ष में नहीं हूँ, क्योंकि इसमें हमारा पलड़ा भारी है; चलो हम मुख्य मार्ग से दूर किसी पहाड़ी पर अपना स्थान बना लें और मनुष्यों को आपस में लड़ने दें। यदि मार्स या अपोलो फीबस युद्ध शुरू कर दें, या अकिलीज़ को इस प्रकार रोक लें कि वह लड़ न सके, तो हम भी तुरंत युद्ध का आह्वान करेंगे, और उस स्थिति में वे शीघ्र ही मैदान छोड़कर पराजित होकर अन्य देवताओं के बीच ओलंपस लौट जाएँगे।”
इन शब्दों के साथ, काले बालों वाले देवता ने हरक्यूलिस के ऊँचे मिट्टी
के टीले की ओर मार्ग दिखाया, जो ठोस चिनाई से बना था और जिसे ट्रोजन और पल्लास मिनर्वा ने उसके लिए तब बनाया था जब समुद्री राक्षस उसका पीछा करते हुए उसे तट से मैदान तक ले जाता था। यहाँ नेपच्यून और उसके साथी घने अंधकार

के बादल में लिपटे हुए बैठ गए; परन्तु अन्य देवता कैलिकोलोन की चोटी पर, हे फीबस, और नगरों को नष्ट करने वाले मंगल के चारों ओर बैठ गए।
इस प्रकार देवता अलग-अलग बैठकर अपनी योजनाएँ बना रहे थे, परन्तु कोई भी पक्ष दूसरे से युद्ध करने को तैयार नहीं था, और स्वर्ग में विराजमान बृहस्पति उन सब पर शासन कर रहा था। इस बीच, पूरा मैदान पुरुषों और घोड़ों से भरा हुआ था, और कवच की चमक से जगमगा रहा था। जैसे ही वे एक-दूसरे की ओर दौड़े, उनके पैरों की आहट से धरती फिर से काँप उठी, और दो योद्धा, जो उन सबमें सबसे आगे थे, युद्ध के लिए दोनों सेनाओं के बीच आ गए – अर्थात्, एंकीसेस का पुत्र ऐनेस और महान अकिलीज़।
एनीस आक्रमण करने के लिए सबसे पहले आगे बढ़ा, उसका मजबूत हेलमेट
चुनौती भरे अंदाज़ में लहरा रहा था। उसने अपनी मजबूत ढाल को अपनी छाती के सामने रखा और अपने कांसे के भाले को लहराया। दूसरी ओर से पेलियस का पुत्र उस पर झपटा, मानो कोई भयंकर शेर हो जिसे पूरे इलाके में शिकार करने और मारने के लिए इकट्ठा किया गया हो - पहले तो वह शांत दिखता है, लेकिन जब कोई साहसी युवक उसे भाले से घायल कर देता है, तो वह मुंह खोलकर दुबक जाता है, उसके जबड़े से झाग निकलता है, वह क्रोध से दहाड़ता है, अपनी पूंछ को अपनी पसलियों और कमर के चारों ओर घुमाता है, और घूरता हुआ सीधे अपने सामने कूद पड़ता है, यह जानने के लिए कि क्या वह अपने दुश्मनों में सबसे आगे रहकर मारेगा या मारा जाएगा - ठीक इसी क्रोध से अकिलीज़ एनीस पर झपटने के लिए बेताब था।
जब वे एक-दूसरे के बिल्कुल करीब आ गए, तो अकिलीज़ ने सबसे पहले बोलना
शुरू किया। उसने कहा, ‘एनीस, तुम मुझसे लड़ने के लिए सेना के सामने इस तरह क्यों खड़े हो? क्या तुम प्रियम के सिंहासन पर बैठकर ट्रोजनों पर राज करने की आशा रखते हो? नहीं, भले ही तुम मुझे मार डालो, प्रियम अपना राज्य तुम्हें नहीं सौंपेगा। वह एक समझदार व्यक्ति है, और उसके अपने पुत्र हैं। या क्या ट्रोजनों ने तुम्हें बाग-बगीचों और अनाज के खेतों से भरा एक समृद्ध राज्य देने का वादा किया है, अगर तुम मुझे मार डालो? तुम ऐसा मुश्किल से ही कर पाओगे। मैं तुम्हें पहले ही एक बार हरा चुका हूँ। क्या तुम भूल गए हो कि कैसे जब तुम अकेले थे, तब मैंने तुम्हें तुम्हारे झुंडों से खदेड़कर इडा की ढलानों पर भगा दिया था? तुमने पीछे मुड़कर नहीं देखा; तुमने लिरनेसस में शरण ली, लेकिन मैंने शहर पर हमला किया, और मिनर्वा और

पिता ज़्यूस की मदद से मैंने उसे लूटा और उसकी महिलाओं को बंदी बना लिया, हालाँकि ज़्यूस और अन्य देवताओं ने तुम्हें बचा लिया।’ तुम्हें लगता है कि वे अब तुम्हारी रक्षा करेंगे, लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे; इसलिए मैं कहता हूँ कि सेना में वापस चले जाओ, और मेरा सामना मत करो, वरना तुम्हें पछतावा होगा। मूर्ख भी घटना के बाद समझदार हो सकता है।
तब ऐनेस ने उत्तर दिया, “पेलियस के पुत्र, यह मत सोचो कि तुम्हारे शब्द मुझे बच्चे की तरह डरा सकते हैं। मैं भी, अगर चाहूँ तो, घमंड कर सकता हूँ और अनुचित बातें कर सकता हूँ। हम एक-दूसरे के वंश और माता-पिता के बारे में सर्वविदित हैं, हालाँकि न तो तुमने मेरे माता-पिता को देखा है और न ही मैंने तुम्हारे। लोग कहते हैं कि तुम महान पेलियस के पुत्र हो और तुम्हारी माता समुद्र की सुंदर पुत्री थेतिस है। मेरे पिता महान एंकीसेस हैं और माता वीनस; आज हम दोनों में से किसी एक के माता-पिता अपने पुत्र के लिए शोक मनाएँगे, क्योंकि युद्ध समाप्त होने पर हमें अलग करने वाली बात केवल तुच्छ बातें नहीं होंगी। तो, यदि तुम चाहो तो मेरे वंश के बारे में जान लो – और यह तो अनेकों को ज्ञात है।”
आरंभ में, ज़्यूस का पुत्र डारडानस था, जिसने डारडानिया की स्थापना की, क्योंकि इलियस अभी तक मैदान में मनुष्यों के रहने योग्य नहीं था, और उसके लोग अभी भी कई झरनों वाली इडा नदी के किनारे बसे हुए थे। डारडानस का एक पुत्र था, राजा एरिकथोनियस, जो उस समय के सभी लोगों में सबसे धनी था; उसके पास तीन हज़ार घोड़ियाँ थीं जो पानी वाले घास के मैदानों में चरती थीं, वे और उनके बच्चे भी साथ रहते थे। बोरियास चरते समय उन पर मोहित हो गया, और उसने उन्हें काले अयाल वाले घोड़े के रूप में ढक दिया। उन्होंने बारह बछियाओं को जन्म दिया, और ये बछियाएँ जब उपजाऊ मैदान में दौड़ती थीं, तो पके हुए अनाज के दानों पर उछलती हुई निकल जाती थीं और उन्हें तोड़ती नहीं थीं; या फिर जब वे विशाल महासागर की पीठ पर खेलती थीं, तो वे लहरों के शिखर पर सरपट दौड़ सकती थीं। एरिकथोनियस ने ट्रोजन के राजा ट्रोस को जन्म दिया, और ट्रोस के तीन कुलीन पुत्र थे: इलस, असारकस और गैनीमेड, जो मनुष्यों में सबसे सुंदर था; इसलिए देवताओं ने उसकी सुंदरता के कारण उसे बृहस्पति का प्यालावाहक बनाकर अमर लोगों के बीच निवास करने के लिए अपने साथ ले गए। इलस ने लाओमेडोन को जन्म दिया, और लाओमेडोन ने मंगल के वंशज टिथोनस, प्रियम,

लैम्पस, क्लिटियस और हिकेताओन को जन्म दिया। असारकस कैपिस का पिता था, और कैपिस एंकीसेस का, जो मेरे पिता थे, जबकि हेक्टर प्रियम का पुत्र है। मैं अपने वंश और खानदान के बारे में यही कहता हूँ, परन्तु वीरता तो बृहस्पति ही देता है और ले लेता है, क्योंकि वही सर्वोपरि है। अब युद्ध के बीच में बच्चों की तरह ये बकवास बंद करो। हम एक-दूसरे पर अंतहीन ताने मार सकते हैं; सौ चप्पू वाली नाव भी उन्हें संभाल नहीं पाएगी। ज़बान इधर-उधर जा सकती है और ज्ञान की बातें कर सकती है; यह इधर-उधर जा सकती है, और जैसा कोई कहता है, वैसा ही उसे जवाब मिलता है। स्त्रियों की तरह कठोर शब्दों का प्रयोग करने का क्या लाभ, जो आपस में झगड़ने पर सड़कों पर जाकर झगड़ा करती हैं, आधा सच और आधा झूठ, जैसे क्रोध उन्हें उकसाता है? अब जब मैं लड़ने के लिए बेताब हूँ, तो तुम्हारे शब्द मुझे विचलित नहीं कर सकते – इसलिए आओ हम अपने भालों से एक-दूसरे को परखें।
बोलते ही उसने अपना भाला अकिलीज़ की विशाल और भयानक ढाल पर चलाया,
जिससे भाले की नोक टकराते ही एक ज़ोरदार आवाज़ हुई। पेलियस के पुत्र ने ढाल को अपने बलवान हाथ से थामे रखा था और वह भयभीत था, क्योंकि उसे लगा था कि ऐनेस का भाला आसानी से उसे भेद देगा। उसे यह ख्याल नहीं था कि देवता के दिए हुए ये शानदार उपहार नश्वर मनुष्यों के प्रहारों के आगे झुकने वाले नहीं थे। और सचमुच ऐनेस का भाला ढाल को भेद नहीं पाया, क्योंकि देवता द्वारा प्रदत्त सोने की परत ने उसकी नोक को रोक दिया। भाला दो परतों से होकर गुजरा, जबकि देवता ने ढाल को पाँच परतों से बनाया था - दो पीतल की, सबसे भीतरी दो परतें टिन की और एक सोने की; इसी परत में भाला रुका रहा। एकिलीज़ ने बारी-बारी से वार किया और एनेस की गोल ढाल के ठीक किनारे पर, जहाँ पीतल सबसे पतला था, प्रहार किया; पेलियन राख से बना भाला आर-पार हो गया और ढाल प्रहार से हिल उठी; एनेस भयभीत होकर पीछे की ओर झुक गया और ढाल को अपने से दूर रखने की कोशिश की; हालाँकि, भाला उसकी पीठ के ऊपर से निकल गया और ढाल के दोनों घेरों को भेदते हुए ज़मीन में गड़ गया। एनेस भाले से बच तो गया था, लेकिन भय और दुःख से व्याकुल होकर वहीं खड़ा रहा क्योंकि हथियार उसके इतने करीब से गुजरा था; तभी एकिलीज़ मृत्यु की चीख के साथ और अपनी तेज तलवार खींचे हुए उस पर टूट पड़ा, और एनेस ने एक विशाल पत्थर पकड़ लिया, जो इतना बड़ा था कि आज के दो आदमी भी उसे उठा नहीं पाते, लेकिन एनेस ने उसे बड़ी आसानी से उठा लिया।

अगर भूकंप के देवता नेपच्यून ने तुरंत ध्यान न दिया होता और अमर
देवताओं से न कहा होता, ‘हाय, मुझे महान एनेस के लिए खेद है, जो अब पेलियस के पुत्र से पराजित होकर पाताल लोक जाएगा। अपोलो की सलाह मानना उसकी मूर्खता थी। अपोलो उसे विनाश से कभी नहीं बचाएगा। जब वह निर्दोष है, व्यर्थ है और दूसरे के झगड़े में है, तो उसे क्यों कष्ट भोगना चाहिए? क्या उसने स्वर्ग में रहने वाले देवताओं को हमेशा स्वीकार्य बलिदान नहीं दिया? तो चलो उसे मृत्यु के चंगुल से बचा लें, कहीं ऐसा न हो कि अगर एनेस उसे मार डाले तो शनि का पुत्र क्रोधित हो जाए।’ इसके अलावा, यह नियति है कि वह बच निकलेगा, और डार्डनस का वंश, जिसे बृहस्पति अपने सभी पुत्रों से अधिक प्रिय मानता था, बिना किसी संतान या निशानी के पूरी तरह से नष्ट नहीं होगा। क्योंकि अब बृहस्पति ने प्रियम के रक्त से घृणा की है, जबकि एनियास ट्रोजनों पर शासन करेगा, वह और उसके वंशज जो भविष्य में जन्म लेंगे।
तब जूनो ने उत्तर दिया, “हे पृथ्वी को हिला देने वाली देवी, इस मामले को स्वयं देखो और ऐनेस के विषय में विचार करो कि क्या तुम उसे बचाओगी या उसे, चाहे वह कितना भी बहादुर क्यों न हो, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के हाथों मरने दोगी। क्योंकि वास्तव में हम दोनों, मैं और पल्लास मिनर्वा, सभी अमर देवताओं के समक्ष कई बार शपथ खा चुके हैं कि हम ट्रोजनों को विनाश से कभी नहीं बचाएंगे, यहाँ तक कि तब भी नहीं जब सारा ट्रॉय अचियनों द्वारा प्रज्वलित आग की लपटों में जल रहा होगा।”
जब पृथ्वी को घेरे हुए नेपच्यून ने यह सुना, तो वह भालों की खड़खड़ाहट
के बीच युद्ध में उतर आया और उस स्थान पर पहुँचा जहाँ अकिलीज़ और एनियास थे। उसने तुरंत पेलियस के पुत्र की आँखों के सामने अँधेरा कर दिया, एनियास की ढाल से काँसे के सिरे वाला राख का भाला निकाला और उसे अकिलीज़ के चरणों में रख दिया। फिर उसने एनियास को पृथ्वी से ऊपर उठा लिया और उसे तेज़ी से ले गया। देवता के हाथ के इशारे पर वह घुड़सवार और पैदल योद्धाओं के कई समूहों के सिर के ऊपर से उड़ता हुआ युद्ध के बिल्कुल किनारे पर पहुँच गया, जहाँ कोकोनियन युद्ध के लिए हथियार उठा रहे थे। पृथ्वी को हिलाने वाले नेपच्यून ने तब उसके पास आकर कहा, 'एनियास, किस देवता ने तुम्हें पेलियस के पुत्र से लड़ने की इस मूर्खता के लिए उकसाया है, जो तुमसे कहीं अधिक पराक्रमी और स्वर्ग का प्रिय है?' जब भी तुम उससे मिलो, उसके सामने रास्ता छोड़ देना, नहीं तो भाग्य चाहे जो भी चाहे, तुम्हें नरक में जाना पड़ेगा।

जब अकिलीज़ मर जाएगा, तब तुम निडर होकर सबसे आगे वालों में शामिल हो सकते हो, क्योंकि अकेयन वंश का कोई भी अन्य व्यक्ति तुम्हें मार नहीं पाएगा। ये निर्देश देने के बाद देवता उसे छोड़कर चले गए और तुरंत ही अकिलीज़
की आँखों से अँधेरा हटा दिया। अकिलीज़ ने अपनी आँखें चौड़ी करके बड़े क्रोध से कहा, “हाय! मैं यह क्या चमत्कार देख रहा हूँ? मेरा भाला ज़मीन पर पड़ा है, पर मुझे वह दिखाई नहीं दे रहा जिसे मैं मारना चाहता था। सच तो यह है कि ऐनेस भी स्वर्ग की शरण में होगा, हालाँकि मैंने सोचा था कि उसका घमंड व्यर्थ है। उसे फाँसी पर लटका दो; बाल-बाल बचकर वह अब मुझसे लड़ने के मूड में नहीं होगा। अब मैं दानानों को आदेश दूँगा और ट्रोजन में से किसी और पर हमला करूँगा।”
वह पंक्ति के साथ-साथ आगे बढ़ा और अपने सैनिकों का उत्साह बढ़ाते हुए बोला, ‘अकेयनों, ट्रोजनों को मुझसे दूर मत रहने दो, बल्कि उन पर टूट पड़ो और उनसे आमने-सामने लड़ो। मैं चाहे कितना भी वीर क्यों न हूँ, इतने सारे सैनिकों का पीछा करना और उन सभी से लड़ना मेरे लिए संभव नहीं है। यहाँ तक कि अमर मंगल या मिनर्वा भी ऐसे युद्ध में कूदने और हमला करने से कतराते; फिर भी, जहाँ तक मुझमें सामर्थ्य है, मैं एक पल के लिए भी हाथ-पैर या सहनशक्ति में कोई कमी नहीं आने दूँगा; मैं उनकी पंक्तियों को पूरी तरह से तोड़ दूँगा, और उस ट्रोजन का बुरा हाल होगा जो मेरे भाले की पहुँच में आने की हिम्मत करेगा।’
इस प्रकार उसने उन्हें प्रेरित किया। इसी बीच हेक्टर ने ट्रोजनों को बुलाया और घोषणा की कि वह अकिलीज़ से युद्ध करेगा। उसने कहा, “घमंडी ट्रोजनो, पेलियस के पुत्र का सामना करने से मत डरो; अगर युद्ध केवल शब्दों का होता तो मैं स्वयं देवताओं से लड़ सकता था, लेकिन अगर हमें अपने भालों का प्रयोग करना पड़ा तो वे मेरे लिए पर्याप्त शक्तिशाली साबित होंगे। ठीक उसी प्रकार अकिलीज़ का कर्म उसके वचन से कुछ कमतर साबित होगा; वह कुछ करेगा और कुछ अधूरा छोड़ देगा। मैं उसका सामना करूंगा चाहे उसके हाथ आग के समान हों – चाहे उसके हाथ आग के समान हों और उसकी शक्ति लोहे की।”
इस प्रकार उत्तेजित होकर ट्रोजनों ने अचेयनों के विरुद्ध अपने भाले
उठा लिए और युद्ध का नारा लगाते हुए उनकी सेना के बीचोंबीच कूद पड़े। परन्तु अपोलो फ़ीबस हेक्टर के पास आया और बोला, ‘हेक्टर, किसी भी हालत में अकिलीज़ को अकेले युद्ध के लिए चुनौती मत दो; जब तुम दूसरों की आड़ में हो

और युद्ध के मैदान से दूर हो, तब उस पर नज़र रखो, अन्यथा वह या तो तुम्हें भाले से मार डालेगा या निकट से ही तुम्हारा वध कर देगा।’
इस प्रकार उसने कहा, और हेक्टर भीड़ में पीछे हट गया, क्योंकि देवता की कही बातें सुनकर वह भयभीत हो गया था। तब अकिलीज़ एक भयानक गर्जना के साथ ट्रोजनों पर टूट पड़ा, मानो उसने वीरता का वस्त्र पहना हो। सबसे पहले उसने ओट्रिनटियस के पुत्र इफ़िशन को मार डाला, जो एक बड़ी सेना का नेता था और जिसे नगरों को नष्ट करने वाले ओट्रिनटियस से एक जलपरी ने जन्म दिया था। यह घटना हाइडे की भूमि में, माउंट टमोलस की बर्फीली चोटियों के नीचे हुई थी। अकिलीज़ ने उसकी ओर आते हुए उसके सिर पर ज़ोरदार प्रहार किया और उसका सिर दो टुकड़ों में फट गया; जिसके बाद वह ज़मीन पर ज़ोर से गिर पड़ा और अकिलीज़ ने उस पर गर्व करते हुए कहा, 'हे ओट्रिनटियस के पुत्र, महान वीर, तुम नीच हो; तुम्हारी मृत्यु यहीं हुई है, लेकिन तुम्हारा वंश गाइगियन झील पर है जहाँ तुम्हारे पिता की जागीर है, जो मछलियों से भरपूर हिलस और हर्मस के भंवरदार जल के पास स्थित है।'
इस प्रकार उसने शेखी बघारी, परन्तु अंधकार ने दूसरे की आँखें बंद कर
दीं। अचेयनों के रथों ने युद्ध के मोर्चे पर उसके ऊपर से गुजरते हुए उसे काट डाला, और उसके बाद अकिलीज़ ने एंटनोर के पुत्र और वीर योद्धा डेमोलियन को मार डाला। उसने उसके काँसे हुए हेलमेट को भेदते हुए उसकी कनपटी पर वार किया। हेलमेट भाले को रोक नहीं सका, बल्कि वह सीधे अंदर घुस गया, हड्डी को इस प्रकार कुचल दिया कि अंदर का मस्तिष्क चारों ओर बिखर गया, और उसकी युद्ध की इच्छा समाप्त हो गई। फिर उसने हिप्पोडामस के पेट पर वार किया जब वह उसके सामने अपने रथ से कूदकर भागने की कोशिश कर रहा था। उसने अंतिम साँस ली, उस बैल की तरह गरजते हुए जब युवक उसे हेलिस के राजा को बलि चढ़ाने के लिए घसीट रहे होते हैं, और पृथ्वी को हिला देने वाले का हृदय प्रसन्न होता है: ठीक उसी तरह वह मरते समय गरज रहा था। फिर अकिलीज़, प्रियम के पुत्र पोलिडोरस का पीछा करने लगा, जिसे उसके पिता ने हमेशा युद्ध करने से मना किया था क्योंकि वह उसका सबसे छोटा पुत्र, सबसे प्रिय पुत्र और सबसे तेज़ धावक था। अपनी मूर्खता में, और अपने पैरों की फुर्ती का प्रदर्शन करते हुए, वह अग्रिम पंक्ति के बीच दौड़ रहा था, जब तक कि उसकी जान नहीं चली गई, क्योंकि अकिलीज़ ने उसे पीछे से गुज़रते हुए पीठ के बीचोंबीच वार किया: उसने ठीक उसकी कमरबंद के सुनहरे बंधनों पर और दोहरी कवच के दो टुकड़ों के आच्छादित

होने वाली जगह पर वार किया। भाले की नोक उसके शरीर को भेदकर नाभि के पास से निकल गई, जिस पर वह कराहते हुए घुटनों के बल गिर पड़ा और जैसे ही वह अपने हाथ में अपनी आंतें पकड़े हुए डूब गया, उस पर अंधकार का बादल छा गया।
जब हेक्टर ने अपने भाई पोलिडोरस को अपने हाथ में आंतें लिए ज़मीन पर गिरते हुए देखा, तो उसकी आँखों में एक अजीब सी उदासी छा गई और वह दूर खड़े रहना सहन नहीं कर सका; इसलिए उसने अपना भाला उठाया और आग की लपट की तरह अकिलीज़ की ओर झपटा। जब अकिलीज़ ने उसे देखा तो वह उछलकर आगे बढ़ा और गर्व से बोला, ‘यही वह है जिसने मेरे दिल को सबसे गहरा घाव दिया है और मेरे प्रिय साथी को मार डाला है। अब हम दोनों युद्ध के मैदानों में एक-दूसरे के सामने ज़्यादा देर तक नहीं डरेंगे।’
उसने हेक्टर को क्रोधित दृष्टि से देखा और कहा, 'निकट आओ, ताकि
तुम्हारा अंत शीघ्र हो जाए।' हेक्टर उससे भयभीत नहीं हुआ और उत्तर दिया, 'पेलियस के पुत्र, यह मत सोचो कि तुम्हारे शब्द मुझे बच्चे की तरह डरा सकते हैं; मैं भी चाहूँ तो घमंड कर सकता हूँ और अनुचित बातें कर सकता हूँ; मैं जानता हूँ कि तुम एक शक्तिशाली योद्धा हो, मुझसे कहीं अधिक शक्तिशाली, फिर भी परिणाम ईश्वर के हाथ में है कि क्या मैं, चाहे मैं कितना भी बुरा क्यों न हूँ, तुम्हें अपने भाले से मार डालूँगा, क्योंकि यह भाला भी पहले ही धारदार साबित हो चुका है।'
बोलते हुए उसने अपना भाला फेंका, लेकिन मिनर्वा ने उस पर अपनी साँस
फूँक दी, और यद्यपि उसने बहुत हल्की साँस ली, फिर भी भाला अकिलीज़ की ओर जाने से रुक गया, जिससे वह हेक्टर की ओर लौट आया और उसके पैरों के पास उसके सामने गिर गया। अकिलीज़ ने ज़ोर से चिल्लाते हुए उस पर हमला कर दिया, मानो उसे मार डालना चाहता हो, लेकिन अपोलो ने उसे एक देवता की तरह आसानी से पकड़ लिया और घने अंधेरे में छिपा दिया। अकिलीज़ ने तीन बार भाला हाथ में लिए उसकी ओर छलांग लगाई, और तीनों बार उसका वार हवा में ही व्यर्थ गया। जब वह चौथी बार एक देवता की तरह आगे बढ़ा, तो उसने ज़ोर से चिल्लाते हुए कहा, 'कुत्ते, इस बार भी तू मौत से बच गया - लेकिन सच में मौत तेरे बेहद करीब आ गई थी। अपोलो, जिसकी तू युद्ध में जाने से पहले प्रार्थना करता है, ने तुझे फिर बचा लिया है; लेकिन अगर देवताओं में मेरा भी कोई मित्र है, तो मैं तुझे किसी और समय मिलने पर अवश्य ही मार डालूँगा। अब, मैं दूसरे ट्रोजनों का पीछा करूँगा और उन्हें पकड़ लूँगा।'

इस पर उसने ड्रायोप्स की गर्दन के मध्य भाग पर भाले से प्रहार किया, जिससे वह उसके पैरों पर सिर के बल गिर पड़ा। उसने उसे वहीं पड़ा रहने दिया और फिलेटोर के पुत्र डेमोकस, जो एक वीर और विशालकाय व्यक्ति था, को भाले से घुटने पर प्रहार करके रोक दिया; फिर उसने अपनी तलवार से उस पर वार करके उसे मार डाला। इसके बाद वह बियास के पुत्रों लाओगोनस और डारडानस पर झपटा और उन्हें उनके रथ से नीचे गिरा दिया, एक को भाले के एक ही वार से, जबकि दूसरे को उसने हाथापाई में मार गिराया। वहाँ एलास्टोर का पुत्र ट्रोस भी था - वह अकिलीज़ के पास आया और इस उम्मीद में अपने घुटने पकड़ लिए कि अकिलीज़ उसे बख्श देगा और मारेगा नहीं बल्कि जाने देगा, क्योंकि दोनों की उम्र एक ही थी। मूर्ख, उसे पता होना चाहिए था कि वह उसे मना नहीं पाएगा, क्योंकि वह व्यक्ति दया या सहनशीलता के मूड में नहीं था, बल्कि गंभीर था। इसलिए जब ट्रोस ने अपने घुटने टेककर प्रार्थना की, तो अकिलीज़ ने अपनी तलवार उसके जिगर में घुसा दी, और जिगर बाहर निकल आया, जबकि उसका सीना घाव से बहते काले खून से लथपथ हो गया। इस प्रकार मृत्यु ने उसकी आँखें बंद कर लीं और वह बेजान होकर वहीं पड़ा रहा।
फिर अकिलीज़ मुलियस के पास गया और भाले से उसके कान पर वार किया, भाले
की नोक दूसरे कान से बाहर निकल गई। उसने एजेनोर के पुत्र एचेक्लस के सिर पर भी अपनी तलवार से वार किया, जो खून से लथपथ हो गई, और मृत्यु और कठोर भाग्य ने एचेक्लस की आँखें बंद कर दीं। इसके बाद, उसके भाले की नोक ने ड्यूकालियन को कोहनी के जोड़ के पास, बांह में घायल कर दिया, जहाँ वह अपना हाथ लटकाए, मृत्यु को घूरता हुआ अकिलीज़ के हमले की प्रतीक्षा कर रहा था। अकिलीज़ ने अपनी तलवार के एक ही वार से उसका सिर काट दिया और हेलमेट समेत उससे दूर फेंक दिया, और जब वह पड़ा था, उसकी रीढ़ की हड्डी से मज्जा रिसने लगी। फिर वह उपजाऊ थ्रेस से आए पीयर्स के कुलीन पुत्र रिग्मस का पीछा करने गया और उसके पेट में भाले से वार किया, जिससे वह अपने रथ से सिर के बल गिर पड़ा। उसने आरिथस के सहायक को भी पीछे से भाले से घायल कर दिया जब वह भागते समय अपने घोड़ों को मोड़ रहा था, और उसे उसके रथ से नीचे धकेल दिया, जबकि घोड़े दहशत में आ गए थे।
जैसे किसी पर्वतीय घाटी में लंबे सूखे के बाद भयंकर आग लग जाती है और
घना जंगल जल उठता है, हवा आग की बड़ी-बड़ी लपटें हर दिशा में उड़ा ले जाती है – ठीक उसी प्रकार अकिलीज़ उग्र रूप से क्रोधित हुआ, मानो वह देवता हो और

अपने भाले को चलाते हुए उन लोगों का पीछा करता रहा जिन्हें वह मारना चाहता था, यहाँ तक कि काली धरती खून से लथपथ हो गई। या जैसे कोई चौड़े माथे वाले बैलों को खलिहान में जौ रौंदने के लिए जोतता है – और वह जल्दी ही रंभाते पशुओं के पैरों तले कुचल जाता है – ठीक उसी प्रकार अकिलीज़ के घोड़े मारे गए लोगों की ढालों और शवों को रौंदते चले गए। रथ के नीचे का धुरा और उसके चारों ओर लगी रेलिंग घोड़ों के खुरों और पहियों के टायरों से निकले खून के थक्कों से लथपथ हो गई थी; परन्तु पेलेउस का पुत्र और अधिक यश प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ता रहा, और उसके हाथ खून से सने हुए थे।

पुस्तक 21

अकिलीज़ और स्कैमंडर नदी के बीच युद्ध - देवता आपस में लड़ते हैं - अकिलीज़ ट्रोजन को उनके द्वार के भीतर खदेड़ देता है।
जब वे अमर बृहस्पति की पुत्री ज़ैंथस नदी के उफान पर पहुँचे, तो अकिलीज़ ने उनकी सेना को दो भागों में बाँट दिया: एक भाग को उसने मैदान में शहर की ओर उसी रास्ते से खदेड़ दिया, जिस रास्ते से पिछले दिन हेक्टर के विजयोत्सव के दौरान अचेयन घबराकर भागे थे; वे इसी रास्ते से बेतहाशा भागे, और जूनो ने उन्हें रोकने के लिए उनके आगे घना कोहरा छा दिया। दूसरा भाग चांदी जैसी चमकती गहरी धारा में घिर गया, और शोर मचाते हुए उसमें गिर पड़ा। पानी गूंज उठा, और किनारे फिर से गूंज उठे, क्योंकि वे घूमते हुए भंवरों के बीच ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हुए इधर-उधर तैर रहे थे। जैसे घास में लगी आग की लपटों से बचने के लिए टिड्डे नदी की ओर उड़ते हैं - आग की लपटें तब तक बढ़ती रहती हैं जब तक कि अंत में वे उन्हें अपनी चपेट में नहीं ले लेतीं और वे पानी में दुबक जाती हैं - ठीक उसी तरह ज़ैंथस की भंवरदार धारा पुरुषों और घोड़ों के कोलाहल से भरी हुई थी, जो सभी अकिलीज़ के सामने अफरा-तफरी में संघर्ष कर रहे थे।
तुरंत ही वीर ने अपना भाला नदी के किनारे एक इमली की झाड़ी के सहारे रख दिया और केवल अपनी तलवार से लैस होकर देवता की तरह नदी में कूद पड़ा। उसका इरादा भयानक था, और उसने चारों ओर से ट्रोजनों को काट डाला। तलवार के प्रहार से उनकी कराहें भयावह रूप से गूंज उठीं और नदी खून से लाल हो गई। जैसे कोई मछली किसी विशाल डॉल्फ़िन के सामने डरकर भागती है और किसी सुंदर बंदरगाह के हर कोने में भर जाती है - क्योंकि वह निश्चित रूप से उन सभी को खा जाएगी जिन्हें वह पकड़ सकती है - ठीक वैसे ही ट्रोजन शक्तिशाली नदी के किनारों के नीचे दुबक गए, और जब अकिलीज़ के हाथ उन्हें मारते-मारते थक गए, तो उसने मेनोटियस के पुत्र पेट्रोक्लस का बदला लेने के लिए बारह युवकों को जीवित पानी से बाहर निकाला। उसने उन्हें स्तब्ध हिरणों की तरह बाहर निकाला, उनके हाथों को उनकी ही कमीजों की कमरबंद से पीछे बांध दिया और

उन्हें अपने आदमियों को सौंप दिया ताकि वे उन्हें जहाजों पर वापस ले जा सकें। फिर वह और अधिक खून की प्यास में नदी में कूद पड़ा।
वहाँ उसने प्रियम के पुत्र, डार्डनस के वंशज लाइकॉन को पानी से भागते हुए पाया; वही था जिसे उसने एक बार उसके पिता के अंगूर के बाग में बंदी बना लिया था, जब वह एक जंगली अंजीर के पेड़ से रथ के लिए बेंत के किनारे बनाने के लिए नई कोंपलें काट रहा था, तब रात में उस पर हमला करके। तब अकिलीज़ ने उसे अचानक पकड़ लिया और उसे समुद्र के रास्ते लेम्नोस भेज दिया, जहाँ जेसन के पुत्र ने उसे खरीद लिया। लेकिन एक अतिथि मित्र, इम्ब्रोस के एटियन ने उसे बड़ी रकम देकर मुक्त कराया और उसे अरिसबे भेज दिया, जहाँ से वह भागकर अपने पिता के घर लौट आया था। लेम्नोस से आने के बाद उसने अपने दोस्तों के साथ ग्यारह दिन खुशी से बिताए, लेकिन बारहवें दिन स्वर्ग ने उसे फिर से अकिलीज़ के हाथों सौंप दिया, जिसने उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध नरक में भेज दिया। जब अकिलीज़ ने उसे देखा तो वह निहत्था था, उसके पास न तो हेलमेट था और न ही ढाल; और उसके पास कोई भाला भी नहीं था, क्योंकि उसने अपने सारे कवच नदी के किनारे फेंक दिए थे, और नदी से बाहर निकलने के संघर्ष में वह पसीने से तरबतर हो रहा था, जिससे उसकी ताकत अब जवाब दे रही थी।
तब अकिलीज़ ने आश्चर्य से मन ही मन कहा, ‘यह कैसा चमत्कार है जो मैं देख रहा हूँ? यदि यह व्यक्ति लेम्नोस में बेचे जाने के बाद भी जीवित लौट सकता है, तो मैं उन ट्रोजनों को भी पाता हूँ जिन्हें मैंने मारा है। क्या धूसर सागर का जल भी उसे कैद नहीं कर सकता, जैसा कि वह चाहे या न चाहे, कई अन्य लोगों को करता है? इस बार उसे मेरे भाले का स्वाद चखने दो, ताकि मुझे निश्चित रूप से पता चल जाए कि क्या धरती माता, जो एक बलवान व्यक्ति को भी वश में कर सकती है, उसे रोक पाएगी या वह वहाँ से भी लौट जाएगा।’
इस प्रकार वह रुका और सोचने लगा। तभी लाइकान स्तब्ध अवस्था में उसके
पास आया और अपने घुटनों को थामने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि वह जीना चाहता था, मरना नहीं। अकिलीज़ ने उसे जान से मारने के इरादे से अपने भाले से उस पर प्रहार किया, लेकिन लाइकान दौड़कर उसके पास पहुँचा और उसके घुटनों को पकड़ लिया, जिससे भाला उसकी पीठ के ऊपर से निकलकर ज़मीन में धंस गया, मानो खून का प्यासा हो। एक हाथ से उसने अकिलीज़ के घुटनों को थाम लिया और उससे विनती की, और दूसरे हाथ से उसने भाले को कसकर पकड़ लिया और उसे छोड़ने को तैयार नहीं था। फिर उसने कहा, 'अकिलीज़, मुझ पर दया करो और मुझे

बख्श दो, क्योंकि मैं तुम्हारा याचक हूँ। जिस दिन तुमने मुझे अंगूर के बाग में बंदी बनाया था, उसी दिन मैंने तुम्हारे तम्बुओं में पहली बार रोटी खाई थी; जिसके बाद तुमने मुझे मेरे पिता और मित्रों से दूर लेम्नोस में बेच दिया, और मैंने तुम्हें सौ बैलों की कीमत दी। मैंने अपनी आज़ादी पाने के लिए तीन गुना अधिक कीमत चुकाई है; बहुत कष्ट सहने के बाद बारह दिनों में ही मैं इलियस पहुँचा हूँ, और अब निर्दयी भाग्य ने मुझे फिर से तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है। निश्चय ही पिता बृहस्पति मुझसे घृणा करते होंगे, तभी तो उन्होंने मुझे दूसरी बार तुम्हारे हवाले किया है। मेरी माता लाओथोई ने मुझे जन्म देते समय बहुत कम उम्र में ही जन्म दिया था, वह वृद्ध एल्ट्स की पुत्री थीं – वही एल्ट्स जो युद्धप्रिय लेलेगे पर राज करते हैं और सैटनिओइस नदी पर स्थित ऊंचे पेडासस पर्वत पर अधिकार रखते हैं। प्रियम ने उनकी पुत्री से कई अन्य स्त्रियों के साथ विवाह किया और उनसे दो पुत्र उत्पन्न हुए, जिन्हें तुम मार डालोगे। तुम्हारे भाले ने वीर पोलिडोरस को अग्रिम पंक्ति में लड़ते हुए मार डाला, और अब यहाँ मुझ पर विपत्ति आएगी, क्योंकि मुझे डर है कि मैं तुमसे बच नहीं पाऊँगा, क्योंकि स्वर्ग ने मुझे तुम्हारे हवाले कर दिया है। इसके अलावा, मैं तुमसे विनती करता हूँ, और मेरी बात को ध्यान से सुनो, मुझे बख्श दो, क्योंकि मैं हेक्टर की कोख से नहीं हूँ, जिसने तुम्हारे बहादुर और वीर साथी को मार डाला।
प्रियम के राजकुमार पुत्र ने इन्हीं शब्दों से अकिलीज़ से विनती की; लेकिन अकिलीज़ ने उसे कठोर शब्दों में उत्तर दिया। “मूर्ख,” उसने कहा, “मुझसे फिरौती की बात मत करो। पैट्रोक्लस के गिरने से पहले तक मैं ट्रोजनों को दया देना पसंद करता था, और मैंने जीवित पकड़े गए कई लोगों को समुद्र पार बेच दिया था; लेकिन अब इलियस नगर के सामने स्वर्ग से मेरे हाथों में सौंपे गए लोगों में से एक भी जीवित नहीं बचेगा – और सभी ट्रोजनों में प्रियम के पुत्रों का सबसे बुरा हाल होगा। इसलिए, मेरे मित्र, तुम भी मरोगे। इस तरह क्यों रो रहे हो? पैट्रोक्लस मारा गया, और वह तुमसे कहीं बेहतर था। मैं भी – क्या तुम नहीं देखते कि मैं कितना महान और सुंदर हूँ? मैं एक कुलीन पिता का पुत्र हूँ, और मेरी माता एक देवी हैं, लेकिन नियति और मृत्यु के हाथ मुझ पर भी समान रूप से मंडरा रहे हैं। वह दिन आएगा, चाहे भोर हो या रात, या दोपहर, जब कोई युद्ध में मुझे भी मार डालेगा, या तो अपने भाले से, या अपने धनुष से निकले तीर से।”

जैसे ही उसने ये कहा, लाइकान का हृदय धंस गया। उसने भाले पर अपनी पकड़ ढीली कर दी और दोनों हाथ आगे बढ़ा दिए; परन्तु अकिलीज़ ने अपनी तेज तलवार निकाली और उसकी गर्दन पर कॉलरबोन पर वार किया; उसने अपनी दोधारी तलवार पूरी तरह से उसके शरीर में धंसा दी, जिससे वह जमीन पर सीधा लेट गया और उसका काला खून इतना बह रहा था कि धरती भीग गई। फिर अकिलीज़ ने उसका पैर पकड़कर उसे नदी में फेंक दिया और उस पर गर्व करते हुए कहा, ‘मछलियों के बीच वहीं पड़ा रह, जो तेरे घाव से खून चाटेंगी और उस पर खुश होंगी; तेरी माँ तुझे किसी अर्थी पर रखकर शोक नहीं मनाएगी, परन्तु स्कैमंडर की भंवरें तुझे समुद्र की विशाल गोद में ले जाएंगी।’ वहाँ मछलियाँ लाइकाओन की चर्बी को खाएँगी, जैसे ही वे पानी की गहरी लहरों के नीचे फुदकेंगी - इस प्रकार तुम सब नष्ट हो जाओगे जब तक हम शक्तिशाली इलियस के गढ़ तक नहीं पहुँच जाते - तुम भागते रहोगे, और मैं तुम्हारा पीछा करके तुम्हें नष्ट कर दूँगा। नदी, अपनी चौड़ी चाँदी जैसी धारा के साथ, तुम्हारे किसी काम नहीं आएगी, क्योंकि तुमने उसे जितने बैल चढ़ाए और जितने घोड़े जीवित ही उसके पानी में फेंक दिए। फिर भी तुम उतने ही दयनीय रूप से नष्ट हो जाओगे जब तक कि तुममें से एक भी ऐसा व्यक्ति न बचे जिसने पैट्रोक्लस की मृत्यु और अचियनों के बीच मचाई गई तबाही का पूरा बदला न चुकाया हो, जिन्हें तुमने तब मारा था जब मैं युद्ध से दूर रहा था।
अकिलीज़ ने ऐसा कहा, लेकिन नदी और भी क्रोधित होती चली गई और मन ही मन सोचने लगी कि वह अकिलीज़ के हाथ को कैसे रोके और ट्रोजनों को विपत्ति से बचाए। इसी बीच, पेलेउस का पुत्र, हाथ में भाला लिए, पेलेगॉन के पुत्र एस्टेरोपियस पर झपटा। वह विशाल नदी एक्सियस और एसेसेमेनस की सबसे बड़ी पुत्री पेरिबोआ का पुत्र था; क्योंकि नदी ने उसके साथ संबंध बनाया था। एस्टेरोपियस दोनों हाथों में भाला लिए पानी से बाहर निकला और ज़ैंथस ने उसे साहस प्रदान किया, क्योंकि वह उन युवकों की मृत्यु से क्रोधित था जिन्हें अकिलीज़ उसके जल में निर्दयतापूर्वक मार रहा था। जब वे एक-दूसरे के करीब आए, तो अकिलीज़ ने पहले बात की। उसने कहा, 'तुम कौन हो और कहाँ से आए हो, जो मुझसे मुकाबला करने का साहस करते हो? उन माता-पिता पर धिक्कार हो जिनका पुत्र मेरे विरुद्ध खड़ा होता है।' और पेलेगॉन के पुत्र ने उत्तर दिया, 'पेलियस के महान पुत्र, आप मुझसे मेरे वंश के बारे में क्यों पूछते हैं?' मैं सुदूर पैओनिया की उपजाऊ भूमि से आया हूँ, पैओनियाई लोगों का

सेनापति हूँ, और मुझे इलियस में आए हुए ग्यारह दिन हो गए हैं। मैं एक्सियस नदी के वंशज हूँ – उस एक्सियस नदी का जो बहने वाली सभी नदियों में सबसे सुंदर है। उसी ने प्रसिद्ध योद्धा पेलेगॉन को जन्म दिया, जिसका पुत्र लोग मुझे कहते हैं। चलो, अब युद्ध करें, अकिलीज़।
इस प्रकार उसने अकिलीज़ को चुनौती दी, और अकिलीज़ ने पेलियन राख से बना अपना भाला उठाया। एस्टेरोपियस अपने दोनों भालों से असफल रहा, क्योंकि वह दोनों हाथों का समान रूप से उपयोग कर सकता था; एक भाले से उसने अकिलीज़ की ढाल पर प्रहार किया, लेकिन उसे भेद नहीं सका, क्योंकि देवता द्वारा प्रदत्त सोने की परत ने भाले की नोक को रोक दिया; दूसरे भाले से उसने अकिलीज़ की दाहिनी कोहनी को छूकर खून बहाया, लेकिन भाला उसके पास से निकलकर जमीन में धंस गया, खून से लथपथ होने से वंचित रह गया। तब अकिलीज़, उसे जान से मारने के लिए बेताब होकर, अपना भाला एस्टेरोपियस पर फेंका, लेकिन उसे भेदने में असफल रहा और भाला नदी के ऊंचे किनारे से टकराया, जिससे भाला आधा जमीन में धंस गया। तब पेलेउस के पुत्र ने अपनी तलवार निकाली और उस पर क्रोधित होकर झपटा। एस्टेरोपियस ने व्यर्थ ही पूरी ताकत से अकिलीज़ के भाले को किनारे से बाहर निकालने का प्रयास किया; उसने तीन बार उसे खींचा, अपनी पूरी ताकत से उसे बाहर निकालने की कोशिश की, और तीनों बार उसे प्रयास छोड़ना पड़ा; चौथी बार उसने उसे मोड़ने और तोड़ने की कोशिश की, लेकिन इससे पहले कि वह ऐसा कर पाता, अकिलीज़ ने अपनी तलवार से उस पर प्रहार किया और उसे मार डाला। उसने नाभि के पास पेट में वार किया, जिससे उसकी सारी आंतें ज़मीन पर बह निकलीं, और वह तड़पता हुआ मृत्यु के अंधकार में डूब गया। फिर अकिलीज़ ने अपना पैर उसकी छाती पर रखा और उसके कवच को छीन लिया, उस पर घमंड करते हुए कहा, 'वहीं पड़े रहो - यद्यपि तुम नदी से उत्पन्न हुए हो, शनि के पुत्र की संतान से मुकाबला करना तुम्हारे लिए कठिन है। तुम स्वयं को एक विशाल नदी के रक्त से उत्पन्न बताते हो, परन्तु मैं पराक्रमी बृहस्पति की संतान हूँ। मेरे पिता पेलेयस हैं, जो अनेक मर्मिडों के शासक ऐकस के पुत्र हैं, और ऐकस बृहस्पति का पुत्र था। इसलिए जैसे बृहस्पति समुद्र में बहने वाली किसी भी नदी से अधिक शक्तिशाली है, वैसे ही उसकी संतानें किसी भी नदी की संतानों से अधिक बलवान हैं।' इसके अलावा, अगर वह आपके किसी काम आ सके तो पास में ही एक बड़ी नदी है, लेकिन शनि के पुत्र बृहस्पति से लड़ना असंभव है, जिसकी तुलना राजा अचेलस से भी नहीं की जा सकती, न ही गहरे बहने वाले

विशाल ओशनस से, जिससे सभी नदियाँ, समुद्र, सभी झरने और गहरे कुएँ निकलते हैं; यहाँ तक कि ओशनस भी महान बृहस्पति की बिजली और आकाश से आने वाली उसकी गर्जना से डरता है।
इसके साथ ही उसने अपना पीतल का भाला किनारे से निकाला, और एस्टेरोपियस को मार डालने के बाद, उसने उसे वहीं रेत पर पड़ा रहने दिया, जहाँ गहरा पानी उसके ऊपर बह रहा था और मछलियाँ और अन्य मछलियाँ उसकी गुर्दों के आसपास की चर्बी को कुतर-कुतर कर खा रही थीं। फिर वह पेओनियों का पीछा करने चला गया, जो अपने नेता को पेलियस के पुत्र के हाथों मारे जाने पर घबराकर नदी के किनारे भाग रहे थे। वहाँ उसने थेर्सिलोचस, मायडोन, एस्टिपिलस, म्नेसुस, थ्रेसियस, ओएनियस और ओफेलेस्टेस को मार डाला, और वह और भी कई लोगों को मार डालता, यदि नदी क्रोधित होकर मानव रूप धारण न कर लेती और गहरे जल से उससे यह न कहती, ‘अकिलीज़, यदि तुम बल में सर्वोपरि हो, तो दुष्टता में भी सर्वोपरि हो, क्योंकि देवता सदा तुम्हारी रक्षा के लिए तुम्हारे साथ हैं: यदि शनि के पुत्र ने तुम्हें सभी ट्रोजनों को नष्ट करने का अधिकार दिया है, तो कम से कम उन्हें मेरी नदी से बाहर निकाल दो और अपना क्रूर कार्य भूमि पर करो। मेरा निर्मल जल अब लाशों से भरा हुआ है, और मुझे कोई ऐसा मार्ग नहीं मिल रहा जिससे मैं समुद्र में समा सकूँ क्योंकि मैं मृतकों से भर गया हूँ, और फिर भी तुम निर्दयतापूर्वक हत्या करते रहते हो। इसलिए, हे सेनापति, मैं हताश हूँ, मुझे और परेशान मत करो।’
अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “ऐसा ही हो, स्कैमंडर, बृहस्पति के वंशज; लेकिन मैं ट्रोजनों के बीच मृत्यु का वितरण तब तक नहीं रोकूंगा, जब तक मैं उन्हें उनके शहर में घेर न लूं और हेक्टर का आमने-सामने परीक्षण न कर लूं, ताकि मुझे पता चल जाए कि वह मुझे पराजित करेगा या मैं उसे।”
जैसे ही उसने ये कहा, वह देवताओं के समान क्रोध से ट्रोजनों पर टूट
पड़ा। परन्तु नदी ने अपोलो से कहा, ‘हे बृहस्पति के पुत्र, चांदी के धनुष के स्वामी, तुम निश्चय ही बृहस्पति के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हो, जिसने तुम्हें सख्ती से निर्देश दिया था कि तुम ट्रोजनों के साथ खड़े रहो और उनकी रक्षा करो, जब तक कि गोधूलि बेला न उतर जाए और सारी पृथ्वी पर अंधकार न छा जाए।’
इसी बीच, अकिलीज़ नदी के किनारे से कूदकर बीच धारा में आ गिरा, जहाँ नदी ने एक ऊँची लहर उठाई और उस पर हमला कर दिया। नदी ने अपनी धारा को उग्र बना

दिया और उन अनेक मृतकों को बहा ले गई जिन्हें अकिलीज़ ने मारकर अपने जल में छोड़ दिया था। वह उन्हें बैल की तरह दहाड़ते हुए ज़मीन पर फेंक देती थी, लेकिन जीवितों को बचा लेती थी और उन्हें अपने शक्तिशाली भंवरों में छिपा लेती थी। विशाल और भयानक लहर अकिलीज़ के चारों ओर जमा हो गई, उस पर टूट पड़ी और उसकी ढाल पर प्रहार करने लगी, जिससे वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं रह सका; उसने एक विशाल एल्म के पेड़ को पकड़ लिया, लेकिन वह जड़ से उखड़ गया और किनारे को तोड़ते हुए अपनी घनी शाखाओं से धारा को अवरुद्ध कर दिया और उस पर पुल बना दिया; जिससे अकिलीज़ संघर्ष करते हुए धारा से बाहर निकला और डर के मारे पूरी गति से मैदान में भाग गया।
लेकिन सर्वशक्तिमान देवता ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा और एक काली
लहर के साथ उस पर झपटे, उसके हाथ रोक दिए और ट्रोजनों को विनाश से बचा लिया। पेलियस का पुत्र भाले की एक छलाँग के बराबर दूरी से भाग निकला; जैसे कोई काला शिकारी चील, जो सभी पक्षियों में सबसे शक्तिशाली और फुर्तीला होता है, वैसे ही वह तेज़ी से आगे बढ़ा और उसका कवच उसके सीने से टकराकर ज़ोर से बज उठा। वह आगे भागता रहा, लेकिन नदी ज़ोरदार गर्जना के साथ उसका पीछा करती रही। जैसे कोई अपने बगीचे में पानी देने वाला किसी झरने से पानी की धारा को अपने पौधों और ज़मीन पर बहाता है – हाथ में फावड़ा लिए वह बांधों को हटाकर नालियों को मुक्त करता है, और छोटे पत्थर पानी के साथ गोल-गोल लुढ़कते हुए किनारे से इतनी तेज़ी से बहते हैं कि आदमी उसका पीछा नहीं कर पाता – वैसे ही नदी अकिलीज़ का पीछा करती रही, भले ही वह एक फुर्तीला धावक था, क्योंकि देवता मनुष्यों से अधिक शक्तिशाली होते हैं। जितनी बार वह अपनी जगह पर डटे रहने का प्रयास करता और यह देखने की कोशिश करता कि क्या स्वर्ग के सभी देवता उसके विरुद्ध एकजुट हैं या नहीं, उतनी ही बार विशाल लहर उसके कंधों पर आ गिरती और उसे भारी भय के साथ लगातार भागना पड़ता; क्योंकि क्रोधित बाढ़ उसे थका रही थी और उसके पैरों तले से जमीन को बहा ले जा रही थी।
तब पेलेउस के पुत्र ने आकाश की ओर ऊँचे स्वर में कहा, ‘हे पिता
बृहस्पति, क्या कोई ऐसा देवता नहीं है जो मुझ पर दया करे और मुझे नदी से बचाए? मुझे इस बात की परवाह नहीं कि आगे मेरा क्या होगा। मैं ओलंपस के किसी भी अन्य निवासी को उतना दोषी नहीं ठहराता जितना अपनी प्यारी माँ को, जिसने मुझे बहकाया और धोखा दिया। उसने मुझसे कहा था कि मैं अपोलो के तीरों से

ट्रॉय की दीवारों के नीचे गिर जाऊँगा; काश, ट्रोजनों में सबसे श्रेष्ठ हेक्टर मुझे वहाँ मार डालता; तब मैं एक वीर के हाथों वीर बनकर मरता; जबकि अब ऐसा लगता है कि मेरा अंत अत्यंत दयनीय होगा, मैं इस नदी में फँसा रहूँगा, मानो मैं किसी सूअर चराने वाले का बच्चा हूँ, जो तूफान के दौरान नदी पार करने की कोशिश करते हुए उसमें बह जाता है।’
जैसे ही उसने ऐसा कहा, नेप्च्यून और मिनर्वा दो पुरुषों के रूप में
उसके पास आए और उसे दिलासा देने के लिए उसका हाथ पकड़ लिया। नेप्च्यून ने पहले बात की। उसने कहा, ‘पेलियस के पुत्र, इतना भयभीत मत हो; हम दो देवता हैं, जो बृहस्पति की अनुमति से तुम्हारी सहायता के लिए आए हैं, मैं और पल्लास मिनर्वा। इस नदी में मरना तुम्हारा भाग्य नहीं है; यह नदी शीघ्र ही शांत हो जाएगी, जैसा कि तुम देखोगे; इसके अलावा, यदि तुम हमारे मार्गदर्शन का पालन करोगे, तो इलियस की प्रसिद्ध दीवारों के भीतर ट्रोजन सेना को घेरने तक युद्ध करना न छोड़ो – उनमें से जितने भी बच निकलें, उन्हें मार डालो। फिर हेक्टर को मार डालो और जहाजों पर वापस जाओ, क्योंकि हम तुम्हें उस पर विजय दिलाएंगे।’
ऐसा कहकर वे अन्य अमर देवताओं के पास लौट गए, परन्तु अकिलीज़ देवताओं द्वारा दिए गए आदेश से उत्साहित होकर मैदान में आगे बढ़ता रहा। सब कुछ जलप्रलय से ढका हुआ था, और मारे गए युवकों के कई उत्तम कवच और कई शव बह रहे थे, परन्तु वह धारा के विरुद्ध अपना मार्ग प्रशस्त करता हुआ आगे बढ़ता रहा, और विशाल जल उसे रोक नहीं सका, क्योंकि मिनर्वा ने उसे अपार शक्ति प्रदान की थी। फिर भी स्कैमंडर ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा, बल्कि पेलियस के पुत्र पर और भी क्रोधित हो गया। उसने जल को ऊँची लहरों में बदल दिया और सिमोइस से पुकार कर कहा, ‘प्रिय भाई, हम दोनों मिलकर इस व्यक्ति को रोकें, अन्यथा वह राजा प्रियम के शक्तिशाली नगर को लूट लेगा, और ट्रोजन उसका सामना नहीं कर पाएंगे। तुरंत मेरी सहायता करो; अपनी नदियों को उनके स्रोतों से जल से भर दो, अपने सभी जलप्रपातों को प्रचंड बना दो; अपनी लहर को ऊँचा उठाओ, और उस पर से पत्थर और काँटे गर्जना करते हुए नीचे आएँ, ताकि हम इस क्रूर प्राणी का अंत कर सकें जो अब मानो देवता हो। अब उसका कोई सहारा नहीं रहेगा, न उसकी ताकत, न उसकी सुंदरता, न ही उसका उत्तम कवच, जो निश्चित रूप से जल्द ही गहरे पानी में कीचड़ से ढका पड़ा होगा। मैं उसे रेत में लपेट दूँगा, और उसके चारों ओर टन भर कंकड़ डाल दूँगा, ताकि अचेयन लोग उसकी

हड्डियों को उस गाद से इकट्ठा न कर सकें जिसमें मैंने उसे छिपाया है, और जब वे उसका अंतिम संस्कार करेंगे तो उन्हें कोई टीला बनाने की आवश्यकता नहीं होगी।
इस पर उसने अपनी प्रचंड बाढ़ को अकिलीज़ के विरुद्ध ऊँचा उठा दिया, जो झाग, रक्त और मृतकों के शवों से उबल रही थी। नदी का काला जल सीधा खड़ा था और पेलियस के पुत्र को डुबो देना चाहता था, लेकिन जूनो, इस डर से कांप रही थी कि कहीं अकिलीज़ उस प्रचंड धारा में बह न जाए, उसने ऊँची आवाज़ में अपने पुत्र वल्कन को पुकारा। ‘कुबड़े पैर वाले,’ वह चिल्लाई, ‘मेरे बच्चे, उठो और काम करो, क्योंकि मुझे लगता है कि ज़ैंथस तुमसे ही लड़ना चाहता है; तुरंत हमारी सहायता करो, भयंकर आग जलाओ; मैं पश्चिम और दक्षिण की सफेद हवा को समुद्र से एक शक्तिशाली तूफान के रूप में लाऊंगी, जो ट्रोजन के सिरों और कवच पर लपटें ले जाकर उन्हें भस्म कर देगी, जबकि तुम ज़ैंथस के किनारों पर जाकर उसके पेड़ों को जलाते हुए उसे आग से घेर लोगे। उसे मीठे शब्दों या कड़वे शब्दों से तुम्हें पीछे हटने न दो, और तब तक मत रुकना जब तक मैं चिल्लाकर तुम्हें न कहूँ।’ तब आप अपनी आग को बुझा सकते हैं।
इस पर वल्कन ने भयंकर आग लगाई, जो सबसे पहले मैदान में फैली और उन
असंख्य मृतकों को जलाकर राख कर दिया जिन्हें अकिलीज़ ने मारा था और जिनके शव बड़ी संख्या में इधर-उधर पड़े थे; इस प्रकार मैदान सूख गया और बाढ़ रुक गई। जैसे शरद ऋतु की बारिश से भीगे हुए बगीचे पर बहने वाली उत्तरी हवा उसे शीघ्र ही सुखा देती है और मालिक का मन प्रसन्न हो जाता है – ठीक उसी प्रकार पूरा मैदान सूख गया और शव भस्म हो गए। फिर उसने नदी पर आग की लपटें चलाईं। उसने एल्म, विलो और टैमरिक्स के पेड़ों को जला दिया, कमल को भी, साथ ही नदी के किनारों पर बहुतायत से उगने वाली सरकंडों और दलदली वनस्पतियों को भी। पानी में इधर-उधर भागने वाली मछलियाँ और अन्य मछलियाँ भी चालाक वल्कन द्वारा लगाई गई लपटों से बुरी तरह पीड़ित हुईं, और नदी भी झुलस गई, जिससे वह बोली, 'वल्कन, कोई भी देवता तुम्हारा सामना नहीं कर सकता। जब तुम इस तरह अपनी लपटें फैलाते हो तो मैं तुमसे लड़ नहीं सकता; अब मुझसे झगड़ा मत करो। अकिलीज़ को तुरंत ट्रोजनों को उनके शहर से बाहर निकाल देने दो। लोगों से झगड़ने और उनकी मदद करने से मेरा क्या लेना-देना है?
बोलते समय वह गुस्से से उबल रहा था, और उसका सारा जल उबल रहा था। जैसे किसी बड़े कड़ाहे में किसी मोटे सूअर की चर्बी पिघलाई जाती है और उसके

नीचे सूखी लकड़ियाँ जलती हैं, तो चर्बी लगातार ऊपर उछलती रहती है – ठीक वैसे ही ज़ैंथस का पवित्र जल आग से इतना गर्म हो गया था कि वह उबलने लगा था। वह अब और बह नहीं सकता था, इसलिए उसने अपना प्रवाह रोक दिया, क्योंकि चालाक वल्कन द्वारा लगाई गई आग की लपटों से वह बहुत दुखी था। तब उसने जूनो से प्रार्थना की और उससे विनती करते हुए कहा, ‘जूनो, आपका पुत्र मेरे जल को इतनी क्रोधता से क्यों भड़का रहा है? मैं उतना दोषी नहीं हूँ जितना कि वे सभी लोग हैं जिन्होंने ट्रोजनों की सहायता की है। चूंकि आप ऐसा चाहती हैं, मैं यह काम छोड़ देता हूँ, और आपके पुत्र को भी ऐसा ही करने दें। इसके अलावा, मैं शपथ लेता हूँ कि मैं फिर कभी ट्रोजनों को विनाश से बचाने के लिए कुछ नहीं करूँगा, यहाँ तक कि तब भी नहीं जब सारा ट्रॉय उन लपटों में जल रहा होगा जिन्हें अचेयन प्रज्वलित करेंगे।’
जैसे ही जूनो ने यह सुना, उसने अपने बेटे वल्कन से कहा, 'बेटे वल्कन,
अपनी ज्वाला को अभी रोक लो; हमें मनुष्यों के हित में किसी देवता के विरुद्ध ऐसी हिंसा नहीं करनी चाहिए।'
जब उसने ऐसा कहा तो वल्कन ने अपनी ज्वाला बुझा दी, और नदी एक बार फिर
अपने सुंदर मार्ग में वापस बह गई।
ज़ैंथस हार चुका था, इसलिए इन दोनों ने लड़ना बंद कर दिया, क्योंकि
जूनो ने क्रोधित होते हुए भी उन्हें रोके रखा; लेकिन अन्य देवताओं में भयंकर झगड़ा छिड़ गया, क्योंकि उनके विचार अलग-अलग थे। वे एक-दूसरे पर टूट पड़े और ज़ोरदार शोर मचाने लगे – धरती कांप उठी और विशाल आकाश तुरहियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। ओलंपस पर बैठे बृहस्पति ने यह सब सुना और देवताओं को आपस में लड़ते देख खुशी से हँस पड़ा। लड़ाई शुरू होने में ज़्यादा देर नहीं लगी और ढाल भेदने वाले मंगल ने युद्ध का शुभारंभ कर दिया। तलवार हाथ में लिए वह तुरंत मिनर्वा पर टूट पड़ा और उसे अपशब्द कहे। उसने कहा, ‘हे कुतिया, क्या तूने फिर से अपने अहंकार और घमंड में देवताओं को चुनौती दी है? क्या तू भूल गई है कि तूने टाइडियस के पुत्र डायोमेड को मुझ पर हमला करने के लिए उकसाया था और खुद एक भाला लेकर मेरे सुंदर शरीर को घायल किया था? अब तुझे अपने किए की सज़ा भुगतनी पड़ेगी।’
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उसने उसके भयानक झालरदार कवच पर प्रहार किया – इतना भयानक कि बृहस्पति की बिजली भी उसे भेद नहीं सकती थी। यहीं पर हत्यारे मार्स ने अपने विशाल भाले से उस पर वार किया। वह पीछे हटी और अपने

बलवान हाथ से मैदान में पड़े एक पत्थर को उठा लिया – विशाल, ऊबड़-खाबड़ और काला – जिसे प्राचीन काल में लोगों ने खेत की सीमा के रूप में स्थापित किया था। इससे उसने मार्स की गर्दन पर प्रहार किया और उसे गिरा दिया। गिरते समय वह नौ रूड की दूरी तय कर गया, उसके बाल धूल से सने हुए थे, जबकि उसका कवच चारों ओर खड़खड़ा रहा था। लेकिन मिनर्वा हँसी और उस पर गर्व करते हुए बोली, 'मूर्ख, क्या तुम्हें पता नहीं चला कि मैं तुमसे कितनी अधिक शक्तिशाली हूँ, फिर भी तुम मुझसे मुकाबला करना चाहते हो? इस प्रकार तुम्हारी माँ का श्राप अब तुम पर पड़ा है, क्योंकि वह क्रोधित है और तुम्हें नुकसान पहुँचाना चाहती है क्योंकि तुमने अचेयनों को त्याग दिया है और ट्रोजनों की सहायता कर रहे हो।'
फिर उसने अपनी तीखी निगाहें कहीं और घुमाईं, जिस पर बृहस्पति की
पुत्री वीनस ने मार्स का हाथ पकड़कर उसे अपने साथ ले गई, वह लगातार कराह रहा था, क्योंकि बड़ी मुश्किल से ही उसे होश आया था। जब रानी जूनो ने उसे देखा, तो उसने मिनर्वा से कहा, 'देखो, हे अदम्य बृहस्पति की पुत्री, वह चालाक वीनस फिर से मार्स को भीड़ के बीच से युद्धक्षेत्र से बाहर ले जा रही है; तुरंत उसके पीछे जाओ।'
इस प्रकार उसने कहा। मिनर्वा पूरी ताकत से वीनस के पीछे दौड़ी और उस पर प्रहार करते हुए अपने बलवान हाथ से उसके सीने पर ऐसा प्रहार किया कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी और दोनों वहीं औंधे मुंह पड़ी रहीं। फिर मिनर्वा ने उस पर गर्व करते हुए कहा, ‘जो भी ट्रोजनों की मदद आर्गीव्स के विरुद्ध करे, वह वीनस की तरह ही निडर और साहसी साबित हो, जब वह मार्स की मदद करते हुए मुझसे मिली थी। यदि ऐसा होता, तो हम बहुत पहले ही इलियस के शक्तिशाली शहर को लूटकर युद्ध समाप्त कर चुके होते।’
जूनो सुनकर मुस्कुराई। इसी बीच राजा नेप्च्यून ने अपोलो की ओर मुड़कर कहा, “फीबस, हम एक-दूसरे से दूरी क्यों बनाए रखें? अब जब बाकी लोग लड़ने लगे हैं, तो यह ठीक नहीं है; अगर हम बिना लड़े ही ओलंपस पर स्थित बृहस्पति के कांसे के फर्श वाले महल में लौट गए तो यह हमारे लिए शर्मनाक होगा; इसलिए आओ, तुम हम दोनों में छोटे हो, और मुझे तुम पर हमला नहीं करना चाहिए, क्योंकि मैं तुमसे बड़ा हूँ और मुझे अधिक अनुभव है। मूर्ख, तुममें अक्ल नहीं है, और भूल जाओ कि जब हम बृहस्पति के घर से आए थे और लाओमेडोन के लिए पूरे एक साल तक तय वेतन पर काम किया था और उसने हमें आदेश दिए थे, तब सभी

देवताओं में से केवल हम दोनों का ही इलियस के आसपास क्या हाल हुआ था। मैंने ट्रोजनों के शहर के चारों ओर इतनी चौड़ी और सुंदर दीवार बनाई थी कि वह अभेद्य हो सकती थी, जबकि तुम, फीबस, कई घाटियों वाली इडा की घाटियों में उसके लिए मवेशी चराते थे।” लेकिन जब खुशी के पल भुगतान का समय लेकर आए, तो शक्तिशाली लाओमेडोन ने हमारा सारा किराया लूट लिया और हमें गालियों के अलावा कुछ नहीं दिया। उसने हमें हाथ-पैर बांधकर किसी दूर द्वीप पर बेचने की धमकी दी। उसने हम दोनों के कान काटने की भी कोशिश की, इसलिए हम गुस्से में वहाँ से चले गए, क्योंकि उसने हमें भुगतान का वादा किया था, लेकिन फिर भी नहीं दिया; इन सबके बावजूद, अब आप उसके लोगों पर कृपा कर रहे हैं, और घमंडी ट्रोजनों को उनकी पत्नियों और बच्चों सहित पूरी तरह से नष्ट करने में हमारा साथ नहीं दे रहे हैं।
और राजा अपोलो ने उत्तर दिया, “भूकंप के स्वामी, यदि मैं आपसे उन नश्वर प्राणियों के समूह के लिए लड़ूँ, जो ग्रीष्म ऋतु में पत्तों की तरह उगते हैं, खेतों के फल खाते हैं और तुरंत ही निर्जीव होकर जमीन पर गिर पड़ते हैं, तो आप मेरा सम्मान नहीं करेंगे। आइए, हम इस लड़ाई को यहीं रोकें और उन्हें आपस में ही सुलझाने दें।”
बोलते-बोलते उसने मुंह फेर लिया, क्योंकि वह अपने पिता के भाई पर हाथ नहीं उठाना चाहता था। लेकिन उसकी बहन, शिकारी डायना, जो जंगली जानवरों की संरक्षक थी, उससे बहुत क्रोधित हुई और बोली, “तो तुम भाग गए, दूर-तीर चलाने वाले, और अपनी तुच्छ शेखी बघारते हुए नेपच्यून को जीत सौंप दी। बच्चे, अपना धनुष ऐसे बेकार क्यों रखे हो? मुझे फिर कभी अपने पिता के घर में तुम्हें यह डींग मारते हुए न सुनना पड़े, जैसा कि तुम अक्सर देवताओं के सामने करते हो, कि तुम नेपच्यून से लड़ोगे।”
अपोलो ने उसे कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बृहस्पति की महान रानी
क्रोधित हो गई और उसने उसे कड़ी फटकार लगाई। ‘दुष्ट कुतिया,’ वह चिल्लाई, ‘तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझसे इस तरह पंगा लेने की? तुम्हारे धनुष की शक्ति चाहे जितनी भी हो, तुम मेरे सामने टिक नहीं पाओगी। बृहस्पति ने तुम्हें स्त्रियों में सिंह के समान बनाया है और तुम्हें जब चाहे उन्हें मारने की छूट दी है। तुम्हें पहाड़ों पर जंगली जानवरों और हिरणों का शिकार करना, तुमसे अधिक बलवानों से लड़ने से बेहतर लगेगा। यदि तुम युद्ध करना चाहती हो, तो करो और मुझसे लड़कर देखो कि मैं तुमसे कितनी अधिक बलवान हूँ।’

बोलते हुए उसने अपने बाएं हाथ से डायना की दोनों कलाइयां पकड़ लीं, और अपने दाहिने हाथ से उसके कंधों से धनुष उतारकर हंसते हुए उसके कानों पर प्रहार करने लगी, जबकि डायना उसके प्रहारों से छटपटा रही थी। उसके तेज तीर जमीन पर गिर पड़े, और वह रोते हुए जूनो के हाथों से ऐसे भाग निकली जैसे कोई कबूतर बाज़ से बच निकलने पर किसी खोखली चट्टान की दरार में छिप जाता है। ठीक वैसे ही वह रोते हुए भाग गई, अपना धनुष और तीर वहीं छोड़कर।
तब आर्गस के वधकर्ता, मार्गदर्शक और रक्षक ने लेटो से कहा, ‘लेटो, मैं तुमसे नहीं लड़ूंगा; बृहस्पति की किसी भी पत्नी से युद्ध करना उचित नहीं है। इसलिए तुम अमर लोगों के बीच चाहे जितना गर्व करो कि तुमने निष्पक्ष युद्ध में मुझे परास्त किया।’
फिर लेटो ने डायना के धनुष और बाण उठाए जो उड़ती धूल में गिर पड़े थे,
और उन्हें पाकर वह अपनी बेटी के पीछे तेज़ी से चल पड़ी। डायना ओलंपस पर स्थित बृहस्पति के कांसे के फर्श वाले महल में पहुँच चुकी थी और अपने पिता की गोद में आँसू बहाते हुए बैठ गई, जबकि उसके अमृतमय वस्त्र चारों ओर काँप रहे थे। शनि के पुत्र ने उसे अपनी ओर खींचा और हँसते हुए उससे पूछने लगे, “हे मेरी प्यारी बच्ची, कौन सा देवदूत तुम्हारे साथ इतना क्रूर व्यवहार कर रहा है, मानो तुमने सबके सामने दुराचार किया हो?” शिकार की सुंदर मुकुटधारी देवी ने उत्तर दिया, “पिताजी, यह आपकी पत्नी जूनो है जो मुझे पीट रही है; जब भी देवताओं में कोई झगड़ा होता है, तो वह हमेशा ऐसा ही करती है।” इस प्रकार वे बातचीत करते रहे, और इसी बीच अपोलो फीबस ने इलियस के
मजबूत शहर में प्रवेश किया, क्योंकि उसे चिंता थी कि कहीं दीवार टूट न जाए और दानिया के लोग समय से पहले ही शहर पर कब्जा न कर लें; लेकिन बाकी सभी अमर देवता, कुछ क्रोधित और कुछ विजयी होकर ओलंपस लौट गए, जहाँ वे तूफान के स्वामी बृहस्पति के पास बैठ गए, जबकि अकिलीज़ ट्रोजन और उनके घोड़ों पर समान रूप से मृत्यु बरसाता रहा। जैसे जब देवताओं के क्रोध से जलता हुआ शहर उठता है और उसका धुआँ आकाश में जाता है - तब सभी के लिए परिश्रम और कुछ के लिए दुःख होता है - ठीक वैसे ही अकिलीज़ ने ट्रोजन पर परिश्रम और दुःख बरसाया।
बूढ़े राजा प्रियम दीवार के एक ऊँचे बुर्ज पर खड़े होकर नीचे विशालकाय अकिलीज़ को देख रहे थे, जिसके सामने ट्रोजन सेना घबराकर भाग रही थी और उनकी मदद करने वाला कोई नहीं था। कुछ देर बाद वे बुर्ज से नीचे उतरे और कराहते

हुए दीवार के सहारे चलकर द्वार के बहादुर पहरेदारों को आदेश देने गए। उन्होंने कहा, “द्वार तब तक खुले रखो जब तक लोग शहर में भागकर न आ जाएँ, क्योंकि अकिलीज़ पास ही है और उन्हें अपने सामने से खदेड़ रहा है। मुझे लगता है हम बड़े खतरे में हैं। जैसे ही हमारे लोग अंदर सुरक्षित पहुँच जाएँ, मजबूत द्वार बंद कर देना, क्योंकि मुझे डर है कि कहीं वह भयानक योद्धा दूसरों के साथ अंदर न आ जाए।”
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उन्होंने कुंडी खोल दी और द्वार खोल
दिए, और उनके खुलते ही ट्रोजनों को शरण मिल गई। फिर अपोलो पूरी तेज़ी से शहर से बाहर आया और उनकी रक्षा करने के लिए आगे बढ़ा। प्यास से बेहाल और धूल से सने हुए, वे शहर और ऊँची दीवार की ओर दौड़ते रहे, उनके पीछे अकिलीज़ अपना भाला तेज़ी से लहरा रहा था। मानो वह किसी जुनून में डूबा हुआ था और यश की प्यास से व्याकुल था।
अगर अपोलो ने एंटनोर के वीर और महान पुत्र एजेनोर को प्रेरित न किया होता, तो अचेयन वंश के पुत्र ट्रॉय के ऊंचे द्वारों पर कब्जा कर लेते। एजेनोर ने उसके हृदय में साहस भर दिया और घने अंधेरे में एक बीच के पेड़ से टेक लगाकर उसकी रक्षा के लिए उसके साथ खड़ा रहा। जब एजेनोर ने अकिलीज़ को देखा, तो वह थम गया और उसका हृदय चिंता से भर गया। उसने निराशा में मन ही मन कहा, 'हाय, अगर मैं शक्तिशाली अकिलीज़ के सामने भाग जाऊं और वहां चला जाऊं जहां बाकी सभी को खदेड़ दिया जा रहा है, तो भी वह मुझे कायर समझकर पकड़ लेगा और मार डालेगा। कैसा होता अगर मैं अकिलीज़ को बाकी सभी को खदेड़ने देता और फिर दीवार से इलियस के पीछे के मैदान तक भाग जाता, जब तक कि मैं इडा की पहाड़ियों तक न पहुंच जाऊं और वहां की झाड़ियों में छिप जाऊं? तब मैं नदी में अपना पसीना धो सकता था और शाम को इलियस लौट सकता था। लेकिन इस तरह मन ही मन क्यों सोचूं?' पूरी संभावना है कि वह मुझे शहर से मैदान होते हुए जल्दी से आते हुए देख लेगा और तब तक मेरा पीछा करेगा जब तक मुझे पकड़ न ले। उसके सामने मेरी कोई उम्मीद नहीं होगी, क्योंकि वह समस्त मानव जाति में सबसे शक्तिशाली है। तो फिर क्या होगा अगर मैं शहर के सामने जाकर उससे मिलूँ? मेरा मानना है कि उसकी देह को भी नुकीले कांसे से भेदा जा सकता है। जीवन तो सब में एक समान है, और लोग कहते हैं कि शनि के पुत्र बृहस्पति द्वारा उसे दी गई विजय के बावजूद वह भी नश्वर है।

ऐसा कहकर वह सतर्क खड़ा हो गया और अकिलीज़ की प्रतीक्षा करने लगा, क्योंकि अब वह उससे लड़ने के लिए बेताब था। जैसे कोई मादा तेंदुआ घने जंगल से निकलकर शिकारी पर हमला करती है - उसे कोई डर नहीं होता और न ही वह कुत्तों के भौंकने से विचलित होती है; चाहे शिकारी उससे तेज़ हो और उसे भाले या वार से घायल कर दे, फिर भी, भाला लगने के बावजूद वह तब तक हार नहीं मानती जब तक कि वह उसे अपनी पकड़ में न ले या उसे मार न डाले - ठीक उसी तरह, एंटनोर के पुत्र महान एजेनोर ने अकिलीज़ को परखने से पहले भागने से इनकार कर दिया और अपने भाले से उस पर निशाना साधते हुए, अपने सामने अपनी ढाल पकड़े हुए, ऊँची आवाज़ में चिल्लाया, 'सचमुच, महान अकिलीज़, तुम आज घमंडी ट्रोजन के शहर को लूटने का सपना देखते हो। मूर्ख, इससे पहले अभी बहुत मुसीबतें आने वाली हैं, क्योंकि हममें से कई बहादुर लोग अभी भी अंदर हैं जो अपने प्यारे माता-पिता के सामने अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ इलियस की रक्षा के लिए खड़े होंगे।' इसलिए, हे विशाल और शक्तिशाली योद्धा, यहीं तुम्हारी मृत्यु होगी।
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, उसके बलवान हाथ ने भाला फेंका और भाला अकिलीज़ के घुटने के नीचे पैर पर लगा; नवनिर्मित टिन से बना कवच ज़ोर से गूंजा, लेकिन भाला उसके शरीर से टकराकर वापस उछल गया और उसे भेद नहीं पाया, क्योंकि देवता के वरदान ने उसे रोक दिया था। अकिलीज़ ने भी बदले में महान एजेनोर पर हमला किया, लेकिन अपोलो ने उसे महिमा नहीं दी, क्योंकि उसने एजेनोर को छीनकर घने कोहरे में छिपा दिया और उसे बिना किसी बाधा के युद्ध से बाहर भेज दिया। फिर उसने चालाकी से पेलियस के पुत्र को सेना का पीछा करने से रोक दिया, क्योंकि उसने एजेनोर का रूप धारण कर लिया और अकिलीज़ के सामने खड़ा हो गया। अकिलीज़ उसका पीछा करने के लिए उसकी ओर दौड़ा और मैदान के अनाज के खेतों में उसका पीछा करते हुए उसे स्कैमंडर नदी के गहरे पानी की ओर मोड़ दिया। अपोलो उससे थोड़ा आगे दौड़ता रहा और अकिलीज़ को यह सोचने पर मजबूर करता रहा कि वह उसे पकड़ने ही वाला है। इस बीच, पराजित ट्रोजन सैनिकों की भीड़ शहर के भीतर जमा होकर शहर में भारी संख्या में इकट्ठा हो गई; अब वे शहर की दीवारों के बाहर एक-दूसरे का इंतजार करने की हिम्मत नहीं कर रहे थे, यह जानने के लिए कि कौन बच निकला और कौन लड़ाई में मारा गया, बल्कि जिनके पैर और घुटने अभी भी उन्हें ले जा सकते थे, वे बेतहाशा शहर में घुस गए।

पुस्तक 22

हेक्टर की मृत्यु।
इस प्रकार शहर में मौजूद ट्रोजन, हिरण के बच्चों की तरह डरे हुए, अपने पसीने को पोंछते हुए और प्यास बुझाने के लिए पानी पीते हुए भव्य प्राचीरों से टिक गए, जबकि अचेयन अपने कंधों पर ढाल रखे दीवारों के करीब आ गए। लेकिन कठोर भाग्य ने हेक्टर को इलियस और स्केयन द्वारों के सामने वहीं रुकने का आदेश दिया। तब अपोलो ने पेलियस के पुत्र से कहा, “हे पेलियस के पुत्र, तुम जो केवल मनुष्य हो, अमर देवता का पीछा क्यों कर रहे हो? क्या तुम्हें अभी तक यह पता नहीं चला है कि तुम जिस व्यक्ति का इतनी उग्रता से पीछा कर रहे हो, वह एक देवता है? तुमने उन ट्रोजनों को परेशान नहीं किया जिन्हें तुमने पराजित किया था, और अब वे अपनी दीवारों के भीतर हैं, जबकि तुम्हें उनसे दूर यहाँ बहला-फुसलाकर लाया गया है। तुम मुझे मार नहीं सकते, क्योंकि मृत्यु मुझ पर कोई अधिकार नहीं रखती।”
अकिलीज़ बहुत क्रोधित हुआ और बोला, “हे दूर-तीर के देवता, सभी देवताओं में सबसे दुष्ट, तुमने मुझे रोका है और मुझे दीवार से दूर खींच लिया है, जहाँ कई अन्य लोग इलियस में प्रवेश करने से पहले ही मारे जाते; तुमने मेरी महान महिमा छीन ली है और स्वयं को बिना किसी जोखिम के ट्रोजनों को बचा लिया है, क्योंकि तुम्हें किसी बात का डर नहीं है, लेकिन अगर मेरे बस में होता तो मैं अपना बदला अवश्य लेता।”
इस पर, वह पूरे इरादे से शहर की ओर बढ़ा, और जैसे रथ दौड़ में जीतने वाला घोड़ा मैदान पर दौड़ते समय अपनी पूरी ताकत लगा देता है, वैसे ही अकिलीज़ के अंग तेज़ी से और उग्रता से उसे आगे ले जा रहे थे। राजा प्रियम ने सबसे पहले उसे मैदान में दौड़ते हुए देखा, वह उस तारे की तरह तेजस्वी था जिसे मनुष्य ओरियन का शिकारी कुत्ता कहते हैं, जिसकी किरणें फसल के समय रात में चमकने वाले किसी भी अन्य तारे से अधिक चमकती हैं; यद्यपि वह सभी तारों में सबसे चमकीला है, फिर भी वह मनुष्यों के लिए अशुभ संकेत है, क्योंकि वह अपने साथ आग और बुखार लाता है - ठीक वैसे ही अकिलीज़ का कवच उसकी छाती पर चमक रहा था

जैसे वह आगे बढ़ रहा था। प्रियम ने चीख मारी और अपने हाथों से अपना सिर पीटते हुए अपने प्रिय पुत्र को वापस लौटने के लिए पुकारा; लेकिन हेक्टर अभी भी द्वार के सामने रुका रहा, क्योंकि उसका मन अकिलीज़ से युद्ध करने पर अड़ा हुआ था। बूढ़े व्यक्ति ने अपनी बाहें उसकी ओर फैलाईं और दया करके उसे किले की दीवारों के भीतर आने का आग्रह किया। “हेक्टर,” वह रोते हुए बोला, “मेरे पुत्र, इस व्यक्ति का अकेले और असहाय होकर सामना करने के लिए मत रुको, अन्यथा तुम पेलियस के पुत्र के हाथों मारे जाओगे, क्योंकि वह तुमसे कहीं अधिक शक्तिशाली है। वह कितना राक्षस है! काश देवता भी उससे उतना ही प्रेम करते जितना मैं करता हूँ, क्योंकि ऐसा होता तो कुत्ते और गिद्ध उसे धरती पर पड़े-पड़े खा जाते और मेरे हृदय से दुःख का बोझ उतर जाता, क्योंकि उसने मेरे कई वीर पुत्रों को मुझसे छीन लिया है, या तो उन्हें मारकर या उन्हें समुद्र पार के द्वीपों में बेचकर: अभी भी मुझे शहर में आए ट्रोजनों में से दो पुत्रों, लाइकाओन और पोलिडोरस की याद आती है, जिन्हें अद्वितीय स्त्री लाओथो ने जन्म दिया था। यदि वे अभी भी जीवित हैं और अचेयनों के हाथों में हैं, तो हम उन्हें सोने और कांसे से छुड़ा लेंगे, जो हमारे पास प्रचुर मात्रा में है, क्योंकि बूढ़े एल्ट्स ने अपनी पुत्री को भरपूर दान दिया था।” लेकिन अगर वे पहले ही मर चुके हैं और पाताल लोक में हैं, तो हम दोनों, जो उनके माता-पिता थे, के लिए यह बहुत बड़ा शोक होगा; हालाँकि दूसरों का शोक कुछ ही समय के लिए होगा, जब तक कि तुम भी अकिलीज़ के हाथों न मर जाओ। तो आओ, मेरे बेटे, शहर के भीतर, ट्रोजन पुरुषों और ट्रोजन महिलाओं के रक्षक बनो, अन्यथा तुम दोनों अपनी जान गंवा दोगे और पेलियस के पुत्र को एक शानदार विजय दिलाओगे। अपने अभागे पिता पर भी दया करो, जब तक उनके पास जीवन शेष है - मुझ पर, जिसे शनि का पुत्र बुढ़ापे की दहलीज पर एक भयानक विनाश से नष्ट कर देगा, जब मैंने अपने बेटों को मरते और अपनी बेटियों को बंदी बनाकर ले जाते देखा है, मेरे विवाह कक्षों को लूटा गया है, छोटे बच्चों को युद्ध के प्रकोप में धरती पर पटक दिया गया है, और मेरे बेटों की पत्नियों को अचेयनों के क्रूर हाथों से घसीट कर ले जाया गया है; अंत में, जब कोई तलवार या भाले से मेरे शरीर को चीर-फाड़ कर मार डालेगा, तो खूंखार कुत्ते मेरे ही द्वार पर मुझे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे - वही कुत्ते जिन्हें मैंने खुद पाला-पोसा और अपने ही खाने पर खिलाया-पिलाया, ताकि वे मेरे द्वारों की रक्षा करें, लेकिन फिर भी वे मेरा खून चाटेंगे और मेरे

द्वारों पर व्याकुल होकर पड़े रहेंगे। जब कोई युवक युद्ध में तलवार से मारा जाता है, तो वह जहाँ है वहीं पड़ा रह सकता है, इसमें कुछ भी अनुचित नहीं है; चाहे जो भी देखा जाए, मृत्यु में सब कुछ सम्मानजनक है, लेकिन जब कोई बूढ़ा मारा जाता है, तो इस दुनिया में इससे अधिक दयनीय कुछ भी नहीं है कि कुत्ते उसके सफेद बालों और दाढ़ी को, और उन सभी चीजों को जिन्हें मनुष्य शर्म से छुपाते हैं, गंदा कर दें।
बोलते-बोलते बूढ़े आदमी ने अपने सफ़ेद बाल नोंच लिए, पर हेक्टर का दिल नहीं पिघला। पास ही खड़ी उसकी माँ ज़ोर-ज़ोर से रो रही थी और सिसक रही थी। उसने अपना सीना खोलकर उस स्तन की ओर इशारा किया जिससे हेक्टर ने दूध पिया था। “हेक्टर,” वह फूट-फूटकर रोते हुए बोली, “हेक्टर, मेरे बेटे, इस स्तन को ठुकरा मत, मुझ पर भी दया करो। अगर मैंने कभी तुम्हें अपने सीने से दिलासा दिया है, तो अब इस बात को याद करो, मेरे प्यारे बेटे, और दीवार के अंदर आकर हमें इस आदमी से बचाओ; बाहर खड़े होकर उससे मत मिलो। अगर वह दुष्ट तुम्हें मार डाले, तो न तो मैं और न ही तुम्हारी दहेज से लदी पत्नी, हे मेरे प्यारे बेटे, उस पलंग पर रोएँगी जिस पर तुम लेटे होगे, क्योंकि अचेयनों के जहाज़ों पर कुत्ते तुम्हें खा जाएँगे।”
इस प्रकार दोनों ने बहुत आँसू बहाते हुए अपने पुत्र से विनती की,
परन्तु हेक्टर का हृदय नहीं क्षीण हुआ, और वह वहीं डटा रहा, विशालकाय अकिलीज़ का इंतज़ार करता रहा जो उसके निकट आ रहा था। जैसे पहाड़ों पर अपनी मांद में बैठा हुआ, घातक विषों से भरा हुआ साँप मनुष्य के आने की प्रतीक्षा करता है – क्रोध से भरा हुआ और भयानक आँखों से घूरता हुआ वह अपनी मांद में चारों ओर रेंगता है – ठीक उसी प्रकार हेक्टर ने अपनी ढाल दीवार से निकले हुए एक मीनार के सहारे टिका दी और निडर होकर वहीं खड़ा रहा।
भारी मन से उसने मन ही मन कहा, ‘हाय! अगर मैं द्वार के भीतर गया, तो पोलिडामास सबसे पहले मुझ पर दोषारोपण करेगा, क्योंकि उसी ने मुझे उस भयानक रात को ट्रोजन सेना को वापस शहर ले जाने के लिए उकसाया था, जब अकिलीज़ फिर से हमारे विरुद्ध आया था। मैंने उसकी बात नहीं मानी, पर वास्तव में ऐसा करना बेहतर होता। अब जब मेरी मूर्खता ने सेना को नष्ट कर दिया है, तो मैं ट्रोजन पुरुषों और महिलाओं का सामना करने की हिम्मत नहीं कर सकता, कहीं कोई और बुरा आदमी यह न कह दे, “हेक्टर ने अपने अहंकार से हमें बर्बाद कर दिया है।” मेरे लिए बेहतर यही होगा कि मैं अकिलीज़ से लड़कर उसे मार डालूँ,

या शहर के सामने यहीं गौरवशाली मृत्यु को प्राप्त हो जाऊँ। फिर, अगर मैं अपनी ढाल और हेलमेट नीचे रख दूँ, अपना भाला दीवार से टिका दूँ और सीधे महान अकिलीज़ के पास चला जाऊँ, तो क्या होगा?’ अगर मैं हेलेन को, जो इस सारे युद्ध की जड़ थी, और अलेक्जेंड्रस द्वारा अपने जहाजों में ट्रॉय लाए गए सारे खजाने को सौंपने का वादा करूँ, तो क्या होगा? हाँ, और अचेयनों को शहर की सारी संपत्ति का आधा हिस्सा आपस में बाँटने दूँ? मैं ट्रोजनों से उनके राजकुमारों के मुँह से शपथ दिलवा सकता हूँ कि वे कुछ भी नहीं छिपाएँगे, बल्कि शहर की सारी संपत्ति को दो हिस्सों में बाँट लेंगे – लेकिन इस तरह खुद से बहस क्यों करूँ? अगर मैं उसके पास जाऊँ तो वह मुझ पर ज़रा भी दया नहीं दिखाएगा; वह मुझे वहीं मार डालेगा, जैसे किसी औरत को, जब मैं अपना कवच उतार दूँ। किसी चट्टान या बलूत के पेड़ पर बैठकर उससे बात करना बेकार है, जैसे जवान लड़के-लड़कियाँ आपस में बातें करते हैं। बेहतर है कि उससे सीधे लड़ूँ, और पता लगाऊँ कि हममें से किसे जीत दिलाएगा।
वह वहीं खड़ा सोच रहा था, तभी अकिलीज़ उसके सामने ऐसे आ पहुँचा मानो स्वयं मंगल ग्रह, युद्ध का देवता, पंखों से सुसज्जित योद्धा हो। उसने अपने दाहिने कंधे से पेलियन राख से बना अपना भयानक भाला लहराया, और उसके चारों ओर पीतल की चमक ऐसे जगमगा रही थी मानो आग की लपटें या उगते सूरज की किरणें। उसे देखते ही हेक्टर भयभीत हो गया, और वह वहाँ रुकने की हिम्मत नहीं कर सका, बल्कि घबराकर द्वार के सामने से भाग गया, जबकि अकिलीज़ पूरी गति से उसके पीछे दौड़ा। जैसे कोई पहाड़ी बाज़, जो सभी पक्षियों में सबसे तेज़ होता है, किसी डरी हुई कबूतरी पर झपट्टा मारता है - कबूतरी उसके सामने उड़ जाती है लेकिन बाज़ चीखते हुए उसके पीछे-पीछे दौड़ता है, उसे पाने के लिए दृढ़ संकल्पित - ठीक उसी तरह अकिलीज़ पूरी ताकत से हेक्टर की ओर बढ़ा, जबकि हेक्टर जितनी तेज़ी से भाग सकता था, ट्रोजन दीवार के नीचे भाग गया।
वे दीवार के ठीक नीचे से गुज़रने वाली बैलगाड़ी वाली सड़क पर तेज़ी से भागे, चौकी और मौसम की मार झेल चुके जंगली अंजीर के पेड़ को पार करते हुए तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक कि वे स्कैमंडर नदी को पानी देने वाले दो सुंदर झरनों तक नहीं पहुँच गए। इन दो झरनों में से एक गर्म था और उससे जलती हुई आग के धुएँ की तरह भाप उठती थी, लेकिन दूसरा, गर्मियों में भी, ओलों या बर्फ़ की तरह ठंडा था, या पानी पर जमने वाली बर्फ़ की तरह। यहीं, झरनों के पास, पत्थर के सुंदर कपड़े धोने के कुंड थे, जहाँ अचेयनों के आने से पहले

शांति के समय में ट्रोजन की पत्नियाँ और सुंदर बेटियाँ अपने कपड़े धोया करती थीं। वे इनके पास से भागे, एक आगे और दूसरा उसके पीछे: भागने वाला तो अच्छा था ही, लेकिन पीछा करने वाला उससे कहीं बेहतर था, और वे सचमुच तेज़ी से भागे, क्योंकि इनाम कोई साधारण दौड़ की तरह बलि का जानवर या बैल की खाल नहीं थी, बल्कि वे हेक्टर की जान बचाने के लिए भागे थे। जैसे किसी मृत नायक के सम्मान में आयोजित खेलों में रथ दौड़ के घोड़े किसी बड़े पुरस्कार – तिपाई या स्त्री – के लिए दौड़ते समय मोड़ पर पूरी गति से चक्कर लगाते हैं, वैसे ही ये दोनों प्रियम नगर के तीन चक्कर पूरी गति से लगाए। सभी देवता उन्हें देख रहे थे, और देवताओं और मनुष्यों के जनक ने सबसे पहले बात की। “हाय,” उसने कहा, “मेरी आँखें उस प्रिय व्यक्ति को देख रही हैं जिसका ट्रॉय की दीवारों के चारों ओर पीछा किया जा रहा है; मेरा हृदय हेक्टर के लिए दया से भरा है, जिसने मेरे सम्मान में कई बछियों की जांघों की हड्डियों को जलाया है, एक बार कई घाटियों वाली इडा की चोटियों पर और फिर ट्रॉय के किले पर; और अब मैं महान अकिलीज़ को प्रियम के शहर के चारों ओर उसका पीछा करते हुए देख रहा हूँ। आप क्या कहते हैं? आपस में विचार करें और निर्णय लें कि क्या हम अब उसे बचाएँ या उसे, चाहे वह कितना भी वीर क्यों न हो, पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के सामने मरने दें।”
तब मिनर्वा ने कहा, ‘हे पिता, बिजली के स्वामी, बादल और तूफान के स्वामी, आपका क्या इरादा है? क्या आप इस नश्वर प्राणी को, जिसका अंत बहुत पहले ही तय हो चुका है, मृत्यु के चंगुल से छुड़ाना चाहते हैं? आप जो चाहें करें, लेकिन हम बाकी लोग आपसे सहमत नहीं होंगे।’
और बृहस्पति ने उत्तर दिया, ‘हे त्रितो-जन्मे मेरे बच्चे, हिम्मत रखो। मैंने पूरी गंभीरता से ऐसा नहीं कहा था, और मैं तुम्हें तुम्हारी इच्छा पूरी करने दूंगा। बिना किसी रोक-टोक के, जैसा तुम चाहते हो वैसा करो।’
इस प्रकार उसने मिनर्वा को प्रेरित किया, जो पहले से ही उत्सुक थी, और
वह ओलंपस की सबसे ऊँची चोटियों से नीचे की ओर झपटी।
एकिलिस हेक्टर का पीछा कर रहा था, ठीक वैसे ही जैसे कोई शिकारी कुत्ता पहाड़ों पर अपने छिपने की जगह से निकले हिरण के बच्चे का पीछा करते हुए मैदानों और झाड़ियों में दौड़ता है। हिरण का बच्चा झाड़ी की आड़ में छिपकर उससे बचने की कोशिश कर सकता है, लेकिन वह उसकी गंध पहचान लेगा और तब तक उसका पीछा करेगा जब तक उसे पकड़ न ले। ठीक वैसे ही, हेक्टर के लिए पेलेउस

के तेजतर्रार बेटे से बचना नामुमकिन था। जब भी वह डार्डान के द्वारों के पास और दीवारों के नीचे जाने की कोशिश करता, ताकि उसके लोग ऊपर से हथियार बरसाकर उसकी मदद कर सकें, एकिलिस उसे पकड़ लेता और उसे वापस मैदान की ओर धकेल देता, हमेशा शहर की तरफ ही रहता। जैसे सपने में कोई व्यक्ति पीछा किए जा रहे दूसरे व्यक्ति को पकड़ नहीं पाता - न तो वह भाग सकता है और न ही दूसरा उसे पकड़ सकता है - ठीक वैसे ही न तो एकिलिस हेक्टर के पास पहुँच सका और न ही हेक्टर उससे बच पाया; फिर भी, अगर वह समय न आ गया होता जब अपोलो, जिसने अब तक उसकी ताकत और दौड़ने की शक्ति को बनाए रखा था, अब उसके साथ नहीं था, तो वह शायद मौत से बच जाता। अकिलीज़ ने अचियन सेना को संकेत दिए और अपना सिर हिलाकर बताया कि कोई भी हेक्टर पर भाला न चलाए, कहीं ऐसा न हो कि किसी और को उसे मारने का श्रेय मिल जाए और वह खुद दूसरे स्थान पर आ जाए। फिर, अंत में, जब वे चौथी बार जलप्रपातों के पास पहुँच रहे थे, तो सर्वशक्तिमान ईश्वर ने अपने सुनहरे तराजू को संतुलित किया और दोनों में एक-एक भाग्य चिन्ह रखा, एक अकिलीज़ के लिए और दूसरा हेक्टर के लिए। जैसे ही उन्होंने तराजू को बीच से पकड़ा, हेक्टर का भाग्य चिन्ह पाताल लोक में गहराई में गिर गया - और फिर अपोलो ने उसे छोड़ दिया। इसके बाद मिनर्वा पेलियस के पुत्र के पास गई और बोली, 'हे महान अकिलीज़, स्वर्ग के प्रिय, हम दोनों हेक्टर को मारकर अचियनों के लिए विजय का संदेश अवश्य ही जहाजों पर वापस लाएँगे, क्योंकि हेक्टर युद्ध के प्रति बहुत ललक रखता था। अपोलो चाहे जो भी करे, हेक्टर अपने पिता, देवदूत बृहस्पति के सामने गिड़गिड़ाता रहेगा, लेकिन वह अब हमसे बच नहीं सकता।' यहीं रुको और सांस लो, मैं उसके पास जाकर उसे समझाता हूँ कि वह डटकर तुम्हारा मुकाबला करे।
मिनर्वा ने ऐसा कहा। अकिलीज़ ने सहर्ष उसकी बात मानी और अपने कांसे के नुकीले राख रंग के भाले पर सहारा लेकर स्थिर खड़ा रहा, जबकि मिनर्वा उसे छोड़कर डेफोबस के रूप और वाणी में हेक्टर के पीछे चली गई। वह उसके पास आकर बोली, 'प्रिय भाई, मैं देख रही हूँ कि अकिलीज़ प्रियम नगर के चारों ओर पूरी गति से तुम्हारा पीछा कर रहा है और तुम उससे बुरी तरह घिरे हुए हो। चलो हम उसके आक्रमण की प्रतीक्षा करें और अपनी रक्षा के लिए डटे रहें।'
और हेक्टर ने उत्तर दिया, 'डेफोबस, हेकुबा और प्रियम की संतानों, तुम मेरे सभी भाइयों में सबसे प्रिय रहे हो, लेकिन अब से मैं तुम्हें और भी

अधिक महत्व दूंगा, क्योंकि जब बाकी सभी अंदर रहे, तब तुमने मेरे लिए दीवार के बाहर जाने का साहस किया।'
तब मिनर्वा ने कहा, “प्रिय भाई, मेरे माता-पिता और मेरे सभी साथियों ने मुझसे अंदर ही रहने की विनती की, क्योंकि उन सब पर बहुत भय छा गया था; लेकिन जब मैंने तुम्हें देखा तो मैं गहरे शोक में डूबी हुई थी; इसलिए अब हम दोनों डटकर मुकाबला करें और अपने भाले बचाकर न रखें, ताकि हमें पता चल सके कि क्या अकिलीज़ हमें मार डालेगा और हमारा सारा माल जहाजों पर ले जाएगा, या वह तुम्हारे सामने ही मारा जाएगा।”
इस प्रकार मिनर्वा ने अपनी धूर्तता से उसे बहकाया, और जब दोनों एक-
दूसरे के करीब आए तो महान हेक्टर ने पहले बात की। उसने कहा, “हे पेलेउस के पुत्र, मैं अब तुमसे नहीं भागूंगा, जैसा कि मैं अब तक करता आया हूं। मैं तीन बार प्रियम के शक्तिशाली शहर के चारों ओर भाग चुका हूं, लेकिन तुम्हारा सामना करने का साहस नहीं कर पाया, पर अब, या तो मैं तुम्हें मार डालूं या खुद मारा जाऊं, क्योंकि मैं तुमसे मुकाबला करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। तो, आइए हम अपने देवताओं की कसम खाकर एक-दूसरे से प्रतिज्ञा करें, जो सभी प्रतिज्ञाओं के सबसे योग्य साक्षी और संरक्षक हैं; हम आपस में यह तय कर लें कि यदि बृहस्पति मुझे और अधिक समय तक रुकने की कृपा करे और मैं तुम्हारी जान ले लूं, तो मैं तुम्हारे मृत शरीर के साथ किसी भी प्रकार का अनुचित व्यवहार नहीं करूंगा, बल्कि तुम्हारे कवच उतारने के बाद, मैं तुम्हारा शरीर अचेयनों को सौंप दूंगा। और तुम भी ऐसा ही करो।”
अकिलीज़ ने उसे घूरकर देखा और उत्तर दिया, “मूर्ख, मुझसे समझौतों के
बारे में बकवास मत करो। मनुष्य और शेरों के बीच कोई समझौता नहीं हो सकता; भेड़िये और मेमने कभी एकमत नहीं हो सकते, बल्कि एक-दूसरे से घोर घृणा करते हैं। इसलिए तुम्हारे और मेरे बीच कोई समझ नहीं हो सकती, और न ही हमारे बीच कोई समझौता हो सकता है, जब तक कि हम में से कोई एक गिरकर क्रूर मंगल को अपने खून से तृप्त न कर दे। अपनी पूरी ताकत लगा दो; अब तुम्हें खुद को एक बहादुर सैनिक और योद्धा साबित करने की ज़रूरत है। तुम्हारे पास अब कोई मौका नहीं है, और पल्लास मिनर्वा तुम्हें मेरे भाले से तुरंत हरा देगी: अब तुम्हें मेरे उन साथियों के लिए मुझे पूरा भुगतान करना होगा जिन्हें तुमने युद्ध में मार डाला है।”

बोलते हुए उसने अपना भाला तपाया और फेंक दिया। हेक्टर ने उसे आते देखा
और बच गया; उसने भाले को देखा और नीचे झुक गया ताकि वह उसके सिर के ऊपर से निकलकर ज़मीन में धंस जाए; फिर मिनर्वा ने उसे झट से उठा लिया और हेक्टर की नज़र से बचकर उसे अकिलीज़ को वापस दे दिया; इस पर हेक्टर ने पेलियस के पुत्र से कहा, 'हे देवताओं के समर्थ अकिलीज़, तुम्हारा निशाना चूक गया है, और बृहस्पति ने अभी तक तुम्हें मेरे अंत का समय नहीं बताया है, जबकि तुमने यह सुनिश्चित किया था कि उसने बता दिया है। जब तुमने यह सोचा कि मैं अपना शौर्य भूलकर तुम्हारे सामने कांप जाऊंगा, तो तुम झूठे थे। तुम अपना भाला किसी भागे हुए की पीठ में नहीं मारोगे - हे ईश्वर, यदि तुम्हें शक्ति दे, तो उसे मुझ पर मारो जब मैं तुम्हारी ओर सीधा आ रहा हूँ; और अब तुम भी मेरे भाले से बचो यदि तुम बच सकते हो - काश, वह पूरा तुम्हारे शरीर में समा जाए; यदि तुम एक बार मर गए तो ट्रोजनों के लिए युद्ध आसान हो जाएगा, क्योंकि तुमने ही उन्हें सबसे अधिक हानि पहुँचाई है।'
बोलते हुए उसने अपना भाला तपाया और फेंक दिया। उसका निशाना सटीक था,
भाला अकिलीज़ की ढाल के बीचोंबीच लगा, लेकिन उससे टकराकर वापस उछल गया और उसे भेद नहीं पाया। हेक्टर यह देखकर क्रोधित हो गया कि हथियार उसके हाथ से व्यर्थ चला गया है, और वह हताशा में वहीं खड़ा रह गया क्योंकि उसके पास दूसरा भाला नहीं था। उसने जोर से चिल्लाकर डेइफोबस को पुकारा और उससे एक भाला मांगा, लेकिन वहां कोई नहीं था; तब उसे सच्चाई का एहसास हुआ और उसने मन ही मन कहा, 'हाय! देवताओं ने मुझे विनाश की ओर धकेल दिया है। मैंने सोचा था कि वीर डेइफोबस मेरे साथ है, लेकिन वह दीवार के भीतर है, और मिनर्वा ने मुझे बहकाया है; मृत्यु अब सचमुच बहुत निकट है और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है - क्योंकि बृहस्पति और उसके पुत्र अपोलो, जो दूर तक भाला चलाने वाले हैं, ने यही चाहा है, हालांकि अब तक वे मेरी रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहे हैं। मेरा अंत आ गया है;' तो फिर मुझे बिना संघर्ष किए और बिना यश के मरने न दो, बल्कि पहले कोई ऐसा महान कार्य करने दो जिसकी चर्चा भविष्य में लोगों के बीच हो।
बोलते ही उसने अपनी कमर में लटकी हुई विशाल और मजबूत तलवार निकाली और खुद को समेटते हुए एक उड़ते हुए चील की तरह अकिलीज़ पर झपटा, मानो कोई चील बादलों से किसी मेमने या डरपोक खरगोश पर झपट्टा मारती हो – ठीक उसी तरह हेक्टर ने अपनी तलवार लहराई और अकिलीज़ पर टूट पड़ा। क्रोध से पागल

अकिलीज़ अपनी अद्भुत ढाल को सीने के सामने और धातु की चार परतों से बने अपने चमकते हुए हेलमेट को लहराते हुए उसकी ओर दौड़ा। वल्कन द्वारा हेलमेट पर उकेरी गई सोने की घनी लटें उसके चारों ओर लहरा रही थीं, और जैसे रात के सन्नाटे में शाम का तारा सभी तारों से अधिक चमकता है, ठीक वैसी ही चमक अकिलीज़ के दाहिने हाथ में थामे हुए भाले की थी, जो महान हेक्टर की मृत्यु के लिए तनी हुई थी। हेक्टर ने बार-बार उसके गोरे शरीर को निहारा, यह देखने के लिए कि उसे सबसे अच्छा घाव कहाँ दिया जा सकता है, लेकिन हेक्टर ने पैट्रोक्लस को मारने के बाद जो शानदार कवच उससे छीन लिया था, उससे उसका पूरा शरीर सुरक्षित था, सिवाय गले के उस हिस्से के जहाँ कॉलरबोन गर्दन को कंधों से अलग करती हैं, और यह सबसे घातक जगह होती है: यहीं पर अकिलीज़ ने उस पर वार किया जब वह उसकी ओर बढ़ रहा था, और उसके भाले की नोक गर्दन के मांसल हिस्से को चीरते हुए निकल गई, लेकिन इससे उसकी श्वास नली नहीं कटी, इसलिए वह अभी भी बोल सकता था। हेक्टर सिर के बल गिर पड़ा, और अकिलीज़ ने उस पर गर्व करते हुए कहा, 'हेक्टर, तुमने सोचा था कि पैट्रोक्लस को मारते समय तुम बिना किसी नुकसान के बच जाओगे, और मेरी परवाह नहीं की जो उसके साथ नहीं था। मूर्ख थे तुम: क्योंकि मैं, उसका साथी, उससे कहीं अधिक शक्तिशाली, अभी भी जहाजों पर उसके पीछे रह गया था, और अब मैंने तुम्हें हरा दिया है। अचेयन लोग उसका पूरा अंतिम संस्कार करेंगे, जबकि कुत्ते और गिद्ध तुम पर अपना कहर बरपाएंगे।'
तब हेक्टर ने अपनी अंतिम साँसें लेते हुए कहा, “मैं आप सभी से आपके
जीवन, आपके घुटनों और आपके माता-पिता की कसम खाकर विनती करता हूँ, कि अचेयनों के जहाजों पर कुत्ते मुझे न खा जाएँ, बल्कि मेरे माता-पिता द्वारा आपको दिए जाने वाले सोने और कांसे के बहुमूल्य खजाने को स्वीकार करें और मेरे शरीर को घर भेज दें, ताकि मरने के बाद ट्रोजन और उनकी पत्नियाँ मुझे मेरी अग्नि का हक दे सकें।”
अकिलीज़ ने उसे घूरकर देखा और उत्तर दिया, “कुत्ते, मुझसे न तो घुटनों
की बात करो और न ही माता-पिता की; काश मैं इतना आश्वस्त होता कि तुम्हारे मांस के टुकड़े-टुकड़े करके उसे कच्चा ही खा जाऊँगा, उस बुराई के लिए जो तुमने मेरे साथ की है, जितना कि मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूँ कि तुम्हें कुत्तों से कोई नहीं बचा सकता – ऐसा नहीं होगा, चाहे वे दस या बीस गुना फिरौती लाएँ और मुझे मौके पर ही तौल कर दें, और भविष्य में और भी अधिक देने

का वादा करें। चाहे डार्डनस का पुत्र प्रियम उन्हें तुम्हारे वजन के बराबर सोना देने के लिए कहे, फिर भी तुम्हारी माँ तुम्हें कभी भी अपने जन्म दिए बेटे के लिए विलाप नहीं करेगी, बल्कि कुत्ते और गिद्ध तुम्हें पूरी तरह से खा जाएँगे।”
अपनी अंतिम साँस लेते हुए हेक्टर ने कहा, 'मैं तुम्हें जानता हूँ कि
तुम क्या हो, और मुझे पूरा विश्वास था कि मैं तुम्हें विचलित नहीं कर पाऊँगा, क्योंकि तुम्हारा हृदय लोहे के समान कठोर है; ध्यान रखना कि मैं उस दिन तुम पर स्वर्ग का क्रोध न लाऊँ जब पेरिस और अपोलो फोबस, चाहे तुम कितने भी वीर क्यों न हो, तुम्हें स्केन के द्वार पर मार डालेंगे।'
जब उसने ऐसा कहा, तो मृत्यु के कफ़न ने उसे घेर लिया, और उसकी आत्मा
उसके शरीर से निकलकर पाताल लोक की ओर उड़ गई, अपने उस दुखद भाग्य पर विलाप करते हुए कि अब उसे यौवन और शक्ति का आनंद नहीं लेना पड़ेगा। लेकिन अकिलीज़ ने मृत शरीर से कहा, 'मर जाओ; मैं तो अपने भाग्य को तब स्वीकार करूँगा जब बृहस्पति और अन्य देवता उसे भेजना उचित समझेंगे।'
बोलते ही उसने अपना भाला शरीर से निकाला और एक तरफ रख दिया; फिर उसने हेक्टर के कंधों से खून से सना कवच उतार दिया, जबकि अन्य अचेयन उसकी अद्भुत शक्ति और सुंदरता को देखने के लिए दौड़ते हुए आ गए; और कोई भी उसके पास जाने की हिम्मत नहीं कर पाता था, वरना उसे एक नया घाव दे देता। फिर एक अपने पड़ोसी की ओर मुड़कर कहता, 'हेक्टर को अब संभालना तब से आसान है जब वह हमारे जहाजों पर आग बरसा रहा था' - और बोलते ही वह अपना भाला फिर से उसमें घुसा देता।
जब अकिलीज़ ने हेक्टर का कवच छीन लिया, तो वह आर्गिव्स के बीच खड़ा
होकर बोला, “मेरे मित्रों, राजकुमारों और आर्गिव्स के सलाहकारों, अब जबकि ईश्वर ने हमें इस व्यक्ति पर विजय प्राप्त करने का सौभाग्य दिया है, जिसने हम सभी से कहीं अधिक हानि पहुँचाई है, तो विचार कीजिए कि क्या हमें शहर पर पूरी ताकत से हमला नहीं करना चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि ट्रोजन किस स्थिति में हैं। इससे हमें पता चलेगा कि हेक्टर के मारे जाने के बाद वे अपना शहर छोड़ देंगे या उसके न रहने पर भी डटे रहेंगे। लेकिन मैं इस प्रकार अपने आप से क्यों बहस करूँ, जबकि पैट्रोक्लस अभी भी जहाजों पर बिना दफ़नाए और बिना शोक मनाए पड़ा है – जिसे मैं अपने जीवन भर और अपनी शक्ति के रहते कभी नहीं भूल सकता? यद्यपि मनुष्य अपने मृतकों को पाताल लोक में जाने के

बाद भूल जाते हैं, फिर भी मैं वहाँ भी अपने खोए हुए साथी को नहीं भूलूँगा। इसलिए, अब, अचेयन युवकों, आइए हम विजय का गीत गाएँ और इस व्यक्ति को अपने साथ लेकर जहाजों पर वापस चलें; क्योंकि हमने एक महान विजय प्राप्त की है और महान हेक्टर को मार डाला है, जिसकी पूरे शहर में ट्रोजन लोग देवता मानकर पूजा करते थे।
इस पर उसने हेक्टर के शरीर का घोर अपमान किया: उसने उसके दोनों पैरों
की एड़ी से टखने तक की नसों में छेद कर दिए और उन छेदों में बैल की खाल की पट्टियाँ डाल दीं। इस प्रकार उसने शरीर को अपने रथ से बाँध दिया और सिर को ज़मीन पर घसीटने दिया। फिर जब उसने रथ पर सुंदर कवच पहना दिया और स्वयं उस पर सवार हो गया, तो उसने अपने घोड़ों को चाबुक मारा और वे निर्भीक होकर आगे बढ़ गए। हेक्टर को घसीटते हुए धूल उड़ रही थी, उसके काले बाल चारों ओर बिखर रहे थे, और उसका कभी इतना सुंदर सिर अब धरती पर पड़ा था, क्योंकि बृहस्पति ने अब उसे उसके शत्रुओं के हाथों में सौंप दिया था ताकि वे उसकी अपनी ही भूमि में उसका अपमान करें।
इस प्रकार हेक्टर का सिर धूल में अपमानित हो रहा था। उसकी माँ ने अपने बाल नोंच लिए और अपने बेटे को देखकर चीखते हुए अपना घूंघट फेंक दिया। उसके पिता ने कराहते हुए विलाप किया और पूरे शहर में लोग रोने-धोने लगे। ऐसा लग रहा था मानो पूरे क्रोधित इलियस शहर को आग से झुलसाया जा रहा हो। लोग प्रियम को शहर के द्वार से बाहर जाने की उसकी तीव्र इच्छा को मुश्किल से रोक पा रहे थे। वह कीचड़ में लोट-पोट होकर उनसे विनती करने लगा, हर एक को उसके नाम से पुकारते हुए। ‘हे मेरे मित्रों, मुझे अकेला छोड़ दो,’ वह रोते हुए बोला, ‘और तुम्हारे सारे दुख के बदले मुझे अकेले ही अचेयनों के जहाजों तक जाने दो। मुझे इस क्रूर और भयानक व्यक्ति से विनती करने दो, शायद वह अपने साथी मनुष्यों की भावनाओं का सम्मान करे और मेरी वृद्धावस्था पर दया करे।’ उसका पिता भी मेरे ही जैसा ही है – पेलियस, जिसने उसे पाला-पोसा और उसे हम ट्रोजनों का, और सबसे बढ़कर मेरा, अभिशाप बनाया। उसने मेरे कई पुत्रों को जवानी में ही मार डाला, और फिर भी, मैं इन सबके लिए कितना भी शोक मनाऊं, एक के लिए – हेक्टर के लिए – सबसे अधिक शोक मनाता हूं, और मेरे इस गहरे दुःख से मैं नरक में चला जाऊंगा। काश, वह मेरी बाहों में मरा होता, क्योंकि तब उसकी अभागी मां, जिसने उसे जन्म दिया, और मुझे, दोनों को उसके लिए रोने और शोक मनाने का सुख मिलता।

इस प्रकार वह बहुत आँसू बहाते हुए बोला, और नगर के सभी लोग उसके विलाप
में शामिल हो गए। तब हेकुबा ने ट्रोजनों के बीच विलाप का स्वर बुलंद किया। ‘हाय मेरे पुत्र,’ वह रोते हुए बोली, ‘अब तुम्हारे बिना मेरा जीवन कैसा चलेगा? मैं दिन-रात नगर में तुम्हारा गुणगान करती थी, क्योंकि तुम ट्रॉय में सभी के लिए शक्ति का स्तंभ थे, और पुरुष और स्त्री दोनों तुम्हें देवता मानते थे। जब तक तुम जीवित रहे, तुम उनके गौरव थे, परन्तु अब मृत्यु और विनाश तुम पर आ पड़े हैं।’
हेक्टर की पत्नी को अभी तक कुछ भी पता नहीं चला था, क्योंकि कोई भी उसे
यह बताने नहीं आया था कि उसका पति घर के द्वार के बाहर रह गया है। वह घर के भीतरी हिस्से में अपने करघे पर दोहरी बैंगनी बुनाई कर रही थी और उस पर कई फूलों की कढ़ाई कर रही थी। उसने अपनी दासियों को आग पर एक बड़ा तिपाई रखने को कहा, ताकि हेक्टर के युद्ध से लौटने पर उसके लिए गर्म पानी से स्नान तैयार रहे; बेचारी, उसे नहीं पता था कि अब वह स्नान करने की पहुँच से बाहर है, और मिनर्वा ने उसे अकिलीज़ के हाथों मार डाला है। उसने दीवार से आती हुई चीख सुनी और उसका शरीर काँप उठा; उसके हाथों से शटल गिर गई और उसने फिर से अपनी दासियों से बात की। उसने कहा, 'तुम दोनों मेरे साथ आओ ताकि मैं जान सकूँ कि क्या हुआ है; मैंने अपने पति की आदरणीय माता की आवाज़ सुनी; मेरा दिल इतनी ज़ोर से धड़क रहा है जैसे मुँह में आ जाएगा और मेरे हाथ-पैर मेरा साथ नहीं दे रहे; प्रियम के बच्चों के लिए कोई बड़ी विपत्ति आने वाली है।' काश मुझे यह कभी न सुनना पड़े, लेकिन मुझे बहुत डर है कि अकिलीज़ ने बहादुर हेक्टर के पीछे हटने का रास्ता काट दिया है और उसका पीछा करते हुए उसे उस मैदान तक ले गया है जहाँ वह अकेला पड़ गया था; मुझे डर है कि उसने मेरे पति के उस निर्भीक साहस का अंत कर दिया होगा, जो अपने सैनिकों के साथ कभी नहीं रुकता था, बल्कि सबसे आगे बढ़कर, वीरता में सबसे श्रेष्ठ होकर आगे बढ़ता था।
उसका दिल तेजी से धड़क रहा था, और बोलते-बोलते वह पागलों की तरह घर से बाहर भागी, उसकी दासियाँ उसके पीछे-पीछे चल रही थीं। जब वह किले की प्राचीरों और लोगों की भीड़ के पास पहुँची, तो वह दीवार की ओर देखने लगी और उसने देखा कि हेक्टर को शहर के सामने से ले जाया जा रहा है - घोड़े उसे बिना किसी परवाह के ज़मीन पर घसीटते हुए अचेयनों के जहाजों की ओर ले जा रहे हैं। तभी उसकी आँखें रात के अंधेरे में डूब गईं और वह बेहोश होकर पीछे गिर पड़ी।

उसने अपने सिर से वस्त्र, माथे का लबादा और उसकी बुनी हुई पट्टी वाला जाल, और वह घूंघट जो सुनहरी वीनस ने उसे उस दिन दिया था जब हेक्टर ने उसे एइटियन के घर से अपने साथ ले जाने के लिए अनगिनत प्रेम-प्रसंग उपहार दिए थे, फाड़कर फेंक दिया। उसके पति की बहनें और उसके भाइयों की पत्नियाँ उसके चारों ओर जमा हो गईं और उसे सहारा दिया, क्योंकि वह अपनी बेचैनी में मरणासन्न थी; जब उसने थोड़ी देर बाद होश संभाला और सांस ली, तो वह ट्रोजनों के बीच सिसकते हुए विलाप करने लगी, “हाय हे हेक्टर; कितना दुख है कि हमारा भाग्य एक जैसा था, तुम ट्रॉय में प्रियम के घर में और मैं थेब्स में प्लाकस के वन पर्वत के नीचे एटियन के घर में, जिसने मुझे बचपन में पाला-पोसा – अभागे पिता, अभागी पुत्री के – काश उसने मुझे जन्म ही न दिया होता। अब तुम पृथ्वी के गुप्त स्थानों में पाताल लोक जा रहे हो, और मुझे अपने घर में एक दुखी विधवा छोड़कर जा रहे हो। वह बच्चा, जिसके हम दोनों अभागे माता-पिता हैं, अभी बहुत छोटा है। अब जब तुम चले गए हो, हे हेक्टर, तुम उसके लिए कुछ नहीं कर सकते और न ही वह तुम्हारे लिए। भले ही वह अचेयनों के साथ इस भयानक युद्ध की विपत्तियों से बच जाए, फिर भी उसका जीवन अब से परिश्रम और दुःख से भरा होगा, क्योंकि दूसरे उसकी भूमि पर कब्जा कर लेंगे।” जिस दिन किसी बच्चे से उसके माता-पिता छिन जाते हैं, वह उसे अपने ही लोगों से अलग कर देता है; उसका सिर झुका होता है, गाल आँसुओं से भीगे होते हैं, और वह अपने पिता के मित्रों के बीच निर्धन घूमता रहता है, कभी किसी का लबादा तो कभी कमीज़ खींचता रहता है। शायद कोई उस पर दया करके एक पल के लिए उसके सामने प्याला रख दे और उसे अपने होंठ तर करने दे, पर उसे इतना भी नहीं पीना चाहिए कि उसका मुँह गीला हो जाए; फिर जिसके माता-पिता जीवित होते हैं, वह उसे मार-पीट और गुस्से भरे शब्दों से मेज से भगा देता है। वह कहता है, “यहाँ से चले जाओ, तुम्हारा कोई पिता नहीं है,” और बच्चा रोता हुआ अपनी विधवा माँ के पास लौट जाता है – वही, एस्टियानैक्स, जो कुछ समय पहले अपने पिता की गोद में बैठता था और उसे केवल सबसे स्वादिष्ट और उत्तम भोजन परोसा जाता था। जब वह खेलते-खेलते थक जाता और सोने चला जाता, तो वह अपनी नर्स की बाहों में, मुलायम पलंग पर लेट जाता, उसे किसी चीज की कमी या चिंता नहीं होती थी। लेकिन अब जब उसने अपने पिता को खो दिया है, तो उसका जीवन कठिनाइयों से भरा होगा। उसे, जिसे ट्रोजन लोग अस्त्यानाक्स कहते हैं, क्योंकि हे हेक्टर, तुम ही उनके द्वारों और प्राचीरों के एकमात्र रक्षक थे। अब रेंगते हुए

कीड़े तुम्हें जहाजों पर, तुम्हारे माता-पिता से दूर, खा जाएँगे, जब कुत्ते तुम्हें खाकर तृप्त हो जाएँगे। तुम नग्न पड़े रहोगे, हालाँकि तुम्हारे घर में स्त्रियों के हाथों से बने उत्तम और सुंदर वस्त्र हैं। मैं अब इन्हें जला दूँगा; ये तुम्हारे किसी काम के नहीं हैं, क्योंकि तुम इन्हें फिर कभी नहीं पहन पाओगे, और इस प्रकार ट्रोजन पुरुष और स्त्रियाँ तुम्हें सम्मान दिखाएँगे।
इस प्रकार वह रोते हुए जोर-जोर से विलाप करने लगी, और अन्य महिलाएं भी उसके विलाप में शामिल हो गईं।

9. ओरियन का शिकारी कुत्ता, सीरियस तारा है।

पुस्तक 23

पैट्रोक्लस का अंतिम संस्कार और उसके अंतिम संस्कार के खेल।
इस प्रकार वे पूरे शहर में विलाप करते रहे, जबकि अचियन लोग जब हेलेस्पोंट पहुँचे तो सभी अपने-अपने जहाजों पर लौट गए। लेकिन अकिलीज़ ने मायर्मिडोंस को जाने नहीं दिया और अपने बहादुर साथियों से कहा, “मायर्मिडोंस, हे प्रसिद्ध घुड़सवारों और मेरे भरोसेमंद मित्रों, अभी नहीं, चलो हम अपने घोड़े और रथ उतारें, बल्कि शव के पास जाकर पैट्रोक्लस के लिए शोक मनाएँ, मृतक को उचित सम्मान दें। जब हम शोक मनाने में पूर्ण रूप से लीन हो जाएँगे, तब हम अपने घोड़े उतारेंगे और हम सब यहीं भोजन करेंगे।”
इस पर वे सब मिलकर विलाप करने लगे और अकिलीज़ ने उनका नेतृत्व किया। उन्होंने तीन बार अपने रथों को शोक में डूबे शव के चारों ओर घुमाया, और थेतिस ने उनके भीतर और भी गहरी तड़प जगा दी। समुद्र तट की रेत और पुरुषों के कवच उनके आँसुओं से भीग गए थे, क्योंकि उन्होंने जिसे खोया था, वह भय का एक महान दूत था। उनके शोक में सबसे आगे पेलियस का पुत्र था; उसने अपना रक्तरंजित हाथ अपने मित्र की छाती पर रखा। ‘अलविदा, पैट्रोक्लस, हेड्स के घर में। मैं अब वह सब करूँगा जो मैंने पहले तुमसे वादा किया था; मैं हेक्टर को यहाँ घसीट कर लाऊँगा और कुत्तों को उसे कच्चा ही कुतरने दूँगा; मैं तुम्हारे चिता के सामने ट्रोजन के बारह वीर पुत्रों को भी तुम्हारा बदला लेने के लिए मार डालूँगा।’
बोलते-बोलते उसने महान हेक्टर के शव का अपमान किया और उसे पेट्रोक्लस
की अर्थी के पास धूल में सीधा लिटा दिया। फिर बाकी सबने अपने कवच उतार दिए, रथों से घोड़े उतारे और ऐकस के वंशज बेड़े के जहाज के पास बड़ी संख्या में बैठ गए, जहाँ उन्होंने उनके लिए भव्य अंतिम संस्कार भोज का आयोजन किया। उन्होंने कई सुंदर बैल, कई भेड़ें और मिमियाती बकरियाँ काट डालीं; इसके अलावा, उन्होंने कई मोटे-ताज़े सूअरों को वल्कन की ज्वालाओं में भूनकर पकाया; और शव के चारों ओर खून की धाराएँ बहने लगीं।

फिर अचेयन के राजकुमार पेलेउस के पुत्र को एगामेम्नन के पास ले गए, लेकिन वे उसे अपने साथ आने के लिए मुश्किल से ही मना पाए, क्योंकि वह अपने साथी की मृत्यु से इतना क्रोधित था। जैसे ही वे एगामेम्नन के तम्बू में पहुँचे, उन्होंने सेवकों को आग पर एक बड़ा तिपाई लगाने को कहा, ताकि शायद वे पेलेउस के पुत्र को अपने शरीर से जमे हुए खून को धोने के लिए मना सकें, लेकिन उसने सख्ती से इनकार कर दिया और गंभीर शपथ लेते हुए कहा, 'नहीं, हे भगवान, हे सभी देवताओं में प्रथम और सबसे शक्तिशाली, यह उचित नहीं है कि पानी मेरे शरीर को छुए, जब तक मैं पैट्रोक्लस को आग पर न रख दूं, उसके लिए एक टीला न बना दूं और अपना सिर न मुंडवा लूं - जब तक मैं जीवित हूं, ऐसा दूसरा दुख कभी मेरे पास नहीं आएगा। इसलिए, अब हम इस दुखद उत्सव की सभी आवश्यकताओं को पूरा करें, लेकिन हे राजा एगामेम्नन, सूर्योदय होते ही अपने आदमियों को लकड़ी लाने और अन्य सभी चीजें उपलब्ध कराने का आदेश दें ताकि मृत आत्मा को विधिवत रूप से अंधकार के लोक में ले जाया जा सके; इस प्रकार आग उसे हमारी दृष्टि से शीघ्र ही ओझल कर देगी, और लोग फिर से अपने-अपने कामों में लग जाएंगे।
उसने ऐसा कहा, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया जैसा उसने कहा था।
उन्होंने जल्दी से भोजन तैयार किया, खाया, और हर किसी को उसका पूरा हिस्सा मिला ताकि सभी तृप्त हो जाएं। जैसे ही उनका पेट भर गया, बाकी सब अपने-अपने तंबू में आराम करने चले गए, लेकिन पेलियस का पुत्र अपने मर्मिडोंस के बीच, गरजते समुद्र के किनारे, एक खुली जगह पर, जहाँ लहरें एक के बाद एक आती रहती थीं, शोक मना रहा था। यहाँ उसे गहरी नींद आ गई और उसके दुखों का बोझ हल्का हो गया, क्योंकि उसके शरीर हवादार इलियस में हेक्टर का पीछा करते-करते थक गए थे। तभी पैट्रोक्लस की दुखी आत्मा उसके पास आई, ठीक उसी कद, आवाज और चमकती आँखों के साथ, जैसे वह जीवन में था। आत्मा उसके सिर के ऊपर मँडराई और बोली:—
“अकिलीज़, तुम सो रहे हो और मुझे भूल गए हो; तुमने मुझे जीते जी प्यार किया, पर अब जब मैं मर चुकी हूँ, तो तुम मेरे बारे में सोचते भी नहीं। मुझे जल्द से जल्द दफ़ना दो ताकि मैं पाताल लोक के द्वार पार कर सकूँ; वे प्रेत, उन मनुष्यों की व्यर्थ परछाइयाँ जो अब और काम नहीं कर सकते, मुझे अपने से दूर भगा रहे हैं; वे मुझे नदी के उस पार वालों से मिलने नहीं देंगे, और मैं पाताल लोक के विशाल द्वारों पर अकेली भटक रही हूँ। मैं तुमसे विनती करती

हूँ, अब मुझे अपना हाथ दो, क्योंकि एक बार जब तुम मुझे मेरी अग्नि का दंड दे दोगे, तो मैं फिर कभी पाताल लोक से बाहर नहीं आ पाऊँगी। अब हम कभी भी जीवितों के बीच बैठकर मीठी बातें नहीं कर पाएँगे; वह क्रूर भाग्य जो मेरा जन्मसिद्ध अधिकार था, उसने अपने विशाल जबड़े मेरे चारों ओर फैला दिए हैं – नहीं, तुम भी, अकिलीज़, देवताओं के समर्थ, महान ट्रोजन की दीवार के नीचे मरने के लिए अभिशप्त हो।”
‘मैं आपसे एक और प्रार्थना करता हूँ, यदि आप इसे स्वीकार करें; हे अकिलीज़, मेरी अस्थियों को आपकी अस्थियों से अलग न रखा जाए, बल्कि उनके साथ ही रखा जाए; ठीक वैसे ही जैसे हम आपके घर में एक साथ पले-बढ़े थे, जब मेनोटियस मुझे ओपोइस से आपके पास एक बच्चे के रूप में लाया था क्योंकि मैंने गुस्से में आकर एम्फिडामस के पुत्र को मार डाला था – जानबूझकर नहीं, बल्कि पासे को लेकर हुए बचकाने झगड़े में। शूरवीर पेलियस ने मुझे अपने घर में रखा, मुझसे विनम्रतापूर्वक विनती की और मुझे आपका सहायक नियुक्त किया; इसलिए हमारी अस्थियों को एक ही कलश में रखा जाए, उस दो मूठ वाले सोने के फूलदान में जो आपकी माँ ने आपको दिया था।’
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, “हे सच्चे हृदय, क्या तुम मुझ पर ये आरोप
लगाने आए हो? मैं स्वयं ही तुम्हारे सभी आदेशों का पालन करूँगा। मेरे करीब आओ, चलो एक बार फिर एक-दूसरे को गले लगाएँ और अपने दुखों को बाँटकर सांत्वना पाएँ।”
बोलते हुए उसने अपनी बाहें उसकी ओर फैला दीं और उसे गले लगाना चाहता
था, लेकिन वहाँ कुछ नहीं था, और वह आत्मा बड़बड़ाते और कराहते हुए भाप बनकर धरती में विलीन हो गई। अकिलीज़ उछलकर खड़ा हुआ, अपने दोनों हाथों को पटका और विलाप करते हुए बोला, 'सचमुच, पाताल लोक में भी ऐसे भूत और प्रेत होते हैं जिनमें जीवन नहीं होता; पूरी रात पैट्रोक्लस की दुखी आत्मा मेरे सिर के ऊपर मंडराती रही, दयनीय विलाप करती रही, मुझे बताती रही कि मुझे उसके लिए क्या करना है, और बिल्कुल उसी की तरह दिखती रही।'
इस प्रकार उसने कहा और उसके शब्दों ने सभी को रुला दिया और वे निर्गमन मृतकों के लिए शोक मनाने लगे, जब तक कि सुबह नहीं हो गई। तब राजा अगामेम्नन ने शिविर के सभी हिस्सों से लकड़ी लाने के लिए आदमियों और खच्चरों को भेजा, और इडोमेनियस के सहायक मेरियोनेस को उनका प्रभारी बनाया गया। वे लकड़हारों की कुल्हाड़ियाँ और मजबूत रस्सियाँ लेकर निकले, और उनके आगे

खच्चर चल रहे थे। वे पहाड़ियों और घाटियों पर, सीधे और टेढ़े रास्तों से होते हुए गए, और जब वे कई झरनों वाले इडा की ऊँचाइयों पर पहुँचे, तो उन्होंने अपनी कुल्हाड़ियाँ कई ऊँचे शाखाओं वाले बलूत के पेड़ों की जड़ों पर रख दीं, जो उनके काटने पर गरजते हुए नीचे गिर पड़े। उन्होंने पेड़ों को चीरकर खच्चरों के पीछे बाँध दिया, जो फिर घनी झाड़ियों से होते हुए मैदान की ओर अपना रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े। लकड़ी काटने वाले सभी लोग लट्ठे उठाकर लाए, क्योंकि इडोमेनियस के सहायक मेरियोनेस ने उन्हें ऐसा करने का आदेश दिया था, और उन्होंने उन्हें समुद्र तट पर उस स्थान पर एक पंक्ति में फेंक दिया जहाँ अकिलीज़ पेट्रोक्लस और अपने लिए एक विशाल स्मारक बनाएगा। जब उन्होंने अपने बड़े-बड़े लट्ठे पूरे मैदान पर गिरा दिए, तो वे सब वहीं रुक गए, लेकिन अकिलीज़ ने अपने वीर मर्मिडोंस को कवच पहनने और प्रत्येक को अपने घोड़े जोतने का आदेश दिया; इसलिए वे उठे, कवच पहने और अपने-अपने रथों पर सवार हो गए - वे और उनके सारथी भी। रथ आगे-आगे चल रहे थे, और पैदल चलने वाले हजारों की संख्या में एक बादल की तरह उनके पीछे-पीछे चल रहे थे। उनके बीच में उनके साथी पैट्रोक्लस को उठाए हुए थे और उन्होंने अपने बाल काटकर उसके शरीर पर डाल दिए। अंत में अकिलीज़ शोक से सिर झुकाए हुए आया, क्योंकि वह अपने इतने महान साथी को पाताल लोक ले जा रहा था।
जब वे उस स्थान पर पहुँचे जिसके बारे में अकिलीज़ ने उन्हें बताया था,
तो उन्होंने शव को नीचे रखा और लकड़ियाँ खड़ी कीं। तब अकिलीज़ को एक और बात सूझी। वह चिता से कुछ दूर गया और उसने स्पर्चेयस नदी के लिए बढ़ाई हुई अपनी पीली लट काट ली। उसने गहरे अंधकारमय समुद्र की ओर बड़े दुख से देखा और कहा, ‘स्पर्चेयस, मेरे पिता पेलेउस ने तुमसे व्यर्थ ही प्रतिज्ञा की थी कि जब मैं अपने प्रिय जन्मभूमि लौटूँगा, तो मैं यह लट काटकर तुम्हें एक पवित्र बलि अर्पित करूँगा; मैं तुम्हारे जलस्रोत पर, जहाँ तुम्हारा उपवन और तुम्हारी वेदी है, जहाँ बलि की सुगंध फैली है, पचास बकरे तुम्हें अर्पित करने वाला था। मेरे पिता ने ऐसी प्रतिज्ञा की थी, पर तुमने उनकी प्रार्थना पूरी नहीं की; इसलिए अब, क्योंकि मैं अपना घर फिर कभी नहीं देख पाऊँगा, मैं यह लट वीर पैट्रोक्लस को स्मृति चिन्ह के रूप में अर्पित करता हूँ।’ बोलते-बोलते उसने ताला अपने प्रिय साथी के हाथों में रख दिया, और वहाँ खड़े सभी लोग शोक और विलाप से भर उठे। उनका शोक समाप्त ही हुआ होता यदि अकिलीज़ ने तुरंत एगामेम्नन से यह न कहा होता, ‘एट्रियस के पुत्र, क्योंकि

लोग तुम्हारी ही बात सुनेंगे, शोक मनाने का भी एक समय होता है और शोक समाप्त करने का भी; लोगों को कहो कि वे चिता छोड़कर भोजन की व्यवस्था करें: हम, जिन्हें मृतक सबसे प्रिय है, यहाँ की आवश्यकता का ध्यान रखेंगे, और अन्य राजकुमारों को भी मेरे पास रहने को कहें।’
जब राजा एगामेम्नन ने यह सुना तो उसने लोगों को अपने जहाजों पर जाने का आदेश दिया, लेकिन जो लोग मृतकों के पास थे उन्होंने लकड़ियाँ इकट्ठा करके सौ फीट लंबी चिता बनाई; फिर उन्होंने सभी मृतकों को बड़े दुख के साथ उस पर लिटा दिया। उन्होंने चिता के सामने कई मोटे भेड़ों और बैलों की खाल उतारी और उन्हें साफ किया, और अकिलीज़ ने उन सभी की चर्बी निकालकर शरीर को सिर से पैर तक उसमें लपेट दिया, और खाल उतारे हुए शवों को उसके चारों ओर ढेर कर दिया। उसने चिता के सहारे शहद और मरहम से भरे दो मूठ वाले घड़े रखे; फिर उसने चार गर्वित घोड़ों को चिता पर फेंक दिया, ऐसा करते समय वह कराह रहा था। मृत वीर के नौ पालतू कुत्ते थे; उनमें से दो को अकिलीज़ ने मार डाला और चिता पर फेंक दिया; उसने बारह वीर कुलीन ट्रोजन के पुत्रों को भी तलवार से मार डाला और उन्हें बाकी लोगों के साथ लिटा दिया, क्योंकि वह क्रोध और कड़वाहट से भरा हुआ था। फिर उसने सभी को आग की अदम्य और भस्म कर देने वाली शक्ति के हवाले कर दिया; वह गरजा और अपने मृत साथी को नाम लेकर पुकारा। “अलविदा, पैट्रोक्लस, पाताल लोक में भी; मैं अब वह सब कर रहा हूँ जो मैंने तुमसे वादा किया था। बारह वीर ट्रोजन पुत्र तुम्हारे साथ आग की लपटों में भस्म हो जाएँगे, लेकिन प्रियम के पुत्र हेक्टर का मांस आग नहीं, बल्कि कुत्ते खाएँगे।”
उसने इस प्रकार शेखी बघारी, लेकिन कुत्ते हेक्टर के शव के पास नहीं आए, क्योंकि बृहस्पति की पुत्री वीनस ने उन्हें दिन-रात उससे दूर रखा और उसे गुलाब के अमृतमय तेल से अभिषेक किया ताकि जब अकिलीज़ उसे घसीट रहा हो तो उसका मांस न फटे। इसके अलावा, अपोलो ने आकाश से पृथ्वी पर एक काला बादल भेजा, जिसने उस पूरे स्थान को छाया प्रदान की जहाँ हेक्टर लेटा हुआ था, ताकि सूर्य की गर्मी उसके शरीर को झुलसा न दे।
अब मृत पैट्रोक्लस की चिता प्रज्वलित नहीं हो रही थी। इसलिए अकिलीज़
ने कुछ और सोचा; वह एकांत में गया और बोरियास और ज़ेफिरस नामक दो हवाओं से प्रार्थना की, और उन्हें अच्छे-अच्छे प्रसाद चढ़ाने का संकल्प लिया। उसने अपने सोने के प्याले से उन्हें अनेक पेय पदार्थ अर्पित किए और उनसे विनती

उसे बुझा दें; फिर हम मेनोटियस के पुत्र पैट्रोक्लस की हड्डियों को सावधानी से अलग करके इकट्ठा करें; वे आसानी से मिल जाएँगी, क्योंकि वे चिता के बीच में पड़ी हैं, जबकि बाकी सब, मनुष्य और घोड़े, बाहरी किनारे पर ढेर करके जला दिए गए हैं।' हम हड्डियों को सोने के कलश में, चर्बी की दो परतों में, उस समय के लिए रखेंगे जब मैं स्वयं पाताल लोक में जाऊँगा। जहाँ तक टीले की बात है, अभी बड़ा टीला बनाने का काम मत करो, बल्कि उतना ही बनाओ जितना उचित हो। बाद में, मेरे जाने के बाद जो अचेयन लोग जहाजों पर रह जाएँगे, वे इसे चौड़ा और ऊँचा बनाएँ।
उसने ऐसा कहा और सबने पेलेउस के पुत्र की बात मान ली। पहले उन्होंने
राख की मोटी परत पर लाल शराब डाली और आग बुझा दी। बहुत आँसू बहाते हुए उन्होंने अपने प्रिय साथी की सफ़ेद हड्डियों को अलग किया और उन्हें दो परतों में चर्बी लगाकर एक सोने के कलश में रख दिया। फिर उन्होंने कलश को सूती कपड़े से ढक दिया और उसे तम्बू के अंदर ले गए। उन्होंने उस स्थान को चिह्नित किया जहाँ टीला बनाया जाना था, चिता के चारों ओर उसकी नींव रखी और तुरंत मिट्टी का ढेर लगा दिया। जब उन्होंने इस प्रकार टीला बना लिया तो वे जाने लगे, लेकिन अकिलीज़ ने लोगों को रोक लिया और उन्हें सभा में बैठाया। वह जहाजों से लूटी हुई वस्तुएँ लाया - कड़ाही, तिपाई, घोड़े और खच्चर, उत्तम बैल, सुंदर कमरबंद वाली स्त्रियाँ और काला लोहा।
उसने रथ दौड़ के लिए पहला पुरस्कार घोषित किया – एक ऐसी स्त्री जो सभी कलाओं में निपुण हो, और एक तीन टांगों वाला कड़ाहा जिसके हैंडल कान जैसे हों और जिसमें बाईस माप तरल आ सके। यह पुरस्कार प्रथम स्थान पर आने वाले पुरुष को दिया जाना था। दूसरे पुरस्कार के लिए एक छह साल की अशिक्षित घोड़ी थी जो एक नर गधे से गर्भवती थी; तीसरे पुरस्कार के लिए एक सुंदर कड़ाहा था जो कभी आग पर नहीं रखा गया था; वह अभी भी उतना ही चमकदार था जितना कि बनने के समय था, और जिसमें चार माप तरल आ सके। चौथा पुरस्कार दो टैलेंट सोना था, और पाँचवाँ पुरस्कार दो हैंडल वाला एक कलश था जो अभी तक धुएँ से अछूता था। फिर वह खड़ा हुआ और अर्गिवों के बीच बोला:—
‘अत्रेयस के पुत्र, और सभी अचेयनों, ये वे पुरस्कार हैं जो रथ दौड़ के विजेताओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। किसी और समय होता तो मैं प्रथम पुरस्कार लेकर अपने तम्बू में चला जाता; तुम जानते हो कि मेरे घोड़े अन्य सभी घोड़ों से कितने श्रेष्ठ हैं – क्योंकि वे अमर हैं; नेप्च्यून ने

उन्हें मेरे पिता पेलियस को दिया था, जिन्होंने बदले में उन्हें मुझे दिया; लेकिन मैं यहाँ से दूर रहूँगा, मैं और मेरे घोड़े जिन्होंने अपने बहादुर और दयालु सारथी को खो दिया है, जिसने कई बार उन्हें स्वच्छ जल से धोया और उनके अयाल में तेल लगाया। देखो वे यहाँ कैसे रो रहे हैं, उनके अयाल उनके गहरे शोक में ज़मीन पर घिसट रहे हैं। लेकिन तुम सब सेना में व्यवस्थित हो जाओ, जिसे भी अपने घोड़ों और अपने रथ की शक्ति पर भरोसा है।’ पेलेयस के पुत्र ने ऐसा कहा और रथों के सारथी हरकत में आ गए। सबसे पहले, मनुष्यों के राजा, एडमेटस के पुत्र, यूमेलस उठे, जो घुड़सवारी में निपुण थे। उनके बाद, टाइडियस के पुत्र, शक्तिशाली डायोमेड उठे; उन्होंने उन ट्रोजन घोड़ों को जोता जिन्हें उन्होंने ऐनेस से तब लिया था जब अपोलो उन्हें युद्ध से बाहर ले गया था। उनके बाद, एट्रियस के पुत्र, सुनहरे बालों वाले मेनेलास उठे और अपने तेज घोड़ों, एगामेम्नन की घोड़ी एथे और अपने घोड़े पोडार्गस को जोता। यह घोड़ी एंकीसेस के पुत्र एचेपोलस ने एगामेम्नन को दी थी, ताकि उन्हें इलियस तक उनके पीछे न जाना पड़े, बल्कि वे घर पर आराम कर सकें; क्योंकि बृहस्पति ने उन्हें अपार धन से संपन्न किया था और वे विशाल सिसिओन में रहते थे। मेनेलास ने इस घोड़ी को, जो दौड़ के लिए पूरी तरह से तैयार थी, अपने जुए में डाल दिया।
चौथे स्थान पर रहे एंटिलोकस, जो कुलीन नेस्टर के पुत्र और नेलियस के पुत्र थे, ने अपने घोड़ों को तैयार किया। ये घोड़े पाइलोस में पाले गए थे, और उनके पिता उन्हें कुछ अच्छी सलाह देने के लिए उनके पास आए, जिसकी उन्हें कोई खास आवश्यकता नहीं थी। नेस्टर ने कहा, 'एंटिलोकस, तुम अभी युवा हो, लेकिन बृहस्पति और नेपच्यून ने तुम्हें बहुत प्यार किया है और तुम्हें एक कुशल घुड़सवार बनाया है। इसलिए मुझे तुम्हें ज्यादा कुछ सिखाने की जरूरत नहीं है। तुम घोड़ों को खंभे के चारों ओर घुमाने में तो माहिर हो, लेकिन घोड़े बहुत धीमे हैं, और मुझे डर है कि यही तुम्हारी जीत की संभावनाओं को कम कर देगा। दूसरे घुड़सवार तुमसे कम जानते हैं, लेकिन उनके घोड़े तेज़ हैं; इसलिए, मेरे प्यारे बेटे, देखो कि क्या तुम कोई ऐसी तरकीब सोच सकते हो जिससे तुम यह सुनिश्चित कर सको कि जीत तुम्हारे हाथ से न निकल जाए। लकड़हारा शारीरिक बल से ज्यादा कौशल से काम करता है; कौशल से नाविक तूफ़ान में फंसी अपनी नाव को समुद्र के पार ले जाता है, और इसी तरह कौशल से एक घुड़सवार दूसरे को हरा सकता है।' यदि कोई व्यक्ति अपने घोड़ों पर पूरी तरह

से निर्भर हो, तो वे दौड़ के दोनों सिरों पर लगे खंभों के चारों ओर घूमते समय बेकाबू हो जाएँगे; उसका उन पर कोई नियंत्रण नहीं रहेगा और वह उन्हें इधर-उधर मुड़ने से नहीं रोक पाएगा, जबकि एक कुशल व्यक्ति के पास भले ही खराब घोड़े हों, लेकिन वह दोहरे खंभे को देखते ही उन्हें अच्छी तरह से काबू में रखेगा; वह जानता है कि लगाम कब खींचनी है, और अपने आगे वाले व्यक्ति पर कड़ी नज़र रखता है। मैं आपको एक ऐसा निश्चित संकेत देता हूँ जो आपकी नज़र से नहीं बच सकता। ज़मीन से लगभग छह फीट ऊपर एक सूखे पेड़ का ठूंठ है - चाहे वह ओक हो या चीड़ - जो अभी तक बारिश से सड़ा नहीं है; यह सड़क के मोड़ पर खड़ा है; इसके दोनों ओर दो सफेद पत्थर लगे हैं, और इसके चारों ओर एक स्पष्ट मार्ग है। यह किसी दिवंगत व्यक्ति का स्मारक हो सकता है, या पुराने समय में इसका उपयोग दोहरे खंभे के रूप में किया जाता रहा हो; लेकिन अब, इसे अकिलीज़ ने उस चिह्न के रूप में चुना है जिसके चारों ओर रथ घूमेंगे; जितना हो सके उसके करीब रहो, लेकिन अपने रथ में खड़े होकर थोड़ा बाईं ओर झुक जाओ; अपने दाहिने हाथ के घोड़े को आवाज़ और चाबुक से प्रेरित करो और उसकी लगाम ढीली छोड़ दो, लेकिन बाएं हाथ के घोड़े को इतना करीब रखो कि तुम्हारे पहिये का केंद्र लगभग खंभे को छू ले; पत्थर का ध्यान रखो, नहीं तो तुम अपने घोड़ों को घायल कर दोगे और अपने रथ को टुकड़े-टुकड़े कर दोगे, जो दूसरों के लिए मनोरंजन होगा लेकिन तुम्हारे लिए मुसीबत। इसलिए, मेरे प्यारे बेटे, अपने काम पर अच्छी तरह ध्यान दो, क्योंकि अगर तुम खंभे के चारों ओर सबसे पहले पहुँच गए तो बाद में कोई भी तुम्हें पीछे नहीं छोड़ पाएगा, चाहे तुम्हारे पीछे एड्रेस्टस का घोड़ा एरियन हो - जो दिव्य नस्ल का घोड़ा है - या लाओमेडोन के घोड़े हों, जो इस देश में सबसे श्रेष्ठ हैं।
नेस्टर ने अपने बेटे को सलाह देना समाप्त करने के बाद अपनी जगह पर बैठ गया, और पांचवें स्थान पर मेरियोनेस ने अपने घोड़े तैयार किए। फिर वे सभी अपने रथों पर सवार हुए और पर्ची निकाली। अकिलीज़ ने हेलमेट हिलाया, और सबसे पहले नेस्टर के पुत्र एंटिलोकस का नाम निकला; उसके बाद राजा यूमेलस का, और उसके बाद एट्रेस के पुत्र मेनेलास और मेरियोनेस का। अंतिम स्थान टाइडियस के पुत्र डायोमेड को मिला, जो उन सभी में सर्वश्रेष्ठ था। वे पंक्ति में खड़े हो गए; अकिलीज़ ने उन्हें मैदान में कुछ दूरी पर स्थित वह खंभा दिखाया जिसके चारों ओर उन्हें घूमना था; यहाँ उसने अपने पिता के

अनुयायी फीनिक्स को निर्णायक के रूप में तैनात किया, ताकि वह दौड़ का अवलोकन करे और सही-सही रिपोर्ट दे।
उसी क्षण उन सभी ने अपने घोड़ों को चाबुक मारा, लगाम से उन्हें पीटा और पूरी ताकत से उन पर चिल्लाने लगे। वे पूरी गति से मैदान में जहाजों से दूर भाग गए, उनके नीचे से धूल ऐसे उठी मानो कोई बादल या बवंडर हो, और उनके अयाल हवा में लहरा रहे थे। एक पल के लिए रथ जमीन को छूते हुए प्रतीत हुए, और फिर से हवा में उछल पड़े; सारथी सीधे खड़े थे, और विजय की लालसा में उनके दिल तेजी से धड़क रहे थे। प्रत्येक अपने घोड़ों को पुकारता रहा, और घोड़े अपने द्वारा उड़ाई गई धूल के बादलों के बीच मैदान में दौड़ते रहे।
समुद्र की ओर लौटते हुए जब वे दौड़ के अंतिम चरण में थे, तब उनकी गति
चरम सीमा पर थी और हर किसी की क्षमता का पता चल रहा था। फेरेस के वंशज के घोड़े अब आगे निकल गए, और उनके ठीक पीछे डायोमेड के ट्रोजन घोड़े थे। ऐसा लग रहा था मानो वे यूमेलस के रथ पर सवार होने वाले हों, और दौड़ते हुए उनके सिर यूमेलस के सिर के बिल्कुल करीब थे, जिससे यूमेलस अपनी पीठ और चौड़े कंधों पर उनकी गर्म सांस महसूस कर सकता था। डायोमेड अब उसे पीछे छोड़ देता, या दोनों के बीच बराबरी का मुकाबला होता, लेकिन अपोलो ने उसे चिढ़ाने के लिए उससे चाबुक छुड़वा दिया। जब उसने देखा कि घोड़ियां पहले से भी तेज दौड़ रही हैं, जबकि उसके अपने घोड़े चाबुक न होने के कारण पिछड़ रहे हैं, तो उसकी आंखों से क्रोध के आंसू बहने लगे। मिनर्वा ने अपोलो द्वारा टाइडियस के पुत्र के साथ की गई चाल को समझ लिया, इसलिए वह उसके लिए चाबुक लाई और उसके घोड़ों में जोश भर दिया; इसके अलावा, वह गुस्से में एडमेटस के पुत्र के पीछे गई और उसका जुआ तोड़ दिया; घोड़ियां एक तरफ दौड़ीं, दूसरी दूसरी तरफ, और खंभा ज़मीन पर गिरकर टूट गया। यूमेलस अपने रथ से पहिए के पास गिर पड़ा; उसकी कोहनी, मुंह और नाक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे, और उसकी भौंहों के ऊपर माथे पर चोट के निशान थे; उसकी आंखें आंसुओं से भर गईं और वह कुछ बोल नहीं पा रहा था। लेकिन टाइडियस के पुत्र ने अपने घोड़ों को मोड़कर बहुत आगे दौड़ लगाई, क्योंकि मिनर्वा ने उनमें नई शक्ति भर दी और डायोमेड को महिमा से भर दिया।
एट्रियस का पुत्र मेनेलास उसके ठीक पीछे आया, लेकिन एंटिलोकस ने अपने पिता के घोड़ों को पुकारा। उसने कहा, “तुम दोनों जल्दी करो और अपनी पूरी ताकत लगाओ। मैं तुम्हें टाइडियस के पुत्र के घोड़ों को हराने की कोशिश

करने के लिए नहीं कह रहा हूँ, क्योंकि मिनर्वा ने उन्हें तेज़ दौड़ाया है और डायोमेड को गौरव से भर दिया है; लेकिन तुम्हें एट्रियस के पुत्र के घोड़ों को पकड़ना ही होगा और पीछे नहीं रहना होगा, वरना तेज दौड़ने वाली एथे तुम्हें ताना मारेगी। मेरे साथियों, तुम क्यों पीछे रह रहे हो? मैं तुमसे कहता हूँ, और ऐसा निश्चित रूप से होगा - नेस्टर तुम दोनों में से किसी को भी नहीं रखेगा, बल्कि तुम दोनों को तलवार से मार डालेगा, अगर तुम्हारी लापरवाही के कारण हमें कोई भी कम इनाम मिला। पूरी गति से उनका पीछा करो; मैं रास्ते के एक संकरे हिस्से में उन्हें पार करने की योजना बना रहा हूँ, और यह योजना मेरे लिए कारगर साबित होगी।”
वे अपने स्वामी की डांट से डरकर थोड़ी देर के लिए तेज़ी से चले। तभी एंटिलोकस ने एक संकरा स्थान देखा जहाँ सड़क धंस गई थी। ज़मीन टूटी हुई थी, क्योंकि सर्दियों की बारिश का पानी जमा होकर सड़क को इतना घिस चुका था कि पूरी जगह गहरी हो गई थी। मेनेलास वहाँ पहले पहुँचने के लिए उस ओर बढ़ रहा था, क्योंकि उसे किसी दुर्घटना का डर था, लेकिन एंटिलोकस ने अपने घोड़ों को रास्ते से हटा दिया और थोड़ा किनारे से उसका पीछा किया। एट्रियस का पुत्र डर गया और चिल्लाया, 'एंटिलोकस, तुम लापरवाही से घोड़े दौड़ा रहे हो; अपने घोड़ों की लगाम खींचो; सड़क यहाँ बहुत संकरी है, थोड़ी देर में चौड़ी हो जाएगी, और तब तुम मुझे पार कर सकते हो; अगर तुमने मेरे रथ को टक्कर मारी तो हम दोनों मुसीबत में पड़ जाएँगे।'
लेकिन एंटिलोकस ने अपना चाबुक चलाया और तेज़ी से रथ दौड़ाया, मानो
उसने उसकी बात सुनी ही न हो। वे लगभग उतनी ही दूर तक साथ-साथ चले जितनी दूर तक कोई युवक अपनी पूरी ताकत लगाकर कंधे से चक्र फेंक सकता है। फिर मेनेलास की घोड़ियाँ पीछे रह गईं, क्योंकि उसने रथ दौड़ाना बंद कर दिया था, इस डर से कि कहीं घोड़े आपस में उलझकर रथों को पलट न दें; इस प्रकार, विजय की तलाश में आगे बढ़ते हुए, वे दोनों ज़मीन पर गिर सकते थे। तब मेनेलास ने एंटिलोकस को फटकारा और कहा, 'तुम्हारे जैसा धोखेबाज कोई नहीं है; जाओ, और तुम्हारा दुर्भाग्य तुम्हारे साथ जाए; अचेयन लोग यह ठीक नहीं कहते कि तुम समझदार हो, और चाहे कुछ भी हो जाए, मेरी कसम खाए बिना तुम इनाम नहीं ले जा पाओगे।'
फिर उसने अपने घोड़ों को बुलाया और उनसे कहा, 'अपनी गति बनाए रखो, और
धीमे मत पड़ो; दूसरे घोड़ों के अंग तुम्हारे अंगों से जल्दी थक जाएंगे, क्योंकि वे दोनों जवान नहीं हैं।'

घोड़े अपने स्वामी की फटकार से डर गए और तेजी से दौड़ने लगे, जिससे वे जल्द ही अन्य घोड़ों के लगभग बराबर पहुँच गए।
इसी बीच, अचेयन लोग अपनी सीटों पर बैठे घोड़ों की दौड़ देख रहे थे, जो धूल के बादल उड़ाते हुए मैदान में दौड़ रहे थे। क्रीटियों के सेनापति इडोमेनियस ने सबसे पहले दौड़ देखी, क्योंकि वह भीड़ के बीच में नहीं था, बल्कि मैदान के सबसे ऊंचे स्थान पर खड़ा था। सारथी काफी दूर था, लेकिन इडोमेनियस उसकी आवाज सुन सकता था और सबसे आगे वाले घोड़े को साफ-साफ देख सकता था - एक भूरा घोड़ा जिसके माथे पर चंद्रमा की तरह गोल सफेद तारा बना हुआ था। वह खड़ा हुआ और आर्गिव्स के बीच बोला, 'मेरे मित्रों, आर्गिव्स के राजकुमारों और सलाहकारों, क्या आप भी दौड़ को मेरी तरह साफ देख सकते हैं? अब आगे घोड़ों की एक और जोड़ी और एक और सारथी दिखाई दे रही है; जो घोड़े शुरुआत में आगे थे, वे मैदान में कहीं घायल हो गए होंगे। मैंने उन्हें पहले खंभे के चारों ओर घूमते हुए देखा था, लेकिन अब, चाहे मैं ट्रॉय के मैदान में उन्हें खोज लूं, वे मुझे नहीं मिल रहे हैं।' शायद लगाम सारथी के हाथ से छूट गई होगी, जिससे वह मोड़ पर अपने घोड़ों पर नियंत्रण खो बैठा और उसे मोड़ नहीं सका। मेरा अनुमान है कि वह वहीं गिर गया होगा और उसका रथ टूट गया होगा, जबकि उसकी घोड़ियां दौड़ के मैदान से बाहर निकलकर बेकाबू होकर भाग गई होंगी। आप लोग आकर खुद देख लीजिए, मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता, लेकिन सारथी वंश से एटोलियन प्रतीत होता है, जो आर्गिव्स का शासक, वीर डायोमेड, टाइडियस का पुत्र था।
ओइलियस के पुत्र एजैक्स ने उसे रोककर अशिष्टता से कहा, “इदोमेनियस, जब घोड़ियाँ अभी मैदान में इतनी दूर हैं, तो हमें सब कुछ बताने की इतनी जल्दी क्यों है? तुम न तो सबसे जवान हो, न ही तुम्हारी नज़रें सबसे तेज़ हैं, फिर भी तुम हमेशा नियम थोपते रहते हो। तुम्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि यहाँ तुमसे बेहतर लोग मौजूद हैं। यूमेलस के घोड़े हमेशा की तरह आगे हैं, और वह रथ पर लगाम थामे बैठा है।”
क्रीटियों का सेनापति क्रोधित हुआ और बोला, “एजैक्स, तुम बहुत अच्छे निंदाकार हो, पर विवेक की कमी है और कई अन्य चीजों में भी तुममें खामियां हैं, क्योंकि तुम्हारा स्वभाव बहुत बुरा है। मैं तुमसे एक तिपाई या कड़ाही की शर्त लगाता हूँ, और एट्रेस का पुत्र एगामेम्नन तय करेगा कि किसके घोड़े पहले पहुँचते हैं। तब तुम्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।”

ओइलियस का पुत्र एजैक्स उसे गुस्से में जवाब देने ही वाला था, और अगर अकिलीज़ बीच में आकर यह न कहता कि, ‘एजैक्स और इडोमेनियस, अपनी गाली-गलौज बंद करो; यह ठीक नहीं है; अगर तुम किसी और को ऐसा करते देखोगे तो तुम्हें शर्म आएगी: बैठ जाओ और घोड़ों पर नज़र रखो; वे जीत की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं और तुरंत यहाँ पहुँच जाएँगे। तब तुम दोनों को पता चल जाएगा कि किसके घोड़े पहले हैं और किसके बाद।’
जब वह बोल ही रहा था, तभी टाइडियस का पुत्र अपने कंधे से चाबुक चलाते
हुए तेज़ी से रथ में सवार होकर आया, और उसके घोड़े दौड़ते हुए ऊँची छलांगें मार रहे थे। सारथी पर रेत और धूल की मोटी बौछार हो रही थी, और सोने-टिन से जड़ा रथ उसके तेज़ घोड़ों के ठीक पीछे दौड़ रहा था। बारीक धूल में पहियों के निशान न के बराबर थे, और घोड़े अपनी पूरी गति से दौड़ते हुए आ रहे थे। डायोमेड ने उन्हें भीड़ के बीच में रोक दिया, और उनके अयाल और छाती से पसीना ज़मीन पर बह रहा था। तुरंत ही वह अपने शानदार रथ से कूदा, और अपना चाबुक घोड़ों के जुए पर टिका दिया; बहादुर स्टेनेलस ने अब ज़रा भी समय बर्बाद नहीं किया, बल्कि तुरंत इनाम लेकर आया, और स्त्री और कान के हैंडल वाला कड़ाहा अपने साथियों को ले जाने के लिए दे दिया। फिर उसने घोड़ों को जुए से खोल दिया।
उसके ठीक पीछे नीलियस के वंशज एंटिलोकस आए, जिन्होंने मेनेलास को अपने घोड़ों की तेज़ी से नहीं बल्कि एक चाल से पीछे छोड़ा था; फिर भी मेनेलास उनके ठीक पीछे उतनी ही दूरी पर थे जितनी दूरी रथ और उसके स्वामी को खींचने वाले घोड़े के बीच होती है। घोड़े की पूंछ के आखिरी बाल पहिए के टायर को छूते हैं, और रथ के चलते समय पहिए और घोड़े के बीच ज़्यादा जगह नहीं होती; मेनेलास एंटिलोकस से बस इतनी ही दूरी पर थे, हालाँकि शुरुआत में वे उनसे एक डिस्क की दूरी पर थे। उन्होंने जल्द ही एंटिलोकस को फिर से पकड़ लिया, क्योंकि एगामेम्नन की घोड़ी एथ लगातार ज़ोर लगाती जा रही थी, इसलिए अगर दौड़ लंबी होती तो वे उसे पीछे छोड़ देते, और बराबरी का मुकाबला भी नहीं होता। इडोमेनियस का बहादुर सहायक मेरियोनेस मेनेलास से लगभग एक भाले की दूरी पर था। उसके घोड़े सबसे धीमे थे, और वह सबसे खराब सारथी था। अंत में एडमेटस का पुत्र आया, जो अपने रथ को घसीट रहा था और अपने घोड़ों को आगे-आगे चला रहा था। जब अकिलीज़ ने उसे देखा तो उसे खेद हुआ और वह अर्गिव्स के बीच खड़ा होकर बोला, 'सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति अंतिम स्थान पर आ रहा है। उसे

पुरस्कार दिया जाए, क्योंकि यह उचित है। उसे दूसरा स्थान मिलेगा, लेकिन पहला स्थान टाइडियस के पुत्र को मिलेगा।'
उसने ऐसा कहा और बाकी सबने उसकी बात पर तालियाँ बजाईं और उसके कहे अनुसार करने को तैयार थे, लेकिन नेस्टर का पुत्र एंटिलोकस खड़ा हुआ और पेलियस के पुत्र से अपने अधिकार का दावा किया। उसने कहा, ‘अकिलीज़, अगर तुम ऐसा करोगे तो मुझे बहुत बुरा लगेगा; तुम मेरा इनाम छीन लोगे, क्योंकि तुम्हें लगता है कि यूमेलस का रथ और घोड़े, और वह खुद भी, जो एक अच्छा आदमी है, हार गया। उसे देवताओं से उचित प्रार्थना करनी चाहिए थी; अगर उसने ऐसा किया होता तो वह अंतिम स्थान पर नहीं आता। अगर तुम्हें उस पर दया आती है और तुम ऐसा करना चाहते हो, तो तुम्हारे तम्बुओं में बहुत सारा सोना, पीतल, भेड़ें, मवेशी और घोड़े हैं। अगर तुम चाहते हो कि अचेयन तुम्हारी प्रशंसा करें, तो इस भंडार से कुछ ले लो और उसे अभी जो इनाम तुमने दिया है उससे भी बेहतर इनाम दो; लेकिन मैं घोड़ी नहीं छोड़ूंगा, और जो कोई भी उसके लिए मुझसे लड़ना चाहे, वह आ जाए।’
यह सुनकर अकिलीज़ मुस्कुराया और अपने प्रिय साथियों में से एक
एंटिलोकस से प्रसन्न हुआ। उसने कहा:—
‘एंटीलोकस, यदि तुम चाहते हो कि मैं यूमेलस के लिए कोई और पुरस्कार
लाऊं, तो मैं उसे एस्टरोपियस से लिया हुआ पीतल का कवच दूंगा, जिसके चारों ओर टिन की किनारी लगी है। यह उसके लिए बहुत मूल्यवान होगा।’
उसने अपने साथी ऑटोमेडन को अपने तम्बू से कवच लाने को कहा, और उसने ऐसा ही किया। फिर अकिलीज़ ने वह कवच यूमेलस को दे दिया, जिसने उसे सहर्ष स्वीकार कर लिया।
लेकिन मेनेलास क्रोधित होकर उठ खड़ा हुआ, एंटिलोकस पर बुरी तरह से
भड़क उठा। एक सेवक ने उसका डंडा उसके हाथों में थमा दिया और आर्गिव्स को चुप रहने का आदेश दिया: तब वीर ने उनसे बात की। उसने कहा, ‘एंटिलोकस, यह क्या है – तुमसे, जो अब तक निर्दोष रहा है? तुमने मुझे अपमानित किया है और अपने घोड़ों को मेरे घोड़ों के सामने फेंककर उन्हें रोक दिया है, जबकि तुम्हारे घोड़े मेरे घोड़ों से कहीं अधिक खराब हैं; इसलिए, हे आर्गिव्स के राजकुमारों और सलाहकारों, हमारे बीच न्याय करो और किसी का पक्ष मत लो, कहीं ऐसा न हो कि कोई अचेयन कहे, “मेनेलास ने झूठ और भ्रष्टाचार से घोड़ी को प्राप्त किया है; उसके घोड़े एंटिलोकस के घोड़ों से कहीं कमतर थे, लेकिन

उसका प्रभाव और दबदबा अधिक है।” नहीं, मैं इस मामले का फैसला खुद करूंगा, और कोई भी मुझे दोष नहीं देगा, क्योंकि मैं न्याय करूंगा। एंटिलोकस, इधर आओ और हमारी प्रथा के अनुसार, अपने रथ और घोड़ों के सामने हाथ में चाबुक लिए खड़े हो जाओ; अपने घोड़ों पर हाथ रखो, और पृथ्वी को घेरे हुए नेपच्यून की कसम खाओ कि तुमने जानबूझकर और छल से मेरे घोड़ों के रास्ते में बाधा नहीं डाली।
और एंटिलोकस ने उत्तर दिया, “मुझे क्षमा कीजिए; हे राजा मेनेलास, मैं
आपसे बहुत छोटा हूँ; आप मुझसे उच्च पद पर हैं और हम दोनों में श्रेष्ठ हैं; आप जानते हैं कि युवा कितनी आसानी से नासमझी में पड़ जाते हैं; उनका स्वभाव उग्र होता है और उनमें विवेक की कमी होती है; इसलिए कृपया मुझे क्षमा करें और मेरा साथ दें; मैं अपनी जीती हुई घोड़ी स्वेच्छा से दे दूंगा, और यदि आप मेरी संपत्ति में से कोई और वस्तु मांगते हैं, तो मैं उसे तुरंत आपको दे देना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि मैं आपकी कृपा खो दूं और स्वर्ग की दृष्टि में अन्याय करूं।”
तब नेस्टर के पुत्र ने घोड़ी ली और उसे मेनेलास को सौंप दिया, जिससे
उसका क्रोध शांत हो गया; जैसे पकते हुए अनाज के खेत पर ओस गिरती है और फसल से खेत लबालब भर जाते हैं – वैसे ही, हे मेनेलास, तुम्हारा हृदय प्रसन्न हो गया। उसने एंटिलोकस की ओर मुड़कर कहा, ‘अब, एंटिलोकस, यद्यपि मैं क्रोधित रहा हूँ, मैं अपनी इच्छा से तुम्हारे सामने झुक सकता हूँ; तुम अब तक कभी जिद्दी या चिड़चिड़े नहीं रहे हो, परन्तु इस बार तुम्हारी जवानी ने तुम्हारे विवेक पर विजय प्राप्त कर ली है; भविष्य में अपने बड़ों को छल से छल करने में सावधान रहना; कोई और मुझे इतनी आसानी से नहीं मना सकता था, परन्तु तुम्हारे भले पिता, तुम्हारे भाई और तुमने मेरे लिए बहुत कष्ट सहा है; इसलिए मैं तुम्हारी विनती मानता हूँ और घोड़ी तुम्हें सौंप देता हूँ, यद्यपि वह मेरी ही है; इस प्रकार लोग देखेंगे कि मैं न तो कठोर हूँ और न ही प्रतिशोधी।’
इसके साथ ही उसने घोड़ी को एंटिलोकस के साथी नोएमोन को सौंप दिया और
फिर कड़ाही ले ली। चौथे स्थान पर आए मेरियोनेस ने दो टैलेंट सोना ले लिया, और पाँचवाँ पुरस्कार, दो मूठ वाला कलश, किसी को नहीं दिया गया, इसलिए अकिलीज़ ने उसे नेस्टर को दे दिया। वह एकत्रित अर्गिव्स के बीच नेस्टर के पास गया और बोला, 'मेरे प्यारे पुराने मित्र, इसे एक विरासत और पेट्रोक्लस

के अंतिम संस्कार की स्मृति के रूप में ले लो - क्योंकि तुम उसे अब अर्गिव्स के बीच नहीं देख पाओगे। मैं तुम्हें यह पुरस्कार देता हूँ, यद्यपि तुम इसे जीत नहीं सकते; अब तुम न तो कुश्ती कर सकते हो, न ही लड़ाई, और न ही भाला-युद्ध या दौड़ में भाग ले सकते हो, क्योंकि बुढ़ापे का प्रकोप तुम पर भारी पड़ गया है।'
ऐसा कहकर उसने कलश नेस्टर को सौंप दिया, जिसने उसे सहर्ष ग्रहण किया और उत्तर दिया, ‘मेरे पुत्र, तुमने जो कुछ कहा है वह सब सत्य है; अब मेरे पैरों में कोई शक्ति नहीं बची है, और न ही मैं अपने दोनों कंधों से हाथों से प्रहार कर सकता हूँ। काश मैं आज भी उतना ही युवा और बलवान होता जितना उस समय था जब एपेन लोग बुप्रैसियम में राजा अमरिनसियस को दफना रहे थे और उनके पुत्रों ने उनके सम्मान में भेंट चढ़ाई थी। उस समय न तो एपेन लोगों में, न ही पाइलियन लोगों में और न ही एटोलियन लोगों में कोई मेरा मुकाबला कर सकता था। मुक्केबाजी में मैंने एनोप्स के पुत्र क्लिटोमेडेस को परास्त किया था, और कुश्ती में प्लुरोन के एंसियस को, जो मेरे विरुद्ध आया था। इफिक्लस एक अच्छा धावक था, लेकिन मैंने उसे भी हरा दिया, और मैंने अपने भाले से फाइलियस या पॉलीडोरस दोनों से अधिक दूर तक वार किया।’ रथ दौड़ में ही एक्टर के दोनों पुत्रों ने मुझे पछाड़ दिया, क्योंकि वे अपने घोड़ों को मेरे आगे सटाकर दौड़ा रहे थे। वे जीत के तरीके से नाराज़ थे और इस बात से भी कि अधिकांश पुरस्कार उसी स्थान पर रह गए थे जहाँ उन्हें रखा गया था। वे जुड़वाँ थे, और एक लगातार लगाम पकड़े रहता था, जबकि दूसरा चाबुक चलाता रहता था। उस समय मैं ऐसा ही था, लेकिन अब मुझे ये सब बातें नौजवानों पर छोड़नी होंगी; मुझे उम्र के भार के आगे झुकना होगा, लेकिन उन दिनों मैं वीरों में श्रेष्ठ था। और अब, महोदय, अपने साथी के सम्मान में अंतिम संस्कार की प्रतियोगिताएँ जारी रखें: मैं सहर्ष इस कलश को स्वीकार करता हूँ, और मेरा हृदय प्रसन्न है कि आप मुझे नहीं भूले हैं, बल्कि मेरे प्रति आपकी सद्भावना और अचेयनों द्वारा मुझे दिए गए सम्मान को सदा याद रखते हैं। इन सबके लिए स्वर्ग की कृपा आप पर भरपूर बनी रहे।
इसके बाद, नेस्टर के सभी धन्यवाद सुनने के बाद, पेलियस के पुत्र ने अचेयन लोगों की भीड़ में जाकर मुक्केबाजी की कठिन कला में कौशल के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की। उसने एक बलवान खच्चर को बाहर निकाला और उसे भीड़ के बीच में बांध दिया - एक मादा खच्चर जो अभी तक प्रशिक्षित नहीं हुई

थी, बल्कि छह वर्ष की थी - इस उम्र में उन्हें प्रशिक्षित करना सबसे कठिन होता है: यह विजेता के लिए था, और पराजित के लिए उसने दुगुना प्याला दिया। फिर वह खड़ा हुआ और आर्गिव्स के बीच बोला, 'एट्रियस के पुत्र, और सभी अचेयन लोगों, मैं अपने दो चैंपियन मुक्केबाजों को इन पुरस्कारों के लिए जमकर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित करता हूँ। जिसे अपोलो अधिक सहनशक्ति प्रदान करेगा, और जिसे अचेयन विजेता मानेंगे, वह खच्चर को अपने साथ अपने तम्बू में ले जाएगा, जबकि पराजित को दुगुना प्याला मिलेगा।'
जब वह बोल रहा था, तभी एक वीर और विशालकाय योद्धा, कुशल मुक्केबाज, पैनोपियस का पुत्र एपियस खड़ा हो गया। उसने खच्चर पर हाथ रखकर कहा, “जिस व्यक्ति को प्याला मिलना है, वह यहाँ आए, क्योंकि मेरे सिवा कोई भी इस खच्चर को नहीं ले जाएगा। मैं यहाँ उपस्थित सभी मुक्केबाजों में सर्वश्रेष्ठ हूँ, और कोई भी मुझे हरा नहीं सकता। क्या यह काफी नहीं है कि मैं वास्तविक लड़ाई में तुमसे कमतर हूँ? फिर भी, कोई भी व्यक्ति हर चीज में अच्छा नहीं हो सकता। मैं तुम्हें स्पष्ट रूप से बताता हूँ, और यह सच होगा; यदि कोई मुझसे मुक्केबाजी करेगा, तो मैं उसके शरीर को चोट पहुँचाऊँगा और उसकी हड्डियाँ तोड़ दूँगा; इसलिए उसके मित्र यहाँ एक साथ रहें और मेरे द्वारा उसका काम पूरा होने के बाद उसे ले जाने के लिए तैयार रहें।”
वे सब चुप रहे, और तालौस के पुत्र मेसिस्टियस के पुत्र यूरियलस को
छोड़कर कोई नहीं उठा। ओडिपस के पतन के बाद मेसिस्टियस एक बार उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए थेब्स गया था, और उसने कैडमियस के सभी लोगों को हरा दिया। टाइडियस का पुत्र यूरियलस का सहायक था, जो उसका हौसला बढ़ा रहा था और दिल से उसकी जीत की कामना कर रहा था। पहले उसने उसकी कमर में एक पट्टा बांधा और फिर उसे बैल की खाल के कुछ अच्छे से कटे हुए पट्टे दिए; दोनों आदमी कमरबंद बांधकर अखाड़े के बीच में गए और तुरंत गिर पड़े; उन्होंने एक-दूसरे को जमकर पीटा और अपने बलिष्ठ मुक्कों से एक-दूसरे पर वार किए। उनके जबड़े के टूटने की भयानक आवाज सुनाई दे रही थी, और उनके शरीर के हर रोम से पसीना बह रहा था। तभी एपियस आया और जब यूरियलस इधर-उधर देख रहा था, तो उसने उसके जबड़े पर एक जोरदार प्रहार किया; यूरियलस लड़खड़ा गया; पल भर में ही वे उसके नीचे धंस गए और वह उछल पड़ा, जैसे कोई मछली समुद्री काई से भरे किनारे पर हवा में उछलती है, जब बोरियास लहरों के ऊपर से झाग निकालता है, और फिर गहरे पानी में गिर जाती है। लेकिन महान एपेयस ने

उसे पकड़ लिया और उठा लिया; उसके साथी भी उसके चारों ओर आ गए और उसे लड़खड़ाते कदमों से, एक तरफ सिर झुकाए, और खून के बड़े-बड़े थक्के थूकते हुए, अखाड़े से बाहर ले गए। उन्होंने उसे बेहोशी की हालत में नीचे उतारा और फिर दोहरा प्याला लाने चले गए।
पेलेउस के पुत्र ने अब तीसरी प्रतियोगिता के पुरस्कार निकाले और
उन्हें अर्गिव्स को दिखाया। ये पुरस्कार कुश्ती की कठिन कला के लिए थे। विजेता के लिए आग पर रखने के लिए एक बड़ा तिपाई पुरस्कार था, और अचेयन लोगों ने आपस में उसका मूल्य बारह बैलों के बराबर बताया। हारने वाले के लिए उसने कलाओं में निपुण एक स्त्री को निकाला, और उन्होंने उसका मूल्य चार बैलों के बराबर बताया। वह उठा और अर्गिव्स के बीच बोला, 'आगे आओ, जो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है।'
तत्पश्चात् टेलमोन का पुत्र महान एजैक्स उठा, और धूर्तता से परिपूर्ण यूलिसिस भी उठ खड़ा हुआ। दोनों ने कमर कसी और अखाड़े के बीचोंबीच चले गए। उन्होंने एक-दूसरे को अपने बलवान हाथों से इस प्रकार जकड़ लिया जैसे कोई कुशल निर्माता किसी ऊँचे भवन की छत को हवा से बचाने के लिए शहतीरें लगाता है। अपनी शक्तिशाली भुजाओं से एक-दूसरे को खींचते हुए उनकी रीढ़ की हड्डियाँ चटक उठीं और उनके शरीर से पसीना मूसलाधार बहने लगा। उनके शरीर और कंधों पर कई घाव हो गए, फिर भी वे विजय प्राप्त करने और तिपाई जीतने के लिए पूरी शक्ति से संघर्ष करते रहे। यूलिसिस एजैक्स को नहीं गिरा सका, न ही एजैक्स उसे; यूलिसिस उससे कहीं अधिक बलवान था; परन्तु जब अचेयन उन्हें देखते-देखते थकने लगे, तो एजैक्स ने यूलिसिस से कहा, ‘यूलिसिस, लार्टेस के महान पुत्र, या तो तुम मुझे उठाओगे, या मैं तुम्हें, और फिर जोवियान् हमारे बीच फैसला करे।’
बोलते-बोलते उसने एजैक्स को ज़मीन से उठा लिया, लेकिन यूलिसिस अपनी चालाकी नहीं भूला। उसने एजैक्स के घुटने के पीछे वाले गड्ढे पर वार किया, जिससे वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं रह सका और पीठ के बल गिर पड़ा, यूलिसिस उसकी छाती पर लेट गया, और यह देखकर सभी चकित रह गए। फिर यूलिसिस ने एजैक्स को उठाया और उसे थोड़ा हिलाया, लेकिन पूरी तरह से नहीं उठा सका, उसका घुटना उसके नीचे धंस गया, और दोनों ज़मीन पर अगल-बगल गिर पड़े और धूल से सन गए। अब वे एक-दूसरे की ओर उछले और तीसरी बार कुश्ती लड़ने को तैयार हो गए, लेकिन अकिलीज़ उठा और उन्हें रोक दिया। उसने कहा, 'एक-दूसरे को और अधिक कष्ट मत

दो; जीत दोनों की बराबर है, तुम दोनों बराबर इनाम लो, और अब बाकी अकेयनों को मुकाबला करने दो।'
उसने ऐसा कहा और उन्होंने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था, और अपने शरीर
से धूल पोंछने के बाद उन्होंने फिर से अपनी कमीजें पहन लीं।
फिर पेलेउस के पुत्र ने दौड़ में गति के लिए पुरस्कार रखे – एक सुंदर, शुद्ध चांदी से बना हुआ मिश्रण पात्र। इसमें छह माप पानी आ सकता था और सुंदरता में यह दुनिया के सभी पात्रों से कहीं बढ़कर था; यह सिदोन के कुशल कारीगरों की कृति थी और इसे समुद्र पार से फोनीशियन बंदरगाह पर लाए थे, जिन्होंने इसे थोआस को भेंट किया था। जेसन के पुत्र यूएनियस ने इसे प्रियम के पुत्र लाइकॉन के बदले पैट्रोक्लस को दिया था, और अब अकिलीज़ ने अपने साथी के सम्मान में इसे सबसे तेज धावक को पुरस्कार के रूप में देने की पेशकश की। दूसरे पुरस्कार के लिए उसने एक बड़ा, अच्छी तरह से पाला-पोसा हुआ बैल दिया, जबकि अंतिम पुरस्कार के लिए आधा टैलेंट सोना था। फिर वह उठा और आर्गिव्स के बीच बोला, 'आगे आओ, जो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हो।'
तभी ओइलियस का पुत्र एजैक्स, चतुर यूलिसिस और नेस्टर का पुत्र
एंटिलोकस, जो अपने समय के सभी युवकों में सबसे तेज धावक था, फुर्तीले होकर उठे। वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए और अकिलीज़ ने उन्हें लक्ष्य दिखाया। आरंभिक बिंदु से उनके लिए दौड़ का मार्ग निर्धारित किया गया, और ओइलियस के पुत्र ने तुरंत बढ़त बना ली, यूलिसिस उसके ठीक पीछे ऐसे था जैसे कोई स्त्री ताने पर बाना फेंककर उसे अपने सीने से सटाकर रखती है; यूलिसिस उसके ठीक पीछे था - धूल जमने से पहले ही उसके पदचिह्नों पर पैर रख रहा था, और एजैक्स दौड़ते हुए उसकी सांस अपने सिर के पिछले हिस्से पर महसूस कर सकता था। अचेयनों ने उसे अपनी पूरी ताकत लगाते देखकर तालियाँ बजाईं और उसके आगे निकलने पर उसका उत्साह बढ़ाया; लेकिन जब वे अब दौड़ के अंत के करीब पहुँच रहे थे, यूलिसिस ने मन ही मन मिनर्वा से प्रार्थना की। “हे देवी, मेरी प्रार्थना सुनो और मेरे पैरों की सहायता करो,” वह पुकारा। उसने प्रार्थना की और पल्लास मिनर्वा ने उसकी प्रार्थना सुन ली; उसने उसके हाथों और पैरों को हल्का कर दिया, और जब धावक इनाम पर झपटने ही वाले थे, तो मिनर्वा के क्रोध के कारण एजैक्स, पैट्रोक्लस के सम्मान में अकिलीज़ द्वारा मारे गए पशुओं के अवशेषों पर फिसल गया, और उसका मुंह और नाक गोबर से

भर गए। इसलिए यूलिसिस मिश्रण का कटोरा ले गया, क्योंकि वह एजैक्स से आगे निकल गया और प्रथम स्थान पर आया। लेकिन एजैक्स ने बैल को उठाया और उसके एक सींग पर हाथ रखकर खड़ा हो गया, और अपने मुंह से गोबर थूकने लगा। फिर उसने अर्गिव्स से कहा, “हाय, देवी ने मेरी दौड़ बिगाड़ दी; वह यूलिसिस की रक्षा करती है और उसके साथ ऐसे खड़ी रहती है जैसे वह उसकी अपनी माँ हो।” उसने ऐसा कहा और वे सब दिल खोलकर हँसे।
एंटिलोकस आखिरी इनाम लेकर चला गया और मुस्कुराते हुए वहां मौजूद
लोगों से बोला, 'आप सब देख रहे हैं, मेरे दोस्तों, कि अब भी देवताओं ने वरिष्ठता का सम्मान दिखाया है। एजैक्स मुझसे कुछ बड़ा है, और यूलिसिस तो पिछली पीढ़ी का है, लेकिन उम्र के बावजूद वह चुस्त-दुरुस्त है, और अचिल्स के अलावा अचिन्स में कोई भी उसका मुकाबला नहीं कर सकता।'
उसने पेलेउस के पुत्र की प्रशंसा करने के लिए ऐसा कहा, और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, 'एंटीलोकस, तुमने मेरी प्रशंसा व्यर्थ नहीं की; मैं तुम्हें आधा टैलेंट सोना और दूंगा।' फिर उसने एंटीलोकस को आधा टैलेंट दे दिया, जिसे उसने सहर्ष स्वीकार कर लिया।
तब पेलेउस के पुत्र ने सरपेडन द्वारा धारण किए गए भाले, हेलमेट और ढाल
को बाहर निकाला, जो पैट्रोक्लस ने उससे छीन लिए थे। वह खड़ा हुआ और आर्गिव्स के बीच बोला, “हम दो योद्धाओं को आदेश देते हैं कि वे अपने कवच पहनें, अपनी तेज तलवारें उठाएँ और भीड़ के सामने एक-दूसरे की परीक्षा लें; जो भी पहले दूसरे के शरीर को घायल कर दे, उसके कवच को चीर दे और खून बहा दे, उसे मैं यह सुंदर चांदी जड़ी थ्रेसियन तलवार दूंगा, जो मैंने एस्टेरोपियस से ली थी, लेकिन कवच दोनों को संयुक्त रूप से संभाले रखना होगा, और मैं उनमें से प्रत्येक को अपने तम्बू में भरपेट भोजन कराऊंगा।”
तत्पश्चात् टेलमोन का पुत्र महान अजाक्स और टाइडियस का पुत्र
पराक्रमी डायोमेड उठ खड़े हुए। जब उन्होंने अपने-अपने कवच पहन लिए और रिंग के दोनों ओर खड़े हो गए, तो वे दोनों युद्ध के लिए बेताब होकर बीच में आ गए, उनकी आँखों से आग निकल रही थी। अचेयन उन्हें देखकर चकित रह गए, और जब वे दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल करीब आ गए, तो उन्होंने तीन बार आगे बढ़कर एक-दूसरे पर वार करने की कोशिश की। अजाक्स ने डायोमेड की गोल ढाल को भेद दिया, लेकिन खून नहीं बहाया, क्योंकि ढाल के नीचे का कवच उसकी रक्षा कर रहा था; इस पर टाइडियस का पुत्र अपनी विशाल ढाल के ऊपर से लगातार अपने भाले की नोक

से अजाक्स की गर्दन पर निशाना साधता रहा, और अचेयन अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए और उन्होंने उन्हें लड़ाई रोकने और इनाम आपस में बाँटने का आदेश दिया। तब अकिलीज़ ने टाइडियस के पुत्र को वह बड़ी तलवार, म्यान और उसे टांगने के लिए चमड़े की बेल्ट दे दी।
इसके बाद अकिलीज़ ने लोहे का वह विशाल कोड़ा पेश किया जिसे शक्तिशाली ईटियन पहले फेंकता था, जब तक कि अकिलीज़ ने उसे मार नहीं डाला और उसे अन्य लूट के सामान के साथ अपने जहाजों में ले गया। वह खड़ा हुआ और आर्गिव्स के बीच बोला, 'आगे आओ, जो इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हो। जो इसे जीतेगा उसे इतना लोहा मिलेगा जो पाँच साल तक चलता रहेगा, और यदि उसके सुंदर खेत किसी शहर से दूर हैं तो उसके चरवाहे या किसान को लोहा खरीदने के लिए यात्रा नहीं करनी पड़ेगी, क्योंकि उसके पास अपने ही परिसर में लोहे का भंडार होगा।'
फिर दो पराक्रमी पुरुष पॉलीपोएट और लियोन्टियस, टेलमोन के पुत्र
एजैक्स और कुलीन एपियस उठे। वे एक-एक करके खड़े हुए और एपियस ने क्वॉइट (चाकू) उठाया, उसे घुमाया और अपने से दूर फेंक दिया, जिससे सभी अचेयन हंसने लगे। उसके बाद मार्स के वंशज लियोन्टियस ने क्वॉइट फेंका। टेलमोन के पुत्र एजैक्स ने तीसरे नंबर पर क्वॉइट फेंका और उसे अब तक बने सभी निशानों से परे भेज दिया, लेकिन जब पराक्रमी पॉलीपोएट ने क्वॉइट उठाया तो उसने उसे ऐसे फेंका जैसे वह चरवाहे की छड़ी हो जिसे वह अपने मवेशियों को हांकते समय उनके बीच फेंकता है, उसका फेंका इतना दूर गया कि बाकी सभी से कहीं आगे निकल गया। इसे देखने वाले सभी लोग तालियां बजाने लगे, और उसके साथियों ने उसके लिए इनाम उठाया और उसे उसके जहाज पर रख दिया।
इसके बाद अकिलीज़ ने तीरंदाजी के लिए लोहे का एक पुरस्कार रखा – दस दोधारी कुल्हाड़ियाँ और दस एकधारी कुल्हाड़ियाँ। उसने कुछ दूरी पर रेत पर एक जहाज का मस्तूल खड़ा किया और एक पतली डोरी से एक कबूतर को उसके पैर से बाँध दिया; उन्हें इसी पर निशाना लगाना था। उसने कहा, ‘जो कोई कबूतर को मार गिराएगा, उसे सारी कुल्हाड़ियाँ मिल जाएँगी और वह उन्हें अपने साथ ले जाएगा; जो कोई पक्षी को मारे बिना डोरी को मार गिराएगा, उसका निशाना चूक जाएगा और उसे एकधारी कुल्हाड़ियाँ मिलेंगी।’
फिर राजा ट्यूसर उठे, और इदोमेनियस के बलिष्ठ सहायक मेरियोनेस भी उठे। उन्होंने पीतल के हेलमेट में पर्ची डाली और ट्यूसर की पर्ची पहले निकली।

उन्होंने तुरंत अपना तीर चलाया, लेकिन उन्होंने राजा अपोलो को मेमनों की बलि देने का वादा नहीं किया था, और उनका निशाना चूक गया, क्योंकि अपोलो ने उनका निशाना नाकाम कर दिया; लेकिन उनका तीर उस डोरी पर लगा जिससे पक्षी बंधा था, उसके पैर के पास; तीर ने डोरी को आर-पार काट दिया जिससे वह जमीन की ओर लटक गई, जबकि पक्षी आकाश में उड़ गया, और अचेयन लोगों ने तालियाँ बजाईं। मेरियोनेस, जिसने ट्यूसर के निशाना साधते समय अपना तीर तैयार रखा था, ने उनके हाथ से धनुष छीन लिया, और तुरंत धनुष के स्वामी अपोलो को मेमनों की बलि देने का वादा किया; फिर बादलों के नीचे ऊँचाई पर कबूतर को देखकर, उन्होंने ऊपर की ओर चक्कर लगाते हुए उसके पंख के बीचोंबीच तीर मारा; तीर पंख को भेदते हुए मेरियोनेस के पैरों के पास ज़मीन में जा धंसा, लेकिन चिड़िया जहाज़ के मस्तूल पर सिर झुकाए बैठी रही और उसके सारे पंख लटके हुए थे; उसकी जान निकल गई और वह मस्तूल से ज़ोर से नीचे गिर पड़ी। इसलिए मेरियोनेस ने अपनी सभी दस दोधारी कुल्हाड़ियाँ ले लीं, जबकि ट्यूसर एकधारी कुल्हाड़ियाँ अपने जहाज़ों में ले गया।
तब पेलेयस का पुत्र एक भाला और एक ऐसा कड़ाहा लेकर आया जो कभी आग पर
नहीं रखा गया था; वह एक बैल के बराबर मूल्यवान था और उस पर फूलों की नक्काशी की गई थी; और भाला फेंकने वाले खड़े हो गए - अर्थात् एट्रीयस का पुत्र, मनुष्यों का राजा एगामेम्नन, और इडोमेनियस का बलवान सहायक मेरियोनेस। लेकिन अकिलीज़ ने कहा, 'एट्रीयस के पुत्र, हम जानते हैं कि तुम शक्ति और भाला फेंकने में सभी से कितने श्रेष्ठ हो; कड़ाहा अपने जहाजों पर वापस ले जाओ, लेकिन यदि तुम्हें अच्छा लगे, तो भाला मेरियोनेस को दे दो; कम से कम मैं तो यही चाहता हूँ।'
राजा एगामेम्नन ने सहमति दे दी। इसलिए उन्होंने पीतल का भाला
मेरियोनेस को दे दिया और सुंदर कड़ाही अपने सहायक टैल्थिबियस को सौंप दी।

पुस्तक 24

प्रियम ने हेक्टर के शव को छुड़ाया - हेक्टर का अंतिम संस्कार।
सभा समाप्त हो गई और सभी लोग अपने-अपने जहाजों की ओर चल दिए। वहाँ उन्होंने अपना भोजन तैयार किया और नींद के वरदान के बारे में सोचने लगे; लेकिन अकिलीज़ अपने प्रिय साथी के बारे में सोचकर रो रहा था और नींद, जिसके सामने सब कुछ झुक जाता है, उस पर हावी नहीं हो पा रही थी। वह इधर-उधर करवटें बदलता रहा, पैट्रोक्लस की शक्ति और वीरता को याद करता रहा; उसने उन सभी कार्यों और अनुभवों के बारे में सोचा जो उन्होंने युद्ध के मैदान में और उफनते समुद्र की लहरों पर साथ-साथ झेले थे। इन बातों को याद करते हुए वह फूट-फूटकर रोया और कभी करवट लेकर, कभी पीठ के बल, कभी पेट के बल लेट गया, अंत में वह उठा और एक व्याकुल व्यक्ति की तरह समुद्र तट पर भटकने चला गया। फिर, जब उसने समुद्र तट और समुद्र पर भोर होते देखा, तो उसने अपने घोड़ों को रथ में जोता और हेक्टर के शरीर को रथ के पीछे बाँध दिया ताकि वह उसे घसीट सके। उसने तीन बार मेनोटियस के पुत्र की कब्र के चारों ओर शव को घसीटा, और फिर शव को ज़मीन पर सीधा, चेहरा नीचे की ओर करके छोड़ कर अपने तम्बू में लौट गया। लेकिन अपोलो ने शव को विकृत नहीं होने दिया, क्योंकि उसे उस व्यक्ति पर दया आ रही थी, भले ही वह अब मर चुका था; इसलिए उसने लगातार अपने सुनहरे कवच से उसकी रक्षा की, ताकि जब अकिलीज़ उसे घसीट रहा हो तो उसे कोई चोट न लगे।
इस प्रकार क्रोध में आकर अकिलीज़ ने हेक्टर का घोर अपमान किया; परन्तु स्वर्ग से देवताओं ने दया भाव से देखा और आर्गस के वधकर्ता मरकरी को हेक्टर का शव चुराने के लिए प्रेरित किया। जूनो, नेपच्यून और बृहस्पति की धूसर आँखों वाली पुत्री को छोड़कर सभी का यही मत था, क्योंकि वे इलियस और प्रियम तथा उसके लोगों के प्रति अपने पुराने द्वेष पर अडिग रहीं; क्योंकि उन्होंने अलेक्जेंड्रस द्वारा किए गए अन्याय को क्षमा नहीं किया था, जिसने भेड़शाला में रहते हुए उसके पास आने वाली देवियों का तिरस्कार किया

था और उसे बर्बाद करने के बजाय उस स्त्री को चुना था जिसने उसे एक व्यभिचारी स्त्री भेंट की थी।
इसलिए, जब बारहवें दिन की सुबह हुई, तो अपोलो फ़ीबस ने अमर देवताओं के
बीच कहा, “हे देवताओं, तुम्हें अपने आप पर शर्म आनी चाहिए; तुम क्रूर और कठोर हृदय हो। क्या हेक्टर ने तुम्हारे लिए बछियों और बेदाग बकरियों की जांघ की हड्डियाँ नहीं जलाईं? और अब तुम उसकी लाश को भी बचाने का साहस नहीं करते, ताकि उसकी पत्नी, उसकी माँ और बच्चा, उसके पिता प्रियम और उसके लोग, जो उसे तुरंत आग में झोंक देंगे और उसका अंतिम संस्कार करेंगे, उसे देख सकें? तो फिर, तुम सब उस पागल अकिलीज़ का पक्ष लेना चाहते हो, जो न तो सही जानता है और न ही दया? वह किसी खूंखार शेर की तरह है जो अपनी महान शक्ति और साहस के घमंड में मनुष्यों के झुंडों पर झपटता है और उन्हें खा जाता है। ठीक उसी तरह अकिलीज़ ने सारी दया और उस अंतरात्मा को त्याग दिया है जो उसे एक साथ बहुत नुकसान पहुँचाती है और बहुत लाभ भी देती है जो उसका पालन करती है।” एक व्यक्ति अपने किसी प्रियजन को अकिलीज़ से कहीं अधिक प्रिय खो सकता है – शायद एक पुत्र, या अपनी माँ के गर्भ से जन्मा भाई; फिर भी जब वह उसके लिए शोक मनाता है और रोता है, तो वह उसे वहीं रहने देता है, क्योंकि किसी व्यक्ति को मारना बहुत कष्टदायी होता है; जबकि अकिलीज़, अब जब उसने महान हेक्टर को मार डाला है, तो उसे अपने रथ के पीछे अपने साथी की कब्र के चारों ओर घसीटता है। उसके लिए और उसके हित में यही बेहतर होता कि वह ऐसा न करे, क्योंकि यद्यपि वह बहादुर है, हम देवता इस बात को बुरा मानेंगे कि वह अपना क्रोध मृत शरीर पर निकाले।
जूनो क्रोधित होकर बोली, “हे चांदी के धनुष के स्वामी, यह अच्छा होता
यदि आप हेक्टर और अकिलीज़ को समान सम्मान देते; परन्तु हेक्टर नश्वर था और स्त्री का दूध पीकर पला-बढ़ा, जबकि अकिलीज़ उस देवी की संतान है जिसे मैंने स्वयं पाला-पोसा है। मैंने उसका विवाह पेलियस से कराया, जो अमर देवताओं का परम प्रिय है; आप सभी देवता उसके विवाह में आए थे; आप स्वयं उनके साथ भोज में शामिल हुए और अपना वीणा लेकर आए – झूठे और नीच संगति के शौकीन, जो आप हमेशा से रहे हैं।”
तब बृहस्पति ने कहा, “जूनो, इतनी कठोर मत बनो। उनका सम्मान बराबर नहीं होगा, परन्तु इलियस में रहने वालों में हेक्टर देवताओं को और मुझे भी सबसे प्रिय था, क्योंकि उसकी भेंटें मुझे कभी निराश नहीं करती थीं। मेरी वेदी

को कभी भी भेंटों की कमी नहीं हुई, न ही उन पेय-भेंटों और बलिदान की सुगंध की, जिन पर हमारा पूरा अधिकार है। इसलिए मैं पराक्रमी हेक्टर के शरीर को चुराए जाने की अनुमति देता हूँ; परन्तु यह शायद ही अकिलीज़ को पता चले, क्योंकि उसकी माँ दिन-रात उसके पास रहती है। इसलिए तुममें से कोई थेतिस को मेरे पास भेजे, और मैं उसे अपनी सलाह दूँगा, कि अकिलीज़ प्रियम से फिरौती स्वीकार करे और शरीर सौंप दे।”
इस पर आइरिस का बेड़ा हवा के साथ आगे बढ़ा, मानो उसका संदेश लेकर। वह सामोस और चट्टानी इम्ब्रस के बीच गहरे समुद्र में डूब गया; पानी फुफकारता हुआ उसके ऊपर से गुजरा, और वह बैल के सींग के सिरे पर लगे सीसे की तरह तल में धंस गया, जो मछलियों को मौत देने के लिए तेज गति से चलता है। उसने थेतिस को एक बड़ी गुफा में अन्य समुद्र देवियों के साथ बैठे हुए पाया; वह उनके बीच बैठकर अपने महान पुत्र के लिए रो रही थी, जो अपनी भूमि से दूर, ट्रॉय के समृद्ध मैदानों में गिरने वाला था। आइरिस उसके पास गई और बोली, 'उठो, थेतिस; बृहस्पति, जिसकी सलाह कभी विफल नहीं होती, तुम्हें अपने पास बुला रहा है।' थेतिस ने उत्तर दिया, 'शक्तिशाली देवता मुझे ऐसा क्यों बुला रहे हैं? मैं बहुत दुखी हूँ, और अमर लोगों के बीच आने-जाने से डरती हूँ। फिर भी, मैं जाऊंगी, और जो वचन वह कहेगा वह व्यर्थ नहीं जाएगा।'
देवी ने अपना काला घूंघट ओढ़ लिया, जो अत्यंत गंभीर वस्त्र था, और तेजतर्रार आइरिस के साथ आगे बढ़ीं। समुद्र की लहरों ने उनके लिए मार्ग प्रशस्त किया, और तट पर पहुँचकर वे आकाश में उड़ गईं, जहाँ उन्होंने शनि के सर्वज्ञ पुत्र को शाश्वत देवताओं के साथ एकत्रित पाया। मिनर्वा ने अपना स्थान उन्हें सौंप दिया, और वे पिता बृहस्पति के पास बैठ गईं। फिर जूनो ने उनके हाथ में एक सुंदर सोने का प्याला रखा, और उन्हें सांत्वना भरे शब्दों में कहा, जिसे थेतिस ने पिया और प्याला उन्हें वापस दे दिया; और देवताओं और मनुष्यों के जनक ने सबसे पहले बात की।
‘तो, देवी,’ उसने कहा, ‘आपके सभी दुखों और उस शोक के बावजूद, जो मैं भली- भांति जानता हूँ कि आपके हृदय में सदा व्याप्त है, आप ओलंपस आई हैं, और मैं आपको बताता हूँ कि मैंने आपको क्यों बुलाया है। पिछले नौ दिनों से अमर देवता नगरों को नष्ट करने वाले अकिलीज़ और हेक्टर के शव को लेकर आपस में झगड़ रहे हैं। देवता चाहते हैं कि आर्गस के संहारक मरकरी शव को चुरा लें, लेकिन भविष्य में हमारी शांति और मित्रता को बनाए रखने के लिए, मैं आपके

पुत्र को वह सम्मान प्रदान करूँगा जो मैं अब आपको बताऊँगा। इसलिए, सेना के पास जाओ और उसे ये आदेश दो; कहो कि देवता उससे क्रोधित हैं, और मैं स्वयं उन सभी से अधिक क्रोधित हूँ, क्योंकि उसने हेक्टर को जहाजों पर रोक रखा है और उसे सौंपने से इनकार कर रहा है। इससे वह मुझसे भयभीत होकर शव को छोड़ देगा। साथ ही, मैं आइरिस को महान प्रियम के पास भेजूँगा ताकि वह उसे अचेयनों के जहाजों पर जाकर अपने पुत्र को छुड़ाने का आदेश दे, और साथ में अकिलीज़ के लिए ऐसे उपहार ले जाए जिससे उसे संतुष्टि मिले।’
चांदी के पैरों वाली थेतिस ने देवता के कहे अनुसार ही किया और तुरंत ओलंपस की सबसे ऊँची चोटियों से नीचे उतर आई। वह अपने बेटे के तंबू में पहुँची जहाँ उसने उसे गहरे शोक में डूबा हुआ पाया, जबकि उसके वफादार साथी उसके चारों ओर सुबह का भोजन तैयार करने में व्यस्त थे, जिसके लिए उन्होंने एक बड़ी ऊनी भेड़ का वध किया था। उसकी माँ उसके पास बैठ गई और अपने हाथ से उसे सहलाते हुए बोली, ‘मेरे बेटे, कब तक तुम इस तरह शोक मनाते और विलाप करते रहोगे? तुम अपने ही दिल को कुरेद रहे हो, और न तो भोजन के बारे में सोच रहे हो और न ही स्त्री के आलिंगन के बारे में; जबकि ये भी ठीक थे, क्योंकि तुम्हारे पास जीने के लिए अधिक समय नहीं बचा है, और मृत्यु अपने कठोर हाथों से तुम्हारे बहुत करीब है। इसलिए, अब मेरी बात सुनो, क्योंकि मैं बृहस्पति का दूत बनकर आई हूँ; वह कहता है कि देवता तुमसे क्रोधित हैं, और वह स्वयं उन सबसे अधिक क्रोधित है, क्योंकि तुमने हेक्टर को जहाजों पर रोक रखा है और उसे सौंपने से इनकार कर दिया है। इसलिए उसे जाने दो, और उसके शरीर के बदले फिरौती स्वीकार करो।’
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, 'ऐसा ही हो। यदि ओलंपियन ज़्यूस अपनी इच्छा
से मुझे ऐसा आदेश देते हैं, तो जो भी फिरौती लेकर आए, वही शव को ले जाए।'
इस प्रकार माता-पुत्र नौकाओं पर एक-दूसरे से लंबी बातचीत करते रहे।
इसी बीच शनि के पुत्र ने आइरिस को इलियस के शक्तिशाली नगर में भेजा। उसने कहा, “जाओ, आइरिस, ओलंपस के महलों से निकलकर इलियस के राजा प्रियम को बताओ कि वह अचेयनों की नौकाओं पर जाकर अपने प्रिय पुत्र के शव को छुड़ाए। वह अपने साथ ऐसे उपहार ले जाए जिससे अकिलीज़ संतुष्ट हो जाए, और वह अकेले जाए, उसके साथ कोई दूसरा ट्रोजन न हो, केवल कोई सम्मानित सेवक हो जो उसके खच्चरों और गाड़ी को चलाकर उसके शव को वापस लाए जिसे महान अकिलीज़ ने मारा है। उसे मृत्यु का कोई विचार या भय न होना चाहिए, क्योंकि हम आर्गस के

वधकर्ता को उसके साथ भेजेंगे और उसे अकिलीज़ के तम्बू में लाएंगे। अकिलीज़ उसे न तो मारेगा और न ही किसी और को मारने देगा, क्योंकि वह अपने मार्ग का ध्यान रखेगा और पाप नहीं करेगा, और वह एक याचक से पूरी विनम्रता से विनती करेगा।”
इस पर, हवा की तरह तेज गति से, आइरिस अपना संदेश देने के लिए निकल पड़ी। वह प्रियम के घर गई और वहाँ उसे रोना-धोना और विलाप करते हुए पाया। उसके पुत्र अपने पिता के चारों ओर बाहरी आँगन में बैठे थे और उनके वस्त्र आँसुओं से भीगे हुए थे: बूढ़ा व्यक्ति उनके बीच में बैठा था, अपने शरीर पर लबादा कसकर लपेटे हुए, और उसका सिर और गर्दन पूरी तरह से उस गंदगी से ढके हुए थे जिसे उसने कीचड़ में लोटते हुए पकड़ रखा था। उसकी बेटियाँ और उसके पुत्रों की पत्नियाँ घर में विलाप कर रही थीं, क्योंकि वे उन अनेक वीर पुरुषों के बारे में सोच रही थीं जो अर्गिव्स द्वारा मारे गए थे। बृहस्पति की दूत प्रियम के पास खड़ी हुई और उससे कोमल स्वर में बोली, लेकिन ऐसा करते ही प्रियम भयभीत हो गया। उसने कहा, ‘हिम्मत रखो, प्रियम, दर्दनस के वंशज, हिम्मत रखो और डरो मत। मैं कोई बुरी खबर नहीं लाई हूँ, बल्कि तुम्हारे प्रति दयालु हूँ। मैं बृहस्पति की दूत बनकर आई हूँ, जो यद्यपि निकट नहीं है, फिर भी तुम्हारे लिए चिंतित है और तुम पर दया करता है।’ ओलंपस के स्वामी ने तुम्हें आदेश दिया है कि तुम जाओ और महान हेक्टर को छुड़ाओ, और अपने साथ ऐसे उपहार ले जाओ जिनसे अकिलीज़ संतुष्ट हो जाए। तुम्हें अकेले जाना है, तुम्हारे साथ कोई और ट्रोजन नहीं होना चाहिए, सिवाय किसी सम्मानित सेवक के जो तुम्हारे खच्चरों और गाड़ी को चला सके, और उस व्यक्ति का शव शहर में वापस ला सके जिसे महान अकिलीज़ ने मारा है। तुम्हें मृत्यु का कोई भय या चिंता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि बृहस्पति आर्गस के वधकर्ता को तुम्हारे साथ भेजेगा। जब वह तुम्हें अकिलीज़ के तम्बू में ले आएगा, तो अकिलीज़ तुम्हें नहीं मारेगा और न ही किसी और को मारने देगा, क्योंकि वह अपने मार्ग का ध्यान रखेगा और पाप नहीं करेगा, और वह एक याचक से पूरी विनम्रता से विनती करेगा।
आइरिस ने इतना कहकर प्रस्थान किया, और प्रियम ने अपने पुत्रों को एक खच्चर गाड़ी तैयार करने और उसके ऊपरी हिस्से को उसके पायदान पर बांधने का आदेश दिया। फिर वह अपने सुगंधित, ऊँची छत वाले और देवदार की लकड़ी से बने भंडारगृह में गया, जहाँ उसके अनेक खजाने रखे थे, और उसने अपनी पत्नी हेकुबा

को बुलाया। उसने कहा, ‘पत्नी, ओलंपस से एक दूत आया है और उसने मुझे बताया है कि मैं अपने प्रिय पुत्र को छुड़ाने के लिए अचेयनों के जहाजों पर जाऊँ, और अपने साथ ऐसे उपहार ले जाऊँ जिनसे अकिलीज़ संतुष्ट हो जाए। इस बारे में तुम्हारा क्या विचार है? मैं स्वयं अचेयनों की सेना को पार करके उनके जहाजों पर जाने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।’
उसकी पत्नी ने उसकी यह बात सुनकर ज़ोर-ज़ोर से रोते हुए कहा, “हाय! उस न्याय का क्या हुआ जिसके लिए आप अजनबियों और अपने लोगों के बीच हमेशा से प्रसिद्ध रहे हैं? आप अकेले अचेयनों के जहाजों तक जाने और उसका सामना करने का साहस कैसे कर सकते हैं जिसने आपके इतने बहादुर बेटों को मार डाला है? आपको लोहे जैसा साहस रखना होगा, क्योंकि यदि वह क्रूर जंगली आपको देख ले और पकड़ ले, तो वह न तो सम्मान दिखाएगा और न ही दया। इसलिए, आइए हम अपने घर में दूर से ही हेक्टर के लिए रोएं, क्योंकि जब मैंने उसे जन्म दिया था, तब उसके लिए निर्दयी भाग्य के धागे बुने गए थे कि कुत्ते उसके माता-पिता से दूर, उस भयानक आदमी के घर में उसका मांस खाएंगे, जिसका जिगर मैं पकड़कर खाना चाहती थी। इस प्रकार मैं अपने बेटे का बदला लूंगी, जिसने अकिलीज़ द्वारा मारे जाने पर कोई कायरता नहीं दिखाई, और न ही भागने का सोचा और न ही युद्ध से बचने का, जब वह ट्रोजन पुरुषों और ट्रोजन महिलाओं की रक्षा में खड़ा था।” तब प्रियम ने कहा, “मैं जाना चाहता हूँ, इसलिए मुझे मत रोको और न ही
मेरे घर में अपशगुन की तरह रहो, क्योंकि तुम मुझे हिला नहीं सकते। यदि कोई मनुष्य मुझे भेजता – कोई भविष्यवक्ता या पुजारी जो बलिदान से भविष्यवाणी करता हो – तो मैं उसे झूठा समझता और उसकी बात नहीं मानता; परन्तु अब मैंने देवी की वाणी सुन ली है और उन्हें साक्षात देख लिया है, इसलिए मैं जाऊँगा और उनकी बात व्यर्थ नहीं जाएगी। यदि अचेयनों के जहाजों पर मरना ही मेरा भाग्य हो, तो भी मैं यही चाहता हूँ; चाहे अकिलीज़ ही मुझे मार डाले, बस उससे पहले मुझे अपने पुत्र को अपनी बाहों में लेकर उसके लिए शोक मनाने का अवसर मिले, जिससे मेरे हृदय को शांति मिले।”
ऐसा कहकर उसने अपने संदूकों के ढक्कन खोले और बारह सुंदर वस्त्र
निकाले। उसने बारह तह वाले लबादे, बारह कालीन, बारह सुंदर चादरें और उतनी ही संख्या में कमीज़ें भी निकालीं। उसने दस टैलेंट सोना तौला और साथ ही दो चमकीले तिपाई, चार कड़ाही और एक बहुत सुंदर प्याला भी लाया, जो थ्रेसियों ने उसे तब दिया था जब वह उनके यहाँ दूत बनकर गया था; यह बहुत कीमती था,

लेकिन उसने इसे भी नहीं छोड़ा, क्योंकि वह अपने बेटे के शव को छुड़ाने के लिए इतना उत्सुक था। फिर उसने सभी ट्रोजनों को दरबार से बाहर निकाल दिया और क्रोध भरे शब्दों में उन्हें फटकारा। “निकल जाओ,” वह चिल्लाया, “तुम मेरे लिए शर्म और अपमान हो। क्या तुम्हें अपने घरों में कोई दुख नहीं है कि तुम यहाँ आकर मुझे परेशान कर रहे हो? क्या तुम्हें लगता है कि यह कोई छोटी बात है कि शनि के पुत्र ने मुझ पर यह दुख भेजा है, कि मैं अपने सबसे बहादुर बेटे को खो दूं?” नहीं, तुम स्वयं इसे सिद्ध करोगे, क्योंकि अब वह चला गया है, तो अचेयनों के लिए तुम्हें मारना आसान हो जाएगा। जहाँ तक मेरी बात है, मुझे पाताल लोक में जाने दो, इससे पहले कि मेरी आँखें शहर की लूट और बर्बादी देखें।
उसने अपने डंडे से उन आदमियों को भगा दिया, और वे बूढ़े आदमी के आदेशानुसार आगे बढ़ गए। फिर उसने अपने बेटों को पुकारा और हेलेनस, पेरिस, कुलीन अगाथॉन, पैमोन, एंटीफोनस, युद्ध की गर्जना करने वाले पोलिटेस, डेइफोबस, हिप्पोथस और डायस को फटकारा। बूढ़े आदमी ने इन नौ को अपने पास बुलाया। वह चिल्लाया, ‘तुरंत मेरे पास आओ, निकम्मे बेटों, जिन्होंने मुझे शर्मिंदा किया है; काश तुम सब हेक्टर की जगह जहाजों पर ही मारे गए होते। मैं कितना दुखी हूँ! मेरे पास ट्रॉय के सबसे बहादुर बेटे थे – कुलीन नेस्टर, निडर सारथी ट्रॉयलस, और हेक्टर जो मनुष्यों में एक देवता के समान था, ऐसा लगता था मानो वह किसी अमर का पुत्र हो – फिर भी उनमें से एक भी नहीं बचा। मंगल ग्रह ने उन्हें मार डाला है और जिन पर मुझे शर्म आती है, वे ही अकेले मेरे पास बचे हैं।’ हे झूठे, फुर्तीले, नाच के धुरंधर, अपने ही लोगों से मेमने और बकरियों के बच्चे चुराने वालों, मेरे लिए तुरंत एक गाड़ी तैयार क्यों नहीं करवाते और ये सब सामान उस पर क्यों नहीं रख देते ताकि मैं अपने रास्ते पर निकल सकूँ?
उसने ऐसा कहा, और वे अपने पिता की फटकार से डर गए। वे एक मजबूत, नई बनी
हुई खच्चर गाड़ी लाए और उसे उसके पायदान पर मजबूती से टिका दिया। उन्होंने खूंटी से खच्चर का जुआ उतारा, जो लकड़ी का बना था, जिसके ऊपर एक घुंडी थी और लगाम के लिए छल्ले लगे थे। फिर वे ग्यारह हाथ लंबी एक जुए की पट्टी लाए, जिससे जुए को खंभे से बांधना था; उन्होंने उसे खंभे के दूसरे सिरे पर बांधा और छल्ले को सीधे खूंटी पर रखकर घुंडी के दोनों ओर पट्टी के तीन-तीन चक्कर लगाकर उसे कस दिया, और जुए की पट्टी को उसके नीचे मोड़ दिया। यह सब करने के

बाद, वे भंडारगृह से हेक्टर के शव को खरीदने के लिए रखी गई भारी फिरौती लाए और उसे गाड़ी पर व्यवस्थित रूप से रख दिया; फिर उन्होंने उन मजबूत खच्चरों को जुए में जो मिसियनों ने एक समय प्रियम को एक अच्छे उपहार के रूप में दिए थे; लेकिन प्रियम के लिए उन्होंने उन घोड़ों को जोता जिन्हें बूढ़े राजा ने पाला था और अपने उपयोग के लिए रखा था।
इस प्रकार प्रियम और उसके सेवक ने महल में अपने रथों को सावधानीपूर्वक जोतने का काम किया। फिर हेकुबा दुखी होकर उनके पास आई, उसके दाहिने हाथ में शराब का एक सुनहरा प्याला था, ताकि वे प्रस्थान करने से पहले पेय-अर्पण कर सकें। वह घोड़ों के आगे खड़ी हुई और बोली, “यह लो, पिता बृहस्पति को पेय-अर्पण करो, और चूंकि तुम मेरी इच्छा के विरुद्ध जहाजों पर जाने का मन बना रहे हो, इसलिए प्रार्थना करो कि तुम अपने शत्रुओं के हाथों से सुरक्षित लौट आओ। शनि के पुत्र, बवंडर के स्वामी, जो इडा पर विराजमान है और पूरे ट्रॉय पर दृष्टि रखता है, उससे प्रार्थना करो कि वह तुम्हारे दाहिने हाथ पर अपना तेज दूत भेजे, शगुन का पक्षी जो सभी पक्षियों में सबसे शक्तिशाली और प्रिय है, ताकि तुम उसे अपनी आँखों से देख सको और दानानों के जहाजों की ओर जाते समय उस पर भरोसा कर सको। यदि सर्वज्ञ बृहस्पति तुम्हें यह दूत नहीं भेजेगा, चाहे तुम कितने भी दृढ़ निश्चयी क्यों न हो, मैं तुम्हें अर्गिव्स के जहाजों पर नहीं जाने दूंगी।”
और प्रियम ने उत्तर दिया, ‘पत्नी, मैं तुम्हारी इच्छा के अनुसार ही करूंगा; यदि यहोवा मुझ पर दया करे तो उससे प्रार्थना करना अच्छा है।’ इसके बाद बूढ़े व्यक्ति ने सेविका को अपने हाथों पर शुद्ध जल डालने का आदेश दिया, और सेविका एक कटोरे में जल लेकर आई। उसने अपने हाथ धोए और अपनी पत्नी से प्याला लिया; फिर उसने जल चढ़ाया और आंगन के बीच में खड़े होकर आकाश की ओर देखते हुए प्रार्थना की। उसने कहा, ‘हे पिता बृहस्पति, जो इडा से शासन करते हैं, हे परम महिमावान और परम महान, कृपा करके मुझे अकिलीज़ के तम्बुओं में दया और करुणा से स्वीकार करें; और मेरे दाहिने हाथ पर अपना तेज दूत, शगुन का पक्षी, जो सभी पक्षियों में सबसे शक्तिशाली और प्रिय है, भेजें, ताकि मैं उसे अपनी आँखों से देख सकूँ और दानानों के जहाजों की ओर जाते समय उस पर भरोसा कर सकूँ।’
उसने प्रार्थना की, और परामर्श के स्वामी बृहस्पति ने उसकी प्रार्थना सुन ली। उसने तुरंत एक चील भेजी, जो उड़ने वाले सभी पक्षियों में सबसे अचूक

शगुन मानी जाती है, वह काला चील जिसे लोग काला चील भी कहते हैं। उसके पंख दोनों ओर इतने चौड़े फैले हुए थे जैसे किसी धनी व्यक्ति के कमरे का सुदृढ़ और मजबूत दरवाजा। वह शहर के ऊपर से उनके दाहिनी ओर उड़ती हुई आई, और जब उन्होंने उसे देखा तो वे प्रसन्न हुए और उनके हृदय में शांति आ गई। बूढ़े ने जल्दी से अपने रथ पर सवार होकर भीतरी द्वार से होते हुए बाहरी प्रांगण के गूंजते द्वार के नीचे से निकल गया। उसके आगे खच्चर चार पहियों वाली गाड़ी खींच रहे थे, जिसे बुद्धिमान इडेयस चला रहा था; इनके पीछे घोड़े थे, जिन्हें बूढ़े ने अपने चाबुक से पीटकर शहर में तेजी से दौड़ाया, जबकि उसके मित्र उसके पीछे-पीछे विलाप करते हुए चल रहे थे मानो वह मृत्यु के मार्ग पर हो। जैसे ही वे शहर से नीचे उतरकर मैदान में पहुंचे, उनके बेटे और दामाद, जो उनके पीछे आए थे, वापस इलियस चले गए।
लेकिन प्रियम और इडेयस जब मैदान में निकले तो सर्वज्ञानी बृहस्पति की नजर से नहीं बच सके। बृहस्पति ने उस बूढ़े को देखकर उस पर दया की; फिर उसने अपने पुत्र मरकरी से कहा, ‘मरकरी, क्योंकि तुम ही सबसे अधिक लोगों को उनके मार्ग पर ले जाने और जिनकी बात सुनना चाहो, उनकी बात सुनने के लिए तत्पर हो, इसलिए जाओ और प्रियम को अचेयनों के जहाजों तक इस प्रकार ले जाओ कि दानानों में से कोई भी उसे देख न सके और न ही उस पर ध्यान दे, जब तक कि वह पेलियस के पुत्र के पास न पहुँच जाए।’
इस प्रकार उसने कहा और मार्गदर्शक एवं रक्षक, आर्गस का वध करने वाले मरकरी ने आज्ञा का पालन किया। उसने तुरंत अपने चमकीले सुनहरे सैंडल पहन लिए, जिनसे वह भूमि और समुद्र पर हवा की तरह उड़ सकता था; उसने वह छड़ी ले ली जिससे वह मनुष्यों की आँखों को नींद में स्थिर कर देता था या अपनी इच्छा से उन्हें जगा देता था, और उसे हाथ में पकड़े हुए वह तब तक उड़ता रहा जब तक कि वह ट्रॉय और हेलेस्पोंट तक नहीं पहुँच गया। देखने में वह एक कुलीन परिवार के युवक की तरह लग रहा था, जो अपनी जवानी और सुंदरता के चरम पर था और जिसके चेहरे पर अभी-अभी रोएँ उगने शुरू हुए थे।
जब प्रियम और इडेयस इलियस के विशाल मकबरे के पास से गुजरे, तो उन्होंने अपने खच्चरों और घोड़ों को नदी में पानी पीने के लिए रोक दिया, क्योंकि रात का अंधेरा छा रहा था। तभी इडेयस ने मरकरी को उनके पास खड़े देखा और प्रियम से कहा, “हे डारदानस के वंशज, ध्यान दो; यहाँ एक ऐसा मामला है जिस पर विचार करना आवश्यक है। मुझे एक ऐसा व्यक्ति दिखाई दे रहा है जो मुझे लगता है कि

अभी हम पर हमला करेगा; चलो हम अपने घोड़ों के साथ भाग जाएं, या कम से कम उसके घुटनों पर गिरकर उससे हम पर दया करने की विनती करें।”
यह सुनकर बूढ़े का दिल बैठ गया और वह बहुत डर गया; वह वहीं सन्न रह गया, मानो स्तब्ध हो गया हो, और उसके पूरे शरीर के रोंगटे खड़े हो गए; लेकिन सौभाग्य लाने वाला उसके पास आया और उसका हाथ पकड़कर बोला, ‘पिताजी, आप इस तरह आधी रात को, जब दूसरे लोग सो रहे हैं, अपने खच्चरों और घोड़ों को कहाँ ले जा रहे हैं? क्या आपको अपने पास ही रहने वाले क्रूर और निर्दयी अचेयनों से डर नहीं लगता? अगर उनमें से कोई आपको उड़ती रात के अंधेरे में इतना खजाना ले जाते हुए देख ले, तो आपका क्या हाल होगा? आप अब जवान नहीं हैं, और जो आपके साथ है वह भी इतना बूढ़ा है कि आपको हमलावरों से नहीं बचा सकता। मैं आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा, और मैं आपकी रक्षा करूँगा, क्योंकि आप मुझे मेरे पिता की याद दिलाते हैं।’
और प्रियम ने उत्तर दिया, ‘यह सचमुच वैसा ही है जैसा तुम कहते हो, मेरे प्रिय पुत्र; फिर भी किसी देवता ने मुझ पर अपनी कृपा बनाए रखी है, क्योंकि उसने तुम्हारे जैसे राहगीर को मुझसे मिलने के लिए इतने उपयुक्त समय पर भेजा है; तुम दिखने में इतने सुंदर हो और तुम्हारा विवेक इतना उत्कृष्ट है कि तुम निश्चित रूप से धन्य माता-पिता की संतान होगे।’
तब आर्गस के वधकर्ता, मार्गदर्शक और संरक्षक ने कहा, “महोदय, आपने जो
कुछ कहा है वह सब सही है; लेकिन मुझे स्पष्ट-स्पष्ट रूप से बताइए, क्या आप इस बहुमूल्य खजाने को किसी विदेशी लोगों के पास भेज रहे हैं जहाँ यह सुरक्षित रहे, या आप सब शक्तिशाली इलियस को इस संकट में छोड़कर जा रहे हैं, जबकि आपका पुत्र, जो आप सब में सबसे वीर था और अचेयनों के साथ युद्ध में कभी पीछे नहीं हटा, मारा गया है?”
और प्रियम ने कहा, 'हे मेरे मित्र, तुम कौन हो और तुम्हारे माता-पिता
कौन हैं कि तुम मेरे अभागे पुत्र के भाग्य के बारे में इतनी सच्चाई से बात कर रहे हो?'
आर्गस के संहारक, मार्गदर्शक और रक्षक ने उत्तर दिया, “महोदय, आप महान हेक्टर के बारे में मुझसे प्रश्न करके मेरी परीक्षा लेना चाहते हैं। मैंने कई बार युद्ध में उन्हें देखा है जब वे आर्गिवों को उनके जहाजों की ओर खदेड़ रहे थे और उन्हें तलवार से मार रहे थे। हम वहीं खड़े रह गए और आश्चर्यचकित हो गए, क्योंकि एट्रेस के पुत्र पर क्रोधित अकिलीज़ ने हमें

लड़ने नहीं दिया। मैं उनका सहायक हूँ और उनके साथ उसी जहाज में आया हूँ। मैं एक मर्मिडॉन हूँ और मेरे पिता का नाम पॉलीक्टर है: वे एक धनी व्यक्ति हैं और लगभग आपकी ही आयु के हैं; मेरे अलावा उनके छह पुत्र हैं और मैं सातवाँ हूँ। हमने पर्ची निकाली और अकिलीज़ के साथ यहाँ आने का सौभाग्य मुझे मिला। मैं अब जहाजों से मैदान में आ गया हूँ, क्योंकि भोर होते ही अचेयन शहर के चारों ओर युद्ध की तैयारी में जुट जाएँगे। वे निष्क्रिय रहने से चिढ़ते हैं और इतने उत्सुक हैं कि उनके राजकुमार उन्हें रोक नहीं सकते।”
तब प्रियम ने उत्तर दिया, “यदि तुम सचमुच पेलेउस के पुत्र अकिलीज़ के सहायक हो, तो मुझे पूरी सच्चाई बताओ। क्या मेरा पुत्र अभी भी जहाज़ों पर है, या अकिलीज़ ने उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं और उसे अपने कुत्तों को दे दिया है?”
‘महोदय,’ आर्गस के वधकर्ता, मार्गदर्शक और रक्षक ने उत्तर दिया, ‘न तो शिकारी कुत्तों ने और न ही गिद्धों ने उसे खाया है; वह अभी भी अकिलीज़ के जहाज के पास तम्बुओं में पड़ा है, और यद्यपि उसे वहाँ पड़े हुए बारह दिन हो गए हैं, उसका मांस न तो क्षीण हुआ है और न ही कीड़ों ने उसे खाया है, जबकि वे योद्धाओं को खाते हैं। भोर होते ही अकिलीज़ उसे अपने प्रिय साथी की समाधि के चारों ओर क्रूरतापूर्वक घसीटता है, लेकिन इससे उसे कोई हानि नहीं होती। आपको स्वयं आकर देखना चाहिए कि वह ओस की तरह तरोताज़ा पड़ा है, सारा खून धुल गया है, और उसके सारे घाव भर गए हैं, यद्यपि कई लोगों ने उसे अपने भालों से भेदा था। धन्य देवताओं ने आपके वीर पुत्र की इतनी देखभाल की है, क्योंकि वह उन्हें अत्यंत प्रिय था।’
उसकी बात सुनकर बूढ़े व्यक्ति को सांत्वना मिली और उसने कहा, “मेरे पुत्र, देखो अमर देवताओं को उचित भेंट चढ़ाना कितना अच्छा कार्य है; क्योंकि जिस प्रकार वह जन्म से ही ओलंपस के देवताओं को नहीं भूला, उसी प्रकार अब वे मृत्यु में भी उसे इसका प्रतिफल दे रहे हैं। इसलिए मेरे हाथों से यह सुंदर प्याला स्वीकार करो; मेरी रक्षा करो और ईश्वर की सहायता से मुझे तब तक मार्ग दिखाओ जब तक मैं पेलियस के पुत्र के तम्बू तक न पहुँच जाऊँ।”
तब आर्गस के वधकर्ता, मार्गदर्शक और रक्षक ने उत्तर दिया, “महोदय, आप मुझे लुभा रहे हैं और मेरी जवानी का फायदा उठा रहे हैं, लेकिन आप मुझे बहका

नहीं सकते, क्योंकि आप मुझे अकिलीज़ की जानकारी के बिना उपहार दे रहे हैं, जिससे मैं भयभीत रहता हूँ और जिसे धोखा देना मेरे लिए बहुत बड़ा अपराध है, कहीं ऐसा न हो कि मुझ पर कोई विपत्ति आ पड़े; लेकिन आपके मार्गदर्शक के रूप में मैं आपके साथ आर्गोस तक जाऊँगा और समुद्र या ज़मीन पर आपकी इतनी सावधानी से रक्षा करूँगा कि कोई भी आपके साथ वाले को हल्के में लेकर आप पर हमला न कर सके।”
सौभाग्य लाने वाला योद्धा रथ पर सवार हो गया और चाबुक व लगाम पकड़कर खच्चरों और घोड़ों में नई जान फूंक दी। जब वे जहाजों के सामने बनी खाई और दीवार तक पहुँचे, तो पहरे पर तैनात लोग अपना भोजन कर रहे थे, और आर्गस के वधकर्ता ने उन सबको गहरी नींद में सुला दिया। फिर उसने कुंडी खोलकर द्वार खोले और प्रियम को उसके रथ पर रखे खजाने के साथ अंदर ले गया। कुछ ही देर में वे पेलियस के पुत्र के ऊँचे महल तक पहुँचे, जिसे मर्मिडोंस ने चीड़ की लकड़ियाँ काटकर अपने राजा के लिए बनवाया था; जब उन्होंने इसे बनाया, तो उन्होंने मैदान से काटी गई मोटी घास से इसकी छत बनाई और इसके चारों ओर एक बड़ा आँगन बनाया, जिसकी बाड़ पास-पास लगे खंभों से बनाई गई थी। द्वार पर चीड़ की एक ही कुंडी लगी थी जिसे तीन आदमियों को ठोकना पड़ा और तीन आदमियों को खींचकर खोलना पड़ा, लेकिन अकिलीज़ उसे अकेले ही खींच सकता था। मरकरी ने बूढ़े व्यक्ति के लिए द्वार खोला और वह खजाना अंदर ले आया जो वह पेलियस के पुत्र के लिए ला रहा था। फिर वह रथ से कूदकर ज़मीन पर आ गिरा और बोला, “महोदय, मैं अमर मरकरी हूँ, जो आपके साथ आया हूँ, क्योंकि मेरे पिता ने मुझे आपको सुरक्षित ले जाने के लिए भेजा है। अब मैं आपसे विदा लेता हूँ और अकिलीज़ के सामने नहीं जाऊँगा, क्योंकि एक देवता का इस तरह खुलेआम मनुष्यों से मित्रता करना उसे क्रोधित कर सकता है। आप अंदर जाइए और पेलियस के पुत्र के घुटने टेकिए: उसके पिता, उसकी प्यारी माँ और उसके पुत्र की ओर से उससे विनती कीजिए; इस प्रकार आप उसे प्रभावित कर सकते हैं।”
ये शब्द कहकर मरकरी वापस ऊँचे ओलंपस में चला गया। प्रियम अपने रथ से कूदकर ज़मीन पर उतरा और इडियस को खच्चरों और घोड़ों की देखभाल का जिम्मा वहीं छोड़कर चला गया। बूढ़ा व्यक्ति सीधे उस घर में गया जहाँ देवताओं का प्रिय अकिलीज़ बैठा था। वहाँ उसने उसे अपने आदमियों के साथ कुछ दूरी पर बैठे पाया: केवल दो ही, वीर ऑटोमेडन और मंगल के वंशज एल्किमस, उसकी सेवा में व्यस्त थे, क्योंकि उसने अभी-अभी खाना-पीना समाप्त किया था और मेज़

अभी भी वहीं थी। राजा प्रियम बिना उनकी नज़र में आए अंदर गया और अकिलीज़ के पास जाकर उसके घुटनों को थाम लिया और उन भयानक हत्यारे हाथों को चूमा जिन्होंने उसके कई बेटों को मार डाला था।
जैसे किसी क्रूर द्वेष के कारण किसी व्यक्ति ने अपने ही देश में किसी
की हत्या कर दी हो और उसे परदेसियों की भूमि में किसी महान व्यक्ति की शरण लेनी पड़े, और उसे देखकर सभी आश्चर्यचकित रह जाते हों, ठीक वैसे ही अकिलीज़ प्रियम को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। अन्य लोग भी एक-दूसरे को देखकर आश्चर्यचकित हुए, परन्तु प्रियम ने अकिलीज़ से विनती करते हुए कहा, ‘हे देवताओं के समान अकिलीज़, अपने पिता के बारे में सोचो, जो मेरी ही तरह वृद्धावस्था के दुखद द्वार पर हैं। हो सकता है कि उनके आस-पास रहने वाले लोग उन्हें सताते हों, और युद्ध और विनाश से उन्हें बचाने वाला कोई न हो। फिर भी जब उन्हें तुम्हारे जीवित होने की खबर मिलती है, तो वे प्रसन्न होते हैं, और उनके दिन इस आशा से भरे होते हैं कि वे अपने प्रिय पुत्र को ट्रॉय से घर लौटते हुए देखेंगे; परन्तु मैं, अभागा मनुष्य, ट्रॉय के सबसे वीर पुत्रों का पुत्र था, और उनमें से एक भी जीवित नहीं बचा। जब अचेयन यहाँ आए थे, तब मेरे पचास पुत्र थे; उनमें से उन्नीस एक ही गर्भ से थे, और बाकी मेरे घर की स्त्रियों से पैदा हुए थे। उनमें से अधिकांश को क्रूर मंगल ने मार डाला, और हेक्टर, जो अकेला बचा था, जो हमारे शहर और हमारा रक्षक था, उसे तुमने हाल ही में मार डाला; इसलिए मैं अब अचेयनों के जहाजों पर आया हूँ ताकि उसके शरीर को तुमसे भारी फिरौती देकर छुड़ा सकूँ। हे अकिलीज़, स्वर्ग के क्रोध से डरो; अपने पिता को याद करो और मुझ पर दया करो, जो और भी दयनीय हूँ, क्योंकि मैंने अपने आप को इतना कठोर बना लिया है जितना आज तक किसी ने नहीं बनाया, और मैंने अपने पुत्र के वधकर्ता का हाथ अपने होठों तक उठाया है।
प्रियम ने ऐसा कहा, और अपने पिता को याद करके अकिलीज़ का हृदय व्याकुल
हो उठा। उसने बूढ़े का हाथ पकड़ा और उसे धीरे से दूर ले गया। दोनों फूट-फूटकर रोए - प्रियम अकिलीज़ के चरणों में लेटकर हेक्टर के लिए रो रहा था, और अकिलीज़ कभी अपने पिता के लिए तो कभी पेट्रोक्लस के लिए, जब तक कि पूरा घर उनके विलाप से भर नहीं गया। लेकिन जब अकिलीज़ का दुख शांत हो गया और उसने अपने दुख का बोझ हल्का कर दिया, तो वह अपनी जगह से उठा और बूढ़े के सफेद बालों और दाढ़ी पर दया करके उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया; फिर उसने कहा,

'दुखी मनुष्य, तुमने सचमुच बहुत साहस दिखाया है; तुम अकेले अकेयनों के जहाजों तक आने और उसके सामने खड़े होने का साहस कैसे कर सकते हो जिसने तुम्हारे इतने बहादुर बेटों को मार डाला है? तुम्हें लोहे जैसा साहस रखना चाहिए; अब इस आसन पर बैठो, और अपने सारे दुख के बावजूद हम अपने दुःख को अपने हृदय में छिपा लेंगे, क्योंकि रोने से हमें कोई लाभ नहीं होगा।' अमर देवता किसी बात की परवाह नहीं करते, फिर भी वे मनुष्य के लिए दुखों से भरा भाग्य बुनते हैं; बृहस्पति के महल में दो कलश रखे हैं, एक में अशुभ उपहार और दूसरे में शुभ उपहार। जिसे बृहस्पति, गर्जन के देवता, उपहारों में मिलाते हैं, उसे कभी सुख तो कभी दुःख का सामना करना पड़ता है; परन्तु जिसे बृहस्पति केवल अशुभ उपहार भेजते हैं, उसे तिरस्कार की उंगली दिखाई जाती है, अकाल उसका पीछा दुनिया के कोने-कोने तक करता है, और वह पृथ्वी पर भटकता रहता है, न तो देवताओं द्वारा और न ही मनुष्यों द्वारा सम्मानित। ठीक ऐसा ही पेलियस के साथ हुआ; देवताओं ने उसे जन्म से ही सभी सुख-सुविधाओं से संपन्न किया था, क्योंकि वह मर्मिडोंस पर शासन करता था और समृद्धि और धन में सभी मनुष्यों से श्रेष्ठ था, और यद्यपि वह नश्वर था, फिर भी देवताओं ने उसे एक देवी को उसकी दुल्हन के रूप में दिया। परन्तु स्वर्ग ने उस पर भी दुर्भाग्य भेजा, क्योंकि उसके घर में उसके कोई शाही संतान नहीं हुई, सिवाय एक पुत्र के जो असमय मृत्यु का शिकार हुआ। अब जब वह बूढ़ा हो रहा है, तो मैं उसकी देखभाल नहीं कर सकती, क्योंकि मुझे ट्रॉय में रहकर तुम और तुम्हारे बच्चों का अभिशाप बनना है। और तुम भी, हे प्रियम, मैंने सुना है कि तुम पहले सुखी थे। कहते हैं कि धन और संतानोत्पत्ति में तुम लेस्बोस, उत्तर में मकर राज्य, भीतरी भाग में फ्रिगिया और विशाल हेलेस्पोंट पर बसे सभी लोगों से कहीं आगे थे; लेकिन जिस दिन स्वर्गवासियों ने तुम पर यह विपत्ति भेजी, तब से तुम्हारे शहर में लगातार युद्ध और नरसंहार चल रहा है। इसे सहन करो, और अपने दुःख में कुछ विराम लो। अपने वीर पुत्र के लिए जितना चाहो शोक मनाओ, इससे तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। तुम उसे मृतकों में से जीवित नहीं कर सकते, ऐसा करने से पहले ही तुम पर एक और दुःख आ पड़ेगा।
तब प्रियम ने उत्तर दिया, ‘हे राजा, जब तक हेक्टर आपके तम्बुओं में उपेक्षित पड़ा है, मुझे बैठने की अनुमति न दें, बल्कि मेरे द्वारा लाए गए इस बड़े बलिदान को स्वीकार करें और उसे तुरंत मुझे सौंप दें ताकि मैं उसे देख सकूँ। आशा है कि आप इस बलिदान से समृद्ध होंगे और अपने देश में

सुरक्षित पहुँचेंगे, क्योंकि आपने मुझे जीवित रहने और सूर्य के प्रकाश को देखने का अवसर दिया है।’
अकिलीज़ ने उसे कठोर दृष्टि से देखा और कहा, “हे प्रभु, मुझे और परेशान
मत करो; मैंने स्वयं हेक्टर का शव सौंपने का निश्चय कर लिया है। मेरी माता, जो समुद्र के उस बूढ़े देवता की पुत्री हैं, बृहस्पति की ओर से मेरे पास आई थीं और उन्होंने मुझे यह शव आपको सौंपने का आदेश दिया था। इसके अलावा, हे प्रियम, मैं भली-भांति जानता हूँ, और तुम इसे छुपा नहीं सकते, कि किसी देवता ने तुम्हें अचेयनों के जहाजों तक पहुँचाया है, अन्यथा कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी बलवान और युवा क्यों न हो, हमारी सेना के पास आने का साहस नहीं करता; वह न तो हमारी रक्षा पंक्ति को छुपकर पार कर सकता था, न ही इतनी आसानी से मेरे द्वारों की कुंडी खोल सकता था; इसलिए, मुझे और क्रोधित मत करो, अन्यथा मैं बृहस्पति के वचन का उल्लंघन करूँगा और तुम्हें, चाहे तुम कितने भी विनम्र क्यों न हो, अपने तम्बुओं में प्रवेश करने से मना कर दूँगा।”
बूढ़ा व्यक्ति उससे डरता था और उसकी बात मानता था। फिर पेलेउस का
पुत्र शेर की तरह अपने घर के द्वार से अंदर आया, वह अकेला नहीं था, बल्कि उसके साथ उसके दो सहायक ऑटोमेडन और एल्किमस भी थे, जो पेट्रोक्लस की मृत्यु के बाद उसके सबसे करीबी साथी बन गए थे। उन्होंने घोड़ों और खच्चरों को खोल दिया और प्रियम के दूत और सेवक को घर के अंदर बैठने का आदेश दिया। उन्होंने हेक्टर के शव के लिए फिरौती की रकम गाड़ी से उतारी, लेकिन दो चादरें और एक सुंदर कमीज वहीं छोड़ दी, ताकि अकिलीज़ शव को घर ले जाते समय उनमें लपेट सके। फिर उसने अपने सेवकों को बुलाया और उन्हें शव को धोने और उस पर तेल लगाने का आदेश दिया, लेकिन पहले वह उसे ऐसी जगह ले गया जहाँ प्रियम उसे न देख सके, कहीं ऐसा न हो कि अगर वह देख ले तो वह अपने गहरे शोक में डूब जाए और अकिलीज़ को क्रोधित कर दे, जिससे वह उसे मार डाले और बृहस्पति के वचन का उल्लंघन करे। जब नौकरों ने शव को धोकर तेल लगाया और उसे एक सुंदर कमीज़ और चादर में लपेट दिया, तो अकिलीज़ ने स्वयं उसे अर्थी पर उठाया और फिर अपने साथियों के साथ उसे गाड़ी पर रख दिया। ऐसा करते समय वह ज़ोर से रोया और अपने प्रिय साथी का नाम लेकर बोला, ‘पैट्रोक्लस, मुझसे नाराज़ मत होना,’ उसने कहा, ‘यदि तुम्हें पाताल लोक में भी पता चले कि मैंने

हेक्टर को उसके पिता को फिरौती के रूप में दे दिया है। यह कोई अनुचित फिरौती नहीं थी, और मैं इसे तुम्हारे साथ बराबर बाँटूँगा।’
फिर अकिलीज़ तम्बू में वापस गया और उस अलंकृत आसन पर बैठ गया जहाँ से
वह उठा था, उस दीवार के पास जो प्रियम के सामने वाली दीवार के समकोण पर थी। उसने कहा, “महोदय, आपका पुत्र अब अपनी अर्थी पर रखा हुआ है और आपकी इच्छा के अनुसार छुड़ा लिया गया है; भोर में जब आप उसे ले जाएँगे तो आप उसे देख लेंगे; अभी के लिए आइए हम अपना भोजन तैयार करें। सुंदर नायोबी को भी खाने के बारे में सोचना पड़ा, हालाँकि उसके बारह बच्चे - छह बेटियाँ और छह बलवान पुत्र - उसके घर में ही मारे गए थे। अपोलो ने नायोबी को दंडित करने के लिए अपने चाँदी के धनुष से बाणों से पुत्रों को मार डाला, और डायना ने बेटियों को मार डाला, क्योंकि नायोबी ने लेटो के विरुद्ध अपनी बड़ाई की थी; उसने कहा था कि लेटो के केवल दो बच्चे थे, जबकि उसके स्वयं कई बच्चे थे - जिस पर दोनों ने कई बच्चों को मार डाला। वे नौ दिन तक तड़पते रहे, और उन्हें दफनाने वाला कोई नहीं था, क्योंकि शनि के पुत्र ने लोगों को पत्थर में बदल दिया था; लेकिन दसवें दिन स्वर्ग में देवताओं ने स्वयं उन्हें दफनाया, और फिर नायोबे रोते-रोते थक गई और उसने भोजन किया। कहते हैं कि सिपीलस के पहाड़ी चरागाहों की चट्टानों के बीच कहीं, जहाँ अचेलौस नदी में अप्सराएँ रहती हैं, वहाँ वह पत्थर के रूप में निवास करती है और स्वर्ग से भेजे गए दुखों को सहती रहती है। इसलिए, हे महाराज, आइए अब हम दोनों भोजन करें; आप अपने प्रिय पुत्र के लिए बाद में रो सकते हैं जब आप उसे इलियस वापस ले जा रहे हों - और इसके लिए आपको बहुत आँसू बहाने पड़ेंगे।
यह कहते ही अकिलीज़ अपनी गद्दी से उछल पड़ा और चांदी जैसी सफेदी वाली
एक भेड़ को मार डाला, जिसे उसके अनुयायियों ने खाल उतारकर विधिपूर्वक तैयार किया। उन्होंने मांस को सावधानीपूर्वक छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा, उन्हें सींक पर लगाया और अच्छी तरह भुन जाने पर फिर से सींक से उतार लिया। ऑटोमेडन सुंदर टोकरियों में रोटी लाया और उसे मेज पर परोसा, जबकि अकिलीज़ ने मांस परोसा, और उन्होंने अपने सामने रखी स्वादिष्ट चीजों पर हाथ फेरा। जैसे ही उन्होंने भरपेट खा-पी लिया, डार्डनस के वंशज प्रियम ने अकिलीज़ की शक्ति और सुंदरता को देखकर आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि वह देखने में किसी देवता के समान थे, और अकिलीज़ भी प्रियम को सुनकर और उनकी महान उपस्थिति को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। जब वे तृप्त हो गए, तो प्रियम ने पहले बात की। 'और

अब, हे राजा,' उसने कहा, 'मुझे मेरे पलंग पर ले चलो ताकि हम लेट सकें और नींद के आशीर्वाद का आनंद ले सकें। जिस दिन आपके हाथों ने मेरे बेटे की जान ली, उस दिन से मेरी आँखें एक पल के लिए भी बंद नहीं हुईं; मैं अपने अस्तबल के कीचड़ में लगातार लोटता रहा, विलाप करता रहा और अपने अनगिनत दुखों पर विचार करता रहा। अब तो मैंने रोटी भी खाई है और शराब भी पी है; अब तक मैंने कुछ भी नहीं चखा है।
जब अकिलीज़ बोल रहा था, उसने अपने आदमियों और दासियों से द्वारगृह के कमरे में पलंग लगाने और उन पर अच्छे लाल कालीन बिछाने को कहा, और उन पर प्रियम और इडेयस के लिए ऊनी लबादे बिछाने को कहा। तो दासियाँ मशाल लेकर बाहर गईं और जल्दी से दोनों पलंग तैयार कर दिए। फिर अकिलीज़ ने हंसते हुए प्रियम से कहा, 'प्रिय महोदय, आप बाहर लेटें, कहीं ऐसा न हो कि जो लोग समय-समय पर मुझसे सलाह लेने आते हैं, उनमें से कोई आपको उड़ती रात के अंधेरे में यहाँ देख ले और यह बात एगामेम्नन को बता दे। इससे शव सौंपने में देरी हो सकती है। और अब मुझे सच-सच बताइए, आप महान हेक्टर के अंतिम संस्कार कितने दिनों तक करेंगे? मुझे बताइए, ताकि मैं युद्ध से दूर रहूँ और सेना को रोक सकूँ।'
और प्रियम ने उत्तर दिया, “चूंकि आप मुझे अपने महान पुत्र को सभी रीति- रिवाजों के साथ दफनाने की अनुमति दे रहे हैं, तो ऐकिलीज़, ऐसा ही कीजिए, मैं आपका आभारी रहूंगा। आप जानते हैं कि हम अपने शहर में किस प्रकार घिरे हुए हैं; पहाड़ से लकड़ी लाना हमारे लिए बहुत दूर है, और लोग भयभीत हैं। इसलिए, हम नौ दिन तक मेरे घर में हेक्टर का शोक मनाएंगे; दसवें दिन हम उसे दफनाएंगे और उसके सम्मान में एक सार्वजनिक भोज आयोजित किया जाएगा; ग्यारहवें दिन हम उसकी राख पर एक टीला बनाएंगे, और बारहवें दिन, यदि आवश्यकता पड़ी, तो हम युद्ध करेंगे।”
और अकिलीज़ ने उत्तर दिया, 'हे राजा प्रियम, सब कुछ वैसा ही होगा जैसा आपने कहा है। मैं आपके बताए समय तक लड़ाई जारी रखूंगा।'
बोलते हुए उसने बूढ़े व्यक्ति की दाहिनी कलाई पर हाथ रखा, यह दर्शाने के लिए कि उसे डरने की कोई जरूरत नहीं है; इस प्रकार प्रियम और उसका सेवक आंगन में विचारों में डूबे हुए सो गए, जबकि अकिलीज़ घर के एक भीतरी कमरे में सुंदर ब्रिसिस के साथ लेटा हुआ था।

अब देवता और मनुष्य दोनों ही पूरी रात गहरी नींद में सो रहे थे, लेकिन सौभाग्य के देवता मरकरी को नींद नहीं आ रही थी, क्योंकि वह लगातार यही सोच रहा था कि राजा प्रियम को पहरेदारों की भारी टुकड़ी की नजरों से बचाकर जहाजों से दूर कैसे ले जाया जाए। इसलिए वह प्रियम के सिर के ऊपर मंडराया और बोला, 'महोदय, अब जब अकिलीज़ ने आपकी जान बख्श दी है, तो आपको अपने शत्रुओं के बीच सोने में कोई डर नहीं लग रहा है। आपने भारी फिरौती दी है और अपने पुत्र का शव प्राप्त किया है; यदि आप अभी भी जीवित होते और कैदी होते, तो घर पर छोड़े गए आपके पुत्रों को आपको छुड़ाने के लिए तीन गुना अधिक देना पड़ता; और ऐसा ही तब होता जब एगामेम्नन और अन्य अचेयनों को आपके यहाँ होने का पता चल जाता।'
यह सुनकर बूढ़ा व्यक्ति भयभीत हो गया और उसने अपने सेवक को जगाया। तब मरकरी ने उनके घोड़ों और खच्चरों को जोता और उन्हें भीड़ के बीच से तेज़ी से ले गया ताकि कोई उन्हें देख न सके। जब वे अमर ज़्यूस द्वारा निर्मित भंवरदार ज़ैंथस नदी के घाट पर पहुँचे, तो मरकरी वापस ऊँचे ओलंपस में चला गया, और केसरिया रंग की सुबह पूरे देश में फैलने लगी। तब प्रियम और इडेयस विलाप करते हुए और शोक मनाते हुए शहर की ओर बढ़े, और खच्चर हेक्टर के शव को खींच रहे थे। उन्हें किसी ने नहीं देखा, न किसी पुरुष ने और न ही किसी स्त्री ने, जब तक कि पेर्गमस पर खड़ी सुनहरी वीनस के समान सुंदर कैसेंड्रा ने अपने प्रिय पिता को उनके रथ में और उनके साथ शहर के दूत सेवक को नहीं देखा। तब उसने उसे खच्चरों द्वारा खींची जा रही अर्थी पर लेटे हुए देखा, और ज़ोर से चिल्लाते हुए वह शहर में घूम-घूम कर कहने लगी, 'यहाँ आओ, ट्रोजनो, पुरुषों और महिलाओं, और हेक्टर को देखो; यदि आप उसके जीवित रहते हुए युद्ध से लौटते समय उसे देखकर प्रसन्न हुए थे, तो अब उसे देखिए जो हमारे नगर और हमारे समस्त लोगों का गौरव था।
उस समय शहर में न कोई पुरुष बचा था, न कोई स्त्री, सब लोग गहरे शोक में डूबे हुए थे। द्वार के पास ही वे प्रियम से मिले, जो शव ला रहे थे। हेक्टर की पत्नी और माता सबसे पहले उनके लिए शोक मनाने लगीं: वे गाड़ी की ओर दौड़ीं और उनके सिर पर हाथ रख दिए, जबकि भीड़ उनके चारों ओर रोती रही। वे द्वार के सामने ही दिन भर सूर्यास्त तक रोती और विलाप करती रहतीं, यदि प्रियम ने रथ से उनसे बात न की होती और कहा होता, ‘खच्चरों को रास्ता दो। बाद में जब मैं शव घर ले जाऊँगा, तब तुम जी भर कर रो सकती हो।’

इस पर लोग अलग-अलग खड़े हो गए और गाड़ी के लिए रास्ता बनाया। शव को घर
के अंदर लाकर उन्होंने उसे पलंग पर लिटाया और उसके चारों ओर संगीतकारों को बैठाया ताकि वे शोकगीत गा सकें, जिसमें स्त्रियाँ भी उनके विलाप के दुख भरे संगीत में शामिल हो गईं। उनमें सबसे आगे एंड्रोमाके थी, जो शक्तिशाली हेक्टर का सिर अपनी बाहों में थामे विलाप कर रही थी। वह रोते हुए बोली, ‘पति, आप कम उम्र में ही मर गए और मुझे अपने घर में विधवा छोड़ गए; जिसके हम माता-पिता हैं, वह अभी बच्चा ही है और मुझे डर है कि वह जवानी तक नहीं पहुँच पाएगा। इससे पहले कि वह जवान हो पाए, हमारा शहर ध्वस्त और नष्ट हो जाएगा, क्योंकि आप, जिन्होंने इसकी रक्षा की, अब नहीं रहे – आप, जो इसके रक्षक, हमारी पत्नियों और बच्चों के संरक्षक थे। हमारी स्त्रियों को बंदी बनाकर जहाजों में ले जाया जाएगा, और मैं भी उनमें से एक हूँगी; जबकि आप, मेरे बच्चे, जो मेरे साथ रहेंगे, आपको कुछ अनुचित काम सौंपे जाएँगे, एक क्रूर स्वामी के लिए काम करना पड़ेगा।’ या फिर, शायद कोई अचेयन तुम्हें (हे दुखद मृत्यु) हमारी दीवारों से फेंक दे, ताकि हेक्टर द्वारा मारे गए किसी भाई, पुत्र या पिता का बदला ले सके; उनमें से कई तो सचमुच उसके हाथों मारे गए हैं, क्योंकि युद्ध में तुम्हारे पिता का हाथ हल्का नहीं था। इसीलिए लोग उसका शोक मना रहे हैं। हे हेक्टर, तुमने अपने माता-पिता के लिए असहनीय दुःख छोड़ दिया है, और मेरा दुःख तो सबसे बड़ा है, क्योंकि मरते समय तुमने अपनी बाहें फैलाकर मुझे गले नहीं लगाया, और न ही मुझसे कोई ऐसे शब्द कहे जो रात-दिन मेरे आंसुओं में हमेशा के लिए बस जाते।
वह फूट-फूटकर रो रही थी और बाकी स्त्रियाँ भी उसके विलाप में शामिल हो गईं। हेकुबा ने भी विलाप करते हुए कहा, ‘हेक्टर, मेरे सभी बच्चों में सबसे प्रिय। जब तक तुम जीवित थे, देवताओं ने तुम्हें बहुत प्यार किया, और मृत्यु के बाद भी वे तुम्हें पूरी तरह से भूले नहीं हैं; क्योंकि जब अकिलीज़ ने मेरे किसी और पुत्र को पकड़ा, तो उसने उसे समुद्र पार, सामोस, इम्ब्रस या बीहड़ लेम्नोस में बेच दिया; और जब उसने तुम्हें भी अपनी तलवार से मार डाला, तो उसने तुम्हें कई बार अपने साथी की समाधि के चारों ओर घसीटा – हालाँकि इससे उसे जीवन नहीं मिला – फिर भी तुम यहाँ ओस की तरह ताज़ा और उस व्यक्ति की तरह सुंदर लेटे हो जिसे अपोलो ने अपने दर्द रहित बाणों से मार डाला हो।’

इस प्रकार वह भी आँसुओं के बीच कड़वी विलाप करते हुए बोली, और फिर
हेलेन ने तीसरी बार विलाप का स्वर दोहराया। ‘हेक्टर,’ उसने कहा, ‘मेरे सभी देवरों में सबसे प्रिय – क्योंकि मैं अलेक्जेंड्रस की पत्नी हूँ जो मुझे ट्रॉय लेकर आया था – काश मैं उसके आने से पहले ही मर गई होती – बीस साल बीत चुके हैं जब से मैंने अपना घर छोड़ा और समुद्र पार से आई हूँ, लेकिन मैंने आपसे कभी एक भी अपमानजनक या निर्दयतापूर्ण शब्द नहीं सुना। जब कोई और मुझे डांटता, चाहे वह आपका कोई भाई या बहन हो, या आपके भाइयों की पत्नियाँ हों, या मेरी सास – क्योंकि प्रियम मेरे प्रति इतना दयालु था मानो वह मेरा अपना पिता हो – तो आप उन्हें कोमल और सद्भावनापूर्ण शब्दों से डांटते और रोकते थे। इसलिए मेरे आँसू आपके लिए और अपने लिए भी बह रहे हैं, क्योंकि ट्रॉय में कोई और नहीं है जो मेरे प्रति दयालु हो, बल्कि सभी मेरे पास से गुजरते हुए सहम जाते हैं।’
बोलते समय वह रोने लगी और उसके चारों ओर एकत्रित विशाल भीड़ भी उसके विलाप में शामिल हो गई। तब राजा प्रियम ने उनसे कहा, “हे ट्रोजनो, नगर में लकड़ी लाओ, और आर्गीवों के धूर्त घात से मत डरो, क्योंकि जब अकिलीज़ ने मुझे जहाजों से विदा किया था, तब उसने मुझे वचन दिया था कि वे बारहवें दिन की सुबह तक हम पर हमला नहीं करेंगे।”
उन्होंने तुरंत अपने बैलों और खच्चरों को जोता और शहर के सामने इकट्ठा हो गए। नौ दिनों तक वे लकड़ियों के बड़े-बड़े ढेर लाते रहे, और दसवें दिन सुबह बहुत आँसू बहाते हुए उन्होंने वीर हेक्टर को बाहर निकाला, उसके मृत शरीर को ढेर के शिखर पर रखा और उसमें आग लगा दी। फिर जब ग्यारहवें दिन सुबह की गुलाबी उंगलियाँ निकलीं, तो लोग फिर से शक्तिशाली हेक्टर की चिता के चारों ओर इकट्ठा हो गए। जब वे सब इकट्ठा हो गए, तो उन्होंने सबसे पहले जहाँ भी आग जल रही थी, उसे शराब से बुझाया, और फिर उसके भाइयों और साथियों ने बहुत आँसू बहाते हुए उसकी सफेद हड्डियों को इकट्ठा किया, उन्हें बैंगनी रंग के मुलायम वस्त्रों में लपेटा और एक सुनहरे कलश में रखा, जिसे उन्होंने एक कब्र में रखा और ऊपर से बड़े-बड़े पत्थरों से ढक दिया। फिर उन्होंने जल्दी से उसके ऊपर एक टीला बनाया और चारों ओर पहरा देते रहे ताकि अचेयन लोग उनके काम पूरा होने से पहले ही उन पर हमला न कर दें। जब उन्होंने टीला तैयार कर लिया, तो वे वापस शहर में चले गए, और अच्छी तरह से इकट्ठा होकर उन्होंने अपने राजा प्रियम के महल में एक भव्य भोज आयोजित किया।

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

□□ □□□□□□

अनुवादक का नोट

ओडिसी का अट्ठाईसवाँ अंग्रेज़ी अनुवाद कोई साहित्यिक उपलब्धि नहीं हो सकता, विशेषकर तब जब इसका उद्देश्य मूलतः एक सीधा-सादा अनुवाद होना हो। जहाँ कहीं भी कम और अधिक शब्दों के बीच चुनाव करना पड़ा, मैंने शब्दों की विविधता का उपयोग करके अनुवाद को और भी आकर्षक बना दिया। मैंने छंदों को बदला है: ग्रीक भाषा की लय सरल अंग्रेज़ी से भिन्न होती है। ऐसा नहीं है कि मेरी अंग्रेज़ी इतनी सरल है। ओडिसी की ग्रीक भाषा की तरह ही, वार्डर-स्ट्रीट ग्रीक भाषा का सटीक अनुवाद करना कठिन है। मैंने भावों और काल के साथ भी स्वतंत्रता बरती है; विशेषण और क्रियाविशेषण को आपस में बदल दिया है; और पूर्वसर्गों की कमी, क्रियाओं की सीमाओं और सर्वनामों की अस्पष्टता से बचने के लिए वाक्यों को पुनर्व्यवस्थित किया है। फिर भी, वाक्य रचना को छोड़ दें तो, यह एक अनुवाद है।
इसे ऑक्सफोर्ड के मूल पाठ से बिना किसी आलोचना के तैयार किया गया है। मैंने विवादित पाठों, विभिन्न रूपों या गलत पंक्तियों की गहन जांच नहीं की है। हालांकि विद्वान पाठ पर विस्तार से सवाल उठा सकते हैं, लेखक (और भावी लेखक भी) ओडिसी को एक प्रामाणिक, असंपादित कलाकृति के रूप में देखते हैं, जो पूर्णतः संरक्षित है। तीन बार मैंने कुछ अधूरी बातें देखीं, कुछ ऐसे अंश जिन्हें लेखक भूल गया था: एक वाक्य को मैं समय के अनुसार बदलना चाहता था: पांच-छह पंक्तियाँ मुझे अटपटी लगीं: एक भाषण अपने संदर्भ से पहले आता प्रतीत होता है। ये उस पुस्तक में कुछ त्रुटियाँ हैं जो सुव्यवस्थित, सुव्यवस्थित, कलात्मक और विविधतापूर्ण है; लगभग शब्द-परिपूर्ण, मानो अथक परिश्रम से ही संभव हो।
चालाक, उत्कृष्ट, समरूप – महान कला चाहे जो भी हो, ये इसके गुण नहीं
हैं। इस कहानी में हर बड़ी परिस्थिति को छिपाया गया है और लेखन कोमल है। खंडित इलियड भी एक उत्कृष्ट कृति है; जबकि ओडिसी अपनी सरलता और रुचि के कारण कहानी के लिए पढ़ने योग्य सबसे पुरानी पुस्तक और यूरोप का पहला उपन्यास बनी हुई है। यह खुशमिजाज, सुंदर और जीवंत है: कभी विशाल या भयावह

नहीं। ग्यारहवाँ भाग, पाताल लोक, भयावहता की ओर अग्रसर होता है – फिर भी करुणा के बीज की ओर बढ़ता है, जो लेखन का सबसे कमजोर रूप है। लेखक महानता के अपने हर अवसर को खो देता है, जैसा कि उसके सभी निष्ठावान अनुवादकों के साथ होता है।
इस रचना के दायरे की यह सीमा स्पष्ट रूप से सचेत है। महाकाव्य आदिम
मानव काल से संबंधित है, और होमर वीर युग के बहुत बाद जीवित रहे, इसलिए वे आत्मविश्वास और विशालता का अनुभव नहीं कर सकते थे। वे अपनी क्षमताओं और सीमाओं का सटीक ज्ञान प्रदर्शित करते हैं। केवल ऐसी उत्कृष्ट आत्म-आलोचना के माध्यम से ही प्रतिभा को प्रेरणा के बराबर स्थान मिल सकता है।
इस उपन्यास के साथ चार साल बिताने के दौरान मैंने रचनाकार के आत्म-विश्वासघात से उसके व्यक्तित्व को समझने का प्रयास किया है। मुझे एक पुस्तक प्रेमी मिला, जो अब युवा नहीं था, घर से दूर रहता था, मुख्य भूमि का निवासी था, शहर में पला-बढ़ा और घरेलू स्वभाव का था। विवाहित था, लेकिन केवल विवाहित ही नहीं, कुत्तों से प्रेम करता था, अक्सर भूखा-प्यासा रहता था, काले बालों वाला था। कविता का शौकीन था, इलियड का गहन अध्ययन करता था, भले ही आलोचनात्मक न हो, उसकी इंद्रियों का दायरा सीमित था, लेकिन उसकी दृष्टि इतनी सटीक थी कि उसे हर तरह के चित्र मिल जाते थे। पुरानी कलाकृतियों का प्रेमी था, हालांकि वाल्टर स्कॉट की तरह ही एक उलझा हुआ पुरातत्वविद था - जिसके प्रति सहानुभूति रखते हुए मैंने उसकी कुछ बातों को 'अस्थिर' माना है, लेकिन रेलगाड़ियों के प्रति नहीं।
महिलाओं के प्रति उनके चिड़चिड़े और अपमानजनक रवैये की तुलना नौकरों
के प्रति उनके कोमल हृदय और उदारता से करना रोचक है। हालांकि वे कवियों के स्वाभिमान को ठेस पहुँचाते थे और उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने का कोई मौका नहीं छोड़ते थे, फिर भी उन्हें (अपने से दो हज़ार साल बाद के लेखकों की तरह) नौकरों का साथी होना पड़ा, और उन्हें समझकर उनका मित्र और रक्षक बनना पड़ा। क्या यह सहानुभूति थी, या उन्होंने दासता के बारे में अपने दृष्टिकोण में समय से पहले ही अनुमान लगा लिया था?
उन्हें ग्रामीण परिवेश से उतना ही प्रेम था जितना किसी नागरिक को हो सकता है। किसान न होते हुए भी, उन्होंने अच्छे जैतून के पेड़ की बारीकियां सीख ली थीं। युद्ध के मामले में वे बिल्कुल अनभिज्ञ थे और उन्होंने युद्ध में कभी किसी की मृत्यु नहीं देखी थी। समुद्री यात्रा उनका पेशा न होते

हुए भी, वे समुद्र में यात्रा करते और उसे बड़ी चिंता से देखते रहे थे। एक शौकिया खिलाड़ी के रूप में उन्होंने जंगली सूअरों को घेरा हुआ देखा था और शेरों के बारे में कई कहानियां सुनी थीं।
बहुत कम लोग नाविक, सैनिक और प्रकृतिवादी हो सकते हैं। फिर भी, होमर न
तो ज़मीनी व्यक्ति थे, न घर में रहने वाले और न ही नासमझ। उन्होंने ऐसे पाठकों के लिए लिखा जिनके लिए रोमांच रोज़मर्रा की ज़िंदगी थी और समुद्र उनका सर्वव्यापी साथी। इसलिए उन्होंने गलती करने का साहस नहीं किया। वह प्रसिद्ध दोहरी पंक्ति जिसमें साइक्लोप्स अपने पत्थरों से जहाज़ को बाल-बाल बचा लेता है, केवल यह दर्शाती है कि वे अपने नकलची से कहीं बेहतर नाविक थे। विद्वानों ने उनके तकनीकी ज्ञान को परखने की कोशिश की है - और निश्चित रूप से उन्होंने कालखंडों को बेतरतीब ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुरातत्व-पूर्व काल का होने का परिणाम है। उनके पन्ने एक विचित्र भोलेपन से भरे हैं; और विचार और भाषा की हमारी दूरी के कारण हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि वे मुस्कुरा रहे हैं या नहीं। फिर भी उनमें एक गरिमा है जो सम्मान उत्पन्न करती है और हमें अचंभित करती है, क्योंकि वे न तो शिक्षा में साधारण थे और न ही सामाजिक रूप से पिछड़े हुए। उनकी पीढ़ी ने इलियड की इतनी बेरुखी से प्रशंसा की कि उसका गलत उद्धरण देना भी एक गुण माना जाता था। उन्होंने अपने पन्नों में महाकाव्य के अंश बिखेरे हैं। इसमें कुछ लोगों को हास्य नज़र आता है। बल्कि मेरा मानना है कि यहाँ भी पुरातन कला के संयमित होंठों पर पुरातनता की स्थिर मुस्कान छा गई है।
यह घर में पले-बढ़े व्यक्ति बेहद किताबी थे। उनके लेखन में साहित्यिक मंडली और एक विशिष्ट लेखन परंपरा की झलक मिलती है। उनकी नोटबुक अलंकृत उद्धरणों से भरी रहती थीं और वे इन्हें अपनी कहानी में जहाँ भी संभव होता, समाहित कर देते थे। विलियम मॉरिस की तरह, वे भी अपने युग की प्रेरणा से किंवदंती की ओर आकर्षित हुए, जहाँ उन्हें ईश्वर-प्रेरित आकाश के नीचे निर्धन जीवन जीने वाले लोग मिले। बस, मॉरिस की तुलना में उनकी वाक्पटुता अधिक थी, पर कविता की कमी थी। फैशन ने उन्हें बार-बार विशेषण दिए, मानो लेबल हों: लेकिन सार्वजनिक भाषण में पुनरावृत्ति का अपना महत्व होता है। उनके सधे हुए भाषण भी प्रभावशाली होते हैं। एक प्रशिक्षित आवाज भाषणों में नाटकीयता और घटनाओं का समावेश कर सकती है। शायद दस पुस्तकों के माध्यम

से चरमोत्कर्ष का उबाऊ विलंब एक गरीब कवि का अपने मेज़बान के आतिथ्य को लंबा खींचने का एक तरीका हो।
स्पष्ट है कि कहानी ही मुख्य विषय थी; और यही बात (हमारे संकीर्ण
विचारों को उचित ठहराए बिना) उनके सतही और आकस्मिक चरित्र चित्रण को समझाती है। उन्होंने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन बाद में उनका उत्साह कम हो गया। उदाहरण के लिए, नौसिका नाटकीय ढंग से प्रवेश करती है और कुछ पंक्तियों के लिए एक स्त्री की तरह दिखती है – फिर वह अनुपयोगी होकर लुप्त हो जाती है। यूमेअस का चित्रण बेहतर था: लेकिन केवल केंद्रीय परिवार ही लगातार और निर्ममता से चित्रित होकर उभरता है – धूर्त और चालाक पत्नी, निर्मम अहंकारी ओडीसियस, और अभिमानी पुत्र जिसे मेनेलास के रूप में अपना अभिमानी गुरु मिल गया। यह मानना दुखद है कि ये वास्तव में होमर के नायक और आदर्श थे।
टी.ई. शॉ
हे दिव्य कविता!
देवी-ज़्यूस की पुत्री
मेरे लिए बनाए रखें
यह गीत विभिन्न विचारों वाले व्यक्ति का है जिसने लूटपाट करने के बाद
पवित्र ट्रॉय का सबसे भीतरी गढ़
उसे बुरी तरह भटकने के लिए मजबूर किया गया था
मेन के तटों के बारे में
उनकी परंपराओं का खेल, चाहे वे अच्छी हों या बुरी। जबकि उसका दिल
सभी समुद्री यात्राओं के माध्यम से
वह अपने आप को बचाने के लिए तीव्र पीड़ा से तड़प रहा था। और उसकी कंपनी को सुरक्षित घर वापस लाएं
उनके लिए व्यर्थ आशा
अपने साथियों के लिए उसने व्यर्थ ही प्रयास किया। उनकी अपनी नासमझी ने ही उन्हें अलग कर दिया।
मूर्ख
मांस के लिए नष्ट करना

परम पूजनीय सूर्य के बैल
इसलिए सूर्य-देव ने मिटा दिया उनके लौटने का दिन
इस कहानी को हमारे लिए जीवंत बनाइए इसके अनेक पहलुओं में
हे प्रेरणा

पुस्तक 1

अब तक बाकी योद्धा, जो समुद्र या युद्ध में तबाही से बच निकले थे, सुरक्षित अपने घर पहुँच चुके थे। केवल ओडीसियस ही रुका रहा, जिसे अप्सरा और साक्षात देवी कैलिप्सो ने अपनी गुफाओं में बंद कर रखा था। वह उसे अपने साथ बिस्तर पर ले जाना चाहती थी, जबकि ओडीसियस अपने घर और पत्नी के लिए तरस रहा था। सच तो यह था कि ऋतुओं के बदलते क्रम ने आखिरकार वह वर्ष ला दिया था जो देवताओं ने उसके इथाका लौटने के लिए निर्धारित किया था; लेकिन वहाँ भी, अपनी प्रिय चीजों के बीच, वह आगे के संघर्ष से नहीं बच सका। समय बीतने के साथ-साथ सभी देवता ओडीसियस के प्रति दयालु हो गए थे - पोसीडॉन को छोड़कर, जिसकी शत्रुता उसके घर पहुँचने तक उसके विरुद्ध जलती रही। हालाँकि, पोसीडॉन इस समय इथियोपियाई लोगों के बीच बहुत दूर था, जो मनुष्यों की अंतिम जाति थी, जिनका फैलाव दुनिया के छोर तक इतना व्यापक था कि उनमें से कुछ सूर्य-देव को उगते हुए देख सकते थे, जबकि अन्य उन्हें अस्त होते हुए देखते थे। पोसीडॉन सैकड़ों बैलों और मेढ़ों की बलि चढ़ाने की आशा में वहाँ गया था; और वहाँ वह आनंदपूर्वक भोज में मग्न था जबकि अन्य देवता ओलंपियन ज़्यूस के महलों में एकत्रित हुए थे। देवताओं और मनुष्यों के पिता ने उनसे बात करना शुरू किया, क्योंकि उनका हृदय महान एगिस्थस के विचारों से भरा हुआ था, जिसे प्रसिद्ध ओरेस्टेस, एगामेम्नन के पुत्र ने मार डाला था।
मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि ये सांसारिक प्राणी हम देवताओं के प्रति कितने नीच हैं, जब वे हम पर उन बुराइयों का आरोप लगाते हैं (जो हमारी सबसे बुरी भविष्यवाणी से भी कहीं अधिक हैं) जो उन्होंने स्वयं अपनी ही अत्यधिक अनैतिकता के कारण झेली हैं। ठीक इसी प्रकार एगिस्थस ने भी हद पार कर दी जब उसने एट्रीड्स की वैध पत्नी के साथ संबंध बनाया और उसके लौटते हुए पति की हत्या कर दी। वह जानता था कि इससे कितना बड़ा विनाश होगा। क्या हमने उसे अपने विश्वसनीय हेर्मेस, आर्गस के पैनी नज़र वाले वधकर्ता, के मुख से यह चेतावनी नहीं दी थी कि वह न तो पुरुष की हत्या करे और न ही स्त्री के शरीर पर ललचाए? “एट्रीस के पुत्र की मृत्यु का बदला ओरेस्टेस लेगा, जब वह

बड़ा होकर अपने जन्मस्थान का सपना देखेगा।” ये हेर्मेस के ही शब्द थे: परन्तु ऐसी मित्रतापूर्ण हस्तक्षेप भी एगिस्थस को नहीं रोक सका, जो अब अंतिम दंड भुगत रहा है।
तत्काल ही निर्मल आँखों वाली देवी एथेना ने उसे अपने पास बुलाया। ‘हे हमारे पिता, क्रोनोस के वंशज, प्रभुओं के प्रभु! उस एगिस्थस को उसके कर्मों का फल मिल गया है। जो भी उसके तरीके से किसी जानवर की बलि देता है, वह उसी प्रकार नरक में जाए! परन्तु मेरा हृदय ओडीसियस के लिए भारी है, जो इतना चतुर, इतना दुर्भाग्यशाली, एक ऐसे द्वीप पर लंबे निर्वासन के कष्टों में तड़प रहा है जो समुद्र की गहराई में बस एक छोटा सा बिंदु है। लहरों से घिरा, वनों से आच्छादित यह द्वीप एक ईश्वर-प्रदत्त प्राणी, भयानक एटलस की पुत्री का राज्य है, जिसके स्तंभ ऊँचे आकाश को सहारा देते हैं: और जिसके ही सागर की सबसे गहरी धाराएँ हैं। पुत्री ने उस अभागे को फँसा लिया है और सूक्ष्म आग्रह से उसे अपने इथाका को भूलने के लिए बहका रही है। भूल जा! ओडीसियस अपने घर के धुएँ के गुबार को देखने की लालसा से इतना व्याकुल है कि वह मृत्यु की प्रार्थना करता है।’ हे ओलंपस के स्वामी, मैं आश्चर्यचकित हूँ कि आपका हृदय इस बात की परवाह नहीं करता। क्या आप ट्रॉय के मैदान में अर्गिव जहाजों द्वारा ओडीसियस द्वारा आप पर अर्पित की गई बलि को आसानी से अनदेखा कर सकते हैं?
बादलों को नियंत्रित करने वाले ज़्यूस ने विरोध करते हुए कहा, “मेरे बच्चे, तुम कितने कठोर निर्णय लेते हो! मानो मैं ओडीसियस की योग्यता को नज़रअंदाज़ कर सकता हूँ, जो सांसारिक ज्ञान और अनंत आकाश में विराजमान देवताओं को उदार भेंट चढ़ाने के कारण अन्य मनुष्यों से अलग है। यह तो संसार के स्वामी पोसीडॉन हैं जो उससे इतने क्रोधित हैं, उस साइक्लोप्स के कारण जिसे ओडीसियस ने अंधा कर दिया था, यहाँ तक कि देवता समान पॉलीफेमस, जो उनका प्रमुख व्यक्ति और पोसीडॉन का पुत्र था: – क्योंकि उसकी माता थूसा (समुद्र के स्वामी फोर्किस की पुत्री) ने चट्टानों के नीचे देवता के साथ संभोग करने के बाद उसे गर्भ धारण किया था। इसी कारण, पृथ्वी को हिलाने वाले पोसीडॉन, यद्यपि वह ओडीसियस को जान से मारने का साहस नहीं करते, कम से कम उसके पूर्वजों की भूमि पर लौटने के हर प्रयास को निर्दयतापूर्वक विफल कर देते हैं।” लेकिन आओ, हम सब मिलकर उस व्यक्ति की वापसी की योजना बनाएं; तब

पोसीडॉन को भी अपना क्रोध पचाना पड़ेगा। अमर देवताओं के समूह के सामने वह अकेला नहीं टिक सकता।
स्पष्ट दृष्टि वाली देवी एथेन ने उत्तर दिया और कहा: “हे सर्वशक्तिमान
और स्वामी क्रोनाइड्स, यदि वास्तव में अकल्पनीय देवता अब यह उचित समझते हैं कि बुद्धिमान ओडीसियस को लौटना चाहिए, तो आइए हम अपने दूत, आर्गस के वधकर्ता, हर्मेस को बुलाएँ और उसे सीधे ओगिगिया, उस सुंदर बालों वाली अप्सरा के द्वीप पर भेजें: ताकि उसे चेतावनी दी जा सके कि यह हमारा निश्चय है कि निडर को तुरंत घर लौटने की अनुमति दी जाए। मैं स्वयं इथाका जाऊँगी और उसके पुत्र टेलीमाकस को जगाऊँगी, उसके मन में कुछ दृढ़ संकल्प उत्पन्न करूँगी, ताकि वह अपने उत्कृष्ट यूनानी साथियों को परिषद में बुलाए और अपनी माता पेनेलोप को घेरने वाले प्रेमार्थियों के समूह को रोके, जबकि वे उसकी रसीली भेड़ों और लचकदार सींग वाले बैलों के धन का वध कर रहे हैं।” मैं उस युवक को स्पार्टा भेजूंगा – हाँ, और रेतीले पाइलोस में – ताकि वह रास्ते में मिलने वालों से अपने प्रिय पिता की वापसी की खबर पूछे: ऐसा नहीं है कि उसे कुछ सुनने को मिलेगा, बल्कि उसकी लगन उसे लोगों के बीच प्रतिष्ठा दिलाएगी।
वह रुकी और अपने पैरों में वे सुनहरे सैंडल पहने (जिनकी सुंदरता किसी
भी उपयोग से फीकी नहीं पड़ सकती थी) जो उनकी स्वामिनी को लहरों पर उतनी ही सहजता और तेज़ी से ले जाते थे जितनी असीम पृथ्वी पर। उसने अपना रक्षक भाला थाम लिया, जो विशाल, भारी और बारीक नक्काशी वाला था, जिसकी नोक पर पीतल लगा हुआ था। जब क्रोध देवी को कार्य करने के लिए प्रेरित करता था, तो यह भाला उसका हथियार होता था: इसके बल पर और अपने जन्म के गौरव से प्रेरित होकर, वह सबसे बहादुर योद्धाओं की कतारों को भी भयभीत कर देती थी। अब वह ओलंपस के शिखर से नीचे उतरी और ओडीसियस के घर के सामने, मुख्य द्वार की चौखट पर, इथाका में उतरी। मुट्ठी में उस युद्ध भाले के साथ वह किसी आतिथ्य सत्कार की तलाश में आए यात्री जैसी लग रही थी: उसका रूप टैफोस के सरदार मेंटेस जैसा था।
द्वार पर अहंकारी दूल्हों की भीड़ उमड़ी हुई थी, जिनका तात्कालिक आनंद मारे और खाए गए बैलों की खालों पर शतरंज खेलना था। उनके चारों ओर उनके उद्घोषक और फुर्तीले सेवक चहलकदमी कर रहे थे, कुछ पीने के लिए तैयार प्यालों में शराब और पानी मिला रहे थे, कुछ नरम स्पंज से मेजों को पोंछ रहे

रोटी भर दी जबकि नौकरों ने शराब के कुंडों को पेय से भर दिया। हर किसी का हाथ उस भरपूर भोजन की ओर बढ़ गया जो सबके लिए तैयार था।
लेकिन जब उनकी खाने-पीने की लालसा शांत हो गई, तो वे लोग दूसरी बातों
में रुचि लेने लगे; गाने और नाचने में, जो किसी भी दावत की शोभा बढ़ाते हैं। प्रबंधक फेमियस के लिए एक बहुत ही सुंदर वीणा लेकर लौटा, जिसे मजबूरी में उनके लिए गीत गाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसने तारों पर हाथ फेरते हुए एक मधुर धुन बजाई, जिसकी आड़ में टेलीमाकस ने निर्मल दृष्टि वाली एथेन की ओर झुककर धीरे से कहा, ताकि बाकी लोग न सुन लें: –
आदरणीय अजनबी, क्या मेरे शब्दों से आपको ठेस पहुंचेगी? उम्मीद है ऐसा
न हो। ये लालची कीड़े, जो दूसरों की रोजी-रोटी को खुलेआम हड़प लेते हैं, अब संगीत और कविता में मग्न हैं। सचमुच खुलेआम, बिना किसी रोक-टोक के! आह, अगर उन्हें इथाका लौटते हुए गुरु की एक झलक भी मिल जाती, तो वे सोने या वस्त्रों के धन की बजाय तेज दौड़ने की शक्ति के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते। लेकिन अफसोस, आज बारिश में किसी खेत में उनकी हड्डियां सफेद पड़ रही हैं: या लहरें उन्हें खारे गहरे पानी में बहा ले जा रही हैं। हां, उनकी मृत्यु भयानक रूप से हुई है: और अगर धरती का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति भी हमें बताए कि वह घर लौट रहा है, तो भी हमारे दिलों में आशा की कोई किरण नहीं जगेगी। उनके लौटने का सूरज पूरी तरह डूब चुका है।
बस करो ये सब – इसके बजाय, कृपया मुझे बताइए कि आप कौन हैं, किस राज्य और वंश के हैं? मुझे लगता है कि आप जहाज से आए हैं; क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि आपको ज़मीन से कोई रास्ता नहीं मिला। लेकिन वे नाविक कौन थे जिन्होंने आपको इथाका में उतारा, या यूँ कहें कि उन्होंने खुद को क्या बताया? मैं ये सब इसलिए पूछ रहा हूँ ताकि मुझे यकीन हो जाए कि आप सचमुच नए आए हैं और पहली बार हमारी मेहमाननवाज़ी का लुत्फ़ उठा रहे हैं, न कि मेरे पिता द्वारा हमारे यहाँ भेजे गए मेहमान हैं: क्योंकि आप जानते हैं कि वे इतने बड़े यात्री थे कि हमारे घर में हर देश से उनके परिचितों की भीड़ उमड़ती रहती है।
तब निर्मल आँखों वाली देवी ने कहा, “मैं तुम्हारे सभी प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर दूंगी। मेरा नाम मेंटेस है। मेरे पिता एंचियालस एक प्रख्यात योद्धा थे। मैं ताफोस द्वीप के चप्पू प्रेमी निवासियों की नेता हूँ। मैं अपने जहाज और दल के साथ यहाँ रुकी हूँ, शराब जैसे गहरे रंग के समुद्र को

पार करते हुए टेमेसा जा रही हूँ, जहाँ हम चमकदार लौह अयस्क के माल का उन विदेशी भाषा बोलने वाले लोगों के तांबे के बदले व्यापार करने की आशा करते हैं। मेरा जहाज शहर से काफी दूर, रीथ्रोन में, उस एकांत खाड़ी में खड़ा है जो वृक्षों से आच्छादित नीयन के नीचे स्थित है।”
हमारे परिवारों के बीच मित्रता और मेहमाननवाज़ी की एक लंबी परंपरा है, जिसकी पुष्टि फादर लाएर्टेस आपसे पूछने पर स्वयं करेंगे: हालाँकि मुझे बताया गया है कि बढ़ती उम्र की कमज़ोरी के कारण अब वे शहर नहीं आते। इसलिए वे अपने एकांत अंगूर के बाग में, व्यवस्थित सीढ़ियों पर लगे अंगूर के पौधों के बीच समय बिताते हैं: बूढ़ा व्यक्ति धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए, अंगूरों को संजोते हुए ऊपर-नीचे चलता है, जब तक कि बुढ़ापे की कमज़ोरी एक बार फिर उसे बुरी तरह जकड़ नहीं लेती। तब वे आराम करते हैं, और उनकी इकलौती परिचारिका, बूढ़ी औरत, उन्हें पौष्टिक भोजन और पेय पदार्थ परोसती है।
और मेरे इस वर्तमान दौरे का कारण क्या है? क्योंकि मैंने सुना है कि वह लौट आया है। मेरा मतलब है तुम्हारे पिता: क्योंकि निश्चिंत रहो कि अद्भुत ओडीसियस किसी भी तरह से पृथ्वी से लुप्त नहीं हुआ है: हालांकि ऐसा लगता है कि देवता अभी भी उसे उसके लौटने के मार्ग में रोके हुए हैं। और इसलिए (यद्यपि मैं पेशे से भविष्यवक्ता नहीं हूँ, न ही पक्षियों के संकेतों का ज्ञाता हूँ), इसलिए मैं तुम्हें वह भविष्यवाणी बताने जा रहा हूँ जो अमर देवताओं ने मेरे हृदय में डाली है और मेरा विश्वास बना दिया है: – अर्थात्, ओडीसियस के अपने जन्मस्थान पर लौटने का दिन निकट है। हो सकता है कि वह विशाल समुद्र से घिरे किसी छोटे से द्वीप में कैद हो: या किसी असभ्य जनजाति ने उसे कैद कर रखा हो। लेकिन केवल कुछ समय के लिए। वह निश्चित रूप से भागने का रास्ता खोज लेगा, चाहे वे उसे शुद्ध लोहे की बेड़ियों में जकड़ लें। वह अपने उपायों में स्वयं उर्वरता है। – अब मुझे कुछ स्पष्ट रूप से बताओ, जैसा मैंने तुम्हें बताया है। क्या तुम सचमुच ओडीसियस के पुत्र हो, तुम जो इतने सुगठित शरीर वाले हो? तुम्हारा सिर और सुंदर आँखें बिल्कुल वैसी ही हैं जैसी मुझे हमारी पुरानी संगति में याद हैं; क्योंकि हम उन दिनों में बहुत साथ रहे थे जब वह यूनान के सभी वीरों के साथ खोखले जहाजों में ट्रॉय के लिए रवाना होने से पहले थे; उसके बाद से हमारी मुलाकात नहीं हुई है।
टेलीमाकस ने सावधानी से उत्तर दिया: “हाँ, मेरे मित्र, आपको यह बात स्पष्ट रूप से पता चल जाएगी। मेरी माँ कहती है कि मैं उनका पुत्र हूँ:

स्वयं मैं नहीं जानता। क्या कोई मनुष्य अपने जन्मदाता के बारे में कभी निश्चित हो पाया है? काश मैं किसी साधारण माता-पिता की संतान होता, जिन्हें बुढ़ापे ने प्रकृति के शांत क्रम में अपनी अवस्था में आरोहण कर लिया होता! लेकिन जैसा कि आप इस पर जोर दे रहे हैं, वे मुझे उस सबसे अनिश्चित भाग्य वाले व्यक्ति की संतान मानते हैं जो मृत्यु के लिए पैदा हुआ था।”
एथेन ने उससे एक और सवाल पूछा। ‘मुझे लगता है जब पेनेलोप ने इतने सुंदर पुत्र को जन्म दिया, तो इसका मतलब था कि देवताओं ने तुम्हारे वंश के लिए कोई अनाम भविष्य नहीं चुना था। लेकिन मुझे फिर से सच बताओ। यह कौन सा उत्सव या दावत जैसा कार्यक्रम है जो हमारे चारों ओर चल रहा है? इसमें तुम्हारी क्या भूमिका है? क्या यह शराब पीने का कार्यक्रम है या किसी तरह का विवाह? कोई भी समूह इतना अभद्र नहीं हो सकता। अगर कोई सभ्य व्यक्ति गलती से भी यहाँ आ जाए, तो तुम्हारे घर में उनके द्वारा की जा रही इस बेहूदगी को देखकर घृणा से पागल हो सकता है।’
टेलीमाकस ने गंभीरता से उसे उत्तर दिया, “अजनबी, चूंकि तुम इस बारे में
भी पूछताछ कर रही हो और मुझसे पूछ रही हो, तो मुझे स्वीकार करना होगा कि जब मेरे पिता स्वामी थे, तब हमारा घर समृद्ध और सुसज्जित प्रतीत होता था। लेकिन देवताओं ने इसे बिल्कुल अलग ही ढंग से तय किया जब उन्होंने उन्हें अभूतपूर्व निर्ममता से अपने पास बुला लिया। यदि उनकी स्पष्ट मृत्यु हो गई होती तो मुझे इतना दुख नहीं होता: सबसे बढ़कर, यदि वे अपने साथियों के साथ ट्रॉय के मैदान में अपने मित्रों की बाहों में, युद्ध के चरम पर पहुँचने के बाद, शहीद हुए होते। तब यूनानियों का समुदाय उनकी समाधि बनाने के लिए एकजुट हो जाता और उनकी वीरता का यश (उनके पुत्र के लिए) एक गौरवशाली, बढ़ती हुई विरासत बन जाता।”
इसके बजाय, वह पल भर में ही घोर सन्नाटे में गायब हो गया, मानो हवा के
पंख वाले शिकारी, हार्पीज़, उसे अपने शून्य में खींच ले गए हों: और मैं दर्द से रो रही हूँ। और मैं केवल उसके दर्द के लिए ही नहीं रो रही हूँ। देवताओं ने मेरे लिए और भी बुराइयाँ रची हैं। द्वीपों के हर प्रभावशाली व्यक्ति, डौलिचियन, सैमे और जंगलों के ज़ैकिंथोस से लेकर इस बीहड़ इथाका के हर व्यक्ति तक – सभी, सभी मेरी माँ को रिझाने आए हैं। ऐसा लगता है कि वह न तो इन भयानक प्रस्तावों को पूरी तरह से अस्वीकार कर सकती है और न ही उनमें

से किसी को स्वीकार कर सकती है। इसलिए वे यहाँ बैठे हैं, हमेशा के लिए मेरी संपत्ति को खा रहे हैं और घर को तहस-नहस कर रहे हैं। निश्चित रूप से जल्द ही वे मुझे भी खा जाएँगे।
एथेन ने उसकी बात सुनी और फिर गुस्से से बोली, “यह तो शर्मनाक कहानी है! ओडीसियस की सख्त ज़रूरत है, ताकि वह इन नीच दावेदारों को सबक सिखा सके। काश, वह अभी बाहरी द्वार पर सीधा खड़ा हो, हेलमेट पहने, ढाल और दो भाले लिए, ठीक उसी रूप में, जैसा मैंने उसे पहली बार हमारे घर में आते देखा था जब वह एफ़िरा से लौटते समय आया था। वह अपने युद्धपोत में बैठकर मर्मेरस के पुत्र इलस से कुछ घातक ज़हर लेने गया था, जिसे वह अपने तीरों के कांसे के सिरों पर लगाना चाहता था। इलस शाश्वत देवताओं को नाराज़ करने से डरता था और उसने उसे ज़हर देने से इनकार कर दिया। इसलिए मेरे पिता ने, अपने अपार प्रेम में, उसे ज़हर दिया। काश, वही ओडीसियस जिसे हम जानते थे, आज इन दावेदारों के बीच घुस आता! सचमुच, उनका मिलन कड़वा होगा और उनका बदला अचानक तीखा होगा। लेकिन ये सब बातें देवताओं के हाथों में हैं, वही तय करेंगे कि वह उनके महलों में फिर से प्रवेश करके बदला लेगा या नहीं।”
अतः मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम गंभीरतापूर्वक विचार करो कि तुम स्वयं ही इन दूल्हों को घर से कैसे निकालोगी। मेरी इस योजना को ध्यान से सुनो, जिसे मैं तुम्हें सुझाना चाहता हूँ। कल सभी यूनानी सरदारों को इकट्ठा करो। उनसे स्पष्ट रूप से कहो, देवताओं को साक्षी बनाकर, कि तुम क्या आदेश देती हो: पहला, कि सभी दूल्हों को उनके स्थान पर भेज दिया जाए; और दूसरा, कि तुम्हारी माता (यदि उनका स्वभाव अभी भी विवाह की ओर है) अपने शक्तिशाली पिता के महल में चली जाएँ। वहाँ वे ही उनके लिए नया रिश्ता तय करेंगे, भारी करों का प्रबंध करेंगे और विवाह समारोहों का आयोजन करेंगे जो एक प्रिय पुत्री के विवाह के लिए उपयुक्त हों।
‘आपका एक निजी कर्तव्य शेष है, जिसके बारे में मुझे कुछ कहना है, यदि आप सुनना चाहें। अपने लिए बीस नाविकों वाला एक जहाज़ लें, जो सबसे अच्छा जहाज़ हो सके। इसमें सवार होकर अपने लंबे समय से लापता पिता का पता लगाने के लिए निकलें। भले ही कोई मनुष्य आपको कुछ न बताए, फिर भी कौन जानता है कि शायद आपके मन में वह दिव्य प्रेरणा आ जाए जिसके द्वारा ज़्यूस अक्सर मनुष्यों को सत्य का आभास देता है। सबसे पहले पाइलोस जाएँ और वहाँ के पूजनीय नेस्टर से परामर्श लें; फिर वहाँ से स्पार्टा जाएँ जहाँ आपको भूरे

बालों वाला मेनेलास मिलेगा, जो ट्रॉय से लौटने वाले सभी कवचधारी अचेयनों में सबसे अंतिम था। यदि आपको पता चले कि आपके पिता जीवित हैं और घर की ओर मुँह किए हुए हैं, तो इस दुख भरे परिवार के साथ एक और वर्ष सहने के लिए अपने धैर्य को मजबूत करें। लेकिन यदि आपको पता चले कि वे अब नहीं रहे – कि वे निश्चित रूप से मर चुके हैं – तो लौटें और उनके नाम पर एक टीला बनाएँ, एक महान शहीद योद्धा के लिए उचित अनुष्ठान और संस्कार के साथ: जिसके बाद आप स्वयं उनकी विधवा, अपनी माँ को किसी पुरुष को पत्नी के रूप में सौंप दें।’ ‘पहले ये बातें। फिर भी, अपने घर में इन दूल्हों को हराना तुम्हारा लक्ष्य और जुनून होना चाहिए, चाहे निष्पक्ष लड़ाई से हो या छल से। बचकानापन अब तुम्हारी उम्र को शोभा नहीं देता: इसे त्याग दो। मेरे मित्र (मैं तुम्हें मित्र कहना चाहता हूँ, क्योंकि तुम शरीर से पुरुष हो और रूप से भी पूर्ण पुरुष हो), मेरे मित्र, साहसी बनो, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ तुम्हारा नाम गौरवान्वित करें। युवा ओरेस्टेस और उस सम्मान पर विचार करो जो उसने अपने पिता के हत्यारे, धूर्त और रक्तपिपासु एगिस्थस को मृत्युदंड देकर सभी के मुँह से जीता है, जिसने महान एगामेम्नन को फँसाया था। बस इतना ही – मुझे अपने तेज़ जहाज़ पर लौटना होगा: उसका इंतज़ार कर रहा दल नाराज़ होगा क्योंकि मैंने उन्हें इतनी देर तक रोके रखा है। बस एक विदाई का शब्द – जो मैंने कहा है, उसे तुरंत और पूरी लगन से करो।’
ध्यानपूर्वक टेलीमाकस ने उत्तर दिया, “महोदय, आपने मुझे जो सलाह दी है,
वह एक पिता की अपने पुत्र के प्रति कृपा के समान है, और मैं इसे सदा कृतज्ञतापूर्वक याद रखूंगा। लेकिन मैं आपसे निवेदन करता हूं, चाहे आपका काम कितना भी जरूरी क्यों न हो, कृपया स्नान करके तरोताजा होने तक अपनी यात्रा स्थगित कर दें। फिर प्रसन्न मन से अपने जहाज पर जाएं, और मेरे द्वारा दिया गया एक उपहार अपने हाथ में ले जाएं: क्योंकि यह एक ऐसा अनमोल उपहार होगा जो आपको मेरी याद दिलाता रहेगा: कोई ऐसा सुंदर खजाना जो केवल एक सच्चा मित्र ही अपने मित्र को देता है।”
स्पष्ट दृष्टि वाली देवी एथेना ने उसे मना कर दिया। ‘मुझे रोकने की
कोशिश मत करो। मैं अपने रास्ते पर चलना चाहती हूँ। जहाँ तक इस उपहार की बात है, जो तुम्हारी मित्रतापूर्ण रुचि के कारण आया है, इसे वापसी यात्रा पर मेरा होने दो, जब मैं इसे सीधे घर ले जा सकूँगी। अपना सबसे कीमती उपहार चुन लो। बदले में मैं तुम्हें जो दूँगी, वह इसके बराबर होगा’ – और इतना कहकर वह

अचानक और मायावी ढंग से, जैसे कोई समुद्री पक्षी चला जाता है, चली गई; उस युवक को उत्साह और दृढ़ निश्चय से भरा हुआ और अपने पिता के प्रति पहले से कहीं अधिक सजग छोड़कर। टेलेमाकस, जब उसने अपने मन में यह परिवर्तन महसूस किया, तो चकित रह गया। उसे यह विश्वास हो गया कि उसकी आगंतुक किसी न किसी रूप में दिव्य थी। तदनुसार, जब वह एक बार फिर दूल्हों के बीच गया, तो उसकी चाल में देवत्व झलक रहा था।
उस श्रोताओं के लिए महान गायक अभी भी गा रहे थे; और वे चारों ओर बैठे उस गीत को ध्यान से सुन रहे थे जो पल्लास एथेन द्वारा ट्रॉय गए यूनानियों पर लगाए गए दुखद दंड का वर्णन कर रहा था। ऊपरी मंजिल पर, इकारियस की अत्यंत सतर्क पुत्री पेनेलोप, गायक के गीतों के कुछ अंश सुन रही थी। उसकी बुद्धि ने उन्हें जोड़कर उनका अर्थ समझा। वह अपने कमरे से ऊँची सीढ़ियों से नीचे उतरी और विशाल हॉल में प्रवेश किया; वास्तव में वह अकेली नहीं थी, क्योंकि दो स्त्रियाँ हमेशा उसके पीछे-पीछे चलती थीं। इस प्रकार, मनुष्यों के बीच एक भव्य देवी की तरह, वह उन दूल्हों के पास उतरी: और वहाँ रुक गई जहाँ पहला विशाल स्तंभ छत को सहारा दे रहा था। उसने अपने चेहरे को ढकने के लिए अपने कोमल घूंघट की एक तह को ऊपर उठाया; और हमेशा सतर्क रहने वाली दासियों ने उसे दोनों ओर से घेर लिया। वह इस प्रकार खड़ी रही और तब तक रोती रही जब तक उसे उस प्रतिभाशाली गायक को संबोधित करने के लिए शब्द नहीं मिल गए। ‘फेमियस,’ वह रोते हुए बोली, ‘क्या तुम्हें लोगों को लुभाने वाले और भी
कई मधुर गीत नहीं आते? ऐसे गीत जिनमें कवियों ने देवताओं या मनुष्यों के महान कार्यों का गुणगान किया है? यहाँ, इस समूह में बैठकर, जो चुपचाप बैठकर शराब पीते और सुनते रहेंगे, उनमें से एक गीत गाओ। लेकिन इस दुख भरी कहानी को छोड़ दो: इसका दुःख मेरे हृदय को धीरे-धीरे पिघला रहा है; क्योंकि तुम उस घटना का वर्णन कर रहे हो जिसने मुझ पर – सभी स्त्रियों में सबसे अधिक मुझ पर – यह असहनीय पीड़ा ला दी है। मेरी स्मृति उस प्रिय सिर के लिए लगातार तड़पती रहती है। हे मेरे खोए हुए वीर! जिसकी महिमा हेलास और आर्गोस, यानी धरती के हृदय में फैली हुई थी!’
टेलेमाकस ने शालीनता से उसकी बात काट दी। ‘माँ, इसमें बुरा क्यों मानना कि हमारा भरोसेमंद गायक अपनी इच्छा अनुसार हमारा मनोरंजन करे? मेरा मानना है कि कवियों के बस की बात नहीं है, बल्कि ज़्यूस ही है जो मनुष्यों को, सृष्टिकर्ता को, अपनी इच्छा से उनका भाग्य देता है: डैनियनों के कठोर

भाग्य से संगीत निकालने के लिए फेमियस के विरुद्ध हमारे पास कोई कारण नहीं है। भीड़ हमेशा उस गीत की प्रशंसा करती है जो उसके कानों को सबसे मधुर लगता है। इस कहानी को सुनने के लिए अपने हृदय और मन को कठोर कर लो। याद रखो कि ओडीसियस अकेला नहीं था जो ट्रॉय में अपनी वापसी के दिन पूरी तरह हार गया था। कई और लोग थे, जिन्होंने ट्रॉय में अपना अस्तित्व ही खो दिया था। इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि घर के अपने हिस्से में वापस जाओ और अपने उचित कार्य में लग जाओ, करघे और तकली के साथ, और अपनी दासियों को उनके कार्यों की देखरेख करने में।’ ‘बोलने की जिम्मेदारी पुरुषों की होगी, और विशेष रूप से मेरी, क्योंकि इस घर का सारा अधिकार मेरे पास है।’ वह आश्चर्यचकित होकर सीढ़ियों से ऊपर चली गई, अपने बेटे के इस शक्तिशाली वचन को मन में दबाए हुए। लेकिन जब वह अपनी नौकरानियों के साथ ऊपरी मंजिल पर लौटी, तो वह अपने खोए हुए पति ओडीसियस के लिए रोने लगी, और तब तक रोती रही जब तक कि धूसर आँखों वाली देवी एथेना ने उसकी पलकों पर दया भरी नींद नहीं ला दी।
उसकी पीठ पीछे, शाम के धुंधलके में बने हॉल में चाहने वाले शोर मचाने
लगे, हर कोई ज़ोर-ज़ोर से कसम खा रहा था कि उसे ही उसकी शयनकक्ष पर सोने का सौभाग्य प्राप्त होगा। लेकिन उन सभी से शांत भाव से टेलीमाकस ने कहा, “मेरी माँ के चाहने वालों और दुष्ट बदमाशों: आज रात हम सब इकट्ठा होकर दावत करें: लेकिन कृपया शोर न मचाएँ, ताकि इस दिव्य स्वर वाली गायिका को सुनने का हमारा सौभाग्य भंग न हो। कल मैं चाहता हूँ कि हम सब जल्दी सभा में चलें और वहाँ बैठ जाएँ। मुझे इस घर को छोड़ने के विषय पर अपने दिल की बात खुलकर और बिना किसी संकोच के कहनी है: और यह सुझाव देना है कि आप अपने उन भोज कक्षों को याद रखें जहाँ आप अपना खाना खाते हैं और बारी-बारी से एक घर से दूसरे घर जाकर दावत करते हैं। लेकिन अगर आपको एक अकेले आदमी की सारी संपत्ति को बिना किसी दंड के और मुफ्त में बर्बाद करना ज़्यादा उचित और आनंददायक लगता है, तो फिर बर्बाद हो जाओ! मैं केवल देवताओं से – शाश्वत देवताओं से – प्रार्थना करूँगा कि ज़्यूस शायद मुझे इसका दंड दे।” ऐसे में तुम सब इस घर में बिना किसी सजा के और बिना किसी कारण के नष्ट हो जाओगे।' तो उसने बोलना शुरू किया: और वे टेलीमाकस के इतने साहस से उन्हें ताना मारने की हिम्मत देखकर अपने आश्चर्य को दांतों से दबा लेते हैं। अंत में यूपेइथेस के पुत्र एंटिनस ने उत्तर देने का बीड़ा उठाया। 'अरे, टेलीमाकस, ये देवता ही तो तुम्हें बोलने की स्वतंत्रता और तीखे ताने मारने की कला

सिखा रहे होंगे! फिर भी मुझे संदेह है कि ज़्यूस कभी तुम्हें समुद्र से घिरे इथाका का राजा बनाएगा, भले ही यह पद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार ही क्यों न हो।'
टेलेमाकस ने संयम से कहा, “एंटीनस, मेरी बातों को गलत मत समझो। अगर ज़्यूस चाहता तो मैं यह ज़िम्मेदारी भी सहर्ष स्वीकार कर लेता। क्या तुम यह कहना चाहते हो कि यह हम मनुष्यों के बीच होने वाली सबसे बुरी बात है? मैं तुम्हें बता दूं कि राजा बनना इतना बुरा भाग्य नहीं है: एक राजपरिवार जल्दी ही समृद्ध हो जाता है और राजा सम्मान अर्जित करता है। लेकिन, चूंकि शक्तिशाली ओडीसियस मर चुका है, इसलिए निश्चित रूप से यह शासन इथाका की भूमि पर व्याप्त युवा और वृद्ध राजाओं के समूह में से किसी एक को मिलेगा। मेरा संकल्प और लक्ष्य इसी राजपरिवार से जुड़ा है – इस राजपरिवार का स्वामी बनना और इसके उन दासों का स्वामी बनना जिन्हें ओडीसियस ने अपने विजय अभियानों से गुलाम बनाकर यहाँ लाया था।”
तब पॉलीबस के पुत्र यूरिमाकस ने अपनी बात रखी। ‘टेलेमाकस, इस द्वीप पर कौन सा यूनानी शासक बनेगा, यह देवताओं के हाथ में है। फिर भी, निःसंदेह, तुम अपनी संपत्ति के स्वामी रहोगे और अपने घरों पर तुम्हारा पूरा अधिकार होगा: और जब तक इथाका में कोई निवासी है, तब तक कोई भी तुम्हारी इच्छा के विरुद्ध आकर तुम्हें जबरदस्ती इनसे वंचित नहीं कर सकता। परन्तु मेरे प्यारे बालक, मुझे तुम्हारे उस आगंतुक के बारे में कुछ पूछना है जो इतनी अचानक चला गया कि हममें से किसी को भी उसे पहचानने का समय नहीं मिला। फिर भी उसका चेहरा किसी साधारण व्यक्ति का नहीं था। वह कहाँ से आया था और उसने किस देश को अपना बताया? उसके रिश्तेदार कहाँ रहते हैं और उसके परिवार के अनाज के खेत कहाँ हैं? क्या वह तुम्हारे पिता की खबर लेकर आया था, या अपने किसी निजी काम से?’
टेलीमाकस ने दबे स्वर में उसे आश्वस्त किया: ‘यूरिमाकस, मेरे पिता के लौटने का समय बहुत पहले ही बीत चुका है। अब मैं उनके बारे में किसी भी संदेश पर विश्वास नहीं करता, चाहे उसका स्रोत कुछ भी हो। न ही मैं किसी भविष्यवाणी पर विश्वास करता हूँ: हालाँकि मेरी माँ कभी-कभी किसी प्रसिद्ध ज्योतिषी को महल में बुलाकर उससे भविष्यवाणी करवा सकती हैं। जहाँ तक उस अजनबी की बात है, वह टैफोस का हमारे परिवार का एक पुराना मित्र है जिसका नाम मेंटेस है, जिसके पिता वृद्ध और बुद्धिमान एंचियालस थे। मेंटेस

समुद्री यात्रा करने वाले टैफियनों में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है।’ उसने ऐसा कहा: लेकिन टेलीमाकस मन ही मन अमर देवी पर विश्वास करता था। फिर भी, सभी प्रेमी नृत्य और मनमोहक गीत में मग्न हो गए, शाम ढलने तक आनंद मनाते रहे; और वे तब तक जश्न मनाते रहे जब तक शाम ढल कर रात में नहीं बदल गई। फिर उन्हें नींद आने लगी और वे सब अपने-अपने घर चले गए।
टेलेमाकस का मन कई बातों को लेकर उलझन में था, और वह अपने कमरे में अपना पलंग ढूंढ रहा था, जो मुख्य भवन के सबसे ऊंचे हिस्से में बना था, जो ग्रामीण इलाके की एक भव्य इमारत थी। पेइसेनोर के पुत्र ओप्स की पुत्री यूरिक्लेया, चीड़ की जलती हुई लकड़ियों से उसका मार्ग रोशन करते हुए उसके साथ थी। यूरिक्लेया भरोसेमंद और कुशल थी, जिसे जवानी में ही लेर्टेस ने अपनी अपार संपत्ति में से बीस बैलों के बदले खरीद लिया था। घर में लेर्टेस उसे अपनी प्रिय पत्नी के समान मानता था, लेकिन अपनी पत्नी के क्रोध के डर से कभी उससे शारीरिक संबंध बनाने की हिम्मत नहीं करता था। सभी नौकरों में यूरिक्लेया ही टेलेमाकस से सबसे अधिक प्रेम करती थी, क्योंकि उसने बचपन में उसकी देखभाल की थी। इसलिए उसी ने उसे उसके सुसज्जित कमरे तक पहुंचाया। उसने दरवाज़े खोल दिए और सोफे पर बैठ गया। वहाँ उसने अपना लंबा, शरीर
से चिपका हुआ कुर्ता उतारा, जिसे बूढ़ी औरत ने अपने कुशल हाथों में लेकर तह किया और चिकना कर दिया, फिर उसे उसके नक्काशीदार, जड़ाऊ पलंग के बगल में कपड़े टांगने वाले खूंटे पर टांग दिया। फिर वह कमरे से बाहर निकल गई, चांदी की चोंच जैसे हैंडल से दरवाज़ा खींचकर और चमड़े की डोरी से कुंडी लगाकर। और टेलीमाकस पूरी रात वहीं लेटा रहा, उत्तम ऊन में लिपटा हुआ, मन ही मन सोचता रहा कि वह एथेन द्वारा उसे सौंपी गई यात्रा कैसे पूरी करेगा।

पुस्तक 2

जैसे ही सुबह की पहली धुंधली रोशनी छटी, ओडीसियस का प्रिय पुत्र बिस्तर से उठा, कपड़े पहने, अपनी तलवार का पट्टा कंधे पर डाला और अपने फुर्तीले पैरों में कीमती सैंडल बाँधे: किसी देवता की तरह भव्य होकर वह अपने शयनकक्ष से बाहर निकला। उसी क्षण उसने अपने दूतों को बुलाया और उन्हें लंबे बालों वाले अचेयनों की सभा में अपनी बुलंद आवाज़ से सूचना देने को कहा। उसके आदेशानुसार दूतों ने सूचना दी और अचेयन शीघ्रता से एकत्रित हो गए। टेलीमाकस ने तब तक प्रतीक्षा की जब तक सभी लोग अपनी-अपनी जगह पर नहीं आ गए और फिर, अपने तांबे के भाले को कसकर पकड़े हुए, वह भीड़ के बीच से होकर गुजरा। उसके साथ केवल उसके दो फुर्तीले कुत्ते थे, लेकिन एथेना ने उसके रूप को इतनी भव्य महिमा से भर दिया कि उसके आते ही भीड़ की निगाहें उस पर टिक गईं। बुजुर्गों ने उसे रास्ता दिया और उसने उसे अपने पिता की विशाल कुर्सी पर बैठा दिया।
बहस की शुरुआत आदरणीय एजिप्टियस ने की, जो दस हजार तरकीबों में माहिर
एक वृद्ध सलाहकार थे, जिनकी उम्र ने उन्हें दुगना कर दिया था। वे बोलने के लिए जल्दी में थे क्योंकि उनका प्रिय पुत्र, भाले चलाने में कुशल एंटिफोस, ओडीसियस के साथ विशाल जहाजों में इलियोस चला गया था, जो अच्छे घोड़ों का देश था। सच तो यह है कि एंटिफोस अब मर चुका था, जिसे साइक्लोप्स ने गुफा में बेरहमी से मार डाला था, जिसने उसे पकाकर अपने अंतिम भोज में खा लिया था। एजिप्टियस के तीन और पुत्र थे। उनमें से एक, यूरिनोमस, ने भी विवाह के प्रस्ताव देने वालों का साथ दिया था; और दो घर की देखभाल करते हुए खेती- बाड़ी में मदद करते थे: लेकिन इन सब बातों से भी उस बूढ़े व्यक्ति का आंतरिक दर्द और उसके न लौटने पर बाहरी विलाप शांत नहीं हुआ। इसलिए अब वे उठे और आँसुओं के बीच बोले: –
“अब सुनो, हे इथाका के लोगो, और मेरी बात ध्यान से सुनो। जिस दिन से शक्तिशाली ओडीसियस अपने मजबूत जहाजों में हमारे यहाँ से रवाना हुआ, तब से हमारी सभा कभी नहीं हुई। अब हमारा संयोजक कौन है? क्या नई पीढ़ी का कोई

व्यक्ति अत्यंत जल्दबाजी में है? या हम बुजुर्गों में से कोई? शायद कोई सेना आ रही है, जिसके बारे में किसी को चेतावनी मिली है और वह हमें अपना निश्चित ज्ञान देना चाहता है? या क्या यह कोई ऐसा मामला है जो जनहित से जुड़ा है, जिसे वह प्रकट और स्पष्ट करना चाहता है? खैर, मुझे लगता है कि उसका उत्साह समय पर है: आशा है कि घटना उसके पक्ष में हो, और ज़्यूस उसे वह शुभ वस्तु प्रदान करे जिसके लिए उसकी आत्मा तरसती है।” – यहाँ तक: और ओडीसियस का प्रिय पुत्र इस शुभ वाक्य से प्रसन्न हुआ। अपने मन की बात कहने की तीव्र इच्छा ने उसे सभा के बीच में खड़ा कर दिया। सार्वजनिक आचरण में निपुण पेइसेनोर दूत ने उसके हाथों में वह हथौड़ा थमा दिया जिससे बोलने का अधिकार मिलता था: और टेलीमाकस ने बोलना शुरू किया, सबसे पहले उसने बुजुर्ग पार्षद को संबोधित किया।
आदरणीय महोदय, जनता को सभा में बुलाने वाला व्यक्ति अधिक दूर नहीं है। वह यहीं, आपकी आँखों के सामने खड़ा है। मैं अपने कष्टों के बोझ तले दबकर कार्रवाई करने के लिए विवश हूँ। मुझे किसी सेना के आने की कोई सूचना नहीं है, न ही कोई अग्रिम सूचना या विशेष समाचार है जो इससे या आम जनता से संबंधित हो। आवश्यकता, प्रेरणा, व्यक्तिगत है। मुझ पर और मेरे घर पर दोहरी विपत्ति आ पड़ी है। मैंने अपने महान पिता को खो दिया है जो कभी आपके राजा थे, यहाँ उपस्थित सभी के राजा थे; साथ ही मेरे अत्यंत सौम्य पिता भी थे। और इस क्षति के ऊपर कहीं अधिक गंभीर क्षति आई है, जो मेरे घर के शीघ्र ही नष्ट होने और मेरी आजीविका के पूर्ण विनाश का संकेत देती है।
मेरी अनिच्छुक माँ को कई दूल्हों ने घेर रखा है, जो इस और अन्य द्वीपों
के प्रमुख पुरुषों के पुत्र हैं। उनका ईमानदार तरीका यह होता कि वे उसके पिता, इकारियस से मिलते और उनसे अपनी बेटी के विवाह की शर्तें तय करने और उसे उनमें से जिसे वे पसंद करते या सबसे योग्य समझते, उससे उसका विवाह कराने के लिए कहते। लेकिन वे इस तरह के सीधे-सादे सौदे से कतराते हैं। इसके बजाय वे दिन-रात हमारे घर के आसपास मंडराते रहते हैं, और इसका खामियाजा मेरे सुंदर पशुओं को भुगतना पड़ता है। उनके लालच को पूरा करने के लिए बैल, भेड़ और बकरियों की बलि देनी पड़ती है। वे हमारी शराब - जिसमें सूरज की रोशनी की चमक होती है - को साधारण पेय की तरह गटक जाते हैं। सब कुछ खत्म हो रहा है।

ओडीसियस एक ऐसा व्यक्ति था जो अपने घर को लुटेरे से बचा सकता था: लेकिन हममें उसके जैसी कोई ताकत नहीं है। जब तक हम जीवित रहेंगे, हम कमजोर और अप्रशिक्षित शरीर ही रहेंगे, ऐसी रक्षा करने में असमर्थ। इच्छाशक्ति की कमी नहीं: मुझमें इस असहनीय उकसावे का सामना करने की शक्ति की कमी है; मेरे निर्दोष घर की इस क्रूर, धीमी लूट का। क्या आपके पड़ोसियों के प्रति सहानुभूति आपको उनकी पीड़ा में भागीदार नहीं बनाएगी और उनकी दुर्दशा पर दया नहीं दिलाएगी? हे सज्जनों, कृपया देवताओं के क्रोध से थोड़ा डरना शुरू करें, कहीं ऐसा न हो कि वे पहले से किए गए अत्याचार को देखकर भयभीत हो जाएं और उसका बदला लेने लगें। मैं आपसे ओलंपियन ज़्यूस और थेमिस की कसम खाकर विनती करता हूँ, जिनके न्याय न्यायालयों में इस तरह के लोग एकत्रित होते हैं और सुनवाई के बाद रिहा कर दिए जाते हैं। नहीं। बल्कि, मेरे मित्रों, मुझे अकेला छोड़ दें। मुझे अपने ही दुख के कष्ट में खुद को थका देने दें। शायद ओडीसियस, मेरे पिता जो मेरे प्रति इतने दयालु थे, वास्तव में अपने साजो-सामान से लैस यूनानियों से नफरत करते थे और जानबूझकर उन्हें चोट पहुँचाते थे; जिसका बदला अब आप जानबूझकर मेरे सताने वालों का समर्थन करके ले रहे हैं। मेरे लिए कहीं बेहतर होता अगर आपकी लालसाएँ मेरे भंडारगृहों और गौशालाओं को खाली कर देतीं। क्योंकि तब कितनी जल्दी पलटवार होता! हम अपनी कहानी सुनाते हुए शहर में घूमते, हर किसी से गिड़गिड़ाते, अपना पैसा माँगते, जब तक कि सब कुछ वापस न मिल जाता। लेकिन अभी तो आप मेरे दिल में ये असहनीय पीड़ाएँ भर रहे हैं।
तो उसने अपने बढ़ते गुस्से में कहा: और फिर, आँसुओं के सैलाब में, उसने हथौड़ा ज़मीन पर फेंक दिया। श्रोता दया से भर गए और चुपचाप बैठे रहे, उनमें से किसी में भी टेलीमाकस के इन शब्दों का जवाब गुस्से भरे शब्दों में देने की हिम्मत नहीं थी। अंत में एंटिनस ने इस प्रकार कहा: –
“हे टेलीमाकस, तुम्हारा क्रोध और अभिमानी मुख हमारे आचरण को कलंकित
करने और हमें बदनामी से जोड़ने की साजिश रच रहे हैं। फिर भी मैं तुमसे कहता हूँ कि अचेयनों में दोषी वे लोग नहीं हैं जो विवाह के लिए प्रस्तावक हैं, बल्कि तुम्हारी आदरणीय माता, वह धूर्त और चालाक प्रेमिका है। इन तीन वर्षों से - बल्कि इससे भी अधिक: अब चौथे वर्ष में - उसने अचेयन पुरुषों की बुद्धि को अपने वश में कर लिया है। उसने हममें से प्रत्येक को आशा में रखा, प्रत्येक को निजी आश्वासन दिया, छोटे-छोटे संदेश छोड़े: जबकि इस पूरे समय

उसके हृदय में कुछ और ही योजनाएँ चल रही थीं। उसकी एक धूर्त चाल यह थी कि उसने अपने कमरे में एक विशाल करघा स्थापित किया और उस पर एक महीन, चौड़ी बुनाई शुरू की; और वह हमेशा हमसे कहती थी, “प्यारे भाइयों, ज़रा धीरे चलो। मेरी शादी करवाने की अपनी तीव्र इच्छा को शांत करो। राजा ओडीसियस की मृत्यु ने मुझ पर इस कफ़न को पूरा करने का कर्तव्य डाल दिया है, ताकि इसके महीन धागे हवा में बिखरने से बच सकें। यह वृद्ध वीर लेर्टेस के अंतिम संस्कार के लिए है: और इसे उस अपरिहार्य दिन के लिए तैयार रहना चाहिए जब भाग्य उसे धरती पर खींच लेगा और मृत्यु उसकी लंबाई नाप लेगी। यदि मैं इसे अधूरा छोड़ देती हूँ, और परिणामस्वरूप इस बूढ़े, कभी धनी रहे व्यक्ति का शव बिना कफ़न के पड़ा रहता है, तो मैं हमारे पड़ोस की हर अचेयन महिला के लिए आलोचना का पात्र बन जाऊँगी।”
उसने ऐसा ही विरोध किया, और हमारे पुरुष हृदयों ने उसकी बात पर विश्वास कर लिया। वह प्रतिदिन विशाल करघे पर मेहनत से बुनाई करती थी, लेकिन हर रात वह मशालें मंगवाकर दिन भर का बुना हुआ धागा खोल देती थी। इस प्रकार तीन वर्षों तक उसने हमें और अचेयनों को धोखा दिया: लेकिन जब चौथा वर्ष अपने ऋतुओं के क्रम को पूरा कर रहा था, तो उसकी एक दासी, जो पूरी सच्चाई जानती थी, ने उसकी शिकायत कर दी। तब हमने उसे उस शानदार बुनाई को खोलते हुए रंगे हाथों पकड़ा: और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे उसे पूरा करने के लिए मजबूर किया। इसलिए, हे टेलीमाकस, अपने लिए इन दूल्हों का उत्तर सुनो: इसे अपने हृदय की गहराई से सुनो और समझो, और इस देश के सभी लोग भी तुम्हारे साथ ऐसा ही करें। अपनी माँ को विदा कर दो। उसके पिता के आदेशानुसार, उसकी तुरंत उस पुरुष से शादी करवा दो जो उसे सबसे अधिक प्रसन्न करे।
लेकिन अगर वह अचेया के कुंवारे लड़कों के बीच तबाही मचाना जारी रखने
पर अड़ी रहती है, तो उसे ऐसा करने दो – कीमत चुकानी पड़ेगी। एथेन ने उसे ऐसे गुणों का भंडार दिया है (गृहस्थी के सभी कामों में निपुणता, और ऐसी कलाएँ और नखरे जिन्हें वह अपनी धूर्त बुद्धि से अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करती है) जो पुराने समय की प्रसिद्ध सुंदरियों में बेजोड़ हैं: न तो अल्कमने, न टायरो, न ही मुकुटधारी माइसीन इस पेनेलोप के मोहक आकर्षण का मुकाबला कर सकती हैं। फिर भी, फिलहाल आप देखेंगे कि उसकी साज़िशें सही समय पर नहीं चल रही हैं। जब तक वह इस कुटिलता में लगी रहेगी, जो स्वर्ग ने उसके मन में भर दी है, तब तक उसके चाहने वाले आपकी संपत्ति और जीविका हड़पते रहेंगे। वह

अपनी बदनामी कमाएगी: आपको अपनी व्यर्थ खोई हुई संपत्ति पर पछतावा होगा। जब तक वह अपना चुनाव नहीं कर लेती और हम अचेयावासियों में से किसी एक से शादी नहीं कर लेती, तब तक हम न तो अपना काम करेंगे और न ही घर लौटेंगे। टेलीमाकस ने संयमित शब्दों में उसे उत्तर दिया। “एंटीनस, मैं किसी भी
तरह से उस माँ को, जिसने मुझे जन्म दिया और पाला-पोसा, हमारे घर से जबरदस्ती नहीं निकाल सकता। इसके अलावा, मेरे पिता कहीं न कहीं धरती में हैं – अगर वे जीवित हैं – या शायद वे मर चुके हैं। खैर, सोचो अगर मैंने ही उसे घर से निकाला होता तो कितना भयानक खर्चा होता: मुझे इकारियस को उसका दहेज वापस देना पड़ता। और वह भी किसलिए? उसके पिता मुझे बुरी तरह कोसते। ऊपर से मुझ पर और भी विपत्ति आती, क्योंकि जब उसे हमारे दरवाजे से निकाला जाता तो मेरी माँ मेरे विरुद्ध भयानक देवियों को कोसती। मेरे साथी मनुष्य भी मुझे अपने मुँह से निंदा करते। इसलिए मैं कभी भी उसे ऐसा आदेश देने के लिए नहीं झुकूँगा।”
लेकिन सुनो – तुम और बाकी सभी दूल्हों। क्या हमारे पारिवारिक मामले तुम्हारी नैतिकता को ठेस पहुंचाते हैं? तो मेरे अतिथि कक्ष से निकल जाओ। अपने-अपने संसाधनों से एक-दूसरे के मनोरंजन का प्रबंध करो, अपने-अपने घरों में घूमते रहो। फिर भी, अगर तुम्हें एक अकेले आदमी की पूरी आजीविका को बेरहमी से नष्ट करना अधिक सुखद और बेहतर लगता है – तो करते रहो। इस बीच मैं शाश्वत देवताओं से प्रार्थना करूंगी, शायद ज़्यूस उचित दंड देने की कृपा करें। क्योंकि तब हमारा घर, अक्षुण्ण, तुम सबको अपनी दीवारों के भीतर नष्ट होते हुए देखेगा।
इस प्रकार टेलीमाकस ने ज़्यूस से प्रार्थना की: और सर्वदर्शी ज़्यूस
ने उसकी प्रार्थना के उत्तर में अपने पर्वत शिखर से दो चीलें भेजीं। वे तूफ़ान की तरह तेज़ गति से, पंखों को एक दूसरे से सटाकर, भव्यता से उड़ती हुई उस अनेक-भाषी सभा के मध्य में पहुँच गईं। वहाँ वे पूरी गति से, काँपते हुए, फैले हुए, मज़बूत पंखों के साथ चक्कर लगाने लगीं और अपनी घातक आँखों से ऊपर की ओर उठे चेहरों को घूरने लगीं। फिर उन्होंने अपने चीरने वाले पंजों से एक दूसरे के सिर और गर्दन पर वार किया और तेज़ी से दाईं ओर नागरिकों के घरों के ऊपर से झपट्टा मारा। जब तक आँखें उन्हें देख सकीं, सभी लोग उन पक्षियों को देखकर आश्चर्यचकित होते रहे और यह सोचते रहे कि स्वर्ग से मिले इस संकेत का भविष्य के इतिहास में क्या अर्थ हो सकता है।

जब वे विचार कर रहे थे, तभी मास्टोर के पुत्र हैलिथर्स की वाणी सुनाई
दी, जो एक महान विद्वान थे और पक्षियों के भविष्य बताने और भाग्य का पूर्वानुमान लगाने के विज्ञान में अपनी पीढ़ी के सभी विद्वानों से श्रेष्ठ थे। अपने गहन ज्ञान से उन्होंने कहा: “इथाका द्वीपवासियों, मेरी बात सुनो: मेरी पूरी बात सुनो। विशेषकर विवाह के इच्छुक व्यक्तियों, क्योंकि मैं जो भविष्यवाणी कर रहा हूँ वह उन्हीं से संबंधित है। उन पर घोर विपत्तियाँ आ रही हैं। ओडीसियस अब अपने लोगों से अलग नहीं रह पाएगा। संभवतः अभी भी वह आ रहा है, अपने भीतर प्रत्येक विवाह के इच्छुक व्यक्ति के लिए रक्तपात के बीज लिए हुए। वह इस निर्मल आकाश वाले द्वीप में हम जैसे कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लिए भी घातक सिद्ध होगा। इसलिए, घटना से पहले, आइए हम एक ऐसी योजना बनाएँ जिससे विवाह के इच्छुक व्यक्तियों की गलती का निवारण हो सके – जब तक कि वे स्वयं अपनी गलती का निवारण न कर लें, जो कि यदि वे अपने हितों का ध्यान रखें तो उनके लिए अधिक बुद्धिमानी भरा विकल्प होगा।”
मैं वही कह रहा हूँ जो मुझे पूरी तरह से पता है। यह भविष्यवाणी का मेरा पहला प्रयास नहीं है। मैंने ओडीसियस से जो भविष्यवाणी की थी, वह सब सच हो गई है, जब वह चतुर नेता आर्गिव सेना के साथ इलियोस के लिए रवाना हो रहा था। मैंने भविष्यवाणी की थी कि अनेक आपदाओं और अपने पूरे साथियों की मृत्यु के बाद, वह अंत में अपने प्रस्थान के बीसवें वर्ष में उस घर से मुक्त हो जाएगा, जहाँ कोई उसका चेहरा नहीं जानता था: और आज यह सब सच हो रहा है।
इसके जवाब में, पॉलीबस के पुत्र यूरिमाकस ने उसका खंडन किया। “आओ, आओ, बूढ़े। बेहतर होगा कि तुम घर पर रहो और अपने बच्चों को भविष्यवाणी सुनाओ, ताकि वे आने वाले इस प्रकोप से बच सकें। व्यावहारिक मामलों में मैं ही श्रेष्ठ भविष्यवक्ता हूँ। हमारे यहाँ तेज़ धूप में असंख्य पक्षी इधर-उधर उड़ते हैं, लेकिन सभी स्वर्ग से संदेश नहीं लाते। ओडीसियस, जिसके बारे में तुम बकवास करते हो, बहुत पहले मर गया था और बहुत दूर चला गया था। काश तुम भी उसके साथ मर गए होते! तब हम तुम्हारी इन भविष्यवाणियों से बच जाते, और तुम्हें परेशान टेलीमाकस को अपने दुखों को सार्वजनिक करने के लिए उकसाकर अपने परिवार के लिए भविष्य में धन कमाने का यह मौका नहीं मिलता।”
फिर भी, मुझे डर है कि आपके परिवार को उससे वह इनाम कभी नहीं मिलेगा जिसकी आप कल्पना करते हैं। मैं अभी कठोर शब्द बोलने जा रहा हूँ: लेकिन जो

मैं कहूँगा वह निश्चित रूप से कठोर होगा। जब एक अनुभवी और व्यापक सांसारिक व्यक्ति अपने संचित ज्ञान का दुरुपयोग करके किसी युवक के क्रोध को भड़काता है, तो सबसे पहले तो इसके परिणाम उस युवक के लिए बहुत कष्टदायी होते हैं, जो अपने श्रोताओं को अपनी इच्छा के अनुरूप झुकाने में असमर्थ हो जाता है। और दूसरे, हे बुजुर्ग, आपके लिए भी पछतावा बहुत गहरा होगा। हम आप पर ऐसा जुर्माना लगाएंगे जिसे चुकाने में आपका हृदय क्षुद्र हो जाएगा। अब, आप सबके सामने, मेरे पास टेलीमाकस के लिए एक सलाह है। उसे अपनी इस
माँ को उसके माता-पिता के पास वापस भेजने का आदेश देना चाहिए, ताकि वे उसके पुनर्विवाह का निर्णय कर सकें और एक प्यारी बेटी के साथ आने वाले भव्य उपहारों के आदान-प्रदान का आकलन कर सकें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि तब तक अचेयनों के चेले अपनी कष्टदायक और ज़बरदस्ती की प्रेम निवेदन से बाज नहीं आएँगे। वे क्यों आएँ? हम धरती पर किसी से नहीं डरते: निश्चित रूप से टेलीमाकस से तो बिल्कुल नहीं, जो अपनी धौंस जमाता है। और न ही हम उन भविष्यवाणियों से विचलित होने वाले हैं जो तुम, बूढ़े आदमी, लगातार हम पर थोपते रहते हो - सिवाय इसके कि तुम स्वयं को और अधिक घृणित बना लो। टेलीमाकस की संपत्ति बेरहमी से हड़प ली जाएगी, और उसे कोई उचित हिस्सा नहीं मिलेगा जब तक पेनेलोप अपने पुनर्विवाह के मामले में लोगों को रोकती रहेगी और हमें दिन-रात उसकी सेवा में नचाती रहेगी; इतनी सुंदर दुल्हन को पाने के अवसर से हमारी भावनाएँ इतनी उत्तेजित हैं कि हम उन साधारण महिलाओं में से किसी पर भी ध्यान नहीं देंगे जो हमारे लिए उपयुक्त जीवनसाथी बन सकती हैं।
‘यूरिमाकस,’ टेलीमाकस ने सोच-समझकर जवाब दिया, ‘मैं इस विषय पर तुमसे या किसी अन्य अभिमानी दावेदार से फिर से विनती या चर्चा नहीं करूँगा। हमने अपना मामला पूरी तरह से देवताओं के समक्ष रख दिया है और सभी अचेयनों को इसकी जानकारी दे दी है। इसके बजाय, मैं अब तुमसे एक अच्छी तरह से बना हुआ जहाज और उसे चलाने के लिए बीस नाविक माँगता हूँ। इस जहाज से मैं स्पार्टा और रेतीले पाइलोस के चारों ओर अपने लंबे समय से लापता पिता की खोज करने का इरादा रखता हूँ। शायद उनके लौटने की खबर मनुष्यों से मिले: या ज़्यूस से मुझे कोई फुसफुसाहट मिले, जिसकी साँस अक्सर हम मनुष्यों को सच्चाई की चेतावनी देती है।’

यदि मुझे पता चले कि मेरे पिता जीवित हैं और घर लौट रहे हैं, तो मैं
अपने घर की इस जानबूझकर की गई तोड़फोड़ को कुछ समय के लिए सहन कर सकती हूँ; परन्तु यदि यह पुष्टि हो जाए कि वे मर चुके हैं, तो मैं अपनी इस प्रिय भूमि पर लौट आऊँगी और उनके लिए एक टीला बनाऊँगी जिसमें उनके महान नाम के अनुरूप भव्य समाधि-सज्जा रखी जा सके। उसके बाद मैं अपनी माँ को किसी पुरुष को सौंप दूँगी।
उसने अपना भाषण समाप्त किया और बैठ गया: तभी भीड़ में से मेंटर उठा, वह साथी जिसे बलवान ओडीसियस ने इलियोस के लिए रवाना होते समय अपना घर सौंपा था; और घर के सभी लोगों को आदेश दिया था कि वे उस बूढ़े व्यक्ति की आज्ञा का पालन करें और उसकी रक्षा करें। इसलिए मेंटर ने अपने दयालु हृदय से इस प्रकार कहा: ‘इथाका के लोगो, मेरी बात ध्यान से सुनो। सभी राजदंडधारी राजाओं के लिए यह चेतावनी है कि वे दया और कोमलता का पूर्णतः त्याग कर दें और न्यायपूर्ण व्यवहार की परवाह न करें। इसके बजाय वे हमेशा कठोर और अभद्र आचरण करें: क्योंकि गौरवशाली ओडीसियस, तुम्हारा राजा और इस समस्त प्रजा का राजा, अपने सौम्य स्वभाव में हमारे पिता के समान था – और देखो! तुममें से कोई भी उसे याद नहीं करता। फिर भी मैं इन अभिमानी दावेदारों के विरुद्ध कोई शिकायत नहीं करता, जिनके दुर्गुण ने उन्हें ऐसे हिंसक कृत्यों के लिए प्रेरित किया है। वास्तव में, उनके जोखिम को देखते हुए, मुझे यह हिंसा अत्यधिक नहीं लगती।’ उन्होंने इस बात पर अड़ियल रुख अपना लिया है कि वह अब कभी घर नहीं लौटेगा। मेरी शिकायत तो बाकी लोगों से है, क्योंकि आप लोग चुपचाप बैठे रहे, निंदा या संयम का एक शब्द भी नहीं बोला: जबकि आप बहुत सारे हैं और शादी के प्रस्ताव देने वाले बहुत कम हैं।
यूएनोर के पुत्र लियोक्रिटस ने उसका विरोध किया। ‘गुरुजी, हे पागल उपद्रवी, लोगों से हमारी उपद्रव बंद करने की विनती करके अपनी ऊर्जा क्यों बर्बाद कर रहे हो? दावत के मामले पर युद्ध छेड़ना घोर अन्याय होगा, चाहे संख्या अधिक हो या न हो। मान लो कि इथाका का तुम्हारा ओडीसियस स्वयं आ भी जाए, अपने महल से उन कुलीन प्रेमियों को भगाने के लिए जो उसे अपना भोज स्थल बना चुके हैं। उसकी पत्नी उसके आने की कामना कर सकती है, लेकिन इस तरह उसे कोई खुशी नहीं मिलेगी। अपने ही महल में उसका भयानक अंत होगा यदि वह अकेले ही हम सब पर हमला कर दे। तुम व्यर्थ की बातें कर रहे हो। बस करो। सभी लोग अपने-अपने कामों पर लौट जाएं, केवल गुरुजी और हैलिथर्स (क्योंकि वे लंबे

समय से उसके परिवार के आश्रित रहे हैं) को इस युवक की यात्रा से निपटने के लिए छोड़ दें। फिर भी मुझे लगता है कि वह इथाका में काफी समय तक रुकेगा, अपनी कुर्सी पर बैठकर खबरें इकट्ठा करता रहेगा: और यात्रा की योजना निष्फल हो जाएगी।’
उसने अपनी बात समाप्त की और सभा शीघ्र ही भंग हो गई, भीड़ अपने-अपने घर
की ओर चल पड़ी; जबकि सभी दावेदार भव्य ओडीसियस के महल की ओर चल दिए। लेकिन टेलीमाकस अकेले ही समुद्र के किनारे दूर तक चला गया और वहाँ उसने साफ समुद्री जल में अपने हाथ धोए और फिर एथेन से प्रार्थना की। ‘हे ईश्वर, मेरी प्रार्थना सुनो! कल तुम मेरे घर आई थीं और मुझे अपने लापता पिता का पता लगाने के लिए अंधकारमय समुद्र को पार करने के लिए जहाज से जाने को कहा था। अब देखो कैसे अचेयन, और विशेष रूप से ये कामुक, धमकाने वाले दावेदार, मेरे हर प्रयास में बाधा डाल रहे हैं।’
जब वह प्रार्थना कर रहा था, एथेन उसके निकट आ गई। उसने मेंटर का रूप
धारण कर लिया था, बिल्कुल सजीव रूप में। मेंटर की ही आवाज़ में उसने उसे उत्साहपूर्वक प्रेरित किया, “टेलेमाकस, अब अपने साहस और सूझबूझ को कमज़ोर न पड़ने दो। तुम्हारे पिता में कर्म और वचन दोनों एक साथ मिलकर अपने निश्चित लक्ष्य की ओर अग्रसर होते थे। यदि तुम्हारे शरीर में उनके स्वभाव का थोड़ा सा भी अंश है, तो यह तुम्हारे इस प्रयास को न तो व्यर्थ और न ही लक्ष्यहीन बनाएगा। परन्तु यदि इसके विपरीत, तुम ओडीसियस और पेनेलोप की सच्ची संतान नहीं हो, तो मैं तुम्हारे किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति की आशा छोड़ सकती हूँ। बहुत कम पुत्र अपने पिता के पद तक पहुँच पाते हैं, और बहुत कम ही उनसे आगे निकल पाते हैं। अधिकांश गुण में पीछे रह जाते हैं। परन्तु इस बार तुम निश्चित रूप से कायर या नीच साबित नहीं होगे, और न ही तुम ओडीसियस की कुछ चतुराई विरासत में पाने से चूक सकते हो। इसलिए मुझे पूरी आशा है कि तुम अपने लक्ष्य को प्राप्त करोगे। इन मोहित प्रेमियों की सलाह या इरादों पर ध्यान मत दो।” उनके मामले में सहज प्रवृत्ति और शालीनता दोनों ही दोषपूर्ण हैं; न ही वे अपने ऊपर मंडरा रही मृत्यु और अंधकारमय नियति को समझ पाते हैं, जो एक ही दिन में उन सभी को निगल जाएगी।
“तुम्हारे दिल की इस यात्रा से अब तुम्हें ज़्यादा समय तक वंचित नहीं रहना पड़ेगा। क्योंकि मैं तुम्हारे पिता का मित्र था, इसलिए मैं स्वयं तुम्हारे लिए सबसे तेज़ जहाज़ का इंतज़ाम कर रहा हूँ और मैं तुम्हारे साथ

उस पर सवार रहूँगा। अभी तुम अपने घर जाओ और सभी दूल्हों से मिलो-जुलो। इस बीच तुम खाने-पीने का सामान तैयार कर लो। सब कुछ अच्छे से पैक कर लो। शराब को शराब के बर्तनों में और जौ के आटे (पुरुषों की शक्ति का सार) को सख्त चमड़ों में रखो। मैं शहर से जल्द ही अपने इच्छुक साथियों का दल इकट्ठा करूँगा। समुद्र से घिरे इथाका में नए और पुराने जहाज़ों की भरमार है। मैं उनका सर्वेक्षण करने और सबसे उपयुक्त जहाज़ चुनने जा रहा हूँ; जिन्हें हम तुरंत सुसज्जित करके खुले समुद्र में उतार देंगे।”
ज़्यूस की पुत्री एथेना ने ऐसा कहा। टेलीमाकस ने दिव्य स्वर सुनकर
बिना विलंब किए अपने हृदयविदार के साथ सीधे घर लौट आया, जहाँ उसने अपने विवाह के प्रस्ताव रखने वाले स्वामियों को अतिथि कक्ष या प्रांगण में पाया, जहाँ वे उसके वध किए गए बकरियों की खाल उतार रहे थे और उसके मोटे सूअरों को खाना पकाने के लिए सेंक रहे थे।
एंटिनस हंसते हुए और जोर से उसका नाम पुकारते हुए अकड़कर उसके पास पहुंचा और उसका हाथ पकड़ लिया। उसने कहा, ‘टेलीमाकस, तुमने अभी-अभी हमारे खिलाफ अपनी शत्रुता को खुलकर प्रकट किया है। इसके बजाय, क्या तुम अब से हमें हानि पहुंचाने के इन विचारों को अपने मन से नहीं निकालोगे और अपने अपमानजनक शब्दों को भूलकर पहले की तरह हमारे साथ खाओगे-पियोगे? इस बीच, अचेयन तुम्हारे लिए जहाज और चालक दल की सारी व्यवस्था कर रहे होंगे, ताकि तुम्हें तुम्हारे परम पूज्य पिता के समाचार के लिए जल्द से जल्द पवित्र पाइलोस ले जाया जा सके।’
टेलेमाकस का उत्तर विवेकपूर्ण था, और उसने धीरे से अपना हाथ एंटिनस की पकड़ से छुड़ा लिया। “तुम्हारे इस घमंडी संगति में मेरे लिए सुख-शांति से भोजन करना, आराम से मौज-मस्ती करना संभव नहीं है। हे प्रेमार्थियों, क्या यह मेरे लिए पर्याप्त दुख नहीं था कि मेरे नादान बचपन में तुमने मेरी इतनी कीमती संपत्ति मुझसे छीन ली? आज मैं एक वयस्क हूँ और दूसरों से यह सब सुनता हूँ; और सचमुच मेरा हृदय उफान मारता है कि मैं तुम पर हर संभव बुराई करूँ, चाहे पाइलोस में हो या इस स्थान पर। इसलिए मैं निश्चित रूप से अपनी यात्रा पर जाऊँगा: और यह व्यर्थ नहीं जाएगी, भले ही तुम्हारी धूर्ततापूर्ण सावधानी के कारण मैं केवल एक यात्री की तरह यात्रा कर रहा हूँ, बिना अपने जहाज या नाविकों के।”

जब तक उसने बोलना समाप्त नहीं किया, तब तक सभी दावेदार वहीं पर जमकर दावत करते रहे। फिर उन्होंने उसका मज़ाक उड़ाया और उस पर ताने मारे। एक बदतमीज़ मुर्गे ने उसके बाद कहा, “सचमुच, टेलीमाकस हम सबको मारना चाहता है। अब वह हमसे इतनी नफरत करता है कि वह पाइलोस की रेत या दूर स्पार्टा से बदला लेने वालों को अपने साथ ला सकता है। या शायद वह एफ़िरा के हरे-भरे खेतों में जाकर कोई जानलेवा दवा लाकर हमारे शराब के प्याले में मिलाकर हम सबको एक साथ मार डालने की योजना बना रहा है!”
और उसी तरह के एक दूसरे युवक ने चिल्लाकर कहा, “मैं तुमसे कहता हूँ, अगर वह जहाज के अंदर चला गया, तो शायद वह ओडीसियस की तरह अपने दोस्तों से बिछड़ जाएगा और खो जाएगा। तब हम जैसे बेचारे लोगों को उसकी सारी संपत्ति आपस में बाँटने का कितना अतिरिक्त काम करना पड़ेगा। मेरा तो यही मत है कि हम घर-जायदाद उसकी माँ को दे दें, उस आदमी को जो उससे शादी करेगा।”
इस प्रकार वे उपहास करते रहे: परन्तु टेलीमाकस उनसे विदा लेकर अपने
पिता के भंडारगृह में चला गया। उसके ऊँचे, चौड़े गुंबद के नीचे सोने और तांबे का ढेर लगा था: साथ ही कपड़ों के बड़े-बड़े संदूक और प्रचुर मात्रा में सुगंधित जैतून का तेल भी। दीवार से सटाकर कतारों में पुराने, स्वादिष्ट मदिरा से भरे घड़े रखे थे, प्रत्येक घड़ा शुद्ध मदिरा से भरा था, जो देवताओं के योग्य था, परन्तु ओडीसियस के घर लौटने के दिन की प्रतीक्षा में – यदि वह अपने परिश्रम और कष्टों से पार होकर कभी घर लौट पाता। इस खजाने के कमरे में मजबूत और जकड़े हुए दोहरे दरवाजे थे, जो हमेशा बंद रहते थे: और उनके बीच, दिन-रात, ओप्स की पुत्री, बूढ़ी यूरिक्लेया, जो पेइसेनोर की पुत्री थी, विराजमान रहती थी। वह अपनी बुद्धिमत्ता से सारी संपत्ति की रक्षा करती थी।
टेलेमाकस ने उसे कमरे में बुलाया और कहा, “अच्छी माँ, कृपया मेरे लिए
कुछ मीठी शराब घड़ों में भर दो: तुम्हारी दूसरी सबसे अच्छी शराब, जो उस विशेष शराब के बाद की है जिसे तुमने उस अभागे, देवतुल्य ओडीसियस के लिए बचाकर रखा है, इस उम्मीद में कि वह किसी तरह मृत्यु और भाग्य को चकमा देकर वापस लौट आए। बारह घड़े भर दो, और हर एक को ढक्कन से बंद कर दो। फिर जौ का आटा मजबूत चमड़े के थैलों में भर दो। बीस माप अच्छी तरह से पिसे हुए जौ के दाने होने चाहिए। ध्यान रखना कि कोई तुम्हें यह करते हुए न देखे: लेकिन इन सभी चीजों को एक जगह इकट्ठा कर देना, जहाँ से मैं आज शाम को अपनी माँ के

सोने की तैयारी में अपने कमरे में जाने के बाद उन्हें ले आऊँ। मैं स्पार्टा और रेतीले पाइलोस जा रहा हूँ, इस उम्मीद में कि मुझे अपने पिता के लौटने की खबर मिल जाए।”
उसकी पालक माँ यूरीक्लिया, जो उससे बहुत प्यार करती थी, यह खबर सुनकर ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी और आँसू भरी आँखों से उससे विनती करते हुए बोली, “हाय, मेरे प्यारे बच्चे, तुम्हारे मन में ऐसा विचार क्यों आया? तुम इस विशाल पृथ्वी पर कैसे यात्रा करोगे, जबकि तुम इकलौते लाडले हो, तुम्हारे पिता ओडीसियस, जो देवताओं के वंशज थे, स्वयं बहुत दूर किसी अज्ञात स्थान पर भटकते हुए मर गए? इसके अलावा, जैसे ही तुम पीठ फेरोगे, तुम्हारे अतिथि कक्ष में बैठे ये लोग तुम्हें फंसाने की कोई योजना बना लेंगे और इस तरह तुम एक जाल में फंसकर मर जाओगे, और वे तुम्हारी संपत्ति आपस में बाँट लेंगे। इसके बजाय, तुम यहीं अपनी उचित जगह पर बैठो। इस सुनसान समुद्र में दुर्भाग्य की तलाश में भटकना तुम्हारा कर्तव्य नहीं है।”
बुद्धिमान टेलीमाकस ने उससे कहा: “हिम्मत रखो, अच्छी दाई। यह योजना
मुझे स्वर्ग की प्रेरणा से ही सूझी है। लेकिन कसम खाओ कि ग्यारह-बारह दिन बीतने तक या जब तक मेरी प्यारी माँ को मेरी याद न आए और उन्हें पता न चले कि मैं चला गया हूँ, तब तक तुम उन्हें इसके बारे में एक शब्द भी नहीं बताओगी। मैं उनके सुंदर चेहरे को आँसुओं से भीगने से बचाना चाहता हूँ।” ऐसा कहने पर, उस बूढ़ी औरत ने देवताओं की कसम खाई। उसने उसकी कसम सुनी और उस पर मुहर लगाई: और उसके तुरंत बाद वह जारों में उसकी शराब भरने और मोटे चमड़े के थैलों में जौ का आटा भरने लगी, जबकि टेलीमाकस बैठक में लौट आया और शादी के प्रस्ताव देने वालों का स्वागत करने लगा।
इस पूरे समय, दिव्य दृष्टि वाली देवी अपनी योजना के अगले चरणों पर
विचार कर रही थीं। टेलीमाकस के वेश में उन्होंने पूरे शहर का भ्रमण किया और अपने प्रत्येक सैनिक के पास खड़े होकर उन्हें शाम ढलते ही तेज गति से चलने वाले जहाज के पास इकट्ठा होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जहाज के लिए फ्रोनियस के प्रसिद्ध पुत्र नोएमोन से अनुरोध किया, जिसने सहर्ष यह अनुरोध स्वीकार कर लिया।
सूर्य समुद्र में डूब गया और सड़कें धुंधली हो गईं। तभी एथेन ने तेज़ जहाज़ को पानी में उतारा और उस पर एक सुसज्जित जहाज़ के सभी आवश्यक साजो- सामान लाद दिए। उसने जहाज़ को बंदरगाह के ठीक मुहाने पर लाया, जहाँ चयनित

दल एकत्रित था, और उनमें से प्रत्येक व्यक्ति धूसर आँखों वाली देवी से प्रेरित होकर अपने-अपने उत्साह से भरा हुआ था।
एथेनी, अपने मार्ग पर निरंतर चलती रही और फिर ओडीसियस के विशाल महल में पहुँची। वहाँ उसने सभी दावेदारों पर मीठी नींद का जादू कर दिया और उन्हें इतना मदहोश कर दिया कि वे पीते-पीते प्याले उनके नींद से व्याकुल हाथों से फिसल गए। देखते ही देखते भोज समाप्त हो गया, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति नींद के बोझ तले दबे हुए शहर में अपने-अपने बिस्तर की ओर चल पड़ा। तब देवी ने टेलीमाकस को आरामदायक महलों के बाहर बुलाया। वह फिर से गुरु के रूप में प्रकट हुईं। उन्होंने कहा, 'टेलीमाकस, तुम्हारे सभी साथी, जो हथियारों से लैस और तैयार हैं, अब चौखट पर बैठे हैं और केवल तुम्हारे आने का इंतजार कर रहे हैं। चलो चलें, और उन्हें यात्रा में और अधिक देर तक न रोकें।'
पलास का नाम सुनते ही एथेन तेज़ी से आगे बढ़ गई। वह उसके पीछे-पीछे
चला। जब वे जहाज़ तक पहुँचने के लिए समुद्र तट पर पहुँचे, तो वहाँ उन्होंने लंबे बालों वाले लोगों को पानी के किनारे इंतज़ार करते हुए पाया। उनके नियुक्त नेता टेलीमाकस ने उनसे अपना पहला भाषण दिया: 'मित्रों, मेरे साथ आओ और राशन में हाथ बँटाओ। मैंने घर में सब कुछ तैयार रखा है: और मेरी माँ को हमारे काम के बारे में कुछ नहीं पता, न ही किसी नौकरानी को। मैंने उनमें से केवल एक महिला को बताया है।'
उसने बात की और आगे बढ़ा: और वे उसके साथ चल दिए। उन्होंने सारा सामान अपने कंधों पर लादकर जहाज़ पर रख दिया और ओडिसीस के प्रिय पुत्र के निर्देशानुसार उसे नीचे रख दिया। उसके बाद टेलीमाकस जहाज़ पर चढ़ा (एथेन उससे पहले ही चढ़ चुकी थी) और जहाज़ के पिछले हिस्से में, ठीक उसी जगह बैठ गया जहाँ वह बैठी थी। चालक दल ने पिछले हिस्से की रस्सियाँ खोलीं, जहाज़ पर चढ़े और चप्पू चलाने वाली बेंचों पर बैठ गए।
तब निर्मल दृष्टि वाली एथेन ने उनके लिए अनुकूल हवा भेजी, पश्चिम से
आती हुई तेज़ हवा जो गहरे भूरे समुद्र पर गरजती हुई बह रही थी। टेलीमाकस ने अपने अनुयायियों को जगाया और उन्हें जहाज़ चलाने का आदेश दिया। उन्होंने उसकी आज्ञा का पालन किया: देवदार का मस्तूल ऊपर उठाया गया और उसके छिद्रित अनुप्रस्थ बीमों के बीच झुका दिया गया; रस्सियों को बांधा गया और लचीली चमड़े की रस्सियों से सफेद पाल ऊपर खींचे गए। हवा ने पाल को पकड़ा, उसे

फुलाया, और नीली छाया वाली लहरें दौड़ते हुए जहाज़ के अगले हिस्से के नीचे गूंज उठीं, जैसे ही वह अपने मार्ग पर झुककर समुद्र में तेज़ी से आगे बढ़ा। उन्होंने तेज़ गति से चलने वाले गहरे रंग के जहाज़ के सभी सामान को
कसकर बांध दिया और पीने के बर्तन निकाले। उन्होंने उन्हें शराब से लबालब भर दिया और शाश्वत देवताओं को भेंट के रूप में अर्पित किया, विशेष रूप से ज़्यूस की निर्मल आँखों वाली पुत्री का सम्मान करते हुए, जहाज़ लंबी रात को चीरता हुआ भोर की ओर बढ़ गया।

पुस्तक 3

सुंदर जल से सूर्य अपने पीतल के आकाश में प्रकट हुआ, और वहाँ से अमर देवताओं के साथ-साथ पृथ्वी के खेतों में विचरण करने वाले नश्वर मनुष्यों पर भी प्रकाश डाला; इसी बीच जहाज नेलियस के भव्य गढ़ पाइलोस में पहुँचा। वहाँ तट पर निवासी एकत्रित थे, जो पृथ्वी को कंपकंपाने वाले, काले बालों वाले देवता पोसीडॉन को बलि अर्पित कर रहे थे। उन्होंने नौ मंडलियाँ बनाईं, जिनमें से प्रत्येक में पाँच सौ सदस्य थे: और प्रत्येक मंडली ने देवता को नौ बलि, काले रंग के, बिना किसी रंग के, अर्पित की थीं: जिनके सम्मान में अब उनकी टांगों की हड्डियाँ आग से जल रही थीं, जबकि सभा उनके आंतरिक अंगों और आंतों को खा रही थी।
उस तंग जहाज को सीधे इस तट की ओर मोड़ दिया गया। चालक दल ने अपने पाल समेटे और फिर उसे लंगर से बांध दिया। इसके बाद वे सभी (टेलेमाकस सहित) धूसर आँखों वाली एथेनी के पीछे-पीछे बाहर निकले। एथेनी ने उसकी ओर मुड़कर कहा, ‘टेलेमाकस, यहाँ झूठी विनम्रता के लिए कोई जगह नहीं है: बिलकुल भी नहीं। क्या तुम अपने पिता की खोज में समुद्र पार नहीं आए हो, विशेष रूप से यह जानने के लिए कि पृथ्वी उन्हें कहाँ छिपाए हुए है या उन्होंने अपने ऊपर क्या विपत्ति बुला ली है? इसलिए तुम्हें अब सीधे इस घोड़े पर गर्व करने वाले नेस्टर के पास जाना होगा और उनसे उनके हृदय के गहरे रहस्य उगलवाने होंगे। उनसे स्वयं विनती करो कि वे पूर्ण सत्य बोलें: तब वे हमें धोखा नहीं देंगे: क्योंकि उनका मन ज्ञान से परिपूर्ण है।’
सतर्क टेलीमाकस ने इस प्रकार विरोध किया: ‘गुरुजी, मैं उनके पास जाने
की हिम्मत कैसे कर सकता हूँ, उनसे विनती करने की हिम्मत कैसे कर सकता हूँ, जबकि मुझे सूक्ष्म निवेदन की भाषा का कोई ज्ञान नहीं है? एक युवक के लिए किसी बड़े से विनती करते समय संकोच करना स्वाभाविक है।’ देवी ने उत्तर दिया, ‘तुम्हारा हृदय तुम्हें कुछ हद तक प्रेरित करेगा, और कुछ बातें आत्मा तुम्हें सिखाएगी। मुझे लगता है कि यदि कोई देवताओं के संरक्षण में जन्मा और परिपक्व हुआ है, तो वह तुम ही हो।’

पल्लास बोलते हुए तेज़ी से आगे बढ़ीं। टेलीमाकस उनके दिव्य कदमों का अनुसरण करते हुए तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक वे पाइलोस के लोगों की भीड़ के पास नहीं पहुँच गए। वहाँ नेस्टर अपने बेटों के बीच बैठे थे, और उनके अनुयायी उनके चारों ओर व्यस्त थे, दावत की व्यवस्था कर रहे थे या गोमांस के टुकड़े भून रहे थे या स्वादिष्ट मांस के टुकड़े सींक पर भून रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्होंने अजनबियों को देखा, सभी स्वागत भरे हाथों से आगे बढ़े और उन्हें सभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। नेस्टर के पुत्र पेइसिस्ट्राटस सबसे पहले वहाँ पहुँचे। उन्होंने एथेन और टेलीमाकस का हाथ पकड़ा और उन्हें थालियों के पास समुद्र तट की रेत पर बिछी ऊनी भेड़ों की खालों के पास ले गए, जहाँ उनके सगे भाई थ्रेसिमेडेस और उनके पिता नेस्टर बैठे थे। उन्होंने उन्हें जानवरों के आंतरिक अंगों के हिस्से दिए और एक सोने के प्याले में शराब भरकर उसे एजिस धारण करने वाले ज़्यूस की पुत्री एथेन पल्लास के सम्मान में इन शब्दों के साथ उठाया:
‘हे अतिथि, हमारे प्रभु पोसीडॉन से प्रार्थना कीजिए, जिनके पर्व पर आप संयोगवश हमारे यहाँ आए हैं। और जब आप पेय पदार्थ अर्पित कर विधिपूर्वक प्रार्थना कर लें, तो अपने इस मित्र को मीठी मदिरा दें, ताकि वह भी अर्पित कर सके: क्योंकि मेरा मानना है कि वह भी आपकी ही तरह शाश्वत देवताओं से प्रार्थना करना चाहेगा, जिनके अभाव में समस्त संसार के हृदय उजाड़ हो जाएँगे। यदि मैं यह सुशोभित प्याला उससे पहले आपको दे रहा हूँ, तो केवल इसलिए कि वह आपसे छोटा है, मेरी ही पीढ़ी का है।’
इसके बाद उसने मीठी शराब उसके हाथ में थमा दी: एथेन उस व्यक्ति की उचित प्रवृत्ति से प्रसन्न हुई, जिसने स्वर्णिम प्याला परोसने में उसे प्राथमिकता दी थी; और तुरंत ही उसने प्रार्थना में राजा पोसीडॉन के सामने अपनी सारी इच्छा व्यक्त कर दी।
“हे जगत के स्वामी, हमारी प्रार्थना सुनो, और लालची होकर हमारे
उद्देश्य की पूर्ति के लिए की गई हमारी प्रार्थनाओं को अस्वीकार न करो। नेस्टर को, जो अपने वंश में सबसे महान है, और उसके बाद आने वाले सभी पुत्रों को गौरव प्रदान करो। पाइलोस में सभी को उन सौ बलिदानों का भरपूर प्रतिफल दो जो उन्होंने इतनी बड़ी मात्रा में दिए हैं। यह भी वरदान दो कि जब मैं और टेलीमाकस वापस जाएँ, तो हमारे उन उद्देश्यों की सुखद पूर्ति हो जिनके लिए हम अपने तेज, काले जहाज में यहाँ आए हैं।” उसने इस प्रकार

प्रार्थना की, और इस दौरान उसकी प्रार्थना पूरी हो रही थी। फिर उसने प्रेम का समृद्ध प्याला ओडीसियस के प्रिय पुत्र को दिया और उसने उसकी प्रार्थना दोहराई।
तब तक बाकी लोगों ने पीड़ितों का मांस भून लिया था और उसके टुकड़े
सीखों से उतार लिए थे। सभी को हिस्सा बाँटा गया और उन्होंने भरपूर भोजन किया। लेकिन जब अंत में सबकी भूख शांत हो गई, तब गेरेनिया के योद्धा नेस्टर ने उनसे बात करना शुरू किया: –
जब अजनबी भोजन से पूरी तरह संतुष्ट हों, जैसा कि अभी है, तो उनसे पूछताछ करना और यह पता लगाना उचित है कि वे कौन हैं। इसलिए, हे अतिथिगण, हमें अपने बारे में बताइए! आपकी समुद्री यात्रा कहाँ से शुरू हुई? क्या यह कोई व्यावसायिक उद्यम है, या आप उन समुद्री लुटेरों की तरह बेतरतीब ढंग से यात्रा कर रहे हैं जो खारे पानी की लहरों पर सवार होकर दूसरों के नुकसान से लाभ कमाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं?
टेलेमाकस को साहसपूर्वक उत्तर देने की प्रेरणा मिली, क्योंकि स्वयं एथेना ने उसे प्रोत्साहित किया था, जो चाहती थी कि वह अपने लापता पिता का पता लगाने में लगन दिखाकर लोगों का सम्मान प्राप्त करे। “हे नेस्टर, नेलियस के पुत्र, अचेयनों के प्रमुख गौरव! आप पूछते हैं कि हम कहाँ से आए हैं। मैं सब स्पष्ट कर देता हूँ। हम इथाका से आए हैं, जो नेयन के नीचे स्थित है: और हमारा उद्देश्य, जिसे मैं अब बता रहा हूँ, व्यक्तिगत है, सार्वजनिक नहीं। मैं अपने पिता, सर्वप्रसिद्ध पुरुष, धैर्यवान और शक्तिशाली ओडीसियस का पता लगा रहा हूँ। अफवाह है कि ट्रोजन राजधानी की लूट में उन्होंने आपके साथ लड़ाई लड़ी थी। हम ट्रॉय में सेवा करने वाले अन्य सभी लोगों का पता लगा सकते हैं; या यह जान सकते हैं कि उनमें से प्रत्येक की दुखद मृत्यु कहाँ हुई: लेकिन ज़्यूस ने इस अंतिम व्यक्ति के भाग्य को रहस्य बना दिया है। कोई भी निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि वह कहाँ खो गया - मुख्य भूमि पर, उन लोगों द्वारा कुचल दिया गया जो उससे नफरत करते थे, या एम्फिट्राइट की लहरों के नीचे, गहराई में।”
‘इसी कारण मैं आपके घुटनों पर विनती करता हूँ, हे नेस्टर: आपसे विनती
करता हूँ कि आप उसकी दुखद मृत्यु का वर्णन करें, जैसा आपने अपनी आँखों से देखा हो या किसी अन्य अनाथ से सुना हो। मैं कहता हूँ, उसकी मृत्यु तो उसकी माँ के गर्भ से ही विपत्ति के कारण तय थी। दया भाव से मुझे मीठी-मीठी बातें

न बताएँ, जो सत्य से कम कोमल हों: बल्कि जो कुछ आपने देखा है, वह स्पष्ट रूप से बताएँ। मैं आपसे विनती करता हूँ कि यदि (जब आप अचेयन ट्रॉय के लोगों से बुरी तरह घिरे हुए थे) मेरे पिता, महान ओडीसियस ने कभी आपसे प्रतिज्ञा की थी और अपना वचन निभाया था – तो अब आप मुझ पर भी दया करें और मुझे सच्चाई बताएँ।’
तब गेरेनिया के योद्धा नेस्टर ने उत्तर दिया, “प्रिय बालक, क्योंकि
तुमने मुझे वे भयानक यादें दिला दी हैं, तो सुनो उस घातक भूमि में हमने जो कुछ सहा, उसकी कहानी – हम क्रूर, अनुशासनहीन अचेयन; और उस दौरान हमने क्या- क्या सहा जब हम धुंध भरे समुद्र के ऊपर लूट के पीछे भटकते रहे, जहाँ भी अकिलीज़ हमें ले गया; साथ ही राजा प्रियम के विशाल किलेबंद शहर के चारों ओर हमारे संघर्षों की कहानी भी। वहाँ हमारे सबसे वीर योद्धा शहीद हुए। युद्धों के स्वामी एयास वहाँ दफन हैं: स्वयं अकिलीज़: और पेट्रोक्लस, जिनकी परिषद में बुद्धिमत्ता ईश्वर तुल्य थी। और वहाँ मेरा प्यारा पुत्र, बलवान, पवित्र एंटिलोकस भी शहीद हुआ, जो असाधारण रूप से फुर्तीला और योद्धा था। हमने अनगिनत विपत्तियाँ झेलीं। नश्वर दुर्बलता पूरी कहानी नहीं सुना सकती, भले ही तुम यहाँ पाँच-छह साल रुककर अचेयन वीरों के नुकसान की जाँच करते रहे। अंत से पहले तुम अपने वतन लौट गए होते।”
नौ वर्षों तक हमने अथक परिश्रम किया, शत्रु को हर प्रकार की दुष्ट
चालों में उलझाया: और अंततः, ज़्यूस को भी इसका पता नहीं चला। हममें से एक विशेष व्यक्ति के साथ, उस पूरे समय, किसी ने भी खुलेआम खुद को धूर्तता का उस्ताद बताने की हिम्मत नहीं की: क्योंकि स्पष्ट रूप से किसी भी प्रकार की रणनीति में ओडीसियस, आपके शाही पिता - यदि आप वास्तव में उनके पुत्र हैं - का ही वर्चस्व था। जब मैं आपको देखता हूँ तो मुझे एक अजीब आश्चर्य होता है: हालाँकि आपमें उनकी वाक्पटुता है। कोई भी कसम खा सकता है कि कोई भी बालक उनके जैसा नहीं बोल सकता। अब देखिए, जब तक महान ओडीसियस और मैं साथ थे, हमने परिषद कक्ष में या खुली सभा में कभी भी दो अलग-अलग विचार नहीं रखे। ऐसा लगता था मानो हमारा एक ही हृदय हो जिससे हमने दूरदर्शिता और गहन परामर्श से अर्गिव्स को समझाया कि वे इसे सर्वोत्तम तरीके से कैसे व्यवस्थित करें।
फिर भी हमने प्रियम के ऊंचे शहर को नष्ट कर दिया। बाद में, जब देवता ने अचेयनों को तितर-बितर कर दिया और हम सब अपने जहाजों पर चले गए, तब ज़्यूस

मैं तो भाग निकला, मेरे पीछे कई जहाज़ थे; मेरे मन में यह आशंका थी कि ईश्वर कोई विपत्ति खड़ी कर रहा है। टाइडियस का योद्धा पुत्र डायोमेडेस भी भाग गया, और उसके उदाहरण से उसके सभी साथी भी उसके साथ भाग गए। हम दोनों के जाने के बाद, रंगीन वस्त्र पहने मेनेलास हमारा पीछा करते हुए आया, जिसने हमें लेस्बोस में हमारी लंबी यात्रा के बारे में आगे विचार-विमर्श करते हुए पाया: – क्या चट्टानों से घिरे चियोस से दूर, सीरिया द्वीप के रास्ते जाना बेहतर होगा, जिसे हमें अपने बाईं ओर रखना था, या चियोस के इस तरफ से, तूफानी मीमास के रास्ते जाना बेहतर होगा। हमने ईश्वर से मार्गदर्शन मांगा। उन्होंने उत्तर दिया कि मध्य सागर को पार करके यूबोइया जाना ही विपत्ति से बचने का सबसे तेज़ रास्ता होगा। तभी अचानक तेज़ हवा चलने लगी, जिसके आगे जहाज़ मछलियों से भरे रास्तों पर तेज़ी से सरकते हुए, आधी रात को गेराएस्टस द्वीप पर पहुँच गए। हम तट पर उतरे और वहाँ कई बैलों का वध किया तथा उनकी अस्थि मज्जा को पोसीडॉन को बलि के रूप में जला दिया, इस बात के प्रतीक के रूप में कि खुले समुद्र का इतना बड़ा हिस्सा हमारे लिए अनुकूल रहा। इसके चार दिन बाद ही घोड़ों को परखने में माहिर डायोमेडेस के अनुयायियों ने अपने सुसज्जित जहाजों को आर्गोस में किनारे पर ला खड़ा किया।
‘मैं पाइलोस तक डटा रहा, उस अनुकूल हवा ने मेरी मदद की जो देवता द्वारा चलाए जाने के पहले दिन से ही लगातार चलती रही। इस प्रकार, प्यारे बालक, मैं आसानी से अकेले ही घर लौट आया, बिना अन्य अचेयनों के भाग्य को जाने या यह जाने कि कौन बचा और कौन खो गया। अपने विशाल हॉल में चुपचाप बैठे-बैठे मैंने जो भी समाचार एकत्र किए हैं, वे अब तुम मुझसे बिना किसी अपवाद के जानोगे, जैसा कि तुम्हारा अधिकार है।’
कहते हैं कि भाला चलाने वाले मर्मिडोंस, महान हृदय वाले अकिलीज़ के प्रसिद्ध पुत्र के नेतृत्व में अच्छी तरह से लौट आए। पोयास के वीर पुत्र फिलोक्टेट्स का भी हाल अच्छा था; और इडोमेनियस अपने सभी साथियों को क्रीट वापस ले आया – यानी वे सभी जो युद्ध से बच निकले थे। समुद्र उनमें से किसी को भी नहीं छीन पाया। एट्रेस के पुत्र एगामेम्नन के भाग्य की खबर, यहाँ तक कि आपके घर के उन दूरस्थ गढ़ों तक भी पहुँच गई होगी, जिसमें उसके उस दुखद अंत का वर्णन होगा जो एगिस्थस ने उसके लिए रचा था। फिर भी एगिस्थस को इससे भी भयानक हिसाब चुकाना पड़ा। यह कितना अच्छा हुआ कि पीड़ित का एक पुत्र बच

गया, और उसने अपने महान पिता की क्रूर मृत्यु का बदला धूर्त हत्यारे एगिस्थस से लिया! मेरे लंबे और सुंदर मित्र, उसके उदाहरण से प्रेरणा लेकर स्वयं को मजबूत करो: ताकि आने वाली पीढ़ियाँ तुम्हारी प्रशंसा करें। टेलेमाकस ने गंभीरता से उत्तर दिया, “नेस्टर, नेलियस के पुत्र,
अचेयनों के सर्वोपरि गौरव: मैं मानता हूँ कि युवा ओरेस्टेस ने अपने प्रतिशोध की अंतिम बूंद तक ले ली; और इसलिए अचेयन लोग सदा-सर्वदा उसकी प्रसिद्धि का बखान करते रहेंगे। काश, देवताओं ने मुझे भी उसकी जैसी शक्ति प्रदान की होती, ताकि मैं उन अधर्मी दावेदारों को उनके उन कुटिल दुस्साहसों का फल दे पाता, जिनसे वे चालाकी से मेरी दुर्बलता का अपमान करते हैं। परन्तु जब देवताओं ने मेरे और मेरे पिता के लिए भाग्य का ताना- बाना बुना, तो उन्होंने हमारे लिए ऐसी कोई सुखदायक शक्ति का प्रावधान नहीं किया। हमारा कार्य केवल सहन करना है।”
तब गेरेनिया के घुड़सवार सेनापति नेस्टर ने कहा, “मित्र, अब जब तुमने
यह मामला मेरे सामने उठाया है, तो मुझे यह स्वीकार करने दो कि मैंने सुना है कि तुम्हारे महल को उन लोगों की भीड़ ने घेर लिया है जो तुम्हारी माता से विवाह करना चाहते हैं; और वे तुम्हारे विरुद्ध साजिश रच रहे हैं। मुझे बताओ, क्या तुम स्वेच्छा से उनके सामने झुक रहे हो? या फिर किसी दैवीय इच्छा ने तुम्हारे क्षेत्र के लोगों को तुम्हारे विरुद्ध खड़ा कर दिया है? कौन जाने, शायद एक दिन वह आएगा और उनकी हिंसा का बदला उन्हीं पर हिंसा से लेगा: क्योंकि वह ऐसा कर सकता है, चाहे वह अकेला आए या अपने पीछे अचेया की शक्ति लेकर आए।” इसके अलावा, अगर धूसर आँखों वाली एथेन आपको चुनकर अपना स्नेह दिखाए, उसी प्रेम से जिसकी देखभाल उसने ट्रोएड में प्रसिद्ध ओडीसियस की की थी, जहाँ हम अचेयनों ने कष्ट सहा था – मैंने देवताओं की ओर से ऐसा खुला स्नेह कभी नहीं देखा जैसा वहाँ पल्लास ने दिखाया, जो खुलेआम उसके साथ खड़ी थी – अगर पल्लास आपसे इतना प्रेम करे और आपके लिए उसका दिल इतना तड़पे, तो शायद उनमें से एक या दो विवाह के विचार से पूरी तरह विमुख हो जाएँ!’ टेलीमाकस ने उदास होकर उत्तर दिया, ‘आदरणीय महोदय, मुझे नहीं लगता कि आपकी यह बात सच हो सकती है। आपका कथन बहुत बड़ा है। इतना बड़ा कि मुझे डर लग रहा है। न तो मेरी सारी आशा, न ही देवताओं की सद्भावना, इसे पूरा कर सकती है।’

तभी देवी एथेना ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, ‘टेलेमाकस, तुम्हारे होठों
से ऐसे शब्द निकलना उचित नहीं है। जब कोई देवता चाहे, तो वह किसी मनुष्य की रक्षा बड़ी आसानी से कर सकता है, चाहे वह दुनिया के किसी भी छोर पर क्यों न हो। जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो घर लौटते समय हर तरह के कष्ट सहना पसंद करूँगी, ताकि अंततः वहाँ पहुँचकर अपनी वापसी का आनंद ले सकूँ, बजाय इसके कि मैं वापस आकर अपने घर के चूल्हे पर ही मृत्यु का सामना करूँ, जैसा कि एगामेम्नन अपनी पत्नी और एगिस्थस के धोखे से मरा था। फिर भी मैं मानती हूँ कि न तो अमर देवता स्वयं अपने प्रिय को मृत्यु के सामान्य दंड से हमेशा के लिए बचा सकते हैं, न ही उस घातक नियति को टाल सकते हैं जो अंत में हर मनुष्य को कब्र में लेटा देती है।’
टेलेमाकस ने अपनी आदत के अनुसार उत्तर दिया, “गुरुजी, हम इस विषय पर और बात नहीं करेंगे। उसके लिए प्रतिफल की कल्पना करके हम क्यों परेशान हों, जबकि अमर लोगों ने उसे मृत्यु और उसके बाद आने वाले अंधकार से भर दिया है? लेकिन देखिए, मैं विषय बदलना चाहता हूँ; और नेस्टर से एक और बात पूछना चाहता हूँ, क्योंकि उनके निर्णय और निष्कर्ष अंतिम अधिकार रखते हैं। मुझे बताया गया है कि वह सामान्य पीढ़ियों की तुलना में तीन गुना अधिक समय तक राजा रहे हैं। इस गुण के कारण वे मेरी दृष्टि में लगभग स्वयं अमर प्रतीत होते हैं। इसलिए नेस्टर, नीलियस के पुत्र, मुझे और अधिक सच्ची कहानी बताइए
- उस महान राजा, एट्रेस के पुत्र, एगामेम्नन की मृत्यु कैसे हुई? एगिस्थस ने किस चालाकी से अपने से कहीं अधिक श्रेष्ठ व्यक्ति को मृत्यु के जाल में फंसाया? मेनेलास इस मामले में कहाँ था, जिसे एगिस्थस ने मारने का साहस किया? शायद अनुपस्थित, अचेयन आर्गोस से दूर दुनिया में भटक रहा था?” घोड़ों के धनी गेरेनिया के नेस्टर ने उत्तर दिया, “मेरे बच्चे, मैं तुम्हें पूरी सच्चाई बता सकता हूँ। तुमने सही अनुमान लगाया है कि अगर सांवले रंग का मेनेलास, एगामेम्नन का भाई, ट्रॉय से लौटकर एगिस्थस को अपने भाई के स्थान पर जीवित पाता तो क्या होता। कोई शव होता ही नहीं जिसे अंतिम संस्कार की रस्मों की आवश्यकता होती। कुत्ते और कौवे शहर की दीवारों के बाहर खुले मैदानों में शव को नोंच-नोंच कर टुकड़े-टुकड़े कर देते: और न ही हमारी कोई स्त्री उसके लिए विलाप करती, क्योंकि उस आदमी का अपराध इतना घृणित था।”

हम तो दूर, घेराबंदी में अपनी भीषण लड़ाई लड़ रहे थे, जबकि वह, आर्गोस
के बीचोंबीच और उसके हरे-भरे चरागाहों में आराम से बैठा, अगामेम्नन की पत्नी के कान में फुसफुसाता रहता था, उसका प्यार पाने की कोशिश करता रहता था। दिव्य सौंदर्य और नेक हृदय वाली क्लिटेम्नेस्ट्रा उस नीच व्यक्ति को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकी। इसके अलावा, उसके साथ हमेशा परिवार का गायक भी रहता था, जिसे एट्रीड्स ने ट्रॉय जाने से पहले अपनी पत्नी की रक्षा के लिए फटकार लगाई थी।
फिर भी, देवताओं के श्राप ने अंततः उसे विपत्ति से जोड़ दिया। एजिसथस
ने उस गायक को एक सुनसान द्वीप पर फुसलाकर ले गया और वहाँ उसे शिकारी पक्षियों के लिए भोजन बनने के लिए छोड़ दिया। इसके बाद उसकी वासना उसके प्रेमी की वासना से मेल खा गई, और उसने उसे अपने घर में ले लिया। उसने देवताओं की पवित्र वेदियों पर बैलों की कई जांघों की हड्डियाँ जला दीं और अपनी आशा से परे मिली अभूतपूर्व सफलता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कई चादरें या सोने के उपहार अर्पित किए।
फिर हम दोनों, एट्रीडेस-मेनेलास, पक्के दोस्त बनकर एक साथ वापस आ रहे
थे। लेकिन एथेंस के पवित्र तट सुनियम पर, अपोलो फोएबस ने मेनेलास के नाविक पर अपने कोमल बाण बरसाए और उसकी जान ले ली। वह मर गया, जबकि चलती हुई नाव का चप्पू अभी भी उसके हाथों में था। ओनेटोर का पुत्र, फ्रोंटिस, तूफ़ान के दौरान भी जहाज को कुशलतापूर्वक चलाने में अपने पेशे के सभी पुरुषों से श्रेष्ठ था। इसलिए मेनेलास को वहाँ रुकना पड़ा, हालाँकि वह आगे बढ़ने के लिए उत्सुक था, जब तक कि उसने अपने साथी को उचित और भव्य अंतिम संस्कार नहीं दे दिया। फिर अंत में वह अपने खोखले जहाजों की सर्वोत्तम गति से गहरे भूरे रंग के समुद्र को पार करते हुए मालेया की खड़ी ढलान तक पहुँच गया। लेकिन वहाँ, दूरदर्शी ज़्यूस ने तेज़ हवाओं और विशाल लहरों का एक झोंका भेजकर उसे बुरी तरह से भटका दिया।
‘सेना बिखर गई। कुछ जहाजों को ईश्वर ने लगभग क्रीट के उस हिस्से तक
धकेल दिया जहाँ किडोनियन लोग इयार्डनस नदी के किनारे रहते हैं। जब दक्षिण-पश्चिम से हवा चलती है, तो एक लंबी लहर वहाँ उस चिकनी चट्टान की दीवार से टकराती है जो गोर्टिन के सबसे दूर के छोर से पश्चिम की ओर फ़ेस्टोस के पास स्थित प्रायद्वीप तक धुंध से ढके समुद्र के ठीक सामने खड़ी है: जहाँ एक नीची चट्टान ज्वार के पूरे प्रवाह को रोकती है। बेड़े का आधा हिस्सा इसी

पर आ गिरा। लहरों के बल से जहाज चट्टानों से टकराकर चकनाचूर हो गए: और उनमें सवार लोग बाल-बाल मौत से बचे।
बाकी बचे काले रंग के जहाजों, यानी पांच अन्य जहाजों की बात करें तो, वे हवा और पानी के बहाव से मिस्र के तटों तक पहुँच गए; उस विचित्र क्षेत्र में, जहाँ विदेशी लोग रहते थे, मेनेलास रुका रहा और उसने बड़ी मात्रा में सोना और माल इकट्ठा किया, जबकि एगिस्थस घर पर अपनी घिनौनी योजना को अंजाम दे रहा था। इस प्रकार, एट्रीड्स को मारने के बाद, उसने स्वर्णिम माइसेना में सात वर्षों तक शासन किया और सभी लोग उसकी सेवा करते रहे। लेकिन आठवें वर्ष में, एथेंस से सुंदर ओरेस्टेस लौटा और वही उसका विनाश करने आया। ओरेस्टेस ने गद्दार एगिस्थस, अपने पिता के हत्यारे को मार डाला: एक पुत्र ने पिता के हत्यारे को मार डाला। अपना बदला पूरा करने के बाद, ओरेस्टेस ने अपनी घृणा की माँ और घृणित एगिस्थस के शवों पर अर्गिव्स के लिए एक अंतिम संस्कार भोज दिया: और उसी दिन, युद्ध की गर्जना करने वाला मेनेलास अपने जहाजों में लदे हुए सारे धन से लदा हुआ वहाँ से रवाना हुआ।
“मेरे मित्र, इससे सीख लो कि अपने घर से बहुत देर तक दूर मत भटको, अपनी संपत्ति को मत छोड़ो, जब घर में ऐसे लोग हों जो तुम्हारा सब कुछ लूटने और खा जाने की धमकी दे रहे हों: क्योंकि ऐसा करने से तुम्हारी यात्रा व्यर्थ हो जाएगी। फिर भी मैं तुमसे आग्रह करता हूँ, बल्कि मैं तुम्हें आदेश देता हूँ, कि तुम मेनेलास से मिलने जाओ, जो अभी-अभी विदेश से घर लौटा है, ऐसे पराक्रम से कि सबसे साहसी व्यक्ति भी उस भयानक, असीम समुद्र के पार तूफानों से बेहाल होकर जाने के बाद कभी वापस लौटने की उम्मीद छोड़ देगा: एक ऐसा विशाल और भयानक समुद्र कि एक पक्षी भी बारह महीने में उससे बाहर निकलने की उम्मीद नहीं कर सकता।”
अतः मैं चाहता हूँ कि तुम अपने दल सहित अपने जहाज से उसके पास जाओ;
परन्तु यदि तुम मार्ग से जाना चाहो, तो रथ और बैलगाड़ी तुम्हारे लिए उपलब्ध हैं, और मेरे पुत्र तुम्हें सुंदर लैकेडेमोन में रहने वाले सांवले मेनेलास तक ले जाएँगे। उससे अपने मुख से प्रार्थना करो, क्योंकि तब वह ध्यान देगा और अपने संचित ज्ञान से सत्यपूर्वक उत्तर देगा, वह तुम्हें धोखा देने का निश्चय नहीं करेगा।
वहाँ नेस्टर का भाषण समाप्त हुआ: लेकिन अब सूरज डूब रहा था और परछाइयाँ गहरी होती जा रही थीं। तभी धूसर आँखों वाली देवी एथेना ने समूह से कहा, ‘हे

प्राचीन, आपने हमें अपनी कहानी बहुत अच्छे से सुनाई: लेकिन अब जीभ काटने और शराब मिलाने का समय आ गया है, ताकि हम पोसीडॉन और अन्य अमर देवताओं को अपनी भेंट पूरी कर सकें: और फिर हमें अपने पलंगों के बारे में सोचना चाहिए: क्योंकि सोने का समय हो गया है। सूरज दुनिया की छाया में डूब गया है और हमें चलना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि हम देवताओं की मेज पर बहुत देर तक असभ्य तरीके से बैठे रहें।’
उसके श्रोताओं ने उसका स्वागत किया। उसके सहायकों ने अपने हाथों पर
पानी डाला और सेवकों ने पीने के प्यालों को मिश्रित पेय से लबालब भर दिया। फिर उन्होंने प्रत्येक को एक नया प्याला दिया। बैल की जीभें आग में डाली गईं, और प्रत्येक व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा होकर बारी-बारी से अपना आहुति चढ़ाया। जब उन्होंने इस प्रकार आहुति दे दी और अपनी इच्छा के अनुसार शेष पेय पी लिया, तब एथेन और देवतुल्य टेलीमाकस अपने खोखले जहाज पर वापस जाने वाले थे: लेकिन नेस्टर ने विरोध भरे शब्दों से उन्हें रोक दिया: –
हे ज़्यूस और समस्त अमर देवमंडल, मुझे आपके द्वारा मेरे घर के पास से गुज़रने, उसका अनादर करने और अपने जहाज़ में सोने से बचाएँ, मानो मैं कोई नंगा, ज़रूरतमंद आदमी हूँ जिसके घर में न तो चादर है और न ही चादर, ताकि वह और उसके मेहमान आराम से सो सकें! ईश्वर की कृपा से, मेरे पास बिस्तरों का भरपूर भंडार है। मैं कसम खाता हूँ, जब तक मैं जीवित हूँ, मेरे साथी ओडीसियस का प्रिय पुत्र कभी भी उसके जहाज़ के नंगे तख्तों पर नहीं सोएगा – और न ही जब तक मेरे बच्चे महल में मौजूद हैं, जो भी मेहमान आएँ, उनका सत्कार करेंगे।
एथेन ने उत्तर दिया, “बहुत खूब कहा, मेरे पुराने मित्र: और टेलीमाकस
आपकी आज्ञा का पालन करेगा, जैसा कि उचित है। उसे अभी आपके साथ आपके महल में सोने के लिए जाने दीजिए। लेकिन मेरा कर्तव्य है कि मैं अपने काले जहाज के दल को हमारी खबर देकर उनका हौसला बढ़ाऊं। आप जानते हैं कि मैं ही इस दल में अकेली अनुभवी महिला हूं। बाकी सभी जवान हैं, बलवान टेलीमाकस के बराबर उम्र के हैं, और वे प्रेम के कारण हमारे साथ इस यात्रा पर आए हैं। इसलिए मैं आज रात उनके साथ जहाज के काले ढांचे के पास सोऊंगी: और सुबह मैं आदरणीय कोकोनियनों के पास जाऊंगी, जिन्होंने काफी समय से मेरा काफी कर्ज लिया है। इस बीच, आप अपने अतिथि टेलीमाकस को अपने एक बेटे के साथ अपने तेज रथों में

से एक में आगे भेजें: उसके लिए अपने अस्तबल से दो सबसे फुर्तीले और मजबूत सीने वाले घोड़े चुनें।”
देवी ने अपनी बात समाप्त की और एक समुद्री चील की तरह उनसे विदा ले ली। वहाँ उपस्थित सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए और आदरणीय पुरुष अपनी आँखों के सामने का दृश्य देखकर दंग रह गए। उन्होंने टेलीमाकस का हाथ पकड़कर उसका नाम पुकारते हुए कहा, “मित्र टेलीमाकस, जब बचपन से ही देवता तुम्हारे मार्गदर्शक बनकर तुम्हारे साथ हैं, तो भला तुम्हारे दुर्बल या नीच होने का भय क्या हो सकता है? ओलंपस के महान निवासियों में से यह स्वयं ज़्यूस की पुत्री, ट्रिटोनियन, सर्व-महिमावान देवी ही हो सकती हैं, जिन्होंने अर्गिव्स में से तुम्हारे महान पिता को भी विशेष सम्मान दिया था।”
‘हे महारानी, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, हम पर कृपा कीजिए और
मुझे मनुष्यों के बीच एक अच्छा नाम प्रदान कीजिए; मेरे लिए, मेरे
बेटों के लिए और मेरी प्रिय एवं सम्मानित पत्नी के लिए। और मैं
आपको एक साल की बछिया अर्पित करता हूँ, जो चौड़ी भौंहों वाली,
कुंवारी और कभी भी पुरुष के अधीन न हुई हो। इस बछिया को मैं आपके
लिए बलिदान करूँगा, इसके सींगों को शुद्ध सोने से मढ़वाने के बाद।’
उसने ऐसी प्रार्थना की, और पल्लास एथेन ने उसे सुन लिया।
फिर गेरेनिया के योद्धा नेस्टर अपने बेटों और दामादों को सुंदर महल
में लेकर आए; वहाँ उस महान राजा के महल में वे सब अपनी-अपनी कुर्सी या सिंहासन पर व्यवस्थित रूप से बैठ गए। वहीं, बूढ़े स्वामी ने अपने मेहमानों के लिए ग्यारह साल पुरानी शराब तैयार की, जो उनकी पत्नी द्वारा ढक्कन खोलकर परोसने से पहले ही बर्तन में रखी हुई थी। उस बूढ़े ने भी अपनी शराब तैयार की और उसका पहला घड़ा एथेना को अर्पित करते हुए, कवच धारण करने वाले ज़्यूस की पुत्री एथेना से पूर्ण श्रद्धा से प्रार्थना की।
अन्य लोगों ने फिर से पेय पदार्थ अर्पित किए और जी भर कर पिया। फिर सभी लोग अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए। लेकिन टेलेमाकस, जो ओडीसियस का पुत्र था और जिसे देवता समान माना जाता था, उसकी जगह गेरेनियन घुड़सवार प्रेमी नेस्टर ने घर के गुंबददार प्रवेश द्वार पर, गूंजती छत के नीचे, जड़ाऊ पलंग पर चादरें बिछा रखी थीं। उसके साथ पेइसिस्ट्राटस भी था, जिसके पास उसका सुंदर राख रंग का भाला था। पेइसिस्ट्राटस, हालांकि एक लंबा आदमी था और युद्ध में अपनी सेना का नेतृत्व करता था, फिर भी अविवाहित था, और

इसलिए, बेटों में अकेला ही अपने पिता का घर संभालता था। बूढ़ा स्वामी विशाल भवन के भीतरी हिस्से में अलग सो रहा था, जहाँ उसकी पत्नी ने उनके लिए पलंग और चादरें तैयार कर रखी थीं।
भोर हुई: और भोर की गुलाबी किरणें आकाश में फैलने लगीं। गेरेनिया के योद्धा नेस्टर अपने बिस्तर से उठे और अपने घर के ऊँचे द्वार के सामने बने चिकने चबूतरे पर बैठ गए। इसके सफेद पत्थर, जो पूरी तरह से पॉलिश किए हुए थे, प्राचीन काल में नेलियस का आसन थे, जो दिव्य रूप से अचूक सलाहकार थे, जिन्हें मृत्यु ने बहुत पहले वश में कर लिया था और जो पाताल लोक चले गए थे, नेस्टर को अचेयनों का संरक्षक बनाकर अपने स्थान पर सत्ता का राजदंड संभालने के लिए छोड़ गए थे। उनके चारों ओर उनके पुत्रों का समूह इकट्ठा हुआ, जो अपने-अपने घरों से आए थे: एचेफ्रॉन, स्ट्रैटियस, पर्सियस, एरेटस और शानदार थ्रेसिमेडेस। छठा पुत्र, बहादुर पेइसिस्ट्राटस भी आया: और वे सुंदर टेलीमाकस को भी लाए, और उसे अपने बीच में बैठाया, जैसे ही नेस्टर ने उन्हें संबोधित करना शुरू किया:
“जल्दी करो, प्यारे बेटों, मेरा आदेश मानो, ताकि मैं सभी देवताओं में
से दिव्य एथेन को विशेष सम्मान दे सकूँ, जो कल देवताओं के पवित्र पर्व पर साक्षात मेरे दर्शन करने आई थीं। इसलिए तुममें से एक चरागाहों में जाकर एक बछिया को ले आए, जितनी जल्दी चरवाहा उसे यहाँ ला सके। दूसरा उदार हृदय वाले टेलीमाकस के काले जहाज पर जल्दी जाए और उसके दो साथियों को छोड़कर बाकी सभी को ले आए। कोई और लेर्केस को सोने का काम करने के लिए बुलाए, ताकि वह बलि दिए गए जानवर के सींगों को सोने से मढ़ दे। बाकी सब घर में रहो और देखो कि घर की औरतें हमारे प्रसिद्ध हॉल में मेजें सजा रही हैं, बैठने की व्यवस्था कर रही हैं और जलाने के लिए लकड़ी और पानी का उचित इंतजाम कर रही हैं।” नेस्टर ने ऐसा आदेश दिया और वे आज्ञा मानने के लिए दौड़ पड़े। खेतों से बछिया प्रकट हुई और उच्च हृदय वाले टेलीमाकस का दल अपने तेज और सुंदर जहाज से आ पहुंचा: साथ ही लोहार भी आया, अपने हाथों में अपने लोहार के औजार लिए हुए, जिनसे उसकी कला प्रकट होती थी - निहाई, हथौड़ा और सोने पर काम करने के लिए सुडौल चिमटा।
एथेन ने भी अपने बलिदान को स्वीकार कर लिया।
तब प्राचीन योद्धा नेस्टर अपना सोना लेकर आया; और कारीगर ने बड़ी
चतुराई से बछिया के सींगों पर सोना चढ़ा दिया ताकि देवी उस सुंदर वस्तु को

देखकर प्रसन्न हो जाएँ जो उन्हें समर्पित की गई है। स्टेटियस और कुलीन एचेफ्रॉन ने बछिया को सींगों से पकड़कर आगे बढ़ाया। एरेटोस बैठक कक्ष से बाहर आई, एक हाथ में शुद्धिकरण के लिए कमल के आकार का जल पात्र और दूसरे हाथ में जौ के आटे की टोकरी लिए हुए। युद्ध में बलवान थ्रेसिमेडेस तैयार खड़ा था, बछिया को काटने के लिए अपनी तेज कुल्हाड़ी ताने हुए। पर्सियस ने रक्त पात्र पकड़ रखा था।
आदरणीय नेस्टर ने अपने हाथों को पानी में डुबोकर शुद्ध करके बलिदान की रस्म शुरू की; फिर उन्होंने अनाज छिड़कना शुरू किया, साथ ही एथेना से पूरी श्रद्धा से प्रार्थना करते हुए बछिया के माथे के बालों को आग में डाल दिया। प्रार्थना करने और अनाज की भेंट बिखेरने के बाद, अचानक नेस्टर का पुत्र, उत्साही थ्रेसिमेडेस, आगे आया और वार किया। उसकी तलवार ने गर्दन की नसों को चीर दिया, और बछिया का साया टूट गया। राजकुमार की बेटियों, बहुओं और उनकी सम्मानित पत्नी, क्लीमेनस की सबसे बड़ी बेटी यूरीडाइस ने कांपते हुए चीख मारी; जबकि पुरुषों ने कुचली हुई धरती से जानवर का सिर ऊपर उठाया, ताकि अभिमानी पेइसिस्ट्राटस उसका गला काट सके।
गाढ़ा खून बह निकला और हड्डियों से जान निकल गई। उन्होंने जल्दी से शव
को टुकड़ों में बाँट दिया, जांघ की हड्डियों से मांस अलग कर दिया, उन्हें प्रथा के अनुसार वसायुक्त भागों से ऊपर और नीचे लपेटकर मोड़ दिया और कच्चे मांस को उनके ऊपर रख दिया। फिर बड़े ने लकड़ी के टुकड़ों में आग लगा दी और लपटों पर लाल शराब छिड़कते हुए भेंट को जलाया। इस प्रकार जांघ की हड्डियाँ पूरी तरह से जल गईं, जबकि युवक अपने पिता के चारों ओर पाँच नोक वाले भुने हुए कांटों को हाथ में लिए हुए आंतरिक मांस का स्वाद चख रहे थे। बाद में उन्होंने बचे हुए मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लिया और उन्हें नुकीले कांटों पर लगाकर आग पर कसकर पकड़े हुए भूनने लगे।
इस बलिदान के दौरान, नीलियस के पुत्र नेस्टर की सबसे छोटी वयस्क
पुत्री, सुंदर पॉलीकास्टे ने टेलीमाकस को स्नान कराया, उसे धोया और भरपूर जैतून के तेल से मालिश की, फिर उसे एक सुंदर वस्त्र और लबादा पहनाया: जिससे वह स्नानघर से एक अमर व्यक्ति के शरीर के साथ बाहर आया। वह अपने लोगों के चरवाहे नेस्टर से मिला और उसके बगल में बैठ गया। मांस अब तैयार था। उन्होंने उसे कांटों से निकाला और भोजन करने बैठ गए। प्रतिष्ठित पुरुष उनकी सेवा में लगे रहे, उनके सोने के प्यालों में शराब भरते रहे: और जब वे

खा-पी कर थक गए, तब गेरेनिया के योद्धा नेस्टर ने फिर से अपना मुंह खोला और कहा:
“अब, मेरे पुत्रों, समय आ गया है कि टेलीमाकस के रथ में लंबे बालों
वाले, गर्वित पूंछ वाले घोड़ों को जोता जाए, ताकि वह अपने मार्ग पर चल सके।” उसने ऐसा कहा, और वे तत्परता से उसकी आज्ञा का पालन करने के लिए दौड़ पड़े। कुछ ही देर में तेज घोड़े रथ के जुए के नीचे तैयार थे। गृहणी ने अपने भंडार से रोटी और शराब लाई, साथ ही वे लज़ीज़ व्यंजन भी लाए जो देवताओं के प्रिय, राजाओं को खाने को मिलते हैं।
टेलेमाकस भव्य रथ पर सवार हुआ। नेस्टर का कुलीन पुत्र पेइसिस्ट्राटस उसके बगल में सवार हुआ और लगाम अपने हाथों में ले ली। फिर उसने चाबुक से घोड़ों को मारा: और घोड़े, मुक्त होकर प्रसन्न होकर, पाइलोस के गढ़ की खड़ी चट्टान से मैदान में दौड़ पड़े: और दिन भर लगातार मैदान में चलते रहे, उनके गले पर लगा जुआ इधर-उधर हिलता रहा।
सूरज डूब गया। रास्ता धुंधला हो गया। वे थेरा में, ऑर्टिलोकस के पुत्र डायोक्लेस के घर के पास थे, जो अल्फियस का सगा पुत्र था। उन्होंने उसके साथ रात बिताई, उनका अच्छे से स्वागत किया गया; और भोर की पहली लाल किरणें आकाश में दिखाई देते ही, उन्होंने अपने घोड़ों को अपने अगले पड़ाव के लिए रंगीन रथ में जोता।
वे आंगन के द्वार से होते हुए गूंजते हुए बरामदे के पास से गुजरे।
सारथी ने फिर चाबुक चलाया: घोड़े फिर से फुर्ती से आगे बढ़े। थोड़ी देर में वे गेहूं के खेतों में प्रवेश कर गए, जो इस बात का संकेत था कि उनकी यात्रा समाप्त होने वाली है; घोड़े इतनी तेज़ी से दौड़ रहे थे। सूरज फिर ढलने लगा और सड़कें अंधेरी हो गईं।

पुस्तक 4

वे लैकेडेमोन देश में पहुँचे, जो पहाड़ियों के बीच बसा हुआ था; और वे प्रसिद्ध मेनेलास के घर गए। मेनेलास अपने पुत्र और अपने परिवार की निर्मल पुत्री के विवाह का जश्न मनाने के लिए अपने कई रिश्तेदारों को भोज दे रहा था। वह अपनी पुत्री का विवाह युद्ध में विदारक योद्धा अकिलीज़ के पुत्र से कर रहा था। ट्रॉय में ही मेनेलास ने पहली बार इस प्रस्ताव को स्वीकार किया था और अपनी पुत्री के जाने पर सहमति जताते हुए सिर झुकाया था; और अब वह घोड़ों और रथों से उसे मर्मिडोंस के प्रसिद्ध शहर में भेजने वाला था, जहाँ उसका दूल्हा राजा था; क्योंकि देवता इस विवाह को संपन्न करा रहे थे। जहाँ तक पुत्र की बात है – मेनेलास स्पार्टा शहर से एलेक्टर की पुत्री को अपने बलवान लेकिन इकलौते पुत्र मेगैपेंथेस से विवाह कराने के लिए ला रहा था, जो उसकी दासी से उत्पन्न हुआ था। क्योंकि हेलेन को देवताओं ने उसके पहले प्यारे बच्चे हर्मियोनी के जन्म के बाद संतानोत्पत्ति का वरदान नहीं दिया था, जो स्वयं सुनहरी एफ़्रोडाइट के समान सुंदर थी। इसलिए, प्रसिद्ध मेनेलास के ये पड़ोसी और रिश्तेदार उसकी ऊँची छत के नीचे बड़े आनंद से भोजन कर रहे थे। भोज में एक गायक भी था जो अपने वीणा पर मधुर गीत गा रहा था। जैसे ही उसके प्रारंभिक सुर सुनाई दिए, दो मसखरे मेहमानों के बीच नाचते हुए आए और हॉल के फर्श पर कलाबाजियाँ करने लगे।
तभी घर के सामने खुले मैदान में वीर टेलीमाकस और नेस्टर के प्रतिष्ठित पुत्र का रथ आकर रुका। प्रसिद्ध मेनेलास के फुर्तीले सहायक मास्टर एटोनियस ने उन्हें आते देखा। वह महल में दौड़कर लोगों के चरवाहे को उनकी खबर देने गया। उसके पास जाकर उसने तीखे लहजे में कहा, “हे मेरे स्वामी मेनेलास, ज़्यूस के लाडले, दो आदमी आ रहे हैं: अजनबी हैं, लेकिन दिखने में देवता समान हैं, मानो ज़्यूस के अपने ही रिश्तेदार हों। मुझे जल्दी बताइए, क्या अब हम उनके तेज़ घोड़ों को खोल दें? या उन्हें किसी योग्य व्यक्ति के पास मनोरंजन के लिए भेज दें?”

लाल चेहरे वाले मेनेलास क्रोध से लाल हो गए और चिल्लाकर बोले, “हे एटोनियस, बोएथस के पुत्र, तुम प्राचीन काल में इतने मूर्ख नहीं थे! परन्तु यहाँ तो तुम एक नादान बच्चे की तरह बड़बड़ा रहे हो, यह भूल गए हो कि हम दोनों ने इस महल में लौटते समय कितनी बार अन्य लोगों के घरों में आतिथ्य सत्कार किया है, जहाँ ज़्यूस हमें सदा के लिए कष्टों से मुक्ति दे! जल्दी करो और हमारे अतिथियों के रथ से घोड़े उतारो और दोनों सवारों को हमारे साथ भोज में शामिल होने के लिए लाओ।” उनके आदेश पर, सहायक तेज़ी से हॉल से वापस भागा और अन्य फुर्तीले पैदल सैनिकों को उसकी सहायता करने का आदेश दिया। उन्होंने पसीने से तर घोड़ों को जुए से मुक्त किया और उन्हें अस्तबल में लगाम पहनाई, और उनके लिए अनाज और सफेद जौ का मिश्रित चारा डाला। उन्होंने रथ को द्वार के चिकने हिस्से से टिकाया और उन लोगों को उस अद्भुत महल में ले गए।
स्वर्ग से पोषित राजा के इस महल को देखते ही आगंतुक विस्मय से ठहर उठे। इसकी चमक ऐसी थी मानो सूर्य या चंद्रमा सुप्रसिद्ध मेनेलास के आलीशान निवास में ही उदय हो गए हों। वे चारों ओर निहारते हुए आनंद से भर उठे; फिर चमकीले स्नानघरों में गए और स्नान किया; या यूँ कहें कि दासियों ने उनका स्नान कराया और तेल से मालिश की, फिर उन्हें वस्त्रों के ऊपर गर्म चादरों से लपेट दिया; उन्हें एट्रियस के पुत्र मेनेलास के बगल में उनके सिंहासनों पर बैठने के लिए तैयार किया।
एक सुंदर सोने का मटका उनकी दासी उनके लिए लाई और उनकी उंगलियों पर
पानी डालकर चांदी के पात्र में डाला। उसने उनके बगल में एक चमकदार मेज सजाई, जिस पर वृद्ध गृहणी ने रोटी और स्वादिष्ट भोजन भरपूर मात्रा में परोसा। बटलर विभिन्न प्रकार के मांस से भरी थालियाँ लेकर आया और उनके हाथों में सोने के प्याले थमा दिए। मेनेलास ने उन्हें अपने उपहारों की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘हमारे भोजन का स्वाद चखो और प्रसन्न हो जाओ: ताकि खाने के बाद हम तुमसे पूछ सकें कि तुम कौन हो। तुम जैसे वंशजों में पिता का वंश व्यर्थ नहीं गया है: स्पष्ट रूप से तुम राजाओं के वंश के हो, ज़्यूस के राजदंडधारी देवपुत्र हो। साधारण लोग तुम जैसे पुत्रों को जन्म नहीं देते।’ इस परिचय के साथ ही उसने गोमांस का लजीज टुकड़ा उठाया और उन्हें दे दिया, जो उसका विशेष भाग था: फिर उन्होंने परोसे गए भोजन का भरपूर आनंद लिया।

बाद में, जब उनकी खाने-पीने की इच्छा शांत हो गई, तो टेलीमाकस ने नेस्टर के पुत्र के पास अपना सिर झुकाया और उसके कान में धीरे से फुसफुसाया, ताकि दूसरे लोग उसके शब्द न सुन सकें, “नेस्टर के पुत्र और मेरे दिल की खुशी, देखो इस गूंजते हुए हॉल में पॉलिश किए हुए तांबे, सोने, इलेक्ट्रम, चांदी और हाथीदांत की कैसी चमक है। निश्चित रूप से ओलंपियन ज़्यूस के महल ऐसे ही होंगे, भीतर एक महान वैभव, अद्भुत चीजों से परिपूर्ण, जिनका वर्णन करना असंभव है। मैं इसे देखकर विस्मित हूँ।”
सुनहरे बालों वाले मेनेलास ने उसकी फुसफुसाहट सुन ली थी। उसने उनके सामने अपने मुख खोलकर गंभीर शब्द कहे, ‘प्यारे बच्चों, ज़्यूस से कोई भी नश्वर मनुष्य प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता। उसके घर और उसके खजाने अनंत काल तक हैं। पृथ्वी पर – खैर, शायद कोई मेरे जितना धनी हो, या शायद न हो: लेकिन भयानक कष्टों और आठ वर्षों के विदेशी भ्रमण के बाद ही मैं इस धन के साथ विदेश से घर लौटा। मैं साइप्रस, फोनीशिया और मिस्र में घूमा: मैंने इथियोपियाई, सिदोनियों और एरेम्बी लोगों को उनके मूल निवास स्थानों में देखा: यहाँ तक कि लीबिया में भी, जहाँ भेड़ें सींग वाले मेमनों को जन्म देती हैं और वर्ष के चक्र में तीन बार ऐसा करती हैं। कोई भी लीबियाई, चाहे वह राजा हो या चरवाहा, पनीर, भेड़ के मांस या मीठे भेड़ के दूध की कमी से नहीं जूझता, क्योंकि वहाँ थन साल भर भरे रहते हैं।’
फिर भी, जब मैं इन स्थानों पर घूम-घूम कर वह धन इकट्ठा कर रहा था जिसका
आप ज़िक्र कर रहे हैं, तभी एक दूसरे आदमी ने चुपके से मेरे भोले-भाले भाई पर हमला किया और उसकी हत्या कर दी; उसकी नीच पत्नी की मिलीभगत से। इसलिए इन सभी विशाल संपत्तियों पर मेरा शासन मुझे कोई खुशी नहीं देता। शायद यह कहानी आपके पूर्वजों ने आपको सुनाई होगी, चाहे आप किसी के भी पुत्र हों: क्योंकि मैंने बहुत कष्ट सहा है और एक समृद्ध और सुख-सुविधाओं से भरपूर परिवार को बर्बाद कर दिया है। मैं खुशी-खुशी इस धन को एक तिहाई तक कम कर दूंगा, अगर ऐसा हो सके कि मैं अपने घरों को उन पुरुषों से फिर से भर सकूं जो वर्षों पहले ट्रोएड की पहाड़ियों में मारे गए थे, घोड़ों की जन्मभूमि आर्गोस से निर्वासित। मैं हमेशा अपने इन आदमियों के लिए ज़ोर-ज़ोर से विलाप करता रहता हूँ और शोक मनाता रहता हूँ - या शायद हमेशा नहीं, क्योंकि कभी-कभी मेरा दिल अचानक दुःख से भर जाता है: और तब मेरी आँखें सूख जाती हैं,

यहाँ तक कि जब मैं अपने आलीशान महल में बैठा हूँ। आँसुओं का सुकून इतनी अचानक ठंडा पड़ जाता है और अत्यधिक हो जाता है।
फिर भी, मेरे सभी साथियों से कहीं अधिक, मेरा रोता हुआ हृदय विशेष रूप
से एक ऐसे व्यक्ति के लिए दुखी है, जिसकी स्मृति मुझे नींद और भोजन से घृणा करने पर मजबूर करती है। अचेयन वंश में किसी भी व्यक्ति ने उतना महान कार्य नहीं किया जितना महान ओडीसियस ने किया और सहा। उसके लिए लिखा था कि अंत में केवल दुख पर दुख ही होगा: और मेरे लिए उसके लिए एक ऐसा दुख है जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा, जब तक वह लापता है और हम इस बात से अनभिज्ञ हैं कि वह जीवित है या मृत। निःसंदेह वे भी उसके लिए शोक मना रहे होंगे, बूढ़ा लेर्टेस, आत्मसंयमी पेनेलोप और टेलीमाकस, जो अपने पिता द्वारा घर में छोड़ा गया एक नवजात शिशु मात्र था।
इस प्रकार उसने बोलना शुरू किया और उसके शब्दों ने पुत्र के मन में
अपने पिता के नाम का उल्लेख सुनते ही शोक करने की तीव्र इच्छा जगा दी। उसकी पलकों से एक आंसू छलक कर जमीन पर गिरा और उसने अपने दोनों हाथों से बैंगनी चोगा अपनी आंखों के सामने उठा लिया। मेनेलास ने यह सब देखकर इसका महत्व समझा और मन-मस्तिष्क में सोचने लगा कि क्या उसे रुककर उसे अपने पिता का नाम लेने देना चाहिए या उससे हर बात की पुष्टि के लिए प्रश्नोत्तर करने चाहिए।
जब मेनेलास का मन और मन इस प्रकार मंथन कर रहे थे, तभी हेलेन, सोने के तकिये वाली आर्टेमिस की परछाई की तरह, अपने ऊँचे, अगरबत्ती से महके कमरे से अपनी दासियों के साथ बाहर आई; उनमें से अद्रास्ते अपनी मालकिन के लिए सुंदर आरामकुर्सी लेकर आई थी, जबकि अलसीपे के पास उसका मुलायम ऊनी कालीन था और फाइलो के पास चांदी की टोकरी थी, जो रानी को मिस्र के थेब्स शहर के निवासी पॉलीबस की पत्नी अलकांद्रे ने भेंट की थी, जो पृथ्वी के सभी शहरों में सबसे धनी महलों वाला शहर था। पॉलीबस ने स्वयं मेनेलास को चांदी के दो स्नान-कुंड, तीन पैरों वाले दो कड़ाहे और दस टैलेंट सोना दिया था: जबकि उसकी पत्नी ने हेलेन के लिए अन्य अद्भुत उपहार भी दिए, जैसे कि सोने का एक तकुआ, इस चांदी की टोकरी के अलावा जिसे दासी फाइलो अब अंदर लाकर उसके पास रख रही थी। टोकरी चांदी के पहियों वाले रथ पर रखी थी और उसके किनारे सोने के थे। वह सबसे मुलायम धागे से भरा हुआ था और उस पर इस समय लकड़ी के बैंगनी नीले रंग के ऊन से लिपटा हुआ तकला पड़ा था।

रानी अपनी लंबी कुर्सी पर बैठ गई, जिस पर पैर रखने के लिए एक स्टूल लगा था। फिर उसने अपने स्वामी से बात करना शुरू किया और उससे सब कुछ पूछा: “हे स्वर्ग से पोषित मेनेलास, क्या हमें इन दो आगंतुकों के बारे में उनके अपने मुख से सच्चाई पता चली है? क्या मैं अनजान होने का नाटक करूँ या अपने अंतर्ज्ञान से जो पता चलता है उसे प्रकट करूँ? मेरा हृदय इतना विस्मय से भरा है कि मुझे बोलना ही होगा और अपना आश्चर्य व्यक्त करना होगा: क्योंकि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी किसी पुरुष या स्त्री को इतना समान नहीं देखा जितना यह बालक उदार ओडीसियस से मिलता-जुलता है। निश्चय ही यह टेलीमाकस होगा, वह पुत्र जिसे वह घर में एक शिशु के रूप में छोड़ गया था, जब मेरे इस तुच्छ स्वार्थ के लिए तुम सभी अचेयन ट्रॉय शहर के विरुद्ध भयंकर युद्ध छेड़ने आए थे।”
ऑबर्न मेनेलास ने उसे उत्तर दिया और कहा, 'हाँ, अब मैं वह आकृति देख
सकता हूँ जिसका तुम वर्णन कर रही हो। ये ओडीसियस के पैर, उसके हाथ, उसकी आँखों की चमक और उसके सिर पर मुकुटनुमा बाल हैं। और अभी जब मैं ओडीसियस को याद कर रहा था और मेरे लिए उसके द्वारा सहे गए कष्टों और पीड़ाओं का वर्णन कर रहा था, तभी अचानक उस युवक के झुके हुए माथे से एक नमकीन आँसू टपक गया और उसने अपनी आँखों को ढकने के लिए बैंगनी लबादा ऊपर उठा लिया।'
नेस्टर के पुत्र पेइसिस्ट्राटस ने उत्तर देते हुए कहा, “मेनेलास, जो ज़्यूस द्वारा पाला-पोसा गया एट्रियस का पुत्र है और आम लोगों का नेता है, वास्तव में उसी व्यक्ति का पुत्र है, जैसा कि आप कहते हैं। लेकिन वह बहुत धीरे बोलता है और यहाँ पहली बार आकर आपके सामने शब्दों की बाढ़ लाने में उसे शर्म आएगी, क्योंकि हम दोनों आपके शब्दों को सुनकर इतना आनंद ले रहे हैं मानो वे किसी देवता की वाणी हों! इसलिए गेरेनिया के नेस्टर, जो रथों और घोड़ों के स्वामी हैं, ने मुझे टेलीमाकस के साथ मार्गदर्शक के रूप में भेजा है। क्योंकि टेलीमाकस आपसे मिलने और आपसे किसी बात या काम के लिए प्रेरित होने की बहुत इच्छा रखता था। घर में रहने वाले उस पुत्र को भारी दुःख सहना पड़ता है जिसका पिता अनुपस्थित हो, यदि उसे कोई संरक्षक न मिले। टेलीमाकस का पिता अभी भी अनुपस्थित है, और घर में उसे विपत्ति से बचाने के लिए कोई नहीं है।”
इस पर पीले बालों वाले मेनेलास ने उत्तर दिया: ‘अद्भुत, अद्भुत! कि मेरे सबसे खास दोस्त का बेटा, जिसने मेरे लिए अनगिनत कष्ट सहे, इस घर में आया

है। मैंने खुद से वादा किया था कि जब ओडीसियस आएगा, तो मैं उसे अपने सभी अर्गिव्स में सबसे अधिक गले लगाऊंगा: काश, सर्वज्ञानी ओलंपियन ज़्यूस ने हमें अपने जहाजों में खारे समुद्र के पार लौटने की अनुमति दी होती। मैं उसे उसके सामान, उसके बच्चे और उसके सभी आश्रितों के साथ इथाका से ले जाता और उसके लिए आर्गोस में एक निवास स्थान, एक घर, एक शहर बसाता, अपने राज्य के आसपास स्थित शहरों में से एक को पूरी तरह से खाली करके। फिर हम लगातार यहाँ मिलते रहते; और मृत्यु के काले बादल के हम पर छा जाने और हमें एक दूसरे से अलग करने से पहले कोई भी शक्ति हमें, प्रेमी और प्रेमी को, अलग नहीं कर पाती। मुझे लगता है कि शायद स्वयं भगवान को भी उस सुख से ईर्ष्या हुई होगी जो हमें मिलता: कम से कम उन्होंने यह तय किया कि ओडीसियस, अभागी आत्मा, वापस न लौटे।’
उसने ऐसा कहा, और उसके शब्दों ने उन सभी के मन में रोने की तीव्र इच्छा जगा दी। ज़्यूस की संतान, अर्गिव हेलेन, फूट-फूटकर रोने लगी; टेलीमाकस और एट्रीड्स-मेनेलास भी रो पड़े; नेस्टर का पुत्र भी अपनी आँखें नहीं रोक सका, क्योंकि उसे निष्कलंक एंटिलोकस की याद आ गई, जिसे चमकते भोर के गौरवशाली पुत्र ने मार डाला था। उसे याद करते हुए उसने यादगार ढंग से कहा: 'एट्रीड्स, जब भी हम उसके महान घर में तुम्हारा नाम लेते और तुमसे प्रश्न करते, आदरणीय नेस्टर हमेशा यही कहते थे कि तुम ईश्वर के ज्ञान में किसी भी अन्य मनुष्य से अधिक परिपूर्ण थे। फिर भी, इस समय, यदि उचित हो, तो मैं चाहता हूँ कि तुम मुझसे सलाह लो। जान लो कि मुझे भोजन के बाद रोने में कोई आनंद नहीं आता; और अब भोजन के बाद काफी समय हो चुका है: रात एक नए भोर के जन्म की ओर बढ़ रही है।'
‘ऐसा नहीं है कि मैं किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए रोने के अधिकार से
इनकार करूँ जो अपने भाग्य के आगे दौड़कर मर गया हो। दुख से पीड़ित मानवता को हम जो अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं, वह है अपने बाल काटकर आँसू बहा देना। देखिए, मैंने भी हानि झेली है: मेरा भाई, जो अचेयनों में सबसे श्रेष्ठ था। हो सकता है कि आप उसे जानते हों। मैं उससे मिलने या उसे देखने के लिए बहुत छोटा था: लेकिन लोग कहते हैं कि एंटिलोकस अपनी तेज दौड़ और असाधारण युद्ध कौशल के लिए प्रसिद्ध था।’
सुंदर मेनेलास ने कहा, “मेरे प्रिय, तुमने इतना कुछ कहकर एक प्रबुद्ध व्यक्ति की तरह विवेक और समझदारी दिखाई है, मानो वह तुमसे एक पीढ़ी बड़ा ही

क्यों न हो। ऐसे पिता की संतान होने के नाते तुम स्वाभाविक रूप से बुद्धिमानी से बोलते हो। उस व्यक्ति की संतान को पहचानना कोई मुश्किल काम नहीं है जिसके जीवन में क्रोनोस के पुत्र ने वैवाहिक सुख और सुंदर संतानों के जन्म से आनंद का ताना-बाना बुना हो। नेस्टर ने, जहाँ तक उसकी बात है, उसे जीवन भर यह वरदान दिया है कि वह अपने आरामदायक महलों में शांतिपूर्वक वृद्धावस्था में प्रवेश करे, जहाँ उसके चारों ओर उसके पुत्र सुविचारित और भाले चलाने में निपुण हों। तो अब हम अपने पहले के रोने को भूलकर अपने भोजन को याद करेंगे। अरे, हमारे हाथों पर एक बार फिर पानी डालो ताकि हम भोजन कर सकें! सुबह टेलीमाकस और मैं खूब कहानियाँ सुनाएँगे।”
तो उसने कहा: और महान पुरुष के सबसे कुशल सेवक एस्फालियन ने उनकी उंगलियों पर पानी डाला, जिसका उपयोग उन्होंने तैयार किए गए स्वादिष्ट भोजन पर किया। लेकिन ज़्यूस के वंशज हेलेन को एक और उपाय सूझा। उसने उनके द्वारा पी जा रही शराब में एक औषधि मिला दी जो दुःख को दूर करती थी और पित्त को मीठा करती थी, जिससे मनुष्य अपने कष्टों को भूल जाते थे। जो कोई भी इसे अपने प्याले में मिलाकर पीता, उस दिन उसकी आँखों से एक भी आँसू नहीं बहता, चाहे उसके माता-पिता की मृत्यु हो जाए, चाहे लोग उसके भाई या प्रिय पुत्र को उसके सामने धारदार हथियार से काट डालें और वह अपनी आँखों से यह सब देखे। ज़्यूस की पुत्री, थॉन की पत्नी, मिस्र की पॉलीडैम्ना ने ये सूक्ष्म शक्ति वाली औषधियाँ प्राप्त की थीं, जहाँ की भूमि अन्य भूमियों की तुलना में औषधियों की प्रचुरता के लिए श्रेष्ठ है: जिनमें से कुछ मिश्रण करने पर उपचारात्मक होती हैं और कुछ हानिकारक। उस देश का प्रत्येक व्यक्ति अतुलनीय ज्ञान वाला चिकित्सक है, क्योंकि वे देवताओं के चिकित्सक पेऑन के सच्चे वंशज हैं।
हेलेन ने मिस्र की औषधि को उनकी शराब में मिलाकर परोसने का आदेश देने
के बाद, बातचीत में लौटकर कहा, “एट्रियस के पुत्र और ज़्यूस के देवपुत्र मेनेलॉस, और तुम सब महान देवताओं के पुत्रों: ज़्यूस का यही स्वभाव है कि वह कभी इसे तो कभी उसे फल देता है। वह सर्वशक्तिमान है। तुम्हारा वर्तमान भाग्य है कि तुम महलों में बैठकर भोजन करो और कहानियाँ सुनकर अपना मनोरंजन करो, जिनमें से मैं एक सामयिक कहानी से शुरुआत करूँगी, जो ओडीसियस के अनगिनत कारनामों में से एक है; केवल एक ही, क्योंकि उस वीर के कारनामे मेरी गिनती और वर्णन से परे हैं।”

“यह साहसिक कार्य अद्भुत था जिसे उस दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ने ट्रोएड
में करने का साहस दिखाया, जो सभी अचेयनों के लिए दुखद स्मृतियों का स्रोत है। उसने अपने आप को अपमानजनक कोड़ों से दंडित किया और अपने कंधों पर एक मोटा लबादा इस प्रकार डाला जैसे वह कोई दास हो: और इस प्रकार शत्रु नगर की चौड़ी गलियों में अपने शत्रुओं के बीच चला गया, अपने विदेशी वेश में खुद को छुपाते हुए और यह जताते हुए कि वह एक भिक्षु है, जो अचेयन बेड़े में उसकी छवि से बिल्कुल अलग था। फिर भी इस वेश में वह ट्रोजन नगर से गुजरा - और उनमें से किसी ने भी उससे संपर्क नहीं किया। लेकिन मैं जानता था कि यह व्यक्ति कौन है और मैंने बार-बार उसे चुनौती दी जबकि वह चतुराई से मेरे प्रश्नों से बचता रहा। स्नान और तेल से अभिषेक के बाद जब मैं उसे नए वस्त्र पहना रहा था, तो मैंने उससे एक दृढ़ शपथ ली कि मैं ट्रोजनों को यह नहीं बताऊंगा कि यह ओडीसियस है, जब तक कि वह तेज जहाजों और शिविरों में वापस नहीं पहुँच जाता।” फिर उसने मुझे अचेयनों के सारे इरादे बताए: और वह ढेर सारी खबरों के साथ उनके पास लौट आया, रास्ते में अपनी लंबी नुकीली तलवार से कई ट्रोजनों को मार गिराते हुए: जिस पर ट्रोजन स्त्रियाँ चीख-चीख कर रोने लगीं: लेकिन मेरा दिल हँस पड़ा, क्योंकि अब मेरी इच्छा घर लौटने की हो गई थी, और मुझे बहुत देर से उस मोह का पछतावा हुआ जिसने एफ़्रोडाइट के कारण मुझे अपने प्यारे देश से दूर कर दिया, संतान और विवाह के बंधनों को त्यागने पर मजबूर कर दिया और एक ऐसे स्वामी को भी छोड़ दिया जो बुद्धि और रूप में सुंदर था।
सुंदर मेनेलास ने कहानी आगे बढ़ाते हुए कहा: ‘हे मेरी पत्नी, आपने इन सब बातों में जो कहा है, वह बिल्कुल सही है। मैंने अपने समय में अनेक वीर पुरुषों की सलाह और विचार सीखे हैं, और अनेक देशों की यात्रा की है, परन्तु अपने प्रिय ओडीसियस के समान हृदयवान पुरुष को कभी नहीं देखा। उनके साहसी हृदय ने जिस प्रकार के कार्य की कल्पना की और जिसे करने का साहस किया, वह उस नक्काशीदार घोड़े जैसा साहसिक कार्य था, जिसके भीतर हम सभी अर्गिव्स वंश की सुंदरियाँ छिपी हुई थीं, और ट्रॉय के लिए मृत्यु और विनाश हमारा पुरस्कार था। हे मेरी पत्नी, तब आप हमारे पास आईं: निश्चय ही किसी देवता ने आपको ट्रोजनों का गौरव बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित किया होगा। देवतुल्य डेफोबस आपको वहाँ तक ले गए थे। आपने हमारे भरे-पूरे ठिकाने के तीन चक्कर लगाए, उसे अपने हाथों से सहलाया और यूनानियों के नेताओं को नाम लेकर

पुकारा। आपकी वाणी हमारी सभी अनुपस्थित पत्नियों की वाणी थी।’ मैं, टाइडियस का पुत्र और बलवान ओडीसियस अंदर थे और हमने आपकी पुकार सुनी: और सचमुच हम दोनों, डायोमेडेस और मैं, उग्र रूप से उठकर आपको पुकारने या जल्दी से अंदर से उत्तर देने के लिए बेताब हो गए। लेकिन ओडीसियस ने अपनी पूरी ताकत से हमें हमारे आवेगों के विरुद्ध रोके रखा। इसलिए अचेयन वंश के बाकी सभी पुत्र स्थिर रहे: केवल एंटिक्लस को छोड़कर, जो आपको संबोधित करने ही वाला था, तभी ओडीसियस ने अपने विशाल हाथों से उसके जबड़े पकड़ लिए और उसे थामे रखा, इस प्रकार सभी अचेयनों को बचा लिया: जब तक कि अंत में पल्लास एथेन ने आपको अपने पास नहीं बुला लिया।
टेलीमाकस ने गंभीर भाव से उत्तर दिया: “एट्रियस के पुत्र, मेनेलास, ज़्यूस के दत्तक पुत्र, युद्धक सेना के रक्षक: हमारा दर्द और भी बढ़ गया है। क्योंकि इस साहस ने उसे भयंकर विनाश से नहीं बचाया और न ही यह तब भी काम आता जब उसका हृदय निर्मल लोहे का होता। लेकिन अब हमें अपने बिस्तरों पर जाने दीजिए ताकि हम आराम से लेटकर नींद की मिठास का भरपूर आनंद ले सकें।”
उसके कहने पर आर्गोस की हेलेन ने अपनी दासियों को धूप वाले बरामदे के नीचे पलंग लगाने का आदेश दिया। उन्होंने सुंदर बैंगनी कंबलों को कालीनों से ढका और ऊपर से मोटे ऊनी लबादे डाल दिए। दासियाँ हाथ में मशाल लिए हॉल से बाहर निकलीं और पलंग तैयार किए। फिर दरबारी ने मेहमानों को विदा किया। इस प्रकार वे प्रवेश द्वार पर सोए, वीर टेलीमाकस और नेस्टर का प्रतिभाशाली पुत्र; जबकि एट्रेस का पुत्र विशाल भवन में दूर लेटा था, और उसके बगल में सुंदर वस्त्रों वाली हेलेन, जो स्त्री में सबसे सुंदर थी, सोई।
भोर की पहली लालिमा के साथ ही, युद्धघोष करने वाले मेनेलास बिस्तर से उठे, वस्त्र धारण किए, कमर में एक तेज तलवार बाँधी और अपने पैरों में रंगीन सैंडल बाँधे। एक देवता की तरह वे वैवाहिक कक्ष से बाहर निकले और टेलीमाकस को अपने पास बुलाकर उनका अभिवादन किया और कहा, “हे राजकुमार टेलीमाकस, इस विशाल उफनते समुद्र के पार, सुंदर लैकेडेमोन के पास, किस प्रेरणा ने तुम्हें मेरे पास भेजा? सार्वजनिक या निजी आवश्यकता? मुझसे खुलकर अपने मन की बात कहो।”
टेलेमाकस ने उसे सलाह देते हुए उत्तर दिया, “देवताओं द्वारा पोषित, युद्ध में श्रेष्ठ माने जाने वाले एट्रीड्स-मेनेलॉस, मैं आपसे जानना

चाहता हूँ कि क्या आप मुझे मेरे पिता के बारे में कोई जानकारी दे सकते हैं। मेरा घर बर्बाद हो रहा है और मेरी सारी संपत्ति नष्ट हो रही है। हमारा घर दुष्ट पुरुषों से भरा हुआ है, ये मेरी माँ के अत्यधिक अभिमानी प्रेमी हैं, जो मेरी असंख्य भेड़ों और सींगों वाले धीरे-धीरे हिलते-डुलते बैलों को मार डालते हैं। इसलिए मैं आपके पास आया हूँ और आपसे विनती करता हूँ कि आप मुझे उनके दुखद अंत की कहानी सुनाएँ, जैसा आपने अपनी आँखों से देखा हो या जैसा आपने किसी अन्य यात्री से सुना हो। वास्तव में, उनकी माँ ने उन्हें बड़े कष्टों में जन्म दिया था। मुझ पर दया करके मेरी किसी भी बात को न छिपाएँ, बल्कि उनके बारे में उतना ही बताएँ जितना आपने देखा हो।” यदि मेरे पिता, महान ओडीसियस ने अचेयनों के लिए कष्टों से भरे उस ट्रॉय में आपसे किए गए अपने वचन या प्रतिज्ञा को कभी पूरा किया हो, तो मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप इसे याद करके और मेरे साथ उतनी ही ईमानदारी से व्यवहार करके मुझे इसका प्रतिफल दें।
मेनेलास क्रोध से लाल हो गया और उससे चिल्लाकर बोला, “कितने नीच हैं वो
जो इतने वीर योद्धा के बिस्तर पर लेटना चाहते हैं! ऐसा लगता है जैसे कोई हिरणी अपने नवजात बच्चों को शेर की मांद में छोड़कर पहाड़ों की चोटियों और हरी-भरी घाटियों में चरने के लिए निकल गई हो। जब वह बलवान जानवर अपने मांद में लौटेगा, तो वह उन बेचारे घुसपैठियों को बेरहमी से मार डालेगा: और ओडीसियस भी इन कीटों को ऐसी ही नीच मौत देगा। हे हमारे पिता ज़्यूस, हे एथेन और हे अपोलो! मुझे याद है कैसे एक बार लेस्बोस के आलीशान द्वीप में ओडीसियस क्रोधित होकर उठा और फिलोमेलिड्स से कुश्ती लड़ी और उसे ज़ोर से पटक दिया: और सभी यूनानी प्रसन्न हुए। काश वह उन दूल्हों का सामना उसी पुरानी शक्ति से कर पाता। कितनी जल्दी भाग्य उन पर टूट पड़ता और उनकी शादी कड़वाहट में बदल जाती! जहाँ तक इन सवालों का सवाल है जो तुम मुझसे पूछ रहे हो, मैं तुमसे वादा करता हूँ कि मैं कुछ भी तोड़-मरोड़ नहीं करूँगा, न ही सच के अलावा कुछ और बोलूँगा, और न ही तुम्हें धोखा दूँगा।” जी हां, मैं तुमसे एक भी शब्द नहीं छिपाऊंगा और न ही उन सभी बातों को छुपाऊंगा जो समुद्र के प्राचीन देवता, अचूक ईश्वर ने मुझे बताई हैं।
‘यह मिस्र में था। मैं लौटने के लिए उत्सुक था, लेकिन देवताओं ने मुझे वहाँ रोक रखा था क्योंकि मैंने उनके पूर्ण अनुष्ठानिक बलिदान को सिद्ध नहीं किया था। देवता हमेशा इस बात से ईर्ष्या करते हैं कि हम मनुष्य उनके

कर्तव्यों का पालन करें। मिस्र नदी के मुहाने पर उठने वाली लहरों में एक द्वीप है जिसे लोग फ़ारोस कहते हैं, जो तट से उतनी ही दूरी पर है जितनी एक माल से लदा जहाज़ दिन के उजाले में तय कर सकता है, बशर्ते उसे अनुकूल हवा मिले जो उसे सीधे आगे बढ़ाए। इसमें एक बंदरगाह है जिसमें अच्छे तट और स्वच्छ, गहरे ताजे पानी के कुएँ हैं, जहाँ से लोग अपनी ज़रूरत पूरी करने के बाद अपने सुव्यवस्थित जहाज़ों को समुद्र में उतार देते हैं। इस द्वीप में देवताओं ने मुझे बीस दिनों तक रखा, और न ही वहाँ कभी उन समुद्री हवाओं का झोंका आया जो जहाज़ों को समुद्र की विशाल लहरों पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं।’
और अब तक हमारा आखिरी राशन भी खत्म हो चुका होता और उसके साथ मेरे आदमियों का साहस भी, अगर एक देवी ने मुझ पर दया न दिखाई होती और कृपा न की होती। वह ईदोथिया थी, समुद्र के पूजनीय स्वामी, शक्तिशाली प्रोटियस की पुत्री। एक बार जब वह मुझसे मिली, तो उसने मुझे अपने अनुयायियों से अलग छिपकर घूमते हुए देखा, जो प्रतिदिन द्वीप पर चक्कर लगाते थे और अपनी भूख मिटाने के लिए मुड़े हुए कांटों से मछलियाँ पकड़ते थे। ईदोथिया पास आकर मुझे पुकारा और एक प्रश्न पूछा: “अजनबी, क्या तुम मूर्ख हो या इतने लापरवाह कि तुम दर्द का आनंद लेने के लिए स्वेच्छा से खुद को छोड़ देते हो? इतने लंबे समय से तुम द्वीप में कैद हो और इस इंतजार को खत्म करने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हो, जबकि तुम्हारे साथियों का उत्साह कम होता जा रहा है।” इस प्रकार उसने मुझसे कहा, और मैंने भी उत्तर दिया, “आप जो भी देवियाँ हों, मैं यह कहना चाहता हूँ कि मुझे यहाँ स्वेच्छा से नहीं रखा गया है। ऐसा लगता है कि मैंने स्वर्ग में विराजमान अमर देवताओं के विरुद्ध कोई पाप किया है। इसलिए, अपने ज्ञान के आधार पर (क्योंकि देवता सर्वज्ञ हैं) मुझे बताइए कि वह कौन सी अमर देवी है जिसने मुझे यहाँ जकड़ रखा है और मुझे जाने से रोक रखा है? और मेरी वापसी के बारे में भी बताइए; इस उफनते समुद्र को पार करके मैं कैसे वापस लौटूँगा?”
तो मैंने कहा: और तुरंत ही सुंदर देवी ने उत्तर दिया, “हे अजनबी, मैं तुम्हें निःशुल्क बताऊँगी। यह समुद्र के सच्चे प्राचीन देवता, मिस्र के प्रोटियस, अमर देवता का निवास स्थान है, जो अथाह सागरों को जानते हैं और पोसीडॉन के प्रथम सेवक हैं। अफवाहों के अनुसार वे प्रकृति के नियम से मेरे पिता हैं। यदि तुम साहस जुटाकर उनका इंतजार कर सको और उन्हें पकड़ सको, तो

वे तुम्हें बताएँगे कि तुम्हारा मार्ग कैसे, कहाँ और कब होना चाहिए और मछलियों के ऋतु पर सवार होकर तुम्हें क्या प्रतिफल मिलेगा। यदि तुम उनसे आग्रह करोगे, तो वे तुम्हें स्वर्ग से पोषित होकर यह भी बताएँगे कि इस कठिन मार्ग पर चलते हुए तुम्हारे घरों पर क्या अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ा है।” मैंने उसे गोद में उठाकर कहा, “देवी, अगर यह घात लगाकर हमला करना है तो
यह आपकी ही योजना होनी चाहिए; अन्यथा निश्चित रूप से प्राचीन देवी कुछ संदिग्ध देख या सुन लेंगी और मेरे जाल से बच निकलेंगी। किसी नश्वर मनुष्य के लिए किसी देवता को विवश करना कष्टदायी होता है।”
'महान देवी ने तुरंत ही पद ग्रहण कर लिया।' “तो सुनो यह विस्तृत योजना।
जब ढलता सूरज आकाश के शिखर पर पहुँच जाता है, तब प्रतिदिन अचूक प्राचीन सागर देवता पश्चिम की हवा के झोंकों के साथ अपने गहरे सागर से प्रकट होते हैं और उन्हें अपनी काली लहरों में लपेट लेते हैं। वे लहरों से बनी गुफाओं में आते हैं और विश्राम करते हैं: जबकि उनके सीलों के झुंड, जिन्हें एक सागर-अप्सरा ने खारे पानी से पाला है, खारे पानी को छोड़कर उनके चारों ओर सो जाते हैं, और उनकी साँसों में सागर की खारी गहराइयों की कड़वाहट होने के कारण उस स्थान को कड़वी गंध से भर देते हैं। मैं तुम्हें भोर होते ही वहाँ ले आऊँगा और तुम्हें ठीक से घात लगाकर बिठा दूँगा; तुम और तुम्हारे तीन साथी, जिन्हें तुम्हारे दृढ़ जहाज के सबसे भरोसेमंद पुरुषों के रूप में सावधानीपूर्वक चुना गया है। और अब मैं तुम्हें इस प्राचीन देवता की सभी भयानक चालों से आगाह करूँगा। सबसे पहले वह अपने सीलों को इकट्ठा करेगा, उनकी गिनती करेगा: और जब वह उन सभी को गिन लेगा और प्रत्येक को पहचान लेगा, तब वह उनके बीच एक चरवाहे की तरह लेट जाएगा। जब तुम उसे बैठते हुए देखो, तो उसी क्षण अपनी पूरी शक्ति जुटाकर उसे वहीं रोके रखो, भले ही वह तुमसे बचने के लिए कितनी भी ज़ोर से, कितनी भी बेताबी से संघर्ष करे। अपनी बेचैनी में वह धरती पर रेंगने वाले हर जीव का रूप धारण कर लेगा; वह जल और धधकती दिव्य अग्नि में बदल जाएगा: परन्तु तुम उसे अडिग, और भी कसकर थामे रहो; और अंत में वह अपने स्वभाव से बोलेगा, ठीक वैसे ही जैसे तुमने उसे सोते समय देखा था। तब, हे वीर, अपना प्रयास रोक दो और उस बूढ़े को अकेला छोड़ दो: और उससे पूछो कि कौन सा देवता तुमसे नाराज़ है और तुम मछली से भरे इस समुद्र को पार करके अपने घर कैसे लौटोगे।

बोलकर वह लहरों के नीचे गोता लगा गई, जबकि मैं किनारे पर खड़ी नावों की ओर धीरे-धीरे चलता रहा। मेरा मन उलझनों से घिरा हुआ था। फिर भी मैं नावों और समुद्र तक पहुँच गया, और उनके किनारे ही हमने रात का भोजन किया, जब तक कि अनंत रात नहीं छा गई। फिर हम लहरों की आवाज़ के बीच सो गए।
पूर्व दिशा में भोर होते ही मैं फिर से पैदल चल पड़ा, फैले हुए समुद्र
के किनारे-किनारे देवताओं से पूरी श्रद्धा से प्रार्थना करते हुए टहल रहा था। फिर मैंने अपने साथियों में से तीन को चुना, जिन पर मुझे किसी भी काम में सबसे ज़्यादा भरोसा था। देवी समुद्र की गहराई में उतरी थीं और वहाँ से चार सीलों की नई-नई खालें लेकर आई थीं। उन्होंने अपने पिता को धोखा देने का एक तरीका सोच लिया था और समुद्र तट की रेत में छिपने की जगहें खोदी थीं। वहाँ बैठकर वे हमारा इंतज़ार कर रही थीं। हम उनके पास पहुँचे और उन्होंने हमें उन जगहों पर लेटने को कहा, जहाँ उन्होंने हममें से हर एक के ऊपर एक सील की खाल डाल दी। तब सचमुच हमारी प्रतीक्षा बहुत भयानक होने वाली थी, क्योंकि समुद्र से पैदा हुई सीलों की जानलेवा दुर्गंध असहनीय थी। भला कौन मनुष्य गहरे समुद्र के उस दानव के पास लेटना चाहेगा?
देवी ने ही हमें बचाया और हमें भरपूर ताजगी दी, हममें से प्रत्येक के
लिए सुगंधित अमृत लाकर, जो इतना मीठा था कि उसने जानवरों की दुर्गंध को दूर कर दिया। इस प्रकार पूरी सुबह हमने धैर्यपूर्वक सहन किया, जब सीलें एक साथ समुद्र से बाहर आईं और पानी के किनारे कतारों में धूप सेंकने लगीं। दोपहर को स्वयं समुद्र के प्राचीन देवता प्रकट हुए और अपनी मोटी सीलों को ढूंढकर उनकी गिनती करने लगे; उन्होंने हमें पहले चार प्राणियों में गिना, उनके हृदय ने उन्हें चल रहे धोखे की आगाह नहीं की। फिर वे लेट गए। हमने चिल्लाकर उनका अभिवादन किया और उन पर झपट्टा मारकर उन्हें अपने हाथों से पकड़ लिया: यह देखकर कि उस बूढ़े देवता ने अपनी जादूई शक्तियों को बिल्कुल नहीं भूला था। उनका पहला रूप एक बालों वाले शेर में हुआ: फिर एक अजगर में: फिर एक तेंदुए में: फिर एक शक्तिशाली सूअर में। वे पानी की एक पतली परत में बदल गए, और बाद में एक ऊंचे पेड़ में। हमने अपने हृदय कठोर कर लिए और पूरी तरह से उन्हें थामे रखा।
अंततः बूढ़ा जादूगर व्याकुल हो गया और मुझसे सवाल करने लगा: “एट्रियस के पुत्र, किस देवता ने तुम्हारे साथ मिलकर मुझे फंसाने और मेरी इच्छा के विरुद्ध मुझे ले जाने की इस योजना में साजिश रची है? तुम क्या चाहते हो?”

उसने ऐसा कहा, और मैंने उत्तर में इस प्रकार कहा: “प्राचीन: आप जानते हैं। प्रश्नों से मामले को क्यों उलझा रहे हैं? मैं इस द्वीप में बहुत देर से फंसा हुआ हूँ और मुझे इसका कोई संकेत नहीं मिल रहा है: जिससे मेरा हृदय क्षीण हो रहा है। इसलिए, हे सर्वज्ञानी देवताओं में से एक, अब मुझे बताइए कि कौन सा अमर देवता मुझे यहाँ रोके हुए है और मेरी यात्रा में देरी कर रहा है। समुद्र और उसकी असंख्य मछलियों के पार मेरी वापसी कैसे संभव होगी?” उन्होंने तुरंत मुझे उत्तर दिया, “क्यों, तुम्हारी गलती यही थी कि
तुमने यात्रा शुरू करने से पहले ज़्यूस और अन्य देवताओं को उदारतापूर्वक बलिदान नहीं दिया। इससे तुम्हें शराब जैसे गहरे रंग के समुद्र को पार करके जहाज से अपने वतन तक सबसे तेज़ पहुँच मिल जाती। अब यह तय है कि तुम अपने मित्रों से नहीं मिल पाओगे और न ही अपने पूर्वजों के देश में अपने आलीशान घर तक पहुँच पाओगे, जब तक कि तुम एक बार फिर मिस्र की नदी (स्वर्गीय वर्षा से पोषित दिव्य नदी) में प्रवेश करके खुले आकाश के शाश्वत स्वामियों को उनके पवित्र बलिदान अर्पित नहीं कर देते। उसके बाद देवता तुम्हें तुम्हारी इच्छा का मार्ग दिखाएंगे।”
उन्होंने ऐसा कहा, और यह सुनकर मेरा विनम्र मन भयभीत हो गया कि मुझे एक बार फिर उस लंबे और कष्टदायक मार्ग से मिस्र जाने के लिए उस अंधकारमय सागर को पार करना होगा। फिर भी मैंने उन्हें उत्तर देने के लिए शब्द ढूंढ लिए। “हे पूज्यवर, मैं आपका आदेश पूरा करूंगा: फिर भी मैं आपसे इस दूसरे मामले पर भी स्पष्ट उत्तर देने का निवेदन करता हूं। वे सभी अचेयन जिन्हें नेस्टर और मैंने ट्रॉय से रवाना होते समय पीछे छोड़ दिया था – क्या वे अपने जहाजों के साथ सुरक्षित घर पहुंच गए, या उनमें से कुछ या तो जहाज डूबने से या युद्ध समाप्त होने के बाद अपने साथियों की बाहों में खो गए?”
'यही मेरा सवाल था।' और उसने उत्तर दिया, “एट्रियस के पुत्र, इस विषय में मुझसे इतनी गहराई से पूछताछ क्यों करते हो? जो मैं इसके बारे में जानता हूँ, उसे जानना या सीखना तुम्हारी आवश्यकता नहीं है: मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ कि जब तुम सारा सत्य सुनोगे, तो तुम्हारे आँसू तुरंत बह निकलेंगे। उनमें से कई डूब गए; कई बच गए। युद्ध में कितने ही मारे गए, यह तुमने अपनी आँखों से देखा: लेकिन कांस्य कवचधारी अचेयन सरदारों में से केवल दो ही वापसी के रास्ते में मरे। एक और किसी तरह अभी भी जीवित है, असीम समुद्र में कैद और तड़प रहा है। एयास अपने लंबे चप्पू वाले जहाजों के बीच

पोसीडॉन के कारण नष्ट हो गया, जो उसे ग्यारे की विशाल चट्टानों तक ले गया, फिर भी उसे लहरों से बचाया। इस प्रकार वह विनाश से बच जाता, भले ही एथेना उससे कितनी भी घृणा करती, यदि वह अपने उन्मादी अभिमान में डूबा हुआ, एक अतिशयोक्तिपूर्ण शब्द न बोलता - कि कैसे वह देवताओं के मुँह से समुद्र के विशाल शून्य से बच निकला। पोसीडॉन ने यह ऊँची घोषणा सुनी और अपने त्रिशूल को झपटा: उसने मेहनत से अपने हाथों से उसे उसने ग्यारे की चट्टान पर प्रहार किया और उसे चीर डाला। ठूंठ तो बचा रहा, लेकिन वह नुकीला शिखर जिस पर ऐयास ने पहली बार डेरा डाला था, घमंड और ईशनिंदा करते हुए, टूटकर समुद्र में गिर गया, और उसे अपने साथ विशाल उग्र गहराई में ले गया: जहाँ खारे पानी में दम घुटकर उसकी मृत्यु हो गई।
“तुम्हारे भाई अगामेम्नन की बात करें तो, वह किसी तरह अपने भाग्य से बच निकला और अपने सुंदर जहाज़ में सवार होकर निकल गया। देवी हेरा उसकी रक्षक बनी रहीं, जब तक कि वह लगभग मालेया पर्वत तक नहीं पहुँच गया। वहाँ एक भयंकर तूफान आया और उसे उसके रास्ते से भटका दिया। वह उसे गहरी कराह के साथ मछलियों से भरी लहरों के पार उस भूमि के किनारे तक ले गया जहाँ पुराने समय में थाइस्टेस अपनी बस्तियों में रहता था: लेकिन अब उसका पुत्र एगिस्थस उसका उत्तराधिकारी बन गया था। फिर भी यहाँ से भी निश्चित वापसी की उम्मीद दिखाई दी। देवताओं ने एक बार फिर हवा को अनुकूल कर दिया: वे घर की ओर चल पड़े; और जैसे ही आनंदित नेता ने अपनी भूमि को छुआ, वह झुक गया और अपने होठों से उसकी मिट्टी को चूमते हुए खुशी के गर्म आँसू बहाने लगा, क्योंकि अंततः उसने अपनी जन्मभूमि को देख लिया था।”
“लेकिन ऊपर से, चौकी से, पहरेदार ने उसे देख लिया था – एक संतरी जिसे धूर्त एगिस्थस ने सतर्कता के इनाम के तौर पर दो सोने के सिक्के देने के वादे के साथ तैनात किया था। पूरे एक साल से वह पहरा दे रहा था ताकि राजा एगामेम्नन बिना देखे न निकल जाए और अपने घर में बैठे सत्ता हथियाने वालों पर सीधा हमला करके अपनी वापसी का संकेत न दे दे। पहरेदार यह खबर लेकर जनता के चरवाहे एगिस्थस के घर भागा, जिसने तुरंत अपनी धूर्त योजना को अंजाम दिया। उसने बीस सबसे बलवान स्थानीय पुरुषों को घात लगाकर छिपा दिया, जबकि बड़े हॉल के दूसरी ओर उसने एक भव्य दावत का आयोजन किया। फिर स्वागत करने वाले घोड़ों और रथों के साथ, लेकिन अपने खोखले मन में दुष्टता लिए, वह राजा एगामेम्नन से मिलने निकला। एगिस्थस ने उसे अपने घर में (वहाँ छिपी मौत से

पूरी तरह बेखबर) प्रवेश कराया और उसे दावत दी, और फिर उसे मार डाला – जैसे कोई आदमी अपने बाड़े में बैल को काटता है। और वहाँ उसका कोई भी जीवित नहीं बचा था।” एट्रीड्स के दल के लोग भी नहीं, और न ही एगिस्थस के दल के लोग। वे सभी महल में ही मारे गए।
प्रोटियस ने यहीं अपनी कहानी समाप्त की: और एक बार फिर मेरा दयालु हृदय कमजोर पड़ गया। मैं रेत पर रोते हुए गिर पड़ा और मेरी आत्मा में जीने और सूर्य के प्रकाश को देखने की कोई इच्छा नहीं बची। फिर भी बाद में, जब मैं जी भर कर रो चुका था, जमीन पर लोट रहा था, तब समुद्र के परम पूज्य, अचूक, ने मुझसे आगे कहा: “एट्रियस के पुत्र, इस तरह हठपूर्वक रोना बंद करो: इससे हमें कोई लाभ नहीं होगा। इसके बजाय, अपने देश लौटने की शीघ्र योजना बनाओ: वहाँ तुम्हें वह अपराधी जीवित मिल सकता है: या हो सकता है कि ओरेस्टेस ने तुमसे पहले ही उसे मार डाला हो: ऐसी स्थिति में तुम अंतिम संस्कार में शामिल हो पाओगे।” तो उसने कहा: और यह सुनकर मेरे हृदय और मेरे उदात्त मन में दुखों की गहराई में एक बार फिर प्रकाश आ उठा: और मुझे उसे उत्तर देने के लिए पंखदार शब्द मिल गए: “इन लोगों के बारे में तो मैंने सुन लिया है: लेकिन मुझे उस तीसरे व्यक्ति का नाम बताइए जो अभी जीवित है लेकिन कहीं विशाल सागर में भटक रहा है: या मर चुका है? मैं यह जानना चाहता हूँ, भले ही मेरा दुःख और गहरा हो जाए।”
मैंने ऐसा कहा, और उसने फिर उत्तर दिया: “इथाका के स्वामी लेर्टेस का पुत्र। मैंने उसे एक द्वीप में देखा, जहाँ वह अप्सरा कैलिप्सो के राज्य में बड़े-बड़े आँसू बहा रहा था, जिसने उसे वहाँ बंदी बना रखा है: और वह वहाँ से अपने देश नहीं लौट सकता, क्योंकि उसके पास न तो चप्पू वाली नावें हैं और न ही कोई साथी जो उसे समुद्र की विशाल लहरों के पार ले जा सके। अंत में, हे मेनेलास, ज़्यूस के प्रिय, अपने भाग्य का फैसला सुनो। तुम सुंदर चरागाहों वाले आर्गोस में नहीं मरोगे, वहाँ मृत्यु का सामना नहीं करोगे: बल्कि अमर तुम्हें एलिसियन मैदान में ले जाएँगे, संसार से परे उस स्थान पर, जहाँ सुनहरे बालों वाला राडामेंथस है और जहाँ नश्वर मनुष्यों के लिए जीवन की रेखाएँ सबसे सुगम हैं। उस भूमि में न हिमपात होता है, न ही भीषण सर्दी, न ही बारिश का तूफान: बल्कि पृथ्वी की नदी से पश्चिम की हवा हमेशा कोमल और रोमांचकारी ढंग से गाती है, जो मनुष्यों की आत्माओं को पुनर्जीवित करती

है। वहाँ तुम्हें हेलेन मिलेगी और तुम्हें ज़्यूस के परिवार का सदस्य माना जाएगा।” ज़्यूस।"
वह बोला और लहरों के नीचे डूब गया: परन्तु मैं अपने वीर साथियों के साथ जहाजों की ओर चल पड़ा: और जाते समय मेरा हृदय चिंताओं से घिरा हुआ था। फिर भी हम जहाजों और समुद्र तटों तक पहुँच गए और अपने लिए भोजन की व्यवस्था की, जबकि अमृतमयी रात छा गई, जिसने हमें ज्वार के किनारों पर विश्राम करने के लिए प्रेरित किया। और भोर की पहली गुलाबी किरणों के साथ, हमने सबसे पहले अपने जहाजों को दिव्य खारे समुद्र में उतारा और उनके मजबूत ढाँचों में मस्तूल और पाल तैयार किए। फिर सभी लोग जहाजों पर चढ़ गए और अपनी चप्पू- पट्टियों पर बैठ गए: और ठीक से व्यवस्थित होकर उन्होंने चप्पूओं से समुद्र को सफेद कर दिया। एक बार फिर मिस्र की नदी, देवताओं के जल, की ओर लौटकर, मैंने जहाजों को बांधा ताकि होमबलि का निर्धारित बलिदान किया जा सके। जब मैंने अमर देवताओं के क्रोध को पूरी तरह शांत कर दिया, तो मैंने एगामेम्नन के नाम पर एक विशाल टीला खड़ा किया, ताकि उसकी महिमा कभी नष्ट न हो। तब सब कुछ पूरा हो गया। मैं वापस मुड़ा। अमर देवताओं ने मुझे एक हवा दी, जो मुझे शीघ्रता से मेरी प्रिय भूमि पर ले गई।
लेकिन अब देखो, टेलीमाकस। आज से ग्यारहवें या बारहवें दिन की सुबह
होने तक मेरे महल में मेरे साथ रहो; और फिर मैं तुम्हें भव्यता से, विशिष्ट उपहारों के साथ विदा करूँगा – तुम्हें तीन घोड़े और उत्तम कारीगरी का दो सीटों वाला रथ मिलेगा – हाँ, और एक सुंदर नक्काशीदार प्याला भी, ताकि जब भी तुम इससे अमर देवताओं को भेंट चढ़ाओ, तो जीवन भर मुझे याद करो।
टेलेमाकस ने उससे कहा, “हे एट्रीड्स, मैं आपसे विनती करता हूँ, मुझे
इतने समय तक मत रोकिए। आपके शब्दों और कहानियों को सुनकर मैं इतना मंत्रमुग्ध हो जाता हूँ कि पूरे साल आपके सामने बैठकर घर और माता-पिता को भूल सकता हूँ। लेकिन मेरे साथी पहले ही खुशहाल पाइलोस में बेचैन हैं, तो क्या आप मुझे यहाँ और कुछ दिन रोकेंगे? जहाँ तक उस उपहार की बात है जो आप मुझे देना चाहते हैं, तो वह एक पुश्तैनी वस्तु हो: क्योंकि मैं इथाका में घोड़े नहीं ले जा सकता। बेहतर होगा कि मैं उन्हें यहीं छोड़ दूँ ताकि आपका स्थान गरिमापूर्ण रहे। आपके राज्य का मैदान विस्तृत है, तिपतिया घास, जलीय घास, गेहूँ, अनाज और मजबूत तने वाले सफेद जौ से समृद्ध है। इथाका में हमारे पास कोई चौड़े घुड़सवारी के मैदान नहीं हैं, कोई घास का मैदान बिल्कुल

नहीं है: समुद्र से चट्टान की तरह उठने वाले हमारे इन द्वीपों में से एक भी घुड़सवारी के लिए उपयुक्त नहीं है, न ही घास से भरपूर है: मेरा इथाका तो बिल्कुल भी नहीं। फिर भी, मुझे इसकी बकरियों के चरागाह घोड़ों को चराने के खेतों से कहीं अधिक सुंदर लगते हैं।”
तब उसने उत्तर दिया: और युद्ध की गर्जना करने वाले मेनेलास ने मुस्कुराते हुए उसे हाथ से सहलाया और स्नेहपूर्वक उसका नाम पुकारते हुए कहा, ‘मेरे बच्चे, तुम्हारे कोमल शब्द तुम्हारे संस्कारों को प्रकट करते हैं। मैं अपने उपहार तुम्हें देना चाहता हूँ। मेरे पास बहुत विकल्प हैं। देखो, मेरे घर में रखे खजानों में से मैं तुम्हें सबसे सुंदर और कीमती वस्तु देता हूँ: – एक ठोस चांदी का बना हुआ, जिसके किनारे पर सोने की दोहरी परत चढ़ी है। यह हेफेस्टस की कृति है। सिदोन के राजा वीर फेडिमस ने मुझे यह तब दिया था जब मैं यहाँ लौटते समय उसके घर में शरण ली थी। मुझे अब इसे तुम्हें सौंपते हुए खुशी हो रही है।’ जब वे ये बातें कर रहे थे, तभी उस रात देवतुल्य राजा के महल में दावत देने (और उसमें भाग लेने) की बारी आने वाले लोग पास आए, अपने आगे आवश्यक भेड़ें हांकते हुए और अपनी उदार शराब लेकर। उनके लिए भी उनकी सजी-धजी पत्नियों ने गेहूं की रोटी का भंडार भेजा।
ये लोग महल में रात के भोज की तैयारी में व्यवस्थित रूप से लगे हुए थे: जबकि इथाका में ओडीसियस के महान घराने के सामने खड़े दावेदार अपनी पुरानी धृष्टता के साथ मौज-मस्ती कर रहे थे, और अब उनका शौक मैदान में भाले फेंकना या एक-दूसरे पर भार डालना था। एंटिनस और प्रभावशाली यूरिमाकस बैठे देख रहे थे। ये दोनों सबसे प्रतिष्ठित दावेदार थे। उनके पास फ्रोनियस का पुत्र नोएमोन आया, जिसने एंटिनस का अभिवादन किया और पूछा, 'एंटिनस, क्या हमें कोई अंदाजा है (या बिल्कुल भी नहीं) कि टेलीमाकस रेतीले पाइलोस से कब वापस आएगा? वह मेरा जहाज लेकर चला गया है, और अब मैं चाहता हूँ कि वह मुझे एलिस ले जाए, जिसके विशाल भूभाग में मेरी बारह घोड़ियाँ दूध दे रही हैं और उनके साथ मजबूत खच्चर के बच्चे हैं, जो अभी तक प्रशिक्षित नहीं हैं। मेरा इरादा है कि इनमें से किसी एक को भगाकर प्रशिक्षित करूँ।'
उसकी खबर सुनकर वे सब चकित रह गए। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह लड़का नीलियस के शहर पाइलोस गया होगा; बल्कि उन्हें लगा था कि वह जागीर में कहीं भेड़ों के साथ होगा या शायद सूअर चराने वाले के साथ होगा। इसलिए यूपेइथेस के पुत्र एंटिनस ने उससे पूछा, “मुझे पूरी सच्चाई बताओ। वह कब

गया और वे कौन से युवक थे जिन्होंने उसका साथ दिया? क्या वे इथाका के चुने हुए लोग थे, या उसके दास और घर के गुलाम, जिन्हें वह अपनी मर्जी से रख सकता था? मुझे इसका भी स्पष्ट उत्तर दो, ताकि मैं निश्चिंत हो जाऊं: क्या उसने तुम्हारी काली नाव को तुम्हारी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती ले लिया; या तुमने स्वेच्छा से उसे नाव दी क्योंकि उसने औपचारिक रूप से विनती की थी?” फ्रोनियस के पुत्र नोएमोन ने उत्तर दिया: “मैंने उसे स्वेच्छा से उसे सौंप दिया। जब ऐसा व्यक्ति, जिसका हृदय चिंता से भरा हो, दया की भीख मांगे तो कोई क्या कर सकता था? मना करना तो असभ्यता होती। हमारे बाद जो युवक देश के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हैं, वे उसके दल में शामिल थे। जब वे जहाज पर चढ़े, तो मैंने कप्तान को मेंटर या किसी देवता की हूबहू छवि के रूप में पहचाना: यह बात मुझे उलझन में डाल रही है, क्योंकि मैंने सुंदर मेंटर को कल सुबह शहर में देखा था, जब वह पहले ही जहाज से पाइलोस के लिए रवाना हो चुका था।” उसने अपनी बात समाप्त की और अपने पिता के घर की ओर मुड़ गया। उसके
दोनों श्रोताओं का क्रोध भड़क उठा था। उन्होंने दोनों दावेदारों को खेल बंद करवाकर आपस में बैठने को कहा। तब यूपेइथेस का पुत्र एंटिनस उन्हें संबोधित करने के लिए उठा। वह अत्यंत भावुक था। उसका हृदय क्रोध से उफान मार रहा था और उसकी आँखें आग की लपटों से चमक रही थीं।
“स्वर्ग और नरक!” वह चिल्लाया, “टेलीमाकस ने इस यात्रा को बड़े ही
शानदार तरीके से अंत तक निभाया है। हम कसम खाते थे कि यह यात्रा व्यर्थ जाएगी: फिर भी यह नौजवान हमारी सारी इच्छाओं के विरुद्ध इस तरह बच निकला – बस एक जहाज़ लेकर निकल पड़ा और वहाँ के सबसे अच्छे लोगों के साथ मजे करने लगा। वह हमारे लिए और भी बुरा होने का खतरा पैदा कर रहा है: ईश्वर करे कि जवानी की ऊँचाई तक पहुँचने से पहले ही उसकी सारी शक्ति छीन ले! मैं आपसे एक तेज़ जहाज़ और बीस आदमियों का दल उपलब्ध कराने का अनुरोध करता हूँ, ताकि हम इथाका और खड़ी सामोस के बीच की संकरी घाटी से गुज़रते समय उस पर नज़र रख सकें और उसे रास्ते में रोक सकें: अपने पिता के पीछे-पीछे घूमने का यह नतीजा उसे अंत में भारी पड़ना चाहिए।” उसके बोलते ही सबने तालियाँ बजाईं और उसे फाँसी देने की गुहार लगाई। फिर वे उठे और ओडीसियस के घर लौट गए। पेनेलोप इन साजिशों से ज्यादा देर तक अनजान नहीं रही, जो उनके चाहने
वाले अपने बुरे इरादों में रच रहे थे: क्योंकि पीछा करने वाले मेदोन ने उसे वह सब बता दिया जो उसने उनकी बातचीत में सुना था, क्योंकि वह अंदर उनकी

योजनाओं पर चर्चा करते समय आंगन की दीवार के ठीक बाहर था। मेदोन जल्दी से इमारत से होते हुए पेनेलोप को यह खबर देने गया, लेकिन जैसे ही उसने उसके कमरे की दहलीज पार की, पेनेलोप उस पर चिल्लाई, 'संदेशवाहक, इन मशहूर चाहने वालों ने तुम्हें यहाँ क्यों भेजा है? क्या अब वे देवदूत ओडीसियस की दासियों को भी आदेश देते हैं, और उनसे कहते हैं कि वे अपने कर्तव्य छोड़कर उनके लिए दावत तैयार करें? काश वे आज यहाँ आखिरी बार भोजन कर रहे हों, फिर कभी न मिलें, फिर कभी प्रेम निवेदन न करें! तुम! जो चतुर टेलीमाकस की अपार संपत्ति, उसकी आजीविका को लूटने के लिए हमेशा झुंड बनाकर आते हो। तुम!' तुम लोग अपने बचपन में अपने पिताओं से कभी यह नहीं सुनते थे कि ओडीसियस तुम्हारे माता-पिता के प्रति कैसा व्यवहार करता था, शहर में कभी भी उसके साथ कोई मनमानी नहीं करता था, न ही कभी कोई मनमानी करता था! फिर भी, ये विशेषाधिकार पवित्र राजाओं के होते हैं, जो इसे घृणा करते हैं और उसे प्रेम करते हैं - ओडीसियस को छोड़कर: क्योंकि उसने किसी के साथ कोई अन्याय नहीं किया। वास्तव में, तुम्हारा स्वभाव और तुम्हारे बुरे कर्म इससे स्पष्ट होते हैं: और बीते हुए एहसानों का कोई फल नहीं बचता।
मेडोन के प्रबुद्ध मन ने उसे सलाह दी। उसने शांत भाव से उत्तर दिया, “काश, हे रानी, यही हमारी सबसे बड़ी मुसीबत होती! ये दावेदार एक कहीं अधिक भयावह बुराई की चर्चा कर रहे हैं; जिसे क्रोनोस के पुत्र ज़्यूस ही रोक सकते हैं: वे पूरी तरह से दृढ़ हैं कि वे अपनी तीव्र तलवारों से टेलीमाकस को उसके घर लौटते समय मार डालेंगे: वह अपने पिता के बारे में समाचार जानने के लिए, परम पवित्र पाइलोस और पवित्र लैकेडेमोन गया था।”
उसके भाषण से उसके घुटने कांपने लगे, उसका प्रेममय हृदय भी क्षीण हो
गया; और काफी देर तक स्तब्धता के कारण उसकी वाणी रुक गई। उसकी आँखें आँसुओं से भर उठीं और उसकी आवाज़ का प्रवाह थम गया। बहुत देर बाद, उसके मुँह से शब्द निकले: ‘हे दूत, मेरा पुत्र क्यों चला गया? उसे उन तेज़ गति वाले जहाजों में से किसी पर भी सवार होने का कोई कारण नहीं था, जो मनुष्यों को खारे पानी की लहरों पर सवारी करने के लिए घोड़ों की तरह काम करते हैं; न ही उस विशाल जलप्रपात को पार करने का। क्या उसने ठान लिया था कि मनुष्यों के बीच उसका नाम भी न रह जाए?’
मेदोन का यह कथन एक बार फिर उचित ही था: ‘मुझे नहीं पता कि किसी देवता ने उसे जगाया या फिर उसके अपने महान हृदय ने उसे अपने पिता की वापसी या भाग्य

के बारे में पूछताछ करने के लिए पाइलोस जाने के लिए प्रेरित किया।’ उसने कहा और ओडीसियस के घर से वापस मुड़ गया: तभी उस पर हृदय को झुलसा देने वाली पीड़ा छा गई: इतनी कि वह घर में रखे कई स्टूलों में से किसी एक तक भी नहीं पहुँच सकी। इसके बजाय वह अपने भव्य कमरे के दरवाजे की चौखट पर बैठ गई और दयनीय ढंग से जोर-जोर से विलाप करने लगी: तभी घर की सभी नौकरानियाँ, जवान और बूढ़ी, उसके चारों ओर आकर गुनगुनाने लगीं: और अपने दुःख के सैलाब में डूबी पेनेलोप ने उनके सामने सिसकते हुए कहा: –
‘मेरी प्रजा, मेरी बात सुनो। अब ओलंपस के स्वामी ने मुझे उन सभी स्त्रियों से कहीं अधिक पीड़ा दी है जो मेरी सहेलियों के साथ जन्मी और पली-बढ़ी हैं। बहुत पहले मैंने अपने पराक्रमी पति को खो दिया था, जो सिंह हृदय वाले और यूनानियों में सबसे गुणी थे; वास्तव में एक महान पुरुष जिनकी प्रसिद्धि हेलास और आर्गोस के हृदय तक फैली हुई थी। लेकिन अब बवंडर मेरे प्यारे बेटे को हमारे महलों से निर्दयतापूर्वक छीन ले गए, मुझे पता भी नहीं चला कि वह चला गया है। हे निर्दयी स्त्रियों, जिनके हृदय सब जानते थे, फिर भी जब वह लड़का अपने काले खोखले जहाज में चला गया, तो मुझे मेरे बिस्तर से नहीं बुलाया। यदि मुझे पता होता कि वह यात्रा करने जा रहा है, तो वह निश्चित रूप से रुक जाता, चाहे कितना भी उत्सुक क्यों न होता: या केवल मेरे मृत शरीर को महलों में छोड़कर चला जाता। जल्दी करो, तुममें से कोई, और बूढ़े डोलियस को बुलाओ, वह दास जिसे मेरे पिता ने मुझे इस घर में प्रवेश करने से पहले ही दिया था, मेरा माली जो कई पेड़ों वाले बगीचे की देखभाल करता है।’ वह लेर्टेस के पास दौड़ेगा और उसके पास बैठकर उसे ये सारी बातें बताएगा। शायद लेर्टेस अपने मन में कोई ऐसी योजना बनाए जिससे वह उन लोगों से सार्वजनिक अपील कर सके जो उसकी संतान और देवत्वशाली ओडीसियस की संतान के अंतिम विनाश की कामना कर रहे हैं।
विशेष कृपा प्राप्त नर्स यूरिक्लेया ने उत्तर दिया और कहा, “हे मेरी स्वामिनी, मुझे अपने आप को प्रकट करना होगा, चाहे आप मुझे अपनी निर्मम तलवार से मार डालें या मुझे अपनी सेवा में जीवित रहने दें। मैं उसके सभी इरादों को जानती थी, और उसने जो भी भोजन और मीठी शराब माँगी, मैंने उसे दी। उसने मुझसे एक बड़ी शपथ ली थी कि मैं बारह दिन बीतने से पहले आपको नहीं बताऊँगी, जब तक कि आप स्वयं उसे न चूकें और उसके जाने की खबर न सुनें: क्योंकि वह नहीं चाहता था कि आप अपने सुंदर शरीर को आँसुओं से लथपथ करें।

जहाज को समुद्र तट पर लंगर डालने के लिए अच्छी तरह से ले गए, और रात के भोजन के लिए और अंधेरा होने की प्रतीक्षा करने के लिए किनारे पर आ गए।
इस बीच, सतर्क पेनेलोप अपने ऊपरी कमरे में लेटी हुई थी, बिना कुछ खाए-
पिए, इस चिंता में डूबी हुई थी कि उसका निर्दोष बेटा मृत्यु से बच पाएगा या उन निर्दयी दूल्हों के हाथों मारा जाएगा। उसकी पीड़ा उस शेर जैसी थी जो पुरुषों की भीड़ में घिरा हुआ था और चिंतित आँखों से देख रहा था कि कैसे वे उसके चारों ओर चालाकी से घेरा बना रहे हैं। इन्हीं आशंकाओं से जूझते हुए उसे नींद आ गई। वह लेट गई और सो गई: और उसका पूरा शरीर शिथिल हो गया।
तब धूसर आँखों वाली देवी एथेना ने एक नया उपाय सुझाया। उन्होंने बलवान इकारियस की एक अन्य पुत्री, इफ़्थीम, जिसने यूमेलस से विवाह किया था और फ़ेरा में रहती थी, की हूबहू प्रतिकृति एक प्रेत के रूप में बनाई। इस प्रेत को उन्होंने देवतुल्य ओडीसियस के घर, विलाप करती और विलाप करती पेनेलोप के पास भेजा, ताकि वह अपना विलाप और आँसू रोक सके। यह प्रेत कुंडी के छेद से होकर पत्नी के कमरे में आया और उसके सिर के पीछे खड़ा होकर उससे इस प्रकार बोला: ‘पेनेलोप, क्या तुम इतने दुखी हृदय से सो रही हो? यहाँ तक कि हमारे मामलों से ऊपर विश्राम कर रहे देवता भी तुम्हें इस प्रकार रोते और पीड़ा सहते हुए नहीं देख सकते, क्योंकि तुम्हारे पुत्र की घर वापसी निश्चित है। उसने देवताओं के विरुद्ध कोई पाप नहीं किया है।’
सतर्क पेनेलोप ने स्वप्नलोक में मीठी नींद में गुनगुनाते हुए कहा,
“बहन, अब क्यों आई हो, जबकि तुम अपने इतने दूर घर से यहाँ बहुत कम आती हो? तुम मुझसे कहती हो कि मैं अपने हृदय और मन को पीड़ा देने वाले इन अनेक दुखों को त्याग दूँ। कुछ समय पहले मैंने अपने वीर पुरुष पति को खो दिया, जिनकी महानता का बखान हेलास और आर्गोस में होता था; और अब मेरा प्रिय पुत्र, जो व्यवहार और शब्दों में बिल्कुल भी संयमित नहीं था, एक खोखली नाव में चला गया है। मुझे अपने पति से भी अधिक उसका शोक है और मैं इस बात से भयभीत हूँ कि अजनबियों के बीच या विशाल समुद्र में उसे क्या-क्या सहना पड़ेगा। उसके अनेक शत्रु उसके लिए जाल बिछा रहे हैं, ताकि घर पहुँचने से पहले ही उसे मार डालें।”
उस मंद-मंद प्रेत ने उत्तर दिया, “हिम्मत रखो: भय को अपने हृदय पर हावी मत होने दो। उसके साथ एक ऐसी शक्तिशाली मार्गदर्शक है, जिसकी उपस्थिति की

कामना सभी मनुष्य करते हैं, वह है पल्लास एथेन। वह तुम्हारे दुःख पर दया करती है और मुझे सीधे भेजती है ताकि मैं तुम्हें ये सांत्वनाएँ दे सकूँ।” बुद्धिमान पेनेलोप ने फिर कहा, 'यदि आप दिव्य हैं और आपने किसी देवता
की वाणी सुनी है, तो कृपया मुझे मेरे दुर्भाग्यपूर्ण पति के बारे में बताएं, कि क्या वह अभी भी जीवित है और दिन का उजाला देख रहा है, या अब वह पाताल लोक में एक मृत व्यक्ति है।'
धुंधली परछाई ने कहा, “मैं तुम्हें इसके बारे में सब कुछ नहीं बताऊँगा, चाहे वह जीवित हो या मृत। इसके बारे में यूँ ही बात करना उचित नहीं होगा।” ये शब्द कहकर वह प्रेत कुंडी के पास से गायब हो गया और चलती हुई हवा में विलीन हो गया: परन्तु इकारियस की पुत्री पेनेलोप अपनी नींद से जाग उठी, उसका प्रेममय हृदय उस स्वप्न की जीवंतता से प्रचंड हो उठा जो उसे संध्याकाल में दिखाई दिया था।
टेलेमाकस की मृत्यु का शोक मनाते हुए, सभी प्रेमी समुद्र के बीचोंबीच स्थित एक पथरीले द्वीप तक गए, जो इथाका और चट्टानी सामोस से समान दूरी पर था। यह द्वीप एस्टेरिस कहलाता था, जो कोई बड़ा स्थान नहीं था। यहाँ दो बंदरगाह थे, जिनमें जहाजों के लिए घाट भी था। वहाँ वे टेलेमाकस की प्रतीक्षा करने के लिए रुक गए।

पुस्तक 5

भोर अपने विवाह-शय्या से, उच्च कुल के तिथोनस के बगल से उठी, ताकि देवताओं और मनुष्यों दोनों के लिए दिन का प्रकाश ला सके। सर्वशक्तिमान देवता, जिनमें सबसे शक्तिशाली और प्रचंड ज़्यूस भी शामिल था, परिषद में बैठे: और एथेन ने उनसे इस प्रकार कहा, ओडीसियस के अनेक दुर्भाग्य की याद दिलाते हुए, जिसका अप्सरा के घर में लंबा प्रवास उसके हृदय पर भारी पड़ा था: –
हे पिता ज़्यूस, और हे शाश्वत देवों: अब से कोई भी राजदंडधारी राजा
दयालु या सौम्य होने का प्रयास न करे, न ही न्याय और निष्पक्षता का पालन करे। कठोर और अशोभनीय व्यवहार करना अधिक लाभदायक है। दिव्य ओडीसियस एक दयालु और पिता तुल्य राजा था; परन्तु उसकी प्रजा में से कोई भी उसे इस बात के लिए याद नहीं रखता: जबकि भाग्य ने उसे देवी कैलिप्सो के द्वीप में कष्ट भोगने के लिए छोड़ दिया है, जहाँ वह अपने कठोर हाथों से, अपने घर में एक कैदी की तरह कैद है। उसके पास अपने पूर्वजों की भूमि को पुनः प्राप्त करने की शक्ति भी नहीं है, क्योंकि उसके पास विशाल सागर को पार करने के लिए पोत और अनुयायी नहीं हैं। इसके अलावा, उसके प्रिय पुत्र की हत्या की साजिश रची जा रही है, जब वह पवित्र पाइलोस या महान लैकेडेमोन से लौट रहा होगा, जहाँ वह अपने पिता के बारे में कुछ सुनने की आशा में गया था।
बादलों के सरदार ज़्यूस ने उसे उत्तर देते हुए कहा, “मेरी बच्ची, तुम्हारे मुख से निकले निर्णय बहुत कठोर हैं। इसके अलावा, मुझे लगता है कि यह आखिरी चाल तुम्हारी ही साज़िश थी, ताकि ओडीसियस आकर उन लोगों से बदला ले सके। तुम्हारे पास टेलीमाकस को उसके स्थान पर पूरी तरह सुरक्षित वापस पहुँचाने का ज्ञान, शक्ति और कौशल है। ध्यान रखना कि ऐसा ही हो: और वे सभी लोग भी अपने जहाज़ में उसी तरह वापस आ जाएँ जैसे गए थे।”
उसने अपने प्रिय पुत्र हर्मेस की ओर मुड़कर कहा, “हर्मेस, हमारे विशेष दूत के रूप में अपना संदेश सुनो। प्रेम की लटों वाली इस अप्सरा को मेरे इस अटल निर्णय की सूचना दो कि धीरज रखने वाले ओडीसियस को देवताओं या मनुष्यों की सहायता के बिना, यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से अपने घर लौटना है। इसलिए

उसे एक मजबूत बेड़ा बनाना है, जिस पर बीस दिनों के खतरों और विपत्तियों के बाद वह समृद्ध भूमि शेरिया, फ़ेएशियाई देश पहुंचेगा। फ़ेएशियाई लोग, जो वंश और रीति-रिवाजों में देवतुल्य हैं, उसे दिव्य मानकर पूरे सम्मान के साथ अपने हृदय में ग्रहण करेंगे और उसे तांबे, सोने और वस्त्रों से लदे जहाज में उसके जन्मस्थान पर भेजेंगे। इतना अधिक वस्त्र और वस्त्र ओडीसियस को ट्रॉय की लूट में कभी नहीं मिल पाते, भले ही वह सुरक्षित बच जाता और उसे लॉटरी द्वारा आवंटित लूट का पूरा हिस्सा मिल जाता। आदेश यह है कि इस प्रकार सुसज्जित होकर वह एक बार फिर अपने मित्रों से मिलेगा और अपने पूर्वजों के देश में अपने आलीशान घर में प्रवेश करेगा।”
आदेश यही था: और दूत, आर्गस-हत्यारे ने आज्ञापालन में जरा भी देरी नहीं की। उसने तुरंत अपने पैरों में अविनाशी सोने की सुंदर सैंडल पहनीं, जिनसे वह हवा के झोंके की तरह तेज गति से समुद्र और पृथ्वी के वीरान स्थानों को पार कर गया। उसने वह छड़ी उठाई जिससे वह इच्छा अनुसार मनुष्यों की आँखों को नींद में सुलगा सकता था या उन्हें जागृत कर सकता था, और उसे हाथ में लेकर आर्गस-हत्यारे ने हवा में छलांग लगाई और जोरदार उड़ान भरी। माउंट पिएरस के ऊपर से वह आकाश से समुद्र तल तक गोता लगाया: और फिर लहरों के साथ वह एक जलकौवे की तरह तेजी से आगे बढ़ा, जो उग्र समुद्र की भयानक घाटियों में अपनी मछलियों का पीछा करता है और अपने घने पंखों को खारे झाग में भिगो देता है। ठीक इसी तरह हर्मीस बार-बार उठने वाली लहरों की चोटियों पर सरक गया।
लेकिन जब अंततः वह उस दूरस्थ द्वीप पर पहुँचा, तो उसने बैंगनी सागर को छोड़कर अंतर्देशीय उस विशाल गुफा की ओर प्रस्थान किया, जहाँ सुगठित बालों वाली अप्सरा रहती थी। संयोगवश, वह उसे गुफा के भीतर मिली, जहाँ एक विशाल अग्नि अपने निर्धारित चूल्हे पर जल रही थी, जिससे दूर-दूर तक जलते हुए देवदार की लकड़ियों और सीधी रेशेदार धूपबत्ती के वृक्षों की सुगंध फैल रही थी। गुफा के भीतर अप्सरा की मधुर आवाज सुनाई दे रही थी, जब वह अपने करघे के सामने सुनहरी शटल से बुनाई कर रही थी। गुफा के प्रवेश द्वार के चारों ओर एल्डर, काले चिनार और सुगंधित सरू के पेड़ों का घना झुरमुट था: वहाँ लंबे पंखों वाले पक्षी, उल्लू, बाज और चहचहाते हुए कांटेदार चोंच वाले कौवे बसेरा करते थे - समुद्र के पक्षी जिनका जीवन जल से ही चलता था। अंगूरों के गुच्छों से लदी एक युवा, मजबूत लता गुफा के प्रवेश द्वार को

घेरे हुए थी। चार झरने एक-दूसरे के काफी करीब बहते हुए, अलग-अलग धाराओं में पारदर्शी पानी निकालते थे, जिन्हें बड़ी चतुराई से बनाया गया था, ताकि प्रत्येक धारा अपने-अपने बगीचे को सींच सके। मुलायम घास के मैदान अजमोद और वायलेट फूलों से सजे हुए थे। यहां तक कि कोई अमर प्राणी भी इस कोने को देखकर ठहर जाता और उसका हृदय प्रसन्न हो उठता: आर्गस का अभिशाप, दूत, आश्चर्य से थम गया।
जब उसका मन आश्चर्य से भर गया, तो वह विशाल गुफा में प्रवेश कर गया: और
जब स्वयं देवी कैलिप्सो ने उसे अपने समक्ष आते देखा, तो वह अपरिचित नहीं लगी। (देवताओं के लिए यह एक वरदान है कि वे मिलने पर एक-दूसरे को पहचान लेते हैं, चाहे उनमें से किसी का घर कितना भी दूर क्यों न हो।) गुफा में उसे महान हृदय वाला ओडीसियस नहीं मिला, जो अपनी आदत के अनुसार किनारे पर बैठकर रो रहा था, अपने दिल का दर्द कराहते हुए और दुखों को व्यक्त करते हुए, निर्जीव समुद्र को देखते हुए अपने आँसू बहा रहा था।
सुंदर देवी कैलिप्सो ने हेमीज़ को एक भव्य, चमकीले सिंहासन पर बैठाया
और उनसे पूछा, ‘हे स्वर्ण-छड़ी वाले हेमीज़, सदा सम्मानित और स्वागतयोग्य, पुराने समय से आप मेरे पास नहीं आते रहे हैं: आज आप यहाँ क्यों आए हैं? मुझे अपने मन की बात बताइए। मेरी आत्मा आपकी इच्छा पूरी करने के लिए उत्सुक है, यदि वह मेरे बस में हो और विधिवत पूरी हो सके। लेकिन पहले गुफा में और आगे जाइए ताकि मैं आपके सामने अतिथियों का स्वागत कर सकूँ।’ इन शब्दों के साथ ही देवी ने अमृत से भरपूर एक मेज आगे बढ़ाई। उन्होंने उनके लिए लाल रंग का अमृत मिलाया। तब दूत, आर्गस के अभिशाप, ने खाया-पिया: लेकिन जब उन्होंने भोजन कर लिया और भोजन से अपनी आत्मा को तृप्त कर लिया, तो उन्होंने अपना मुँह खोला और कहा: –
“देवी होने के नाते, आप मुझसे पूछती हैं, मुझे आदेश देती हैं, कि मैं
यहाँ क्यों आई हूँ। सच सुनो! ज़्यूस ने मुझे इस यात्रा का आदेश दिया: मेरी मर्ज़ी के बिना मैं खारे पानी के इस भयानक रेगिस्तान को पार करके तुम्हारे पास आई। भला कौन स्वेच्छा से ऐसी जगह आएगा जहाँ आस-पास कोई नगर न हो, जहाँ देवताओं को बलि चढ़ाई जा सके और सैकड़ों स्वादिष्ट बैल जलाए जा सकें? सुनो: – कोई दूसरा देवता, कवचधारी ज़्यूस की इच्छा में एक अंश भी जोड़ या घटा नहीं सकता। वह घोषणा करता है कि तुम्हारे साथ सबसे दुखी व्यक्ति है – उन सभी से भी कम दुखी जिन्होंने प्रियम के किले के चारों ओर नौ वर्षों तक

जा सकें। फिर भी, मैं उसे निःसंकोच सर्वोत्तम सलाह दूँगा कि वह अपने वतन सुरक्षित कैसे पहुँच सकता है।
दूत, आर्गस के संहारक ने उत्तर दिया: ‘निश्चित रूप से उसे अभी भेज दो, ज़्यूस के क्रोध का ध्यान रखते हुए और पूरी आज्ञा का पालन करते हुए: कहीं ऐसा न हो कि वह तुम पर क्रोधित होकर बाद में द्वेष रखे।’ और इस विदाई के शब्द के बाद शक्तिशाली आर्गस संहारक चला गया: जबकि अप्सरा ज़्यूस के आदेशानुसार महान हृदय वाले ओडीसियस को खोजने के लिए निकल पड़ी। उसने उसे जल के किनारे बैठे हुए पाया: उसकी आँखें हमेशा की तरह आँसुओं से भीगी हुई थीं, मुक्ति के बाद व्यर्थ विलाप में अपने कीमती जीवन के इस क्षय पर - यह देखकर कि अप्सरा अब उसे आकर्षित नहीं करती थी। यह सच था कि वह हर रात उसके साथ सोता था: जब तक वह उसकी गुफा में रहता था, उसके पास कोई विकल्प नहीं था। फिर भी वह तैयार नहीं था, और वह बहुत चाहती थी: परिणामस्वरूप वह दिन भर द्वीप के किनारे की चट्टानों और कंकड़-पत्थर वाले समुद्र तटों पर भटकता रहता था, रोते-बिलखते और दुखी होकर अपने दिल को उबकाता रहता था, उसकी निगाहें आँसुओं के धुंधलेपन के बीच सुनसान सागर पर टिकी रहती थीं।
देवी उसके पास आईं और बोलीं: ‘हे दुर्भाग्यशाली मनुष्य, अब इस स्थान पर शोक मत करो। तुम्हारा जीवन यूँ ही यूँ ही नहीं व्यतीत होगा: क्योंकि देखो, मेरा मन तुम्हें यहाँ से विदा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब उठो और ऊँचे वृक्षों के तने काट लो और उन्हें धातु के औजारों से जोड़कर एक विशाल बेड़ा बना लो, जो इतना मजबूत हो कि उस पर पानी से ऊपर एक ऊपरी डेक बना सके, जिस पर तुम धुंध भरे समुद्र के ऊपर यात्रा कर सको। मैं तुम्हें भूख से बचाने के लिए भोजन, पानी और तुम्हारी पसंद की लाल शराब प्रदान करूँगी: और मैं तुम्हें कीमती वस्त्र पहनाऊँगी और तुम्हारे पीछे हल्की हवा का प्रवाह सुनिश्चित करूँगी ताकि तुम बिना किसी दुर्घटना के अपने जन्मस्थान तक पहुँच सको – यदि देवताओं की यही इच्छा हो: क्योंकि विशाल आकाश की वह मंडली मुझसे कहीं अधिक शक्तिशाली है, उद्देश्य और पूर्ति में समान रूप से।’ उसकी बातों से दृढ़ निश्चयी ओडीसियस कांप उठा। उसने गरजते हुए उससे
कहा, “हे देवी, निश्चित रूप से आपके इस आदेश के पीछे कुछ ऐसा है जो मेरे हित में बिल्कुल नहीं है, बल्कि मेरे बिल्कुल विपरीत है – कि मैं एक बेड़ा लेकर उस विशाल सागर में जाऊं जो इतना खतरनाक और कठिन है कि तेज गति से चलने वाले ऊंचे जहाज भी हमेशा सुरक्षित रूप से पार नहीं कर पाते: यहां तक कि जब

ज़्यूस उन्हें आशीर्वाद देता है और अपनी सहायक हवाओं से उन्हें प्रसन्न करता है तब भी नहीं। इसलिए समझ लीजिए कि मैं आपकी इच्छा के बिना इस बेड़ा यात्रा पर नहीं निकलूंगा: जब तक आप एक देवी के रूप में मुझसे यह शपथ न लें कि आप मेरे लिए और अधिक विपत्तियां नहीं लाएंगी।”
उसके शब्दों से सुंदर अप्सरा कैलिप्सो मुस्कुरा उठी। उसने हाथ फेरते हुए और उसका नाम दोहराते हुए उससे कहा, “तुम बड़े ही चतुर और धूर्त हो, ऐसी बात सोचने और मुझसे कहने की हिम्मत कैसे की? अब साक्षी बनो, हे पृथ्वी, हे विशाल आकाश, और हे स्टिक्स नदी जो नीचे की ओर बहती है (यह शपथ देवताओं के लिए सबसे बड़ी और सबसे भयानक है), कि इस सलाह में मेरा तुम्हारे प्रति किसी प्रकार का कोई दुर्भावना रखने का इरादा नहीं है। बल्कि मैं तुम्हें उतनी ही सावधानी से योजना बना रही हूँ और सलाह दे रही हूँ जितनी सावधानी से मैं स्वयं को देती, यदि मैं कभी ऐसी स्थिति में होती। विश्वास करो कि मेरी समझ परिपक्व है: और मेरा हृदय कठोर नहीं, बल्कि अत्यंत दयालु है।”
समापन के बाद, देवी अचानक पीछे मुड़ गईं। ओडीसियस ने दिव्य नेता का अनुसरण किया और वे गुफा में वापस प्रवेश कर गए, अमर और नश्वर साथ-साथ चल रहे थे। वहाँ वह उस सिंहासन पर बैठ गया जिस पर से हेमीज़ अभी-अभी उठा था, और अप्सरा ने उसे विभिन्न प्रकार के भोजन और पेय परोसे जो मनुष्य आमतौर पर ग्रहण करते हैं। उसके बाद वह अपने महान नायक के सामने बैठ गई, जबकि दासियाँ उसे अमृत और पेय पिलाती रहीं। उन्होंने भरपूर आनंद लिया जब तक कि उनका भोजन और पेय तृप्त नहीं हो गया। फिर सुंदर देवी कैलिप्सो ने अपना मुख खोला और कहा: –
“ज़्यूस के रिश्तेदार और लेर्टेस के पुत्र, अनेक सलाह लेने वाले
ओडीसियस: क्या अब भी आपकी यही सच्ची इच्छा है कि आप अपने देश लौट जाएँ? ईश्वर आपको क्षमा करे: आप वहाँ सुखी रहें! आह, काश आपके मन का दर्पण आपको दिखा पाता कि आपके इच्छित घर तक पहुँचने से पहले आपको कितनी विपत्तियाँ झेलनी पड़ेंगी, तो निश्चय ही आप मेरे साथ यहाँ सदा निवास करते, मेरे घर और अपनी अमरता को सँभालते; अपनी पत्नी को देखने की उस दिनभर की तड़प को पूरी तरह से नकार देते जो आपको हर दिन प्रेरित करती है। परन्तु यह मत सोचो कि मैं स्वयं को उससे कमतर समझती हूँ, चाहे रूप-रंग में हो या गुणों में। एक साधारण स्त्री के लिए अमर पुरुषों से रूप-रंग में प्रतिस्पर्धा करना घोर अधार्मिक है।”

अपनी सांसारिक बुद्धिमत्ता से महान ओडीसियस ने उत्तर दिया, ‘हे रानी
और देवी, इस बात को मेरे विरुद्ध मत मानना। मैं अपने सच्चे स्वरूप में भली- भांति जानता हूँ कि विवेकशील पेनेलोप कद और सौंदर्य में आपसे कितनी कमतर है। क्योंकि वह मनुष्य है, और आप अपरिवर्तनीय, अमर, सदा युवा हैं। फिर भी मैं – हाँ, मेरे सारे दिन लालसा में व्यतीत हो रहे हैं – घर लौटने और अपने आगमन के दिन का सूर्योदय देखने का निश्चय करता हूँ। यदि किसी देवता को मुझे शराब के समान गहरे सागर में चूर-चूर करना ही पड़े, तो ऐसा ही हो। मैं ऊँचे हृदय से यह कष्ट सहूँगा; क्योंकि मेरा साहस सभी कष्टों को सहने के लिए प्रवर्धित है। मैंने तूफ़ानों और युद्ध में हर प्रकार के दर्द और पीड़ा का अनुभव किया है। आने वाले दुख को उन दुखों की सूची में जोड़ दिया जाए जो पहले ही बीत चुके हैं।’ जैसे ही उसने ये कहा, सूर्य अस्त हो गया और गोधूलि का अंधकार गहरा गया। वे उठे और चिकनी दीवारों वाली गुफा में बहुत दूर तक – उसके अंतिम छोर तक – गए, और वहाँ उन्होंने अकेले ही प्रेम के मार्ग पर सारी रात एक-दूसरे के साथ आनंद लिया।
जब भोर की पहली किरण, गुलाबी उंगलियों वाली भोर प्रकट हुई, तब ओडीसियस
ने कुर्ता और लबादा पहना, जबकि कैलिप्सो ने अपने ऊपर एक पतला, लहराता हुआ चांदी का गाउन ओढ़ लिया। उसने अपनी कमर पर सोने की एक पतली बेल्ट बांधी और अपने बालों को एक स्नूड से ढक लिया। फिर वह उत्साही ओडीसियस के जाने की गति बढ़ाने के लिए मुड़ी।
सबसे पहले उसने उसे तांबे की एक बड़ी कुल्हाड़ी दी, जो उसकी पहुँच के
लिए बिल्कुल उपयुक्त थी। उसके दोनों किनारे घिसे हुए थे और उसके खांचे में जैतून की लकड़ी का गोल हैंडल मजबूती से लगा हुआ था। फिर उसने उसे एक तराशी हुई कुल्हाड़ी दी और द्वीप के उस छोर तक ले गई जहाँ ऊँचे-ऊँचे पेड़ उगते थे, एल्डर और पोपलर के साथ-साथ आसमान छूते चीड़ के पेड़, जो बहुत पहले सूख चुके थे और रसहीन थे, जो उसके लिए ऊँचे तैरते हुए प्रतीत होते थे। उस सुंदर देवी कैलिप्सो ने उसे दिखाया कि सबसे ऊँचे पेड़ कहाँ उगे थे: फिर वह अपनी गुफा में लौट गई जबकि वह तेजी से काम करते हुए अपनी लकड़ियाँ तराशने में व्यस्त रहा। उसने कुल बीस पेड़ों को काटकर तेज तांबे की कुल्हाड़ी से आकार दिया, उन्हें कुशलता से छाँटा और अपनी सीधी धार से सीधा किया।
फिर उसकी प्यारी देवी उसके लिए बरमे लेकर आई, जिनसे उसने लकड़ियों में छेद किए और उन्हें आपस में बांधा। उसने उन्हें खूंटियों और रस्सियों से

मजबूती से बांध दिया। एक कुशल जहाज निर्माता जिस चौड़ाई में एक विशाल व्यापारिक जहाज का फर्श बनाता है, ठीक उतनी ही चौड़ाई में ओडीसियस ने अपना बेड़ा बनाया। ऊपरी डेक के लिए उसने कई पसलियों को कसकर जोड़कर लगाया और उनके सिरों को लंबी पट्टियों से बांधकर किनारे बनाए। उसने अपने बेड़े में एक मस्तूल लगाया, जिसके साथ एक गज भी था: साथ ही उसे चलाने के लिए एक घुमावदार पिछला हिस्सा भी। लहरों से बचाव के लिए उसने बेड़े के किनारों को बेंत से बनाया, उसे टोकरी की तरह चालाकी से सरकंडों से बुना और उसमें मजबूत डंडे लगाए। कैलिप्सो पाल के लिए कपड़े का एक थान लेकर फिर आई, जिसे उसने मजबूती से सिला। फिर उसने रस्सियाँ, रस्सियाँ और रस्सियाँ लगाईं, और अंत में लीवर की मदद से उसने बेड़ा पवित्र समुद्र में उतारा।
चौथी शाम तक काम समाप्त हो गया: और अगले दिन, पाँचवें दिन, सुंदर
कैलिप्सो ने उसे नहलाकर और सुगंधित वस्त्र पहनाकर अपने द्वीप से विदा किया। देवी ने उसकी नाव पर भोजन सामग्री रखी; एक मशक में गहरे रंग की शराब, एक (बहुत बड़ी) पानी; और इसी प्रकार चमड़े की एक थैली में खाने-पीने की चीजें, जिनमें उसके दिल को प्रिय कई व्यंजन थे। उसने उसके पक्ष में एक सुखद गर्म हवा चलाई। प्रसन्न ओडीसियस ने इस सुखद हवा में अपनी पाल फैला दी और पतवार के पास बैठकर बड़ी कुशलता से नाव चलाने लगा। उसे एक पल भी नींद नहीं आई, वह लगातार प्लीएड्स, आर्कटुरस (जो बहुत देर से अस्त होता है), या ग्रेट बेयर (जिसे वेन भी कहते हैं) को निहारता रहा, जो ओरियन पर निरंतर निगरानी रखता है और अकेला ऐसा तारा है जो कभी समुद्र में नहीं उतरता। देवी कैलिप्सो ने उसे यात्रा के दौरान इस तारे को हमेशा अपने बाईं ओर रखने के लिए कहा था, जैसा कि उसने सत्रह दिनों तक किया। और अठारहवें दिन, फ़ेएशियन भूमि के निकटतम पर्वत शिखर का आवरण उसकी दृष्टि में प्रकट हुआ। समुद्र के बादलों से घिरे तल पर वह मानो एक उठी हुई ढाल की तरह दिखाई दिया।
फिर, पृथ्वी को कंपाने वाले देवता पोसीडॉन ने सोलिमी पर्वतों के पास
से उसे दूर से देख लिया, जिस रास्ते से वह इथियोपिया से लौट रहा था। पोसीडॉन का मन भयंकर क्रोधित हुआ जब उसने देखा कि कौन उसके सागर में यात्रा कर रहा है। सिर हिलाते हुए वह मन ही मन बुदबुदाने लगा, 'देखो, जब मैं इथियोपियाई लोगों के बीच था, तब इन देवताओं ने ओडीसियस के बारे में अपना विचार बदल दिया। हाय, वह फेएशियनों की भूमि के निकट पहुँच रहा है जहाँ यह

नियम है कि वह अपने द्वारा झेली गई विपत्तियों से बच जाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि मैं उसे अभी और लंबे समय तक दुखों में डुबो सकता हूँ।'
इसके साथ ही उसने बादलों को एक जगह इकट्ठा कर दिया और त्रिशूल हाथ में लेकर उजाड़ जल को उछाल दिया। उसने सभी हवाओं में मौजूद सभी भयंकर झोंकों को इकट्ठा किया और उन्हें छोड़ दिया, जिससे समुद्र और धरती तूफानी बादलों से घिर गए। रात आसमान में छा गई। पूर्वी हवा दक्षिणी हवा से टकराई, और पश्चिम की ओर से आने वाली उत्तर हवा से, लहरें ज़ोर से उठने लगीं। इसलिए ओडीसियस के घुटने और गर्म दिल कांपने लगे और उसने अपने उच्च साहस को याद करते हुए प्रार्थना की।
‘हे दुर्भाग्यशाली, ये कौन सी नई विपत्ति है मेरे मार्ग में? मुझे डर
है कि देवी ने जो कहा था, वह बिलकुल सच था, जब उन्होंने कहा था कि घर पहुँचने से पहले ही मुझे अपनी विपत्तियों का प्याला गहरे समुद्र में भरना होगा। निश्चय ही यही मेरा अंत है। देखो, ज़्यूस ने अपने पूरे स्वर्ग को कैसे तूफ़ानों से घेर लिया है और कैसे गहरा समुद्र हिल रहा है। दुनिया के चारों कोनों से आंधी आ रही है: मेरा अंत निश्चित और अटल है। तीन बार धन्य, चार बार धन्य थे वे यूनानी जो एट्रेस के पुत्रों को प्रसन्न करने के लिए ट्रॉय के मैदान में मारे गए। वास्तव में, मुझे भी उसी दिन वहीं मर जाना चाहिए था जब ट्रोजन की भीड़ ने मुझे पेलियस के मृत पुत्र के शव के चारों ओर अपने तांबे के भालों का आधार बना दिया था। इस प्रकार मरकर मुझे अपने अंतिम संस्कार मिल जाते और अचेयन मेरी महिमा का बखान करते: लेकिन अब भाग्य ने मुझे इस अपमानजनक मृत्यु में फंसा लिया है।’
जैसे ही वह रुका, एक विशाल लहर उठी, पलट गई और बेड़ा पर गिर पड़ी, जिससे
वह गोल-गोल घूमने लगा। हवाएँ भयंकर उथल-पुथल के साथ नीचे आईं और मस्तूल को बीच से तोड़ दिया। पाल और डोरी गहरे पानी में दूर जा गिरे। ओडीसियस ने पतवार को अपने हाथ से छोड़ दिया और खुद बेड़ा से दूर लहर के बीच जा गिरा, जिसके पानी के भार ने उसे लंबे समय तक दबाए रखा: और उसके संघर्ष भी उसे लहर के बहाव से बाहर निकालने में कारगर नहीं हुए, क्योंकि देवी कैलिप्सो द्वारा पहनाए गए सम्मान के भारी वस्त्र उसे जकड़ रहे थे।
लेकिन अंत में वह बाहर निकला, होठों से खारा नमकीन पानी उगल रहा था
जबकि चेहरे पर पानी की धाराएँ बह रही थीं। फिर भी इतनी विकट स्थिति में भी वह अपनी नाव को नहीं भूला, बल्कि उसके पीछे तेज़ी से तैरा और लहरों के बीच

उसे पकड़ लिया और उसके बीचोंबीच दुबक कर बैठ गया ताकि कुछ पल के लिए मौत के मुंह से बच सके।
उसकी शरणस्थली लहरों के भंवरों में इधर-उधर डगमगा रही थी, ठीक वैसे ही जैसे शरद ऋतु के तूफानी दिनों में उत्तरी हवा खेतों में सूखी झाड़ियों को उछालती है, जिससे लुढ़कते समय उनके कांटे आपस में उलझ जाते हैं। ठीक इसी तरह हवाएँ बेड़ा को पानी की सतह पर इधर-उधर धकेल रही थीं। कभी दक्षिणी हवा उसे उत्तरी हवा के हवाले कर देती, तो कभी पूर्वी हवा उसे वापस पश्चिमी हवा के हवाले कर देती।
लेकिन पतली एड़ियों वाली इनो ने उसे देख लिया था – प्रकाशमान इनो, कैडमियस की पुत्री। वह शुरुआत में नश्वर थी: एक साधारण-सी लड़की, लेकिन उसने देवताओं के बीच सम्मान प्राप्त किया था और अब विशाल सागर की खारी गहराइयों से मुक्त हो गई थी। उसे ओडीसियस पर दया आई जो पीड़ा में इधर-उधर भटक रहा था। एक समुद्री चिड़िया की तरह आसानी से वह समुद्र की सतह से उठी और बेड़ा पर आकर बोली, ‘हे दुर्भाग्यशाली मनुष्य, पोसीडॉन तुम पर इतना क्रूर क्रोध क्यों कर रहा है कि तुम्हारे मार्ग में इतनी विपत्तियाँ डाल रहा है? फिर भी, उसकी घृणा के बावजूद, तुम पूरी तरह से नष्ट नहीं होगे। देखो: – यदि, जैसा कि मुझे लगता है, तुम समझ रहे हो, तो तुम्हें यह करना होगा। अपने ऊपर के इन वस्त्रों को उतार दो और बेड़ा छोड़कर हवाओं के साथ बह जाओ, और तैरकर फाएशियन तट तक पहुँचने का प्रयास करो, जो तुम्हारा नियति का आश्रय है। इसके अलावा, मेरा यह दिव्य आवरण लो और इसे अपने सीने पर लपेट लो।’ जब तक तुम इसे धारण करोगे, तुम्हें कोई हानि नहीं होगी, न ही तुम्हारी मृत्यु होगी; और बाद में, जब तुम्हारे अधिकार में ठोस भूमि आ जाए, तो इस घूंघट को अपने से अलग कर दो और इसे किनारे से बहुत दूर गहरे नीले सागर में फेंक दो, और स्वयं उस समय मुंह फेर लो।
देवी ने बात की, उसे दुपट्टा दिया और चिड़िया की फुर्ती से वापस लहरों में कूद गई: और पानी का अंधेरा उसे ढक लिया। तब दृढ़ निश्चयी ओडीसियस बहुत परेशान हो गया, और उसने अपने साहसी लेकिन बोझ से दबे हुए दिल में इस प्रकार विचार किया: 'मेरे लिए एक के बाद एक मुसीबत। यह शायद किसी द्वेषी देवी का मेरे लिए बिछाया गया कोई नया जाल है जो मुझे अपना बेड़ा छोड़ने पर मजबूर करना चाहती है। मैं इस समय उसकी बात मानने की हिम्मत नहीं कर सकता: क्योंकि मैंने अपनी आँखों से देखा है कि वह तट कितनी दूर है जहाँ वह मुझे भागने के

लिए कह रही है। शायद मेरे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि जब तक लट्ठे अपनी जगह पर मजबूती से टिके हैं, मैं यहीं रहूँ और अपनी दुर्दशा को साहसपूर्वक स्वीकार करूँ: लेकिन जब लहरें बेड़े के ढांचे को चकनाचूर कर देंगी, तब मैं तैरकर उसके पास जाऊँगा; क्योंकि तब तक मनुष्य की बुद्धि इससे बेहतर कोई योजना नहीं बना पाएगी।'
जब ओडीसियस का विवेक और अंतर्ज्ञान इस प्रकार विचार कर रहे थे, तभी पृथ्वी को हिला देने वाले पोसीडॉन ने उस पर लहरों की एक विशाल लहर खड़ी कर दी, जो इतनी ऊंची और उग्र थी कि आतंक और विपत्ति का कारण बन गई। इसी से उसने ओडीसियस पर प्रहार किया। इसने बेड़ा के लंबे लट्ठों को इस प्रकार बिखेर दिया जैसे कोई शक्तिशाली हवा सूखे भूसे के ढेर को पकड़कर उसके तिनकों को चारों ओर अस्त-व्यस्त कर देती है। ओडीसियस एक लट्ठे पर उछल पड़ा, मानो किसी दौड़ते हुए घोड़े पर सवार हो: और उसने कैलिप्सो द्वारा उपहार में दिए गए वस्त्र फाड़ डाले। फिर उसने अपने सीने पर घूंघट लपेटा और लहरों में छलांग लगा दी, हाथों से प्रहार करते हुए तेजी से तैरने लगा। घमंडी पृथ्वी को हिला देने वाले पोसीडॉन ने उसे देखा, अपना सिर हिलाया और मन ही मन प्रसन्न हुआ: 'हर जगह मुसीबत में, हर समुद्र में, तुम जहाँ भी जाओ!' अंत में निःसंदेह तुम ज़्यूस के प्रिय लोगों में शामिल हो जाओगे और सुखी रहोगे; फिर भी मुझे विश्वास है कि तुम कभी शिकायत नहीं करोगे कि तुम्हारा दंड अपर्याप्त रहा है।’ उसने अपने चमकीले रंग के घोड़ों को चाबुक मारा और अपने शानदार स्थान, एगे की ओर प्रस्थान किया।
और अब ज़्यूस की पुत्री एथेना ने जवाबी कार्रवाई की। उसने पूरी गति से बह रही अन्य हवाओं को बांध दिया और सभी को शांत होकर सोने का आदेश दिया: सिवाय प्रचंड उत्तरी हवा के। उसने उत्तरी हवा को प्रोत्साहित किया और उसकी शक्ति से लहरों को शांत किया, ताकि ज़्यूस का रिश्तेदार ओडीसियस समुद्री यात्रियों तक पहुँच सके और मृत्यु और भाग्य से बच सके।
फिर भी, दो रातों और दो दिनों तक वह लहरों और धाराओं के बीच भटकता रहा,
और कई बार उसके मन में मृत्यु का आभास हुआ: लेकिन जब अंत में सुहावनी सुबह ने तीसरी सुबह की रोशनी लाई, तब आंधी थम गई और हवा और समुद्र में एक अवर्णनीय शांति छा गई। विशाल लहरें अभी भी उठ रही थीं: लेकिन जब वह उनमें से एक की चोटी पर था, तो उसने अचानक ऊपर देखा, और देखो! ज़मीन बस कुछ ही आगे थी। ओडीसियस के लिए उन खेतों और पेड़ों का नज़ारा उतना ही सुखद था जितना

किसी पिता के बच्चों के लिए, जो लंबे समय से किसी क्रोधित शक्ति के प्रकोप के कारण भीषण पीड़ा झेलते हुए बिस्तर पर पड़ा हुआ था, उसके जीवन में नए सिरे से जीवन का उदय होना। जैसे बच्चे देवताओं द्वारा अपने पिता के दर्द को कम करने पर प्रसन्न होते हैं, वैसे ही ओडीसियस भी खुशी-खुशी आगे बढ़ा और सूखी ज़मीन पर अपने पैर रखे। लेकिन जब दूरी एक तेज आवाज की सीमा से अधिक नहीं रह गई, तो वह टूटे हुए किनारे से टकराती लहरों की भारी गड़गड़ाहट सुन सकता था और देख सकता था कि कैसे विशाल लहरें खारे झाग के भयानक बादलों के रूप में नंगे तट पर गरजती हुई आ रही थीं, जिससे सारा समुद्र नमकीन झाग से भर गया था: क्योंकि यहाँ जहाजों का स्वागत करने के लिए कोई खाड़ी या बंदरगाह नहीं थे: बल्कि ऊंचे-ऊंचे टीले, चट्टानें और खड़ी पहाड़ियाँ थीं। तब ओडीसियस के घुटने और साहस जवाब दे गए, और उसने दुख से अपनी बहादुरी पर ही सवाल उठाया:
हाय! क्या ज़्यूस ने मुझे इस भूमि को केवल निराश करने के लिए ही दिखाया है? देखो, मैं ज्वार की गहराई से निकलकर यहाँ तक पहुँच गया हूँ कि यहाँ झागदार पानी से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। मेरे सामने खड़ी चट्टानों की दीवारें हैं, जिनके चारों ओर उग्र समुद्र ज़ोर से टकरा रहा है; और चट्टानें चिकनी और खड़ी हैं, इतनी कि कहीं भी मेरे पैरों को सहारा नहीं मिल रहा है ताकि मैं इस विपत्ति से बच सकूँ। अगर मैं चढ़ने की कोशिश करूँ, तो अगली लहर मुझे ले जाएगी और टूटी हुई चट्टानों पर फेंक देगी; और मेरा प्रयास व्यर्थ हो जाएगा। जहाँ तक आगे तैरने की बात है, इस उम्मीद में कि शायद किसी सुरक्षित तट या समुद्र के शांत खाड़ी तक पहुँच जाऊँ, तो डर है कि एक और तूफ़ान मेरे कराहते शरीर को फिर से मछलियों से भरे गहरे समुद्र में धकेल देगा: या कोई देवता समुद्र से मेरे विरुद्ध विशालकाय जीव खड़ा कर देगा: क्योंकि प्रसिद्ध एम्फिट्राइट ऐसे कई जीवों को जन्म देती है, और मेरे पास इस बात का प्रमाण है कि पृथ्वी को हिलाने वाला, उसका स्वामी, मेरे विरुद्ध क्रोधित है।
वह अभी इन बातों पर विचार ही कर रहा था कि एक विशाल लहर ने उसे उठाकर ऊबड़-खाबड़ किनारे पर पटक दिया। अगर देवी एथेना ने उसे दोनों हाथों से चट्टान को जल्दी से न पकड़ लिया होता, तो उसका मांस नोचकर हड्डियाँ चकनाचूर हो जातीं। वह सिसकते हुए तब तक चट्टान को थामे रहा जब तक लहर का बल थम नहीं गया। इस तरह वह उस खतरे से बच गया; लेकिन उसके बाद लहरों का बहाव

उसे घेरकर एक बार फिर गहरे पानी में फेंक दिया। ठीक वैसे ही जैसे जब एक स्क्विड को उसके बिस्तर से बाहर खींचा जाता है तो उसके हाथों के चूसने वाले अंगों में कई कंकड़ फंस जाते हैं, वैसे ही ओडीसियस के मजबूत हाथों की त्वचा पत्थरों से टकराकर छिल गई। फिर लहरें उसके सिर पर छा गईं।
और निश्चित रूप से दुर्भाग्य से ओडीसियस भाग्य के विपरीत मर जाता, यदि धूसर आँखों वाली एथेना ने उसे अब और अधिक ज्ञान न दिया होता, जिसके प्रकाश में जब वह एक बार फिर सतह पर आया तो वह लहरों से आगे तैरता हुआ किनारे पर ध्यान से देखता रहा कि क्या वह किसी रेतीले टीले या नाले की सहायता से सुरक्षित स्थान पर उतर सकता है: और इस प्रकार तैरते हुए वह एक बहती हुई नदी के मुहाने पर पहुँचा जो उसे सबसे अच्छा स्थान लगा, क्योंकि वह चट्टानों से मुक्त था और हवा से सुरक्षित था। तब उसने नदी के बहते हुए प्रवाह को महसूस किया और मन ही मन उसके देवता से प्रार्थना की: –
हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनिए! मैं पोसीडॉन के खतरों से भागकर,
समुद्र से निकलकर, आपकी शरण में आया हूँ। अमर देवताओं द्वारा भी सम्मानित और सुरक्षित, मुझ जैसे यात्री, जो अब बहुत थके-हारे आपके पास घुटने टेककर आए हैं, आपके पास आए हैं। हे प्रभु, मुझ पर दया कीजिए। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मेरी विनती आपको स्वीकार्य हो।
इस प्रकार उसकी प्रार्थना थी: और देवता ने तुरंत धारा को शांत कर दिया, भंवरों को स्थिर कर दिया और उसका मार्ग सुगम बना दिया, उसे नदी के मुहाने के भीतर सुरक्षित रूप से ले गए। ओडीसियस के घुटने और बलिष्ठ भुजाएँ एक साथ जवाब दे गईं: क्योंकि खारे समुद्र के साथ लंबे संघर्ष में उसकी सारी शक्ति समाप्त हो गई थी। उसके पूरे शरीर पर मांस फूल गया था और समुद्र का पानी उसकी नाक और मुंह से धाराओं में बह रहा था। इसलिए वह असहाय होकर गिर पड़ा, सांस लेने और बोलने में असमर्थ था, और उस पर भयानक थकान छा गई थी।
लेकिन जब आखिरकार उसने फिर से सांस ली और उसके दिल में कुछ गर्माहट आई,
तब उसने अपने शरीर से देवी का घूंघट हटाकर उसे नदी में बहा दिया, जो समुद्र की ओर बह रही थी। तेज़ धारा उसे वापस बहा ले गई, जहाँ इनो ने उसे खुशी-खुशी अपने हाथों में पकड़ लिया। फिर ओडीसियस नदी से ऊपर उठा और सरकंडों के बिस्तर पर गिर पड़ा: वहाँ उसने उपजाऊ धरती को गले लगाया और अपने विशाल हृदय को सक्रिय करने का प्रयास करते हुए कहा, 'हाय, अब मैं क्या करूँ? मेरा क्या होगा? अगर मैं इस चिंता भरी रात में नदी के किनारे बैठा रहा, तो शायद पाले

और ओस की भीषण गर्मी मेरे कमजोर होते दिल के लिए असहनीय हो जाएगी: नदी घाटी से आने वाली दुर्गंध भोर की ओर ठंडी हवा लेकर आएगी।' फिर भी, अगर मैं ढलान पर चढ़कर घने जंगल में किसी झाड़ी में पनाह ले लूँ, तो शायद ठंड और उसकी थकान से बच जाऊँ और मीठी नींद आ जाए: लेकिन तब मुझे डर रहेगा कि कहीं जंगली जानवर मुझे अपना शिकार न बना लें।’ फिर भी, जब उसने विकल्पों पर विचार किया, तो उसे यही विकल्प अधिक लाभदायक लगा। उसने खुद को उस जंगल में चढ़ने के लिए मजबूर किया जो पानी से कुछ ही दूरी पर ऊँचाई पर स्थित था। वह एक दोहरी झाड़ी के नीचे घुस गया, दो पेड़ जिनकी एक ही जड़ थी: एक जंगली जैतून का पेड़, दूसरा असली जैतून की कलम। वे इतने करीब से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे और एक-दूसरे के पूरक थे कि नम हवाओं का कोई झोंका उन्हें भेद नहीं सकता था: न ही सूरज की कोई किरण अंदर आ सकती थी: और न ही बारिश की कोई बौछार उन्हें भिगो सकती थी।
उनके नीचे ओडीसियस रेंगता हुआ गया और अपने हाथों से अपने लिए एक चौड़ा बिस्तर बनाने लगा; क्योंकि अंदर सूखे पत्तों का इतना ढेर जमा हो गया था कि दो-तीन आदमियों को सर्दियों में, चाहे मौसम कितना भी खराब क्यों न हो, अच्छी तरह से ढक सकता था। जब साहसी ओडीसियस ने पत्तों को देखा तो वह प्रसन्न हुआ और उनके बीच लेट गया तथा मुट्ठी भर पत्ते अपने शरीर पर डालने लगा, जब तक कि वह पूरी तरह से ढक न गया: ठीक वैसे ही जैसे कोई अकेला आदमी अपने घर से निकलने से पहले अपनी जलती हुई लकड़ी को राख से ढक देता है और इस तरह दिन भर अपने लौटने के लिए आग का बीज जमा करता है, जिसे उसे अन्यथा किसी और जगह से खुद लाना पड़ता। ठीक इसी तरह ओडीसियस लेटा रहा, जब एथेन ने उसकी आँखों पर नींद की वर्षा की, ताकि उसकी प्यारी पलकों को ढककर उसे उसकी कमजोरी के दर्द से जल्द से जल्द मुक्ति मिल सके।

पुस्तक 6

अंततः धीरज रखने वाले ओडीसियस ने अपनी थकान के आगे हार मान ली और वहीं सो गए; जबकि एथेन फ़ेएशियन लोगों के ज़िले और मुख्य नगर की ओर चल पड़ीं। ये लोग पहले हाइपेरिया में साइक्लोप्स के पास विस्तृत भूमि पर बसे हुए थे, जो क्रूर और दबंग लोगों का एक समूह था और फ़ेएशियनों से अधिक बलवान होने के कारण उन्हें लूटते रहते थे। इसलिए, देवतुल्य नौसिथस ने उठकर अपने लोगों को दुनिया के लालच से दूर शेरिया में बसा दिया। वहाँ उन्होंने नए नगर के चारों ओर एक दीवार बनवाई और घर बनवाए, देवताओं के मंदिर बनवाए और खेती योग्य भूमि का बंटवारा किया।
समय आने पर नौसिथस ने भाग्य के आगे घुटने टेक दिए और पाताल लोक में चला गया: इस प्रकार अब अल्किनस का शासन था; बुद्धिमानी से, क्योंकि देवताओं ने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया था। इसलिए, धूसर आँखों वाली देवी एथेना, महान हृदय वाले ओडीसियस के स्वागत की योजना बनाने के लिए उसके घर गईं: और उसके घर में उन्होंने उस कीमती कमरे में प्रवेश करना चुना जहाँ राजसी अल्किनस की पुत्री नौसिका सो रही थी, जो स्वभाव और रूप से अमर के समान सुंदर थी। उसके बगल में, प्रवेश द्वार के दोनों ओर, दो दासियाँ सो रही थीं जिन्हें ग्रेस ने सुंदरता का वरदान दिया था: और चमकते दरवाजे बंद थे। फिर भी, एथेना एक तेज हवा की तरह उनके माध्यम से लड़की के सिर तक पहुँची। अपने संदेश के लिए देवी ने नौसिका की हमउम्र और प्रिय सहेली, प्रसिद्ध समुद्री कप्तान डायमास की पुत्री का रूप धारण किया था। इस रूप में धूसर आँखों वाली एथेना ने कहा: –
“ओ नौसिका, अपनी माँ की बेटी कितनी लापरवाह हो गई हो! ये सारे कीमती कपड़े उपेक्षित पड़े हैं, जबकि तुम्हारा विवाह का समय निकट आ रहा है: और यही वह समय है जब तुम्हें कम कपड़े पहनने चाहिए और बारात में आने वालों को देने के लिए कुछ और चीज़ें भी होनी चाहिए। ऐसी छोटी-छोटी चीज़ों से ही संसार में नाम कमाया जाता है और माता-पिता गर्व से प्रसन्न होते हैं।”

इसलिए कल सुबह तड़के हम कपड़े धोने चलते हैं, क्योंकि मैं सहकर्मी के रूप में तुम्हारी मदद करूँगी, ताकि तुम उस समय के लिए जल्दी तैयार हो सको जब तुम कुंवारी नहीं रहोगी। क्या फाएशियाई लोगों के सबसे अच्छे लड़के, तुम्हारे रिश्तेदार और सगे-संबंधी, जो पूरे इलाके में रहते हैं, तुमसे शादी का प्रस्ताव नहीं रख रहे हैं? इसलिए सुबह सबसे पहले अपने पिता से कहना कि वे तुम्हें खच्चर और एक ऐसी गाड़ी दे दें जिसमें पुरुषों के कफ़न, तुम्हारे कपड़े और चमकदार चादरें आ सकें। अच्छा होगा अगर तुम उसमें बैठो, क्योंकि कपड़े धोने के तालाब शहर से पैदल बहुत दूर हैं।
इस प्रकार अपना उद्देश्य पूरा करने के बाद एथेन ओलंपस चली गईं, जहाँ
कहा जाता है कि देवताओं का निवास स्थान सदा स्थिर रहता है: क्योंकि हवाएँ उसे हिला नहीं सकतीं, न ही उस पर बारिश होती है और न ही बर्फ गिरती है। चारों ओर बादल रहित आकाश फैला हुआ है, और सूर्य की सफेद चमक उसकी दीवारों पर फैली हुई है। वहाँ धन्य देवता अपने पूरे जीवन सुख से व्यतीत करते हैं: और तदनुसार, धूसर आँखों वाली देवी ने कन्या को अपना संदेश स्पष्ट रूप से देने के बाद वहीं प्रस्थान किया।
उच्च सिंहासन पर आसीन भोर ने सुंदर वस्त्रधारी नौसिका को जगाया।
जागने पर वह अपने सपने पर आश्चर्यचकित हुई और सीधे घर के रास्ते अपने प्रिय माता-पिता को बताने गई। उसने उन्हें अंदर पाया। उसकी माता अपनी सेविकाओं के साथ चूल्हे के पास बैठी थीं और गहरे बैंगनी रंग में रंगे हुए तकले को कताई कर रही थीं; जबकि उसके पिता द्वार से बाहर निकले थे, जहाँ वे जनता के प्रतिष्ठित राजकुमारों से परामर्श करने जा रहे थे – एक ऐसी सभा जिसमें फ़ेएशियनों के सबसे श्रेष्ठ व्यक्ति ने उन्हें बुलाया था। वह अपने प्रिय पिता के पास गई और धीरे से बोली: –
‘प्रिय पिता, क्या आप मुझे वह गहरी, आसानी से चलने वाली गाड़ी नहीं
देंगे, जिससे मैं अपने पास पड़े सभी अच्छे, गंदे कपड़ों को धोने के लिए नदी पर ले जा सकूँ? यह तो उचित ही है कि जब भी आप नेताओं के साथ सभा में बैठें, तो आपके पास पहनने के लिए साफ कपड़े हों: जबकि आपके घर में जन्मे पाँच बेटों में से केवल दो ने ही विवाह किया है: और तीनों कुंवारे लड़के जब भी नाच-गाने के लिए बाहर जाते हैं, तो उन्हें हमेशा नए धुले हुए कपड़ों की ज़रूरत पड़ती है। इन सब बातों के बारे में सोचना मेरे मन की चिंताओं में से एक है।’

उसने इतना कुछ कहा, लेकिन अपने प्रिय पिता को अपनी शादी की निकट
संभावना के बारे में बताने में वह बहुत संकोच कर रही थी; लेकिन उन्होंने सब कुछ देख लिया और एक शब्द में उत्तर दिया: 'मेरी बच्ची, मुझे तुम्हें खच्चर या किसी और चीज से कोई शिकायत नहीं है। जाओ: बंधुआ मजदूर तुम्हें ऊंचे झुकाव वाली लंबी, हल्की गाड़ी दिलवा देंगे।'
बोलते ही उसने अपने आदमियों को बुलाया, जिन्होंने आज्ञा का पालन किया।
वे आसानी से चलने वाली खच्चर गाड़ी को महल के बाहर लाए और खच्चरों को आगे लाकर उसमें जोत दिया, जबकि लड़की अपने शयनकक्ष से सुंदर वस्त्र नीचे ला रही थी और उन्हें चिकनी सतह वाली गाड़ी में भर रही थी। माँ ने एक डिब्बे में स्वादिष्ट मांस, तरह-तरह की खाने की चीजें, जिनमें चटनी भी शामिल थी, पैक कीं और एक बकरी की खाल में शराब भर दी। फिर जैसे ही उसकी बेटी गाड़ी में चढ़ी, उसने उसे जैतून के तेल की एक सुनहरी शीशी दी, ताकि वह और दासियाँ स्नान के बाद खुद को उससे मल सकें। नौसिका ने चाबुक और पॉलिश की हुई लगाम उठाई। उसने जानवरों को दौड़ाने के लिए मारा: खच्चरों की खड़खड़ाहट सुनाई दी, जिन्होंने जोर से लगाम पकड़ी और कपड़े और लड़की को खींच ले गए - बेशक, वह अकेली नहीं थी: उसकी दासियाँ भी साथ गईं।
यात्रा के अंत में वे सुंदर नदी की बहती धारा के पास पहुँचे और वहाँ उन्हें कपड़े धोने के स्थान मिले, जिनके नीचे से इतना स्वच्छ जल उबल रहा था कि उसकी शक्ति से सबसे गंदी चीज़ों को भी साफ़ किया जा सकता था। वहाँ उन्होंने खच्चरों को गाड़ी से खोलकर उन्हें बहते पानी में ले गए, जहाँ उनके चरने के लिए शहद जैसी मीठी घास थी। फिर उन्होंने गाड़ी से कपड़े बाँट-बाँट कर निकाले और उन्हें छायादार पानी वाले धोने के स्थानों में डाल दिया; जहाँ वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए उन पर नाचने लगे, हर कोई दूसरे से बेहतर करने की होड़ में था। बाद में, जब सारी गंदगी निकल गई, तो उन्होंने लिनेन को किनारे पर फैला दिया, ठीक उसी साफ़ कंकड़ पर जहाँ समुद्र ने उसे धोकर साफ़ कर दिया था।
काम खत्म होने पर वे नहाने लगीं और फिर जैतून के तेल से अपने शरीर को चिकना किया। इसके बाद वे अपना सामान लेकर समुद्र के किनारे एक कोने में गईं, जहाँ से कपड़े दिखाई देते थे। वहाँ उन्होंने खाना खाया और धूप में सूखने के लिए कपड़े फैलाए जाने का इंतज़ार किया। खाना खाकर भूख मिट जाने पर दासियों और उनकी युवा मालकिन ने अपने दुपट्टे उतार दिए और गेंद से

खेलने लगीं। नौसिका, जो समूह का नेतृत्व कर रही थी, ने गेंद नृत्य के लिए ताल मिलाई। वह उनके साथ ऐसे चलती थी जैसे बाण-प्रेमी आर्टेमिस, जब वह अपनी अप्सराओं (हमारे रक्षक देवता ज़्यूस की शर्मीली बेटियाँ) के दल के साथ जंगली सूअरों या उड़ते हुए हिरणों का पीछा करने के लिए तत्पर होती है, तो सर्वोच्च टैगेटस या एरिमांथस के पर्वतीय ढलानों से नीचे उतरती है: और फिर उसकी माँ लेटो का हृदय आर्टेमिस में इसलिए प्रसन्न होता है क्योंकि वह अपना सिर ऊँचा रखती है, अपनी भौंहें ऊपर उठाती है, और उन सभी सुंदरियों के बीच बेपरवाह होकर चलती है - ठीक उसी तरह इस पवित्र कन्या ने अपनी दासियों को भी पीछे छोड़ दिया।
जब अंततः उसके घर लौटने का समय आया, तो उन्होंने खच्चरों को जोतना और सुंदर वस्त्रों को तह करना शुरू किया: तब धूसर आँखों वाली देवी एथेना ने सोचा कि ओडीसियस को नींद से कैसे जगाया जाए ताकि वह उस सुंदर कन्या को देख सके जो उसे उस शहर तक ले जाएगी जहाँ फेएशियन रहते थे: – इसीलिए, जब लड़की ने अपने एक साथी की ओर गेंद फेंकी, तो उसने उसे दूर फेंक दिया और गेंद एक गहरे भंवर में जा गिरी। जिससे उनकी चीखें दूर तक गूंज उठीं: और महान ओडीसियस जाग उठा, जो उठकर बैठ गया और अपने मन और दिमाग में उदास होकर सोचने लगा, ‘हाय, मैं किस देश में आ गया हूँ? क्या वे निर्दयी और क्रूर होंगे; या अजनबियों के प्रति दयालु, ईश्वर से डरने वाले होंगे? मेरे चारों ओर यह लड़कियों या अप्सराओं की चीखें कैसे गूंज रही हैं, जो पहाड़ों की दुर्गम चोटियों और नदियों के झरनों और हरे-भरे घास के मैदानों को धारण करती हैं।’ इन आवाज़ों से मुझे लगता है कि ये इंसान हैं। मुझे आगे बढ़ने दो, और अगर मैं देख सकूँ... कुछ बुदबुदाते हुए ओडीसियस झाड़ियों से बाहर निकला और अपने शक्तिशाली हाथों से घने पेड़ से एक घनी पत्तीदार टहनी तोड़ ली, जिससे वह अपने पुरुषत्व को छिपा सके। फिर वह पहाड़ों में पले-बढ़े शेर की तरह, अपनी शक्ति पर गर्व करते हुए, जलती आँखों से बारिश और हवा में दौड़ता हुआ आगे बढ़ा। वह बड़े या छोटे मवेशियों या जंगली हिरणों का पीछा करता है। यदि उसका पेट उसे मजबूर करता है, तो वह बाड़ों में बंद भेड़ों पर भी हमला करने की कोशिश करता है।
ओडीसियस ने नग्न अवस्था में ही साहसपूर्वक युवतियों के समूह में
शामिल होने का प्रयास किया: क्योंकि आवश्यकता ने उसे विवश कर दिया था। फिर भी, समुद्री कचरे से सने होने के कारण वह उनकी दृष्टि में घृणित प्रतीत हो

उम्मीद नहीं कर सकता। इससे पहले कि राहत मिले, देवता मुझे कई और कष्ट देंगे।
फिर भी, हे रानी, मुझ पर दया कीजिए। मैं अनेक बुराइयों का शिकार होकर आपके पास आया हूँ, सर्वप्रथम आपके पास, क्योंकि इस नगर और भूमि पर अधिकार रखने वाले अनेकों में से मैं किसी को नहीं जानता। मुझे नगर दिखाइए: मुझे अपने शरीर पर लपेटने के लिए एक कपड़ा दीजिए – यदि आप अपने कपड़े धोने के बंडल का एक आवरण यहाँ लाएँ तो वह भी चलेगा – और ईश्वर आपकी सभी मनोकामनाएँ पूरी करें; पति, घर, और विशेष रूप से घर में सौहार्दपूर्ण सामंजस्य: क्योंकि पति-पत्नी का अपने घर में एकता और एकता के साथ रहना अत्यंत सुखद और आनंददायक होता है। यह उनके शत्रुओं के लिए बड़ी झुंझलाहट और उनके मित्रों के लिए आनंद का उत्सव होता है: वे स्वयं में इसके सभी लाभों को भली-भांति अनुभव करते हैं।
श्वेत भुजाओं वाली नौसिका ने उसे उत्तर दिया: “अजनबी – क्योंकि मुझे
तुम बुरे या नासमझ नहीं लगते – स्वयं ज़्यूस ही मनुष्यों को सुख प्रदान करता है, चाहे अच्छे हों या बुरे, अपनी इच्छा से, हर किसी को उसका भाग्य देता है। इसलिए निश्चय ही उसने तुम्हें यह दुर्भाग्य दिया है और तुम्हें इसे सहना होगा: परन्तु चूंकि तुम हमारे स्थान पर आ गए हो, इसलिए तुम्हें वस्त्रों या अन्य उन चीजों की कमी नहीं होगी जो एक पीड़ित याचक को स्वीकार किए जाने पर मिलती हैं। मैं तुम्हें नगर दिखाऊंगी और वहां दिखने वालों के नाम बताऊंगी। यह नगर और क्षेत्र फेएशियनों का है जिनकी शक्ति और सामर्थ्य उनके राजा अल्किनोस में निहित है: और मैं उनकी पुत्री हूं।”
उसने बात की और चोटीदार बालों वाली अपनी दासियों को आदेश देते हुए चिल्लाई, “मेरे पास आओ, स्त्रीओ। एक पुरुष को देखकर क्यों भाग रही हो? उसे शत्रु मत समझो। इस फ़ेएशियाई भूमि पर कोई पुरुष न तो कभी आया है और न ही कभी आएगा, जो इसे तबाह करे। देवता फ़ेएशियाई लोगों से बहुत प्रेम करते हैं। हम उग्र समुद्रों में बहुत दूर रहते हैं, मनुष्यों की अंतिम जाति हैं: इसलिए किसी अन्य जाति का हमसे कोई संबंध नहीं है। यह पुरुष एक अभागा यात्री है, जिसका हमें अब सत्कार करना चाहिए। ज़्यूस की दृष्टि में सभी बेघर और टूटे हुए लोग हैं, और उन्हें कुछ दान देना एक अच्छा काम है: इसलिए, मेरी दासियों, हमारे भिक्षापात्र को भोजन और पानी दो और उसे नदी में किसी सुरक्षित स्थान पर स्नान कराओ।” उसने ऐसा कहा। धीरे-धीरे वे दृढ़ खड़ी हो

गईं और एक-दूसरे को उसका आदेश दोहराने लगीं। जल्द ही उन्होंने उदार हृदय वाले अल्किनोस की पुत्री नौसिका के कहे अनुसार ओडीसियस को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया। उन्होंने वस्त्र बिछाए, एक ढीला लबादा और एक कुर्ता, और उन्हें सोने की शीशी में अपना शुद्ध तेल दिया और उनसे नदी के जल में स्नान करने का आग्रह किया। परन्तु वीर ओडीसियस उठ खड़े हुए और दासियों से बोले, ‘दासियों, तुम यहाँ दूर खड़ी रहो, ताकि मैं स्वयं अपने शरीर से समुद्र के दाग धो सकूँ और तेल लगा सकूँ। बहुत समय से मेरी त्वचा पर मरहम नहीं लगा है। फिर भी मैं तुम्हारे सामने स्नान नहीं करूँगा। इतनी सजी-संवरी कन्याओं के बीच नग्न होने में मुझे शर्म आती है।’ उन्होंने ऐसा कहा और वे यह बात अपनी युवती को बताने चली गईं।
इसी बीच महान ओडीसियस ने नदी में अपने पीठ और चौड़े कंधों से नमक की पपड़ी को रगड़कर साफ किया और बंजर समुद्र से जमे झागदार मैल को अपने बालों से धोया। जब उसने अच्छी तरह से धोकर और तेल लगाकर उस लड़की द्वारा दिए गए कपड़े पहन लिए, तब ज़्यूस की पुत्री एथेना ने उसे लंबा और बलवान दिखाने की युक्ति की, और उसके सिर से उसके बालों की लटों को जलकुंभी की लटों की तरह नीचे लटका दिया। जैसे कोई कुशल कारीगर (जिसे हेफेस्टस ने प्रशिक्षित किया हो और पैलास एथेना ने अपनी कला के सभी पहलुओं में पारंगत किया हो) अपने चांदी के काम को पिघले हुए सोने से धोकर उसे एक ऐसी कृति में बदल देता है जो सदा के लिए आनंददायी होती है – ठीक वैसे ही देवी ने उसके सिर और कंधों को भव्यता से सजा दिया। फिर वह दूर जाकर समुद्र के किनारे बैठ गया, अनुग्रह और महिमा से दमकता हुआ, जिससे वह लड़की आश्चर्यचकित होकर अपनी सजी-धजी दासियों से बोली:
‘मेरे श्वेत भुजाओं वाले सेवकों, चुप रहो और मेरी बात सुनो। ओलंपस में रहने वाले सभी देवताओं ने इस व्यक्ति के पवित्र फ़ेएशियनों के बीच प्रवेश का विरोध नहीं किया है। पहले तो वह मुझे एक साधारण व्यक्ति लगा, लेकिन अब वह विशाल स्वर्ग के देवताओं के समान है। काश, ऐसा व्यक्ति हमारे नगर में प्रसन्नतापूर्वक बस जाए और मेरा पति कहलाने को तैयार हो जाए! लेकिन अब आओ, स्त्रियों, इस अजनबी को भोजन और पेय दो।’
उन्होंने सहर्ष आज्ञा का पालन किया। उन्होंने साहसी और दिव्य ओडीसियस के सामने जलपान परोसा, जो इतने लंबे समय से भोजन से वंचित था कि वह उस पर टूट पड़ा और लालच से खाने-पीने लगा; वहीं श्वेत भुजाओं वाली नौसिका अपने

अगले कार्य में लग गई। तह किए हुए वस्त्रों को भव्य गाड़ी में वापस रख दिया गया और मजबूत खुरों वाले खच्चरों को जोत दिया गया। फिर वह युवती सवार हुई और ओडीसियस को पुकारते हुए अपने इरादे से बोली।
‘हे अजनबी, अब उठो और शहर तक चलो, जहाँ मैं तुम्हें अपने बुद्धिमान पिता का घर दिखाऊँगी: जिनके महलों में, जैसा कि मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूँ, तुम्हें सभी श्रेष्ठ फ़ेएशियनों से मिलने का अवसर मिलेगा। फिर भी, यदि तुम विवेकशील हो, जैसा कि मुझे लगता है, तो निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना। जब हम लोगों के खेतों और ग्रामीण इलाकों से गुजर रहे हों, तो तुम मेरी दासियों के साथ खच्चरों और उनकी गाड़ी के पीछे तेज़ी से आगे बढ़ो। मैं यहाँ तक आगे चलूँगी: लेकिन शहर में प्रवेश करते ही – जो अपनी ऊँची मीनारों से आसानी से पहचाना जा सकता है – दोनों ओर एक अच्छा बंदरगाह है और उनके बीच का मार्ग संकरा है, क्योंकि यह प्रत्येक जहाज मालिक द्वारा अपने जहाजों के लिए आवंटित स्थानों में ऊँचे और सूखे स्थानों पर खड़े जहाजों के विशाल ढाँचों से घिरा हुआ है। वहाँ पोसीडॉन के मंदिर के चारों ओर सभा-स्थल है, और यह पत्थर की शिलाओं से बना है जो ज़मीन में बहुत मज़बूती से गड़ी हुई हैं। यहाँ आसपास वे काले जहाजों के लिए साज-सामान, रस्सियाँ और पाल बनाते हैं; साथ ही चप्पूओं के ब्लेड भी तराशते हैं। क्योंकि जान लो कि हम फ़ेएशियनों में धनुष और तरकश को कोई सम्मान नहीं मिलता। सारी खुशी मस्तूलों, जहाजों के चप्पूओं और सुंदर नौकाओं में है जिनमें उफनते समुद्र को पार किया जा सके।
‘मैं इन नाविकों के अभद्र उपहास से घबरा रही हूँ, अजनबी! कहीं कोई बाद
में मुझे ताना न मारे – भीड़ में बहुत से ज़ुबानें खराब हैं – कहीं कोई बदमाश मुझे चिढ़ाते हुए आरोप न लगाए, “यह लंबा-चौड़ा अजनबी कौन है जो नौसिका का पीछा कर रहा है? उसने इसे कहाँ से उठाया? यह उसका मनचाहा पति होगा, इसमें कोई शक नहीं। शायद किसी जहाज़ से बचाया गया कोई भटकता हुआ विदेशी हो: क्योंकि हमारे यहाँ उस तरह के कोई पड़ोसी नहीं हैं। या हो सकता है कि वह कोई देवता हो जो लंबे समय की प्रार्थना के बाद स्वर्ग से उसकी प्रार्थना सुनने और उसे हमेशा के लिए अपने पास रखने आया हो। अच्छा हुआ, अगर उसने कहीं से अपने लिए कोई साथी ढूंढ लिया हो: क्योंकि उसने अपने जैसे फ़ेएशियनों में कभी अच्छाई नहीं देखी, उन कई नौजवानों में जिन्होंने उससे प्रेम निवेदन किया।’ वे इस तरह बोलेंगे, और ये बातें मेरे लिए अपमान का

कारण बनेंगी: वास्तव में, मैं भी उस लड़की को दोषी ठहराती जिसने सार्वजनिक विवाह से पहले, अपने दोस्तों की इच्छा के विरुद्ध, अपने माता-पिता के रहते हुए, पुरुषों के साथ संबंध बनाए। जीवित।
इसलिए, हे अजनबी, मेरी इन हिदायतों पर ध्यान से गौर करो ताकि मेरे पिता
से तुम्हें जल्द से जल्द घर वापसी का सुरक्षित रास्ता मिल सके। रास्ते के पास तुम्हें एथेन का एक भव्य उपवन मिलेगा: काले चिनार के पेड़ों का उपवन। उसके भीतर एक जलकुंड है और उसके चारों ओर घास के मैदान हैं। वह मेरे पिता की जागीर और उनका हरा-भरा बगीचा है, जो शहर से इतनी ही दूरी पर है जितनी दूर तक कोई व्यक्ति अपनी आवाज़ से सुन सकता है। तुम उसमें बैठो और इंतज़ार करो, जब तक हम शहर में प्रवेश करके मेरे पिता के घर नहीं पहुँच जाते। फिर, जब तुम मुझे घर पहुँचते हुए पाओ, तो फ़ेएशियन नगर में प्रवेश करो और मेरे पिता, उदार अल्किनोस के महल के बारे में पूछो। उसे पहचानना आसान है, या कोई भी बच्चा तुम्हें वहाँ तक ले जाएगा। वहाँ के नागरिकों के घरों की शैली किसी भी तरह से उससे तुलना करने योग्य नहीं है: राजा अल्किनोस के महल जैसी बिल्कुल नहीं।
“पर जब इमारतें और दरबार तुम्हें अपने अंदर समा लें, तो बड़ी तेज़ी से
उस विशाल हॉल से गुज़रते हुए मेरी माँ तक पहुँचना। वह चूल्हे के पास आग की तेज़ रोशनी में बैठी होंगी, मानो समुद्र के बैंगनी रंग से रंगा हुआ धागा कात रही हों, मानो आँखों को सुकून दे रही हों। उनकी कुर्सी एक खंभे से टिकी होगी और उनकी दासियाँ उनके पीछे कतार में खड़ी होंगी। मेरे पिता का सिंहासन उनके सिंहासन के बगल में रखा होगा, और उस पर वे बैठे होंगे, शराब पी रहे होंगे, मानो किसी अमर व्यक्ति हों। उन्हें पार करके मेरी माँ के घुटनों पर हाथ रख देना, यदि तुम अपने लौटने के दिन के जल्द और सुंदर आगमन को सुनिश्चित करना चाहते हो। क्योंकि तुम्हारा देश चाहे कितना भी दूर क्यों न हो, यदि मेरी माँ के मन में तुम्हारे लिए जगह है, तो तुम अपने मित्रों से मिलने और अपने आलीशान घर और वतन लौटने की आशा कर सकते हो।” वह रुकी और अपने चमकीले चाबुक से खच्चरों को मारा। वे जल्दी से नदी की घाटी से निकल गए और आगे बढ़ते हुए उनके पैर करीने से आपस में गुंथे हुए थे। नौसिका उन्हें लगाम थामे हुए थी और धीरे-धीरे चाबुक चला रही थी ताकि उसके सेवक और ओडीसियस उनके साथ-साथ चल सकें। सूरज डूब गया और वे एथेन को समर्पित

प्रसिद्ध उपवन में पहुँच गए, जहाँ ओडीसियस रुका और तुरंत महान ज़्यूस की पुत्री से प्रार्थना की।
‘हे अथक, एजिस धारण करने वाले ज़्यूस के पुत्र, मेरी प्रार्थना सुनो। विशेष रूप से, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप मेरी प्रार्थना सुनें, क्योंकि आपने हाल ही में मेरी प्रार्थना नहीं सुनी जब मैं टूट गया था – जब मुझे उस प्रसिद्ध पृथ्वी-कंपन ने तोड़ दिया था। मुझे फ़ेएशियनों के बीच प्रेम और दया प्राप्त करने का वरदान दीजिए।’
इसलिए उसने प्रार्थना की। पल्लास एथेन ने उसकी प्रार्थना सुनी, लेकिन अपने पिता के भाई के प्रति सम्मान के कारण, जिसका ओडीसियस के प्रति भयंकर क्रोध उसके अपने तट पर वापस आने तक जारी रहा, उसने अभी तक उससे आमने-सामने दर्शन नहीं किए।

पुस्तक 7

इसलिए, अभिमानी ओडीसियस अपनी जगह पर प्रतीक्षा करता रहा और प्रार्थना करता रहा, जबकि उसके दो बलवान खच्चर उसे शहर में उसके प्रतापी पिता के महल तक खींच लाए। महल के द्वार के सामने वह रुक गई: उसके भाई, जो देवताओं के समान थे, बाहर आए और उसके चारों ओर जमा हो गए। उन्होंने खच्चरों को गाड़ी से मुक्त किया और धुले हुए कपड़े घर के अंदर ले गए: लेकिन वह अपने कमरे में चली गई, जहाँ उसके लिए अपेरिया की बूढ़ी औरत, उसकी सेविका, यूरीमेडुसा ने आग जलाई थी, जिसे अपेरिया से एक समुद्री हमले के दौरान बंदी बनाया गया था। बाद में उसे अल्किनोस के लिए सम्मान के पुरस्कार के रूप में अलग रखा गया था, क्योंकि वह फेएशियनों का सर्वोच्च शासक था, जिसकी आम लोग देवता के समान आज्ञा मानते थे। उसने महल में श्वेत भुजाओं वाली नौसिका की शैशवावस्था की देखभाल की थी; और अब वह अपनी कुटिया में आग जलाकर भोजन करने की आदी थी। अंततः ओडीसियस ने हिम्मत जुटाई और शहर की ओर चल पड़ा: तभी एथेन ने अपने प्रेमवश उसे कोहरे के घेरे में ढक लिया ताकि कोई भी अभिमानी फेएशियन उसके रास्ते में खड़ा होकर उसका मज़ाक उड़ाकर और सवाल पूछकर यह पता लगाने की कोशिश न करे कि वह कौन है। अतिरिक्त सावधानी के तौर पर, सुंदर शहर के प्रवेश द्वार पर स्वयं एथेन, धूसर आँखों वाली देवी, लेकिन अब पानी का घड़ा लिए एक शांत युवती के रूप में उसका स्वागत करने के लिए उपस्थित हुई। जब वह उसके बहुत करीब पहुँची, तो वह झिझकी और ओडीसियस ने उससे विनती की, ‘बच्ची, क्या तुम मुझे यहाँ के राजा अल्किनोस के निवास तक नहीं ले जाओगी? मैं एक अजनबी हूँ और दूर देश से आते हुए मैंने बहुत कष्ट झेले हैं। मैं इन लोगों को नहीं जानता, इनमें से किसी भी नागरिक या गृहस्थ को नहीं जानता।’ देवी ने उत्तर दिया, ‘हे पिता और अजनबी, मैं तुम्हें वह घर अवश्य दिखाऊँगी, क्योंकि वह मेरे आदरणीय पिता के घर के ठीक बगल में स्थित है।’ फिर भी मैं आपसे विनती करती हूँ कि आप मेरे दिखाए मार्ग पर पूरी खामोशी से मेरे पीछे चलें, रास्ते में मिलने वाले किसी भी व्यक्ति को घूरें नहीं, न ही उनसे कोई बात करें। यहाँ के लोग अजनबियों के प्रति रूखे हैं और विदेशियों के प्रति कोई

स्नेह नहीं दिखाते। उनका भरोसा अपने जहाजों की तेज़ी पर है (पृथ्वी को हिला देने वाली शक्ति द्वारा प्रदत्त एक वरदान) जिससे वे पंखों की गति या एक विचार की गति से गहरे से गहरे समुद्र को पार कर लेते हैं।’ इस आग्रह पर एथेन तेज़ी से आगे बढ़ीं, ओडीसियस इतनी नज़दीक से उनके पदचिन्हों पर चल रहे थे कि प्रसिद्ध नाविक, फेएशियन, उनके बीच से गुज़रने से अनभिज्ञ थे। अपने बालों के मुकुट के नीचे दूरस्थ और भयानक देवी ने उन्हें यह जानने से रोक दिया; उनके प्रति अपने हृदय की मित्रता के कारण उन्होंने उन्हें उस अलौकिक धुंध से घेर लिया।
ओडीसियस बंदरगाहों और जहाजों को देखकर चकित रह गया; जैसे कि नायकों के सभा-स्थल को देखकर। ऊँची-ऊँची दीवारों और उनके ऊपर बनी बाड़ को देखकर भी वह आश्चर्यचकित रह गया: एक अद्भुत दृश्य था: लेकिन जब वे राजा के प्रसिद्ध महल में पहुँचे, तो एथेना ने फिर बोलना शुरू कर दिया: –
‘यही वह घर है, आदरणीय अजनबी, जिसे आपने मुझे दिखाने के लिए कहा था।
इसके भीतर आपको राजा, ज़्यूस के देवपुत्र, हॉल में भोज करते हुए मिलेंगे। निडर होकर अंदर जाइए: चाहे कोई कितना भी अजनबी क्यों न हो, हर संकट में उसका उच्चतर चेहरा ही उसे बचा लेता है। शायद आप सबसे पहले रानी (उनका नाम एरेट है) से मिलें, जिनका वंश राजा के वंश के समान है, एक ऐसा वंश जो नौसिथस से शुरू हुआ था, जो पृथ्वी को हिलाने वाले पोसीडॉन और अपने समय की सबसे सुंदर स्त्री पेरिबोआ के पुत्र थे। वह प्राचीन काल में घमंडी दानवों के राजा, महान यूरिमेडॉन की सबसे छोटी पुत्री थीं, जिन्हें उन्होंने उनकी अधार्मिकता के कारण नष्ट करने की सेवा की थी; फिर भी उनके विनाश के साथ ही वे स्वयं भी नष्ट हो गए। पोसीडॉन ने उस पुत्री के साथ संबंध बनाया, जिससे इस पुत्र, उदार हृदय वाले नौसिथस का जन्म हुआ, जो बाद में फेएशियनों का राजा बना।’ नौसिथस के दो पुत्र थे, रेक्सेनोर और एल्किनोस। रेक्सेनोर की विवाह के शीघ्र ही मृत्यु हो गई, क्योंकि उसे चांदी के धनुर्धर अपोलो ने मार डाला था। उसका कोई पुत्र नहीं था, केवल एक शिशु पुत्री एरेट थी। बाद में, एल्किनोस ने उसे अपनी संगिनी बनाया और उसके साथ ऐसा व्यवहार किया जैसा पृथ्वी पर किसी अन्य स्त्री के साथ नहीं किया गया, उसे उन सभी पत्नियों से ऊपर माना जो अपने पतियों के लिए घर संभालती हैं। इसलिए वह अपने प्रिय बच्चों की निगाहों में अत्यंत सम्मानित रही है; उसके स्वामी एल्किनोस और उसकी प्रजा द्वारा भी, जो उसे देवी मानकर पूजते हैं और जब भी

वह नगर से गुजरती है तो श्रद्धापूर्वक उसका जयजयकार करते हैं। वह बुद्धि में भी कम प्रतिभाशाली नहीं है। वह उन लोगों के विवादों का समाधान करती है जिनका वह समर्थन करती है, चाहे मामला पुरुषों से ही क्यों न हो। यदि वह आप पर कृपा दृष्टि डाल सके, तो आप अपने मित्रों, अपने भव्य घर और अपनी जन्मभूमि को फिर से देखने की सच्ची आशा रख सकते हैं।
यह कहकर एथेन ने उसे छोड़ दिया। उसने सुंदर शेरिया को छोड़कर बंजर समुद्र पार करके मैराथन और एथेंस के चौड़े रास्तों पर प्रस्थान किया, जहाँ वह इरेक्टियस के विशाल महल में दाखिल हुई। इस बीच ओडीसियस अल्किनोस के प्रसिद्ध निवास के द्वार के सामने रुका रहा। वह वहाँ खड़ा रहा, तांबे की दहलीज को पार नहीं किया, क्योंकि उसके हृदय में विचारों का सैलाब उमड़ रहा था। वास्तव में, कुलीन अल्किनोस के ऊँची छतों वाले कमरों की चमक सूर्य या चंद्रमा की चमक के समान थी: क्योंकि भीतरी दीवारें प्रवेश द्वार से लेकर घर के सबसे दूर के कोनों तक, खंडों में तांबे से मढ़ी हुई थीं; और उनके चारों ओर बनी कंगनी नीले रंग से चमकीली थी। विशाल महल सोने के द्वारों से बंद था: पीतल की दहलीज से ऊपर उठे हुए दरवाजे के खंभे चांदी के थे, और ऊपर की चौखट भी चांदी की थी: जबकि दरवाजे का हैंडल सोने का था। बरामदे के दोनों ओर, शिल्पकार हेफेस्टस द्वारा सोने और चांदी से बड़ी कुशलता से बनाई गई कुत्तों की मूर्तियाँ खड़ी थीं, जो उदार हृदय वाले अल्किनोस के इस घर के अमर और शाश्वत रक्षक थीं। दीवारों के किनारे-किनारे सिंहासन बने हुए थे, जो भीतरी हिस्से से लेकर बाहरी द्वार तक समान दूरी पर थे। घर की महिलाओं द्वारा बुने गए हल्के, सुंदर वस्त्र इन सिंहासनों पर डाले जाते थे, और उन पर फाएशियन सरदार बैठकर भोजन और पेय का आनंद लेते थे; क्योंकि महल का आतिथ्य सत्कार उदार था। अंधेरा होने के बाद, विशाल हॉल में भोज में शामिल लोगों को उन मशालों की रोशनी मिलती थी, जिन्हें सुगठित चबूतरों पर खड़े युवा मूर्तियाँ अपने हाथों में लिए रहती थीं। इस घर की देखभाल करने वाली पचास महिला नौकरानियों में से कुछ चक्की में सुनहरा अनाज पीसती रहती हैं, कुछ करघे पर बुनाई करती हैं, जबकि अन्य लंबे चिनार के पत्तों की तरह लहराते तकलों पर ऊन संवारती रहती हैं। उनके लिनेन की बनावट इतनी घनी है कि महीन तेल भी उसमें से नहीं निकल पाता। जिस प्रकार फ़ेएशिया के नाविक तेज़ जहाज़ चलाने में सबसे कुशल होते हैं, उसी प्रकार वहाँ की महिलाएं बुनाई में

अद्भुत कलाकार हैं। एथेना ने उन्हें सुंदर वस्तुएँ बनाने की यह प्रतिभा प्रदान की है।
प्रांगण के बाहर, प्रवेश द्वार से, चार एकड़ का एक विशाल उद्यान फैला हुआ है, जो चारों ओर से बाड़ से घिरा हुआ है। इसमें ऊँचे-ऊँचे पेड़ फलते- फूलते हैं: नाशपाती या अनार, पकने पर लदे हुए गुठलीदार फल, मीठे अंजीर और भरपूर फल देने वाले जैतून। इन पेड़ों के फल कभी मुरझाते नहीं या फलने में असफल नहीं होते, सर्दी-गर्मी, साल भर। वहाँ लगातार पश्चिम से हवा चलती रहती है, एक फसल को पकाती है और दूसरी को उगाती है। नाशपाती पर नाशपाती, सेब पर सेब, अंगूर के गुच्छे पर गुच्छे और अंजीर पर अंजीर लगते रहते हैं। यहाँ राजा के लिए एक उपजाऊ अंगूर का बाग भी लगाया गया है। इसका एक हिस्सा धूप में खुला रहता है, जिसकी किरणें अंगूरों को किशमिश में बदल देती हैं, जबकि लोग दूसरे हिस्से से पके हुए अंगूर इकट्ठा करते हैं और तीसरे हिस्से में उत्तम अंगूरों को रस निकालने वाली मशीनों में पीसते हैं। एक तरफ छोटे अंगूर हैं जिनकी पंखुड़ियाँ अभी गिर रही हैं; दूसरी तरफ गुच्छे पूरी तरह से विकसित होने पर बैंगनी रंग के हो रहे हैं। पेड़ों की आखिरी पंक्ति के आगे, सुव्यवस्थित बगीचे के भूखंड बनाए गए हैं, जो साल भर फूलों से खिले रहते हैं। और यहाँ दो झरने हैं, एक पूरे बगीचे में बहता है, जबकि दूसरा विशाल प्रांगण की चौखट के नीचे से होकर आलीशान घर के पास बहता है: यहीं से नागरिक पानी लेते हैं। ये वे अनमोल उपहार थे जो देवताओं ने अल्किनोस के महल को दिए थे।
महान ओडीसियस वहाँ खड़ा होकर देखता रहा: लेकिन जब उसने सब कुछ समझ लिया और अपनी बुद्धि से सब कुछ देख लिया, तो वह तेज़ी से दहलीज पार कर गया और घर के भीतर समा गया। उसने देखा कि फ़ेएशियनों के सरदार और नेता आर्गस के तेज निगाहों वाले वधकर्ता को अपने प्याले खाली कर रहे थे: क्योंकि यह उनकी प्रथा है, जब उनका मन सोने की ओर मुड़ता है, तो वे रात का आखिरी प्याला हर्मेस को अर्पित करते हैं। वह हॉल में आगे बढ़ा, और एथेना द्वारा उसके शरीर के चारों ओर संघनित घनी भाप उसे तब तक घेरे रही जब तक वह एरेट और राजा एल्किनस के पास नहीं पहुँच गया। तब ओडीसियस ने एरेट के घुटनों पर अपनी बाहें डाल दीं। ईश्वर प्रदत्त धुंध उससे पीछे हट गई: पूरे घर में लोगों की आवाजें थम गईं जब उन्होंने वहाँ नायक को देखा। वे अवाक रह गए; और ओडीसियस ने प्रार्थना की: –

हे एरेट, देवतुल्य रेक्सेनोर की पुत्री, मैं अपने पति और आपके सामने घुटने टेककर अत्यंत विवश हूँ। और इन अतिथियों के सामने भी। ईश्वर इन्हें जीवन भर सुख प्रदान करें; और प्रत्येक को अपनी संपत्ति और घर अपने बच्चों को सौंपने की शक्ति दें, साथ ही उन्हें वह सम्मान भी दें जो संसार ने उन्हें दिया है। परन्तु मेरे लिए, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, मुझे शीघ्र से शीघ्र मेरे जन्मस्थान पर पहुँचा दें। मैं बहुत समय से अपने मित्रों से विमुख और पीड़ा में हूँ।’ इतना कहकर वह चूल्हे की राख पर बैठ गया: और कुछ क्षण के लिए कक्ष में सन्नाटा छा गया।
अंत में, एक बुजुर्ग और प्रभावशाली एचेनियस की आवाज सुनाई दी, जो बोलने में निपुण और प्राचीन ज्ञान से परिपूर्ण था। उसने पूरे उत्साह से उन्हें संबोधित करते हुए विरोध जताया: “एल्किनस, यह आपके सम्मान के लिए अच्छा नहीं है, और यह उचित भी नहीं है कि यह अजनबी हमारे चूल्हे की राख के बीच जमीन पर बैठे। फिर भी, बाकी सभी को आपके नेतृत्व की प्रतीक्षा में चुप रहना चाहिए। तो उठो, और अजनबी को चांदी जड़े सिंहासन पर बिठाओ। सेवकों को हमारे लिए शराब तैयार करने का आदेश दो, ताकि हम सभी स्वाभिमानी भक्तों के संरक्षक, गर्जन-प्रेमी ज़्यूस को भेंट चढ़ा सकें; और अपनी गृहणी से कहो कि वह अजनबी को अपने पास जो भी उपलब्ध हो, उससे भोजन कराए।”
जब अभिषेक प्राप्त राजा अल्किनोस ने यह सलाह सुनी, तो उन्होंने गंभीर
और धूर्त ओडीसियस को चूल्हे से उठाकर अपने निकटतम सिंहासन पर बिठाया, जो एक चांदी जड़ित सिंहासन था। इस सिंहासन से उन्होंने अपने प्रिय पुत्र लाओडामास को हटा दिया। सेविका ने अपने कीमती सोने के कलश से चांदी के पात्र में हाथ धोने का पानी डाला और एक पॉलिश की हुई मेज लगाई, जिस पर गंभीर गृहणी ने अपनी रोटी और कई स्वादिष्ट व्यंजन सजाए और उदारतापूर्वक सभी को भेंट किए। गंभीर ओडीसियस ने खाया-पिया और फिर राजा ने दूत को आदेश दिया: 'पोंटोनस, हमारे लिए मदिरा को मिश्रण पात्र में पतला करो और घर में सभी को पिलाओ, ताकि हम गर्जन के देवता ज़्यूस को सामूहिक अर्पण कर सकें, जो सभी योग्य भक्तों की कृपा करते हैं।'
उसने बोलना शुरू किया। पोंटोनस ने शहद मिलाई हुई शराब को मिलाया और प्रत्येक व्यक्ति के प्याले में फिर से परोसा। उन्होंने शराब डाली और जी भरकर पी ली, तभी अल्किनस ने फिर से उन्हें संबोधित करते हुए कहा, “हे फ़ेएशियनों के शांति और युद्ध के नेताओं, मेरी बात सुनो, मैं अपने दिल की

सूर्योदय होते ही जाग उठें और योजना बनाएँ कि कैसे आप मेरे इस दुर्भाग्यशाली, परिश्रम से थके हुए शरीर को मेरे पूर्वजों की भूमि पर पहुँचा सकें। तब मेरी जान निकल जाए – ताकि मेरी मरती हुई आँखें मेरी संपत्ति, मेरे आदमियों और मेरे विशाल आलीशान घर को देख सकें।
उसने ऐसा कहा। सभी पुरुषों ने भाषण की सराहना की और कहा कि वास्तव में
उस अजनबी को उसके घर भेज देना चाहिए, जैसा कि वह उचित ही दावा कर रहा था। तब तक वे अपनी इच्छा अनुसार दावत दे चुके थे और पी चुके थे, इसलिए सभी लोग सोने के लिए अपने घर की ओर चल पड़े, महान ओडीसियस को एरेट और अल्किनोस के साथ हॉल में छोड़कर, जहाँ सेविकाएँ दावत के बचे हुए भोजन को साफ करने में लगी हुई थीं। एरेट ने तुरंत पूछताछ शुरू कर दी, क्योंकि उसने ओडीसियस के वस्त्र और लबादे को पहचान लिया था, जो उसके और उसकी दासियों द्वारा बनाए जाने वाले सुंदर वस्त्रों का हिस्सा थे। इसलिए उसने उससे ये तीखे शब्द कहे: 'अजनबी, मुझे तुमसे यह पूछना है, स्वयं से; पहला, तुम कौन हो, और कहाँ से आए हो? तुम्हें ये कपड़े किसने दिए? तुमने अभी हमें बताया कि तुम गहरे समुद्र में साहसिक यात्रा करके यहाँ आए हो।'
चतुर ओडीसियस ने उत्तर दिया: “हे महारानी, मेरे लिए अपने कष्टों का
पूरा वृत्तांत देना अत्यंत कठिन है; देवताओं ने मुझे बहुत कष्ट दिए हैं। फिर भी, आपके प्रश्न का उत्तर देने के लिए मैं इतना ही कहूँगा। समुद्र में दूर स्थित एक द्वीप है, ओगिगिया, और वहाँ एटलस की पुत्री, सुंदर और आकर्षक कैलिप्सो निवास करती है। वह दिव्य और विलक्षण है: न तो देवता और न ही मनुष्य, उससे कोई संबंध रखते हैं। परन्तु, यह एक दिव्य शक्ति ही थी जिसने मुझे, अकेले मुझे, उसके घर में पहुँचाया; क्योंकि ज़्यूस ने एक प्रचंड वज्रपात से हमारे सुंदर जहाज पर प्रहार किया और उसे शराब के समान गहरे, असीम समुद्र में चीर डाला। मेरे सभी साथी तब मर गए; केवल मैं ही जहाज के पतवार को दोनों भुजाओं से पकड़े रहा और नौ दिनों तक उस पर सवार रहा। दसवें दिन, काली रात में, देवता मुझे इस द्वीप, ओगिगिया के पास ले आए, जहाँ कैलिप्सो थी।” उस महान देवी ने मुझे अपने पास रखा, मुझसे अत्यंत प्रेम किया और मेरी देखभाल की, यह प्रतिज्ञा करते हुए कि वह मुझे सदा अमर और अमर बनाए रखेंगी। फिर भी, वह मेरे हृदय को पूरी तरह से मोहित नहीं कर पाईं। फिर भी, मैंने सात वर्षों तक अनंत काल तक कष्ट सहा। मैं उन वस्त्रों (अमर वस्त्रों) को अपने आँसुओं से सींचती रही, जिन्हें कैलिप्सो ने मुझे

पहनाकर सम्मानित किया था। परन्तु जब आठवाँ वर्ष आ पड़ा, तब अचानक उन्होंने मुझे जाने का आदेश दिया और मुझे शीघ्र भेज दिया। मुझे नहीं पता कि क्या उन्हें ज़्यूस का कोई संदेश मिला था, या उनका अपना मन अंततः बदल गया था। एक बेहद मज़बूती से बनी नाव पर मुझे भेजा गया, जो उपहारों से लदी हुई
थी; भोजन, मीठी शराब और पहनने के लिए दिव्य वस्त्र। साथ ही, मेरे लिए एक गर्म और सुहावनी हवा भी चल रही थी, जिसके आगे मैं सत्रह दिनों तक और फिर अठारहवें दिन तक तब तक यात्रा करता रहा जब तक कि धुंध छंटकर आपके देश की पहाड़ियाँ दिखाई नहीं देने लगीं। मेरा दिल खुशी से झूम उठा - लेकिन बहुत जल्दी: क्योंकि लिखा था कि मुझे अभी और भी भयानक दुखों का सामना करना पड़ेगा, जो पृथ्वी को हिला देने वाले पोसीडॉन ने मेरे रास्ते को रोकने के लिए हवाओं को तेज़ किया और ऐसी लहरें उठाईं जिनका वर्णन देवता भी नहीं कर सकते। लहरें इतनी उग्र थीं कि उन्होंने मुझे नाव से गिरा दिया। हाँ, तूफ़ान ने उसकी किरणों को हर तरफ बिखेर दिया: जबकि मैं अपने हाथों से तैरता हुआ खाड़ी के पार तैरता रहा, जब तक कि हवा और पानी के बीच से होते हुए मैं आपके तट के पास नहीं पहुँच गया। वहाँ मैं समुद्र तट पर चढ़ ही रहा था कि एक लहर ने मुझे ज़ोर से पकड़ा और इस भयानक किनारे की विशाल चट्टानों से टकरा दिया। इसलिए मुझे वह योजना छोड़नी पड़ी और तैरकर वापस लौटना पड़ा, जब तक कि मुझे एक नदी का मुहाना नहीं मिल गया जो मुझे दूसरे प्रयास के लिए शुभ प्रतीत हुआ, क्योंकि वह चट्टानों से मुक्त था और हवा से सुरक्षित था। और ऐसा ही हुआ। मैं बच निकला और हिम्मत जुटाने लगा: तभी अथाह रात छा गई। ‘मैंने स्वर्ग से सींची नदी को पीछे छोड़ दिया और घने जंगल में चला गया जहाँ मैं पत्तों के ढेर के नीचे बड़ी चैन से सोया। क्योंकि ईश्वर ने मुझ दुखी और निराश हृदय वाले पर इतनी गहरी नींद बरसाई कि मैं पूरी रात पत्तों के बीच सोता रहा, और अगली सुबह और उस दिन आधा दिन भी सोता रहा। वास्तव में, सूरज पश्चिम में डूब रहा था, इससे पहले कि मेरी मीठी नींद मुझे जाने दे – मैंने देखा कि आपकी बेटी की सेविकाएँ समुद्र तट पर खेल रही थीं, और वह उनके बीच किसी देवी की तरह थी। मैंने उनसे प्रार्थना की। उन्होंने युवाओं से अपेक्षा से कहीं अधिक विवेक दिखाया: आने वाली पीढ़ी आमतौर पर इतनी लापरवाह होती है। फिर भी, उन्होंने मुझे भरपेट रोटी और शराब दी, नदी में स्नान कराया और ये कपड़े दिए जो आप देख रहे हैं। अब मैंने आपको सच बता दिया है, भले ही इससे मैं ईश्वर की नज़रों से गिर गया।’

अल्किनस ने उत्तर दिया, “अजनबी, मेरी पुत्री की सोच में जो कमी रह गई,
वह यह थी कि वह तुम्हें सीधे अपने साथ हमारे यहाँ नहीं लाई। यह उसका कर्तव्य था, क्योंकि तुमने सबसे पहले उसी से प्रार्थना की थी।” ओडीसियस ने बिना किसी संकोच के उत्तर दिया, “वीर, इसमें निर्दोष कन्या को दोष मत दो। उसने मुझे अपने सेवकों के साथ आने को कहा था, लेकिन मैं ऐसा करने से हिचक गया, कहीं ऐसा न हो कि अगर तुम्हें मुझे वहाँ देखकर ठेस पहुँचे तो मेरी बदनामी हो। हम मनुष्य अपने समय में बहुत ही संशयवादी होते हैं।” इस पर अल्किनस चिल्लाया, “अजनबी, मेरा हृदय इतना हल्का नहीं है कि किसी व्यर्थ कारण से विचलित हो जाऊँ। फिर भी मैं मानता हूँ कि हर बात में शालीनता बरतना बेहतर है। हे भगवान! पिता ज़्यूस, एथेन और अपोलो की कसम! काश तुम्हारे जैसा कोई पुरुष मिल जाए, जो शालीनता और भावनाओं में मेरा हमशक्ल हो, जो मेरी पुत्री और दामाद का नाम अपना ले और हमेशा के लिए यहीं बस जाए।” यदि आप रुकेंगे तो मुझे घर और संपत्ति प्रदान करने में प्रसन्नता होगी! फिर भी, इस बात से भयभीत न हों कि हम फ़ेएशियन में से कोई भी आपको यहाँ गलत तरीके से रोकेगा। यह ज़्यूस की दृष्टि में अप्रिय होगा। इसके विपरीत, ताकि आप निश्चित रूप से जान सकें, मैं अभी और यहीं आपके जाने का वास्तविक दिन निर्धारित करता हूँ। कल ही। कल आप आराम से सोएंगे, जबकि आपके दल के चप्पू शांत समुद्र को चीरते हुए आपको आपके देश और घर तक ले जाएंगे, वे चीजें जो आपको प्रिय हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितनी दूर हैं: वे यूबोइया से अधिक दूर हों, जिसे हमारे कुछ साथी दुनिया का अंतिम देश मानते हैं। यूबोइया उन्होंने तब देखा था जब वे पीले रादामंथस को पृथ्वी के पुत्र टिटियस से मिलाने ले गए थे। वे वहाँ सहजता से पहुँच गए, इस प्रकार एक ही दिन में अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया: और यहाँ तक कि सीधे घर का रास्ता भी पा लिया। इससे आपके हृदय को मेरे जहाजों की अतुलनीय अच्छाई और मेरे जवानों द्वारा चप्पू से खारे समुद्र को मथने की कला का ज्ञान हो।
तो उसने कहा: ओडीसियस प्रसन्न हुआ। उसने अपना मुख खोला और एक छोटी प्रार्थना की, ईश्वर से विनती करते हुए कहा: ‘सर्वपिता ज़्यूस, कृपा करें कि अल्किनोस अपनी सभी इच्छाओं को पूरा करे, जैसा कि वह कहता है: तब इस समृद्ध पृथ्वी पर उसकी महिमा कभी धूमिल न हो, और मैं अपने घर लौट आऊँ।’ इसी प्रकार वे आपस में बातें करती रहीं, जब तक कि श्वेत भुजाओं वाली एरेट ने अपनी दासियों को धूप वाले बरामदे के नीचे पलंग सजाने के लिए नहीं कहा, उन

पर उत्तम बैंगनी रंग के कंबल बिछाए, जिनके ऊपर गलीचे और सबसे ऊपर मोटे चादर डाले गए। स्त्रियाँ मशाल हाथ में लिए हॉल से चली गईं। उन्होंने लगन से मुलायम पलंग को समतल किया और फिर ओडीसियस को बुलाया, उसकी कुर्सी के पास खड़े होकर बुदबुदाते हुए कहा: ‘अब उठो और सो जाओ, अजनबी। तुम्हारा बिस्तर तैयार है।’ जब उसने उनकी बात सुनी तो उसे लगा कि नींद का उसे बहुत स्वागत होगा। इसलिए ओडीसियस ने वहीं सोने की कोशिश की, गूंजते हुए बरामदे के नीचे अपने नक्काशीदार और जड़े हुए पलंग पर: लेकिन एल्किनोस बड़े घर की गहराई में चला गया जहाँ उसकी पत्नी ने भी उसके लिए पलंग और बिस्तर बिछा रखा था।

पुस्तक 8

भोर होते ही महान एल्किनस अपने पलंग से उठे, और शहरों को तबाह करने वाले ज़्यूस के रिश्तेदार ओडीसियस भी उठे। अभिषिक्त राजा उन्हें फ़ेएशियनों के औपचारिक सभा स्थल पर ले गए, जहाँ जहाजों के बीच एक गुप्त सभा आयोजित की गई थी। वहाँ उन्हें पॉलिश किए हुए पत्थर की बेंचों पर एक साथ बैठाया गया: जबकि राजा के दूत के वेश में पल्लास एथेन बहादुर ओडीसियस को घर वापस लाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने के लिए शहर में इधर-उधर घूम रही थीं। वह रास्ते में मिलने वाले हर व्यक्ति से एक पल के लिए रुकती और आग्रहपूर्वक कहती: 'अब परिषद में जाओ, हे फ़ेएशियनों के सभी नेताओं, बुद्धिमान पुरुषों और योद्धाओं; वहाँ आकर इस अजनबी के बारे में अपना निर्णय लो, जो अभी-अभी गहरे समुद्र में भटकते हुए आया है और हमारे बुद्धिमान अल्किनोस के आतिथ्य का दावा करता है: उसका आभास अमर लोगों जैसा है।’ ऐसे शब्दों से उसने सबकी उत्सुकता और उत्साह को इतना बढ़ा दिया कि देखते ही देखते खड़े होने और बैठने की जगह नगरवासियों से भर गई। इनमें से कई लोगों के लिए लेर्टेस के चतुर पुत्र का रूप विस्मयकारी था: क्योंकि एथेन ने उसके सिर और कंधों को महिमा का आशीर्वाद दिया था, और उसके शरीर को इतना विशाल और प्रभावशाली बना दिया था कि वह आँखों को भा जाए। देवी चाहती थी कि वह हर फेएशियन का प्रेम, आदर और श्रद्धा प्राप्त करे: और इसलिए उसने उसे शक्ति के चमत्कार करने की शक्ति दी थी जब वे उसकी परीक्षा लेते थे।
सभी पुरुषों के अपने-अपने स्थानों पर एकत्रित होने के बाद, अल्किनोस
ने ऊँची आवाज़ में कहा: “हे फ़ेएशियनों के सरदारो, युद्ध और शांति में, मेरी बात सुनो, मैं अपने हृदय की बात कह रहा हूँ। यह अजनबी (क्योंकि मैं इसे नहीं जानता) मेरे घर में भटकता हुआ आया है, और इसकी गवाही देने वाला कोई नहीं है: यहाँ तक कि यह भी नहीं पता कि यह सूर्योदय के समय का है या सूर्यास्त के समय का। यह मार्ग माँग रहा है और आग्रह कर रहा है कि इसे सुनिश्चित किया जाए: और मैं कहता हूँ कि परंपरा के अनुसार हमें इसे शीघ्र रवाना करना चाहिए। मेरे घर में आने वाला कोई भी आगंतुक कभी भी प्रस्थान न

कर पाने के कारण वहाँ विलंब नहीं करेगा। इसलिए, आइए हम एक काले रंग का जहाज पवित्र समुद्र में ले जाएँ, एक नया जहाज जो पहली यात्रा के लिए तैयार है, और लोगों में से बावन कुशल नाविकों का चयन करें; और उनके लिए ये आदेश होंगे: “रस्सी के डंडों को बेंचों के पास मजबूती से बाँध दो: फिर तुम सब जल्दी से किनारे पर मेरे घर वापस चलो, जहाँ मेरी देखरेख में तुम्हारे लिए भोज तैयार मिलेगा।” बाकी सभी, राजसी राजाओं से मैं कहना चाहता हूँ, “अब मेरे भव्य भवन में आइए; वहाँ हम इस अजनबी का बड़े ही सत्कार करेंगे।” आपमें से कोई भी इस मुलाकात में न चूके। बल्कि, कोई हमारे दिव्य गायक डेमोडोकस को भी आमंत्रित करे, जिसे ईश्वर ने संगीत का ऐसा वरदान दिया है कि वह अपने हृदय से निकले हर गीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता है।”
राजा रुका और आगे बढ़ गया। राजदंडधारी उसके पीछे-पीछे चले और एक दूत ने देवतुल्य संगीतकार को ढूँढ़ा, जबकि चुने हुए 52 युवक जलविहीन समुद्र के किनारे तक गए। जब वे समुद्र और जहाज़ के पास पहुँचे, तो उन्होंने काले रंग के जहाज़ को खारे पानी में उतारा, मस्तूल लगाया, पाल लादे और उन्हें कच्चे चमड़े के फंदों में ठीक से कस दिया। उन्होंने सफेद पालों को मोड़ा और जहाज़ को किनारे पर बाँध दिया, जो लहरों पर ऊँचा तैर रहा था। इसके बाद वे महान अल्किनोस के महल की ओर चल पड़े, जिसके प्रांगण, दीर्घाएँ और कमरे अब लोगों से खचाखच भरे हुए थे, हर उम्र के नागरिक वहाँ उमड़ पड़े थे। उनके मनोरंजन के लिए अल्किनोस ने बारह भेड़ें, चमकीले दाँतों वाले आठ सूअर और दो भारी चाल वाले बैल रखे, जिन्हें उन्होंने खाल उतारकर एक भव्य भोज के लिए तैयार किया।
दूत प्रिय गायक को लेकर आया, जिसे देवी विशेष रूप से प्रिय मानती थीं;
फिर भी देवी ने उन्हें अच्छे और बुरे दोनों तरह के वरदान दिए थे। देवी ने उनकी दृष्टि छीन ली थी और उन्हें संगीत की शक्ति प्रदान की थी। पोंटोनस ने भोज में शामिल लोगों के बीच एक ऊंचे खंभे के सहारे चांदी जड़ा सिंहासन स्थापित किया और उसे गायक के लिए तैयार किया, और उन्हें उस पर बैठाया; फिर उन्होंने उनके ऊपर एक खूंटी पर मधुर वीणा टांग दी और उनका हाथ उस जगह पर रखा ताकि बाद में वे उसे नीचे उतार सकें। उनके बगल में उन्होंने भोजन की टोकरी, एक सुंदर मेज और शराब का प्याला तैयार रखा, ताकि वे अपनी इच्छा अनुसार पी सकें। सभी लोग भोजन और मांस की प्रचुरता में हाथ डालकर तब तक खाते रहे जब तक उनकी लालसा तृप्त नहीं हो गई। फिर देवी ने संगीतकार को

नायकों के महान कार्यों का गुणगान करने के लिए प्रेरित किया, जैसा कि उन छंदों में वर्णित था जिनकी प्रसिद्धि आकाश तक फैल चुकी थी: ओडीसियस और पेलियस के पुत्र अकिलीज़ के बीच के झगड़े का वर्णन, और कैसे एक बार देवताओं के एक भव्य भोज में उन्होंने एक-दूसरे पर भयंकर शब्दों से आरोप लगाए थे; जिस पर मनुष्यों के राजा, एगामेम्नन, मन ही मन प्रसन्न हुए, इस बात से प्रसन्न हुए कि अचेयनों में सर्वश्रेष्ठ का इस प्रकार झगड़ा हो गया: क्योंकि अपोलो फोएबस ने उन्हें उस दिन इसकी भविष्यवाणी की थी। एगामेम्नन अपने भविष्यवक्ता से परामर्श करने के लिए परम पवित्र पाइथो के नग्न चट्टान क्षेत्र को पार कर गए। ये उस दुःख की लहर की शुरुआत थी जिसने ट्रोजन और दानानों को समान रूप से डुबो दिया; जैसा कि सर्वशक्तिमान ज़्यूस ने चाहा था।
यह उस प्रसिद्ध गायक का गीत था: परन्तु ओडीसियस ने अपने दोनों बलवान हाथों से अपने चौड़े बैंगनी लबादे को अपने सिर पर ओढ़ लिया ताकि उसका सुंदर चेहरा छिप जाए। वह फ़ेएशियनों के सामने अपनी गहरी आँखों से आँसू बहने देने में शर्म महसूस कर रहा था। जब भी दिव्य गायक अपना गीत विराम लेता, ओडीसियस अपने आँसू पोंछ लेता, लबादे से अपना सिर मुक्त कर लेता और अपने प्रेम के प्याले से ईश्वर को अर्घ्य अर्पित करता। परन्तु जैसे ही फ़ेएशियन सरदारों के आदेश पर गीत फिर से शुरू होता, जिनके लिए ये छंद परम आनंददायी थे, ओडीसियस फिर से अपना सिर ढँक लेता और अपनी सिसकियों को दबा लेता। बाकी लोग उसके आँसू बहते हुए नहीं देख पाए: केवल एल्किनोस ने ही इसे देखा, क्योंकि वह उसके बगल में बैठा था, और उसकी गहरी पीड़ा को देखे और सुने बिना नहीं रह सका। इसलिए उसने जल्द ही चप्पू प्रेमी फ़ेएशियनों पर प्रहार किया: 'ध्यान दो, योद्धाओं और सलाहकारों। हम साथ मिलकर दावत करने और शानदार भोजन के पूरक के रूप में वीणा बजाने में इतने मशगूल हो गए हैं। इसके बजाय, आइए हम बाहर निकलें और शक्ति प्रदर्शन करके अपना मनोरंजन करें, ताकि जब अजनबी घर जाए तो वह अपने दोस्तों को बता सके कि हमने मुक्केबाजी, कुश्ती, कूदने और दौड़ में दूसरों को कैसे मात दी।
वह बोला और बाहर चला गया। वे उसके पीछे-पीछे चले। दूत ने वीणा को खूंटी
पर टांग दिया, डेमोडोकस का हाथ पकड़ा और उसे उस रास्ते से हॉल से बाहर ले गया जिससे अन्य फेएशियन नेता अभ्यास देखने गए थे। हजारों लोगों का एक विशाल समूह उनके पीछे निर्धारित स्थान तक गया: और कई वीर युवक प्रतियोगी

के रूप में खड़े हुए। एक्रोनियस, ओसियलस और एलाट्रियस; नौटेअस और प्रिमनियस, एंचियलस और एरेटमेअस; पोंटियस, प्रोरेअस, थून और एनाबेसिनियस, एम्फियलस, जो पोलिनियस का पुत्र और टेक्टन का पुत्र था; और नौबोलस का पुत्र यूरियलस (घातक एरेस का प्रतिद्वंद्वी) भी खड़ा हुआ, जो चेहरे और कद-काठी में महान लाओडामास को छोड़कर सभी फेएशियनों से श्रेष्ठ था। राजसी एल्किनस के तीन पुत्र भी खड़े हुए, लाओडामास, हेलियस और देवतुल्य क्लिटोनियस। उनकी पहली परीक्षा दौड़ की थी: दौड़ का मैदान शुरुआत से ही सीधा था,
ताकि गति बनी रहे। सभी प्रतियोगी धूल उड़ाते हुए समतल मैदान पर दौड़ पड़े। लेकिन इस दौड़ में वीर क्लिटोनियस सबसे आगे रहा। जब वह भीड़ के पास लौटा, तो उसकी बढ़त ऐसी थी मानो खच्चरों का जोड़ा बिना जुती ज़मीन पर दौड़ रहा हो: बाकी प्रतियोगी उससे बहुत पीछे थे। फिर उन्होंने अपनी पूरी ताकत से कुश्ती लड़ी: और यूरियलस चैंपियनों में श्रेष्ठ साबित हुआ। एम्फ़ियलस ने कूदने की प्रतियोगिता जीती और एलाट्रियस ने आसानी से भार-फेंक प्रतियोगिता जीत ली: जबकि मुक्केबाजी में अल्किनोस के वीर पुत्र लाओडामास विजयी रहा।
जब सभी लोग खेलों से प्रसन्न हो गए, तब अल्किनोस के पुत्र लाओडामस ने
कहा, “मेरे साथ आओ, मित्रों, और चलो उस अजनबी से पूछताछ करें, यह जानने के लिए कि क्या वह खेलों में कुशल है और हमें कोई करतब दिखा सकता है। वह किसी भी तरह से कमजोर नहीं है: उसकी जांघें और पिंडली, बैल जैसी गर्दन और बलिष्ठ हाथ अपार शक्ति के प्रतीक हैं। उसने अपनी जवानी भी नहीं खोई है: बस अत्यधिक कठिनाइयों के कारण वह कमजोर हो गया है। मैं तुम्हें शपथ दिलाता हूँ कि किसी बलवान व्यक्ति, यहाँ तक कि सबसे बलवान व्यक्ति पर भी कहर बरपाने के लिए समुद्र से बढ़कर कोई भयानक चीज नहीं है।” यूरियलस ने उसे उत्तर दिया और कहा, “लाओडामस, तुमने सही कहा: अब जाओ, अपना परिचय दो और उसे चुनौती दो।” इस पर अल्किनोस का ईमानदार पुत्र भीड़ के बीच से होते हुए ओडीसियस से बोला, “हे पिता, अजनबी, क्या आप अब कोई करतब दिखाने का प्रयास नहीं करेंगे, यदि आपमें वह कौशल है जिसकी मैं अपेक्षा करता हूँ? क्योंकि किसी व्यक्ति के जीवनकाल में, उसके पैरों और हाथों से अर्जित प्रसिद्धि से बढ़कर कोई और प्रसिद्धि नहीं होती।” इस समय आप अपने दिल से चिंताओं को दूर कर सकते हैं और खुद को साबित कर सकते हैं, क्योंकि जल्द ही आप अपनी यात्रा पर निकलेंगे।

क्या आपका जहाज रवाना नहीं हो गया है और आपके दल को चेतावनी नहीं दे दी गई है?
धूर्त ओडीसियस ने उत्तर दिया: “लाओडामास, तुम मुझे इस प्रकार उपहास
में क्यों आमंत्रित कर रहे हो? मेरे हृदय की स्थिति खेलों से अधिक दुःख से भरी है। मैं लंबे समय से परिश्रम और पीड़ा सहता रहा हूँ: यहाँ तुम्हारी सभा में आने का मेरा एकमात्र उद्देश्य तुम्हारे राजा और प्रजा के समक्ष याचना करना है, ताकि मैं अपने घर लौट सकूँ।” यूरियलस ने उसे उठाया और उसके चेहरे पर व्यंग्य करते हुए कहा: “सचमुच, अजनबी, मैं तुम्हें आम लोगों की तरह खेलों में माहिर नहीं समझता: बल्कि तुम तो फेरीवालों के उस्ताद हो, एक भारी व्यापारी जहाज में माल का व्यापार करने वाले, माल और भाड़े की बचत करने वाले, लाभ पर पैनी नज़र रखने वाले। तुम किसी योद्धा की तरह नहीं बने हो।” ओडीसियस ने उसे घूरते हुए गरजकर कहा, “तुम, चाहे जो भी हो, अच्छी तरह से बात नहीं करते। तुम्हारा व्यवहार नीच है। यह सत्य है कि देवता अपनी सारी कृपा, सौंदर्य, बुद्धि और वाक्पटुता सभी मनुष्यों पर समान रूप से नहीं बरसाते। कोई औसत से थोड़ा कमज़ोर शरीर वाला होगा, फिर भी देवता उसके शब्दों को इतनी सुंदरता से सजा देंगे कि उसे देखने वाले सभी लोग प्रभावित हो जाएंगे। जब वह सार्वजनिक रूप से बोलता है, तो वह आत्मविश्वास से भरा होता है, फिर भी उसमें इतनी मधुर विनम्रता होती है कि वह उन लोगों की भीड़ में अलग ही चमक उठता है जो उसे देखते ही उसके शहर में घूमने पर उसे देवता समझ लेते हैं। कोई दूसरा अमर देवताओं के समान सुंदर होगा, फिर भी उसके शब्दों में वह आकर्षण नहीं होगा। खुद को ही ले लो – शरीर की ऐसी उत्कृष्ट कृति जिसमें शायद कोई देवता भी सुधार न देख पाए: फिर भी मन में कुछ नहीं। तुम्हारी निंदा ने मेरे दिल की धड़कन तेज़ कर दी। मैं खेलों में कोई अनाड़ी नहीं हूँ, जैसा कि तुम सोचते हो।” सचमुच, मुझे लगता है कि मैं अपने समय में सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक था, जब तक मेरे अंदर जवानी और हाथों की प्रेरणा थी। अपने समय में – क्योंकि यहाँ मैं दर्द और दुख में जी रहा हूँ, क्योंकि मैंने मनुष्यों के युद्धों और थका देने वाले समुद्रों में बहुत जोखिम उठाया और बहुत कुछ सहा है। फिर भी इन बुरी चीजों के विनाश के बावजूद, मैं आपकी शक्ति की परीक्षा देने का प्रयास करूँगा: क्योंकि उस उपहास ने मुझे बहुत चोट पहुँचाई है और आपके शब्दों ने मुझे अंदर तक चुभन दी है।

वह बोला और उछलकर खड़ा हो गया। अपने पूरे लबादे में लिपटा हुआ उसने एक भारी-भरकम पत्थर उठाया, जो फ़ेकेयनों के मुकाबले में इस्तेमाल होने वाले पत्थरों से कहीं बड़ा था। उसने उसे घुमाया और अपने शक्तिशाली हाथ से फेंक दिया, और पत्थर हवा में गूंजता हुआ चला गया। लंबे चप्पू चलाने वाले वे फ़ेकेयन, वे कुशल नाविक, उस पत्थर के ज़ोरदार प्रहार से ज़मीन पर गिर पड़े, जो नायक के हाथ से इतनी तेज़ी से निकला कि बाकी सभी पत्थरों के निशानों को भी पार कर गया। एथेना, अपने मानव रूप में, अचानक प्रकट हुई और उस जगह को चिह्नित किया जहाँ पत्थर ज़मीन को छू रहा था। उसने ओडीसियस से ज़ोर से कहा: 'हे अजनबी, एक अंधे आदमी का मंद-मंद हाथ भी तुम्हारे पत्थर के निशान को पहचान लेगा: क्योंकि यह निशानों की भीड़ में गुम नहीं है, बल्कि अकेला है, सबसे आगे। कम से कम इस घटना के लिए तो आश्वस्त रहो।' कोई भी फेएशियन तुम्हारे फेंके हुए तीर तक नहीं पहुँच पाएगा, उसे पार करना तो दूर की बात है।’ देवी ने ऐसा कहा, और महान ओडीसियस सभा में एक साहसी मित्र पाकर प्रसन्न हुआ। इसलिए उसने उत्साहपूर्वक फेएशियनों को चुनौती दी: –
अब, मेरे युवा योद्धाओं, इस थ्रो का मुकाबला करो; और जैसे ही तुम ऐसा करोगे, मुझे लगता है कि मैं एक और थ्रो इतनी ही लंबी या उससे भी लंबी फेंकूँगा। बाकी, जिसका भी हौसला या स्वभाव हो, वह आकर मुझसे मुक्केबाजी, कुश्ती या दौड़ में मुकाबला करे, जैसा चाहे। तुमने मुझे इस कदर उत्तेजित कर दिया है कि मैं किसी भी बात से नहीं हिचकूँगा, और अपने मेज़बान लाओदामास को छोड़कर किसी भी फ़ेएशियन को मना नहीं करूँगा। भला कौन अपने उपकारक से पंगा लेगा? परदेस में मेज़बानी का सहारा लेते हुए अपने मेज़बान को चुनौती देना, अपने ही हाथों को चोट पहुँचाने जैसा होगा। लेकिन बाकी लोगों के लिए, मैं किसी को मना नहीं करूँगा और किसी भी बात से पीछे नहीं हटूँगा। मैं सबका सामना करूँगा और उन्हें परखूँगा। पुरुषों द्वारा खेले जाने वाले किसी भी खेल में मैं खुद को शर्मिंदा नहीं करूँगा। मैं चमकते हुए धनुष को बखूबी चला सकता हूँ। हर लड़ाई के बीच में, चाहे दुश्मन पर कितने ही साथी तीर चला रहे हों, मैं हमेशा सबसे पहले तीर चलाकर अपने साथी को मार गिराऊँगा। ट्रोजन के मैदान में, जहाँ अचेयनों ने तीरंदाजी का ऐसा परीक्षण किया था, वहाँ केवल फिलोक्टेट्स ही धनुष चलाने में मुझसे श्रेष्ठ था। इसलिए मैं दावा करता हूँ कि मैं इस काम में किसी भी अन्य सांसारिक व्यक्ति से अधिक कुशल हूँ। मैं पुराने समय के पुरुषों से अपनी तुलना नहीं करना चाहता; न तो

हेराक्लेस से, न ही ओचेलिया के यूरिटस से, जो अमर देवताओं के साथ तीरंदाजी की प्रतियोगिता करना चाहता था: इसी महत्वाकांक्षा के कारण महान यूरिटस की कम उम्र में ही मृत्यु हो गई, अपने घर से अलग होकर: क्योंकि अपोलो ने तीरंदाजी की चुनौती दिए जाने पर क्रोधित होकर उसे मार डाला था। मैं अपने भाले को किसी भी व्यक्ति के तीर से कहीं अधिक दूर तक मार सकता हूँ। मुझे केवल इस बात का डर है कि पैरों की फुर्ती में कुछ फेएशियन मुझे हरा दें; क्योंकि एक असुविधाजनक जहाज पर लगातार लहरों ने मुझे बुरी तरह घायल कर दिया है। इसलिए मेरे घुटनों के जोड़ कमजोर हो गए हैं।
तो उसने विरोध किया, और वे सब खामोशी से प्रतीक्षा करने लगे: केवल अल्किनोस ने उत्तर दिया और कहा: 'देखो, अजनबी, हमें तुम्हारे इन शब्दों से कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि तुमने, अखाड़े में तुम्हारे सामने खड़े होकर तुम्हें ताना मारने वाले व्यक्ति के क्रोध में आकर, अपनी जन्मजात वीरता को इतनी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया है कि शब्दों का महत्व जानने वाला कोई भी मनुष्य इस पर संदेह नहीं कर सकता। फिर भी, अब मेरी बात सुनो और हमारी उपलब्धियों और उस कौशल को याद रखो जो ज़्यूस ने हमें दिया है - हमारे पूर्वजों के समय से लेकर अब तक - ताकि तुम अपने घर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ भोजन करते समय किसी अन्य वीर को यह कहानी सुना सको: मैं स्वीकार करता हूँ कि हम मुक्केबाजी में निपुण नहीं हैं, न ही पहलवान हैं: लेकिन हम अपने पैरों पर तेज़ी से दौड़ सकते हैं और जहाज पर कुशल हैं: हमें खाना, वीणा बजाना, नृत्य करना, कपड़े बदलना, गर्म पानी से नहाना और अपने बिस्तर बहुत पसंद हैं।' अतः, हे मेरे लोगों, उठो और फ़ेएशियाई लोगों के सर्वश्रेष्ठ नर्तकों को हमारे सामने नृत्य करने के लिए कहो, ताकि जब वह अजनबी अपने घर पहुँचे तो वह अपने मित्रों को हमारी नौकायन, दौड़ने, नाचने और गाने की असाधारण कुशलता के बारे में बता सके। कोई जल्दी से हमारे घर जाए और डेमोडोकस के लिए वह ध्वनि उत्पन्न करने वाला वीणा ले आए जो उसे कहीं टंगा हुआ मिलेगा।
एल्किनस के आदेश पर उसका दूत महल में चमचमाती वीणा लाने दौड़ा। नौ
अन्य पुरुष भी खड़े हो गए, जो भीड़ के चुने हुए और नियुक्त प्रबंधक थे और जिनका काम मंच तैयार करना था। उन्होंने नृत्य स्थल को समतल किया, उसे साफ-सुथरा और चौड़ा बनाया। दूत गायक की वीणा लेकर आया। डेमोडोकस साफ किए गए स्थान में आगे बढ़ा। उसके चारों ओर जीवन के पहले चरण में पहुंचे और नृत्य

में कुशल लड़के जमा थे, जो तैयार फर्श पर लयबद्ध ढंग से नाच रहे थे। ओडीसियस उनके उड़ते, चमकते पैरों को देखता रहा और आश्चर्यचकित रह गया। फिर वीणा वादक ने मधुर गीत गाते हुए हेफेस्टस के घर में एरेस और सजी-
धजी एफ़्रोडाइट के प्रेम प्रसंग का वर्णन किया। बताया कि कैसे वे पहली बार छुपकर मिले और एरेस ने उन्हें कितने उपहार दिए, यहाँ तक कि वह राजा हेफेस्टस के बिस्तर और विवाह को अपवित्र करने में सफल हो गया; और अंत में सूर्य देव हेलिओस के राजा के पास आने का वर्णन किया, जिसने उनके प्रेम प्रसंग को अपनी आँखों से देखा था। जब हेफेस्टस ने यह भयावह कहानी सुनी, तो वह तुरंत अपनी भट्टी की ओर भागा और अपने हृदय की गहराइयों में उनके लिए बुराई की योजना बनाने लगा। उसने बड़े निहाई को उसके आधार पर स्थापित किया और ऐसी जंजीरें गढ़ीं जिन्हें न तो तोड़ा जा सकता था और न ही खोला जा सकता था, ताकि दोषी जोड़े को हमेशा के लिए उनमें जकड़ा जा सके। एरेस के प्रति उसके घोर क्रोध से यह युक्ति उत्पन्न हुई थी। फिर वह अपने विवाह कक्ष में गया, जहाँ उसका प्रिय पलंग रखा था, और उसके खंभों पर उसने अपनी रचनाएँ गूँथ दीं। कई जंजीरें ऊपर से, चूल्हे के ऊपर मुख्य छत से लटक रही थीं; इतनी महीन और नाजुक जंजीरें कि कोई मनुष्य उन्हें देख नहीं सकता था, यहाँ तक कि कोई ईश्वर भी नहीं, क्योंकि उन्हें इतनी कुशलता से बनाया गया था। जब हेफेस्टस ने अपने जाल में सारा पलंग भर दिया, तो उसने लेम्नोस के लिए निकलने का नाटक किया, वह सुगठित शहर जो उसकी नज़रों में धरती का सबसे प्रिय देश था। और सोने की लगाम वाले एरेस की हेफेस्टस पर नज़र भी कम नहीं थी। जैसे ही उसने महान कारीगर को जाते देखा, वह सुशोभित सिथेरिया के प्रेम में तड़पते हुए उस प्रसिद्ध घर की ओर चल पड़ा। वह अभी-अभी अपने शक्तिशाली पिता ज़्यूस से लौटी थी और जैसे ही बैठी, एरेस घर में आया और उसका हाथ पकड़कर बोला: 'आओ, प्रिय, चलो बिस्तर पर चलें और आनंद लें; क्योंकि हेफेस्टस अभी बाहर है, लेम्नोस में असभ्य भाषा बोलने वाले सिंटियनों से मिलने।'
उनके साथ लेटने की उसकी बात सुनकर उसे खुशी हुई। वे अपने बिस्तर पर गए
और उसमें गहराई से लिपट गए, तभी धूर्त हेफेस्टस के स्प्रिंग उनके चारों ओर कस गए और इतने ज़ोर से जकड़ गए कि वे अपना एक भी अंग हिला नहीं पा रहे थे। अंत में उन्हें समझ आ गया कि अब कोई रास्ता नहीं है। तभी शक्तिशाली भुजाओं वाले महान देवता फिर से पास आए और प्रवेश किया: जब जासूस सूर्य, हेलिओस ने उन्हें सूचना दी थी, तो वे लेम्नोस से कुछ पहले ही लौट गए थे। जब वे भारी मन

और सभी देवता और सभी देवियाँ देखने के लिए हों, तब भी मैं सुनहरी एफ़्रोडाइट के साथ प्रसन्न रहूँगा।’
उसके ऐसा कहने पर अमर देवताओं में और भी हंसी गूंज उठी: केवल पोसीडॉन
ही नहीं हंसा, बल्कि वह लंगड़े शिल्पकार हेफेस्टस से एरेस को छोड़ने की विनती करता रहा। अब उसने बुलंद स्वर में कहा, 'उसे छोड़ दो: और बदले में मैं तुम्हें जो भी चाहिए, वह देने का वादा करता हूँ; जैसे कि वह अमर देवताओं के सामने अपने किए का दंड भुगतेगा।' बलवान शरीर वाले प्रसिद्ध देवता ने उत्तर दिया: 'मुझे इस प्रकार विवश मत करो, पोसीडॉन, पृथ्वी के रक्षक। निकम्मे मनुष्य के बंधन व्यर्थ ही होते हैं।' यदि एरेस अपने ऋण और इस जाल से मुक्त हो जाए, तो मैं तुम्हें अमर देवताओं के समक्ष कैसे उत्तरदायी ठहरा सकता हूँ?’ इस पर पृथ्वी को कंपाने वाले हेफेस्टस ने उत्तर दिया: ‘हेफेस्टस, यदि एरेस अपना ऋण चुकाए बिना भाग भी जाए, तो मैं स्वयं तुम्हें पूरा ऋण चुका दूँगा।’ लंगड़े स्वामी ने कहा, ‘मैं इनकार नहीं कर सकता: और ऐसी गारंटी को अस्वीकार करना उचित भी नहीं होगा।’ ऐसा कहकर महान हेफेस्टस ने जंजीर खोल दी और जाल और उसके बंधन से मुक्त होते ही वे दोनों तेजी से भाग निकले – हेफेस्टस थ्रेस की ओर और मुस्कुराती हुई एफ़्रोडाइट साइप्रस के पाफ़ोस में, अपने पवित्र स्थान पर, जहाँ धूप जलाने की वेदी थी। वहाँ देवियों ने उन्हें स्नान कराया और अमृतमय तेल से अभिषेक किया, जो सदा जीवित देवताओं के लिए रखा जाता है। वहाँ उन्होंने उन्हें सुंदर वस्त्र पहनाए, जिससे वे आँखों को मंत्रमुग्ध कर देने वाली बन गईं।
यह उस प्रसिद्ध गायक का गीत था। फेएशियन लोगों की तरह, जो लंबी चप्पू वाली नौकाओं के प्रसिद्ध नाविक थे, ओडीसियस ने इसे सुनकर मन ही मन आनंदित हुआ। फिर एल्किनस ने हेलियस और लाओडामस को अकेले नृत्य करने का आदेश दिया, क्योंकि कोई भी उनके साथ शामिल होने का साहस नहीं करता था। उन्होंने अपने हाथों में बैंगनी रंग की सुंदर गेंद ली, जिसे पॉलीबस ने उनके लिए बनाया था, और खेलने लगे। पहला व्यक्ति अपने शरीर को पीछे की ओर झुकाकर गेंद को बादलों की ओर फेंकता, जबकि दूसरा अपनी बारी में हवा में ऊँचा उछलता और अपने पैर जमीन पर रखने से पहले ही उसे खूबसूरती से पकड़ लेता। फिर, गेंद को ऊँचा उछालने का पूरा अभ्यास करने के बाद, वे उसे आपस में एक-दूसरे को पास करने लगे, और इस दौरान वे उपजाऊ धरती पर नृत्य करते रहे। अन्य युवक नृत्य के घेरे के पास खड़े होकर ताल दे रहे थे। उनका शोर ज़ोर से गूंज उठा: और महान

ओडीसियस ने अल्किनोस की ओर मुड़कर कहा, ‘हे मेरे स्वामी अल्किनोस, शासकों के शासक, आपने हमें आश्वासन दिया था कि आपके नर्तक सर्वश्रेष्ठ हैं: और अब यह सत्य सिद्ध हो गया है: यह दृश्य अद्भुत है।’ यह सुनकर पवित्र राजा अल्किनोस प्रसन्न हुए और उन्होंने तुरंत फ़ेएशियनों से कहा: ‘हे फ़ेएशियन युद्ध-प्रभुओं और राजनेताओं, मेरी बात सुनो: यह अजनबी विलक्षण बुद्धि का व्यक्ति प्रतीत होता है। आइए हम इसे उचित सम्मान दें। यहाँ बारह महान राजा हैं जो लोगों पर शासन करते हैं, और मैं तेरहवाँ हूँ। प्रत्येक उदारतापूर्वक एक नया वस्त्र, एक कुर्ता और एक प्रतिभा बहुमूल्य सोना भेंट करें। यदि ये सभी उपहार शीघ्र लाए जाते हैं, तो अजनबी को रात्रि भोज से पहले ये मिल जाएँगे और वह शान से भोजन करेगा। जहाँ तक यूरियलस की बात है, वह अपने बुरे व्यवहार के लिए संतोष भरे शब्दों और एक उपहार से प्रायश्चित करे।’
सभी ने उसकी सलाह मान ली और उसका पालन किया। अनुयायी उपहार इकट्ठा
करने और लाने के लिए निकल पड़े, जबकि यूरियलस ने कहा: ‘मेरे स्वामी एल्किनस, हमारे दल के नेता, मैं सचमुच अजनबी को आपकी आज्ञा के अनुसार क्षतिपूर्ति करूँगा। यह शुद्ध धातु की छोटी तलवार देखिए: मैं इसे चांदी की मूठ और नए कटे हुए हाथीदांत के म्यान के साथ उसे देता हूँ। यह उसके लिए बहुत मूल्यवान होगी।’ यह कहते ही उसने चांदी से जड़ा हुआ हथियार ओडीसियस के हाथों में थमा दिया और उत्साह से बोला: ‘प्रणाम, पिता अजनबी: और यदि कोई कठोर शब्द निकल गया हो, तो तूफ़ानी हवाएँ उसे उड़ाकर दूर फेंक दें।’ हे ईश्वर, ईश्वर करे कि तुम अपने देश पहुँचो और अपनी पत्नी से मिलो; तुम बहुत लंबे समय से दुखी हो और अपने मित्रों के सहारे से दूर हो।’ ओडीसियस ने तुरंत उत्तर देते हुए कहा, ‘तुम्हें भी, मेरे मित्र, हार्दिक नमस्कार: ईश्वर तुम्हें सुख प्रदान करे: और ईश्वर करे कि तुम कभी इस तलवार की कमी महसूस न करो जो तुमने आज मुझे अपने सुखदायी शब्दों के साथ भेंट की है।’ उसने चांदी से जड़ी तलवार को अपने कंधे पर टांग लिया। सूर्य अस्त हो गया और बहुमूल्य उपहारों का वितरण शुरू हुआ। शान से दूत उन्हें महल ले गए, जहाँ महान राजा के पुत्रों ने ओडीसियस के लिए उन्हें ग्रहण किया और अपनी पूजनीय माता को सुरक्षित रखने के लिए सौंप दिया, जबकि राजा स्वयं अतिथियों को ऊँचे सिंहासनों पर बैठने के लिए ले गए।

तब अल्किनोस ने अपनी पत्नी एरेट को बुलाया और कहा, “हे स्त्री, अपना सबसे उत्तम और कीमती संदूक यहाँ लाओ। उसमें एक नया धुला हुआ वस्त्र और कुर्ता रखो। अतिथि के लिए आग पर एक तांबे का बर्तन गर्म करो और पानी भी गर्म करो, ताकि वह फ़ेएशियन नेताओं द्वारा भेंट किए गए इन उपहारों को देखने से पहले स्नान कर सके। इसके बाद वह भोज और हमारे संगीतकार के संगीत का आनंद ले सकेगा। रुको: मैं उसके खजाने में अपना यह सुंदर सोने का बना प्याला भी रख दूँगी, ताकि जब भी वह अपने घर में ज़्यूस और अन्य देवताओं को पेय पदार्थ अर्पित करे, तो उसे मेरी याद आए।” अल्किनोस ने ऐसा कहा, और एरेट ने अपनी दासियों को आदेश दिया कि वे यथाशीघ्र आग के पास एक बड़ा तीन पैरों वाला बर्तन रख दें। उन्होंने जलती हुई लपटों के ऊपर स्नान के लिए इस्तेमाल होने वाला बर्तन रखा, उसमें पानी डाला और नीचे जलाने के लिए लकड़ियाँ रख दीं। बर्तन के तलवे के चारों ओर आग की लपटें उठ रही थीं और पानी गर्म हो रहा था। तभी एरेट ने शयनकक्ष से आगंतुक के लिए एक सुंदर संदूक निकाला और उसमें फाएशियनों द्वारा दिए गए शानदार उपहार, वस्त्र और सोना रख दिया। उसने अपने भंडार से एक उत्तम कुर्ता और बाहरी वस्त्र भी उसमें डाल दिया और फिर संक्षेप में उससे कहा: “अब ढक्कन का ध्यान रखना: और जल्दी से उसे अच्छी तरह बंद कर देना, कहीं ऐसा न हो कि जब तुम अपनी काली नाव में आराम से सो रहे हो, तो रास्ते में कोई तुम्हें लूट ले।” ओडीसियस ने तुरंत एरेट के कहने पर ढक्कन बंद कर दिया और उसे उस जटिल गाँठ से बाँध दिया जो देवी सिरसे ने उसे सिखाई थी। फिर गृहिणी ने उसे स्नानघर जाकर नहाने के लिए कहा। गर्म पानी देखकर उसे बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि सुनहरे बालों वाली कैलिप्सो के निवास को छोड़ने के बाद से, जिसके साथ उसने लगातार एक देवता जैसा आतिथ्य सत्कार किया था, उसे ऐसा सुख प्राप्त करने का सौभाग्य नहीं मिला था।
जब दासियों ने उसे नहलाकर तेल लगाया, तो उन्होंने उसे एक कीमती चोगा और कुर्ता पहनाया; और वह स्नानघर से निकलकर पुरुषों के साथ शराब पीने चला गया। रास्ते में, विशाल छत के खंभे के पास, नाउसिका अपनी दिव्य सुंदरता में खड़ी थी, अपनी सभी आँखों से ओडीसियस की प्रशंसा कर रही थी: तभी उसने शब्द कहे और सीधे उससे कहा: – ‘अलविदा, अजनबी; और जब तुम अपने वतन पहुँचो, तो कभी- कभी मुझे याद करना: क्योंकि मुख्य रूप से मेरे कारण ही तुम्हारा जीवन सुरक्षित है।’ ओडीसियस ने उसे उत्तर दिया, ‘नाउसिका, उच्च आत्मा वाले एल्किनस की पुत्री: यदि हेरा के स्वामी, गर्जन के देवता, ज़्यूस की इच्छा

है कि मैं घर पहुँचूँ और अपने लौटने का दिन देखूँ, तो मैं वहीं और उसी क्षण, एक देवी के समान, तुम्हारे प्रति प्रतिज्ञा करूँगा; और अपने जीवन के सभी दिनों में सदा-सदा के लिए। क्योंकि तुमने ही मुझे जीवन दिया है, कन्या।’ उसने अपना प्रवचन समाप्त किया और राजा एल्किनस के बगल में अपने
सिंहासन पर बैठ गया। सेवक शराब मिला रहे थे और मांस परोस रहे थे। दूत पास आया और लोगों द्वारा आदरणीय मधुर गायक डेमोडोकस को भोज में शामिल लोगों के बीच ले आया; उसने उसे एक ऊँचे स्तंभ की ओर पीठ करके बिठा दिया: और चतुर ओडीसियस ने दूत को पुकारा, उसने एक सफेद दाँत वाले सूअर की रीढ़ की हड्डी से (वहाँ प्रचुर मात्रा में चर्बी थी) एक टुकड़ा काट लिया था जो चारों ओर से चर्बी से लबालब भरा था। उसने कहा, 'दूत, यह मांस का टुकड़ा डेमोडोकस को दे दो ताकि वह इसे मेरी ओर से एक ऐसे अभिवादन के साथ खाए जिसे मेरे गहरे दुर्भाग्य भी ठंडा नहीं कर सकते; क्योंकि यह उचित है कि कवियों को हर जीवित व्यक्ति से सम्मान और आदर मिले, क्योंकि देवी सभी गायकों के समूह का पालन-पोषण करती है और उनमें से प्रत्येक को अपने गीत के नियम सिखाती है।'
जब नायक ने बोलना समाप्त किया, तो दूत ने हाथ में भोजन लेकर डेमोडोकस
को दिया, जिसे पाकर वह प्रसन्न हुआ। सभी ने आगे बढ़कर भोजन का आनंद लिया; और जब वे भोजन और पेय से तृप्त हो गए, तब ओडीसियस ने डेमोडोकस को संबोधित किया। ‘डेमोडोकस, मैं तुम्हें सभी मनुष्यों में श्रेष्ठ मानता हूँ: मुझे नहीं पता कि तुम्हें ज़्यूस की पुत्री, म्यूज़ ने सिखाया है या स्वयं अपोलो ने। फिर भी, तुमने अचेयनों की विपत्तियों, उनके कर्मों, उनके कष्टों, उनके शोक का वास्तविक इतिहास ऐसे गाया है मानो तुम स्वयं वहाँ उपस्थित रहे हो या प्रत्यक्षदर्शियों से सुना हो। परन्तु अब अपना विषय बदलो और गाओ कि कैसे एपेनियस ने एथेन की सहायता से उस विशाल लकड़ी के घोड़े का निर्माण किया, वह चालाक उपकरण, जिसे बुद्धिमान ओडीसियस ने ट्रॉय को तबाह करने वाले सैनिकों से किले में भरकर अंदर ले जाने का प्रबंध किया। मुझे यह सब क्रम से बताओ, और फिर मैं हर जगह यह प्रमाणित करूँगा कि ईश्वर की कृपा ने तुम्हारे गायन को प्रेरणा का वरदान दिया है।’
ऐसा उसने कहा; और देवता से प्रेरित गायक ने अपनी महारत का प्रमाण दिया। उसने अपनी कहानी वहीं से शुरू की जहाँ अर्गिव्स के मुख्य दल ने अपनी झोपड़ियों में आग लगाने के बाद अपने सुसज्जित जहाजों पर सवार होकर प्रस्थान किया; बचे हुए लोगों, प्रसिद्ध ओडीसियस के साथियों को ट्रॉय शहर

के केंद्र में, सभा स्थल पर, उस घोड़े के भीतर छिपा हुआ छोड़ दिया जिसे ट्रोजन स्वयं अपने किले तक घसीटकर लाए थे। घोड़ा वहीं खड़ा रहा जबकि लोग उसके चारों ओर अनिश्चित रूप से इधर-उधर बहस करते रहे। उनके मन में तीन विचार थे: – या तो अपनी निर्मम तलवारों से उसके लकड़ी के गर्भ को चीर दें; या उसे चट्टान के किनारे तक घसीटकर पत्थरों के बीच लुढ़का दें; या उसे देवताओं को एक शक्तिशाली शांति भेंट के रूप में वहीं छोड़ दें। अंत में, यही अंतिम निर्णय था, क्योंकि यह नियति थी कि जब उनके शहर में उस भयानक राक्षस ने शरण ली, जिसमें आर्गिव्स वंश के सभी श्रेष्ठ वंशज, ट्रॉय के विनाश और मृत्यु के बीज लिए छिपे हुए थे, तब उनका नाश हो जाए। उसने गीत गाया कि कैसे आर्गिव्स के पुत्रों ने अपनी खोखली गुफा छोड़ी, घोड़े से उतरे और ट्रॉय का अंत कर दिया। उसने भव्य नगर के विनाश में प्रत्येक योद्धा के योगदान का वर्णन किया और बताया कि कैसे ओडीसियस ने एरेस की तरह महान मेनेलास के साथ डेफोबस के घर पर आक्रमण किया। उसने कहा कि वहाँ ओडीसियस ने भयंकर परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन दृढ़ निश्चयी एथेन की सहायता से अंत में विजय प्राप्त की।
इस प्रकार प्रसिद्ध गायक का गीत चला: परन्तु ओडीसियस का दिल पिघल गया
और उसकी पलकों से बहते आँसू उसके गालों पर बरस गए। ऐसा ही तब होता है जब एक प्रेममयी पत्नी अपने पति के शरीर पर विलाप करते हुए गिर पड़ती है, जो अपने नगर और साथी नागरिकों के सामने शहीद हो गया है, नगर और अपने बच्चों को लूटपाट और अत्याचार के क्रूर दिन से बचाते हुए। उसे अंतिम साँस लेते और मरते हुए देखकर वह ज़ोर-ज़ोर से विलाप करती है और उसके चारों ओर लिपट जाती है। फिर भी दुश्मन पीछे से अपने भाले से उसके झुके हुए कंधों पर प्रहार करते हैं और उसे गुलामी में, परिश्रम और दुःख के उसके भाग्य की ओर ले जाते हैं। जैसे उस स्त्री के गाल निराशा से लाल हो गए थे, वैसे ही ओडीसियस के माथे से भी दयनीय रूप से आँसू बह रहे थे। परन्तु इस बार भी, उसके गिरते आँसुओं को वहाँ मौजूद सभी लोगों ने नहीं देखा, सिवाय अल्किनोस के जो उसके पास बैठा था और उसके दुःख को देख रहा था, उसके हृदय में गहरे विलाप को अनसुना नहीं कर पा रहा था। अल्किनोस ने तुरंत चप्पू चलाने वाले फ़ेएशियनों से कहा: –
“हे सेनापतियों और सलाहकारों, कृपया मेरी बात सुनिए। अब डेमोडोकस को अपना मधुर गीत गाने दीजिए: उसका गीत हम सबको प्रसन्न नहीं करता। जब से उस

दिव्य गायक ने रात्रि भोज के समय से गाना शुरू किया है, तब से अजनबी गहरे शोक में डूबा हुआ है। उसके हृदय में गहरा दर्द है। इसलिए, रुक जाइए, ताकि हम सब, मेज़बान और मेहमान, उचित रूप से आनंद मना सकें: क्या हमने अपने मेहमान के सम्मान में वही नहीं किया जो उसने हमसे माँगा था - एक अंगरक्षक - और अपने आदर के प्रमाण के रूप में उसे प्रेम-प्रतीक भी दिए? कोई भी समझदार व्यक्ति जो सतह के नीचे तक झाँक सकता है, वह किसी अजनबी या याचक को अपने भाई की तरह स्वीकार करेगा। इसलिए, हे अजनबी, चालाकी से उस खबर को मत छुपाइए जो मैं जानना चाहता हूँ: बल्कि स्पष्टवादिता को अपना गुण बनाइए। हमें बताइए कि आपके घर पर आपको क्या नाम से पुकारा जाता है - आपके माता-पिता और आपके शहर और इलाके के अन्य लोग।” सभी माता-पिता अपने बच्चों के जन्म के तुरंत बाद उनका नाम रख देते हैं, ताकि कोई भी इतना गरीब या इतना विनम्र न हो कि उसका नाम न रहे। मुझे अपने देश, जिले और शहर के बारे में बताइए, ताकि हमारे कुशल जहाज आपकी यात्रा के लिए दिशा जान सकें। यह समझ लीजिए कि फ़ेएशियन लोग आम जहाजों की तरह नाविक या चप्पू नहीं रखते। उनके जहाज मनुष्यों के मन और इरादों को जानते हैं। वे हर जाति के शहरों और समृद्ध भूमि को जानते हैं और घने बादलों या कोहरे के बीच से भी समुद्र की खाड़ियों को शीघ्रता से पार कर लेते हैं। वे कभी भी भय या आपदा से विचलित नहीं होते। फिर भी मैंने एक बार अपने पिता नौसिथस को यह कहते सुना था कि पोसीडॉन हम पर इसलिए क्रोधित हैं क्योंकि हम सभी मनुष्यों को निष्पक्ष रूप से सुरक्षित मार्ग प्रदान करते हैं: और एक दिन इस तरह के भेजने के कारण कोहरे से भरे समुद्र के पार घर लौट रहे एक सुंदर फ़ेएशियन जहाज को चकनाचूर कर देंगे, और हमारे शहर को चारों ओर से एक ऊंचे पहाड़ के नीचे ढक देंगे। बूढ़े व्यक्ति ने ऐसा कहा था। ईश्वर ऐसा कर भी सकते हैं और नहीं भी। जो उनकी इच्छा होगी वही होगा।
लेकिन अब अपने दिल की बात खुलकर कहो, और मुझे साफ-साफ बताओ कि तुम कहाँ- कहाँ घूमे और किन-किन जगहों पर गए। वहाँ के शहर और लोग कैसे थे? क्या वे कठोर, बर्बर और अन्यायपूर्ण थे; या दयालु, मेहमाननवाज और ईश्वर से डरने वाले थे? हमें बताओ कि जब तुमने आर्गिव दानानों और इलियन के पतन के बारे में सुना तो तुम इतना फूट-फूटकर और चुपके से क्यों रोए? यह देवताओं का काम था, जिन्होंने उन लोगों के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी, ताकि उनका भाग्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गीत बन जाए। क्या तुम्हारी पत्नी का कोई

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]? [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]? [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

पुस्तक 9

बहुमुखी प्रतिभा के धनी ओडीसियस ने तब कहना शुरू किया: ‘हे परम पूज्य भगवान एल्किनोस, हम वास्तव में सौभाग्यशाली हैं कि हमारे समक्ष एक ऐसी गायिका हैं जिनकी आवाज़ दिव्य रूप से शुद्ध है। मैं आपसे कहता हूँ, मेरे विचार से बौद्धिक आनंद की पराकाष्ठा तब प्राप्त होती है जब कोई समूह किसी महल में, रोटी और मांस से सजी मेजों के सामने, भोज में बैठा हो, और एक संगीतकार उनके कानों को मंत्रमुग्ध कर दे और एक प्याला लाने वाला उनके लिए शराब परोसकर सबके लिए तैयार रखे। निःसंदेह, जैसा कि मैंने कहा, यही संसार की सबसे उत्तम वस्तु है।’
फिर भी, देखो, ऐसे समय में तुम्हारा हृदय मेरे दुखों की कहानी जानने को प्रेरित करता है: जिसे सुनकर मेरे आँसू और भी गहरे हो जाएँगे। मैं अपने दुखों को कैसे क्रमबद्ध करूँ, पहले इसे, फिर उसे? स्वर्ग के देवताओं ने मुझे इतना अधिक दुख दिया है। मैं अपने नाम से शुरुआत करता हूँ ताकि तुम मुझ पर विश्वास कर सको, और जब यह क्रूर दौर समाप्त हो जाए तो मैं अपने घर में तुम्हारा मेज़बान बन सकूँ – मेरा वह घर, हाय! मैं ओडीसियस हूँ, लेर्टेस का पुत्र: एक ऐसा नाम जो मनुष्यों में हर प्रकार की सूझबूझ और बुद्धि की चतुराई का प्रतीक है: और मेरी प्रसिद्धि स्वर्ग तक पहुँचती है। मैं निर्मल इथाका में रहता हूँ, जो नेरिटन पर्वत का द्वीप है, जिसकी ऊँची ढलानें हवा से उड़ते पत्तों से काँपती रहती हैं। इसके चारों ओर कई अन्य द्वीप एक-दूसरे के बहुत करीब स्थित हैं, जैसे डुलिचियम, सैम और वनों से भरा ज़ैकिंथस। मेरा द्वीप समुद्र में गहराई में स्थित है और अपने पड़ोसियों की तुलना में पश्चिम के अधिक निकट है, जो सूर्योदय और सूर्य की ओर मुख किए हुए हैं। यह एक कठोर भूमि है, फिर भी यहाँ अच्छे युवक पैदा होते हैं: लेकिन शायद हर इंसान की नज़र में अपनी जन्मभूमि से बढ़कर कुछ नहीं होता। मेरा ही उदाहरण लीजिए: सुंदर देवी कैलिप्सो मुझे अपनी गुफा में रखना चाहती थी और मुझे अपना पति बनाना चाहती थी: और इसी तरह एईया की धूर्त देवी सिरसे ने भी मुझे अपने घर में रोके रखने की कोशिश की, वह भी मुझे पति बनाना चाहती थी:

लेकिन न तो उनमें से कोई भी मेरे दिल को नहीं बदल सकी। इसलिए मैं कहता हूँ कि चाहे किसी व्यक्ति की परिस्थितियाँ विदेश में, परदेस में कितनी भी समृद्ध क्यों न हों, जीवन में घर और माता-पिता के सुख की कोई तुलना नहीं है। खैर, आइए उस विपत्तिपूर्ण घर वापसी की कहानी पर वापस आते हैं जिससे ज़्यूस ने ट्रॉय से मेरी वापसी को पीड़ित किया था।
इलियन से हवा ने मुझे सिकोन्स के इस्मारस के पास पहुँचा दिया। मैंने
शहर को लूटा और उन्हें मार डाला। हमने उनकी पत्नियों और धन को ले लिया और बराबर बाँट लिया, ताकि मेरे कारण किसी को भी उसका उचित हिस्सा न मिले। फिर मैंने सुझाव दिया कि हम सब भाग जाएँ, लेकिन मेरे मूर्ख साथियों ने मेरी बात नहीं मानी। पीने के लिए अभी भी बहुत शराब थी; और भेड़ों और सींग वाले भारी भरकम गायों के बड़े झुंडों से प्राप्त मटन या गोमांस था, जिन्हें उन्होंने किनारे पर काटा था। जब वे इस तरह समय बिता रहे थे, हमारे सिकोन्स ने अपने पड़ोसी, भीतरी सिकोन्स से मदद के लिए पुकार लगाई, जो संख्या में अधिक और कुशल थे; ऐसे लोग जो घुड़सवारी में भी लड़ सकते थे, और (जरूरत पड़ने पर) पैदल सैनिकों के साथ भी। वे सुबह होते ही वसंत ऋतु के पत्तों और कलियों की तरह घनी संख्या में हम पर टूट पड़े; जबकि हम पर विपत्ति का पूर्वाभास छाया हुआ था, ज़्यूस के श्राप से, जिसने हमारे दुर्भाग्यशाली सिरों के लिए और भी कष्ट रखे थे। तेज़ गति से चलने वाले जहाजों के पास सैनिकों ने युद्ध की तैयारी कर ली और एक-दूसरे पर तांबे की धार वाले भाले बरसा दिए। जब तक भोर रही और दिन बढ़ता रहा, हम डटे रहे और उनकी सेनाओं को खदेड़ते रहे; लेकिन जब सूरज ढल गया और शाम को हल चलाने वाले बैलों को घर लौटने का समय नज़दीक आ गया, तब अंततः सिकोन्स ने अचेयन सेना को डगमगाने और पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। प्रत्येक जहाज के छह योद्धा मारे गए। हम बाकी लोग जो उस समय अपनी मृत्यु और विनाश से बच निकले थे, मिश्रित भावनाओं के साथ उस स्थान से रवाना हुए; भाग्य से बच जाने की खुशी थी, फिर भी अपने उन साथियों के लिए शोक था जिनके लिए मेरे उन भरे हुए जहाजों में से एक भी तब तक नहीं हिला जब तक हमने किनारे पर स्थित समतल भूमि पर सिकोन्स के हिंसक हाथों के प्रत्येक दुर्भाग्यपूर्ण शिकार का तीन बार नाम नहीं लिया।
फिर बादलों के सरदार ज़्यूस ने हमारे बेड़े के विरुद्ध उत्तर दिशा से भयंकर तूफ़ान ला दिए। उन्होंने बादलों से ज़मीन और समुद्र दोनों को ढक लिया। आसमान से रात छा गई। तूफ़ान के आगे जहाज़ बह गए और उनके पाल चीर-फाड़

पाल समेटे और नावों से बाहर निकल आए: और वहाँ, पानी के किनारे से थोड़ा आगे, गहरी नींद में डूबे हुए, हम भोर की देवी का इंतज़ार कर रहे थे। जब वह गुलाबी उंगलियों के साथ आईं, तो हम आश्चर्य से द्वीप का चक्कर लगाने और उसकी खोज करने लगे: और स्वयं ज़्यूस की अप्सराओं ने हमारे लिए पहाड़ियों से जंगली बकरियों को भगाया, ताकि मेरे आदमियों को खाने के लिए भोजन मिल सके। हम नावों से अपने नक्काशीदार धनुष और लंबी नोक वाले भाले लेने दौड़े और तीन टोलियों में बँटकर तीर चलाने लगे। ईश्वर ने बड़ी जल्दी ही हमें हमारी इच्छानुसार शिकार उपलब्ध कराया: इतना अधिक शिकार था कि मेरे बारह जहाजों में से प्रत्येक को नौ बकरियाँ बाँटी जा सकीं। मेरे अपने जहाज के लिए, विशेष भत्ते के रूप में, दस बकरियाँ आवंटित की गईं। उसके बाद पूरे दिन और सूर्यास्त तक हम दावत करते रहे; क्योंकि मांस असीमित था और पेय अच्छा था, हमारे जहाजों में लाल शराब अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई थी, क्योंकि हमने सिकोन्स की पवित्र छोटी राजधानी को लूटते समय जारों में बड़ी मात्रा में शराब भर ली थी। खाते समय हम साइक्लोप्स की भूमि को निहारते रहे, जो इतनी निकट थी कि हम उसका धुआँ उठता देख सकते थे और उनके लोगों की आवाज़ें और उनकी भेड़-बकरियों के मिमियाने की आवाज़ सुन सकते थे; अंततः सूर्य अस्त हो गया और शाम हो गई, जिससे हम समुद्र के किनारे जहाँ थे वहीं सो गए।
भोर होते ही मैंने अपने साथियों से सभा की और उनसे ये कहा: “मेरे भरोसेमंद साथियों, तुम यहीं रुको, जबकि मैं अपने जहाज और दल के साथ जाकर उन लोगों की परीक्षा लूँ और पता लगाऊँ कि वे क्रूर और बर्बर हैं या मेहमानों के प्रति दयालु, आदरणीय और न्यायप्रिय।” ये आदेश देने के बाद मैं अपने जहाज पर चढ़ा और उसके दल को रस्सियाँ खोलते ही जहाज पर चढ़ने को कहा। उन्होंने तुरंत आज्ञा मानी और चप्पू चलाने के लिए चप्पू संभाले। चप्पूओं की तेज आवाज से समुद्र का पानी पीला पड़ गया। जैसे ही हम तट के सबसे नज़दीक पहुँचे, हमें उसके समुद्र की ओर वाले छोर पर एक गुफा दिखाई दी – एक विशाल गुफा, जो लॉरेल लट्ठों से घिरी हुई थी। संकेत थे कि भेड़-बकरियों के बड़े झुंडों को रात के लिए इसके अंदर रखा जाता था। गुफा के मुँह के चारों ओर चट्टानों से बना एक मजबूत दीवार वाला आँगन बनाया गया था, जिसके चारों ओर ऊँचे चीड़ और फैले हुए बलूत के लट्ठों की बाड़ थी। दरअसल, यह एक विशालकाय प्राणी का अड्डा था, एक भयानक जीव जो अपने झुंडों को उस केंद्र से दूर चराता था और किसी भी मनुष्य से संपर्क नहीं रखता था। यह दानव एक एकाकी,

नास्तिक प्राणी था, और भयानक रूप से निर्मित था; किसी आम इंसान की तरह नहीं, बल्कि बिल्कुल अनोखा और ऊंचे पहाड़ों की किसी चट्टान की तरह असाधारण।
मैंने अपने वफादार दल को जहाज के पास खड़े होकर उसकी रक्षा करने का आदेश दिया, जबकि मैंने अपने द्वारा चुने गए बारह सर्वश्रेष्ठ पुरुषों को चुना और उनके साथ रवाना हो गया। मैंने बाद में एक बकरी की खाल में रखी हुई एक बहुत ही मधुर और शक्तिशाली शराब भी ले ली, जो मुझे इस्मारस के संरक्षक देवता अपोलो के पुजारी यूएंथेस के पुत्र मारोन ने दी थी। मारोन अपने घने उपवन (जो अपोलो फोएबस के लिए पवित्र था) में रहता था और जब हमने शहर को लूटा, तो हमने श्रद्धापूर्वक उसे, उसकी पत्नी और बच्चे को बख्श दिया था। इनाम के तौर पर उसने मुझे बहुमूल्य उपहार दिए - सात टैलेंट शुद्ध सोना और शुद्ध चांदी का एक कटोरा, इसके अलावा यह बेहतरीन शराब भी, जिसे उसने हमारे लिए बारह शराब के बर्तनों में निकाल कर दिया था। यह देवताओं के लिए बनी शराब थी। केवल उसे, उसकी पत्नी और घर के नौकर को ही इसके अस्तित्व के बारे में पता था; उसने अपनी किसी भी दासी या नौकरानी को इसके बारे में नहीं बताया था; और जब वह इस बात का ज़िक्र करता, तो वह आनंद से भरे एक प्याले में से बस एक प्याला निकालता और उसे बीस माप पानी में मिला देता; जिसके बाद प्याले से इतनी मीठी सुगंध फैलती कि मानो स्वर्गिक हो जाती; और उस समय इसे पीने से रोकना सचमुच आनंदहीन होता। मैंने एक बड़ी मशक में यह पेय भर लिया और अपने साथ ले गया; साथ ही चमड़े के पर्स में अनाज भी; क्योंकि ठीक उसी क्षण मेरे भीतर की किसी प्रबल प्रवृत्ति ने मुझे आगाह किया कि हमें एक विचित्र, भयंकर, असीम शक्ति वाले, सही-गलत का ज्ञान न रखने वाले और अनियंत्रित प्राणी से निपटना पड़ सकता है।
जल्द ही हम गुफा के अंदर पहुँच गए, जहाँ हमने पाया कि उसका मालिक वहाँ नहीं था, वह अपने सुंदर झुंडों को चरागाहों में चरा रहा था। इसलिए हमने गुफा का चारों ओर से जायज़ा लिया, पनीर से लदे पनीर के रैक और मेमनों और बकरियों के भरे हुए बाड़ों को देखकर हमारी आँखें फटी रह गईं। हर तरह के मेमनों को अलग-अलग रखा गया था, बसंत के बच्चे एक तरफ, अधेड़ उम्र के बच्चे वहाँ और सबसे छोटे बच्चे एक कोने में। वहाँ बाल्टियाँ, टब और टब मट्ठे से भरे हुए थे: उसके दूध के बर्तन भी बहुत अच्छे बने हुए थे। मेरे आदमियों की पहली गुज़ारिश यह थी कि वे पनीर पर कब्ज़ा कर लें और उसे लेकर भाग जाएँ,

फिर दौड़कर वापस आएँ और बकरियों और मेमनों को बाड़ों से जहाज़ तक ले जाएँ, जिससे हम जल्दी से समुद्र में निकल पड़ें। यह सलाह अंततः हमारे लिए फ़ायदेमंद साबित होती: लेकिन अब मैं इस पर ध्यान नहीं देना चाहता था, क्योंकि मैं मालिक से मिलने और (अगर वह दे तो) उससे मेहमान का तोहफ़ा लेने के लिए इतना बेताब था। फिर भी उसका आना मेरे दल के लिए विनाशकारी साबित हुआ।
हमने आग जलाई, बलि चढ़ाई, पनीर लिया और गुफा के अंदर बैठकर अपने आदमी के चरागाह से घर लौटने का इंतज़ार करते हुए खाया। वह अपने साथ सूखी लकड़ियों का एक भारी गट्ठा लाया, जो उसके रात के खाने की आग के लिए था, और उसे गुफा के फर्श पर इतनी ज़ोर से फेंका कि हम डर के मारे गुफा के दूर-दराज के कोनों में भाग गए। फिर उसने अपने शानदार झुंड को, या यूँ कहें कि दूध देने वाली भेड़ों को, मेहराब के नीचे ले गया। बाकी भेड़ों और बकरियों को उसने प्रवेश द्वार के सामने चौड़े आँगन में छोड़ दिया। इसके बाद उसने अपने ही आकार का एक विशाल पत्थर का शिलाखंड गुफा के मुँह पर रख दिया। 22 मज़बूत चार पहियों वाली गाड़ियाँ भी उसे ज़मीन पर नहीं खिसका सकती थीं, वह इतना विशाल था, इस पत्थर का इस्तेमाल उसने अपने दरवाजे को बंद करने के लिए किया था। फिर वह अपनी भेड़ों और बकरियों का दूध निकालने बैठ गया, सब कुछ व्यवस्थित तरीके से, बाद में उसने हर भेड़ के बच्चे को उसके नीचे रख दिया। इस सफेद दूध के आधे हिस्से को उसने जमाकर बेंत की टोकरी में पनीर बनाने के लिए रख दिया। बाकी आधा हिस्सा उसने बाल्टियों में ही छोड़ दिया ताकि रात के खाने के समय वह उसे पीकर अपनी भूख मिटा सके।
अब तक वह पूरी तरह काम में मग्न था, लेकिन अब उसने आग फिर से जलाई और
चारों ओर देखा तो हमें पाया। “अरे अजनबी,” उसने कहा, “तुम कौन हो और कहाँ से आए हो पानी के उस पार से? क्या तुम व्यापारी हो? या समुद्री लुटेरे, वे साहसी लोग जो जोखिम उठाकर समुद्र में घूमते हैं और जीविका के लिए हर किसी को लूटते हैं?” उसने ऐसा पूछा, और उस विशालकाय व्यक्ति की भयानक गर्जना और उसके विशाल रूप को देखकर हमारा विश्वास डगमगा गया। फिर भी मैंने दृढ़ता से बोलने का साहस किया और कहा, “हम ट्रॉय से आए अचेयन वंशज हैं, जो घर लौट रहे थे, लेकिन आकाश से आती प्रतिकूल हवाओं ने हमें अथाह सागर की खाइयों में भटका दिया है; शायद यह ज़्यूस की इच्छा और आदेश से हुआ है। हम एट्रीड्स के साथी होने पर गर्व कर सकते हैं, जो एगामेम्नन के सैनिक थे, जिनकी प्रसिद्धि

अब स्वर्ग में सबसे अधिक है क्योंकि उन्होंने पृथ्वी के सबसे बड़े शहर को लूटा और असंख्य लोगों को मृत्यु के घाट उतार दिया। इसलिए हम आपके सामने घुटने टेककर आपसे विनती करते हैं, अतिथि-शुल्क या अन्य किसी बहुमूल्य उपहार की आशा में, जो अजनबियों को दिया जाता है। हे महान देव, देवताओं पर कृपा करें! हम आपके याचक हैं: और ज़्यूस, जो योग्य अजनबियों के साथ उनके मार्ग पर चलते हैं, याचकों के रक्षक, उनके संरक्षक और संरक्षक हैं।”
अब तक तो मैं समझ गया था: लेकिन जवाब उसके निर्दयी हृदय से आया। “हे अजनबी, अगर तुम मुझे देवताओं से डरने और उनका विरोध न करने के लिए कहते हो, तो तुम या तो सीधे-सादे हो या बहुत ही विचित्र। हम साइक्लोप्स हैं और आकार में इतने बड़े होने के कारण हम कवचधारी ज़्यूस या किसी भी पूजनीय देवता की बात नहीं सुनते: इसलिए अगर मैं तुम्हारी और तुम्हारे दोस्तों की जान बख्श दूं, तो यह ज़्यूस के क्रोध से बचने के लिए नहीं होगा, बल्कि इसलिए होगा क्योंकि मेरे हृदय ने दया करने की सलाह दी है। अब मुझे बताओ कि जब तुम आए थे तो तुमने अपना विशाल जहाज कहाँ खड़ा किया था। दूर वाले किनारे पर, या पास वाले पर? मैं जानना चाहता हूँ।” इन शब्दों से उसने मेरे लिए एक धूर्त जाल बिछाया, लेकिन मेरी चतुराई से उसके सारे छल स्पष्ट हो गए। इसलिए मैंने भी छल का जवाब छल से दिया: “मेरा जहाज पृथ्वी को हिलाने वाले पोसीडॉन ने तोड़ दिया था, जिसने उसे तुम्हारे देश के बिल्कुल आखिरी छोर पर स्थित चट्टान की ओर धकेल दिया और उसे चट्टानों से टकरा दिया: हवा हमें ऊँचे समुद्र से यहाँ ले आई। केवल मैं और ये कुछ लोग ही बच पाए।” मैंने ऐसा कहा। उसकी क्रूरता ने मुझे एक शब्द भी जवाब नहीं दिया। वह उछलकर खड़ा हुआ, मेरे साथियों पर झपटा, उनमें से दो को पिल्लों की तरह उठाकर ज़मीन पर पटक दिया। उनके दिमाग खोपड़ियों से बाहर निकलकर गुफा के फर्श पर बिखर गए, जबकि उसने उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया और आखिरी टुकड़े तक खा गया, एक पहाड़ी शेर की तरह लालच से सब कुछ - आंतें, मांस और हड्डियाँ, यहाँ तक कि हड्डियों का मज्जा भी। हम रोए और अपनी आँखों के सामने हुए इस अपराध को देखकर भयभीत होकर ज़्यूस से प्रार्थना की: फिर भी हम कुछ नहीं कर सकते थे। इसलिए साइक्लोप्स ने बेरोकटोक अपने विशाल पेट को मानव मांस से भर लिया और कच्चे दूध से उसे निगल लिया। उसके बाद वह गुफा में झुंडों के बीच लेट गया और सो गया।

मेरे साहसी मन में यह विचार आ रहा था कि क्या मुझे अब चुपके से अंदर
जाकर, अपनी कमर पर लटकी हुई तेज तलवार छीनकर, उसके शरीर में वार कर देना चाहिए; पहले अपनी उंगलियों से यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि हृदय के नीचे और जिगर के ऊपर, पेट के भीतर वह महत्वपूर्ण स्थान कहाँ है। लेकिन मेरे दूसरे विचारों ने मुझे यह वार करने से रोक दिया, क्योंकि ऐसा करके मैं अंततः अपनी ही मृत्यु को न्योता दे देता: गुफा को बंद करने वाले उस विशाल पत्थर को हटाने के लिए हमारे हाथों में पर्याप्त शक्ति नहीं थी। इसलिए हम रात भर वहीं दुख से आहें भरते रहे, भोर की प्रतीक्षा करते रहे: भोर होते ही वह दानव जागा, अपनी आग फिर से जलाई, अपने झुंड का दूध निकाला और प्रत्येक बच्चे को उसकी माँ के पास रख दिया। अपना काम पूरा करने के बाद, उसने हममें से दो और लोगों को पकड़ लिया, जो उसके दिन का भोजन उपलब्ध कराते थे। फिर उसने अपने फुर्तीले जानवरों को गुफा से बाहर निकाल दिया, आसानी से उस विशाल दरवाजे को एक तरफ खींचकर वापस लगा दिया, जैसे हममें से कोई तरकश का ढक्कन बंद कर दे। अपने अनुयायियों को जोर-जोर से पुकारते हुए साइक्लोप्स उन्हें पहाड़ियों में ले गया, और मुझे वहीं कैद करके छोड़ दिया ताकि मैं अपने मन की गहराइयों में उसके खिलाफ बुराई की योजना बना सकूं, जिसमें मैं उससे बदला लेने के तरीके खोज सकूं, काश एथेन मुझे वह अवसर प्रदान कर दे जिसके लिए मैंने प्रार्थना की थी।
मुझे जो भी विचार आए, उनमें से यह सबसे अच्छा लगा। भेड़-बाड़ों के
बाड़े में साइक्लोप्स का एक बड़ा डंडा पड़ा था, या यूँ कहें कि हरे जैतून की लकड़ी की एक टहनी, जिससे वह सूखकर अपना डंडा बनाना चाहता था। हमारी नज़र में वह बीस चप्पू वाले किसी काले जहाज़ के मस्तूल जैसा था, किसी चौड़े समुद्र के व्यापारी जहाज़ जैसा – वह इतना लंबा और मोटा दिखता था। मैं उस पर बैठा और उसमें से लगभग एक फ़ैदम (लगभग एक फ़ैदम) काट लिया, जिसे मैंने अपने साथियों को दिया और उन्हें उसे पतला करने को कहा। उन्होंने उसे बिल्कुल बराबर कर दिया, जबकि मैंने उसकी नोक को तेज़ करने में मदद की। फिर मैंने उसे उठाया और धधकती आग में तब तक घुमाया जब तक कि उसकी नोक जलकर सख्त न हो गई। उसके बाद हमने उसे गुफा में जगह-जगह बिखरे भेड़ों के गोबर के नीचे छिपा दिया। अंत में मैंने दूसरों से पर्ची निकलवाई, यह देखने के लिए कि गहरी नींद में सोए हुए साइक्लोप्स की आँख में कील ठोकने का मुश्किल काम

कौन करेगा। भाग्य के बल पर मुझे वही चार लोग मिले जिन्हें मैं खुली आँखों से चुनता। मैंने खुद को दल का पाँचवाँ सदस्य नियुक्त कर लिया।
शाम को साइक्लोप्स अपने ऊनी भेड़ों के झुंड को चराते हुए लौटा और सीधे उन्हें चौड़े गुंबद वाली गुफा में ले गया, पूरे मोटे झुंड को, बाहर के आंगन में एक भी भेड़ नहीं छोड़ी। क्या उसके मन में कुछ था, या किसी देवता ने उसे प्रेरित किया? फिर उसने बड़े दरवाजे का पत्थर उठाया और उसे अपनी जगह पर टिका दिया, उसके बाद वह दुहने बैठ गया, बारी-बारी से हर भेड़ और शोर मचाने वाली दूध देने वाली बकरी का दुहता और बाद में उनके बच्चों को उनके नीचे रख देता। उसने फुर्ती से अपने घरेलू काम निपटाए; और उसके बाद हममें से दो और लोगों को उठाकर खा गया। फिर मैं अपने गहरे रंग की शराब से भरा एक प्याला हाथ में लिए उस विशालकाय राक्षस के पास गया और उसे आमंत्रित करते हुए कहा, “साइक्लोप्स, अब आओ और मनुष्य के मांस के अपने भोजन के साथ इस शराब का भी स्वाद लो, ताकि तुम्हें पता चले कि हमारे जहाज में कितना स्वादिष्ट पेय छिपा था। मैं इसे तुम्हारे लिए लाया था, इस उम्मीद में कि तुम मुझ पर दया करोगे और मुझे घर लौटने में मदद करोगे: लेकिन तुम्हारी मूर्खता समझ से परे है। हे पापी, तुम कैसे हिम्मत करते हो कि इस महान संसार के किसी अन्य मनुष्य से मिलने की उम्मीद करो, जबकि तुमने हमारे साथ इतना निर्दयतापूर्ण व्यवहार किया है?” मैंने कहा: उसने प्याला लिया और पी लिया। पेय की मिठास से उसके भीतर एक जंगली खुशी जाग उठी और उसने दूसरा प्याला मांगते हुए कहा, “मुझे एक और भरपूर प्याला दो और फिर जल्दी से अपना नाम बताओ, ताकि मैं तुम्हें एक ऐसा अतिथि उपहार दे सकूँ जो तुम्हारे दिल को खुश कर दे। यह सच है कि हमारी उपजाऊ मिट्टी हम साइक्लोप्स के लिए अच्छी बेलें उगाती है, और स्वर्ग की नमी उनकी पैदावार को कई गुना बढ़ा देती है: लेकिन यह शराब असली अमृत और जन्नत की एक बूंद है।” उसने ऐसा कहा और मैंने तुरंत उसे उस चमकती शराब का दूसरा प्याला दिया: और फिर एक और, क्योंकि अपनी मूर्खता में उसने उसके तीन प्याले गटक लिए थे। शराब की गंध उसके मंद बुद्धि पर चढ़ रही थी, तभी मैंने मीठी-मीठी बातों में उससे खेलना शुरू किया: – “साइक्लोप्स, तुम मुझसे मेरा सार्वजनिक नाम पूछते हो: मैं तुम्हें यह खुलेआम बता देता हूँ, और फिर तुम मुझे मेरा अतिथि-उपहार दो, जैसा तुमने वादा किया था। मेरा नाम नो-मैन है: मेरे माता-पिता और मेरे सभी मित्र मुझे हमेशा इसी नाम से पुकारते आए हैं।”

मैंने कुछ कहा, और उसने अपने क्रूर हृदय से उत्तर दिया, “मैं अंत में नो-मैन को खाऊंगा, उसके सभी मित्रों के बाद। पहले बाकियों को – यही तुम्हारा लाभ होगा।” वह पेट के बल ज़मीन पर लेट गया, अपनी मोटी गर्दन एक तरफ लटकाए हुए; और वह नींद, जो सभी मनुष्यों को जीत लेती है, उस पर हावी हो गई। उसने भारी मन से अपने सारे पेय पदार्थ उगल दिए, और शराब में तैरते हुए मानव मांस के टुकड़े उसके गले से गड़गड़ाते हुए बाहर निकले। मैंने तुरंत अपने भाले को आग के गहरे अंगारों में गाड़ दिया ताकि वह तेज़ जल उठे: और अपने साथियों का हौसला बढ़ाया ताकि उनमें से कोई भी डर के मारे पीछे न हट जाए। जल्द ही जैतून की लकड़ी का भाला, अपने हरे रंग के बावजूद, भयानक चमकती रोशनी के साथ लगभग कांपता हुआ लपटों में घिर गया। मैंने उसे आग से छीन लिया, मेरे आदमियों ने मदद की। ऊपर से किसी शक्ति ने हम सभी में एक पागलपन भरा साहस भर दिया, जिसकी ताकत से उन्होंने बड़े भाले से हमला किया और उसकी नुकीली नोक सीधे उसकी आंख में घुसा दी। मैंने ऊपर से अपना पूरा भार उस पर डाल दिया ताकि वह अंदर तक धंस जाए। जैसे जहाज़ बनाने वाले की चक्की लकड़ी में छेद करती है, और नीचे खड़े उसके साथी बारी-बारी से चमड़े की रस्सी को आगे-पीछे खींचते रहते हैं, उसी तरह हमने जलती हुई नुकीली छड़ी उसकी आँख में रखी और उसे तब तक घुमाया जब तक कि उबलता हुआ खून आग के खंभे की तरह उबलने लगा। उसकी जलती हुई आँख की गर्मी से उसकी भौहें और पलकें सिकुड़ गईं और बदबू आने लगी: हाँ, आँख की जड़ें भी आग की लपटों में जलने लगीं।
जैसे कोई लोहार किसी बड़ी कुल्हाड़ी या छेनी को ठंडे पानी में डुबोता
है और वह गुस्से से फुफकारती है - क्योंकि यही उसका उपचार है, और लोहे की मजबूती उसके स्वभाव में निहित है - ठीक वैसे ही उसकी आंख जैतून की कील के पास जल उठी। उसने एक भयानक चीख मारी जो गुफा की दीवारों में गूंज उठी और हमें डर से इधर-उधर भगा दिया। उसने लकड़ी की कील को अपनी आंख से खींचकर निकाला और वह खून से लथपथ और गाढ़ी निकली। असहनीय दर्द ने उसे अपने हाथों से फेंकने पर मजबूर कर दिया, और फिर वह हवादार पहाड़ियों के बीच अपनी गुफाओं में रहने वाले अन्य साइक्लोप्स को पुकारने लगा। उन्होंने उसकी चीख सुनी थी और अब बंद गुफा की ओर बढ़े, यह जानने के लिए पुकारते हुए कि वह किस परेशानी में है: "क्या हुआ है तुम्हें, पॉलीफेमस, कि तुम आकाशीय रात में दहाड़ रहे हो और हमें सोने नहीं दे रहे हो? यह बहाना मत बनाओ कि कोई मनुष्य तुम्हारे झुंडों को तुमसे जबरदस्ती भगा रहा है, या तुम्हें केवल बल या छल

से मार रहा है।" विशाल पॉलीफेमस ने अपनी गुफा के भीतर से चिल्लाकर उन्हें जवाब दिया, “मेरे मित्रों, कोई भी मुझे छल से नहीं मार सकता। इसमें किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं है।” इस पर उन्होंने तीखे स्वर में उत्तर दिया, “यदि तुम अकेले हो और कोई तुम पर हमला नहीं कर रहा है, बल्कि तुम्हारा दर्द ज़्यूस की ओर से आई कोई अपरिहार्य बीमारी है, तो फिर अपने पिता राजा पोसीडॉन से प्रार्थना करो।”
वे मुँह फेरकर चले गए और मेरा प्यारा दिल हँस पड़ा क्योंकि उस झूठे नाम की चालाकी ने उन्हें पूरी तरह से अपने जाल में फंसा लिया था। साइक्लोप्स पीड़ा से कराह रहा था। उसने अपने हाथों से तब तक टटोला जब तक उसे प्रवेश द्वार से पत्थर नहीं मिल गया और उसने उसे उठा लिया। फिर वह गुफा के मुँह पर अपनी उंगलियाँ फैलाकर बैठ गया, ताकि भेड़ों के साथ चुपके से निकलने की कोशिश करने वाले किसी को भी पकड़ सके। मन ही मन वह मुझे इतना मूर्ख समझ रहा था: जबकि मैं अपने और अपने साथियों को विनाश से बचाने का हर संभव प्रयास कर रहा था, हम सचमुच मौत के मुँह में थे। मैंने अपनी जान बचाने के लिए कई विचार और उपाय सोचे, और उनमें से सबसे अच्छा अंततः यह लगा। वहाँ कुछ मेढ़े थे, बड़े-बड़े, शानदार, ऊनी जानवर जिनकी ऊन लगभग बैंगनी रंग की थी। मैंने उन्हें चुपचाप तीन-तीन करके उठाया और उन्हें उस लचीली छाल की पट्टियों से बाँध दिया जिनसे उस दुष्ट राक्षस का बिस्तर बुना गया था। बीच वाला जानवर एक आदमी को पकड़ सकता था और उसके दोनों ओर के जानवर उसे पकड़े जाने से बचा सकते थे। इसका मतलब था कि हर साथी के लिए तीन मेढ़े थे, जबकि मेरे लिए झुंड का सबसे बेहतरीन मेढ़ा बचा था। मैंने उसे पकड़ा, खुद को उसकी घनी झाड़ियों वाली तोंद के नीचे छिपा लिया और अटूट साहस के साथ वहीं लटक गया: चेहरा ऊपर की ओर करके, अपने हाथों को उसकी विशाल ऊन में जकड़कर। इस तरह हम बड़ी घबराहट के साथ भोर का इंतजार करने लगे।
जैसे ही भेड़ों का रंग हल्का लाल हुआ, वे अपने चरागाह की ओर दौड़ पड़े: परन्तु भेड़ें बिना दूध दुहे अपने बाड़ों में ही पड़ी रहीं, फटे हुए थनों के साथ दर्द से कराहती रहीं। अपने भयानक दर्द से व्याकुल स्वामी ने प्रत्येक भेड़ की पीठ को छुआ, जैसे ही वह उसके सामने से सीधे गुजरने के लिए खड़ी हुई। उस मूर्ख को जरा भी शक नहीं था कि उनकी ऊनी पसलियों के नीचे मनुष्य बंधे हुए हैं। अंत में सबसे श्रेष्ठ भेड़ बाहर जाने के लिए आई, अपने ऊन के भार से अकड़ी हुई चाल से, और मैं, गहरा षड्यंत्रकारी। बलवान पॉलीफेमस

ने उसे सहलाते हुए कहा, “प्यारे मेढ़े, तुम मेरी पूरी भेड़-बकरियों में से गुफा छोड़ने वाले आखिरी क्यों हो? तुमने पहले कभी खुद को दूसरों से पीछे नहीं रहने दिया; बल्कि हमेशा सबसे पहले घास के मैदानों में आज़ादी से घूमते हुए उनकी चिकनी कलियों को चरते थे, और सबसे पहले पहाड़ी झरनों में पानी पीते थे: जबकि शाम को, जो घर लौटने का समय होता था, तुम हमेशा सबसे पहले वापस लौटना चाहते थे। और अब तुम सबसे आखिर में आए हो! क्या तुम्हें अपने स्वामी की दृष्टि खोने का दुख है, जिसे उस दुष्ट और उसके धूर्त साथियों ने शराब पिलाकर बेबस कर दिया था? वह निकम्मा, जिसकी कसम, वह अभी तक मौत से नहीं बच पाया है। काश तुम मेरी तरह महसूस कर पाते और बोलने की शक्ति रखते कि वह मेरे क्रोध से बचने के लिए कहाँ छिपा है। मैं उसके दिमाग को ज़मीन पर पटक कर गुफा में बिखेर देता, ताकि उस निकम्मे निकम्मे ने जो दर्द दिया है, उससे मेरा दिल हल्का हो जाए!”
उसने मेढ़े को धीरे से दरवाजे से बाहर धकेल दिया। जब हम गुफा और उसके चारों ओर के आंगन से थोड़ी दूरी पर थे, तो मैंने खुद को मुक्त किया और फिर अपने आदमियों को भी मुक्त कर दिया। बार-बार पीछे मुड़कर देखते हुए, हम लंबे पैरों वाले झुंड, मोटे-ताज़े जानवरों को जहाज तक ले गए, जहाँ हमें देखकर बाकी लोग उस मौत के बारे में सोचकर खुश हो गए जिससे हम बच निकले थे। वे मरे हुए जानवरों के लिए शोक मनाने के लिए रुकना चाहते थे: लेकिन मैंने ऐसा नहीं होने दिया। मैंने सख्ती से अपनी भौंहें सिकोड़ीं और हर आदमी के रोने को रोका: और इसके बजाय उन्हें तेज इशारों से चमकदार ऊन वाले जानवरों को जहाज में डालने और खुले समुद्र में रवाना होने का आदेश दिया। वे तुरंत जहाज पर चढ़ गए और अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए। वे फुर्ती से बैठ गए और रास्ता बना दिया, जिससे उनके चप्पू के वार के नीचे समुद्र फीका पड़ गया: लेकिन जब हम जमीन से उतनी ही दूर थे जितनी दूर एक आदमी की चीख सुनाई दे सकती थी, तब मैंने एकलोक को द्वेषपूर्ण उपहास के साथ पुकारा। “तो, साइक्लॉप्स, क्या तुम बदकिस्मत थे और अपनी गुफा में उस छोटे से आदमी के सभी अनुयायियों को खा जाने की ताकत नहीं जुटा पाए? बल्कि, किस्मत ने तुम्हारे दुष्ट कर्मों का फल तुम्हें ही दे दिया, उस अधर्म के लिए जिसने तुम्हारे घर में आए मेहमानों को खाने की हिम्मत की थी। ज़्यूस ने तुम्हें इसका बदला दे दिया है, और बाकी देवता भी इससे सहमत हैं।”

मेरी चीख ने उसके दिल को और भी बुरी तरह से चोट पहुँचाई। उसने एक विशाल पर्वत की चोटी को तोड़कर काले रंग के आगे वाले जहाज पर फेंका, जो बस एक बाल बराबर बादलों से घिरा हुआ था। चट्टान पतवार के सिरे को लगभग छूकर निकल गई। समुद्र की लहरें उसके गोते से ऊपर उठ रही थीं, और गहरे समुद्र से आने वाली ज्वारीय लहर की तरह, पीछे से धक्का देकर हमें बहुत तेज़ी से वापस किनारे की ओर ले आई, लगभग तट तक। मैंने एक लंबा डंडा उठाया और उसे एक सहारे के रूप में इस्तेमाल किया, जबकि मैंने अपने सिर के इशारों से चालक दल को बताया कि अगर हमें दुर्घटना से बचना है तो उन्हें इसे चप्पू के ऊपर रखना होगा। उन्होंने पूरी ताकत लगा दी और तब तक चप्पू चलाते रहे जब तक कि हम तट से अपनी पिछली दूरी से दोगुनी दूरी पर नहीं पहुँच गए। तब मैं एक बार फिर साइक्लोप्स को ताना मारता, लेकिन मेरे अनुयायियों ने अपनी-अपनी प्रवृत्ति के अनुसार मुझे शांत करने की कोशिश की और कहा, “उग्र स्वभाव के इस क्रूर प्राणी को और उकसा क्यों रहे हो, जिसने अपने आखिरी घातक तीर से हमारे जहाज को किनारे तक पहुँचाने के इतने करीब ला दिया था कि हम खुद को मरा हुआ समझ बैठे थे? अगर उसने अभी हमसे एक फुसफुसाहट या आवाज भी सुन ली होती, तो वह हमारे सिर और जहाज की लकड़ियों को किसी नुकीले पत्थर से कुचल देता, वह कितना अद्भुत पत्थर फेंकने वाला है!” उनकी यही विनती थी, लेकिन मेरा स्वाभिमान कम नहीं हुआ। इसलिए मैंने एक बार फिर उस पर अपना क्रोध उंडेल दिया: “साइक्लोप्स, अगर कोई इंसान तुमसे पूछे कि तुम्हारी आँख इतनी बुरी तरह कैसे निकाली गई, तो कहना कि यह काम नगरों को तबाह करने वाले ओडीसियस ने किया है; वही लार्टेस का पुत्र जिसका घर इथाका में है।”
मैंने चीख मारी, और उसका उत्तर दयनीय स्वर में आया: “हे दुर्भाग्य का दिन, जब प्राचीन भविष्यवाणी सच हो गई! हमारे साथ एक अच्छा और महान भविष्यवक्ता, टेलेमस, रहता था, जो यूरीमस का पुत्र था और भविष्यवक्ताओं में सर्वश्रेष्ठ था। उसने अपना सारा जीवन हम साइक्लोप्स के बीच इस कला का अभ्यास करते हुए बिताया। उसने मुझे बताया था कि कई दिनों बाद ऐसा ही होगा, और मैं ओडीसियस के हाथों अपनी दृष्टि खो दूँगा। इसलिए मैं हमेशा किसी बलवान, तगड़े आदमी की प्रतीक्षा करता रहा, जो मुझ पर प्रभावशाली ढंग से हमला करे: और इसके बजाय यह नीच, बेचारा बौना आया और मेरे दिमाग को शराब पिलाकर मेरी आँख चुरा ली। देखो, मेरे ओडीसियस, मेरे पास वापस आओ और मेरी मेहमान-भलाई स्वीकार करो। मैं तुम्हें उस महान पृथ्वी-कंपन से बचाऊँगा:

क्योंकि पोसीडॉन स्वयं को मेरा पिता मानता है, और इसलिए मैं स्वयं को उसका पुत्र कहने का साहस करता हूँ। यदि वह दयालु होगा, तो वह मेरे घाव को भर देगा, जिसे न तो किसी अन्य देवता ने और न ही किसी अन्य ने भरा है। "मनुष्य कर सकता है।" मैंने चिल्लाकर उससे कहा, "तुम्हारी दृष्टि ठीक हो जाए तो कभी नहीं: यहाँ तक कि धरती को हिला देने वाला भी नहीं कर पाएगा। काश, मेरे पास इतनी शक्ति होती कि मैं तुम्हें जीवन और आत्मा से वंचित कर पाता और तुम्हें पाताल में भेज देता, मैं यह बात निश्चित रूप से जानता हूँ!"
अब तक तो सब ठीक था – लेकिन उसने तारों से भरे आकाश की ओर हाथ उठाकर
अपने स्वामी पोसीडॉन से प्रार्थना की। “हे पृथ्वी के काले बालों वाले रक्षक, मेरी प्रार्थना सुनो, यदि मैं सचमुच तुम्हारा पुत्र हूँ और तुम मेरे पिता हो। कृपा करो कि इथाका के लेर्टेस के पुत्र ओडीसियस को घर वापसी न करनी पड़े। फिर भी, यदि यह नियति है कि उसे अपने आलीशान घर और जन्मभूमि में अपने मित्रों से एक बार फिर मिलना ही है, तो यह देर से और दयनीय रूप से, एक अजनबी जहाज में, अपने सभी साथियों को खोने के बाद हो। और उसे वहाँ घर में ही कष्ट मिले।” इस प्रकार उसने प्रार्थना की और अंधकारमय देवता ने उसकी प्रार्थना सुन ली। तब उस दैत्य ने एक और पत्थर (पहले से कहीं अधिक बड़ा) उठाया, उसे असीम बल से घुमाया और फेंक दिया। वह भी बहुत पास गिरा, लेकिन इस बार जहाज से थोड़ा पहले ही रुक गया, पतवार को चकनाचूर होने से बाल-बाल बचा। गिरते हुए पत्थर के ऊपर समुद्र में लहरें उठ खड़ी हुईं और एक बड़ी लहर हमें बहाकर दूसरी ओर ले गई; उस द्वीप की ओर जहाँ मेरे सभी सुसज्जित जहाज़ थे, और उनके चालक दल पास ही शोक मना रहे थे क्योंकि हम इतने लंबे समय से उनकी सेवा करने में विफल रहे थे। हमने अपने जहाज़ के तलवे को रेत पर ज़ोर से रगड़ा और साइक्लोप्स की भेड़ों को भगाते हुए किनारे पर आ पहुँचे। हमने उन्हें आपस में बाँट लिया, और मैंने बहुत सावधानी बरती कि किसी को भी उसका हिस्सा न मिले। मेरे योद्धा दल ने सम्मान के प्रतीक के रूप में मुझे वह मेढ़ा भेंट किया, और मैंने उसे बादलों में लिपटे ज़्यूस, क्रोनोस के पुत्र और सार्वभौमिक राजा को समर्पित कर दिया, जिसकी जांघों के उत्तम भागों को मैंने आग से जला दिया। फिर भी ज़्यूस ने मेरी भेंट को स्वीकार नहीं किया, बल्कि मेरे सभी सुसज्जित जहाज़ों और मेरे वफादार दल को नष्ट करने के तरीके खोज रहा था।

हालाँकि, जब हम वहाँ बैठे-बैठे भरपूर मांस और मीठी शराब से अपना पेट भर रहे थे, तभी सूरज डूब गया। सूरज ढलने और शाम ढलने के बाद, हम सुबह की सुनहरी किरणें निकलने तक पानी के किनारे लेट गए: फिर मैंने सबको जगाया और उन्हें नाव पर चढ़ने और रवाना होने का आदेश दिया। जल्द ही वे नाव पर सवार हो गए और अपनी-अपनी सीटों पर तैयार होकर चप्पू चलाने लगे और अपने सटीक प्रहारों से समुद्र में झाग पैदा करने लगे: हमारी यात्रा दुखद थी, क्योंकि हमने अपने साथियों का एक हिस्सा खो दिया था; और खुशी की बात यह थी कि हमने अपनी आत्माओं को मृत्यु से बचा लिया था।

पुस्तक 10

तो हम एओलियन द्वीप पर पहुँचे। उस समुद्र की गोद में बसे एकांत द्वीप में, जहाँ से चट्टान सीधी नीचे गिरती है, एक अभेद्य कांसे के किले के भीतर, शाश्वत देवताओं के मित्र, हिप्पोटस के पुत्र एओलस अपने बारह बच्चों, छह बेटियों और छह बलवान पुत्रों के साथ रहते थे। एओलस ने ऐसा आदेश दिया था कि बेटियाँ उनके पुत्रों की पत्नियाँ हों। वे सभी अपने पिता और पूजनीय माता के साथ एक ही थाली में भोजन करते थे और उनके सामने अनेक प्रकार के लज़ीज़ व्यंजन परोसे जाते थे। दिन भर भाप से भरा घर उत्सवपूर्ण माहौल से गूंजता रहता था, यहाँ तक कि उसके आंगन तक भी; लेकिन रात में वे सोते थे, प्रत्येक पुरुष और उसकी शर्मीली पत्नी, अलंकृत पलंगों पर मुलायम कालीनों के बीच। हम इस भव्य महल और घर में एक महीने तक मनोरंजन के लिए आए थे, जबकि एओलस मुझसे ट्रॉय और आर्गिव जहाजों और उनकी वापसी यात्रा की विभिन्न घटनाओं के बारे में प्रश्न पूछता रहा: मैंने उन सभी घटनाओं को वैसे ही सुनाया जैसे वे घटी थीं। बाद में मैंने लौटने की अपनी आशा व्यक्त की और इसके लिए उसकी कृपा की प्रार्थना की। उसने मुझे मना करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई, और न ही विदाई उपहार के रूप में नौ साल के बैल की खाल दी, जिसे विशेष रूप से छीलकर उसमें मेरे लिए हर तेज हवा को कैद कर दिया गया था - ज़्यूस ने उसे हवाओं का रक्षक बनाया था ताकि वह उन्हें अपनी इच्छा से शांत या उत्तेजित कर सके। उसने इस चमड़े के थैले को एक चमकदार चांदी की डोरी से मेरे जहाज में इतनी मजबूती से बांध दिया कि हवा का एक छोटा सा झोंका भी बाहर न निकल सके। इसके अलावा, उसने मेरे जहाजों और हमें आगे बढ़ाने के लिए एक तेज और अनुकूल पश्चिमी हवा दी, हालांकि यह उस आसान परिणाम तक नहीं पहुंचा जैसा उसने सोचा था। हमारी अपनी लापरवाही ने हमें विपत्ति के हवाले कर दिया।
नौ पूरे दिन, नौ रातें और नौ दिन, हम खुशी-खुशी यात्रा करते रहे। दसवें दिन हम अपने देश की हरी-भरी ढलानों पर पहुँच गए और इतने करीब आ गए कि हमें वहाँ आग जलाए बैठे लोग दिखाई देने लगे। फिर आखिरकार मैं गहरी नींद में डूब गया, क्योंकि इस पूरी यात्रा में चादरें खुद संभालने के कारण मेरी सारी

ताकत खत्म हो चुकी थी: मैंने अपने जहाज के किसी भी साथी को सोने नहीं दिया, मैं अपने वतन पहुँचने के लिए इतना बेताब था। जब मैं सो रहा था, मेरे साथी आपस में फुसफुसाने लगे कि मैं उदार ईओलस से सोने और चाँदी के उपहार ला रहा हूँ। प्रत्येक ने अपने साथी से आदरपूर्वक कहा, “यह कितना अजीब है कि दुनिया इस आदमी से कितना प्रेम करती है और उसके किसी भी स्थान पर पहुँचते ही उसका सम्मान करने के लिए दौड़ पड़ती है। सोचो, ट्रॉय के विनाश से वह कितना खजाना लेकर आया है, जबकि हम, हर मुश्किल और खतरे में उसके साथी, खाली हाथ लौट रहे हैं। यहाँ तो ऐसा लग रहा है जैसे ईओलस सम्मान के प्रतीक के रूप में उस पर और अधिक बोझ डाल रहा है। चलो एक नज़र डाल कर देखते हैं कि इस बैल की खाल में सोने-चांदी का कितना खजाना छिपा है” – ये उनके ईर्ष्यालु शब्द थे। ईर्ष्या ने मेरे दल पर हावी हो गई। उन्होंने खाल खोली और हवाएँ एक साथ उमड़ पड़ीं, मानो उन सबको एक ही झटके में मार रही हों। तूफ़ान हमें विशाल समुद्र में, अपने वतन से दूर ले गया, जबकि दल ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा। मैं इस दृश्य को देखकर जागा और एक पल के लिए मन ही मन सोचने लगा कि क्या चुपचाप इतने बड़े दुर्भाग्य के बोझ को सहते हुए जीवित लोगों के बीच लंबे जीवन से बेहतर है कि मैं समुद्र में कूदकर डूब जाऊँ। फिर भी मैंने सहन करने और जीवित रहने का निश्चय किया; लेकिन फिलहाल मैं जहाज में लेट गया और अपना सिर ढँक लिया। मेरे चारों ओर मेरे साथी लगातार विलाप कर रहे थे, जबकि भयंकर आंधी जहाजों को वापस एयोलस द्वीप तक ले जा रही थी। वहाँ हम उतरे और पानी भरा; चालक दल ने जहाँ हम उतरे थे, वहीं जल्दी से भोजन तैयार किया।
जब मेरी भूख और प्यास मिट गई, तो मैंने एक नाविक और एक सेवक को साथ लिया
और फिर से ईओलस के प्रसिद्ध घर की ओर चढ़ाई की। जब मैं वहाँ पहुँचा, तो वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ भोजन कर रहा था। हम हॉल के प्रवेश द्वार के खंभों तक अंदर घुस गए और वहाँ बैठ गए। वे मुझे फिर से देखकर आश्चर्यचकित हुए और पूछा, “अब क्या हुआ, ओडीसियस? क्या यह वापसी किसी नए दुर्भाग्य का कारण है? हमने तो तुम्हें पूरे दिल से भेजा था, ताकि तुम अपने देश या जहाँ भी जाना चाहो, पहुँच सको?” मैंने दुखी होकर स्वीकार किया: “मेरे बुरे साथियों ने मुझे धोखा दिया – वे और असमय नींद, जिसने मुझे जकड़ लिया। फिर भी, मित्रों, अपनी क्षमता से इसकी भरपाई करो।” मैंने अपनी इस दलील को अत्यंत विनम्रता से समझाने की कोशिश की थी। वे चुपचाप मेरी ओर देखते रहे: केवल पिता ने ही कुछ कहा और गरजते हुए बोले: “तुरंत द्वीप से निकल जाओ, तुम

सबसे नीच प्राणी! क्या मैं ऐसे व्यक्ति का भरण-पोषण और संरक्षण करने की आदत बना लूँ जिसे देवता घृणा करते हैं? तुम्हारा वापस लौटना यह सिद्ध करता है कि तुमने उन अमर देवताओं की घृणा मोल ली है। निकल जाओ! निकल जाओ!” उनके शब्दों ने मुझे दुःख में घर से बाहर निकाल दिया। हमारी यात्रा अंधकारमय थी; और अब हवा भी साथ नहीं दे रही थी, इसलिए हमें लगातार चप्पू चलाने में मेहनत करनी पड़ रही थी, जिससे मेरे साथियों का धैर्य टूट रहा था।
यह यात्रा छह दिन और छह रातों की थी। सातवें दिन हम लामोस के किले में पहुँचे, जिसे वहाँ के लोग, लैस्ट्रिगॉन्स, 'ऊँची मीनार' के नाम से जानते हैं। उनके क्षेत्र में दिन और रात का समय इतना करीब होता है कि अपनी भेड़ों के साथ लौटता चरवाहा दूसरे चरवाहे से अभिवादन करता है जो चराने जा रहा होता है। एक बिना सोए आदमी वहाँ दुगनी कमाई कर सकता है, आधा समय भेड़ों की देखभाल करके और बाकी समय छोटे मवेशियों को चराकर। इसका बंदरगाह अच्छा है, क्योंकि चट्टानों की एक अटूट दीवार इसे चारों ओर से घेरे रहती है; जबकि समानांतर चट्टानें बाहर निकली हुई हैं जो संकरे प्रवेश द्वार को छुपाती हैं। हमारे पहुँचने पर मेरे अन्य जहाज के कप्तानों ने सीधे खाड़ी में जहाज ले जाकर वहाँ अपने जहाजों को एक दूसरे से कसकर बाँध दिया: हालाँकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था, क्योंकि बंदरगाह के अंदर कभी कोई लहर नहीं उठती थी, छोटी या बड़ी, बल्कि हमेशा एक सफेद शांति छाई रहती थी। हालाँकि मैंने अपने जहाज को बाहर, लेकिन पास ही रखा; हमने अपनी रस्सियों को किनारे पर स्थित एक चट्टान से कसकर बाँध दिया। मैं इसकी ऊबड़-खाबड़ ढलान पर चढ़कर शिखर से बाहर देखने लगा, लेकिन मुझे न तो मनुष्य के काम का कोई निशान दिखाई दिया और न ही जानवरों का: केवल जमीन की एक तह के पीछे से धुआं उठ रहा था।
मैंने अपने साथियों से कहा कि उन्हें इस क्षेत्र के रोटी खाने वालों
के बारे में पता लगाना चाहिए और मैंने उनमें से दो को भेजा, और तीसरे को संदेशवाहक के रूप में। वे किनारे पर उतरे और लकड़ी लादने के लिए इस्तेमाल होने वाले एक पुराने रास्ते पर चल पड़े। बस्ती से कुछ ही पहले उन्हें एक लड़की पानी भरती हुई मिली। लेस्ट्रिगोनियन एंटिफेट्स की सुगठित बेटी आर्टासिया के इस झरने पर आई थी क्योंकि शहर में इसके स्वच्छ बहते झरने से पानी भरने का रिवाज था। उन्होंने उसे प्रणाम किया और द्वीप के राजा और उसकी प्रजा के बारे में पूछा: उसने तुरंत अपने पिता के महल की ऊंची छतों की ओर इशारा किया: लेकिन जब वे उस बड़े घर में पहुंचे तो उन्होंने अंदर उसकी

पत्नी को पाया, एक पहाड़ी जैसी महिला जिसका भयानक रूप देखकर वे भयभीत हो गए। उसने अपने शक्तिशाली पति एंटिफेट्स को सभा से बुलाया। उसका इरादा मेरे आदमियों की बेरहमी से हत्या करने का था। उसने पहले आदमी को पकड़ लिया और उसे तुरंत खाने के लिए आगे बढ़ा। बाकी दो तेज़ी से भाग निकले और जहाज़ों पर वापस पहुँच गए, जबकि घर का मुखिया पूरे शहर में खतरे की घंटी बजा रहा था। इससे हज़ारों की संख्या में बलिष्ठ लेस्ट्रिगॉन्स बेतहाशा उमड़ पड़े
– ये दिखने में इंसान जैसे नहीं, बल्कि दानव जैसे थे। उन्होंने एक आदमी के वज़न के बराबर पत्थर इकट्ठा किए और चट्टानों से हम पर फेंके। जहाज़ों के टूटने और मरते हुए लोगों की भयानक आवाज़ें सुनाई देने लगीं, जबकि स्थानीय लोग मेरे लोगों को मछलियों की तरह भाले से मार रहे थे और उन्हें अपना घिनौना भोजन बनाने के लिए इकट्ठा कर रहे थे।
जब वे तंग बंदरगाह में सभी को मारने में इतने मशगूल थे, तो मैंने अपनी
नाव से नुकीला हैंगर निकाला और अपने काले रंग के जहाज की रस्सियाँ काट दीं, साथ ही अपने ईमानदार चालक दल को आदेश देते हुए चिल्लाया कि अगर हमें भयानक भाग्य से बचना है तो उन्हें अपने चप्पू तेज़ी से चलाने होंगे। मौत के डर से वे सब एक साथ पानी में फूँकने लगे, और मेरा जहाज ऊँचे-ऊँचे चट्टानों से निकलकर खुले समुद्र में आ गया। बाकी सभी जहाज जो अंदर गए थे, एक साथ डूब गए: इसलिए हम बहुत निराश मन से आगे बढ़ते रहे, अपने सभी प्रिय साथियों को खो चुके थे (फिर भी इस सांत्वना के साथ कि हम अभी भी जीवित थे), जब तक कि हम एईया द्वीप पर नहीं पहुँच गए, जहाँ एक शक्तिशाली देवी रहती थी - हालाँकि वह हमारी भाषा बोलती थी - घने बालों वाली सिरसे, जादूगर एईटेस की सगी बहन। दोनों हेलिओस, मानव जाति को प्रकाशित करने वाले सूर्य, की संतानें थीं, और उनकी माता ओशनस की पुत्री पर्से थीं।
ईश्वरीय मार्गदर्शन से हम चुपचाप उसके चारों ओर से घिरे बंदरगाह में पहुँच गए, सीधे समुद्र तट पर: और दो दिन और दो रात वहीं पड़े रहे, थकान और दर्द से हमारे दिल व्याकुल थे। लेकिन जब तीसरी सुबह की सुनहरी किरणें फूट पड़ीं, तो मैंने अपना भाला और तेज तलवार उठाई और जहाज से तेजी से निकटतम ऊँची जगह की ओर चल पड़ा, इस उम्मीद में कि शायद मुझे कोई इंसान दिखाई दे या उसकी आवाज सुनाई दे। मेरी निगरानी वाली चट्टान से मुझे विशाल भूभाग से धुआँ उठता दिखाई दिया, उस जंगल में जहाँ सिरसे का घर था, वहाँ से बलूत के घने पेड़ों के बीच से। मेरा मन और दिमाग दुविधा में थे कि क्या मुझे तुरंत

उस जगह की खोज करनी चाहिए जहाँ मैंने आग की लपटों वाला धुआँ देखा था या नहीं। सबसे बुद्धिमानी यही लगी कि पहले किनारे और जहाज पर जाऊं, राशन बाँटूँ, और फिर अपने कुछ आदमियों को खोज दल के लिए चुनूँ। मैं नीचे जा रहा था और जहाज के पास ही पहुँच गया था कि तभी किसी देवता को मेरी दयनीय स्थिति पर दया आ गई और उसने मेरे रास्ते में सींगों वाला एक विशाल हिरण भेज दिया। सूरज की गर्मी से वह जानवर उस जंगल से निकलकर, जहाँ वह चर रहा था, नदी में पानी पीने चला गया था। जब वह पानी से बाहर आ रहा था, तभी मैंने उसकी रीढ़ की हड्डी पर, पीठ के बीचोंबीच वार किया। मेरा तांबे का हथियार आर-पार हो गया, और वह बस एक कराह के साथ धूल में गिर पड़ा और मर गया। मैंने एक पैर उसके शव पर रखा और घाव से भाले की नोक निकाली। फिर मैंने भाले की नोक को पास ही ज़मीन पर रख दिया और टहनियों और लट्ठों को तोड़कर लगभग छह फुट लंबी रस्सी बनाई, जिसे मैंने अच्छी तरह से बुना। इस रस्सी से मैंने अपने शिकार के चारों पैर बांधे, अपना सिर उसमें से निकाला और बोझ के नीचे लड़खड़ाते हुए, भाले की नोक का सहारा लेकर, जहाज़ की ओर चल पड़ा। जानवर इतना विशालकाय था कि उसे कंधे पर उठाना और हमेशा की तरह खाली हाथ से संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल था।
मैंने इसे अपने जहाज के सामने किनारे पर रख दिया और मीठे शब्दों से प्रत्येक व्यक्ति को बुलाया। “मित्रों, अत्यधिक दुःख के कारण हम अपने समय से एक दिन पहले देहांत में नहीं जा सकते। इसलिए जब तक जहाज में भोजन और पेय है, तब तक हम अपने पेट का ध्यान रखें और भूख से मरने से बचें।” उन्होंने मेरी सलाह तुरंत मान ली। सभी ने अपने लबादे उतार दिए; समुद्र के किनारे खड़े होकर वे मेरे अद्भुत और शानदार शिकार, हिरण को निहारने लगे। जब वे जी भर कर देख चुके, तो उन्होंने अपने हाथ धोए और एक शानदार दावत तैयार की, जिस पर हम सूर्यास्त तक बैठकर भरपूर हिरण का मांस खाते और शराब पीते रहे। जब सूरज डूब गया और अंधेरा छा गया, तो हम समुद्र के किनारे सो गए: लेकिन भोर होते ही मैंने सभी को एक सभा बुलाई और कहा: –
“मेरे शब्दों को सुनो, साथियों; हम बेहद मुश्किल में हैं। मेरे
मित्रों, अब हम यह नहीं जान पा रहे हैं कि पूरब है या पश्चिम, न ही हम सूर्योदय और अंधकार के बीच अंतर कर पा रहे हैं; न ही यह कि हमारा प्रकाश, सूर्य, पृथ्वी के नीचे कहाँ डूबता है और कहाँ से उगता है। इसलिए यदि किसी के पास कोई सलाह हो तो वह जल्दी से बता दे। मैं स्वीकार करता हूँ कि मेरे

पास कोई योजना नहीं है और मुझे लगता है कि कोई योजना है भी नहीं। समझ लो कि हाल ही में मैं पहाड़ी पर देखने गया था, और मैंने देखा कि यह एक द्वीप है जिसे असीम समुद्र एक माला की तरह घेरे हुए है। द्वीप समतल है और मेरी आँखों ने देखा कि उसके मध्य में घने जंगल के बीच से धुआँ उठ रहा था।” मेरी खबर सुनकर उनके कोमल मन दुखी हो गए, क्योंकि उन्हें लैस्ट्रिगोनियन एंटीफेट्स का अत्याचार और साइक्लोप्स की अत्यधिक नरभक्षी क्रूरता याद आ गई। वे जोर-जोर से विलाप करने लगे, बड़े-बड़े आँसू बहाने लगे: फिर भी इस विलाप का कोई लाभ नहीं था। इसलिए मैंने अपने कवचधारी अनुयायियों की गिनती की और उन्हें दो भागों में बाँट दिया, प्रत्येक का अपना नेता था। एक भाग मेरा होगा और दूसरा भाग देवतुल्य यूरिलोचस ने संभाला। हम दोनों ने एक साथ तांबे का एक मुकुट उछाला यह देखने के लिए कि कौन जाएगा। उसका मुकुट निकल आया, इसलिए लंबा-चौड़ा यूरिलोचस अपने बाईस आदमियों के साथ चला गया, वे सब जोर-जोर से रो रहे थे। मेरे साथ रुके हुए बाईस लोग भी सहानुभूति में रोने लगे।
दल जंगल के संकरे रास्तों से होते हुए तब तक आगे बढ़ता रहा जब तक
उन्हें सर्सी के घर की गढ़ी हुई दीवारें नहीं मिल गईं, जो ग्रामीण इलाके के नज़ारे वाली जगह पर बनी थीं। पहाड़ियों से भेड़िये और शेर, जो उसके जादूई औषधियों के शिकार थे, घर के आसपास घूम रहे थे। इन्होंने मेरे आदमियों पर हमला नहीं किया, बल्कि अपनी लंबी पूंछें हिलाते और उन्हें प्यार से सहलाते रहे, जैसे कुत्ते अपने मालिकों के पैरों पर दुलार करते हैं जब वे दावतों से उनके लिए कुछ स्वादिष्ट भोजन लाते हैं: ये शेर और मजबूत पंजों वाले भेड़िये मेरे आदमियों के चारों ओर इतने आनंद से उछल-कूद कर रहे थे कि मेरे आदमी, जो इन अजीब और डरावने पालतू जानवरों के बीच सहमे हुए थे, सहला रहे थे। घर के द्वार के बाहर से उन्होंने सुंदर गुंथे बालों वाली देवी सर्सी को अंदर बड़े करघे पर मधुर गीत गाते हुए सुना, जैसे वह इधर-उधर घूम रही हो और अपनी शटल से देवी-देवताओं की तरह ही कोई जीवंत और चमकदार कपड़ा बुन रही हो। पोलिट्स, जो मेरे बहुत करीबी और प्रिय एक दल-नेता थे, ने तब दूसरों से कहा: “साथियों, करघे पर यह आवाज़, जो इतनी जोश से गा रही है कि ज़मीन गूंज रही है, एक स्त्री की आवाज़ है – या तो किसी स्त्री की या किसी देवी की। चलो उसे वापस आवाज़ दें।” वे सहमत हुए और ज़ोर से चिल्लाए। वह तुरंत आई और उन्हें अंदर आने के लिए अपने दरवाज़े खोल दिए। अपनी सरलता में वे सभी उसके पास चले गए: यूरिलोकस को छोड़कर, जिसे किसी चाल का संदेह हुआ और वह पीछे रह

गया। उसने उन्हें सिंहासनों और कुर्सियों पर बिठाया और उनके लिए जौ के आटे और शुद्ध शहद के साथ पनीर का एक स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किया, जिसे प्रमनियन शराब में मिलाया गया था। इसमें उसने इतनी शक्तिशाली दवाइयाँ मिलाईं कि उनसे उनकी जन्मभूमि की सारी यादें मिट गईं। प्याला पीने के बाद उसने उन्हें अपनी छड़ी से मारा; और तुरंत उन्हें अपने बाड़ों में ले गई, क्योंकि उनके सिर, आकार और बाल सूअरों जैसे हो गए थे, और उनकी आवाज़ भी सूअरों जैसी हो गई थी। केवल उनकी बुद्धि पहले की तरह ही स्थिर रही; इसलिए जब उन्होंने खुद को सूअरों के बाड़ों में बंद पाया तो वे चीख-चीख कर शोक मनाने लगे। तभी सिरसे ने उनके सामने बलूत, शाहबलूत और कॉर्नल फल जैसा चारा डाला, जिसे सूअर आमतौर पर खाते हैं।
यूरिलोकस धीरे-धीरे जहाज की ओर मुड़ा और अपने साथियों के दुखद अंत की खबर देने लगा। हम सब उसके चारों ओर जमा हो गए थे, फिर भी उसने बार-बार हमें बताने की कोशिश की, पर उसका हृदय दुःख से टूट चुका था: उसकी आँखें आँसुओं से भरी थीं: उसका सारा मन विलाप करने के लिए तड़प रहा था। अंत में वह हमारे सवालों की बौछार का सामना कर सका और त्रासदी का वर्णन किया। “ओडीसियस, महाराज, जैसा आपने आदेश दिया था, हम जंगल से होकर गए: और खुले मैदान में हमें तराशे हुए पत्थरों से बना एक भव्य घर मिला, जो ऊँचा खड़ा था। अंदर एक करघे से एक देवी या स्त्री की मधुर आवाज आ रही थी। हमने चिल्लाया। उसने दरवाजा खोला और हमें अंदर आने के लिए आमंत्रित किया। हम सब बिना सोचे-समझे अंदर घुस गए, सिवाय मेरे, जिसे लगा कि कोई छल है: और उसी क्षण से वे सब गायब हो गए। हालाँकि मैं वहाँ काफी देर तक बैठा रहा, फिर भी कोई वापस नहीं आया।” उसकी खबर सुनकर मैंने अपनी लंबी, चांदी की मूठ वाली, तांबे की भारी धार वाली तलवार अपने कंधे पर टांग ली: और फिर अपना धनुष: और उसे उसी रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए कहा जिस रास्ते से वह गया था। उसने मेरे हाथ पकड़े और घुटनों के बल बैठकर मुझे गले लगाया, आँसू भरी आँखों से मुझसे विनती करते हुए बोला, “हे ज़्यूस के पुत्र, मुझे वापस मत भेजो। मुझे यहीं रहने दो: या फिर हम (जो अभी जीवित हैं) तुरंत भाग जाएँ और इस बुरे दिन से बच निकलें। अगर तुम जाओगे तो वापस नहीं लौटोगे – और बाकी लोगों को तो ला ही नहीं पाओगे।” मैंने ऊँची आवाज़ में उत्तर दिया, “हे यूरीलोकस, अगर तुम्हें अच्छा लगे तो यहीं नाव में रहो, खाते-पीते रहो: लेकिन मैं जा रही हूँ। मुझे जाना ही होगा।”

मैंने जहाज और किनारे को छोड़कर घने जंगल में प्रवेश किया, जब तक कि
मैं औषधि विशेषज्ञ सिरसे के महान घर के पास नहीं पहुँच गया; तभी वहाँ से सोने की छड़ी वाला हर्मेस मुझसे मिलने आया, जो देखने में बिल्कुल जवान लग रहा था, उस उम्र का जब जवानी सबसे प्यारी लगती है, उसके गालों पर हल्के- हल्के रोएँ आ रहे होते हैं। उन्होंने मेरा नाम पुकारा और मेरा हाथ पकड़कर कहा: “हे अभागे, क्या तुम फिर से अकेले जंगल में जाने का जोखिम उठा रहे हो? तुम्हारे अनुयायी, जो देखने में सूअरों से कम नहीं हैं, सिरसे के घर के गहरे बाड़ों में बंद हैं। क्या तुम उन्हें आज़ाद कराने आए हो? मैं तुमसे कहता हूँ, तुम बच नहीं पाओगे बल्कि दूसरों के साथ मिल जाओगे और उनके साथ कैद हो जाओगे। लेकिन सुनो: मैं तुम्हें एक शक्तिशाली औषधि से बचा सकता हूँ और इस बुराई से मुक्ति दिला सकता हूँ, जिसके प्रभाव से तुम सिरसे के घर में प्रवेश कर सकते हो और फिर भी अप्रभावित रहोगे। सिरसे की घातक कलाओं के बारे में सुनो। वह तुम्हारे लिए जलपान तैयार करेगी और उसमें ज़हर छिपाएगी: लेकिन उसके जादू तुम पर असर नहीं करेंगे, क्योंकि यह रक्षा कवच तुम्हें दिया जा रहा है। मैं तुम्हें तुम्हारी कार्ययोजना समझाता हूँ। जब सिरसे अपनी लंबी पतली छड़ी से तुम पर प्रहार करे, तो अपनी कमर पर रखी तेज़ तलवार निकालो और उसकी ओर ऐसे बढ़ो जैसे तुम उसे मार डालना चाहते हो। वह डर जाएगी और तुमसे विनती करेगी कि तुम उसके साथ बिस्तर पर सो जाओ: और तुम्हारे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि तुम इस दिव्य प्रेमिका को ठुकराओ नहीं, बल्कि उसके साथ झूठ बोलने को अपने अनुयायियों को मुक्त कराने और अपने लिए अनुकूल व्यवहार प्राप्त करने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करो। लेकिन यह सुनिश्चित कर लो कि वह देवताओं की महान शपथ ले कि वह तुम्हारे विरुद्ध और अधिक बुराई करने का प्रयास नहीं करेगी, अन्यथा वह तुम्हारी नग्नता का फायदा उठाकर तुम्हें शर्मनाक तरीके से नपुंसक बना देगी।
इस स्पष्टीकरण पर, आर्गस के संहारक ने ज़मीन से वह जड़ी बूटी उखाड़ी जिसका उसने मुझसे वादा किया था। देवता इसे मोली कहते हैं, और उसने मुझे इसकी प्रकृति दिखाई, कि इसकी जड़ काली होती है और फूल दूधिया होता है। मनुष्यों और नश्वरों के लिए मोली को खोदना मुश्किल होगा; लेकिन देवता सब कुछ कर सकते हैं। इसके बाद हर्मीस उस वन द्वीप को छोड़कर ऊंचे ओलंपस के लिए रवाना हो गया; और मैं अशांत मन से सिरसे के घर की ओर चल पड़ा। मैं उसके द्वार पर रुका और पुकारा। देवी ने सुना, द्वार खोला और मुझे अंदर आने को

कहा। अनिच्छा से मैं अंदर गया। उसने मेरे लिए चांदी से जड़ा एक सिंहासन स्थापित किया, जिसमें पैर रखने के लिए आसन भी था, जो सुंदर और कलात्मक कारीगरी का था। उसने मेरे लिए एक सोने के प्याले में पेय तैयार किया, उसमें मेरे विनाश का एक घूंट डाला और मुझे दे दिया। मैंने उसे लिया और पी लिया, बिना किसी नुकसान के; लेकिन वह उठी और अपनी छड़ी से मुझे मारा, चिल्लाते हुए बोली: “जाओ अपने बाड़े में, अपने दोस्तों के साथ वहीं लोटपोट हो!” इसके बजाय मैंने तलवार तेज़ी से निकाली और उछलकर उसे जान से मारने का नाटक किया। वह चीखी, मेरे वार से बचने के लिए दौड़ी और आँसुओं से लथपथ होकर मेरे घुटनों को पकड़ लिया, और विलाप करते हुए बोली, “तुम किस तरह के आदमी हो; किस शहर या खानदान से हो? यह चमत्कार ही है कि तुमने मेरा पेय पी लिया और तुम पर जादू नहीं हुआ। आज तक, किसी भी आदमी ने इस औषधि का विरोध नहीं किया, एक बार जब यह उसके होठों से लगकर उसके जबड़े को पार कर गई। तुम्हारा अदम्य मन कितना दृढ़ होगा! तुम निश्चय ही चतुर ओडीसियस हो, जो यहाँ आएगा (जैसा कि सोने की छड़ी वाला आर्गसबेन अक्सर मुझे बताता है) ट्रॉय से अपने जहाज में। मैं तुमसे विनती करती हूँ कि अपनी तलवार म्यान में रख लो और हम दोनों साथ लेट जाएँ, ताकि हम अपने शरीरों को मिला सकें और प्रेम और संभोग के प्रमाणों से एक-दूसरे पर भरोसा करना सीख सकें।”
लेकिन उसकी विनती पर मैंने उत्तर दिया: “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई
मेरी कृपा मांगने की, जब तुमने मेरे घर के सेवकों को सूअरों में बदल दिया है, और जब तुम मुझे अपने बिस्तर पर केवल एक चालाकी भरी चाल से बुलाती हो ताकि मुझे नग्न अवस्था में अपने साथ ले जाकर मेरा अंग-भंग कर सको और मेरी मर्दानगी छीन सको। इसलिए मैं तुम्हारे उस बिस्तर पर तब तक नहीं आऊंगा जब तक तुम, देवी, यह शपथ न ले लो कि तुम मेरे विरुद्ध आगे कोई दुर्भावना नहीं रखोगी।” मैंने ऐसा कहा, और उसने तुरंत वह शपथ ले ली जिसकी मुझे आवश्यकता थी। जैसे ही उसने शपथ ली, मैं सिरसे के शानदार बिस्तर पर चला गया।
इसी बीच, उसके घर की देखभाल करने वाली चारों दासियाँ हॉल में अपने-अपने काम में लगी हुई थीं। वे बहते झरनों, जंगलों और खारे समुद्र में गिरने वाली पवित्र नदियों की संतानें हैं। पहली दासी पतले आवरण के ऊपर भव्य बैंगनी चादर से सीटों को ढक रही थी। दूसरी दासी इन सीटों के लिए चांदी की मेजें सजा रही थी और उन पर सोने की टोकरियाँ रख रही थी। तीसरी दासी चांदी के कुंड में शहद से मढ़ा हुआ मदिरा घोल रही थी और सोने के प्याले सजा रही थी। चौथी

दासी पानी लाकर एक बड़े तांबे के बर्तन के नीचे आग जला रही थी, जब तक कि पानी गर्म नहीं हो गया। अंत में, पॉलिश किए हुए कड़ाहे में पानी उबलने लगा। फिर उसने मुझे एक टब में बिठाया और बड़े तिपाई से लिए गए पानी से धोया, जिसे एक सुखद गर्माहट तक पतला किया गया था; मेरे सिर और कंधों को तब तक धोया जब तक कि मेरे अंगों से जीवन-नाशक थकान पिघल नहीं गई। जब उसने मुझे शुद्ध जैतून के तेल से धोकर मालिश कर दी, तो उसने मुझे एक कुर्ता और लबादा ओढ़ाकर फिर से चांदी की नक्काशी वाले सिंहासन पर बिठा दिया, मेरे पैरों के नीचे पायदान था। जब मैंने अपने हाथ धोए, तो कलश वाली युवती ने अपने सोने के पात्र से चांदी के पलंग में पानी भर लिया। उसने मेरे पास एक चमकदार मेज खींची: और एक सजीव महिला ने मुझे खुशी-खुशी गेहूं की रोटी और अपनी पसंद की कुछ चीजें भेंट कीं। उसने मुझे खाने के लिए ज़ोर दिया, लेकिन खाना मेरे मन को भा नहीं रहा था, क्योंकि मेरे विचार कहीं और ही लगे हुए थे। इसलिए मैं वहाँ उदास बैठा रहा।
सर्सी ने मुझे देखा कि मैं अपने कष्टों के कारण भोजन किए बिना चुपचाप बैठा हूँ। वह मेरे पास आई और उसने विनती से पूछा, “ओडिसीयस, तुम यहाँ मूक बैठे क्यों हो, अपने हृदय को कुरेदते हुए, लेकिन भोजन और पेय को हाथ भी नहीं लगा रहे? क्या तुम्हें अब भी मुझ पर छल का संदेह है? डरो मत: मैंने तुमसे जो शपथ ली है, वह बाध्यकारी है।” मैंने उत्तर दिया, “सर्सी, कोई भी भले आदमी अपने साथियों को मुक्त किए बिना और उन्हें अपनी आँखों के सामने लाए बिना कैसे खा-पी सकता है? यदि तुम सचमुच चाहती हो कि मैं भोज करूँ, तो उन्हें मुक्त करो और मेरे प्रिय पुरुषों को मेरे सामने आने दो।” यह कहते ही सर्सी हाथ में छड़ी लिए घर से बाहर निकली, सूअरखाने के दरवाजे खोले और नौ साल के मोटे सूअरों के झुंड को बाहर निकाल दिया। जब वे सब उसके सामने आ गए, तो वह उनके बीच गई और प्रत्येक पर एक विशेष लेप लगाया। फिर उनके शरीर से वे खुरदुरे बाल झड़ गए जो देवी द्वारा दिए गए विष के प्रभाव से उग आए थे। वे फिर से पुरुषों की ओर मुड़ गए, जैसे पहले मुड़े थे, लेकिन अब वे पहले से अधिक युवा, तरोताज़ा और लंबे दिख रहे थे। वे मुझे भी जानते थे: हर एक मेरे हाथों में अपना सिर रखने के लिए आगे आया। प्रेम की तड़प से भरा एक ऐसा दुख उनके भीतर समा गया कि उनके सिसकने से पूरा भवन गूंज उठा। यहां तक कि देवी भी भावुक हो गईं।

बाद में वह मेरे पास आई और बोली, “लार्टेस के पुत्र, अब जाओ और किनारे
पर खड़ी अपनी नाव को पहले सूखी ज़मीन पर खींच लाओ; फिर उसके सामान और माल को मेरी गुफाओं में रख दो। जल्दी करो और अपने सभी साथियों के साथ लौट आओ।” मेरा विवेक उसके विवेक से मेल खाता था: इसलिए मैं समुद्र तट पर गया जहाँ मेरे सैनिक गहरे शोक में डूबे हुए थे और खूब रो रहे थे। मेरे पहुँचते ही वे मेरी ओर दौड़े, जैसे देश के बछड़े गायों के पास दौड़ते हैं जब झुंड, घास खाकर तृप्त होकर, गोबर के बाड़े में लौटता है। अपनी माँ को देखते ही बछड़े इतनी ज़ोर से उछलते हैं कि उनके बाड़े उन्हें संभाल नहीं पाते: वे आज़ाद हो जाते हैं, लगातार रंभाते और खेलते रहते हैं। ठीक वैसे ही मेरे साथियों ने मुझे साफ़ देखकर रोना शुरू कर दिया और मेरे चारों ओर जमा हो गए। उनके दिलों में मेरा आना एक पल के लिए ऐसा था मानो वे अपने जन्म और पालन-पोषण के शहर, अपने घर इथाका पहुँच गए हों। उनका शोक मार्मिक शब्दों में फूट पड़ा: “हे स्वर्ग में जन्मे, आपके लौटने पर हम ऐसे प्रसन्न हुए मानो हमने अपने वतन इथाका को फिर से देख लिया हो। लेकिन अब हमें उन अन्य मित्रों के बारे में बताइए, कि वे कैसे मरे।”
मैंने उन्हें दिलासा देने की कोशिश करते हुए जवाब दिया: “नहीं: इसके
बजाय हम पहले अपने जहाज को किनारे पर लाएंगे और उसका सारा सामान गुफाओं में रखेंगे। फिर तुम सब मेरे पीछे-पीछे आना, उन लोगों को देखने के लिए जो सिरसे के पवित्र घर में दावतें कर रहे हैं और एक-दूसरे से वादे कर रहे हैं। वे विलासिता में हैं।” यह मेरी बात थी और तुरंत सबने मेरी बात मान ली, सिवाय यूरिलोकस के, जो अलग खड़ा था और बाकी लोगों को रोकना चाहता था। उसने उन्हें तीखी फटकार लगाई: “बेचारे मूर्खों, अब आगे क्या? क्या तुम्हें कष्ट इतना पसंद है कि तुम फिर से सिरसे के पास जाओगे और सब सूअर, भेड़िये या शेर बन जाओगे, और उसके बड़े घर की रखवाली करने के लिए मजबूर हो जाओगे? साइक्लोप्स को भी ऐसा ही मौका मिला था जब हममें से कुछ लोग बेसुध ओडीसियस के साथ उसकी निजी गुफा में गए थे: उस आदमी की जल्दबाजी के कारण उन्हें वहाँ से निकाल दिया गया था।” उसके शब्दों से मुझे इतना गुस्सा आया कि मैंने मन ही मन सोचा कि अपनी विशाल जांघ से लंबी तलवार निकालकर उसे मार डालूँ, उसका सिर धूल में मिला दूँ, हालाँकि वह मेरा करीबी रिश्तेदार था, मेरी बहन का पति था। लेकिन बाकी लोगों ने हमें अलग किया और मुझे दिलासा देते हुए कहा, “ज़्यूस के पुत्र, हम सिरसे के पवित्र निवास तक आपके मार्गदर्शन की

प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस आदमी के लिए, यदि आप उचित समझें, तो हम उसे यहाँ जहाज के पास रखवाले के रूप में छोड़ सकते हैं।” वे बोले और समुद्र से रवाना हो गए। लेकिन यूरिलोकस जहाज से पीछे नहीं छूटा। वह भी मेरे द्वारा किए गए क्रूर दुर्व्यवहार से कांपते हुए मेरे साथ आया।
इसी बीच, सर्सी ने अपने घर में मेरे साथियों के लिए स्नान की व्यवस्था
की थी, जिसमें जैतून का तेल, ऊनी वस्त्र और बाहरी वस्त्र उपलब्ध कराए गए थे। इसलिए हमने उन्हें पूरी तरह सजे-धजे पाया और वे हॉल में दावत कर रहे थे। जब हर किसी ने दूसरे को देखा और आमने-सामने पहचान लिया, तो उनकी आँखों से फिर से आँसू बहने लगे और वे इतनी ज़ोर से रोने लगे कि पूरे कमरे में उनकी आवाज़ गूँज उठी। देवी मेरे पास आईं और बोलीं: “लाएर्टेस के पुत्र, ऐसे दुःख में और अधिक समय तक मत लिप्त रहो। मैं भली-भांति जानती हूँ कि मछलियों से भरे समुद्रों में तुम्हें कितना कष्ट सहना पड़ा, और तटों पर हिंसक पुरुषों द्वारा तुम पर किए गए अत्याचारों को भी। परन्तु अब इसे भूल जाओ। मेरी भेंट खाओ और मेरी मदिरा पियो, जब तक तुम्हारा साहस वापस न आ जाए, ठीक वैसे ही जैसे बहुत समय पहले बीहड़ इथाका में, जब तुमने पहली बार अपने पैतृक घर छोड़े थे। देखो, तुम अपनी भटकन की बुराई पर लगातार सोचते-सोचते कितने थके और दुखी हो गए हो! तुम्हारा कष्ट इतना लंबा और भयानक रहा है कि तुम्हारा हृदय भोज और आनंद से विमुख हो गया है।” हमारे स्वाभिमान ने उनकी सलाह मान ली और हम दिन-प्रतिदिन एक वर्ष बीतने तक मेज पर बैठकर उनके अथाह मांस और मधुर मदिरा का आनंद लेते रहे। धीरे-धीरे वर्ष पूरा हो गया, जैसे- जैसे ऋतुएँ बदलती गईं और महीने समाप्त होते गए, और फिर से लंबे दिन आ गए। तब मेरे साथियों ने मुझे एक तरफ ले जाकर कहा: –
“हे स्वामी, अब समय आ गया है कि आप अपनी जन्मभूमि को याद करें, यदि
भाग्य आपको कभी आपके सुसज्जित घर और प्राचीन जागीर में वापस आने दे।” उन्होंने ऐसा कहा, और मेरे कुलीन वर्ग ने उनकी बात मान ली। उस अंतिम दिन हम सूर्यास्त तक भरपूर मांस और शराब का आनंद लेते रहे। लेकिन जब रात हो गई और सभी लोग अंधेरे कक्षों में लेट गए, तो मैं सिरसे के सुंदर पलंग पर चढ़ गया और उनके घुटनों के बल बैठकर उनसे प्रार्थना की। देवी ने मेरी प्रार्थना सुनी और मेरे शब्दों को आत्मसात किया: “हे सिरसे, अब मुझे वह प्रतिज्ञा पूरी करने की कृपा कीजिए जो आपने इतनी उदारता से की थी, मुझे मेरे घर तक पहुँचाने में मेरी सहायता कीजिए। मेरा हृदय इस विचार से व्याकुल है, और

मेरे सैनिकों का भी। जब आप अनुपस्थित होती हैं, तो वे मेरे चारों ओर आ जाते हैं और जाने की अपनी लालसा से मेरी शांति भंग कर देते हैं।” इस प्रकार मैंने प्रार्थना की। सुंदर देवियों की देवी ने मुझे उत्तर दिया: “ज़्यूस के वंशज, लेर्टेस के पुत्र, बुद्धिमान ओडीसियस: तुम्हारी इच्छा के विरुद्ध तुम्हें मेरे घर में नहीं रखा जा सकता। फिर भी जान लो कि तुम्हारी अगली यात्रा एक विचित्र गंतव्य की होगी, यहाँ तक कि हेड्स और भयानक पर्सेफोन के घर तक, थेब्स के टेरेसियस की आत्मा से सलाह लेने के लिए, उस दृष्टिहीन पैगंबर से जिसकी निर्णय की सत्यनिष्ठा मृत्यु के बाद भी जीवित है। पर्सेफोन ने उसके लिए यह निर्णय दिया है कि केवल वही, भले ही वह मर चुका हो, जान सकता है: बाकी सभी मृत आत्माएँ निरर्थक रूप से भटकती हुई परछाइयाँ हैं।”
वह चुप हो गई: और मेरा प्रेममय हृदय फिर से टूट गया। मैं उसके बिस्तर पर बैठी रोती रही, और मेरी आत्मा को सूर्य की चमक को महसूस करने या देखने की कोई इच्छा नहीं रही: जब तक कि मैं रो-रोकर और खुद को असहाय महसूस करते-करते थक नहीं गई। तब मैंने फिर से हिम्मत जुटाई और पूछा: “पर हे सिरसे, इस मार्ग पर हमारा मार्गदर्शन कौन कर सकता है? कोई भी मनुष्य हमारे काले जहाजों में बैठकर कभी भी पाताल लोक तक नहीं पहुंचा है।” तब देवियों की देवी ने उत्तर दिया, “जहाज के लिए नाविक की आवश्यकता की चिंता न करो। मस्तूल लगाओ, पाल उठाओ और फिर शांति से बैठ जाओ। उत्तरी हवाएँ तुम्हें वहाँ ले जाएँगी। जब तुम सागर नदी पार कर लोगे, तो तुम्हें पर्सेफोन का किनारा और उसके ऊँचे चिनार और बीज से झुलसे विलो के पेड़ों का उपवन मिलेगा। अपने जहाज को वहाँ गहरे भंवर वाले सागर के किनारे पर लगाओ और स्वयं पाताल लोक के नम घर की ओर जाओ। वहाँ पिरिफ्लेगेथॉन (कोकिटस के साथ, जो स्टिक्स नदी की एक सहायक नदी है) एकेरॉन में मिलती है; एक चट्टान पर दोनों गर्जना करती नदियाँ मिलती हैं। वहाँ पहुँचकर, हे वीर, नदी के बिल्कुल पास जाओ और एक गड्ढा खोदो - इस तरह - लगभग एक हाथ चौड़ा, और उसके चारों ओर सभी मृतकों को पेय पदार्थ अर्पित करो, पहले शहद में मिला दूध, फिर मीठी शराब और अंत में पानी। इसके ऊपर सफेद मोती-जौ छिड़क दो। फिर दयनीय मृतकों के मुरझाए समूह पर गंभीरता से रोओ, और वादा करो जब तुम फिर से इथाका में होगे, तो अपने घर में उनके लिए एक उत्तम, शुद्ध बछिया को, भेंटों से सजी चिता पर अर्पित करना; और विशेष रूप से टेरेसियस के लिए, अपने झुंड में सबसे योग्य, एक काले रंग के मेढ़े

गया। वे जहाँ थे वहीं बैठ गए और विलाप करते हुए अपने बालों की लटें जड़ से नोचने लगे। हालाँकि, उनके विलाप से कोई फायदा नहीं हुआ।
हम बड़े दुख से समुद्र की ओर बढ़े, आँसू बहाते हुए। लेकिन इसी बीच
सिरसे हमसे आगे निकल गई, जहाज पर गई और वहाँ एक मेमना और एक काली भेड़ बाँध दी। भला कोई नश्वर आँख किसी ईश्वर को आते-जाते कैसे देख सकती है, जब वह प्रकट होना ही न चाहे?

पुस्तक 11

अंततः हम उस किनारे पर पहुँच गए जहाँ जहाज़ खड़ा था। हमने तुरंत उसे दिव्य सागर में उतारा, मस्तूल लगाया, पाल खोली और चल पड़े: भेड़ों को नहीं भूले, हालाँकि हमारा हृदय बहुत उदास था और हमारी आँखों से बड़े-बड़े आँसू बह रहे थे। गहरे रंग के अग्रभाग वाले जहाज़ के पीछे एक अनुकूल हवा चल रही थी, हमारी स्वागतित साथी, जो हमें दयालु और फिर भी विस्मयकारी देवी सिरसे की कृपा से मिली थी: इसलिए जब प्रत्येक व्यक्ति ने जहाज़ के प्रति अपना कर्तव्य पूरा कर लिया, तो हम बैठकर हवा और नाविक को हमें आगे ले जाते हुए देख सकते थे, दिन भर गहरे सागर में स्थिर गति से चलते हुए, हमारे पाल पूरी तरह से फड़फड़ाते हुए, सूर्यास्त तक और उसके अंधकार ने सागर के असीम पथों को ढक लिया। हम पृथ्वी के किनारे और उसके चारों ओर फैली सागर की नदी तक पहुँच गए थे, जहाँ बादलों से घिरी और धुंधली सी सिमेरियन लोगों की सीमाएँ हैं। उनके लिए कोई चमकता हुआ सूर्य-देवता जीवित प्रकाश नहीं बिखेरता, न सुबह जब वह तारों भरे आकाश में चढ़ता है, न ही दिन के अंत में जब वह स्वर्ग से धरती के पीछे उतरता है। इसके बजाय, एक अंतहीन मृत्युमय रात इसके उदास लोगों पर छाई हुई है।
हमने जहाज को उस किनारे पर लगाया और अपनी भेड़ों को उतार दिया। उनके
साथ हम समुद्र के तट पर तब तक आगे बढ़े जब तक हम उस स्थान पर नहीं पहुँच गए जिसका वर्णन सिरसे ने किया था। वहाँ पेरिमीडीज़ और यूरिलोकस ने बलि के बकरों को पकड़ रखा था जबकि मैंने अपनी कमर से तेज धार वाला ब्लेड निकाला और एक हाथ चौकोर और एक हाथ गहरा गड्ढा खोदा। उसमें मैंने मृतकों की सभा को पेय पदार्थ अर्पित किए, पहले शहद और दूध का पेय, फिर मीठी शराब, और अंत में पानी। मैंने अपनी चमकदार जौ की भेंट चढ़ाई; मैंने सभी निर्जीव मृतकों से प्रार्थना की, क्योंकि मेरा इरादा था कि जब मैं इथाका वापस जाऊँ तो मुझे एक गर्भवती न हुई बछिया मिले, जो मेरे जागीरों में सबसे अच्छी हो; जिसे उनके लिए बलि चढ़ाया जाए और खजाने से भरी चिता पर जलाया जाए। वहीं टेरेसियस के

लिए मैंने विशेष रूप से एक काले मेढ़े की मन्नत मानी, जो हमारे झुंडों में से सबसे उत्तम नर हो।
‘कब्र में रहने वाले लोगों से प्रार्थना करने के बाद, मैंने दो भेड़ों
को उठाया और उन्हें अपने गड्ढे के पार इस प्रकार काट डाला कि उनका पीला खून गड्ढे में बह गया। फिर एरेबस से मृत आत्माओं का झुंड मेरे पास आया। दुल्हनें और लड़के आए; बूढ़े और अनुभवी पुरुष; अपनी पहली पीड़ा से तड़पती कोमल लड़कियाँ; और कई योद्धा, जिनके शरीर पर पीतल के भालों के घाव थे – युद्ध के शिकार, अभी भी अपनी खून से सनी बाहों में। सभी खाई में जमा हो गए और एक भयानक विलाप के साथ बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगे। मुझे पीला भय सता गया। मैंने जल्दी से दूसरों को बुलाया और उन्हें आदेश दिया कि वे वहाँ पड़ी भेड़ों के शवों को जलाकर राख कर दें, जिन्हें मेरी निर्दयी तलवार ने काट डाला था।’ उन्होंने आज्ञा का पालन किया और लगातार देवताओं, महान हेड्स और भयानक पर्सेफोन का आह्वान करते रहे, जबकि मैं गड्ढे के ऊपर बैठा अपना तीक्ष्ण हथियार पकड़े हुए था ताकि मृतकों की इस लड़खड़ाती सेना को रक्त के पास आने से रोक सकूं जब तक कि मुझे टेरेसियस से मेरा उत्तर न मिल जाए। सबसे पहले मुझे अपने साथी एल्पेनोर की आत्मा का आभास हुआ, जिसका शरीर
अभी तक ज़मीन में दफ़नाया नहीं गया था। हम उसे सिरसे के महल में बिना रोए और बिना दफ़नाए ही छोड़ आए थे, क्योंकि हमें दूसरे काम बहुत ज़रूरी लग रहे थे। जब मैंने उसे देखा तो मुझे उस पर दया आई और मैंने उससे ज़ोर से कहा: ‘एल्पेनोर, तुम यहाँ इस अंधकारमय साये में कैसे आ गए? तुम्हारे पैर मेरे जहाज़ से भी तेज़ चल रहे हैं।’ उसने धीमी विलाप भरी आवाज़ में उत्तर दिया: ‘लार्टेस के पुत्र, तैयार ओडीसियस, किसी देवता के कठोर फैसले ने मेरी नियति तय कर दी है, साथ ही शराब के अत्यधिक सेवन ने भी। मैं सिरसे के घर की छत पर इस नशे को उतारने के लिए लेट गया था, लेकिन जागने पर भी इतना भ्रमित था कि लंबी सीढ़ी से छत से नीचे नहीं उतर सका। इसके बजाय मैं सीधे मुंडेर से नीचे गिर गया और मेरी गर्दन की हड्डी टूट गई: इसलिए मेरी आत्मा यहाँ पाताल लोक में आ गई है। फिर भी मैं आपसे विनती करता हूँ, मेरे प्रभु, जब आप घर लौटें तो मुझे याद रखें; मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी वापसी एईया के रास्ते ही होगी। हे मेरे प्रभु, मैं अपने पीछे छूटे हुए लोगों की कसम खाकर, जो अब हमारे बीच नहीं हैं – आपकी पत्नी और उस पिता की कसम खाकर, जिन्होंने बचपन में आपकी देखभाल की, और उस बच्चे टेलीमाकस की कसम खाकर, जिसे आपको अपने घर

में अकेला छोड़ना पड़ा – आपसे विनती करता हूँ कि मुझे बिना रोए और बिना दफनाए न छोड़ें, कहीं ऐसा न हो कि मैं आप पर ईश्वर का क्रोध लाने का मोहरा बन जाऊँ: बल्कि मेरे शरीर को, मेरे बचे हुए हथियारों और कवच सहित, आग में भस्म कर दें, और राख के ऊपर समुद्र के किनारे, जहाँ लहरें सफेद होकर टूटती हैं, एक टीला बना दें, जो आने वाले समय में एक दुखी व्यक्ति की कहानी सुनाए; और जब अनुष्ठान पूरे हो जाएँ, तो मेरे टीले के ऊपर वह चप्पू स्थापित कर दें जिसे मैंने अपने जीवन में अपने साथियों के बीच चलाया था।
उसने ऐसा कहा और मैंने उससे वादा किया: “दुर्भाग्यशाली, मैं ये सब काम ठीक-ठीक होते हुए देखूंगा।” तो हम दोनों वहाँ बैठकर एक-दूसरे के प्रति खेद व्यक्त कर रहे थे, मैं अपनी तलवार रक्त-कुंड के पार दृढ़ता से थामे बैठा था और मेरे अनुयायी का प्रेत उसके पार अपनी कहानी सुना रहा था। तभी मेरी मृत माता, दयालु ऑटोलिकस की पुत्री एंटिक्लिया की आत्मा मेरे पास आई। जब मैं पवित्र नगर इलियोस के लिए रवाना हुआ था, तब मैंने उसे जीवित ही छोड़ दिया था, इसलिए अब उसे देखकर मेरा हृदय पिघल गया और मैं तीव्र पीड़ा से रोने लगा। फिर भी मैंने उसे रक्त के पास नहीं आने दिया, क्योंकि मैं टेरेसियस से बात करने की प्रतीक्षा कर रहा था। और अंत में वह आया, थेबन टेरेसियस की आत्मा, हाथ में स्वर्ण राजदंड लिए। उसने मुझे पहचान लिया और कहा, “स्वर्ग में जन्मे ओडीसियस, अब क्या? हे दुर्भाग्य के पुत्र, इस आनंदहीन स्थान पर क्यों आ रहे हो जहाँ केवल मृत ही दिखाई देते हैं? गड्ढे से दूर हट जाओ और अपनी धमकी भरी तलवार ऊपर उठाओ ताकि मैं रक्त पी सकूँ और तुम्हें सत्य के वचन सुना सकूँ।” उसने ऐसा कहा और मैं पीछे हट गया, अपनी चांदी की मूठ वाली तलवार को म्यान में वापस डालते हुए: जबकि वह काले पड़ते खून को पी रहा था। तब निर्दोष द्रष्टा ने कहना शुरू किया: –
“हे महान ओडीसियस, तुम यहाँ आराम से घर लौटने की राह की तलाश में आए हो। मैं तुम्हें बता दूँ कि देवता तुम्हारा मार्ग कठिन बना देंगे। मैं तुम्हें बता दूँ कि तुम्हारी गतिविधियाँ पृथ्वी को हिला देने वाले देवता से गुप्त नहीं रहेंगी, जिसका हृदय तुम्हारे प्रति क्रोध से भरा है क्योंकि तुमने उसके प्रिय पुत्र साइक्लोप्स को अंधा करके उसे पीड़ा पहुँचाई थी। फिर भी, तमाम बाधाओं के बावजूद, तुम्हारे पास इथाका पहुँचने का एक मौका है, यदि तुम और तुम्हारे अनुयायी थ्रिनासिया द्वीप में अपने लालच पर काबू पा लें, जब तुम्हारा जहाज़ सबसे पहले वहाँ गिरते समुद्र से शरण लेने के लिए

रुके। क्योंकि उस द्वीप में तुम्हें हमारे सूर्य, हेलिओस के बैल और अद्भुत भेड़ें चरती हुई मिलेंगी, जो सब कुछ देखता और सुनता है। यदि तुम लौटने के बारे में इतने चिंतित हो कि इन जानवरों को चोट न पहुँचाओ, तो तुम अंततः बहुत थके-हारे इथाका वापस पहुँच सकते हो: लेकिन यदि तुम उनसे छेड़छाड़ करते हो, तो मैं तुम्हारे आदमियों और तुम्हारे जहाज़ के विनाश की पुष्टि करता हूँ; और यद्यपि तुम स्वयं जीवित बच जाओ, तो यह कई दिनों बाद, किसी जहाज़ में ही संभव होगा।” अजनबी, अकेले और दयनीय हालत में, जिन्हें तुम अपने सभी साथियों को खोने के बाद वापस लाओगे: जबकि तुम्हारे घर में तुम्हें मुसीबतें मिलेंगी, यहाँ तक कि अभिमानी पुरुष भी जो तुम्हारी पूजनीय पत्नी को रिझाने और उसके विवाह के फरमानों को लेकर गिड़गिड़ाने के बहाने तुम्हारी संपत्ति हड़प लेंगे। फिर भी तुम्हारे आने पर तुम उनकी हिंसा का बदला उन्हें ही मार डालोगे। इन प्रेमियों को घर के भीतर चालाकी से या सार्वजनिक रूप से अपनी तेज तलवार से मारने के बाद, अपनी सुंदर पतवार लेकर आगे बढ़ो जब तक तुम एक ऐसे लोगों के पास न पहुँच जाओ जो समुद्र को नहीं जानते और बिना नमक के अपना भोजन खाते हैं: एक ऐसा लोग जो बैंगनी रंग के जहाजों और चिकने और तराशे हुए चप्पुओं से अनभिज्ञ हैं जो जहाज के उड़ने के पंख होते हैं। मैं तुम्हें उनका यह प्रतीक देता हूँ, एक ऐसा स्पष्ट संकेत जिसे तुम चूक नहीं सकते: तुम पहुँच गए हो जब एक और राहगीर तुम्हें मिले और कहे कि तुम अपने मजबूत कंधे पर अनाज बिखेरने वाला, एक सूप लिए हुए हो। तब अपनी चमकीली पतवार को जमीन में गाड़ दो और अच्छे जानवरों की बलि दो। राजा पोसीडॉन को एक मेढ़ा, एक बैल और एक उग्र सूअर अर्पित करो। उसके बाद लौट आओ; और घर आकर स्वर्ग के विशाल मैदानों के स्वामी अमर देवताओं को बलि चढ़ाओ: सभी को क्रम से, जैसा उचित हो। अंत में, सुखी लोगों के बीच, तुम्हारी मृत्यु शांत भाव से, खारे समुद्र से दूर, तुम्हारे पास आएगी और बुढ़ापे की ओर बढ़ते-बढ़ते थके हुए व्यक्ति का अंत कर देगी। ये सभी बातें जो मैं बता रहा हूँ, सत्य हैं।
तो उसने भविष्यवाणी की और मैंने उत्तर देते हुए कहा, “हे टेरेसियस, निश्चय ही ये सब देवताओं की योजना में बुने हुए भाग्य के धागे हैं। फिर भी मुझे एक और बात बताइए। मेरे सामने मेरी मृत माता का भूत है। देखिए, वह रक्त के पास दुबकी हुई है और न तो मेरी ओर देख रही है और न ही मुझसे एक शब्द भी कह रही है। हे राजा, मुझे बताइए, उसे कैसे पता चलेगा कि मैं उसका पुत्र हूँ?”

मैंने ऐसा कहा और उसने उत्तर दिया, “मेरे कहने और तुम्हारे सीखने के लिए यह एक सरल बात है। इन मृत आत्माओं में से कोई भी, यदि तुम उन्हें रक्त के पास आने दोगे, तो तुम्हें सत्य बता देगी: और जिसे तुम ऐसा करने से रोकोगे, वह वापस चला जाएगा।” राजा टेरेसियस की आत्मा ने अपनी भविष्यवाणी समाप्त की और पाताल लोक की ओर प्रस्थान किया, परन्तु मैं वहीं दृढ़ता से डटा रहा, जबकि मेरी माता ऊपर आई और तूफ़ान के काले रक्त को पिया। फिर अचानक उसने मुझे पहचान लिया और ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी, मानो मुझसे पंखदार शब्दों में कह रही हो: “मेरे बच्चे, तुम यहाँ क्यों आए हो, इस अंधकार में एक फुर्तीले आदमी? जीवित प्राणियों के लिए भी ऐसी चीज़ें देखना बहुत कष्टदायक है, क्योंकि इनके बीच चौड़ी नदियाँ और भयानक जलधाराएँ बहती हैं: विशेषकर सागर की बाढ़, जिसे मनुष्य पैदल पार नहीं कर सकते, केवल एक अच्छी तरह से बने जहाज़ से ही पार किया जा सकता है। क्या तुम और तुम्हारे साथी अभी भी ट्रॉय से भटक रहे हो? अगर तुम अभी तक इथाका नहीं पहुँचे और घर में अपनी पत्नी से नहीं मिले, तो बहुत समय बीत चुका है।”
तो उसने कहा और मैं लौट आया: “मेरी माँ, मेरे पास पाताल लोक में आने के अलावा कोई चारा नहीं था। मुझे थेबन टेरेसियस की आत्मा से परामर्श करना ही होगा, क्योंकि मैं अभी तक अचेया के पास नहीं पहुँचा हूँ, अभी तक अपनी भूमि पर कदम नहीं रखा है, बल्कि उस दिन से बहुत कष्ट से भटक रहा हूँ जब मैंने महान एगामेम्नन का अनुसरण करते हुए इलियोस में ट्रोजन से युद्ध किया था। लेकिन अब मुझे स्पष्ट रूप से बताओ – किस घातक शक्ति ने तुम्हें मार डाला? क्या यह कोई धीमी बीमारी थी, या बाण-प्रेमी आर्टेमिस ने अपने कोमल बाणों से तुम्हें मार डाला? मुझे उस पिता और पुत्र के बारे में बताओ जिन्हें मैं छोड़कर आया हूँ। क्या मेरी स्थिति अभी भी उनकी देखरेख में सुरक्षित है, या किसी अजनबी ने इस अफवाह पर कि मैं वापस नहीं लौटूँगा, मेरी जगह ले ली है? मेरी पत्नी के बारे में भी बताओ – उसका मिजाज और व्यवहार कैसा है? क्या वह बच्चे के साथ है और सब कुछ पहले जैसा ही बनाए रखती है, या उसने किसी कुलीन अचेयन से विवाह कर लिया है?” मेरी माताजी ने कहा: “अरे, वह तो हमेशा आपके घर में ही रहती है, बड़े धैर्य से। रातें उसके लिए भारी होती हैं और दिन आँसुओं से भीगे रहते हैं। आपकी अच्छी स्थिति किसी और को नहीं मिली है। टेलीमाकस बिना किसी चुनौती के जागीर पर काबिज है, और मजिस्ट्रेटों द्वारा आयोजित सभी उचित समारोहों में अपने साथियों के साथ दावतें करता है। उसे हर

जगह आमंत्रित किया जाता है। आपके पिता – वे आजकल पूरी तरह से गाँव में रहते हैं और शहर नहीं आते। बुढ़ापा उन पर बुरी तरह हावी हो रहा है। वे अपने लिए कोई बिस्तर या पलंग, रजाई या चमकदार कंबल नहीं चाहते, और न ही अपने शरीर पर चिथड़ों के अलावा कुछ और। सर्दियों में वे घर पर गुलामों की तरह सोते हैं, चूल्हे के पास आग की राख में: लेकिन जब गर्मियों में फसल की बहार आती है और उनकी समृद्ध अंगूर की क्यारियों में सूखे पत्ते उनके लिए ज़मीन पर बिछे होते हैं, तो वे उन पर दुख से लेट जाते हैं, आपके लौटने की प्रतीक्षा में आहें भरते हैं, उनके दिल में दुख बढ़ता ही जाता है। मेरी मृत्यु और नियति भी इसी प्रकार की थी। ऐसा नहीं हुआ। न ही घर में कोई तीक्ष्ण दृष्टि वाली धनुर्धारी देवी आई और उसने कोमल तीरों से मुझे मार गिराया; न ही कोई ऐसी बीमारी आई जिसने मेरे अंगों को कमजोर करके मेरी जान ले ली। बल्कि, हे मेरे अद्भुत ओडीसियस, तुम्हारे लिए मेरी तड़प – तुम्हारी चालाक चालें, और तुम्हारा स्नेह – ने ही मुझसे मेरा मधुर जीवन छीन लिया।
उसने बोलना बंद कर दिया। जब मेरा हृदय उस शब्द पर विचार कर रहा था, तो मेरे भीतर अपनी माँ की आत्मा को, भले ही वह मर चुकी हो, अपनी बाहों में लेने की तीव्र इच्छा जागृत हुई। मैंने तीन बार उसे गले लगाने के लिए उसकी ओर कदम बढ़ाया, और तीनों बार वह एक परछाई या सपने की तरह मेरी पकड़ से फिसल गई। मेरे हृदय में उत्पन्न पीड़ा बहुत तीव्र हो गई और मैंने तीखे शब्दों में उससे कहा: “मेरी माँ, क्या तुम उस व्यक्ति की प्रेम भरी बाहों को सहन नहीं कर सकती जो तुम्हारे लिए इतना तड़पता है कि यहाँ, यहाँ तक कि पाताल लोक में भी, हम बर्फीले कंपकंपी भरे दुःख से आँसू बहाकर अपना दुख कम कर सकते हैं? या तुम केवल एक भ्रम हो जिसे महान पर्सेफोन ने मेरे दर्द को और बढ़ाने के लिए भेजा है?” मैंने ऐसा कहा; लेकिन मेरी माँ विलाप करते हुए बोलीं: “हाय मेरे अभागे बच्चे! यह ज़्यूस की पुत्री पर्सेफ़ोन का कोई उपहास नहीं है; यह तो सभी मनुष्यों पर मृत्यु के समय आने वाला सामान्य न्याय है। तब नसें मांस और शरीर को एक साथ नहीं बांध पाएंगी, क्योंकि भयंकर अग्नि की तीव्रता उन्हें तब तक वश में कर लेगी जब तक वे लुप्त न हो जाएं, जैसे जीवनदायी आत्मा सफेद हड्डियों से विलीन हो जाती है और रूह उड़कर एक सपने की तरह मंडराने लगती है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके दिन के उजाले में वापस जाओ, रास्ते में सब कुछ नोट करते हुए जाओ, ताकि बाद में अपनी पत्नी को इसका पूर्वाभ्यास करा सको।”

जब हम दोनों ने एक-दूसरे से सवाल-जवाब किए, तो बड़ी संख्या में
स्त्रियाँ आ गईं। प्रसिद्ध पर्सिफ़ोन ने उन सभी को भेजा था जो महान पुरुषों की पत्नियाँ या बेटियाँ थीं। वे गहरे खून के चारों ओर मंडरा रही थीं और मैं सोच रहा था कि उनमें से हर एक से कैसे बात करूँ। सबसे अच्छा उपाय यही लगा कि मैं अपनी मजबूत जांघ से धारदार तलवार फिर से निकाल लूँ और उससे उन्हें एक साथ खून पीने से रोक दूँ: ऐसा करने पर वे एक-एक करके आईं, हर एक ने अपने मूल के बारे में बताया, और मैंने उन सभी से एक-एक करके पूछताछ की।
पहली स्त्री कुलीन वंश की टायरो थी, जिसने स्वयं को पवित्र सैल्मोनियस की पुत्री और एओलस के पुत्र क्रेथियस की पूर्व पत्नी बताया। वह एक नदी, दिव्य एनीपियस से प्रेम करती थी, जो पृथ्वी की सबसे सुंदर धाराओं में से एक थी। इसलिए वह लगातार उसके किनारों पर जाती रहती थी, जब तक कि पृथ्वी को कंपाने और घेरने वाले देवता ने एनीपियस का रूप धारण नहीं कर लिया और तेज गति से बहने वाली नदी के प्रवाह में उसके साथ लेट गए। उनके चारों ओर एक गहरे नीले रंग की लहर विशाल रूप से उठी और एक पर्वत की दीवार की तरह झुक गई, ताकि देवता और उनकी नश्वर स्त्री को छिपा सके। फिर उन्होंने उसके कौमार्य का बंधन तोड़ दिया और उसे सुला दिया। प्रेम का फल प्राप्त करने के बाद, उसने स्त्री का हाथ थाम लिया और नाम लेकर कहा, “हे स्त्री, मेरे प्रेम में आनंदित हो: और क्योंकि अमर पुरुषों का गर्भ कभी बांझ नहीं होता, इसलिए नए वर्ष में तुम सुंदर संतानें जन्म दोगी। तुम्हारा कर्तव्य है कि तुम स्वयं उनकी कोमल देखभाल करो। तब तक, घर जाओ और अपने होठों पर लगाम रखो, मेरा नाम मत लो। फिर भी जानो कि मैं पोसीडॉन हूँ, पृथ्वी को हिलाने वाला।” वह उफनते समुद्र में डूब गया और उचित समय पर स्त्री गर्भ धारण करके पेलियास और नेलियस को जन्म दिया। बड़े होकर दोनों ने पूरे मन से ज़्यूस की सेवा की। पेलियास, जो भेड़ों का स्वामी था, लोलकोस के मैदानों में रहता था: दूसरा रेतीले पाइलोस में। उस रानी ने क्रेथियस से पुत्रों को भी जन्म दिया - एसन और फेरेस और रथ-योद्धा एमीथॉन।
उसके बाद मैंने एसोपस की पुत्री एंटियोप को देखा। उसने शेखी बघारी कि उसने एक रात ज़्यूस की बाहों में बिताई थी और उससे दो संतानें, एम्फ़ियन और ज़ेथस, को जन्म दिया था, जो सात द्वारों वाले थेब्स के प्रथम संस्थापक थे: और उसके किलेबंद भी, क्योंकि उनके जैसे शक्तिशाली पुरुष भी उस खुले मैदान

में तब तक नहीं रह सकते थे जब तक कि वह दीवारों और मीनारों से घिरा न हो। उसके बाद एम्फ़िट्रियन की पत्नी एल्कमने आई, जिसने महान ज़्यूस के आलिंगन से सिंह हृदय वाले, वीर और धैर्यवान हेराक्लेस को जन्म दिया; और फिर मेगारा आई, जो अभिमानी क्रेओन की पुत्री थी, जिससे एम्फ़िट्रियन के बलवान और साहसी पुत्र ने विवाह किया।
मैंने ओडिपोड्स की माता एपिकास्टे को देखा। उसने अज्ञानता में घोर
पाप किया जब उसने अपने ही पुत्र से विवाह कर लिया; जिस पुत्र ने अपने पिता की हत्या की थी, उसी ने उससे विवाह किया था। शीघ्र ही देवताओं ने उनकी स्थिति सबके सामने प्रकट कर दी। उनके श्राप के अनुसार, उसे सुंदर थेब्स में कादमाईन्स के राजा के रूप में कष्ट भोगना होगा: जबकि वह नरक के द्वार के शक्तिशाली रक्षक, हेड्स में चली गई। उसने अपने महल के ऊंचे बीम से एक फंदा बांधा और पश्चाताप से पागल होकर मर गई: अपने पुत्र को एक माँ के प्रतिशोध के सभी कष्टों और अपमानों का सामना करने के लिए अकेला छोड़ दिया। फिर प्रकाशमान क्लोरिस आईं, जिनकी अद्भुत सुंदरता ने नेलियस को उनके
लिए भव्य विवाह उपहार देने और उनसे विवाह करने के लिए प्रेरित किया। वह इयासस के पुत्र एम्फियन की सबसे छोटी पुत्री थीं, जो कभी मिन्यान ओर्कोमेनस के महान राजा थे। क्लोरिस पाइलोस की रानी बनीं और उनकी प्रसिद्ध संतानों में नेस्टर, क्रोमियस और राजसी पेरिक्लिमेनस शामिल थे; इसके अलावा एक पुत्री, पेरो, जो विश्व के लिए एक आश्चर्य थीं और सभी पड़ोसी उनसे प्रेम करते थे। लेकिन नेलियस ने घोषणा की कि वह उन्हें तभी सौंपेंगे जब कोई फिलेस से उन पशुओं को वापस ला सके जिन्हें महान इफिक्लस ने ले लिया था। इन विशाल और चौड़े अग्रभाग वाले पशुओं को वापस लाना एक कठिन कार्य था; इतना कठिन और खतरनाक कि स्वयं नबी के अलावा किसी ने भी प्रयास नहीं किया; और उन्हें इसमें कोई सफलता नहीं मिली, क्योंकि देवताओं ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया और उन्हें क्रूर गौपालकों की निगरानी में डाल दिया। फिर भी समय बीतने के बाद, जैसे-जैसे दिन और महीने बीतते गए और वर्ष नियत समय को पूरा करने के लिए घूमता रहा, अंततः शक्तिशाली इफिक्लस ने उसे जाने दिया, जब उसने अपनी सारी भविष्यवाणी कर दी थी: ताकि ज़्यूस का उद्देश्य पूरा हो सके।
मैंने टिंडारेस की पत्नी लेडा को देखा: उसने उसे दो बलवान पुत्र दिए, घोड़ों को तोड़ने वाला कैस्टर और मुक्केबाजी में माहिर पॉलीड्यूस। ये

दोनों अब उपजाऊ धरती के नीचे हैं; फिर भी एक अर्थ में जीवित हैं, ज़्यूस की महान कृपा से, जिसने उन्हें जीवन और मृत्यु का चक्र दिया है, एक दिन जीना और अगले दिन मरना। उन्हें देवताओं के समान सम्मान दिया जाता है। लेडा के बाद एलोयस की पत्नी इफीमीडिया आई और उसने बताया कि उसने पोसीडॉन के साथ संबंध बनाए और उससे दो पुत्र प्राप्त किए; अफसोस, वे अल्पायु हुए, लेकिन हमारी जीवंत पृथ्वी ने अपने भोजन से जिन बच्चों को पाला-पोसा, उनमें वे सबसे लंबे और अद्वितीय ओरियन के बाद सबसे सुंदर थे। ये देवता समान ओटस और प्रसिद्ध एफियाल्टेस थे। नौ वर्ष की आयु में वे नौ फ़ैदम ऊँचे और नौ क्यूबिट चौड़े थे। उन्होंने अमर देवताओं को चिढ़ाने के लिए युद्ध के शोर और झटके को ओलंपस तक ले जाने की प्रतिज्ञा की। उन्होंने ओस्सा को माउंट ओलंपस के शिखर पर और पेलियन को उसके कांपते वन वृक्षों के साथ फिर से ओस्सा के ऊपर स्थापित करने का प्रयास किया, ताकि वे स्वर्ग तक पहुँचने के लिए उनके कदम बन सकें: और यदि वे मनुष्य बन जाते तो वे ऐसा कर भी देते। लेकिन हुआ यह कि सुनहरे बालों वाली लेटो से जन्मे ज़्यूस के पुत्र ने उन दोनों को मार डाला, उनके गाल अभी भी बालों से रहित थे, उनकी ठुड्डी पर रोएँ नहीं थे। मैंने फेड्रा और प्रोक्रिस को देखा: साथ ही दुष्ट मिनोस की पुत्री सुंदर एरिआडने को भी। थीसियस उसे क्रीट से पवित्र एथेंस की सुंदर पहाड़ी की ओर ले जा रहा था: फिर भी वह उसका आनंद नहीं ले सका, क्योंकि डायोनिसस के साक्ष्य पर आर्टेमिस ने उसे पहले समुद्र की गोद में डाय में मार डाला। मैंने मैरा और क्लीमेन को देखा: भयानक एरिफाइल को भी, जिसने अपने वैध पति को बेचने के लिए सोना लिया था।
लेकिन मैं आपको उन सभी का नाम भी कैसे बता सकती हूँ, वर्णन करना तो दूर
की बात है, जिन्हें मैंने देखा? वहाँ वीरों की इतनी पत्नियाँ थीं, इतनी बेटियाँ थीं। मेरी कहानी खत्म होने से पहले ही पूरी रात बीत जाएगी। वास्तव में, अब सोने का समय हो गया है, हालांकि मुझे नहीं पता कि मुझे आपके द्वारा नियुक्त दल के साथ जहाज में सोना चाहिए या घर में रहना चाहिए। मेरे प्रस्थान का समय देवताओं और आपके संरक्षण में है।
यहां ओडीसियस ने अपना इतिहास रोक दिया; लेकिन फेएशियन फिर भी मंद
रोशनी वाले हॉल में मानो मंत्रमुग्ध होकर चुपचाप खड़े रहे; तभी श्वेत भुजाओं वाली एरेट अचानक बोलीं, “अब, फेएशियनो, इस आदमी के बारे में, उसके शरीर और स्वभाव के बारे में आपका क्या विचार है? मेरे अजनबी, देखो, और मेरे

मेहमान: यद्यपि आप सभी को उसका सत्कार करने का सौभाग्य प्राप्त है। उसे यहां से जल्दी मत भेजो, और इतने जरूरतमंद आदमी को उपहार देने में कंजूसी मत करो। याद रखो कि देवताओं की विशेष कृपा ने तुम्हारे घरों को खजाने से भर दिया है।” उसके बाद वृद्ध वीर एचेनियस उठे, जिनकी उम्र ने उन्हें फेएशियनों के बीच प्रतिष्ठित बना दिया था। “मेरे मित्रों, हमारी बुद्धिमान रानी के ये शब्द न केवल गलत हैं, बल्कि अनुचित भी नहीं हैं। इन पर सकारात्मक रूप से विचार करें: फिर भी हमारे साथ कार्य और अधिकार दोनों ही एल्किनोस के पास होने चाहिए।”
राजा ने उत्तर दिया, “जब तक मैं तुम्हारे बीच, समुद्री यात्रा करने
वाले फ़ेएशियनों, आधिपत्य और जीवन धारण करता रहूँगा, तब तक रानी का वचन सर्वोपरि है। इसलिए, चाहे वह कितना भी घर लौटने की इच्छा रखे, कल तक वह अपना धैर्य बनाए रखे। कल मैं उसे मिले उपहारों को पूरा करूँगा और उसकी संपत्ति को अंतिम रूप दूँगा। उसकी वापसी की व्यवस्था करना निस्संदेह सबकी ज़िम्मेदारी है, लेकिन विशेष रूप से मेरी, क्योंकि मैं इस भूमि का स्वामी हूँ।” ओडीसियस ने विवेकपूर्ण उत्तर देते हुए कहा, “हे प्रसिद्ध स्वामी, यदि आपने मुझे एक वर्ष और रुकने का निर्देश दिया होता, जबकि आप मेरे उपहारों को बढ़ाते और अंततः मुझे वापस भेजने का आश्वासन देते, तो मैं उस मार्ग को ही लाभप्रद मार्ग के रूप में शांतिपूर्वक चुनता। यदि मैं अपने प्रिय देश में पहुँचता हूँ, तो मेरे पास जितनी अधिक संपत्ति होगी, इथाका में मुझसे मिलने वाले सभी लोगों के बीच मेरा उतना ही अधिक आदर और सम्मान होगा।”
एल्किनस ने ऊँचे स्वर में उत्तर दिया: ‘हे मेरे ओडीसियस, हम जो तुम्हें अपनी आँखों के सामने देख रहे हैं, यह मानने को तैयार नहीं कि तुम ढोंगी या चोर हो, उन अनेक आवारा झूठे लोगों की तरह जिन्हें हमारी अंधकारमय धरती पनपने और झूठ के इतने घने मुखौटे के पीछे इतराने के लिए पैदा करती है कि कोई भी उनकी असलियत जानने के लिए उसे भेद नहीं सकता। तुम्हारे शब्दों में एक औपचारिक सुंदरता है जो तुम्हारे विचारों की सुशोभित व्यवस्था से मेल खाती है: तुम अर्गिव्स की कठिनाइयों और अपने परिश्रम की इस कहानी को किसी कवि की तरह कुशलता से गढ़ते और सजाते हो। फिर भी मुझे एक बात और बताओ और हमें उसका सच बताओ – क्या तुमने पाताल लोक में अपने साथियों को देखा, उन देवतुल्य लोगों में से किसी को जिन्होंने इलियन के सामने तुम्हारे साथ

सेवा की और वहाँ मृत्यु का सामना किया? रात अभी भी लंबी है, असीम रूप से लंबी। अभी सोने के लिए हॉल खाली करने की कोई आवश्यकता नहीं है: इसलिए इन अद्भुत कहानियों को जारी रखो।’ मैं सुबह होने तक, यहीं घर में बैठकर, आपकी सारी पीड़ाओं की कहानी सुन लेता।’ ओडीसियस ने उत्तर दिया, ‘हे परम पूज्य स्वामी: निश्चय ही लंबे समय तक बोलने का भी समय होता है और सोने का भी। परन्तु यदि आप अब भी मुझे सुनने के लिए उत्सुक हैं, तो मैं आपको उन सभी बातों से भी अधिक दुखद बातें सुनाने से नहीं हिचकूँगा जो मैंने अब तक बताई हैं, उन दुर्भाग्यशाली पुरुषों की परम पीड़ा का इतिहास जो ट्रोजन युद्ध और उसके विनाशकारी कोलाहल से बच तो गए, लेकिन अपनी यात्रा के अंत में एक दुष्ट स्त्री के षड्यंत्र के कारण मारे गए।’
मेरी कहानी सुनो। अंत में पवित्र पर्सेफोन ने स्त्री-भूतों के झुंड से मुझे बचाया, उन्हें इधर-उधर भगा दिया; और फिर निराश होकर एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन की आत्मा आई। उसके चारों ओर उन अन्य आत्माओं का समूह था जो एगिस्थस के घर में उसके साथ अपने भाग्य का शिकार होकर मर गई थीं। मुखिया ने काला रक्त पीने के बाद मुझे तुरंत पहचान लिया: और वह बहुत रोया, उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे। उसने मुझे अपने सीने से लगाने की लालसा में अपने हाथ मेरी ओर बढ़ाए: व्यर्थ, क्योंकि अब उसमें स्थिर खड़े रहने की शक्ति या पहले जैसी लचीली गति नहीं थी। यह देखकर मेरे हृदय में दया की भावना उमड़ी और मैं भी रो पड़ा और विलाप करने लगा। “हे परम प्रसिद्ध एट्रीड्स, मेरे मनुष्यों के राजा, अब बताइए कि अंत में किस प्रहार से मृत्यु ने आपको पटक दिया? क्या पोसीडॉन ने भयंकर तूफानों का प्रकोप मचाकर आपको आपके जहाज में डुबो दिया, या शत्रुओं ने आपको तट पर तब हराया जब आप उनके बैलों और भेड़ों के सुंदर झुंडों को काट रहे थे या किसी किलेबंद शहर और उसकी महिलाओं से बहस कर रहे थे?”
तो मैंने पूछा, पर उसने उत्तर दिया: “ओडीसियस, पोसीडॉन ने मेरे जहाजों
को नष्ट करने के लिए मेरे विरुद्ध कोई भयंकर तूफान नहीं चलाया, न ही किसी तट पर किसी बर्बर ने मुझे मारा। एगिस्थस ने मेरी शापित पत्नी की मिलीभगत और सहायता से मेरी मृत्यु और विनाश को अंजाम दिया, मुझे अपने घर आमंत्रित करके और मुझे भोजन पर बिठाकर। हाँ, मुझे दावत के दौरान मारा गया – जैसे कोई कसाई बैल को काटता है। अपमानजनक, दयनीय मृत्यु! उन्होंने मेरे आदमियों को मेरे चारों ओर एक-एक करके मार डाला और उन्हें सफेद दांतों वाले सूअरों की

तरह सजा दिया, जिन्हें किसी भोज, या रईसों की दावत, या किसी धनी स्वामी के घर में शादी के लिए जलाया जाता है। तुमने कई हत्याएँ देखी हैं, एकल युद्धों में या भोजों में; लेकिन तुमने कभी भी हमारे जैसी भयानक हत्या नहीं देखी, जो भरी हुई मेजों के बीच, शराब के कटोरे के चारों ओर, एक ऐसे हॉल में हुई थी जिसका फर्श खून से लथपथ था। मेरा सबसे दुखद अनुभव कैसेंड्रा, प्रियम की मृत्यु-चीख सुनना था...” मेरी बेटी, जिसे विश्वासघाती क्लिटेम्नेस्त्रा ने मेरे ठीक ऊपर मार डाला। मैंने उसके लिए अपने हाथ उठाने की कोशिश की, लेकिन वे फिर से धरती पर गिर पड़े। मैं उस समय मर रहा था - तलवार से मर रहा था। उस निर्दयी स्त्री ने मुझसे मुंह फेर लिया और मुझ पर इतनी दया भी नहीं दिखाई (यद्यपि मैं नरक की ओर तेजी से बढ़ रहा था) कि वह अपने हाथों से मेरी पलकें झुका दे या मेरे जबड़े बांध दे। मैं तुमसे कहता हूँ, उस स्त्री से अधिक भयानक और अमानवीय कुछ भी नहीं है जो अपने दिल में मेरी पत्नी के इस घिनौने अपराध को संजो सकती है, जैसे कि उसके यौवन के पति की हत्या करना। मैं घर लौट रहा था, अपने बच्चों और परिवार के हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत का वादा कर रहा था: और फिर उसने, अपनी घोर दुष्टता से, नारी जाति की पूरी नस्ल को हमेशा के लिए कलंकित कर दिया, यहाँ तक कि उन अजन्मी और गुणी महिलाओं को भी।
उसने अपनी बात समाप्त की और मैंने उत्तर दिया: “हाय, मुझ पर कितनी विपत्ति आई है! सर्वज्ञानी ज़्यूस ने आरंभ से ही स्त्रियों के छल-कपट के माध्यम से एट्रीयस की संतान पर भयानक विपत्ति डाली है। हेलेन के लिए हममें से कितनी ही सेनाएँ मर गईं; और अब क्लिटेम्नेस्ट्रा तुम्हारे लिए मृत्यु का यह जाल बुन रही है, जबकि तुम बहुत दूर हो।” तो मैंने कहा और उसने एक बार फिर मुझे आग्रह करते हुए कहा: “ओडीसियस, अब से अपनी पत्नी के साथ कभी भी बहुत कोमल व्यवहार मत करना। उसे अपने ज्ञान का केवल एक अंश ही बताना, और बाकी छुपा लेना। फिर भी, तुम्हें अपनी पत्नी से खूनी मौत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए: पेनेलोप बहुत सावधान, समझदार और उत्कृष्ट विवेक वाली है; इकारियस की प्यारी बेटी। ज़रा सोचिए, जब हम उसे युद्ध के लिए छोड़कर गए थे, तब वह एक युवा पत्नी ही थी! हो सकता है कि उस समय उसकी गोद में दूध पी रहा शिशु अब पुरुषों के साथ बैठा हो: एक खुश बेटा जो अपने पिता की वापसी देख रहा हो और आज्ञाकारी होकर उन्हें अपनी बाहों में भर रहा हो। क्लिटेम्नेस्ट्रा ने मुझे अपने बेटे को देखने का समय भी नहीं दिया। उसके आने से पहले ही उसने मुझे मार डाला; अपने वैध पति को मार डाला। अब मैं

तुम्हें एक और बात बताता हूँ जिसे तुम्हें अपने दिल में बसा लेना चाहिए। तुम्हें अपने जहाज को चुपके से और गुप्त रूप से, अपनी प्रिय भूमि पर किनारे लाना होगा। महिलाओं पर भरोसा नहीं किया जा सकता। बदले में, मुझे कुछ स्पष्ट रूप से बताओ। क्या तुमने मेरे बेटे की गतिविधियों के बारे में कुछ सुना है? क्या वह ओर्कोमेनस में था, या रेतीले पाइलोस में, या स्पार्टा में मेनेलास के साथ अतिथि के रूप में? महान ओरेस्टेस अभी तक पृथ्वी पर मरा नहीं है।
उसके सवाल के जवाब में मैंने कहा, “अत्राइड्स, मुझसे खबर क्यों पूछ रहे हो? मुझे तो यह भी नहीं पता कि वह ज़िंदा है या मर गया है: और जीवन और मृत्यु के बारे में मैं व्यर्थ में कुछ नहीं कहूँगा।” जब हम दोनों इस तरह दुख भरी बातें करते हुए, खुलकर रो रहे थे, तभी पेलियस के पुत्र अकिलीज़ का भूत, पैट्रोक्लस और वीर एंटिलोकस के साथ प्रकट हुआ। साथ ही एयास भी, जो दानानों में सबसे सुंदर और आकर्षक व्यक्ति था – सिवाय स्वयं अकिलीज़ के, जो ऐकस का फुर्तीला वंशज था। उसकी आत्मा ने मुझे पहचान लिया और उदास स्वर में कहा: “लार्टेस के चतुर पुत्र, ज़्यूस के वंशज ओडीसियस, साहसी अभागी आत्मा! तुम इस जीवित अवस्था में नरक में जाने के बाद, मूर्ख मृतकों और मनुष्यों के घिसे-पिटे उपहासों के बीच, इससे भी अधिक रोमांचक साहसिक कार्य कैसे खोजोगे?” तो उसने कड़वे स्वर में प्रश्न किया, और मैंने उत्तर दिया, “हे अकिलीज़, पेलियस के पुत्र, अचेयनों में सबसे पराक्रमी योद्धा! अत्यंत आवश्यक होने के कारण मैं यहाँ आया हूँ, ताकि टेरेसियस से यह जान सकूँ कि पथरीले इथाका में वापस जाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। इतने समय में मैं न तो अचेया के निकट पहुँच पाया हूँ और न ही अपने देश को देख पाया हूँ। दुर्भाग्य मेरा पीछा हर जगह कर रहा है। अकिलीज़, मैं तुम्हारे भाग्य से कितना ईर्ष्या करता हूँ, तुम अब तक के या भविष्य के सबसे सुखी पुरुषों में से एक हो! तुम्हारे समय में हम सभी अर्गिव तुम्हें देवता के समान पूजते थे: और अब यहाँ मैं तुम्हें मृतकों के बीच एक राजकुमार पाता हूँ। अकिलीज़, तुम्हारे लिए मृत्यु कोई दुःख नहीं हो सकती।” उन्होंने मुझे उठाया और कहा, “हे तेजस्वी ओडीसियस, मेरे सामने मृत्यु को तुच्छ मत समझो। काश मैं पृथ्वी पर एक साधारण व्यक्ति होता, किसी तुच्छ मनुष्य का गुलाम होता, जिसे जीवित रहने के लिए कष्ट सहना पड़ता! इन मरे हुओं के बीच राजाओं के राजा होने से बेहतर होता, जिनका समय बीत चुका है और जो मर चुके हैं। बस करो – मुझे मेरे

प्रशंसनीय पुत्र का समाचार दो! क्या वह युद्ध में पहुँच गया और उसने स्वयं को एक नेता साबित किया; या अभी तक नहीं? और महान पेलियस के बारे में भी, यदि तुमने सुना हो – क्या मर्मिडोंस अब भी उसका सम्मान करते हैं या उसे हेलास से फथिया तक तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता है, क्योंकि बुढ़ापे ने उसके हाथ-पैर अपंग कर दिए हैं? अब मैं दिन के उजाले में उसके रक्षक, उस विलक्षण योद्धा के रूप में खड़ा नहीं हो सकता, जिसने ट्रॉय के मैदानों में आर्गिव्स की सहायता की और सबसे बलवान ट्रोजनों को मृत्यु के घाट उतारा। काश मैं बस एक पल के लिए ही सही, अपने पिता के घर में होता! मैं अपनी महान शक्ति और अजेय हाथों से उन सभी को कितना कलंकित और भयभीत करता जिन्होंने उसे उसकी महिमा से वंचित किया!”
मैंने उत्तर दिया, “महान पेलियस के बारे में मैंने नहीं सुना; लेकिन आपके प्रिय पुत्र नियोप्टोलेमस के बारे में मैं आपको पूरी सच्चाई बता सकता हूँ, जैसा आप चाहते हैं। वह मेरे साथ, मेरे विशाल जहाज में, स्काईरोस से आया था ताकि कवचधारी अचेयनों से जुड़ सके। जब भी हम ट्रॉय शहर के पास सलाह-मशविरा करते, वह सबसे पहले बोलता और हमेशा सटीक बात करता। ईश्वर तुल्य नेस्टर और मैं ही दो ऐसे थे जो उसे शांत कर पाते थे। और जब हम अचेयनों ने ट्रॉय के मैदान में युद्ध किया, तो वह कभी भी सैनिकों की कतार या भीड़ में नहीं रुकता था, बल्कि आगे बढ़ता था और किसी भी वीर को अपने से आगे नहीं निकलने देता था। उसने कई लोगों को घातक युद्ध में मार डाला। मुझे उन सभी सरदारों के नाम भी याद नहीं हैं जो आर्गिवों की सहायता करते हुए उसके हाथों मारे गए: लेकिन उसने टेलीफस के वीर पुत्र यूरिपिलस को किस तलवार के वार से मार गिराया, जिसके कारण उसके कई सेटेयन साथी एक स्त्री के रिश्वत के शिकार होकर मारे गए! शाही मेमनन के अलावा, मैं मैंने उनमें से उससे बेहतर कोई आदमी नहीं देखा। इसके अलावा, जब हम आर्गिव नेताओं के लिए एपियस द्वारा बनाए गए घोड़े पर सवार होने का समय आया, तो उन्होंने मुझे हमारी भीड़ भरी गुफा का गुप्त द्वार खोलने या बंद करने की ज़िम्मेदारी सौंपी। अन्य सरदार और योद्धा आँसू पोंछ रहे थे और उनके शरीर काँप रहे थे: लेकिन यद्यपि मैंने उसे अपनी पूरी आँखों से देखा, फिर भी उसकी सुंदर त्वचा कभी पीली नहीं पड़ी और न ही उसके गालों से एक भी आँसू बहने की ज़रूरत पड़ी। उसने बार-बार मुझसे घोड़े से उतरने की अनुमति माँगी: और वह ट्रॉय के लोगों के प्रति घातक क्रोध में अपनी तलवार की मूठ और भारी भाले को सहलाता रहा।

प्रियम के पहाड़ी शहर को लूटने के बाद, वह अपने जहाज में लूट के अपने पूरे हिस्से के साथ चला गया, बिना किसी घाव के बच निकला, क्योंकि उड़ते हुए तीर उसे नहीं लगे और तलवारबाजी में भी वह घायल नहीं हुआ। युद्ध का यही सौभाग्य था: एरेस अक्सर इतनी अव्यवस्थित ढंग से लड़ता है कि वह किसी को उसका हक नहीं दे पाता। तो मैंने ऐसा कहा, और तेज कदमों वाले अकिलीज़ का प्रेत एस्फोडेल के मैदान में बड़े-बड़े कदम बढ़ाते हुए आगे बढ़ा, क्योंकि मैंने उसे बताया था कि उसका बेटा प्रसिद्ध है।
मेरे आस-पास कई अन्य दिवंगत आत्माएँ मंडरा रही थीं, जिनमें से
प्रत्येक अपने प्रियजनों के बारे में दुखी होकर पूछ रही थी। केवल तेलमोन के पुत्र एयास की आत्मा ही अलग रही, क्योंकि वह मुझसे अभी भी नाराज़ था। ऐसा इसलिए था क्योंकि जब हमने जहाजों के पास अकिलीज़ के कवच के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसे उसकी देवी-माता ने पुरस्कार के रूप में रखा था और जिसे ट्रोजन और पल्लास एथेन के पुत्रों ने जीता था, तब मुझे उससे पहले वरीयता दी गई थी। काश मैंने वह जीत न जीती होती, क्योंकि उसी से एक महान व्यक्ति का सिर धड़ से अलग हो गया। सचमुच, अपनी सुंदरता और पराक्रम में महान एयास, पेलियस के महान पुत्र को छोड़कर, सभी दानानों से श्रेष्ठ था। इसलिए मैंने उनसे अत्यंत कोमल स्वर में कहा, “हे महान तेलमोन के पुत्र, प्रभु ऐयास, क्या आप मृत्यु में भी उन शापित भुजाओं के कारण मुझ पर अपना क्रोध नहीं भूल सकते? निश्चय ही देवताओं ने उन्हें अर्गिव्स पर विपत्ति के रूप में भेजा था। आपके गिरने से कैसा विशाल स्तंभ ढह गया! हम अर्गिव्स आपके लिए उसी प्रकार शोक मनाते हैं जैसे अपने खोए हुए मुकुट के लिए, अकिलीज़; क्योंकि आपकी मृत्यु हुई। इसका मुख्य कारण ज़्यूस था, जिसने दानान वीरों के प्रति अपनी घोर घृणा के कारण आपको उनके कर्मों का फल भुगतने के लिए विवश किया। हे राजा, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप हमारी बातें सुनने के लिए निकट आएँ। अपने हृदय के प्रचंड अभिमान को पर्दा करें।” मैंने इस प्रकार निवेदन किया, परन्तु उन्होंने एक शब्द भी उत्तर नहीं दिया: वे अन्य दिवंगत आत्माओं के साथ एरेबस की ओर चले गए। फिर भी संभवतः वे अपने क्रोध के बावजूद बोलते – या मैं उनसे फिर बोलता – परन्तु मेरा हृदय अनेक मृतकों की अन्य आत्माओं को देखने की इच्छा से भरा हुआ था।
इस प्रकार मैंने मिनोस, ज़्यूस के प्रतापी पुत्र को, अपने स्वर्ण
राजदंड के साथ, हेड्स के महल के विशाल द्वार पर सिंहासन पर विराजमान देखा,

जहाँ वह मृतकों का न्याय करता था। मृतक उसके सिंहासन के सामने बैठे या खड़े होकर राजा से अपने दंड के बारे में पूछते थे। मैंने विशालकाय ओरियन को भी देखा, जो एस्फोडेल के मैदानों में जंगली जानवरों का पीछा कर रहा था: उन्हीं जानवरों के भूत, जिन्हें वह पृथ्वी की एकांत पहाड़ियों में मारा करता था। उसकी मुट्ठी में तांबे का एक अटूट और अविचल गदा था। मैंने टिटियस को, प्रसिद्ध पृथ्वी देवी गाया के पुत्र को, एक समतल भूमि पर लेटे हुए देखा। वह नौ रोद के क्षेत्र में फैला हुआ था। उसके दोनों ओर एक-एक गिद्ध बैठा था और उसके जिगर को नोच रहा था, यहाँ तक कि उसकी आंतों तक गहरे छेद कर रहा था। वह अपने हाथों से उन्हें भगा नहीं पा रहा था। ऐसा इसलिए था क्योंकि उसने ज़्यूस की भव्य प्रेमिका लेटो के साथ दुर्व्यवहार किया था, जब वह पार्क जैसे पैनोपियस से होते हुए पाइथो की ओर जा रही थी।
वहाँ भी टैंटलस बड़ी दयनीय स्थिति में था, उसे एक तालाब में ठुड्डी तक पानी में खड़ा कर दिया गया था। वह प्यास से बेहाल था, पर पानी तक पहुँचकर पी नहीं पा रहा था। जब भी वह बूढ़ा व्यक्ति बेचैनी में पानी की ओर झुकता, पानी गायब हो जाता, ज़मीन में समा जाता जो उसके पैरों के नीचे काली दिखाई दे रही थी। मानो किसी देवता ने उसे सुखा दिया हो। तालाब के ऊपर ऊँचे पत्तों वाले पेड़ों से फल लटक रहे थे, उसके सिर तक। नाशपाती, अनार, गुलाबी सेब, मीठे अंजीर और पत्तेदार जैतून थे। फिर भी, हर बार जब वह बूढ़ा व्यक्ति उत्सुकता से उन्हें पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाता, हवा उन्हें बादलों की ऊँचाई तक उड़ा ले जाती। एक और जिसे मैंने पीड़ा में देखा, वह था सिसिफस, जो एक विशाल पत्थर से दोनों हाथों से जूझ रहा था। वह हाथों और पैरों से उसे धकेलता, अपनी पहाड़ी की चोटी की ओर ले जाता, लेकिन जब वह लगभग चोटी पर पहुँच जाता, तो वह पत्थर अप्रतिरोध्य रूप से वापस मुड़ जाता और लुढ़क कर नीचे आ जाता, वह निर्लज्ज पत्थर। एक बार फिर वह उसे धकेलने और उस पर जोर लगाने के लिए जाता, उसके अंगों से पसीना बह रहा होता और धूल का बादल उसके सिर से भी ऊपर तक उठता।
मैंने महान हेराक्लेस को भी देखा – मेरा मतलब है उसका भूत। वह स्वयं
अमर देवताओं के उत्सवों में अपनी पत्नी हेबे के साथ प्रसन्न है, जो पतली एड़ियों वाली है और सर्वशक्तिमान ज़्यूस और सुनहरे जूते वाली हेरा की पुत्री है। इस भूत के चारों ओर मृत आत्माएँ भिनभिना रही थीं, भयभीत जंगली पक्षियों की तरह शोर मचाते हुए इधर-उधर घूम रही थीं। वह रात के अंधेरे में

खड़ा था, नंगे बदन, हाथ में धनुष और कमान पर तीर तैयार, मानो तीर चलाने ही वाला हो। उसकी छाती एक कमरबंद से बंधी थी, जो ठोस सोने की एक अद्भुत कृति थी, जिस पर भालू, जंगली सूअर और चमकीली आँखों वाले शेरों की अद्भुत नक्काशी थी; लड़ाइयों और युद्धों, वध और मनुष्यों की हत्याओं की। इसके शिल्पकार ने अपनी सारी निपुणता इसमें डालकर स्वयं को भी पीछे छोड़ दिया था। वह शायद ही कभी इसकी बराबरी कर पाए। जैसे ही मैं हेराक्लेस के पास पहुँचा, उसने मुझे पहचान लिया और करुणापूर्वक मेरा अभिवादन किया: “हे बुद्धिमान ओडीसियस, तुम भी दुर्भाग्य के शिकंजे में हो और तुम्हारा जीवन भी उतना ही क्रूर है जितना मेरा, जब मैं सूर्य के केंद्र में रहता था। मैं भले ही ज़्यूस का पुत्र हूँ, फिर भी मेरा भाग्य अकल्पनीय दुखमय था, क्योंकि मुझे एक ऐसे नीच व्यक्ति के अधीन कर दिया गया था जिसने मुझसे अत्यधिक परिश्रम करवाया। उसने तो मुझे यहाँ अपने कुत्ते को लाने के लिए भेजा था! उसे लगा कि यह सबसे कठिन काम है जो वह सोच सकता है। फिर भी मैंने वह काम किया और उस जानवर को पाताल लोक से उसके पास ले आया: हर्मेस ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की और धूसर आँखों वाली एथेना ने भी मेरा साथ दिया।” हेराक्लेस इतना कहकर पाताल लोक में वापस चला गया; मैं वहीं रुका रहा, कुछ पुराने नायकों को देखने के लिए, जो बहुत पहले मर चुके थे: क्योंकि मैं थेसियस या पिरिथस जैसे उन महान और गुमनाम नायकों को देखने के लिए बहुत उत्सुक था, जो देवताओं के पौराणिक पुत्र थे। लेकिन उनके आने से पहले ही, दस हज़ार भयानक भूतों ने मुझे घेर लिया, जो अमानवीय ढंग से रो रहे थे। मैं डर से पीला पड़ गया, कहीं भयानक पर्सेफोन मुझे पाताल लोक से गॉर्गन का सिर, वह भयानक राक्षस, न भेज दे। इसलिए मैं अपने जहाज की ओर मुड़ा और साथियों से कहा कि वे अंदर आ जाएँ और रस्सियाँ छोड़ दें। वे जल्दी से जहाज पर सवार हो गए और अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गए: तभी बाढ़ की धारा हमें समुद्र की नदी की ओर ले गई, जिस पर पहले तो हमने चप्पू चलाया, लेकिन बाद में हमें एक सहायक हवा मिल गई।

पुस्तक 12

सागर की प्रचंड धारा से हमारा जहाज खुले, लहरदार समुद्रों को नापते हुए एईया द्वीप तक पहुँचा, जो सूर्योदय का द्वीप है जहाँ भोर की अग्रदूत का घर और नृत्य-स्थल है। वहाँ हमने जहाज को रेत के टीलों के बीच रोक दिया और समुद्र तट पर जाकर सो गए और दिन की प्रतीक्षा करने लगे। उजाला होने पर मैंने एक दल को सिरसे के घर भेजा ताकि वे मृत एल्पेनोर का शव नीचे लाएँ। हमने लकड़ियाँ काटीं और समुद्र के ऊपर स्थित सबसे ऊँचे टीले पर उसकी चिता बनाई। विधिपूर्वक हमने उसका अंतिम संस्कार किया और फूट-फूट कर विलाप किया। जब शरीर और कवच पूरी तरह जल गए, तो हमने उनके ऊपर एक टीला बनाया और उसके ऊपर एक अखंड पत्थर लाकर रखा, जिसके ऊपर हमने उसकी सुंदर पतवार स्थापित की। काम अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि सिरसे सज-धज कर हमारा स्वागत करने आई: पाताल लोक से हमारा प्रस्थान उससे छिपा नहीं था। उसके साथ दासियाँ थीं जो भरपूर रोटी और मांस तथा चटख लाल शराब लिए हुए थीं। वह हमारे बीच खड़ी होकर बोली: –
“पुरुषों, जीवित रहते हुए पाताल लोक में जाना एक साहसिक कार्य है। अब
आप दो बार मृत्यु का सामना करेंगे, जबकि अन्य लोग केवल एक बार मरते हैं। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करती हूँ कि आप आज पूरे दिन इस द्वीप पर विश्राम करें, मेरा भोजन खाएँ और यह मदिरा पिएँ। यदि आप कल सुबह सूर्योदय के समय रवाना होते हैं, तो मेरे पास आपके लिए मार्ग निर्धारित करने और उसके मार्गदर्शक चिह्नों का विवरण देने का समय होगा: ताकि आप समुद्र या भूमि पर होने वाली अप्रत्याशित दुर्घटनाओं के दर्द और पीड़ा से बच सकें।” उनकी सलाह ने हमारे स्वाभिमान को शांत कर दिया। हम दिन भर बैठकर भोजन करते रहे जब तक कि सूरज नहीं डूब गया, मांस प्रचुर मात्रा में था और मदिरा उत्तम थी। जब सूर्यास्त के बाद रात का अंधेरा छा गया, तो बाकी लोग लंगर की रस्सियों के बीच सोने के लिए लेट गए: लेकिन देवी सिरसे ने मुझे मेरे मित्रों से अलग हाथ पकड़कर बिठाया और मेरे पास बैठकर मुझसे हमारी कहानी बताने को कहा, जैसे वह घटी थी। जिसके बाद उन्होंने कहा: –

“बहुत अच्छा काम हो चुका है। अब मेरी बात ध्यान से सुनो, स्वयं ईश्वर इसे तुम्हारी स्मृति में ताजा कर देगा। तुम्हारा अगला पड़ाव सायरनों के पास होगा: और ये हर उस इंसान के होश उड़ा देती हैं जो इतनी दूर तक पहुँचता है। अगर कोई अनजाने में उनके पास आ जाए और उनकी सायरन जैसी आवाज़ों पर ध्यान दे, तो वह फिर कभी अपनी पत्नी और बच्चों को समुद्र से घर लौटने पर मुस्कुराते चेहरों से उसका स्वागत करते हुए नहीं देख पाएगा। सायरनों का रोमांचक गीत उसकी जान ले लेगा, क्योंकि वे सड़ते हुए कंकालों के ऊँचे ढेरों के बीच अपने प्लैशेट में बैठकर गाती रहती हैं, जिन पर चमड़ी के टुकड़े हड्डियों पर सड़ रहे होते हैं। इसलिए उनके पास से सीधे निकल जाओ: और इसे सफलतापूर्वक करने के लिए तुम्हें मोम को तब तक पीसना होगा जब तक वह प्लास्टिक जैसा न हो जाए और उससे अपने साथियों के कान बंद कर देने होंगे ताकि वे कोई आवाज़ न सुन सकें। जहाँ तक तुम्हारी बात है, शायद तुम उनका गाना सुनना चाहते हो? तो अपने हाथ-पैर जहाज में मस्तूल के ढांचे से बाँध लो, और रस्सी के दूसरे सिरे मस्तूल से ही बाँध लो। यह भी सुनिश्चित करो कि अगर तुम आदेश दो या अपने आदमियों से विनती करो कि वे तुम्हें मुक्त कर दें, उनकी एकमात्र प्रतिक्रिया यही होगी कि वे तुम्हें रस्सियों से और कसकर बांध देंगे। इस तरह तुम सायरनों के संगीत का सुरक्षित रूप से आनंद ले सकोगी। और जब तुम्हारा दल तुम्हें इन बहनों के पार ले जाएगा, तो एक ऐसा मोड़ आएगा जिसके बारे में मैं तुम्हें स्पष्ट शब्दों में सलाह नहीं दूंगा कि तुम्हें कैसे आगे बढ़ना चाहिए। निर्णय तुम्हें वहीं लेना होगा। विकल्पों पर विचार करो: –
“इस तरफ खड़ी चट्टानें खड़ी हैं, जिन पर काली आंखों वाली एम्फिट्राइट
की विशाल लहरें गरजती हुई गर्जना करती हैं। ईश्वर इन चट्टानों को 'स्क्रीज़' कहते हैं। इनके बीच से एक पक्षी भी बिना घायल हुए नहीं निकल सकता; नहीं, सर्वशक्तिमान ज़्यूस के अपने शर्मीले कबूतर भी नहीं, जो उनका अमृत लिए होते हैं। हर उड़ान में ये चट्टानें किसी न किसी पक्षी को छीन लेती हैं और पिता को कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक और जोड़ना पड़ता है। मान लीजिए कि मनुष्यों का एक जहाज वहां जाता है। वह डूब जाता है। बिखरे हुए तख्ते और उसके चालक दल के शव वहां के बवंडरों से चमकती बिजली के बीच कड़वी लहरों में उछलते हुए दिखाई देंगे। समुद्र के सभी जहाजों में से केवल एक ही जहाज इस मार्ग से गुजरा है: वह विश्व प्रसिद्ध आर्गो था, जो एटेज़ से अपनी

यात्रा पर था; और वह भी, बाकी जहाजों की तरह, उन विशाल चट्टानों से टकराकर जल्दी ही नष्ट हो जाता, अगर हेरा ने उसे वहां से न जाने दिया होता क्योंकि जेसन उसका प्रेमी था।”
“दूसरी ओर दो विशाल चट्टानें खड़ी हैं, जिनमें से एक की नुकीली चोटी
आकाश की ओर उठी हुई है, जो हमेशा घने बादलों से ढकी रहती है, जो कभी पिघलते नहीं। इसलिए इसकी चोटी पर कभी भी कोई साफ रोशनी नहीं चमकती, न गर्मी में और न ही पतझड़ की भीषण गर्मी में। कोई भी नश्वर मनुष्य उस ऊंचाई तक नहीं चढ़ सकता और न ही वहां अपना संतुलन बनाए रख सकता है - बीस हाथों और पैरों से भी नहीं - क्योंकि इसके किनारे चिकने हैं, जैसे पॉलिश की हुई चट्टान। पश्चिमी तरफ चट्टान के आधे रास्ते पर, मृत्यु के देश एरेबस की ओर, एक अंधेरी गुफा खुलती है। हे महान ओडीसियस, आप इसके द्वारा अपनी दिशा का पता लगा सकते हैं। फिर भी कोई भी जन्मजात धनुर्धारी इतना शक्तिशाली नहीं है कि जहाज से उस गहरी गुफा में तीर चला सके, जिसके भीतर भयानक चीखती हुई स्काइला छिपी रहती है - चीखती हुई, क्योंकि वह नवजात पिल्ले की तरह चीखती है, वास्तव में वह पिल्ला नहीं बल्कि एक घिनौना राक्षस है जिसे देखकर कोई देवता भी भयभीत हुए बिना नहीं रह सकता, अगर उसका रास्ता उससे टकरा जाए। उसके बारह फैले हुए पैर और छह पतले पैर हैं।” दुबली-पतली गर्दनें। हर गर्दन पर एक घिनौना सिर है, जिसमें तीन पंक्तियों में घने, घने नुकीले दांत हैं, जो मौत से भरे काले रंग के हैं। वह अपनी गुफा के भीतरी हिस्से में कमर तक डूबी रहती है, लेकिन अपने सिर को चक्करदार शून्य में घुमाती है, और उनसे कोण बनाती है, बार-बार चट्टानों को डॉल्फ़िन, डॉगफ़िश या किसी बड़े शिकार की तलाश में देखती रहती है, जो एम्फिट्राइट की गर्जना करती लहरों में प्रजनन करने वाले अनगिनत झुंडों में से होते हैं। विशेष रूप से वह मानव जाति पर पलती है, और आने वाले हर काले जहाज से अपने हर सिर से एक आदमी को छीन लेती है। आज तक कोई भी नाविक यह दावा नहीं कर सकता कि वह अपनी नाव में उससे बच निकला है। “ओडीसियस, इस चट्टान के पास ही तुम्हें दूसरी, नीची चट्टान दिखाई
देगी। बिलकुल पास, बस एक तीर की दूरी पर। उस पर लगे जंगली अंजीर के पेड़ को देखो, जो पत्तों से लदा है, क्योंकि उसके नीचे ही वह जगह है जहाँ विशालकाय चैरिबडिस काले रंग में समुद्र को निगलती है। दिन में तीन बार वह उसे निगलती है और तीन बार उगलती है: एक भयानक दृश्य। जब वह समुद्र को निगल रही हो, तब तुम वहाँ मत रहना! कोई भी शक्ति, यहाँ तक कि पृथ्वी को हिला देने

वाली शक्ति भी, तुम्हें विनाश से नहीं बचा पाएगी। बेहतर होगा कि तुम तेज़ी से स्काइला की चट्टान की ओर बढ़ो, उससे सटकर चलो और तेज़ी से आगे बढ़ो। भीड़ में से छह आदमियों के चले जाने का शोक मनाना, सभी के एक साथ खो जाने से कहीं कम दुखद है।” वह रुकी और मैंने बीच में कहा, “देवी, मुझे इस सब के बारे में आपसे एक सीधा सवाल पूछना है। क्या मेरे लिए घातक चैरिबडिस से बचते हुए, उस दूसरी देवी से लड़ने का कोई तरीका नहीं है, जब वह मेरे आदमियों को परेशान करने की कोशिश करती है?” मैंने पूछा। “घमंडी दुष्ट!” देवी ने रोते हुए कहा, “तुम्हारा स्वभाव तुरंत ही कर्म और रक्तपात के विचारों की ओर उमड़ पड़ता है। क्या तुम देवताओं को भी अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दोगे? मैं तुमसे कहती हूँ, स्काइला नश्वर नहीं है, जिससे लड़ा जा सके, बल्कि वह एक अमर घाव है: निर्दयी, क्रूर, शैतानी, अजेय। स्वयं को तैयार कर लो: उससे भाग जाना ही वीरता का सर्वोत्तम भाग है। यदि तुम उसके चट्टान के नीचे रुककर उससे लड़ने की तैयारी करोगे, तो मुझे भय है कि वह तुम पर दोबारा अपने सिर फेंकेगी और फिर से हर एक सिर से एक आदमी को मार डालेगी। तुम्हारा सबसे अच्छा मार्ग है कि तुम उससे आगे बढ़ो और स्काइला की माँ, क्रेटाइस का आह्वान करो, जिसने मानवता के इस अभिशाप को जन्म दिया। क्रेटाइस, आह्वान करने पर, स्काइला को दोबारा हमला करने से रोकेगी।”
इसके बाद तुम थ्रिनासिया द्वीप को सूर्य के अनेक पशुओं और उसकी
श्रेष्ठ भेड़ों का चरागाह बनाओगे। पशु सात झुंडों में हैं और भेड़ों के भी उतने ही समूह हैं, जिनमें से प्रत्येक में पचास भेड़ें हैं। इन पर न जन्म होता है और न मृत्यु। दो दिव्य प्राणी, फाएथुसा और लैम्पेटी, नीएरा और परम पूजनीय हेलिओस की सुंदर कन्याएँ, इनकी देखभाल करती हैं। उनकी माता, देवी ने, उनके दूध छुड़ाने के बाद, उन्हें इस थ्रिनासिया द्वीप में अलग रहने के लिए भेज दिया, जहाँ वे अपने पिता के झुंडों और उनकी लचकदार गायों की देखभाल करती हैं। यदि तुम घर लौटने के विचार में इतने लीन हो जाओ कि इन पशुओं को हानि न पहुँचाओ, तो बहुत कष्टों के बाद ही तुम अंत में इथाका पहुँच पाओगे; परन्तु यदि तुम उन्हें हानि पहुँचाओगे, तो मैं तुम्हारे जहाज और तुम्हारे साथियों के निश्चित विनाश की भविष्यवाणी करता हूँ। तुम स्वयं तो बच जाओगे, परन्तु तुम्हारी वापसी कम से कम विलंबित और दयनीय होगी, और अंत में तुम्हारे पूरे दल की हानि ही होगी।

जैसे ही सर्सी ने बोलना शुरू किया, भोर ने अपना स्वर्ण सिंहासन ग्रहण किया। देवी द्वीप में वापस चली गईं, जबकि मैं जहाज पर लौट आया और अपने आदमियों को रस्सियाँ खोलने के लिए बुलाया। जल्द ही वे सवार हो गए, अपनी- अपनी सीटों पर बैठ गए और एक साथ चप्पू चलाकर समुद्र को लहरों से भर दिया। जहाज के पीछे सर्सी ने हमें एक दयालु साथी भेजा, एक अनुकूल हवा जिसने हमारे पालों को भर दिया। प्रत्येक व्यक्ति ने जहाज में अपना कर्तव्य निभाया और उसके बाद हम आराम से बैठ गए, जबकि हवा और नाविक हमें आगे ले गए।
कुछ देर बाद मैंने अपने साथियों से गंभीरता से कहा: “मित्रों, मैं अपने
तक या केवल एक-दो लोगों तक ही सीमित नहीं रखना चाहता, जो बातें मुझे देवियों की देवी, सिरसे ने बताई हैं, उन्हें मैं सबके सामने प्रकट करूँगा ताकि हम – अगर मरें तो – जानकारी के साथ मरें, या फिर मृत्यु और भाग्य को चकमा देकर बच निकलें। उनकी पहली चेतावनी अद्भुत जलपरियों और उनके फूलों से भरे मैदान के बारे में है। हमारा पहला कर्तव्य होगा कि हम उनके गीत अनसुने कर दें। केवल मैं ही सुन सकता हूँ, जब आप मुझे इतनी कसकर रस्सियों से बाँध देंगे कि मैं मस्तूल के तंबू से मजबूती से बंधा रहूँ, और मस्तूल से ही लटकती हुई छोटी-छोटी रस्सियों से: और अगर मैं आपसे विनती करूँ या आपको मुझे छोड़ने के लिए कहूँ, तो आपको मुझे और भी कसकर बाँधना होगा।” मैंने यह तब तक दोहराया जब तक सबने इसे अच्छी तरह सुन नहीं लिया, जबकि हमारा सुशोभित जहाज हमारी सुखद हवा के झोंके से इन जलपरी-बहनों के द्वीप की ओर तेजी से बढ़ रहा था। लेकिन अचानक यह हवा धीमी पड़ गई। एक सन्नाटा छा गया, मानो किसी परम शक्ति ने सारी लहरों को शांत कर दिया हो। मेरे साथी उठे और पाल समेटे, जिसे उन्होंने विशाल कुएं में रख दिया; फिर वे चप्पू चलाने के लिए बैठ गए और पॉलिश किए हुए चीड़ की लकड़ी के चप्पूओं से पानी में झाग बनाने लगे। मैंने मोम का एक बड़ा गोला लिया, उसे अपनी तलवार की धार से बारीक काटा और पूरी ताकत से उसे गूंथा। जल्द ही, राजसी सूर्य की तेज रोशनी में गूंथने के कारण मोम गर्म हो गया; जब वह नरम हो गया, तो मैंने उसे अपने सभी साथियों के कानों में भर दिया। फिर उन्होंने मुझे तंबू से सीधा बांध दिया, और रस्सी के अतिरिक्त सिरों को ऊपर मस्तूल से बांध दिया। वे फिर बैठ गए और उनके चप्पूओं की थाप से समुद्र सफेद हो गया।
इस प्रकार धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए हम उस स्थान के निकट पहुँच गए। जलपरियों ने अपने पास से तेज़ी से गुज़रते हुए जहाज़ को भाँप लिया, इसलिए

उन्होंने स्पष्ट रूप से हमें अपना गीत सुनाया – “इधर आओ, इधर आओ, हे प्रशंसित ओडीसियस: हमारे पास आओ, हे अचेया की महिमा। अपने जहाज़ को किनारे पर लाओ ताकि तुम हमारी दोहरी आवाज़ सुन सको। आज तक कोई भी अंधेरे जहाज़ में सवार व्यक्ति हमारे पास से बिना हमारे होठों के मधुर संगीत को सुने नहीं गुज़रा है – ताकि वह आत्मा से प्रसन्न और ज्ञान में परिपक्व होकर जाए। क्योंकि हम उन सभी कष्टों को जानते हैं जिनसे देवताओं ने विशाल ट्रोएड में अर्गिव्स और ट्रोजन को सताया था: और हम उन सभी चीजों को जानते हैं जो भविष्य में उपजाऊ पृथ्वी पर होंगी।” उन्होंने इन शब्दों को मधुर लय में गाया। मेरा हृदय उन्हें सुनने के लिए व्याकुल था। अपने साथियों को मुझसे दूर करने के लिए मैंने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। वे और भी दृढ़ता से झुकते गए जबकि पेरिमीडेस और यूरिलोचस उठकर मेरे पुराने बंधनों को कसते गए और मुझे नए बंधनों से चारों ओर से जकड़ते गए: और ऐसा तब तक चलता रहा जब तक हम पूरी तरह से उनसे आगे नहीं निकल गए और सायरन के शब्द या उनकी धुन सुनाई देना बंद हो गई: तब वफादार साथियों ने वह मोम निकाल दिया जिससे मैंने उनके कान भर दिए थे, और मुझे बंधन से मुक्त कर दिया।
‘हम उस द्वीप को पीछे छोड़ ही रहे थे कि मुझे धुआँ और उफनता पानी दिखाई देने लगा: लहरों की गड़गड़ाहट मेरे कानों में गूंजने लगी। मेरे साथी घबरा गए: चप्पू उनके हाथों से फिसलकर जहाज की लहरों में बेतरतीब ढंग से हिलने लगे। हम रास्ता भटक गए, क्योंकि चप्पू के ब्लेड की एकसमान गति रुक गई।’ मैं जहाज पर घूम-घूम कर एक-एक व्यक्ति से विनती करता और उन्हें इन जोशीले शब्दों से प्रोत्साहित करता, “साथियों, हम खतरे से अनजान तो नहीं हैं? यह बुराई, जिसका हम सामना कर रहे हैं, साइक्लोप्स की गुफा में हमारे उस भयानक अनुभव से कहीं कम भयानक है, जब उसने हमें अपने शक्तिशाली जाल में जकड़ रखा था। मेरी निडर सूझबूझ और सूझबूझ के कारण हम उससे बच निकले थे। मुझे लगता है कि एक दिन हम आज के इस साहसिक अनुभव को भी उसी तरह याद करेंगे। इसलिए, आप सभी ठीक वैसा ही करें जैसा मैं कहता हूँ। बाकी सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाइए और चप्पू से समुद्र की उमड़ती लहरों को थाम लीजिए। देखते हैं कि क्या ज़्यूस हमें इस संकट से मुक्ति दिलाएगा या नहीं। हे कप्तान, आपके लिए मेरे पास एक विशेष आदेश है। इसे अपने दिल में बिठा लीजिए, क्योंकि आप उस जहाज की पतवार थामे हुए हैं जिसमें हम सब सवार हैं। इसे इस धुएँ और उफनते पानी से दूर रखिए और चट्टान से बचकर चलिए, कहीं ऐसा न हो कि जहाज अचानक दूसरी तरफ

मुड़कर आपको चौंका दे। ऐसा करने से आप हमें खतरे में डाल देंगे।” ये मेरे आदेश थे। सभी ने उनका पालन किया। मैंने स्काइला का ज़िक्र नहीं किया: क्योंकि अगर मैंने उसके भयानक आतंक को अपने सैनिकों के बोझ में जोड़ दिया होता, तो वे घबराकर चप्पू छोड़कर छिपने के लिए डेक के नीचे भाग जाते। मैंने सिरसे की इस कठोर चेतावनी का भी पालन नहीं किया कि मुझे हथियारबंद नहीं होना चाहिए। मैंने अपने प्रसिद्ध कवच को पहना, दो लंबे भाले हाथ में लिए और जहाज़ के अगले हिस्से पर चढ़ गया, यह सोचकर कि चट्टानों पर रहने वाली स्काइला के मेरे दल पर हमले पर नज़र रखने के लिए यही सबसे अच्छी जगह है। हालाँकि, मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया, हालाँकि मैंने धुंधली आँखों से उन अंधेरी चट्टानों की छाया को भेदने की कोशिश की।
हम घबराते हुए संकरे जलडमरूमध्य में आगे बढ़ते गए। एक तरफ़ स्काइला
थी, जबकि दूसरी तरफ़ भयानक भंवर में चरिब्डिस समुद्र को निगल रही थी और उसे आग पर रखे बर्तन की तरह उगल रही थी। खारा पानी उसके अथाह गड्ढों से इतनी उग्रता से निकल रहा था कि उसका झाग दोनों चट्टानी दीवारों की चोटियों पर छिटक रहा था। जब भी वह खारे समुद्र को निगलती, उसके मुंह के भीतरी भाग को साफ़ देखा जा सकता था। बिल्कुल तल पर समुद्र का तल कीचड़ भरा और रेत से काला दिखाई दे रहा था। चारों ओर की चट्टानें भयानक गड़गड़ाहट कर रही थीं। मेरे साथी डर से पीले पड़ गए, उस अथाह गड्ढे में घूरते हुए जहाँ हमें अपनी तत्काल मृत्यु की आशंका थी। स्काइला ने ठीक उसी क्षण जहाज़ के बीच से हमारे दल के छह सदस्यों को - सबसे हट्टे-कट्टे और सबसे अच्छे सदस्यों को - अगवा कर लिया। मेरी नज़र अचानक तटबंधों के पार, दल के ऊपर से गुज़री, और मैंने उनके लटकते हाथों और पैरों को देखा, जैसे ही उन्हें ऊपर खींचा गया, वे पीड़ा से पतली और ऊँची आवाज़ में आखिरी बार मेरा नाम पुकार रहे थे। शायद किसी मज़दूर को किसी चट्टानी टीले पर, जहाँ उसने छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए चारा डाला हो, अपने लंबे डंडे को, जिसके सिरे पर गाय के सींग जैसा नुकीला सिरा हो, समुद्र में फेंकते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही वह तड़पती हुई हर मछली को किनारे की ओर फेंकता है ताकि वे जीवन के लिए तड़पें, वैसे ही वे भी छटपटाते हुए चट्टानों की ओर ऊपर की ओर झूलती हैं; जहाँ गुफा के मुँह में वह उन्हें चबाकर निगल जाती है, उनकी चीखों और हाथों को फैलाकर अंतिम गुहार के बावजूद, जो वे अपनी मृत्यु की पीड़ा में मुझसे मदद माँग रहे

थे। गहरे समुद्र के रास्तों की खोज करते हुए मेरी आँखों ने जितने भी दुख देखे, उनमें यह सबसे दयनीय दृश्य था।
अब हम स्करीज़, स्काइला और चारिब्डिस के खतरे से निकल चुके थे। हम
ईश्वर के पवित्र द्वीप के निकट पहुँच रहे थे, जहाँ हेलिओस हाइपेरियन अपने चौड़े भौंहों वाले शानदार मवेशियों और कई मोटी भेड़ों के झुंड रखता था। समुद्र में हमारे डेक से भी मैं बाड़े में ले जाए जा रहे मवेशियों की रंभाने की आवाज़ और भेड़ों के मिमियाने की आवाज़ सुन सकता था। इस आवाज़ ने मुझे थेब्स के अंधे पैगंबर टेरेसियस और ऐयन सिरसे के शब्द याद दिला दिए। दोनों ने मुझे सूर्य-देव के इस द्वीप से सावधान रहने की सख्त चेतावनी दी थी, जो मनुष्यों के दिलों को प्रकाश से भर देता है। इसलिए मैंने अपने अनुयायियों से गंभीरतापूर्वक कहा: –
“हे कष्ट सहने वाले और पीड़ा झेल चुके लोगों, मेरी बात सुनो। टेरेसियस
और सिरसे ने मुझे चेतावनी देते हुए कहा था कि मैं हेलियोस के इस द्वीप से सावधान रहूँ, जो मानव जाति को प्रसन्न करने वाला देवता है। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि यहाँ हमारा अंतिम और सबसे घातक खतरा हो सकता है। इसलिए, हमें इस स्थान से सीधे आगे निकल जाना चाहिए और इससे बचना चाहिए।” मैंने ऐसा कहा, लेकिन उनके हृदय कष्टों से इतने टूट चुके थे कि यूरिलोकस ने विद्रोहपूर्वक मुझसे उनकी असंतुष्टि व्यक्त की। “ओडीसियस, आप सहनशील और असाधारण रूप से बलवान हैं, और आपके जोड़ भी नहीं थकते: लेकिन यदि आप हमें, अपने दल को, इस तट पर कदम रखने से रोक सकते हैं, जहाँ समुद्र से घिरी सुरक्षा में हम आराम से भोजन कर सकते हैं और नींद में अपनी थकान दूर कर सकते हैं – तो फिर आप सचमुच लोहे के आदमी हैं। क्या आप चाहते हैं कि हम आने वाली रात में कूद पड़ें और इस द्वीप को छोड़ दें, और टूटे हुए दिलों के साथ अंधेरे, धुंध भरे समुद्र में भटकें? रात से ही भयंकर, जहाज़ों को डुबाने वाली हवाएँ जन्म लेती हैं। हममें से कोई भी पूर्ण विनाश से कैसे बचेगा, यदि हमारे स्वामी देवताओं की अनुमति के बिना कोई तेज़ हवा का झोंका अचानक दक्षिण या पश्चिम से आ जाए, जो दो दिशाएँ घातक तूफानों के लिए सबसे अधिक जानी जाती हैं? इसलिए आइए हम अंधकार की शक्ति के सामने झुकें, भरपेट भोजन करें और जहाज़ के पास शांति से विश्राम करें जब तक कि सुबह हमें स्वच्छ समुद्र में यात्रा करने की अनुमति न दे।”

इस प्रकार यूरिलोकस और अन्य लोग उसके पक्ष में हो गए। मुझे लगा कि कोई शक्ति बुरी मंशा रख रही है, और मैंने तीखे शब्दों में उनसे कहा: “यूरिलोकस, मैं एक हूँ और तुम अनेक हो, और तुम मुझे झुकाओगे। लेकिन कम से कम मेरे सामने एक शपथ लो कि यदि हमें किनारे पर मवेशियों का कोई झुंड या भेड़ों का बड़ा समूह मिले, तो तुममें से कोई भी इतना पागल या दुष्ट नहीं होगा कि किसी भी जानवर को मार डाले: बल्कि अमर सिरसे द्वारा दिए गए भोजन से शांतिपूर्वक संतुष्ट होकर विश्राम करेगा।” मैंने ऐसा आग्रह किया और उन्होंने तुरंत शपथ ले ली। सभी के विधिवत शपथ लेने के बाद, हमने अपने मजबूत जहाज को ताजे पानी के एक झरने के पास सुरक्षित बंदरगाह में रोक दिया। सभी लोग उतरे और कुशलता से अपना भोजन तैयार किया। लेकिन जब उन्होंने भोजन और पेय की आवश्यकता पूरी कर ली, तो उन्हें अपने प्रिय साथियों की याद आई और वे शोक मनाने लगे जिन्हें स्काइला ने जहाज से निकालकर जिंदा खा लिया था। जब वे रो रहे थे, तब उन्हें नींद आ गई, जो उन्हें सांत्वना देती है।
रात के तीसरे पहर में तारे डूब रहे थे, तभी बादलों को इकट्ठा करने वाले ज़्यूस ने इतनी तेज़ हवा चलाई कि तूफ़ानी बादल धरती और समुद्र को ढक बैठे और आकाश में रात छा गई। इसलिए सुबह होते ही हमने अपने जहाज़ को किनारे पर खींच लिया और उसे एक खोखली गुफा में सुरक्षित कर दिया, जिसके नीचे अप्सराओं के लिए सुंदर नृत्य स्थल बने हुए थे, जिनके चारों ओर आकर्षक आसन थे। मैंने वहाँ अपने साथियों को बुलाया और उनसे कहा, “मित्रों, हमारे जहाज़ में भोजन और पेय का भंडार है: इसलिए मुसीबत से बचने के लिए इस द्वीप के पशुओं से दूर रहें। वे और इसकी सुंदर भेड़ें एक ईर्ष्यालु देवता, हेलिओस, जो सबका रक्षक और श्रोता है, की हैं।” उनके हृदय मेरी बात मान गए: लेकिन पूरे एक महीने तक हवा लगातार दक्षिण से बिना रुके चलती रही, बस कुछ पल पूर्व की ओर मुड़ती और फिर वापस दक्षिण की ओर आ जाती। जब तक अनाज और लाल शराब का भंडार था, तब तक मेरे दल ने जीवित रहने की इच्छा से मवेशियों से दूरी बनाए रखी। लेकिन एक दिन ऐसा आया जब जहाज का सारा सामान खत्म हो गया। भूख ने उनके पेट को जकड़ लिया। मजबूरी में वे भोजन की तलाश में इधर-उधर भटकने लगे, कांटेदार हुकों से मछली पकड़ने या पक्षियों का शिकार करने के लिए - जो कुछ भी उनके हाथ लगे, उसे पाने के लिए वे बेताब थे। मैं द्वीप पर देवताओं से प्रार्थना करने चला गया, इस उम्मीद में कि शायद उनमें से कोई मुझे रास्ता दिखा दे। काफी दूर जाकर मैंने सारी परेशानियों को दूर कर दिया

और एक शांत जगह पर हाथ धोकर ओलंपियन देवताओं से प्रार्थना की, जिन्होंने मुझे मीठी नींद सुला दी।
इसी बीच यूरिलोकस अपने साथियों को राजद्रोह का उपदेश दे रहा था: “हे
दुखी और दुर्भाग्यशाली नाविकों, मेरी बात सुनो। हम जैसे तुच्छ मनुष्यों को किसी भी प्रकार की मृत्यु भाती नहीं: बल्कि भूख और उसकी धीमी मृत्यु को ही सबसे नीच नियति मान लो। इसलिए उठो; चलो सूर्य के पशुओं में से अपनी पसंद के पशु चुन लें और उन्हें स्वर्ग के सभी देवताओं को अर्पित कर दें। यदि हम कभी अपने शहर इथाका पहुँच गए, तो वहाँ हम हेलिओस हाइपेरियन के लिए एक भव्य मंदिर बना सकते हैं और उसे हर अनमोल भेंट से भर सकते हैं। लेकिन यदि वह अपने ऊँचे सींग वाले पशुओं के खोने से इतना क्रोधित हो जाए कि हमारे जहाज को भी नष्ट करना चाहे, और यदि अन्य देवता भी उसकी इच्छा का समर्थन करें – तो मैं इस निर्जन द्वीप पर धीरे-धीरे मरते रहने के बजाय समुद्र में एक ही घूँट में अपनी जान दे देना पसंद करूँगा।” यूरिलोकस ने ऐसा कहा और बाकी सब सहमत हो गए। सूर्य के पशु वहाँ मौजूद थे, भव्य, लंगड़ाते हुए चलने वाले, चौड़े सींग वाले जानवर, जो जहाज के बिल्कुल पास चर रहे थे। तुरंत ही साथियों ने सबसे उत्तम जानवरों को अलग कर दिया और उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े हो गए और देवताओं से प्रार्थना करने लगे। बलि चढ़ाने के लिए उन्होंने एक शाखादार बलूत के पेड़ से ताज़ी पत्तियाँ तोड़कर बिखेर दीं, जो जहाज़ में अब न मिलने वाली सफेद जौ की जगह थीं। उन्होंने प्रार्थना की और जानवरों के गले काट दिए; फिर उनकी खाल उतारी, टांगें जोड़ीं, जांघ की हड्डियों को ऊपर और नीचे चर्बी से लपेटा और उन पर मांस की पट्टियाँ भूनने के लिए रख दीं। अब उनके पास जलती हुई बलि पर डालने के लिए शराब नहीं बची थी; इसके बजाय वे जल छिड़कते रहे। उन्होंने आंतों को पूरा भून लिया। जब जांघें पूरी तरह जल गईं और उन्होंने अपने होठों से आंतों को छुआ, तो उन्होंने बाकी मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर पकाने के लिए सींक पर रख दिया। तभी मेरी पलकों से नींद का बोझ उतरा और मैं जहाज़ और किनारे पर वापस जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। जब मैं जा रहा था और घुमावदार जहाज़ के पास पहुँचा, तो चारों ओर भुनी हुई चर्बी की स्वादिष्ट खुशबू फैल गई। इसलिए मैंने कराहते हुए अमर देवताओं से विनती की: “हे पिता ज़्यूस और समस्त परम पूजनीय देवों! इस क्रूर नींद से आपने मुझे विनाश की ओर धकेल दिया है। मेरे दल ने, अपने हाल पर छोड़कर, इस भयानक कृत्य की कल्पना की और उसे अंजाम दिया।”

लम्पेटी, जो लहूलुहान वस्त्र पहने थी, तेज़ी से हेलिओस के पास यह खबर लेकर दौड़ी। उसने हेलिओस को बताया कि हमने उसके पशुओं को मार डाला है। इस पर क्रोधित होकर हेलिओस ने सभी देवताओं से कहा, “हे पिता ज़्यूस और हे अन्य पूजनीय देवताओं, मैं ओडीसियस, लेर्टेस के पुत्र, के अनुयायियों से प्रतिशोध की प्रार्थना करता हूँ, क्योंकि उन्होंने मेरे पशुओं को मारने का दुस्साहस किया है। जब भी मैं तारों भरे आकाश में जाता था या स्वर्ग की ऊँचाई से पृथ्वी की ओर लौटता था, तो उन्हें देखना ही मेरा सबसे बड़ा आनंद होता था। यदि वे मुझे पूरा दंड नहीं देते, तो मैं पाताल लोक चला जाऊँगा और वहाँ मृतकों पर अपना प्रकाश चमकाऊँगा।” ज़्यूस ने उत्तर दिया, “नहीं, हेलिओस: तुम देवताओं और मनुष्यों के बीच अपना प्रकाश चमकाते रहो, जो उपजाऊ पृथ्वी पर अपने-अपने मार्ग पर चलते हैं। मैं ही उनके जहाज को अपने श्वेत वज्र से एक ही प्रहार में नष्ट कर दूँ और उसे शराब के समान गहरे समुद्र में चूर-चूर कर दूँ।” [ये बातें मुझे बाद में कैलिप्सो ने बताईं, जिसने इन्हें मार्गदर्शक हेमीज़ से सुना था।]
जब मैं जहाज़ के खाड़ी में पहुँचा, तो मैंने हर आदमी को उसके गुनाह के
लिए फटकारा, लेकिन सुधार संभव नहीं था। मवेशी मर चुके थे, और अगले छह दिनों तक मेरे साथियों ने हेलिओस के उन बेहतरीन जानवरों का मांस खाया जिन्हें वे भगा ले गए थे। फिर भी, देवताओं ने संकेत प्रकट करने में देर नहीं की। मारे गए जानवरों की खालें धीरे-धीरे रेंगने लगीं, और मांस (कच्चा और पका हुआ दोनों) झुंड के रंभाने जैसी आवाज़ निकाल रहा था। जब ज़्यूस ने सातवाँ दिन लाया, तब हवा का बेकाबू चलना बंद हुआ। हम जहाज़ पर चढ़े और खुले समुद्र की ओर चल पड़े, मस्तूल लगाया और पाल फहराया। हमने द्वीप को खो दिया और उसके बाद हमें कोई ज़मीन नहीं दिखी, केवल आकाश और समुद्र ही दिखाई दिए: लेकिन तभी क्रोनोस के पुत्र ने एक घना बादल इकट्ठा किया और उसे हमारे खोखले जहाज़ के ऊपर स्थिर कर दिया। उसके नीचे गहरा आकाश गरजते हुए अंधेरे में बदल गया। हम अपने मार्ग पर अधिक देर तक नहीं चल पाए: क्योंकि अचानक पश्चिम से एक भयंकर तूफान हम पर टूट पड़ा, जिसमें हवा के प्रचंड झोंके चल रहे थे, जिनकी प्रचंडता से हमारे दोनों पाल उखड़ गए। मस्तूल पीछे की ओर गिर गया और उसका सारा सामान कमर तक चकनाचूर हो गया; जबकि मस्तूल स्वयं पीछे की ओर जहाज के पिछले हिस्से पर खिंच गया और नाविक के सिर पर जा लगा, जिससे उसकी खोपड़ी चूर-चूर हो गई। वह अपने ऊंचे चबूतरे से एक ही झटके में नीचे गिर गया, और

उसकी बहादुरी का साया उसके शरीर से निकल गया। तभी ज़्यूस ने गर्जना की और उसी क्षण जहाज पर बिजली गिरा दी। ज़्यूस के बिजली के झटके से जहाज की लकड़ियाँ काँप उठीं। जहाज दम घोंटने वाले गंधक और गंधक के धुएँ से भर गया: उसके चालक दल के सदस्य जहाज से बाहर निकल गए। एक पल के लिए वे पानी पर काले रंग में तैरते रहे, काले जहाज के पास से उठती लहरों पर समुद्री पक्षियों की तरह। फिर देवता ने उनकी घर वापसी की यात्रा समाप्त कर दी।
मैं कुछ देर तक जहाज़ पर ऊपर-नीचे झूलता रहा, जबकि तेज़ लहरों ने कील से तख्ते उखाड़ दिए और वह अकेले ही तैरने लगी। मस्तूल का निचला हिस्सा कीलसन से टूटकर अलग हो गया था – हालाँकि, उससे बैकस्टे (कच्चे बैल की खाल की एक पट्टी) बंधी हुई थी। वह अभी भी टिका हुआ था; इसलिए मैं मस्तूल और कील को एक साथ खींचकर बांध सका। उनके सहारे मैं भयंकर तूफान में बहता चला गया। अंततः पश्चिमी हवा का प्रचंड प्रवाह थम गया: और उसकी जगह दक्षिणी हवा चलने लगी, जिसकी तीव्रता ने मेरे हृदय में और भी पीड़ा भर दी; क्योंकि इसका अर्थ था कि मैं प्रत्येक लहर को घातक चरिब्डिस की ओर वापस धकेल रहा था। पूरी रात मैं समुद्र में भटकता रहा, और सूर्योदय के समय मैंने खुद को स्काइला की चट्टान के सामने पाया, जहाँ मैं भयानक चरिब्डिस का सामना कर रहा था, जो सागर को निगल रही थी। उसके भंवर ने मुझे ऊपर की ओर एक ऊँचे अंजीर के पेड़ तक पहुँचा दिया। मैं वहाँ किसी चमगादड़ की तरह चिपक गया: हालाँकि, मुझे वहाँ पैर जमाने या खड़े होने की कोई जगह नहीं मिल रही थी: जड़ें बहुत नीचे थीं और शाखाएँ बहुत ऊपर। ये शाखाएँ लंबी और विशाल थीं, जो पूरी चरिब्डिस को छाया दे रही थीं। मैं दृढ़ता से टिका रहा, उसके द्वारा मेरे मस्तूल और कील को उगलने का इंतजार करता रहा। बहुत देर बाद मेरी आशाएँ पूरी हुईं और वे आए: उतनी ही देर जितनी देर से कोई न्यायाधीश अदालतों से उठता है, जो अपने उग्र वादियों के कई मुकदमों को निपटाने के लिए रुका रहता है: इतनी देर बाद ही मस्तूल फिर से दिखाई दिए। मैंने हाथ-पैर फैलाकर छलांग लगाई और इन विशाल चट्टानों के दूसरी ओर पानी में ज़ोर से छपछपाया। मैं उन पर बैठ गया और हाथों से ज़ोर-ज़ोर से चप्पू चलाने लगा। ईश्वर और मनुष्यों के पिता ने मुझे स्काइला के दर्शन से बचा लिया, अन्यथा मेरी मृत्यु निश्चित थी।
“तो मैं नौ दिनों तक बहता रहा। दसवें दिन के अंधेरे में देवताओं ने
मुझे ओगिगिया के तट पर पहुँचा दिया, जहाँ कैलिप्सो रहती हैं, जो एक उच्च

कोटि की लेकिन दयालु स्वभाव वाली देवी हैं। उन्होंने मेरा स्नेहपूर्वक स्वागत किया और मेरी देखभाल की। लेकिन यह सब दोहराने की क्या आवश्यकता है? कल ही तो मैंने यह सब आपको, हे राजा, और आपकी प्रसिद्ध पत्नी को बताया था। जो कहानी पहले ही स्पष्ट रूप से बताई जा चुकी है, उसे दोहराना मुझे अच्छा नहीं लगता।”

पुस्तक 13

वह रुक गया, लेकिन श्रोता कहानी में इतने मग्न थे कि शांत, धुंधले हॉल में कोई हिला तक नहीं। अंत में, सन्नाटे को पार करते हुए अल्किनोस की आवाज़ सुनाई दी: “हे भगवान ओडीसियस, अब तक चाहे आप पर कितनी भी विपत्तियाँ आई हों, अब जब आप अंततः मेरे काँसे फर्श वाले महल, मेरे आलीशान महल में पहुँच गए हैं, तो मुझे लगता है कि अब आप अपने घर के रास्ते से और नहीं भटकेंगे: इस संबंध में, मेरे महल में आने वाले सभी आगंतुकों के लिए, जो हमारे संगीतकार को सुनने और हमारी लाल रंग की एल्डरमैनिक शराब पीने आते हैं, मेरे पास एक निवेदन है। फ़ेएशियन सलाहकारों द्वारा अजनबी के लिए लाए गए कपड़ों, सोने के आभूषणों और अन्य उपहारों से एक चमकीला संदूक पहले ही भर दिया गया है। हम सभी यहाँ, मानो अपनी ओर से, उन्हें कड़ाही सहित एक बड़ा तिपाई भेंट करें। बाद में हम आम लोगों से चंदा लेकर अपने खर्चों की भरपाई कर सकते हैं, क्योंकि अगर इतनी उदारता किसी एक पक्ष पर ही न पड़े तो यह बहुत बड़ी हानि होगी।” अल्किनोस ने ऐसा कहा और उसे सबने हार्दिक स्वीकृति दी। भीड़ नींद से भरी हुई अपने-अपने घर की ओर चल पड़ी; लेकिन भोर की रोशनी में वे अपने तांबे के खजाने के साथ जहाज की ओर तेजी से बढ़ रहे थे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ ठीक से रखा गया है, महाराज स्वयं जहाज पर आए और देखा कि उन्हें रस्सियों के नीचे इस तरह रखा गया है, जहाँ वे चप्पू चला रहे चालक दल को परेशान न करें। फिर भीड़ अल्किनोस के घर पहुंची और एक भोज की तैयारी की। उनके लिए राजा ने सार्वजनिक रूप से क्रोनोस के बादल-आच्छादित पुत्र, सभी के स्वामी ज़्यूस को एक बैल की बलि दी। जांघों को विधिवत जलाने के बाद वे आनंदपूर्वक भोज में लीन हो गए, जबकि उनके बीच डेमोडोकस ने अपने मधुर संगीत से सबका दिल जीत लिया।
फिर भी ओडीसियस बार-बार अपना सिर उस तेजस्वी सूर्य की ओर घुमा रहा था, मानो घर लौटने की तीव्र इच्छा से उसे पृथ्वी की ओर बुला रहा हो। एक किसान भी इसी तरह रात के खाने की प्रतीक्षा करता है, यदि वह दिनभर अपने दो भूरे बैलों की देखभाल करता रहा हो, जो घुमावदार हल से बंजर भूमि जोत रहे हों।

सूर्यास्त उसे रात के खाने की तलाश में विदा करता है, इसलिए ऐसे व्यक्ति को प्रसन्नता होती है, भले ही चलते-चलते उसके घुटने कांप रहे हों। इसलिए ओडीसियस को सूर्य का प्रकाश ढलते और अस्त होते देखकर राहत मिली। अचानक वह नाविक फेएशियनों के बीच पहुँच गया और मुख्य रूप से अल्किनोस को संबोधित करते हुए बोला, “हे परम पूज्य राजा, अपनी भेंट पूर्ण कीजिए! फिर मुझे विधिवत विदा कीजिए और ईश्वर आपको इससे प्रसन्न करे। अब मेरे हृदय की इच्छा पूरी हो गई है - मुझे सामर्थ्य सहित विदा कीजिए।” हे स्वर्ग के देवता, इसे मेरे हित में बदल दें और मुझे मेरी नेक पत्नी को मेरे मित्रों के अटूट घेरे में सुरक्षित घर पर पाने का वरदान दें: आप यहाँ रहकर अपनी वफादार पत्नियों और बच्चों के लिए खुशियाँ भरते रहें। देवता इस जनमानस पर अपनी कृपा बरसाएँ, ताकि कोई भी बुराई हमेशा के लिए इनके बीच न रहे।’ सभी ने तालियाँ बजाईं और यह निर्णय लिया कि अजनबी को उसकी उचित कृपा मिलनी चाहिए। राजा अल्किनोस ने अपने दूत को आदेश दिया: ‘पोंटोनस, मिश्रण के कटोरे को हिलाओ और पूरे हॉल में पेय ले जाओ, ताकि हम पिता ज़्यूस से प्रार्थना करते हुए अजनबी को उसके देश भेज सकें।’ उनके आदेश पर पोंटोनस ने शहद जैसी मीठी शराब मिलाई और सभी को परोसी। अपनी-अपनी सीटों पर बैठे सभी लोगों ने स्वर्ग के देवताओं को अर्घ्य अर्पित किया। केवल महान ओडीसियस ही अपने पैरों पर खड़े हुए और प्रेम का प्याला एरेट के हाथ में देते हुए बोले: “हे रानी, आपकी खुशी तब तक बनी रहे जब तक यौवन और मृत्यु, ये दो क्षण जो समस्त मानव जाति की प्रतीक्षा करते हैं, न आ जाएँ। अब मैं जा रहा हूँ। इस घर में, आपके बच्चों, प्रजा और राजा अल्किनोस के साथ, आप प्रसन्न रहें।”
ओडीसियस का सफर समाप्त हुआ। उसके कदम दरवाज़े की दहलीज पार कर गए;
लेकिन तट तक, जहाँ उसका जहाज़ इंतज़ार कर रहा था, अल्किनस ने एक दूत को उसे आगे ले जाने का आदेश दिया; जबकि एरेट ने अपनी एक सेविका को उसकी धुली हुई बनियान और चोगा ले जाने के लिए भेजा, दूसरी को भारी संदूक की ज़िम्मेदारी सौंपी, और तीसरी को भोजन और लाल शराब के साथ भेजा। इस प्रकार वह समुद्र तक पहुँचा; जहाँ उसके साथ आए लोगों ने, उसके सामान, भोजन और पेय को जल्दी से लिया और सब कुछ अपने जहाज़ में रख दिया। उन्होंने ओडीसियस के लिए जहाज़ के पिछले हिस्से में एक तख़्ता और चिकनी चादर बिछाई जहाँ वह निश्चिंत होकर सो सके। फिर वह भी जहाज़ पर सवार हुआ और लेट गया, एक शब्द भी नहीं बोला। चालक दल अपनी-अपनी जगह पर तैनात हो गया। उन्होंने रिंग-स्टोन से रस्सी खोली और

अपने काम में जुट गए, चप्पूओं से समुद्र में झाग उछालते हुए: और ओडीसियस की आँखों में एक बेदाग नींद छा गई – एक बेहद मीठी, गहरी नींद, जो मानो मृत्यु के बहुत करीब थी। जब वह सो रहा था, जहाज का पिछला हिस्सा ऊपर उठा, कांप उठा और फिर शोर मचाते समुद्र की विशाल, काली लहरों की ओर डूब गया, जो लगातार उसके पीछे आती जा रही थीं। ठीक वैसे ही जैसे चार घोड़े एक साथ जुते हुए कोड़े की मार से उछलते और ज़ोर से छलांग लगाते हैं, पलक झपकते ही अपनी सीधी दौड़ पूरी करने के लिए आगे बढ़ते हैं। उन्हीं की तरह जहाज भी उठा और अपनी दौड़ में बिना रुके आगे बढ़ता गया, मानो चक्कर लगाते बाज़ से भी हल्का हो, हालांकि उड़ने वालों में बाज़ सबसे तेज़ होता है। वह ऐसे ही आगे बढ़ता गया, समुद्र की लहरों को चीरता हुआ, अपने भीतर एक ऐसे व्यक्ति को लिए हुए जो देवताओं के समान तीक्ष्ण बुद्धि का था, जिसने अतीत में मनुष्यों के युद्धों और तूफानी लहरों के हाथों दिल टूटने का दर्द सहा था, लेकिन अब वह अपने द्वारा सहे गए सभी कष्टों को भूलकर शांति से सो रहा था।
भोर के विशेष अग्रदूत माने जाने वाले उस सबसे चमकीले तारे के उदय होते ही, जहाज़ अपनी तीव्र समुद्री यात्रा करते हुए द्वीप की ओर, इथाका की ओर बढ़ा। इसके तट पर समुद्र के प्राचीन देवता फोर्किस को समर्पित एक पवित्र खाड़ी है, जहाँ खड़ी चट्टानों के दो अलग-अलग टीले खड़े होकर, तेज़ हवाओं के चलने पर बाहर उठने वाली विशाल लहरों से बंदरगाह की रक्षा करते हैं। एक बार इस बंदरगाह में लंगर डालने के बाद, सजे-धजे जहाज़ भी बिना लंगर डाले खड़े रह सकते हैं। खाड़ी के मुहाने पर एक लंबे पत्तों वाला जैतून का पेड़ है और उसके ठीक पास ही अप्सराओं के लिए एक गुफा है; यह एक आकर्षक, छायादार जगह है जिसमें पत्थर के भंडार-कटोरे और घड़े रखे हैं जिनमें मधुमक्खियाँ अपना शहद जमा करती हैं। वहाँ चट्टान के विशाल करघों पर अप्सराएँ अद्भुत रूप से सुंदर, गहरे बैंगनी रंग के वस्त्र बुनती हैं; और इसके जल स्रोत कभी सूखते नहीं। गुफा में प्रवेश के दो द्वार हैं: एक उत्तर दिशा की ओर खुलता है, जिससे मनुष्य प्रवेश करते हैं; जबकि दूसरा प्रवेश द्वार दक्षिण की ओर है और वास्तव में पवित्र है। वहां किसी मनुष्य का प्रवेश वर्जित है; यह अमर आत्माओं का मार्ग है।
नाविक इस खाड़ी को अच्छी तरह जानते थे: वे अपने जहाज को इस तरह अंदर लाए कि वह अपनी आधी लंबाई तक ज़मीन में धंस गया: इससे उनके द्वारा लगाए गए बल का अंदाज़ा लगाइए। उन्होंने जहाज के किनारे से उतरकर ओडीसियस को खोखले

पतवार से बाहर निकाला और उसे उसी हालत में, उसकी चादर और सुंदर कालीन पर लिटाकर किनारे पर ले आए। जब उन्होंने उसे धीरे से रेत पर लिटाया, तब भी वह गहरी नींद में था। फिर उन्होंने उसका सामान, वह खजाना जो एथेना की योजना के तहत फेएशियन सरदारों ने उसकी विदाई को आसान बनाने के लिए दिया था, किनारे पर पहुँचा दिया। उन्होंने इसे जैतून के पेड़ के तने के पास, सड़क से थोड़ा हटकर, एक छोटे ढेर में रख दिया, ताकि कोई राहगीर ओडीसियस के सोते समय वहाँ से न गुज़र जाए और उसे लूट न ले। फिर वे अपने घर के लिए रवाना हो गए। पृथ्वी को हिला देने वाले उस देवता ने महान ओडीसियस के विरुद्ध बहुत पहले कहे अपने घातक वचन को अभी तक नहीं भुलाया था। इसलिए उसने ज़्यूस से मन की बात जानने की कोशिश शुरू की और कहा, ‘हे पिता ज़्यूस, अब शाश्वत देवता मेरी ओर ध्यान नहीं देंगे, क्योंकि मनुष्य, यहाँ तक कि फ़ेएशियन भी, जो मेरे ही वंश से निकले हैं, मेरा अपमान कर सकते हैं। मैंने घोषणा की थी कि ओडीसियस अपने सारे दुखों को सहने से पहले घर नहीं लौट पाएगा। मैंने उसे लौटने की अनुमति केवल तुम्हारे लिए दी थी, क्योंकि जब यह बात पहली बार उठी थी, तब तुमने इस पर सहमति जताई थी। लेकिन अब जब वह चैन से सो रहा है, ये लोग उसे तेज़ी से समुद्र पार ले जाकर इथाका में उतार रहे हैं, और उसे कांसे, सोने और बुने हुए वस्त्रों के उपहारों से इतना समृद्ध कर रहे हैं कि वह अपने सारे लूटे हुए माल के साथ ट्रॉय से सुरक्षित निकलकर भी इतना धन इकट्ठा नहीं कर पाता।’
बादलों के वश में करने वाले ने उत्तर दिया: ‘हे पृथ्वी को कंपाने वाले, तुम्हारी यह शिकायत बहुत बड़ी और कष्टदायक है। देवता किसी भी हालत में तुम्हारा सम्मान करना नहीं छोड़ सकते। भला वे ऐसा कैसे कर सकते हैं? अपने सबसे वरिष्ठ, ईश्वर की प्रतिष्ठा को कम करना उनके लिए घोर अन्याय होगा। जहाँ तक मनुष्यों की बात है, यदि कोई भी अपनी वासना और स्वार्थ के वश में आकर तुम्हारा सम्मान न करे, तो इसका उपाय तुम्हारा है और अंतिम बदला तुम्हारे आदेश का इंतज़ार कर रहा है। अपने आप को मुक्त करो: जो तुम्हारा मन करे, वही करो।’ पोसीडॉन ने उससे कहा: ‘हे बादलों की छाया वाले, यही तो मैं अपनी इच्छा से करता, क्योंकि मैं हमेशा तुम्हारी भावनाओं का ध्यान रखता हूँ और उनका सम्मान करता हूँ। मेरी वर्तमान इच्छा है कि इस शानदार फेएशियन जहाज को, जो धुंधले समुद्र के पार अपने मिशन से लौट रहा है, नष्ट कर दूँ। इस

तरह मैं उन्हें विनम्रता सिखाऊँगा और हर तरह के पुरुष की सुरक्षा करना छोड़ दूँगा। साथ ही, मैं उनके शहर को पहाड़ की दीवार के पीछे छिपा दूँगा।’ ज़्यूस ने उसे उत्तर दिया: “हे मित्र, यदि तुम मेरी सलाह मानो तो इस
सुंदर जहाज़ को किनारे के बिल्कुल पास, उसी के आकार और आकृति की एक चट्टान से टकरा दो, और सारी जनता बंदरगाहों से उसके आगमन को देखती रहे। हर कोई आश्चर्यचकित रह जाएगा। फिर अपने शहर के चारों ओर पहाड़ी बना लो।” पोसीडॉन ने सलाह मान ली और फ़ेएशियाई लोगों के गृहनगर शेरिया चला गया, जहाँ उसने तब तक प्रतीक्षा की जब तक कि वह सुंदर जहाज़ अपनी हल्की गति से लगभग किनारे तक नहीं पहुँच गया। फिर वह जहाज़ की ओर झुका और अपने हाथ के एक ही झटके से उसे समुद्र की तलहटी में मजबूती से जड़े हुए एक चट्टान में बदल दिया। उसके बाद वह चला गया। फ़ेएशियाई लोग, जो बड़े चप्पू वाले जहाज़ों के प्रसिद्ध स्वामी थे, एक-दूसरे के चेहरों को निहारने लगे। उनमें से कई ने हकलाते हुए जल्दी-जल्दी ये शब्द कहे: “बताओ, हमारे तेज़ जहाज़ को हमारे गृहनगर के प्रवेश द्वार पर लहरों के बीच इस तरह किसने रोक लिया? अब जाकर हमने उसका हर एक हिस्सा साफ़ देखा है।” उनका यह सवाल पूछना जायज़ था। यह रहस्य बना रहा जब तक कि अल्किनोस ने ज़ोर से घोषणा नहीं की: 'हाय, मेरे लोगों, अब वे प्राचीन भविष्यवाणियाँ पूरी हो गई हैं जो मेरे पिता मुझे बताया करते थे, कि पोसीडॉन हमारे द्वारा सभी को बिना अनुमति के यात्रा की अनुमति देने से इतना क्रोधित हुआ था कि एक दिन वह हमारे सबसे अच्छे जहाजों में से एक को समुद्र के कोहरे से होकर तट पर आते ही नष्ट कर देगा: और फिर हमारे शहर को पहाड़ियों की दीवार के भीतर छिपा देगा। बूढ़े आदमी ने यही कहा था, और अब यह सच हो गया है। फिर भी, सब लोग ध्यान दें; हम सब वचन का पालन करें। अब से, हमारे शहर में प्रवेश करने वाले किसी भी अजनबी को आगे जाने की अनुमति न दें। साथ ही, हम पोसीडॉन को बारह चयनित बैलों की बलि देंगे, इस उम्मीद में कि वह किसी विशाल शिखर की छाया में हमारे स्थान को छिपाने के अपने पश्चाताप के लिए विवश हो जाए।'
उन्होंने उसकी आवाज़ सुनी और बहुत भयभीत हो गए: उन्होंने तुरंत बैल तैयार किए। इस प्रकार, जब ओडीसियस अपने पूर्वजों की भूमि में नींद से जागा, तो फ़ेएशियन के सभी प्रमुख पुरुष और योद्धा शाही पोसीडॉन की वेदी के चारों ओर प्रार्थना कर रहे थे। ऐसा नहीं था कि वह अपने ठिकाने से अवगत था। आंशिक रूप से वह इतने लंबे समय तक अनुपस्थित रहा था; लेकिन आंशिक रूप से इसलिए भी

क्योंकि पल्लास एथेन ने उसे अज्ञात रखने के लिए उसके चारों ओर वातावरण को घना कर दिया था, जबकि वह उसे ज्ञान प्रदान कर रही थी। वह नहीं चाहती थी कि उसकी पत्नी, उसके नगरवासी, या उसके मित्र उसे जानें, जब तक कि सभी दावेदार अपनी दुष्टता का निर्वहन न कर दें।
तो इथाका ने अपने राजा के लिए एक अपरिचित चेहरा दिखाया, दूर तक फैले रास्ते, शांत खाड़ियाँ, चट्टानें और खाइयाँ, हरे-भरे पेड़। वह खड़ा हुआ और अपनी ही भूमि को निहारने लगा, फिर आह भरी और अपनी दोनों हथेलियों को अपनी जांघों पर रखकर शोक से बोला, 'हाय! अब मैं कहाँ हूँ? क्या इस जगह के लोग मुझे ठुकरा देंगे और मुझ पर अत्याचार करेंगे, या मुझे वे नेक और मेहमाननवाज मिलेंगे? मैं यह सारा धन क्यों ढो रहा हूँ? वैसे भी, मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ? काश यह धन फ़ेएशियनों के पास ही रहता, काश मैं किसी ऐसे शक्तिशाली सरदार के पास पहुँच पाता जो मुझसे मित्रता करता और मुझे मेरे घर पहुँचा देता। अब मेरे पास इसे रखने की कोई जगह नहीं है, फिर भी मैं इसे दूसरों के लिए शिकार नहीं छोड़ सकता। मुझे डर है कि सही प्रवृत्ति और विवेक दोनों ने मुझे फ़ेएशियन सरदारों और सलाहकारों के बीच खोजने के लिए कहा होगा, लेकिन उन्होंने मुझे इस अजनबी देश में छोड़ दिया है।' उन्होंने मुझे प्रसिद्ध इथाका द्वीप पर उतारने की कसम खाई थी, लेकिन वे अपनी कसम से मुकर गए। ईश्वर, मानव जाति के सर्वेक्षणकर्ता और पापियों के संहारक, याचिकाकर्ताओं के रक्षक के रूप में उन्हें इसका दंड दें: और अब, शुरुआत करने के लिए, मैं अपने सामान की जाँच कर लूँ और देख लूँ कि क्या चालक दल ने गायब होते समय अपनी नाव से कुछ लिया था।
तब उसने अपने तिपाई और उनके शानदार बर्तनों, सोने और सुंदर बुने हुए वस्त्रों का हिसाब लगाया। कुछ भी गायब नहीं हुआ था। इसलिए उसका विलाप पूरी तरह से अपनी जन्मभूमि के लिए ही था, क्योंकि वह उग्र, गहरी आवाज़ वाली लहरों के किनारे गहरे शोक में इधर-उधर घूम रहा था, तभी एथेना पुरुष वेश में प्रकट हुई और पास आई, जो एक युवक, किसी चरवाहे लड़के जैसी लग रही थी, लेकिन राजाओं के बेटों की तरह कोमल और सौम्य थी जब वे भेड़ चराते हैं। उसने अपने सुंदर लबादे को अपने कंधों पर लपेट रखा था और एक भाला लिए हुए थी; उसके सुंदर पैरों में सैंडल थे। ओडीसियस, किसी को भी देखकर प्रसन्न हुआ, और उसने तुरंत अभिवादन करते हुए कहा: 'मेरे मित्र - क्योंकि इस स्थान पर मुझसे मिलने वाली पहली आत्मा आप ही हैं - आपका स्वागत है! और आपका आगमन

सद्भावनापूर्ण हो: क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप मेरी इन वस्तुओं की रक्षा करें और मेरी भी रक्षा करें, मैं आपको ईश्वर मानकर आपसे विनती करता हूँ और आपके दयालु चरणों में अपनी प्रार्थना प्रस्तुत करता हूँ।' मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप मुझे निश्चित रूप से बताएँ कि यहाँ कौन सी भूमि, कौन सी सरकार और कौन से लोग हैं। क्या यह कोई अलग द्वीप है, या मुख्य भूमि से निकला हुआ एक उभरा हुआ भाग है जो अपनी उपजाऊ भूमि को गहरे समुद्र में फैलाता है?
देवी ने उत्तर देते हुए कहा: “हे अजनबी, यदि तुम मुझसे इस स्थान के बारे में पूछते हो, तो तुम या तो अनपढ़ हो या बहुत अजनबी। यह स्थान गुमनाम तो नहीं है, लेकिन पूर्व के उजाड़ते हुए घनी आबादी वाले क्षेत्रों और ढलते सूरज की ओर जाने वाले गोधूलि बेला के लोगों के बीच एक जाना-पहचाना नाम है। यह भले ही ऊबड़-खाबड़ और वाहनों के लिए अनुपयुक्त हो, लेकिन तंगहाली के बावजूद यह कोई दयनीय स्थान नहीं है। यहाँ अनाज की पैदावार असीमित है और शराब बनाई जाती है। बारिश कभी कम नहीं होती और ओस की ताजगी भी। बकरियों को चरने के लिए भरपूर जगह मिलती है और मवेशियों के लिए भी। इस द्वीप में हर प्रकार के लकड़ी के पेड़ और बारहमासी झरने हैं। हे अजनबी, इन्हीं सब कारणों से इथाका का नाम दूर-दूर तक, यहाँ तक कि ट्रॉय तक भी जाना जाता है, जो हमारे अचेयन तटों से बहुत दूर बताया जाता है।”
उसके शब्दों ने महान ओडीसियस के हृदय को उसकी जन्मभूमि में खुशी से भर दिया, अब जब देवी एथेना ने उसे इसका एहसास कराया। उसने फिर से उससे मधुर शब्द कहे; परन्तु वे सच्चे शब्द नहीं थे, क्योंकि उसने अपने होठों पर आने वाले शब्दों को वापस निगल लिया, मानो अपने भीतर की धूर्त प्रवृत्ति से खिलवाड़ कर रहा हो। “मैंने इथाका के बारे में सुना था, वास्तव में, समुद्र के पार दूर क्रेते की विशाल भूमि से भी: और क्या मैं अब स्वयं वहाँ पहुँच गया हूँ? मैं, और मेरी संपत्ति का यह हिस्सा, यद्यपि उतना ही हिस्सा फिर से मेरे घर के बच्चों के पास है, जहाँ से मैं इडोमेनियस के प्रिय पुत्र, धावक ओर्सिलोकस को मारने के कारण भागा हूँ, जो विशाल क्रेते के किसी भी धनी व्यक्ति से तेज दौड़ने वाला था। मैंने उसे इसलिए मारा क्योंकि वह मुझे उस सारी लूट से वंचित करना चाहता था जो मैं बड़ी मेहनत से ट्रॉय से लाया था, वह लूट जो मैंने मनुष्यों के युद्धों और कठिन समुद्रों में संघर्ष करके जीती थी।” मेरी गलती यह थी कि मैंने उसके पिता की इच्छा पूरी नहीं की, जो

मुझे ट्रोजन युद्ध में अपने दल में शामिल करना चाहते थे। इसके बजाय मैं अपने सैनिकों के साथ आगे बढ़ गया। इसलिए, केवल एक साथी के साथ मैं सड़क किनारे घात लगाकर बैठा रहा और जब वह देश से नीचे आ रहा था, तब मैंने अपने कांसे के भाले से उस पर हमला कर दिया। यह घोर अंधकार का समय था, एक ऐसी काली रात जिसमें पूरा आसमान थम सा गया था। इसलिए, किसी भी इंसान की नज़र हम पर नहीं पड़ी जब मैंने चुपके से उसकी जान ले ली। इस कृत्य के तुरंत बाद मैं एक फोनीशियन जहाज की ओर भागा और उसके गंभीर स्वामियों से विनती की, उन्हें अपने युद्ध में लूटे गए माल में से उदारतापूर्वक भुगतान करके मुझे जहाज पर चढ़ाने और मुझे या तो पाइलोस या एलिस, जो कि एपियन मुख्यालय था, में उतारने का अनुरोध किया। हालाँकि, हवा के बल ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया, हालाँकि उन्होंने मुझे धोखा देने के बारे में सोचे बिना पूरी कोशिश की। इसके बजाय, हम इधर-उधर भटकते रहे, जब तक कि पिछली रात अंधेरा होने के बाद हम यहाँ पहुँचे, और चप्पू चलाकर बंदरगाह में प्रवेश किया। किनारे पर पहुँचते ही हम सीधे तट पर आ गए और जहाँ थे वहीं लेट गए, भोजन की परवाह किए बिना, जबकि हमें भोजन की बहुत आवश्यकता थी। मैं इतना थका हुआ था कि रेत पर लेटे-लेटे ही मुझे नींद आ गई; और मैं तब तक सोता रहा जब तक नाविक जहाज के गोदाम से मेरा सामान निकालकर मेरे पास ढेर नहीं कर रहे थे। फिर वे उस भव्य बंदरगाह सिदोन के लिए रवाना हो गए। लेकिन मैं मन ही मन बहुत परेशान हूँ।
जैसे ही वह दौड़ रहा था, देवी मुस्कुरा उठीं और उन्होंने हाथ से उसे सहलाया। उनका कद बढ़ गया; वे स्त्रीत्व से परिपूर्ण हो गईं; वे सौंदर्य की स्वामिनी थीं, हर प्रकार की निपुणता से संपन्न। फिर उन्होंने उनसे ऐसे शब्द कहे जो उन्हें रोमांचित कर गए: ‘कोई भी मनुष्य, या यहाँ तक कि कोई भी देवता, जो तुम्हारी सर्वव्यापक चालाकी का मुकाबला करना चाहे, उसे एक चतुर व्यापारी और निपुण होना ही होगा। हे चालाक, धूर्त, कपटी प्राणी, क्या तुम अपने जन्मस्थान पर भी इन कुटिल और कपटपूर्ण शब्दों को नहीं छोड़ सकते जो तुम्हारे मन के भीतरी हिस्सों को इतना आनंदित करते हैं? हम दोनों के बीच इस तरह की बातें बहुत हो गईं, हम दोनों इस तरह के छल-कपट के उस्ताद हैं – तुम, जो बहलाने-फुसलाने में सबसे धूर्त हो, और मैं, जो अपनी कुटिल चालों के लिए अन्य देवताओं से भी अधिक प्रसिद्ध हूँ। फिर भी तुम मुझे, ज़्यूस की पुत्री, पल्लास एथेन, जो तुम्हारे परिश्रम में तुम्हारी रक्षक और सहारा है, पहचानने में असफल रहे!’ मेरी ही बदौलत फ़ेएशियाई समाज ने आपका स्वागत

किया, और अब मैं आपके साथ मिलकर और भी रणनीतियाँ बनाऊँगा और उन खजानों को छिपाने में आपकी मदद करूँगा, जिन्हें मेरी प्रेरणा और इच्छा से फ़ेएशिया के महान पुरुषों ने आपकी घर वापसी यात्रा को समृद्ध बनाया। इसके अलावा, मुझे आपको स्पष्ट रूप से उन गंभीर परेशानियों के बारे में चेतावनी देनी है जिनका सामना आपको अपने इस आलीशान घर में करना पड़ेगा। इसलिए अपरिहार्य को सहने के लिए खुद को तैयार रखें और किसी को भी, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री, यह न बताएँ कि आप भटकने के बाद लौटे हैं। अपने अहंकार को भरपूर दुर्व्यवहार के लिए दबा दें और मनुष्यों की हिंसा को चुपचाप सहने का अभ्यास करें।
ओडीसियस ने धाराप्रवाह उत्तर दिया: “देवी, आपकी शक्तियाँ आपको अनेक
रूप धारण करने देती हैं, इसलिए सबसे ज्ञानी व्यक्ति भी आपको पहचान नहीं पाता। फिर भी, मैं आपके प्रति आपके स्नेह को भली-भांति जानता हूँ, उस दिन से जब हम अचेयन वंशज ट्रॉय के विरुद्ध युद्ध करने गए थे और जब तक हमने प्रियम के विशाल नगर को लूटा नहीं था। परन्तु वहाँ से निकलने के बाद और जब देवताओं की शक्ति ने अचेयनों को तितर-बितर कर दिया – उस दिन से मैंने आपको नहीं देखा, हे ज़्यूस की पुत्री, और न ही अपने जहाज में आपको मुझे बुराई से बचाने के लिए पाया। अतः मेरा भाग्य यही था कि मैं दुखी मन से भटकता रहूँ और देवताओं से अपने दुख का अंत होने की प्रतीक्षा करता रहूँ: अंततः आप फ़ेएशियनों की समृद्ध राजधानी में प्रकट हुईं और अपने साहसी शब्दों से मुझे वहाँ जाने का साहस दिया। अतः अब मैं आपके पिता के नाम पर आपसे प्रार्थना करता हूँ... क्या मैं सचमुच प्रकाशमान इथाका में हूँ? मुझे लगता है कि मैं किसी परदेस पर आ गया हूँ, और आप मुझे धोखा देने के लिए, मेरे साथ यह कह रही हैं कि यह इथाका है।” यदि वास्तव में यह मेरी जन्मभूमि है, तो मुझे इसका आश्वासन दें।'
एथेन ने कहा: “तुम्हारा मन उसी बात पर अटका हुआ है, और मैं इतने शिष्ट, बुद्धिमान और चतुर व्यक्ति को अधर में नहीं छोड़ सकती। कोई भी अन्य लौटा हुआ यात्री अपने बच्चों और पत्नी से मिलने के लिए तुरंत घर लौट आता। केवल तुम ही संशय में हो और तब तक सबूतों को नकार रहे हो जब तक कि तुम उस पत्नी को और साबित न कर दो जो शुरू से ही घर में तुम्हारा इंतज़ार कर रही है, लंबी रातों में दुखी और दिन भर आँसू बहाती हुई। मैं कभी भी तुम्हारे लिए निराश नहीं हुई, क्योंकि मुझे पूरा विश्वास था कि तुम लौट आओगे, भले ही अपने सभी

साथियों को खोने के बाद ही। इसलिए मैंने अपने चाचा पोसीडॉन के साथ खुले युद्ध से परहेज किया, जो तुम्हारे प्रिय पुत्र को अंधा करने के कारण हमेशा तुम्हारा बुरा चाहता था। लेकिन अब मैं तुम्हें यकीन दिलाने के लिए भव्य इथाका दिखाती हूँ। यह फोर्किस की खाड़ी है, जहाँ प्राचीन समुद्री देवता का वास है: इसके शीर्ष पर फैला हुआ जैतून का पेड़ है, जिसके पास उस ठंडी और धुंधली गुफा का मुँह है जो नाइएड नामक अप्सराओं को समर्पित है।” ‘इस विशाल गुंबद के नीचे तुमने कितनी बार अप्सराओं को उत्तम बलिदानों की बलि चढ़ाई है! और देखो, जहाँ नेरिटन पर्वत अपने वृक्षों से ढके ढलानों को फैलाए खड़ा है।’ जैसे ही देवी ने यह कहा, उनका कोहरा छंट गया और परिदृश्य स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा। अपने स्थान को देखकर ओडीसियस इतना प्रसन्न हुआ कि वह उसकी उपजाऊ मिट्टी को चूमने लगा, और फिर उसने हाथ फैलाकर अप्सराओं का आह्वान किया। ‘हे जलपरियों, ज़्यूस की पुत्रियों, मैंने अपने मन से कहा था कि मैंने तुम्हें अंतिम बार देखा है: इसलिए मैं अब इस प्रार्थना में तुम्हें हार्दिक प्रणाम करता हूँ। निश्चय ही हम तुम्हें पुराने समय की तरह ही उपहार अर्पित करेंगे, यदि ज़्यूस की पुत्री, लुटेरी की कृपा से मुझे जीवन मिले और मेरा प्रिय पुत्र वयस्क हो जाए।’
धूसर आँखों वाली देवी ने उसे प्रोत्साहित किया: 'साहसी बनो और इन
चिंताओं को अपने मन से निकाल दो, जबकि हम तुम्हारे सामान को इस अद्भुत गुफा के पिछले हिस्से में सुरक्षित रख देते हैं, जहाँ वह तुम्हारे लिए सुरक्षित रहेगा। फिर हमें विचार-विमर्श करके सबसे उपयुक्त कार्य योजना बनानी होगी।' एथेन ने कहा और गुफा के अँधेरे में छिपने की जगहें खोजने के लिए चली गई, जबकि ओडीसियस फ़ेएशियन सोना, तपा हुआ कांसा और सुंदर वस्त्र लेकर अंदर गया। सब कुछ सावधानीपूर्वक रख दिए जाने के बाद, पल्लास ने एक चट्टान से मार्ग को बंद कर दिया। फिर वे पवित्र जैतून के पेड़ के तने के पास बैठकर उन फिजूलखर्ची करने वाले दूल्हों के विनाश की योजना बनाने लगे, एथेन ने इस प्रकार शुरुआत की: 'लार्टेस के पुत्र, अब तुम्हें यह तय करना होगा कि इन निर्लज्ज दूल्हों को अपने हाथों में कैसे लिया जाए, क्योंकि तीन साल हो गए हैं कि वे तुम्हारे महल में राज कर रहे हैं, तुम्हारी गौरवशाली पत्नी को अपने प्रस्तावों से परेशान कर रहे हैं और विवाह के सौदे पेश कर रहे हैं; जबकि वह, आपके लौटने को लेकर दिल दहला देने वाली चिंताओं के बावजूद,

प्रत्येक को आशा, अलग-अलग वादे और गुप्त संदेश देकर उन सभी को सक्रिय रखती है, उसका ध्यान लगातार कहीं और लगा रहता है।
चतुर ओडीसियस ने उत्तर दिया: “देवी, घर पहुँचकर मेरा भी वही दुखद अंत
होता जो एगामेम्नन का हुआ था, लेकिन आपने समय रहते मुझे सही स्थिति से अवगत कराकर मेरी मृत्यु को रोक दिया। इसलिए, अपनी कृपा बरसाएँ और मुझे बताएँ कि मैं इन दावेदारों से कैसे बदला ले सकता हूँ। हे स्वामिनी, मेरे साथ खड़ी रहें और मेरे वीर क्रोध को उसी प्रकार प्रज्वलित करें जैसे उस दिन किया था जब हमने गौरवशाली ट्रॉय के भव्य मीनारों को लूटा था। हे परम पूजनीय, आपके आशीर्वाद से मैं तीन सौ पुरुषों से भी लड़ सकता हूँ: हे बुद्धिमान देवी, बस अपनी विवेकपूर्ण सहायता से मुझे शक्ति प्रदान करें।” एथेन ने उत्तर दिया: “निश्चित रूप से, जैसे ही हम यह कार्य शुरू करेंगे, मैं हमेशा आपके साथ रहूँगी और आपकी चिंता करती रहूँगी। जहाँ तक आपकी पत्नी के इन दावेदारों और आपकी संपत्ति को लूटने वालों की बात है, मुझे लगता है कि उनमें से कुछ अपने खून और दिमाग से इस धरती को सराबोर करने वाले हैं। लेकिन अब मुझे आप पर इस प्रकार प्रहार करना होगा कि कोई भी मनुष्य आपको पहचान न सके; मैं तुम्हारे कोमल अंगों की कोमल त्वचा को सुखाकर और तुम्हारे सिर के सुनहरे बालों को बिखेर कर रख दूँगा। मैं तुम्हारी सुंदर आँखों की चमक भी फीकी कर दूँगा, और फिर तुम्हें चिथड़े-चिट्टे वस्त्र पहनाकर सबका अपमान करूँगा। तब तुम्हारा यह रूप सभी विवाह प्रेमियों को, साथ ही घर में छोड़ी तुम्हारी पत्नी और पुत्र को भी दूर भगा देगा। तुम सबसे पहले अपने सूअरों की देखभाल करने वाले चरवाहे के साथ रहोगी: वह तुम्हारे प्रति सच्चा और तुम्हारे पुत्र तथा समझदार पेनेलोप के प्रति समर्पित है। तुम उसे कौवे की चट्टान और अरेथुसा के झरने के आसपास अपने पशुओं को चरते हुए पाओगी। इस प्रकार वे बलूत के फल और झरने के निर्मल जल को पीकर मोटे और स्वस्थ सूअर बन जाते हैं। उसके साथ बैठो और उसकी सारी खबरें सुनो, जब तक मैं सुंदर स्त्रियों की भूमि स्पार्टा जाकर तुम्हारे प्रिय पुत्र टेलीमाकस को वापस न बुला लूँ, जो मेनेलास के घर, विशाल लैकेडेमोन में, यह पता लगाने गया है कि तुम जीवित हो या नहीं।
उसने देवी से कहा, “आपने अपने सर्वज्ञानी हृदय से उसे इतना कुछ क्यों नहीं बताया? क्या उसे भी कष्टपूर्वक बंजर समुद्रों में भटकना पड़ेगा जबकि दूसरे उसकी आजीविका छीनते रहेंगे?” धूसर आँखों वाली देवी ने उत्तर दिया,

“इसे इतना दिल पर मत लो। मैं ही उसकी मार्गदर्शक थी, यहाँ तक कि मैंने ही उसे इस गतिविधि से कृपा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया था। उसे कोई कष्ट नहीं है, बल्कि वह अत्रीदेस के महल में शांति से विश्राम कर रहा है, जहाँ उसे भरपूर सुख-सुविधाएँ प्राप्त हैं। यह सच है कि विवाह के इच्छुक लोगों के दल अपने काले जहाज के साथ घात लगाकर बैठे हैं, ताकि वे उसे अपने वतन लौटने से पहले ही मार डालें। फिर भी मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होगा: इसके बजाय, धरती उन कुछ विवाह के इच्छुक लोगों को अपने वश में कर लेगी जो आपकी संपत्ति को हड़प रहे हैं।”
एथेना ने अपनी छड़ी से उसे स्पर्श किया, जिससे उसके चुस्त-दुरुस्त
अंगों का मांस मुरझा गया, उसके सिर के सुनहरे बाल झड़ गए और उसके पूरे शरीर की त्वचा बूढ़े आदमी की तरह बूढ़ी हो गई। उसने उसकी सुंदर आँखों की चमक बुझा दी और उसे ढकने के लिए मैले-कुचले, कालिख से सने चिथड़े लपेट दिए। इन पर उसने एक बड़ा हिरण का चमड़ा डाल दिया, जिसके बाल पूरी तरह से झड़ चुके थे। उसने उसे एक छड़ी और एक शर्मनाक चमड़े का थैला दिया, जो सख्त, फटे चमड़े का बना था और एक साधारण रस्सी से लटका हुआ था। फिर, अपनी योजनाओं पर सहमति बनने के बाद, वे अलग हो गए; एथेना का इरादा लैकेडेमोन के पास जाकर ओडीसियस के पुत्र को घर बुलाना था।

पुस्तक 14

इसी बीच ओडीसियस उस पहाड़ी रास्ते पर आगे बढ़ा जो सीधे वनक्षेत्र से ऊंचे इलाकों की ओर जाता था, जिस रास्ते से एथेन ने उसे उस वफादार सूअर चराने वाले के पास जाने का संकेत दिया था जो ओडीसियस के स्वामित्व वाले अन्य सभी दासों की तुलना में अपने स्वामी की संपत्ति की अधिक परवाह करता था।
उसने उसे अपने ऊँची दीवारों वाले फार्महाउस की झोपड़ी में बैठा पाया,
जो अपनी अलग पहचान और मज़बूती के कारण एक खास पहचान थी। अपनी मालकिन या दादा लेर्टेस को बिना बताए, चरवाहे ने अपने अनुपस्थित मालिक के सूअरों के लिए इसे खुद बनाया था। उसने आसपास से बड़े-बड़े पत्थर लाकर कतार में लगा दिए थे और उनके ऊपर कंटीली नाशपाती की घनी बाड़ लगा दी थी। बाहरी बाड़ के लिए उसने ओक की लकड़ी की सख्त, घनी और पास-पास लगी हुई पट्टियाँ लगाई थीं, जो पेड़ का गहरा गठ्ठा होता है। बाड़े के अंदर उसने अपने जानवरों को रखने के लिए बारह बाड़े बनाए थे। हर बाड़े में पचास मादा सूअर थे, जो अपने बाड़ों में बिछे बिस्तरों पर लेटे हुए थे। नर सूअरों को बाहर आँगन में रखा जाता था और उनकी संख्या बहुत कम थी क्योंकि चाहने वालों की भूख कम होने के कारण चरवाहे को उन्हें रोज़ाना एक बढ़िया मोटा सूअर खिलाना पड़ता था। इस तरह उनकी संख्या अब सिर्फ तीन सौ साठ रह गई थी। उन पर हमेशा उस कुशल सुअर पालक द्वारा पाले गए चार जंगली दिखने वाले कुत्तों की नजर रहती थी।
वह व्यक्ति अपने पैरों के लिए सैंडल बना रहा था, जिन्हें वह एक मजबूत
बैल की खाल से काट रहा था। उसके आदमियों में से तीन अपने सूअरों के झुंड के साथ कहीं बाहर गए हुए थे, जबकि चौथे को सूअर चराने वाले ने मजबूरी में शहर भेजा था, जिसके साथ एक जंगली सूअर भी था, जिसकी बलि से उन अभिमानी दूल्हों की मांस की लालसा शांत हो सकती थी।
जब शोर मचाते कुत्तों ने ओडीसियस को देखा तो वे अचानक भौंकते हुए उसकी ओर झपटे; लेकिन उसने चतुराई से अपनी लाठी नीचे गिरा दी और ज़मीन पर लेट गया। फिर भी उसने अपने ही महल में भयंकर हमले का जोखिम उठाया, लेकिन एक फुर्तीले सूअर चराने वाले ने उसे बचा लिया, जिसने चमड़े का तख्ता एक तरफ

फेंक दिया और तेज़ी से दौड़ते हुए फाटक से उसकी ओर बढ़ा, चिल्लाते हुए और कुत्तों पर पत्थर बरसाते हुए उन्हें भगा दिया। फिर उसने राजकुमार से कहा: ‘एक पल भी और, पिता, कुत्ते आपको मार डालते। बहुत जल्दी: और इस तरह आप मुझ पर और कलंक लगाते, जिसे देवताओं ने पहले ही अनेकों दुखों और पीड़ाओं से पीड़ित कर रखा है। मैं यहाँ एक देवता समान स्वामी के लिए शोक मना रहा हूँ और उसके मोटे सूअरों की देखभाल कर रहा हूँ ताकि दूसरे उन्हें खा सकें, जबकि वह शायद किसी अनजान देश या जगह पर भूखा मर रहा हो – अगर वह अभी भी जीवित है तो।’ लेकिन मेरे साथ अंदर हमारे कमरे में आइए, बूढ़े आदमी, जहाँ हमारा खाना और शराब आपको हिम्मत देंगे कि आप हमें अपने बारे में और अपने जीवन में झेली कठिनाइयों के बारे में बता सकें।’ बिना देर किए, ईमानदार चरवाहा उसे अंदर के कमरे में ले गया और उसके लिए लचीली टहनियों का एक पलंग तैयार किया, जिसे उसने अपनी मोटी, बालों वाली बकरी की खाल से ढक दिया। ओडीसियस इस तरह के स्वागत से प्रसन्न हुआ और धन्यवाद देते हुए कहा: ‘मेजबान, इस हार्दिक स्वागत के लिए ज़्यूस और अन्य अमर देवता आपकी सबसे प्यारी इच्छा पूरी करें।’
हे सूअर चराने वाले यूमेअस, तुमने क्या उत्तर दिया? ‘मेरे अतिथि, यदि
मैं किसी अजनबी की, यहाँ तक कि तुमसे भी गरीब की, देखभाल करने में लापरवाही करूँ तो यह पाप होगा। जरूरतमंद और अजनबी सब ज़्यूस की देन हैं; और हम जैसे लोगों के लिए एक छोटा सा उपहार भी सद्भावना का प्रतीक हो सकता है, क्योंकि अफसोस, जब स्वामी और मालिक युवा होते हैं तो दासों की स्थिति कभी भी पूरी तरह से भयमुक्त नहीं होती। मुझे लगता है कि मेरे स्वामी को देवताओं ने घर लौटने से रोक दिया है। निश्चय ही वह मुझे वह वरदान देते जो एक अच्छा स्वामी अपने घरवालों को देता है (जैसे कि एक झोपड़ी, उसका छोटा सा बगीचा और एक समझदार स्त्री) मेरे निष्ठावान परिश्रम के पुरस्कार के रूप में, जिसके फल को ईश्वर ने कई गुना बढ़ाया और आशीर्वाद दिया है, जैसे उन्होंने मेरे अथक परिश्रम को आशीर्वाद दिया और बढ़ाया है। वास्तव में, जैसे-जैसे मेरे स्वामी की उम्र बढ़ती जाती, वह मुझे बहुत लाभ पहुँचाते; लेकिन वह मर चुका है – और मैं चाहता हूँ कि हेलेन की हर संतान को घुटनों तक पीट-पीटकर तोड़ दिया जाए, उस सारी मर्दानगी का बदला लेने के लिए जिसे उसने नष्ट कर दिया है। देखो, मेरा स्वामी उन लोगों में से एक था जो एगामेम्नन के गौरवशाली नाम की रक्षा के लिए ट्रोजन से लड़ने के लिए शानदार घोड़ों के साथ इलियम गए थे।

बोलते-बोलते उसने अपनी कमीज़ का ढीला हिस्सा जल्दी से अपनी कमरबंद में बाँधा और सूअर के बच्चों के बाड़ों की ओर चल पड़ा। वहाँ से उसने दो छोटे बच्चों को काटने के लिए चुना, उन्हें भूनने से पहले हल्का सा जलाया और काट डाला, फिर उन्हें सींक पर भूनने के लिए रख दिया। जब वे पक गए, तो वह उन्हें ओडीसियस के पास ले गया और उसके सामने रख दिया, वे अभी भी सींक पर ही थे और गरमागरम थे। उसने उन पर जौ का आटा छिड़का और एक बेल से बने कटोरे में मीठी शराब मिलाई, जो पीने लायक हो गई थी। फिर वह ओडीसियस के सामने बैठ गया और उसे आमंत्रित करते हुए बोला: “अब खाओ, मेरे अतिथि, हमारे दासों के राशन में से, यह जवान सूअर का मांस। सभी मोटे सूअर उन निर्दयी प्रेमियों के लिए जाते हैं जिनमें दया या लज्जा का कोई भाव नहीं होता। फिर भी, अधर्म उन पवित्र देवताओं को भाता नहीं है, जो न्याय और मानवीय ईमानदारी की ओर झुकाव रखते हैं। यहाँ तक कि शत्रु-लुटेरे भी अपने हृदय में प्रतिशोध और दंड की आशंका से ग्रस्त हो जाते हैं जब भी ज़्यूस उन्हें किसी अनजान तट पर आक्रमण करने और इतना लूट का माल इकट्ठा करने देता है कि वे अपने जहाजों को भारी भरकम माल से भर कर घर ला सकें। इसलिए, निश्चित रूप से किसी देवता की फुसफुसाहट ने इन लोगों को मेरे स्वामी के दुखद भाग्य का आभास कराया होगा, तभी तो उन्हें न तो शालीनता से प्रेम निवेदन करने की परवाह है, न ही प्रेम निवेदन समाप्त करके घर लौटने की। इसके बजाय, वे हमारी हर उपज को असीम निर्भीकता से खा जाते हैं। ज़्यूस द्वारा दी गई प्रत्येक रात या दिन में, वे अपने शिकार ढूंढते हैं, और वे केवल एक या दो तक ही सीमित नहीं रहते।” हमारी शराब की बात करें तो, वे उसे बेहिसाब बहाते और लुटाते हैं। मालिक की दौलत अथाह थी। इथाका शहर या मुख्य भूमि के किसी भी नायक के पास इतनी दौलत नहीं थी - बल्कि बीस नायकों को मिलाकर भी उसकी दौलत की बराबरी नहीं हो सकती थी! मैं आपको बताता हूँ। मुख्य भूमि पर बारह झुंड मवेशी, बारह भेड़ों के समूह, बारह सूअरों के झुंड, बारह बकरियों के बड़े समूह: किराए पर रखे गए लोग और उसके चरवाहे इन सभी को चरागाह में रखते हैं। हमारे द्वीप के छोर पर बकरियों के ग्यारह और बड़े समूह हैं, जिनमें से प्रत्येक की निगरानी भरोसेमंद रखवाले करते हैं: और प्रतिदिन एक चरवाहा इन सभी में से सबसे परिपक्व जानवर को घर में मौज-मस्ती करने वालों के पास ले जाता है। लेकिन सूअरों के लिए मेरी योजना उन्हें यहाँ एकांत में पहरे में रखने की है, और झुंड में से केवल उन्हीं जानवरों को अंदर भेजने की है जिन्हें मैं उपयुक्त समझता हूँ। तो

उसने ओडीसियस को समझाया, जो खामोशी से अपना मांस खा रहा था और शराब पी रहा था, जबकि उसके भीतर उन सभी दावेदारों को नुकसान पहुंचाने की लालसा प्रबल होती जा रही थी।
भोजन करने और भोजन से संतुष्ट होने के बाद, चरवाहे ने प्याला पूरा भरकर उसे आगे बढ़ाया, वही प्याला जिसे वह हमेशा इस्तेमाल करता था। ओडीसियस ने मन ही मन कृतज्ञता से उसे लिया, और ज़ोर से चतुराई से उससे पूछा, “मित्र, वह धनी व्यक्ति कौन था जिसने तुम्हें खरीदा, वह स्वामी जिसकी शक्ति और धन की तुम इतनी प्रशंसा करते हो? तुम कहते हो कि वह एगामेम्नन के सम्मान की रक्षा करते हुए मरा। शायद मैं भी उनमें से एक था, इसलिए उससे मिला था। कृपया उसका नाम बताइए: क्योंकि मैं इतना भटक चुका हूँ कि केवल ज़्यूस और उसके साथी अमर ही निश्चित रूप से कह सकते हैं कि मैंने उसे देखा है या नहीं।” उस चरवाहे, जो सेवकों का राजकुमार था, ने कहा, “बूढ़े, किसी आवारा की उसे देखने की कहानी उसकी विधवा और बेटे का विश्वास जीतने के लिए मेरे सामने टिक नहीं पाएगी। यह तो कोई निर्दयी अनाथ भी अपने भोजन और आवास के लिए गढ़ सकता है।” घुमंतू लोग इथाका में उतरते हैं और अपनी देसी शराब लेकर मेरी मालकिन के पास जाते हैं। वह उनका बड़े प्यार से स्वागत करती है और इधर-उधर की बातें पूछती है, जबकि दूर देश में मरे पति के लिए एक स्त्री को जो आंसू बहाने चाहिए, वे उसकी आंखों से लगातार बहते रहते हैं। हे मेरे पिता, तुम भी कोई कहानी सुना दोगे, अगर बदले में तुम्हें एक लबादा और कुर्ता मिल जाए। जबकि वास्तव में उसकी आत्मा बहुत पहले ही शरीर त्याग चुकी है, अपनी हड्डियों को या तो कुत्तों और शिकारी पक्षियों के लिए छोड़ गई है ताकि वे उन्हें नोच कर साफ कर दें या फिर समुद्र की मछलियों द्वारा खाए जाने के बाद किसी किनारे पर गहरी रेत में दबकर पड़ी रहें। और उसकी इस मृत्यु ने मुझ पर, और उन सभी पर जिन्होंने उससे प्रेम किया, दुख का बोझ लाद दिया है: क्योंकि मैं चाहे जहां भी जाऊं, मुझे कभी भी इतना सौम्य स्वामी नहीं मिलेगा, चाहे मैं अपने जन्मस्थान और मुझे पालने-पोसने वाले माता- पिता के पास वापस ही क्यों न लौट जाऊं। हां, हालांकि मैं उन्हें और अपने घर को देखने के लिए बहुत तरसती हूं, आज मेरा सबसे गहरा दुख मेरे खोए हुए ओडीसियस के लिए है। देखो, अजनबी, मैं उसका नाम लेने में भी कितना शर्मा जाती हूँ, जबकि वह मुझसे बहुत दूर है। सचमुच, उसने मेरी बहुत परवाह की और

मुझे अपने दिल में बहुत प्यार दिया, इसलिए उसकी अत्यधिक अनुपस्थिति के बावजूद मैं उसे पूरे सम्मान के साथ पुकारती हूँ।
ओडीसियस ने उत्तर दिया: “मेरे मित्र, तुम्हारे अविश्वासी हृदय को यह विश्वास है कि वह कभी वापस नहीं आएगा, इसलिए मैं केवल ओडीसियस के लौटने की बात ही नहीं कहता, बल्कि शपथ लेकर उसे पुख्ता करता हूँ: और जिस दिन उसके पैर उसे घर लाएंगे, उस दिन मैं अपना इनाम (सम्मान के वस्त्र, भीतर और बाहर, शानदार) मांगूंगा। तब तक, अपनी आवश्यकता के बावजूद, मैं कुछ भी स्वीकार नहीं करूंगा, क्योंकि गरीबी के कारण झूठ बोलने वाला मुझे नरक के मुख के समान घृणास्पद है। इसलिए मैं देवताओं के देवता ज़्यूस, अपने मेज़बानों की इस मेज़ और उस प्रसिद्ध ओडीसियस की भट्टी को पुकारता हूँ जहाँ मैं पहुंचा हूँ! साक्षी रहो कि सब कुछ मेरे वचन के अनुसार होगा; इसी वर्ष, इस चंद्रमा के घटने और अगले चंद्रमा के उदय के बीच, ओडीसियस अपनी पत्नी और प्रतिभाशाली पुत्र का अपमान करने वालों से बदला लेने आएगा।”
हे यूमेअस, इस पर आपकी क्या प्रतिक्रिया थी? आपने कहा: ‘हे वृद्ध, मुझे आपका यह प्रतिफल कभी नहीं देना पड़ेगा। न ही ओडीसियस को अपना घर वापस मिलेगा। आप निश्चिंत होकर पियो, हम अन्य बातों पर ध्यान देते हैं; क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप इन यादों को मेरे लिए छोड़ दें, ताकि मुझे उस पीड़ा से मुक्ति मिले जो तब होती है जब कोई मेरे प्रिय स्वामी की याद दिलाता है। इसलिए हम आपकी शपथ को भूल जाते हैं। फिर भी, ओडीसियस का आना मेरे और पेनेलोप के लिए कितना सुखद होगा, जैसे वृद्ध लेर्टेस और टेलीमाकस के लिए! देखो, वह देवतुल्य युवा टेलीमाकस अब मेरे तीव्र दुःखों में से एक बन गया है। जब देवताओं ने उसे एक युवा वृक्ष की तरह फलने-फूलने दिया, तो मैंने मन ही मन कहा, “वह अपने प्रिय पिता के समकक्ष होगा, ऐसे रूप और विशेषताओं वाला जो मनुष्यों को विस्मित कर दे,” और फिर किसी सांसारिक या स्वर्गीय चीज़ ने उसके मन को छू लिया और वह अपने पिता का समाचार खोजने के लिए पाइलोस चला गया। इसके बाद दावेदार सरदारों ने उसके लौटने पर घात लगाकर हमला करने की योजना बनाई, ताकि आर्सेसियस के शाही वंश का नाम भी इथाका से मिट जाए। खैर, हम उसके मामले को भी छोड़ देते हैं, चाहे वह पकड़ा जाए या शरण प्राप्त करे। शायद, क्रोनोस का पुत्र उसे अपनी भुजाओं से बचाएगा। इसके बजाय, हे वृद्ध, मुझे अपने दुर्भाग्य का इतिहास बताओ, पहले स्पष्ट रूप से बताओ कि तुम कौन हो, तुम्हारा शहर और माता-पिता कौन हैं, तुम किस जहाज से आए थे और नाविक

तुम्हें इथाका कैसे लाए, या वे खुद को क्या नाविक कहते थे: क्योंकि मुझे लगता है कि तुम्हें यहाँ तक पहुँचने का कोई सूखा रास्ता नहीं मिला। ओडीसियस ने समझदारी से उत्तर दिया: 'मैं तुमसे साफ-साफ कहूंगा। फिर भी मेरी इच्छा है कि हमारे पास इतना भोजन और अच्छी शराब होती कि हम दूसरों के काम के घंटों के दौरान यहाँ शांति से बैठकर अपना मनोरंजन कर पाते। मैं आसानी से एक साल भर अपने दिल के दुखों और देवताओं द्वारा दिए गए कष्टों का वर्णन करता रह सकता हूँ और फिर भी यह सिलसिला खत्म नहीं होगा। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं एक क्रेटन हूँ, एक धनी व्यक्ति का पुत्र हूँ जिसके घर में उसकी शादी से कई अन्य पुत्र पैदा हुए और पले-बढ़े - जबकि मेरी माँ एक खरीदी हुई औरत थी, उसकी रखैल। फिर भी, हाइलैक्स के पुत्र कैस्टर, जिसकी संतान होने का मैं स्वयं दावा करता हूँ, ने मेरे और अपनी वैध संतान के बीच सम्मान में कोई भेद नहीं किया। अन्य क्रेटनों के बीच उसे लगभग देवता के समान माना जाता था, क्योंकि उसके पास इतनी संपत्ति, धन और शानदार परिवार था। समय आने पर उसकी मृत्यु का भाग्य आया और वह पाताल लोक चला गया: तब उसके पुत्रों ने उसकी संपत्ति को आपस में बाँटने और अपने हिस्से लेने का साहस किया। उन्होंने मुझे बहुत कम हिस्सा दिया लेकिन मुझे एक घर दिया; और मैं अपनी पत्नी (एक प्रमुख जमींदार की बेटी) को भी साथ लाया, जिसे मैंने अपनी वीरता से जीता था; क्योंकि मैं आलसी नहीं था और कभी लड़ाई से पीछे नहीं हटता था। आज मेरी शक्ति अत्यधिक कष्टों के कारण कम हो गई है; लेकिन शायद मेरी दाढ़ी को देखकर आप मेरी परिपक्वता का अंदाजा लगा सकते हैं। एरेस और एथेन ने मुझे ऐसा साहस दिया जिसने मुझे युद्ध के दबाव से पार कर दिया। एक बार जब मैं किसी शत्रु के विरुद्ध अपनी रणनीति तय कर लेता था, तो मृत्यु का कोई भय मेरे हृदय में नहीं आता था। मैं एक चुनी हुई टुकड़ी को घात लगाकर बैठाता और फिर उसके नेताओं से बहुत आगे बढ़कर अपने भाले से अपने से कम फुर्तीले किसी भी शत्रु को मार गिराता। यही मेरा लड़ाकू रूप था; लेकिन मुझे श्रम कभी पसंद नहीं आया, न ही वह पशुपालन जिससे स्वस्थ बच्चे पैदा होते हैं। मेरी कल्पनाएँ नौकाओं और युद्धों, भालों और चमकीले बरछियों पर टिकी थीं, वे घातक खिलौने जो साधारण लोगों को कंपकंपा देते हैं। मुझे लगता है कि ये रुचियाँ मुझे स्वर्ग से मिली हैं। प्रत्येक व्यक्ति वही गतिविधि करता है जिसका वह आनंद लेता है।

अचिया के सर्वोपरि शासकों के ट्रॉय के विरुद्ध युद्ध में जाने से
पहले, मैंने नौ बार विदेशी अभियानों में सैनिकों और युद्धपोतों का नेतृत्व किया था, जिससे मुझे बहुत लाभ हुआ और लूट के माल में से मुझे सबसे पहले चुनने का अधिकार मिला, जिससे मेरा व्यक्तिगत हिस्सा बढ़ गया। इस प्रकार मेरा घर धन से भर गया और मैं क्रीटवासियों के बीच शक्तिशाली और सम्मानित हो गया। परिणामस्वरूप, जब दूरदर्शी ज़्यूस ने अंततः उस भयानक मार्ग की कल्पना की, जिसने इतने सारे लोगों के घुटने कांपने पर मजबूर कर दिए, तो लोगों ने मुझसे और प्रसिद्ध इडोमेनियस से इलियम पर अपने बेड़े का नेतृत्व करने की गुहार लगाई: और जनता का मन इतना दृढ़ था कि हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा था। इसलिए हम अचिया के वंशज नौ वर्षों तक लड़ते रहे। दसवें वर्ष में हमने प्रियम के शहर को लूटा और उसके बाद घर के लिए रवाना हुए, एक देवता ने सेना को तितर-बितर कर दिया।
“मेरे दुर्भाग्य से, एक बार फिर ज़्यूस (मनोरंजनकर्ता) की एक चाल ने
मुझे परेशान कर दिया, मेरे बच्चों, वफादार पत्नी और संपत्ति का आनंद लेने के केवल एक महीने बाद ही: क्योंकि तब मेरे मन ने मुझे अपने वफादार साथियों को लेकर जहाजों की उचित मरम्मत के बाद मिस्र के विरुद्ध रवाना होने के लिए प्रेरित किया। इसलिए मैंने नौ जहाजों को तैयार करवाया। उनके चालक दल जल्दी से मेरे पास और मेरी दावत के लिए इकट्ठा हो गए, जो मेरे द्वारा मेजों को सजाने के लिए प्रदान किए गए कई दिव्य बलिदानों से पूरे छह दिनों तक चली। सातवें दिन हम क्रीट के तट से रवाना हुए और इतनी अनुकूल और भरपूर उत्तरी हवा के साथ आगे बढ़े कि समुद्र हमारे पक्ष में एक धारा की तरह बहने लगा। हम वहाँ बेफिक्र होकर बैठे रहे; उस हवा और हमें स्थिर रखने वाले नाविकों के कारण किसी भी जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ। पाँचवें दिन हम मिस्र की सुचारू रूप से बहने वाली नदी में पहुँचे और उसमें मैंने अपने भव्य बेड़े को लाकर लंगर डाला और अपने भरोसेमंद साथियों को जहाज की सुरक्षा के लिए पास खड़े रहने का आदेश दिया, जबकि मैंने चारों ओर पहरेदार तैनात कर दिए।” लेकिन उन पुरुषों ने अपनी नीच प्रवृत्ति और अनियंत्रित वासनाओं के आगे घुटने टेक दिए। देखते ही देखते वे समृद्ध मिस्र के ग्रामीण इलाकों को तबाह करने लगे, पुरुषों को मारते और महिलाओं और बच्चों को अगवा कर लेते। शहर में तुरंत अलार्म बज गया: और युद्धघोष ने शहरवासियों को भोर होते ही हम पर हमला करने के लिए उकसाया। पूरी घाटी पैदल सैनिकों और घुड़सवारों से भर गई और

पीतल की चमक से जगमगा उठी। गरजने वाले ज़्यूस ने मेरे आदमियों को शर्मनाक ढंग से भागने पर मजबूर कर दिया, उनमें से किसी में भी डटकर मुकाबला करने का साहस नहीं बचा। ऐसा लग रहा था मानो विपत्ति हमें चारों ओर से घेर रही हो। हमारे कई साथी मिस्रियों के तीक्ष्ण हथियारों से वहीं मारे गए: कई अन्य जीवित ही बंदी बना लिए गए, जहाँ उनसे जबरन मजदूरी करवाई गई। जहाँ तक मेरी बात है, मुझे स्वयं ज़्यूस से प्रेरणा मिली – फिर भी मैं चाहता था कि मैं वहीं मिस्र में मर जाऊँ और मेरा अंत हो जाए; क्योंकि उस दिन से मेरा निरंतर निवास दुख के घर में ही है। मैंने अपना उत्तम निर्मित हेलमेट जल्दी से उतार दिया, और ढाल को अपने कंधों से नीचे गिरा दिया। मेरे हाथ से भाला छूट गया और मैं दौड़कर राजा के रथ के पास गई, उनके घुटनों को गले लगाने और चूमने के लिए। उन्होंने मुझे अपने पास खींच लिया और मुझ पर दया दिखाई, मुझे आँसू भरी आँखों से अपने ही युद्ध-रथ के फर्श पर बैठा दिया। फिर वे मुझे अपने महल ले गए, घृणा से पागल भीड़ के बीच से, जिनकी रक्तपिपासा ने मेरी जान लेने के लिए हर भाले को तना रखा था। लेकिन उन्होंने उन सभी को हमारे भगवान ज़्यूस के प्रति श्रद्धा से पीछे धकेल दिया, जिनका क्रोध सबसे पहले तब भड़क उठता है जब उनकी सुरक्षा में मौजूद अजनबी अपमानित होते हैं।
तो वहाँ मैं सात साल तक रहा और खूब धन-संपत्ति अर्जित करता रहा,
क्योंकि पूरे मिस्र ने मुझे उपहार दिए। लेकिन आठवें साल एक बहुत ही धूर्त फोनीशियन मेरे साथ आया, उन विध्वंसकों में से एक जिसने दुनिया में तबाही मचाई थी। उसकी बातों में आ जाने से मैं उसका साथ देने के लिए फोनीशिया तक चला गया, जहाँ उसका घर और सारी संपत्ति थी। मैं उसके साथ पूरे एक साल रहा: लेकिन जैसे-जैसे महीने और दिन बीतते गए और मौसम बदला, उसने मुझे बहला- फुसलाकर लीबिया जाने वाले एक जहाज पर बिठा लिया, यह कहकर कि मैं उसके साथ माल ढो रहा हूँ: जबकि असल में वह मुझे गुलाम के रूप में भारी मुनाफे पर बेचने के लिए निर्यात कर रहा था। मेरा मन मुझे धोखा दे रहा था, फिर भी मेरे हाथ बंधे हुए थे। मेरे पास उसके साथ जहाज पर चढ़ने के अलावा कोई चारा नहीं था। हमारा जहाज अनुकूल हवा के साथ क्रेते के दक्षिण में खुले समुद्र तक चला; जहाँ ज़्यूस ने जहाज के सभी सदस्यों को नष्ट करने की योजना बनाई थी। जैसे ही हमने क्रेते की पहाड़ियों को पार किया और केवल समुद्र और आकाश दिखाई देने लगे, उसने हमारे जहाज के ऊपर एक गहरा बैंगनी बादल छा दिया जिसने समुद्र को अंधकार में ढक लिया। फिर ज़्यूस ने गर्जना की और उसी क्षण अपनी

बिजली से जहाज़ पर प्रहार किया। दिव्य प्रहार से जहाज़ आगे से पीछे तक डगमगा उठा और गंधक की गंध से भर गया। सभी लोग जहाज़ से गिर पड़े और विशाल लहरों पर काले पतवार के पास से समुद्री पक्षियों की तरह इधर-उधर उछलने लगे। यही उनकी यात्रा का अंत था जो भगवान ने उन्हें दिया था: लेकिन ज़्यूस ने मेरे हाथों के बीच जहाज़ का मस्तूल गाड़ दिया, ताकि मेरे हृदय में व्याप्त दुख के बावजूद मैं अंतिम विनाश से बच सकूँ। मैंने स्वयं को उस मस्तूल से लपेट लिया और नौ दिनों तक भयंकर हवाओं के भरोसे बहती रही: क्योंकि दसवीं काली रात तक विशाल लहरें मुझे थेस्प्रोटियन की भूमि तक नहीं ले गईं, जहाँ राजा फ़ीडोन ने मेरा उदारतापूर्वक स्वागत किया। संयोग से उनके पुत्र ने मुझे ठंड और थकावट से असहाय पड़ा हुआ पाया; और उसने मुझे अपने हाथों से उठाया और अपने पिता के महल में ले गया, जहाँ उन्होंने मुझे नए वस्त्र पहनाए।
उनके यहाँ मुझे ओडीसियस के बारे में खबर मिली। घर के मालिक ने मुझे
बताया कि वह घर लौटते समय उनके सम्मानित अतिथि थे, और उन्होंने मुझे शाही महल में ओडीसियस द्वारा दस पीढ़ियों के उत्तराधिकारियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में जमा किए गए कांसे, सोने और शुद्ध लोहे के खजाने दिखाए। राजा ने कहा कि उनके स्वामी डोडोना गए थे ताकि ज़्यूस उन्हें देवताओं के ऊँचे पत्तों वाले ओक के पेड़ से सलाह दें कि इतने लंबे समय तक अनुपस्थिति के बाद उपजाऊ इथाका में सार्वजनिक रूप से या गुप्त रूप से पुनः प्रवेश करना बेहतर होगा या नहीं। इसके अलावा, राजा ने अपने घर में जलपान करते हुए मुझसे शपथ ली, “कि ओडीसियस को उनके प्रिय देश वापस ले जाने वाला जहाज रवाना हो चुका है और उसका दल सुसज्जित और तैयार है।” संयोगवश ही उन्होंने मुझे पहले भेजा, क्योंकि अनाज भंडार वाले डुलिचियम के लिए एक थेस्प्रोटियन जहाज रास्ता बना रहा था। उन्होंने उसके कप्तानों को निर्देश दिया कि मुझे उसके राजा, अकास्टस के पास अवश्य पहुँचाएँ; लेकिन उन्होंने अपनी ही बुरी कल्पनाओं का अनुसरण करना बेहतर समझा, जिसने मुझे घोर निराशा में डुबो दिया। जब जहाज़ काफ़ी दूर समुद्र में पहुँच गया, तो उन्होंने मुझे वहीं गुलाम बनाने की योजना बनाई, मेरे अच्छे कपड़ों को उतारकर मुझे ये चिथड़े-चिथड़े कुर्ता और लबादा पहनाने की ठान ली। शाम को वे जीवंत इथाका के खेती वाले तटों पर पहुँचे और मुझे फँसी हुई रस्सियों से

जहाज़ के भीतरी हिस्से में बाँधने के बाद, अपना भोजन तैयार करने के लिए किनारे पर जल्दी से चले गए।
मुझे लगता है कि स्वयं देवताओं ने ही मेरे शरीर से गांठें आसानी से
खुलने दीं। मैंने अपने कपड़े अपने सिर पर ढेर कर लिए, फिसलन भरे पिछले हिस्से से खुद को नीचे उतारा और सीने के बल समुद्र में छलांग लगा दी, जिससे मैं झट से उनके दल से दूर किनारे पर पहुँच गया। मैं घनी झाड़ियों तक पहुँचा और वहाँ पत्तों से भरी झाड़ियों में दुबक गया। वे मेरे भाग निकलने से बहुत परेशान थे और मुझे इधर-उधर ढूँढ रहे थे: लेकिन अंत में समझ गए कि व्यापक खोज व्यर्थ है और अपने जहाज में वापस चले गए। केवल देवताओं ने ही मुझे इतना आसानी से छिपने दिया; और उनकी कृपा से, मैं फिर से एक प्रबुद्ध व्यक्ति का अतिथि बन गया हूँ। ऐसा लगता है कि मुझे नया जीवन मिला है।
और तुम्हारा जवाब, सूअर चराने वाले यूमेअस? 'मेरे अभागे अतिथि,
तुम्हारे द्वारा सुनाए गए ये कष्ट मुझे हृदय से झकझोर देते हैं, सिवाय ओडीसियस के बारे में तुम्हारी उस चुगली के जो पूरी तरह से बेबुनियाद और अविश्वसनीय है। अपनी दुर्दशा से विवश होकर इतना बड़ा झूठ क्यों गढ़ रहे हो? मेरे स्वामी की वापसी के बारे में मेरा मन पूरी तरह से दृढ़ है, क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि सभी देवता उनसे घृणा करते थे, इसीलिए उन्होंने उन्हें युद्ध के चरम पर, अपने मित्रों की बाहों में और ट्रोजनों के बीच मृत्यु नहीं दी: क्योंकि तब प्रत्येक अचेयन उनकी कब्र बनाने में मदद करता और वे अपने पुत्र को महान गौरव प्रदान करते: जबकि अब हवाएँ उन्हें तुच्छता से उड़ा ले गई हैं।' इसलिए मैं अपने सूअरों के बीच यहीं एकांत में बैठा रहता हूँ, शहर कभी नहीं जाता, सिवाय तब जब सतर्क पेनेलोप मुझे कोई खबर सुनने के लिए बुलाती है जो अचानक से आ जाती है। तब वे चारों ओर बैठकर चुगली करने वाले से सवाल पूछते हैं, न केवल वे जो अपने अनुपस्थित स्वामी के लिए शोक मना रहे हैं, बल्कि वे भी जो उसकी संपत्ति पर मौज-मस्ती कर रहे हैं! केवल मुझमें ही सवाल पूछने या पूछताछ करने की हिम्मत नहीं रही, उस दिन से जब एक एटोलियन ने मुझे अपनी झूठी कहानी से धोखा दिया था। उसने अपने आदमी को मार डाला था और धरती पर भटकता हुआ मेरे पास पहुँचा था। मैंने उसकी बहुत दयालुता से देखभाल की और उसने मुझे बताया कि उसने ओडीसियस को क्रीट में इडोमेनियस के साथ देखा था, जो उनके तूफान से क्षतिग्रस्त जहाजों की मरम्मत कर रहे थे। उसने कहा कि गर्मियों तक या फसल कटाई के समय तक वह वापस आ जाएगा,

धनवान होकर और अपने कुलीन अनुयायियों के साथ। लेकिन हे वृद्ध दुर्भाग्य, जिसे भाग्य ने मेरे द्वार पर ला खड़ा किया है, तुम्हें झूठ बोलने की कोई आवश्यकता नहीं है न ही मेरे दिल को जीतने के लिए: यह मेरे स्नेह और दया का मार्ग नहीं है, जो मुझे अजनबियों के संरक्षक, ज़्यूस के भय और तुम्हारे प्रति दया से प्राप्त होते हैं।
चतुर ओडीसियस ने उत्तर दिया: “यदि मेरी यह शपथपूर्वक गवाही आपके लिए अविश्वसनीय साबित होती है, तो आपका हृदय वास्तव में क्रोधित होगा। देखिए, हम एक समझौता करेंगे और ओलंपस के देवताओं को अपने बीच गवाह बनाएंगे। यदि आपका स्वामी इस घर को पुनः प्राप्त कर लेता है, तो मुझे नए लबादे और कुर्ते पहनाकर मेरे गंतव्य डुलिचियम भेज देना। और यदि वह मेरी बात मानकर नहीं लौटता है, तो अपने दासों को आदेश देना कि मुझे उस विशाल चट्टान से नीचे फेंक दें ताकि अगले भिखारी को झूठ न बोलने का सबक मिले।”
“अरे!” ईमानदार चरवाहे ने रोते हुए कहा, “अगर मैं तुम्हें अपने कमरे
में लाकर तुम्हारा सत्कार करूँ और फिर तुम पर हमला करके तुम्हारी जान ले लूँ, तो मुझे हमेशा के लिए क्या नाम और शोहरत मिलेगी? तब मैं कितने निर्मल हृदय से क्रोनोस के पुत्र ज़्यूस से प्रार्थना करूँगा! देखो, भोजन का समय हो गया है। आशा है मेरे साथी समय पर लौट आएँगे, ताकि हम यहाँ अपने यहाँ बढ़िया भोजन बना सकें।” जैसे ही वे यह कह रहे थे, चरवाहे और उनके सूअर प्रकट हो गए। हर बाड़े से ज़ोरदार शोर मच गया क्योंकि जानवरों को रात के लिए उनके बाड़ों में ले जाया जा रहा था; लेकिन दयालु यूमेअस ने अपने आदमियों को पुकारते हुए कहा, “मेरे इस विदेशी मेहमान के लिए सबसे अच्छे सूअर चुन लो। और हमें भी हमारा हिस्सा मिलेगा।” ‘हमने इन सफेद दांत वाले सूअरों की रखवाली में बहुत मेहनत और कष्ट उठाया है, और बदले में दूसरों को हमारी मेहनत का फल मुफ्त में खाते देखा है।’ जब वह उन्हें बुला रहा था, तब वह अपनी तेज कुल्हाड़ी से लकड़ियाँ काट रहा था। बाकी लोग पाँच साल के एक मोटे सूअर को घसीटकर लाए। उन्होंने उसे जलती हुई आग के पास रख दिया, जबकि सूअर चराने वाले की गहरी समझ ने उसे अमर देवताओं के प्रति अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उसने सबसे पहले सूअर के सिर से बाल खींचे और उन्हें आग में फेंक दिया, साथ ही सभी देवताओं से बुद्धिमान ओडीसियस की घर वापसी की प्रार्थना की। फिर वह उठा और लकड़ी के एक टुकड़े से, जो उसने काटते समय बचा लिया था, उसने जानवर पर वार किया। वह मर गया। उन्होंने उसका

गला काट दिया, उसे झुलसाया और जल्दी से उसके चार टुकड़े कर दिए ताकि सूअर चराने वाला हर अंग से एक-एक टुकड़ा काट सके, जो दुबला और चर्बी से भरा हुआ था। इन भेंटों पर उसने जौ के दाने छिड़के और उन्हें आग में फेंक दिया, जबकि बाकी मांस को काटकर सावधानी से सींकों पर टांगने के लिए तैयार किया जा रहा था। बाद में उन्होंने सींकों को हटाकर मांस को थालियों में भर दिया। चरवाहा मांस बाँटने के लिए खड़ा हुआ, क्योंकि उसकी नज़र बहुत तेज़ थी। उसने बड़ी सटीकता से पूरे मांस को सात भागों में बाँटा। प्रार्थना करते हुए उसने पहला भाग अप्सराओं और माया के पुत्र हेर्मेस के लिए अलग रख दिया; बाकी उसने बाँट दिया। ओडीसियस के लिए उसने सबसे उत्तम भाग, सफेद दाँतों वाले जानवर की लंबी पीठ, चुनकर दी।
इससे राजा का मन इतना प्रसन्न हुआ कि वह पुकार उठा: ‘हे यूमेअस, मैं प्रार्थना करता हूँ कि पिता ज़्यूस तुम्हें भी उतना ही प्रेम करें जितना मैं करता हूँ, क्योंकि तुमने एक अकेले व्यक्ति को यह विशेष भेंट दी है।’ इस पर हे यूमेअस, तुमने उत्तर दिया, ‘हे मेरे प्रिय, खाओ और जो कुछ है उसी से प्रसन्न रहो: सर्वशक्तिमान ईश्वर अपनी इच्छा से देता और रोकता है।’ ऐसा कहकर उसने अपना पहला प्रसाद शाश्वत देवताओं को समर्पित किया। फिर उसने जल चढ़ाया और नगरों को नष्ट करने वाले ओडीसियस को काली शराब दी, और फिर अपना भाग खाने बैठा। उनकी रोटी मेसाउलियस लेकर आया, जो सूअर चराने वाले का निजी दास था, जिसे उसने अपने स्वामी की अनुपस्थिति में अपनी पत्नी या बूढ़े लेर्टेस को बिना बताए, कुछ टैफियनों से अपने पैसों से खरीदा था। उन्होंने हाथ बढ़ाकर तैयार व्यंजनों के बीच खेलना शुरू कर दिया, जब तक कि उनकी मांस और पेय की भूख शांत नहीं हो गई: फिर उनकी तृप्त प्रवृत्ति बिस्तर की ओर मुड़ गई, जबकि मेसाउलियस भोजन के अवशेष साफ कर रहा था। लेकिन रात धुंधली साबित हुई। चंद्रमा बादलों में लिपटा हुआ था और ज़्यूस ने रात भर बारिश की; वहीं एक शक्तिशाली पश्चिमी हवा, वह नम हवा, लगातार बहती रही।
ओडीसियस अपने सूअर चराने वाले को परखना चाहता था कि क्या वह अपना
लबादा उसे उधार देगा या अपने किसी साथी से उस मेहमान के लिए लबादा मांगेगा जिसका उसने इतना सत्कार किया था। इसलिए उसने कहा: 'अब मेरी बात सुनो, हे यूमेअस और तुम सब, जब मैं तुम्हारे शराब के नशे में बह रहा हूँ। शराब बड़े से बड़े दृढ़ व्यक्ति को भी गाने या खिलखिलाने पर मजबूर कर देती है; अगर

ऐसा न हो कि वह नाचने लगे या कुछ ऐसा बोल दे जिसे न कहना ही बेहतर हो। लेकिन अब जब मैंने अपनी ज़बान खोल दी है, तो मुझे इसे पूरा करना ही होगा।'
काश मैं जवान होता, उस अटूट जोश के साथ जो मुझमें उन दिनों था जब हमने ट्रॉय पर अचानक हमला करने की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। ओडीसियस हमारे नेताओं में से एक था: उसके साथ एट्रेस का पुत्र मेनेलास था, और तीसरे कमांडर के रूप में (उनके द्वारा तय की गई व्यवस्था के अनुसार) मैं था। हम शहर के चारों ओर घूमते हुए उसकी विशाल दीवार तक पहुँचे और वहाँ हम किले के नीचे दलदल में लेट गए, हमारे कवच के भार से हम सरकंडों और घनी झाड़ियों में धंस गए। जैसे-जैसे हम इंतजार करते रहे, रात बहुत भयानक हो गई। उत्तर से ठंडी हवा चलने लगी और कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। फिर बर्फ गिरने लगी, ठंडी और सूखी, जैसे पाला, जबकि बर्फ ने हमारी ढालों को जमा दिया। बाकी सभी ने अपनी कमीजों के ऊपर लबादे पहने हुए थे और इसलिए अच्छी नींद सोए, ढालों को कंधों पर रखकर दुबके हुए; लेकिन मैंने निकलने से पहले अपना लबादा अपने साथियों के पास छोड़ दिया था, क्योंकि मैं इतना मूर्ख था कि मैंने सोचा था कि मुझे कभी ठंड नहीं लगेगी। तो मैं वहाँ सिर्फ एक रंगीन जैकेट और अपनी ढाल के साथ था। जब रात का तीसरा पहर हो चुका था और तारे डूबने लगे थे, तो मैंने अपने बगल में लेटे ओडीसियस को कोहनी से हल्का सा धक्का दिया और उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, “लाएर्टेस के पुत्र, मैं शायद ज्यादा दिन तक जीवित नहीं रहूँगा, क्योंकि बिना लबादे के यह ठंड असहनीय है। किसी कारणवश मैं केवल बनियान पहनकर ही बाहर आया हूँ और अब कोई चारा नहीं है।”
जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, उसके मन में एक विचार कौंधा, क्योंकि षड्यंत्र रचने या लड़ने में वह अद्वितीय था। उसने मुझे तीखे स्वर में कहा, “चुप रहो, कहीं कोई दूसरा अचेयन तुम्हें सुन न ले।” इतना कहकर उसने अपना सिर अपनी झुकी हुई बांह पर टिकाया और धीमी, प्रभावशाली आवाज़ में बोला, “सुनो, मित्रों। मैं सो गया था और ईश्वर ने मुझे एक महत्वपूर्ण सपना दिखाया है, जिससे पता चलता है कि हम जहाजों से कितना दूर आ गए हैं। मैं चाहता हूँ कि कोई एट्रीयस के पुत्र अगमेम्नन, जो लोगों का चरवाहा है, को चेतावनी दे, ताकि वह हमारे लिए घेराबंदी से अतिरिक्त सैनिक भेज सके।” उसकी बात सुनते ही एंड्रेमन का पुत्र थोआस फुर्ती से उठा, अपना बैंगनी लबादा फेंक दिया और जहाजों की ओर दौड़ पड़ा, जबकि मैं भोर के सुनहरे सिंहासन से प्रकाश निकलने तक उसके वस्त्र में लिपटा रहा। अब, जैसा कि मैंने कहा, काश

मैं फिर से उतना ही जवान और बलवान हो पाता। तब जागीर का कोई चरवाहा मुझे अपना लबादा उधार दे देता, मेहमान के प्रति दया और अपने हट्टे-कट्टे साथी पर तरस खाने के दोहरे मकसद से: लेकिन फिलहाल तो मुझे किसी की परवाह नहीं है, क्योंकि ये फटे-पुराने कपड़े मेरे शरीर को बदसूरत बना रहे हैं।
इस पर यूमेअस ने उत्तर दिया: “बूढ़े, आपने उसके बारे में बहुत अच्छी कहानी सुनाई; एक भी शब्द व्यर्थ या बेकार नहीं था। इसलिए आज रात आपको चादर की कमी नहीं होगी, न ही किसी भी ऐसी चीज़ की जो एक दुर्भाग्यशाली ग्राहक उन लोगों से उम्मीद कर सकता है जिनके पास उसकी मदद करने की शक्ति है। बेशक, केवल आज रात के लिए; सुबह आपको फिर से अपने फटे-पुराने कपड़ों में ही जाना होगा। हमारे पास यहाँ न तो लबादे हैं और न ही कुर्ते, बस वही कपड़े हैं जो हमने पहने हुए हैं। लेकिन जब ओडीसियस का प्रिय पुत्र वापस आएगा, तो वह आपको बाहरी और भीतरी वस्त्र भेंट करेगा और आपको वहाँ पहुँचाएगा जहाँ आपके दिल की ख्वाहिश है।”
बोलते-बोलते वह उठा और चूल्हे के पास एक पलंग बिछाया, उसे भेड़ और बकरी
की खाल से ढक दिया; ओडीसियस के लेट जाने के बाद उसने उस पर एक मोटा और चौड़ा लबादा ओढ़ा दिया, जिसे वह खराब मौसम में बदलने के लिए अपने पास रखता था। इस प्रकार ओडीसियस अपने साथियों के साथ वहीं सो गया। केवल सूअर चराने वाले को अपने सूअरों से अलग आराम से लेटने की इच्छा नहीं हुई। इसलिए, अपने अनुपस्थित स्वामी की संपत्ति की भलाई के लिए ओडीसियस की इस तत्परता को देखकर वह प्रसन्न हुआ और उनके पास जाने के लिए कमर कस ली, अपने कंधों पर एक तेज तलवार लपेट ली और खुद को हवा से बचाने वाले मोटे बुने हुए लबादे में लपेट लिया, जिसके चारों ओर एक चौड़ी और मजबूत बकरी की खाल लिपटी हुई थी। उसने कुत्तों या मनुष्यों से बचाव के लिए एक तेज भाला भी ले लिया और उस चट्टान की ओट में लेट गया जहाँ सफेद दांतों वाले सूअर उत्तरी हवा से आश्रय लेकर सोते थे।

पुस्तक 15

इसी बीच, पल्लास एथेन विशाल मैदानों के मालिक लैकेडेमोन के पास ओडीसियस के पुत्र को शीघ्र लौटने के लिए प्रेरित करने गई थीं। उन्होंने उसे और नेस्टर के कुलीन पुत्र को महान मेनेलास के घर के बरामदे में सोते हुए पाया - या यूं कहें कि नेस्टर का पुत्र गहरी नींद में सो रहा था जबकि टेलीमाकस पूरी रात अपने पिता के बारे में चिंतित विचारों से व्याकुल रहा।
पल्लास उसके पास खड़ी होकर बोली: ‘मेरे टेलीमाकस, तुम्हारे घर में उन साहसी पुरुषों के रहते हुए, तुम अपने कामों की उपेक्षा करते हुए बाहर भटकना जारी नहीं रख सकते। अगर इस दौरान वे तुम्हारी संपत्ति आपस में बाँट लें और उसे हड़प लें, तो यह यात्रा व्यर्थ हो जाएगी। जब तक तुम्हारी माँ वहाँ नहीं मिलती, तब तक शक्तिशाली मेनेलास से कहो कि वह तुम्हें तुरंत घर वापस ले आए: क्योंकि उसके पिता और उनके पुत्र उसे यूरीमाकस को स्वीकार करने के लिए मना रहे हैं, जो अन्य सभी दूल्हों से अधिक उदार साबित हुआ है और उसने अपने विवाह प्रस्ताव बहुत बढ़ा दिए हैं। यदि तुम लौटते हो, तो वह घर से ऐसी चीजें नहीं ले जा पाएगी जिन्हें खोने का तुम्हें पछतावा होगा: क्योंकि तुम जानते हो कि एक स्त्री का स्वभाव कैसा होता है और अपने वर्तमान पति को समृद्ध करने की लालसा उसे अपने प्रियतम पति और अपने बच्चों के बारे में बात करना या सोचना बंद करवा देती है। इसलिए वापस लौट जाओ और अपनी संपत्ति को उस गृहणी के हाथों में सुरक्षित रख दो जिस पर तुम्हें सबसे अधिक विश्वास है, जब तक कि देवता किसी प्रतिष्ठित स्त्री को तुम्हारी संगिनी न बना दें।’
“मेरे पास तुम्हारे लिए एक और खबर है, और इसे ध्यान से सुनो। सामोस और इथाका की चट्टानों के बीच की घाटी में, शादी के प्रस्ताव देने वालों में से कुछ चुने हुए लोग घात लगाकर बैठे हैं, और घर लौटने से पहले ही तुम्हें मार डालना चाहते हैं। मुझे डर नहीं है: तुम्हारे सहारे जीने वाले इन प्रस्ताव देने वालों में से कुछ के खुद मरने की संभावना अधिक है। फिर भी, उन द्वीपों से दूर रहो और अपने मजबूत जहाज में दिन-रात यात्रा करो – क्योंकि वह अमर

देवता जो तुम्हारी रक्षा करता है, तुम्हें अनुकूल हवा देगा। इथाका के इस छोर पर उतरो और अपने जहाज और साथियों को शहर की ओर भेज दो, जबकि तुम सीधे उस जगह जाओ जहाँ तुम्हारा वफादार और समर्पित चरवाहा अपने जानवरों के साथ रहता है। उस रात उसके साथ ठहरो और उसे पेनेलोप को यह बताने के लिए भेजो कि तुम बच गए और पाइलोस से सुरक्षित बाहर आ गए।”
वह ओलंपस की चोटी की ओर चल पड़ी, जबकि टेलीमाकस ने नेस्टर के पुत्र को एड़ी से धक्का देकर जगाया और कहा: 'उठो, पेइसिस्ट्राटस, और अपने स्थिर घोड़ों को रथ में जोतो, ताकि हम चल सकें।' लेकिन नेस्टर के पुत्र ने उत्तर दिया: 'टेलीमाकस, चाहे कितनी भी जल्दी हो, आधी रात को रथ चलाना संभव नहीं है। देखो, भोर होने वाली है। मेरा सुझाव है कि हम यहीं रुकें और एट्रीयस के पुत्र, उस कुशल भाला चलाने वाले योद्धा से हार्दिक विदाई और शुभकामनाएँ प्राप्त करें, साथ ही उन उपहारों के लिए भी जो वीर मेनेलास हमारे रथ को लादेंगे। एक अतिथि को हमेशा उस मेज़बान का आदर करना चाहिए जिसने प्रेमपूर्वक उसका स्वागत किया हो।'
इस प्रकार उसने सलाह दी: और भोर अपने सुनहरे सिंहासन पर आसीन हुई।
बुलंद आवाज वाले मेनेलास सुंदर हेलेन का साथ छोड़कर उनकी ओर आए। जब ओडीसियस के पुत्र ने यह देखा, तो उसने अपने चमकदार शरीर पर चमकीला वस्त्र लपेटा और अपने विशाल कंधों पर लबादा ओढ़ लिया और द्वार से होते हुए उससे मिलने के लिए आगे बढ़ा: और फिर उसने कहा, ‘हे राजसी मेनेलास! मुझे अभी और यहीं घर भेज दो; मेरा हृदय अपने प्रिय देश में जाने के लिए तड़प रहा है,’ और मेनेलास ने उसे उत्तर दिया, ‘टेलेमाकस, यदि तुम जाना चाहते हो तो मैं तुम्हें नहीं रोकूंगा। मेरी राय में, मेजबानों को न तो ज़बरदस्ती करनी चाहिए और न ही अचानक। हमेशा बीच का रास्ता अपनाना चाहिए। अनिच्छुक अतिथि को भेजना उतना ही गलत है जितना अधीर अतिथि को रोकना। अजनबी का घर में सत्कार करो और जैसे ही उसका मन करे उसे विदा कर दो। फिर भी, जब तक मैं तुम्हें अपने उपहारों की सुंदरता दिखाऊं, जब तक मैं उन्हें रथ में पैक न कर लूं, तब तक प्रतीक्षा करो; और मुझे महिलाओं से कहने दो कि वे हॉल में उन व्यंजनों का एक नमूना प्रस्तुत करें जो उन्होंने तैयार किए हैं।’ हमारे लिए यह गर्व और सम्मान की बात है, और आपके लिए भी इन विशाल मैदानों में भरपेट भोजन के साथ यात्रा करना लाभकारी होगा। या फिर आप मेरे साथ हेलास और मध्य आर्गोस की यात्रा करना चाहेंगे, जहाँ मैं घोड़े उपलब्ध कराऊँगा और

आपको शहरों में रास्ता दिखाऊँगा? सच में, कोई भी व्यक्ति हमें वैसे विदा नहीं करेगा जैसे हम आए थे, बल्कि हर बार कोई न कोई उपहार होगा, कोई तिपाई या असली कांसे का टब, खच्चरों का कोई जोड़ा या सोने का कोई प्याला।
टेलेमाकस ने चतुराई से उत्तर दिया: ‘मेनेलास, मैं इतनी जल्दी अपने देश जाना चाहता हूँ क्योंकि जब मैंने इसे छोड़ा था तो मैंने अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए किसी संरक्षक को नियुक्त नहीं किया था; और अपने पूर्वजों के किसी अनमोल खजाने को खोना मुझे अपने गौरवशाली पिता की खोज में स्वयं मरने से अधिक अप्रिय लगेगा।’ जैसे ही बुलंद आवाज वाले मेनेलास ने उसकी बात समझी, उसने अपनी पत्नी और दासियों को आदेश दिया कि वे अपने पास मौजूद प्रचुर मात्रा में भोजन की व्यवस्था करें। फिर बोएथस का पुत्र एटोनियस, जो अभी- अभी बिस्तर से उठा था, आया, क्योंकि वह पास में ही रहता था। मेनेलास ने उसे आग जलाने और मांस पकाने का आदेश दिया: जिसे उसने आज्ञाकारी रूप से किया। इसके बाद राजा अपने सुगंधित खजाने में नीचे गया; उसके साथ हेलेन और मेगापेंथेस भी थीं। खजाने के ढेर में से एट्रीड्स ने एक दोहरा प्याला उठाया और अपने पुत्र मेगापेंथेस को चांदी का एक मिश्रण पात्र दिया। हेलेन कपड़ों के बक्सों के पास हिचकिचाई, जिनमें उसके खुद के कढ़ाई से बने रंग-बिरंगे चमकदार वस्त्र रखे थे। आखिरकार, इस सबसे सुंदर स्त्री ने उनमें से सबसे बड़ा और सबसे कीमती वस्त्र चुना। यह अन्य वस्त्रों के नीचे गहराई में दबा हुआ था और तारे की तरह चमक रहा था। फिर वे महल से होते हुए वापस टेलीमाकस के पास पहुँचे। मेनेलास ने उससे कहा: ‘हे टेलीमाकस, हेरा के स्वामी, गर्जन के देवता ज़्यूस, तुम्हें तुम्हारे इस प्रशंसनीय घर वापसी की अनुमति दें। इस बीच मैं तुम्हें अपने घर का सबसे उत्तम और दुर्लभ खजाना दे रहा हूँ। यह रहा: चांदी का बना हुआ, सोने के किनारे को छोड़कर, पत्थरों से जड़ा हुआ वह कटोरा, जिसे हेफेस्टस ने बनाया था और सिदोन के राजा, फेडिमस ने मुझे तब दिया था जब मैं घर वापसी की यात्रा पर उनके घर में शरण लिए हुए था: मुझे इसे तुम्हें सौंपते हुए प्रसन्नता हो रही है।’
इन शब्दों के साथ एट्रीयस के योद्धा पुत्र ने उसे दो प्याले भेंट किए। फिर बलवान मेगापेंथेस अपना चमकीला चांदी का प्याला लेकर आया, जबकि अपनी सुंदरता में सजी हेलेन वस्त्र लिए आगे बढ़ी और उसका नाम लेकर बोली, ‘हे प्रिय बालक, यह मेरी ओर से उपहार है, हेलेन के हाथों से दिया गया एक यादगार तोहफा, जिसे तुम्हारी दुल्हन तुम्हारे विवाह के दिन, तुम्हारे विवाह के

दिन पहनेगी; तब तक इसे घर में अपनी माँ के पास रख देना। तुम्हें अपने घर और भूमि की ओर सुखद वापसी हो।’ उसने उसे प्याला दिया और वह प्रसन्न हुआ। दृढ़ निश्चयी पेइसिस्ट्राटस सभी उपहारों को देखकर आश्चर्यचकित रह गया, यहाँ तक कि जब वह उन्हें रथ के लॉकर में रख रहा था तब भी।
फिर से सुनहरे मुकुट वाले राजा उन्हें अपने महल में ले गए, जहाँ वे सिंहासन पर बैठे थे। दासी ने अपने सुनहरे कलश से उनके हाथों को धोने के लिए पानी डाला और उनकी चमकीली मेज सजाई, जिस पर संरक्षिका ने भरपूर मात्रा में गेहूं की रोटियाँ और पका हुआ मांस परोसा। बोएथस के पुत्र ने मांस काटा और परोसा, जबकि मेनेलास के पुत्र ने उनके लिए शराब परोसी। इस प्रकार वे तृप्त होकर भोजन करते रहे। फिर नेस्टर के पुत्र और टेलीमाकस ने अपने घोड़ों को जोता और अपने शानदार रथ में सवार होकर गूंजते द्वार और उसके बरामदे से होकर गुजरे। लेकिन वहाँ, घोड़ों के ठीक पीछे, एट्रेस का पुत्र अपने दाहिने हाथ में शहद से भरी शराब से भरा सुनहरा प्याला लिए खड़ा था; और पुकार रहा था, 'हे नौजवानों, आप सब स्वस्थ रहें!' मुझे नेस्टर के प्रति समर्पित कर दो, जो लोगों का चरवाहा है और जिसने मुझे उस समय पिता तुल्य माना था जब हम युवा अचेयन ट्रोएड में लड़ रहे थे।’ इस पर टेलीमाकस ने उचित उत्तर दिया: ‘जब हम पहुँचेंगे, तो हम उसे तुम्हारा सारा संदेश, जैसा तुमने दिया है, दोहरा देंगे, हे ज़्यूस के बच्चे; और जिस प्रकार तुम्हारा यहाँ से मेरी यात्रा इतने स्नेहपूर्ण व्यवहार और इतने उपहारों से भरी हुई है, उसी प्रकार आशा है कि इथाका लौटने पर ओडीसियस अवश्य ही घर में मिलेगा, मेरी कहानी सुनने के लिए।’
यह कहते ही दाहिनी ओर से एक चील उड़कर आई, जिसके पंजों में एक विशाल
सफेद हंस था, जो उनके बाड़े का एक मुर्गा था। उसके पीछे खेत के मजदूर और नौकरानियां चिल्लाते हुए दौड़े; लेकिन चील फिर से दाहिनी ओर, उनके घोड़ों के पास लौट गई। यह दृश्य देखकर वे प्रसन्न हुए और सबके मन में उत्साह भर गया, यहाँ तक कि पेइसिस्ट्राटस ने कहा: ‘हे राजसी मेनेलास, इसका अर्थ समझाओ, क्या ईश्वर का यह संकेत हम दोनों के लिए है या तुम्हारे लिए?’ मेनेलास सोचने लगा कि वह इसका सही अर्थ कैसे निकाले और उत्तर दे; लेकिन हेलेन ने उससे यह बात छीन ली और कहा, ‘मेरी बात सुनो, मैं इसका अर्थ (निःसंदेह सही अर्थ) बताती हूँ जो देवताओं ने मेरे मन में डाला है। जिस प्रकार चीलों के आशियाने वाले पर्वतीय घोंसले से वह चील एक ही झटके में

हमारे खेत में पले-बढ़े हंस को ले गई, उसी प्रकार ओडीसियस अपनी कठिन यात्रा से लौटकर अपना बदला लेगा: या शायद वह पहले ही घर पहुँच गया हो और अपने चाहने वालों के विनाश की योजना बना रहा हो।’
टेलीमाकस ने उनका धन्यवाद करते हुए कहा, ‘हे देवी, ज़्यूस की कृपा से
ऐसा ही हो; मैं आपको देवी मानकर आदर करूंगा।’ उसने घोड़ों को चाबुक मारा और वे शहर से होते हुए खुले मैदान की ओर दौड़ पड़े, जहाँ दिनभर घोड़ों का जुआ उनकी स्थिर चाल पर हिलता रहा, जब तक कि रात के अंधेरे ने सड़कों को अंधकारमय नहीं कर दिया। वे फेरे पहुँच गए, डायोक्लेस के घर के पास, जो उस ओर्सिलोकस का पुत्र था जिसे अल्फियस ने जन्म दिया था; और वहाँ उन्होंने रात बिताई, उनका अच्छे से स्वागत किया गया। सुबह की सुनहरी रोशनी में उन्होंने घोड़ों को जोता। वे अपने सजे-धजे रथ में सवार हुए और शोरगुल भरे द्वार से होकर गुजरे। टेलीमाकस ने चाबुक चलाया और दोनों आगे बढ़ते चले गए, और जल्द ही वे भयावह पाइलोस पहुँच गए। वहाँ उसने नेस्टर के पुत्र से कहा: ‘मैं अब तुम्हें कैसे मनाऊँ कि तुम मुझसे वह वादा करो जो मैं चाहता हूँ? हम अपने पूर्वजों के पुराने परिचय के कारण मित्र हैं; साथ ही हम एक ही उम्र के हैं और हमने साथ में यह यात्रा की है जिससे हमारा प्रेम पुख्ता हुआ है।’ हे ज़्यूस के प्रिय, मुझे मेरे जहाज़ से आगे मत ले जाओ, बल्कि मुझे उसके पास ही उतार दो, ताकि उस बूढ़े आदमी की मेहमाननवाज़ी की भावना मुझे उसके घर में तंग न कर सके। मैं जल्दी से घर लौटना चाहता हूँ।
नेस्टर के पुत्र ने सोचा कि क्या वह इस बात को ठीक से स्वीकार कर पाएगा
और निभा पाएगा। विचार करने पर उसे लगा कि यही सबसे अच्छा है। इसलिए उसने अपने दल को किनारे पर ले जाकर मेनेलास के सभी कीमती उपहार, वस्त्र और सोना, जहाज के पिछले हिस्से में रख दिए। फिर उसने टेलीमाकस से जल्दी से कहा: “अब जहाज पर चढ़ो और अपने दल को इकट्ठा करो, इससे पहले कि मेरे घर पहुँचने पर बूढ़े को चेतावनी मिले। मेरा मन और दिमाग दोनों यही मानते हैं कि उसकी ज़िद्दीपन कोई बहाना नहीं सुनेगी। वह खुद यहाँ आकर तुम्हारा अभिवादन करेगा; जैसा कि मैंने कहा, अकेले वापस जाने से इनकार कर देगा। इससे वह क्रोधित हो जाएगा।”
इसके साथ ही उसने अपने लंबे बालों वाले घोड़ों को पाइलियन नगर की ओर मोड़ दिया और जल्दी ही घर पहुँच गया। टेलीमाकस अपने आदमियों का अभिवादन करने और उन्हें काले जहाज में तुरंत रवाना होने के लिए तैयार रहने का आदेश

बताएँ, उस बलिदान और ईश्वर की कसम, आपके और आपके अनुयायियों के सिर पर - आप कौन हैं? आप कहाँ से आए हैं?' कौन सा शहर और परिवार?
टेलेमाकस ने उत्तर दिया: “दरअसल, मैं इथाका से हूँ और मेरे पिता
ओडीसियस थे, या थे, अगर वे कभी अस्तित्व में थे। खैर, उनकी मृत्यु बहुत पहले दुखद रूप से हुई थी। मैं अपने इन साथियों को लेकर उनके लापता होने का रहस्य सुलझाने निकला हूँ।” तब थियोक्लीमेनस ने कहा, “और मैं भी अपने देश से भाग आया हूँ, क्योंकि मैंने एक रिश्तेदार की हत्या कर दी थी, जिसका शक्तिशाली परिवार आर्गिव मैदान के अचेयनों पर शासन करता है। मैं उनकी मृत्युदंड की भयानक सजा से भागा, और इस तरह खुद को इस दुनिया में भटकने के लिए अभिशप्त कर लिया। एक भगोड़े की प्रार्थना सुनो। मुझे अपने जहाज में जगह दो और मेरी जान बचाओ। मुझे लगता है कि पीछा करने वाले ज्यादा दूर नहीं हैं।”
टेलेमाकस ने कहा, “यदि तुम सचमुच हमारे साथ यात्रा करना चाहते हो, तो
मैं तुम्हें मना नहीं करूँगा। हमारे घर आओ और हमारे पास जो कुछ है, उसमें तुम्हारा स्वागत है।” उसने उससे पीतल का भाला लेकर डेक पर रख दिया, फिर स्वयं जहाज पर चढ़ गया और थियोक्लीमेनस को अपने पास जहाज के पिछले हिस्से में बैठा दिया। जैसे ही उन्होंने रस्सियाँ खोलीं, उसने नाव को तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने उत्साहपूर्वक चीड़ के पेड़ का मस्तूल उठाया, उसे स्थापित किया, उसे चौखट में फंसाया और उसके रस्सियों को कस दिया। फिर उन्होंने बुने हुए चमड़े के रस्सियों से सफेद पाल फहराए। एथेना ने उन्हें अनुकूल हवा दी जो बादलों से रहित आकाश में तीक्ष्ण स्वर में गा रही थी, जिससे जहाज खारे समुद्र के पानी पर अपने लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहा था। वे बहती धाराओं के क्रौनी और चाल्किस से होकर तब तक चलते रहे जब तक सूर्यास्त और अंधेरा नहीं छा गया। जहाज ज़्यूस की हवा की शक्ति से फीए द्वीप पर पहुँचा और एलिस, एपिन्स के मजबूत अभयारण्य को ऊपर उठाया। जैसे- जैसे वह प्रत्येक ऊबड़-खाबड़ द्वीप से गुजरता गया, टेलीमाकस ने खुद से पूछा कि क्या वह मौत से बच पाएगा या फंस जाएगा।
इसी बीच ओडीसियस अपने घर में ईमानदार चरवाहे और उसके आदमियों के साथ भोजन कर रहा था। भूख मिट जाने पर उसने फिर से बात की, यह जानने की इच्छा से कि चरवाहा उसके प्रति वास्तव में क्या सोचता है और क्या वह उसे खेत में और अधिक समय तक रहने देगा या उसे शहर जाने के लिए विवश करेगा। “अब यूमेअस और

तुम सब सुनो। तुम्हारी दया का दुरुपयोग न हो इसलिए मैं भोर होते ही शहर जाना चाहता हूँ, जहाँ मैं भीख माँगकर अपना गुजारा कर सकूँ। बस मुझे संकेत और कुशल मार्गदर्शन दीजिए: क्योंकि एक बार पहुँच जाने पर मुझे खुद ही मेहनत करनी होगी अगर मुझे किसी से रोटी और भोजन प्राप्त करना है। मेरा खास इरादा ओडीसियस के घर पर बुद्धिमान पेनेलोप से बात करना और उन निर्दयी दूल्हों से मिलना है। शायद वे अपनी अधिकता से मेरा पेट भर दें; और संभव है कि मैं उनके लिए उपयोगी साबित हो सकूँ, क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ - मेरी बात ध्यान से सुनो और इस पर पूरी तरह विश्वास करो - कि हेर्मेस (जिसकी गरिमा मानवीय श्रम को सुशोभित करती है) की कृपा से, सेवा में कोई भी मनुष्य मेरे बराबर नहीं है, चाहे वह उनके लिए आग जलाना और लकड़ी काटना हो, मांस काटना या भूनना हो, पेय परोसना हो, या कोई भी ऐसा काम हो जो नौकर अपने से बड़ों के लिए कर सकते हैं।
आह, यूमेअस, जब तुमने उसे उत्तर दिया तो तुम्हारा हृदय कितना डूब गया। ‘अफ़सोस, मेरे अतिथि, यह विचार तुम्हारे मन में आया। यदि तुम उन दूल्हों की भीड़ में शामिल होना चाहते हो जिनकी क्रूरता निर्मम आकाश को भी चुनौती देती है, तो तुम स्वयं अपने विनाश के लिए तरस रहे हो। उनके चमचे तुम्हारे जैसे पुरुष नहीं हैं, बल्कि रंगीन लबादे और वस्त्र पहने हुए, चिकने सिर और खिलखिलाते गालों वाले नौजवान हैं। उनकी मेजें पहले से ही रोटी, मांस और शराब से भरी हुई हैं। इसलिए हमारे साथ रहो। यहाँ कोई भी, न मैं और न ही मेरे साथी, तुम्हारे ठहरने पर आपत्ति जताते हैं: और जब ओडीसियस का भला पुत्र लौटेगा, तो वह तुम्हें नए वस्त्र पहनाएगा और जहाँ तुम्हारा मन चाहेगा वहाँ ले जाएगा।’ इस पर ओडीसियस ने कहा: ‘पिता ज़्यूस तुम्हें प्यार करें, यूमेअस, जैसे मैं करता हूँ क्योंकि तुमने मुझे उस कष्टदायक आवारागर्दी से बचाया है जो मनुष्य के भाग्य में सबसे दुखद है।’ अपने घृणित पेट के लिए ही मनुष्य आवारागर्दी के इन कष्टों और दुखों को सहते हैं। लेकिन अब, यदि मुझे पुत्र के लौटने तक यहीं रहना है, तो मुझे ओडीसियस की माता और उसके पिता के बारे में बताओ, जिन्हें वह अपने पीछे वृद्ध अवस्था में छोड़ गया था। क्या वे अभी भी जीवित हैं, या मरकर पाताल लोक में चले गए हैं?
उस कुशल सूअर चराने वाले ने कहा: “मैं तुम्हें विस्तार से बताता हूँ। लेर्टेस जीवित है, पर वह सदा प्रार्थना करता है कि ज़्यूस उसके अंगों से जीवन को महल में ही समाप्त होने दे। वह अपने लापता पुत्र और अपनी पत्नी के

लिए इतना गहरा शोक मनाता है, जिसकी मृत्यु ने उसे समय से पहले ही बूढ़ा कर दिया है। यह भी जान लो कि वह स्वयं अपने प्रसिद्ध पुत्र के शोक में व्याकुल होकर मर गई। उसका अंत इतना दुखद था कि मैं अपने किसी भी दयालु पड़ोसी के लिए ऐसी कामना नहीं करूँगा, जिसने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया हो। उसके दुख के बावजूद, मैं उसके जीवित रहते हुए उसका हालचाल पूछता रहा और प्रसन्न था, क्योंकि मेरा पालन-पोषण उसकी सबसे छोटी बेटी, लंबी पोशाक वाली क्लिमेन के साथ हुआ था। हम दोनों साथ-साथ बड़े हुए, माँ ने मुझे लगभग अपने बच्चे की तरह सम्मान दिया, जब तक कि हम दोनों सुखमय किशोरावस्था में नहीं पहुँच गए। फिर उन्होंने (गहरी शादी की कीमत पर) उसे सैम के एक आदमी से विदा कर दिया, जबकि मेरी पत्नी ने मुझे अच्छे कपड़े और जूते पहनाकर खेत में काम पर लगा दिया।” मेरे प्रति उनका प्रेम निरंतर बढ़ता ही गया, और अब मुझे उसी की कमी खलती है, यद्यपि ईश्वर ने मुझे मेरे आजीविका के साधन में सफलता प्रदान की है, जिससे मुझे भोजन और पेय मिलता है और मैं जरूरतमंदों को दान दे सकता हूँ। लेकिन जब से उस बड़े घर पर विपत्ति आई है और गुंडे उस पर मंडराने लगे हैं, तब से मालकिन के चेहरे पर कोई प्रसन्नता नहीं रही, न ही कोई दयालु शब्द और न ही कोई दयालु कार्य – जबकि नौकरों का स्वभाव होता है कि वे अपनी मालकिन से मिलकर बहुत प्रसन्न होते हैं, उनसे बातचीत करते हैं, गपशप करते हैं, शायद कुछ खा-पी लें और अपने खेतों में कुछ ऐसा ले जाएँ जिससे उनके वफादार हृदय को सुकून मिले।
ओडीसियस ने उत्तर दिया: ‘क्या तुम बचपन में ही, यूमेअस, अपने घर और
परिवार से बिछड़ गए थे? इस अवसर का लाभ उठाकर मुझे अपनी पूरी कहानी सुनाओ। क्या उन्होंने उस विशाल शहर को लूटा और बर्बाद कर दिया जहाँ तुम्हारे माता-पिता रहते थे, या तुम अकेले ही भेड़-बकरियाँ चरा रहे थे, जब लुटेरों ने तुम्हें पकड़ लिया और ऊँची कीमत पर किसी मालिक के घर में बेचने के लिए विदेश भेज दिया?’ सूअर चराने वाले ने उत्तर दिया, ‘अजनबी, यदि आप इस विषय को खोलना चाहते हैं, तो आराम से अपनी सीट पर बैठ जाइए, अपना प्याला फिर से भर लीजिए और मेरी बात ध्यान से सुनिए। ये रातें बहुत लंबी हैं और हमें मनोरंजक कहानियाँ सुनाने और सोने का समय देती हैं। जल्दी सोने का भी कोई फायदा नहीं है: इससे ऊब ही आएगी। बाकी जो चाहें सो सकते हैं। सुबह होते ही जल्दी से भोजन होगा और फिर हम अपने स्वामी के सूअरों के साथ बाहर निकलेंगे। लेकिन हम दोनों यहाँ आराम से बैठकर खा-पी सकते हैं और अपने

दुखों का आदान-प्रदान कर सकते हैं – मेरा मतलब है, स्मृतियों से जुड़े दुख; जब कोई व्यक्ति गहरे कष्टों से गुज़र चुका होता है और घर से बहुत दूर भटक जाता है, तो वह पुराने दुखों को याद करके सांत्वना पा सकता है। इसलिए मैं आपके प्रश्नों का उत्तर दूंगा।
“एक द्वीप है जिसका नाम सीरिया है, अगर आपने इसके बारे में सुना हो, जो ओर्टिगिया से परे है जहाँ सूर्य अपनी दिशा बदलता है। यह अधिक आबादी वाला स्थान नहीं है, लेकिन अच्छा है, जहाँ मवेशी और भेड़ें, अनाज और शराब प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं; इसलिए यहाँ के लोग कभी भी तंगी या बीमारी से पीड़ित नहीं होते। जब एक पीढ़ी बूढ़ी हो जाती है, तो चांदी के धनुष वाले अपोलो और आर्टेमिस दयालु बाणों के साथ आकर उनका अंत करते हैं। राजनीतिक रूप से पूरा द्वीप दो शहरों में समाहित है, और मेरे ईश्वर-समान पिता, ओर्मेनस के पुत्र क्टेसियस, दोनों शहरों के राजा थे।”
हमारा घर एक ऐसी जगह थी जहाँ लाभ कमाने वाले फोनीशियन नाविक अपने
जहाजों में दस हजार कीमती सामान बेचने आते थे: मेरे पिता की दासियों में एक फोनीशियन महिला भी थी। वह सुंदर और लंबी थी और एक कुशल दर्जी थी: लेकिन वासना अच्छे से अच्छे स्त्री को भी भटका सकती है, और वह एक धूर्त देशवासी के बहकावे में आकर गिर पड़ी, दरअसल जब वह हमारे कपड़े धो रही थी। जिस फोनीशियन ने उस पर बुरी नज़र डाली और उसके साथ संबंध बनाए, वह पास के ही एक जहाज से था; और बाद में उसने उससे अपने बारे में पूछा। उसने मेरे पिता की ऊँची छत की ओर इशारा करते हुए कहा, “मैं कसम खाती हूँ कि मैं कांसे के बाज़ार से हूँ, स्वयं सिदोन से, धन के स्रोत आर्यबास की सगी बेटी। जब मैं ग्रामीण सड़क पर टहल रही थी, तब मुझे ताफियन समुद्री डाकुओं ने पकड़ लिया। वे मुझे यहाँ लाए और इस राजा के प्रतिष्ठान में बेच दिया। उसने अच्छी खासी रकम दी।”
तब उस नाविक ने, जिसने उससे गुप्त रूप से प्रेम किया था, कहा, “क्या तुम हमारे साथ वापस आना चाहोगी, अपने माता-पिता का वह आलीशान घर फिर से देखने और उनके साथ एक बार फिर रहने के लिए? वे अभी भी जीवित हैं और धनी माने जाते हैं।” स्त्री ने उत्तर दिया, “हाँ, बिल्कुल, बशर्ते तुम नाविक मुझे सम्मानपूर्वक घर वापस लाने का वचन दो।” उन सभी ने उसकी इच्छा के अनुसार शपथ ली और शपथ लेने के बाद उसने फिर बोलना शुरू किया: “अब चुप रहो और ध्यान रखना कि राजमार्ग पर या यहाँ तक कि फव्वारे पर भी, अगर हम मिलें तो तुममें

से कोई मुझसे बात न करे। कोई जाकर महल में बैठे बूढ़े को बता सकता है, और शक होने पर वह मुझे बेरहमी से जंजीरों में जकड़ देगा और तुम सबका विनाश कर देगा। इसलिए जब तक तुम अपना माल ढो रहे हो, तब तक इसे अपने तक ही सीमित रखना। बाद में, जब जहाज पूरी तरह से माल से भर जाए, तो सुनिश्चित करना कि महल में मुझे तुरंत सूचना मिल जाए: क्योंकि मैं अपने साथ सोने का हर टुकड़ा लाऊंगी, साथ ही अन्य प्रकार की वस्तुएं भी लाऊंगी जो मैं तुम्हें किराए के बदले खुशी-खुशी दे दूंगी। मैं अपने मालिक के बच्चे की देखभाल करती हूँ, एक अनमोल लड़का, जो घर के अंदर और बाहर मेरे साथ-साथ चलता है। अगर मैं उसे जहाज पर ले जाऊं तो वह तुम्हें किसी विदेशी खरीदार से बहुत बड़ी रकम दिला सकता है।”
उसने ऐसा कहा और महल के अंदर लौट गई। नाविक पूरे एक साल तक हमारे बीच
रुके रहे, जब तक कि उनके व्यापार से जहाज में बहुत धन जमा नहीं हो गया। जब जहाज के सभी कुंड प्रस्थान के लिए तैयार हो गए, तो उन्होंने उस महिला को चेतावनी देने के लिए एक दूत भेजा। वह धूर्त व्यक्ति मेरे पिता के घर आया और जगह-जगह एम्बर जड़े सोने के हार बेचने लगा। जब हॉल में काम करने वाली महिलाएं और मेरी माँ उसे बोली लगा रही थीं, उसे छूकर और अपनी आँखों से निहार रही थीं, तो उसने चुपचाप उस महिला को सिर हिलाकर अभिवादन किया। फिर वह अपने जहाज की ओर वापस चला गया, जबकि वह महिला मेरा हाथ पकड़कर मुझे हॉल के दरवाजे से बाहर ले गई। बरामदे में उसे प्याले और मेजें मिलीं, जहाँ मेरे पिता के सेवकों ने सभा में बहस के लिए जाने से पहले आराम किया था। उसने झट से तीन प्याले उठाए और उन्हें अपनी छाती में छिपा लिया, इस बीच मैं मासूमियत से उनके साथ-साथ चलता रहा। जैसे ही हम अपने परिचित बंदरगाह की ओर बढ़े, सूरज डूब गया और सड़कें धुंधली हो गईं। फोनीशियन जहाज तैयार खड़ा था। चालक दल ने हमें जहाज पर बिठाया और हम जलमार्गों पर रवाना हुए, ज़्यूस ने अनुकूल हवा प्रदान की। हम लगातार छह दिन और छह रात तक यात्रा करते रहे: लेकिन जैसे ही क्रोनोस के पुत्र ने सातवां दिन बनाया, धनुर्धारी आर्टेमिस ने उस स्त्री पर प्रहार किया, जो एक समुद्री चिड़िया की तरह तेज़ी से गोता लगाकर जहाज के निचले हिस्से में गिर गई। उन्होंने उसे सीलों और मछलियों को खिलाने के लिए समुद्र में फेंक दिया, जिससे मैं निराश रह गई। अंततः हवा और समुद्री धाराओं ने उन्हें इथाका तक पहुँचाया जहाँ लेर्टेस ने मुझे अपने धन से खरीद लिया। इस प्रकार मैं इस भूमि को देखने आई।

ओडीसियस ने उत्तर में कहा: ‘यूमेअस, तुम्हारे द्वारा झेली गई तमाम विपत्तियों और दुखों की कहानी मेरे हृदय को छू जाती है। फिर भी, निश्चित रूप से ज़्यूस ने तुम्हें बुराई के विरुद्ध भलाई दी है, और तुम्हारी विपत्तियों के अंत में तुम्हें इस सज्जन व्यक्ति के घर पहुँचाया है, जिसने तुम्हें भोजन और पेय का इतना अच्छा प्रबंध किया है कि तुम स्वस्थ जीवन जी सको। जबकि मैं तो एक अनाथ की तरह भटकता हुआ मनुष्यों के बीच आया हूँ।’ वे बातें करते रहे, और अंत में रात के बचे हुए थोड़े समय के लिए सो गए। वह समय बहुत कम था, क्योंकि भोर जल्द ही आ गई।
उसी सुबह, तट से दूर, टेलेमाकस के दल ने पहले अपने पाल और फिर मस्तूल तेज़ी से नीचे किए और अपने जहाज़ को किनारे पर ले आए। उन्होंने लंगर छोड़े और रस्सियों को कसकर बांधा, फिर दिन का भोजन तैयार करने और अपनी शराब बनाने के लिए समुद्र के किनारे चले गए। जब वे अच्छी तरह खा-पी चुके, तो टेलेमाकस ने उन्हें समझदारी से समझाया: 'अब आपको हमारे काले जहाज़ को शहर ले जाना होगा, जबकि मैं अपने चरवाहों के पास गाँव जाता हूँ। शाम तक मैं अपने सारे काम निपटाकर शहर लौट आऊँगा: जहाँ कल सुबह मैं आपको मांस और बढ़िया शराब की दावत देकर आपकी यात्रा का शुल्क चुका दूँगा।'
इस पर आदरणीय थियोक्लीमेनस ने बीच में ही कहा, “और मैं कहाँ जाऊँ, हे प्रिय बालक? इस उबड़-खाबड़ इथाका में, जहाँ इतने सारे सरदार रहते हैं, मैं किसके घर जाऊँ? या सीधे तुम्हारी माँ के घर जाऊँ, जो तुम्हारा ही घर है?” टेलीमाकस ने सोच-विचार करते हुए उत्तर दिया: “आम तौर पर तो मैं चाहता हूँ कि तुम हमारे घर आओ, जहाँ मेहमानों का स्वागत होता है; लेकिन अब शायद यह ठीक न हो, क्योंकि मैं दूर हूँ और मेरी माँ दिखाई नहीं दे रही हैं – क्योंकि उन्हें महल में मौजूद दूल्हों के बीच दिखना पसंद नहीं है, वे अपने ऊपरी कमरे में बुनाई करती रहती हैं। हालाँकि, एक व्यक्ति है जिसे मैं तुम्हारे लिए मेज़बान के रूप में सुझा सकता हूँ, और वह है यूरिमाकस, बुद्धिमान पॉलीबस का प्रतिष्ठित पुत्र। इथाकावासियों की नज़र में वह एक आम इंसान से कहीं बढ़कर है, क्योंकि वह निर्विवाद रूप से उनका सबसे महान व्यक्ति है। उसकी महत्वाकांक्षा मेरी माँ से विवाह करना और ओडीसियस के उत्तराधिकार को प्राप्त करना है: लेकिन इसका निर्णय केवल ज़्यूस ही अपने ओलंपियन आकाश में कर सकते हैं।” भगवान उनके क्रोध का दिन उनकी शादी के दिन से पहले ही ला सकते हैं,' और जैसे ही उसने बोलना समाप्त किया, एक पक्षी (अपोलो के तेज

संदेशवाहक बाजों में से एक) अपने पंजों में एक कबूतर लिए हुए दाहिनी ओर से झपट्टा मारता हुआ गुजरा और उसे इस तरह नोच रहा था कि उसके पंख उड़ते हुए टेलीमाकस और जहाज के बीचोंबीच धरती पर आ गिरे।
थियोक्लीमेनस ने उसे भीड़ से अलग बुलाया, उसका हाथ पकड़ा और कहा: ‘टेलेमाकस, जैसे ही मैंने उसे देखा, मैं समझ गया कि वह पक्षी खास है। ईश्वर की कृपा से ही वह दाहिनी ओर से उड़कर गया। पूरे इथाका में तुम्हारे परिवार से बड़ा कोई राजसी परिवार नहीं है। इस पर तुम्हारा ही प्रभुत्व रहेगा।’ इस पर गंभीर टेलेमाकस ने उत्तर दिया: ‘आह, अजनबी, काश यह बात सच हो जाए। तब मेरा प्रेम और उदारता तुम पर इतनी तेजी से बरसेगी कि तुमसे मिलने वाला हर कोई तुम्हें आशीर्वाद देगा।’ फिर उसने अपने भरोसेमंद साथियों में से एक, पीरियस को बुलाया और कहा, ‘क्लिटियस के पुत्र, पाइलोस की इस यात्रा के दौरान तुमने मेरी इच्छाओं का बहुत ध्यान रखा है। अब मैं चाहता हूँ कि तुम इस अजनबी को अपने घर ले जाओ और मेरे आने तक उसका सम्मानपूर्वक सत्कार करो।’ और वीर भालाधारी पीरियस ने उत्तर दिया, ‘टेलेमाकस, मैं उसका स्वागत करूँगा और चाहे तुम कितनी भी देर करो, उसके भोजन में कोई कमी नहीं करूँगा।’ वह जहाज की ओर मुड़ा और बाकी लोगों को जहाज पर चढ़ाकर रवाना कर दिया। वे जल्दी से अपने-अपने नौका विहार स्थलों की ओर बढ़े, जबकि टेलीमाकस अपने साफ-सुथरे सैंडल पहन रहा था। फिर उसने डेक से अपना विशाल भाला उठाया, जिसकी नोक कांसे की तेज थी। दल ने अपने रस्सियाँ खोलीं, समुद्र में निकल पड़े और बंदरगाह की ओर चल पड़े, जैसा कि ओडीसियस के पुत्र ने आदेश दिया था: जबकि उसके पैर उसे अंदर की ओर उस बाड़े की ओर ले गए जहाँ उसके सूअरों का झुंड अपने चरवाहे के आसपास सो रहा था, जो अपने स्वामी की भलाई का वफादार सेवक था।

पुस्तक 16

भोर होते ही, जब चरवाहों ने अपने सूअरों के साथ उन्हें बाहर भेज दिया, तो ओडीसियस अपने ईमानदार चरवाहे को झोपड़ी में आग जलाने और नाश्ता तैयार करने में मदद कर रहा था, तभी अचानक बेचैन और शोर मचाते कुत्ते अपना भौंकना बंद करके पास आते टेलीमाकस को देखकर खुश होने लगे। ओडीसियस ने कदमों की आहट सुनकर कुत्तों के इस शांत स्वागत को महसूस किया और यूमेअस से कहा, “मित्र, देखो तुम्हारा कोई साथी आ रहा है, या कोई इतना परिचित कि कुत्ते भौंकने के बजाय उसके चारों ओर मित्रता से खेल रहे हैं। अब मुझे उसके कदमों की आहट सुनाई दे रही है।” उसके मुंह में ये शब्द अभी थे ही थे कि उसका प्रिय पुत्र द्वार पर प्रकट हो गया। चकित चरवाहे ने शराब मिलाने वाले घड़े गिरा दिए और उछल पड़ा। खुशी के आंसुओं के साथ वह अपने स्वामी से मिला, उसके सिर, उसकी आँखों, उसके हाथों को चूमा, जैसे एक अच्छा पिता अपने दिल के प्यारे, अपने इकलौते और प्रिय पुत्र का दस लंबे चिंता भरे वर्षों के बाद घर लौटने पर स्वागत करता है। ठीक उसी तरह, भला चरवाहा राजकुमार से लिपट गया और उसे ऐसे गले लगाया जैसे मृत्यु से बच निकला हो, और पुकारते हुए बोला: ‘हे टेलीमाकस, तुम्हारा आना मधुर और प्रकाशमय है। जब तुम पाइलोस के लिए रवाना हुए थे, तब मैंने मन ही मन सोचा था कि मैंने तुम्हें आखिरी बार देखा है। अंदर आओ, मेरे बच्चे, घर में आओ, ताकि मेरे हृदय में इस भटके हुए के लौटने से प्रसन्नता हो। तुम नगर में इतने सजग रहते हो, अपनी जागीर और किसानों की उपेक्षा करते हुए, मानो तुम्हें उन दूल्हों के झुंड को देखना अच्छा लगता हो जो सब कुछ चट कर जाते हैं।’
‘पिताजी, जैसा आप चाहें,’ टेलीमाकस ने विरोध किया। ‘फिर भी मैं यहाँ
आपको अपनी आँखों से देखने और आपसे यह जानने आया हूँ कि क्या मेरी माँ अभी भी घर पर है। क्या वह किसी और के साथ चली गई है, और ओडीसियस के बिस्तर को मकड़ियों के जालों के लिए छोड़ दिया है?’ चरवाहे ने उत्तर दिया, ‘वह घर में ही रहती है, हालाँकि रातें उसके लिए थका देने वाली होती हैं और दिन आँसुओं से भीगे होते हैं,’ और यह कहते हुए वह उसे पत्थर की दहलीज के पार ले जा रहा

ओडीसियस ने बात आगे बढ़ाई। ‘मित्र, मुझे लगता है कि इसका उत्तर देना
मेरा कर्तव्य है। यह सुनकर मैं बहुत दुखी हूँ कि ये चाहने वाले घर पर तुम्हारा कितना निर्दयतापूर्वक अपमान कर रहे हैं। समझाओ – क्या तुम इसे सह रहे हो, या स्थानीय लोगों ने किसी देवता से तुम्हारे विरुद्ध विद्रोह करने का आदेश सुना है? या शायद तुम्हारे रक्त संबंधियों ने तुम्हें धोखा दिया है, जिनकी सशस्त्र सहायता पर एक व्यक्ति अपनी सबसे बड़ी आवश्यकता में स्वाभाविक रूप से भरोसा करता है? आह, काश मैं तुम्हारी उम्र का होता या उतना ही जवान होता जितना मैं महसूस करता हूँ, और ओडीसियस का पुत्र होता या स्वयं उस महान व्यक्ति का, जो भटकते हुए लौट आया हो, जैसा कि अभी तक संभव हो सकता है! अगर मैं लेर्टेस के पुत्र के महल में जाकर वहाँ के हर व्यक्ति पर अपना क्रोध न बरसाऊँ, तो कोई भी मेरा सिर काट सकता है। और अगर उनकी संख्या मुझ पर भारी पड़ जाए, तो मैं अपने घर में ही मरना पसंद करूँगा, बजाय इसके कि मैं चुपचाप ऐसे अत्याचारों को देखता रहूँ, जैसे भव्य महलों में मेहमानों का अपमान, नौकरानियों का बलात्कार, मेरी शराब का बेवजह गिरना और मेरा भोजन बर्बाद होना, दिन-प्रतिदिन।’
टेलेमाकस ने गंभीर स्वर में उत्तर दिया: ‘अजनबी, मैं सब कुछ समझा सकता हूँ। लोग मुझसे घृणा नहीं करते, और न ही संकट की घड़ी में मेरे उन रिश्तेदारों ने मुझे त्यागा है जिन पर मैं भरोसा करता था। क्रोनोस के पुत्र ने हमारे घर को एक ही संतान वाला बना दिया। आर्सेसियस का एक ही पुत्र था, लेर्टेस। ओडीसियस अपने पिता का इकलौता पुत्र था, और युद्ध में जाने के कारण मैं घर पर इकलौता वारिस रह गया – यह उसका नुकसान है, क्योंकि अब उसका घर अनगिनत शत्रुओं से घिरा हुआ है। डुलिचियम, सैम और हरे-भरे ज़ैकिंथस (और खुद बीहड़ इथाका) के सभी कुलीन वर्ग के लोग मेरी माँ से प्रेम कर रहे हैं और सारी संपत्ति हड़प रहे हैं। वह न तो इस घिनौने रिश्ते को ठुकरा सकती है और न ही इसे टाल सकती है। इसलिए वे घर को बर्बाद करते हुए खाते जा रहे हैं, और जल्द ही मुझे भी खा जाएँगे। लेकिन ऐसी बातें तो भगवान के हाथ में हैं। हे पिता, मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप पेनेलोप के पास जल्दी जाएँ और उसे बताएँ कि मैं उसके लिए पाइलोस से सुरक्षित निकल आया हूँ।’ जब तक तुम वापस नहीं आ जाते, मैं यहीं रहूँगा। उससे अकेले में मिलना और किसी भी अचेयन को यह सब सुनने मत देना: मेरे बहुत सारे दुश्मन हैं।

और तुमने कहा, यूमेअस, ‘मैं जानता हूँ। मैं समझता हूँ। तुम एक समझदार व्यक्ति से बात कर रहे हो; लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से बताओ। क्या मैं अपनी यात्रा थोड़ी और आगे बढ़ाऊँ और बेचारे लेर्टेस को सूचित करूँ, जो हाल तक ओडीसियस के लिए अपने सभी दुखों के बावजूद संपत्ति की देखरेख करता था, और जब भी उसे उचित लगता था, घर के नौकरों के साथ खाता-पीता था? अब मुझे बताया जा रहा है कि जब से तुम पाइलोस के लिए रवाना हुए हो, उसने कभी भी इस तरह दावत नहीं की और न ही खेती-बाड़ी के काम की परवाह की; बल्कि वह शोक और विलाप में डूबा बैठा है, और उसका शरीर कमजोर होता जा रहा है।’
टेलेमाकस ने उत्तर दिया: “हमारी मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं; लेकिन
बड़े दुख के साथ हमें उन्हें जाने देना होगा: हालाँकि यदि मनुष्य के पास चुनाव करने की शक्ति होती तो हम मेरे पिता की वापसी को ही चुनते। इसलिए बस अपना काम करो और वापस आ जाओ, बूढ़े आदमी को खोजने के लिए पूरे गाँव में मत भटको – फिर भी मेरी माँ को चेतावनी दे दो कि वह अपनी बूढ़ी दासी को जल्दी और चुपके से उनके पास यह खबर लेकर भेज दे।” इस प्रकार उसने सूअर चराने वाले को भेजा, जिसने अपनी चप्पलें उठाईं, उन्हें पहना और शहर की ओर चल पड़ा। उसके जाने को एथेना ने देखा और फिर वह स्वयं एक लंबी, अत्यंत कुशल स्त्री के वेश में खेत में गई। वह रहने के कमरे के सामने खड़ी हुई और ओडीसियस को अपना रूप दिखाया; लेकिन टेलेमाकस को वहाँ कुछ भी दिखाई नहीं दिया, क्योंकि देवताओं के पास इच्छा के बिना प्रकट न होने की शक्ति होती है। हालाँकि ओडीसियस ने उसे और कुत्तों को देखा, जो भौंकने के बजाय डर के मारे काँपते हुए आँगन के पीछे दुबक गए। उसने ओडीसियस की ओर धमकी भरे लहजे में देखा। वह उठा और बाहरी दीवार के पार जाकर उसके सामने खड़ा हो गया।
उसने कहा, ‘हे ईश्वर-पुत्र, अपने पुत्र से छिपना बंद करो। उसके सामने
अपने आप को प्रकट करो और उन सभी दावेदारों का संहार करने का मार्ग बनाओ। फिर साथ मिलकर उस प्रसिद्ध नगर की ओर प्रस्थान करो। मैं भी पीछे नहीं रहूंगी। मैं युद्ध के लिए तरस रही हूं।’ उसने उसे अपनी सुनहरी छड़ी से स्पर्श किया और उसके शरीर को नए धुले वस्त्रों से ढक दिया। उसने उसका कद और व्यक्तित्व लौटा दिया। उसके शरीर में रंगत आ गई, उसके गाल भर आए। उसकी ठुड्डी के चारों ओर उसकी काली दाढ़ी फिर से घनी हो गई। जब उसका काम पूरा हो गया, तो वह चली गई, और ओडीसियस को झोपड़ी में वापस जाने के लिए छोड़ दिया। उसका पुत्र, जो उसे देवता समझ रहा था, चकित रह गया और अपना चेहरा पीछे

हटाकर विनती से बोला, ‘अजनबी, तुम अभी जैसे मुझे दिखाई दिए, वैसे नहीं हो। तुम्हारे वस्त्र अलग हैं, तुम्हारा शरीर भी बदल गया है। निश्चय ही तुम एक देवता हो, स्वर्ग के निवासी हो। कृपा करो; जब हम तुम्हारे सामने सुंदर ढंग से गढ़े हुए सोने के चढ़ावे और बलिदान रखते हैं। हे प्रभु, हम पर दया करो।’ लेकिन ओडीसियस ने कहा, ‘मैं कोई देवता नहीं हूँ: मेरी तुलना अमर लोगों
से मत करो। वास्तव में मैं तुम्हारा पिता हूँ, वही ओडीसियस जिसके लिए तुमने दुःख सहा है, विपत्तियाँ झेली हैं और मनुष्यों से अपमान सहा है।’ उसने कहा और बालक को चूमा, अब तक रोके हुए आँसू बहने दिए; लेकिन टेलीमाकस को विश्वास नहीं हुआ कि यह उसका पिता है, इसलिए उसने कहा, ‘आप ओडीसियस नहीं हैं, मेरे पिता नहीं हैं, बल्कि कोई धूर्त शैतान है जो मुझे इतना सता रहा है कि मैं दर्द से रो रहा हूँ। कोई भी नश्वर मनुष्य केवल सोचकर अपना रूप नहीं बदल सकता; और ऐसा हो भी नहीं सकता, जब तक कि कोई स्वयं देवता नीचे आकर उसे यौवन और वृद्धावस्था के बीच मनमाने ढंग से न बदल दे। आप बूढ़े और पतित हो गए थे: और अब आप विशाल स्वर्ग में देवताओं के समान हैं।’ ओडीसियस ने उत्तर दिया, ‘मेरे टेलीमाकस, अपने पिता के लौटने से अत्यधिक आश्चर्यचकित या विचलित मत हो। अब मेरे सिवा कोई और ओडीसियस तुम्हारे पास नहीं आएगा।’ मेरी अवस्था की बात करें तो, बीस वर्षों के कष्टों और भटकने के बाद मैं इसी अवस्था में अपनी मातृभूमि पहुँचा हूँ। यह मुझे बूढ़ा या जवान बनाना एथेन द रिवर की मर्ज़ी है, जो मुझे कभी एक दयनीय भिखारी तो कभी एक फैशनेबल युवक बना देती है। स्वर्ग के देवताओं को साधारण मनुष्यों को ऊँचा उठाने या नीचा दिखाने में कोई कठिनाई नहीं होती।
इस पर वह बैठ गया; परन्तु टेलीमाकस रोते हुए अपने पिता को बाहों में भर
कर फूट-फूट कर रोने लगा। दोनों के भीतर आँसू उमड़ पड़े, जिससे उनकी चीखें एक साथ उठ उठीं, जो गिद्धों या नुकीले पंजों वाले समुद्री बाज़ों के शोर से भी अधिक लंबी और तीक्ष्ण थीं, जिनके घोंसलों से देहाती लोग उनके बच्चों को चुरा ले गए थे। उनकी पलकों से आँसू इतने दुख से बह रहे थे और इतने अनियंत्रित थे कि मानो सूरज उनके विलाप पर डूब गया हो, तभी अचानक टेलीमाकस ने अपने पिता से कहा, ‘पिताजी, आपका दल आपको किस प्रकार के जहाज में इथाका लाया, और वे कहाँ से आए थे? आप पैदल तो नहीं आए होंगे।’ और ओडीसियस ने उत्तर दिया, ‘मेरे बच्चे, वास्तव में वे प्रसिद्ध फेएशियन थे, वे बलवान नाविक जो सभी यात्रियों को ले जाते हैं। मैं छोटी सी यात्रा के दौरान सोता रहा और जब

वे मुझे कांसे, सोने और वस्त्रों के अपने अद्भुत उपहारों के साथ इथाका में लाए, तब भी सो रहा था।’ देवताओं की कृपा से ये सभी वस्तुएँ गुफाओं में रखी गई हैं; और एथेन के आदेश से मैं यहाँ आया हूँ ताकि हम अपने शत्रुओं के विनाश की योजना बना सकें। इसलिए मुझे इन सभी दावेदारों का विवरण दीजिए और उनकी गुणवत्ता और संख्या बताइए, ताकि मेरा नेक हृदय विचार कर यह निर्णय ले सके कि क्या हम दोनों अकेले और बिना किसी सहायता के उनका सामना कर सकते हैं; या हमें सहयोगियों की तलाश करनी होगी।
टेलेमाकस ने संयम से उत्तर दिया, “पिताजी, मैं जानता हूँ कि आप एक कुशल
और चतुर व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। आपने शायद कुछ ज़्यादा ही बोल दिया है। इससे मैं भयभीत हूँ। दो आदमी योद्धाओं की पूरी टोली से नहीं लड़ सकते। ये दावेदार केवल दस या बीस नहीं, बल्कि एक भीड़ हैं। सुनिए, मैं इनकी गिनती करता हूँ। डुलिचियम से बावन प्रतिष्ठित पुरुष और छह दास हैं। सैम से चौबीस। ज़ैकिंथस से बीस कुलीन अचेयन; जबकि हमारे इथाका से बारह सर्वश्रेष्ठ पुरुष हैं, इनके अलावा मेदोन (दरबान), प्रतिभाशाली कवि और दो कुशल सेवक और मांस काटने वाले हैं। यदि हम इन सभी को घर में पाएँ, तो सावधान रहें कि कहीं आपका प्रतिशोध बहुत ही कड़वा न हो जाए। किसी ऐसे साहसी व्यक्ति का नाम याद करने की कोशिश करें जो बहादुरी से हमारा साथ दे।”
निडर ओडीसियस ने उत्तर दिया, 'हाँ, मैं तुम्हें एक नाम बता सकता हूँ। मेरी बात ध्यान से सुनो और उसे याद रखो। क्या पिता ज़्यूस द्वारा समर्थित एथेन हम दोनों के लिए उपयुक्त होगी, या मुझे किसी अन्य सहायक के बारे में सोचना होगा?'
टेलेमाकस ने कोमल स्वर में कहा, “ये दोनों समस्त मानवजाति पर शासन
करते हैं, साथ ही अमर भी, और वास्तव में शक्तिशाली सहायक हैं; परन्तु इनका निवास स्थान बादलों के बीच बहुत दूर है।” ओडीसियस ने कहा, “हो सकता है, परन्तु जब एरेस द्वारा हमारे और विवाह के प्रस्तावकों के बीच परीक्षा ली जाएगी, तो वे दोनों शोर-शराबे और भीड़ से पीछे नहीं हटेंगे। हमारा पहला कदम यह है कि आप भोर होते ही घर जाकर उन अभिमानी प्रस्तावकों से मिलें, जहाँ कुछ देर बाद चरवाहा मुझे मेरे भिखारी वेश में, बूढ़ा और टूटा हुआ दिखने में ले जाएगा। यदि वे घर में मेरा अपमान करें, तो मेरे कष्टों के बावजूद अपने हृदय में मेरे प्रति प्रेम को कठोर बनाए रखना, चाहे वे मुझ पर

हमला करें या मुझे पैरों के बल घसीटकर बाहर निकाल दें। ऐसे सभी दृश्यों को सहन करना, केवल उनसे मधुरता से बात करके उनके उग्र व्यवहार को कम करने का प्रयास करना – जो वे नहीं मानेंगे। उनका भाग्य का दिन निकट आ रहा है। अब मेरी अगली बातों को ध्यानपूर्वक याद रखना।” जब एथेन की बुद्धि मुझे प्रेरित करेगी, तो मैं तुम्हें इशारा करूँगी। इस पर ध्यान से नज़र रखना और जब तुम इसे देख लो, तो पहुँच के भीतर मौजूद सभी घातक हथियारों को ऊपर वाले कमरे में बने गुप्त स्थान पर ले जाना; और जब वे उन्हें न पाएँ, तो चाहने वालों को किसी ऐसे बहाने से टाल देना जैसे, “मैंने उन्हें धुएँ से बचाकर यहाँ रख दिया है, क्योंकि आग की गंध से वे इतने मैले हो गए हैं कि वे लगभग वैसे नहीं दिखते जैसे ओडीसियस ने ट्रॉय जाते समय यहाँ छोड़े थे। क्रोनोस के पुत्र ने मुझे यह गहरा कारण भी बताया है कि लोहा स्वयं मनुष्य की कमज़ोरी को लुभाता है। शराब में तुम लोग झगड़ा कर सकते हो और घावों का एक घोटाला इस सैर-सपाटे और प्रेम-प्रसंग को खराब कर देगा।” हम दोनों के लिए दो तलवारें, दो भाले और दो चमड़े की ढालें ऐसी जगह छोड़ देना जहाँ से हम उन्हें अचानक छीन सकें। पल्लास और गहरी योजना बनाने वाला ज़्यूस उन्हें भ्रमित करने के लिए बाकी काम कर देंगे। मैं तुमसे बस इतना कहता हूँ – और फिर से ध्यान से सुनो – अगर तुम मेरे सगे पुत्र हो तो किसी को भी यह मत बताना कि ओडीसियस वापस आ गया है, न लेर्टेस को, न सूअर चराने वाले को, न किसी नौकर को; न ही पेनेलोप को। हम स्त्रियों का अध्ययन करेंगे, केवल तुम और मैं: और दासों की भी परीक्षा लेंगे, ताकि अनुशासन का सम्मान करने वालों को उन दुष्टों से अलग कर सकें जो तुम्हारी गरिमा का भी अपमान करते हैं। उनके प्रसिद्ध पुत्र ने आगे बढ़कर कहा, “पिताजी, मुझे पता है कि आप समय आने पर मेरी हिम्मत की परीक्षा लेंगे और मुझे दृढ़ निश्चयी पाएंगे। लेकिन मैं आपसे इस योजना पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करता हूँ, जिसमें मुझे हमारे संयुक्त हित का कोई लाभ नहीं दिखता। यदि आप प्रत्येक दास की परीक्षा लेने के लिए जागीरों का चक्कर लगाएंगे, तो आपका बहुत समय व्यतीत होगा, जबकि हमारे घर में बैठे अन्य लोग बड़ी बेशर्मी से हमारी संपत्ति लुटाते रहेंगे। मैं चाहता हूँ कि आप महिलाओं की परीक्षा लें, यह देखने के लिए कि किसने आपको अपमानित किया है और कौन निर्दोष है; लेकिन खेतों में काम करने वाले पुरुषों की परीक्षा मैं बाद के लिए टाल दूँगा; यदि आप सचमुच रक्षक देवता ज़्यूस पर भरोसा कर सकते हैं।”

भर निगरानी करते रहे; हमने एक रात भी तट पर नहीं बिताई। सूर्यास्त के साथ ही हम जहाज़ में निकल पड़ते और सुबह तक समुद्र में टेलीमाकस का इंतज़ार करते, ताकि उसे पकड़कर मार सकें। लेकिन किसी शक्ति ने उसे वापस यहाँ ला दिया है। इसलिए अब हमें उसका खूनी अंत करना होगा और उसे अपने हाथों से फिसलने से रोकना होगा: क्योंकि मुझे लगता है कि जब तक वह जीवित है, हम अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर पाएंगे। जैसे-जैसे वह अपनी चालाकी और सूझबूझ का परिचय दे रहा है, भीड़ का हमारे प्रति समर्थन कम होता जा रहा है। हमें उसके अचेयनों को सभा में बुलाने से पहले ही कार्रवाई करनी होगी; क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि वह हमें नहीं बख्शेगा और न ही बात को घुमाएगा। वह उठ खड़ा होगा और यह सब बता देगा कि हमने उसे मारने का इरादा किया था, लेकिन नाकाम रहे: और जब उन्हें हमारी धोखेबाजी का पता चलेगा, तो वे हमारा साथ नहीं देंगे। वे शायद हम पर ही पलटवार कर हमें निर्वासित कर दें और हमें किसी अजनबी देश में अपना जीवन यापन करने के लिए मजबूर कर दें। आइए, हम उसे शहर से दूर कहीं या शहर जाते समय रास्ते में ही पकड़ लें। फिर हम उसकी आजीविका और संपत्ति पर कब्जा कर लेंगे और उसे आपस में बराबर बाँट लेंगे, और घर उसकी माँ को दे देंगे, ताकि जो उससे शादी करे, वह उसे मिल जाए। यदि आप यह तरीका नहीं अपनाना चाहते, बल्कि उसे जीवित रहने देना चाहते हैं और उसके पिता की सारी संपत्ति उसे ही मिलने देना चाहते हैं, तो हमें उसकी संपत्ति हड़पने का विचार छोड़कर अपने-अपने घरों में लौट जाना होगा, और वहाँ से उस स्त्री को रिझाने और उपहारों से लुभाने की कोशिश करनी होगी, जब तक कि वह सबसे अच्छे भुगतानकर्ता से शादी न कर ले।
उसके वचन के बाद सन्नाटा छा गया, फिर एम्फिनोमस उनके बीच उठा और बोला – एम्फिनोमस, राजसी निसस का प्रसिद्ध पुत्र, जो एरेटियास का पुत्र था, घास-फूस और अन्न भंडार से भरपूर डुलिचियम का प्रमुख दावेदार। पेनेलोप को उसकी संगति विशेष रूप से पसंद थी क्योंकि वह शांत और विवेकशील था, जो उसके शब्दों में प्रकट हुआ: ‘मित्रों, मैं टेलीमाकस को नहीं मारूंगा। राजसी रक्त बहाना जघन्य अपराध है। पहले देवताओं से परामर्श कर लें। यदि महान ज़्यूस की भविष्यवाणी इसकी अनुमति देती है, तो मैं स्वयं जल्लाद बनूंगा और तुम्हें आगे बढ़ने के लिए कहूंगा; लेकिन यदि नहीं, तो मैं तुम्हें रुकने के लिए कहूंगा।’ उसका यह कथन उन्हें प्रसन्न कर गया। वे उठे और महल लौट गए और अपने चमकीले सिंहासनों पर विराजमान हो गए।

बुद्धिमान पेनेलोप को यह विचार आया कि उसे अपने सभी दूल्हों के क्रूर अभिमान का सामना करना ही होगा, क्योंकि मेदोन नामक दरबारी, जो उनकी योजनाओं से भली-भांति परिचित था, ने उसे घर में उसके बेटे की हत्या की साजिश के बारे में बता दिया था। अतः वह गरिमामयी महिला अपनी दो दासियों के साथ दूल्हों से भरे हॉल में गई और विशाल छत के एक खंभे के पास खड़ी हो गई। उसने अपने चेहरे के सामने पतला घूंघट रखा और एंटिनस को उसके नाम से फटकारते हुए कहा, “बदतमीज़ छल करने वाले, क्या वे तुम्हें इथाका के अपने साथियों में वाक्पटुता और चतुराई में श्रेष्ठ मानते हैं? तुम ऐसा प्रदर्शित नहीं करते। मैं तुम्हें पागल कहती हूँ, क्योंकि तुमने उन लोगों का अपमान करने का साहस किया है जिन्होंने महान ज़्यूस से टेलीमाकस को उनकी देखरेख में रखने की विनती की है। और तुम उसे मारना चाहते हो? हत्या की साजिश रचना एक घातक पाप है। क्या तुम भूल गए हो कि तुम्हारे पिता ने इस घर में उन लोगों से शरण ली थी जो उनके विरुद्ध उठ खड़े हुए थे जब वे हमारे थेस्प्रोटियन मित्रों को परेशान करने के लिए टैफियन समुद्री डाकुओं में शामिल हो गए थे? वे उन्हें मारना और उनकी अपार संपत्ति लूटना चाहते थे; लेकिन ओडीसियस ने उनके क्रोध को शांत कर दिया। और अब तुम बेरहमी से उसका घर हड़प रहे हो, उसकी पत्नी से प्रेम कर रहे हो और उसके बेटे की हत्या करना चाहते हो, ये सब मुझे बहुत दुख पहुंचा रहा है। मैं तुमसे कहता हूँ रुको; और बाकी सब रोक दो।'
पॉलीबस के पुत्र यूरिमाकस ने हस्तक्षेप करते हुए कहा: ‘पेनेलोप,
इकारियस की बुद्धिमान पुत्री, हिम्मत रखो। इतना दुखी मत हो। जो भी व्यक्ति टेलेमाकस के विरुद्ध हाथ उठाएगा, वह न तो कभी होगा, न ही हो सकता है, जब तक मैं जीवित हूँ! मैं यह घोषणा करता हूँ और सुनिश्चित करता हूँ, क्योंकि ऐसे व्यक्ति का खून शीघ्र ही मेरे भाले से बह जाएगा। नगरों को नष्ट करने वाले ओडीसियस ने कितनी बार मुझे अपनी गोद में झुलाया है, भुने हुए मांस के टुकड़े मेरी उंगलियों में डाले हैं और मुझे लाल मदिरा चखाई है! इसलिए टेलेमाकस मुझे विशेष प्रिय है, और मैं उससे विनती करता हूँ कि वह प्रेमियों के हाथों मृत्यु के बारे में न सोचे। देवताओं से तो भाग्य को टाला नहीं जा सकता।’ उसने अपने हृदय में मृत्यु का भय लिए हुए उसे शांत करने के लिए ये शब्द कहे: और रानी अपने भव्य ऊपरी कमरे में लौट गई जहाँ वह

अपने प्रिय पति ओडीसियस के लिए तब तक विलाप करती रही जब तक कि धूसर आँखों वाली एथेन ने उस पर दयामयी नींद नहीं बरसा दी।
शाम ढलते ही भला चरवाहा ओडीसियस और उसके बेटे से मिला, तो उसने देखा कि वे बलि दिए गए एक साल के सूअर से रात का खाना बना रहे थे। एथेना फिर से लेर्टेस के बेटे के पास आई थी, और अपनी छड़ी के एक ही वार से उसे फिर से बूढ़ा कर दिया था, और उसे उसके कफ़न में लपेट दिया था, क्योंकि उसे डर था कि चरवाहा उसे पहचान लेगा और पेनेलोप को उसकी खबर बता देगा। टेलीमाकस ने कहा, 'प्यारे यूमेअस, तुम आ गए। शहर में क्या खबर है? क्या दावेदार सरदार घात लगाकर वापस आ गए हैं, या अभी भी मेरा इंतज़ार कर रहे हैं?' और तुमने उसे उत्तर दिया, हे चरवाहे, 'शहर में घूमना और गपशप करना मेरा कर्तव्य नहीं था। मैंने सोचा था कि मैं अपना संदेश देकर सीधे घर आ जाऊँगा, लेकिन वहाँ मुझे तुम्हारे दल का एक दूत जल्दी में आता हुआ मिला, और वह तुम्हारी माँ के साथ मुझसे पहले पहुँच गया।' लेकिन यह बात मैं जानता हूँ, क्योंकि लौटते समय मैंने इसे शहर के ऊपर हेर्मेस की पहाड़ी की चोटी से देखा था – एक तेज़ जहाज़ हमारे बंदरगाह में प्रवेश कर रहा था, खचाखच भरा हुआ, और ढालों और दोधारी भालों से लैस। मुझे लगता है कि वे ही थे, हालाँकि मैं निश्चित नहीं हो सकता।’ उसकी यह बात सुनकर महान टेलीमाकस मुस्कुराया और अपने पिता की ओर देखने के लिए एक तरफ़ देखा।
अब उनकी तैयारियाँ पूरी हो चुकी थीं और भोजन तैयार था। इसलिए उन्होंने सबने मिलकर भोजन का आनंद लिया। भूख और प्यास मिटने के बाद उन्हें अपने बिस्तर याद आए और उन्होंने चैन की नींद ली।

पुस्तक 17

भोर होते ही ओडीसियस के प्रिय पुत्र टेलीमाकस ने अपने कीमती सैंडल बांध लिए। उसने अपने हाथ में फँसा भारी भाला उठाया और शहर की ओर मुँह करके सूअर चराने वाले से कहा, “पिताजी, मैं घर जा रहा हूँ, अपनी माँ को दिखाने के लिए, क्योंकि मुझे लगता है कि जब तक वह मुझे साक्षात नहीं देख लेगी, तब तक उसका रोना नहीं रुकेगा। अब मेरे आदेश सुनो। इस बेचारे को शहर ले जाओ जहाँ वह भीख माँगकर अपना पेट भर सके या दानदाताओं से भोजन प्राप्त कर सके। मेरा मन इतना विचलित है कि हर आने-जाने वाले की परवाह नहीं कर सकता। अगर अजनबी को मेरी यह बात बुरी लगे, तो यह उसकी बदकिस्मती है। मुझे सच बोलना अच्छा लगता है।” लेकिन ओडीसियस ने शांत भाव से उत्तर दिया, “क्यों, मित्र, मुझे यहाँ समय बर्बाद करने की कोई इच्छा नहीं है। शहर में भीख माँगने के बेहतर तरीके हैं, जहाँ जरूरतमंद लोग मुझे चीजें देंगे। मैं अब उस उम्र का नहीं हूँ कि अपने वरिष्ठ के हर इशारे पर दबकर रहूँ। तो जाओ; और यह आदमी मुझे आपके आदेशानुसार अपने साथ ले जाएगा, जब मैं आग पर बैठकर खुद को गर्म कर लूँगी और दिन में गर्मी बढ़ जाएगी। इन फटेहाल कपड़ों में सुबह की ठंड मेरे लिए बहुत चुभ सकती है: साथ ही, ऐसा लगता है कि शहर काफी दूर है।'
उसकी बात सुनने के बाद, टेलीमाकस खेत से तेज़ी से निकला, रास्ते में वह सभी दावेदारों के खिलाफ़ योजनाएँ बना रहा था, जब तक कि वह अपने आलीशान घर नहीं पहुँच गया। घर पहुँचने पर उसने पत्थर की दहलीज पार करने से पहले अपने भाले को ऊँचे खंभे से टिका दिया। उसकी दाई यूरीक्लिया, जो सजी हुई सीटों पर भेड़ की खाल बिछा रही थी, उसे सबसे पहले देखकर पहुँची। वह आँसुओं से भरी आँखों से उसकी ओर दौड़ी, और घर की दूसरी नौकरानियाँ भी उसके पीछे-पीछे आईं और उसके सिर और कंधों पर प्यार से चुंबन करने लगीं। अपने कमरे से ध्यान से भरी पेनेलोप निकली, जो आर्टेमिस या सुनहरी एफ़्रोडाइट की तरह सुंदर थी, और उसने अपने बेटे को गले लगाकर उसके चेहरे और दोनों सुंदर आँखों को चूमा। वह सिसकते हुए बोली, 'क्या तुम वापस आ गए, टेलीमाकस, मेरे प्यारे प्रकाश? मुझे लगा था कि तुम्हारे पिता की खबर लेने के लिए चुपके से मेरी अनुमति के बिना

पाइलोस जाने के बाद मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाऊँगी। जल्दी बताओ तुमने क्या देखा?' उसने उत्तर दिया, 'माँ, मैं बाल-बाल मौत से बचा।' मेरे दिल को मत दुखाओ और मुझे फिर से मत रुलाओ, बल्कि स्नान करो और कपड़े बदल लो: फिर अपनी स्त्रियों के साथ ऊपर अपने कमरे में जाओ और देवताओं को सैकड़ों बलि चढ़ाने की प्रतिज्ञा करो, उस दिन जब ज़्यूस हमें पूर्ण प्रतिशोध प्रदान करेगा। मैं सभा में एक अजनबी को वापस लाने आया हूँ जो मेरे साथ लौटा था, लेकिन जिसे मुझे अपने वफादार दल के साथ भेजना पड़ा, क्योंकि मैंने पीरियस से उसे उसके स्थान पर ले जाने और मेरे आने तक सम्मानपूर्वक उसकी देखभाल करने का अनुरोध किया था।’ उसके भाषण ने उसके होठों पर उठे प्रश्नों को दबा दिया। उसने अपनी बलि चढ़ाई, साफ वस्त्र पहने और देवताओं को सैकड़ों बलि चढ़ाने की प्रतिज्ञा की, यदि ज़्यूस कभी उनके प्रतिशोध को सफल होने दे। टेलेमाकस भाला हाथ में लिए, दो फुर्तीले कुत्तों के साथ घर से निकला,
और उस पर एथेना की ऐसी कृपा थी कि सभी लोग उसके आते ही उसकी पूजा करने लगे। दावेदार सरदारों ने उसका ज़ोरदार स्वागत किया, लेकिन उनके दिलों में दबी दुर्भावना छिपी थी; फिर भी वह उनसे बचता रहा और अपने पुराने पारिवारिक मित्रों, मेंटर, एंटिफस और हैलिथर्स के पास बैठ गया। उन्होंने उत्सुकता से उससे सवाल पूछे: लेकिन जैसे ही भालाधारी पीरियस अपने मेहमान को शहर से होते हुए सभा में ले जाते हुए प्रकट हुआ, टेलेमाकस उसके पास गया और उसका अभिवादन इस प्रकार हुआ: 'टेलेमाकस, अपनी स्त्रियों को तुरंत मेरे घर भेजो और मेनेलास के उपहार ले आओ।' लेकिन उसने उत्तर दिया, 'पीरियस, हम अभी यह नहीं देख सकते कि आगे क्या होगा। यदि दावेदार महल में धोखे से मेरी हत्या कर देते हैं और मेरी विरासत को आपस में बाँट लेते हैं, तो मैं चाहूँगा कि आप ये उपहार अपने पास रखें। लेकिन यदि मैं उन्हें मृत्युदंड देने में सफल हो जाता हूँ, तो मुझे उन्हें पाकर उतनी ही खुशी होगी जितनी आपको उन्हें जाने देने में।'
वह थके-हारे थियोक्लीमेनस को घर ले गया। उसकी विशाल दीवारों के भीतर उन्होंने अपने लबादे किसी आसन या सिंहासन पर बिछा दिए और पॉलिश किए हुए स्नानघरों में स्नान करने चले गए। सेवा करने वाली महिलाओं ने उन्हें स्नान कराया, तेल लगाया और गर्म कपड़े पहनाए। वे फिर से अपनी सीटों पर आ गए, जहाँ सुराही की दासी ने उनके लिए बेसिन में पानी डाला और उनकी मेज लगाई, जिसे गृहणी ने आतिथ्य सत्कारपूर्वक रोटियों और कई व्यंजनों से

सजाया। लेकिन पेनेलोप सामने वाले खंभे के सहारे एक आरामकुर्सी पर बैठ गई और जब तक वे भरपेट भोजन नहीं कर लेते, तब तक वह अपनी चरखे पर महीन सूत कातती रही।
अंततः वह फूट पड़ी, ‘टेलेमाकस, मैं अपने कमरे में लौट रही हूँ; उस शोक के पलंग पर जिसे मैंने उस दिन से आँसुओं से भीगा रखा है जब ओडीसियस एट्रेस के पुत्रों के साथ इलियम गया था; क्योंकि तुम अब, इससे पहले कि शादी के प्रस्ताव देने वाले आएँ, मुझे अपने पिता की वापसी की खबर बताने की जहमत भी नहीं उठा रहे हो – अगर तुमने कुछ सुना भी हो।’ टेलेमाकस ने कहा, ‘नहीं, माँ, सुनो। हम पाइलोस गए जहाँ राजा नेस्टर ने मेरा स्वागत एक ऐसे बच्चे की तरह किया जो लंबे समय से बाहर रहा हो। वह और उसके पुत्र बहुत दयालु थे: लेकिन ओडीसियस के बारे में, चाहे वह जीवित हो या मृत, उन्हें कोई खबर नहीं थी। उन्होंने मुझे रथ और घोड़ों पर स्वस्थ पाया और मुझे एट्रेस के पुत्र मेनेलास के पास भेज दिया, जिसके घर में मेरी मुलाकात हेलेन से हुई, जो ईश्वर की कृपा से, अर्गिव-ट्रोजन के सारे संघर्ष का कारण थी।’ मेनेलास ने मुझसे पूछा कि मैं क्यों आया हूँ, और जब मैंने उसे समझाया तो उसने कहा, “उन कायर दूल्हों का ओडीसियस के बिस्तर पर आने की इच्छा रखना वैसा ही है जैसे कोई हिरणी अपने छोटे बच्चों को शेर की गुफा में छोड़कर भोजन की तलाश में बाहर चली जाए। जैसे शेर लौटकर उन्हें बेरहमी से मार डालता है, वैसे ही ओडीसियस भी उन दूल्हों को मार डालेगा। काश देवता उसे उसी शक्ति से उन पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित करते, जिस शक्ति से उसने फिलोमेलिड्स को लेस्बोस में फेंक दिया था, जिससे सभी प्रसन्न हुए थे, तो उनकी शादी कितनी जल्दी और तेजी से संपन्न हो जाती! आपके प्रश्न का उत्तर मैं आपको वही बताकर दे सकता हूँ जो मैंने समुद्र के उस बूढ़े व्यक्ति से सीखा है। उसने कहा कि उसने ओडीसियस को एक द्वीप में अप्सरा कैलिप्सो का कैदी देखा था, जो उसके घर में दुखी था लेकिन जहाजों और आदमियों की कमी के कारण उफनते समुद्र के पार भागने में असमर्थ था।” यही मेनेलास ने कहा था। अपना मिशन पूरा करने के बाद मैं घर के लिए रवाना हुआ और देवताओं ने मुझे अनुकूल हवा दी जिससे मैं जल्दी यहाँ पहुँच गया।
उसकी खबर सुनकर पेनेलोप का दिल धड़कने लगा, लेकिन देवदूत
थियोक्लीमेनस ने बीच में आकर कहा, “हे ओडीसियस की परम पूजनीय संगिनी, मेरी बात सुनो। वास्तव में उसे कोई निश्चित जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं तुम्हें

बिल्कुल स्पष्ट और सटीक भविष्यवाणी करता हूँ। मैं सबसे पहले ज़्यूस की कसम खाता हूँ, और साथ ही इस आतिथ्य भोज और ओडीसियस के चूल्हे की भी, जिसके पास मैं खड़ा हूँ, कि वह अपने जन्मस्थान पर है, चाहे सक्रिय हो या फिर निष्क्रिय; लेकिन निश्चित रूप से इन गड़बड़ियों के बारे में सुनकर सभी दावेदारों से बदला लेने की योजना बना रहा है। मैंने सजे हुए जहाज के पास जो पक्षी देखा, उसने भविष्य की ओर इतना स्पष्ट संकेत दिया कि मैंने उसी समय टेलीमाकस को बता दिया।” पेनेलोप ने जवाब दिया, “हे अजनबी, आपकी बात पूरी हो; तब मैं आपको दिखाऊँगी कि मेरी कृतज्ञता कितनी अपार हो सकती है, यहाँ तक कि हर राहगीर आपके भाग्य की प्रशंसा करे।” जब वे इस तरह बातें कर रहे थे, महल के सामने समतल भूमि पर दावेदार बेपरवाही से चक्र या भाला फेंकने में मग्न थे। भोजन का समय हो गया और अपने-अपने चरवाहों के साथ दूर के चरागाहों से भेड़ें घर लौट आईं। तभी मेदोन, जो दावतों में हमेशा मौजूद रहने वाला सबसे प्रिय सेवक था, ने घोषणा की: ‘महाराजों, अब जब आप जी भर कर खेल चुके हैं, तो घर लौट आइए; हम दावत करेंगे। समय पर भोजन करने से बेहतर कुछ नहीं।’ वे उछल पड़े और उसकी सलाह मानकर आलीशान घर में चले गए, जहाँ उन्होंने अपने लबादे ऊँची सीटों पर रखे और अपनी मेज सजाने के लिए बड़ी-बड़ी भेड़ें, मोटी बकरियाँ और सूअर, यहाँ तक कि एक बैल भी काटा।
ओडीसियस और सूअर चराने वाला गाँव छोड़कर शहर जाने के लिए तैयार थे। उस नेक सूअर चराने वाले ने कहा, “अजनबी, तुम आज ही शहर जाने के लिए उत्सुक हो, जैसा कि मेरे राजकुमार ने आदेश दिया है। लेकिन मैं तुम्हें यहाँ ज़िम्मेदारी सौंपकर ही जा रहा था, अपने स्वामी का आदर करते हुए और उनकी डांट के डर से। राजाओं की डांट बहुत भयानक होती है। तो चलिए चलते हैं। आधा दिन बीत चुका है और शाम होते-होते ठंड लगने लगेगी।” ओडीसियस ने उत्तर दिया, “मैं समझ गया। मैं सहमत हूँ। आप एक ज्ञानी व्यक्ति से बात कर रहे हैं। जी हाँ, चलिए आपके मार्गदर्शन में चलते हैं। लेकिन अगर आपके पास कोई छोटी लाठी हो तो मुझे दे दीजिए, ताकि इस कठिन रास्ते पर चलते समय मेरे कदम स्थिर रहें।” उसने अपना फटा हुआ बटुआ, कंधे पर टांग लिया, और यूमेअस ने उसे वह लाठी दे दी जो वह चाहता था। वे दोनों साथ चल पड़े, कुत्तों और चरवाहों को खेत की देखभाल के लिए छोड़कर। ऐसी दयनीय हालत में, एक बूढ़े और दयनीय कंगाल की तरह जो लाठी के सहारे लंगड़ा रहा हो और दयनीय रूप से कपड़े पहने हो, सूअर चराने वाला अपने राजा को घर लेकर आया।

वे टेढ़े-मेढ़े रास्ते से होते हुए कस्बे के पास पहुँचे, जहाँ उन्हें चारों ओर से पत्थरों से घिरा एक बहता हुआ झरना मिला, जिसे इथाकस, नेरिटस और पॉलीक्टर ने बनवाया था। इसी झरने से कस्बे के लोग पानी भरते थे। काले चिनार के पेड़ों का एक झुरमुट इसे पूरी तरह से घेरे हुए था और अप्सराओं की वेदी से सजी एक चट्टान से पानी, जो हमेशा ठंडा रहता था, नीचे बहता था। हर राहगीर वहाँ श्रद्धापूर्वक दर्शन करता था। यहीं उनकी मुलाकात डोलियस के बेटे, बकरी चराने वाले मेलेंथियस से हुई, जो दो चरवाहों के साथ अपने सबसे अच्छे बकरियों को उन दोनों के भोज के लिए ला रहा था। जब उसने उन दोनों को देखा, तो वह उन पर बरस पड़ा और उन्हें हर तरह के बुरे और अपमानजनक नामों से पुकारने लगा; जिससे ओडीसियस बहुत क्रोधित हो गया। 'देखो, एक जानवर दूसरे जानवर को ले जा रहा है!' वह चिल्लाया। 'भगवान कैसे एक जैसे को एक साथ मिलाते हैं। हे बदमाश सूअर चराने वाले, तू उस लाचार भिखारी को कहाँ ले जाएगा?' उसके जैसे लोग इधर-उधर भटकते रहते हैं, अनगिनत दरवाजों के चौखटों से अपनी पीठ खुजाते रहते हैं, और तलवारों या कड़ाही के लिए नहीं, बल्कि खाने के टुकड़ों के लिए गिड़गिड़ाते हैं। अगर आप उसे मुझे मेरे यहाँ अस्तबल साफ करने या बकरियों को चारा खिलाने में मदद करने के लिए दे दें, तो वह खूब छाछ पीकर अपने पतले पैरों को मोटा कर सकता है। लेकिन बुरी आदतों के अलावा उसे कुछ नहीं मिला है, इसलिए जब तक वह पूरे शहर में भीख मांगता रहेगा और अपने मोटे पेट को भरने के लिए सबको परेशान करता रहेगा, तब तक वह कोई काम नहीं करेगा। लेकिन मेरी बात सुनो, अगर वह ओडीसियस के विशाल महल में जाने की हिम्मत करेगा तो उसका क्या होगा: मर्दाना हाथों से फेंकी गई पायदानों की बौछार उसके सिर के चारों ओर घूमेगी या उसकी पसलियों पर जोर से टकराएगी, जब वे उसे महल में इधर-उधर फेंकेंगे।
तो उसने अपशब्द कहे; और जाते-जाते उसने ओडीसियस के नितंब पर ज़ोरदार
लात मारी, लेकिन फिर भी उसे रास्ते से हिला नहीं सका, क्योंकि वह इतनी मजबूती से खड़ा था। ओडीसियस दुविधा में था कि क्या वह अपना डंडा उठाकर उसे बेहोश कर दे, या उसे नीचे गिराकर उसका सिर ज़मीन पर पटक दे। फिर भी उसने चुपचाप सहने का फैसला किया; लेकिन सूअर चराने वाले ने घृणा से भरी नज़रों से अपने हाथ उठाकर ज़ोर से प्रार्थना की: ‘हे ज़्यूस की पुत्री अप्सराओं, यदि ओडीसियस ने कभी आपकी वेदी पर मेमनों या बकरियों की चर्बी से लथपथ जांघें जलाई हों, तो मेरी प्रार्थना स्वीकार करें और उसे वापस आने दें; कोई

देवता उसे लौटा दे। वह इस दिखावटी वैभव को कैसे उड़ा देगा जिससे आप शहर में दिखावा करने के लिए खुद को सजाती हैं; जबकि विश्वासघाती चरवाहे आपके झुंड को बर्बाद होने देते हैं।’ मेलेंथियस ने जवाब दिया, ‘धिक्कार है, लेकिन कुत्ता ऐसे बात कर रहा है जैसे वह हम पर जादू कर देगा।’ एक दिन मैं उसे इथाका से दूर एक तेज़, गहरे रंग के जहाज़ में ले जाऊँगा और उसकी बिक्री से खूब मुनाफा कमाऊँगा। काश, चाँदी के धनुष वाला अपोलो आज टेलीमाकस को उसके घर में ही मार गिराए, या उसके सभी दावेदार उसका हिसाब चुकता कर दें, ठीक उसी निष्ठा से जैसे ओडीसियस किसी दूर देश में मरा था।’ इतना कहकर वह उन्हें आगे बढ़ने के लिए छोड़कर एक छोटे रास्ते से महल पहुँचा, उसमें प्रवेश किया और दावेदारों के बीच यूरिमाकस के सामने बैठ गया, जो उसे बहुत पसंद करता था। नौकर उसके लिए मांस लाए और गृहस्वामी रोटी, उसके खाने के लिए।
ओडीसियस और यूमेअस धीरे-धीरे पास आ रहे थे। वे तब रुक गए जब उनके कानों में चमकीली वीणा की मधुर ध्वनि सुनाई दी, क्योंकि फेमियस ने अपने साथियों के लिए गीत गाना शुरू कर दिया था। वीर ने सूअर चराने वाले का हाथ पकड़कर कहा, “यूमेअस, सचमुच ओडीसियस का यह निवास स्थान भव्य है, कई घरों के बीच आसानी से पहचाना जा सकता है। देखो, यह कैसे एक के बाद एक कई मंजिलों तक फैला हुआ है, इसके आंगन पूरी तरह से दीवारों और छतों से घिरे हुए हैं, और इसके दोहरे दरवाजे कितनी मजबूती से लगे हुए हैं। कोई भी इसे सस्ता नहीं समझ सकता। और मैं बता सकता हूँ कि अंदर कई लोग भोज कर रहे हैं, क्योंकि भुने हुए मांस की खुशबू चारों ओर फैली हुई है, और वीणा की ध्वनि ज़ोर से गूंज रही है, जिसे देवताओं ने भोज के साथ इतनी खूबसूरती से बजने के लिए बनाया है।” इस पर यूमेअस ने उत्तर दिया, “अगर तुममें थोड़ी भी समझ है, तो तुम यह देख सकते हो। लेकिन अब चलो सोचते हैं कि क्या करें। क्या तुम पहले उस बड़े घर में जाकर उन लोगों से मिलोगे जो शादी के लिए आए हैं, जबकि मैं यहीं रहूँ? या तुम बाहर रहोगे और मैं तुमसे पहले जाऊँगा?” इसे जल्दी सुलझा लो, क्योंकि अगर वे तुम्हें बाहर ढिलाई करते हुए देख लेंगे, तो वे तुम्हें पीट सकते हैं या कुछ फेंक सकते हैं। मेरी बातों पर गौर करो।
ओडीसियस ने उत्तर दिया, “मैं समझ गया हूँ: तुम एक समझदार व्यक्ति से
बात कर रहे हो। तुम आगे जाओ, मैं यहाँ इंतज़ार करता हूँ। मुझे मार-पीट या पत्थरबाज़ी के बारे में और कुछ नहीं सीखना है। समुद्र या युद्ध की उन तमाम दुर्घटनाओं से मेरा हृदय पूरी तरह कठोर हो गया है। जो होना है, सो हो। फिर

भी यह दुखद है कि मानवता के सबसे बड़े अभिशाप, इस शोर मचाने वाले पेट को छिपाना संभव नहीं है, जो इतने सारे घमंडी जहाजों को बंजर समुद्रों के पार शत्रुओं के कष्टों की ओर ले जाता है।” जब वे बात कर रहे थे, तभी वहाँ लेटा हुआ एक कुत्ता अपना सिर उठाकर कान खड़े करने लगा। यह आर्गोस था, जिसे ओडीसियस ने पाला तो था, लेकिन कभी काम पर नहीं लगाया, क्योंकि वह बहुत जल्दी इलियम के लिए रवाना हो गया था। एक समय था जब नौजवान उसे जंगली बकरियों, हिरणों और खरगोशों का शिकार करने के लिए बाहर ले जाया करते थे: लेकिन अब वह फाटकों के सामने गोबर के ढेर पर, खच्चरों और गायों के गोबर की गहरी परत पर, बेसहारा और बिना मालिक के पड़ा था, जो वहाँ तब तक जमा होता था जब तक कि ओडीसियस के दास उसे उठाकर उसकी विशाल भूमि में खाद डालने के लिए नहीं ले जाते थे। आर्गोस नाम का शिकारी कुत्ता, कुत्तों के कीड़ों से कांपता हुआ पड़ा था। फिर भी जैसे ही ओडीसियस पास आया, जानवर ने उसे पहचान लिया। उसने अपनी पूंछ पटकी और अपने कान आगे की ओर झुका लिए, लेकिन अपने मालिक की ओर थोड़ा सा भी घिसटने की ताकत उसमें नहीं थी। हालांकि ओडीसियस ने उसे अपनी आँखों के कोने से देखा और एक आंसू पोंछ लिया, जिसे उसने जल्दी से यूमेअस से लापरवाही से यह कहकर छुपा लिया:
‘अजीब बात है कि उन्होंने ऐसे शिकारी कुत्ते को गोबर के ढेर पर पड़ा
रहने दिया! देखने में कितना सुंदर है! हालांकि मैं यह तो नहीं कह सकता कि उसमें उतनी ही गति है या वह महज़ दिखावटी कुत्तों में से एक है जिन्हें लोग उनकी खूबसूरती के लिए पसंद करते हैं।’ यूमेअस ने उत्तर दिया, ‘यह उस आदमी का शिकारी कुत्ता है जो घर से दूर मर गया। काश, वह अपने अंदर की उस ऊर्जा और जोश को फिर से पा लेता जो ओडीसियस के ट्रॉय जाने के समय उसमें थी, तो उसकी गति और शक्ति देखकर आपकी आँखें खुल जातीं। उसे शिकार के पीछे छोड़ दिया जाता तो कोई भी शिकार उससे बच नहीं पाता, घने से घने जंगल में भी नहीं, उसकी सूंघने की शक्ति इतनी तेज़ थी। अब वह लाचार हो गया है, उसका मालिक विदेश में मर गया है और निर्दयी औरतें उसकी ज़रा भी परवाह नहीं करतीं। गुलाम, जब मालिक का नियंत्रण ढीला पड़ जाता है, तो वे ठीक से काम भी नहीं करना चाहते। आह, जिस दिन कोई आदमी गुलाम बनता है, ज़्यूस उसकी आधी पवित्रता छीन लेता है!’ यह कहकर वह घर में घुस गया और सीधे हॉल में मौजूद लोगों के बीच चला गया; लेकिन आर्गोस नामक कुत्ता मृत्यु के अंधकार में उतर गया, उसी क्षण उसने बीस वर्षों बाद ओडीसियस को फिर से देखा।

सबसे पहले सूअर चराने वाले को आते देख टेलीमाकस ने हाथ हिलाकर उसे आगे बुलाया। उसने इधर-उधर देखा और तब तक देखता रहा जब तक उसे वह तश्तरी नहीं दिखी जिस पर मांस काटने वाला तब बैठता था जब उसे दावत में आए सभी दूल्हों में बाँटने के लिए बहुत सारा मांस होता था। वह उसे टेलीमाकस की मेज के दूसरी तरफ ले गया और उस पर बैठ गया। दरबारी ने उसे टोकरी से रोटी के साथ एक हिस्सा परोसा। उसके पीछे-पीछे ओडीसियस आया, जो देखने में एक दयनीय बूढ़ा भिखारी लग रहा था, छड़ी के सहारे लड़खड़ाता हुआ और फटे-पुराने कपड़ों में। वह राख की लकड़ी के तख्ते पर बैठ गया और सरू की लकड़ी की दीवार से टिक गया जिसे पुराने बढ़ई ने बड़ी चिकनाई से चिकना करके सीधा खड़ा किया था। टेलीमाकस ने सूअर चराने वाले को बुलाया, उसे टोकरी से एक पूरी रोटी और मुट्ठी भर मांस दिया और कहा, 'नए आने वाले के लिए, मेरी हिदायत है कि वह सभी दूल्हों से भीख मांगे।' शर्म और दरिद्रता का कोई मेल नहीं होता।’ यह सुनकर चरवाहा उसके पास गया और ज़ोर देकर बोला, ‘हे अजनबी, ये तोहफ़े टेलेमाकस ने दिए हैं, जिसने तुम्हें सभी दूल्हों से भीख मांगने को कहा है। वह कहता है कि भीख मांगने वालों को लज्जा शोभा नहीं देती।’ ओडीसियस ने जवाब में ज़ोर से प्रार्थना की: ‘हे महाराज, टेलेमाकस को धरती पर सुखी बना और उसकी इच्छा पूरी कर।’ उसने तोहफ़ा दोनों हाथों में लिया, उसे अपने पैरों के बीच रखे बटुए पर रखा और वहीं बैठकर भोजन किया, जबकि संगीतकार गीत गा रहा था। जब उसका पेट भर गया, तब तक गीत समाप्त हो चुका था और दूल्हों का शोर पूरे हॉल में गूंज रहा था: तभी एथेन की आत्मा ओडीसियस के पास आई और उसे उनसे रोटी के टुकड़े मांगने के लिए प्रेरित किया, ताकि धर्मी और अधर्मी में अंतर किया जा सके – हालाँकि फिर भी वह उनमें से किसी एक को भी भाग्य से नहीं बचा सकती थी।
इसलिए वह दाहिनी ओर से चल पड़ा, और एक प्रशिक्षित भिखारी की तरह हथेली फैलाकर बारी-बारी से हर आदमी से भीख मांगने लगा। लोगों को दया आ गई और वे देने लगे, आश्चर्य से एक-दूसरे से पूछने लगे कि यह आदमी कौन है और कहाँ से आया है। तभी बकरी चराने वाले मेलेंथियस ने बोलना शुरू किया, “हमारी महान रानी के चाहने वालों, मेरी बात सुनो, मैं तुम्हें इस अजनबी के बारे में बताऊंगा जिसे मैंने पहले देखा है। सूअर चराने वाले ने उसे यहाँ लाया है। वह कौन है या क्या है, यह मैं नहीं कह सकता।” यह खबर सुनकर एंटिनस, यूमेअस पर भड़क उठा। उसने पुकारा, “बदनाम सूअर चराने वाले, इस चीज़ को शहर में

क्यों लाए? क्या हमारे पास पहले से ही काफी आवारा और कंगाल नहीं हैं, जिनकी तंगी से हमारा पेट खराब हो जाता है जबकि हम दावत करते हैं? क्या तुम्हें इतनी कम परवाह है कि वे यहाँ झुंड बनाकर आते हैं और तुम्हारे स्वामी की संपत्ति खा जाते हैं, इसलिए तुम उनकी सूची में एक और नाम जोड़ना चाहते हो?” यूमेअस ने उत्तर दिया, “यह अनुचित बात है, स्वामी एंटिनस, चाहे आप कितने भी महान क्यों न हों।” कौन किसी अजनबी को अपने यहाँ आमंत्रित करता है या उसे मजबूर करता है, सिवाय इसके कि वह कोई रचनात्मक व्यक्ति हो, कोई पैगंबर हो, कोई वैद्य हो, कोई कारीगर हो, या शायद कोई ऐसा असाधारण संगीतकार हो जो अपने गीतों से आनंद दे सके? ऐसे लोगों को तो पूरी दुनिया में आमंत्रित किया जाता है। लेकिन भिखारियों को कौन अपने ऊपर हावी होने के लिए आमंत्रित करता है? तुम तो ओडीसियस के सेवकों के प्रति, और विशेषकर मेरे प्रति, सबसे कठोर रहे हो। फिर भी, जब तक शांत स्वभाव वाली पेनेलोप और देवतुल्य टेलीमाकस महल में हैं, मुझे कोई शिकायत नहीं है।
टेलीमाकस ने उसे चुप कराया। ‘शांत रहो, यूमेअस। एंटिनस से कभी बहस मत
करो, जिसकी आदत है हम पर क्रोधित होकर चिल्लाना और सभा को भड़काना।’ फिर एंटिनस से बोला: ‘क्या एंटिनस, अपने बेटे के प्रति पिता के प्रेम से तुम चाहते हो कि मैं इस अजनबी को मनमाने ढंग से हमारे घर से निकाल दूं? ऐसा कभी न हो। इसके बजाय, मैं तुमसे विनती करता हूं कि तुम कुछ लो और उसे स्वयं दे दो। ऐसा करने में तुम्हें कोई संकोच नहीं है, मैं तुमसे आग्रह करता हूं, मैं तुम्हें ऐसा करने का आदेश देता हूं। पेनेलोप और मेरे महान पिता के सेवकों की परवाह मत करो। नहीं? क्या तुम्हारा मन ऐसा करने को बिल्कुल नहीं कहता? सचमुच, तुम एक टुकड़ा भी देने के बजाय अपना पेट भरना पसंद करोगे।’ एंटिनस ने जवाब दिया, ‘टेलीमाकस, अहंकार और क्रोध तुम्हारी जुबान पर हावी हो जाते हैं।’ अगर सभी चाहने वाले उसे वह सब कुछ दे दें जो मैं देने जा रहा हूँ, तो यह घर लगभग तीन महीने तक उससे मुक्त रहेगा' - और बोलते हुए उसने मेज के नीचे से वह स्टूल निकाला और अपने हाथ में उस पर पैर टिकाए रखा जिस पर दावत के दौरान उसके लचीले पैर टिके हुए थे।
लेकिन बाकी सभी लोग ओडीसियस को उपहार दे रहे थे और उसके बटुए को रोटी
और मांस से भर रहे थे। सचमुच ऐसा लग रहा था कि अचेयनों के प्रकोप को झेलने के बाद वह शायद बिना किसी नुकसान के अपने दरवाजे पर लौट आएगा: तभी वह एंटिनस के सामने रुका और उससे सीधे विनती की। 'कृपा कीजिए, मेरे सज्जन:

क्योंकि आप मुझे अचेयनों में सबसे तुच्छ नहीं बल्कि सबसे राजा लगते हैं। इस नाते आप पर मुझे किसी और से ज़्यादा रोटी देने का दायित्व है, और इसलिए मैं पृथ्वी के कोने-कोने में आपकी प्रशंसा करूंगा। एक समय था जब मेरे पास अपना घर था और मैं धनी था, मेरे पास नौकरों की भीड़ थी और एक सभ्य जीवन जीने के लिए जो कुछ भी चाहिए वह सब था। तब हर तरह के और हर स्तर के अनाथों की मदद करना मेरी आदत थी। लेकिन ज़्यूस ने मुझे बेइज्ज़त कर दिया - निश्चित रूप से यह ज़्यूस ही था - जब उसने मुझे समुद्री डाकुओं के साथ दूर मिस्र और विपत्ति में भेज दिया। मिस्र की विशाल नदी में मैंने अपना बेड़ा तैनात किया और अपने बहादुर साथियों को अपने जहाजों के पास पहरा देने का आदेश दिया, जबकि जासूस जासूसी करने के लिए किनारे पर गए। लेकिन जासूसों ने अंधाधुंध तरीके से देश को लूटना शुरू कर दिया, लोगों को मार डाला और महिलाओं और बच्चों को अगवा कर लिया। चारों ओर दहशत फैल गई और बड़ी-बड़ी सेनाएँ हम पर टूट पड़ीं, जिन्होंने पूरे देश को घेर लिया। मेरे अनुयायियों में दहशत फैल गई। वे तितर-बितर हो गए और मारे गए या बंदी बना लिए गए: लेकिन मेरा भाग्य यह था कि मिस्रियों ने मुझे साइप्रस भेज दिया, वहाँ के वीर राजा इयासुस के पुत्र द्मेतोर को उपहार के रूप में, जो संयोगवश उनके साथ था। साइप्रस से मैं इतनी दयनीय स्थिति में तुम्हारे पास आया हूँ।
एंटिनस दहाड़ते हुए बोला, “किस बीमारी ने इस मजा किरकिरा करने वाले को यहाँ लाकर हमारी दावत बिगाड़ दी? मेरी मेज से उठ जाओ। वहाँ से हट जाओ, वरना फिर से तुम बुरे मिस्र और कड़वे साइप्रस में पहुँच जाओगे। भिखारी की धृष्टता! यहाँ हर किसी के पास बेशर्मी से भीख माँगना, जो वे तुम पर इतनी आसानी से और लापरवाही से लुटा रहे हैं क्योंकि यह दूसरे की संपत्ति है, और अभी भी बहुत कुछ बचा है!” ओडीसियस थोड़ा पीछे हटकर बोला, “मुझे दुख है कि तुम्हारी शिष्टता तुम्हारे रूप-रंग से मेल नहीं खाती। अगर तुम इस तरह दूसरे के घर में बैठकर मुझे उसकी भरपूर संपत्ति में से एक टुकड़ा भी देने से इनकार करते हो, तो इसका मतलब है कि तुम्हारे अपने घर में, तुम्हारे रहते, किसी भी भीख मांगने वाले को नमक का एक दाना भी नहीं मिलेगा।” यह सुनकर एंटिनस का दिल क्रोध से भर गया। उसने घिनौनी मुस्कान के साथ कहा, “तुम्हारी इस बदतमीजी के लिए मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि तुम इस महल से शान से न निकल पाओ।” और यह कहते ही उसने अपना फुटस्टूल घुमाया और उसे फेंककर उसके दाहिनी ओर, ठीक उसी जगह पर मारा जहाँ बांह पीठ से जुड़ती है।

ओडीसियस चट्टान की तरह प्रहार सहते हुए खड़ा रहा; वह चुपचाप अपना सिर हिलाता रहा, जबकि उसके भीतर गहरा क्रोध उबल रहा था। वह अपने दरवाजे पर पहुँचा, फटे हुए बटुए को ज़मीन पर रख दिया और बैठ कर बोला, 'हे महान रानी के चाहने वालों, सुनो, मैं अपने मन का बोझ हल्का कर रहा हूँ। युद्ध में मिले घावों पर कोई पीड़ा या द्वेष नहीं होता, जहाँ कोई व्यक्ति अपने साफ-सुथरे या भूरे रंग के भेड़ों की रक्षा करता है। लेकिन यहाँ एंटिनस मुझे पेट के मामले में घेर रहा है, वह घातक अंग जो हमें सदा सताता रहता है।' यदि गरीबों के लिए देवता और बदला लेने वाले हैं, तो एंटिनस को उसकी शादी से पहले ही मृत्यु का संकट आ जाए।’ एंटिनस ने जवाब दिया, ‘अपनी जगह पर रहो, अजनबी, खाओ और चुप रहो: नहीं तो चले जाओ, नहीं तो लड़के तुम्हारे शब्दों का बदला तुम्हें घर में हाथ-पैर घसीटकर टुकड़े-टुकड़े कर देंगे’ – लेकिन वास्तव में उसने मंडली को इतना परेशान कर दिया था कि ये लापरवाह युवक एक के बाद एक उससे शिकायत करने लगे और कहने लगे, ‘एंटिनस, इस अनाथ को मारना पाप है, जो तुम्हारे भाग्य को उतना ही निश्चित कर देगा जितना स्वर्ग में ईश्वर का अस्तित्व है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ये देवता हमेशा विदेश से आए यात्रियों का रूप धारण करके हमारे इलाकों में घूमते हैं और मनुष्यों के भले-बुरे को देखते हैं।’ हालांकि, उसने दूसरों की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। जहाँ तक टेलीमाकस की बात है, यद्यपि उसके भीतर क्रोध बढ़ता जा रहा था, फिर भी उसने अपने पिता पर हुए हमले को देखकर केवल चुपचाप सिर हिलाया। जब पेनेलोप ने अतिथि कक्ष में एक आदमी की पिटाई के बारे में सुना, तो वह अपनी दासियों के सामने रोते हुए बोली, “हे एंटिनस, महान धनुर्धर अपोलो तुम्हें भी उसी प्रकार मार डालें, जैसे तुमने मारा है!” और संभ्रांत यूरिनोम ने कहा, “यदि हमारी प्रार्थनाएँ पूरी हो जाएँ, तो इनमें से कोई भी फिर कभी भोर को सिंहासन पर सुशोभित नहीं देख पाएगा।” पेनेलोप ने उससे कहा, “आह, माँ, इनमें से हर एक घृणित है और उनकी सभी इच्छाएँ बुरी हैं: लेकिन एंटिनस तो साक्षात विनाश है। मजबूरी में एक बेचारा अजनबी भीख माँगने के लिए घर के चारों ओर भटकता है, और सभी उसे कुछ न कुछ देते हैं और उसकी जेब भर देते हैं, जब तक कि वह उस एक के पास नहीं पहुँच जाता, जो उसे अपने स्टूल से दाहिने कंधे के पीछे मारता है।”
जब ओडीसियस भोजन कर रहा था, तब वह अपने कमरे में कुर्सी पर बैठी अपनी दासियों से बातें करने लगी। फिर उसने सूअर चराने वाले को बुलाया और कहा,

“हे अच्छे यूमेअस, अजनबी को ऊपर बुलाओ ताकि वह मेरा हार्दिक अभिवादन स्वीकार करे और उससे पूछा जाए कि क्या उसने ओडीसियस के बारे में कुछ सुना है या उसे देखा है; क्योंकि वह बहुत यात्रा कर चुका लगता है।”
और हे सूअर चराने वाले यूमेअस, तुमने इसका क्या उत्तर दिया? ‘आह, रानी, काश अचेयन लोग तुम्हें एक पल की भी शांति दे देते! उसकी कहानियाँ तुम्हें पूरी तरह से मोहित कर देंगी। मैंने उसे तीन रातों तक अपने घर में रखा और तीन दिन तक अपने घर में रखा, क्योंकि वह अपने जहाज से भागकर सीधे मेरे पास आया था। फिर भी वह अपनी विपत्तियों का यह इतिहास पूरा नहीं कर सका। उसने मुझे अपने घर की आग के पास मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि मैं चाहती थी कि वह हमेशा गाता रहे, जैसे किसी ऐसे कवि को देखकर, जिसे ईश्वर प्रदत्त मनमोहक गीत गाने की कला आती है, लोग उसे तब तक सुनने के लिए तरसाते हैं जब तक वह गाता रहे। वह दावा करता है कि उसका ओडीसियस के परिवार से पारिवारिक संबंध है, और वह मिनोस के वंशज क्रेटन का है, जो दुर्भाग्यवश दुनिया भर में भटकता हुआ यहाँ पहुँचा है। वह कहता है कि उसने पास ही के समृद्ध थेस्प्रोटियन देश में ओडीसियस के बारे में सुना है, जो जीवित है और अपने साथ हर तरह का खजाना लेकर घर आ रहा है।’
तब पेनेलोप रोते हुए बोली, “उसे जल्दी लाओ ताकि वह मेरे सामने यह बात
कहे, जबकि वे दूसरे लोग हमारे द्वार या घर में बैठकर खूब आनंद मना रहे हैं। उनके घरों में उनकी सारी दौलत, रोटी और मीठी शराब सुरक्षित पड़ी है, जिसे खाने वाला उनके घर के गुलामों के सिवा कोई नहीं है: जबकि वे दिन-रात हमें सताते हैं, हमारे बैल, भेड़ और मोटे बकरियों की बलि देते हैं, और अपनी दावतों में हमारी कीमती शराब गटक जाते हैं। हमारी सारी दौलत बर्बाद हो रही है क्योंकि हमें ओडीसियस जैसे किसी व्यक्ति की ज़रूरत है जो इसे विनाश से बचा सके। आह, काश वह अपना देश वापस पा लेता! कितनी जल्दी वह और उसका बेटा इन लोगों के अत्याचारों का बदला ले लेते!”
पेनेलोप के होंठों पर ये शब्द अभी निकले ही थे कि टेलीमाकस ने इतनी
ज़ोर से छींका कि पूरा घर गूंज उठा। पेनेलोप हंस पड़ी। फिर उसने जल्दी से यूमेअस से दोहराया, “अब उस अजनबी को तुरंत बुलाओ। क्या तुमने नहीं सुना कि मेरे बेटे ने मेरी कही हुई सारी बातों को उस छींक से कैसे पुख्ता कर दिया? इससे शादी के प्रस्ताव देने वालों के लिए कोई रियायत नहीं, बल्कि हर एक

आदमी के लिए मौत और विनाश तय है। यह भी ध्यान रखो: अगर मुझे पता चला कि उसकी बातें सच हैं तो मैं उसे बहुत ही सुंदर कुर्ता और लबादा पहनाऊंगी।”
सूअर चराने वाला अपने अत्यावश्यक काम से निकल पड़ा और बोला, “आदरणीय अजनबी, टेलीमाकस की माता, बुद्धिमान पेनेलोप आपको बुला रही हैं; वे उस स्वामी के बारे में पूछताछ करना चाहती हैं जिनके लिए उन्होंने इतना कष्ट सहा है: और यदि वे आपकी नेकनीयती को स्वीकार करती हैं, तो वे आपको वे वस्त्र देंगी जिनकी आपको सख्त जरूरत है और आपको शहर में भीख मांगने के लिए छोड़ देंगी, ताकि सभी दयालु लोगों के बीच आपका पेट भर सके।” ओडीसियस ने उत्तर दिया, “मैं पेनेलोप को वह सब कुछ बताना चाहता हूँ जो मैं जानता हूँ और ओडीसियस के बारे में मेरे पास अच्छी जानकारी है, क्योंकि मैंने उसकी संगति में दुर्भाग्य झेला है: लेकिन मुझे इन चिड़चिड़े और घमंडी दूल्हों के झुंड से डर लगता है जो लोहे के आकाश तक पहुँचते हैं। अभी-अभी उस आदमी ने मुझे बहुत बुरी तरह मारा जब मैं घर से चुपचाप गुजर रहा था; और न तो टेलीमाकस और न ही किसी और ने मुझे बचाया। इसलिए पेनेलोप अपनी उत्सुकता पर लगाम लगाए और सूर्यास्त तक ऊपर ही प्रतीक्षा करे।” फिर उसे आग के पास मेरे लिए एक आसन ढूंढने दो – जैसा कि तुम मेरे पहली बार तुम्हारे पास आने से अच्छी तरह जानते हो, मेरे कपड़े फटे-पुराने हैं – और उसके पति के घर लौटने पर मुझसे पूछताछ करने को कहो।
चरवाहा यह संदेश लेकर वापस लौटा: लेकिन जैसे ही उसने पेनेलोप के महल की दहलीज पार की, पेनेलोप चिल्लाई, ‘उसे नहीं ला रहे, यूमेअस? उस आवारा को क्या हुआ है? क्या वह किसी से बहुत डरता है या हमारा महल उसे डराता है? डरपोक आदमी बेचारा भिखारी बन जाता है।’ यूमेअस ने उत्तर दिया, ‘वह जो कह रहा है, वह वही है जो हर कोई इन गुंडों की हिंसा से दूर रहने के बारे में महसूस करता है। वह चाहता है कि आप सूर्यास्त तक रुकें; और इससे आपको लाभ होगा, हे रानी, क्योंकि जब आप उससे सवाल करेंगी और उसकी खबर लेंगी तो आपको अकेले रहने का समय मिलेगा।’ बुद्धिमान पेनेलोप ने कहा, ‘शायद अजनबी की सावधानी सही है। यकीनन सभी जीवित पुरुषों में ये दावेदार सबसे ज्यादा उद्दंड और फिजूलखर्ची वाले हैं।’ रानी ने यही कहा: लेकिन चरवाहे ने जो कहना चाहा था कह दिया था।
वह वापस उन लोगों की सभा में गया, जिन्होंने उसे अपने जीवन में आगे बढ़ने का प्रस्ताव दिया था, और टेलीमाकस के कान के पास जाकर धीरे से

फुसफुसाया ताकि कोई सुन न सके: “प्रिय, मैं जा रहा हूँ। मुझे सूअरों और बाकी सब का ध्यान रखना है – मेरी और तुम्हारी आजीविका। मैं तुम्हें यहाँ का सारा काम संभालने के लिए छोड़ रहा हूँ: लेकिन सबसे पहले अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना और यह सुनिश्चित करना कि तुम्हें कोई नुकसान न पहुँचे। ये अचेयनों का झुंड तुम्हारा भला चाहता है। ज़्यूस, उनके बुरे काम हम तक पहुँचने से पहले ही उन्हें नष्ट कर दे!” टेलीमाकस ने कहा, “आमीन, पिता जी: रात के खाने के बाद जाना, लेकिन कल सुबह जल्दी बलि के लिए अच्छे जानवर लेकर लौट आना। अमर देवता और मैं इस मामले को संभाल लेंगे।”
चरवाहा एक बार फिर अपने चिकने तश्तरी पर तब तक बैठा रहा जब तक कि वह
मांस और पानी से तृप्त नहीं हो गया। फिर उसने भोज में शामिल लोगों से भरे दरबार और हॉल को छोड़ दिया। दिन ढल रहा था, और उनका उल्लास नाच-गाने में तब्दील हो गया: जबकि वह वापस सूअरों के पास चला गया।

पुस्तक 18

फिर एक बदतमीज़ दलाल आ पहुँचा, जो इथाका के चारों ओर भीख माँगकर अपना पेट भरता था और दुनिया का सबसे बड़ा पेटू था, जो खाने-पीने की कोई सीमा नहीं रखता था: फिर भी अपने भारी-भरकम शरीर के बावजूद उसमें कोई ताकत या शक्ति नहीं थी। उसकी इज़्ज़तदार माँ ने जन्म के समय उसका नाम अर्नेयस रखा था; लेकिन सभी लड़के उसे इरस कहकर पुकारते थे, क्योंकि वह कोई भी काम करने से पीछे नहीं हटता था। अब वह ओडीसियस से झगड़ा करने और उसे उसके घर से निकालने आया था। इसलिए उसने अकड़कर कहना शुरू किया, 'बूढ़े, बरामदे के बाहर आ जाओ, वरना मैं तुम्हें टांग पकड़कर बाहर निकाल दूँगा। क्या तुम नहीं देख सकते कि ये सब मुझे तुम्हें बाहर निकालने का इशारा कर रहे हैं? लेकिन मुझे ऐसा करने में बहुत दुख होगा। इसलिए जल्दी से यहाँ से चले जाओ, इससे पहले कि हमारा झगड़ा मारपीट में बदल जाए।'
गहरे, धूर्त ओडीसियस ने उसे घूरकर देखा और उत्तर दिया, 'महोदय, मैं आपको कोई हानि नहीं पहुँचा रहा हूँ और न ही कुछ कह रहा हूँ; और न ही मुझे आपके लिए रखी गई उदारता से कोई आपत्ति है, चाहे वह कितनी भी उदार क्यों न हो। दरवाज़े की चौखट हम दोनों के लिए पर्याप्त चौड़ी है और आपको अजनबियों के सामान के साथ नज़दीकी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप भी मेरी तरह एक घुमक्कड़ लगते हैं: सुख के लिए देवताओं पर निर्भर। इसलिए मुझे मुक्के दिखाकर उत्तेजित न करें, कहीं ऐसा न हो कि मैं अपनी उम्र भूल जाऊँ, क्रोधित हो जाऊँ और आपके सीने और मुँह को खून से लथपथ कर दूँ। फिर भी इससे मुझे कल शांति मिलेगी: क्योंकि इसके बाद, मुझे लगता है, आप फिर कभी ओडीसियस के घर नहीं आएँगे।' इससे आवारा इरस क्रोधित हो गया। वह चिल्लाया, 'अरे, अरे! तोते की तरह यह तोता बुढ़ी राख की रानी की तरह बड़बड़ा रहा है। मैं इस पर अपनी दुष्ट चाल, वह दो हाथों से वार करूँगा; अपने जबड़े के दांतों को ज़मीन पर बिखेरते हुए, जैसे खेतों में सूअर मक्के के दाने चटकाता है। कमर कस लो, ताकि ये सब हमारी लड़ाई देख सकें – फिर भी तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई एक बहुत छोटे आदमी का सामना करने की?

इस प्रकार ऊँचे प्रवेश द्वार के नीचे पॉलिश की हुई दहलीज पर वे एक-दूसरे को जमकर गालियाँ दे रहे थे, जब तक कि प्रतिष्ठित एंटिनस ने उन्हें नहीं देख लिया। वह मधुरता से हँसा और बाकियों को पुकारते हुए बोला, ‘मेरे प्यारे, ऐसा सौभाग्य हमें पहले कभी नहीं मिला; ईश्वर की ओर से असली मनोरंजन। इरुस और हमारा अजनबी एक-दूसरे को मुक्केबाजी के लिए चुनौती दे रहे हैं। चलो, हम भी तुरंत एक मुकाबला शुरू कर देते हैं।’ तब वे हँसते हुए उछल पड़े और उन दोनों डरावने पुतलों के चारों ओर जमा हो गए; लेकिन एंटिनस ने पुकारा, ‘एक पल रुकिए, महोदय, आग के पास वे बकरियों के पेट भुन रहे हैं जिन्हें हमने चर्बी और खून से भरकर रात के खाने के लिए बचाकर रखा था। मान लीजिए कि हम इस लड़ाई के जीतने के बाद बेहतर व्यक्ति को उनमें से अपनी पसंद का चुनने दें और उसे हमेशा के लिए हमारे भोजों से मुक्त कर दें; क्या वह भीख माँगने वाला एकमात्र भिखारी होगा जिसे अंदर आने की अनुमति होगी?’ उसके प्रस्ताव को समर्थन मिलने लगा, तभी ओडीसियस ने धूर्तता से कहा, “परन्तु मित्रों, परिश्रम से थका हुआ बूढ़ा किसी जवान से उचित रूप से नहीं लड़ सकता। मेरी शरारती भूख ही मुझे यह मार खाने के लिए उकसा रही है। इसलिए, सब लोग शपथपूर्वक वादा करो कि इरुस के नाम पर मुझे किसी ऐसे कठोर प्रहार से अपमानित नहीं करोगे जिससे मैं उसकी दया पर निर्भर हो जाऊं।” सबने उसकी इच्छा के अनुसार शपथ ली; और शपथ के बाद टेलीमाकस ने कहा, “अजनबी, यदि तुम्हारा अहंकार और साहस तुम्हें इस पुरुष से संभोग करने के लिए प्रेरित करता है, तो किसी भी अचेयन की परवाह मत करो। जो तुम्हें मारेगा, भीड़ उस पर टूट पड़ेगी। मैं, तुम्हारा सेनापति, गवाह हूं; और इस बात से विवेकशील राजकुमार एंटिनस और राजकुमार यूरिमाकस भी सहमत हैं।”
सभी सहमत हो गए। ओडीसियस ने अपने फटे-पुराने कपड़ों को कमरबंद की तरह ऊपर खींच लिया, जिससे उसकी विशाल, सुडौल जांघें, झुके हुए कंधे, छाती और बलिष्ठ भुजाएँ दिखाई देने लगीं। परिचारिका एथेना ने जनता के चरवाहे के अंगों को और भी आकर्षक बना दिया। सभी दावेदार अचंभित रह गए और एक-दूसरे को घूरते हुए कहने लगे, 'इस बूढ़े ने अपने फटे-पुराने कपड़ों से ऐसे आकर्षक अंग निकाल लिए हैं कि जल्द ही हमारा दलाल अपने ही कर्मों के फलस्वरूप पकड़ा जाएगा।' उनकी आशंका से इरस अंदर तक हिल गया। कामगारों को उसे जबरदस्ती बांधना पड़ा: वे उसे कांपते हुए अंगों के साथ ही काम पर ले आए। एंटिनस ने उससे कठोर स्वर में कहा: 'अब, हे बदमाश, अगर तुम कष्टों से अपंग

आपका स्वास्थ्य अच्छा रहे। आप पर जो इस समय विपत्तियाँ आ रही हैं, उनके स्थान पर आपको भविष्य में सुख मिले।'
ओडीसियस ने उत्तर दिया, “एम्फिनोमस, तुम अपने ज्ञानी पिता के समान
प्रतीत होते हो: क्योंकि मैंने सुना है कि डुलिचियम का निसस कितना सभ्य और धनी था। तुम, जिसे लोग उसका पुत्र कहते हैं, मिलनसार प्रतीत होते हो। इसलिए अब ध्यान से सुनो और मेरी बात समझो। पृथ्वी पर रेंगने और सांस लेने वाले सभी प्राणियों में मनुष्य से अधिक दुर्बल कोई नहीं है। जब देवता उसे शक्ति और लचीले जोड़ प्रदान करते हैं, तो वह कहता है कि बुराई कभी उस पर हावी नहीं हो सकती: और जब परम पूज्य देवता उसे दुःख देते हैं, तो उसे अपना हृदय कठोर करके उसे भी सहना पड़ता है। पृथ्वी पर मनुष्य की स्वतंत्र इच्छाशक्ति उतनी ही उसकी है जितनी कि ज़्यूस द्वारा निर्धारित दिन का प्रकाश। एक समय मैं समाज में स्थान पा सकता था, केवल इसलिए कि मैंने (अपने पिता और रिश्तेदारों पर अत्यधिक विश्वास के कारण) अपने अहंकार और शक्ति को बेलगाम होने दिया। क्या हर कोई इससे सीख लेकर अराजकता का त्याग करे और ईश्वर की कृपा को बिना किसी संदेह के समान रूप से स्वीकार करे?” फिर भी, यहाँ वे सभी दावेदार उसी तरह गैरकानूनी तरीके से धन-दौलत लुटा रहे हैं और उस आदमी की पत्नी को परेशान कर रहे हैं, जिसके बारे में मैं आपको बता दूँ, वह जल्द ही अपने मित्रों और देश को वापस पा लेगा। वास्तव में, वह निकट ही है। काश कोई शक्ति आपको घर वापस ले जाए, ताकि आप उससे न मिलें जब वह अंततः अपने घर के नीचे खड़ा हो – क्योंकि मुझे लगता है कि वह और दावेदार तब तक अलग नहीं होंगे जब तक खून न बह जाए।’ उसने अपनी बात समाप्त की और मीठी शराब से अपने होंठ लगाने से पहले रस्म के तौर पर एक बूँद गिरा दी। फिर उसने अपना प्याला उस जन-प्रमुख को लौटा दिया जो मन की व्याकुलता में सिर झुकाए वापस हॉल में चला गया। किसी अनहोनी की आशंका ने उसके मन को भयभीत कर दिया; फिर भी यह उसे भाग्य से नहीं बचा सका, क्योंकि एथेन ने उसे टेलीमाकस के हाथों और भाले से मृत्यु का सामना करने के लिए नियुक्त किया था। कुछ देर के लिए वह उस सिंहासन पर फिर से बैठ गया जहाँ से वह उठा था।
देवी एथेना ने इकारियस की शाही पुत्री पेनेलोप के मन में यह विचार
डाला कि वह इन दूल्हों के सामने प्रकट होकर उनके दिलों में आग लगा दे – साथ ही अपने पति और पुत्र के बीच प्रतिष्ठा भी प्राप्त करे। तब रानी ने व्यथित होकर हँसते हुए कहा, ‘यूरिनोम, मेरा हृदय इन दूल्हों से उनकी घृणा के

बावजूद मिलने के लिए प्रेरित कर रहा है: और मैं अपने पुत्र से भी उचित समय पर कुछ कहना चाहती हूँ, उसे (उसके भले के लिए) यह समझाना चाहती हूँ कि वह उन असहिष्णु पुरुषों की संगति में न रहे जिनकी मीठी बातें केवल बदनामी को छुपाने का मुखौटा हैं।’ बूढ़ी देवी ने उत्तर दिया, ‘तुम्हारा प्रस्ताव, मेरी बच्ची, उचित है। अपने पुत्र को समझाओ और कोई कसर मत छोड़ो: बस पहले स्वयं को धो लो और अपने गालों को संवार लो, ताकि उसे यह आँसुओं से भीगा चेहरा न दिखाना पड़े। निरंतर दुःख स्वस्थ नहीं होता, और तुम्हारा पुत्र अब एक पुरुष है। क्या तुमने अमर देवताओं से प्रार्थना नहीं की कि तुम्हें उसे दाढ़ी के साथ देखने का अवसर मिले?’ पेनेलोप ने कहा, ‘यूरिनोम, तुम्हारी पक्षपातपूर्ण भावना मुझे स्वयं को शुद्ध करने और मरहम लगाने के लिए प्रेरित नहीं कर सकती।’ जिस दिन मेरा प्रेमी रवाना हुआ, उसी दिन ओलंपस के देवताओं ने मेरी सारी शक्ति छीन ली। एंटोनो और हिप्पोडामेया को बुलाओ, वे हॉल में मेरा साथ दें। मैं अकेले पुरुषों के बीच नहीं जा सकती: लज्जा इसकी अनुमति नहीं देती।’ बुढ़िया उन महिलाओं को बुलाने और उन्हें जल्दी भेजने के लिए घर के नीचे चली गई।
एथेना के मन में एक और विचार आया, और उन्होंने इकारियस की पुत्री पर मीठी नींद की साँसें फूंक दीं, जिससे वह लंबी चारपाई पर आराम से लेट गई, उसके सारे जोड़ शिथिल हो गए। जब वह इस प्रकार लेटी थी, देवी अचेयनों को भ्रमित करने के लिए अपने अमर वरदान दे रही थीं। सबसे पहले उन्होंने उसके चेहरे की सुंदरता को उस अविनाशी मरहम से निखारा, जिसका प्रयोग सुशोभित सिथेरिया तब करती थीं जब वह ग्रेस के साथ कुशलता से नृत्य करती थीं। उन्होंने उसे लंबा और आँखों को सुडौल बना दिया और उसे ताज़े कटे हाथीदांत से भी अधिक सफेद बना दिया: इस प्रकार अपनी इच्छा पूरी करने के बाद, देवी तब विदा हुईं जब सफेद भुजाओं वाली दासियाँ अपने कमरे से बड़बड़ाती हुई आईं। पेनेलोप को उनींदापन ने छोड़ दिया, और उसने अपने गालों को रगड़ते हुए कहा, 'वह एक सुंदर समाधि थी जिसने मेरे दुख को ढक लिया। काश पवित्र आर्टेमिस मुझे अभी और यहीं ऐसी ही शांत मृत्यु प्रदान करतीं;' और मुझे मेरे अद्वितीय स्वामी के लिए अनंत हृदयविदारक पीड़ा और कष्ट से बचाओ, जो सभी प्रकार की महानता में अचेयनों से भी श्रेष्ठ थे।’ ये कहते हुए, सबसे सुंदर स्त्री अपने चमकते हुए ऊपरी कमरे से नीचे उतरी (अकेली नहीं, क्योंकि दो दासियाँ उसके साथ थीं) और तब तक उसके पास पहुँची जब तक कि वह दूल्हों के पास नहीं

पहुँच गई। वह छत को सहारा देने वाले विशाल स्तंभ के पास खड़ी हो गई; उसने अपना चमकीला सिर का घूंघट अपने चेहरे पर फैला लिया। उसके दोनों ओर उसकी दासियाँ खड़ी थीं। उसकी ऐसी सुंदरता को देखकर उसके दरबारियों के घुटने काँपने लगे और उनके दिल वासना से भर गए। हर पुरुष प्रार्थना कर रहा था कि उसे उसके साथ बिस्तर पर लेटने का सौभाग्य प्राप्त हो।
उसने अपने प्रिय पुत्र से कहा, ‘मेरे टेलीमाकस, तुम्हारी भावनाएँ और बुद्धि अब पहले जैसी स्थिर नहीं रहीं। तुम्हारा बचपन का स्वभाव विशेष रूप से समझदार था; परन्तु अब जब तुम बड़े हो गए हो, तो तुम्हारी सहज प्रवृत्ति और निर्णय कमज़ोर पड़ गए हैं। फिर भी, तुम्हारी लंबी और सुंदर कद-काठी को देखकर कोई भी अजनबी तुम्हें किसी महान पुरुष का उत्तराधिकारी समझेगा! ज़रा सोचो कि अभी-अभी क्या हुआ है, तुमने इस अजनबी के साथ दुर्व्यवहार होने दिया। हमारे महल में किसी अतिथि के साथ क्रूरतापूर्ण दुर्व्यवहार का क्या परिणाम होगा? तुम सदा के लिए सार्वजनिक बदनामी और तिरस्कार के पात्र बन जाओगे।’ टेलीमाकस ने समझदारी से उत्तर दिया, ‘माँ, मुझे इस बात पर आपकी नाराज़गी का कोई दुख नहीं है। यह सच है कि कुछ समय पहले मैं बच्चा था; परन्तु अब मैं अच्छे और बुरे में अंतर कर सकता हूँ और उन्हें समझ सकता हूँ। फिर भी, मैं हर बात को तर्क से नहीं समझ सकता, क्योंकि इन लोगों की बुरी कल्पनाएँ मुझे इधर-उधर भटकाती रहती हैं और मुझे कोई मदद नहीं मिलती। फिर भी, इरस और हमारे अतिथि के बीच यह झगड़ा वैसा नहीं हुआ जैसा कि दावेदार चाहते थे, क्योंकि अजनबी अधिक साहसी साबित हुआ।’ हे ज़्यूस, एथेना और अपोलो! काश, हमारे महल में आए ये सभी दावेदार घर या दरबार में सिर झुकाए पराजित पड़े रहें, जैसे इरस अब परिसर के द्वार पर नशे में धुत होकर सिर झुकाए बैठा है, सीधा खड़ा नहीं हो पा रहा है और न ही घर जा पा रहा है (चाहे उसका घर कहीं भी हो) क्योंकि उसके सभी अंग बिखरे हुए हैं।
तो एक ने दूसरे को जवाब दिया: लेकिन यूरिमाकस पेनेलोप की प्रशंसा करने के लिए उठा। ‘हे इकारियस की पुत्री, काश इयासियन आर्गोस के बचे हुए अचेयन तुम्हें देख पाते, तो तुम्हारे महलों में दावत कर रहे इन प्रेमियों की भीड़ कल सूर्योदय के साथ और बढ़ जाती। तुम रूप, कद और बुद्धि में अपनी स्त्रियों से कहीं अधिक सुंदर हो।’ लेकिन पेनेलोप ने उदास होकर उत्तर दिया, ‘मेरे चेहरे और रूप की सुंदरता, यूरिमाकस, अमर लोगों ने मुझे उस समय छीन लिया जब आर्गिव लोग, स्वामी ओडीसियस के साथ, इलियम के लिए रवाना हुए

थे। अगर वह वापस आकर मेरी शरण में होते तो मेरी प्रसिद्धि और भी व्यापक होती: लेकिन अब ईश्वर द्वारा मुझ पर थोपी गई इन सभी विपत्तियों से मैं दुखी हूँ।’ सुनो: जब वह अपने जन्मस्थान से निकला, तो उसने मेरी दाहिनी कलाई पकड़ी और कहा, “प्रिय पत्नी, मुझे डर है कि हम सभी कवचधारी अचेयन इस अभियान में जीवित नहीं रह पाएंगे: क्योंकि ट्रोजन योद्धाओं के रूप में जाने जाते हैं, भाला या धनुष चलाने में माहिर और तेज़ दौड़ने वाले घोड़ों के कुशल प्रबंधक, जो अक्सर बराबरी के मुकाबले में परिणाम तय करते हैं। इसलिए मैं नहीं कह सकता कि स्वर्ग मुझे घर वापसी देगा या मुझे ट्रोएड में ही रोके रखेगा। इसलिए तुम्हें यहाँ ज़िम्मेदारी संभालनी होगी। घर में मेरे माता- पिता का ध्यान रखो, जैसा तुम अभी रखती हो; या शायद और भी ज़्यादा, मेरी अनुपस्थिति की भरपाई के लिए। लेकिन जब तुम हमारे बेटे को दाढ़ी वाला आदमी देख लो, तब तुम अपनी मर्ज़ी से दोबारा शादी कर लेना और अपना घर छोड़ देना।” इस प्रकार उसने आदेश दिया; और उसका समय समाप्त हो गया। वह रात आ रही है जो मुझे उस विवाह का शिकार बनाएगी जिससे मुझे घृणा है, इस बदनसीब आत्मा के लिए एक और दुर्भाग्य, जिसे ज़्यूस ने सुख से वंचित कर दिया है और इस नए-नए प्रेम प्रसंग ने और भी परेशान कर दिया है। दूसरे की आजीविका को इस तरह निर्दयतापूर्वक हड़पना नियमों के घोर विरुद्ध है। उचित यह है कि जब प्रतिद्वंद्वी किसी संपन्न और धनी महिला का हाथ पाने के लिए प्रतिस्पर्धा करें, तो उन्हें अपने पालतू पशुओं और सांडों को लाकर उसके मित्रों को भोज देना चाहिए और उसे बहुमूल्य उपहार देने चाहिए।
जब ओडीसियस यह सब सुन रहा था, तो उसे पेनेलोप की चालाकी भरी बातों पर
हंसी आ गई। वह पेनेलोप उनसे उपहार मांग रही थी और उनके दिलों में वासना की भावना को भड़काए रखते हुए अपने असली मकसद को छिपा रही थी। एंटिनस ने जवाब दिया, "हे समझदार पेनेलोप, अचेयन जो भी उपहार खुशी से लाएं, ले लो। कोई भी सभ्य पुरुष उपहार देने से कतराता नहीं है। लेकिन यह समझ लो कि जब तक तुम सबसे योग्य अचेयन से शादी नहीं कर लेती, तब तक हम अपने घर या कहीं और नहीं जाएंगे।" सभी ने सहमति जताई और अपने सेवकों को पेनेलोप के उपहार लाने का आदेश दिया। एंटिनस का सेवक एक सुंदर, विस्तृत और कढ़ाईदार वस्त्र लाया। इसमें शुद्ध सोने के बारह बटन लगे थे, प्रत्येक बटन में लूप वाले फास्टनर थे। यूरिमाकस से एक अलंकृत चेन आई, जिसमें सुनहरी धूप की तरह चमकते एम्बर के मोती पिरोए गए थे। यूरिडामस के सेवक तीन-तीन लटकन वाले झुमके लाए, जो

इतने साफ थे कि वे चमक रहे थे। वहीं, राजा पॉलीक्टर के पुत्र पीसांडर का सहायक अपने स्थान से एक अनमोल रत्न का हार लाया। प्रत्येक अचेयन ने कुछ न कुछ योगदान दिया। उसकी दासियों ने वह बहुमूल्य भेंट उठाई और वह ऊपर अपने कमरे में चली गई।
कंपनी ने नाच-गाना और आनंदमय गीत गाते हुए शाम के घंटे बिताए, वे खूब
मजे कर रहे थे; और रात का अंधेरा उनके उल्लास पर छा गया। फिर हॉल को रोशन करने के लिए तीन अलाव रखे गए, और उनके चारों ओर जलाने के लिए सूखी लकड़ियों के ढेर लगाए गए, जो अच्छी तरह से सूखी हुई थीं लेकिन अभी-अभी काटी गई थीं। प्रत्येक ढेर में लकड़ियाँ छाँटी गईं और घर की दासियाँ बारी-बारी से आग में घी डालती रहीं, तभी साहसी ओडीसियस ने उनसे कहा: ‘लंबे समय से अनुपस्थित राजा की दासियों, अपनी आदरणीय स्वामिनी के कमरे में जाओ। वहाँ बैठकर उनका मनोरंजन करो और चरखे पर सूत काटो या अपनी उंगलियों से उनके लिए ऊन संवारो। मैं इन पुरुषों की रोशनी जलाए रखूँगा, और थकान के आगे नहीं झुकूँगा, चाहे वे सिंहासन पर आसीन भोर को भी मात देने का प्रयास करें। मुझमें अदम्य सहनशक्ति है।’
उसके शब्दों ने उन्हें एक-दूसरे की ओर देखने और खिलखिलाने पर मजबूर कर दिया। केवल मासूम चेहरे वाली मेलान्थो ने ही उसका घिनौना उपहास किया। वह डोलियस की संतान थी, पेनेलोप ने उसे बेटी की तरह पाला-पोसा था और उसकी हर मनचाही चीज़ उसे लाड़-प्यार से दी थी। फिर भी उसे अपनी मालकिन के दुखों का कोई एहसास नहीं था, बल्कि वह यूरिमाकस की प्रेम की ज्योति थी। 'ओ घटिया मेहमान!' उसने अब अशिष्टता से कहा, 'क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है कि किसी लोहार की दुकान या शराबखाने में उचित जगह ढूंढने के बजाय, तुम यहाँ घुस आए हो और हमारे स्वामियों के बीच बेशर्मी से अपनी बकवास कर रहे हो? या शायद शराब तुम्हारे सिर पर चढ़ गई है; या शायद तुम जन्मजात ही ऐसे हो कि हमेशा बकवास करते हो। या क्या तुम्हारे विजयी भिखारी इरस ने तुम्हारा संतुलन बिगाड़ दिया है? अगर ऐसा है तो सावधान रहो, कहीं इरस से भी अधिक शक्तिशाली कोई उठ खड़ा न हो और तुम्हारे सिर पर जोरदार प्रहार करके तुम्हें खून से लथपथ न कर दे।' ओडीसियस ने घूरकर जवाब दिया और कहा, 'कुतिया, मैं तुरंत टेलीमाकस को ढूंढकर उसे तुम्हारी बातें बता दूंगा; और वह तुम्हें यहीं टुकड़े-टुकड़े कर देगा।’ उसकी क्रूरता ने महिलाओं को भयभीत कर दिया, जिन्होंने उसकी बातों पर विश्वास किया और डर से कांपते हुए घर में

इधर-उधर भागने लगीं: जबकि वह धधकते अंगारों के पास खड़ा होकर उनकी देखभाल करता रहा और चारों ओर देखता रहा, फिर भी उसके विचार कहीं दूर, भविष्य पर टिके हुए थे।
एथेन ने सभी दावेदारों को और भी तीखे व्यंग्य के लिए उकसाने का निश्चय
कर लिया था, जिसका दर्द लाएर्टेस के पुत्र के हृदय को छलनी कर दे; इसलिए यूरिमाकस ने दूसरों के सामने उसका उपहास उड़ाना शुरू कर दिया, ताकि वे उसका उपहास करें। ‘सुनो, हे प्रसिद्ध रानी के दावेदारों, मैं अपने मन की बात कहूँ। निश्चय ही इस व्यक्ति का ओडीसियस के महल में आना ईश्वर का वरदान है। मुझे लगता है कि मशाल की मुख्य लौ उसी से, उसके उस चिकने सिर से चमक रही है, जिस पर एक भी बाल नहीं है!’ फिर वह नगरों पर विजय प्राप्त करने वाले की ओर मुड़ा और पूछा, ‘अजनबी, क्या तुम मेरी सेवा में आओगे यदि मैं तुम्हें अपने दूरदराज के खेत में काम पर रखूँ, सूखी पत्थरों की मेड़ें बनाने या लकड़ी के पेड़ लगाने के लिए? तुम्हें पर्याप्त वेतन मिलेगा और हर समय राशन, अच्छे कपड़े और जूते मिलेंगे। लेकिन अफसोस! मुझे डर है कि तुम पूरी तरह से निकम्मे हो, जो तब तक काम ठुकरा दोगे जब तक तुम देश-विदेश में घूमकर भीख मांगकर अपनी अथाह भूख मिटा सकते हो।’
ओडीसियस ने उत्तर दिया, “आह, यूरिमाकस, काश बसंत ऋतु के अंत में, जब दिन लंबे होते हैं, हम दोनों के बीच एक वास्तविक मुकाबला हो पाता: किसी घास के मैदान में; मैं एक अच्छी तरह से मुड़ी हुई दरांती लेकर और तुम मेरे जैसी दरांती लेकर; हमारा मुकाबला दिन भर चलता, बिना भोजन के, और शाम ढलने तक, और घास भी बची रहती! या फिर बेहतरीन बैल, बड़े-बड़े, ताकतवर, उम्र और शक्ति में बराबर के, और तरोताजा बैल: साथ ही चार जोड़ी वाली चिकनी मिट्टी का खेत जो हल से आसानी से पलटता हो। तब तुम देखोगे कि मैं कितनी लंबी सीधी नाली बना सकता हूँ। या फिर ज़्यूस आज ही हमें अपने किसी युद्ध में उकसा दे; और मुझे एक ढाल, दो भाले और मेरे कनपटी पर कसकर फिट होने वाला कांसे का एक मुकुट मिल जाए। तब, जब तुम मुझे युद्ध के मोर्चे पर देखोगे, तो तुम न तो बड़बड़ाओगे और न ही मेरे पेट का मज़ाक उड़ाओगे। बस बहुत हो गया!” तुम एक दुष्ट और नीच इंसान हो, इन कुछ कमजोरों के साथ रहकर खुद को बड़ा समझते हो। आह, अगर ओडीसियस अपने देश लौट आए, तो वे चौड़े दरवाजे तुम्हारे लिए बरामदे से भागकर सुरक्षित निकलने के लिए कितनी जल्दी तंग हो जाएंगे।

इस जवाब ने यूरिमाकस के क्रोध को और भड़का दिया। उसने ओडीसियस को
घूरते हुए तीखे स्वर में कहा, “अहंकारी! मैं देखूंगा कि इस भीड़ के सामने तुम्हारी ये बड़ी-बड़ी बातें तुम्हें तुरंत मुसीबत में डाल देंगी। तेरी धृष्टता! क्या शराब ने तेरे अक्ल पर असर कर दिया है? शायद तू हमेशा ही सबके सामने मूर्खता करता है; या बेचारे इरुस को हराने के बाद तू घमंडी हो गया है?” चिल्लाते हुए उसने अपना पायदान उठा लिया; लेकिन ओडीसियस उससे डरकर डुलिचियम के एम्फिनोमस के घुटनों के पास झुक गया। इस तरह पायदान प्याला उठाने वाले के दाहिने हाथ पर लगा। वह कराह उठा और धूल में लोट-पोट हो गया; जबकि उसका टोंटीदार सुराही लुढ़कते हुए ज़ोर से खटकने लगा। हॉल में चारों ओर मौजूद दावेदारों की सिसकियाँ गूंज उठीं: वे आपस में कहने लगे, “काश हमारा यह विदेशी मेहमान यहाँ आने से पहले ही मर गया होता, और हमें दो भिखारियों के चक्कर में इस झगड़े और गड़बड़ी से बचा लिया होता!” अब द्वेष का संक्रमण फैलेगा, जिससे इस लजीज दावत का हमारा आनंद भी मिट जाएगा। टेलेमाकस फटकारते हुए उठा। ‘मेरे स्वामियों, आप पागल हो गए हैं। क्या कोई देवता आपको उत्तेजित कर रहा है, या आप अपना भोजन और पेय ले जाना भूल गए हैं? आपने बहुत अधिक दावत कर ली है। अब घर जाइए और जब मन करे सो जाइए – हालाँकि मैं किसी को जबरदस्ती नहीं भेजता।’ जब वे इतनी स्पष्ट बात सुनकर आश्चर्य से अपने होंठ दबा रहे थे, तभी एम्फिनोमस ने हस्तक्षेप किया: ‘मित्रों, यह उचित टिप्पणी है और हमें नाराज होने या कठोर उत्तर देने का कोई कारण नहीं है। अजनबी और घर के नौकरों से दूर रहो। प्याला लाने वाले, सबके लिए प्याले भर दो ताकि हम सोने से पहले जल चढ़ा सकें। हम अजनबी को उसके मेज़बान टेलेमाकस के हवाले छोड़ सकते हैं।’ सभी इससे प्रसन्न हुए। बहादुर मुलियस, जो डुलिचियम से एम्फिनोमस का सहायक था, ने उनके लिए एक प्याला तैयार किया और परोसा। उन्होंने पवित्र देवताओं को अर्पित किया और स्वयं भी उसका मीठा स्वाद लिया: फिर, तृप्त होकर, वे अपने विश्राम पर चले गए।

पुस्तक 19

ओडीसियस हॉल में वहीं रुका रहा, एथेना की मदद से सभी दावेदारों को मारने की योजना बना रहा था। अचानक उसने अपने बेटे से कहा: “मेरे टेलीमाकस, चलो अब सभी उपयोगी हथियार छुपा देते हैं; और जब दावेदार तुमसे पूछें कि क्यों, तो उचित बहाना देते हुए कहना, “उन्हें आग की गंध से बचाने के लिए: क्योंकि वे धुएं से इतने मैले हो गए हैं कि वे उन हथियारों जैसे नहीं दिखते जो ओडीसियस ने ट्रॉय जाते समय यहाँ छोड़े थे। साथ ही, मुझे ऊपर से यह गंभीर विचार आया है कि किसी दिन शराब के नशे में तुम क्रोधित हो सकते हो और घाव देकर इस प्रेम-प्रसंग की मेहमाननवाजी को कलंकित कर सकते हो। लोहे में मनुष्यों को आकर्षित करने की यही क्षमता होती है।”
अपने पिता की बात मानते हुए टेलीमाकस ने नर्स यूरिक्लेया को पुकारा: “माँ, कृपया महिलाओं को उनके कमरों में ही रखें, जब तक मैं अपने पिता का कीमती युद्ध सामग्री भंडार में रख देता हूँ। उनके जाने के बाद से इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं रहा, ये सामान कालिख से भर गया है। मैं तब बच्चा था; लेकिन अब मैं इन्हें ऐसी जगह रखना चाहता हूँ जहाँ आग का धुआँ न पहुँचे।” यूरिक्लेया ने उत्तर दिया, “यह अच्छा होगा, मेरे बच्चे, यदि तुम घर की देखभाल और उसके सामान की सुरक्षा को अपनी आदत बना लो: लेकिन अगर तुम नौकरानियों को नहीं रखोगे, जिनका काम यही है, तो तुम्हें काम पर कौन रोशनी देगा?” उसने उत्तर दिया, “यहाँ का अजनबी। चाहे कोई आदमी दुनिया के किसी भी कोने से मेरे पास आए, मैं उसे बेकार नहीं बैठने दूँगा जबकि वह मेरे खर्चे पर खा रहा हो।” इस कथन के साथ ही यूरिक्लेया की बात अधूरी रह गई: उसके पीछे अच्छी तरह से बंद होने वाले दरवाजे ज़ोर से बंद हो गए। ओडीसियस और उसका वीर पुत्र उठ खड़े हुए और हेलमेट, ढाल और नुकीले भाले लेकर चलने लगे; जबकि पल्लास एथेन एक सुनहरे दीपक के साथ खूबसूरती से रोशन होकर उनके रास्ते पर आगे बढ़ रही थीं।
टेलेमाकस हांफते हुए बोला, ‘पिताजी, मेरी आँखों के सामने एक चमत्कार
है। हॉल के किनारे, छत की कड़ियाँ, चीड़ की लकड़ी की संरचना और ऊँचे खंभे

जगमगा रहे हैं। कोई देवता अवश्य ही यहाँ विराजमान है; स्वर्गदूतों में से एक।’ ‘चुप रहो,’ ओडीसियस ने कहा, ‘अपने विचारों को दबाओ और कोई प्रश्न मत पूछो। यही ओलंपस के देवताओं का तरीका है। मैं तुम्हारे साथ बिस्तर पर चलता हूँ, और मुझे यहाँ सेविकाओं और तुम्हारी माँ के भावों को जानने के लिए छोड़ देता हूँ। दुःख के कारण वह मुझसे बहुत कुछ पूछेगी।’ टेलेमाकस मशालों की तेज़ रोशनी में हॉल पार करके उस कमरे की ओर चल पड़ा जहाँ वह हमेशा नींद आने पर लेटता था। इस रात भी वह भोर होने की प्रतीक्षा में अपने पलंग पर लेटा रहा: जबकि ओडीसियस हॉल में अकेला बैठा रहा, एथेन की सहायता से उन सभी प्रेमियों के विनाश के बारे में सोचता रहा।
आर्टेमिस या सुनहरी एफ़्रोडाइट की तरह पेनेलोप अपने कमरे से बाहर निकली। आग के सामने अपनी हमेशा की जगह पर उसकी कुर्सी रखी थी, जो कलाकार इकमालियस द्वारा हाथीदांत और चांदी से बनाई गई एक उत्कृष्ट कृति थी। इकमालियस ने कुर्सी के आगे पैर रखने के लिए एक अतिरिक्त हिस्सा भी जोड़ा था, और यह कुर्सी ऊनी गद्दे से ढकी हुई थी। पेनेलोप इसी शान से बैठी थी, जबकि घर के दूसरे हिस्से से उसकी नंगी बांहों वाली दासियां मेजों से उन घमंडी लोगों द्वारा इस्तेमाल की गई टूटी हुई रोटी और प्यालों को साफ करने के लिए अंदर आईं। उन्होंने अंगीठियों से अंगारे बुझाए और उन्हें फिर से ताज़ी लकड़ियों से भर दिया, ताकि रोशनी और गर्मी मिल सके।
लेकिन मेलान्थो ने फिर से ओडीसियस पर बरसना शुरू कर दिया: “हे दुष्ट अजनबी, अब भी यहीं मंडरा रहे हो, अंधेरे घर में नौकरानियों को ताक रहे हो? अपना खाना छोड़ो, नीच, और द्वार से बाहर निकलो। जल्दी करो, वरना तुम्हें जलती हुई मशाल से बाहर निकाल दिया जाएगा।” ओडीसियस ने उसे घूरते हुए कहा, “हे देवी, तुम मुझ पर इतनी दुर्भावना क्यों दिखा रही हो? मैं जानता हूँ कि मैं गंदा हूँ। मैं जानता हूँ कि मेरे कपड़े फटे-पुराने हैं। मजबूरी में मैं गाँव-देहात में भीख माँगता हूँ। यही गरीबों और बेघरों का तरीका है। एक समय था, जब मेरे साथियों की तरह, मेरा भी घर था और मैं समृद्ध था, मेरे पास बहुत से आज़ाद गुलाम और आरामदेह जीवन की सारी सुख-सुविधाएँ थीं। उन दिनों मैं अक्सर ऐसे अनाथों की मदद करता था, चाहे उनकी ज़रूरत कैसी भी हो या वे कैसे भी हों। केवल ज़्यूस ने ही मुझे नीचे गिराया: ईश्वर की इच्छा पूरी हो।” एक दिन, हे स्त्री, तुम भी दासियों पर अपना प्रभुत्व खो सकती हो, क्योंकि तुम्हारी मालकिन तुमसे विमुख हो सकती है, या ओडीसियस लौट सकता है।

इसकी अभी भी आशा है: हालाँकि मान लो कि वह सचमुच मर चुका है, उसका पुत्र, टेलीमाकस (अपोलो की कृपा से उसी की तरह), अब इतना बड़ा हो गया है कि घर की किसी भी नौकरानी के दुर्व्यवहार को वह पहचान सकता है।
पेनेलोप ने उसकी बातें सुन लीं और दासी को फटकार लगाने के लिए बुलाया। “बेशर्मी से कह रही हो!” उसने दासी को ताना मारा, “तुम्हारे जीवन का बड़ा रहस्य मुझसे छिपा नहीं है। इसकी कीमत तुम्हें चुकानी पड़ेगी। और तुम अच्छी तरह जानती हो (क्योंकि तुमने मुझे कहते सुना है) कि वह अजनबी हॉल में इसलिए इंतज़ार कर रहा है क्योंकि मैं उससे अपने पति के बारे में पूछताछ करने वाली हूँ, जो बहुत दुखी हैं।” वह यूरिनोम की ओर मुड़ी: “एक बेंच लाओ और उस पर भेड़ की खाल बिछा दो ताकि वह बैठ सके, मेरी बातें सुन सके और जवाब दे सके। मुझे उसकी पूरी कहानी जाननी है।” जल्दी से जगह तैयार हो गई और फिर पेनेलोप ने पूछा, “अजनबी, मेरा पहला सवाल यह होना चाहिए – तुम कहाँ से आए हो और कौन हो? किस शहर से और तुम्हारे माता-पिता कौन हैं?” और ओडीसियस ने कहा, “देवी, कोई भी मनुष्य आपकी कही हुई एक बात का भी विरोध नहीं कर सकता।” आपका यश आकाश जितना ऊंचा और विशाल है, किसी शक्तिशाली, बहुसंख्यक वंश के ईश्वर-भक्त राजा की महिमा के समान पवित्र, जिनके न्याय और सुशासन के कारण जनसमुदाय समृद्ध होता है, धरती गेहूं या जौ से लबालब भर जाती है, वृक्ष फलों से लदे रहते हैं, भेड़ें नियमित रूप से बच्चे देती हैं और समुद्र में मछलियां तैरती हैं। अपने घर में मुझसे हर संभव बात पूछिए, सिवाय मेरे वंश और देश से जुड़ी बातों के। उनकी यादें मेरे हृदय को दुःख से भर देंगी। मैं बहुत उदास स्वभाव का व्यक्ति हूं; लेकिन किसी दूसरे के घर में बैठकर रोना- धोना ठीक नहीं है, क्योंकि इस तरह का दुःख स्थिति को और बिगाड़ देता है। इसके अलावा, कोई दासी या आप स्वयं, हे महिला, मुझसे तंग आकर कह सकती हैं कि मैं जो आंसू बहा रहा हूं, वे शराब के अत्यधिक सेवन से हैं।
पेनेलोप ने उत्तर दिया, “अजनबी, मेरी सुंदरता देवताओं के पास उसी दिन
चली गई जब मेरे पति आर्गिव्स के साथ ट्रॉय के लिए रवाना हुए। यदि वे लौटकर मुझसे प्रेम करें तो मेरा भाग्य और कृपा सुधर जाएगी। अभी तो स्वर्ग मुझ पर बहुत अत्याचार कर रहा है। द्वीप के सभी सरदार बिना बुलाए मुझसे प्रेम करते हैं और सारी संपत्ति लूट लेते हैं: जबकि मैं अपने मेहमानों, आने वाले याचकों और यहाँ तक कि मिशन पर आए दूतों की भी उपेक्षा करती हूँ, ओडीसियस के लिए तड़पती रहती हूँ। पुरुष मुझसे पुनर्विवाह करने का आग्रह करते हैं:

लेकिन मैं उन्हें बहला-फुसलाकर रख देती हूँ।” मुझे ऊपर एक विशाल करघा बनाने की प्रेरणा मिली, जिस पर मैंने महीन धागों से बुने हुए लिनेन के कपड़े का एक बड़ा सा ताना-बाना बुना। मैं उनसे धीरे-धीरे कहती, “मेरे स्वामियों और दूल्हों, कृपया मेरे साथ धैर्य रखें (भले ही आप महान ओडीसियस के चले जाने के बाद मेरी शादी करवाना चाहते हों), जब तक मैं उस अपरिहार्य दिन के लिए यह कफ़न पूरा न कर लूँ जब मृत्यु वृद्ध वीर लेर्टेस को मार डालेगी। मैं नहीं चाहती कि मेरे धागे हवा में यूँ ही बिखर जाएँ, कहीं कोई अचेयन स्त्री मुझे दोषी न ठहरा दे – अगर यह कभी धनी रहा व्यक्ति बेघर पड़ा हो तो यह उचित ही होगा।” उन्होंने मेरी विनती मान ली। मैं दिन भर बुनाई करती और अंधेरा होने के बाद मशाल की रोशनी में अपना काम खोलती। इस प्रकार तीन वर्षों तक मैंने उन्हें बिना किसी को पता चले मूर्ख बनाया, लेकिन मेरी विश्वासघाती और नीच दासियों की मिलीभगत से चौथे वर्ष के अंत में उन्होंने मुझे रंगे हाथों पकड़ लिया। उनके क्रोध ने मुझे जल्दबाजी में कफ़न भरने पर मजबूर कर दिया, और अब मुझे इस शादी से बचने का कोई बहाना या तरीका नहीं सूझ रहा है। मेरे माता-पिता इस पर अड़े हैं; मेरा बेटा दूल्हों के जबरन मनोरंजन के कारण अपनी आमदनी में हो रही कटौती से नाराज़ है और उनके खर्चे को लेकर भली-भांति सचेत है, क्योंकि अब वह एक वयस्क, घर-गृहस्थी का रखवाला और ज़्यूस द्वारा बुद्धि से संपन्न एक सम्मानित व्यक्ति है। फिर भी, मुझे अपने परिवार के बारे में ज़रूर बताइए, क्योंकि आप किसी चट्टान या बलूत के पेड़ की काल्पनिक संतान तो नहीं हो सकतीं।
ओडीसियस ने उत्तर में उससे कहा, “हे ओडीसियस की आदरणीय पत्नी, क्या तुम सचमुच मेरे परिवार के बारे में मुझसे पूछना चाहती हो? ठीक है: तुम्हें पता चल जाएगा, यद्यपि बताने में बहुत कष्ट होगा, जैसा कि उन पुरुषों के साथ होता है जिन्होंने वर्षों तक शहर-शहर भटकते हुए दुखद जीवन बिताया है। अपना उत्तर सुनो। गहरे लाल रंग के समुद्र के बीच क्रेते स्थित है, एक सुंदर, समृद्ध द्वीप जिसकी आबादी अकल्पनीय है, जिसमें मिश्रित भाषा वाले नब्बे शहर हैं, जहाँ कई भाषाएँ सह-अस्तित्व में हैं। क्रेतेवासियों के अलावा, वहाँ अचेयन, सिडोनियन, मुकुटधारी डोरियन और कुलीन पेलस्जियन भी हैं। राजधानी नोसोस है, जिस पर मिनोस का शासन था, जो नौ वर्ष की आयु से ही महान ज़्यूस से घनिष्ठ रूप से बात करता था। वह मेरे दादा, राजा इडोमेनियस थे और मैं उनके पुत्र ड्यूकालियन की संतान हूँ। मुझे एथॉन कहलाने का सम्मान

प्राप्त था, लेकिन मैं छोटा था, इडोमेनियस बड़ा और प्रिय था।” वह एट्रीयस के पुत्रों के साथ युद्धपोतों के बेड़े में इलियन गया, जिससे मुझे ओडीसियस को देखने और उसकी मेजबानी करने का मौका मिला, जब एक प्रतिकूल हवा ने उसे मालेया के तट से दूर, क्रीट में लात मारने के लिए मजबूर कर दिया, जबकि वह ट्रॉय जा रहा था। वह मुश्किल से तूफान से बच पाया और इलीथिया की गुफा के रास्ते एमनीसस के कठिन बंदरगाह तक पहुँच गया; और वहीं रुक गया। कुछ देर बाद वह हमारे शहर में इडोमेनियस का हालचाल पूछने आया और घनिष्ठ मित्रता का दावा किया। केवल इडोमेनियस ही दस या ग्यारह दिन पहले इलियम के लिए रवाना हो चुका था; इसलिए मुझे उसे अपने महल में लाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहाँ मैं अपनी प्रचुर संपत्ति के कारण उसका पूरे सम्मान और आदर के साथ स्वागत कर सका। मैंने उसे और उसके साथ आए सैनिकों को सार्वजनिक भंडारों से जौ का आटा और गाढ़ी शराब खाते हुए पाया; और उनके बलिदान के लिए आवश्यक सभी पशुओं को इकट्ठा किया। बारह दिन तक ये कुलीन अचेयन हमारे साथ रहे, जबकि उत्तर से आने वाला तूफान (किसी क्रोधित देवता द्वारा उत्पन्न) इतना भयंकर था कि वे किनारे पर खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। तेरह तारीख को हवा शांत हो गई और वे रवाना हो गए।
जैसे-जैसे वह झूठ बोलता गया, उसके झूठ सच लगने लगे; और जब वह सुनती रही,
तो उसके आँसू तब तक बरसते रहे जब तक वह पूरी तरह विलीन नहीं हो गई, जैसे पश्चिम की हवा से ऊँची चोटियों पर जमी बर्फ दक्षिण-पूर्वी हवा के झोंके से पिघलकर नदियों में बह जाती है। ठीक वैसे ही उसके सुंदर गाल अपने पति के लिए शोक से बह रहे थे, जो साक्षात उसके बगल में बैठा था। ओडीसियस को भी अपनी दुखी पत्नी पर दया आई, लेकिन धूर्त इरादे ने उसकी आँखों को कठोर बनाए रखा, उसकी पलकों में जरा भी कंपन नहीं हुआ, मानो वे सींग या लोहे की बनी हों। वह जी भर रोई और फिर रुकी; बोली, 'अब सबसे पहले, अजनबी, मुझे यह परखना होगा कि क्या वाकई यह मेरे पति और उनके शानदार साथियों का ही आपने स्वागत किया था, जैसा कि आप कह रहे हैं। तो मुझे उनके पहनावे के बारे में बताइए। उनका और उनके साथियों का वर्णन कीजिए।'
ओडीसियस ने उत्तर दिया, “देवी, इतने समय बाद यह कठिन है; उनके आने और जाने को बीस वर्ष बीत चुके हैं: लेकिन मैं अपने मन पर उनकी छाप अवश्य व्यक्त करूँगा। ओडीसियस ने स्वयं एक भारी बैंगनी चोगा पहना हुआ था; वह अस्तर से बना था। उनका गढ़ा हुआ सोने का ब्रोच दो धनुषाकार था। उस पर एक

शिकारी कुत्ते की आकृति बनी थी जो अपने अगले पंजों से एक चितकबरे हिरण के बच्चे को पकड़े हुए था और उसे तड़पते हुए देख रहा था। सभी इस बात की प्रशंसा कर रहे थे कि धातु में कुत्ते को किस प्रकार दर्शाया गया था कि वह अपने शिकार को गले से पकड़े हुए उस पर नज़र रख रहा था; और कैसे हिरण के बच्चे के पैर बचने के लिए छटपटा रहे थे। मैंने उनके शरीर से चिपके हुए उस वस्त्र की चमक पर भी ध्यान दिया जो सूखे प्याज के छिलके की तरह चिकना और सूर्य की तरह चमक रहा था। कई स्त्रियाँ उससे अपनी दृष्टि नहीं हटा पा रही थीं।” मैं आपको एक और बात बता दूं, क्योंकि यह निश्चित नहीं है कि ओडीसियस ने ये कपड़े घर पर पहने थे और ये उसे किसी मित्र या मेज़बान ने यात्रा के लिए दिए थे, क्योंकि वह अत्यंत प्रिय था, अचेयनों में लगभग अद्वितीय व्यक्ति था। मैंने उसे सम्मानपूर्वक उसके जहाज तक पहुँचाते समय उसे एक कांस्य तलवार, एक और सुंदर दोहरी बैंगनी रंग का लबादा और एक झालरदार कुर्ता भेंट किया। लेकिन उसके साथ एक दूत था, जो उससे कुछ अधिक उम्र का था; जिसका वर्णन मैं कर सकता हूँ, क्योंकि वह झुका हुआ और काले चेहरे वाला था, जिसके घुंघराले बाल थे। उसका नाम? यूरीबेट्स। ओडीसियस ने उसे सहानुभूतिपूर्ण पाकर अपने अन्य सैनिकों से अधिक महत्व दिया।
उसके शब्दों ने उसके रोने की तीव्र इच्छा को फिर से जगा दिया, क्योंकि उसने उसके द्वारा दिखाए गए प्रामाणिक प्रमाणों को पहचान लिया था। वह फूट-फूट कर रोई और बोली, “हे अजनबी, अब तक तुम मेरे लिए दया के पात्र रहे हो। अब से मेरे घर में तुम्हें विशेष सम्मान और प्यार मिलेगा। जिन वस्त्रों का तुमने वर्णन किया है, वे मैंने अपने भंडार से निकालकर उसके लिए पैक किए थे; साथ ही उसके आभूषण के रूप में एक चमकीली पिन भी दी थी। हाय, मैं उसे कभी अपने साथ उसके प्यारे देश में वापस नहीं पा सकूँगी! एक बुरे मौसम में ओडीसियस अपने खोखले जहाज में डिस्ट्रॉय चला गया, उस शापित स्थान पर जिसका नाम मैं कभी नहीं लूँगी।”
ओडीसियस ने उससे विनती की, ‘ओडीसियस की देवी, अपने स्वामी के लिए और
अधिक शोक से अपना हृदय मत पिघलाओ और न ही अपना चेहरा बिगाड़ो। यद्यपि मैं तुम्हें दोष नहीं दे सकता, क्योंकि मैं देखता हूँ कि कितनी ही स्त्रियाँ अपने बच्चों के प्रिय मृत पिताओं के लिए शोक मनाती हैं, ऐसे पति जिनकी तुलना ओडीसियस से नहीं की जा सकती, जिसे सर्वविद देवता के समान मानते हैं। फिर भी अपने आँसू पोंछ लो, क्योंकि मैं अब जो स्पष्ट और विश्वासपूर्वक कह

रहा हूँ, उसे सुनो। मुझे अभी हाल ही में ओडीसियस के लौटने का समाचार मिला है। वह जीवित है और पास ही है, समृद्ध थेस्प्रोटियन भूमि से अधिक दूर नहीं; और स्वस्थ है, क्योंकि वह अपने साथ उत्तम खजाने का एक बड़ा भंडार लेकर आया है। केवल उसने थ्रिनासिया के इस पार समुद्र में अपना सारा दल और जहाज खो दिया, जब ज़्यूस और हेलिओस उसके आदमियों द्वारा सूर्य के पशुओं को मारने के कारण उससे क्रोधित थे। दल के सभी सदस्य लहरों में डूबकर मर गए: लेकिन धाराएँ उसे जहाज के कील पर सवार होकर किनारे पर ले आईं, उन फेएशियनों के पास जो वंश से लगभग देवता हैं।’ ये लोग लगभग उसकी पूजा करते थे और उसे बड़े- बड़े उपहार देते थे, उसे सुरक्षित यहाँ लाने का वादा करते थे – अगर ऐसा होता तो वह अब तक वापस आ चुका होता: लेकिन उसने दूर-दूर तक घूमकर खुद को और समृद्ध करना बेहतर समझा। ओडीसियस लाभ कमाने में हम सब से कहीं अधिक चतुर है। इस मामले में कोई उसकी बराबरी नहीं कर सकता। थेस्प्रोटियन के राजा फ़ीडोन (मेरे सूचनादाता) ने अपने घर पर अनुष्ठान के दौरान मुझसे शपथ ली कि ओडीसियस को घर लाने के लिए जहाज और चालक दल दोनों तैयार हैं। उसने मुझे पहले इसलिए भेजा क्योंकि एक व्यापारी जहाज डुलिचियम के लिए रवाना हो रहा था। उसने मुझे ओडीसियस का संचित धन दिखाया; और शाही खजाने में जो कुछ भी था, वह उसकी दस पीढ़ियों के लिए पर्याप्त था। राजा ने कहा कि वह डोडोना गया था ताकि ज़्यूस उसे ऊँचे पत्तों वाले ओक के पेड़ से सलाह दे सके कि इतने लंबे समय बाद इथाका कैसे लौटना है, चाहे वह गुप्त रूप से हो या खुलेआम। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, और शपथ लेता हूँ, कि वह सुरक्षित है, स्वस्थ है, पास है और अपने मित्रों और भूमि को वापस पाने वाला है। हे सर्वोच्च और श्रेष्ठ देवता, ज़्यूस, और साथ ही उस महान ओडीसियस के जन्मस्थान को भी साक्षी मानो जहाँ मैं पहुँच चुका हूँ। जैसा कि मैंने कहा है, सब कुछ घटित होगा। सूर्य के इस चक्र के दौरान, वर्तमान चंद्रमा के घटने और अगले चंद्रमा के घटने के बीच, ओडीसियस पहुँचेगा।
पेनेलोप ने उत्तर दिया, “आह, अजनबी, अगर ऐसा हुआ तो मेरी कृपा तुम पर बरसेगी, यहाँ तक कि सब तुम्हारी दशा की प्रशंसा करेंगे। परन्तु मेरा हृदय मुझे चेतावनी देता है कि इसके विपरीत ही होगा। ओडीसियस कभी वापस नहीं लौटेगा, और न ही तुम यहाँ से सुरक्षित जा पाओगे: क्योंकि आज हमारे घर में ओडीसियस जैसे कोई कुशल व्यक्ति नहीं हैं – क्या कभी कोई ओडीसियस था भी? – जो योग्य अतिथियों का स्वागत करके उन्हें विदा करें। अब रहने दो।

स्त्रियों, स्नान तैयार करो और अजनबी का बिस्तर रजाई, गलीचे और चमकदार कंबलों से सजाओ, ताकि वह भोर के सुनहरे सिंहासन के समक्ष आराम से पहुँच सके। और सुबह जल्दी उठकर उसे नहलाओ और अभिषेक करो, ताकि वह टेलेमाकस के बगल में हॉल में मेज पर बैठ सके। इन गुंडों में से जो भी उसे अपमानित करेगा, उसे यह जानकर खेद होगा कि यहाँ आने की उसकी कोशिश व्यर्थ गई है।” लेकिन बताओ, अजनबी, तुम मुझे चरित्र और गुणों में सभी स्त्रियों से श्रेष्ठ कैसे मानते हो, जबकि मैं तुम्हें यहाँ धूप में झुलसे और फटेहाल हालत में भोजन करते हुए छोड़कर जा रही हूँ? मनुष्य का दिन अंत से पहले बहुत छोटा है, और क्रूर व्यक्ति जिसके मार्ग क्रूर हैं, शापित जीवन जीता है और मृत्यु के बाद उसका नामोनिशान मिट जाता है: जबकि धर्मी व्यक्ति जो धर्म का पालन करता है, उसकी प्रसिद्धि पूरी पृथ्वी पर अतिथियों द्वारा फैलती है, यहाँ तक कि अनेक लोग उसकी महानता की प्रशंसा करते हैं।
ओडीसियस ने विरोध करते हुए कहा, “हे ओडीसियस की महान और गंभीर पत्नी,
जिस दिन मेरी लंबी चप्पू वाली नाव के पीछे क्रीट की बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ ओझल हो गईं, उसी दिन मैंने कालीन और मुलायम कंबल त्याग दिए थे। मुझे वैसे ही लेटने दो जैसे मैं कई रातों तक जागता रहा हूँ। भोर होने तक मैंने खुरदुरे पलंगों पर कितने ही अंधेरे घंटे बिताए हैं! अब मुझे पैरों को धोने की इच्छा नहीं होती, और न ही तुम्हारी कोई दासी मुझे छुएगी – सिवाय इसके कि तुम्हारे पास कोई वृद्ध और भरोसेमंद महिला हो जिसके सिर पर मैंने मेरे जैसे दुख सहे हों। उसकी देखभाल से मुझे ईर्ष्या नहीं होगी।” पेनेलोप ने कहा, “प्रिय अजनबी, इस घर में आए सभी महान यात्रियों में से, किसी ने भी अपने शब्दों में आपके समान इतनी कृतज्ञता और समझदारी का प्रमाण नहीं दिया है। मेरे पास एक चतुर स्वभाव वाली वृद्ध महिला है, वह दाई जिसने मेरे अभागे स्वामी को जन्म के दिन उनकी माँ से उनकी बाहों में लिया था, और जिसने पूरी निष्ठा से उनकी देखभाल और पोषण किया था। वह अब कमजोर हैं, लेकिन आपके पैर धो सकती हैं।” हे बुद्धिमान यूरिक्लेया, उठो और अपने स्वामी की पीढ़ी के इस व्यक्ति की सेवा करो। कौन यह कहने की हिम्मत कर सकता है कि ओडीसियस के पैर और हाथ आज उसकी तरह बूढ़े नहीं हैं? कठिनाइयाँ मनुष्य को बहुत जल्दी बूढ़ा कर देती हैं।
रानी की बातें सुनकर बूढ़ी नौकरानी ने अपना चेहरा हाथों से ढक लिया और फूट-फूटकर रोने लगी, और ओडीसियस के लिए विलाप करते हुए बोली: ‘मेरे बच्चे,

मेरे बच्चे! मैं कुछ नहीं कर सकती। तुम्हारी उस भक्ति के बावजूद ज़्यूस ने तुमसे समस्त मानवजाति से भी अधिक घृणा की है। तुम्हारे जैसे सुडौल जांघों और आकर्षक शरीर को उस गर्जन-प्रेमी ने कभी इतना आकर्षित नहीं किया जितना तब किया जब तुमने अपने प्रतिभाशाली पुत्र को शिक्षित करने के लिए शांतिपूर्ण जीवन के लिए उससे प्रार्थना की थी। फिर भी केवल तुम्हें ही घर वापसी से वंचित रखा गया है। क्या ओडीसियस, जब किसी विदेशी महल में आतिथ्य की तलाश करता है, तो वहाँ की स्त्रियाँ उसका उपहास करती हैं, जैसे ये सभी कुत्तियाँ, हे अजनबी, तुम्हारा उपहास करती हैं? उनकी अश्लील नीचता के कारण तुम उन्हें अपने पैर धोने नहीं देते; परन्तु पेनेलोप की बुद्धिमत्ता ने मुझमें तुम्हारे लिए एक प्रसन्न सेवक पाया है। उसके लिए मैं तुम्हारे पैर धोती हूँ; परन्तु तुम्हारे लिए भी, मेरा हृदय स्पर्श से भर गया है और रोमांचित हो गया है। रोमांचित क्यों?’ क्योंकि यहाँ अनेक राहगीर आ चुके हैं, परन्तु मैंने कभी भी तुम्हारे जैसी समानता नहीं देखी, तुम आकार, पैरों और आवाज में ओडिसीस से मिलते-जुलते हो।
ओडीसियस ने सूझबूझ से कहा, “बुढ़िया, हम दोनों को देखने वाले सभी लोग
यही कहते हैं। उन्होंने वही देखा है जो तुम कह रही हो, कि हम दोनों बहुत मिलते-जुलते हैं।” जब वह बोल ही रहा था, तब उस बूढ़ी औरत ने चमकीले पानी से भरे पाद-कुंड में काफी ठंडा पानी डाला और फिर उसमें गर्म पानी मिलाया। ओडीसियस चूल्हे की ओर बैठा था, लेकिन अचानक डर से उसका दिल कांप उठा और परछाई की ओर मुड़ गया। उसे डर था कि कहीं उसे छूते समय वह औरत उसके निशान को न देख ले और सच्चाई सामने न आ जाए। लेकिन जब वह धोने के लिए पास झुकी, तो ऐसा ही हुआ। वह जानती थी कि यह वही पुराना घाव है जो उसे वर्षों पहले परनासस में सूअर के सफेद दांत से लगा था, जब वह अपनी मां के भाई और कुलीन ऑटोलिकस, उनके पिता, से मिलने गया था। ऑटोलिकस दुनिया के बाकी सभी लोगों से भी ज्यादा झूठी कसम खाता था और चोरी करने में माहिर था। ये कलाएं उसे देवता हेर्मेस ने दी थीं, जिन्होंने बलि में जलाए गए उसके बकरियों और बकरियों की जांघों को प्रसन्न करने के लिए उसे प्रसन्न चेहरा दिया था।
एक बार ऑटोलिकस इथाका गए, जहाँ उन्होंने पाया कि उनकी पुत्री ने अभी-
अभी एक पुत्र को जन्म दिया है। यूरिक्लेया रात के भोजन के अंत में शिशु को लेकर आईं और उन्हें ऑटोलिकस की गोद में रखते हुए बोलीं, “ऑटोलिकस, अपनी प्रिय पुत्री के इस पुत्र का कोई नाम रखिए – यह एक ऐसा बच्चा है जिसके लिए

बहुत प्रार्थनाएँ की गई थीं।” ऑटोलिकस ने उत्तर दिया, “दामाद और पुत्री, जैसा मैं कहूँ वैसा नाम रखिए। क्योंकि मैं यहाँ पृथ्वी पर रहने वाले अनेक लोगों, स्त्रियों और पुरुषों, के विरुद्ध शिकायत करते हुए आया हूँ, इसलिए इसका नाम ओडीसियस रखिए, मेरी घृणा के कारण। और जब यह बड़ा हो जाए, तो इसे परनासस में स्थित इसके मातृ परिवार के महल में ले जाइए, जो मेरा है, और मैं इसे इतना कुछ दूँगा कि यह प्रसन्नतापूर्वक घर लौट आए।” और ऐसा ही हुआ। युवा ओडीसियस अपने उपहार लेने गए और ऑटोलिकस और उनके पुत्रों ने उनका खुले दिल से स्वागत किया, जबकि उनकी दादी एम्फिथिया ने उन्हें गले लगाकर उनके चेहरे और सुंदर आँखों को चूमा। ऑटोलिकस ने अपने प्रसिद्ध पुत्रों को भोजन मंगवाने को कहा। जल्दी से उन्होंने एक पाँच साल के बैल को लाया, जिसकी खाल उतारी और फिर उसके अंगों को जोड़कर उन्हें बड़ी चतुराई से छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दिया ताकि उन्हें सीखों पर भूना जा सके। भूनने के बाद उन्होंने सबको परोसा; और दिन भर, सूर्यास्त तक, सभी ने संतुष्ट होकर दावत का आनंद लिया। सूर्यास्त के बाद जब अंधेरा छा गया, तो वे लेट गए और गहरी नींद सो गए। भोर होते ही ऑटोलिकस के पुत्र अपने शिकारी कुत्तों के साथ शिकार के लिए निकल पड़े। ओडीसियस भी उनके साथ गया। उनका रास्ता घने पेड़ों के बीच से होते हुए खड़ी परनासस पर्वतमाला पर चढ़ता गया, जब तक कि वे उसकी हवा से भरी ऊपरी घाटियों पर नहीं पहुँच गए, ठीक उसी समय जब सूर्य, जो अभी- अभी शांत और उफनती हुई ओशन नदी से निकला था, खेतों को छू रहा था। उनके शिकारी एक छोटी सी घाटी में प्रवेश कर ही रहे थे कि शिकारी कुत्ते एक गंध का पीछा करते हुए तेजी से आगे बढ़ गए। उनके पीछे ऑटोलिकस के पुत्र दौड़े, ओडीसियस उनके झुंड के पीछे-पीछे चल रहा था, उसका भाला उसके उत्सुक हाथ में कांप रहा था। एक विशाल जंगली सूअर घनी झाड़ियों में छिपा हुआ था, जो इतनी घनी और नमी भरी थीं कि उन्हें हर तरह की उमस भरी हवाओं से कोई खतरा नहीं था; साथ ही, चिलचिलाती धूप और भीगती बारिश से भी उन्हें कोई परेशानी नहीं थी; और ज़मीन पर गिरे हुए पत्तों की मोटी परत बिछी हुई थी। इसी बीच उनके पीछा करने की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। जब आदमियों और कुत्तों के कदमों की आहट पास आई, तो सूअर अपनी मांद से उछलकर उनका सामना करने के लिए दौड़ा। अपनी नुकीली रीढ़ और आग जैसी लाल आँखों के साथ वह उनके हमले का सामना करने के लिए तैयार था। सबसे आगे चल रहे ओडीसियस ने अपने मजबूत हाथ में भाला लहराते हुए उसे मारने के लिए उत्सुकता से उस पर हमला किया: लेकिन सूअर ने सिर को

एक तरफ उठाकर पहले वार किया, जिससे उसका दांत आदमी के घुटने के ऊपर तक घुस गया और मांस को गहराई से घायल कर दिया, हालांकि हड्डी तक नहीं पहुंचा। ओडीसियस के पलटवार ने जानवर के दाहिने कंधे पर वार किया, भाले की नोक आर-पार निकल गई। सूअर एक कराह के साथ धूल में गिर पड़ा और उसकी जान निकल गई। फिर ऑटोलिकस के पुत्रों ने वीर और देवतुल्य ओडीसियस के घाव पर कुशलतापूर्वक पट्टी बाँधी। उन्होंने मंत्रोच्चार करके बहते खून को रोका और तुरंत अपने प्रिय पिता के घर लौट आए। इसके बाद ऑटोलिकस और उनके पुत्रों ने उनका इलाज पूरा किया, उन्हें बड़े-बड़े उपहार दिए (एक प्रसन्न अतिथि को प्रसन्न करते हुए) और समय पर उन्हें उनके अपने देश इथाका वापस ले गए। लेर्टेस और उनकी माता ने घर लौटने पर उनका स्वागत करते हुए उनसे हर बात पूछी, विशेष रूप से यह कि उन्हें वह घाव कैसे लगा। उन्होंने ऑटोलिकस के पुत्रों के साथ परनासस में शिकार करते समय सूअर के चमकदार दांत से हुए घाव की पूरी कहानी सुनाई।
अब जब उस बूढ़ी औरत ने उसका पैर उठाया और उस पर धीरे से हाथ फेरा, तो उसे स्पर्श से ही निशान का एहसास हो गया। उसने पैर छोड़ दिया, जो उसकी पिंडली के साथ टब में जा गिरा और ज़ोरदार आवाज़ के साथ टब को उलट दिया। पानी ज़मीन पर बह गया। यूरीक्लिया के दिल में खुशी और दुख के बीच ऐसा संघर्ष चल रहा था कि उसकी आँखों में आँसू भर आए और उसकी आवाज़ गले में ही अटक गई। इसलिए उसने ओडीसियस की दाढ़ी पकड़कर फुसफुसाते हुए कहा, 'तुम मेरे अपने बच्चे हो, स्वयं ओडीसियस, और मुझे कभी पता नहीं चला - जब तक मैंने अपने राजा के शरीर को स्पर्श नहीं किया।' उसकी नज़र पेनेलोप पर पड़ी, मानो वह यह संकेत दे रही हो कि उसका प्रिय पति घर पर है: लेकिन पेनेलोप उसकी नज़र नहीं मिला पाई और न ही उसका अर्थ समझ पाई, क्योंकि एथेन ने पल भर में उसका ध्यान भटका दिया। ओडीसियस का दाहिना हाथ तेजी से बढ़ा और उसने यूरीक्लिया का गला पकड़ लिया और उसे जकड़ लिया, जबकि अपने बाएं हाथ से उसने उसे कसकर अपनी ओर खींच लिया और बुदबुदाया, 'हे मेरी माँ, क्या तुम मुझे मार डालोगी, जिसने मुझे बीस वर्षों के अनेक दुर्भाग्य के बाद आखिरकार लौटने पर इतनी बार अपने स्तनों से दूध पिलाया है? अब जब तुमने यह अनुमान लगा लिया है और भगवान ने इसकी सच्चाई तुम्हारे मन में डाल दी है, तो इसे गुप्त रखो, घर में किसी और को शक न होने दो। अन्यथा, मेरा विश्वास करो - और मैं सचमुच कह रहा हूँ - यदि स्वर्ग ने मुझे उन सभी दूल्हों को हराने की अनुमति दी, तो मैं तुम्हें नहीं

छोडूंगा, चाहे तुम मेरी पुरानी धाय ही क्यों न हो, जब मैं अपने महल में अन्य सेविकाओं का वध करूंगा।'
बुद्धिमान यूरिक्लेया ने विरोध करते हुए कहा, “मेरे बच्चे, यह कितनी भयानक बात है! तुम्हें मेरे दृढ़ और अडिग स्वभाव को जानना चाहिए और यह भी कि मैं लोहे या चट्टान की तरह कठोर रहती हूँ। मुझे भी एक बात कहने दो, जिस पर तुम विचार करो। यदि ईश्वर तुम्हें उन साहसी दूल्हों से मुक्त करा दे, तो मैं तुम्हें बता दूँगी कि घर की कौन सी स्त्रियाँ तुम्हें अपमानित करती हैं और कौन सी निर्दोष हैं।” उसने उत्तर दिया, “दादी, क्यों परेशान हो रही हो? कोई आवश्यकता नहीं है: मैं स्वयं उन्हें पहचान सकता हूँ और प्रत्येक को वर्गीकृत कर सकता हूँ। अपनी बात अपने तक ही रखो और परिणाम देवताओं पर छोड़ दो।” इसके बाद वह बूढ़ी औरत गिरे हुए पानी को बदलने के लिए घर में लंगड़ाते हुए चली गई; और ओडीसियस ने नहाने और जैतून के तेल से मालिश करने के बाद अपनी बेंच को आग के पास खींच लिया ताकि वह खुद को गर्म कर सके, और अपने फटे-पुराने कपड़ों के नीचे अपने ज़ख्मी पैर को सावधानी से छिपा लिया। तब पेनेलोप ने कहा, “अजनबी, अब मुझे तुमसे बस थोड़ी सी बात कहनी है: क्योंकि जल्द ही वह सुखद नींद का समय आ जाएगा जो मनुष्य को, चाहे कितना भी दुखी क्यों न हो, बड़ी आसानी से आती है। पर मुझे नहीं; स्वर्ग ने मुझे असहनीय दुखों से बोझिल कर दिया है। दिन के समय मैं अपने कर्तव्यों और घर की दासियों के काम में व्यस्त रहकर शोक और विलाप में डूबी रहती हूँ: लेकिन रात होते ही संसार सो जाता है। तब मैं अपने बिस्तर पर लेट जाती हूँ और चिंताओं का सैलाब मेरे हृदय को इस कदर जकड़ लेता है कि मैं दुःख से व्याकुल हो जाती हूँ। तुम जानते हो कि कैसे पंडारेस की पुत्री, वन की बुलबुल, वसंत ऋतु में जब नई होती है तो घनी टहनियों के बीच बैठ जाती है और अद्भुत गीत गाती है; उसके रंगीन गले से निकलने वाले मधुर स्वर उसके पुत्र, राजा ज़ेथस के प्रिय इटिलस की सबसे दुखद याद में निकलते हैं, जिसे उसने अनजाने में तलवार से मार डाला था। मेरा व्याकुल मन उसके गीत की तरह कांपता है।” क्या मुझे अपने बेटे के पास रहकर अपनी सारी संपत्ति, अपनी दासियों, यहाँ तक कि उस विशाल महल की भी रक्षा करनी चाहिए, अपने स्वामी के पलंग के प्रति आदर और लोगों की बातों के कारण? या क्या मुझे उन सर्वश्रेष्ठ अचेयनों के साथ चले जाना चाहिए जो यहाँ मुझसे प्रेम निवेदन करते हैं और अनमोल उपहार भेंट करते हैं? जब मेरा बेटा नासमझ बच्चा था, तब उसकी कम उम्र ने मुझे घर छोड़कर नया पति

लाने से रोक रखा था; लेकिन अब वह लंबा और वयस्क हो चुका है, और मुझसे अपने पिता के घर जाने की विनती करता है, क्योंकि उसे अचेयनों द्वारा अपनी संपत्ति को हड़पते देखना बहुत बुरा लगता है। इसलिए सुनो, और मुझे मेरा यह सपना बताओ। मेरे खेत में बीस हंस हैं, नदी से आए जंगली हंस, जिन्होंने मेरा अनाज खाना सीख लिया है: और मुझे उन्हें देखना बहुत अच्छा लगता है। लेकिन एक विशाल नुकीली चोंच वाला चील पहाड़ से झपटा, उन्हें गर्दन से पकड़कर मार डाला। उनके शरीर घर में ढेर हो गए, और वह चील फिर से आकाश में उड़ गई। यह सब जो मैं आपको बता रही हूँ, बेशक एक सपना था, लेकिन उसमें मैं फूट-फूटकर रोई और सिसकियाँ भर कर मेरे चारों ओर जमा हो गईं, जबकि मैं उन हंसों के लिए विलाप कर रही थी जिन्हें चील ने मार डाला था। लेकिन अचानक वह वापस झपट्टा मारकर घर के एक उभरे हुए काले बीम पर बैठ गया और एक मानवीय आवाज़ सुनाई दी जिसने मेरे आँसू पोंछ दिए: “इकारियस की बेटी, हिम्मत रखो,” उसने कहा। “यह कोई सपना नहीं बल्कि एक कड़वी सच्चाई है, जो पूरी तरह से सच होने वाली है। हंस तुम्हारे प्रेमी हैं; और मैं, जो हाल ही में चील था, तुम्हारा पति हूँ जो वापस आया है, उन सभी को भयानक मौत देने के लिए।” यह सुनकर मैं नींद से जाग उठी और हंसों को हमेशा की तरह इधर-उधर घूमते या नाद से अपना खाना गटकते हुए देखा।
ओडीसियस ने उससे कहा, 'देवी, इस सपने को ओडीसियस द्वारा बताए गए परिणाम
के अलावा किसी और अर्थ में नहीं समझा जा सकता। हर दावेदार का विनाश निश्चित है। कोई भी इस घातक परिणाम से नहीं बच पाएगा।' लेकिन बुद्धिमान पेनेलोप ने जवाब दिया, 'अजनबी, सपने पेचीदा होते हैं और उन्हें समझना मुश्किल होता है। उनमें जो कुछ भी लिखा होता है, वह सब सच नहीं होता। सपनों की उस रहस्यमयी दुनिया के दो द्वार हैं, एक सींग का और दूसरा हाथीदांत का। जो सपने हाथीदांत से होकर गुजरते हैं, वे व्यंग्य होते हैं, व्यर्थ आशाओं का बोझ लिए हुए धोखे होते हैं: लेकिन जो सपना सींग के द्वार से होकर आता है, वह भविष्य की सच्चाई बताता है। मुझे डर है कि मेरा अजीब सपना वैसा नहीं था, भले ही वह घटना मेरे और मेरे बेटे के लिए सुखद हो। मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहती हूँ। जल्द ही वह अशुभ दिन आएगा जो मुझे ओडीसियस के घर से अलग कर देगा।' इसे शुरू करने के लिए मैं उन कुल्हाड़ियों के साथ एक प्रतियोगिता आयोजित कर रही हूँ जिन्हें मेरे स्वामी (जब घर पर होते थे) बारहों एक साथ, ओक की लकड़ी के गलियारों की तरह खड़ा करते थे, और फिर पीछे

हटकर उन सभी के बीच से तीर चलाते थे। अब मैं यही करतब अपने दूल्हों के सामने रखूँगी: और जो सबसे आसानी से अपने हाथों से धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर बारह कुल्हाड़ियों के बीच से तीर चला देगा, मैं उसके पीछे जाऊँगी, अपने इस विवाह के घर को छोड़कर, इस भव्य, सुसज्जित घर को जिसे मैं निश्चित रूप से बाद में अपने सपनों में याद रखूँगी।
ओडीसियस ने फिर से अपनी राय व्यक्त की: ‘ओडीसियस की परम पूजनीय पत्नी,
इस परीक्षा को हॉल में आयोजित करने में संकोच न करें; क्योंकि अनेक कलाबाजियों के धनी ओडीसियस इन लोगों के सामने यहाँ उपस्थित होंगे, उनके सुंदर धनुष को निहारने के बावजूद, उसे प्रत्यंचा करके लोहे की गैलरी में तीर चला देंगे।’ पेनेलोप ने कहा, ‘यदि आप हे अजनबी, पूरी रात मेरे पास बैठकर मेरा मनोरंजन करें, तो नींद मुझे फिर कभी नहीं घेर पाएगी। फिर भी मनुष्य हमेशा के लिए नींद से मुक्त नहीं हो सकते, अमर लोगों ने इस उपजाऊ पृथ्वी पर प्रत्येक मनुष्य के लिए उसका उचित समय निर्धारित किया है। इसलिए मैं अपने कमरे में जाकर अपने पलंग पर लेट जाऊंगी, जहाँ मैंने सिसकियाँ भरी हैं, जो ओडीसियस द्वारा उस स्थान को नष्ट करने जाने के बाद से मेरे आँसुओं से भीगी हुई है जिसका नाम मैं कभी नहीं लेती। मैं वहीं लेटी रहूंगी जबकि आप यहाँ हॉल में आराम करें। या तो फर्श पर कुछ बिछा दें, या अपने लिए बिस्तर लगवा लें।’
वह चुप हो गई और अपने चमकदार ऊपरी कमरे में चली गई; अकेली नहीं, क्योंकि दासियाँ भी उसके पीछे-पीछे गईं। वह अपने प्रिय पति ओडीसियस के लिए तब तक विलाप करती रही जब तक कि एथेन की मधुर नींद ने उसकी पलकें बंद नहीं कर दीं।

पुस्तक 20

अंततः, महान ओडीसियस ने प्रवेश कक्ष में अपना बिस्तर लगाया, फर्श पर एक बिना चमड़ी का बैल बिछाकर और उस पर अचेयन भूख मिटाने के लिए बलि दी गई भेड़ों की कई ऊनें रखकर। उसके लेट जाने के बाद यूरिनोम ने उस पर एक चादर ओढ़ा दी। फिर भी उसे नींद नहीं आई, क्योंकि उसका दिल उन सभी प्रेमियों के खिलाफ बुराई की योजना बनाने में बहुत व्यस्त था: जिनके लिए, थोड़ी देर बाद, वे स्त्रियाँ जो हर रात वेश्यावृत्ति करती थीं, नौकरों के कमरे से हँसी और मज़ाक करते हुए बाहर आ गईं। तब उसका जी मिचलाने लगा: आवेग और तर्क उसके भीतर युद्ध कर रहे थे, कभी हर वेश्या को मौत के घाट उतारना चाहते थे, कभी उन्हें आखिरी बार शारीरिक संबंध बनाने देना चाहते थे। इस पर उसका अंतर्मन एक कुतिया की तरह गुर्रा रहा था जो अपने असहाय बच्चों की रखवाली कर रही हो, जब वह किसी भी आने वाले अजनबी पर झपटने के लिए गुर्राती है। इस प्रकार ओडीसियस के भीतर उनकी कामुकता पर क्रोध उबल रहा था: लेकिन उसने आत्म-निंदा में अपनी छाती पीटते हुए कहा, 'धैर्य रखो, हृदय।' उस दिन तुमने एक और भी कठिन परीक्षा का सामना किया, जब उस क्रूर साइक्लॉप्स ने मेरे शानदार साथियों को निगल लिया। तुमने दृढ़ता से इसे सहन किया, जब तक कि तुम्हारी चतुराई ने तुम्हें उस गुफा से बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिखा दिया जिसे तुम अपना मृत्यु-जाल समझते थे।
उसने अपने आप को इस प्रकार नियंत्रित और अपनी भावनाओं को इतना संयमित किया कि उसकी आत्मा का धैर्य अंत तक बना रहा: परन्तु तनाव ने उसके शरीर को ऐसे छटपटा दिया, जैसे खून और चर्बी से भरा हुआ पेट, जिसे तुरंत पकाने की चाह में कोई व्यक्ति धधकती आग के सामने बार-बार पलटता है। इसी प्रकार ओडीसियस इस व्याकुलता में इधर-उधर लुढ़कता रहा कि वह अकेला कैसे इतने सारे निर्लज्ज प्रेमियों को अपने वश में कर सके। उसकी इस उलझन को देखकर एथेन अपने स्त्री रूप में स्वर्ग से नीचे आईं, उसके सिर के ऊपर खड़ी हुईं और बोलीं, ‘हे सबसे दुखी पुरुष, अब भी क्यों जागते और चौकस हैं, जबकि अंत में तुम अपने ही घर में लेटे हो जहाँ तुम्हारी पत्नी और तुम्हारा पुत्र भी हैं

– ऐसा बालक जैसा हर कोई अपने पुत्र को पाना चाहेगा?’ और ओडीसियस ने उत्तर दिया, ‘हे देवी, आपका फटकार उचित है: परन्तु मेरे हृदय में यह प्रश्न था कि एक पुरुष इन निकम्मों को कैसे अपने वश में कर सकता है जो झुंड में घर में घूमती रहती हैं।’ और इसी से दूसरी और अधिक कठिन समस्या उत्पन्न होती है। मान लीजिए कि ज़्यूस की कृपा, आपकी कृपा के साथ, मुझे उन्हें मारने की शक्ति देती है, तो उसके बाद मुझे शरण कहाँ मिलेगी? कृपया मुझे प्रेरणा दीजिए।
देवी ने कहा, ‘हे विवश प्राणी, दूसरे मुझसे कहीं अधिक कमजोर मित्रों पर भरोसा करते हैं, जो पूरी तरह से मनुष्य हैं और उनमें कोई विविधता नहीं है: जबकि मैं स्वयं ईश्वर हूँ और परिश्रम के अंत तक तुम्हारी ढाल हूँ। मैं तुम्हें एक स्पष्ट सत्य बताती हूँ। भले ही मनुष्यों की पचास टुकड़ियाँ हमें चारों ओर से घेर लें, सभी सीधे मारने के लिए पागल हों, फिर भी तुम उनके झुंडों और मवेशियों को बचाकर निकल जाओगे। इसलिए सो जाओ। पूरी रात जागना बहुत थका देने वाला होता है और जल्द ही तुम बुराई से मुक्त हो जाओगे।’ उसने कहा, उसकी पलकों पर एक नींद का पर्दा डाला और ओलंपस के लिए चली गई। ओडीसियस नींद की बाहों में डूब गया, एक ऐसी नींद जिसने उसके मन की उलझनों को सुलझा दिया। लेकिन उसकी वफादार पत्नी जाग उठी और अपने कोमल पलंग पर बैठकर रोने लगी, फिर उसने सीधे आर्टेमिस से प्रार्थना की: –
‘आर्टेमिस, देवी, ज़्यूस की पुत्री! मुझे अपने बाण से भेद दो और मेरी
जान ले लो – या बवंडर मुझे अंधकारमय रास्तों पर घसीटकर वहाँ फेंक दे जहाँ सागर की धाराएँ मुख्य धारा से मिलती हैं!’ इस प्रकार बवंडरों ने पंडारेयस की उन पुत्रियों को दंड दिया, जो देवताओं द्वारा उनके माता-पिता की हत्या के बाद अपने घर में अनाथ हो गई थीं। एफ़्रोडाइट ने उन्हें बकरी के दूध से बने पनीर, मीठे शहद और उत्तम मदिरा से पाला-पोसा, हेरा ने उन्हें सभी स्त्रियों से बढ़कर सुंदरता और अंतर्दृष्टि प्रदान की, और आर्टेमिस ने उन्हें सुडौल बनाया; जबकि एथेना ने उन्हें हर प्रकार की सुंदरता और कला से संपन्न किया। फिर भी जब एफ़्रोडाइट उनके लिए सौभाग्यशाली विवाह की प्रार्थना करने के लिए ऊँचे ओलंपस की यात्रा कर रही थी – और यह प्रार्थना वह गर्जन-प्रेमी ज़्यूस से कर रही थी, जो जानता है कि मानव जाति के लिए क्या नियत है और क्या नहीं – तभी तूफान की हार्पीज़ ने उन लड़कियों को छीन लिया और उन्हें भयानक फ्यूरीज़ की सेवा में छोड़ दिया। काश, ओलंपस के

निवासी मुझे मानव दृष्टि से इस प्रकार मिटा दें, या सुशोभित आर्टेमिस मुझे उसमें से धकेल दें, कि जब मैं इस घृणित धरती के नीचे अपनी कब्र में जाऊं, तो भी मैं अपने साथ ओडीसियस की उस बेदाग छवि को ले जा सकूं, जो किसी नीच पुरुष के साथ क्रीड़ा करने से अछूती हो! मैं उस पीड़ा को सहनीय मानती हूं जो हृदय के तीव्र दर्द से दिनभर शोक करने पर भी रातों की नींद आने देती है, वह नींद जो आंखें बंद होते ही सभी अच्छे-बुरे विचारों को मिटा देती है। लेकिन मेरे लिए तो देवताओं द्वारा दिए गए सपने भी कष्टदायी हैं। उदाहरण के लिए, आज रात मेरे पास मेरे प्रेमी की छवि थी, जैसे वह युद्ध के लिए रवाना हुआ था; और मेरा हृदय उछल पड़ा, यह सोचकर कि यह सपना नहीं, बल्कि अंततः सत्य है।
भोर होते-होते उसकी शिकायत जारी रही, जब तक कि स्वर्णिम सिंहासन पर विराजमान भोर नहीं हो गई। तभी उसकी सिसकियाँ ओडीसियस के कानों तक पहुँचीं और उसके जागते हुए विचारों में घुलमिल गईं, जिससे उसे लगा कि उसने उसे खोज लिया है और उसके पास ही है। वह उठा और अपना लबादा और भेड़ की खाल, जिस पर वह सोया था, समेटने लगा; फिर उन्हें एक सिंहासन पर रख दिया। लेकिन बैल की खाल वह बाहर ले गया और ज़्यूस से प्रार्थना करने के लिए फैला दी। उसने हाथ ऊपर उठाकर कहा, ‘हे पिता ज़्यूस, यदि स्वर्ग की कृपा ने मुझे भयंकर खतरे के बावजूद जल और जंगल पार करके सुरक्षित घर पहुँचाया है, तो आकाश को आपकी ओर से इसका कोई संकेत दें, और जागृत मनुष्य जाति इसे एक महत्वपूर्ण शब्द से पुष्ट करे।’
यह प्रार्थना सृष्टिकर्ता ज़्यूस ने सुनी। ओलंपस के तेजस्वी शिखर को ढके कोहरे में से उनका स्वर निकला और ओडीसियस प्रसन्न हो गया; वहीं पास ही, लोगों के चरवाहे के महल से सटे चक्की-कक्ष में चक्की चला रही एक स्त्री ने यह महत्वपूर्ण शब्द कहा। वहाँ बारह स्त्रियाँ दिनभर मेहनत से जौ और आटा पीस रही थीं, जो मनुष्य की शक्ति का सार है। अब वे अपने हिस्से का अनाज पीसकर सो रही थीं - सबसे कमज़ोर को छोड़कर, जो अभी भी काम कर रही थी: लेकिन गरजते ही उसने भी अपनी चक्की धीमी कर दी, ताकि वह अपने राजा के लिए वह शब्द कह सके जिसका वह इंतज़ार कर रहा था: 'हे पिता ज़्यूस, देवताओं और मनुष्यों के शासक, तारों से भरे आकाश से आ रही यह तेज़ आवाज़ - क्या आप इससे मनुष्य को कोई संकेत दे रहे हैं? मैं प्रार्थना करती हूँ, इसे महत्व दें, मुझ जैसे अभागे के लिए भी। आज का दिन ओडीसियस के महल में सभी प्रेमियों के लिए अंतिम

और परम सुखमय भोज हो।' उनके लिए दलिया पीसने के लिए मुझे इस असहनीय परिश्रम से अपने अंगों को मरोड़ना होगा। हे प्रभु, इसे उनका अंतिम भोज बना दे! उसने यह बात कही, और महान ओडीसियस इसकी उपयुक्तता और ज़्यूस की गर्जना
से प्रसन्न हुआ। उसने मन ही मन सोचा कि उसने गुनाहगारों से अपना बदला ले लिया है। इसी बीच महल की दूसरी दासियाँ जाग उठीं। उन्होंने चूल्हे पर अमर अग्नि को फिर से जलाया। टेलीमाकस अपने पलंग से उठा, कपड़े पहनते हुए वह किसी देवता के समान लग रहा था, फिर उसने अपनी तेज तलवार अपने कंधों पर टांगी और अपने सुडौल पैरों में सुंदर सैंडल बाँधे। उसने अपना विशाल कांसे की नोक वाला भाला उठाया और यूरिक्लेया से पूछने के लिए बाहरी द्वार पर खड़ा हो गया, 'प्यारी नर्स, हमारे मेहमान के बारे में क्या? क्या उसके साथ बिस्तर और भोजन के मामले में सम्मानजनक व्यवहार किया गया या उसे जैसे-तैसे अपने हाल पर छोड़ दिया गया, जैसा कि मेरी माँ का स्वभाव है, चाहे वह कितनी भी समझदार क्यों न हो? वह किसी निकम्मे आदमी को खुश करने में लगी रहती है और एक योग्य पुरुष को पूरी तरह से उपेक्षित छोड़ देती है।' वफादार यूरिक्लेया ने उत्तर दिया, 'बच्चे, तुम वहाँ दोष निकाल रहे हो जहाँ कोई दोष नहीं है।' वह आदमी बैठा रहा और जितनी शराब वह चाहता था पीता रहा; लेकिन भूख न होने का बहाना बनाकर उसने खाना खाने से इनकार कर दिया, हालांकि उसने बार-बार उससे कहा। वह चाहती थी कि नौकरानियों से उसके सोने की इच्छा पूरी करने के लिए बिस्तर लगवा दे; लेकिन वह इतना हारा हुआ और निराश लग रहा था कि वह सोफे पर कंबल ओढ़कर लेटना भी नहीं चाहता था। इसके बजाय उसने प्रवेश कक्ष में बिना पॉलिश की हुई बैल की खाल और ऊनी कपड़े पहने। हमने उस पर एक लबादा भी डाल दिया।
उसकी बात सुनकर टेलीमाकस, अपना भाला लिए, दो फुर्तीले कुत्तों के साथ
घर से निकल पड़ा और अचेयन योद्धाओं से मिलने के लिए सभा-स्थल की ओर चल पड़ा। वहीं, महिला अपनी दासियों को जल्दी करने लगी और पुकारने लगी, “अब सब इकट्ठा हो जाओ और काम पर लग जाओ। तुममें से कुछ फर्श पर लेटकर तब तक झाड़ू लगाओ जब तक तुम्हारी सांस फूल न जाए – लेकिन पहले पानी डाल दो – और फिर सिंहासनों के बैंगनी आवरणों को साफ करो; जबकि तुम बाकी लोग स्पंज लेकर सभी मेजों को साफ करो, मिलाने वाले कटोरे और सुंदर दो हैंडल वाले प्यालों को धो डालो। बाकी सब लोग झरने से पानी लाओ, जल्दी जाओ और जल्दी वापस आओ। आज सुबह बहुत जल्दी घर में फिर से उसके चाहने वाले आएंगे, आज सार्वजनिक उत्सव है।”

उसने उन पर आदेशों की बौछार कर दी और उन्होंने सहर्ष आज्ञा का पालन किया। बीसों दासियां उस फव्वारे की ओर चल पड़ीं जहाँ गहरा पानी बह रहा था, जबकि बाकी दासियों ने कुशलता से हॉल को साफ किया। फिर मुक्त दास प्रकट होने लगे। इनमें से कुछ लोग महिलाओं के वसंत से लौटने तक कुशलतापूर्वक लकड़ियाँ चीर रहे थे; लेकिन जब वे लौटीं तो सूअर चराने वाला यूमेअस अपने तीन सबसे मोटे सूअरों के साथ उनके दल में शामिल था। उसने सूअरों को परिसर में ही चरने के लिए छोड़ दिया और ओडीसियस से बड़े ही विनम्र भाव से पूछा, “अजनबी, क्या अचेयन लोग अब तुम्हें अधिक पसंद करने लगे हैं, या वे अभी भी पहले की तरह ही तुमसे घृणा करते हैं?” ओडीसियस ने उत्तर दिया, “अरे, यूमेअस, ईश्वर उनके अत्याचारों और इन दुष्ट बदमाशों द्वारा दूसरे के घर का दुरुपयोग करने के लिए उन्हें दंडित करे।”
वे अभी तक यहीं तक पहुँचे ही थे कि मेलैंथियस, बकरियों का चरवाहा, दो चरवाहों और उनके सबसे उत्तम बकरियों के साथ, विवाह के प्रस्ताव देने वालों के लिए प्रकट हुआ। उसने अपने जानवरों को गूंजते हुए बरामदे के नीचे बाँध दिया और ओडीसियस से व्यंग्य करते हुए कहा, 'अजनबी, तुम अब भी भीख माँगकर और जाने से इनकार करके हमारे घर को परेशान कर रहे हो? मुझे लगता है कि जब तक तुम मुक्के का स्वाद नहीं चखोगे, हमारा मामला खत्म नहीं होगा। तुम्हारी जैसी ज़िद ठीक नहीं है। यह कोई अकेला अचेयन भोज नहीं है।' उसने उसे खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चालाक ओडीसियस ने कोई जवाब नहीं दिया, बस चुपचाप अपना सिर झुकाए बैठा रहा: फिर भी उसके भीतर शत्रुता बढ़ती जा रही थी। एक तीसरा दल भी आ गया, फिलोएटियस, एक प्रतिष्ठित व्यक्ति, जो विवाह के प्रस्ताव देने वालों के लिए एक बछिया और कुछ और उत्तम बकरियों को साथ लाया था। उसे सार्वजनिक नौका चालकों द्वारा लाया गया था। बरामदे में अपने जानवरों को सुरक्षित रूप से बाँधने के बाद वह यूमेअस के पास आया और पूछा, 'सूअर चराने वाले, हमारे घर में यह नया अजनबी कौन है?' वह किस जाति का होने का दावा करता है? उसके लोग और उनकी ज़मीनें कहाँ हैं? भले ही वह जर्जर दिखता हो, लेकिन उसका कद-काठी शाही है। देवताओं के प्रकोप में फँसा और बेघर हुआ व्यक्ति जल्द ही तनाव का शिकार हो जाता है, चाहे वह राजा ही क्यों न रहा हो।
उसने ओडीसियस की ओर मुड़कर दाहिना हाथ बढ़ाते हुए स्नेहपूर्वक कहा, “प्रणाम, हे अजनबी: आपका भविष्य सुखमय हो; क्योंकि स्पष्ट रूप से आप इस समय

दुर्भाग्य के चंगुल में हैं। हे पिता ज़्यूस, आप सभी देवताओं में सबसे क्रूर हैं, क्योंकि आप अपने द्वारा सृजित मनुष्यों पर कोई दया नहीं दिखाते, बल्कि उन्हें ऐसे दुख और पीड़ा में जकड़ लेते हैं। यह सोचकर ही मुझे पसीना आ जाता है और ओडीसियस को याद करके मेरी आँखें नम हो जाती हैं, जो यदि अभी जीवित होता और धूप में होता तो शायद इसी तरह फटेहाल और भटकता रहता। लेकिन यदि वह मर गया है और पाताल लोक में चला गया है, तो मेरी प्रार्थना सुनो, उस उत्कृष्ट ओडीसियस के लिए, जिसने मुझे बचपन में ही सेफलेनिया में अपने पशुओं का मुखिया बना दिया था। हाँ, और ये इतने बढ़ गए हैं कि इनकी गिनती करना असंभव है, जैसे खड़ी फसल के दाने असंख्य होते हैं। किसी भी मनुष्य के चौड़े-सांव वाले मवेशी इससे बेहतर प्रजनन नहीं कर पाए।” लेकिन ये बाहरी लोग, घर के बेटे की उपेक्षा करते हुए और देवताओं का अपमान करते हुए, मुझे बार-बार अपने पशुओं को उनके भोज के लिए लाने पर मजबूर कर रहे हैं। उनकी नवीनतम सनक हमारे लापता राजा की पूरी संपत्ति को आपस में बांटना है। मैं इस मामले पर लगातार विचार करती रहती हूँ, यह भली-भांति जानती हूँ कि उत्तराधिकारी के जीवित रहते हुए अपने पशुओं सहित किसी अजनबी की सेवा में जाना कितना गलत होगा; लेकिन मुझे यकीन है कि ऐसे अन्याय के बीच यहाँ बैठे रहना और उन लोगों के लाभ के लिए अपने पशुओं को चराना, जिनका उन पर कोई अधिकार नहीं है, इससे भी कहीं अधिक बुरा है। मेरी स्थिति असहनीय है। बहुत पहले ही मुझे भागकर किसी अन्य शक्तिशाली राजा से विवाह कर लेना चाहिए था, लेकिन मैं इस अभागे व्यक्ति के बारे में सोचती रहती हूँ और सोचती हूँ कि वह अचानक कहीं से प्रकट हो सकता है और अपने घर में सभी दावेदारों को इधर-उधर भगा सकता है।
ओडीसियस ने चतुराई से जवाब दिया, “गायवान, आप बड़ी समझदारी दिखाते
हैं। मेरा विवेक आपके अंतर्ज्ञान की सत्यता पर विश्वास दिलाता है: इसलिए मैं आपको अपनी गंभीर और वैध शपथ पर एक बात बताता हूँ। हे ज़्यूस, देवताओं में सबसे महान, मेरे साक्षी बनिए, और महान ओडीसियस की आतिथ्यपूर्ण मेज और चूल्हा, जिसके पास मैं खड़ा हूँ! जब ओडीसियस घर लौटेगा, तब आप यहीं मौजूद रहेंगे। आपकी आँखें वह भाग्य देखेंगी जो आपने इन दखलंदाज़ दावेदारों के लिए तय किया था।” गाय चराने वाले ने उत्तर दिया, “क्रोनोस का पुत्र आपका वचन पूरा करे, अजनबी, ताकि आप देख सकें कि मेरे हाथ मेरी शक्ति को कैसे संतुष्ट करते हैं।” यूमेअस ने सभी देवताओं से ओडीसियस की वापसी के लिए

प्रार्थना की: जबकि दावेदार अपनी जगह पर टेलीमाकस की हिंसक हत्या की साजिश रच रहे थे।
लेकिन आसमान की ऊंचाइयों से एक चील नीचे उतरी और उनके बाईं ओर से उड़ती हुई एक दयनीय कबूतर को अपने साथ ले गई। तभी एम्फिनोमस उठा और बोला, ‘मित्रों, टेलीमाकस की हत्या करने की हमारी योजना गलत साबित हुई। चलो, इसके बजाय दावत करते हैं।’ उन्होंने उसकी बात मान ली और ओडीसियस के महल की ओर चल पड़े। वहाँ उन्होंने अपने लबादे सीटों पर रख दिए और फिर भेड़, बकरी, सूअर और बछिया को वध करने के लिए मुड़ गए। उन्होंने उनके अंदरूनी अंगों को भूनकर सबको दिया, फिर प्यालों में शराब मिलाई। सूअर चराने वाले ने प्याले बाँटे, भव्य फिलोएटियस ने सुंदर टोकरियों से रोटी निकाली और मेलेंथियस ने शराब परोसी। सबने दावत शुरू की।
टेलीमाकस ने बड़ी चतुराई से ओडीसियस को हॉल के अंदर लाया और पत्थर के प्रवेश द्वार के पास उसके लिए एक छोटी मेज और सादा आसन लगाया। उसने उसे भोजन परोसा और सोने के प्याले में शराब परोसते हुए कहा, “तुम यहीं आराम करो और पुरुषों के बीच अपनी शराब पियो। अगर तुममें से कोई भी दुर्व्यवहार या हमला करे तो मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा। यह कोई सार्वजनिक स्थान नहीं है, बल्कि ओडीसियस का महल है जो उसने मेरे लिए जीता है: इसलिए तुम सब, हे विवाह के इच्छुक व्यक्तियों, अपने मन और हाथों पर नियंत्रण रखो, ताकि शांति भंग न हो।” टेलीमाकस के ऐसे साहसी शब्दों ने उन्हें आश्चर्य से होंठ चबाने पर मजबूर कर दिया; लेकिन एंटिनस ने उन्हें समझाया: “टेलीमाकस जो कह रहा है वह कठोर है और वह हमें स्पष्ट रूप से धमकी दे रहा है, हे अचेयनों। फिर भी इसे शांति से लो।” ज़्यूस तैयार नहीं था—वरना तो हम अब तक हॉल में उसकी चिड़चिड़ी रेलिंग काट चुके होते।’ हालाँकि, टेलीमाकस ने इस पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि दूत पहले ही देवताओं के सम्मान में बलि दिए जाने वाले जानवरों की लंबी कतार के साथ शहर में जुलूस निकाल रहे थे: और लंबे बालों वाले अचेयन धनुष के स्वामी अपोलो के छायादार उपवन में इकट्ठा हो रहे थे। वहाँ उन्होंने मांस को भूना और उसे परोसकर बाँटा। उन्होंने बड़े ही शान से दावत की, सेवकों ने ओडीसियस को उसका हिस्सा ऐसे परोसा जैसे अपना या किसी और का: क्योंकि यही उसके प्रिय पुत्र टेलीमाकस का आदेश था।
लेकिन एथेन ने ओडीसियस को उकसाने वाले दावेदारों को चैन से बैठने नहीं दिया, क्योंकि वह चाहती थी कि उनकी अवहेलना से ओडीसियस का दिल दुखे।

दावेदारों में एक खास बदमाश, सैम का टेसिपस भी था, जिसकी अपार दौलत ने उसे अनुपस्थित ओडीसियस की पत्नी को रिझाने का साहस दिया था, और अब वह उनके बीच चिल्लाया: 'मेरी बात सुनो, दावेदारों, सुनो मैं क्या सुझाव देता हूँ! अजनबी को भी दूसरों की तरह उसका हिस्सा मिल चुका है, जैसा उचित है। टेलीमाकस के किसी भी मेहमान को, चाहे वह कैसा भी हो, कम देना अन्यायपूर्ण और अशोभनीय होगा। लेकिन उसे आए काफी समय हो गया है: इसलिए अब मैं अपना अतिथि-उपहार दे रहा हूँ जिससे वह अपनी बूढ़ी पैर धोने वाली औरत को थोड़ा सा दान दे सके, या किसी अन्य महल के नौकर को टिप दे सके।' यह कहकर उसने अपने सामने रखी थाली से एक गाय का पैर उठाया और उसे ज़ोर से फेंका: लेकिन ओडीसियस ने अपना सिर हल्के से एक तरफ झुकाया और एक व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ उससे बच गया। यह ठोस दीवार से बिना किसी नुकसान के टकरा गया।
टेलेमाकस ने टेसिपस को खूब खरी-खोटी सुनाई। वह चिल्लाया, “टेसिपस, तुम्हारे मन की शांति के लिए यह बहुत अच्छा हुआ कि तुमने अजनबी को निशाना नहीं बनाया! अगर वह तुम्हारे तीर से न बचता तो मैं तुम्हें अपने भाले से पेट में छेद कर देता और तुम्हारे पिता को तुम्हारी शादी की नहीं, बल्कि तुम्हारे अंतिम संस्कार की पीड़ा देता। मैं तुम सबको अपने घर में हिंसा न करने की चेतावनी देता हूँ। मैं भी कभी बच्चा था; लेकिन अब मुझे अच्छे और बुरे का ज्ञान हो गया है। मजबूरी में हम असहाय होकर देखते रह सकते हैं जब हमारी भेड़ें काट दी जाएँ और हमारा खाना-पीना बर्बाद हो जाए, क्योंकि एक आदमी कई लोगों का सामना नहीं कर सकता। बस यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारी दुश्मनी किसी अपराध तक न पहुँचे – अन्यथा, अगर तुम मेरे खिलाफ अपनी हत्या की मंशा पर अड़े ही रहो, तो मेरी दृढ़ निश्चय सुनो; कि तुम्हारी इन दुष्टताओं को देखते रहने से बेहतर है मौत – मेरे मेहमानों का अपमान करना और मेरे नौकरों के साथ पूरे महल में बदसलूकी करना, जिससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी।”
उसके गुस्से भरे outburst ने उन्हें कुछ देर के लिए शांत कर दिया। अंत
में दामास्टोर के पुत्र एगेलॉस ने कहा, ‘मेरे मित्रों, जब स्पष्ट बात हो चुकी हो तो किसी पुरुष को क्रोध या शिकायत नहीं करनी चाहिए। अजनबी और ओडीसियस के घर के नौकरों को रहने दो। मैं टेलीमाकस को एक नरम जवाब देना चाहता हूँ – जो उसकी माँ के लिए भी है – आशा है कि इससे वे पिघल जाएँगे। जब तक आपके दिलों में ओडीसियस के लौटने की थोड़ी सी भी उम्मीद बाकी थी, तब तक

आपके द्वारा देरी करना और शादी के प्रस्ताव देने वालों को बहाने देना किसी को परेशान नहीं करता था। स्पष्ट रूप से यह उचित था, जब तक उसके जीवित रहने और लौटने की संभावना थी। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि वह चला गया है। इसलिए अपनी माँ के पास बैठो और उससे कहो कि वह सबसे अच्छे और सबसे अधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति से शादी करे। तब वह उस दूसरे का घर ले लेगी और आप आराम से अपनी पूरी विरासत का आनंद ले सकेंगे और अपने भोजन और पेय का भरपूर लाभ उठा सकेंगे।’
टेलेमाकस ने विरोध करते हुए कहा, “सचमुच, एगेलॉस, मैं ज़्यूस की कसम
खाता हूँ और अपने पिता के मरने या इथाका से दूर भटकने के दौरान सहे गए सभी कष्टों की कसम खाता हूँ कि मेरी माँ के विवाह में बाधा मुझमें नहीं है। मैं उनसे विनती करता हूँ कि वे जिसे चाहें उसे चुन लें और उससे विवाह कर लें। अगर वे मान जाएँ तो मैं उन्हें अनगिनत उपहार देने को भी तैयार हूँ। बस मैं उन्हें जबरदस्ती घर से निकालने से हिचकता हूँ। ईश्वर न करे, ऐसी नौबत आए।” टेलेमाकस के इन शब्दों पर, पल्लास एथेन ने सभी दूल्हों को इतनी ज़ोर से हँसाया कि वे बेसुध हो गए। अब वे ऐसे मुँह से हँस रहे थे जो उनके अपने नहीं थे, जबकि वे जिस मांस को खा रहे थे उससे खून रिस रहा था। उनकी आँखें आँसुओं से भर गईं और उनकी आत्माएँ पीड़ा से व्याकुल हो गईं। देवतुल्य थियोक्लीमेनस ज़ोर से विलाप करते हुए बोला, “हे अभागे मनुष्यों, यह कैसी विपत्ति तुम पर आ पड़ी है? एक रात तुम्हारे सिरों, तुम्हारे चेहरों को ढक रही है: यह तुम्हारे घुटनों तक रेंग रही है।” रोने-बिलखने की आवाज़ें बार-बार गूंजती हैं। गालों से आंसू बह रहे हैं और चिकनी दीवारों पर खून की बूँदें पड़ रही हैं। प्रेत जैसी आकृतियाँ प्रवेश द्वार पर जमा हो जाती हैं और हॉल को भर देती हैं, अंधेरे में एक लंबी कतार बनाकर नरक की ओर बढ़ती हैं। सूर्य आकाश से गायब हो गया है और चारों ओर घोर अंधकार छाया हुआ है। जब उसने अपने मन की बात कही तो सभा में ज़ोरदार हंसी गूंज उठी, और
पॉलीबस का पुत्र यूरीमाकस उठकर बोला, ‘विदेश से आया हमारा नया मेहमान अपना होश खो बैठा है। जल्दी करो, नौजवानों, उसे बाहर बाज़ार ले चलो। उसे लगता है कि यहाँ अंधेरा छाया हुआ है।’ थियोक्लीमेनस ने जवाब दिया, ‘यूरीमाकस, मुझे तुम्हारे मार्गदर्शन की कोई ज़रूरत नहीं है। मेरे पास आँखें और कान हैं, मेरे दो पैर हैं और एक मज़बूत आत्मा है। मैं इन्हीं के बल पर दहलीज पार करूँगा, क्योंकि मुझे लगता है कि बुराई – ऐसी बुराई जिससे बचा या टाला नहीं

जा सकता – तुम सभी दावेदारों पर मंडरा रही है, जिनकी क्रूर और विकृत कल्पनाएँ ओडीसियस के घर को दूषित कर रही हैं।’ वह हॉल से निकलकर पीरियस के घर में हार्दिक स्वागत पाने के लिए चला गया; वहीं दावेदारों ने एक-दूसरे को घूरने के बाद उसके मेहमानों का मज़ाक उड़ाते हुए उसे चिढ़ाना शुरू कर दिया, और द्वेषपूर्ण ढंग से दोहराते हुए कहा, ‘सचमुच, टेलीमाकस, तुमसे ज़्यादा बदकिस्मत मेज़बान कोई नहीं हो सकता।’ पहले तो तुम इस निकम्मे, अनजान, आवारा को अपने यहाँ पनाह देते हो, जिसका कोई पेशा या हुनर नहीं है, बस खाने-पीने का इतना भूखा है कि धरती पर बोझ ढोता है; और फिर तुम्हारा दूसरा मेहमान पैगंबर बनने के लिए खड़ा हो जाता है! मेरी सलाह मानो और इनसे कुछ फायदा उठाओ। चलो इन्हें सिसिली जाने वाले किसी बड़े जहाज पर लादकर बेच देते हैं। इस तरह तुम्हें अच्छी कीमत मिलेगी।’ ये बातें चाहने वालों ने कहीं; लेकिन उसने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, अपने पिता को चुपचाप घूरते हुए, अपने सताने वालों के खिलाफ हाथ उठाने के क्षण का इंतजार कर रहा था।
शालीन पेनेलोप ने अपनी राजसी कुर्सी ठीक उनके सामने रखी थी, इसलिए उसे
सब कुछ सुनाई दे रहा था। ऐसा नहीं था कि उनकी हंसी ने उनके भरपूर और स्वादिष्ट भोजन के लिए कई पीड़ितों के वध को रोका हो। वैसे भी, इससे भयानक भोज की कल्पना भी कैसे की जा सकती थी, जो देवी और वीर पुरुष - उन्हें उनके ही घिनौने उदाहरण के अनुसार फंसाकर - अब परोसने वाले थे?

पुस्तक 21

एथेन ने इसी क्षण रक्तपातपूर्ण मृत्यु का साधन शुरू करने का निर्णय लिया, और बुद्धिमान पेनेलोप को ओडिसीस के महलों में अपने प्रेमियों के लिए पराक्रम के मापदंड के रूप में धनुष और लोहे की वस्तुएँ निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। अपने साथ कई स्त्रियों को लिए रानी अपने कमरे से ऊँची सीढ़ियों से होते हुए, घुमावदार चाबी (एक उत्तम चाबी, पीतल से बनी, हाथीदांत की डंडी वाली) को मजबूती से पकड़े हुए, घर के सबसे अंदरूनी हिस्से में स्थित भंडार कक्ष तक गईं, जहाँ उनके राजा का खजाना, उनका पीतल, उनका सोना, उनका धैर्यपूर्वक गढ़ा हुआ लोहा रखा था। उनमें वह घुमावदार धनुष भी था, जिसमें अभी भी कई तीर थे, और हर तीर पीड़ादायक था।
ये उपहार ओडीसियस को वर्षों पहले लैकेडेमोन में एक साथी अतिथि द्वारा दिए गए थे, मेसेने में ऑर्टिलोचस के आतिथ्य सत्कारपूर्ण घर में, जहाँ भाग्य के एक अजीब मोड़ ने उन्हें यूरीटस के पुत्र, देवतुल्य इफिटस की संगति में ला खड़ा किया। ओडीसियस वहाँ पूरे समुदाय से संबंधित एक मामले के सिलसिले में आए थे, क्योंकि मेसेने के लोगों ने अपने जहाजों में तीन सौ इथाकन भेड़ें उनके दासों सहित उठाई थीं: और उनके पिता और अन्य बुजुर्गों ने ओडीसियस (जो अभी भी कम उम्र के थे) को उनकी ओर से यह लंबी यात्रा करने का आदेश दिया था। जहाँ तक इफिटस की बात है, वह भटके हुए घोड़ों की तलाश में थे
- दूध पिलाने वाले मजबूत खच्चर के बच्चों के साथ एक दर्जन घोड़ियाँ। बाद में, यही जानवर उनकी मृत्यु का कारण बने, क्योंकि उन्होंने उन पर उस महान कर्मठ व्यक्ति, हेराक्लेस, ज़्यूस के साहसी पुत्र को विवश कर दिया, जिसने देवताओं का अपमान किया और अपने घर में अतिथि के रूप में इफिटस की निर्मम हत्या करके अपने आतिथ्य को कलंकित किया; और अपराध के बाद हेराक्लेस ने उन मजबूत खुर वाले घोड़ों को अपने महल में अपने लिए रख लिया।
इसी खोज के दौरान, इफिटस की मुलाकात ओडीसियस से हुई और उसने उसे वह
धनुष भेंट किया जिसे महान यूरिटस ने अपने समय से पहले धारण किया था और मरते समय अपने उच्च कुल के पुत्र को सौंप दिया था। ओडीसियस ने बदले में एक तेज

तलवार और एक शक्तिशाली भाला भेंट किया - एक प्रिय मित्रता के प्रतीक, जो हालांकि आपसी सौहार्द में तब्दील नहीं हो सकी क्योंकि ज़्यूस के पुत्र ने धनुष देने वाले देवतुल्य इफिटस की शीघ्र ही हत्या कर दी; महान ओडीसियस ने उस धनुष को अपने घर में इस प्रिय अतिथि की स्थायी स्मृति के रूप में सुरक्षित रखा और उसे कभी भी अपने जहाजों में यात्रा पर नहीं ले गया। वह इसे केवल अपने क्षेत्र में यात्रा करते समय ही साथ रखता था।
सबसे सुंदर स्त्री खजाने की ओर तब तक रुकी रही जब तक वह उसके बलूत की लकड़ी के चौखट पर नहीं पहुँच गई, जिसे पुराने कारीगर ने बड़ी कुशलता से चिकना कर दिया था – उसने उसे नियम के अनुसार चौकोर बनाया था, चौखटों को सीधा किया था और अपने चमचमाते दरवाजे लगाए थे – और वहाँ पहुँचकर उसने झट से कुंडी को हुक से खोला और चाबी को इतनी दृढ़ता से अंदर धकेला कि दरवाजे खुल गए। उसकी चाबी के लगते ही शानदार दरवाजे इतनी जोर से खुले कि ऐसा लगा जैसे घास के मैदान में कोई बैल दहाड़ रहा हो; वे उसके लिए इतनी अचानक खुल गए। वह उस ऊँचे स्टैंड पर चढ़ गई जिस पर कपड़े और मसाले रखे संदूक रखे थे। उसने खूंटी तक हाथ बढ़ाया और चमकदार डिब्बे में सजे धनुष को हुक से निकाला और उसे अपनी गोद में रखकर बैठ गई; और अपने स्वामी का धनुष निकालकर कुछ देर तक फूट-फूट कर रोई। फिर जब उसका आंसुओं से भरा शोक शांत हो गया, तो वह एक हाथ में धनुष और दूसरे हाथ में दुख भरे बाणों से भरा तरकश लिए हुए, फिर से अभिमानी दूल्हों के महल की ओर चल पड़ी। उसकी दासियाँ धनुष के संदूक में राजा द्वारा वादन के समय उपयोग किए जाने वाले लोहे और कांसे के उपकरण भी लाई थीं।
एक बार फिर, दूल्हों की उपस्थिति में, रानी अपने चेहरे पर घूंघट डाले
छत के खंभे के पास खड़ी हो गईं, उनके दोनों ओर दो वफादार स्त्रियाँ थीं। उन्होंने अपने दूल्हों को पुकारा और कहा, “मेरी बात सुनो, मेरे स्वामियों और दरबारियों, जिन्होंने स्वामी की अनुपस्थिति में इस घर को सताया है, यहाँ खाते-पीते रहे हैं, और केवल बहाने और बातों के सहारे मुझसे विवाह करने और मुझे पत्नी बनाने की अपनी वासना को प्रकट किया है। अब, मेरे दूल्हों, अपनी परीक्षा स्पष्ट देखो। यहाँ मैंने देवदूत ओडीसियस का विशाल धनुष रखा है। जो कोई भी नंगे हाथों से आसानी से धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर बारह कुल्हाड़ियों को भेद देगा, मैं उसके पीछे चलूँगी, इस घर को छोड़कर,

अपने पति के घर को, एक ऐसे सुंदर और सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण घर को जिसकी याद मुझे शायद भविष्य में सपनों में भी आएगी।”
इस पर उसने सूअर चराने वाले मुखिया यूमेअस को आदेश दिया कि वह शादी के प्रस्ताव देने वालों के लिए धनुष और लोहे की धूसर कुल्हाड़ियाँ तैयार करे। लेकिन यूमेअस उन्हें लेते ही फूट-फूटकर रोने लगा, और उसकी जगह खड़ा चरवाहा भी शाही धनुष को देखकर रोने लगा। उन्होंने एंटिनस की फटकार मोल ली, जिसने कहा, “तुम मूर्ख गंवार हो, दिन भर की कल्पनाओं में डूबे हुए, दो मूर्खों, तुम आंसुओं की बाढ़ से उस स्त्री के हृदय को और कष्ट कैसे दे सकते हो जो पहले से ही अपने प्रिय पति को खोने के दुख से व्याकुल है? चुपचाप बैठो और भोजन करो या बाहर जाकर विलाप करो, लेकिन ध्यान रखना कि वह धनुष हमारे लिए छोड़ दो, जो शादी के प्रस्ताव देने वालों की अंतिम परीक्षा है। मुझे लगता है कि उस चिकने धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाना आसान नहीं होगा। इस भीड़ में मुझे याद आने वाले ओडीसियस जैसा कोई नहीं है।” 'बच्चा होते हुए भी मैंने उसे जिस तरह से देखा, वो पल आज भी मेरे मन में बसा हुआ है।' ये उसने ज़ोर से कहा: लेकिन मन ही मन उसे पूरा यकीन था कि वो तीर चलाकर बेड़ियों को भेद देगा। फिर भी उसकी नियति तो ये थी कि उसे महान ओडीसियस के हाथों तीर का पहला स्वाद चखना था, जिसे अब वो खुद अपने महल में बैठे-बैठे कोस रहा था और अपने साथियों को भी ऐसा करने के लिए उकसा रहा था।
राजकुमार टेलीमाकस ने बीच में ही टोकते हुए कहा, “हाय! मुझ पर कितना विपत्ति आया है! ज़्यूस ने मुझे पागल कर दिया है। मेरी प्यारी माँ अपनी बुद्धिमत्ता से यह घोषणा करती है कि वह इस घर को छोड़कर एक अजनबी के साथ चली जाएगी – और मैं अपने मन की मूर्खता में हँसता और आनंदित होता हूँ। आगे आओ, हे सभी दूल्हों, इस पुरस्कार को देखते हुए। अचेयन देश में इस महिला का कोई सानी नहीं है: न पवित्र पाइलोस में, न आर्गोस में, न माइसेना में: न ही हमारे इथाका में, न ही अंधकारमय मुख्य भूमि पर। तुम सब जानते हो। मैं अपनी माँ की प्रशंसा करके क्या करूँ? उठो; चलो देखते हैं क्या होता है। पीछे हटने या धनुष चलाने में देरी करने के बहाने छोड़ो। रुको, मैं खुद क्यों न कोशिश करूँ? अगर मैं तीर चलाकर लोहे को भेद सकूँ, तो मुझे अपनी माँ के किसी अजनबी के साथ घर छोड़ने का इतना अफसोस नहीं होगा, क्योंकि कम से कम मैं यहाँ रहूँगा और अपने पिता की बाहों में बैठने लायक पुरुष बनूँगा।”

इसके साथ ही उसने अपने कंधों से तेज तलवार और खून जैसे लाल रंग का
लबादा उतार दिया और सीधा खड़ा हो गया। उसने कुल्हाड़ियों को लगाना शुरू किया, उनके लिए एक लंबी खाई खोदी, उन्हें ठीक एक सीध में रखा और अपने पैर से उनके चारों ओर की मिट्टी को मजबूती से दबा दिया। हर देखने वाला यह देखकर चकित था कि उसने उन्हें कितनी सटीकता से लगाया था, जबकि उसने पहले कभी ऐसा होते नहीं देखा था। फिर वह मुख्य दहलीज पर खड़ा हो गया और धनुष चलाने की कोशिश की। तीन बार धनुष उसके प्रत्यंचा चढ़ाने के बेताब प्रयासों से कांप उठा, और तीन बार उसे अपनी मांसपेशियों को आराम देना पड़ा, फिर भी उसे उम्मीद थी कि वह तार को सही जगह पर रखकर लोहे की सलाखों के बीच तीर चला देगा। शायद वह अपनी पूरी ताकत लगाकर चौथी कोशिश में सफल हो जाता, लेकिन ओडीसियस ने उसे ऐसा करने से रोक दिया और उसके उत्साह को कम कर दिया। इस पर टेलीमाकस ने आह भरी जिसे सब सुन सकते थे, 'हाय, क्या मुझे हमेशा एक कमजोर नाकामयाब ही रहना पड़ेगा, या मैं अभी भी इतना छोटा हूँ कि हमले से अपनी सुरक्षा के लिए अपने हाथों पर भरोसा नहीं कर सकता? खैर, हिम्मत रखो।' 'झंडा चलाने की कोशिश करो और चलो इस प्रतियोगिता को खत्म करते हैं।' इतना कहकर उसने धनुष को एक तरफ रख दिया और उसे फर्श और दरवाजे के फ्रेम के बीच टिका दिया; साथ ही उसने धनुष के नुकीले डंडे को कुंडी के आकर्षक खांचे पर टिका दिया।
जैसे ही यूपेइथेस के पुत्र एंटिनस ने सिंहासन संभाला, उसने पुकार कर
कहा, “साथियों, बारी-बारी से बाएं से दाएं उठो, जैसे हमारी शराब घूमती है।” उसका यह विचार उन्हें अच्छा लगा और इसलिए ओएनोपस का पुत्र लियोडेस सबसे पहले उठा। उनके शगुनकर्ता के रूप में, उसे शानदार मिश्रण पात्र के बगल में अंतिम स्थान मिला: लेकिन उनकी हिंसा ने उसे इतना विचलित कर दिया कि वह अकेले ही उन दावेदारों से घृणा करता रहा। फिर भी अब उसने दहलीज के पास रखे धनुष और उसके तीखे तीर को उठाकर शुरुआत की, जहाँ उसने धनुष की कठोरता को महसूस किया लेकिन उसे प्रत्यंचा नहीं चढ़ा सका। इससे पहले कि वह झुकता, उसके हाथ जवाब दे गए; उसके कोमल, अनुभवहीन हाथ। इसलिए उसने दावेदारों से कहा, “मैं इसे नहीं झुका सकता, मित्रों: कोई और कोशिश करे। वास्तव में यह धनुष कई राजकुमारों को तन-मन से तोड़ देगा: फिर भी उस आदर्श की विफलता में जीने से बेहतर है कि हम मर जाएं, जो हमें यहाँ दिन-प्रतिदिन तड़पाता रहता है!” निःसंदेह कोई न कोई अपने पूरे दिल से ओडीसियस की प्रेमिका पेनेलोप से

विवाह करने की इच्छा रखता होगा। ऐसा व्यक्ति इस धनुष को आजमाए और इससे सीख ले; और फिर अपनी प्रतिभा का उपयोग किसी अन्य सुशोभित अचेयन स्त्री को जीतने के लिए करे, जबकि यह स्त्री अपने भाग्य में लिखे सबसे अच्छे बोली लगाने वाले से विवाह कर ले।’ उसने धनुष को नीचे रख दिया और चिकने दरवाजों से टिक गया, तीर दरवाजे के हैंडल पर टिका दिया, फिर सीधे वापस उसी सीट पर बैठ गया जहाँ से वह उठा था; लेकिन एंटिनस ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए कहा: ‘लियोडेस, तुम्हारे मुंह से यह निराशाजनक फैसला सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा है। क्या सिर्फ इसलिए कि तुम इसे झुकाने में नाकाम रहे, इस धनुष की कीमत हमारे सबसे बहादुरों को अपनी जान या आत्मा से चुकानी पड़ेगी? सच तो यह है कि जब तुम्हारी माँ ने तुम्हें गर्भ धारण किया था, तब वह तुम्हें एक कुशल धनुर्धर नहीं बनाना चाहती थीं: फिर भी प्रतिष्ठित दूल्हों में से कुछ ऐसे हैं जो जल्द ही धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ा लेंगे।’ उसने बकरियों के चरवाहे मेलेंथियस की ओर मुड़कर कहा, ‘मेलेंथियस, जल्दी करो और महल की आग तेज करो। उसके सामने भेड़ की खाल से ढका एक चौड़ा तश्तरा रखो और अंदर से चर्बी का वह बड़ा गोला ले आओ। फिर जब वह अच्छी तरह से गर्म हो जाए और उस पर घी लग जाए, तो हम नौजवान इस धनुष को परख कर अपनी परीक्षा पूरी कर सकते हैं।’ उसके कहने पर मेलेंथियस ने कभी न बुझने वाली आग को तेज किया और घर के अंदर से भेड़ की खाल से ढका तश्तरा और चर्बी का बड़ा गोला उसके पास ले आया। नौजवानों ने धनुष को गर्म किया और उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने की पूरी कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। उन्होंने खुद को इतना मजबूत साबित नहीं किया; लेकिन एंटिनस और यूरिमाकस ने खुद को इससे दूर रखा - और वे प्रमुख दावेदार थे, सामान्य योग्यता में सर्वश्रेष्ठ थे।
इसी दौरान, राजा ओडीसियस के चरवाहे और सुअर चराने वाले एक साथ महल से बाहर निकल गए। ओडीसियस स्वयं उनके पीछे-पीछे आंगन और उसके द्वार से बाहर गए, जहाँ उन्होंने गला साफ किया और बड़ी सहजता से उनसे कहा, “हे पशु चराने वाले और तुम, सुअर चराने वाले, क्या मुझे तुम्हें कुछ बताना चाहिए या अपने तक ही रखना चाहिए? मेरा मन तो यही कह रहा है। यदि ओडीसियस किसी तरह अचानक प्रकट हो जाएँ – मान लो कि कोई देवता उन्हें लेकर आएँ – तो तुम किस हद तक मदद करोगे? क्या तुम शादी के प्रस्ताव देने वालों का साथ दोगे या ओडीसियस का? मुझे अपने मन और आत्मा की बात बताओ।”

तब उसके मवेशियों का रखवाला फूट पड़ा: ‘हे पिता ज़्यूस, बस यही आशा पूरी कर दीजिए और वह आत्मा के मार्गदर्शन में लौट आए। तब आप देखेंगे कि कैसे मेरे हाथ मेरी शक्ति की सेवा करेंगे,’ और यूमेअस ने भी सभी देवताओं से चतुर ओडीसियस की घर वापसी के लिए प्रार्थना की। उनके दिलों में विश्वास पाकर उसने तुरंत उत्तर दिया, ‘मैं बीस वर्षों की कठिनाइयों के बाद अपने असली रूप में, अपने घर लौट आया हूँ: यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरे सभी सेवकों में से केवल आप दोनों ही मेरे लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बाकी किसी ने भी मेरे लौटने की प्रार्थना नहीं की। इसलिए मैं आपको बताता हूँ कि अभिमानी दावेदारों पर ईश्वर की विजय के बाद क्या होगा। मैं आप दोनों के लिए एक-एक पत्नी और संपत्ति का उपहार और मेरे बगल में बने घर ढूँढूँगा: और आप भविष्य में मेरे साथ टेलीमाकस के साथी और रक्त-भाई कहलाएँगे। अब मैं आपको एक निश्चित और पक्का संकेत दिखाता हूँ, जिससे आप दिल से मुझ पर विश्वास करेंगे।’ देखो मेरा वो निशान, जो मुझे बहुत समय पहले सूअर के सफेद दांत से लगा था, जब मैं ऑटोलिकस के बेटों के साथ परनासस की यात्रा कर रहा था। बोलते-बोलते उसने अपने चिथड़े खोलकर अपना बड़ा निशान दिखाया: और जब उन दोनों ने उसे ध्यान से देखा और निश्चित हो गए, तो वे रोने लगे और ओडीसियस को गले लगा लिया, उसके सिर और कंधों पर बड़े प्यार से चुंबन किए। ओडीसियस ने भी उनके सिर और हाथों पर चुंबन किए, जिससे ऐसा लगा मानो उनकी भावनाओं का सैलाब थम गया हो, लेकिन तभी ओडीसियस ने खुद को संभालते हुए कहा: 'अब यह शोक और रोना बंद करो, कहीं घर से कोई हमें देख न ले और अंदर जाकर बता न दे। इसके बजाय, तुम दोनों वापस जाओ, एक साथ नहीं बल्कि एक-एक करके, पहले मैं और फिर तुम, हमारे बीच एक तय प्रक्रिया के साथ।' समझ लो कि वे सभी सामंत मुझे धनुष और तरकश उधार देने से इनकार कर देंगे: इसलिए, यूमेअस, जब तुम इसे हॉल में इधर-उधर ले जाओ, तो इसे मेरे हाथों में सौंप देना और फिर जाकर स्त्रियों से कहना कि वे अपने कमरों के मजबूत दरवाजे बंद कर लें, और यदि उन्हें हमारी ओर से पुरुषों के कराहने या झगड़े की आवाज सुनाई दे, तो वे बाहर न भागें, बल्कि अपने कमरे में डटी रहें। जबकि, हे महान फिलोएटियस, मैं तुम्हें आदेश देता हूँ कि तुम दरबार के द्वार बंद कर दो और उन्हें जितनी जल्दी हो सके कसकर बांध दो।’ इतना कहकर वह वापस आलीशान घर में चला गया, और अपनी जगह पर बैठ गया। तभी दो दास अंदर आए।

यूरिमाकस के हाथों में अब भी धनुष था और वह उसे धधकती आग के सामने हर
तरफ घुमाकर गर्म कर रहा था; फिर भी वह धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने में पूरी तरह असफल रहा। अपने अहंकार में डूबा हुआ वह गहरा विलाप करते हुए दुखी होकर बोला, “हाय, मुझे अपने लिए और सेनापति के लिए बहुत दुख हो रहा है! इस विवाह का टूटना बहुत कड़वा है, पर यही सबसे बुरी बात नहीं है। समुद्र से घिरे इथाका में और भी बहुत सी अचेयन स्त्रियाँ हैं, और अन्य शहरों में भी। मुझे सबसे ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हम शक्ति में देवतुल्य ओडीसियस से इतने कमज़ोर हैं कि उसके धनुष को भी नहीं झुका सकते। यह कहानी आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें कलंकित करेगी।”
यूपेइथेस के पुत्र एंटिनस ने विरोध किया: “नहीं, यूरिमाकस, और तुम
जानते हो क्यों। आज का दिन धनुर्धर देवता और उनके सार्वजनिक भोज के लिए पवित्र है। इस दिन कौन धनुष चलाएगा? इसे नीचे रख दो और यहीं छोड़ दो, और कुल्हाड़ियों को भी। हम इन्हें खड़े रहने दे सकते हैं। मुझे लगता है कि कोई भी लेर्टेस के पुत्र ओडीसियस के विशाल महल में इन्हें उठाने का साहस नहीं करेगा। चलो, सेवक से हमारे प्याले एक बार फिर भरवाओ ताकि हम घेरे में रखे धनुष के सामने जल चढ़ा सकें। कल सुबह हम बकरी पालक मेलेंथियस से उसके पूरे झुंड की सबसे अच्छी बकरियाँ मंगवाएँगे, ताकि हम धनुष की परीक्षा और इस प्रतियोगिता के अंत से पहले शक्तिशाली धनुर्धर अपोलो को जांघ के टुकड़े भेंट कर सकें।” एंटिनस ने ऐसा कहा और उसकी सलाह सबको पसंद आई। दूतों ने अपने हाथों पर पानी डाला और उनके सहायकों ने चारों ओर प्यालों में शराब भर दी; सभी ने भेंट चढ़ाई और बाद में जी भर कर पी ली।
लेकिन फिर चतुराई और चतुराई से ओडीसियस ने कहा,
‘प्रसिद्ध रानी के चाहनेवालों, मेरी बात सुनो, मैं अपने दिल की बात कह
रही हूँ, और विशेष रूप से यूरिमाकस और देवतुल्य एंटिनस से विनती कर रही हूँ कि वे अभी मुझे सलाह दें कि धनुष को देवताओं के हवाले कर दूँ। सुबह भगवान जिसे चाहेंगे उसे अधिकार देंगे। लेकिन अभी के लिए मुझे यह चमकीला धनुष दे दो ताकि मैं तुम्हारे सामने अपने हाथों और शक्ति का परीक्षण कर सकूँ, यह देखने के लिए कि क्या मुझमें अभी भी वह सद्गुण शेष है जो कभी मेरे कोमल अंगों में था, या क्या भटकते जीवन की कठिनाइयों ने उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया है।’

उसके शब्दों ने उन सभी को क्रोधित कर दिया और तुरंत, इस डर से कि कहीं
वह चमका हुआ धनुष न उठा ले, एंटिनस ने उसे जोर से फटकारा, “अजनबी, क्या तुम बिल्कुल अक्लमंद हो? क्या हमारे उच्च समाज में यह भोजन तुम्हारे लिए काफी नहीं है? हमने तुम्हें बिना किसी बाधा के पूरा भोजन करने दिया और हमारी बहस और बातचीत सुनने दी, जिसे कोई और भिखारी अजनबी नहीं सुन पाता। यह शराब है जो तुम्हारे साथ शरारत कर रही है, वह मीठी शराब जो गहरे और लालची गले से पीने वाले सभी को बर्बाद कर देती है। यही प्रसिद्ध सेंटॉर यूरिटियन का पतन था, बहादुर पीरिथस के घर में, लैपिथाई की यात्रा के दौरान। शराब ने उसकी सुध-बुध छीन ली और उसे पागल कर दिया जिससे उसने पीरिथस के घर में भयानक काम किए। वीर क्रोध से पागल हो गए और अपने क्रूर हथियारों से उसके कान और नाक काटकर उसे दरवाजे से बाहर फेंक दिया; और वह चकनाचूर बुद्धि के साथ चला गया, अपनी मूर्खता के बोझ से दबा हुआ।” इस प्रकार सेंटॉर और मानवजाति के बीच दुश्मनी शुरू हुई, जिसकी शुरुआत शराब के अत्यधिक सेवन से हुई थी। इसलिए मैं आपको उस धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने के भयानक परिणामों के बारे में चेतावनी देता हूँ। इस देश में आपको किसी से भी दया नहीं मिलेगी, बल्कि हम आपको तुरंत एक अंधेरे जहाज में राजा एचेटस के पास भेज देंगे, जो मानव जाति का संहारक है; और एक बार उसके पास पहुँचने पर आपका अंत निश्चित है। इसलिए शांति से शराब पीजिए और युवा पीढ़ी को चुनौती देने से बचिए।
शालीन पेनेलोप ने उससे शिकायत की, ‘एंटिनस, इस घर में टेलीमाकस के किसी भी मेहमान को धमकाना न तो उचित है और न ही शालीन। क्या तुम सचमुच यह कल्पना करते हो कि वह अजनबी मुझे अपने घर ले जाएगा और मेरे साथ सोएगा, अगर वह अपनी वीरता और चतुराई से ओडीसियस के बड़े धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ा दे? वह अपने मन ही मन में इसकी कोई आशा नहीं रखता। तुममें से किसी भी भोज में शामिल व्यक्ति के मन में ऐसा घिनौना विचार न आए। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए!’ पॉलीबस के पुत्र यूरिमाकस ने उसे उत्तर दिया, ‘बुद्धिमान पेनेलोप, हम उसके द्वारा तुम्हें ले जाने की कल्पना भी नहीं करते। यह अकल्पनीय है: हम केवल इस बात से डरते हैं कि कोई नीच अचेयन – पुरुष या स्त्री – बाद में क्या कहेगा; जैसे कि “बेचारे, नायक की विधवा के ये दरबारी, उसके चमकीले धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने के उनके प्रयासों और असफलताओं के साथ, जब तक कि एक भिखारी भटकता हुआ नहीं आया और उसने आसानी से प्रत्यंचा चढ़ा दी और लोहे को भेद दिया।” वे इस तरह से गपशप करेंगे, जिससे हमें शर्म आएगी।'

पेनेलोप ने जवाब दिया, “यूरीमाकस, जो लोग किसी रईस के घर को लूटते और बदनाम करते हैं, उन्हें वैसे भी सार्वजनिक सम्मान नहीं मिलता: तो फिर इस छोटी सी बात पर इतना ध्यान क्यों दे रहे हो? हमारे मेहमान, यह लंबा-चौड़ा और आकर्षक व्यक्ति, दावा करते हैं कि उनके पिता एक संभ्रांत व्यक्ति थे। इसलिए उठो और उन्हें चमकीला धनुष दो, ताकि हम देख सकें। मैं तुम्हें बताती हूँ, मैं एक पक्का प्रस्ताव देती हूँ। अगर वह (अपोलो के आदेश से) इसे झुकाते हैं, तो मैं उन्हें एक सुंदर चोगा और लबादा पहनाऊँगी, और कुत्तों और मनुष्यों से बचाव के लिए एक तेज भाला और दोधारी तलवार दूँगी; साथ ही उनके पैरों के लिए जूते और जहाँ भी उनका मन करे, वहाँ जाने की सुविधा भी दूँगी।” टेलीमाकस ने उसे उत्तर दिया: “मेरी माँ, धनुष के अधिकार में मुझसे अधिक अधिकार किसी अचेयन के पास नहीं है; इसे देना या न देना मेरी इच्छा पर निर्भर है। यदि मैं चाहूँ तो इस पथरीले इथाका का कोई भी सरदार, या किसी अन्य द्वीप का, यहाँ तक कि एलीस के अस्तबल का सरदार भी, मुझे ये हथियार सीधे उस अजनबी को देने से नहीं रोक सकता, ताकि वह उन्हें ले जा सके। तो जाओ, अपने कमरों और अपने कर्तव्यों को पूरा करो, बुनाई और कताई करो और अपनी दासियों के काम को व्यवस्थित करो। धनुष पुरुषों का काम है और विशेष रूप से मेरा, क्योंकि मैं यहाँ का स्वामी हूँ।” वह अपने बेटे के इस भावपूर्ण वाक्य को हृदय में लिए हुए स्तब्ध होकर घर में चली गई, और अपनी सेविकाओं के साथ ऊपर जाकर अपने प्यारे पति ओडीसियस के लिए तब तक विलाप करती रही, जब तक कि एथेन ने उसकी आँखों पर नींद का मरहम नहीं लगा दिया।
उस योग्य चरवाहे ने धनुष उठाया; लेकिन तभी हॉल में मौजूद सभी
दावेदारों की भीड़ उस पर चिल्ला उठी, अपने युवा अभिमान में लड़खड़ाते हुए बोली, ‘अरे मूर्ख सूअर पालक, तुम यह घुमावदार धनुष कहाँ ले जाओगे? अगर अपोलो और अन्य अमर देवता हमारी विनती सुन लें, तो जल्द ही तुम्हारे पाले हुए तेज़ शिकारी कुत्ते तुम्हें तुम्हारे सूअरों के बीच ज़िंदा खा जाएँगे, मनुष्य की मदद से दूर।’ उनकी धमकियों से वह इतना डर गया कि उसने अपना बोझ वहीं गिरा दिया, हॉल में उनकी अनेक आवाज़ों के शोर से वह पूरी तरह से स्तब्ध रह गया था। तभी टेलीमाकस ने दूसरी तरफ से ज़ोर से चिल्लाते हुए उसे धमकाया, ‘धनुष चलाना जारी रखो, बूढ़े; अगर तुमने मेरी बात मानी, तो तुम्हें तुरंत पछतावा होगा, जब मैं अपनी जवानी और अधिक शक्ति का लाभ उठाकर पत्थरों की बौछार से तुम्हें खुले मैदान में भगा दूँगा। अगर दावेदारों पर

मेरा भी इतना ही अधिकार होता, तो मैं किसी और को भी उसके बुरे इरादों के लिए घर से बुरी तरह भगा देता।’
उसके अचानक गुस्से से वे सब इतनी खुशी से हँसे कि टेलीमाकस के प्रति
उनका क्रोध शांत हो गया: और सूअर चराने वाला धनुष लेकर हॉल से होते हुए ओडीसियस के पास पहुँचा और उसे उसके हाथों में थमा दिया। फिर उसने नर्स यूरिक्लेया को एक तरफ बुलाया और उससे कहा: ‘टेलीमाकस तुम्हें आदेश देता है, हे बुद्धिमान यूरिक्लेया, कि तुम अपने कमरे के मजबूत दरवाजे कसकर बंद कर लो; और अगर अंदर की किसी भी औरत को हमारे हिस्से से पुरुषों के कराहने की आवाज सुनाई दे, तो ध्यान रखना कि वह बाहर न निकले बल्कि चुपचाप अपना काम करती रहे।’ ये शब्द सुनकर उसकी वाणी लड़खड़ा गई और रुक गई। उसने उस आलीशान कमरे के दरवाजे बंद कर दिए, जबकि फिलोएटियस चुपके से बाहर निकलकर आंगन के द्वार बंद करने चला गया। वहाँ एक व्यापारी का घास का पट्टा पड़ा हुआ था। वह अंदर जाकर अपनी कुर्सी पर बैठने से पहले उसे कसकर बाँध लेता था। ओडीसियस को देखते हुए, जो अब भी धनुष को महसूस कर रहा था, उसे बार-बार घुमा रहा था और अच्छी तरह से जांच रहा था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्वामी की अनुपस्थिति में उसके सिरे पर कीड़े न लग गए हों। लोग अपने पड़ोसियों की ओर मुड़े और बुदबुदाए, 'यह आदमी धनुष का शौकीन या विशेषज्ञ है, क्या? शायद उसके पास घर पर ऐसा कुछ रखा हो; या क्या यह बदहाल भिखारी खुद धनुष बनाने की योजना बना रहा है, जिस तरह से वह इसे बार-बार अपने हाथों में घुमा रहा है?' - जिस पर अगला युवा उपहास उड़ाते हुए कह सकता है, 'उसकी किस्मत भी धनुष की डोरी बनाने के उसके प्रयास की तरह ही खराब हो जाए।'
इस प्रकार दावेदारों का अभिनंदन हुआ: परन्तु शिल्प कौशल के उस्ताद ओडीसियस ने तब तक विशाल धनुष को अच्छी तरह से देख-परख लिया था। उसने बड़ी सहजता से उसे फैलाया, मानो कोई कुशल संगीतकार बिल्ली की आंत के एक टुकड़े के दोनों सिरों को कसकर अपनी वीणा के नए खूंटे पर कस रहा हो। धनुष को अपने दाहिने हाथ में लेकर उसने तार को परखा, जो उसके स्पर्श से अबाबील की चीख की तरह तीखा बज रहा था। दावेदार व्याकुल हो गए और उनका रंग बदल गया। ज़्यूस ने ज़ोरदार गर्जना के साथ अपना प्रकटीकरण किया; और धीरज रखने वाले राजा ओडीसियस ने प्रसन्नता व्यक्त की कि धूर्त क्रोनोस के पुत्र ने उसे एक संकेत दिया है। उसने मेज पर पड़े तीखे तीर को उठा लिया – बाकी सभी तीर, जिन्हें अचेयन लोग जल्द ही महसूस करने वाले थे, अभी भी उनके तरकश में थे –

और उसे धनुष की पकड़ पर मजबूती से लगा दिया। उसने उसे तार से जोड़ा और खींचा; और अपनी चौकी पर बैठे-बैठे ही उसने तीर को इतने सटीक निशाने पर चलाया कि एक भी कुल्हाड़ी को नहीं भेद पाया। पीतल की नोक वाला तीर आगे वाले हैंडल से लेकर आखिरी कुल्हाड़ी के छेद तक, सभी कुल्हाड़ियों को साफ-साफ भेदता चला गया।
फिर उसने टेलीमाकस से कहा, ‘टेलीमाकस, तुम्हारे महल में बैठा यह अतिथि तुम्हारा अपमान नहीं कर रहा है। मेरा निशाना सटीक लगा और धनुष खींचना मेरे लिए कोई मुश्किल काम नहीं था। देखो, मेरी शक्ति अभी भी पूरी तरह से बरकरार है, जिससे मैं उन सभी लोगों के झूठे आरोपों को गलत साबित कर सकता हूँ। इसी वक्त, जब तक दिन का उजाला है, अचेयनों के लिए भोज का आयोजन किया जाना है: और उसके बाद हमें उनके लिए एक अलग तरह का मनोरंजन करना है, जिसमें नाच-गाना और संगीत होगा जो किसी भी दावत की शोभा बढ़ा देता है।’ उसने उसे चेतावनी देते हुए भौंहें चढ़ाईं: और उसके प्रिय पुत्र टेलीमाकस ने अपनी तेज तलवार को अपने साथ बाँध लिया और अपने भाले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, फिर वह चमकते मुकुट के साथ उठकर सिंहासन के पास ओडीसियस के बगल में खड़ा हो गया।

पुस्तक 22

इसके साथ ही चतुर ओडीसियस ने अपने फटे-पुराने कपड़े उतार दिए, तरकश से भरे धनुष को पकड़ा और एक छलांग लगाकर दरवाजे की चौखट पर पहुँच गया। वहाँ उसने अपने पैरों के पास तेज़ बाण बिखेर दिए और फिर ऊँची आवाज़ में सभी दावेदारों को पुकारा, “आखिरकार, आखिरकार इस भयानक संघर्ष का अंत! अपोलो की कृपा से, यदि मेरा भाग्य साथ दे, तो मेरे सामने एक ऐसा अछूता लक्ष्य है जिस पर आज तक कोई तीर नहीं चला है।” उसने एंटिनस पर वह तीखा बाण चलाया, जिसके दोनों हाथ शानदार सोने के शराब के प्याले को उसके होठों तक उठा रहे थे, और उसके मन में मृत्यु का कोई भय नहीं था – भला इतने भरे भोज में भला कौन यह कल्पना कर सकता है कि कोई अकेला आदमी इतना साहसी होगा कि उसकी हिंसक मृत्यु और रक्तपात का कारण बने? फिर भी ओडीसियस ने तीर चलाया और बाण सीधे उसके गले में जा लगा। बाण उसकी सुंदर गर्दन को चीरता हुआ निकल गया। वह एक तरफ लुढ़क गया, जिससे प्याला उसके हाथ से छूटकर गिर गया और उसने पैर के एक झटके से मेज को पीछे धकेल दिया, जिससे उसका खाना, रोटी और पका हुआ मांस सब ज़मीन पर बिखर गया। उसकी नाक से गाढ़ा खून बह निकला।
जब ओडीसियस गिर पड़ा, तो घर में मौजूद सभी प्रेमियों ने चीख-पुकार मचा दी। वे भय से अपने सिंहासनों से उछल पड़े और चिकनी दीवारों के चारों ओर टकटकी लगाकर देखने लगे, लेकिन उन्हें कहीं भी कोई ढाल या भाला नहीं मिला जिसे वे पकड़ सकें। उन्होंने ओडीसियस पर गालियों की बौछार कर दी – ‘अजनबी, लोगों पर तुम्हारा यह दुष्टतापूर्ण तीरंदाजी करना, तुम्हारी शक्ति की आखिरी परीक्षा है। यह तुम्हारे विनाश का कारण है। तुम गिद्धों के लिए मुर्दा भोजन बनकर जाओगे, क्योंकि तुमने इथाका के सभी युवकों के मुकुट को मार डाला है।’ वे इतना शोर मचा रहे थे क्योंकि उन्हें यकीन था कि उसकी हत्या जानबूझकर नहीं की गई थी, उनका मोह उन्हें मृत्यु के उस कष्ट से छिपा रहा था जो हर किसी को जकड़ रहा था: लेकिन ओडीसियस ने उन्हें घूरते हुए कहा, ‘कुत्तों, तुम इस बात पर अड़े रहे कि मैं ट्रोएड से कभी वापस नहीं आऊंगा, और इसी दृढ़ विश्वास में तुमने मेरे घर को लूटा, मेरी दासियों का बलात्कार

किया और मेरी पत्नी को रिझाने की कोशिश की, जब मैं अभी जीवित था।’ तुमने स्वर्ग के देवताओं का अपमान किया है और परिणामस्वरूप मनुष्यों का क्रोध झेला है; इसलिए अब तुम सब मृत्यु के चंगुल में फँसे हुए हो।
उसके शब्दों ने एक-एक व्यक्ति के चेहरे पर भय का पीलापन ला दिया, और हर कोई इस विपत्ति से बचने के लिए इधर-उधर देखने लगा। केवल यूरिमाकस ही बोल पाया और उसने कहा, 'यदि आप वास्तव में इथाका के ओडीसियस हैं जो हमारे पास लौट आए हैं, तो आपके पास अपने महल और जागीरों में अचेयनों द्वारा किए गए अनेक अपराधों के विरुद्ध विरोध करने का ठोस आधार है। लेकिन आपके सभी कष्टों का जनक एंटिनस है, जिसके कार्यों का वास्तविक कारण विवाह की कोई बड़ी आवश्यकता नहीं थी, बल्कि एक बिल्कुल अलग मकसद, महत्वाकांक्षा थी, जिसके कारण उसने समृद्ध इथाका पर अपना राजा बनने के लिए आपके पुत्र को घात लगाकर मार डाला। क्रोनोस ने उसे रोका, और अब उसे वह मृत्यु मिली है जिसका वह पात्र था: इसलिए आपको अपने लोगों के प्रति सहनशीलता दिखानी चाहिए, और हमें आपके अतिथि कक्षों में खाए-पिए गए सभी पापों की सार्वजनिक रूप से भरपाई करने का अवसर देना चाहिए, हममें से प्रत्येक बीस बैल तक का योगदान देकर आपको कांस्य और सोने से क्षतिपूर्ति करेगा जब तक कि आपका हृदय हमारे प्रति नरम न हो जाए।' इस बीच कोई भी आपके क्रोध पर अंकुश नहीं लगा सकता। ओडीसियस ने पलटवार करते हुए कहा, "यूरिमाकस, चाहे तुम अपनी सारी
विरासत, अपनी सारी संपत्ति और भविष्य में कमाने लायक सब कुछ मुझे दे दो, मैं तब तक हत्याएं करना बंद नहीं करूंगा जब तक कि दावेदारों को उनकी धृष्टता का अंतिम फल न मिल जाए। अब तुम्हारे सामने अंतिम मृत्यु से बचने के लिए केवल भागना या लड़ना ही एकमात्र रास्ता है: और मुझे लगता है कि तुममें से कुछ लोग विनाश के अथाह गड्ढे से बच नहीं पाएंगे।"
उसके भय से उनके हृदय और घुटने कांप उठे; परन्तु यूरिमाकस के पास उनके लिए अभी भी कुछ कहने को था। ‘हे मेरे मित्रों,’ उसने कहा, ‘यह व्यक्ति अपने निर्दयी हाथों को नहीं रोकेगा। वह अपने उस उत्तम धनुष और तरकश से हमें इस चमकीली दहलीज से ही तब तक तीरों से गिरा देगा जब तक हम सब मारे न पड़ें। इसलिए आओ, युद्ध का जोश जगाएँ। अपनी तलवारें निकालो, और मेजों को उसके घातक तीरों के विरुद्ध ढाल बनाओ। आओ, उस पर एक ही प्रहार में टूट पड़ें, शायद उसे उसके द्वार से खदेड़ दें: इस तरह हम शहर पहुँच सकते हैं और तुरंत अलार्म बजा सकते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह व्यक्ति फिर कभी धनुष

न झुका पाए।’ यह कहते ही उसने अपनी तेज, दोधारी कांस्य तलवार निकाली और एक भयानक चीख के साथ आगे बढ़ा: परन्तु तुरंत ही ओडीसियस ने उस पर एक उड़ता हुआ तीर चलाया जो उसकी छाती के निप्पल पर लगा और उसके जिगर में गहरा धंस गया। तलवार उसके हाथ से गिर पड़ी और वह अपनी मेज पर झुककर तड़पने लगा, जिससे भोजन और प्रेम का प्याला फर्श पर गिर पड़ा। उसके दिल की पीड़ा ने उसे अपना माथा जमीन पर पटकने और अपने दोनों पैरों को तब तक पटकने पर मजबूर कर दिया जब तक कि सिंहासन हिलने न लगा: फिर उसकी आंखों में धुंधलापन छा गया।
हाथ में धारदार तलवार लिए एम्फिनोमस, शानदार ओडीसियस को दरवाज़े से हटाने के लिए दौड़ पड़ा; लेकिन टेलीमाकस उससे कहीं तेज़ था, उसने ओडीसियस को कंधों के पीछे से इतनी सटीक पकड़ ली कि भाले की नोक उसकी छाती में जा धंस गई। वह ज़मीन पर मुंह के बल गिर पड़ा, जबकि टेलीमाकस ने अपना हथियार छोड़कर डर के मारे छलांग लगा दी कि कहीं कोई अचेयन उसे भाले को खींचते समय या उसे लेने के लिए झुकते समय चाकू न मार दे। इसलिए वह जल्दी से अपने पिता के पास भागा और उनके पास रुककर उत्तेजित होकर बोला, 'पिताजी, अब मुझे आपके लिए एक ढाल, दो भाले और गालों पर कवच वाली एक कांसे की टोपी लाने दीजिए। साथ ही मैं खुद को भी तैयार कर लूँगा और सूअर चराने वाले और ग्वाले के लिए भी इंतज़ाम कर लूँगा। बेहतर होगा कि हम ठीक से हथियारबंद हों'; और समझदार ओडीसियस ने जवाब दिया, 'तो भागो उनके पास, जब तक मेरे पास तीर हैं; वरना वे मुझे दरवाज़े से ज़बरदस्ती हटा देंगे।'
अपने प्रिय पिता की आज्ञा का पालन करते हुए टेलीमाकस दौड़कर उस कक्ष
में पहुँचा जहाँ प्रसिद्ध शस्त्र रखे थे। उसने चार ढालें, आठ भाले और भारी घोड़े के बालों से बने मुकुट वाले चार कांसे के हेलमेट उठाए और दौड़ते हुए अपने पिता के पास लौट आया। वहाँ उसने सबसे पहले स्वयं कांसे के शस्त्र धारण किए; फिर दोनों मुक्त दासों ने भी वैसे ही भव्य कवच पहने; और वे सभी सतर्क और चतुर ओडीसियस के सामने पंक्तिबद्ध हो गए, जो अपने बचाव में तीर चलाते हुए हर बार एक शत्रु को ढेर कर देता था; लेकिन जब शाही धनुर्धर के पास तीर खत्म हो गए, तो उसने विशाल हॉल के प्रवेश द्वार के सामने धनुष को एक तरफ रख दिया, और अपने कंधों पर चार परतों वाली ढाल डाल ली और अपने विशाल सिर पर कसकर फिट होने वाला हेलमेट पहना लिया, जो घोड़े के बालों से बने विशाल मुकुट की भव्यता के नीचे गंभीर दिख रहा था। उसने दो बहादुर कांसे के नुकीले भाले उठा लिए।

संयोगवश, मुख्य दीवार में तख्तों से बने शटर वाला एक छोटा सा दरवाज़ा बनाया गया था, जो ऊपरी चबूतरे के आगे एक संकरे रास्ते में खुलता था। ओडीसियस ने अपने भरोसेमंद चरवाहे को वहाँ पहरा देने का आदेश दिया था, क्योंकि वहाँ तक पहुँचने के लिए केवल एक ही व्यक्ति की आवश्यकता थी। तभी एगेलॉस ने सामान्य रूप से सुझाव देते हुए कहा, 'साथियों, क्या कोई उस दरवाज़े से चढ़कर बाहर की दुनिया को चेतावनी नहीं दे सकता, ताकि तुरंत अलार्म बजाया जा सके? ताकि यह आदमी अपनी आखिरी गोली चला सके।' लेकिन चरवाहे मेलेंथियस ने उत्तर दिया, 'यह ठीक नहीं है, हे उच्च कुल के एगेलॉस। प्रांगण के मुख्य द्वार खतरनाक रूप से पास हैं और गली बहुत संकरी है। एक साहसी व्यक्ति सभी का सामना कर सकता है। फिर भी मुझे लगता है कि मैं भीतरी कक्ष से आपके लिए कवच ला सकता हूँ: क्योंकि निश्चित रूप से वहीं, और कहीं नहीं, ओडीसियस और उसके उच्च कुल के पुत्र ने अपने हथियार छिपाए थे।'
इसके बाद चरवाहा मेलेंथियस हॉल के धुएं के छिद्रों से होकर पीछे के कमरों में गया, जहाँ से उसने बारह ढालें लीं जिन पर भाले और उनसे मेल खाते हुए पीतल के मुकुट लगे थे, और जल्दी ही वापस आकर सभी दावेदारों को बाहर निकाल दिया। जब ओडीसियस ने अपने दुश्मनों को कवच पहने और भाले लहराते देखा तो उसका दिल और घुटने कांपने लगे, यह महसूस करते हुए कि उसका काम कितना कठिन हो गया है। उसने तेज स्वर में टेलीमाकस को पुकारा, 'मेरे टेलीमाकस, जाहिर है कि अंदर बैठी उन महिलाओं में से कोई हमारे खिलाफ साजिश रच रही है
- या क्या यह मेलेंथियस है?' और टेलीमाकस ने अपने ज्ञान के आधार पर उत्तर दिया, 'हे मेरे पिता, इसका असली दोष मुझ पर है और पूरी तरह से मुझ पर। मेरे दोषपूर्ण हाथ ने भंडार कक्ष का मजबूत दरवाजा खुला छोड़ दिया, और उन्होंने मेरी जासूसी बहुत अच्छी तरह से कर ली है। अब, अच्छे यूमेअस, जाओ और इसे बंद कर दो; और ध्यान दें कि हमारे मामलों में दखल देने वाला कोई महिला है या डोलियस का बेटा मेलेंथियस, जैसा कि मुझे लगता है।
जब वे योजना बना रहे थे, तभी बकरी चराने वाला मेलेंथियस अन्य उपयोगी हथियार लेने के लिए दूसरी बार उस कमरे में गया। उसे पहचानते ही हट्टे- कट्टे सूअर चराने वाले ने तुरंत पास खड़े ओडीसियस को सूचना दी। “लार्टेस के राजा पुत्र, वही दुष्ट है जिस पर हमें शक था, और वह एक बार फिर भंडारगृह की ओर जा रहा है। मुझे साफ-साफ बताओ – क्या मैं उसे मार डालूँ अगर मैं उससे लड़ाई में बेहतर हूँ; या उसे यहाँ लाऊँ, ताकि वह तुम्हारे घर में किए गए

अपने सभी बुरे कामों का प्रायश्चित करे?” ओडीसियस ने सोच-विचार करके जवाब दिया, “वे चाहे कितनी भी ज़ोर से हमला करें, मैं और टेलेमाकस उन उग्र दावेदारों को हॉल के अंदर रोक सकते हैं। इसलिए तुम दोनों जाओ और उसे भंडारगृह के बीच में पटक दो, उसके हाथ-पैर पीछे बाँध दो और उसे पीठ के बल एक तख्ते पर कोड़े मारो। फिर उसके चारों ओर एक मुड़ी हुई रस्सी बाँध दो और उसे खंभे पर छत की कड़ियों तक ऊपर उठा दो, जहाँ उसे तड़प-तड़प कर मरने के लिए छोड़ दो।”
उन्होंने ये आदेश उत्सुकता से सुने और उनका पालन किया। वे अंदर मौजूद व्यक्ति को बिना बताए ही कक्ष में पहुँच गए, क्योंकि वह बिल्कुल दूर कोने में और हथियार ढूँढ़ रहा था। वे दोनों द्वार के दोनों ओर खड़े हो गए और मेलेंथियस का इंतज़ार करने लगे, जो अंततः एक हाथ में एक शानदार हेलमेट और दूसरे हाथ में एक बड़ी पुरानी ढाल लिए दहलीज पार करने आया। ढाल अब फफूंदी से पूरी तरह से विकृत हो चुकी थी, क्योंकि यह अपने यौवन काल में वीर लेर्टेस की थी और इतने लंबे समय तक पड़े रहने के कारण इसके पट्टे उखड़ गए थे। फिर वे उस पर झपटे, उसके बाल पकड़े और उसे खींचकर कमरे में ले गए; जहाँ उन्होंने उसे भयभीत करके फर्श पर पटक दिया और उसके हाथ-पैर कसकर बाँध दिए, उसके जोड़ों को दर्दनाक तरीके से पीछे की ओर मरोड़ दिया, ठीक वैसे ही जैसे महान ओडीसियस ने आदेश दिया था, इससे पहले कि वे उसके शरीर के चारों ओर बंधी रस्सी को लपेटकर उसे खंभे पर छत तक खींच ले गए। और फिर हे सूअर चराने वाले यूमेअस, तुमने उसे कैसे चिढ़ाया! आपने कहा, ‘लो मेलेंथियस, तुम अपने मनचाहे नरम पलंग में आराम से लेटे हो, जहाँ तुम रात भर आराम से लेट सकते हो और यह देखकर प्रसन्न हो सकते हो कि समुद्र की धाराओं से सुनहरी भोर अपने सिंहासन पर आसीन होती है, और तुम्हें चेतावनी देती है कि अब तुम्हें अपने बकरियों को महल में ले जाना है ताकि तुम विवाह के प्रस्ताव रखने वाले लोगों के लिए भोज का आयोजन कर सको।’ इस प्रकार वे उसे पीड़ा से जकड़ा हुआ छोड़कर चले गए। उन्होंने पुनः हथियारबंद होकर चमकते द्वार को बंद किया और सतर्क
ओडीसियस के पास लौट आए; और फिर दहलीज से युद्ध की ललक लिए ये चारों पुरुष, हॉल में मौजूद अनेक योद्धाओं का सामना करने के लिए आगे बढ़े। उनके पास ज़्यूस की पुत्री एथेना आई, जो रूप और वाणी में गुरु के समान थी: और उसे देखकर ओडीसियस प्रसन्न होकर चिल्लाया, ‘गुरु, याद रखो हम बचपन से दोस्त थे, और मैंने तुम्हारी कई बार मदद की है। मुझे विनाश से बचाओ।’ यद्यपि उसने ऐसा

कहा, उसे पूरा विश्वास था कि यह एथेना ही है, जो लोगों को प्रेरणा देती है; परन्तु हॉल के नीचे से दावेदारों ने उसका उपहास किया, विशेषकर दमास्टोर के पुत्र एगेलॉस ने, जिसने धमकी दी, ‘गुरु, मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ कि ओडीसियस की मीठी बातों में आकर उसके साथ दावेदारों से लड़ने में उसकी मदद न करो; क्योंकि मुझे लगता है कि अंततः इससे पिता और पुत्र दोनों को मारने का हमारा उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसके बाद हम तुम्हारा अंत कर देंगे, और तुम्हारे इस मूर्खतापूर्ण सपने के लिए तुम्हारा सिर काट देंगे कि तुम यहाँ कुछ कर सकते हो।’ और जब हमारी तलवारें तुम्हारी शक्ति को काट डालेंगी, तो हम तुम्हारी सभी संपत्तियों, घर के अंदर और बाहर, को ओडीसियस की संपत्ति के समान मानेंगे; तुम्हारे बेटों और बेटियों को तुम्हारे महल का उपयोग करने से मना करेंगे, और तुम्हारी निष्ठावान पत्नी को इथाका शहर में रहने से रोकेंगे।
उनकी इस धमकी से एथेन का हृदय क्रोध से भर उठा और उसने क्रोधित शब्दों में ओडिसीयस पर प्रहार करते हुए कहा, “हे ओडिसीयस, तुम्हारी शक्ति और पुरुषत्व कैसे क्षीण हो गए? नौ वर्षों तक तुमने श्वेत भुजाओं वाली कोमल हेलेन के लिए ट्रोजनों से युद्ध किया और घातक संघर्ष में उन्हें ढेरों की तरह मार डाला, यहाँ तक कि प्रियम का विशाल नगर भी तुम्हारे आगे झुक गया! क्या तुम प्रेमार्थियों के सामने दया की भीख माँगने का साहस करते हो और अपने घर और संपत्ति के बीच अपना साहस खोने देते हो? इधर आओ, मेरे पास खड़े हो जाओ और मेरा काम देखो, कि कैसे एल्किमस का पुत्र मेंटर शत्रु के सामने भी उन कृपाओं का बदला चुकाता है जो उसे मिली हैं।” उसने ओडिसीयस को केवल यही शब्द कहे, निर्विवाद विजय नहीं दिलाई, क्योंकि वह अभी भी ओडिसीयस और उसके महत्वाकांक्षी पुत्र के बल और उत्साह को परखना चाहती थी। वह एक अबाबील के वेश में उड़कर हॉल की धुएँ से धुंधली छत पर जा पहुँची और वहाँ बैठ गई।
तीरों की इतनी भारी वर्षा हुई थी कि बहुत से लोग गिर पड़े थे; लेकिन दामास्टोर का पुत्र एगेलॉस, यूरिनोमस, एम्फिमेडन, डेमोप्टोलेमस, पेइसेंडर (पॉलीक्टर का पुत्र) और बुद्धिमान पॉलीबस बच गए और अपने स्वाभाविक नेताओं के रूप में उन दावेदारों का हौसला बढ़ाने के लिए आगे आए जो अभी भी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। अब एगेलॉस ने इतनी ज़ोर से कहा कि उसके सभी साथी सुन सकें, 'अहा, मेरे मित्रों, वे अद्वितीय हाथ अब उसके किसी काम के

नहीं रहे। मेंटर ने कुछ खोखले शब्द कहे और चला गया। वे दरवाजों के सामने सीढ़ियों पर अकेले रह गए हैं। इसलिए सावधान रहें कि आप अपने लंबे भाले अंधाधुंध न चलाएँ, बल्कि एक बार में छह भाले फेंकना शुरू करें, और शायद ज़्यूस कृपा करे कि ओडीसियस को भाला लगे और उसे विजय प्राप्त हो। उसके गिरने के बाद बाकी सब व्यर्थ है।'
उसने ऐसा कहा; और उन्होंने उसके आदेशानुसार भाले फेंके: लेकिन एथेन ने सब कुछ विफल कर दिया। एक भाला विशाल द्वार के चौखट पर लगा, दूसरा विशाल द्वार पर, जबकि एक अन्य भाले का भारी कांस्य सिरा दीवार पर जा टकराया; और जब उसके साथी इस हमले में पूरी तरह से सुरक्षित बच गए, तो बलवान ओडीसियस ने उन्हें प्रेरित किया, 'मेरे मित्रों, अब हमारी बारी है कि हम इन दूल्हों पर हमला करें जो हमें लूटने की लालसा से अपनी पिछली दुष्टता को और बढ़ा रहे हैं।' उन्होंने सावधानीपूर्वक निशाना साधा और अपने तीखे भाले चला दिए। ओडीसियस ने डेमोप्टोलेमस, टेलीमाकस, यूरियाडेस, सूअर चराने वाले एलाटस और ग्वाले पीसांडर को मार डाला। जैसे ही ये सभी विशाल फर्श पर गिरे और धूल में मिल गए, दूल्हों ने हॉल के पीछे की ओर छलांग लगा दी, जबकि अन्य लोग नीचे दौड़े और शवों से अपने भाले उठा लिए। फिर दावेदारों ने भाले से दूसरा महत्वपूर्ण प्रहार किया, जिनमें से अधिकतर को एथेना ने फिर से दरवाजे के चौखट, दरवाजे या दीवार पर बेकार ही गिरा दिया: लेकिन एम्फिमेडन का भाला टेलीमाकस की कलाई पर लगा (केवल एक खरोंच, भाले की धार केवल बाहरी त्वचा को भेदती हुई) जबकि टेसिपस के लंबे भाले ने यूमेअस के कंधे को उसकी ढाल के किनारे के ऊपर चीर दिया और जमीन पर गिरने से पहले ऊपर की ओर उछल गया। सतर्क ओडीसियस के नेतृत्व में दल ने भीड़ पर हमला कर दिया, स्वयं नगरों को तबाह करने वाले ओडीसियस ने यूरीडामस पर प्रहार किया, टेलीमाकस ने एम्फिमेडन और सूअर चराने वाले पॉलीबस को मार डाला: जबकि उनके पीछे चरवाहे ने वार किया, और टेसिपस के दिल पर वार करते हुए खुद पर गर्व करते हुए कहा, 'पॉलीथर्स के पुत्र, तुम्हें अपना उपहास पसंद आया, लेकिन देवता महान हैं: इसलिए अगली बार उन्हें वचन दो और अपनी मूर्खता को इतना बड़ा मत बनने दो। यह उपहार उस साफ-सुथरे आतिथ्य का बदला है जो तुमने हाल ही में दिव्य ओडीसियस को दिया था, जब वह उसके घर में भीख मांग रहा था।' जैसे ही पेंचनुमा सींग वाले झुंडों के रखवाले ने घोषणा की, अन्य लोग हाथ से हाथ मिलाकर भीड़ को रोक रहे थे, ओडीसियस के लंबे बाण ने दमास्टोर के पुत्र को भेद दिया; और

टेलीमाकस ने यूएनोर के पुत्र लियोक्रिटस के पेट में इतनी तीक्ष्णता से भाला मारा कि पीतल का भाला आर-पार हो गया और वह मुंह के बल ज़मीन पर गिर पड़ा: उसी क्षण ऊँची छत से एथेन ने अपना घातक ढाल लहराया। उनकी आत्माएँ भयभीत हो गईं और वे लंबे हॉल में ऐसे भागे जैसे मवेशियों का झुंड किसी नाचती हुई मक्खी से घबराकर भाग रहा हो, जब दिन लंबे होने लगते हैं: लेकिन उन चारों का हमला ऐसा था मानो टेढ़े पंजों और नुकीली चोंच वाले गिद्ध पहाड़ों से छोटे पक्षियों पर झपट्टा मार रहे हों, उन्हें आकाश से नीचे गिराकर एक ऐसे मैदान में दुबकने पर मजबूर कर रहे हों जहाँ न कोई आड़ थी और न कोई बचने का रास्ता; इस प्रकार उन्हें वहाँ मौत के घाट उतार दिया गया, और लोग इस खेल का आनंद ले रहे थे। इसी प्रकार, हॉल में चारों ओर उन दावेदारों को धक्के दिए गए, जबकि खोपड़ियों के टूटने की भयानक आवाज़ बढ़ती गई और पूरा फर्श खून से लथपथ हो गया।
अपनी विकट अवस्था में लियोडेस ने ओडीसियस के घुटनों को पकड़ लिया और ज़ोर-ज़ोर से विनती करते हुए कहा, “हे ओडीसियस, अपने जुड़े हुए घुटनों से मुझे दया करो और मुझ पर रहम करो। मैं कसम खाता हूँ, मैंने तुम्हारे घर की किसी भी स्त्री को कभी भी अपने शब्दों या कर्मों से ठेस नहीं पहुँचाई। बल्कि मैंने तो अन्य दूल्हों को ऐसे इरादों से सोचने पर मजबूर कर दिया था, हालाँकि वे अपने बुरे कामों से बाज नहीं आए और इसीलिए यह शर्मनाक मौत उनके पापों के बीच उन्हें मिली है। लेकिन क्या मैं, उनका पूरी तरह से निर्दोष बलि देने वाला पुजारी, उनके साथ अपमानित होकर उनके साथ नष्ट हो जाऊँगा, और मेरे द्वारा किए गए अच्छे कर्मों को भी दान के रूप में नहीं गिना जाएगा?” ओडीसियस ने उसे घूरते हुए कहा, “यदि तुम स्वयं को इन पुरुषों का बलि देने वाला पुजारी मानते हो, तो तुमने मेरे घर में कितनी बार मेरे लिए प्रार्थना नहीं की कि मेरे घर लौटने का सुख मुझसे छीन लिया जाए, ताकि मेरी प्यारी पत्नी तुम्हारे पास आए और तुम्हें संतान दे?” “इससे तुम मृत्यु के कष्टदायी पलंग से नहीं बच पाओगे।” जैसे ही ओडीसियस ने यह कहा, एक शक्तिशाली हाथ ने उस तलवार को पकड़ लिया जो अभी भी वहीं पड़ी थी जहाँ एगेलॉस ने मरते समय उसे गिराया था, और उसे उसकी गर्दन पर घुमा दिया। इस प्रकार उसका सिर, दया की भीख मांगते हुए, धूल में मिल गया।
टेरपेस के पुत्र, फेमियस नामक कवि, जिसने विवश होकर विवाह के प्रस्ताव देने वालों के लिए गीत गाए थे, अब तक बुरे भाग्य से बचा हुआ था। वह खिड़की

तब ओडीसियस मुस्कुराया और उससे कहा, ‘हिम्मत रखो; टेलीमाकस ने तुम्हें बचा लिया है और इस समय के लिए तुम्हें सुरक्षित रखा है ताकि तुम अपने अंतर्मन में सद्गुण की दुर्गुण पर श्रेष्ठता को समझ सको और खुलकर उसकी गवाही दे सको: लेकिन ध्यान रखना कि तुम और वह जोशीला कवि घर छोड़कर बाहर आंगन में, हत्या से दूर बैठ जाओ, जब तक कि मैं अंदर का सारा काम पूरा न कर लूँ’; और जैसे ही उसने यह कहा, वे हॉल से बाहर निकलकर महान ज़्यूस की वेदी के पास बैठ गए, उनकी आँखें अभी भी मृत्यु के भय से व्याकुल थीं; जबकि ओडीसियस की निगाहें घर में चारों ओर घूम रही थीं, इस उम्मीद में कि शायद कोई जीवित व्यक्ति अभी भी वहाँ छिपा हो, अपने भाग्य से बचने के लिए। लेकिन उसने उन सभी को धूल और खून में लथपथ पाया, जैसे नाविकों द्वारा भूरे समुद्र से जालों में खींची गई मछलियाँ किसी खाड़ी के किनारे पर रेत पर ढेर हो जाती हैं और खारे पानी की लहरों के लिए तड़पती हैं, जबकि सूरज की रोशनी उनकी जान ले रही होती है। ठीक इसी तरह वे सभी दावेदार भी ढेर हो गए थे।
तब धूर्त ओडीसियस ने टेलीमाकस से कहा, “जाओ और नर्स यूरिक्लेया को
बुलाओ, क्योंकि मुझे उससे कुछ बात करनी है।” टेलीमाकस ने अपने प्रिय पिता का आदेश माना और नर्स को बुलाने के लिए दरवाज़ा खटखटाया, और चिल्लाया, “उठो, वृद्ध महिला और हमारी गृहणियों की देखरेख करने वाली। इधर आओ। मेरे पिता तुम्हें कुछ कहने के लिए बुला रहे हैं।” वह जवाब में एक शब्द भी नहीं बोल सकी। उसने भव्य हॉल के दरवाजे खोले और (टेलीमाकस के साथ) अंदर चली गई, जहाँ ओडीसियस अपने शिकारों के शवों के बीच खून और कीचड़ में लथपथ खड़ा था, जैसे कोई शेर घास चरते हुए बैल को खा गया हो और भयानक रूप से खून से सना हुआ सीना और खुरों के साथ घूम रहा हो। ओडीसियस हाथों से लेकर पैरों तक खून से सना हुआ था। जब उसने लाशें और खून के तालाब देखे, तो वह जान गई कि यह कितनी बड़ी उपलब्धि है और उसने युद्ध-जयकार करने के लिए अपना मुँह खोला: लेकिन ओडीसियस ने उसकी उत्तेजना को शांत किया और इन तीखे शब्दों से उसे चुप कराया, 'हे स्त्री, अपने भीतर प्रसन्न हो जाओ, और शांत रहो। उस तीव्र चीख को रोको। मनुष्यों की मृत्यु पर इतना प्रसन्न होना उचित नहीं है। ये देवताओं के दंड और स्वयं उनके द्वारा किए गए दुष्टता के कारण मारे गए, क्योंकि उन्होंने अपने सांसारिक आगंतुकों में अच्छे और बुरे दोनों की उपेक्षा की। इसी मोह के कारण उन्हें यह अपमानजनक मृत्यु मिली। अब, इसके बजाय, मुझे उन

सभी गृहस्थ महिलाओं के नाम बताओ जिन्होंने मुझे अपमानित किया है और निर्दोष भी।'
तब उसकी भली-भांति नर्स यूरिक्लेया ने उससे कहा, ‘सचमुच, मेरे बच्चे,
मैं तुम्हें बिल्कुल सच बताऊँगी। महल में तुम्हारे पास पचास सेविकाएँ हैं जिन्हें हमने तुम्हारी सेवा में लगाया है और ऊन की कताई जैसे काम सिखाए हैं। उनमें से केवल बारह ने ही मेरी और रानी के आदेशों की अवहेलना करते हुए बेशर्मी दिखाई: – टेलीमाकस ने नहीं, क्योंकि उसका व्यवहार अभी नया है; उसकी माँ ने उसे कभी भी महिला सेविकाओं को छूने नहीं दिया। लेकिन अब मुझे उस उज्ज्वल ऊपरी कमरे में जाने दो और तुम्हारी पत्नी को खबर दो जहाँ वह ईश्वर प्रदत्त गहरी नींद में सो रही है।’ लेकिन चतुर ओडीसियस ने उसे मना कर दिया। ‘उसे अभी मत बुलाओ। मुझे उन महिलाओं को बुलाओ जिन्होंने अनुशासनहीनता की है’; और उसके कहने पर वह बूढ़ी औरत घर में दौड़ पड़ी, महिलाओं को चेतावनी देती हुई और उन्हें आगे बढ़ाती हुई: जबकि ओडीसियस ने टेलीमाकस, चरवाहे और सूअर चराने वाले को पुकारते हुए जोश से कहा, ‘मृतकों को हटाना शुरू करो, महिलाओं से काम करवाओ; फिर पानी और रेशेदार स्पंज से कीमती कुर्सियों और मेजों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद, जब आप पूरे घर को व्यवस्थित कर लें, तो इन नौकरों को भव्य हॉल के बाहर, गोल गुंबद और आंगन की मजबूत चारदीवारी के बीच स्थित उस स्थान पर ले जाएं और वहां अपनी लंबी तलवारों से उनका तब तक वध करें जब तक कि उनकी आखिरी जान न निकल जाए और उनके प्रेम प्रसंगों की यादें पूरी तरह से मिट जाएं।
अतः उसने उन्हें आदेश दिया, और गलती करने वाली स्त्रियाँ एक साथ
huddled होकर, दुख के आँसू बहाती हुई अंदर आईं। पहले वे मृतकों को बाहर ले गईं और उन्हें दीवार वाले प्रांगण के बरामदे में ढेर लगा दिया - ओडीसियस स्वयं उस काम का निर्देशन कर रहा था और उन्हें आगे बढ़ा रहा था, क्योंकि उन्हें ऐसा करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा - और फिर उन्होंने पानी और मुलायम स्पंज से भव्य सिंहासनों और मेजों को साफ किया, जबकि टेलीमाकस, सूअर चराने वाले और मवेशी चराने वाले के साथ कुदाल से मजबूत घर के फर्श को साफ कर रहा था, नौकरानियाँ उनके लिए बाहर कूड़े के ढेर में शव ले जा रही थीं। जब घर साफ हो गया, तो वे महिला नौकरानियों को बड़े हॉल के पार ले गईं और उन्हें गुंबद और चारदीवारी के बीच उस अंधेरी जगह में बंद कर दिया, जहाँ से भागना असंभव था; और फिर टेलीमाकस विचारपूर्वक बोलने लगा। उसने कहा,

'मुझे यह बात परेशान करती है कि मैं उन स्त्रियों को किसी भी तरह की सम्मानजनक मृत्यु दूं जिन्होंने मेरे और मेरी माँ के सिर पर कलंक लगाया है, और जिन्होंने प्रेम के प्रस्ताव देने वालों के साथ व्यभिचार किया है।' उसने यही कहा। उसने एक गहरे रंग के जहाज़ के रस्सक को एक खंभे से बांध दिया और उसे गुंबद के विशाल घुमावदार घेरे में इस तरह फैला दिया कि इतनी ऊंचाई पर कि कोई भी अपने पैरों से ज़मीन को छू न सके। कभी-कभी झाड़ियों में लोग इस तरह जाल बिछाते हैं, जिन पर लंबे पंखों वाले चिड़िया या कबूतर घोंसला बनाने के लिए आते समय बैठ जाते हैं: और यह ठिकाना उनके लिए घातक साबित होता है। ठीक इसी तरह, सभी महिलाओं के सिर एक कतार में रस्सी से बंधे हुए थे, जो उनके गले के चारों ओर कसी हुई थी, ताकि वे अपनी निर्मम मृत्यु को सह सकें। थोड़ी देर के लिए वे अपने पैरों से चहचहाती रहीं - बस थोड़ी देर के लिए। यह ज़्यादा देर नहीं थी।
मेलेंथियस को वे प्रवेश द्वार और प्रांगण से घसीटते हुए ले गए, अपनी क्रूर तलवारों से उसकी नाक और कान काट डाले और उसके गुप्तांगों को फाड़कर कुत्तों को कच्चा ही खिला दिया। द्वेषवश उन्होंने उसके हाथ-पैर भी काट दिए, फिर अपने हाथ-पैर धोकर घर में ओडीसियस के पास लौट आए, उनका सारा काम पूरा हो चुका था। इसलिए उसने अपनी प्रिय दाई यूरिक्लेया को बुलाया, “हे देवी, मेरे लिए शुद्ध करने वाला गंधक लाओ और आग लाओ, ताकि मैं पूरे स्थान को धुएँ से भर दूँ; पेनेलोप और उसकी दासियों को भी बुलाओ। घर की सभी स्त्रियों को तुरंत यहाँ बुलाओ।” समर्पित यूरिक्लेया ने उत्तर दिया, “मेरे बालक, इस मामले में तुम बिल्कुल सही मार्ग पर चल रहे हो: फिर भी मुझे तुम्हारे लिए वस्त्र और लबादा लाने दो। तुम अपने चौड़े कंधों पर केवल चिथड़े ओढ़कर अपने महल में खड़े होकर अपनी गरिमा को ठेस पहुँचा रहे हो।” इस पर ओडीसियस ने केवल इतना कहा, “पहले मेरे लिए महल में आग जला दो…” और यूरिक्लेया के पास आज्ञा मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इसके बाद ओडीसियस ने सावधानीपूर्वक हॉल, निजी कमरों और आंगन को, उसके साज-सामान से भरी आग और गंधक से शुद्ध किया।
इसके बाद, बूढ़ी औरत ने घर के सभी अमीरों को सूचना दी और उन्हें तुरंत आने का आदेश दिया। वे अपने कमरों से मशालें लिए बाहर आईं, ओडीसियस को घेर लिया और उसे प्यार से गले लगाया, उसके सिर, कंधों और हाथों को चूमा और

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

पुस्तक 23

लेकिन खिलखिलाती हंसी के साथ वह बूढ़ी औरत ऊपर के कमरे की ओर चढ़ गई, ताकि अपनी मालकिन को अपने प्रिय पति के लौटने की सूचना दे सके। उसके घुटने फुर्ती से हिले और उसके पैर तेज़ी से मालकिन के पलंग के पास पहुँचे, जहाँ वह खड़ी होकर बोली, “जागो प्यारी बच्ची, पेनेलोप: अपनी आँखें खोलो और उस दृश्य को देखो जिसका तुम्हें इतने दिनों से इंतज़ार था। ओडीसियस आ गया है, इस युग के अंत में। वह अपने घर पहुँच गया है और वहाँ उसने उन सभी हठी प्रेमियों का वध कर दिया है जिन्होंने इतने लंबे समय तक घर को परेशान किया था, अपना सारा धन खा लिया है और अपने बेटे को भी मात दे दी है।”
सतर्क पेनेलोप ने इस पर उत्तर दिया: “प्रिय माँ, देवताओं ने आपको पागल
कर दिया है। वे परिपक्व से परिपक्व निर्णयों को भी मूर्खता में बदल देते हैं और चंचल को गंभीर मार्ग पर ले आते हैं। उन्हीं से आपकी पुरानी सच्ची समझ में यह गड़बड़ी आई है: – लेकिन पहले से ही दुःख से भरे हृदय को कल्पनाओं से क्यों छेड़ा जा रहा है? मुझे उस मीठी नींद से क्यों जगाया जा रहा है जिसने मुझे वश में कर रखा था और मेरी पलकों को ढक रखा था; यह सबसे अच्छी नींद थी जो मैंने ओडीसियस के उस अकल्पनीय शहर को देखने जाने के बाद से ली थी। आप तुरंत नीचे महिलाओं के कमरे में जाइए। यदि मेरी किसी अन्य दासी ने मुझे इस तरह की खबर दी होती तो मैं उसे गुस्से से वापस उसकी जगह पर भेज देती। बस इस बार के लिए आपकी वृद्धावस्था आपको क्षमा कर देगी।” यूरिक्लेया ने दृढ़ता से कहा, “प्यारे बच्चे, मैं तुमसे बहुत गंभीरता
से बात कर रही हूँ। मैं कहती हूँ, ओडीसियस यहाँ है। वह उस अजनबी के रूप में घर लौटा है जिसे सभी ने बहुत बुरा बर्ताव किया था। टेलीमाकस को बहुत पहले ही उसकी पहचान पता चल गई थी, लेकिन उसने बड़ी समझदारी से इस बात को छुपाया, ताकि उसके पिता उन घमंडी और बदतमीज़ लोगों से बदला ले सकें।”
इस बार उनकी बात सुनकर पेनेलोप एकदम हिल गई और सोफे से उछलकर उस
बुढ़िया को गले लगा लिया। उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे और वह चीख-चीखकर बोली, “आह, प्यारी माँ, मुझे सच-सच बताइए – अगर जैसा आप कह रही हैं, वह सचमुच

घर आ गया है, तो उसने अकेले ही उन निर्लज्ज चाहने वालों का सामना कैसे किया, जो लगातार हमारे घर पर मंडराते रहते थे?” तब उस दयालु नर्स ने उससे कहा, “मैंने नहीं देखा, मुझे नहीं पता: लेकिन मैंने उनके मारे जाने की कराहें सुनीं। हम सब कांपते हुए अपने सुरक्षित कमरे के एक कोने में दुबक गए – जिसके दरवाजे मजबूती से बंद थे – जब तक कि आपका बेटा टेलीमाकस अपने पिता के कहने पर आकर मुझे बाहर नहीं बुलाया। वहाँ हॉल में मैंने ओडीसियस को देखा, जो अपने मारे गए लोगों के शवों के बीच घूम रहा था, जो ज़मीन पर बिखरे पड़े थे। उसे शेर की तरह, युद्ध से लथपथ और खून से सना हुआ देखकर आपका दिल खुशी से भर उठता।” अब आंगन के द्वार के बाहर लाशों का ढेर लगा है, जबकि उसने एक बड़ी आग जलाकर सुंदर घर की सफाई की है। उसने मुझे तुम्हें बुलाने के लिए भेजा है; तो आओ, ताकि सारे दुखों के अंत में तुम दोनों हाथ में हाथ डालकर अपने दिलों की खुशी में प्रवेश कर सको। निश्चय ही तुम्हारी बची हुई आशा अब पूरी हो गई है। वह जीवित अपने चूल्हे के पास पहुँचता है और तुम्हें और तुम्हारे बेटे को वहाँ पाता है; जबकि घर में उसके साथ बुरा बर्ताव करने वाले हर एक प्रेमी से उसने बदला लिया है।
‘चुप रहो, माँ,’ शालीन पेनेलोप ने कहा। ‘ज़्यादा ज़ोर से या जल्दी मत
गाओ। तुम जानती हो कि घर में उसका फिर से आना हम सबके लिए, विशेषकर मेरे लिए, उसके बेटे और मेरे बेटे के लिए कितना सुखद होगा: लेकिन तुम जो कह रही हो, वह सच नहीं लगता। इन अभिमानी प्रेमियों का नरसंहार किसी अमर शक्ति का काम है, जो उनके हृदयविदारक और निर्मम दुस्साहस से क्रोधित था, जिसने किसी की परवाह नहीं की, न अच्छे की और न बुरे की: इसलिए उन्हें उनके पापों के अनुसार दंड मिला है। लेकिन इस बीच ओडीसियस किसी दूर देश में अचेया का रास्ता भटक गया है – हाँ, वह खुद ही खो गया है।’ नर्स यूरिक्लेया ने उत्तर दिया: ‘मेरी बच्ची, अपने पति के कभी घर न लौटने की उस नीरस बात को क्यों दोहरा रही हो, जबकि वह यहाँ है और अपने चूल्हे के पास बैठा है? तुम्हारा हृदय हमेशा अविश्वास में अड़ा रहा है। मैं तुम्हें इसका एक पुख्ता सबूत दे सकती हूँ, वह निशान जो कई साल पहले सूअर के सफेद दांत से लगा था, जिसे मैंने उसे नहलाते समय देखा था। मैं तुम्हें उसी क्षण बताना चाहती थी; लेकिन अपने स्वार्थ के चलते उसने मेरा मुंह अपने हाथ से ढक दिया और मुझे चुप करा दिया। "अभी मेरे साथ चलो – मैं अपनी जान की कसम खाता हूँ। अगर मैं तुम्हें गुमराह करूँ, तो मुझे सबसे क्रूर मौत से मार डालो जो तुम्हें आती हो।"

पेनेलोप ने उत्तर दिया: “हे प्रिय माता, आपकी विख्यात बुद्धिमत्ता भी आपको शाश्वत देवताओं की योजनाओं को समझने में सक्षम नहीं बनाती। फिर भी, चलिए मेरे पुत्र के पास चलते हैं, क्योंकि मैं उन दूल्हों को मृत्यु के घाट उतारना चाहती हूँ; और उनके हत्यारे को भी।” बोलते-बोलते वह नीचे झुक रही थी, उसका हृदय दुविधा में था कि क्या वह अपने प्रिय स्वामी को निहारते हुए दूरी बनाए रखे या सीधे ऊपर जाकर उनके सिर को चूमे और उनका हाथ थामे। अंततः जब वह पत्थर की दहलीज पार करके अंदर आई, तो वह ओडीसियस के सामने, अग्नि- प्रकाश में, लेकिन दूर की दीवार के पास बैठ गई। वह एक ऊँचे खंभे के आधार पर बैठा था, झुकी हुई पलकों के साथ अपनी पत्नी की पुकार सुनने का इंतजार कर रहा था जब वह उसे देख लेगी। लेकिन वह वहाँ लंबे समय तक मौन बैठी रही, व्याकुल हृदय से। एक क्षण वह उसे देखती और उसके चेहरे को पहचान लेती; और अगले ही क्षण उसके फटे-पुराने वस्त्रों के कारण उसे वहाँ नहीं देख पाती – जब तक कि टेलीमाकस ने असहमति जताते हुए उसका नाम नहीं लिया। ‘मेरी माँ,’ वह रोते हुए बोला, ‘तुम माँ जैसी नहीं हो, निर्दयी हो, तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई पिताजी से दूर रहने की, उनके पास जाकर बैठने और उनसे सवाल पूछने की बजाय? बीस साल की मेहनत और दुख के बाद जब उसका पति घर लौटा, तो कोई और स्त्री इतनी निर्मम होकर खुद को अलग नहीं रख सकती। तुम्हारा दिल पत्थर से भी कठोर है।’
लेकिन पेनेलोप ने समझाया: ‘बच्चे, मेरा दिल स्तब्ध है। मुझमें बोलने, पूछने या यहाँ तक कि उसके चेहरे को देखने की भी हिम्मत नहीं है। अगर यह सचमुच और आखिरकार ओडीसियस ही है, तो हम जल्द ही एक-दूसरे को दुनिया से छिपे कुछ निजी संकेतों से अच्छी तरह जान लेंगे।’ इस पर महान और धैर्यवान ओडीसियस मुस्कुराया और जल्दी से टेलीमाकस से कहा, ‘उसके बाद, अपनी माँ को अभी मेरे साथ उसके कमरे में अकेले छोड़ दो। जल्द ही वह पूरी तरह समझ जाएगी। मेरे शरीर की गंदगी, ये फटे-पुराने कपड़े – ऐसी चीजें उसे मुझे अनदेखा करने और यह मानने से इनकार करने पर मजबूर करती हैं कि यह मैं ही हूँ। इस बीच, हम दोनों को अपनी सबसे अच्छी रणनीति पर विचार करना चाहिए। किसी समुदाय में, अगर किसी एक व्यक्ति की भी हत्या कर दी जाए और बदला लेने के लिए उसके कुछ ही रिश्तेदार बचे हों, तो उसे घर और परिवार से बहिष्कृत कर दिया जाता है; और हम इथाका के अधिकांश नौजवानों, उसके राज्य के स्तंभों को मार रहे हैं।’ ‘मैं चाहता हूँ कि आप इस पर विचार करें’ – लेकिन टेलीमाकस ने जवाब दिया, ‘यह

आपका काम है, प्रिय पिता। लोग आपको सबसे बुद्धिमान और अपनी पीढ़ी का सर्वोच्च व्यक्ति मानते हैं। हम बाकी लोग आपका पूरे दिल से समर्थन करेंगे: और मुझे विश्वास है कि हमारी ताकत चाहे जो भी हो, कम से कम हमारा साहस तो अवश्य कम नहीं होगा।’
ओडीसियस ने कहा, “तो सुनो, मैं क्या सोचता हूँ। अब नहाओ और कपड़े पहनो,
और घर की महिलाओं को भी सजने-संवरने को कहो। फिर उस जोशीले संगीतकार को अपने मधुर वीणा के साथ हमारे लिए एक ऐसा आनंदमय नृत्य शुरू करने दो कि दीवारों के बाहर से सुनने वाले सभी लोग, पड़ोसी या राहगीर, कहेंगे, “यहाँ शादी होने वाली है।” इस प्रकार, हमारे वृक्षों से घिरे ग्रामीण इलाके में पहुँचने से पहले ही शहर में दूल्हों की मृत्यु की अफवाहें नहीं फैलेंगी, जहाँ हम यह विचार करेंगे कि ओलंपियन देवता हमें क्या लाभ प्रदान कर सकते हैं।” उन सभी ने ध्यान से सुना और उसकी आज्ञा का पालन करने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने नहाया और वस्त्र पहने: महिलाएं सज-धज कर तैयार थीं: आदरणीय संगीतकार ने अपनी खोखली वीणा उठाई और ताल और आनंदमय नृत्य के लिए उनकी उत्सुकता जगा दी, यहाँ तक कि उनके चारों ओर का विशाल घर पुरुषों और सजी-धजी महिलाओं के कदमों की लयबद्ध आहट से गूंज उठा। घर के बाहर, मधुर संगीत सुनकर एक-एक करके सब कहने लगे, “मैं कसम खाता हूँ कि किसी ने बहुचर्चित रानी से विवाह कर लिया है!” वह निर्दयी थी और उसमें अपने वैध पति के आने तक घर संभालने का साहस और दृढ़ता नहीं थी।’ वास्तविक घटना से अनभिज्ञ होकर ऐसी अफवाहें फैल रही थीं।
इसी बीच, भीतर, वृद्ध यूरिनोम ने ओडीसियस को नहलाया और अभिषेक किया,
उसे एक सुंदर कुर्ता और लबादा ओढ़ाया, जबकि एथेना ने उसे एक विशेष वैभव से सुशोभित किया जो आँखों को चकाचौंध कर देता था; उसने उसके सिर के बालों को जलकुंभी के फूल की तरह नीचे की ओर घुंघराले कर दिया। जैसे हेफेस्टस और पल्लास द्वारा कौशल से संपन्न एक शिल्पकार अपने चांदी के काम को शुद्ध सोने से तब तक धोता है जब तक कि उसकी निपुणता चमक न उठे, वैसे ही एथेना की कृपा ने उसके सिर और कंधों को महिमामंडित किया और स्नान कक्ष से बाहर निकलते समय उसकी आकृति को दिव्य बना दिया। वह अपनी पत्नी के सामने अपने पूर्व सिंहासन पर पुनः विराजमान हुआ और बोला, 'गर्वित महिला, ओलंपस के स्वामियों ने तुम्हें जो हृदय दिया है, वह किसी भी सच्ची स्त्री के हृदय से अधिक कठोर है। तुम्हारे सिवा कोई भी उस पति को निर्दयता से नहीं ठुकरा

सकता जिसने बीस वर्षों के परिश्रम के बाद अपना रास्ता बनाया है।' हे बुढ़िया, मुझ पर कृपा करो और मेरा बिस्तर कहीं अलग जगह पर लगा दो, ताकि मैं एकांत में लेट सकूँ: क्योंकि उसके हृदय में पत्थर का दिल जम गया है। पेनेलोप ने संयम से कहा, “हे स्वाभिमानी स्वामी, न तो मैं स्वयं को
बहुत ऊँचा समझती हूँ और न ही आपको बहुत नीचा समझती हूँ; और न ही मैं भ्रमित हूँ। बात यह है कि मुझे अच्छी तरह याद है कि जब आप अपने लंबे चप्पू वाले जहाज में इथाका से रवाना हुए थे, तब आप कैसे थे। इसलिए यूरीक्लिया, जब तुम उनके लिए उनका बड़ा पलंग तैयार करो, तो उसे उस विवाह कक्ष के बाहर ले जाओ जिसे उन्होंने इतनी मजबूती से बनवाया था। भारी पलंग का ढाँचा बाहर लाओ और उसे ऊनी चादरों, गलीचों और चमकदार कंबलों से भर दो।” उसने यह बात अपने पति को बाहर निकालने के लिए कही; और वास्तव में ओडीसियस अपनी पत्नी से नाराज़ होकर बोला, “हे स्त्री, यह आदेश मेरे हृदय को पीड़ा पहुँचा रहा है। मेरा पलंग किसने बदला है? यह तो सबसे चतुर व्यक्ति के लिए भी मुश्किल होगा – हालाँकि किसी देवता ने इसे अपनी मर्जी से नहीं बदला होगा – क्योंकि जीवित सबसे बलवान व्यक्ति भी इसे सीधे नहीं उठा सकता। उस पलंग के डिज़ाइन में मेरी अपनी एक अद्भुत रचना थी। हमारे दरबार में जैतून का एक घना, लंबे पत्तों वाला, मजबूत पेड़ उगा था; उसका तना स्तंभ जितना मोटा था। उसके चारों ओर मैंने अपना शयनकक्ष बनाया, जिसकी दीवारें बारीक जोड़ वाले पत्थरों से बनी थीं और छत मज़बूती से ढकी थी। दरवाज़े लगाने के बाद, जो बिल्कुल सटकर फिट होते थे, मैंने जैतून के पेड़ की फैली हुई चोटी को काटकर उसके ठूंठ को जड़ से ऊपर तक छाँटा, अपने औज़ारों से उसे इतनी बारीकी से और कुशलता से तराशा कि वह सीधा खड़ा हो गया, ताकि उसे पलंग के खंभे के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। इसी को मुख्य भाग बनाकर (जहाँ ज़रूरत हो वहाँ बरमा से छेद करके) मैंने पलंग का पूरा ढाँचा तैयार किया; उसमें सोने, चाँदी और हाथीदाँत की जड़ाई की और उसे गहरे बैंगनी रंग में रंगे बैल की खाल के पट्टियों से बांधा। यही था उसका स्वरूप, स्त्री, जैसा कि मैं समझा रही हूँ: लेकिन मुझे नहीं पता कि पलंग अब भी वैसा ही खड़ा है या नहीं; या किसी ने जैतून के तने को काटकर उसमें कुछ बदलाव कर दिया है?
जैसे ही ओडीसियस दौड़कर आगे बढ़ा और उसने ऐसे ठोस सबूत पेश किए
जिन्हें नकारना नामुमकिन था, उसके घुटने और दिल कांपने लगे। वह फूट-फूटकर रोने लगी, उसके पास दौड़ी, उसने अपनी बाहें उसकी गर्दन में डाल दीं और उसके

अंत में दूरदर्शी ओडीसियस ने अपनी पत्नी से कहा: “मेरी प्रिय, अभी
हमारी परीक्षा का अंत नहीं हुआ है। हमारे लिए अथाह परिश्रम निर्धारित है, और मुझे इसे अंत तक पूरा करना ही होगा। जिस दिन मैं पाताल लोक में गया था, जब मैंने अपने और अपने साथियों के घर लौटने के बारे में पूछा था, तो टेरेसियस के भूत ने मुझे सब कुछ चेतावनी दी थी। इसलिए, प्रिय पत्नी, चलो बिस्तर पर चलें, जहाँ अंततः हम नींद के मीठे सुख से तरोताज़ा हो सकें।” इस पर पेनेलोप ने उत्तर दिया, “जब आपका मन करे, बिस्तर आपका है, क्योंकि क्या देवताओं ने आपको आपके अपने महान घर और जन्मभूमि में वापस नहीं लौटाया है? लेकिन अब जब स्वर्ग ने यह बात आपके मन में डाल दी है, तो मुझे इस शेष परीक्षा के बारे में बताएँ। मुझे बाद में जानना ही होगा; और पहले से चेतावनी मिलने पर तैयारी हो जाती है।”
ओडीसियस ने उत्तर में उसे आश्वस्त करते हुए कहा, “हे बहादुर आत्मा, मैं तुम्हें सब कुछ बताऊंगा, कुछ भी नहीं छुपाऊंगा: लेकिन मुझसे उस ज्ञान के लिए बार-बार क्यों आग्रह कर रही हो जो न तो तुम्हें प्रसन्न करेगा और न ही मुझे? उसने मुझे बताया कि मुझे अपना सुडौल चप्पू लेकर अनेक स्थानों पर मनुष्यों के बीच भटकना होगा, जब तक कि मुझे एक ऐसी जाति न मिल जाए जो समुद्र को न जानती हो और जिसके पास अपने भोजन में स्वाद के लिए नमक न हो, एक ऐसी जाति जिसके लिए बैंगनी रंग के अग्रभाग वाले जहाज अज्ञात हों, जैसे कि वे सुडौल चप्पू जो उनकी उड़ान को पंख देते हैं। उसने मुझे उनके बारे में एक अचूक संकेत बताया, और मैं तुम्हें वह बताता हूँ। जब कोई दूसरा राहगीर मेरे पास से गुजरे और कहे कि मेरे मजबूत कंधे पर सूप है, तो वहीं मुझे अपना चप्पू जमीन में गाड़कर राजा पोसीडॉन को एक मेढ़ा, एक बैल और एक जंगली सूअर की बलि देनी है। फिर मैं घर लौट सकता हूँ, स्वर्ग के देवताओं का बलि के बलिदानों के साथ उत्सव मनाने के लिए, और बाकी सभी चीजें विधिवत रूप से कर सकता हूँ। जबकि मृत्यु मुझे समुद्र से बहुत ही सौम्य रूप से लेने आएगी, और मुझे उन संतुष्ट लोगों के बीच समाप्त कर देगी जिन्होंने वर्षों के पतन ने मुझे नीचा दिखाया है।” उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि ये सब पूरा होगा। और पेनेलोप की बुद्धिमत्तापूर्ण टिप्पणी थी, 'यदि देवता आपके बुढ़ापे को सुखमय समय बनाएंगे, तो आपके दुर्भाग्य के टलने की संभावना है।'
इस प्रकार वे बातें करते रहे जबकि यूरिनोम और नर्स ने मशाल की तेज
रोशनी में पलंग पर मुलायम चादरें बिछाईं। जब उन्होंने पलंग को आरामदायक

और गहरा बना लिया, तो बूढ़ी नर्स अपने सोने की जगह लौट गई, जबकि यूरिनोम, जो कि सफ़ाईकर्मी थी, मशाल लेकर उन्हें बिस्तर की ओर ले गई। उसने उन्हें उनके कमरे में पहुँचाया और चली गई; और उन्होंने पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार खुशी-खुशी अपने बिस्तर के अनुष्ठान किए: टेलीमाकस और चरवाहों ने नाचने से खुद को रोका और महिलाओं को भी रोका, ताकि सभी अंधेरे कक्षों में सो सकें। प्रेम का पहला रोमांच बीत जाने के बाद, दोनों ने एक-दूसरे के मनोरंजन
के लिए अपनी कहानियाँ साझा करना शुरू कर दिया। सबसे सुंदर स्त्री ने बताया कि उसने घर में क्या-क्या सहा था, लालच से भरे दूल्हों को देखा था, और उन असंख्य भेड़ों और मवेशियों को देखा था जिन्हें उन्होंने उसके लिए मार डाला था, और शराब के सभी टूटे हुए घड़ों के बारे में बताया था; वहीं स्वर्ग से आए ओडीसियस ने दूसरों को पहुँचाई गई अपनी हर चोट और खुद झेले गए दुखों के बारे में विस्तार से बताया; और वह उत्सुकता से उसकी बातें सुनती रही, जब तक कि सब कुछ सुना नहीं दिया गया, तब तक उसकी पलकें नींद से भरी नहीं रहीं। उन्होंने सिकोन्स पर विजय से शुरुआत की, फिर लोटस-भूमि तक गए, और साइक्लोप्स ने जो किया और अपने क्रूरतापूर्वक खाए गए मित्रों के लिए जो कीमत वसूली, उसका वर्णन किया: फिर कैसे उन्हें एयोलस से स्वागत और सहायता मिली, लेकिन व्यर्थ, क्योंकि आगे के तूफानों ने उन्हें दुखद रूप से बहते हुए छोड़ दिया: टेलीपिलस का भी वर्णन किया, जहाँ लैस्ट्रिगोनियनों ने उनके अपने जहाज को छोड़कर सभी जहाजों और चालक दल को नष्ट कर दिया: फिर सिरसे के छल और उनके जहाज की हेड्स की यात्रा का वर्णन किया, जहाँ उन्होंने टेरेसियस से परामर्श किया, और जहाँ उन्होंने अपने सभी मृत साथियों और उस माँ को देखा जिसने उन्हें बचपन में पाला-पोसा था: फिर सायरन के गीत, टकराव, स्काइला और चारिब्डिस जैसी घातक देवियों का वर्णन किया: उनके चालक दल द्वारा सूर्य के मवेशियों को मारने का वर्णन किया, जिसके कारण ज़्यूस की बिजली ने जहाज और उस पर सवार सभी को नष्ट कर दिया, सिवाय उनके: ओगिगिया और कैलिप्सो के साथ गुफा में उनके दयालु प्रवास का वर्णन किया, जिसकी अमरता के वादे ने उनके प्रेम को नहीं लुभाया: फ़ेएशिया पहुँचने के उनके कष्टों का वर्णन किया, जहाँ उन्हें सम्मानजनक आतिथ्य, उपहार और घर वापसी: – और जैसे ही कहानी समाप्त हुई, नींद धीरे से उस पर छा गई, जिससे उसके अंग शिथिल हो गए और उसका मन चिंताओं से मुक्त हो गया।

एथेन की योजना अभी पूरी नहीं हुई थी: जैसे ही उसने ओडीसियस को प्रेम और नींद से संतुष्ट होते देखा, उसने समुद्र से सुनहरी सुबह को उदय होने दिया ताकि मानव जाति को प्रकाश मिले। उसके साथ ही ओडीसियस भी उठा और अपनी पत्नी से बोला: 'मेरी प्रियतमा, अब तक हम दोनों ने बहुत परिश्रम किया है, तुम मेरे लौटने में आने वाली बाधाओं पर विलाप करती रही हो, और मैं ज़्यूस और अन्य देवताओं द्वारा दिए गए दुखों में डूबा रहा हूँ, घर की याद में, दूर: लेकिन अब जब हम दोनों अपनी इच्छा के बिस्तर पर पहुँच गए हैं, तो कृपया मेरे आंतरिक मामलों का विशेष ध्यान रखें। जहाँ तक उन भेड़ों की बात है जिन्हें उन निर्लज्ज प्रेमियों ने मार डाला है, मैं बहुतों पर छापा मारूँगा, और अचेयन मुझे तब तक और भेड़ें देंगे जब तक कि भेड़शालाएँ भर न जाएँ। लेकिन मेरी पहली यात्रा हमारे खेत के बागानों की होनी चाहिए जहाँ मैं उस भले पिता से मिलूँगा जो मेरे लिए दुखी है। हालाँकि, एक बात मैं तुम्हारे सबसे सूक्ष्म मन में रखना चाहता हूँ, हे प्रियतमा। सूर्योदय के साथ ही उन प्रेमियों की अफवाहें फैल जाएँगी जिन्हें मैंने अंदर मार डाला है।' इसलिए अपनी सभी महिलाओं के साथ ऊपर चले जाओ और वहाँ बैठ जाओ, किसी को देखे या किसी से कोई सवाल न करो।
उसने अपने कंधों पर शानदार भुजाएँ उठाईं, टेलेमाकस, चरवाहे और सूअर चराने वाले को बुलाया, और उन सभी को युद्ध के हथियार हाथ में लेने को कहा - वैसे तो उन्हें किसी प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने अपने पीतल के कवच पहने, दरवाजे खोले और बाहर निकल पड़े, ओडीसियस सबसे आगे था। दिन का उजाला धरती पर फैला हुआ था, लेकिन एथेन ने उन्हें अंधकार में छिपा लिया और उन्हें तेजी से शहर से बाहर ले गई।

पुस्तक 24

साइलेनियन हर्मेस ने उन पुरुषों की आत्माओं को बुलाया जो कभी उसके प्रेमी रहे थे। उसके हाथ में शुद्ध सोने की छड़ी थी जिससे वह इच्छा अनुसार पुरुषों की आँखों को शांत कर देता था या उन्हें नींद से जगा देता था। छड़ी के एक इशारे से ही वे उसके पीछे चलने लगे और पतली-पतली आवाज़ें निकालने लगे, ठीक वैसे ही जैसे चमगादड़ अपनी रहस्यमयी गुफाओं में निकालते हैं, जब कोई चट्टानी छत से लटके झुंड से गिरकर चीखने लगता है। इस प्रकार वे उसके पीछे-पीछे धीरे-धीरे चलने लगे, जबकि सौम्य हर्मेस उन्हें उस नम, अंधेरे रास्ते से नीचे ले गया - सागर की धारा और सफेद चट्टान के पास से, सूर्य के द्वार और स्वप्नलोक से गुज़रते हुए - जब तक कि वे जल्द ही एस्फोडेल के मैदानों में नहीं पहुँच गए जहाँ दिवंगत आत्माओं का साया रहता है।
वहाँ पेलेउस के पुत्र अकिलीज़ की आत्मा, और उसके बाद अपने सुंदर चेहरे और कद-काठी के लिए प्रसिद्ध ऐयास की आत्माएँ थीं; साथ ही पैट्रोक्लस और वीर एंटिलोकस की आत्माएँ भी थीं। जब ये सभी अकिलीज़ के चारों ओर एकत्रित हुए, तभी एट्रीयस के पुत्र एगामेम्नन की दुखी आत्मा, एगिस्थस के घर में उसके साथ मारे गए और वहीं दुखद रूप से मृत हुए लोगों के बीच से गुज़रते हुए वहाँ पहुँची। अकिलीज़ के भूत ने उससे कहा, “हे एट्रीस, हम तुम्हें किसी भी सांसारिक वीर से अधिक गर्जन के देवता ज़्यूस का प्रिय मानते थे, क्योंकि तुमने उस ट्रोजन भूमि में वीर योद्धाओं की सेना का नेतृत्व किया था, जो हम अचेयनों के लिए बहुत कीमती थी। फिर भी यह नियति थी कि मृत्यु (जिससे कोई भी मनुष्य नहीं बच सकता) तुम्हें इतनी जल्दी आनी थी!” काश, जब आप संप्रभुता के दौर में थे, तब आप ट्रोएड में इससे मिल पाते – तब अचेया के संगीत समूह ने आपकी कब्र बनवाई होती और आपके बेटे को महान गौरव प्राप्त होता – इस दयनीय भाग्य के बजाय जो आपके हिस्से में आया है।
एट्राइड्स के भूत ने उत्तर दिया: “हे पेलेउस के भाग्यशाली पुत्र, हे देवतुल्य अकिलीज़, तुम्हें ट्रॉय के पास मृत्यु मिली, आर्गोस के पास नहीं! ट्रोजन और अचेयन दोनों ही सबसे श्रेष्ठ युवकों ने तुम्हारे शरीर के लिए

भयंकर संघर्ष करते हुए अपनी जान दे दी, जिसका वैभव उड़ती धूल में समाया हुआ था, मानो अपनी वीरता को भूल गया हो। पूरे दिन हम लड़ते रहे, और ज़्यूस द्वारा लाए गए तूफान के कारण ही हम रुक पाए। बाद में हम तुम्हें युद्ध के मैदान से अपने जहाजों तक ले गए, जहाँ हमने तुम्हें पलंग पर लिटाया और तुम्हारे सुंदर शरीर को गर्म पानी और मलहम से शुद्ध किया। तुम्हारे चारों ओर दानान लोग जमा हो गए, गर्म आँसू बहाते हुए और अपने प्रेम-जड़ों को काटते हुए।” जब तुम्हारी माता ने यह सुना, तो वह अपनी अमर जलपरियों के साथ लहरों से प्रकट हुईं। उनकी पुकार सागर में इतनी अद्भुत रूप से गूंजी कि अचेयन सेना में भय की लहर दौड़ गई। वे उठकर जहाजों की ओर भाग जाते, लेकिन नेस्टर ने अपने बहुमूल्य और बहुप्रसिद्ध ज्ञान से उन्हें रोक लिया। क्योंकि वह जानता था, उसने उन्हें पुकारा और कहा, 'शांत रहो, अर्गिव्स: भागो मत, हे युवा अचेयनो। यह उसकी माता है जो समुद्र से आ रही है और उसके साथ समुद्र की अमर अप्सराएँ हैं, अपने मृत पुत्र से मिलने।' जब उन्होंने उसकी बात सुनी, तो अचेयनों ने साहसपूर्वक अपने भय को नियंत्रित किया, जबकि प्राचीन समुद्र की पुत्रियाँ तुम्हारे चारों ओर तीखे विलाप के साथ घेरा बनाकर तुम्हारे शरीर को अविनाशी वस्त्रों से लपेट दिया। नौ देवियों ने मिलकर तुम्हारा शोकगीत गाया, उनकी आवाज़ें मधुर स्वरों में सामंजस्य बिठा रही थीं; और उनका स्पष्ट गायन इतना भावपूर्ण था कि वहाँ मौजूद किसी भी अर्गिव की आँखें नम नहीं थीं। सत्रह दिन और सत्रह रातों तक हमने आपका शोक मनाया, हे अमर देवता और नश्वर मनुष्य, दोनों ही; और अठारहवें दिन, अनेक उत्तम भेड़ों और सींगदार गायों की बलि देकर, हमने आपको अग्नि के हवाले कर दिया और आप अपने दिव्य वस्त्रों में, प्रचुर मात्रा में मसालों और मीठे शहद से लथपथ होकर भस्म हो गए; जबकि अचेयन योद्धाओं की सजी-धजी टुकड़ियाँ, घुड़सवार या पैदल, आपके जलते हुए चिता के चारों ओर हथियारों की गड़गड़ाहट के साथ चक्कर लगा रही थीं। फिर हेफेस्टस की अग्नि द्वारा आपको भस्म करने के बाद, सुबह-सुबह हमने आपकी श्वेत अस्थियों को, हे अकिलीज़, शुद्ध मदिरा और मरहम में विसर्जित कर दिया। आपकी माता ने दो मूठों वाला सोने का कलश भेंट किया, यह कहते हुए कि यह डायोनिसस का उपहार और प्रसिद्ध हेफेस्टस की कृति है। इसमें, हे तेजस्वी अकिलीज़, आपकी श्वेत अस्थियाँ मेनोएटियस के पुत्र मृत पैट्रोक्लस की अस्थियों के साथ विश्राम करती हैं; जबकि अलग से, लेकिन पास में, एंटिलोकस की राख है, जिसे आप अपने सभी मित्रों में सबसे

अधिक प्रिय मानते थे, केवल मृत पैट्रोक्लस को छोड़कर। हम, समर्पित आर्गिव भालाधारियों की सेना ने, तुम्हारे ऊपर एक विशाल मकबरा बनाया है जो हेलेस्पोंट के पार एक ऊंचे टीले पर विराजमान है, जो हमारे समय और आने वाली पीढ़ियों के समुद्री यात्रियों के लिए एक प्रतीक है। तुम्हारी माता ने देवताओं से प्रार्थना की और उनसे उत्तम पुरस्कार मांगे जिन्हें उन्होंने अचेयन एथलीटों के लिए एक अखाड़े में प्रदर्शित किया। तुम्हारे समय में तुमने अनेक वीरों के अंतिम संस्कार देखे हैं, या किसी राजा की मृत्यु के बाद युवकों को पुरस्कार जीतने के लिए कमर कसते देखा है: परन्तु यदि तुमने ये खजाने देखे होते तो तुम्हारा मन चकित रह जाता, क्योंकि उस सुंदर देवी, चांदी के पैर वाली थेतिस ने तुम्हारे सम्मान में इतने अद्भुत पुरस्कार अर्पित किए थे। हे अकिलीज़, देवताओं ने तुम्हें असीम प्रेम दिया, और मृत्यु भी तुम्हारा नाम नहीं छीन पाई। तुम सर्वत्र और सदा के लिए यश के पात्र बनोगे। लेकिन मुझे अपने युद्ध के चक्र को समाप्त करने में क्या संतुष्टि मिली, जब घर लौटने पर ज़्यूस ने एगिस्थस और मेरी शापित पत्नी के हाथों मेरे लिए इतना भयानक भाग्य तय कर दिया था?
इस प्रकार वे आपस में बातचीत कर रहे थे जब आर्गस का वध करने वाला दूत, ओडीसियस द्वारा मारे गए प्रेमियों की आत्माओं को लेकर पास आया। उनकी विशाल भीड़ को देखकर वे दोनों आश्चर्यचकित होकर आगे देखने लगे, और इस प्रकार एगामेम्नन की आत्मा ने प्रसिद्ध एम्फिमेडन को पहचान लिया, जो मेलैनियस का प्रिय पुत्र था, जिसने इथाका में उसका स्वागत किया था। एट्रीड्स की आत्मा ने उससे पूछा, 'एम्फिमेडन, किस विपत्ति ने तुम्हारे सभी चुने हुए पुरुषों को, जो अपनी जवानी में थे, इस प्रेतलोक में ला खड़ा किया है? ऐसा लगता है मानो किसी ने तुम्हारे शहर के सर्वश्रेष्ठ पुरुषों को चुनकर इकट्ठा किया हो। क्या पोसीडॉन की कठोर हवाओं ने उफान मारते समुद्र को तुम्हारे जहाजों में डुबो दिया? या क्या शत्रुओं ने तुम्हें किसी तट पर नष्ट कर दिया जब तुम उनके मवेशियों या भेड़ों के बड़े झुंडों को इकट्ठा करने में व्यस्त थे? या शायद यह लड़ाई उनकी पत्नियों और शहरों की रक्षा के लिए थी? मुझे बताओ, क्योंकि मैं तुमसे एक करीबी के रूप में पूछ रहा हूँ। क्या तुम्हें याद नहीं है कि महान मेनेलास और मैं तुम्हारे पास आए थे जब हम चाहते थे कि ओडीसियस अपने बेड़े के साथ इलियम तक आए?' पूरे एक महीने तक

हमें उस विशाल खाई को पार करने में समय लगा, क्योंकि नगरों को तबाह करने वाले ओडीसियस को मनाना इतना कठिन था।
‘एट्रियस के सबसे प्रसिद्ध पुत्र, राजाओं के राजा एगामेम्नन,’
एम्फिमेडन की आत्मा ने उत्तर दिया, ‘जी महाराज, मुझे यह सब याद है। इसलिए मैं आपको हमारी मृत्यु के दुर्भाग्यपूर्ण संयोग का पूरा और सटीक विवरण देता हूँ। ओडीसियस लापता था: इसलिए हम उसकी पत्नी को रिझाने में जुट गए। उसने कभी यह स्वीकार नहीं किया कि हमारे प्रस्ताव घृणित थे, ठीक वैसे ही जैसे वह हममें से किसी एक के बारे में निर्णय नहीं लेती: फिर भी वह अपने मन ही मन हमारी काली मृत्यु और विनाश की योजना बना रही थी। उस क्षण उसने एक और तरकीब सोची, अपने कक्ष में एक बड़े करघे पर एक बहुत चौड़ा, महीन ताना लगाकर; और उसने हमसे विनती करते हुए कहा, “मेरे स्वामियों और दरबारियों, महान ओडीसियस की मृत्यु हो चुकी है, क्या आप मेरी शादी कराने की जल्दबाजी को तब तक रोक सकते हैं, जब तक मैं उस भयानक दिन वीर लेर्टेस के अंतिम संस्कार के लिए यह कफ़न पूरा न कर लूँ, जिस दिन सर्वविजयी मृत्यु उसे अपने अधीन कर लेगी? मैं नहीं चाहती कि मेरे धागे बेकार पड़े रहें, कहीं ऐसा न हो कि जिले की कोई अचेयन स्त्री मुझे एक धनी पुरुष को बिना कफ़न के दफनाने के लिए दोषी ठहराए।” यह उसकी विनती थी और हम स्वामियों ने इसे स्वीकार कर लिया। वह दिनभर अपने इस बड़े काम में लगी रहती, लेकिन अंधेरा होने पर मशाल की रोशनी में उसे खोल देती। तीन साल तक उसने यह छल जारी रखा और अचेयनों को मूर्ख बनाया; लेकिन जब चौथा साल आया और दिन-महीने मौसम के अनुसार बदलते रहे, तो उसकी एक दासी (जो जानती थी) ने उसकी शिकायत कर दी और हमने उसे उस शानदार कपड़े को खोलते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इससे उसे, बड़ी अनिच्छा से, उसे पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब उस विशाल चादर को धोकर प्रदर्शित किया गया, तो उसकी चमक सूर्य या चंद्रमा के समान थी – परन्तु उसी दिन किसी शत्रुतापूर्ण शक्ति ने ओडीसियस को उसके एकांत घर में वापस खींच लिया, जहाँ उसका चरवाहा रहता था। वहाँ उसका पुत्र भी आ पहुँचा, जो समुद्री यात्रा के बाद पाइलोस से लौटा था; और उन दोनों ने शहर जाने से पहले ही, उन दोनों प्रेमियों की हत्या की योजना बना ली। टेलीमाकस सबसे पहले निकला, उसके पीछे ओडीसियस चरवाहे के मार्गदर्शन में, एक थके-हारे, दयनीय भिखारी की तरह, फटे-पुराने वस्त्र पहने और बैसाखी के सहारे लंगड़ाते हुए चल रहा था। ऐसे फटे-पुराने वस्त्रों में उसके अचानक प्रकट होने पर हममें से कोई

कलंक।’ ये बातें वे दोनों पाताल लोक के गुप्त स्थानों में, जहाँ वे खड़े थे, एक-दूसरे से कह रहे थे।
इसी बीच ओडीसियस और उसके साथी शहर से आगे निकल गए। जल्द ही वे लाएर्टेस की समृद्ध जागीर पर पहुँच गए, जिसे उसने वर्षों पहले बड़ी मेहनत से हासिल किया था। वहाँ उसका घर था, जिसके चारों ओर झोपड़ियाँ बनी हुई थीं, जिनमें उसके सेवा-भाव रखने वाले दास खाते-पीते और सोते थे। वहीं, मुख्य घर में उसने एक बूढ़ी सिसिलियन महिला को रखा हुआ था, जो शहर से इतनी दूर स्थित इस खेत में अपने बूढ़े स्वामी की लगन से देखभाल करती थी। अब ओडीसियस ने अपने बेटे और दासों को कुछ कहा। उसने कहा, “तेजी से उस अच्छे बने हुए घर में चलो और वहाँ उनके सबसे अच्छे सूअरों का इस्तेमाल हमारे भोजन के लिए करो; इस बीच, विदेश में मेरी लंबी अनुपस्थिति को देखते हुए, मैं यह देखने जाता हूँ कि क्या मेरे पिता मुझे फिर से पहचानते हैं या नहीं।” उसने अपने हथियार दोनों दासों को सौंप दिए, जो सीधे अंदर चले गए, और ओडीसियस अपने खोज पर आगे बढ़ते हुए समृद्ध फलों के खेत से होकर गुजरा।
वह बड़े बगीचे में गया, लेकिन उसे न तो डोलियस मिला, न ही कोई और दास या दासों का पुत्र। सभी लोग उस बूढ़े आदमी के मार्गदर्शन में अंगूर की बेलों की दीवार बनाने के लिए पत्थर इकट्ठा करने गए थे। इसलिए उसने देखा कि उसका पिता साफ-सुथरे अंगूर के बाग में अकेला एक बेल के पौधे के चारों ओर कुदाल चला रहा था। उसके गले में जो मैला सा कुर्ता था, वह पैबंद लगा हुआ और घटिया था। खरोंचों से बचने के लिए उसने गाय की चमड़ी से बनी फटी हुई टांगें पहन रखी थीं, और कंटीली झाड़ियों से बचने के लिए उसने दस्ताने पहन रखे थे, साथ ही सिर पर बकरी की चमड़ी की टोपी भी थी: ये सब उसकी निराशा को स्पष्ट कर रहे थे। जब ओडीसियस को अपने पिता के रूप में इस कमजोर, हृदयविक्षत बूढ़े व्यक्ति के बारे में पता चला, तो वह एक ऊंचे नाशपाती के पेड़ के नीचे रुककर एक आंसू बहाने लगा। उसका दिल और दिमाग पूछ रहे थे कि क्या वह अपने पिता को चूमकर गले न लगा ले और उन्हें यह न बता दे कि वह कैसे वापस लौटे और अपनी जन्मभूमि को पुनः प्राप्त किया - बजाय इसके कि पहले उनसे पूछताछ करे और हर तरह से उनकी परीक्षा ले - लेकिन विचार करने के बाद उसने उन्हें गहन पूछताछ से घेरना ही उचित समझा।
इसी मनोदशा में ओडीसियस उसके पास पहुँचा: पर उसने अपना सिर झुका रखा था और अपनी बेल की देखभाल में तब तक लगा रहा जब तक कि उसका प्रसिद्ध पुत्र

उसके पास आकर बोला, “बूढ़े, पेड़ों की देखभाल में आप वाकई माहिर हैं। इनसे कितना लाभ होता है! पूरे बगीचे में एक भी पौधा - अंजीर, अंगूर, जैतून, नाशपाती या सब्जी का पौधा - ऐसा नहीं है जो बगीचे में अपना योगदान न दे रहा हो। फिर भी, मैं एक बात कहना चाहूँगा, और इसे बुरा मत मानना। आपकी हालत कुछ खास अच्छी नहीं लगती। बुढ़ापा आप पर हावी हो रहा है, फिर भी आप दुबले-पतले और दयनीय रूप से कपड़े पहने हुए हैं। आलस्य से मालिक को इस उपेक्षा का कोई कारण नहीं मिलता: न ही आपका हावभाव और व्यवहार आपको गुलाम साबित करता है। आपमें एक शाही आभा है, जैसे कोई व्यक्ति स्नान और आराम के बाद बिस्तर पर आराम कर सकता है, जैसा कि बुढ़ापे में उचित होता है। तो अब मुझे स्पष्ट और अच्छी तरह से बताएँ कि आप किसके दास हैं और यह किसका फलों का बगीचा है जिसकी आप देखभाल करते हैं? मुझे सच्चाई विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए चाहिए कि यह वास्तव में इथाका है, जैसा कि अभी रास्ते में मिले एक साथी ने मुझे बताया था।” एक असभ्य व्यक्ति, जिसमें शिष्टाचार की कमी थी, वह मुझे पूरी तरह से जवाब नहीं दे सका और न ही मेरे उस मित्र के बारे में मेरी पूछताछ सुन सका जिसके बारे में मैं जानना चाहता था कि वह अभी भी जीवित है या मरकर पाताल लोक में चला गया है। इसलिए, मैं इसे आपके ध्यानपूर्वक सुनने के लिए विस्तार से बताता हूँ। एक बार अपने प्रिय देश में, मैंने एक ऐसे व्यक्ति की मेजबानी की जो संयोगवश वहाँ से गुजर रहा था: और मेरे पास आने वाले सभी राहगीरों में से किसी का भी इतना स्वागत नहीं हुआ था। उसने स्वयं को इथाका निवासी बताया: उसके पिता आर्सेसियस के पुत्र लाएर्टेस थे। मैं उसे अपने घर ले गया और अपनी सामर्थ्य के अनुसार उसका भरपूर आतिथ्य सत्कार किया। मैंने उसे अवसर के अनुरूप आतिथ्य उपहार भी दिए। मैंने उसे शुद्ध सोने के सात टैलेंट और ठोस चांदी का एक पंखुड़ीनुमा कटोरा दिया; बारह एक जैसे लबादे, उतने ही कालीन, ओवर-मेंटल और कुर्ते दिए: और इन सबके अलावा, चार बेहद सुडौल और आकर्षक स्त्रियाँ भी दीं, जिन्हें उसने स्वयं चुना था। पिता रोते हुए उससे बोले, “अजनबी, तुम जिस भूमि की तलाश कर रहे हो, वहीं हो, पर अफ़सोस, वह निर्दयी और अधर्मी बदमाशों के हाथों में पड़ गई है। तुमने उदारतापूर्वक जो उपहार दिए, तुम्हारे अनेक उत्तम उपहार, सब व्यर्थ हो गए। यदि तुम उस व्यक्ति को यहाँ इथाका में उसके देश में पाते, तो वह तुम्हारा हार्दिक स्वागत करता, जैसा कि एक प्रमुख उपकारक का कर्तव्य होता है, और तुम्हें उपहारों का अच्छा प्रतिफल देता। परन्तु मुझे यह ठीक-ठीक

बताओ: – कितने वर्ष हो गए जब तुमने अपने अतिथि, अपने अभागे अतिथि, मेरे पुत्र – काश मेरा पुत्र होता? – उस दुर्भाग्यशाली पुत्र का स्वागत किया था, जिसे गहरे समुद्र की मछलियाँ निगल गई हों, या मैदान के पक्षियों और पशुओं ने खा लिया हो, अपने मित्रों और देश से दूर? उसकी माता और उसके पिता, हम उसके माता-पिता, ने न तो उसके शरीर को कफ़न पहनाया है और न ही उसके लिए शोकगीत गाया है।” उनकी धनी पत्नी, वफादार पेनेलोप, ने कभी भी अपने पति की अर्थी पर एक पत्नी की तरह विलाप नहीं किया, न ही मृतक के प्रति अपने धार्मिक कर्तव्य का पालन करते हुए उनकी आँखें बंद कीं। मुझे अपने बारे में सारी सच्चाई बताओ: तुम्हारा शहर और तुम्हारे लोग? वह तेज़ जहाज़ कहाँ है जिसमें कुशल चालक दल था जो तुम्हें लाया था? या क्या तुम किसी और के जहाज़ में यहाँ आए थे जिसने तुम्हें उतारा और चला गया?
धूर्त ओडीसियस ने उत्तर दिया और कहा: “जी हाँ, सच सुनो। मैं एलीबास से
हूँ, जहाँ मेरा घर प्रसिद्ध है। मेरे पिता अफीदास हैं, जो पॉलीपेमोन के पुत्र और शाही खानदान के हैं। मेरा नाम एपेरिटस है। किसी अनचाही प्रेरणा ने मुझे सिकानिया से यहाँ खींच लाया। मेरा जहाज शहर के पार खुले तट पर खड़ा है। जहाँ तक ओडीसियस की बात है, उसे मेरे देश से विदा लिए पाँच वर्ष हो गए हैं। दुर्भाग्यशाली व्यक्ति – फिर भी पक्षियों के शगुन उसके पक्ष में थे, जब वह जा रहा था। इससे मुझे उसे विदा करने की खुशी हुई और उसे जाने की। हम दोनों अपने मन में एक और मुलाकात की उम्मीद कर रहे थे ताकि बहुमूल्य उपहारों के साथ अपनी मित्रता को और मजबूत कर सकें।”
इस खबर ने बूढ़े को गहरे गम में डुबो दिया। वह गहरी और लंबी आहें भरते
हुए अपनी हथेलियों में धूल भरकर अपने सफेद बालों वाले सिर पर डाल ली। यह देखकर ओडीसियस का दिल दहल गया; अपने प्यारे पिता को इस हालत में देखकर उसकी नाक में दर्द की एक लहर दौड़ गई। वह उछलकर आगे बढ़ा और उन्हें बाहों में भरकर चूमते हुए रोते हुए बोला, ‘हे मेरे पिता, मैं ही वह हूँ जिसके बारे में आप पूछ रहे हैं, जो बीसवें वर्ष में घर लौटा हूँ। अपनी आहें और सिसकियाँ बंद करो – क्योंकि मैं तुम्हें जल्द से जल्द यह बताना चाहता हूँ कि मैंने अपने घर में उन सभी दूल्हों को मार डाला है, उनके घोर दुराचार और अधर्म का दंड देने के लिए।’
लार्टेस विलाप करते हुए बोला, ‘यदि तुम मेरे पुत्र ओडीसियस हो, तो मुझे कोई स्पष्ट संकेत दिखाओ जिससे मैं विश्वास कर सकूँ।’ ओडीसियस ने तत्परता

से उत्तर दिया, ‘पहले इस निशान को देखो, जो मुझे उस समय सूअर के सफेद दांत से लगा था जब मैं पारनासस में था, जब तुमने और मेरी माँ ने मुझे उसके पिता ऑटोलिकस के पास भेजा था, उन उपहारों के बाद जो उसने हमारे घर में रहने के दौरान मेरे लिए प्रस्तावित और वादा किए थे। फिर मैं तुम्हें औपचारिक उद्यान में लगे पेड़ों की कहानी सुनाता हूँ – वे पेड़ जो तुमने मुझे एक बार दिए थे जब मैं एक बच्चा था और तुम्हारे पीछे-पीछे घूमता था और जो कुछ भी देखता था, उसके बारे में पूछता था। हम इन्हीं पेड़ों के बीच चल रहे थे जब तुमने मुझे प्रत्येक पेड़ का नाम और प्रकार बताया था। तुमने मुझे तेरह नाशपाती के पेड़, दस सेब के पेड़, चालीस अंजीर के पेड़ दिए थे: तुमने मुझे उन पचास पंक्तियों वाली अंगूर की बेलों के बारे में भी बताया था जो अपने समय पर पकेंगी, ताकि अंगूर के गुच्छे लगातार लगे रहें, जैसे-जैसे ज़्यूस के मौसम उन्हें ऊपर से भरते रहेंगे।’
ये शब्द सुनकर लेर्टेस के घुटने और दिल कांपने लगे, क्योंकि उसने अपने बेटे द्वारा दिए गए स्पष्ट प्रमाणों को पहचान लिया था। उसने शक्तिशाली ओडीसियस को पकड़ लिया, जिसने बेहोश हो रहे बूढ़े को अपनी छाती से लगा लिया और तब तक पकड़े रखा जब तक उसकी सांसें वापस नहीं आ गईं और उसमें फिर से जान नहीं आ गई। फिर लेर्टेस ने पुकारा, 'पिता ज़्यूस, अगर वाकई में शादी के प्रस्ताव देने वालों को उनके घमंड का दंड मिल गया है, तो ऊंचे ओलंपस पर अभी भी देवता हैं। फिर भी, मेरे मन में यह भयानक भय बैठा हुआ है कि अब इथाका के सभी लोग यहाँ हमारे खिलाफ इकट्ठा हो जाएंगे, और सेफाल्नियाई शहरों में शोर मचाएंगे।'
“इससे डरने की कोई ज़रूरत नहीं,” ओडीसियस ने उत्तर दिया, “और न ही इसे अपने मन में जगह दो। चलो पास के बगीचे वाले घर में, जहाँ मैंने टेलीमाकस को ग्वाले और सूअर चराने वाले के साथ भेजा है, ताकि जल्दी से भोजन तैयार किया जा सके।” और वे दोनों बातें करते हुए उस सुंदर घर की ओर चल पड़े, जिसकी मजबूत दीवारों के भीतर टेलीमाकस और चरवाहे भरपूर मांस काट रहे थे और बढ़िया शराब मिला रहे थे। वहाँ उसकी सिसिली की पत्नी ने ईमानदार लेर्टेस को नहलाया और उसे तेल लगाया, फिर उसे एक सुंदर लबादा पहनाया: जबकि एथेना नीचे आई, ताकि लोगों के इस चरवाहे के कद और शरीर को और भी बढ़ा सके, उसके अंगों को इतना गरिमापूर्ण बना दिया कि स्नान से निकलने वाला वह व्यक्ति किसी अमर व्यक्ति जैसा लग रहा था। उसके चकित पुत्र ने अपने आश्चर्य को

शब्दों में व्यक्त किया। ‘पिताजी,’ उसने कहा, ‘निश्चित रूप से किसी शाश्वत देवता ने आपको लंबा और अधिक आकर्षक बनाया है,’ जिस पर उस बुद्धिमान वृद्ध ने उत्तर दिया, ‘काश, ज़्यूस, एथेन और अपोलो मुझे वह व्यक्ति बना देते जो मैं उस समय था जब मैं अपने सेफैलेनियों का राजा बनकर उन्हें मुख्य भूमि के उस महान किले नेरिकस पर विजय दिलाने के लिए नेतृत्व कर रहा था! यदि मेरा वह पुराना योद्धा रूप कल हमारे घर में आपके साथ होता और आपको विवाह के प्रस्ताव देने वालों को खदेड़ने में मदद करता, तो मैं कई लोगों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देता और आपके हृदय को प्रसन्न कर देता।’
वे तब तक बातें करते रहे जब तक कि बाकी लोग भोजन तैयार करने का काम
समाप्त करके अपने-अपने सिंहासनों या कुर्सियों पर क्रम से बैठ नहीं गए। वे भोजन परोस ही रहे थे कि बूढ़ा डोलियस अपने बेटों के साथ, जो परिश्रम से हाँफ रहे थे, वहाँ पहुँच गया। उनकी माँ, बूढ़ी सिसिलियन महिला, जो अपने वृद्ध स्वामी के प्रति अत्यंत स्नेह रखती थी, फिर भी उनकी देखभाल करती थी, बाहर दौड़कर आई और उन्हें अंदर बुलाया। जब उन्होंने ओडीसियस को देखा और फिर से उसकी ओर ध्यान दिया तो वे हॉल में अवाक खड़े रह गए: लेकिन ओडीसियस ने मीठे शब्दों से उन्हें मोहित कर लिया, “हे वृद्ध, अपनी हैरानी भूल जाइए और भोजन करने बैठ जाइए। हम काफी देर से घर में भोजन शुरू करने के लिए उत्सुक थे; लेकिन हम पल भर के लिए आपकी प्रतीक्षा करते रहे।” डोलियस ने उसकी बात सुनी और बाहें फैलाकर आगे दौड़ा और ओडीसियस का हाथ पकड़कर उसकी कलाई चूम ली, साथ ही उत्साह से चिल्लाया, “मेरे प्रिय, अब आप उन लोगों के पास लौट आए हैं जिन्होंने आपसे प्रेम किया, आपका इंतज़ार किया और आपके लिए तरसे – अब देवता आपको घर ले आए हैं – आपका हार्दिक स्वागत है! ईश्वर आपको सुख प्रदान करें।” लेकिन मुझे यकीन दिलाइए कि पेनेलोप को आपके लौटने की खबर है। वरना हमें दूत भेजना पड़ेगा।’ इस पर ओडीसियस ने कहा: ‘हे प्राचीन, उसे पहले से ही पता है; आपको इसमें दखल देने की कोई ज़रूरत नहीं है।’ और आदरणीय डोलियस अपनी पॉलिश की हुई बेंच पर लौट गए, जबकि उनके बेटे प्रसिद्ध ओडीसियस के चारों ओर जमा हो गए, उनका अभिवादन किया और उनसे हाथ मिलाया। फिर वे अपने पिता के बगल में ठीक से बैठ गए और घर में अपना भोजन करने में व्यस्त हो गए।
इस बीच शहर में दूर-दूर तक यह अफवाह फैल गई कि सभी दावेदारों को मौत के घाट उतार दिया गया है। जब लोगों ने यह सुना तो वे चारों ओर से विलाप करते

जनमानस के चरवाहे मेंटर की, कि तुम अपने बेटों को उनकी नासमझी भरी हरकतों से रोक सको। जानबूझकर और मनमानी से उन्होंने एक सदाचारी व्यक्ति की संपत्ति को नष्ट कर दिया और उसकी पत्नी का अपमान किया, क्योंकि उन्हें लगा कि वह अब लौट नहीं सकता। लेकिन अब मेरी सलाह मानो और स्थिति को यथावत रहने दो। अगर हम कोई और कदम उठाएँ, तो शायद कुछ लोग बुराई का पराक्रम देखेंगे।” इस प्रकार उन्होंने सलाह दी और कुछ लोग अपने स्थान पर ही रहे; परन्तु शेष, यानी अधिकांश लोगों ने यूपेइथेस की सलाह को प्राथमिकता दी और युद्धघोष करते हुए उठ खड़े हुए। वे हथियार लेकर दौड़े और अपने शरीर को चमकीले कांसे से सजा लिया, फिर विशाल नगर के बाहर बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। यूपेइथेस उनका नेतृत्व कर रहा था, अपने पुत्र की हत्या से व्याकुल और उसका बदला लेने की सोच रहा था: जबकि अंततः उसे स्वयं मृत्यु का सामना करना पड़ा और वह कभी वापस नहीं लौटा।
स्वर्ग में एथेना ने क्रोनोस के पुत्र ज़्यूस से विनती की। “हे हमारे पिता और राजाओं के राजा, मेरी प्रार्थना का उत्तर दीजिए और अपने मन की गुप्त योजना स्पष्ट कीजिए। क्या आप एक नया क्रूर युद्ध, और अधिक युद्ध का शोर मचाएंगे? या उन्हें फिर से एक-दूसरे से प्रेम करने के लिए प्रेरित करेंगे?” तब बादलों के स्वामी ने उत्तर दिया, “पुत्री, मुझसे यह प्रश्न क्यों पूछ रही हो? यह सब तुम्हारी ही देन है। क्या तुमने ओडीसियस के आगमन की योजना नहीं बनाई थी कि वह उन सभी दावेदारों से बदला ले? अब इसे अपनी इच्छा अनुसार अंजाम दो, हालांकि मैं तुम्हें उचित मार्ग बताऊंगा। महान ओडीसियस ने अपना बदला ले लिया है। दोनों पक्ष एक बाध्यकारी संधि करें, जिसके अनुसार वह उनका राजा बना रहेगा: जबकि हम लोगों के सगे-संबंधियों के इस नरसंहार को स्मृति से मिटा देंगे। तब वे एक-दूसरे से पहले की तरह प्रेम करेंगे और शांति, समृद्धि का बोलबाला होगा।” उनके शब्दों ने एथेना को उत्साहित कर दिया, जो पहले से ही उत्सुक थी। वह ओलंपस की चोटी से नीचे की ओर तेज़ी से दौड़ी।
खेत में पुरुषों ने शहद जैसे मीठे भोजन से अपनी लालसा पूरी कर ली थी। ओडीसियस उन्हें निर्देश देने लगा। उसने कहा, 'तुममें से कोई एक देखे कि कोई दुश्मन तो नहीं आ रहा है,' और तदनुसार डोलियस का एक पुत्र दहलीज पर गया: जहाँ से उसने भीड़ को बिल्कुल पास देखा। इसलिए उसने जल्दी से ओडीसियस को पुकारा, 'वे हम पर टूट पड़े हैं। हमारे हथियार! जल्दी!' वे उछल पड़े और

हथियार उठा लिए। ओडीसियस के साथ चार लोगों के अलावा, डोलियस के छह पुत्र थे; यहाँ तक कि बूढ़े लेर्टेस और डोलियस ने भी जरूरत पड़ने पर युद्ध के लिए खुद को फिर से तैयार कर लिया। उन्होंने फाटक खोल दिया और बाहर निकल पड़े, सभी चमकदार कांसे के कवच पहने हुए थे, ओडीसियस आगे-आगे चल रहा था। एथेना, जो मेंटर की तरह बोलती और दिखती थी, उनके साथ शामिल हो गई, जिससे ओडीसियस प्रसन्न हुआ, जिसने अपने पुत्र को समझाया: 'मेरे टेलीमाकस, तुम ऐसे युद्ध में भाग ले रहे हो जहाँ सर्वश्रेष्ठ ही जीतेगा।' “तुरंत सीख लो कि अपने वंश को कलंकित न करो: हमारे वंश की वीरता और कौशल के लिए विश्व भर में ख्याति रही है” – और इस पर टेलीमाकस ने उचित उत्तर दिया, “प्रिय पिता, यदि आप देखना चाहें, तो आप मुझे ऐसे रूप में देखेंगे जो वास्तव में मेरे पूर्वजों को कलंकित नहीं करेगा, जैसा कि आपने कहा है।” लैर्टेस, जिसने उनकी बातें सुन ली थीं, प्रसन्नता से चिल्ला उठा, “हे भगवान, मेरे लिए क्या दिन है! हे आनंद, मेरे पुत्र और मेरे पुत्र के पुत्र को वीरता की लड़ाई में प्रतिस्पर्धा करते देखना!”
एथेन लार्टेस के पास आकर फुसफुसाई, “आर्सेसियस के पुत्र, जिसे मैं
अपने सभी मित्रों में सबसे प्रिय मानती हूँ, धूसर आँखों वाली देवी और पिता ज़्यूस से प्रार्थना करो, फिर अपने लंबे भाले को तैयार करो और चलाओ।” उसके शब्दों ने लार्टेस में जोश भर दिया। उसने महान ज़्यूस की पुत्री का आह्वान किया, एक क्षण के लिए हथियार को संतुलित किया और उसे यूपेइथेस के हेलमेट के कांसे के हिस्से पर फेंका, जो भाले का प्रतिरोध नहीं कर सका। भाले की नोक आर-पार हो गई और कवच की खनक के साथ वह आदमी नीचे गिर पड़ा।
ओडीसियस और उसका वीर पुत्र अग्रिम पंक्ति पर टूट पड़े, तलवारों से वार करते हुए और भालों से प्रहार करते हुए। वे उन्हें काट कर नष्ट कर देते यदि एजिस धारण करने वाले ज़्यूस की पुत्री एथेना ने इतनी ज़ोर से दहाड़ न लगाई होती कि सेना रुक गई। “इथाका के लोगो, अपनी घातक लड़ाई लड़ो! रक्तपात के बिना ही लड़ाई का समाधान है।” देवी की आवाज़ से वे भयभीत हो गए। घबराहट में उनके हाथ से हथियार फिसल गए और देवी के आह्वान पर ज़मीन पर गिर पड़े। वे अपनी जान बचाने के लिए शहर की ओर मुड़ गए, जबकि महान और धीरज रखने वाले ओडीसियस ने गर्जना करते हुए छलांग लगाई और एक चील की तरह उनके पीछे दौड़ पड़े।

लेकिन तुरंत ही क्रोनोस के पुत्र ने अपना भयानक लेविन फेंक दिया, जो
धूसर आँखों वाली देवी, भयानक पिता की अपनी संतान के सामने जा गिरा; तब एथेना ने ओडीसियस से कहा, 'हे स्वर्ग से पोषित लेर्टेस के पुत्र, अनेक छल-कपटों वाले ओडीसियस, वापस लौट आओ। इस गृहयुद्ध को रोक दो। दूरदर्शी ज़्यूस को क्रोधित मत करो।'
तो एथेन ने कहा, जो कवच धारण करने वाले ज़्यूस की पुत्री थी। ओडीसियस
ने मन ही मन प्रसन्न होकर आज्ञा का पालन किया: और पल्लास ने, जो अभी भी मेंटर के रूप और वाणी में थी, उनके बीच शाश्वत काल के लिए एक समझौता कर लिया।

***** समाप्त *****

यह संस्करण आर्कटुरस पब्लिशिंग लिमिटेड द्वारा 2020 में प्रकाशित किया गया था।
26/27 बिकल्स यार्ड, 151–153 बर्मंडसे स्ट्रीट, लंदन SE1 3HA
कॉपीराइट © आर्कटुरस होल्डिंग्स लिमिटेड
सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी भाग कॉपीराइट अधिनियम 1956 (संशोधित रूप में) के प्रावधानों के अनुसार पूर्व लिखित अनुमति के बिना पुनरुत्पादित, किसी भी पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य किसी भी प्रकार से प्रसारित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकाशन के संबंध में कोई भी अनधिकृत कार्य करने वाला व्यक्ति आपराधिक अभियोजन और क्षतिपूर्ति के लिए दीवानी दावों का पात्र हो सकता है।